



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—SECTION 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 82]

नई दिल्ली, बुधवार, अप्रैल 12, 1985/चैत्र 22, 1907

No. 82]

NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 12, 1985/CHAITRA 22, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

वाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना सं० 2-आई० टी० सी०(पी० एन०)/85-88

नई दिल्ली, दिनांक 12 अप्रैल 1985

विषय:—1985-88 के लिए आयात-निर्यात, प्रक्रिया पुस्तक।

इस सार्वजनिक सूचना के अनुबन्ध में आयात-निर्यात प्रक्रिया पुस्तक, 1985-88 दी गई है।

प्रकाश चन्द जैन

मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात

प्रति सभी सम्बन्धों को,

आदेश आदि से,

ओ० पी० गहरोला

संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात

(फाइल सं० एच० बी०/विनिमय85/88/1 से जारी)

अध्याय 1

प्रस्तावना

1. उद्देश्य :

भारत में आयात व्यापार नियंत्रण को द्वितीय महा-युद्ध के प्रारम्भिक काल में युद्धकालीन उपाय के रूप में आरम्भ किया गया था। इस संबंध में भारत रक्षा नियन्त्रावली

के अधीन प्रदत्त अधिकारों को लागू करने के लिए 20 मई, 1940 को एक अधिसूचना जारी की गई। इस अधिसूचना का मुख्य उद्देश्य विदेशी मुद्रा के स्रोतों को सुरक्षित करना और वास्तविक आयात पर प्रतिबन्ध लगाना था जिससे कि जलयानों

के लिए उपलब्ध सीमित स्थान पर पड़ने वाले दबाव को कम किया जा सके। प्रारंभिक आदेश के अनुसार आयात की जाने वाली केवल उन 68 वस्तुओं पर नियंत्रण लागू किया गया जिनमें ज्यादातर उपभोक्ता वस्तुएं थीं। विदेशी मुद्रा के स्रोतों पर दबाव पड़ने के कारण बाद में आयात नियंत्रण अन्य वस्तुओं पर भी लागू कर दिया गया। 31 दिसम्बर, 1940 को कच्चे इस्पात और अर्धविनिर्मित इस्पात पर भी नियंत्रण लागू कर दिया गया। 15 फरवरी, 1941 को मशीन के औजारों के आयात पर भी नियंत्रण लागू कर दिया गया। 23 अगस्त, 1941 को बहुत-सी अन्य वस्तुओं को विशेषकर पूंजीगत माल और औद्योगिक आवश्यकता की वस्तुओं को भी आयात नियंत्रण की सीमा में ले लिया गया। इस प्रकार आयात नियंत्रण के अन्तर्गत जाने वाली वस्तुओं की सीमा बढ़ती गई। जनवरी, 1942 में कुछ और मदें भी इसकी सीमा में ले ली गईं। 1 जुलाई, 1943 को अंतिम रूप से एक समीकृत अधिसूचना जारी की गई जिसमें मशीन के औजारों के अतिरिक्त सभी नियंत्रित मदें शामिल थीं।

2. विधान का विकास

युद्ध समाप्त होने पर भारत रक्षा नियमावली रद्द हो गई, इसलिए आयात व्यापार नियंत्रण उपबन्धों को जारी रखने के लिए सितम्बर, 1946 में आपात उपबन्ध (जारी रखना) अध्यादेश, 1946 जारी किया गया। अंत में इन नियमों के बदले में आयात और निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) बनाया गया जो शुरू में 25 मार्च, 1947 से तीन वर्ष के लिए लागू किया गया है। तत्पश्चात्, इस अधिनियम की वैधता 5-5 वर्ष की दो अवधियों के लिए लगातार बढ़ा दी गयी, जिसकी पहली अवधि छः वर्ष थी और इसके बाद की दूसरी अवधि 31 मार्च, 1971 तक 5 वर्ष की थी। इसके बाद इस अवधि को अनिश्चित काल के लिए बढ़ा दिया गया। इस अधिनियम के अधीन समय-समय पर अनेक अधिसूचनाएं जारी की गईं। इनकी जगह 7 दिसम्बर, 1955 को आयात (नियंत्रण) आदेश सं. 17/55 के नाम से समीकृत आदेश जारी किया गया। इस आदेश में समय-समय पर संशोधन किया गया और यह अब तक लागू है। आयात स्विधाओं के दुरुपयोग के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने की दृष्टि से उपबन्ध बनाने के लिए 4 नवम्बर, 1975 का आयात और निर्यात (नियंत्रण) संशोधन अध्यादेश 1975 (1975 की सं. 19) जारी किया गया। बाद में इस अध्यादेश के स्थान पर संसद् ने आयात और निर्यात (नियंत्रण) संशोधन अधिनियम 1976 पारित किया। 12 अप्रैल 1985 तक यथा संशोधित आयात और निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 और आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 इस पुस्तक के परिशिष्ट 1क और 1ख में दिए गए हैं।

3. निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1977 को परिशिष्ट 1-ग में पुनः उद्धृत किया गया है।

नियंत्रण के अधीन जाने वाली मदें

4. वास्तव में आजकल सभी वस्तुएं आयात नियंत्रण के अधीन हैं और इन्हें आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनुसूची 1 में शामिल कर लिया गया है। इस प्रकार की मदों का आयात करना निषेध है। लेकिन, लाइसेंस के अन्तर्गत अथवा उक्त आदेश के अंतर्गत जारी किए गए सीमा शुल्क निकासी परमिट अथवा केंद्र सरकार द्वारा जारी किए गए कुछ सामान्य लाइसेंस या यदि वे मदें उक्त आदेश के खण्ड 11 में उल्लिखित किसी शर्त के अन्तर्गत आती हैं, तो उन का आयात किया जा सकता है। सोने, चांदी, करंसी नोट, बैंक नोट और सिक्कों के आयात पर विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम के अंतर्गत रिजर्व बैंक आफ इंडिया का नियंत्रण है।

निर्यात नियंत्रण

5. (1) निर्यात नियंत्रण में केवल निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1977 की अनुसूची 1 में शामिल की गई मदें अर्हती हैं। निर्यात लाइसेंस के बिना निम्नलिखित माल का निर्यात किया जा सकता है:—

(क) वह माल जो उक्त अनुसूची में शामिल न हो; या

(ख) वह माल जो निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1977 की धारा 15 की व्याप्ति के भीतर आता हो; या

(ग) वह माल जो आयात-निर्यात-नीति, 1985-88 में शामिल कुछ सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत आता हो। किसी भी निर्यात लाइसेंस के बिना किया जा सकता है।

(2) सोना, करंसी नोटों, बैंक नोटों और सिक्कों का निर्यात विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम के अधीन भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा नियंत्रित किया जाता है।

आयात/निर्यात नीति

6. (1) आयात/निर्यात नीति भारत के असाधारण राजपत्र में त्रैमासिक सूचनाओं के द्वारा घोषित की जाती है। आयात-निर्यात नीति के खण्डों में जारी की गई है। खण्ड-1 में आयात एवं निर्यात संयोजन के लिए नीति निहित है और खण्ड-11 में निर्यात लाइसेंसिंग शर्त के अधीन मदों के सम्बन्ध में है। ये मूल्यांकित प्रकाशन है और क्षेत्रीय लाइसेंसिंग प्राधिकारियों, प्रकाशन नियंत्रक, दिल्ली और सरकारी प्रकाशनों में अन्य प्राधिकारी व्यापारियों के माध्यम से विक्री के लिए उपलब्ध हैं।

(2) सरकार के उद्देश्य के परिणामस्वरूप आयात एवं निर्यात संबंधी नीतियों में स्थिरता और अविच्छन्नता लाने के लिए इस बार आयात एवं निर्यात नीति 1 अप्रैल, 1985 से 31 मार्च, 1988 तक तीन वर्ष की अवधि के लिए घोषित की जा रही है।

लेकिन, सरकार इस नीति में संशोधन/परिवर्तन करने का अधिकार सुरक्षित रखती है जो कि उपर्युक्त अवधि के दौरान समय-समय पर सार्वजनिक हित में आवश्यक होंगे। संशोधन आवि, यदि कोई हो, तो यथा पूर्व सार्वजनिक सूचनाएं/संशोधन आदेशों, आवि के माध्यम से अधिसूचित किए जाएंगे जो कि समय-समय पर मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात द्वारा जारी किए जाते हैं। उक्त नीति पुस्तक के प्रावधान समय-समय पर अधिसूचित ऐसे आशोधनों/संशोधनों के अधीन है।

(3) इस पुस्तक में निहित अनुदेश और गाइडलाइन्स समय-समय पर किए गए इस प्रकार के संशोधनों/परिवर्तनों के अधीन लागू हैं।

(4) यद्यपि यह नीति तीन वर्ष की अवधि के लिए है, लाइसेंसिंग वार्षिक आधार पर लागू रहेगा और सभी हकदारियों अब तक के रूप में, तबनुसार ओकी जाएगी।

(5) इस पुस्तक में जहाँ कहीं "वर्ष" अथवा "लाइसेंसिंग वर्ष" प्रयुक्त होते हैं, उनका अर्थ 1 अप्रैल से 31 मार्च तक प्रारम्भ होने वाले "वित्तीय वर्ष" से लगाया जाना चाहिए।

(6) मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात सार्वजनिक सूचना जारी करके किसी भी लाइसेंस अवधि या पण्य वस्तु या आयातकों/निर्यातकों की किसी भी श्रेणी के सम्बन्ध में आयात-निर्यात लाइसेंस जारी करने के लिए कोई भी विशेष क्रियाविधि प्रस्तुत कर सकते हैं। ऐसे मामलों में आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने के लिए और उन पर विचार करने के लिए निर्धारित क्रियाविधि केवल उसी सीमा तक लागू होगी जो उस सार्वजनिक सूचना में निर्धारित की जाती है।

आयात-निर्यात लाइसेंस प्रक्रिया से छूट

आयात

आयात प्रतिबंधों से छूट

7. (1) आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 के बचाव खंड 11 के अन्तर्गत उल्लिखित माल के आयात के लिए किसी आयात लाइसेंस या सीमाशुल्क निकासी परमिट की आवश्यकता नहीं है।

(2) आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की बचाव कंडिका 11 (1) (क) उस माल के आयात के लिए आयात लाइसेंस अथवा सीमाशुल्क निकासी परमिट प्रस्तुत करने से छूट देता है जिसके माल का आयात भारतीय सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 की धारा-20 के अधीन पुनः आयात करने पर सीमाशुल्क से विमुक्त है। पुनः आयात करने पर आयात लाइसेंस/सीमाशुल्क निकासी परमिट प्रस्तुत करने की यह छूट उस माल के आयात पर भी लागू होगी जिस के लिए आयातक को भारतीय सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 की धारा-20 के प्रावधानों के अनुसार शुल्क कूपसी और निर्यात करने के समय उपलब्ध की गई उत्पाद शुल्क/सीमा शुल्क के बदले में सीमा शुल्क छूकाना है।

8. आयात (नियंत्रण), आदेश, 1955 के उप-खंड 11

(1) (छछ) में यह दिया गया है कि उपहार के रूप में प्राप्त किए गए माल से भिन्न इस खंड के अन्तर्गत आयातित माल के संबंध में भुगतान भारतीय रिजर्व बैंक की अनुमति से विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत व्यापारियों के माध्यम से प्रेषित किया जाएगा। इस संबंध में निम्नलिखित बातें स्पष्ट की जाती हैं:—

(1) कथित उप-खंड में वह उपहार-पार्सल शामिल नहीं है जिसके संबंध में उपहार प्राप्त करने वाले

व्यक्ति द्वारा विदेश में रखी गई विदेशी मुद्रा के संबंध में से भुगतान किया जाता है; और

(2) विदेश में विदेशी मुद्रा का वह लेखा जो भारतीय रिजर्व बैंक की अनुमति से परिचालित किया जा सकता है, उसके लेखाधारी व्यक्ति उक्त उप-खंड के अन्तर्गत आयातित माल के संबंध में ऐसी निधियों में से केवल भारतीय रिजर्व बैंक की अनुमति से, यदि बन्यथा रूप से स्वीकार्य हों जो भुगतान कर सकते हैं।

9. आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 के बचाव खंड 11 (1) के उपखंड (ज) के अनुसार सीमाशुल्क प्राधिकारियों को कार्य निष्पादन संबंधी यह अनुदेश जारी किए गए हैं कि निम्नलिखित किस्मों के माल के आयात को प्रत्येक मास के मामले में उल्लिखित सीमा तक आयात व्यापार नियंत्रण क्रिया-विधियों से छूट दी जाए:—

अभिधीर्षित सिनेमाटोग्राफिक फिल्मों के बांड में रखना

10. सीमाशुल्क प्राधिकारियों द्वारा मॉन्टरशिप पुनरीक्षा या पुनः निर्यात के लिए आयात की गई और बांड में रखने के लिए अनुमत अभिधीर्षित फिल्मों।

अनुमोदन के आधार पर मरकत और अन्य बहुमूल्य रत्नों और हीरों का आयात और निकासी से पहले अन्तर्वस्तुओं की जांच

11. जल मार्ग या वायुमार्ग (डाक से भिन्न) द्वारा आयातित मरकत होरे और अन्य बहुमूल्य पत्थर आ पहुँचने पर निरीक्षण के लिए बांड में रखे जाते हैं। माल की वह मात्रा जो निरीक्षण के पश्चात् अनुमोदित की जाती है, उस की निकासी की अनुमति बैंड आयात लाइसेंस के मद्दे दी जा सकती है।

टिप्पणी—एवंक्त सुविधा डाक पार्सलों द्वारा मरकतों और बहुमूल्य रत्नों के आयात के मामले में उप-सब्ध नहीं होगी क्योंकि यूनिवर्सल पोस्टल कन-वेंशन के अंतर्गत एक पार्सल दो भागों में विभा-जित नहीं किया जा सकता अर्थात् एक भाग रख देने और दूसरा भाग भेजने वाले को लौटा देने के लिए विभाजित नहीं किया जा सकता है। इसलिए, डाक पार्सलों की अंतर्वस्तुएं या तो स्वीकार की जा सकती हैं या कुल मिलाकर अस्वीकार की जा सकती हैं। लेकिन, यदि माल पाने वाला ऐसा चाहेगा तो आयातक या उसके एजेंट को ऐसे डाक पार्सलों की अंतर्वस्तुओं का सीमाशुल्क प्राधिकारियों के पर्यवेक्षण में निरीक्षण करने की सुविधाएं दी जाएंगी। निरीक्षण की अनुमति सीमाशुल्क प्राधिकारी द्वारा निर्दिष्ट समय और तिथि को दी जाएगी। यदि आयातक नियुक्त समय और तिथि को निरीक्षण के लिए नहीं आता है तो पार्सल भेजने वाले की लौटा दिया जाएगा। यदि आयातक पार्सल को स्वीकार कर लेता है तो वह बैंड लाइसेंस के आधार पर इसकी निकासी प्राप्त कर सकता है और पार्सल का सारा मूल्य लाइसेंस के नामे डाल दिया जाएगा और एक बार लाइसेंस के नामे डाला गया मूल्य रद्द नहीं किया जाएगा।

जिन मामलों में विदेश व्यापार में लगे हुए जलयान तटीय व्यापार में हस्तांतरित कर दिए जाते हैं, उनमें पोत के भंडारगारों का हस्तांतरण

12. उन मामलों में जहां विदेश व्यापार में लगे हुए जलयान तटीय व्यापार को हस्तांतरित कर दिए जाते हैं, उनमें जलयान के उपभोग्य भंडार को सीमाशुल्क के भुगतान पर जलयान के साथ ही हस्तांतरित करने की अनुमति दी जाती है।

विज्ञापन ब्लाक्स

13. प्रेषित माल के साथ विज्ञापन ब्लाक्स जो भारतीय प्रेस में विदेशी व्यापार संस्थाओं द्वारा दिए गए विज्ञापन से संबंधित समाचार प्रतिष्ठानों को निःशुल्क भेजे गए हों, बशर्ते कि उनका लागत-बीमा-भाड़ा किसी भी एक समय में उससे संबंधित हो।

साख पदार्थ के पार्सल

14. उपहार के रूप में विदेश से भेजे गए साख पदार्थ के पार्सल।

धर्मार्थ संगठनों/व्यक्तियों द्वारा साख पदार्थ आदि

15. ज्ञान, धर्म या वर्ण के किसी भेद के बिना गरीबों और दरिद्रों को मुफ्त वितरण के लिए किसी विदेशी लोको-कार्य संगठन से या व्यक्तियों से मुफ्त उपहारों के रूप में किसी धर्मार्थ संगठन या किसी व्यक्ति द्वारा प्राप्त वस्तुएं जैसे साख पदार्थ, औषधियां, कगड़े और कम्बल, अधिसूचना सं. 84 कस्टम्स, दिनांक 13-8-1960 (समय-समय पर यथासंशोधित) के अनुसार सीमाशुल्क से मुक्त हैं।

विदेशी नागरिकों द्वारा साख पदार्थ और साख सामग्री

16. भारत में रहता हो परन्तु भारत का नागरिक न हो, ऐसे व्यक्ति द्वारा वे साख पदार्थ और साख सामग्री (फल उत्पाद, अल्कोहल और तम्बाकू को छोड़कर) जो अधिसूचना सं. 135-कस्टम्स, दिनांक 20-6-1966 (समय-समय पर यथासंशोधित) के अनुसार सीमाशुल्क से मुक्त हैं, बशर्ते कि एक व्यक्ति जिसके साथ उस पर निर्भर कोई संबंधी न रहता हो, उसके मामले में एक वर्ष में लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य 800/- रुपये से अधिक न हो और जिस व्यक्ति के साथ उस पर निर्भर कोई संबंधी रहता हो उसके मामले में लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य एक वर्ष में 1600/- रुपये से अधिक न हो।

भारतीय रेडक्रास सोसायटी को मुफ्त उपहार

17. भारतीय रेडक्रास सोसायटी को विदेश से प्राप्त मुफ्त उपहार बशर्ते कि ऐसे माल पर सीमा शुल्क छूट हो।

पेंटिंग्स

18. चिल्ड्रन बक ट्रस्ट, नेहरू हाउस, नई दिल्ली, को संबोधित "शंकर इंटरनेशनल कम्पीटीशन" के लिए बच्चों की पेंटिंग।

निर्यातकों द्वारा नमूने

19. विदेश यात्रा के लिए भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा प्रदान की गई विदेशी मुद्रा की ब्लैंकट रिहाई के मद्दे निर्यात संवर्धन के लिए निर्यातकों द्वारा आयातित नमूने।

सरकारी समझौतों के अधीन राहत सप्लाई और पैकेज

20. विदेशी सरकार के साथ भारत सरकार द्वारा किए गए समझौते में शामिल किसी सरकारी एजेंसी या अन्य अनु-मोचित एजेंसी के माध्यम से समझौते में दी गई शर्तों के अधीन उपहारों के रूप में प्राप्त राहत सप्लाई और पैकेज—बशर्ते कि वे सीमा-शुल्क से मुक्त हों।

वैज्ञानिक उपस्कर

21. वैज्ञानिक अनुसंधान या गैर-वाणिज्यिक शिक्षा के उद्देश्य के लिए शिक्षा व समाज कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा जिन वैज्ञानिक या शैक्षिक संस्थानों (लाभ न कमाने वाले) का अनुमोदन किया जा सकता है या कर दिया गया है, वे पुनः निर्यात की शर्त के अधीन नीचे निर्दिष्ट वैज्ञानिक उपस्कर का आयात कर सकते हैं बशर्ते कि वे उपस्कर अधिसूचना सं. 84/एफ. -11/75-कस्टम-5, दिनांक 11-9-1971 (समय-समय पर यथासंशोधित) के अनुसार सीमाशुल्क से मुक्त हों :—

- (1) वैज्ञानिक उपस्कर जैसे औजार, उपकरण, मशीनें या उनके उप-सामान;
- (2) उपर (1) में उल्लिखित वैज्ञानिक उपस्कर के फालतू पूरों; और
- (3) जो वैज्ञानिक उपस्कर केवल वैज्ञानिक अनुसंधान या शिक्षा के उद्देश्य के लिए उपयोग में लाया जाता है, उसके रख-रखाव, जांच करने, गंजे करने या मरम्मत करने के लिए विशेष रूप से रूपान्कित यंत्र।

लेबल, कीमत टैग और ऐसी ही निर्यात उत्पादों के लिए वस्तुएं

22. (1) भारतीय निर्यातकों को विदेशी क्रेताओं द्वारा दिए गए विशेष आदेशों के आधार पर माल पर लगाए जाने के लिए विदेशी क्रेताओं द्वारा भेजे गए लेबल, कीमत टैग और ऐसी वस्तुओं की निकासी की अनुमति दी जा सकती है, बशर्ते कि सीमाशुल्क प्राधिकारी मामले की प्रमाणिकता से संतुष्ट हों। इस में मुफ्त में संभरित किए जाने वाले "हैगर्स" के वे आमात भी शामिल होंगे जिनका पौधाकों के साथ पुनः निर्यात किया जाता है।

(2) पौधाकों, सलाह से बने हुए वस्त्रों और तैयार मयों के पंजीकृत निर्यातक जब वे बाहर से आ रहे हों तो उन्हें किसी भी आयात नियंत्रण के बिना अधिकतम 1,000 रुपये (लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य) तक के लिए असबाब के एक भाग के रूप में लेबल्स के आयात करने की अनुमति होगी।

यात्रियों का असबाब

23. यात्री के असबाब के रूप में एक व्यक्ति द्वारा आयातित मांटर वाहनों आदि से भिन्न माल के लिए आयात लाइसेंस लेने की आवश्यकता नहीं है, परन्तु यह समय-समय पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क और सीमाशुल्क बोर्ड द्वारा जारी किए गए असबाब नियमों के अधीन प्राप्त सीमा तक कुछ सीमाओं/शर्तों के अधीन है। केवल ऐसी वस्तुओं के लिए यह अनुमति दी जाएगी जो असबाब नियमों के अंतर्गत यथार्थ असबाब समझे जाएंगे।

24. असबाब नियमों के अधीन माल के आयात के लिए सूचिकाओं के ब्योरे देते हुए संबंधित सीमाशुल्क अधिसूचना

और पब्लिक नोटिस परीशिष्ट 1-घ में उद्धृत किए गए हैं। पर्यटकों, कमीदनों के लिए लागू नियम और निवास स्थान हस्तान्तरण नियम भी उसी परीशिष्ट में निहित हैं।

राष्ट्रीय रक्षा कोष को दान

25. राष्ट्रीय रक्षा कोष को दान में दी गई वस्तुएं या रक्षा कर्मचारियों के उपयोग के लिए भारत सरकार को दान में दी गई वस्तुएं और भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी को दान में दिए गए ऊन/ऊनी वस्त्र और ऊनी परिधान, बशर्ते कि ये कस्टम्स अधिसूचना में 168, 169 और 170-कस्टम्स, दिनांक 8-11-1972 (समय-समय पर यथा संशोधित) अनुसार सीमाशुल्क कर से मुक्त हों।

वाणिज्यिक नमूने/विज्ञापन सामग्री

26. वैवाणिज्यिक नमूने और विज्ञापन सामग्री, जिनका आयात 7-11-1952 को जनेवा में हुए अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन के अन्तर्गत और उसके अनुसार सीमाशुल्क कर से मुक्त है। पूर्ण व्योम सन्दर्भ सीमाशुल्क समझौते से प्राप्त किए जा सकते हैं।

आकाशवाणी और दूरदर्शन को टेलीविजन/टैप रिकार्डिंग आदि का उपहार

27. टेलीविजन/टैप रिकार्डिंग, विद्युतीय रिकार्डिंग/डिस्क और ग्रामोफोन रिकार्ड्स के मुफ्त उपहार जिनमें कोई विशेषी भुद्रा शामिल नहीं है और जिनका कोई वाणिज्यिक मूल्य नहीं है, की अनुमति आकाशवाणी अथवा दूरदर्शन को है।

संयुक्त राष्ट्र संघ

28. संयुक्त राष्ट्र संघ के कर्मचारी और इसकी विशेष एजेंसियां जो संयुक्त राष्ट्र (विशेषाधिकार एवं प्रतिरक्षण) अधिनियम, 1947 के अन्तर्गत सीमाशुल्क कर के भुगतान से मुक्त हैं, के द्वारा माल का आयात जिसमें आयात के समय संयुक्त राष्ट्र संघ या इसकी विशेष एजेंसियों द्वारा उनके संयुक्त राष्ट्र संघ के अधिकारियों द्वारा या इसकी विशेष एजेंसियों जो भी हों—द्वारा प्रकाशनों का आयात शामिल है।

अन्तर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय प्रदर्शनियों या मेलों के लिए अपेक्षित प्रदर्शन की वस्तुएं

29. भारतीय व्यापार माल प्राधिकरण या भारत सरकार द्वारा अनुमोदित अन्तर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय प्रदर्शियों या मेलों के संबंध में अपेक्षित गैर-उपभोज्य माल के आयात की अनुमति बिना किसी आयात लाइसेंस या सीमाशुल्क निकासी परमिट के दी जा सकती है बशर्ते कि भारत में आयात की तिथि से 6 महीनों की अवधि के भीतर विषयाधीन माल का पुनः निर्यात किया जाए और माल की निकासी के समय इस उद्देश्य के लिए एक अपेक्षित बांड और बैंक गारन्टी या सक्षम सीमा शुल्क अधिकारी की संतुष्टि के लिए कोई दस्तावेज सीमाशुल्क प्राधिकारियों को भेजा जाए। प्रदर्शनों में संबंधित सामग्री जहां अनुमति है के लिए क्रियाविधि अध्याय-8 में दी गई है।

30. प्रदर्शन की वस्तुओं में संबंधित उपभोज्य मदों जैसे मीठित सामग्री, पैम्फलेट, साहित्य आदि के आयात की भी आयात व्यापार नियंत्रण क्रियाविधि से छूट होगी। विज्ञापन की वस्तुओं के अतिरिक्त 1500 रुपये तक के उपभोज्य माल की निकासी की अनुमति भी सीमाशुल्क प्राधिकारियों द्वारा सीमाशुल्क निकासी परमिट या आयात लाइसेंस के बिना दी जा सकती है।

निजी प्रदर्शनी और प्रदर्शन के उद्देश्य के लिए पुनः निर्यात की शर्त के साथ आयात

31. (1) निजी प्रदर्शनी/प्रदर्शन के उद्देश्य के लिए उपस्कर के आयात की अनुमति बिना किसी भी आयात लाइसेंस सीमाशुल्क निकासी परमिट के दी जाएगी बशर्ते कि विषयाधीन माल आयात करने की तिथि से 6 महीने की अवधि के भीतर पुनः निर्यात किया जाए और सबद्ध सीमाशुल्क प्राधिकारी के माध्यम से और उसके पास से माल की निकासी के समय आयातक इस उद्देश्य के लिए एक बांड और बैंक गारन्टी या सक्षम सीमा शुल्क अधिकारी की संतुष्टि के लिए कोई दस्तावेज का निष्पादन करे।

(2) यदि 6 महीनों की निर्धारित अवधि के भीतर आयातक माल का पुनः निर्यात करने में असमर्थ हो तो वह ऐसी अवधि की वृद्धि के लिए मूल्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली से आवेदन कर सकता है। 6 मास तक की समय वृद्धि के वास्तविक मामलों में आवेदनों पर पात्रता के आधार पर विचार किया जा सकता है।

(3) प्रदर्शन की वस्तुओं की बिक्री, यदि अनुमति हो तो, निर्यात के लिए अनुमति बाण्ड अवधि के भीतर केवल वैध आयात लाइसेंस के मद्दे अनुमति दी जाएगी। यह सुविधा ऐसे वास्तविक उपयोगकर्ताओं को भी उपलब्ध होगी जो खुले सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत उसी माल का आयात करने के लिए पात्र हैं।

विदेशी पर्वत आरोहण अभियान दल द्वारा असबाब के रूप में माल

32. विदेशी पर्वत आरोहण अभियान दलों के सदस्यों द्वारा असबाब के रूप में आयातित माल, बशर्ते कि ऐसा माल :—

- (1) सीमाशुल्क कर के भुगतान से मुक्त हो; और
- (2) माल की निकासी के समय आयातक सीमाशुल्क प्राधिकारियों को यह घोषणापत्र दे कि वह भारत छोड़ेंगे तो गैर-उपभोज्य माल का पुनः निर्यात किया जाएगा।

टिप्पणी :—यदि आयातित माल अभियान दल के किसी एक सदस्य का नहीं है, परन्तु सारे दल का है तो दल के नेता द्वारा उपर्युक्त (2) में उल्लिखित घोषणापत्र दिया जा सकता है; तब यह देखना उसका उत्तर-दायित्व होगा कि उसके द्वारा भारत छोड़ने के समय तक विषयाधीन माल का पुनः निर्यात कर दिया जाता है।

भारतीय डाक्टरों द्वारा चिकित्सा उपस्कर का आयात

33. भारत में व्यवसाय करने के लिए विदेश से लौटने वाले भारतीय डाक्टरों (मेडिकल प्रैक्टीशनरों) को अधिकतम एक लाख रुपये के लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य के नए या उपयोग किए गए चिकित्सा उपस्करों की अनुमति दी जा सकती है बशर्ते कि (1) सम्बद्ध व्यक्ति कम से कम दो वर्षों की अवधि से लगातार विदेश में रह रहा हो; (2) आयातित उपस्कर भारत में उसके अपने निजी पेशे के उपयोग के लिए अपेक्षित हों; (3) विषयाधीन उपस्कर विदेश से उसकी विदेशी भुद्रा की कमाई से खरीदा गया हो। एक लाख रुपये की अधिकतम मूल्य सीमा उन मामलों में लागू नहीं होगी जहां विषयाधीन उपस्कर का उपयोग आयातक द्वारा उसके भारत लौटने से पूर्व विदेश में कम से कम एक वर्ष की अवधि के लिए किया गया हो।

वैज्ञानिकों द्वारा वैज्ञानिक औजारों/उपकरणों का आयात

34. भारत में स्थायी रूप से रहने के लिए जाने वाले उच्च योग्यता प्राप्त वैज्ञानिकों को नए या उपयोग किए गए व्यावसायिक वैज्ञानिक औजारों या उपकरणों के आयात की अनुमति अधिकतम एक लाख रुपये के मूल्य तक बिना किसी आयात लाइसेंस या सीमाशुल्क निकासी परमिट के दी जा सकती है बशर्ते कि :—

- (1) संबंधित वैज्ञानिक कम से कम 2 वर्षों की अवधि से लगातार विदेश में रह रहा हो;
- (2) आयातित उपस्कर की आवश्यकता भारत में उसके निजी उपयोग के लिए हो; और
- (3) उपस्कर विदेश में विदेशी मुद्रा की उसकी निजी कमाई में से खरीदा गया हो।

एक लाख रुपये की अधिकतम मूल्य सीमा उन मामलों में लागू नहीं होगी जहां विषयाधीन उपस्कर का उपयोग आयातक द्वारा उसके भारत लौटने से पूर्व विदेश में कम से कम एक वर्ष की अवधि के लिए किया गया हो, किन्तु कम्प्यूटर सिस्टम के मामले में (चाहे वह नया हो या पुराना) जिस का आयातक द्वारा विदेश में कम से कम एक वर्ष की अवधि के लिए उपयोग कर लिया जाता है तो अधिकतम मूल्य सीमा 10 लाख रुपये लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य तक होगी।

इस उद्देश्य के लिए उच्च योग्यता प्राप्त वैज्ञानिक वह व्यक्ति होगा जो किसी भारतीय विश्वविद्यालय या मान्यताप्राप्त विदेशी विश्वविद्यालय से विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरी या चिकित्सा में स्नातकोत्तर डिग्री या इसके बराबर डिग्री रखता हो और जिसने अपनी विशेषता के क्षेत्र में विदेश में एक साल से अधिक वैज्ञानिक पेशा किया हो।

35. जिस मामले में उपर्युक्त पैरा 33 और 34 में उल्लिखित आयातित चिकित्सा उपस्कर/औजार का मूल्य एक लाख रुपये से अधिक होता हो, उसमें सीमाशुल्क निकासी परमिट जारी करने के लिए मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली को आवेदन-पत्र भेजना चाहिए। यह तभी किया जा सकता है जबकि आयातक उपर्युक्त कण्डिका 33 और 34 में यथा व्यवस्थित उच्च मूल्य सीमा में छूट के लिए पात्र नहीं हैं। ऐसे मामलों में सीमाशुल्क निकासी परमिट 1.5 लाख रुपये के मूल्य तक बिना वैसे निकासी की आवश्यकता के जारी किया जाएगा।

कमियों को दूर करने के लिए माल का पुनः आयात और उसके बाद पुनः निर्यात

36. भारतीय विनिर्मित माल का निर्यात और माल पाने वाले से मरम्मत और पुनः निर्यात के लिए विनिर्माता द्वारा उस माल की वापस प्राप्ति।

खुले सामान्य लाइसेंस सं. 4 के अंतर्गत आयात

37. (1) यथा संशोधित आयात निर्यात नीति में पुनः प्रदर्शित खुला सामान्य लाइसेंस सं. 4 उसमें निर्धारित शर्तों के अधीन लाइसेंस तथा सीमाशुल्क निकासी परमिट के बिना कुछ मदों के आयात की अनुमति देना है। यह सुविधा निम्नलिखित प्रकार से उपलब्ध है :—

- (1) सीमा शुल्क प्राधिकारी खुले सामान्य लाइसेंस सं. 4 के अंतर्गत अनुमति नमूनों और विज्ञापन सामग्री की निकासी की अनुमति दे सकते हैं चाहे सम्बन्धित आयातक को भाड़ा और बीमा खर्च क्यों न देना पड़े, बशर्ते कि नमूनों अथवा विज्ञापन सामग्री का कुल मूल्य जिसमें भाड़ा और बीमा खर्च भी शामिल हो, एक प्रेषण में खुले सामान्य लाइसेंस सं. 4 में दर्शाई गई सीमा से अधिक न हो। ऐसी परिस्थिति में, सीमा शुल्क समाहर्ता संबंधित प्रविष्टि बिल पर समुचित रूप से पृष्ठांकित करेगा ताकि आयातक भाड़ा और बीमा खर्च के सम्बन्ध में भारतीय रिजर्व बैंक से प्रेषण सम्बन्धी सुविधाएं प्राप्त कर सके।
- (2) कुछ मामलों में तत्काल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वास्तविक तकनीकी और व्यापार नमूनों का आयात हुआई भाड़ा पार्सल द्वारा किया जाना चाहिए जबकि प्रेषण का लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य खुले सामान्य लाइसेंस सं. 4 में निर्धारित सीमा से अधिक होता हो। वास्तविक तकनीकी और व्यापार नमूनों की निशुल्क की गई ऐसी आपूर्ति के संबंध में यदि विदेशी संभरक बीमा और वायु भाड़े से संबंधित खर्च भी सहता है तो सीमा शुल्क प्राधिकारी निकासी की अनुमति दे सकता है बशर्ते कि आयात अन्यथा रूप से खुले सामान्य लाइसेंस सं. 4 के अंतर्गत आता हो।
- (3) यद्यपि खुले सामान्य लाइसेंस सं. 4 में किसी विशेष प्रकार के आयातक का उल्लेख नहीं है जो कि नमूने आयात करने के लिए पात्र है, यह स्पष्ट किया जाता है कि केवल ऐसे आयातक जो कि उत्पादन अथवा वाणिज्यिक बिक्री अथवा माल के वितरण से सम्बन्धित हैं वे, विदेशी संभरकों से निःशुल्क नमूने/विज्ञापन सामग्री मंगवा सकते हैं। जो आयातक उत्पादन अथवा वाणिज्यिक बिक्री अथवा वितरण से संबंधित नहीं हैं वे इन रियायतों को प्राप्त करने के हकदार नहीं होंगे। लेकिन, वे निर्यात संवर्धन परिषद और निर्यात सदन जिनके पास मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली द्वारा जारी किए गए निर्यात सदन प्रमाण-पत्र हैं, सीमा शुल्क प्राधिकारियों द्वारा खुले सामान्य लाइसेंस सं. 4 के अंतर्गत तकनीकी और व्यापार नमूनों के आयात के सम्बन्ध में रियायत दी जाएगी।
- (4) व्यापार नमूना वाणिज्यिक प्रयोजनों के लिए सम्बद्ध मद की बिक्री को बढ़ाने के लिए है। विनिर्माता द्वारा तकनीकी नमूने की आवश्यकता उसके अन्तिम उत्पाद(वीं) के डिजाइन को सुधारने/उसका विकास करने के लिए है। खुले सामान्य लाइसेंस संख्या 4 के अंतर्गत व्यापार नमूनों के रूप में आयात की जाने वाली उम मद के लिए सीमा-शुल्क प्राधिकारी अनुमति नहीं देगा यदि विषयाधीन मद पोतलदान के समय चालू नीति के अंतर्गत आयात के दिग्न अनुमति नहीं है। सीमा शुल्क प्राधिकारी तकनीकी नमूने के रूप में आयात की जाने वाली मद के लिए भी अनुमति नहीं देगा यदि

आयातक इस मद के उत्पादन में नहीं लगा हुआ हो और न ही इस स्थिति में हो कि वह सीमा शुल्क प्राधिकारी को संतुष्ट कर सके कि विषयाधीन मद के उत्पादन के लिए उसकी योजना संबंधित प्रायोजक प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित कर दी गई है।

टिप्पणी—वास्तविक तकनीकी और व्यापार नमूनों या विज्ञापन सामग्री के आयात जो उसी संभरक द्वारा उसी प्रेषिणी को भेजे जाते हैं और उसी संल से प्राप्त होते हैं यद्यपि प्रत्येक प्रेषण का मूल्य विशिष्टीकृत मूल्य सीमा से अधिक नहीं होता है तो वे एक प्रेषण में वास्तविक तकनीकी और व्यापार सामग्री अथवा विज्ञापन सामग्री के लिए आयातों के लिए रखी गई सीमा का उल्लंघन समझा जाएगा और इसलिए कुल सामान्य लाइसेंस में निहित सुविधा के लिए पात्र नहीं होंगे।

विदेशी तकनीशियनों द्वारा निजी जसबाज के रूप में निर्माण आजारों का पुनः निर्यात के आधार पर आयात

38. (1) अभियान, अनुसंधान अथवा अनुमोदित कार्य-क्रमों के लिए भारत में आने वाले विदेशी तकनीशियन/विशेषज्ञों को भारत में उनके कार्य से संबंधित आजारों और उपस्करों को पुनः निर्यात के आधार पर सीमा शुल्क निकासी परमिट के बिना ही निकासी के लिए स्वीकृति दी जा सकती है और यह स्वीकृति ऐसी बचनबद्धता के अधीन होगी जिसे सीमा-शुल्क प्राधिकारी आवश्यक समझे।

(2) संरचना कार्य के लिए आने वाले विदेशी तकनीशियनों को संरचना कार्य के लिए आवश्यक संरचना आजार/परीक्षण उपकरण के लिए सीमा-शुल्क निकासी परमिट के बिना ही पुनः निर्यात के आधार पर आयात करने की स्वीकृति दी जाएगी किन्तु यह सीमा-शुल्क प्राधिकारी द्वारा मांगी जाने वाली बचन बद्धता के अधीन होगा।

विदेशी प्रसारकों अर्थात् रेडियो, प्रेस, फिल्मों, ब्रडबर्शन वलॉ और ब्रडबर्शन कम्पनियों द्वारा उपस्करों, कोरी फिल्मों आदि का आयात।

39. (1) भारत आने वाली विदेशी दूरदर्शन, कम्पनियों द्वारा आयात किए गए उपस्कर और कोरी फिल्मों को आयात व्यापार नियंत्रण से छूट दी जाएगी; इसकी शर्त यह होगी कि विदेश मंत्रालय के विदेश प्रसार प्रभाग से और जहां आवश्यक हो, गृह मंत्रालय से भी निकासी प्राप्त करने के बाद, भूमण विदेश मंत्रालय/सूचना और प्रसारण मंत्रालय/पर्यटन विभाग द्वारा प्रायोजित किया गया हो। निकासी की अनुमति देते समय सीमाशुल्क प्राधिकारी आयातक से बैंक गारंटी या अन्य अमानत के साथ इस सम्बन्ध में एक वचनपत्र प्राप्त करेंगे कि भारत छोड़ते समय आयातक आयातित मर्चों का पुनः निर्यात कर देगा।

(2) भारत में फिल्मों की शूटिंग के लिए पुनः निर्यात के आधार पर विदेशी फिल्म कम्पनियों द्वारा सिनेमा उपस्कर और कोरी फिल्म के आयात को आयात व्यापार नियंत्रण प्रतिबन्ध से मुक्त किया गया समझा जाएगा बशर्ते कि विषयाधीन आयात को वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) द्वारा सीमा शुल्क से छूट दी गई हो और इस के लिए या तो सूचना

एवं प्रसारण मंत्रालय या विदेश मंत्रालय (एक्स पी. डी.) द्वारा निकासी प्रदान कर दी गई हो।

भारतीय राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार, पूना द्वारा फिल्मों का आयात

40. भारत के राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार द्वारा और बास फिल्म सोसाइटी, बम्बई द्वारा (1) उपहारों के रूप में (2) या ऋण पर (3) या विनिमय के आधार पर (4) या विभिन्न वेशों से भुगतान के आधार पर फिल्मों के आयात की अनुमति आयात नियंत्रण प्रतिबंधों के बिना दी जायेगी बशर्ते कि आयात सीमाशुल्क के भुगतान से छूट प्राप्त हो।

अन्य कानूनों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना आयात/निर्यात लाइसेंस जारी करना

41. आयात या निर्यात लाइसेंस उन अन्य कानूनों के प्रचालन पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना जारी किया जाता है जिनके अधीन माल या आबेबक/लाइसेंसधारी प्रभावित हो सकते हैं। यह बात कुल सामान्य लाइसेंस में रखे गए आयात/निर्यात के लिए अनुबेब माल के लिए भी लागू होती है। प्रत्येक सम्बद्ध व्यक्ति इस दायित्व के अधीन है कि उनमें सभी समय अपने मामले पर लागू अन्य सभी कानूनों का पालन किया है और करता रहेगा।

आयात/निर्यात के बंध

42. जब तक कि लाइसेंसों में अन्यथा उल्लेख न किया गया हो, आयात और निर्यात के लिए लाइसेंस और कुल सामान्य लाइसेंस दक्षिणी अफ्रीका और दक्षिणी-पश्चिमी अफ्रीका को छोड़कर संसार के किसी भी देश से और किसी भी देश को आयात और निर्यात करने के लिए बंध होंगे।

आयात/निर्यात व्यापार नियंत्रण विनियमनों का अतिरिक्त

43. इस समय लागू आयात और निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 और आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 और निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1977, क्रमशः परिशिष्ट 1-क, 1-ख और 1-ग में उद्धृत किए गए हैं। आयातक, निर्यातक और अन्य संबंधित व्यक्ति अधिनियम और उससे संबंधित आदेशों में दिए गए प्रावधानों को ध्यान पूर्वक पढ़ें क्योंकि उनका किसी प्रकार का उल्लंघन करने पर उन्हें सजा दी जाएगी।

44. अधिनियम के खंड 6 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर केन्द्रीय सरकार ने अधिनियम के खंड 5 के अधीन सजा योग्य किसी भी प्रकार के अपराध के सम्बन्ध में अदालत में लिखित रूप में शिकायत करने के लिए निम्नलिखित प्राधिकारियों को प्राधिकृत किया है :—

(1) संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात (2) उप मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात (3) सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) के अधीन सीमाशुल्क के अधिकारी (4) लोहा एवं इस्पात, नियंत्रक और लोहा एवं इस्पात उपनियंत्रक (5) केन्द्रीय जांच ब्यूरो के आर्थिक जर्म खंड के पुलिस अधीक्षक।

45. जर्मने के अलावा जो कि यथा-संशोधित आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम और सीमा शुल्क अधिनियम 1962 के अधीन लगाए जा सकते हैं जारी किए गए लाइसेंस, जैसा भी मामला हो, आयात (नियंत्रण) आदेश या निर्यात (नियंत्रण) आदेश में उल्लिखित एक या अन्य स्थितियों में रुद्ध अथवा अप्रभावित किए जा सकते हैं।

अध्याय 2

सामान्य लाइसेंस क्रियाविधि

46. इस अध्याय में आयात लाइसेंस क्रियाविधि दी गई है। निर्यात प्रक्रिया अध्याय सं. में दी गई है। इस पुस्तक में दिए गए अनुदेश, सम्बद्ध आयात-निर्यात नीति प्रावधानों के अधीन होंगे।

आयातक का "कोड नम्बर"

47. आयातकों को कोड नम्बर-आवंटन की पद्धति 1 जुलाई 1982 से प्रारम्भ की गई है। भारत में माल आयात करने वाला प्रत्येक व्यक्ति (चाहे वह निजी अथवा फर्म या कम्पनी आदि हो) को कोड नम्बर की आवश्यकता होगी जब तक कि वह मुख्य निर्यातक, आयात-निर्यात द्वारा इससे विशिष्ट रूप से मुक्त न कर दिया गया हो। सीमा शुल्क प्राधिकारी ऐसे किसी भी व्यक्ति को भारत में माल आयात करने के लिए अनुमति नहीं देगा जब तक कि उसके पास वैध आयात कोड नम्बर न हो। अतः आयातकों को सलाह दी जाती है कि वे अपेक्षित कोड नम्बर प्राप्त करने के लिए शीघ्र कदम उठाएं। कोड नम्बरों का आवंटन सम्बद्ध क्षेत्रीय आयात व्यापार नियंत्रण लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा किया जाएगा। कोड नम्बर प्राप्त करने की क्रियाविधि परिशिष्ट-2क में दी गई है।

आयातक की श्रेणी

48. (1) आयातकर्ताओं को लाइसेंस जारी करने के प्रयोजन के लिए निम्नलिखित मुख्य श्रेणियों में बांटा गया है:—

(1) वास्तविक उपयोक्ता

(क) औद्योगिक

(ख) गैर-औद्योगिक

(2) पंजीकृत निर्यातकर्ता अर्थात् जो पंजीकृत निर्यातकर्ताओं के लिए आयात नीति के अन्तर्गत आयात करते हैं।

(3) अन्य

(2) लाइसेंस के आवेदन-पत्रों पर सम्बद्ध लागू नीति के अनुसार विचार किया जाता है।

आवेदन-पत्र प्रपत्र

49. (1) लाइसेंस के लिए आवेदन-पत्र निर्धारित प्रपत्र में होने चाहिए।

2. आवेदन-पत्र लाइसेंस कार्यालयों और सरकारी प्रकाशनों के प्राधिकृत विक्रेताओं से खरीदा जा सकता है। यदि फार्म तुरन्त उपलब्ध नहीं है, तो आवेदक निर्धारित फार्म की टाइप, साइक्लोस्टाइल या मुद्रित प्रतियों का उपयोग कर सकता है।

3. आवेदक को नियमों के अधीन या निर्धारित आवेदन फार्म में निर्दिष्ट मंगी गई आवेदन-पत्र की एक या अधिक प्रतियां प्रस्तुत करनी होंगी।

आवेदन-पत्रों पर हस्ताक्षर करने के लिए प्राधिकृत व्यक्ति

50. आयात लाइसेंस के लिए प्रत्येक आवेदन-पत्र या आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम या आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 के अन्तर्गत अन्य दस्तावेज या प्रपत्र आवेदक द्वारा स्वयं या आवेदक द्वारा विधिवत/कानूनी रूप से प्राधिकृत व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षरित होना चाहिए। आवेदन-पत्र/दस्तावेज/प्रपत्र पर हस्ताक्षर करने वाले व्यक्ति द्वारा धारित ऐसे कानून प्राधिकारी की स्थिति और स्वरूप क्या है, यह उसके पद की सरकारी मोहर और उसके पूर्ण निवास स्थान के पते के साथ स्पष्ट रूप से दिया जाना चाहिए। अन्यथा ऐसे आवेदनपत्र/दस्तावेज/प्रपत्र पर लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा कोई विचार नहीं किया जाएगा। ये बातें किसी सरणीबद्ध मद के सीधे आवंटन के लिए सरणीबद्ध अभिकरण को दिए गए आवेदन पत्रों के लिए समान रूप से लागू होती हैं।

लाइसेंस प्राधिकारी

51. (1) लाइसेंस प्राधिकारी का पद, क्षेत्राधिकार एवं पता परिशिष्ट-2ख में दिया गया है जहां आवेदक स्थित हो, उसी के अनुसार ही आवेदनपत्र इन प्राधिकारियों को देने चाहिए।

(2) पंजीकृत निर्यातक को आयात प्रतिपूर्ति लाइसेंसों के लिए परिशिष्ट-2ख में उल्लिखित सम्बद्ध लाइसेंस प्राधिकारियों के पास आवेदन करना चाहिए।

(3) जब तक अन्यथा रूप से प्रावधान न हो, वास्तविक उपभोक्ता को चाहिए कि वह उसी लाइसेंस प्राधिकारी को आवेदन करे जिसके क्षेत्राधिकार में आवेदक का कारखाना स्थित है।

(4) वास्तविक उपयोक्ताओं (औद्योगिक) को एक से अधिक स्थानों पर स्थित होने पर सभी फैक्टरियों की जरूरतों के लिए समीकृत आवेदनपत्र देने का विकल्प होगा। ऐसे मामलों में प्रत्येक एकक की जरूरतों को समीकृत आवेदनपत्र के लिए संलग्न मची में अलग से दर्शाना चाहिए और जिसमें प्रत्येक के लिए उपभोक्ता प्रमाण-पत्र भी अलग से साथ हो। लाइसेंस प्राधिकारी जिनके क्षेत्राधिकार में पंजीकृत/मुख्य कार्यालय स्थित है, को दिए गए समीकृत आवेदन-पत्र के आधार पर नीति की शर्तों के अनुसार प्रत्येक एकक को उसके लिए अनुसृत्य मूल्य/मद के लिए अलग लाइसेंस जारी किया जाएगा।

(5) जहां अकेला एकक एक में अधिक अन्तिम उत्पादों का विनिर्माण करता है वहां अन्तिम उत्पाद-वार आवेदन-पत्र देना चाहिए। लेकिन, सम्बद्ध अन्तिम उत्पादों के लिए केवल एक ही आवेदन-पत्र भेजा जा सकता है।

आयकर सत्यापन

52. (1) आयात लाइसेंस के लिए प्रत्येक आवेदन-पत्र के साथ, परिशिष्ट 2न में दिए गए प्रपत्र में आवेदक द्वारा भरे गए आयकर विवरण और दाय करों के भुगतान के संबंध में एक घोषणा पत्र (दो प्रतियों में) होना चाहिए। इस तथ्य की ओर विशेषकर ध्यान आकर्षित किया जाता है घोषणापत्र दो भागों में हो, भाग (क) एवं भाग (ख) और आवेदक को निश्चय कर लेना चाहिए कि उसके लिए जो भाग लागू नहीं है उसे स्पष्ट रूप से काट दिया गया है।

(2) सभी सार्वजनिक क्षेत्र संस्थान, केन्द्रीय या राज्य (वित्त मंत्रालय द्वारा आयकर घोषणा पत्र प्रस्तुत करने से विमुक्त) उपर्युक्त उप-कड़िका (1) में उल्लिखित आयकर घोषणा-पत्र भरने में मूक्त होंगे।

(3) निजी क्षेत्र के वे आवेदक जिन्हें वित्त मंत्रालय द्वारा आरम्भ की गई पाइलेट योजना के अधीन आयकर सत्यापन प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने के लिए छूट प्रदान कर दी गई है उन्हें भी उपर्युक्त उप-कड़िका (1) में उल्लिखित आयकर घोषणा-पत्र दाखिल करने की आवश्यकता नहीं होगी।

आवेदन शुल्क

53. (1) आयात आवेदन-पत्रों की विभिन्न श्रेणियों के लिए चुकाए जाने वाले शुल्क का मापकर्म आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनुसूची 3 में दिया गया है; दक्षिण परिशिष्ट 1ख जिसमें सीमा शुल्क निकासी परमिटों के लिए मापकर्म भी शामिल है। प्रत्येक आवेदन-पत्र के साथ निर्धारित शुल्क के भुगतान का लक्ष्य बतें हुए एक बैंक रसीद/डिमांड ड्राफ्ट होना चाहिए। यदि आवेदक को आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 के अन्तर्गत ऐसे भुगतान से छूट प्राप्त है तो यह स्पष्ट रूप से आवेदन-पत्र में निविष्ट होना चाहिए।

(2) शुल्क चुकाने के लिए क्रियाविधि परिशिष्ट 2ग में दी गई है।

(3) सरणीबद्ध करने वाले अभिकरण से नीति के अन्तर्गत सरणीबद्ध मद् के सीधे आवेदन चाहने वाले आवेदक को शुल्क चुकाने की आवश्यकता नहीं है।

(4) यदि अनुमय हो तो, जमा किए गए आवेदन शुल्क की वापसी की मांग के लिए अनुसरण की जाने वाली क्रियाविधि परिशिष्ट 2ग में दी गई है।

आवेदन-पत्रों को भेजने के लिए अंतिम तिथि (या)

54. (1) अनपूरक लाइसेंसों के लिए वास्तविक उपयोक्ताओं (औद्योगिक एवं गैर औद्योगिक) से सम्बद्ध प्रायोजक प्राधिकारियों द्वारा प्राप्त आवेदन-पत्रों के लिए अंतिम तिथि उस लाइसेंसिंग वर्ष की 15 दिसम्बर होगी जिसके लिए आवेदन-पत्र दिया गया है। इसके अतिरिक्त, प्रायोजक प्राधिकारी द्वारा विधिवत सिफारिश की गई अनपूरक लाइसेंसों के लिए सम्बद्ध लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा इन आवेदन-पत्रों की पाबती के लिए अंतिम तिथि 2—G 1 Commerce 85

तिथि उस लाइसेंसिंग वर्ष की 31 जनवरी होगी जिसके लिए आवेदन-पत्र दिया गया है। लेकिन, नए/प्रस्तावित एककों के मामले में, संबंधित प्रायोजक प्राधिकारियों द्वारा विधिवत सिफारिश की गई सम्बद्ध लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा अनपूरक लाइसेंसों के लिए आवेदन-पत्रों की पाबती के लिए अंतिम तिथि उस लाइसेंसिंग वर्ष जिसके लिए आवेदन-पत्र दिया गया है, फरवरी का अंतिम दिन होगा।

(2) सम्बद्ध लाइसेंसिंग अवधि के अन्तर्गत नीचे लिखे आवेदन-पत्रों को भेजने के लिए कोई भी अंतिम तिथि नहीं होगी :—

- (1) आयात एवं निर्यात नीति, 1985-88 (खण्ड-1) के अध्याय-15 के प्रावधानों के अनुसार आयात प्रति-पूर्ति लाइसेंस जिसमें अग्रिम/विशेष अग्रदाय/अग्रदाय लाइसेंस, पास बुक शामिल है और पंजीकृत निर्यातकों के लिए आयात नीति के अधीन अतिरिक्त लाइसेंस;
- (2) अधिकृत स्मिति प्रक्रिया के अधीन माल का आयात देखे आयात एवं निर्यात नीति, 1985-88 (खण्ड-1) का पैरा 40;
- (3) आयात एवं निर्यात नीति, 1985-88 (खण्ड-1) के अध्याय-7 में आने वाले पैरा 127(15) के अंतर्गत लाइसेंस;
- (4) अपने व्यक्तिगत उपयोग के लिए व्यक्तिक द्वारा वस्तुओं का आयात;
- (5) फालतू पर्जों के लिए आपाती लाइसेंस।

(3) सम्बद्ध लाइसेंसिंग प्राधिकारी द्वारा सभी अन्य आयात आवेदन-पत्रों की पाबती के लिए अंतिम तिथि, यदि अन्यथा रूप से कोई विशिष्ट तिथि बताई न गई हो, उस लाइसेंसिंग वर्ष जिसके लिए आवेदन-पत्र दिया गया है, फरवरी का अंतिम दिन होगा।

55. उपर्युक्त पैरा 54 के उप-पैरा (1) और (3) में बताई गई निर्धारित अंतिम तिथि के बाद प्राप्त आवेदन-पत्र अस्वीकार कर दिए जाएंगे और ऐसे मामलों में शुल्क वापसी अनुमय नहीं होगी।

वृद्धिपूर्ण आवेदन-पत्र

56. आयात आवेदन-पत्र जो (1) निर्धारित प्रपत्र में नहीं होंगे; (2) अपेक्षित आवेदन शुल्क के लिए बैंक रसीद/डिमांड ड्राफ्ट के साथ नहीं होंगे; (3) आवश्यक दस्तावेजों के साथ नहीं होंगे; (4) जिन के साथ हस्ताक्षर करने वाले व्यक्ति के प्राधिकार को निर्दिष्ट करने वाले दस्तावेज नहीं होंगे; या (5) जो नीति में निर्धारित अंतिम तिथि के बाद प्राप्त किए जाएंगे या (6) जिन के साथ उचित रूप से निष्पादित आयकर घोषणापत्र नहीं होगा, वे अस्वीकार कर दिए जाएंगे। आवेदकों से आशा की जाती है कि वे आवेदन-पत्र के सभी कालम सत्यता-पर्वक और उचित रूप से पूर्ण करेंगे। इन सब बातों को सुनिश्चित रूप से पूर्ण करने के लिए वे कालण्टर सहायता पद्धति से सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

मुद्रा क्षेत्र

57. निम्नलिखित दो प्रकार के आयात लाइसेंस जारी किए जाते हैं:—

(1) "सामान्य मुद्रा क्षेत्र लाइसेंस" जो सभी देशों के आयात के लिए वैध है, किन्तु उन देशों को छोड़ कर जहाँ से आयात निषेध है; और

(2) "विशिष्ट लाइसेंस" जो कि विशिष्ट देश या देशों से आयात के लिए वैध है।

लाइसेंस अवधि

58. आयात एवं निर्यात नीति तीन वर्षों के लिए घोषित की गई है। लेकिन, "लाइसेंसिंग अवधि" अप्रैल से मार्च तक जारी रहनेगी।

मर्चों का वर्गीकरण

59. (1) इस पुस्तक के परिशिष्ट 1ख में उद्धृत आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनुसूची 1 आयात व्यापार नियंत्रण अनुसूची के नाम से जानी जाती है और इसमें आयात व्यापार के अन्तर्गत आने वाली सभी मर्चों का वर्गीकरण दिया गया है।

(2) इस पुस्तक के परिशिष्ट 1ख में उद्धृत आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनुसूची 1 में पहली अप्रैल, 1976 से सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के अनुसार संशोधन किया गया है। संशोधित आयात व्यापार नियंत्रण अनुसूची के 21 खण्ड हैं, जिन्हें 99 अध्यायों में उप-विभाजित किया गया है।

(3) अब आयात व्यापार नियंत्रण वर्गीकरण और भारतीय सीमा शुल्क टैरिफ वर्गीकरण में पूर्ण सह-सम्बन्ध है। वे दोनों बी.टी.एन. (बुसल्स व्यापार नोमिनक्लेचर) पर आधारित हैं।

दो प्रतिभों में जारी किया गया लाइसेंस

60. सामान्यतः आयात लाइसेंस की दो प्रतिभाएं जारी की जाती हैं। इनमें से एक प्रति, जो सीमा शुल्क के प्रयोजन के लिए होती है, आयातकर्ता को आयात किए गए माल को छुड़ाने के लिए प्रविष्टि थ्रिल के साथ सीमा-शुल्क प्राधिकारियों को प्रस्तुत करनी होगी। दूसरी प्रति अर्थात् विदेशी मुद्रा नियंत्रण प्रति आयातक को साख-पत्र प्राप्त करने के लिए या विदेशी मुद्रा भेजने के लिए बैंक को प्रस्तुत करनी है जिन मामलों में विदेशी मुद्रा न भेजी जानी हो, उनमें लाइसेंस को मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति जारी नहीं की जाती।

लाइसेंसों के संयुक्त धारकों के रूप में बैंक

61. (1) जहाँ किसी आयातकर्ता ने किसी बैंक के माध्यम से एक अपरिवर्तनीय साख-पत्र खोला हो और बाख में वह थ्रिल की अदायगी न कर पाए और उस संबंधित बैंक ने विदेशी पूर्तिकर्ताओं को विदेशी मुद्रा में भुगतान करने का वचन भी दिया हो तो बैंक को आयात करने में काफी कठिनाई होती है क्योंकि उसके पास लाइसेंस नहीं होता। ऐसी संभावना से बचने के लिए विनियम बैंक या जिन प्राधिकृत विदेशियों के माध्यम से साख-पत्र खोला गया हो उन्हें उस सीमा तक लाइसेंस का संयुक्त धारक समझा जाएगा, जहाँ तक वे वस्तुएं उस कोड के अन्तर्गत आती हों, इससे बैंक विदेशी पूर्तिकर्ताओं के साथ

दिए गए वचन का पालन कर सकता है। इस सम्बन्ध में क्रिया-विधि का उल्लेख परिशिष्ट 2ख में किया गया है।

(2) इस पैरा के उप-पैरा (1) में उल्लिखित मामलों में और उन मामलों में भी जहाँ सामान किसी बैंक या किसी राज्य वित्त निगम के पास बंधक हो और उधारकर्ता अपनी शर्तों को पूरा न करे तो जैसा भी मामला हो, बैंक या राज्य वित्त निगम के पास रखे आयातित सामान के सम्बन्ध में यथासंशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की धारा 10-ग के उपबन्धों के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। ऐसे मामलों में इस पुस्तक के पैरा में लिखी कार्य पद्धति के अनुसार वास्तविक उपयोक्ताओं या राज्य व्यापार निगम/संनिज और भातु व्यापार निगम, राज्य लघु उद्योग या इसी प्रकार की किसी अन्य एजेंसी को सामान बेचा जा सकता है।

लाइसेंसों के मूल्य के नामें डालने के लिए प्रक्रिया

62. पूंजीगत माल, कच्चे माल, संघटकों, फालतू पूर्ण आदि के सम्बन्ध में आयात लाइसेंसों के मूल्य के नामें डालने के लिए विस्तृत प्रक्रिया परिशिष्ट-2ख में दी गई है।

आयात लाइसेंसों की वैधता की अवधि

63. आयात-निर्यात नीति में इसके अन्तर्गत प्रदान किए गए लाइसेंसों की विभिन्न श्रेणियों के लिए लागू वैधता की अवधि निर्धारित की गयी है। जब तक अन्यथा रूप से व्यवस्था न की जाए आयात लाइसेंस की वैधता अवधि 18 मास की होगी।

64. विभिन्न पणवस्तु सहायता कार्यक्रमों या रुपये में भुगतान व्यवस्था के अन्तर्गत प्रदान किए गए आयात लाइसेंस (पूँजीगत माल से भिन्न मर्चों के लिए) के मामले में वैधता की अवधि 18 महीने होगी, यह इस शर्त के अधीन होगी कि वैधता की अवधि सम्बन्धित ऋण की अन्तिम तिथि से आगे नहीं होगी।

65. प्रतिवद्ध ऋण या विदेशी सहायता के प्रति पूंजीगत माल लाइसेंसों से भिन्न अन्य पूंजीगत माल लाइसेंसों की आरम्भिक वैधता अवधि 24 महीने होगी "प्रतिवद्ध ऋण/विदेशी सहायता" के प्रति जारी किए गए पूंजीगत माल लाइसेंसों के मामले में वैधता की अवधि 24 महीने या सम्बन्धित "ऋण या सहायता" की अन्तिम तिथि, इनमें से जो भी पहले हो, वह होगी।

66. पूंजीगत माल के लिए आयात लाइसेंस इस शर्त के अधीन होंगे कि ऐसे लाइसेंस के जारी होने की तिथि से 6 महीनों अथवा लाइसेंस में इस प्रयोजन के लिए दर्शाई गई अवधि के भीतर विदेशी संभरक को पक्का आवेष्ट दे दिया गया हो। यदि इस अवधि के भीतर लाइसेंसधारी पक्का आवेष्ट देने में असमर्थ रहता है या विदेशी संभरक इस अवधि के भीतर आवेष्ट को स्वीकार नहीं करता है तो आवेष्ट देने की अवधि में वृद्धि के लिए अर्पण पर लाइसेंस प्राधिकारी, पात्रता के आधार पर विचार कर सकते हैं। यह बात पूंजीगत निर्यातकों के लिए नीति के अन्तर्गत आयात के लिए अनुमय पूंजीगत माल के लिए भी लागू होगी।

67. महानिदेशक, सम्भरण और निपटान, रेलवे और रक्षा ठेकों को पूर्ण करने के लिए जारी किए गए लाइसेंसों की वैधता की अवधि सम्बन्धित सिफारिशों के अनुसार होगी।

68. सीमा-शुल्क पेंकाली परामिट्र की वैधता अवधि 9 महीने होगी।

69. आयाती लाइसेंस की वैधता की अवधि 12 महीने होगी।

70. (1) रिलीज बॉन्ड की वैधता अवधि 12 मास होगी।
की वैधता अवधि 12 मास होगी।

(2) यह शर्त देशी उत्पादकों अथवा साईं सार एम ए वी बोधना के अन्तर्गत निर्यात सघन से माल प्रस्था करने के लिए जारी किए गए रिलीज आदेशों पर भी लागू होगी।

71. जीबल जैनरीटिंग सेट के लिए जारी किए गए लाइसेंस की वैधता अवधि 18 महीने होगी।

72. निर्धारित वैधता अवधि के अतिरिक्त माल के पोतलवान के लिए रियायती अवधि अनुमय नहीं होगी।

73. आयात लाइसेंसों अथवा आयाती लाइसेंसों अथवा सीमाशुल्क निकासी परमिट के लिए पुनर्विधीकरण अनुमय नहीं होगा। लेकिन, ऐसे पंजीगत लाइसेंस के मामले में जो अपनी वैधता-अवधि के दौरान उपयोग में नहीं लाए जा सके हों, लाइसेंस की निर्धारित अवधि के बाद अधिकतम 12 मास की अवधि तक पोतलवान की अवधि में वृद्धि के लिए आवेदन विदेशी सम्भरणों द्वारा संविदा के अनुसार पंजीगत माल की सुपूर्तगी की अवधि को ध्यान में रखते हुए लाइसेन्स प्राधिकारी द्वारा पात्रता के आधार पर विचार किया जा सकता है। (लेकिन टाइड क्रेडिट अथवा अनुदान के मुख्य जारी किए गए लाइसेन्सों के मामले में, पुनर्विधीकरण के लिए ऐसे आवेदनों पर विचार करते समय अन्तिम तिथि को ध्यान में रखा जाएगा)।

पोतलवान/परपेण की तिथि

74. वैधता की अवधि का अर्थ है सम्बन्ध माल के लिए अनुमय पोतलवान/परपेण की अवधि।

75. समुद्र द्वारा किए गये पोत लदानों के मामले में यह तिथि लदान बिल की तिथि होगी।

76. वायु मार्ग द्वारा आयातों के मामलों में सम्बन्धित माल परपेण नोट की तिथि सामान्य रूप से परपेण की तिथि समझी जाएगी, इस की यह शर्त होगी कि यह उस तिथि को प्रदर्शित करती हो जिस तिथि को माल ने उस देश का अन्तिम हवाई अड्डा छोड़ा हो जिससे आयात किया गया है। सीमा शुल्क प्राधिकारियों को इस बात की छूट होगी कि वे इस सम्बन्ध में अपने आपको संतुष्ट करने के लिए आगे सूचना मांगें।

77. डाक पार्सलों के मामले में पैकेट पर परपेक कार्यालय की मोहर की तिथि या परपेण नोट की तिथि, परपेण की तिथि समझी जाती है।

78. स्थल से जुड़े देशों से आयात के मामले में रेल, सड़क या परिवहन के अन्य अभिज्ञान तरीके से माल परपेण के आधार पर भारत में प्रेषित के माल के परपेण की तिथि पोत लदान की तिथि समझी जाएगी। (यह जर्मन जनबादी गणराज्य के लिए किए गए आयातों के सम्बन्ध में उस देश द्वारा जारी किए गए फ्रांस बार्डर प्रमाण-पत्रों के लिए भी लागू होगी)।

टिप्पणी .—सभी वास्तविक व्यापारों में समरूप और यात्रा में पड़ाव या व्यावधान द्वारा अनुचित विलम्ब नहीं हुआ है इस का साक्ष्य देते हुए एक 'आवोपान्त लदान पत्र' सामान्य 'सम्पूर्ण माल परपेण' का पर्याप्त प्रमाण होगा।

आयात को पूरा करने के लिए आयात लाइसेंस की वैधता

79. (1) आयात लाइसेंस की वैधता माल भोजने वाले देश से वास्तविक पोतलवान/माल भोजने की तिथि से निश्चित की जाती है, भारतीय पत्तन पर माल पहुँचने की तारीख से नहीं।

(2) जिस मामले में आयात लाइसेंस की समाप्ति की तिथि महीने की अन्तिम तिथि से पहले पड़ती है, तो ऐसे मामलों में उस महीने के अन्त तक लाइसेंस स्वतः वैध होगा। लाइसेंस की वैधता की अवधि की गणना करने में भी लाइसेंस जारी करने की तिथि छोड़ दी जाती है। उदाहरणार्थ, यदि एक लाइसेंस 10 नवम्बर, 1984 को जारी किया गया है और वह 12 महीने के लिए वैध है तो वह साधारणतः 10 नवम्बर, 1985 को समाप्त होगा, लेकिन इस कंडिका के प्रावधानों के अनुसार ऐसा लाइसेंस 30 नवम्बर, 1985 तक वैध समझा जाएगा।

80. कुछ अवसरों पर, जैसे सामान का लदान करने वाले देश में डाक यार्ड की हड़ताल के समय, जबकि आयातकर्ताओं को वास्तव में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है और माल का लदान समय से नहीं किया जा सकता है तो मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात पत्र जारी करके किसी लाइसेंस की वैधता की अवधि तबथ आधार पर निश्चित अवधि के लिए बढ़ा सकता है। यदि किसी मामले में ऐसी अवधि प्रदान के रूप में होगी और आयातक ऐसी वृद्धि के दौरान माल की आपूर्ति के लिए साख-पत्र खोलने अथवा आदेश देने के लिए हकदार नहीं होगा।

पंजीकरण का पत्तन

81. आयात तथा निर्यात नीति के अन्तर्गत जारी किया गया प्रत्येक आयात लाइसेन्स, यदि अन्यथा रूप से विशिष्टिकृत नहीं हो, भारत में किसी भी सीमा शुल्क पत्तन (वायु सीमा शुल्क सहित) के माध्यम से माल के आयात के लिए वैध होगा। किसी भी प्रकार का पृष्ठांकन नहीं किया जाएगा या इस सम्बन्ध में इसकी आवश्यकता नहीं होगी। अतः प्रत्येक लाइसेन्सधारी को सलाह दी जाती है कि वह अपने लाइसेन्स को सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 और उसमें बताए गये नियम एवं क्रियाविधि के अन्तर्गत पत्तन के उस उचित सीमा-शुल्क प्राधिकारी के पास पंजीकृत कराये जिसके माध्यम से वह आयात करना चाहता है।

विशेषित लाइसेन्स

82. (1) लाइसेन्स प्राधिकारी विभिन्न सीमा शुल्क पत्तनों पर माल की निकासी के लिए या आर. ई. पी. लाइसेन्सों के आंशिक रूप से हस्तान्तरण के लिए प्रमुख लाइसेन्स के बदले में 'खंडित' लाइसेन्स जारी करने के आवेदनों पर विचार कर सकते हैं। लाइसेन्सधारी को 'खंडित' लाइसेन्सों के लिए अपने आवेदन के समर्थन में पर्याप्त औचित्य प्रस्तुत करना चाहिए। 'खंडित' लाइसेन्सों के लिए आवेदन पर सीमा शुल्क पत्तन पर केवल मुख्य लाइसेन्स के पंजीकरण के पूर्व ही विचार किया जाएगा। (एक ही सीमा शुल्क कार्यालय के विभिन्न भागों के माध्यम से माल की गिकामी के लिए लाइसेन्सधारी नीचे की कंडिका 83 के अंतर्गत पूरक लाइसेन्स प्राप्त कर सकता है)।

(2) 'विशेषित' लाइसेन्स जारी करते समय मुख्य लाइसेन्स का मूल्य तदनु रूप घट जाएगा। 'खंडित' लाइसेन्स की वही वैधता अवधि होगी जो मुख्य लाइसेन्स की है।

(3) निर्यात सदनों, व्यापार सदनों को जारी किए गए अतिरिक्त लाइसेंसों के मामले में विखंडित लाइसेंस जारी करते समय लाइसेंस प्राधिकारी निम्न प्रकार से मुख्य लाइसेंस पर और प्रत्येक 'खंडित' लाइसेंस पर भी पृष्ठांकन करेगा :—

“लाइसेंसधारी इस बात का सुनिश्चय करेगा कि यदि मुख्य लाइसेंस और विखंडित लाइसेंस दोनों को मिला दिया जाए तो उनके मद्दे एकल मद के आयात का मूल्य निर्धारित अधिकतम मूल्य सीमा से अधिक नहीं होगा और इस सम्बन्ध में वह सम्बद्ध प्राविष्ट बिल पर एक घोषणा भी करेगा।”

दूसरा और लाइसेंसधारी को मुख्य अतिरिक्त लाइसेंस और इसके 'विखंडित' लाइसेंसों की प्रत्येक मद के लिए अनुमये अधिकतम मूल्य सीमा को विभाजित करने की स्वतन्त्रता होगी और यह तब तक होगी जब तक कि नीति के अधीन अनुमये उस मद का अधिकतम मूल्य/मदवार मूल्य आयात के लिए अनुमये कुल मूल्य से अधिक न हो जाता हो।

(4) आर. ई. पी. लाइसेंसों (अतिरिक्त लाइसेंसों से भिन्न) के सम्बन्ध में भी 'खंडित' लाइसेंस प्रदान करने के लिए आवेदनों पर विचार किया जा सकता है बशर्ते कि :—

- (1) मांगे गए 'विखंडित' लाइसेंस का मूल्य 5 लाख रुपये से कम न हो और इसके साथ-साथ मुख्य लाइसेंस में जारी रहा शेष मूल्य भी 5 लाख रुपये से कम न हो, और
- (2) जहां मुख्य लाइसेंस एक मद के आयात के लिए प्रतिशत, मूल्य सीमा और साथ ही साथ सम्पूर्ण अधिकतम मूल्य सीमा दोनों के अधीन बंध हो तो मुख्य लाइसेंस और साथ ही साथ 'खंडित' लाइसेंस पर प्रतिशत मूल्य सीमा के अतिरिक्त उपयुक्त विशिष्ट अधिकतम मूल्य सीमा भी चिह्नित होगी जिससे कि 'खंडित' लाइसेंस का मद-वार मूल्य अनुमये सीमाओं से अधिक न हो जाए।

(5) उन मामलों में भी 'खंडित' लाइसेंस जारी करने के लिए आवेदनों पर विचार किया जा सकता है जिनमें आर. ई. पी. लाइसेंस का धारक आर. ई. पी. लाइसेंस का एक भाग हस्तांतरण करना चाहता हो और शेष भाग 'वास्तविक उपयोक्ता' शर्त के साथ उपयोग करना चाहता हो। ऐसे मामलों में उपयुक्त उप-कंडिका 4 में आने वाले मामलों को छोड़कर मुख्य लाइसेंस के मद्दे एक से अधिक 'खंडित' लाइसेंस नहीं जारी किया जाएगा।

(6) 'खंडित' लाइसेंस के लिए आवेदन पत्रों के निर्धारित आवेदन शुल्क के भुगतान को दर्शाते हुए प्रत्येक खंडित लाइसेंस के लिए 25 रुपये की बैंक रसीद/बैंक ड्राफ्ट लगा होना चाहिए।

पूरक लाइसेंस

83. (1) एक ही सीमा शुल्क कार्यालय के विभिन्न अनुभागों के माध्यम से माल की निकासी को सुविधाजनक बनाने के लिए पत्तन के लाइसेंस प्राधिकारी वर्तमान लाइसेंस के आधार पर सहायक लाइसेंस जारी करने के आवेदन-पत्रों पर विचार करेंगे। सहायक लाइसेंस प्राप्त करने के सम्बन्ध में किसी भी पत्तन के लाइसेंस प्राधिकारी को आवेदन-पत्र दिया जा सकता है। मुख्य नियंत्रक, आयात और निर्यात, नई दिल्ली मुख्यालय से जारी किये गये लाइसेंसों के विषय में ऐसे अन्य आवेदन पर भी क्षेत्रीय लाइसेंस प्राधिकारी विचार करेंगे।

(2) हवाई अड्डों पर सामान की निकासी के लिए पूरक लाइसेंस :—हवाई अड्डों के सीमा शुल्क प्राधिकारियों के माध्यम से सामान की निकासी के लिए अनुपूरक लाइसेंस प्राप्त करने के सम्बन्ध में आये आवेदनों पर भी विचार किया जायेगा।

(3) पूरक लाइसेंस के लिए आवेदन पत्र :—सहायक लाइसेंस प्राप्त करने के लिए आवेदन-पत्र भेजते समय आवेदक को निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए :—

(1) पूरक लाइसेंस के लिए आवेदन-पत्र सामान भेजने वाले देश से सामान की रवानगी/लदान से काफी पहले भेजना चाहिए। लेकिन, एक लाइसेंस प्राधिकारी मुख्य लाइसेंस समाप्त हो जाने पर लाइसेंसधारी को केवल मुख्य लाइसेंस की वैधता अवधि के दौरान माल की निकासी में समर्थ बनाने के लिए सहायक लाइसेंस प्रदान करने के आवेदन-पत्र पर विचार कर सकता है।

(2) मूल लाइसेंस के मूल्य को ध्यान में न रखते हुए पूरक लाइसेंस की सुविधा देने पर विचार किया जायेगा।

(3) यदि पूरक लाइसेंस वं दिया गया हो तो तब भी उसके सम्बन्ध में अंकित मूल्य के प्रतिबन्ध या मूल लाइसेंस पर लागू होने वाली अन्य शर्तें लागू होंगी। आयातक को यह छूट है कि वह आवेदन करे और स्वीकार्य सीमा तक अंकित मूल्य प्रतिबंध वाली मदों के लिए विशेष रूप से बंध अलग से पूरक लाइसेंस प्राप्त करे। मुख्य या मूल लाइसेंस के मद्दे अनुमित प्रतिबंधित वस्तुओं का मूल्य दिखाने वाले ये लाइसेंस अप्रतिबंधित मदों के आयात के लिये भी वैध होंगे।

(4) पूरक लाइसेंसों के आवेदन-पत्र के साथ प्रत्येक सहायक लाइसेंस के लिए निर्धारित 25-रु. की आवेदन-फीस की अदायगी के प्रमाण के रूप में खजाना रसीद भी संलग्न की जानी चाहिए।

(5) पूरक लाइसेंस की वैधता अवधि 'वही होगी' जो मुख्य लाइसेंस की होगी। यदि मुख्य या मूल लाइसेंस का पुनर्विधीकरण किया गया हो तो वह पूरक लाइसेंस पर भी लागू होगा। सामान की निकासी की सुविधा के लिये लाइसेंस प्राधिकारी पूरक लाइसेंस पर वैधता अवधि लिखेंगे।

(6) संदर्भ और जांच की सुविधा के लिये पूरक लाइसेंस पर मुख्य लाइसेंस की संख्या और तारीख पृष्ठांकित की जायेगी।

पूरक लाइसेंस जारी करते समय लाइसेंस प्राधिकारी पूरक लाइसेंस के मूल्य/मदों की सीमा तक माल की निकासी और परेषण के लिए मुख्य लाइसेंस को अवैध कर उस पर उचित (सीमा शुल्क और मूद्रा विनियम नियंत्रण दोनों प्रतियों पर) पृष्ठांकन करेंगे। लाइसेंस प्राधिकारी को यह स्वतन्त्रता होगी कि वह केवल सीमा-शुल्क प्रति के लिए पूरक लाइसेंस जारी करे और न कि मुख्य लाइसेंस को मूद्रा विनियम नियंत्रण प्रति के लिए।

प्रतिस्थापन लाइसेंस

84. (1) पहले आयात किया हुआ माल जो खराब पाया गया था या प्रयोग के लिये दोषपूर्ण पाया गया था या आयात के बाद खो गया था या नष्ट हो गया था, उस माल के बदले में आयात किये गये माल की निकासी खले सामान्य लाइसेंस सं 4 के अधीन अनुमये की जाएगी बशर्ते कि उक्त खले सामान्य लाइसेंस के अधीन निर्धारित शर्तें पूर्ण कर दी गई हों। ऐसे प्रतिस्थापन आयात के सम्बन्ध में पोतलदान उस तिथि से 24 मास के भीतर

करना चाहिए जिस तिथि से सीमा शुल्क द्वारा पहलू ही आयात किए गए माल की निकासी की गई हो या मशीनों या उनके पुर्जों के मामले में गारंटी अवधि के भीतर पातलदान करना चाहिए। उन मामलों में जहाँ पातलदान 24 मास के भीतर नहीं किया गया है, सामान्यतया उस पर विचार नहीं किया जायेगा। लेकिन, आवेदक के नियंत्रण के बाहर के कारणों को वजह से वास्तविक कठिनाइयों वाले मामलों में लाइसेंस प्राधिकारी प्रत्येक मामले के निवेदन पर गृणवता के आधार पर विचार करेगा। ऐसे मामलों में, आवेदक को चाहिए कि वह वही दस्तावेज प्रस्तुत करे जो आयात के लिए खुले सामान्य लाइसेंस 4 में निर्धारित किए गए हैं और यह कारण भी बताए कि खुले सामान्य लाइसेंस स 4 के अधीन आयात क्यों नहीं किए जा सके।

- (2) जिन मामलों में वास्तविक आयात होने से पहले माल का लदान या अवतरण कम मात्रा में हुआ पाया जाए या माल यात्रा मंजूर किया गया पाया जाए और इसका पता कस्टम के माध्यम से निकासी के समय चले तो वह माल पूरा करने के लिए कोई नया लाइसेंस उन मामलों में जारी नहीं किया जाएगा जिनमें जिस आयात लाइसेंस के मद्दे आयात किया गया था वह अब भी वैध है। ऐसे मामलों में कम मात्रा में लाद गए, कम मात्रा में अवतरित या यात्रा में आए गए माल के बदल प्रतिस्थापन आयात कस्टम प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए प्रमाण-पत्रों के आधार पर किए जा सकते हैं। अन्य मामलों में कम मात्रा में लाद गए, कम मात्रा में उतारे गए या यात्रा में छोड़े गए, इनमें जो भी हो, उस माल के विषय में दस्तावेजी माध्यम प्रस्तुत करने पर सम्बद्ध लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा नया लाइसेंस जारी किया जाएगा।

- (अ) उपर्युक्त उप-कड़िका (1) और (2) में न आने वाले मामलों में प्रतिस्थापन लाइसेंस जारी करने के लिए लाइसेंस प्राधिकारी आवेदन-पत्र पर गृणवता के आधार पर विचार कर सकते हैं। ऐसे आवेदन-पत्र सम्बद्ध आवेदकों की श्रेणी के लिए सगत प्रपत्र में दिए जाने चाहिए।

आयात/निर्यात लाइसेंसों/सीमाशुल्क निकासी परमिट/रिलीज आदेशों की अनूलिपि प्रतियाँ

85. जहाँ लाइसेंस, (अग्रिम/अग्रदाय लाइसेंस सहित) सीमा-शुल्क निकासी परमिट या रिलीज आदेश खो जाता है या अस्थानस्थ हो जाता है तो अनूलिपि प्रति के लिये आवेदनपत्र पर केवल तभी विचार किया जायेगा जब संबंधित लाइसेंस प्राधिकारी निवेदन की प्रमाणिकता के बारे में सतृष्ट हो जाता है।

86. जिस पतन पर लाइसेंसधारी ने लाइसेंस पंजीकृत करवाया है, उसके सम्बन्ध में घोषणापत्र के साथ ऐसे आवेदनपत्र मूल लाइसेंस/रिलीज आदेश जारी करने वाले लाइसेंस प्राधिकारी को भेजे जाने चाहिये। ऐसे आवेदन-पत्रों के साथ आवेदन शुल्क के रूप में 25 रु की बैंक रसीद/डिमांड ड्राफ्ट और परिशिष्ट 28 में निर्धारित स्टाम्प पेंपर पर उचित न्यायिक प्राधिकारी के सम्मुख विधिवत् शपथ लेकर एक शपथपत्र भी होना चाहिये।

87. लाइसेंस/रिलीज आदेश की अनूलिपि प्रति की अनूलिपि के रूप में चिह्नित किया जायेगा (आयात लाइसेंसों के मामले में सीमा-शुल्क निकासी और मूद्रा विनिमय नियंत्रण

प्रतिया दोनों पर) और लाइसेंस जारी करने वाले प्राधिकारी द्वारा स्पष्ट शब्दों में निम्न प्रकार से पृष्ठांकन किया जाएगा --

“चूंकि लाइसेंस/सीमा शुल्क निकासी परमिट/रिहाई आदेश स
दिनांक

का पूर्ण मूल्य या आंशिक मूल्य-----रु तक उपयोग करने पर रद्द कर दिया गया था, इसके बदले में लाइसेंस/सीमा-शुल्क निकासी परमिट/रिहाई आदेश जारी किया गया है”।

88. लाइसेंस की अनूलिपि जारी करने की सूचना लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा उस सीमाशुल्क प्राधिकारी को भेजी जाएगी जिसके पास मूल लाइसेंस पंजीकृत करवाया है। उन मामलों में जहाँ लाइसेंस सीमा-शुल्क प्राधिकारी के पास पंजीकृत करवाने से पूर्व खो गया है, उसकी सूचना सभी सीमा-शुल्क प्राधिकारियों को भेजी जायेगी। मूल लाइसेंस रद्द करने के आदेश भारत के राजपत्र में प्रकाशित किए जायेंगे।

रिहाई आदेश के मामले में अनूलिपि रिहाई आदेश जारी करने की सूचना सम्बद्ध सरणीबद्ध अधिकारों को भेजी जायेगी।

89. 1-4-78 या इससे पूर्व जारी किये गये स्वतंत्र रूप से हस्तान्तरणीय आर ई पी लाइसेंसों के मामले में कोई अनूलिपि प्रति जारी नहीं की जाएगी। लेकिन, ऐसे मामलों में लाइसेंस प्राधिकारी केवल उस स्थिति में अनूलिपि लाइसेंस प्रदान करने के लिये आवेदनपत्रों पर विचार कर सकते हैं जहाँ मूल लाइसेंस खो गया हो, या आयात तथा निर्यात नियंत्रण संगठन में अस्थानस्थ हो गया हो तो ऐसे आवेदन-पत्रों के लिए सयुक्त मुख्य नियंत्रण, आयात-निर्यात द्वारा निर्णय लिया जायेगा। (उन मामलों में जहाँ उप मुख्य नियंत्रक ही सब से बड़ा अधिकारी है, वहाँ जिस क्षेत्र में वह कार्यालय पड़ता है वहाँ के सयुक्त मुख्य नियंत्रक का अनुमोदन प्राप्त किया जाएगा)।

एयर इण्डिया/इण्डियन एयर लाइन्स के माध्यम से आयात

90 (1) जिस मामले में आयात एयर इण्डिया/इण्डियन एयर लाइन्स के माध्यम से किए गए हों उसमें वायु भाड़े की धनराशि आयात लाइसेंस के नामे डालने के लिए क्रियाविधि परिशिष्ट 2च के लिए भी लागू होंगे।

(2) ये प्रावधान भारतीय पोता के माध्यम से किए गए आयातों में दी गई है।

प्राधिकारियों को भुगतान

91 (1) यदि खुले सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत माल का आयात किया जाना है तो, विदेशी मूद्रा के प्राधिकृत विक्रेता इस बात से सतृष्ट होने पर कि जिन वस्तुओं के आयात के लिए आदेश दिया गया है, वह वस्तुएं खुले सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत शामिल की गयी हैं, तो उनके संबंध में वह साख-पत्र खोल सकते हैं या अन्य प्रकार से धन भेज सकते हैं।

(2) जो वस्तुएं खुले सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत नहीं आती, उनके संबंध में जब तक आयातकर्ता के पास विदेशी मूद्रा-विनिमय नियंत्रण प्रति सहित एक वैध आयात लाइसेंस न हो तब तक न तो साख-पत्र खोला जा सकता है और न ही विदेशी मूद्रा भेजी जा सकती है। विदेशी मूद्रा के किसी प्राधिकृत विक्रेता को यदि विदेशी मूद्रा के प्रेषण के लिए आवेदन भजना हो, तो लाइसेंसधारी को चाहिए कि वह प्राधिकृत विक्रेता को लाइसेंस की एक प्रति प्रस्तुत करे जिस पर “विदेशी मूद्रा नियंत्रण सम्बन्धी प्रयाजना के लिए” लिखा होना चाहिए।

- (3) यह नोट कर लेना चाहिए कि सोदे तय करने के प्रदाशन से जिस अवधि के लिए साख-पत्र खुला रखा जाना चाहिए। उसे निर्धारित करने के लिए कोई भी साख-पत्र खोलते समय खुले सामान्य लाइसेंस या वैध लाइसेंस के समाप्त होने की तारीख को ध्यान में रखा जाना चाहिए।

लदान सम्बन्धी दस्तावेज प्राप्त करने से पहले कोई राशि न भेजी जाये

92. यह नोट कर लिया जाये कि श्वयंपि सामान के लदान/रवानगी से पहले लाइसेंस की विदेशी मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति के आधार पर साख-पत्र खोला जा सकता है, लेकिन उसका प्रेषण तभी संभव होगा जब लदान संबंधी दस्तावेज प्राप्त हो चुके हों। पूंजीगत माल और भारी विद्युत संयंत्रों के लाइसेंस के संबंध में भारतीय रिजर्व बैंक विदेशी पूर्तिकर्ताओं को बयाने की राशि के रूप में आंशिक भुगतान करने का प्राधिकार दे सकता है।

93. (1) आयात लाइसेंस में दिया गया मूल्य हमेशा आयात की जाने वाली वस्तुओं के मूल्य के लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य के बराबर होता है, और उसमें पूर्तिकर्ता/विनिर्माता द्वारा आयातकर्ता या एजेंट को दिया गया कमीशन भी शामिल होता है। सीमा-शुल्क के प्रयोजनों के लिए आयात-लाइसेंस की राशि के नामे डाले जाने वाला मूल्य, आयात की गयी वस्तुओं के लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य के बराबर होगा और इसका निर्धारण सीमा शुल्क प्राधिकारी करेंगे। आयात लाइसेंस के अंतर्गत दी गयी वस्तुओं के मूल्य की अदायगी के संबंध में विदेशी मुद्रा विनिमय नियंत्रण विनियम लागू होंगे और इस राशि में विदेशी पूर्तिकर्ताओं/विनिर्माताओं द्वारा आयातकर्ताओं/एजेंटों को दिया जाने वाला कमीशन, छूट और इसी प्रकार की अन्य कटौतियाँ को शामिल नहीं किया जाएगा। अतः लाइसेंस प्राधिकारी लाइसेंस पर इस आशय की एक शर्त विशेष रूप से लिखेगा कि इससे मुक्त किए जाने वाले प्राधिकृत भुगतान में विदेशी पूर्तिकर्ताओं/विनिर्माताओं द्वारा भारत के आयातकर्ताओं/एजेंटों को दिया जाने वाला कमीशन, छूट और इसी प्रकार की अन्य कटौतियाँ शामिल नहीं होंगी।

टिप्पणी :—वस्तुओं के लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य में जहाज के कूलियों का खर्च भी शामिल है, क्योंकि यह भी भाड़े का ही एक भाग है और ऐसे खर्च लाइसेंस के नामे डाले जाते हैं।

(2) यदि सामान पोत निःशुल्क लादा गया हो तो लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य का पूरी तरह उपयोग नहीं हो सकता। ऐसे मामलों में, रुपयों में भुगतान करने के लिए बीमे और भाड़े की लागत के लिए कुछ गुंजाइश रखनी पड़ती है। जब भाड़े या बीमे की रकम का भुगतान भारत में रुपयों में हुआ हो, तो उस राशि की विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत विक्रेता के लाइसेंस के मूल्य में से घटा दिया जाएगा।

सीमा-शुल्क: सबनों द्वारा आयात लाइसेंस को अन्तिम रूप से नामे डालना

94. सीमा-शुल्क कार्यालय कभी-कभी आयतित वस्तुओं के 'भारित मूल्य' को अनन्तिम रूप से आयात लाइसेंसों की राशि के नामे डाल देते हैं। बाद में जांच करने के पश्चात् या किसी अपील पर कोई लाइसेंस-आधारित गैर लदान की मात्रा कम

कर दी जाती है 'भारित मूल्य' में कमी के कारण लाइसेंस का पुनर्विधायन नहीं किया जाएगा।

विदेशों में मरम्मत होने के बाद माल का पुनः आयात

95. जो माल आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 के अनुच्छेद 11(1) (v) और आयात-निर्यात नीति (बण्ड-1) 1985 88 के परिशिष्ट-7 में दर्शाये गए खुले सामान्य लाइसेंस से 4 के अधीन नहीं आते हैं और जो मरम्मत करवाने और बाद में वापस संग्रवाने के लिये निर्यात किए जाते हैं, उन मामलों में आयातक को पहले से ही आयात लाइसेंस प्राप्त करना चाहिए और मरम्मत करवाने के लिए माल का निर्यात सम्बद्ध लाइसेंस प्राधिकारी से उनके लिए पुनः आयात लाइसेंस प्राप्त करने के बाद करना चाहिए। जहाँ माल की मरम्मत करवाने के बाद पुनः आयात में विदेशी मुद्रा का मामला शामिल होता है, वहाँ मरम्मत, भाड़ा एवं बीमा की लागत के लिये प्रेषित की जाने वाली धन-राशि लाइसेंस के आवेदन-पत्र में संकेतित होनी चाहिए।

उपर्युक्त प्रावधान मरम्मत आदि के लिए बाहर भेजे गए भारतीय मूल की मर्चों के लिए भी लागू होगा। लेकिन, ऐसे मामलों में महानिदेशक, तकनीकी विकास से इस सम्बन्ध में एक प्रमाण-पत्र आवश्यक होगा कि विधेयाधीन माल की भारत में मरम्मत नहीं की जा सकती।

टिप्पणी:—अधिकृत विदेशी सम्भावदाताओं के मामलों में व्यावसायिक उपकरणों की मरम्मत के लिए आवेदनपत्रों पर प्रेस सूचना ब्यूरो की सिफारिश पर विचार किया जाएगा।

निपटान, पुराने या पुनः ठोक किए गए माल का आयात

96. (1) 7 दिसम्बर, 1955 के यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 के अनुसार प्रत्येक लाइसेंस को एक शर्त यह है कि जब तक लाइसेंस में अन्यथा निर्दिष्ट न हो, जिन वस्तुओं के लिए लाइसेंस दिया गया है वे निपटान किए गए माल से भिन्न नयी वस्तुएं होंगी। निपटान योग्य वस्तु चाहे वे नई हों क्यों न हों, उनको नई नहीं समझा जाएगा।

(2) निपटाए जाने वाले या पुराने अथवा मरम्मत किए गए माल के आयात के लिए आवेदन मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली के पूर्व अनुमोदन के बिना स्वीकार नहीं किए जाएंगे। लेकिन, मरम्मत किए गए पुराने पूंजीगत माल के आयात के लिए इस पुस्तक के अध्याय 3 में दी गई क्रिया-विधि लागू होगी।

वास्तविक उपयोगिता के व्यापार के नाम, गठन या स्वामित्व में परिवर्तन

97. जब तक हस्तान्तरण द्वारा पूर्ण रूप से या व्यक्तिगत रूप से हस्तान्तरण के बंध आभारों और दायित्वों को ले नहीं लिया जाता है तब तक लाइसेंसधारी के नाम, गठन या स्वामित्व में परिवर्तन को प्रभावित करने के लिये मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली का अनुमोदन आवश्यक नहीं है।

98. जहाँ इसके परिणामस्वरूप व्यापार/क्रियाकलाप या लाइसेंसधारी के नाम में कोई परिवर्तन नहीं होता है अर्थात् अन्तर्गत सम्पत्ति में कोई हस्तान्तरण नहीं होता (उसके नाम में) तो वर्तमान लाइसेंस में किसी आवश्यक संशोधन के

लिये इस लाइसेंसधारी को उस लाइसेंस प्राधिकारी के पास आवेदन करना चाहिये जिसने लाइसेंस जारी किया था। ऐसे निवेदन सम्बद्ध प्रायोजक प्राधिकारी के माध्यम से किए जाने चाहिये।

99. परिवर्तन की तिथि के बाद लाइसेंस के लिए दिये गये प्रथम आवेदन पत्र में यह स्पष्ट रूप से अभिव्यक्त होना चाहिए कि उसके विनिर्माता के व्यापार के स्वामित्व या व्यवस्था में परिवर्तन किये बिना उसके नाम में परिवर्तन हुआ है। यदि लागू आयात नीति की शर्तों के अनुसार ऐसे आवेदन-पत्र सम्बद्ध प्रायोजक प्राधिकारी के माध्यम से न भेजे जा सकें तो लाइसेंस प्राधिकारी को भेजने की जरूरत पड़े तो वास्तविक उपयोक्ता अपने प्रमाण पत्र के साथ प्रायोजक प्राधिकारी के लिए इस आशय का प्रमाणपत्र प्रस्तुत करे कि प्रायोजक प्राधिकारी के पास वास्तविक नाम का पंजीकरण तदनुसार संशोधित कर दिया गया है।

100. जहाँ पर वास्तविक उपयोक्ता के व्यापार के नाम में परिवर्तन होने पर या परिवर्तन हुए बिना उसके स्वामित्व या गठन (विभाजन द्वारा परिवर्तन भी उसमें शामिल है) में परिवर्तन होता है तब निम्नलिखित प्रावधान लागू होंगे :—

(1) यदि मूल स्वामी ने सम्बद्ध औद्योगिक एकक में आयातित मशीन या अन्य कोई आयातित माल रखा था तो उसे सम्बद्ध प्रायोजक प्राधिकारी से नये स्वामी या पुनः स्थापित उद्यम, जैसा भी मामला हो, व्यापार हस्तान्तरित करने की पूर्व अनुमति लेनी चाहिये। मूल स्वामी को भी सम्बद्ध प्रायोजक प्राधिकारी को परिवर्तन की सूचना देनी चाहिये। उस मामले में जहाँ किसी साक्षीदार के प्रवेश करने या शलग हो जाने से या मृत्यु हो जाने के कारण व्यापार की व्यवस्था में परिवर्तन होता है और पुनः स्थापित फर्म उनके नाम या पते में परिवर्तन किये बिना ही सारा व्यापार सम्भाल लेती है तो प्रायोजक प्राधिकारी की पूर्व अनुमति की आवश्यकता नहीं है। मूल फर्म को केवल परिवर्तन की सूचना लाइसेंस प्रदान करने वाले और सम्बद्ध प्रायोजक प्राधिकारियों को भेजनी चाहिए।

(2) उपर उल्लिखित (1) में परिवर्तन होने पर, मूल स्वामी को चाहिए कि हस्तान्तरित की जाने वाली सभी मशीनरी एवं एकक में उपयोग किए जाने के लिए आयातित सभी सामग्री को नये स्वामी या पुनः स्थापित उद्यम, जैसा भी मामला हो, के नाम में हस्तान्तरित कर दे।

(3) जहाँ मूल स्वामी को आयात लाइसेंस जारी किया गया हो और उक्त लाइसेंस के मूदे माल के आयात से पूर्व व्यापार के स्वामित्व या गठन में परिवर्तन हो जाता है, तो आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की शर्तों के अनुसार व्यापार के वास्तविक और नये स्वामी को, जिस लाइसेंस प्राधिकारी ने लाइसेंस जारी किया था, उसे नये स्वामी या पुनः स्थापित उद्यम, जैसा भी मामला हो, के नाम में लाइसेंस हस्तान्तरण की अनुमति के लिये संयुक्त आवेदनपत्र देना चाहिये। आवेदन पत्र नये स्वामी के प्रायोजक प्राधिकारी के माध्यम से दिया जाना चाहिये और आवेदनपत्र में यह स्पष्ट कर देना

चाहिये कि व्यापार के हस्तान्तरण के सम्बन्ध में वास्तविक स्वामी के लिये उचित अनुमोदन प्रायोजक प्राधिकारी में ले लिया है या नहीं जैसा कि उपर उपखंड (1) में बताया गया है।

(4) यदि परिवर्तन के समय कोई अप्रयुक्त लाइसेंस पास में नहीं है तो नए स्वामी या पुनः स्थापित उद्यम का जैसा भी मामला हो, परिवर्तन की तिथि के बाद लाइसेंस के लिये दिये गये प्रथम आवेदन-पत्र में यह स्पष्ट सूचित किया जाना चाहिए कि व्यापार के स्वामित्व या गठन में परिवर्तन हो चुका है यदि वर्तमान आयात नीति की शर्तों के अनुसार ऐसे आवेदनपत्र सम्बद्ध प्रायोजक प्राधिकारी को न भेजे जा सकें तो लाइसेंस प्राधिकारी को सीधे ही भेजने आवश्यक हों तो आवेदनपत्र के साथ इस आशय का साक्ष्य होना चाहिये कि व्यापार के स्वामित्व या व्यवस्था के सम्बन्ध में वास्तविक स्वामी के लिये प्रायोजक प्राधिकारी का पूर्ण अनुमोदन प्राप्त कर लिया गया है और नये स्वामी को सम्बद्ध प्रायोजक प्राधिकारी के पास विधिवत् पंजीकृत करवा दिया गया है।

101. जहाँ वास्तविक उपयोक्ता फैक्टरी या आयातित मशीनरी का केवल एक ही हिस्सा हस्तान्तरित करता है या जहाँ वह व्यापार या फैक्टरी जिसके लिये उक्त माल आयात किया गया था, उसे बेचे बिना जब कोई वास्तविक उपयोक्ता किसी अन्य आयातित माल को बेचने का प्रस्ताव रखता है, या जहाँ वास्तविक उपयोक्ता अपनी फैक्टरी/विनिर्माण करने वाले एकक से सम्बन्धित आयातित कच्चे माल, संघटक, उपभोग्य व्यापार को बेच देता है, परन्तु छरीददार सम्बद्ध औद्योगिक सामग्री या फलतः पुर्जे प्राप्त नहीं करता है और वास्तविक उपयोक्ता को ऐसा माल दूसरी पार्टी को बेचना पड़ता है, तो ऐसी बिक्री इस अध्याय में अन्यथा रूप से निर्धारित प्रक्रिया और आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की धारा 10-सी द्वारा नियंत्रित होगी।

102. प्रायोजक प्राधिकारी की सिफारिश के आधार पर लाइसेंसों के हस्तान्तरण के आवेदनपत्रों पर लाइसेंस प्राधिकारी केवल उन्हीं मामलों पर विचार करेगा जहाँ आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 के अधीन हस्तान्तरी लाइसेंस प्राप्त करने से विवर्जित या निलम्बित या आस्थगित नहीं हुआ हो। उसी प्रकार से, प्रायोजक प्राधिकारी व्यापार के हस्तान्तरण के निवेदनों पर केवल उन्हीं मामलों में विचार करेगा जब हस्तांतरक और हस्तान्तरी दोनों ही आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 के अधीन लाइसेंस प्राप्त करने से विवर्जित या निलम्बित या आस्थगित न किये गये हों।

103. उपर्युक्त प्रावधान पंजीकृत निर्यातकों को जारी किये गये लाइसेंसों के लिये भी समान रूप से लागू होंगे। ये केवल आयात नीति, 1978-79 के अधीन जारी किये गये आर. ई. टी. लाइसेंसों में लागू नहीं होंगे, यदि वे स्वतन्त्र रूप से हस्तान्तरणीय हों।

आयातित माल का हस्तान्तरण करना/उधार देना

104. जहाँ वास्तविक उपयोक्ता जिस उद्देश्य के लिये माल प्राप्त करता है, उसके लिये आयातित माल का उपयोग करने में असमर्थ होता है या आयातित माल उसकी आवश्यक-

ताओं से अधिक है, तो वह सम्बद्ध प्रायोजक प्राधिकारी को लिखित अनुमति में अन्य वास्तविक उपयोक्ता को ऐसे आयातित माल को हस्तान्तरित कर सकता है या उधार दे सकता है बशर्ते कि क्रेता और विक्रेता वास्तविक उपयोक्ता (उधार देने वाला और लेने वाला) एक ही प्रायोजक प्राधिकारी के क्षेत्राधिकार में हों।

105. जहाँ तत्सम्बन्धी प्रायोजक प्राधिकारी अलग-अलग हों, परन्तु संविदा करने वाले वास्तविक उपयोक्ता उसी राज्य या संघ क्षेत्र में स्थित हों, तो (राज्य) उद्योग निवेशक, आयातित माल को हस्तान्तरण करने/उधार देने को लिखित अनुमति दे सकता है और बाद में उसका अनुश्रवण भी कर सकता है।

106. अन्य मामलों में, लाइसेंस प्राधिकारी को पूर्व लिखित अनुमति आवश्यक है। हस्तान्तरण की शर्तों पर सहमत होने पर दोनों वास्तविक उपयोक्ताओं अर्थात् क्रेता और विक्रेता को क्रेता वास्तविक उपयोक्ता के प्रायोजक प्राधिकारी के माध्यम से आवेदन करना चाहिए।

107. उपर्युक्त व्यवस्थाएं खुले सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत आयातित या सरणीबद्ध अभिकरण से प्राप्त किए गए माल के लिए भी लागू होंगी।

अनुसूचित बैंकों द्वारा आयातित माल का निपटान

108. अनुसूचित बैंकों के पास पड़े हुए माल के निपटान में उपर्युक्त प्रक्रिया जो कि कंडिका 113 में दर्शायी गई है वहां लागू होगी जहां (क) जिस लाइसेंस के मद्दे माल का आयात किया गया था उसके संयुक्तधारक के रूप में सीमाशुल्क से माल की निकासी करवा ली गई हो या (ख) आयात किया गया माल बैंक के पास लाइसेंसधारी द्वारा गिरवी रखा हुआ हो और लाइसेंसधारी विषयाधीन माल को छूड़वाने की स्थिति में न हो बशर्ते कि बैंक ने बिक्री के लिए वैध अधिकार प्राप्त कर लिया है।

109. जब राज्य व्यापार निगम/धातु एवं खनिज व्यापार निगम या इसी प्रकार के अन्य अभिकरण बैंक से आयातित माल खरीदने के इच्छुक न हों और बैंक प्रायोजक प्राधिकारी या प्रसिद्ध अखबारों के उचित विज्ञापन के माध्यम से ऐसे माल का कोई अन्य क्रेता नहीं ढूँढ पाता है तो बैंक माल की नीलामी की अनुमति के लिए सम्बद्ध लाइसेंस प्राधिकारी से सम्पर्क कर सकता है, बशर्ते कि लाइसेंसधारी बिक्री के लिए सहमत हो या बैंक के पास वैध संविदा सम्बन्धी शर्तों के अन्तर्गत अन्यथा रूप से माल बेचने के लिए वैध अधिकार हो।

राज्य (सघ) औद्योगिक विकास निगम सहित सार्वजनिक क्षेत्र के अभिकर्ताओं द्वारा माल का निपटान

110. जहाँ कुछ वास्तविक उपयोक्ताओं की ओर से सार्वजनिक क्षेत्र के अभिकरण ने माल आयात किया हो और ये वास्तविक उपयोक्ता माल उठाने में असमर्थ हों तो लाइसेंस प्राधिकारी की अनुमति के बिना दूसरे वास्तविक उपयोक्ता को माल बेच सकते हैं, परन्तु उस बिक्री की सूचना इसमें बिक्री की तिथि से 30 दिनों के भीतर लाइसेंस प्राधिकारी को भेजी जानी चाहिए।

सार्वजनिक क्षेत्र के औद्योगिक उपक्रमों द्वारा माल का हस्तान्तरण

111. सार्वजनिक क्षेत्र के औद्योगिक संस्थान, सार्वजनिक या निजी क्षेत्र में दूसरे पात्र वास्तविक उपयोक्ता को, आयातित

कच्चे माल, मसदक, उपभोग्य सामग्री या फालतू पूरजे हस्तान्तरित कर सकते हैं। जो एकक हस्तान्तरणों को प्रभावी करते हैं उन्हें ऐसे हस्तान्तरण की तिथि से 30 दिनों के भीतर ऐसे हस्तान्तरण का विवरण रजिस्टर्ड डाक द्वारा प्रायोजक प्राधिकारी के साथ-साथ लाइसेंस प्राधिकारी को भी भेजना चाहिए। उपर्युक्त प्रावधानों के अधीन न आने वाले मामले के लिये लाइसेंस प्राधिकारी की अनुमति आवश्यक है।

105. जहाँ तत्सम्बन्धी प्रायोजक प्राधिकारी अलग-अलग हों, वास्तविक उपयोक्ताओं से भिन्न को आयातित फालतू पूरजों का निपटान कर सकते हैं बशर्ते कि उनके द्वारा इन्हें वास्तविक उपयोक्ताओं को निपटान करने के लिए सभी सम्भव उपाय किए गए हों और यह उपक्रम के मुख्य कार्यकारी द्वारा इस संबंध में एक प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने को शर्त के अधीन होगा कि वह परियोजना जिसके लिए वे फालतू पूरजे आयात किए गए थे पहले से भी पूर्ण हो चुकी है और आने वाले पांच वर्षों की अवधि के लिए किसी भी अन्य कार्य या परियोजना के लिए अब उन की आवश्यकता नहीं है। ऐसे मामलों में सम्बद्ध प्रशासनिक मंत्रालय का पूर्व अनुमोदन आवश्यक होगा। वह एक जो हस्तान्तरण करता है उपर्युक्त पैरा 111 में निर्धारित किए गए अनुसरण प्रयोजन प्राधिकारियों एवं लाइसेंसिंग प्राधिकारियों को ऐसे हस्तान्तरण के व्यांगों में अवगत कराएगा।

सार्वजनिक क्षेत्र अभिकरण को आयातित माल का हस्तान्तरण

113. सार्वजनिक क्षेत्र के अभिकरण या राज्य (सघ) उद्योग विकास निगम को आयातित माल हस्तान्तरित करने के लिये प्रायोजक प्राधिकारी या लाइसेंस प्राधिकारी की अनुमति अपेक्षित नहीं है। वास्तविक उपयोक्ता रजिस्टर्ड डाक द्वारा केवल ऐसे हस्तान्तरण की सूचना 30 दिन की अवधि के भीतर लाइसेंस प्राधिकारी और प्रायोजक प्राधिकारी को भेजेगा।

पूँजीगत माल का हस्तान्तरण

114. (1) फालतू पूरजे, उसके सहायक पूरजे (या संलग्नक) सहित पूँजीगत माल को आयात किये जाने की तिथि से 10 वर्ष बीत जाने के बाद उस माल को केवल वास्तविक उपयोक्ताओं के नाम में हस्तान्तरण के लिये लाइसेंस प्राधिकारी की अनुमति आवश्यक नहीं होगी। लेकिन, उसकी सूचना बिक्री के दिन से 30 दिनों के भीतर रजिस्टर्ड डाक द्वारा प्रायोजक प्राधिकारी के साथ-साथ लाइसेंस प्राधिकारी को भी भेजी जानी चाहिए। यह क्रेता पर निर्भर है कि वह अनिश्चित कर कि विषयाधीन माल खरीदने पर वह लाइसेंस में दी गई/प्राधिकृत की गई क्षमता को नहीं बढ़ाएगा।

(2) उपर्युक्त उप-कंडिका (1) में न आने वाले पूँजीगत माल के हस्तान्तरण से संबंधित मामले उपर्युक्त कंडिकाओं 104-113 में दिखाए गए प्रावधानों के अनुसरण निपटाए जाएंगे।

मुक्त व्यापार क्षेत्रों में आयातित माल का हस्तान्तरण

115. मुक्त व्यापार क्षेत्र में आयात किये गए माल के हस्तान्तरण/व्यय के लिये क्रियाविधि आयात-निर्यात नीति (खण्ड-1) 1985-88 के परिशिष्ट-15 में दी गई है।

सामान्य

116. (1) उपर्युक्त सभी मामलों में क्रेता और विक्रेता वास्तविक उपयोक्ताओं को आयोजित कच्चे माल/पंजीकृत माल आदि का मूल्य निर्धारण करना चाहिए।

(2) उन सभी मामलों में जहाँ उधार दिया जाता है/हस्तांतरण होता है, क्रेता और विक्रेता दोनों वास्तविक उपयोक्ता को चाहिए कि उस तरह हस्तांतरण क्रिये गये/अधिग्रहण किये गये माल की मात्रा का व्यापार परिशिष्ट 5 में निर्धारित किए गए के अनुसार आयोजित माल के भंडार की प्राप्ति और उपभोग के लिये रखे गये रजिस्टर में प्रविष्टि करें।

(3) वास्तविक उपयोक्ता द्वारा खरीदे गये आयोजित माल का मूल्य, उसका वर्तमान लाइसेंस यदि कोई हो तो, उसके लिये/सामान्य हकदारी के लिये नाम नहीं डाला जायगा।

(4) अख्तयारी कागज उधार देने/हस्तांतरण करने के मामले में अख्तयारी कागज (नियंत्रण) आदेश लागू होंगे।

(5) उपर्युक्त कंडिकाओं 104-115 में दर्शाए गए प्रावधान उन आयोजित माल पर लागू होंगे जो अग्नि में नष्ट हो गए हैं अथवा उपयोग के लिए ठीक नहीं हैं।

उद्योग संघ, सार्वजनिक क्षेत्र निगम और निर्यात सबनों/व्यापार सबनों के माध्यम से आयात के लिए स्कीम

117. (1) सार्वजनिक क्षेत्र निगम सहकारिता समितियों उद्योग संघ और उनके मान्यता प्राप्त निर्यात मदनो/व्यापार मदनो को लघु एककों को उनकी कच्चे माल, संवटकों, उपभोग्य सामग्री और फालतू पंजी की आयात आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सहायता प्रदान करने के लिए अनुमति दी जाएगी। वे सम्बद्ध एककों को माल के आयात और वितरण के लिए इस प्रकार के एककों की ओर से निम्नलिखित निर्धारित प्रावधानों के अधीन समेकित लाइसेंस प्राप्त कर सकते हैं :

(1) इस योजना के अन्तर्गत सम्बद्ध अभिकरण (अर्थात् एक संघ, सहकारिता समिति सार्वजनिक क्षेत्र, निगम, निर्यात मदन/व्यापार मदन) उन एककों के बारे में समेकित आवेदन पत्र प्रस्तुत करेगा जो उन्नी राज्य में स्थित हैं और उसी उद्योग में लगे हुए हैं जिन्हें पर्याप्त रूप से आयात की उन्नी मदों की आवश्यकता है। आवेदन पत्र उसी क्षेत्रीय लाइसेंस प्राधिकारी को दिए जाएंगे जिसके क्षेत्राधिकार में औद्योगिक एकक स्थित हैं। प्रत्येक राज्य/संघ शासित क्षेत्र के एकको के लिए अलग-अलग आवेदन पत्र दिए जाने चाहिए।

(2) संघों और सहकारिता समितियों के मामले में केवल उन्नी के आवेदन-पत्रों पर विचार किया जाएगा जिन्हें इस प्रयोजन के लिए सम्बद्ध राज्य उद्योग निदेशक द्वारा मान्यता प्राप्त है।

(3) आवेदन पत्र परिशिष्ट 2 छ में दिए गए प्रपत्र "ट" में भेजे जाने चाहिए। इसके साथ एक संबद्ध एकक के व्योरे, उनके नाम और पते (कारखाने के पते सहित) लघु पैमाने एकक पंजीकरण की क्र. स. निम्नलिखित अन्तिम-उत्पाद, प्रत्येक मामले में मद नंबर

आवेदित मूल्य और तत्संबंधी कुल मूल्य बंटे हुए एक विवरण होना चाहिए। प्रत्येक सम्बद्ध एकक द्वारा इस सम्बन्ध में एक घोषणा पत्र भेजा जाना चाहिए कि आयोजित माल का उपयोग "वास्तविक उपयोक्ता" शर्त के अनुसार उनके अपने कारखाने में किया जाएगा। अनुपूरक लाइसेंसों के लिए अभिकरण को सम्बद्ध प्रायोजक प्राधिकारी के माध्यम से आवेदन करना चाहिए और खपत प्रमाण पत्र को छोड़कर उपर्युक्त विवरण भेजे जाने चाहिए और प्रत्येक एकक के लिए एक नोट भेजा जाना चाहिए जिसमें अनुपूरक लाइसेंसों का औचित्य दर्शाया जाना चाहिए।

(4) ऐसे समेकित आवेदन-पत्र के लिए भुगतान किए जाने वाले आवेदन पत्र शल्क की गणना आवेदित कुल मूल्य के आधार पर की जाएगी।

(5) इस योजना के अधीन 'नए' या 'प्रस्तावित' एकक शामिल नहीं किए जाएंगे।

(6) सम्बद्ध आवेदक अभिकरण के नाम से आयात के लिए अनुमति मदों, की सची और मूल्य और/या प्रत्येक मद के लिए मात्रा के साथ जारी किए जाएंगे क्योंकि लाइसेंस का कुल मूल्य सीमाकारी तत्व होंगे।

(7) आयात लाइसेंस इन शर्तों के अधीन होगा कि अभिकरण उन सम्बद्ध एककों को आयोजित कच्चे माल का वितरण करेगा जिनकी ओर से उनमें लाइसेंस प्राप्त किया है और वितरण में रिपोर्ट संबद्ध लाइसेंस प्राधिकारी और संबद्ध प्रायोजक प्राधिकारी को भेजेगा।

(2) यह योजना "सीधे" आवंटन योजना के अधीन आने वाली सरणीबद्ध मदों के आवंटन प्राप्त करने के लिए भी लागू होगी। विस्तृत जानकारी के लिए अभिकरणों को संबद्ध सरणीबद्ध करने वाले अभिकरण के साथ सम्पर्क स्थापित करना चाहिए।

(3) यह योजना कटौत क्षेत्र के एककों या व्यक्तिगत उपयोक्ताओं जैसे मछली/कृषक आदि को उनके मान्यता प्राप्त संघ या सार्वजनिक क्षेत्र के निगमों के माध्यम से आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भी लागू होगी।

(4) उपर्युक्त ढंग से प्रदान किया गया कोई लाइसेंस/सीधा आवंटन इस शर्त के अधीन होगा कि इस प्रकार प्राप्त माल उन वास्तविक उपयोक्ताओं को अभिकरणों द्वारा आवेदित किया जाएगा जिनके नाम पर लाइसेंस/सीधे आवंटन के लिए आवेदन पत्र दिया गया था; उसके बदले में, उक्त लाइसेंस आवंटन में भाग लेने वाले प्रत्येक लघुपैमाना एकक व्यक्तिगत रूप से इस प्रकार वास्तविक उपयोक्ता शर्तों के अधीन होंगे; मानो कि लाइसेंस/सीधा आवंटन उनके अपने मद के नाम में और उनके पक्ष में किया गया था।

5. सले सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत जैसा भी मामला ऐसे ऐसे व्यक्तियों को जिनके पास अपने आयोजित मोटर वाहन या कृषि ट्रैक्टर हैं, उनके अपने उपयोग के लिए वित्तीय वर्ष के दौरान प्रत्येक मोटर/ट्रैक्टर के लिए 5,000/- रुपये लागत-बीमा-भाडा मूल्य तक के लिए मोटर वाहन/कृषि ट्रैक्टरों के

फालतू पूर्यों का आयात खूबे सामान्य लाइसेंस में निर्धारित शर्तों के अधीन अनुमित किया गया है। इस सुविधा का उपयोग ऐसे पंजीकृत संघों/सहकारी समितियों द्वारा जिनके पास उनके सदस्य के रूप में आयातित मोटर वाहन या कृषि ट्रैक्टर हैं, अपने सदस्यों के नाम में मोटर-वाहनों और कृषि ट्रैक्टरों के फालतू पूर्यों का आयात करने के लिए भी किया जा सकता है। आयातित माल की निकासी के समय और आयात के प्रति प्रेषण के समय संबंधित संघ/सहकारी समिति, सीमा-शुल्क प्राधिकारियों/विदेशी मद्रा के व्यापारियों को निर्भरलिखित दस्तावेज प्रस्तुत करेंगे :-

(क) उन सदस्यों के नाम की सूची जिनकी ओर से आयात किया गया है जिसमें (1) सदस्य का नाम और पता, (2) सदस्य द्वारा प्राप्त आयातित मोटर-वाहन/ट्रैक्टर का मेक (3) वाहन/ट्रैक्टर के पंजीकरण प्रमाण पत्र की संख्या एवं दिनांक (4) तिथि जिस तक पंजीकरण प्रमाण पत्र वैध है और (5) संबंधित सदस्य के लिए आयातित फालतू पूर्यों का लागत-सीमा-भाड़ा मन्थ दिया गया हो।

(ख) प्रत्येक सदस्य से इस संबंध में संघ/सहकारी समिति द्वारा विधिवत् प्रति हस्ताक्षरित एक घोषणा पत्र कि सन्मय ने मोटर वाहन अधिनियम, 1939 के अन्तर्गत करों का अद्यतन भुगतान कर दिया है और उसी वित्तीय वर्ष के दौरान पहले से आयातित और प्रस्तावित आयात की जाने वाली उसी माल वाहन या कृषि ट्रैक्टर के ऐसे माल का लागत-सीमा-भाड़ा मूल्य 5000/- रुपये से अधिक नहीं है। घोषणा-पत्र में, सम्बन्धित सदस्य को यह भी बताना चाहिए कि उसने सम्बन्धित संघ/सहकारी समिति को अपनी ओर से आयात करने के लिए प्राधिकृत किया है।

(ग) संगत कानून के अन्तर्गत संबंधित संघ अथवा सहकारी समिति का वर्तमान वैध पंजीकरण प्रमाण-पत्र।

एक शर्त यह होगी कि आयातकर्ता संघ/सहकारी समिति द्वारा उस प्रत्येक सदस्य को आयातित पूर्यों संभरित किए जाएंगे जिसके लिए आयात किया जाता है। संघ/सहकारी समिति ऐसे सभी आयात और वितरण का (रजिस्टर के रूप में) लेखा रखेंगे और यह लाइसेंस प्राधिकारियों अथवा इनकी ओर से किसी भी अन्य संबंधित प्राधिकारी द्वारा हर समय निरीक्षण के लिए उपलब्ध होगा। लेकिन, वास्तविक उपयोक्ता की शर्त ऐसे सभी मामलों में इसी प्रकार लागू होगी जैसा कि आयात प्रत्येक सदस्य द्वारा अपनी इच्छा से सीधे ही किया गया हो।

6. उपर्युक्त उप-कंडिका (5) के अन्तर्गत ट्रैक्टर के फालतू पूर्यों के आयात, सम्बद्ध राज्य के ट्रैक्टर के अलग-अलग स्वामियों की ओर से राज्य एगो-इन्डस्ट्रीज कारपोरेशन द्वारा भी किए जा सकते हैं। लेकिन उनके मामले में उप-कंडिका (5) में विस्तृत क्रियाविधि लागू नहीं होगी। इसके अतिरिक्त वे नियमों के अधीन निर्धारित सम्बद्ध प्रविष्टि बिल या अन्य किसी दस्तावेज में यह घोषणा देंगे कि "फालतू पूर्यों का आयात लागू आयात नीति के प्रावधानों के अधीन उन आयातित ट्रैक्टर के अलग-अलग स्वामियों की ओर से किया गया है जो (राज्य/

संघ शासित क्षेत्र का नाम दिया जाना है) में स्थित है। इस बातका सुनिश्चय करने का उत्तरदायित्व निगम का होगा कि ट्रैक्टर के वे अलग-अलग स्वामी जो उनके माध्यम से सम्भरण प्राप्त करते हैं वे उसी लाइसेंस अधीन के दौरान उपर्युक्त उप-पैरा (5) में उल्लिखित किसी भी संघ/सहकारी समितियों के माध्यम से या स्वयं सीधे ही उनका आयात नहीं करते हैं। और मोटर वाहन अधिनियम के अधीन करों के भुगतान में शूक-कर्ता नहीं है।

7. राज्य एगो इन्डस्ट्रीज कारपोरेशन द्वारा पात्र वास्तविक उपयोक्ताओं को वितरण के लिए कृषि मशीनरी और फालतू पूर्यों का आयात किया जाए। आयात आवेदन पत्रों पर मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली द्वारा राज्य सरकार की सिफारिश पर और स्वदेशी निकासी के अधीन विचार किया जाएगा। ऐसे आवेदन-पत्रों पर 1985-88 की आयात निर्यात नीति (खंड-1) के अध्याग-12 में बताई गई सहकारिता समिति द्वारा विचार किया जाएगा।

एजेंटों के माध्यम से आयात

118. (1) 1978-79 में लागू आयात नीति में लाइसेंस धारी की ओर से लाइसेंस के मूखे माल को आयात करने के लिए किसी दूसरे व्यक्ति को प्राधिकृत करते हुए प्राधिकारपत्र जारी करने की लाइसेंस प्राधिकारी के लिए कोई विशेष प्रावधान नहीं है। लाइसेंसधारी को एतद्वारा यह अधिकार दिया जाता है कि लाइसेंस द्वारा अनुमित आयातों की व्यवस्था करने के लिए अपने एजेंट के रूप में किसी भी व्यक्ति की नियुक्ति करे। लेकिन, लाइसेंस लाइसेंसधारी के ही नाम में रहता रहेगा और लाइसेंसधारी या प्राधिकारपत्र के धारक के कर्तव्यों और आभारों के संबंध में आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 के अन्य प्रावधान संबंधित व्यक्तियों पर क्रमशः लागू रहेंगे अन्य शर्तों और कानूनी आवश्यकताओं के अधीन लाइसेंसधारी के लिए यह स्वतंत्रता होगी कि वह अपना निजी प्राधिकारपत्र निश्चित करे। परन्तु ऐसे प्राधिकारपत्र के धारक के कार्य इन बातों तक सीमित होंगे कि वह आवेश वे, माल-पत्र खोले, माल का आयात करने के लिए भुगतान के धन का परेषण करे, माल के संचालन की व्यवस्था करे और सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 के खण्ड 147 को ध्यान में रखते हुए, लाइसेंसधारी की ओर से सीमा शुल्क के माध्यम से माल की निकासी कराये और विषयाधीन लाइसेंस के प्रचालन में सम्बन्धित किसी अन्य मामले की व्यवस्था करे, परन्तु इसके स्यामित्य की नहीं।

(2) वर्तमान आयात नीति के उप-पैरा (1) में दी गई सुविधाएं निर्यात गृहों तथा व्यापारिक गृहों को आयात के लिए उपलब्ध नहीं होंगी क्योंकि आयात लाइसेंस "अहस्तान्तरणीय" चिह्नित हैं। उदाहरणतः अतिरिक्त लाइसेंस या आर ई पी लाइसेंस अहस्तान्तरणीय चिह्नित हैं। इस प्रकार के लाइसेंस के लिए निर्यात गृहों/व्यापारी गृहों को अपनी ओर से लाइसेंस का संचालन करने या आयातित वस्तुओं का वितरण करने के लिए एजेंट नियुक्त करने या प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए अनुमति नहीं चाहिए। इस प्रकार के कार्य स्वयं निर्गमन सदन/व्यापार सदन को ही करने चाहिए। निर्यात गृह या व्यापारिक गृह का किसी विशेष लाइसेंस या आयातित मद्रों के संबंध में वैध कारणों से एजेंट नियुक्त करना आवश्यक हो तो पूर्व अनुमति के लिए मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात में संपर्क स्थापित करना चाहिए जिस पर मुख्य नियंत्रक पात्रता के आधार पर विचार करेंगे और वह उन शर्तों के अधीन होगा जो लगाई जा सकें।

(3) उपर्युक्त उप कंडिका (1) में व्यवस्थित सुविधा विदेशी मशीनरी/आजार विनिर्माता के भारतीय अभिकर्ताओं को उन मामलों में उपलब्ध नहीं होगी जहां लागू सम्बद्ध आयात नीति के प्रावधानों के अधीन स्टॉक और बिक्री के लिए फालतू पूर्णों के आयात के लिए ऐसे अभिकर्ताओं को लाइसेंस जारी कर दिए गए हों।

119. (1) खुले सामान्य लाइसेंस के अंतर्गत माल का आयात करते समय कोई व्यक्ति केवल आदेश देने, माल का संचालन करने या सीमाशुल्क के माध्यम से माल की निकासी की व्यवस्था करने के लिए एजेंट की सेवाओं का उपयोग कर सकता है, परन्तु धन परीक्षण के लिए या साख-पत्र खोलने के लिए नहीं। खुले सामान्य लाइसेंस की सुविधा के लिए हकदार व्यक्ति एजेंट के कार्य या अकार्य से उत्पन्न उन्ही कानूनी आभारों और जमानों का पात्र सम्भूत जाएगा जिनके लिए अन्यथा रूप से वह स्वयं पात्र होता है।

(2) निम्नलिखित मामलों में एजेंट भी पात्र आयातकों की ओर से साख-पत्र खोल सकते हैं और धन का परीक्षण कर सकते हैं:—

(1) केन्द्रीय या राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त वैज्ञानिक या अनुसंधान प्रयोगशालाओं, उच्चतर शिक्षा के संस्थानों और अस्पताल के लिए माल का आयात करने वाले एजेंट।

(2) सरकार के विभागों, केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार के अपने निजी या इन के द्वारा नियंत्रित सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों और संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित संविधिक निकायों के लिए माल का आयात करने के लिए एजेंट।

(3) मूल नियंत्रक, आयात-निर्यात द्वारा जारी किए गए वैध निर्यात गृह/व्यापार गृह प्रमाणपत्रों के धारक और वास्तविक उपयोक्ताओं की ओर से माल का आयात करने वाले निर्यात सदन/व्यापार सदन।

(4) राज्य के सम्बद्ध उद्योग निदेशक द्वारा मान्यता प्राप्त और अपने सदस्यों की ओर से माल का आयात करने वाली सहकारी समितियां या वास्तविक उपयोक्ताओं के संघ।

(5) वास्तविक उपयोक्ताओं की ओर से माल आयात करने वाले सार्वजनिक उपक्रम/अभिकरण।

(3) उपर्युक्त उपकंडिका (2) में शामिल मामलों में आयातित माल सम्बद्ध सहकारी समिति/संघ या अभिकर्ता द्वारा लाभग्राही वास्तविक उपयोक्ता को दिया जाएगा। ऐसे सारे और माल के वितरण का लेखा (रजिस्टर के रूप में) रखा जाना चाहिए और यह लेखा प्रत्येक समय लाइसेंस प्राधिकारी और प्रायोजक प्राधिकारी द्वारा निरीक्षण के लिए उन्हें उपलब्ध कराया जाएगा।

(4) यदि आयातित माल का किसी भी तरीके से दुरुपयोग किया जाएगा तो ऐसे एजेंट द्वारा आयात नीति (सम्बन्धित लाइसेंस के उपयोग के संबंध में) में किसी प्रकार का उल्लंघन किया जाएगा तो उपर्युक्त व्यवस्थाओं से लाइसेंसधारी को मुक्ति नहीं मिल जाएगी या किसी भी प्रकार से उसे आयात (नियंत्रक) आदेश, 1955 के अन्तर्गत उत्तरदायित्वों से छूटकारा नहीं मिल जाएगा।

(5) लाइसेंस के संशोधन या पुनर्वैधीकरण के लिए सभी आवेदन केवल लाइसेंसधारी द्वारा किए जाएंगे। उसका यह

भी उत्तरदायित्व होगा कि वह ऐसे संशोधन या पुनर्वैधीकरण प्राप्त करने के लिए लाइसेंस प्राधिकारी के सामने लाइसेंस प्रस्तुत करे। यह कार्य अभिकर्ता द्वारा निष्पादित नहीं किया जा सकता है।

सहयोगी व्यापार संस्थाएं

120. आयात/निर्यात नीति और क्रियाविधियों के उद्देश्य के लिए व्यापार संस्थाएं आपस में सहयोगी हों या नहीं, इसका सुनिश्चय करने के लिए निम्नलिखित मापदण्ड होंगे:—

(1) दोनों व्यापार संस्थाओं का आय-कर निर्धारण सम-रूप से होता हो या स्वामित्व सामान्य हो; या

(2) दोनों व्यापार संस्थाओं का आयकर निर्धारण अलग-अलग होता हो और उनका स्वामित्व सामान्य न हो; परन्तु

(क) व्यापार संस्थाओं में से एक संस्था का साझादार जिसका उस संस्था में प्रमुख भाग हो, वह दूसरी व्यापार संस्था का मालिक हो; या

(ख) व्यापार संस्थाओं में से एक संस्था में साझादार या कुछ साझादार दूसरी व्यापार संस्था में प्रमुख भाग रखता हो या रखते हों; या

(3) व्यापार संस्थाओं में से एक संस्था लिमिटेड कंपनी हो और लिमिटेड कंपनी का संचालक दूसरी व्यापार संस्था में मालिक के रूप में रुचि रखता हो; या

(4) व्यापार संस्थाओं में से एक संस्था दूसरी संस्था का परामर्शदाता हो या ठेकेदार हो; या

(5) व्यापार संस्थाएं मूल रूप से संचालकों के सामान्य बोर्ड सहित लिमिटेड कंपनी हों या एक ही पोरसर में स्थित पंजीकृत कार्यालयों के साथ लिमिटेड कंपनी हों।

लाइसेंस/रिलीज आवेदों से इन्कार किया जाना

121. (1) लाइसेंस प्राधिकारी निम्नलिखित मामलों में लाइसेंस/रिलीज आदेश देने से इन्कार कर सकता है:—

(क) यदि आवेदन-पत्र 7 दिसम्बर, 1955 के यथा-संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की किसी भी धारा के अनुरूप न हो;

(ख) यदि आवेदन-पत्र में कोई भ्रूण, छलपूर्ण या भ्रामक वक्तव्य हो;

(ग) यदि आवेदक ने आवेदन-पत्र की पृष्ठ में कोई ऐसा प्रलेख प्रस्तुत किया हो जो भ्रूण हो या जाली हो या फेर बदल वाला हो;

(घ) यदि लाइसेंस/रिलीज आदेश के लिए धिया गया आवेदन-पत्र किसी भी प्रकार में अटिपूर्ण हो और निर्धारित नियमावली और क्रियाविधि के अनुसार न हो;

(ङ) यदि आवेदक संबंधित और लागू आयात व्यापार नियंत्रण नीति और क्रियाविधि के अनुसार लाइसेंस/रिलीज आदेश पाने का पात्र न हो;

- (च) यदि आवेदक कोई ऐसा प्रलेख प्रस्तुत न कर पाये जिससे लाइसेंस प्राधिकारी ने मांगा हो;
- (छ) यदि आवेदक लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा निर्दिष्ट समय के भीतर अपने आवेदन-पत्र में किसी कमी को पूरा नहीं कर पाता;
- (ज) यदि लाइसेंस/गिनीज आदेश प्राप्त करने के लिए आवेदक ने गलत तरीकों का इस्तेमाल किया हो; और
- (झ) कोई भी अन्य कारण जिसका उल्लेख लिखित रूप में किया गया हो।

(2) लाइसेंस प्राधिकारी 7 दिसम्बर, 1955 के यथा-संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की धारा 6 की शर्तों के अनुसार भी लाइसेंस देने से इन्कार कर सकता है।

अप्राधिकृत आयात

बंध आयात

122. अन्य बातों के साथ-साथ यदि यह निम्नलिखित शर्तें पूरी करता है तो आयात बंध है।

- (1) यह एक लाइसेंस/खुला सामान्य लाइसेंस/सीमा शुल्क निकासी परमिट के अन्तर्गत आता है।
- (2) आयातित माल का विवरण, मूल्य तथा मात्रा लाइसेंस/खुला सामान्य लाइसेंस/सीमा शुल्क निकासी परमिट के अनुसार है।
- (3) लाइसेंस/खुला सामान्य लाइसेंस/सीमा शुल्क निकासी परमिट की वैधता अवधि के अन्तर्गत आपूर्ति करने वाले देश से माल का पोतलवान/प्रेषण किया जाता है।
- (4) आयात की मद (दें) और सभी अन्य सम्बन्धित मामलों के सम्बन्ध में लाइसेंस/खुला सामान्य लाइसेंस/सीमा शुल्क निकासी परमिट और आयात-निर्यात नीति एवं प्रक्रिया में निहित शर्तें पूरी की गई हैं।

लाइसेंसों के अन्तर्गत न आने वाले आयात

123. यदि कोई मद जिसके लिए एक लाइसेंस अपेक्षित है (सीमा शुल्क निकासी परमिट सहित) एक बंध लाइसेंस के बिना आयात की जाती है अथवा निकासी की जाती है तो आयातक माल के स्वामी के विरुद्ध सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 के अधीन इस पत्र में की गई कार्रवाई को ध्यान में रखे बिना आयात एवं निर्यात (नियंत्रण), 1947 और इसके अधीन जारी किए गए आदेशों के प्रावधानों के अधीन उचित कार्रवाई की जाएगी।

124. आयात-निर्यात नीति और प्रक्रिया से सम्बन्धित मामलों में मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात द्वारा दी गई व्याख्या अन्तिम होगी, इन मामलों में सन्देह होने की अवस्था में, सीमा शुल्क प्राधिकारियों के माल की निकासी से पूर्व आयात व्यापार नियंत्रण प्राधिकारियों से परामर्श लेना चाहिए।

संयुक्त समिति

125. वास्तविक कठिनाइयों के मामले में आयातकों की सहायता के लिए, प्रत्येक पक्ष पर लाइसेंस और सीमाशुल्क

प्राधिकारियों की संयुक्त समिति बनाई गई है। समिति की नियमित बैठक होती है और आयातों में पहले एवं बाद की पृष्ठ-ताछ और आयातकों को कठिनाइयों पर विचार करती है।

पोतलवान से पूर्व संशोधनों के लिए निवेदन

126. यदि आयातक लाइसेंस में कोई असंगति पाता है तो उसे सम्बद्ध लाइसेंस प्राधिकारी को लाइसेंस में संशोधन के लिए तत्काल आवेदन करना चाहिए। किसी भी मामले में इस प्रकार के संशोधन के लिए संभरण को देश से माल लादे जाने/प्रेषण किए जाने से पूर्व निवेदन करना चाहिए जिससे कि यदि किसी वजह से परिवर्तन या संशोधन की अनुमति नहीं दी जाती है तो आयातक अपने संभरण को आवश्यक समझन की सलाह दे सके। लाइसेंस में किसी संशोधन या पुनर्विधीकरण चाहने वाले आवेदक को स्पष्ट रूप से उल्लेख करना चाहिए कि उस लाइसेंस के अधीन आने वाले माल का पूर्ण रूप से या आंशिक रूप से पहले से ही लादा गया है/प्रेषण किया गया है या नहीं। इस विषय में कोई भी भ्रम/या गलत विवरण देने पर लाइसेंसधारी/आयातक पर, आयात व्यापार नियंत्रण नियमों एवं विनियमों के अधीन कार्रवाई की जाएगी।

127. संभरण देश से माल के पोतलवान/प्रेषण के बाद लाइसेंस के संशोधन के लिए किए गए निवेदन, यदि कोई हो तो, को आयात व्यापार नियंत्रण प्राधिकारी सरसरी तौर पर रद्द कर सकता है।

अप्राधिकृत आयात के लिए वण्ड

128. अप्राधिकृत आयात के संबंध में लगाया गया जुर्माना/दण्ड अधिक भी हो सकता है और यहां तक की माल को जप्त भी किया जा सकता है या माल के आयातक/स्वामी पर मुकदमा भी चलाया जा सकता है। विशेष परिस्थितियों में, माल के आयातक/स्वामी को माल के पुनः लदान की अनुमति भी दी जा सकती है; परन्तु, ऐसे मामलों में भी माल का आयातक/स्वामी दंड जुर्माने/दण्ड आदि का भागी होगा। इसलिए, आयातक अपने भले के लिए यह आश्वसन दें कि जो कुछ भी माल देश में वे आयात कर रहे हैं वे लाइसेंस में दिए गए व्यौरों के बिल्कुल अनुरूप हैं और न तो प्रेषण लाइसेंस में दिए गए मूल्य या मात्रा की सीमा में अधिक है और न ही जो कुछ भी आयात के लिए प्राधिकृत किया गया है उससे किसी भी तरह भिन्न है। खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन आयात के संबंध में ऐसी ही सावधानियां बरतनी चाहिए।

जब आयातक लाइसेंस प्रस्तुत करने में असमर्थ हो तब माल का छोड़ना

129. उस मामले में जहां आयातक आयातित माल के लिए बंध आयात लाइसेंस रखने का दावा करता है परन्तु वह विभिन्न पक्षों पर लाइसेंस के अधीन आने वाले माल के पहुंच जाने पर, विशेष पक्ष पर सीमा शुल्क समाहर्ता को लाइसेंस प्रस्तुत करने में असमर्थ होता है या अन्य किसी वजह से लाइसेंस प्रस्तुत करने में असमर्थ होता है तो सीमाशुल्क समाहर्ता यदि आयातक के तर्कों से संतुष्ट होता है तो जहां तक आयात व्यापार नियंत्रण अधिनियमों का सम्बन्ध है, आयातक द्वारा या या परिशिष्ट 2-ज में दिए गए प्रपत्र में गारन्टी पत्र प्रस्तुत करने पर माल की निकासी की अनुमति देगा। यह सीमाशुल्क समाहर्ता की इच्छा पर निर्भर होगा कि वह बाद की तिथि को माल के

लिए आयात लाइसेंस प्रस्तुत करने के लिए आयातक से बांड या गारन्टी पत्र स्वीकार करे या न करे।

रिलीज आदेश को रद्द करना

130. लाइसेंस प्राधिकारी आयातित माल के आबंटन के लिए जारी किए गए रिलीज आदेशों को रद्द कर सकता है या अन्यथा रूप से उन्ही आधारों पर अप्रभावी कर सकता है जो आयात लाइसेंस को रद्द करने के लिए लागू होते हैं। रिहाई आदेश रद्द करने का कार्रवाई करने से पूर्व रिहाई आदेशधारी का मामला की सुनवाई के लिए उचित अवसर दिया जाएगा।

कन्टेनरों का उपयोग

131. कम लागत पर आयात करने में देश को समर्थ बनाने के लिए लाइसेंसधारी या खुले सामान्य लाइसेंस के अंतर्गत पात्र व्यक्ति एक ड्री रथान/पोतलदान के पत्तन से आरम्भ होने वाले अपने आयातों को कन्टेनरों में अधिक परिमाण में भर सकते हैं।

कीटनाशक का आयात

132. कोई भी व्यक्ति जो खुले सामान्य लाइसेंस या लाइसेंस की अधीन भूगान के मदों या भूफत नमूने के रूप में या अन्यथा रूप से कीटनाशक का आयात करना चाहता है, उसे चाहिए कि वह आयात के व्यर्थों का दर्शाते हुए पादप सुरक्षा मलाहकार, भारत सरकार फरीदाबाद को इसकी सूचना भेजे। जिम्मे प्रपत्र में यह सूचना दी जानी चाहिए उसे परिशिष्ट 2-अ में दर्शाया गया है।

आयात/निर्यात नीति और क्रियाविधियों के सम्बन्ध में स्पष्टीकरण :—

133. (1) आयात-नीति, 1985-88 का अध्याय 2 के उपबन्धों की धर विशेष भाग दिया जाता है। जो व्यक्ति आयात-निर्यात नीति और संबंधित क्रियाविधियों के संबंध में किसी प्रकार का मार्ग दर्शन प्राप्त करना चाहते हैं, वे क्षेत्रीय कार्यालयों के जन-संपर्क अधिकारियों से संपर्क कर सकते हैं। यदि वे जन-संपर्क अधिकारी द्वारा दी गई सूचना से संतुष्ट नहीं हैं तो उनको कार्यालय अध्यक्ष से मिलने का अवसर प्रदान किया जाएगा। मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात भी व्यापार और उद्योग सदनों/संस्थाओं से/नीति और क्रियाविधियों के सम्बन्ध में पत्रों पर सहर्ष विचार करेगा। एक ही विषय पर खण्डों में स्पष्टीकरण न देना पड़े, इसके लिए वे अपने प्रश्न मासिक आधार पर समीकित कर सकते हैं। मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात प्रश्नकर्ताओं और वाणिज्य विभाग के प्रकाशनों के लिए चन्दा देने वाले व्यापार सदनों और संस्थानों को उत्तर परिचित करेगा। ऐसे पत्राचार परिशिष्ट-2त में दिए गए प्रपत्र के अनुसार पूर्ण व्यर्थों के साथ होने चाहिए।

(2) आयात एवं निर्यात नीति में परिवर्तनों के लिए सभाय परिशिष्ट-2थ में दिए गए निर्धारित प्रपत्र में मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात, नई दिल्ली को भेजे जाएं। ऐसे सभाय पर्याप्त शिक्षा के साथ पष्ठ के एक तरफ टाईप करके तीन प्रतियों में भेजे जाएं।

जन-सम्पर्क

134. मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के मुख्यालय और क्षेत्रीय कार्यालयों में जन-संपर्क अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। छोटे कार्यालयों में कार्यालय का प्रमुख अधिकारी यह कार्य स्वयं करेगा।

काउन्टर सहायता पद्धति

135. लाइसेंस के लिए आवेदन-पत्रों को शीघ्र निपटाने के लिए लाइसेंस कार्यालयों में "काउन्टर सहायता पद्धति" आरम्भ की गई है। इस पद्धति के अंतर्गत लाइसेंस के लिए आवेदन-पत्रों को औपचारिक रूप से दाखिल करने से पहले उसकी तुरन्त जांच करने के लिए प्रत्येक लाइसेंस कार्यालय में काउन्टर पर कम से कम नियंत्रक के आह्वान का एक अधिकारी उपलब्ध होगा। इसलिए आवेदक काउन्टर पर ऐसे अधिकारी से सम्पर्क कर सकता है और विधिवत् भरा हुआ अपना आवेदन-पत्र उनको दिखा सकता है। सम्बद्ध अधिकारी आवेदन-पत्र को पढ़ेगा और यदि कोई त्रुटि होगी तो उस आवेदक को बताएगा। आवेदन पत्रों की पहले ही इस प्रकार जांच कर लेने से बार-बार पत्राचार करने में और आवेदनपत्रों को निपटाने में जो विलम्ब होता है उसमें पर्याप्त कमी होगी और इससे आवेदक को सहायता मिलेगी।

136. काउन्टर पद्धति उन छोटे संशोधनों या लाइसेंसों के पूर्ववर्धीकरण के लिए भी उपलब्ध की जा सकती है जिनमें विस्तृत जांच की आवश्यकता नहीं होती, जैसे माल की सूची में शुद्धियों के लिए आवेदन करना, लाइसेंस पर या माल की सूची पर सुरक्षा गारंजर लगाना, या लाइसेंस पर लगाई गई किसी धर्त के नीचे या लाइसेंस में संलग्न माल की सूची पर लाइसेंस प्राधिकारी के हस्ताक्षर कराना। एम मामलों में आवेदन-पत्र एक रसीद वारर "काउन्टर" पर लिए जाएंगे लेकिन लाइसेंस पंजीकृत डाक द्वारा वापस कर दिया जाएगा।

विलम्ब की रोकथाम

137. (1) लाइसेंसों के लिए आवेदन-पत्रों या पत्राचारों को निपटाने में होने वाले विलम्ब को रोकने के लिए हर प्रकार का प्रयत्न किया जाता है। अत्यधिक विलम्ब के मामलों की सूचना जन-सम्पर्क अधिकारी को दी जा सकती है।

(2) आयात आवेदन-पत्रों पर शीघ्र कार्रवाई करने के लिए क्षेत्रीय लाइसेंस कार्यालयों में एक "समयबद्ध" निपटान पद्धति आरम्भ की गई है। इस पद्धति के विस्तृत व्यर्थों मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के सभी कार्यालयों में उपलब्ध हैं।

138. मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली को विलम्ब से संबंधित भेजी गई शिकायतों के शीर्ष पर "विलम्ब के विरुद्ध शिकायत" शब्द विशेष रूप से लिखे होने चाहिए। ऐसी शिकायतों पर उचित समय के भीतर कार्रवाई की जाए इसको सुकर बनाने के लिए आवेदकों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी शिकायतों दो प्रतियों में भेजें।

पृष्ठ-ताछ स्थिर

139. यदि किसी आवेदक को उसने आवेदन-पत्र की तिथि से 15 दिनों की अवधि (संशोधित/पूर्ववर्धीकरण के मामलों में 10 दिनों) के भीतर उसके आवेदन-पत्र का उत्तर प्राप्त नहीं होता है और वह आवेदक अपने मामले की स्थिति का

पता लगाना चाहता है, तो वह परिशिष्ट-2ड में दिए गए प्रपत्र में पूछताछ स्लिप भरने और उसे सम्बद्ध लाइसेंस कार्यालय में पूछताछ काउन्टर पर देना। जन-सम्पर्क अधिकारी/पूछ-ताछ अधिकारी सम्बन्धित सूचना प्राप्त करने के लिए आवेदक को तिथि और समय बताएगा। उसे सूचना एकत्र करने के लिए दी गई तिथि और समय पर कार्यालय में सम्पर्क करना चाहिए।

मूलाकात

140. सामान्य रूप से सभी मामले पत्राचार द्वारा तय कर लेने चाहिए, परन्तु अपने मामलों की स्थिति को सुनिश्चित करने के लिए आवेदक द्वारा पूछ-ताछ स्लिप का प्रयोग भी उपलब्ध की जा सकती है। लेकिन, जिन मामलों में पूछ-ताछ स्लिप में दी गई सूचना से या अपील के सम्बन्ध में आवेदक संतुष्ट न हुआ हो और वह व्यक्तिगत रूप से मामले पर लाइसेंस अधिकारी से विचार विमर्श करना आवश्यक समझता हो, तो वह संबद्ध अधिकारी से मुलाकात कर सकता है। उचित मामलों/परिस्थितियों में मुलाकातों के लिए उन आवेदकों पर भी विचार किया जा सकता है जिनमें आवेदक ने उपयुक्त पैरा 139 में उपलब्ध सुविधाओं का उपयोग न किया हो।

141. (1) मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली से और क्षेत्रीय लाइसेंस कार्यालयों के मुख्य अधिकारियों से मुलाकात करने की व्यवस्था उनके निजी सचिवों के माध्यम से करनी चाहिए।

(2) अन्य अधिकारियों से मुलाकात की व्यवस्था सामान्यतः प्रत्येक कार्यालय से सम्बद्ध पूछताछ कार्यालय के माध्यम से होनी चाहिए। आवेदक को मुलाकात का उद्देश्य और अपने मामले का संक्षेप निश्चित पत्र, दक्षिण परिशिष्ट-2ड में देना चाहिए। जन-सम्पर्क अधिकारियों से मुलाकात करने के लिए प्रपत्र भरने की आवश्यकता नहीं है। विशेष रूप से बाहर से आने वाले आवेदकों को निर्धारित प्रपत्र में सूचना न देने पर मामले का ब्यापार देते हुए, अनुरोध करने पर उनको मुलाकात करने का मौका दिया जाए।

(3) मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली के कार्यालय में संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात या इस से ऊपर के अधिकारी आवेदक द्वारा परिशिष्ट-2ड का प्रपत्र भरने बिना भी अत्यावश्यक मामलों में मुलाकात की अनुमति दे सकते हैं।

142. जब तक अन्यथा रूप से प्राधिकृत न किया गया हो, मुलाकात केवल उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात या इससे ऊपर के अधिकारियों द्वारा मंजूर की जाएगी। यह बात नोट कर लेनी चाहिए कि मुलाकात बुक कराने वाला व्यक्ति आवेदक फर्म या कम्पनी का मालिक/सामोदार/संचालक होना चाहिए या उसका नियमित कर्मचारी होना चाहिए या वह व्यक्ति आवेदक फर्म द्वारा उस लिखित प्राधिकारपत्र द्वारा प्राधिकृत होना चाहिए जो मुलाकात बुक कराते/मांगते समय पूछ-ताछ अधिकारी और मुलाकात अधिकारी को प्रस्तुत किया जाएगा। मुलाकात चाहने वाले व्यक्ति को ऐसी मुलाकातों से सम्बन्धित सभी सूचना जो सभी लाइसेंस कार्यालयों में नोटिस बोर्ड पर लिखे हुए हों या अन्यथा प्रकाशित किए गए हों, का अनुपालन करना चाहिए। लेकिन, आयात व्यापार नियंत्रण संगठन के कर्मचारियों के कमरों में प्रिन्टिंग या स्टाफ के साथ व्यक्तिगत रूप से सम्बन्ध पर कठोर प्रतिबन्ध है।

143. (1) एक लाइसेंस प्राधिकारी अपनी निजी सम्पत्ति-बुक से उस व्यक्ति को मुलाकात के लिए मना कर सकता है जो आवेदक फर्म या कम्पनी का मालिक/सामोदार/संचालक न हो या उसका निर्धारित रूप से कर्मचारी न होना चाहे, उस व्यक्ति के पास आवेदक फर्म का प्राधिकार पत्र क्यों न हो।

(2) आयातकों और निर्यातकों को अपने निजी हित के लिए उन व्यक्तियों (फर्म या कम्पनी के या इनके नियमित रोजगार में स्वामी/सामोदार/संचालक से भिन्न) के नाम और पूर्ण पते देते हुए अग्रिम सूचना सम्बद्ध लाइसेंस प्राधिकारियों को भेजनी चाहिए जो उनके मामलों को लाइसेंस कार्यालयों में प्रस्तुत करने के लिए उन्होंने प्राधिकृत किए हैं। ऐसी सूचना सम्बद्ध लाइसेंस कार्यालय के जन-सम्पर्क अधिकारी को अधिक से अधिक 15 मई, 1985 तक अवश्य पहुँच जानी चाहिए। उसके बाद ऐसे व्यक्तियों को मुलाकात की अनुमति केवल तब दी जाएगी जब कि उन के नामों की सूचना विधिवत् प्राप्त हो गई हो। इन में वे मामले शामिल नहीं होंगे जिनमें मुलाकात प्राधिकारी अन्य विश्वसनीय कारणों से व्यापार/उद्योग मंडल/संघ आदि के सदस्यों को मुलाकात की अनुमति देगा।

(3) वे आयातक और निर्यातक जिन्होंने 1984-85 में उप-युक्त उप-कांडिका (2) के अंतर्गत लाइसेंस प्राधिकारियों को सूचनाएं भेज दी थीं, उन्हें पुनः वही सूचना भेजने की तब तक आवश्यकता नहीं है जब तक कि पहले भेजे गए नामों में कोई परिवर्तन नहीं होता है।

आयातकों के लिए महत्वपूर्ण संकेत

144. (1) लाइसेंस के लिए निर्धारित प्रपत्र में आवेदन किया जाना चाहिए।

(2) आवेदन-पत्र को साफ और ठीक तरह भरना चाहिए। कोई भी कालम खाली नहीं छोड़ना चाहिए। आवेदन पत्र के कालमों में जहाँ कहीं भी आवश्यक हो, वहाँ 'हाँ' या 'नहीं' या 'लागू नहीं होता है' शब्दों का इस्तेमाल करें। यदि आवेदक किसी विशेष कालम का उत्तर देने में असमर्थ हो, तो उसे उसका वास्तविक कारण बताना चाहिए।

(3) निर्धारित प्रपत्र में पूछता सही और ईमानदारी से देनी चाहिए।

(4) आवेदित मूल्य के आधार पर आवेदन शुल्क की अदायगी की मूल रसीद डिमांड ड्राफ्ट आवेदन पत्र के साथ भेजनी चाहिए।

(5) सभी आवश्यक कागजात आवेदन-पत्र के साथ दिए जाने चाहिए और आवेदन पत्र के आवरण पत्र में प्रत्येक कागजात का विवरण देते हुए उन सभी संलग्नकों के व्यंजनों देना चाहिए।

(6) आवेदन-पत्र पर किसी प्राधिकृत व्यक्ति के कार्यालय तथा आभासीय पते और पद सहित हस्ताक्षर होने चाहिए।

(7) आवेदक का पूरा पता साफ-साफ अक्षरों में लिखा होना चाहिए।

- (8) यदि लाइसेंस प्राधिकारी को कोई संदर्भ सख्या है, तो उसका मही और परा संदर्भ सख्या बनाना चाहिए।
- (9) कार्यविधि में दी गई योग्यता के अनुसार जैसा भी मामला हो, अंतिम तारीख से पहले उपयुक्त लाइसेंस प्राधिकारी या संबंधित गणपेक्षक प्राधिकारी को आवेदन-पत्र एक से भेजा जाना चाहिए ताकि लाइसेंसिंग प्राधिकारी को अंतिम तिथि तक अत्यंत लाइसेंस प्राधिकारी तथा प्रायोजक प्राधिकारी के कार्यालय के वाउचर पर निर्धारित अंतिम तारीख से पूर्व दे देना चाहिए।
- (10) महानिदेशक, तकनीकी विकास के रजिस्टर में दर्ज वास्तविक उपयोक्ताओं को अपने आवेदन पत्रों में तकनीकी विकास महानिदेशालय द्वारा प्रदान की गई कोड संख्या भी उद्धृत करनी चाहिए। यदि कोई कोड संख्या नहीं दी गई हो, तो निर्धारित आवेदन पत्र के ऊपर उचित खाने में "नहीं दी गई" शब्द लिखना चाहिए।
- (11) वास्तविक उपयोक्ता को एक ऐसा समर्पित आवेदन-पत्र प्रस्तुत करना चाहिए जिसमें यानियों के लिए प्रत्येक तैयार-उत्पाद के लिए अपेक्षित कच्चे माल और संघटकों की आवश्यकता को शामिल कर लिया गया हो। उसी एक द्वारा विनिर्मित सम्बद्ध यन्त्रिम उत्पादों के लिए केवल एक ही आवेदन पत्र भेजा जा सकता है।
- (12) आवेदकों को आयात किए जाने वाले माल की सूची संलग्न करते हुए यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि पत्तन से माल की निकासी के समय संभावित असुविधा को दूर करने के उद्देश्य से सूची अच्छे और टिकाऊ कागज पर तैयार की गई है। जिन यानियों के नाम महानिदेशालय, तकनीकी विकास के रजिस्टर में दर्ज हैं उनके आवेदकों को यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि उन्होंने लाइसेंस प्राधिकारी को प्रस्तुत करने के लिए माल की सूची की जो प्रतियां तैयार की हैं वे महानिदेशालय, तकनीकी विकास द्वारा निकासी की गई सूची के अनुसार हैं।
- (13) आयात लाइसेंस प्राप्त करने पर, लाइसेंसधारी को सावधानीपूर्वक इस वान की जांच कर लेनी चाहिए कि लाइसेंस सभी तरह से पूर्ण है। लाइसेंसधारी को विशेष रूप से निम्नलिखित बातों की जांच करनी चाहिए --
- (क) क्या लाइसेंस के साथ आगमन के लिए स्वीकृत वस्तुओं की सूची लगी है, यदि ऐसी सूची का उल्लेख लाइसेंस में किया गया है।
- (ख) क्या सूची के प्रत्येक पंक्ति पर लाइसेंस प्राधिकारी ने विशिष्ट रूप से हस्ताक्षर किए हैं।
- (ग) क्या सूची के प्रत्येक पंक्ति पर लाइसेंस प्राधिकारी ने सुरक्षा सील लगाई है।

- (घ) यदि सूची में कुछ परिवर्तन किए गए हैं, तो क्या लाइसेंस प्राधिकारी ने विधिवत रूप में उनको साक्ष्यांकित किया है।
- (ङ) क्या लाइसेंस की दोनों प्रतियों पर लाइसेंस प्राधिकारी ने सुरक्षा सील लगाई है।
- (च) क्या लाइसेंस पर लगाई गई शर्तों पर लाइसेंस प्राधिकारी ने विधिवत हस्ताक्षर किए हैं।
- (छ) यदि लाइसेंस में से कोई शर्त काट दी गई है, तो क्या लाइसेंस प्राधिकारी ने उसे साक्ष्यांकित किया है।
- (ज) क्या विदेशी ऋण पर जारी किए गए लाइसेंसों के मामले में ऋण पर लागू होने वाली शर्तों को लाइसेंस के साथ संलग्न कर दिया गया है, यदि लाइसेंस में इस तरह के आदेश का संदर्भ है, तो क्या ऐसी शर्तों पर लाइसेंस प्राधिकारी ने विधिवत हस्ताक्षर किए हैं।
- (झ) लाइसेंस पर या लाइसेंस के साथ संलग्न सूची पर या लाइसेंस के साथ नत्थी की गई शर्तों पर लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा किए गए प्रत्येक हस्ताक्षर को विधिवत प्रमाणित करने के लिए हस्ताक्षर के ऊपर सुरक्षा सील लगी है।

यदि लाइसेंसधारी को यह पता लगे कि लाइसेंस किसी भी प्रकार से अपूर्ण है, तो उसे यह बात तुरंत सम्बन्धित लाइसेंस प्राधिकारी के ध्यान में लानी चाहिए और लाइसेंस प्राधिकारी को आवश्यक कार्रवाई करने के लिए लाइसेंस प्रणाली पर दस्तावेज देना चाहिए।

अपील पुनरीक्षण और परिशोधन

अधिनियम/आदेश(ओं) के प्रावधानों के अधीन अपील और परिशोधन

145. उन मामलों में जहां एक निर्णय या आदेश, आयात एवं निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम 1947 या आयात/निर्यात (नियंत्रण) आदेश के अधीन किया गया है, तो अपील/परिशोधन उनसे सम्बन्धित अधिनियमों एवं सम्बद्ध आदेशों में निहित प्रावधानों के अनुसार की जाएगी।

146 (1) आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की धारा 10(2) में यह व्यवस्था है कि जहां कोई व्यक्ति धारा 8 या 8-क या 9 के अधीन की गई कार्रवाई से असन्तुष्ट होता है तो वह ऐसी की गई कार्रवाई के विरोध की गई कार्रवाई की मंजूरी की तिथि से 45 दिनों के भीतर ऐसे प्राधिकारी के पास अपील कर सकता है जिसे अपीलों की सुनवाई के लिए केन्द्रीय सरकार सरकारी राजपत्र में अधिसूचना के माध्यम से व्यवस्था करनी है।

(2) निर्यात (नियंत्रण) आदेश की धारा 10(2) में यह व्यवस्था है कि जहां कोई व्यक्ति धारा 7 या 7-क या 11 (1) के अधीन की गई कार्रवाई से असन्तुष्ट होता है तो वह ऐसी कार्रवाई के विरोध की गई कार्रवाई की सूचना की तिथि से 45 दिनों के भीतर ऐसे प्राधिकारी के पास अपील कर सकता है जिसे केन्द्रीय सरकार अपीलों की सुनवाई के लिए सरकारी राजपत्र में अधिसूचना के माध्यम से व्यवस्था करनी है।

(3) आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की धारा 10 की उपधारा (2) और निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1977 की धारा 12 का उप-धारा (2) द्वारा पदच अधिकारी का प्रयोग कर केन्द्रीय सरकार ने आयात (नियंत्रण) आदेश की धारा 8, 8-क की उपधारा (1) और (3) तथा धारा 9 (1) और निर्यात (नियंत्रण) आदेश की धारा 7, 8, 11 (1) के अधीन कानूनी आदेशों के विरुद्ध अपील सुनने और उन्हें निपटाने के उद्देश्य के लिए निम्नलिखित प्राधिकारिणों की नियुक्ति की है :-

(1) जहाँ उप मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात द्वारा कार्यवाही की गई हो—मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात, अपर मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात, वाणिज्य मंत्रालय में संबद्ध संयुक्त सचिव एवं विधि सलाहकार निर्यात आयुक्त अथवा संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात;

(2) जहाँ संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात द्वारा कार्यवाही की गई हो—मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात, अपर मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, वाणिज्य मंत्रालय में संबद्ध संयुक्त सचिव एवं विधि सलाहकार आयात-निर्यात;

(3) जहाँ उपमुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात अथवा संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात से भिन्न प्राधिकरण द्वारा कार्यवाही की गई हो—एक समिति एक सचिव और दो संयुक्त सचिव और वाणिज्य मंत्रालय, नई दिल्ली के मुख्य पत्रकार अधिकारी शामिल होंगे।

(4) अधिनियम और इसके अन्तर्गत किए गए आदेश(ओं) के अधीन की गई अपील के साथ निम्नलिखित सूचना देते हुए एक प्रपत्र संलग्न होना चाहिए :-

(क) वह प्राधिकारी जिसके निर्णय के विरुद्ध अपील की गई है;

(ख) जिस आदेश के विरुद्ध अपील की गई है उसकी एक प्रति,

(ग) क्या अपील, लाइसेंस प्राप्त करने से विवर्जित करने या आस्थगन के विरुद्ध है (विवर्जन के मामले में, जिस अवधि के लिए अपीलकर्ता को लाइसेंस प्राप्त करने से विवर्जित किया गया हो उस अवधि का भी उल्लेख किया जाए); और

(घ) अपील करने के आधार (संक्षेप में)।

(5) जिस प्राधिकारी के निर्णय के विरुद्ध अपील की जा रही है, उस अपील की एक प्रति अपीलकर्ता द्वारा इस प्राधिकारी को भी निम्नलिखित रूप में भेजी जाए।

पूर्य की कॉडिकाओं में उल्लिखित से भिन्न आवेशों के विरुद्ध अपील और पुनरीक्षा

147 (1) जहाँ कोई व्यक्ति लाइसेंस प्राधिकारी/अपील सुनने वाले प्राधिकारी के निर्णय से संतुष्ट नहीं है तो वह उस के लिए निम्नलिखित प्रावधानों के अनुसार उचित निर्णय के विरुद्ध अपील पुनरीक्षा/पुनरीक्षण आवेदन पत्र दे सकता है, मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात द्वारा इन प्रावधानों की सीमा में बाहर किए गए आवेदनों/प्रतिवेदनों को सरकारी तौर पर रद्द किया जा सकता है।

(2) निम्नलिखित विषय के मामलों में अपील/पुनरीक्षा आवेदन पत्र पर विचार किया जाएगा :-

(क) आयात लाइसेंस के लिए आवेदन पत्र के संबंध में;

(ख) निर्यात आभार को पूरा करने के लिए या आयात लाइसेंस के लिए लागू किसी भी शर्त के लिए आयातको द्वारा निष्पादित विधि सम्झौतों/निर्यात वाण्ड/बैंक गारंटी के प्रवर्तन से सम्बन्धित मामलों में।

(3) निर्यात सदन/व्यापार सदन प्रमाणपत्र प्रदान करने के सम्बन्ध में और निर्यातकों के पंजीकरण/अपंजीकरण से सम्बन्धित मामलों में इस अध्याय में किए गए प्रावधानों के अनुसार अपील/पुनरीक्षा आवेदनपत्रों पर भी विचार किया जाएगा।

(4) इसके बाद की निहित क्रियाविधि उन मामलों में भी आवश्यक परिस्थितियों के साथ लागू होगी जिसमें निर्यातक अपने आवेदन पत्र के विरुद्ध लिए गए निर्णय से असन्तुष्ट हो और इस सम्बन्ध में अपील/पुनरीक्षा आवेदन-पत्र देना चाहता हो।

148. पहली अपील :- उपयुक्त कॉडिका 147 की उप-पैरा (2) में उल्लिखित आयात लाइसेंस के लिए आवेदनपत्र या विधि सम्झौतों के प्रवर्तन से सम्बन्धित मामलों में प्रथम बार अपील इस प्रकार से की जाएगी :-

(क) आयात व्यापार नियंत्रण कार्यालय, जिस का प्रधान अधिकारी, नियंत्रक या सहायक मुख्य नियंत्रक हो और उक्त आयात व्यापार नियंत्रण कार्यालय पर क्षेत्रीय संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का प्रशासनिक नियंत्रण हो, के द्वारा विचार किए गए आवेदन पत्र के संबंध में।

(ख) आयात व्यापार नियंत्रण कार्यालय जिसका प्रधान अधिकारी उप-मुख्य नियंत्रक या संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात हो और इस के साथ उस कार्यालय का पञ्चम जिन के द्वारा आवेदन-पत्र पर विचार किया गया था, के द्वारा विचार किए गए आवेदन पत्र के संबंध में।

(ग) मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात नई दिल्ली के कार्यालय में मुख्य निरीक्षक, आयात-निर्यात (लाइसेंसिंग) के मुख्यालय में विचार किए गए आवेदन पत्र के संबंध में।

149. द्वितीय अपील :- यदि अपीलकर्ता अपनी प्रथम अपील पर अपील सुनने वाले प्राधिकारी द्वारा दिए गए निर्णय से

संतुष्ट नहीं है तो वह इस प्रकार द्वितीय अपील दाखिल कर सकता है :—

- (क) जहाँ प्रथम अपील पर एक उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात द्वारा आदेश पास कर दिए गए हों, तो अपील उस क्षेत्रीय संयुक्त मुख्य नियंत्रक को की जाए जिस का पहले वाले पर प्रशासनिक नियंत्रण हो।
- (ख) जहाँ प्रथम अपील पर एक क्षेत्रीय संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात द्वारा आदेश पास कर दिए गए हों तो अपील उस समिति को की जाए जिसमें दो संयुक्त मुख्य, नियंत्रक आयात-निर्यात हों और जो इस प्रयोजन के लिए मुख्यालय में मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात द्वारा नियुक्त किए गए हों।

150. पुनरीक्षा आवेदन पत्र :—एक व्यक्ति जो द्वितीय अपील में दिए गए आदेश से असंतुष्ट हो तो वह उस अधिकारी को पुनरीक्षा आवेदन पत्र भेज सकता है जो निर्यात आयुक्त के स्तर से कम न हो और जो इस प्रयोजन के लिए या तो किसी सामान्य आदेश द्वारा या किसी विशेष आदेश द्वारा मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात द्वारा नामित या नियुक्त किया गया हो।

अपील/पुनरीक्षा याचिका प्रस्तुत करने के लिए समय-सीमा

151. (1) अपील/पुनरीक्षा याचिका जिस आदेश/निर्णय के विरुद्ध अपील की जा रही है उस आदेश/निर्णय की प्राप्ति की तिथि से 45 दिनों के भीतर सम्बद्ध प्राधिकारी को दाखिल की जानी चाहिए। लेकिन, यदि अपील/पुनरीक्षा करने वाला प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट हो कि अपीलकर्ता पर्याप्त कारणों से निर्धारित समय में अपील नहीं कर सका तो वह अपील/पुनरीक्षा याचिका प्रस्तुत करने में 45 दिनों तक हुए विलंब को माफ कर सकता है।

(2) यदि आयात के लिए आवेदन-पत्र संगत आयात नीति में निर्धारित प्रावधानों के अनुसार प्रायोजक प्राधिकारी या किसी अन्य प्राधिकारी के माध्यम से प्रस्तुत किया जाता है और आवेदक उस आवेदनपत्र पर किए गए निर्णय से संतुष्ट न होने के कारण प्रथम अपील करना चाहता है तो ऐसी अपील उस प्रायोजक प्राधिकारी या अन्य प्राधिकारी, जो भी हो, के माध्यम से अपील सुनने वाले प्राधिकारी को सम्बोधित की जाए जिसको मूल आवेदनपत्र भेजा गया था।

(3) निर्णय भेजते समय, लाइसेंस प्राधिकारी/अपील सुनने वाला प्राधिकारी इस बात का संकेत करेगा कि असंतुष्ट व्यक्ति द्वारा किस प्राधिकारी को अपील पुनरीक्षा/पुनरीक्षा के लिए आवेदन किया जाए।

व्यक्तिगत सुनवाई के लिए अवसर

152. यदि कोई अपीलकर्ता या याचिकादाता उसके द्वारा दायर की गई अपील/पुनरीक्षा आवेदनपत्र के सम्बन्ध में व्यक्तिगत रूप से कुछ कहना चाहता है और उसने अपनी अपील/याचिका में एक विवरण भेजा है या विशेष रूप से इस सम्बन्ध में संकेत किया है तो उसे व्यक्तिगत सुनवाई के लिए अवसर प्रदान किया जाए। लेकिन, यदि अपीलकर्ता/याचिका-दाता उसमें दिए गए माँके का लाभ नहीं उठाता तो अपील पर

उपलब्ध सामग्री के आधार पर गुणवत्ता के आधार पर निर्णय दे दिया जाएगा।

अपील/पुनरीक्षा आवेदन के साथ भेजे जाने वाले दस्तावेज

153. (1) अपील/पुनरीक्षा आवेदन-पत्र के साथ निम्न-लिखित दस्तावेज और विवरण दो प्रतियों में भेजे जाने

- (1) अपीलकर्ता का नाम और पता
- (2) आयात/निर्यात का विवरण
- (3) वह लाइसेंस अवधि जिससे आवेदन-पत्र सम्बद्ध है
- (4) आयात किए जाने वाले माल का संक्षिप्त विवरण
- (5) मूल आवेदन पत्र और इसके साथ भेजे गए अन्य दस्तावेज की प्रति
- (6) निर्णय/आदेश के विरुद्ध की गई अपील की एक प्रति
- (7) अपील/पुनरीक्षा का आधार
- (8) कोई अन्य दस्तावेज/साक्ष्य जिसके आधार पर अपील की गई है।
- (9) इस कथन के साथ कि क्या अपीलकर्ता व्यक्तिगत सुनवाई के लिए इच्छुक है।

(2) दूसरी अपील/पुनरीक्षा याचिका के मामले में क्रमशः 50 रुपये और 100 रुपये की बैंक रसीद/डिमांड ड्राफ्ट क्लर्क भुगतान के मद्दे भी भेजना चाहिए।

(3) सभी अपील/पुनरीक्षा याचिकाओं के पृष्ठ के बिल्कुल ऊपर यह स्पष्ट रूप से दर्शाया जाना चाहिए कि वह प्रथम अपील है या द्वितीय अपील है या पुनरीक्षा याचिका है और सम्बन्धित आवेदक की श्रेणी को भी दर्शाया जाना चाहिए।

निर्यात सबन/व्यापार सबन प्रमाण-पत्र को अस्वीकार अथवा रद्द करने के विरुद्ध अपील :

154. (1) पंजीकृत निर्यातकों के लिए आयात-नीति के अधीन निर्यात सबन प्रमाण-पत्र प्रदान करने अथवा नवीकरण करने को रद्द करने के निर्णय के विरुद्ध अपील मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात के कार्यालय में निर्यात सबन समिति को की जाएगी।

(2) पंजीकृत निर्यातकों के लिए आयात नीति के अधीन व्यापार सबन प्रमाण-पत्र देने अथवा नवीकरण करने या रद्द करने के निर्णय के विरुद्ध अपील, सचिव, दक्षिण विभाग, उद्योग भवन अपील अनुभाग नहीं दिल्ली को की जाएगी।

(3) उपर्युक्त उप-पैरा (1) तथा (2) में उल्लिखित अपीलों, उस निर्णय की प्राप्ति की तिथि से जिस के विरुद्ध अपील की गई हो, 45 दिनों के अंदर अपील सुनने वाले प्राधिकारी के पास पहुंचा जाए।

नियतकों के पंजीकरण/विपंजीकरण से संबंधित अपील और पुन-रीक्षण और आवेदन-पत्र

155. (1) जहाँ नियतिक परिशिष्ट-14क में सूचीबद्ध पंजीकरण प्राधिकारी के निर्णय से असंतुष्ट हों, जिसने उसे पंजीकृत या विपंजीकृत करने से मना किया हो तो जिस पत्र के निर्णय के विरुद्ध अपील की जा रही है इस की तिथि से 45 दिनों की अवधि के भीतर वह मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात अथवा इस संबंध में उनके द्वारा प्राधिकृत एक अधिकारी को अपील कर सकता है।

(2) यदि कोई व्यक्ति अपील सुनने वाले अधिकारी द्वारा उपर्युक्त उप पैरा (1) अथवा इस पुस्तक के पैरा 151 के अंतर्गत लिए गए निर्णय से असंतुष्ट हो तो वह ऐसे निर्णय के पुनरीक्षण के लिए जिस पत्र के निर्णय के विरुद्ध प्रतिवेदन किया जा रहा है उस की तिथि से 45 दिनों की अवधि के भीतर मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली प्रतिवेदन कर सकता है। ऐसे प्रतिवेदनों पर विचार करने पर यदि ऐसा निष्पत्ति किया जाता है तो नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली या तो स्वयं निर्यातक को पुनः पंजीकृत कर सकता है अथवा पंजीकरण को फिर से बालू कर सकता है या वह पंजीकरण प्राधिकारी को ऐसे निर्यातक को पुनः पंजीकृत करने या उसके पंजीकरण को बालू करने के

लिए निदेश दे सकता है। ऐसे मामलों में पुनः पंजीकरण या पंजीकरण को बालू रखना, मुख्य नियंत्रक द्वारा निर्णीत शर्तों के अधीन होगा।

पुनरीक्षा के सामान्य अधिकार

156. मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात अपनी ओर से या अन्यथा रूप से किसी निरन्तरित मामले में या उसके अभिनस्थ अधिकारी द्वारा किसी भी मामले पर लिए गए निर्णय के संबंध में और इसके साथ-साथ इस अध्याय के किसी भी प्रावधान के अधीन उसके द्वारा नामित, नियुक्त या प्राधिकृत अधिकारियों के समूह/समिति से रिकार्ड मंगवा सकता है और यदि वह उचित और न्यायसंगत समझे तो उनके संबंध में भी आदेश पास कर सकता है।

सीमा-शुल्क द्वारा लिए गए निर्णय के विरुद्ध अपील

157. सीमा-शुल्क प्राधिकारियों के निर्णय के विरुद्ध अपील, सीमा-शुल्क विनियमों के अनुसार निर्धारित सीमा-शुल्क प्राधिकारियों को की जाएगी।

अध्याय 3 पंजीगत माल

किया

158. पंजीगत माल के आयात के लिए आवेदन-पत्र प्रपत्र "इ" (सीजी) परिशिष्ट-3क में 6 अतिरिक्त प्रतियों के साथ आवेदन शुल्क के भुगतान की बैंक रसीद/डिमाण्ड ड्राफ्ट के साथ पंजीगत माल की सूची की सात प्रतियाँ सहित होनी चाहिए। उद्गम देश/देशों का उल्लेख करने के अतिरिक्त आवेदन-पत्र में साथ निम्नलिखित सूचना देनी चाहिए :—

- (क) प्रत्येक मुख्य मद के अलग-अलग लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य के साथ पंजीगत माल की विस्तृत सूची;
- (ख) (आवेदित पंजीगत माल के आयात के देश की मुद्रा में) (1) भाड़ा और (2) लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य में शामिल किए गए बीमे के निमित्त बनू राशि को या आयात के वैकल्पिक स्रोत को अलग-अलग दिखाते हुए विवांशी संभरकों के बीजक-प्रपत्र को चार साक्षात्कृत या फोटोस्टेट प्रतियाँ; और
- (ग) निनिर्माताओं का निवर्णी पेंफलेट (ये आवेदन-पत्रों के शीर्ष निपटान के लिए जितना शीर्ष सम्भव हो सके प्राप्त करने चाहिए और भेजने चाहिए।)

159. जिन मामलों में आवेदक किसी अनुमोदित विदेशी संस्थान से पंजीगत माल को लागत पूरा करने के लिए विदेशी मुद्रा का ऋण मांगना चाहता है तो आवेदन-पत्र में इस का उल्लेख विशेष रूप से करना चाहिए। ऐसे आवेदकों में यह आशा की जाती है कि वे आशय पत्र की प्राप्ति के 6 महीनों के भीतर वित्तीय संस्थान को आवेदन करें।

आवेदन-पत्र प्रस्तुत करना

160. (1) पंजीगत माल के आयात के लिए आवेदन-पत्र निम्नलिखित तरीके से प्रस्तुत किए जा सकते हैं :—

- (1) जिस मामले में लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य 25 लाख रुपये तक हो उसमें आवेदनपत्र उस लाइसेंस प्राधिकारी को प्रस्तुत करना चाहिए जिसके अधिकार क्षेत्र में लाभग्राही कारखाना या संस्थान स्थित हो।
- (2) जिस मामले में लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य 25 लाख रुपये से अधिक और एक करोड़ रुपये तक हो, आवेदन-पत्र मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली को प्रस्तुत करना चाहिए।
- (3) जिस मामले में लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य एक करोड़ रुपये से अधिक हो, उसमें आवेदनपत्र औद्योगिक अनुमोदन सचिवालय, उद्योग मंत्रालय, नई दिल्ली को प्रस्तुत करना चाहिए। (ऐसे आवेदन पत्रों की प्रतियाँ मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात को पृष्ठांकित करने की आवश्यकता नहीं है)।

- (4) उपर्युक्त तर्कों उस सीमा के अतिरिक्त सार्वजनिक क्षेत्र के सभी उद्यमों के लिए लागू होती हैं जिस सीमा तक उनके लिए नीचे के पैरा 172 और 173 की तर्कों लागू होती हैं।

उपपत्ति:—उपर्युक्त पैरा में दी गई तीन शरणबद्ध प्रणाली निम्न-लिखित के संबंध में लागू नहीं होगी :—

- (क) पुरानी मशीनरी का आयात;
- (ख) मुद्रण मशीनरी का आयात जिसमें रूपा भुगतान व्यवस्थाओं के अधीन परियोजना एवं उपकरण निगम लि. द्वारा आयातित मुद्रण मशीनरी का रिलीज करना भी शामिल है।
- (ग) डीजल जेनरेटिंग सेटों का आयात;
- (घ) विदेश से वापस आने वाले/विदेश में रहने वाले भारतीयों के लिए विशेष स्कीम के अंतर्गत पंजीगत माल का आयात;
- (ङ) सार्वजनिक क्षेत्र के अंतर्गत नई परियोजनाएं जहां पर आयात को पूरा करने के लिए विदेशी मुद्रा परियोजना के पक्ष में सरकार द्वारा रिलीज की गई हो
- (च) खेल सामान/उपकरणों का आयात;
- (छ) खाली उच्च दाब औद्योगिक गैस सिलिंडरों का आयात।

(2) अधिकतम 4 लाख रुपये (लागत-बीमा-भाड़ा) मूल्य की मशीनरी के आयात के लिए वास्तविक उपयोगिताओं (औद्योगिक) के आवेदनों पर प्रायोजक प्राधिकारी की सिफारिश के बिना ही सम्बद्ध क्षेत्रीय लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा विचार किया जा सकता है। लेकिन, इसके लिए देशी इष्टिकोण से निकासी प्राप्त करनी होगी।

161. (1) प्रतिस्थापन, संतुलन या आधुनिकीकरण के लिए या सामान्य प्रचालन के लिए मशीनरी के आयात के लिए आवेदन करने वाली विद्यमान यंजित 6 महीने में आवेदन-पत्र भेज सकती है। वित्तीय वर्ष की द्वितीय छमाही में आवेदन-पत्र, फरवरी के अंत होने से पूर्व देने चाहिए वे मामले जिसकी आवश्यकता के बारे में लाइसेंस प्राधिकारी संतुष्ट है उसी लाइसेंस अधीन के अंदर एक तीसरे आवेदन-पत्र पर भी विचार किया जा सकता है। लेकिन, निर्माणाधीन प्रमुख परियोजनाओं के मामले में एक बार से अधिक आवेदनपत्रों पर भी विचार किया जा सकता है, इसी प्रकार आपातकालीन परिस्थिति अर्थात् मशीनरी के क्षय हो जाने पर या विशेष विदेशी ऋण को पूरा करने के लिए या बार इ पी हक्कारियों के अभ्यर्षण के मद्दे बारम्बार आवेदनपत्र प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

(2) अखबारी कागज प्रतिष्ठान फरवरी, के अंत तक एक वित्तीय वर्ष में किसी भी समय दो आवेदन पत्र दे सकते हैं।

(3) उन मामलों में जहाँ एक औद्योगिक एकक एक से अधिक अन्तिम उत्पादों के विनिर्माण में लगा हुआ है और उसके साथ ऐसे प्रत्येक अन्तिम उत्पाद के लिए अलग-अलग औद्योगिक लाइसेंस या पंजीकरण है तो छः मास में एक बार लागू होने वाली सामान्य प्रक्रिया प्रत्येक अन्तिम उत्पाद के लिए अपेक्षित मशीनरी के लिए भी लागू होगी।

162. (1) जिन मामलों में 5 लाख रुपये से अधिक लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य के जनकृत उपस्कर सहित इलेक्ट्रॉनिकी मदों को या मूल्य एक लाख से अधिक मूल्य के संचार उपस्करों को ध्यान में न रखते हुए समूची उपस्कर आयात करने की इच्छा की गई हो, उनमें इलेक्ट्रॉनिकी विभाग, नई दिल्ली की पूर्व अनुमति लेना आवश्यक होगा। इसलिए, आवेदकों को यह सलाह दी जाती है कि वे सम्बद्ध लाइसेंस प्राधिकारियों को आवेदन-पत्र प्रस्तुत करते समय उपर्युक्त इलेक्ट्रॉनिकी मदों का पूर्ण ब्योरा देते हुए अपने आवेदन-पत्र की एक प्रतिलिपि इलेक्ट्रॉनिकी विभाग को भेजें।

(2) जहाँ कागज, चीनी, इस्पात, एल्यूमीनियम और सीमेंट उद्योगों के लिए आयात किए जाने वाले पूंजीगत माल में नियंत्रण और औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिक उपस्कर/सब सिस्टम शामिल हों वहाँ आयातों की स्वीकृति से पूर्व इलेक्ट्रॉनिक विभाग (महानिदेशक, तकनीकी विकास से परामर्श द्वारा आयात की अनुमति देने से पूर्व निश्चित स्वीकृति लेना भी अनिवार्य होगा।

पूंजीगत माल के आवेदन पत्रों की प्रतियाँ

163. आयातक द्वारा सभी पूंजीगत माल से सम्बन्धित आवेदन-पत्रों की प्रतियाँ सम्बद्ध प्रायोजक प्राधिकारियों को साथ-साथ ही भेजी जानी चाहिए जो अपनी सिफारिशों को सीधेता के साथ सम्बद्ध लाइसेंस प्राधिकारी का भेजना।

वास्तविक उपयोक्ता (औद्योगिक) द्वारा पूंजीगत माल का आयात सामान्य

164. उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 में शामिल मदों के विनिर्माण के लिए पूंजीगत माल के वास्तविक उपयोक्ता (औद्योगिक) के आवेदनपत्र पर केवल तब विचार किया जाएगा जबकि उस को उद्योग मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा आशय-पत्र जारी कर दिया गया हो। यदि अन्यथा रूप से अनुमित हो, तो आशय-पत्र के औद्योगिक लाइसेंस के परिवर्तन की प्रत्याशा में पूंजीगत माल के लिए आयात लाइसेंस भी जारी किया जा सकता है।

165. उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 की शर्तों से छूट वाले संस्थानों के मामले में आवेदन-पत्रों पर केवल तब विचार किया जाएगा जबकि आवेदक आवेदन-पत्र के साथ उस सम्बन्ध में एक धोषणपत्र ऐसी छूट के समर्थन में सरकारी अधिसूचना की संख्या और तिथि का उल्लेख करते हुए प्रस्तुत करें।

166. प्रत्येक आवेदन-पत्र के साथ औद्योगिक लाइसेंस, आशय पत्र या पंजीकरण प्रमाणपत्र जो भी उचित हो, की फोटोस्टेट प्रती होगी।

167. जिस मामले में आशय-पत्र या औद्योगिक लाइसेंस यह निर्धारित करता है कि संयंत्र और मशीनरी के आयात की अनुमति नहीं दी जाएगी, उस मामले में केवल मशीनरी के आधुनिकरण, बदलाई, सुरक्षा, परीक्षण, प्रदूषण नियंत्रण और गुण नियंत्रण उपस्कर के आयात के लिए आवेदन-पत्रों पर लागू नीति के अनुसार विचार किया जा सकता है बशर्ते कि ऐसे उपस्कर का आयात अनुज्ञप्त अनुमोदित क्षमता से अधिक न हो।

168. जिन मामलों में पूंजीगत माल के आयात की अवस्था विदेशी सहयोग के अन्तर्गत की जाती है, उनमें आवेदन-पत्र के साथ सम्बन्धित सरकारी अनुमोदन की फोटोस्टेट प्रती, उसके मूल विषय और जिस विशेष धारा के अन्तर्गत आयात किया जाना है, उसका उल्लेख लगा होना चाहिए।

169. आयात-निर्यात नीति, 1985-88 के परिशिष्ट 1 भाग-ख में आने वाले पूंजीगत माल का आयात वास्तविक उप-योक्ताओं के लिये खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन उसमें निर्धारित शर्तों के अधीन अनुमोदित होगी। खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन आयातों के संबंध में विदेशी मुद्रा में प्रेषण के लिए आवेदन-पत्र परिशिष्ट-3ज में दिए गए हैं। आयात-निर्यात नीति 1985-88 (खंड-1) में दिए गए के अनुसार वास्तविक उपयोक्ताओं को आवधिक विवरण निदेशक सांख्यिकी, मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली को परिशिष्ट-3ड में भेजना चाहिए।

170. (1) संबंधित आयात-निर्यात नीति और इस अध्याय में दिए गए प्रावधानों के अधीन पूंजीगत माल के आयात के लिए आवेदनों पर सम्बद्ध प्रायोजक प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित आयात की अनिवार्यता, महानिदेशालय तकनीकी विकास द्वारा या किसी अन्य सम्बद्ध तकनीकी प्राधिकारी द्वारा प्रदान की गई वित्तीय सीप्टकोण से निकासी और आयात के लिए वित्तदान करने के लिए विदेशी साधनों की उपलब्धता के आधार पर विचार किया जाएगा।

(2) पूंजीगत माल/एच डी पी के आयात के लिए जारी किए गए सभी लाइसेंस "वास्तविक उपयोक्ता शर्तों" के अधीन होंगे। लाइसेंस में सीमाकारी गुणक के रूप में मूल्य और मात्रा दोनों का संकेत होगा।

परियोजना अनुमोदन बोर्ड

171. मिश्रित प्रस्तावों अर्थात् वे प्रस्ताव जिनमें पूंजीगत माल के आयात सहित एक से अधिक अनुमोदन हों, उन पर औद्योगिक अनुमोदन सचिवालय में परियोजना अनुमोदन बोर्ड विचार करेगा। ऐसे मामलों में आवेदनपत्र औद्योगिक अनुमोदन सचिवालय (समन्वय अनुभाग), उद्योग मंत्रालय को प्रस्तुत करने चाहिए।

172. (1) 5 करोड़ रुपये तक सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (नई परियोजना की स्थापना करने या पर्याप्त विस्तार करने से संबंधित) में पूंजी निवेश के मामलों में भी औद्योगिक लाइसेंस, विदेशी सहयोग शर्तें यदि कोई हों तो, के लिए और पूंजीगत माल के आयात के लिए परियोजना अनुमोदन बोर्ड की आवश्यकता होगी। ऐसा आवेदन-पत्र इस सचिवालय को पहले भेजना चाहिए।

(2) सार्वजनिक क्षेत्र कार्यान्वयन के अन्तर्गत सभी नई परियोजनाओं के लिए 25 लाख रुपये मूल्य तक के पूंजीगत माल के लिए आवेदन-पत्र मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात, नई दिल्ली को भेजे जाने चाहिए न कि सम्बन्धित क्षेत्रीय प्राधि-

कारियों को, बशर्ते कि आयात के लिए विदेशी मुद्रा सदस्य राष्ट्र परियोजना के नाम में रिहा कर दी गई हो। परियोजना प्राधिकारी को चाहिए कि वह आयात की जाने वाली मशीनों के सम्बन्ध में भी महानिदेशक तकनीकी विकास से देशी निकासी प्राप्त कर ले।

173. यदि ऐसा पूंजी निवेश 5 करोड़ रुपये से अधिक हो जाए (उनको छोड़कर जिनके लिए विशेष क्रियाविधि निर्धारित की गई है) तो आवेदन-पत्र सम्बद्ध प्रशासनिक मंत्रालय के माध्यम से सचिवालय, औद्योगिक अनुमोदन, उद्योग मंत्रालय, नई दिल्ली को प्रस्तुत करने चाहिए।

174. लेकिन, उर्वरक परियोजना से सम्बद्ध निश्चित प्रस्ताव परियोजना अनुमोदन बोर्ड को भेजने के बजाय उर्वरक परियोजना विषयक सीधियों की विशेष समिति, रसायन एवं उर्वरक विभाग, नई दिल्ली को भेजे जा सकते हैं।

भारतीय विद्युतीय संयंत्र

175. भारी विद्युतीय संयंत्र और मशीनरी जिस में संबंधित उपस्कर और विद्युत संयंत्र के लिए अनिवार्य सामग्री भी शामिल है (विद्युतीय पावर के जनरेशन या ट्रांसफोरमेशन के आयात के लिए आवेदन पत्र निर्धारित सी. जी. प्रपत्र में केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण के माध्यम से उपर्युक्त कानूिका 160 में बताए गए के अनुसार सम्बद्ध लाइसेंस प्राधिकारी को प्रस्तुत करने चाहिए। राज्य विद्युत बोर्ड/संस्थान/परियोजना की आवश्यकताओं के लिए पूंजीगत माल के मामलों में आवेदन-पत्रों के साथ विद्युत बोर्ड/संस्थान/परियोजना से यह घोषणापत्र होना चाहिए कि इस उद्देश्य के लिए विदेशी मुद्रा आर्बिट्रेट कर दी गई है। ऐसे मामलों में केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण इस क्षेत्र द्वारा सामान्यतः अपेक्षित मदों के लिए या तो अलग-अलग आवेदनपत्रों के सम्बन्ध में या पैकेज निकासी के रूप में देशी निकासी की स्वीकृति महानिदेशक, तकनीकी विकास से प्राप्त करेगा। ऐसे मामलों में देशी निकासी तब तक वैध होगी जब तक परियोजना के वित्तदाता के लिए आई. बी. आर. डी. ऋण वैध है और अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगात्मक बोली (आई. सी. बी.) लागू होती है।

पूँज्य रूप से देशी मशीनों का प्रयोग करने वाले औद्योगिक इकाइयों द्वारा मशीनों का आयात।

176. पात्र वास्तविक उपयोक्ता जो उपर्युक्त कानूिका 39 में व्यवस्थित सुविधा का लाभ उठाना चाहते हैं, उन्हें अपने आवेदन पत्र सीधे ही सम्बद्ध लाइसेंस प्राधिकारी को परिशिष्ट 3-क में दिए गए प्रपत्र डू (सी. जी.) में भेजने चाहिए और उनके साथ निम्नलिखित दस्तावेज भी भेजने चाहिए :—

- (1) आवेदन-शुल्क के भुगतान के प्रति उचित धनराशि की बैंक रसीद/डिमांड ड्रफ्ट।
- (2) जहाँ किसी औद्योगिक लाइसेंस की आवश्यकता न हो वहाँ वैध औद्योगिक लाइसेंस या सम्बद्ध प्रायोजक प्राधिकारी के पास पंजीकरण प्रमाणपत्र की एक प्रति के साथ।
- (3) अपनी जरूरतों की 90% की सीमा तक देशी स्रोतों से मशीन खरीदने के सम्बन्ध में साक्ष्य। देशी स्रोतों से पहले से ही अधिप्राप्त मशीन के क्रय मूल्य के

समर्थन में सनची लेखापाल या लागत लेखापाल (बो अकसाव में हो) का प्रमाण पत्र या प्रायोजक प्राधिकारी का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किया जाए।

- (4) देशी स्रोतों से प्रस्तावित अधिप्राप्त की जाने वाली मशीन के मामले में, विषयाधीन मशीन के खरीदने के लिए आवेदक द्वारा देशी घनिर्माताओं के साथ की गई संविदा की सत्यापित प्रति अथवा उनके नाम में खोले गए अपरिवर्तनीय साख-पत्र का साक्ष्य।

177. नियमानुसार, नई परियोजना स्थापित करने या वास्तविक विस्तार के लिए अपेक्षित संयंत्र और मशीन के वास्तविक मूल्य के आयात लाइसेन्सों के आवेदनपत्रों पर निम्नलिखित एक या एक से अधिक स्वीकार्य वित्त दान के साधनों के मध्ये विचार किया जाएगा :—

- (क) परियोजना की पूंजी में लम्बी अवधि के लिए विदेशी पूंजी निवेश;
- (ख) भारतीय औद्योगिक ऋण निवेश निगम, बम्बई और औद्योगिक वित्त निगम, नई दिल्ली से परियोजना के लिए विदेशी मुद्रा ऋण;
- (ग) समय-समय पर यथा अनुमोदित और घोषित, विदेशी वित्तदाता संस्थान से लम्बी अवधि के लिए विदेशी मुद्रा ऋण;
- (घ) भारतीय राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम, नई दिल्ली द्वारा लघु पैमाना उद्योगों के लिए अपनी भाड़ा-खरीद योजना के अधीन वित्तदान किए गए आयात, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली द्वारा इस उद्देश्य के लिए विधिवत अनुमोदित किसी अन्य एजेंसी/कम्पनी के लिए वित्तदान किए गए आयात;
- (ङ) विदेशी सरकार या विदेशी संस्थान से भारत सरकार को ऋण जिसके मध्ये नकद लाइसेंस प्रदान किया जा सकता है; और
- (च) भारत सरकार और विदेशों के बीच व्यापार और भुगतान समझौते जिनके मध्ये नकद लाइसेंस प्रदान किया जा सकता है।

लीजिंग कम्पनियों द्वारा वित्तपोषित पूंजीगत माल का आयात

178. लीजिंग कम्पनियों के साथ पट्टा करार करने वाले वास्तविक उपयोक्ताओं से प्राप्त पूंजीगत माल के आयात के लिए आवेदन-पत्र जिस में वे पूंजीगत माल भी शामिल हैं जिनका आयात बुले सामान्य लाइसेंस के अधीन अनुमित है, सम्बद्ध आयात-निर्यात नीति और इस अध्याय में दिए गए प्रावधानों के अधीन विचार किया जाएगा। लीजिंग कम्पनी द्वारा परिशिष्ट-3क में दिए गए निर्धारित प्रपत्र में करार और स्वीकृति पत्र के आधार पर लीजिंग कम्पनी को लाइसेंस का एक संयुक्त धारक बनाते हुए लाइसेंस पर पृष्ठांकन किया जाएगा। वास्तविक उपयोक्ता आवेदक और लीजिंग कम्पनी दोनों लाइसेंस पर आरोपित एवं लागू शर्तों के साथ प्रचलित नियमों एवं प्रक्रिया के अनुपालन के लिए संयुक्त रूप से तथा पृथक-पृथक बाध्य होंगे।

179. योजना की प्राथमिकता और प्रस्तुत वित्तदाता की पद्धति को ध्यान में रखकर आयात लाइसेंस के लिए आवेदन पत्रों पर विचार किया जाएगा। नियमानुसार, आयात के विदेशी

स्रोत ऊपर के पैरा 177 में संकेतिक विकल्पों तक सीमित होंगे। यदि योजना को उचित प्राथमिकता की न समझा गया हो और/या सरकार के पास उपलब्ध निधि को आवंटित न किया गया हो तो ऐसी योजनाओं के संबंध में आयात आवेदनपत्रों को रद्द कर दिया जाएगा।

कुछ उद्योगों के सम्बन्ध में पूंजीगत माल के आयात के लिए विशेष क्रियाविधि

180. देशी पूंजीगत माल वाले उद्योगों को सुरक्षा प्रदान करने की आवश्यकताओं से सामंजस्य बनाए रखने के लिए राष्ट्रीय प्राथमिकता प्राप्त उद्योगों में पूंजी निवेश की कूल लागत को कम करने की आवश्यकता को मान्यता प्रदान की गई है और ऐसी परियोजनाओं/उद्योगों का आयात-निर्यात नीति, 1985-88 (खण्ड-1) के पैरा — में अभिज्ञात की गई है। उपर्युक्त क्षेत्रों में से किसी में भी महत्वपूर्ण विस्तार के लिए व्यक्तियों द्वारा ली गई परियोजनाओं के लिए अधिप्राप्त किए जाने वाले वांछित सभी पूंजीगत माल के लिए विषय निविदाएं आमंत्रित कर सकते हैं और ये निविदाएं इस तथ्य को ध्यान में रखें बिना की जा सकती हैं कि पूंजीगत माल देश में विनिर्मित है या नहीं। माल आपूर्ति करने के लिए देशी विनिर्मिताओं को सुव्यवस्था प्रदान करने के लिए आवेदक को पैरा 198 में उल्लिखित क्रिया-विधि के अनुसार भी विज्ञापन देना चाहिए, परन्तु विज्ञापन का उत्तर देने के लिए न्यूनतम 60 दिनों की अवधि दी जानी चाहिए। जहां कहीं लागू हो, विज्ञापन में पूंजीगत माल की मर्यादा आई. एस. आई. के अनुरूप विशिष्टीकरण निर्दिष्ट होने चाहिए। लेकिन, उत्पादन लागत को कम करने और स्रोतों को आशा-वादिता की दिशा में ले जाने वाली प्रौद्योगिकी की उन्नति के हित में विशिष्टीकरण में अंतर की अनुमति दी जाएगी। लेकिन, विज्ञापित विशिष्टीकरण आपूर्ति के केवल स्रोतों के अनुकूल ही नहीं होने चाहिए।

181. यदि उपर्युक्त अनुसार दिए गए विज्ञापन के प्रत्युत्तर में कोई आवेदन हो तो उसकी प्राप्ति के बाद परियोजना प्राधिकारी अधिप्राप्त किए जाने वाले वांछित पूंजीगत माल (बातों आयातित या देशी या आयातित/देशी) के लिए अपने प्रस्ताव प्रस्तुत कर सकते हैं, इन प्रस्तावों के साथ स्थलीय लागत अर्थात् लागत-बीमा-भाड़ा के आधार पर देशी और विदेशी बाजारों के बीच तुलना और विदेशी बोली के संबंध में उद्ग्राह्य शुल्क का एक विवरणपत्र होना चाहिए। प्रस्तावों पर भारी उद्योग विभाग की अधिकृत समिति द्वारा विचार किया जाएगा और यह समिति भारी उद्योग सचिव की अध्यक्षता में होगी जिसमें अन्य सम्बन्ध मंत्रालयों के प्रतिनिधि होंगे (उपर्युक्त पैरा 162 के प्रावधान भी ऐसे प्रस्तावों पर विचार करने के लिए संगत होंगे और सामान्य-तौर पर ऐसे प्रस्तावों की प्राप्ति के 8 सप्ताह के भीतर समिति अपने विचारों/सिफारिशों को अन्तिम रूप देगी। इन विचारों/सिफारिशों में समिति के निर्णय में यथा उपर्युक्त विदेशी मुद्रा के स्रोत के साथ-साथ अपेक्षित निकासी भी शामिल होगी। सम्बन्ध आयात लाइसेंस जारी करने के लिए मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात को निर्णय से सूचित किया जाएगा। अधिकृत समिति किसी परियोजना प्राधिकारी द्वारा अपेक्षित सहायता भी निविदा-पूर्व स्तर पर भी दे सकती है।

182. उपर्युक्त योजना के अन्तर्गत भारतीय परियोजना प्राधिकारियों से उपस्कर के लिए आदेश प्राप्त करने वाले भारतीय संभरणों को ऐसे पूंजीगत माल के विनिर्माण के लिए

अपेक्षित कच्ची सामग्री, संघटकों, उपभोग्यों और अतिरिक्त सामान के आयात के लिए अनुमति देशी उपलब्धता के दृष्टिकोण से किसी भी प्रातिबन्ध के बिना दी जाएगी। ऐसे आयात पर आयात शुल्क की दर संबंध पूंजीगत माल के लिए लागू दर से अधिक नहीं होगी। उपर्युक्त सुविधाएं अतिरिक्त होंगी और सामान्य नीति के अन्तर्गत वास्तविक उपयोक्ताओं (औद्योगिक) को उपलब्ध सुविधाओं के बदले में नहीं होंगी।

यंत्रों, परीक्षण मशीनों आदि का आयात

183. (1) यंत्रों, परीक्षण उपस्कर, भार तोलने की मशीनों, प्रयोगशाला उपस्कर, औजारों और टैंकर्स आदि के आयात के लिए वास्तविक उपयोक्ताओं के आवेदनपत्र उसी प्रक्रिया द्वारा नियंत्रित किये जायेंगे जो कि इस अध्याय में पूंजीगत माल आयातों के लिए लागू है।

(2) ऐसे संस्थान (गैर-औद्योगिक) जिन्हें अपने स्वयं के उपयोग के लिए औजारों की आवश्यकता है वे परिशिष्ट-3 में निर्धारित प्रपत्र में आवेदन कर सकते हैं।

वास्तविक उपयोक्ता (गैर-औद्योगिक)

184. (1) वास्तविक उपयोक्ताओं (गैर-औद्योगिक) के मशीनरी के आयात के लिए आवेदनपत्रों पर भी उपर्युक्त पैरा 160 में उल्लिखित लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा विचार किया जा सकता है। इस प्रकार के आवेदनपत्रों पर विचार राज्य उद्योग निदेशक या राज्य या केन्द्रीय सरकार के आवेदन से संबंधित उचित प्राधिकारियों की सिफारिश पर विचार किया जाएगा। आवेदनपत्र, जब तक अन्यथा रूप से व्यवस्था न कर दी जाए, इस पुस्तक में वास्तविक उपयोक्ताओं (गैर-औद्योगिक) के लिए निर्धारित प्रपत्र में भेजे जाने चाहिए। इन आवेदन-पत्रों पर विचार करते समय देशी दृष्टिकोण से उपलब्धता, आयात के लिए अतिव्ययता, इस उद्देश्य के लिए विदेशी मुद्रा की उपलब्धता और अन्य संबंधित बातों का ध्यान में रखा जाए किया जाएगा।

(2) निर्माण संबंधी मशीनरी के आयात के लिए आवेदन-पत्रों पर विचार संबंधित अभिकरणों द्वारा किया जाएगा। आवेदन-पत्र प्रपत्र "ड" (पूंजीगत माल) परिशिष्ट-3 में भेजे जाने चाहिए और मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली को संबोधित किए जाने चाहिए, जो राज्य सरकार के संबंधित विभाग के साथ परामर्श कर अपनी सिफारिश करेगा। आवेदक को चाहिए कि वह इस बात का उल्लेख करे कि जो उपस्कर वह आयात कर रहा है, वह किस देश से कर रहा है।

(3) स्टूडियो उपस्कर के आयात के लिए आवेदन-पत्र पर विचार राज्य उद्योग निदेशक या राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम की सिफारिश पर फिल्म स्टूडियो और फिल्म प्रोसेसिंग लैबोरेट्रीज द्वारा किया जा सकता है। आवेदन-पत्र उपर्युक्त पैरा 160 में उल्लिखित लाइसेंस प्राधिकारी को भेजा जाना चाहिए।

(4) रासायनिक विश्लेषण और अन्य औद्योगिक एककों द्वारा तैयार किए गए उत्पादों की जांच पड़ताल में लगे हुए एककों के आवेदनपत्रों पर उन आवश्यक मशीनरी, मशीनी-औजार और उपस्करों के आयात के लिए विचार किया जाएगा जो देश में नहीं बनाए जाते। आवेदनपत्र निर्धारित प्रपत्र में राज्य उद्योग निदेशक को माध्यम से संबंधित क्षेत्रीय लाइसेंस प्राधिकारियों को भेजे जाने चाहिए। उद्योग निदेशक को चाहिए कि वे लाइसेंस के लिए सिफारिश करने से पहले मशी-

निवेशक, तकनीकी विकास, नई दिल्ली से देशी निकासी प्राप्त कर लें।

अनुसंधान और विकास परियोजनाओं के लिए पूंजीगत माल का आयात

185. अनुसंधान और विकास कार्यों के लिए पूंजीगत माल के आयात के लिए औद्योगिक लाइसेंस प्राप्त करना आवश्यक नहीं होगा।

अनुमोदित होटल

186. अनुमोदित होटलों द्वारा मशीनरी और उपकरणों की आवश्यकताओं पर पैरा 160 में की गई प्रक्रिया के अनुसार विचार किया जाएगा।

कम्प्यूटर प्रणाली (और उनकी प्रारम्भिक पूर्ण)

187. (1) (1) आयात-निर्यात नीति 1985-88 का अध्याय-3 में कम्प्यूटर प्रणाली के आयात से संबंधित विस्तृत व्यापार दिया गया है। आवेदन-पत्र, यदि कोई हो तो, इलेक्ट्रॉनिकी विभाग (कम्प्यूटर, कम्प्यूटर-कम्प्यूनिक्शन एंड इन्स्ट्रुमेंटेशन विंग), ई-विंग, पुष्प भवन, मदनगौर रोड, नई दिल्ली-110062 को कि कम्प्यूटर प्रणाली के आयात के लिए प्रायोजक प्राधिकारी है, के माध्यम से भेजे जाएंगे। इस संबंध में आवेदन-पत्र परिशिष्ट-3ग में दिए गए प्रपत्र के अनुसार दिया जाएगा जिसकी कार्यवाही उपर्युक्त पैरा 160 में दी गई प्रक्रिया के अनुसार की जाएगी।

(2) उपर्युक्त प्रावधान सभी अनुसंधान एवं विकास संस्थानों, शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों और अन्य ऐसी संस्थाओं जो कि अपनी आवश्यकताओं को कुल सामान्य लाइसेंस के आधार पर आयात करने के लिए अन्वया रूप से पात्र हैं, पर समान रूप से लागू होंगे।

(2) निर्यात अभिमूल एककों को कम्प्यूटर सिस्टम के आयात की अनुमति निर्यात आभार की शर्त के अधीन निम्नलिखित तरीके से दी जा सकती है:—

श्रेणी क—जहां आवेदक अनुमित आयात के लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य के दूगुने के बराबर जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य के ताफ्ट वेयर के निर्यात करने का बचन देता हो,

श्रेणी ब—जहां आवेदक विदेश में कमाई गई अपनी निजी विदेशी मुद्रा में से कम्प्यूटर सिस्टम का आयात करता हो और अनुमित लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य के बराबर जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य के ताफ्ट वेयर का निर्यात करने का बचन देता हो,

(क) उपर्युक्त श्रेणी (क) और (ब) दोनों में निर्यात आभार जिस तिथि को आयातित कम्प्यूटर के लिए आवेदन करते समय आवेदक को यह साक्ष्य प्रस्तुत करना होगा कि निर्धारित किए जाने वाले निर्यात आभार के कम-से-कम 20% को शामिल करते हुए पक्के निर्यात आदेश उसके पास हैं।

(ख) आयात एवं निर्यात नीति, 1985-88 (खण्ड-1) के पैरा 59(6) के अनुसार निर्यात आभार अधिकतम 5 वर्षों की अवधि के भीतर पूर्ण किया जाएगा।

(ग) लाइसेंस के मद्दे आयात के प्रथम प्रेषण के समय आवेदक को निर्धारित प्रपत्र में एक निर्यात बान्ड भरना होगा।

(घ) आवेदक किए गए निर्यातों का एक अर्धवार्षिक विवरणपत्र (कम्प्यूटर निदेशालय), इलेक्ट्रॉनिकी विभाग, लोक नायक भवन, नई दिल्ली को भेजेगा।

(ङ) इस सुविधा को प्राप्त करने के लिए, कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर के निर्यातकों को आर. ई. पी. लाइसेंसों के लिए आवेदन-पत्र दते समय लाइसेंसिंग प्राधिकारी को लिखित में अनुरोध करना पड़ेगा कि वे आयात एवं निर्यात नीति, 1985-88 (खण्ड-1) के पैरा 59(7) के अधीन इस सुविधा से लाभ उठाना चाहते हैं और उन्हें कोई आर. ई. पी. लाइसेंस जारी न किया जाए। लाइसेंसिंग प्राधिकारी उनके आवेदन-पत्र की जांच पड़ताल करने के पश्चात और उनकी हकबारी का निर्धारण करते हुए इस प्रकार एकत्रित की गई हकबारी की मात्रा को लिखित रूप में उनको सूचित करेगा। उनकी हकबारी अगले वर्ष के लिए स्थगित कर दी जाएगी और अधिकतम तीन वर्ष की अवधि के लिए एकत्रित की जा सकती है।

श्रेणी ग—निर्दिष्ट निर्यात आदेश के मद्दे हाडवेयर और/या सॉफ्ट वेयर सिस्टम का विस्तार करने/संशोधन करने के उद्देश्य के लिए भी कम्प्यूटर सिस्टम के आयात के लिए आवेदन-पत्र इस शर्त के साथ स्वीकार किए जा सकते हैं कि आयातित कम्प्यूटर सिस्टम निर्यात आदेश के निष्पादन के बाद पुनः निर्यात कर दिया जाएगा। ऐसे मामलों में आयातित कम्प्यूटर सिस्टम का उपयोग करके कार्य के लिए नहीं किया जाएगा।

(क) निर्यातकों के लिए निम्नलिखित दो विकल्प उपलब्ध होंगे :—

(1) कस्टम बॉन्डिंग के साथ पूर्ण कर छूट; या

(2) कस्टम बॉन्डिंग के बिना कर का भुगतान।

(ख) 100 प्रतिशत निर्यात अभिमूल एककों की योजना के अंतर्गत सभी सुविधाएं और प्रोत्साहन उपर्युक्त योजना की श्रेणी ग, क (1) के लिए भी उपलब्ध होंगी।

(3) यदि कम्प्यूटर सिस्टम का आयातक उन शर्तों का अनुपालन करने में असफल रहता है जिनके अधीन आयात की अनुमति है तो ऐसे मामलों में उनके विरुद्ध आयात-निर्यात नियंत्रण विनियमनों आदि के अधीन कार्रवाई की जाएगी।

(4) वास्तविक उपयोक्ताओं को परिशिष्ट-3क में पूंजीगत माल प्रपत्र ड (सी.जी.) में ही आयात लाइसेंस के लिए आवेदन करना चाहिए। अन्य वास्तविक उपयोक्ता इस पुस्तक में दिए गए प्रपत्र में आवेदन कर सकते हैं।

(5) भारत में न रहने वाले भारतीयों के लिए आयात-निर्यात नीति, 1985-88 के अध्याय-3 में एक अलग प्रावधान भी है।

(6) विदेशी कम्प्यूटर्स के साथ जुड़े हुए आंकड़ों पर आधारित सॉफ्टवेयर के माध्यम से सॉफ्ट वेयर का निर्यात भी अनुमति होगा। ऐसे निर्यात की कार्यवाही करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक विभाग द्वारा निर्धारित विशेष प्रक्रिया लागू होगी। ऐसे सभी आवेदकों को इलेक्ट्रॉनिक विभाग को सी. सी. आई. विंग से सीधा संपर्क स्थापित करना चाहिए।

विदेश से वापस जाने वाले/विदेश में रहने वाले भारतीयों के लिए विशेष सुविधाएँ

188. (1) आयात-निर्यात नीति, 1985-88 (खण्ड-1) का अध्याय 11 उन गैर-आवासी भारतीयों से सम्बन्धित है जो भारत में स्थायी रूप से बसने के लिए वापस लौट रहे हैं।

(2) कुले सामान्य लाइसेंसों के अंतर्गत न जाने वाले आयात के लिए आवेदन-पत्र परिशिष्ट-3अ में निर्धारित प्रश्न में भेजे जाने चाहिए। आवेदन-पत्र मूल्य पर ध्यान दिए बिना ही विशेष अनुमोदन समिति (एन जार जाई) उद्योग मंत्रालय, नई दिल्ली को भेजे जाने चाहिए।

(3) जो व्यक्ति उपर्युक्त उपबंधों के अंतर्गत मशीनरी के आयात के लिए पात्र है, वे आयात करने के बजाय बड़ी मशीनरी स्वतंत्र विदेशी मुद्रा में किए जाने वाले भुगतान के मद्दे दक्षी उत्पादकों से खरीद सकते हैं। ऐसे संभरण के बदले दक्षी उत्पादक पूंजीकृत निर्यातकों के लिए आयात-नीति के अंतर्गत आयात प्रतिपूर्ति के लिए और निर्यात आभार यदि कोई हो तो उसकी लिए पात्र होगा।

आर.ई.पी. हक्कारियों के मद्दे पूंजीगत माल का आयात

189. (1) वास्तविक उपयोक्ताओं (औद्योगिक) को आर.ई.पी. लाइसेंसों के मद्दे पूंजीगत माल का आयात करने की स्वीकृति नीचे संकीर्णित विधि से दी जा सकती है।

(2) आयात-निर्यात नीति, 1985-88 में यह प्रावधान है कि एक विनिर्माता-निर्यातक को सम्बन्ध प्राधिकारी की सिफारिश के बिना और दक्षी निकासी प्राप्त किए बिना ही पूंजीगत माल/आदि रूपों के आयात के लिए उसके अपने विनिर्मित उत्पादों के निर्यातों के मद्दे अथवा उसके द्वारा प्राप्त बंध आर.ई.पी. लाइसेंस (सी) के मद्दे अथवा लागू आयात नीति के अनुसार हस्तांतरण के मद्दे उसे जारी किए गए आर.ई.पी. लाइसेंस (सी) का उपयोग करने की अनुमति आयात एवं निर्यात नीति (खंड-1) 1985-88 में उपकंडिका 50 में वर्णित गई विधि एवं शर्तों के अनुसार दी जा सकती है। इस सुविधा के लिए पात्र बनने के लिए विनिर्माता निर्यातकों को मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली के निर्यात आयुक्त से निर्यात निष्पादन प्रमाण-पत्र प्राप्त करने होंगे जिनके लिए उन्हें आयात-निर्यात नीति, 1985-88 के अध्याय-19 में तथा निर्धारित प्रश्न में और विधि के अनुसार 31 अक्टूबर, 1985 को या इससे पूर्व आवेदन करना पड़ेगा। निर्यात निष्पादन प्रमाण पत्र प्राप्त करने के पश्चात् पात्र विनिर्माता-निर्यातक निम्नलिखित दस्तावेज के साथ उस सम्बन्ध लाइसेंस प्राधिकारी को आवेदन कर सकते हैं जिसके क्षेत्राधिकार में वास्तविक उपयोक्ता का कारखाना स्थित हो :—

(क) निर्यात निष्पादन प्रमाण-पत्र की प्रमाणित प्रतिलिपि;
(ख) सम्बन्ध औद्योगिक एकक के औद्योगिक लाइसेंस या पंजीकरण की प्रमाणित प्रतिलिपि;

(ग) इस सम्बन्ध में मूल घोषणा पत्र कि आर्बोवित मशीनरी का आयात आवेदक एकक की अनुमति/अनुमोदित उत्पादन क्षमता से अधिक नहीं होगा।

(घ) आर.ई.पी. लाइसेंसों के व्योरे दत्ते हुए एक विवरण अर्थात् उनकी संख्या, दिनांक और मूल्य या उन निर्यातित आर.ई.पी. लाइसेंसों के व्योरे जिनके मद्दे अभी लाइसेंस जारी किए जाने हैं और जिनके मद्दे विषयाधीन मशीनरी का आयात किया जाना है; और

(ङ) आयात की जाने वाली मशीनरी का पूर्ण विवरण (5 प्रतियाँ)।

(3) आयात-निर्यात नीति, 1985-88 में यह व्यवस्था है कि उपर्युक्त उप-कंडिका (2) में उल्लिखित सुविधा उस विनिर्माता-निर्यातक को भी उपलब्ध होगी जिस के पिछले किसी भी दो वित्तीय वर्षों में पूर्णतः उत्पादों के निर्यात ऊपर उल्लिखित सीमा से कम थे किन्तु उसके मामले में आयात पैता भी मामला हो, महानिदेशक, तकनीकी विकास या वस्त्र आयुक्त या पटसन आयुक्त से दक्षी निकासी के बचील होगा। यदि आयात की जाने वाली मशीनरी का मूल्य 1985-88 में दो लाख रुपये से अधिक हो जाता है तो उपर्युक्त (2) में बताई गई अन्य शर्तें लागू होंगी। इस श्रेणी में जाने वाले विनिर्माता-निर्यातक भी ऊपर उल्लिखित उन्हीं दस्तावेजों के साथ सम्बन्ध लाइसेंस प्राधिकारी को आवेदन कर सकते हैं किन्तु अन्तर केवल इतना होगा कि उन्हें निर्यात निष्पादन प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने के बजाय आयात की जाने वाली मशीनरी के संबंध में संबंध या तकनीकी प्राधिकारी से प्राप्त किया गया मूल निकासी प्रमाण पत्र भेजना चाहिए। किन्तु यह वहाँ लागू होगा जहाँ आयात दो लाख रुपये से अधिक हो जाता है। लाइसेंस प्राधिकारी को आवेदन करने से पूर्व आवेदक को चाहिए कि वह सम्बन्ध प्राधिकारी से दक्षी निकासी प्राप्त कर लें। महानिदेशक, तकनीकी विकास के मामले में निकासी महानिदेशक, तकनीकी विकास, (आयात-निर्यात नीति सेल), उद्योग भवन, नई दिल्ली से प्राप्त की जानी चाहिए।

(4) उपर्युक्त (2) तथा (3) के अन्तर्गत न जाने वाले मामलों में, अर्थात् जहाँ मशीनरी का आयात आवेदक द्वारा विनिर्मित उत्पादों के मद्दे उसके स्वयं के निर्यातों के लिए जारी किए गए से भिन्न आर.ई.पी. लाइसेंसों के मद्दे किया जाना है और या उसका लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य निर्धारित उच्च सीमा से अधिक हो जाता है तो सामान्य पूंजीगत माल क्रिया-विधि अभी लागू होगी यदि मशीनरी/आदि रूपों के आयात के लिए आर.ई.पी. लाइसेंस का उपयोग करने की मांग की गई हो। ऐसे मामलों में पूंजीगत माल के आयात के लिए आवेदन पत्र, पूंजीगत माल आवेदन पत्रों को प्रस्तुत करने के लिए निर्धारित क्रियाविधि के अनुसार भेजे जाएँ। आवेदक को

चाहिए कि वह उग आर ई पी लाइसेन्सों/हक्कदारियों के व्योरो का सकीर करे जिनके मददे मशीनरी का आयात किया जाएगा।

- (5) उपर्युक्त सभी प्रकार के मामलों में अधिक सख्या में बंध आर ई पी लाइसेंसों के लिए भी स्वीकृति प्रदान की जाएगी जिसमें कि इन व्यवस्थाओं के अधीन लाइसेन्स धारक मशीनरी के आयात के प्रयोजन के लिए उनसे मूल्य को समझा करण में समर्थ हो सकें।

- (6) इन व्यवस्थाओं के अधीन मशीनरी के आयात के पयों उन के लिए अभ्यर्षित किए जाने वाले आर ई पी लाइसेन्सों में पूंजीगत माल के आयात के लिए आवेदन करने की तारीख को, कम से कम तीन भाग की शेष अप्रयुक्त बंध शक्ति हानी चाहिए। अभ्यर्षित आर ई पी लाइसेन्सों/आर ई पी हक्कदारियों के मददे जाने किए गए पूंजीगत माल के लिए लाइसेन्स के लिए यथा लागू सामान्य श्रेयता प्रदान की जाएगी।

- (7) आयात-निर्यात नीति में लकड़ी के फर्नीचर के निर्यात के लिए, लकड़ों के फर्नीचर के विनिर्माता-निर्यातकों के लिए भी नए लकड़ी के फर्नीचर के निर्यात के मददे अपेक्षित मशीनों और मोल्ड्ड लकड़ी के उत्पादों के आयात के लिए आयात लाइसेन्स प्रदान करने का व्यवधान किया गया है। इस उद्देश्य के लिए जैसा भी नियमित चाहें निमाही या छमाही या सालाना आधार पर आवेदन पत्र दिए जा सकते हैं। ये आयात आर ई पी हक्कदारी के नाम नहीं डाले जाते हैं।

- (8) उपर्युक्त उप-कडिका-2 में निहित सुविधा उस विनिर्माता को भी उपलब्ध होगी जिसका कोई भी उत्पाद आयात एवं निर्यात नीति, 1985-88 (खण्ड-1) के परिशिष्ट-17 में दिए गए के अनुसार आर ई पी हक्कदारी के लिए पात्र न होना हो, चाहे गत लाइसेंसिंग अवधि के दौरान उसके द्वारा विनिर्मित ऐसे उत्पादों के निर्यात का जहाज पर निशुल्क मूल्य उसके उत्पादन के वास्तविक मूल्य के 25% से कम का और 5 लाख रुपए (जहाज पर निशुल्क मूल्य) से भी कम का नहीं हो। वस्तुतः कि सालू वर्ष के दौरान अनुमेय मशीनरी का लागत-बीमा-भाडा मूल्य उसके निर्यातों के जहाज पर निशुल्क मूल्य के 5% से अधिक न हो, और यह अधिकतम 20 लाख रुपए मूल्य के अधीन हो। उपर्युक्त उप-कडिका-2 में निर्धारित शर्तें समान रूप से लागू होंगी।

- (9) समुद्री उत्पादों के विनिर्माता-निर्यातकों के मामले में जो आर ई पी हक्कदारी के मददे मशीनरी का आयात करना चाहते हैं, उनके लिए प्रायोगिक प्राधिकारी समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एम पी डी डी ए) होगा।

- 190 (1) आयात-निर्यात नीति में इस बात का भी प्रावधान है कि निर्यात सदन/व्यापार सदन को वास्तविक उपयोक्ताओं को बिक्री के लिए देशी निकासी के अधीन अपने आर ई पी लाइसेन्सों के मददे एक वर्ष में 20 लाख रुपये तक अपने सामान्य लाइसेन्स से भिन्न मशीनरी के आयात करने की अनुमति दी जा सकती है। जो निर्यात सदन/व्यापार सदन इस सुविधा का लाभ उठाते

चाहते हैं, उन्हें चाहिए कि वे अपने निर्यात या हस्तांतरण द्वारा प्राप्त अपने निर्यात लाइसेन्सों, आर ई पी लाइसेन्सों पर मशीनों के पृष्ठांकन के लिए क्षेत्रीय लाइसेन्स प्राधिकारी से समर्क स्थापित करें। उन्हें सर्वप्रथम महानिदेशक, तकनीकी विकास (आयात-निर्यात नीति सेन), उद्योग भवन, नई दिल्ली से देशी अनुमति प्राप्त करनी चाहिए। यदि आवेदक ने महानिदेशक तकनीकी विकास से देशी निकासी प्राप्त नहीं की है तो लाइसेन्स प्राधिकारी आयात की अनुमति देने में पहले इसे प्राप्त करेगा। मशीन के आयात के लिए पृष्ठांकन इस शर्त पर होगा कि मशीनरी वास्तविक पात्र उपयोक्ता (औद्योगिक) को बेची जाएगी और इस बिक्री के तुरन्त बाद इसकी सचना सम्बन्धित लाइसेन्स प्राधिकारी और प्रायोजक प्राधिकारी को दी जाएगी।

- (2) आयात-निर्यात नीति में इस बात का प्रावधान है कि निर्यात सदनों/व्यापार सदनों को आर ई पी लाइसेन्सों के मददे पूंजीगत माल के आयात की अनुमति दी जाए ताकि वे आम सेवा केन्द्रों की स्थापना कर सकें। जो निर्यात सदन/व्यापार सदन इस सुविधा का लाभ उठाना चाहते हैं, वे आयात को जाने वाली मशीनरी का विवरण, लागत-बीमा-भाडा मूल्य और उनके द्वारा स्थापित किए जाने वाले आम सेवा केन्द्रों का व्यौरा देते हुए मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, (ई पी-3 अनुभाग), नई दिल्ली से समर्क स्थापित करें। जब उन्हें मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली में देशी अनुमति मिल जाती है तो इस उद्देश्य के लिए आयात की जाने वाली मशीनरी के लिए अपने खुद के निर्यातों पर प्राप्त या उनके द्वारा अधिप्राप्त किए गए अपने अतिरिक्त लाइसेन्सों या आर ई पी लाइसेन्सों पर उपर्युक्त पृष्ठांकन के लिए सम्बन्धित लाइसेन्स प्राधिकारी से समर्क स्थापित करना चाहिए। ऐसे लाइसेन्स वास्तविक उपयोक्ता शर्तों के अधीन होंगे।

पूंजीगत माल के आयात के लिए विशेष सुविधाएं

कृषि विकास और खाद्य संसाधन उद्योगों के लिए मशीनों का आयात

191. (1) 1985-88 की आयात-निर्यात नीति में कृषि विकास और खाद्य संसाधन उद्योगों के लिए कुछ मशीनरी और अन्य मदों के आयात के लिए विशेष प्रावधान है। कृषि विकास के लिए मशीनरी, हरित गृहों और अन्य मदों के आयात के लिए इन प्रावधानों के अंतर्गत मदों के लिए जो देशी रूप में उपलब्ध नहीं है, उनके आवेदनपत्रों पर संबंधित राज्य सरकारों की सिफारिशों पर पात्रता के आधार पर विचार किया जाएगा। आवेदनपत्र राज्य सरकार के कृषि विभाग के माध्यम से मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली को भेजे जाने चाहिए। इस प्रकार के आयात के लिए विज्ञापन और अन्य पूंजीगत माल प्रक्रिया लागू नहीं होगी। आवेदनपत्रों की आच पड़ताल 1985-88 का आयात एवं निर्यात नीति, (खण्ड-1) के अध्याय 12 में उल्लिखित मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात की समन्वय समिति द्वारा की जाएगी। समन्वय समिति ऐसे मामलों पर वाणिज्य मंत्रालय के निर्यात संवर्धन पभाग की सिफारिश पर भी विचार कर सकती है।

- (2) आवेदनपत्र इस उद्देश्य के लिए परिशिष्ट-3घ में निर्धारित प्रपत्र में भेजे जाने चाहिए। किये जाने वाले आयात के लिए पूर्ण जोखिम दिया जाना चाहिए। विशेष रूप से इस बात

का भी उल्लेख किया जाना चाहिए कि क्या प्रस्तावित आयात, निर्यात में भी सहयोग प्रदान करेगा और यदि हां, कब और किस सीमा तक।

(3) इन मामलों में आयात लाइसेंस मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात द्वारा निर्धारित की जाने वाली शर्तों के अधीन होंगे। निर्यात वास्तविक उपयोक्ता शर्त के अधीन होगा।

(4) इस प्रकार के आवेदन पत्रों पर विचार विदेशी मुद्रा की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए किया जाएगा।

(5) राज्य एगो इण्डस्ट्रीज कॉर्पोरेशन से प्राप्त आयात आवेदन पत्र पर सम्बंध राज्य सरकारों की स्फारिश पर कृषि मशीनरी और फालतू पूजों के आयात और पात्र वास्तविक उपयोक्ताओं को वितरण के लिए मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात द्वारा विचार किया जाएगा।

डीजल जनरेटिंग सेट का आयात

192. डीजल जनरेटिंग सेटों के आयात के लिए नीति, आयात-निर्यात नीति, 1985-88 (खण्ड-1) के अध्याय-3 में दी गई है।

193. (1) डीजल जनरेटिंग सेटों के आयात के लिए आवेदन-पत्र पूंजीगत माल (प्रपत्र "ड" सी जी) के आयात के लिए परिशिष्ट-3क में निर्धारित तरीके से उस प्रपत्र में निम्नलिखित सूचना एवं दस्तावेज के साथ दिए जाने चाहिए।

- (क) जिस वास्तविक उपक्रम या संस्थान के लिए आयात करने की मांग की गई है, उसका ब्यौरा।
- (ख) विद्युत विधान के अनुसार उपयुक्त राज्य विद्युत बोर्ड से या अन्य विद्युत आपूर्ति प्राधिकरण से एक "अनापत्ति प्रमाणपत्र" मूल रूप में आयात आवेदन पत्र के साथ प्रस्तुत करना चाहिए।
- (ग) आयात के लिए प्रस्तावित जनरेटिंग सेटों के रॉटिंग और अन्य विशिष्टकरण, आयात का सम्भाव्य देश; लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य और वितरण अनुसूची जिस के साथ विदेशी संभारकों का मूल रूप में बीजक प्रपत्र हो।
- (घ) जिस उपक्रम/संस्थान के लिए (अब) आवेदन किया जा रहा है, उसके लिए आवेदक के पास पहले से ही किसी स्टैंडबाई कॉन्ट्रैक्ट जनरेटिंग क्षमता का ब्यौरा।

(2) आवेदनपत्रों पर सामान्य क्रियाविधि के अंतर्गत विचार किया जाएगा, परन्तु जो लाइसेंस प्रदान किया जाएगा, उसकी अवधि इस शर्त के साथ केवल 18 महीने होगी की सम्भारकों को केवल प्रथम 6 महीनों के अन्दर आदेश दे दिए जाएंगे।

(3) विनिर्माता-निर्यातकों को उनके ही प्रयोग के लिए 500 के बी ए से अधिक के डीजल जनरेटिंग सेटों को उनके आर डी पी लाइसेंस के मददे वेशी दृष्टिकोण से निकासी के मन्दर्भ के बिना ही आयात करने की अनुमति दी जा सकती है।

(4) आवेदकों के लिए विज्ञापन क्रियाविधि का अनुसरण करना आवश्यक नहीं होगा बल्कि आयात करने के लिए प्रस्तावित जनरेटिंग सेट्स का मूल्य 20 लाख रुपये से भी अधिक क्यों न हो।

मुद्रण मशीन का आयात

194. (1) आयात-निर्यात नीति, 1985-88 के परिशिष्ट 1 भाग-ख में सूचीबद्ध प्रिंटिंग मशीनरी के आयात की अनुमति पात्र वास्तविक उपयोक्ताओं को खूले सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत निर्धारित शर्तों के अधीन दी जाएगी।

(2) यदि मशीनरी का मूल्य एक करोड़ (लागत-बीमा-भाड़ा) रुपये से अधिक न हो तो अन्य प्रिंटिंग मशीनों के आयात के लिए आवेदन पत्र मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली को भेजे जाने चाहिए और यदि मशीनरी का मूल्य एक करोड़ रुपये से अधिक हो तो आवेदन पत्र उद्योग मंत्रालय के औद्योगिक अनुमोदन सचिवालय, नई दिल्ली को भेजे जाने चाहिए।

(3) रुपये में भुगतान व्यवस्थाओं के अन्तर्गत परियोजना एवं उपस्कर निगम लि. द्वारा आयातित मुद्रण मशीनों का वितरण, पात्र वास्तविक उपयोक्ताओं को लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए निकासी परामर्श पत्र के आधार पर परियोजना एवं उपस्कर निगम द्वारा ही किया जाएगा। ऐसे मामलों में भी, जैसा भी मामला हो, आयात आवेदनपत्र मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली या औद्योगिक अनुमोदन सचिवालय को भेजे जाने चाहिए।

खेलों के विकास के लिए माल का आयात

195. (1) स्पोर्ट्स शैक्षणिक संस्थानों/विश्वविद्यालयों, खिलाड़ियों की संस्थाओं खेल-कूद क्लबों और श्रेष्ठ खिलाड़ियों से सम्बन्धित केन्द्र या राज्य सरकार के संगठनों से विशेष में अनपलब्ध खेल के सामान/उपस्कर के आयात के लिए उन आवेदन पत्रों पर पात्रता के आधार पर विचार किया जाएगा जो केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार के सम्बंध विभागों द्वारा विधिवत प्रायोजित और अनुशंसित हों।

(2) आवेदन-पत्र परिशिष्ट-3क में इस प्रयोजन के लिए निर्धारित प्रपत्र में संबद्ध प्रायोजक प्राधिकारी के माध्यम से मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली को भेजे जाएंगे। आयातों की स्फारिश करने से पूर्व, प्रायोजक प्राधिकारी महानिदेशक तकनीकी विकास (आयात-निर्यात नीति में) उद्योग भवन, नई दिल्ली से वेशी निकासी प्राप्त करेंगे। लेकिन इसमें वे मदें शामिल नहीं होंगी जिनकी देशी निकासी दी जा चुकी हो और जो आयात-निर्यात नीति, पुस्तक (खंड-1) 1985-88 के परिशिष्ट 11 में सूचीबद्ध हैं।

(3) ऐसे मामलों में आयात लाइसेंस ऐसी शर्तों के अधीन होंगे जो आयातित उपस्कर के उपयोग और वितरण के सम्बन्ध में मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात ने विनिर्दिष्ट की हैं।

(4) विदेशी मुद्रा की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए ऐसे आवेदन-पत्रों पर विचार किया जाएगा।

पुरानी मशीनरी का आयात

196. (1) एक करोड़ रुपये (लागत-बीमा-भाड़ा) मूल्य तक के पुराने पूंजीगत माल (उपयोग किया हुआ) के आयात के लिए आवेदन पत्र मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली को भेजे जाने चाहिए। इस से अधिक मूल्य के लिए आवेदन पत्र, उद्योग मंत्रालय, नई दिल्ली के औद्योगिक अनुमोदन के लिए सचिवालय को भेजे जाने चाहिए। क्षेत्रीय लाइसेंस प्राधिकारी

पुराने (उपयोग किए गए) पूंजीगत माल के आयात के लिए किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं करेंगे।

(2) सात वर्ष से अधिक पुरानी मशीन जिसका सम्भावित शेष जीवन 5 वर्ष से भी कम है, उन पर विचार नहीं किया जाएगा।

(3) जिन मामलों में पुराने (उपयोग किए हुए) पूंजीगत माल के आयात की इच्छा की गई हो उनमें सम्बन्धित आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित दस्तावेज/सूचना होनी चाहिए :—

(क) स्वतन्त्र व्यवसायी सनवी इंजीनियर/उस क्षेत्र के किसी समकक्ष संस्थान से जहां से मशीनरी का आयात किया जाता है, यह संकेत करते हुए एक प्रमाण-पत्र :—

- (1) संयन्त्र और मशीनरी के विनिर्माता का नाम;
- (2) विनिर्माण का वर्ष;
- (3) मुख्य रिकन्डीशनिंग/मरम्मत की लागत, यदि कोई की गई हो तो और समुदाय की उस फर्म का नाम जिसने रिकन्डीशनिंग/मरम्मत की है;
- (4) संयन्त्र और मशीनरी की वर्तमान दशा और उसकी भावी शेष अवधि। ऐसे आयात के माध्यम से किस प्रकार की प्रौद्योगिकी का उत्पादन होगा, स्पष्ट रूप से बताया जाना चाहिए;
- (5) यदि कोई नया माल खरीदा गया हो तो समतुल्य पूंजीगत माल का लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य।
- (6) रिकन्डीशनिंग/मरम्मत की किस्म, यदि कोई हो, और वह तारीख जब ये काम किए गए थे; और
- (7) सम्भरकों द्वारा पूछे गए मूल्य के सम्बन्ध में उसका/उनका विचार और इस प्रकार के विचार का आधार।

(ख) पुराने संयन्त्र और मशीनरी का पूर्ण विशेष विवरण और यदि उपलब्ध हो तो इसके फोटोग्राफ के साथ कीमत (प्रपत्र बीजक)। जहां सम्भव हो अलग-अलग मूल्य अर्थात् पूंजीगत माल का मूल्य, पुर्जों खोलने की लागत, भाड़ा और बीमा, अलग से प्रपत्र बीजक में दिखाया जाना चाहिए।

(ग) यदि संभरक से कोई निष्पादन गारन्टी प्राप्त की गई हो तो उसका स्वरूप।

(घ) ऐसे आयातों के औचित्य में संगत सूचना, विशेषकर वे फायदे जो कि आयातित पुराने प्लान्ट की शीघ्र प्राप्ति होने के कारण मूल्य में, और लागत में कमी होने से प्राप्त होंगे।

(ङ) की गई व्यवस्थाएँ/विशेष फालतू पुर्जों के लिए प्रस्ताव।

टिप्पणी:—खुले सामान्य लाइसेंस में शामिल मशीनरी की पुरानी मर्दों का आयात करने के लिए संगत आयात-निर्यात नीति के उपबन्धों का उल्लेख किया जाए।

देशी जनता की उच्च से स्वीकृति की रीति

197. जिन मामलों में पूंजीगत माल के आयात के लिए देशी उद्योगों से निकासी कर दी गई हो, परन्तु पूंजीगत माल के लिए लाइसेंस जारी करने में वित्तीय या औद्योगिक लाइसेंस औपचारिकताओं या क्रियाविधि से सम्बन्धित औपचारिकताओं का पूर्ण करने की प्रतीक्षा की जा रही हो तो ऐसे अनुसोदन की तिथि से अधिकतम 24 महीनों की अवधि इन औपचारिकताओं को पूर्ण करने के लिए आवेदक को उपलब्ध होगी। जिस मामले में यह अवधि अपर्याप्त होगी उसमें नई निकासी मोगनी पड़ेगी। ऐसे मामलों में नए विज्ञापन की आवश्यकता नहीं होगी।

विज्ञापन क्रियाविधि

198. (1) जिस मामले में अपेक्षित पूंजीगत माल का मूल्य 20 लाख रुपये से अधिक हो, उसमें इच्छुक आवेदक को नीचे दिए गए तरीके से अपनी आवश्यकता का विज्ञापन देना चाहिए जिससे इच्छुक देशी विनिर्माताओं को पहले उसका उत्तर देने का अवसर प्राप्त हो सके। अन्य बातों के साथ-साथ विज्ञापन में सम्बद्ध पूंजीगत माल के विशिष्टीकरण के पर्याप्त ब्यारे, मेक, माडल और/या अन्य ब्यारे, वितरण की वांछित अवधि और अन्य यथार्थ तथ्य जो आवेदक पसन्द करें, के ब्यारे दिए जाएंगे। इसमें यह भी उल्लेख होना चाहिए कि सम्बन्धित इन्वेंट्री पहले ही उपलब्ध है या बाद में दी जाएगी। (केवल मुख्य मद को विज्ञापित किया जाना चाहिए अर्थात् उप-साधित्र फालतू पुर्जों, औजारों आदि को छोड़कर)।

(2) जहां आयात किए जाने वाले पूंजीगत माल में डी. सी. इन्वेंट्री, प्रोग्रामेबल लॉजिक नियंत्रण सिस्टम, इन्स्ट्रुमेंटेशन सिस्टम, बिजली से तौलने का सिस्टम आदि शामिल हों तो इन मदों के पूर्ण विशिष्टीकरण विज्ञापन में दिए जाने चाहिए ताकि देशी विनिर्माताओं से सार्थक उत्तर प्राप्त किए जा सकें। मुख्य मेकेनिकल संयंत्र के एक भाग के रूप में अपूर्ण विशिष्टीकरण के साथ या सामान्य विवरण के अन्तर्गत ऐसी मदों के आयात के लिए स्वीकृति नहीं दी जाएगी।

199. विज्ञापन या तो (1) भारतीय व्यापार पत्रिका में या (2) भारतीय नियत सेवा बुलेटिन में प्रकाशित होना चाहिए। पहले (प्रदर्शन के रूप में विज्ञापन) के सम्बन्ध में सभी पत्राचार भारत सरकार मद्रास, सत्रागाछी, हावड़ा को सम्बोधित किए जाएंगे। इसके साथ ही विज्ञापन सामग्री को एक प्रति विभागीय प्रभारी, भारत सरकार के बूक डिपॉ. सं. 8, के. एस. राय रोड, बलकसा-1 को भेजी जाए। बाद वाले के संबंध में प्रबंध निदेशक, भारतीय व्यापार मेला प्राधिकरण, एडमिनिस्ट्रेशन बिल्डिंग, लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, नई दिल्ली को संबोधित किया जाना चाहिए।

200. देशी विनिर्माताओं को अपना प्रस्ताव (इच्छुक) आवेदक को देने के लिए विज्ञापन के प्रकाशन की तिथि से 45 दिन की अवधि उपलब्ध होगी। ऐसी पार्टियों को अपने प्रस्ताव आवेदक को सीधे भेजने चाहिए और प्रस्तावों की एक-एक प्रति पूंजीगत पावती डाक द्वारा महा-निदेशक, तकनीकी विकास (समन्वय अनुभाग), नई दिल्ली को और सम्बद्ध विज्ञापन के प्रायोजक प्राधिकारी को भेजनी चाहिए। इन प्रतियों में सम्बद्ध विज्ञापन की क्रम संख्या और तिथि का उल्लेख किया जाएगा। देशी विनिर्माता जिन मदों की आपूर्ति करने की स्थिति में हों, उनके विशिष्टीकरण और अन्य पर्याप्त ब्यारे, सुपुर्देशों

की वह अवधि जिसके लिए आश्वासन दिया जा सकता है, कीमत और अन्य यथार्थ सूचना प्रस्तावों में होनी चाहिए। जिन अन्य वास्तविक उपयोक्तारों के पास उनकी निजी आवश्यकता से अधिक पूंजीगत माल है और उनकी समझ में वह माल आवश्यक की आवश्यकता के लिए उपयुक्त है, वे भी अपने प्रस्ताव इसी प्रकार भेज सकते हैं।

201. ऊपर निर्धारित सीमा का पालन न करने पर देशी विनिर्माता/वास्तविक उपयोक्ता आगे विचार करने के लिए/प्रतिवेदन करने के लिए पात्र नहीं होंगे।

202. विज्ञापन की तिथि से 45 दिन की अवधि बीत जाने के बाद इच्छुक आयातक विषयाधीन पूंजीगत माल का आयात करने के लिए सम्बद्ध लाइसेंस प्राधिकारी से लाइसेंस के लिए आवेदन कर सकता है (यदि ऐसा आवेदन उस तारीख के 12 माह के भीतर सम्बद्ध लाइसेंस प्राधिकारी या प्रायोजक प्राधिकारी को नहीं किया जाता है, और सचिव, तकनीकी विकास विभाग द्वारा उनके नाम में विशेष रूप से छूट नहीं दी जाती है तो विज्ञापन की प्रक्रिया बुराही जानी चाहिए)। आवेदन के लिए आवेदनपत्र में विज्ञापन के प्रकाशन की क्रम संख्या और तिथि, प्राप्त किए गए प्रस्ताव और आवेदक द्वारा उनके बल-अलग मूल्यांकन का उल्लेख होना चाहिए। प्रस्ताव अस्वीकार करने के कारण स्पष्ट रूप से देने चाहिए। आवेदनपत्र के साथ विज्ञापन की दो फोटोस्टेट प्रतियां भी होनी चाहिए।

203. (1) लोकन विज्ञापन प्रक्रिया मद्रास मशीनरी, सिनेमाटोग्राफिक उपस्कर, कंप्यूटर सिस्टम और उनके फालतू पूर्ण, आदि-रूपों, 10% की विदेशी मुद्रा अर्जन के साथ अनुमोदित हांटलों द्वारा उपस्करों का आयात, अनुसन्धान और विकास प्रयोगशालाओं द्वारा अपेक्षित पूंजीगत माल, अन्य वैज्ञानिक और अनुसन्धान संस्थान, केन्द्र या राज्य सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त अन्य उच्चतर शैक्षणिक और अनुसन्धान संस्थान या अस्पताल के लिए लागू नहीं होंगी, साथ ही साथ यह प्रक्रिया भारत में स्थाई आवास के लिए विदेशों से लौटने वाले भारतीयों के लिए विशेष लागू योजना भी लागू नहीं होगी। पुरानी (उपयोग की गई) मशीनरी के आयात के लिए भी विज्ञापन प्रक्रिया लागू नहीं होगी।

(2) सार्वजनिक क्षेत्र के औद्योगिक उपक्रम के मामले में यदि सरकार ने पूंजीगत माल के आयात को पूरा करने के लिए विदेशी मुद्रा रिहा कर दी है और आयात की जाने वाली मालों के लिए देशी निकासी प्राप्त कर ली गई है तो उपक्रम के लिए यह आवश्यक नहीं होगा कि वह आयात लाइसेंस के लिए आवेदन करने से पूर्व विज्ञापन करे।

(3) परिशिष्ट-3 में दिए गए पूंजीगत माल के मामले में विज्ञापन प्रक्रिया लागू नहीं होगी। इन मामलों में देशीय क्षमता की दृष्टि से स्वीकृति भी आवश्यक नहीं होगी। वास्तविक उपयोक्ता आयात लाइसेंस के लिए निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आवेदन कर सकते हैं।

पूंजीगत माल लाइसेंसों पर निर्यात शर्तें

204. पूंजीगत माल के आयात के लिए आवेदनपत्रों पर प्रत्येक मामले में यथानिश्चित निर्यात शर्तों के अधीन विचार किया जा सकता है; जिसके लिए यथा निर्धारित शर्तों के अनुसार विशेष विवरण और मूल्य/मात्रा के माल का निर्यात निर्धारित

समय सीमा के भीतर लाइसेंसधारी को करना होगा। भूटान को निर्यात करने से निर्यात आभार से छूटकारे के लिए पात्रता प्राप्त नहीं होगी, इसी प्रकार अफगानिस्तान और नेपाल को भी स्वतंत्र विदेशी मुद्रा में निर्यात करने से निर्यात आभार से छूटकारा नहीं मिलेगा।

205. निर्यात आभार की शर्त के साथ पूंजीगत माल के आयात के लिए जारी किया गया लाइसेंस अन्य बातों के साथ-साथ इस शर्त के अधीन होगा कि लाइसेंसधारी निर्धारित निर्यात निष्पादन को पूर्ण करने के संबंध में बांड भरेंगे। बांड के साथ वार्षिक निर्यात आभार के मूल्य के बराबर की बैंक गारंटी होनी चाहिए। बैंक गारंटी के बदले में लाइसेंसधारी द्वारा इस सम्बन्ध में भरे गए एक कानूनी समझौते को भी लाइसेंस प्राधिकारी स्वीकार कर सकते हैं कि निर्धारित निर्यात आभार के अनुसार माल का सीधे निर्यात करने में अपनी असमर्थता या असफलता पर वह निर्धारित वार्षिक निर्यात वचनबद्धता/आभार और वास्तविक निर्यात के बीच के अंतर के बराबर मूल्य के माल को राज्य व्यापार निगम को या ऐसी अन्य एजेंसी को जो सरकार (मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली सहित) नामित करे, को सौंप देगा और इसके अतिरिक्त निर्धारित हानि की निर्दिष्ट धनराशि को नामित एजेंसी को चुकाएगा। जिस प्रपत्र में लाइसेंसधारी को कानूनी समझौता देना होगा वह परिशिष्ट 3 में प्रदर्शित है। यह स्पष्ट कर लिया जाए कि लाइसेंसधारी द्वारा यह बांड/कानूनी समझौता या तो उस क्षेत्रीय लाइसेंस प्राधिकारी के साथ भरना चाहिए जिसके अधिकार क्षेत्र में वह स्थित है या लाइसेंस के मद्दे आयात किए जाने वाले माल की निकासी के पत्तन पर लाइसेंस प्राधिकारी के साथ। जिस मामले में लाइसेंस प्राधिकारी निकासी के पत्तन पर संबंधित लाइसेंस जारी करने वाले लाइसेंस प्राधिकारी को संबंधित कागजात हस्तांतरण करेंगे। लाइसेंसधारी को पूंजीगत माल लाइसेंस जारी करने वाले लाइसेंस प्राधिकारी को उस लाइसेंस कार्यालय के नाम से अवगत कराना चाहिए जिसमें वह बांड/कानूनी समझौता भरेंगे जिसमें कि लाइसेंस प्राधिकारी पूंजीगत माल के लाइसेंस पर लगाई गई निर्यात शर्तों में उस कार्यालय के नाम को समाविष्ट कर सकें। बाण्ड निष्पादन करने के लिए प्रपत्र का नमूना परिशिष्ट-3 में दिया गया है।

206. मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली के कार्यालय में "निर्यात आभार कक्ष" (एक्सपोर्ट आबिलिगेशन सेल) के नाम से अभिज्ञात एक कक्ष खोला गया है जिसका कार्य उन मामलों में अनुवर्ती कार्रवाई करना है जिनमें पूंजीगत माल के आयात लाइसेंस, औद्योगिक लाइसेंस या विदेशी सहयोगियों को अनुमोदन, निर्यात शर्तों के अधीन दिए जाते हैं। सम्बद्ध विनिर्माता यूनिटों को मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, उद्योग भवन, नई दिल्ली (निर्यात आभार कक्ष) को अपने निर्यात निष्पादन निर्दिष्ट करते हुए उस प्रपत्र में और उस तरीके से आवधिक विवरणपत्र भेजने होंगे जो मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात निर्धारित करें। ऐसे विवरणपत्र उन विवरणपत्रों के अतिरिक्त होंगे जो यूनिट को बांड/कानूनी समझौते के अनुसरण में क्षेत्रीय लाइसेंस प्राधिकारियों और सम्बद्ध प्रशासनिक मंत्रालय को भेजने पड़ेंगे।

207. जिन विनिर्माता यूनिटों को पूंजीगत माल के आयात लाइसेंस, या उद्योग (विकास तथा विनियमन) अधिनियम, 1951 के अंतर्गत उद्योग लाइसेंस, या विदेशी सहयोग व्यवस्थाओं को अनुमोदन, निर्यात आभार की शर्त के अधीन प्रदान किए

जाते हैं, उनके निष्पादन पर मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली की अध्यक्षता में एक अंतर-मंत्रालय समिति द्वारा पुनः विचार किया जाएगा, इस समिति में सम्बन्ध मंत्रालयों और विभागों तथा मनोनीत अभिकरण के प्रतिनिधि, सदस्य के रूप में होंगे।

208. 1 अप्रैल, 1970 से निर्यात आभार पूर्ण करने के लिए विनिर्माताओं द्वारा किए गए निर्यात पंजीकृत निर्यातकों के लिए आयात नीति के अनुसार आयात प्रतिपूर्ति लाइसेंस प्रदान करने के लिए ऐसी शर्तों या प्रतिबंधों के अधीन पात्र होंगे जो इस संबंध में निर्धारित की जाए। पंजीकृत निर्यातकों के लिए आयात नीति के अन्तर्गत आयात प्रतिपूर्ति के लिए पात्र समझे गए निर्यात भी निर्यात आभार को पूरा करने के लिए पात्र समझे जाएंगे।

209. जिस मामले में औद्योगिक यूनिट को आयातित मशीनरी की अनुमति निर्यात आभार की शर्त के अधीन दी जाए और मशीनरी को आयात के लिए यूनिट का सीधे ही आयात लाइसेंस जारी न किया जाए, परन्तु मशीनरी राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम या किसी ऐसी ही अन्य एजेंसी के माध्यम से प्राप्त की जाए तो ऐसे मामले में निर्यात आभार को पूर्ण करने के लिए यूनिट को बान्ड/कानूनी सम्भरता राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम से मशीनरी प्राप्त करने से पहले भरना पड़ेगा। ऐसे मामलों में राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम आदि को जारी किए गए आयात लाइसेंसों के मामले में इस सम्बन्ध में एक उपयुक्त शर्त होगी।

ऋणों के लिए पत्र-व्यवहार

210. आयातकर्ताओं द्वारा कर्जों के सम्बन्ध में विदेशी वित्त दाता संस्थाओं के साथ पत्र-व्यवहार करने के लिए सिद्धान्त रूप में सरकार की पूर्व-स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। आयात-कर्ताओं द्वारा विदेशी वित्त-दाता संस्थाओं के साथ कर्जों के सम्बन्ध में सीधे पत्र-व्यवहार करने के लिए सिद्धान्त रूप में सरकार से पूर्व-स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। इस प्रकार के आवेदन संबंधित प्रशासनिक मंत्रालय को भेजे जाएंगे। इन आवेदनों में यह बताया जाए कि संबंधित उपस्कर का मूल्य, आयात करने का प्रयोजन क्या है, उस किस देश या किन देशों से आयात किया जाना है, उस आयातित कच्चे माल/उन संघटकों का मूल्य कितना है जिनकी यूनिट को उत्पादन आरंभ कर देने के बावजूद वर्ष जरूरत होगी, और यदि परियोजना के लिए उद्योग (विकास तथा विनियम) अधिनियम, 1951 के अधीन कोई विनिर्माण लाइसेंस प्राप्त किया गया हो, तो उस लाइसेंस का ब्यौरा भी आवेदन-पत्र में दिया जाए।

नकद या आस्थगित अदायगी पर स्वतंत्र साधनों के आधार पर आयात

211. यदि आयातित संयंत्र और उपकरण पर परिचय्य अपेक्षाकृत कम हो और योजना के कार्यान्वयन के परिणामस्वरूप तीन वर्ष के अन्दर इसमें होने वाली मुद्रा की वचत या उसकी स्वरूप तीन वर्ष के अन्दर इसमें होने वाली मुद्रा की वचत या उसकी अर्जित राशि में उसमें पूरा किया जाना हो (आयात/निर्यात के

वर्तमान स्तर को विशिष्ट ध्यान में रखते हुए) तो नकद या आस्थगित अदायगी के आधार पर स्वतंत्र साधनों के मद्दे लाइसेंस देने के लिए कुछ सीमा तक आवेदन-पत्रों पर विचार किया जा सकता है। सामान्यतः सरकार अल्प या मध्यम पूर्तिकर्ता क्रेडिट शर्तों पर, आयात को प्रस्तावित देने का प्रस्ताव नहीं रखती और आस्थगित भुगतान व्यवस्थाओं पर अपवाद स्वरूप मामलों में केवल तब विचार किया जाएगा जबकि सरकार इस बात से सन्तुष्ट हो कि आयात किए जाने के लिए प्रस्तावित संयंत्र और मशीनरी में उत्पादन के परिणामस्वरूप विदेशी मुद्रा की वचत भुगतान आभार को पूर्ण करने के लिए पर्याप्त होगी। इसी प्रकार जिस माल के उत्पादन के लिए संयंत्र का आयात किया जाता है उस माल के निर्यात के लिए संतोषजनक गारन्टी है तो ऐसी व्यवस्था अनुमोदित की जा सकती है।

पुनः निर्यात के आधार पर निर्माण उपस्कर और अन्य सामग्री का आयात

212. सीमा शुल्क निकासी परमिटों की मंजूरी के लिए आवेदन-पत्रों पर निर्माण उपस्करों और अन्य सामग्री के पुनः निर्यात के आधार पर आयात के लिए विचार किया जा सकता है। ऐसे मामलों में आयात की अनुमति केवल महाविदेशक, तकनीकी विकास, नई दिल्ली में प्राप्त देसी निकासी की शर्त के अधीन दी जाएगी। यदि किसी मामले में सीमा शुल्क परमिट जारी किए जाएंगे तो अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित शर्तों के अधीन होंगी :—

“लाइसेंस के अधीन आयात किया गया और निर्माण कार्य के दौरान उपभोग न किया गया माल उस कार्य के पूर्ण होने पर पुनः निर्यात कर दिया जाएगा जिसके लिए उसका आयात किया गया था या आयात की तिथि से दो वर्षों के भीतर उसका पुनः निर्यात कर दिया जाएगा, इनमें जो अवधि पहले ही बही लागू होगी। लाइसेंस-धारी आयात के पतन पर लाइसेंस प्राधिकारी के पास पुनः निर्यात के लिए एक बान्ड भरनेगा।”

निर्यात बाण्ड के समर्थन में केवल सरकारी परियोजना/उप-क्रमों से कोई बैंक गारन्टी नहीं ली जाएगी।

आयातित पूंजीगत माल का हस्तांतरण अथवा निपटान

213. इस पुस्तक के अध्याय-2 में आयातित पूंजीगत माल के हस्तांतरण/निपटान के लिए प्रक्रिया दी गई है।

बील

214. कीमत में वृद्धि हो जाने के कारण या माल में केवल परिवर्तन के कारण या विशिष्टीकरण में अपेक्षाकृत छोटे परिवर्तन के कारण पूंजीगत माल के लाइसेंस के लागत-दीमा-भाड़ा मूल्य में अधिकतम 10 प्रतिशत की वृद्धि के लिए आवेदनपत्र सम्बद्ध लाइसेंस प्राधिकारी को सीधे भेजे जा सकते हैं। यदि कोई अन्य परिवर्तन होता है तो आवेदक को केवल प्रायोजक प्राधिकारी के माध्यम से लाइसेंस प्राधिकारी को आवेदन करना चाहिए।

अध्याय-4

सरणीबद्ध

215. आयात नीति, 1985-88 के परिशिष्ट-5 में सरणी-बद्ध मदों की सूची दी गई है। वे मदें जो परिशिष्ट-5, भाग-ख में सम्मिलित हैं, सरकार द्वारा संबद्ध प्रशासनिक मंत्रालयों में निर्धारित नीतियों के अनुसार संचालित की जाएगी।

216. परिशिष्ट-5, भाग-क में सूचीबद्ध मदों के मामले में, पात्र वास्तविक उपभोक्ता अपनी 6 महीनों अथवा 12 महीनों की आवश्यकताओं को इस प्रकार पंजीकृत की गई बिक्री मूल्य की मात्रा के दो प्रतिशत के हिसाब से अथवा 50,000/-रुपये, इनमें से जो भी कम हो, पेशगी धनराशि के साथ (जहां पर एक सहकारी समिति अथवा कोई संघ अपने वास्तविक उप-योक्ता सदस्य के पक्ष में पंजीकरण कराने के लिए प्राधिकृत है, पेशगी धनराशि का इसी प्रकार से गणना की जाएगी अर्थात् इस प्रकार पंजीकृत किए गए माल की कुल मात्रा के लिए) पंजीकृत करा सकते हैं। लेकिन सरणीबद्ध अभिकरण अपनी स्वेच्छा से पात्र व्यक्तियों से मद (दो) के संबंध में पेशगी धनराशि के लिए नहीं कह सकता है। पेशगी धनराशि नकद अथवा बैंक ड्राफ्ट के माध्यम से भुगतान की जानी चाहिए, लेकिन सरणीबद्ध अभिकरण इसके बदले में अपेक्षित धनराशि की एक बैंक गारन्टी भी स्वीकार कर सकता है। आवेदन-पत्र इस पुस्तक के परिशिष्ट-4 क में दिए गए प्रपत्र में दिए जाएंगे। सरणीबद्ध अभिकरण उसके द्वारा अभिज्ञात मदों के संबंध में स्वयं का आवेदक की पात्रता के बारे में अथवा आवेदक की आवश्यकता हेतु या आयात का प्रबंध करने में पूर्व आयातित माल के संबंध में आवेदक की आवश्यकताओं की उपयुक्तता के संबंध में, अतिरिक्त सूचना अथवा स्पष्टीकरण ले सकता है।

217. सरणीबद्ध अभिकरण आयात के लिए प्रबंध से पूर्व ऐसी वित्तीय सहायता जो एक बार में तीन महीनों के लिए पंजीकृत मात्रा के द्वितीय मूल्य से अधिक न हो, जो वह आवश्यक समझे, ले सकता है।

218. स्वदेश में उत्पादित की जाने वाली मदों के बारे में, सरणीबद्ध अभिकरण आयात की अपेक्षा देशी आपूर्ति-आंशिक या पूर्णरूपेण पंजीकृत आवश्यकताओं को पूरा करने का प्रयत्न करेगा। सरणीबद्ध अभिकरण से अपनी आवश्यकताओं का पंजीकरण कराने वाले किसी भी व्यक्ति को एक विशेष ब्राण्ड अथवा मारके के बारे में पूछने का अधिकार नहीं होगा।

219. इस प्रकार से पंजीकृत की गई मात्रा की डिलीवरी की अवधि लाइसेंस वर्ष में आगे बढ़ाई जा सकती है।

220. परिशिष्ट-5 भाग क में उल्लिखित "विशिष्ट" सरणीबद्ध मदों के लिए आयात एवं वितरण के लिए निम्नलिखित प्रक्रिया लागू होगी :—

क्रम सं०	मद	नीति
(1)	कच्चा रेशम और रेशम का कीड़ा (कोकून)	
(2)	कच्ची रुई	
(3)	पोलिएस्टर फिलामेंट यार्न जिसमें बेस फ्लैट फस्ट क्वालिटी (पूर्ण/आंशिक रूप से अभिसुख) और नाइलान फिलामेंट यार्न धागों में निम्नलिखित शामिल नहीं हैं	
(1)	बेस फ्लैट फस्ट क्वालिटी (पूर्ण/आंशिक रूप से अभिसुख); और	
(2)	210 डेनियर और अधिक के औद्योगिक नाइलान यार्न ।	
(4)	सिलिलिस्ट गैर सेल्यूलोज जिसमें पोलिएस्टर फाइबर/टो, नाइलान फाइबर, एक्रिलिक फाइबर और पोलिप्रापिलीन फाइबर/टो शामिल नहीं है।	आयात की मात्रा और वितरण के लिए नीति सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित
(5)	प्राकृतिक रबड़	
(6)	डी० डी० टी० तकनीकी और 75 डेन्यू डी० पी०	
(7)	सभी प्रकार के लेखन एवं मुद्रण कागज जिसमें शार्ट और क्रोम कागज और बोर्ड शामिल नहीं है।	
(8)	ऐसीटेट फिलामेंट यार्न प्रथम क्वालिटी का छोड़ कर।	
(9)	मेघालीन	
(10)	सभी श्रेणी के कार्बन स्टील मैलिंग स्क्रैप	
(11)	सभी श्रेणी के कार्बन स्टील रि-रोलेबल स्क्रैप	आयात और वितरण
(12)	अलाय स्टील (जिसमें जंगारानी/ताप अवरोधक/हार्ड स्टील भी शामिल है) मैलिंग स्क्रैप लेकिन इसमें रि-रोलेबल स्क्रैप शामिल नहीं है।	इस्पात विभाग, नई दिल्ली के परामर्श से किया जायेगा।
(13)	ब्रेक-अप के लिए पुराने गह्राज, पोत शक्ति।	
(14)	एल्यूमीनियम/एल्यूमीनियम राइम (परिष्कृत/अपरिष्कृत)।	आयात की मात्रा सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित की जाएगी। आयातित माल का वितरण संबंधी भारत एल्यूमीनियम

क्रम सं०	मव	निति
		कम्पनी लिमिटेड (बाल्को) के माध्यम से किया जा सकता है।
(15)	कोल्ड रोलिंग के लिए प्रायोजित हाट रोल/ जगावरोधी इस्पात शीट 500 एम० एम० से अधिक चौड़ाई वाले ताप रोधक इस्पात कायम	वे वास्तविक उपयोक्ता जिनके पास जिस चौड़ाई में प्रायोज किया जाता है, उसी में कायम के रूप में ऐसे माल को कोल्ड रोल करने के लिए पर्याप्त सुविधाएं हैं, केवल बड़ी पाब होगी।

221. (क) ताम्बे के मामले में वास्तविक उपयोक्ता (औद्योगिक) अपनी आवश्यकताएं सरणीबद्ध करने वाले अभिकरण (खनिज तथा धातु व्यापार निगम) और देशी उत्पादक, सर्वश्री हिन्दुस्तान कापर लि० के पास इस प्रकार करा सकते हैं :-

खनिज तथा धातु व्यापार निगम	हिन्दुस्तान कापर लि०
(1) इन्सुलेटिड वाइरिंग तार/स्क्रिप्स के विनिर्माता	(1) सभी सरकारी विभाग
(2) दूर संचार केबल के विनिर्माता	(2) खनिज तथा धातु व्यापार निगम के अन्तर्गत आने वाले से निम्न सभा केन्द्रीय/राज्य सार्वजनिक उद्यम।
(3) कम्प्यूटर सेगमेंट/प्रोफाइल केबल बह (ताम्बा जिसके ऊपर चांदी लगी हुई हो) के विनिर्माता	(3) छोटी अनुबन्गी के विनिर्माता
(4) स्विचगेयर और ट्रांसफार्मर के विनिर्माता	(4) इन्सुलेटिड केबल के विनिर्माता
(5) कम्प्यूटर सेगमेंट्स/चिना चांदी वाले ताम्बे के प्रोफाइल के विनिर्माता	(5) अन्य कोई भी उपयोक्ता
(6) सर्वश्री भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लि०, सर्वश्री स्क्व गवर्नमेंट इलेक्ट्रिक फैक्ट्री, बंगलौर और सर्वश्री हिन्दुस्तान केबिस्स लि०।	
(7) (1) सेमिस और घालाय के विनिर्माता	खनिज तथा धातु व्यापार निगम और हिन्दुस्तान कापर लि० प्रत्येक के साथ 50 प्रतिशत
(2) नंगे ताम्बे की तार/पट्टियां।	

(ख) उपर्युक्त मांग को प्राप्त करने के लिए पात्र वास्तविक उपयोक्ता खनिज तथा धातु व्यापार निगम/हिन्दुस्तान कापर से अपनी आवश्यकताओं का पंजीकरण उस सीमा तक कराएंगे जिस सीमा तक उनकी प्रमाणित खपत किसी भी दो पिछले वित्तीय वर्षों में अथवा सम्बद्ध प्रायोजक प्राधिकारी द्वारा सिफारिश की गयी मात्रा तक हो। लेकिन बड़े पैमाने के एपको के मामले में उनकी यह रबीकृति/पंजीकृत आइटमस क्षमता के 125 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए।

(ग) उपर्युक्त (ख) में संकीर्णक ताम्बे के मामले में पंजीकरण का आधार अन्य गैर लौह धातुओं के लिए भी लागू होगा अर्थात् जस्ता, सीसा, टिन और निकल।

(घ) नए एपको या वे एपको जिनकी पिछले दो वर्षों में कोई खपत नहीं या वर्तमान वास्तविक उपयोक्ता जिन्हें अतिरिक्त मात्रा की आवश्यकता है, वे उपर्युक्त श्रेणियों के अनुसार खनिज तथा धातु व्यापार निगम को या हिन्दुस्तान कापर लि० को तभी आवेदन कर सकते हैं जब कि उनकी मांगों संबंध प्रायोजक प्राधिकारी द्वारा प्रायोजित कर दी जाती हों।

222. (क) उपर्युक्त पैरा 221 (ख) में उल्लिखित प्रावधान वर्तमान एपको द्वारा अपेक्षित अन्य सरणीबद्ध मदों के लिए इस आशोधन के साथ लागू होंगे कि किसी भी पिछले दो वित्तीय वर्षों में खपत के आधार पर मांग को पंजीकृत करने की बजाए, किसी भी पिछले दो वित्तीय वर्षों के लिए खपत और इसके 10 प्रतिशत का जोड़कर लेख में गिनी जाएगी। सरणीबद्ध अभिकरण द्वारा इससे अधिक की मांग पर संबंध प्रशासनिक मंत्रालय द्वारा विदेशी मुद्रा के रिलीज करने की शर्त के अधीन विचार किया जाएगा।

(ख) उपर्युक्त के अलावा, वास्तविक उपयोक्ताएं (औद्योगिक) अपनी अनुज्ञप्त/प्राधिकृत विनिर्माण कार्यकलापों के लिए अपेक्षित अन्य सरणीबद्ध मदों के लिए अपनी आवश्यकताएं इस पुस्तक में निर्धारित विधि और प्रपत्र में पंजीकृत करा सकते हैं।

223. सरणीबद्ध मद के आवेदन के लिए एक वास्तविक उपयोक्ता अपनी स्वेच्छा में जब अपनी 6 महीनों अथवा 12 महीनों की आवश्यकताओं का पंजीकरण कराता है तो उसे यदि सरणीबद्ध अभिकरण द्वारा इस प्रकार निर्धारित किया गया है, पाक्षक अथवा मासिक आधार पर डिलीवरी के चरणबद्ध कार्यक्रम से सरणीबद्ध अभिकरण को अवगत कराना चाहिए।

(1) (क) सतत सरणीबद्ध मद (अर्थात् वे मद जो पूर्वगामी साइसेंसिंग अवधि के दौरान सरणीबद्ध सूची में भी।

वास्तविक उपयोक्ताओं को अपनी आवश्यकताएं पंजीकृत डाक द्वारा सम्बद्ध सरणीबद्ध अभिकरण को भेजनी चाहिए। सरणीबद्ध अभिकरण ऐसे आवेदन पत्रों की जांच करेगा और मांग का पंजीकरण करेगा तथा 30 दिनों के भीतर पेशगी धनराशि जमा कराने के लिए कहेंगा। यदि सरणीबद्ध अभिकरण सप्लाई करने में असमर्थ है तो वे मांग के पंजीकरण के समय इस पुस्तक को परिशिष्ट-4ख में निर्धारित प्रपत्र में 'अनापत्ति प्रमाण-पत्र' जारी करेगा और आवश्यकता की प्राप्ति की तिथि से 30 दिनों की अवधि के भीतर "अनापत्ति प्रमाण-पत्र" जारी किया जाएगा।

(ख) यदि सरणीबद्ध अभिकरण सप्लाई करने की स्थिति में है, तो वे वास्तविक उपयोक्ताओं को पंजीकृत मांग की सप्लाई के लिए उनके द्वारा की गई व्ययस्थाओं के बारे में सूचित करेगा। माल की सप्लाई पेशगी धनराशि की प्राप्ति की तिथि से अधिक से अधिक 60 दिनों के भीतर आरम्भ होनी चाहिए।

(11) (क) नई सरणीबद्ध मद

आयात एवं निर्यात नीति के अध्याय-4 में निहित प्रावधानों के अनुसार, वास्तविक उपयोक्ताएं नए सरणीबद्ध मदों के लिए अपने गत वर्ष के अत्यधिक माल के उपभोग की 25 प्रतिशत की सीमा

तक सीधे आयात लाइसेंस के लिए आवेदन कर सकते हैं। शेष मात्रा के लिए उन्हें सरणीबद्ध अभिकरण से सम्पर्क करना अपेक्षित है। इस मामले में भी सरणीबद्ध अभिकरण पेशगी धनराशि की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर पंजीकृत मात्रा को सप्लाई के लिए की गई व्यवस्थाओं के संबंध में स्थिति से अवगत करेगा।

(ख) यदि पंजीकरण के समय, सरणीबद्ध अभिकरण का यह अनुमान है कि निर्धारित प्रविधि के अंतर्गत सप्लाई के लिए व्यवस्थाएँ नहीं की जा सकतीं, तो सरणीबद्ध अभिकरण पंजीकरण के समय या मात्रा के लिए जिसको वह सप्लाई करने के लिए असमर्थ होगा, 'अनापत्ति प्रमाण-पत्र' जारी करेगा।

(3) यदि वास्तविक उपयोक्ता ने अपनी मांग सरणीबद्ध अभिकरण के साथ पंजीकृत करा ली है और सरणीबद्ध अभिकरण वास्तविक उपभोक्ता द्वारा पेशगी धनराशि के भुगतान की तिथि से 60 दिनों के भीतर बंधन मांग के पंजीकरण की तिथि के बंधन उस तिथि से जिसको उसने सरणीबद्ध अभिकरण की सन्तुष्टी के लिए वित्तीय व्यवस्थाएँ कर ली हैं, यदि उक्त अभिकरण द्वारा ऐसा करने के लिए कहा गया हो, इनमें से जो भी बात में माल झिलीवरी नहीं देता है तो वास्तविक उपभोक्ता इस पुस्तक के परिशिष्ट-4 में दिए गए प्रपत्र में एक शपथपत्र देने के बाद सम्बद्ध लाइसेंस प्राधिकारी से सीधे आयात लाइसेंस के लिए आवेदन कर सकता है। ऐसे मामलों में उनकी पंजीकृत मांग के 50 प्रतिशत की पूर्ति के लिए आवेदन पर सम्बद्ध सरणीबद्ध अभिकरण को आगे लाने बिना ही विचार किया जाएगा। शेष मात्रा के लिए, सरणीबद्ध अभिकरण आयात के लिए व्यवस्थाएँ करेगा या जैसा भी मामला हो अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करेगा। यदि वास्तविक उपभोक्ता ने क्रिस द्वारा पेशगी धनराशि जमा कर दी है, तो वह तारीख जिसको बैंक का भुगतान किया गया है पेशगी धनराशि जमा करने की तारीख मानी जाएगी। सरणीबद्ध अभिकरणों द्वारा अपेक्षित सभी आवश्यकताओं को पूरा करने के पश्चात् ही 60 दिनों की अवधि प्रारम्भ होगी। लेकिन, उपर्युक्त सुविधा उक्त पैरा 220 और 221 में सूचीबद्ध मदों के लिए आयात एवं निर्यात नीति, 1985-88 के परिशिष्ट-5, भाग ख में मदों के लिए उपलब्ध नहीं होगी।

(4) सरणीबद्ध अभिकरण द्वारा अनापत्ति प्रमाण-पत्रों को जारी करने के लिए अंतिम तिथि उस लाइसेंसिंग बर्थ की फरवरी माह की अंतिम तिथि होगी जिसके लिए आवेदन-पत्र दिया गया है।

(5) इस सुविधा को प्राप्त करने के लिए वास्तविक उपयोक्ताएं सरणीबद्ध अभिकरण से मांग के पंजीकरण के पत्र की एक प्रतिलिपि के साथ निर्धारित प्रपत्र में एक शपथ-पत्र सहित सम्बद्ध दस्तावेजों के साथ सम्बद्ध लाइसेंसिंग प्राधिकारी को निर्धारित प्रपत्र में आवेदन-पत्रों को भेजेगा।

224. सरणीबद्ध अभिकरणों द्वारा जारी किए गए 'अनापत्ति प्रमाण-पत्रों' के मद्दे क्षेत्रीय लाइसेंसिंग प्राधिकारियों द्वारा लाइसेंस जारी किए जाएंगे। सरणीबद्ध अभिकरण 'अनापत्ति प्रमाण-पत्र' जारी करने के लिए कोई सेवा प्रभार नहीं लेगी।

225. लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा उपर्युक्त प्रावधानों को अनुसार जारी किए गए सीधे आयात लाइसेंसों का विवरण सम्बद्ध सरणीबद्ध अभिकरणों को भेजे जाने चाहिए।

226. सरणीबद्ध अभिकरण द्वारा मांग को न तो पंजीकृत किया गया हो और न ही जस्वीकार किया गया हो ऐसे मामले में वास्तविक उपयोक्ता को संबंधित मंत्रालय से सम्पर्क करना चाहिए जो इसके लिए शिकायतों को देखने के वास्ते एवं उपचारिक उपायों को करने के लिए एक अधिकारी को पदनामित करेगा।

227. कोई माल जो समय-समय पर लागू नीति के अंतर्गत आयात के लिए सरणीबद्ध है उनको लागू आयात नीति में अन्य प्रकार से व्यवस्थित के भिन्न विशिष्ट मद के लिए पदनामित सरणीबद्ध अभिकरण के द्वारा ही आवश्यक रूप से आयात किया जाना है। उपहार के रूप में आयात के लिए आवेदनों पर प्रत्येक मामले में पात्रता के आधार पर मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात द्वारा विचार किया जाएगा। ऐसा करते समय आयात-निर्यात नीति 1985-88 के अध्याय 4 में निर्धारित सामान्य प्रावधानों को ध्यान में रखा जाएगा।

अध्याय-5

कच्चे माल, संघटकों और उपभोग्य सामग्री का आयात

वास्तविक उपयोक्ता (औद्योगिक)

228 (1) वास्तविक उपयोक्ता (औद्योगिक) जैसा कि आयात निर्यात नीति 1985-88 के अध्याय-1 में परिभाषित है वे होते हैं जिन्हें औद्योगिक विनिर्माण प्रक्रिया के दौरान इस्तेमाल के लिये कच्चे माल, संघटकों, सहायक उपकरणों, मशीनों और पुर्जों की जरूरत पड़ती है।

(2) वास्तविक उपयोक्ता (औद्योगिक) के पास उस के विनिर्माण इकाई के लिए औद्योगिक मशीनरी उसकी निजी या पट्टे के आधार पर हो सकती है। पट्टे के आधार पर प्राप्त की गई मशीनरी के मामले में वास्तविक उपयोक्ता द्वारा सम्बद्ध प्रायोजक प्राधिकारी को सूचना भेजी जानी चाहिए।

(3) स्थूल रूप से औद्योगिक वास्तविक उपयोक्तारों को तीन श्रेणियों में विभजित किया जा सकता है अर्थात् (1) तकनीकी विकास महानिदेशालय के रजिस्ट्रों में दर्ज अनुसूचित उद्योग (2) अनुसूचित उद्योग जिनके नाम तकनीकी विकास महानिदेशालय के रजिस्ट्रों में दर्ज नहीं होते और लघु उद्योगों से इतर गैर अनुसूचित उद्योग, और (3) लघु उद्योग।

प्रायोजक प्राधिकारी

229. (1) प्रायोजक प्राधिकारियों की एक सूची परिशिष्ट 5-क में दी गई है।

(2) जिला उद्योग केन्द्रों के महाप्रबन्धकों को भी लघु और कटीर क्षेत्रों से सम्बद्ध एककों के लिये प्रायोजक प्राधिकारियों के रूप में मनोनीत किया गया है।

(3) उन मामलों में जहां लागू आयात नीति के अन्तर्गत आयात आवेदन पत्र प्रायोजक प्राधिकारी के माध्यम से भेजे जाने हैं, वहां प्रायोजक प्राधिकारी, एककों के लिये लागू आयात नीति को ध्यान में रखते हुए उनकी आगत जरूरतों का निर्धारण करेगा।

(4) आयात आवेदन पत्रों पर कार्रवाई करने के मामले में विकास आयुक्त (लघु पैमाना एकक), नई दिल्ली, प्रायोजक प्राधिकारी को ऐसे सामान्य निर्देश दे सकता है जिन्हें वह बांछनीय या अन्यायक समझे। विकास आयुक्त यह देखने के लिये प्रायोजक प्राधिकारियों द्वारा लाइसेंस जारी करने के लिये की गई कार्रवाइयों की जांच भी कर सकता है कि क्या उक्त सिफारिशें सामान्य नीति के अनुरूप की गई थीं या नहीं।

पंजीकरण स्कीम

230 जिन यूनितों को उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 के अन्तर्गत औद्योगिक लाइसेंस या पंजीकरण प्रमाण-पत्र प्राप्त करने की आवश्यकता नहीं है, उन्हें यह परामर्श दिया जाता है कि समय-समय पर अपने आवेदनपत्रों को 6—G 1 Commerce/85

अधिक सुविधापूर्वक निपटान के लिए वे अपने आप को सम्बद्ध प्रायोजक प्राधिकारी से पंजीकृत कराएं। जिन यूनितों के पास प्रायोजक अधिनियम के अंतर्गत लाइसेंस या पंजीकरण प्रमाण-पत्र हैं, वे भी अपनी अन्य आवश्यकताओं यदि कोई हों, तो उन के सम्बन्ध में ऐसा कर सकते हैं। पंजीकरण के लिए आवेदन पत्र का संगत प्रपत्र इस पुस्तक के परिशिष्ट 5-ख में दिया गया है।

231. (1) लघु उद्योगों के पंजीकरण की पद्धति 1960 से प्रचलित रही है पैमाना आयातित निवेश की आवश्यकता वाले सभी लघु उद्योग और जो इस पद्धति के अंतर्गत आते हैं उन्हें अपने आप को सम्बद्ध राज्य के उद्योग निदेशक के पास पंजीकृत करना होता है।

(2) वास्तविक उपयोक्ता (गैर-औद्योगिक) को इस आयात नीति के उद्देश्य के लिए राज्य के उद्योग निदेशकों के साथ स्वयं को पंजीकृत कराने की आवश्यकता नहीं है, यद्यपि कुछ मामलों में उनके आयात आवेदनपत्रों को राज्य के उद्योग निदेशकों की सिफारिश की आवश्यकता है।

232 आयात लाइसेंस के लिये या सरणीबद्ध मद के आवंटन के लिये अपने आवेदनपत्र में आवेदक को इस पद्धति के अंतर्गत यूनित को आवंटित पंजीकरण संख्या (और उसकी तिथि) उद्धृत करनी चाहिए। वंश पंजीकरण संख्या के बिना ऐसे आवेदनपत्र सरसरी तौर पर अस्वीकार कर दिये जायेंगे। प्रत्येक लाइसेंस प्राधिकारी और सरणीबद्ध अभिकरण को एतद् द्वारा, अगर ऐसी सूचना मांगने के लिये प्राधिकृत किया जाता है जिसे पंजीकरण की वैधता या क्षेत्र के विषय में वह अपने आपको संतुष्ट करने के लिये आवश्यक समझे।

233. (1) राज्य उद्योग निदेशकों, लाइसेंस प्राधिकारियों और संबद्ध सरणीबद्ध अभिकरणों को उनके क्षेत्राधिकार में लघु उद्योगों को जारी किए गए प्रत्येक पंजीकरण प्रमाण पत्र की एक प्रति भेजेंगे। राज्य के उद्योग निदेशकों द्वारा लाइसेंसों को रद्द करने या उन में कुछ संशोधन करने के विषय में सूचना लघु उद्योगों को भेजे जाने वाले पत्र के साथ-साथ ही लाइसेंस प्राधिकारियों और सरणीबद्ध अभिकरणों को प्रायोजक प्राधिकारियों को प्रत्येक लाइसेंसिंग अवधि के प्रारम्भ में उनके पास पंजीकृत एककों की एक अद्यतन सूची भी लाइसेंस प्राधिकारियों और सरणीबद्ध अभिकरणों को भेजी जानी चाहिए।

(2) यदि एक विद्यमान एकक एक नए अन्तिम उत्पाद के विकसित करने के लिये (अतिरिक्त मशीनरी के साथ या उसके बिना) पंजीकृत हो तो राज्य के उद्योग निदेशक ऐसे नए अन्तिम उत्पाद की प्रविष्टि वर्तमान पंजीकरण प्रमाण-पत्र में करेंगे जो कि उस यूनित के पास पहले से ही है; ऐसे मामलों में अलग पंजीकरण प्रमाणपत्र जारी नहीं किया जाएगा और सम्बद्ध यूनित आयात लाइसेंस के उद्देश्य के लिए एक विद्यमान यूनित के रूप में समझी जाती रहेगी।

234 यदि पंजीकरण के समय तक किसी यूनित ने मशीनरी नहीं लगाई है या वह यूनित उत्पादन नहीं करती है तो पंजी-

करण प्रमाणपत्र पर "उत्पादन में नहीं है" का पृष्ठांकन किया जाएगा। यह पृष्ठांकन राज्य उद्योग निदेशक द्वारा केवल इस बात का मत्यापन करने के बाद हटा दिया जाएगा कि यनिट में उत्पादन होने लगा है।

235 महानिदेशक, तकनीकी विकास की सूची में लघु पैमाना क्षेत्र को हस्तांतरित की गई यनिटों को अपने आपको तत्संबंधी राज्य उद्योग निदेशकों से सीधे ही पंजीकृत करा लेना चाहिए और इसी तरह इसके उलट लघु पैमाना क्षेत्र में महानिदेशक, तकनीकी विकास को हस्तांतरित यनिटों को। लेकिन, ऐसे मामलों में महानिदेशक, तकनीकी विकास या राज्य के उद्योग निदेशक, जो भी हो, के पास पंजीकरण के लिये पड़े हुए मामलों में संबद्ध एकक उचित अवधि के लिए अपनी वर्तमान स्थिति में ही आयात की सुविधा (पूजीगत माल में भिन्न) प्राप्त करने रहेंगे।

236 लाइसेंस प्राधिकारी के लिये या सरणीबद्ध अभिकरण के लिए छूट होगी कि वह वास्तविक उपयोक्ता (औद्योगिक) को उद्योग निदेशक द्वारा जारी किये गए पंजीकरण प्रमाणपत्र को स्वीकार न करें। जिस मामले में ऐसा सम्भावित रूप से उसमें यनिट से गया पंजीकरण प्राप्त करने को कहना चाहिए।

237 (1) लेकिन उपर्युक्त प्रावधानों की सामान्यता को ध्यान में रखे बिना गत वित्तीय वर्ष के लिए तब पैमाने की यनिटों के उपर्युक्त लाइसेंस पहले से उनके पास पंजीकरण प्रमाणपत्रों के आधार पर या लाइसेंसिंग अवधि में उनको जारी किए गए प्रमाणपत्रों के आधार पर आवेदक द्वारा यह घोषणा प्रस्तुत करने पर प्रदान किए जाएंगे कि उनका पंजीकरण प्रमाणपत्र रद्द नहीं किया गया है या वापस नहीं लिया गया है और यह कि गनिट वास्तव में प्रचलित है।

(2) उप-पैरा-1 में दिए गए प्रावधान सरणीबद्ध करने वाले अभिकरणों द्वारा सरणीबद्ध मदों के आबंटन के लिए भी लागू होंगे।

वास्तविक उपयोक्ताओं द्वारा खपत का लेखा रखना

238 (1) प्रत्येक वास्तविक उपयोक्ता को परिशिष्ट 5-ग में दिये गये प्रपत्र में आयातित माल को उपभोग और उपयोग का सही और उचित लेखा रखना चाहिए। लाइसेंस और लघु सामान्य लाइसेंस के आधार पर आयात किये गये माल के सम्बन्ध में या सरणीबद्ध अभिकरणों से आबंटनों के रूप में प्राप्त माल के सम्बन्ध में इस प्रकार का लेखा रखने में असमर्थ रहने पर भविष्य में लाइसेंस या आबंटन जारी करने के लिये आवेदन-पत्र उस अन्य कार्रवाई को ध्यान में रखे बिना अस्वीकार कर दिये जाएंगे जो कि आवेदक के विरुद्ध कानून के अन्तर्गत की जा सकती है। प्रायोजक प्राधिकारी को और मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात को या अन्य लाइसेंस प्राधिकारी को इस बात से संतुष्ट करने का पूर्ण दायित्व सदैव वास्तविक उपयोक्ता पर होगा कि उसने उचित और सही लेखा रखा है और विशेष रूप से लाभ वास्तविक उपयोक्ता शर्त सहित किसी भी संदेह के बिना वह अपनी सदा क्षमता को सिद्ध करने की स्थिति में है और यह कि जिन शर्तों के अधीन उसने आयातित माल का आयात या आबंटन या हस्तांतरण/रूप प्राप्त किया था उससे संबंधित कानून का पूर्ण रूप से अनुपालन किया है। वास्तविक उपयोक्ता को आयातित माल से लेखे और प्राप्ति के रजिस्ट्रारों, उपभोग और उपयोग को लाइसेंस प्राधिकारी या प्रायोजक प्राधिकारी या मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात द्वारा प्राधिकृत किसी अन्य सरकारी

प्राधिकारी को उनके द्वारा निरीक्षण करने या मत्यापन के लिये माग करने पर प्रस्तुत करना होगा।

(2) व्यापार सदन, निर्यात सदन, वास्तविक उपयोक्ताओं की संस्थाएँ या सहकारी समितियाँ या सार्वजनिक क्षेत्र के अभिकरण चिन्ह लागू आयात-निर्यात नीति के अन्तर्गत वास्तविक उपयोक्ताओं को आयातित माल संभरण करने का कार्य सौंपा गया है, से वास्तविक उपयोक्ता द्वारा अधिप्राप्त आयातित माल भी "वास्तविक उपयोक्ता" शर्त के अधीन होगा। ऐसे माल की अधिप्राप्ति एवं उपभोग का उचित लेखा और माल प्राप्त करने के उस सोते को स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट करते हुए रखना चाहिए जिससे माल प्राप्त किया गया था।

(3) 1982-83 से वास्तविक उपयोक्ताओं को उनके लिए लागू आयात नीति के अंतर्गत यनिट द्वारा संपूर्ण लाइसेंसों की पद्धति के अंतर्गत प्राप्त की गई मदों के आयात और उपभोग का अलग लेखा रखना अपेक्षित है।

239 1977-78 वर्ष और इससे आगे के वर्षों के लिए आयातित माल की प्राप्ति, उपभोग और उपयोग के लेखे जिस वर्ष में सम्बद्ध लेखा सम्बन्धित है, उसकी समाप्ति से कम से कम 8 साल की अवधि तक लाइसेन्सधारी द्वारा सुरक्षित रखे जाएंगे।

240 यदि वास्तविक उपयोक्ता किसी परिस्थिति में उपर्युक्त पैरा 239 का पालन करने में असमर्थ है तो वह मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली में लिखित रूप में पूर्व अनमति मांग सकता है, परन्तु वह अपने वर्तमान रजिस्टर को अपने पूर्ण सामर्थ्य के साथ सुरक्षित (और उनका पोस्टिंग रखेगा) रखेगा। लेकिन, ऐसे सभी मामलों में उपर्युक्त पैरा 238 में निर्धारित कर्तव्य और आभार वास्तविक उपयोक्ता के कर्तव्य और आभार होंगे।

241 आयातित मशीनरी रखने वाले औद्योगिक एकक के हस्तांतरण के लिये आवेदनों पर विचार करते समय प्रायोजक प्राधिकारी स्वयं इस बात की संतुष्ट करेगा कि हस्तांतरणकर्ता द्वारा रखे गये उपर्युक्त लेखे और रजिस्टर उसी के द्वारा सुरक्षित रखे जायेंगे या परिष्कार-सूची के आधार पर हस्तांतरण लेने वाले व्यक्ति को दिये जाएंगे। अपने कर्तव्यों और आभारों का उचित और पूर्णरूपेण पालन करने के लिये हस्तांतरण करने वाला और हस्तांतरण लेने वाला दोनों व्यक्ति अलग-अलग और संयुक्त रूप से कानूनन पूर्ण रूपेण उत्तरदायी होंगे।

लाइसेंस की स्वीकृति/अस्वीकृति की सूचना

242 (1) प्रत्येक मामले में लाइसेंस प्रदान करने अथवा अस्वीकृत करने की सूचना लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा सम्बद्ध प्रायोजक प्राधिकारी को भेजी जाएगी। इस उद्देश्य के लिए "लाइसेंस अधिपत्र-पत्र" की प्रति और उनके लाइसेंस मन्त्र के साथ अनगिनत मदों की सूची (गति कोर हो) या अस्वीकृत-पत्र पृष्ठांकित किया जाएगा। उक्त अधिपत्र-पत्र अंतिम न्याय को भी निर्दिष्ट करेगा। लाइसेंस प्राधिकारी ऐसे पत्र की प्रतिलिपि आवेदक से सम्बद्ध कोटिगी उत्पाद शुल्क प्राधिकारी और आय-कर प्राधिकारी को भी भेजेगा।

(2) प्रायोजक प्राधिकारी, केंद्रीय उत्पाद शुल्क प्राधिकरण और आय-कर प्राधिकारी को सूचना भेजते समय खपत विवरण की

बे प्रतियाँ भी भेजी जाएंगी जिन के आधार पर आटोमैटिक लाइसेंस प्रदान किया जाता है।

(3) उपयुक्त उप-पैरा (1) के अन्तर्गत यथा-अर्पित 'वास्तविक उपयोक्ता' शर्तों के साथ विनिर्माता निर्यातकों को आर. ई. पी. लाइसेंस प्रदान करने के संबंध में सूचना लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा संबंध प्रायोजक प्राधिकारी केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्राधिकारी और आयकर प्राधिकारी को भी भेजी होगी।

सरणीबद्ध अभिकरणों द्वारा प्रायोजक प्राधिकारियों को सूचित करना।

243. प्रत्येक सरणीबद्ध अभिकरण संबंध प्रायोजक प्राधिकारियों को सरणीबद्ध मदों के अपने किये गये सीधे आबंटन के विषय में मासिक विवरणपत्र भेजेगा जिसमें आबंटन के नाम, उनके पते, लाइसेंस पंजीकरण संख्या और आबंटन/रिहाई की मात्रा और तिथि निर्दिष्ट करेगा।

माल के उपयोग की जांच

244. संबंध प्रायोजक प्राधिकारी इस बात की जांच करेगा कि क्या उनके अधिकार क्षेत्र में वास्तविक उपयोक्ताओं द्वारा आयातित माल का लागू गृह और/या लागू शर्तों के अनुसार उचित उपयोग किया गया है या नहीं और क्या उन्होंने निर्धारित प्रपत्र में निर्धारित तरीके से आयात और उपभोग का सही और उचित लेखा रखा है या नहीं। जैसा कि नीति में निर्धारित तरीके से आयात और उपभोग का सही और उचित लेखा रखा है या नहीं। जैसा कि नीति में आवंटनों पर सहमति देने में अपने निजी विवेक का भी प्रयोग उन शर्तों का उल्लंघन किया है जिनके अधीन माल और पूंजीगत माल के आयात की अनुमति दी गई थी या सारणीबद्ध अभिकरण द्वारा आवंटित किया था या अन्य प्रकार से हस्तांतरित किया गया था उधार दिया गया था। तब लाइसेंस प्राधिकारी चूक कर्ता के विरुद्ध यथा अर्पित कार्यवाही प्रारम्भ करेगा परन्तु यह कार्यवाही उस अन्य दण्डनीय कार्यवाही के अतिरिक्त होगी जो प्रायोजक प्राधिकारी यदि कोई हो, अपने निजी अधिकारों के अंतर्गत कर सकता है। इस पैरा के प्रावधान ऐसे एककों के लिए भी लागू होंगे, जिन्हें संसाधन के लिए आयातित माल दे दिया गया है।

245. (1) वास्तविक उपयोक्ता और पंजीकृत निर्यातकों द्वारा आयातित माल के उपयोग की जांच के लिए, लाइसेंस प्राधिकारी स्वयं या राज्य औद्योगिक निदेशक से और अन्य प्रायोजक प्राधिकारी से परामर्श कर वास्तविक उपयोक्ताओं ने जिस सीमा तक और जिस तरीके से आयातित माल का उपयोग किया है, उसकी एक दम या चयनात्मक या व्यापक आधार पर जांच करेगा और यह जांच उन शर्तों को ध्यान में रखकर करेगा जिन शर्तों के अधीन ऐसे माल के आयात/आबंटन की अनुमति दी गई थी।

(2) जहां एक वास्तविक उपयोक्ता (औद्योगिक) को किसी भी उत्पाद के संबंध में महानिदेशक तकनीकी विकास, नई दिल्ली दस्त्र आयुक्त, बम्बई या विकास आयुक्त (नष्ट उद्योग), नई दिल्ली या इलेक्ट्रॉनिक विभाग, नई दिल्ली या संबंध प्रायोजक अधिकारी द्वारा यथा निर्धारित चरणबद्ध वि-

निर्माण कार्यक्रम पूरा करना है या पूरा करने की शर्त के अधीन हो तां विनिर्माण के लिए आयात लाइसेंस के मदों या लागू आयात नीति के अंतर्गत खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन आयातित संधतकों का उपयोग, पूरी तरह निर्धारित चरणबद्ध विनिर्माण कार्यक्रम की शर्तों के अनुसार किया जाएगा। अनुमोदित चरणबद्ध विनिर्माण कार्यक्रम की शर्तों का उल्लंघन करके यदि आयातित संधतकों का किसी भी प्रकार से उपयोग किया जाता है तां आयातक प्राधिकारी इस सम्बन्ध में अपने अधिकारों का प्रयोग कर वास्तविक उपयोक्ता के विरुद्ध जो भी कार्रवाई कर सकता है उस के अलावा वास्तविक उपयोक्ता के विरुद्ध आयात व्यापार नियंत्रण विनियमों के अधीन कार्रवाई की जाएगी।

246. अन्य बातों के साथ-साथ रितीज आदेश इस शर्त के अधीन भी है कि आयातक निर्धारित तरीके से आयातित माल के उपभोग एवं उपयोग का निर्धारित तरीके से लेखा रखेगा और ऐसे लेखों को लाइसेंस प्राधिकारी/प्रायोजक प्राधिकारी या अन्य सम्बद्ध प्राधिकारी को उनके द्वारा निर्दिष्ट समय में प्रस्तुत करेगा।

247. अपराध की किस्मों जिनमें आयात/निर्यात व्यापार नियंत्रण अधिनियमों के उल्लंघन के साथ-साथ आयात और निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम या उसके अधीन जारी आदेशों या उन शर्तों का उल्लंघन भी शामिल है जिसके अधीन लाइसेंस जारी किया गया था और साथ ही लाइसेंस प्राप्त करने में या आयातित माल का आबंटन प्राप्त करने में कोई गलत अभ्यावदन या विवेक व्यापार में अन्य कोई अपराध किया गया हो तो वह भी शामिल है। सीमा-शुल्क, विदेशी मुद्रा अधिनियम आदि से सम्बद्ध अन्य कानूनों का उल्लंघन करने पर भी कार्रवाई की जाएगी।

248. जहां कोई लाइसेंस किसी समय अस्थाई रूप से या गलती से या असावधानी से जारी किया गया है या किया गया था या लाइसेंसधारी की हकदारी से अधिक है या भ्रामक अभ्यावदन से प्राप्त किया गया है या लागू नियमों एवं अधिनियमों के विपरीत प्राप्त किया है तो इस विषय में की जाने वाली अन्य कार्रवाई को ध्यान में रखे बिना लाइसेंस प्राधिकारी का यह अधिकार होगा कि वह ऐसे लाइसेंसों का मूल्य घटा ले या उस मद को या किसी अन्य मद या मदों की किसी श्रेणी के अन्तर्गत लाइसेंसधारी की बाद की हकदारी में उसे समाहित करे। यह प्रक्रिया सरणीबद्ध अभिकरणों द्वारा किए गए आबंटन और रिहाई आदेशों के लिए भी लागू है।

सनदी/लागत लेखापाल/सनदी इन्जीनियर और कम्पनी सचिव का कार्य और उत्तरदायित्व

249. (1) आयात-नीति के अंतर्गत सनदी/लागत लेखापाल/सनदी इन्जीनियर और कम्पनी सचिव का विभिन्न प्रकार के दायित्वपूर्ण कार्य सौंपे गए हैं। उनसे यह आशा की जाती है कि वे सम्बद्ध आवेदक को ऐसे प्रमाण पत्र देते समय आवश्यक सावधानी और कर्तव्यपरायणता का उपयोग करेंगे। इस प्रकार बनाई गई सरलीकृत प्रक्रिया की सफलता उनके इस तरह के निर्धारित कार्य को करने के उत्तरदायित्व पर निर्भर करती है। ऐसा करने में अगमर्थ होने पर और अनुचित या गलत प्रमाण-पत्र देने पर उन के विरुद्ध आयात-निर्यात नियंत्रण विनियमनों के कानूनी प्रावधानों के अधीन की गई कार्रवाई से भिन्न दण्डात्मक कानूनी कार्र-

वाई की जा सकती है। यह उन सभी व्यक्तियों के लिए बराबर लागू होगा जिन्हें आयात नीति के अधीन इसी प्रकार की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

(2) आयात-निर्यात नीति में विभिन्न प्रावधान शामिल हैं, जिनके अनुसार उन आयातकों अथवा उन व्यक्तियों को उपभोग/निर्यात विवरण आवेदन भेजने हैं जो निर्यात सदन प्रमाणपत्र या व्यापार सदन, प्रमाणपत्र या निर्यात निष्पादन प्रमाणपत्र के लिए आवेदन कर रहे हैं और उन्हें अपने निष्पादन व्यावसायिक सनदी लेखापाल या लागत लेखापाल या कम्पनी सचिव जो सम्बद्ध फर्म या कम्पनी या उनकी सहयोगी कम्पनी के साक्षीदार, स्वामी या निदेशक या कर्मचारी न हों के द्वारा सत्यापित करवाने चाहिए।

अनुपूरक लाइसेंस

250. (1) वास्तविक उपयोक्ता जिसकी आयात आवश्यकताओं को खूने सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत पूरा नहीं किया जा सकता है, संबंध आयात नीति में किए गए प्रावधानों के अनुसार एवं नीचे लिखे अनुसार कच्चे माल, संघटकों, उपभोग्यों तथा फालतू पर्जों के लिए संपूरक आयात लाइसेंस देने के लिए आवेदन कर सकते हैं।

(2) आयात एवं निर्यात नीति 1985-88 (खंड-1) के परिशिष्ट 3 भाग क में उल्लिखित मदों के लिए संपूरक लाइसेंस हेतु आवेदन पत्रों को सम्बन्धित प्रायोजक प्राधिकारी के माध्यम से निम्नप्रकार में दिए जाएंगे :—

(1) लघु यूनिटों के मामले में प्रायोजक प्राधिकारी द्वारा यथा संतुलित जहां आयात का मूल्य 5 लाख रुपये के मूल्य (लागत-बीमा-भाड़ा) तक हो और वही बृहत् यूनिटों के मामले में 50 लाख रु. (लागत-बीमा-भाड़ा) तक हो तो प्रायोजक प्राधिकारी अपनी सिफारिशों के साथ आवेदनपत्रों को संबंधित लाइसेंस प्राधिकारी को अग्रपिप्त करेंगे।

(2) जहां आयात के मूल्य में लघु यूनिटों के मामले में पांच लाख रुपये से अधिक और बृहत् यूनिटों के मामले में 50 लाख रुपये से अधिक की सिफारिश प्रायोजक प्राधिकारी द्वारा की गई हो तो प्रायोजक प्राधिकारी अपनी सिफारिशों के साथ आवेदन-पत्रों को मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात (आई. पी. सैल), नई दिल्ली को अग्रपिप्त करेंगे।

(3) आयात एवं निर्यात नीति 1985-88 (खण्ड-1) के परिशिष्ट 2 और 3 भाग-ख में उल्लिखित मदों के लिये संपूरक लाइसेंस हेतु आवेदनपत्रों को उनमें निहित तथा संबंधित आवेदक की स्थिति पर विचार किये बिना ही संबंधित प्रायोजक प्राधिकारी के माध्यम से मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात (आई. पी. सैल) नई दिल्ली को भेजे जायें। वास्तविक उपयोक्ताओं को परामर्श दिया जाता है कि वे ऐसे आवेदन-पत्रों पर विचार करने में होने वाली किसी दूरी को रोकने के लिये परिशिष्ट-2, परिशिष्ट-3, भाग-ख में उल्लिखित मदों के लिये संयुक्त रूप से आवेदन-पत्र भेजें। परिशिष्ट-3 भाग-क में उल्लिखित मदों के आयात तथा लघु यूनिटों के मामले में पांच लाख रुपये से अधिक एवं बृहत् यूनिटों के मामले में पचास लाख रुपये से अधिक की लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य के लिये आवश्यकता वाले मामले में उसे उक्त आवेदन-पत्र में सम्मिलित किया जाये।

(4) अनुपूरक लाइसेंस के लिए आवेदन-पत्र परिशिष्ट-5 में दिए गए निर्धारित प्रपत्र में भेजे जाने चाहिए ताकि संबंध लाइसेंस प्राधिकारी को निर्धारित अंतिम तिथि अर्थात् जिस लाइसेंस अवधि के लिए आवेदन-पत्र दिया है, 31 जनवरी को अथवा उससे पहले पहुंच जायें। अनुपूरक लाइसेंस के लिए प्रत्येक आवेदन-पत्र के साथ लागू आयात नीति में निविष्ट अन्य सूचना जिनमें आवेदक को देना अपेक्षित है, के अतिरिक्त आयात को जान वाली मर्चा की सूची और प्रत्येक मद का मूल्य दिया जाना चाहिए।

(5) प्रायोजक प्राधिकारी जब अनु-पूरक लाइसेंस के आवेदन-पत्र की सिफारिश कर रहा हो तब उन्हें अपनी सिफारिश में उस कारण का भी उल्लेख करना चाहिए जिसके लिये उनके द्वारा सिफारिश की गई मदें आवश्यक हैं और वास्तविक उपयोक्ता की ज़रूरतें खूने सामान्य लाइसेंस के अंतर्गत या देशीय स्रोतों अथवा आयात के अन्य प्राधिकृत माध्यम से पूरी हो सकती हैं।

उत्पादन विवरणिका

251. (1) सभी वास्तविक उपयोक्ताओं को मासिक विवरण (लघु उत्पादों के एककों के मामलों में श्रमासिक) अपने प्रायोजक प्राधिकारियों को भेजने चाहिए। उत्पादन की पूर्ण मासिक/श्रमासिक विवरणी भेजने में असमर्थ एककों के नाम प्रायोजक प्राधिकारी द्वारा संबंध लाइसेंस प्राधिकारी को सूचित किए जाएंगे। एंगे देशी एककों को आगे लाइसेंस प्रदान करने के लिए दिए गए आवेदन पत्रों को, इस सम्बन्ध में उनके विरुद्ध की जाने वाली कार्रवाई के अलावा, रद्द कर दिया जायेगा।

(2) उन मामलों में जहां आयात आवेदन पत्र प्रायोजक प्राधिकारी के माध्यम से दिये जाते हैं, आवेदन पत्रों पर कार्यवाही करते समय, प्रायोजक प्राधिकारी यह भी जांच करेगा कि आवेदक ने अंतिम उत्पाद में संबंध पिछले वर्ष और अद्यतन वर्ष के लिये पूर्ण मासिक/श्रमासिक विवरणी भेज दी है, जिससे आवेदन-पत्र संबंधित है और इसका अपनी सिफारिश में भी उल्लेख किया जाए।

(3) आयात-निर्यात नीति में सभी वास्तविक उपयोक्ताओं के लिये यह भी प्रावधान है कि वे खूने सामान्य लाइसेंस के अधीन किए गए अपने आयात का विवरण/घोषणा सम्बद्ध लाइसेंस प्राधिकारी और प्रायोजक प्राधिकारी को भेजें। इस आवश्यकता को पूरा करने में असमर्थ वास्तविक उपयोक्ताओं के विरुद्ध आयात नियंत्रण अधिनियम के अन्तर्गत कार्रवाई भी की जा सकती है।

(4) आयात-निर्यात नीति में सभी वास्तविक उपयोक्ताओं के लिए यह भी व्यवस्था है कि वे अपने अनुमोदित चरणबद्ध विनिर्माण कार्यक्रम में प्राप्त किए गए स्वदेशीयता की प्रतिशता वतात हुए छमाही विवरणिका भेजें। इस आवश्यकता को पूरा करने वाले असमर्थ वास्तविक उपयोक्ता के विरुद्ध आयात-नियंत्रण अधिनियम के अधीन कार्रवाई भी की जा सकती है।

सूची स्थापन प्रक्रिया

252. महानिदेशक, तकनीकी विकास के ऐसे एकक और अन्य इजिनिमिंग की मदों के विनिर्माण के लिए वस्तु आयुक्त के पास पंजीकृत एकक जिन्हें चरणबद्ध विनिर्माण कार्यक्रम पूरा करता है या पूरे कर दिए गए हैं उनके द्वारा संघटकों के

आयात के लिए 1 अप्रैल, 1983 से विशेष सूची सत्यापन क्रिया-विधि (एल. ए. क्रियाविधि) चालू की गई है। इनके मामले में सघटकों के आयात सूची सत्यापन क्रियाविधि द्वारा शासित होंगे। इस क्रियाविधि के विस्तृत ब्यौरे 1985-88 की आयात-निर्यात नीति (खंड-1) के अध्याय 5 में निहित हैं। ऐसे वास्तविक उपयोक्ता जो निर्धारित क्रियाविधि का अनुपालन करने में असमर्थ होंगे उनके विरुद्ध आयात नियंत्रण विनियमनों के अधीन कार्रवाई की जाएगी और उन्हें आगामी आयात सुविधाएं प्रदान करनी बंद कर दी जाएंगी।

पिछड़े क्षेत्रों की या शिल्प-विज्ञानियों आदि की यूनिटें

253 पिछड़े क्षेत्रों के उद्योगों के लिए या व्यावसायिक विषयों में स्नातकों/डिप्लोमाधारियों द्वारा या भूतपूर्व सैनिकों/अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों के व्यक्तियों द्वारा लगाए गए उद्योगों के लिए आयात-निर्यात नीति, 1985-88 के अधीन विशेष सुविधाएं दी गई हैं। जिन पिछड़े क्षेत्रों के लिए यह सुविधा लागू होती है उनकी सूची परिशिष्ट-5B में दी गई है।

वास्तविक उपयोक्ता (गैर-औद्योगिक)

254. वास्तविक उपयोक्ता (गैर-औद्योगिक) को उद्योगों के निदेशक की अपेक्षित सिफारिश हटाने आयात आवश्यकताओं के लिए राज्य के उद्योग निदेशकों के पास स्वयं का पंजीकृत कराने की आवश्यकता नहीं है।

अनुसंधान एवं विकास एककों को मान्यता

255. औद्योगिक संस्थानों से संलग्न ऐसे अनुसंधान एवं विकास एकक जो खुले सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत आयात नीति 1985-88 के लाभ प्राप्त करने के इच्छुक हैं, वे केन्द्रीय सरकार से मान्यता प्राप्त करने के लिए आवदन-पत्र परिशिष्ट-5C में निर्धारित प्रपत्र में 12 प्रतियों में ए-4 के आकार वाले

कागज में सचिव, विज्ञान एवं तकनीकी विभाग, तकनीकी भवन, नई महरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजे जाएंगे। मान्यता साधारणतः 3 वर्ष की अवधि के लिए प्रदान की जाती है। कुछ मामलों में मान्यता कम अवधि के लिए भी प्रदान की जाती है। मान्यता के नवीकरण के लिए आवदन-पत्र परिशिष्ट-5C में निर्धारित प्रपत्र में 6 प्रतियों में अन्तिम तिथि से तीन मास पूर्व भेजे जाने चाहिए। मान्यता अवधि के समाप्त होने पर मान्यता के नवीकरण के लिए प्राप्त आवदन-पत्र प्रायः रद्द कर दिए जाएंगे।

256. लेकिन, निर्मालिखित संस्थाओं के मामले में विज्ञान एवं प्रौद्योगिक विभाग से अलग स्वीकृति लेनी आवश्यक नहीं है :—

- (1) केन्द्रीय या राज्य सरकार के अधीन केन्द्रीय सरकार के अनुसन्धान विभाग और/या शिक्षण संस्था (सांख्यिक क्षेत्र के संस्थानों को छोड़कर);
- (2) सी एस आई आर, आई सी ए आर और आई सी एम आर की सभी प्रयोगशालाएँ;
- (3) सभी विश्वविद्यालय, आई आई टी, भारतीय विज्ञान संस्था और भारतीय खान विद्यालय, धनबाद;
- (4) विज्ञान एवं प्रौद्योगिक विभाग के साथ परामर्श करने पर मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात द्वारा अधिसूचित की गई अन्य संस्थाएँ;
- (5) संसद या सम्बद्ध राज्य के विशेष अधिनियम द्वारा निर्धारित एंसी सभी संस्थाएँ।
- (6) औद्योगिक क्षेत्र के सभी संघ जो सी एस आई आर/मंत्रालय से सहायक अनुदान प्राप्त कर रहे हैं।

अध्याय—6

फालतू पुर्जों का आयात

बिक्री के बाद सेवाओं के लिए फालतू पुर्जों

257 (1) आयात नीति में दिये गये प्रावधानों के अनुसार ग्राहकों के लिये आश्वासन पूरा करने/बिक्री के बाद सेवाओं की व्यवस्था के लिये वांछित फालतू पुर्जों के आयात के लिए आवेदन-पत्र सम्बन्धित लाइसेंस प्राधिकारी को परिशिष्ट—5ब के प्रपत्र क में भेजे जा सकते हैं लेकिन, इसके साथ आयात नीति के अन्तर्गत अतिरिक्त जानकारी और प्रमाण पत्र भी भेजने होंगे।

(2) इस प्रावधान के अन्तर्गत जारी किये गये आयात लाइसेंस निम्नलिखित शर्तों के अधीन होंगे :—

“इस लाइसेंस के मद्दे आयातित माल का उपयोग केवल लाइसेंसधारी द्वारा निर्मित मशीनरी/उपस्कर/वाहन की मरिचिसिंग और रख-रखाव (चाहे वह निशुल्क हो या मूल्य पर हो) के लिये किया जायेगा।”

(3) इस प्रावधान के अन्तर्गत वास्तविक उपयोक्ता (औद्योगिक) द्वारा प्राप्त किये गये आयात लाइसेंस के मूल्य की सूचना महानिदेशक, तकनीकी विकास, नई दिल्ली को भेजी जानी चाहिये ताकि महानिदेशक, तकनीकी विकास वास्तविक उपयोक्ता द्वारा ग्राहकों को किम दर्जे की सेवा प्रदान की गई है उस पर निगरानी रख सके।

(4) निर्यातित मशीनरी के सम्बन्ध में दिये गये आश्वासन/बिक्री के बाद सेवा के लिये निर्गत लाइसेंसिंग प्रक्रिया से सम्बन्ध अध्याय में अलग से व्यवस्था की गई है।

फालतू पुर्जों के लिए आपाती लाइसेंस

258 लागू आयात नीति के अधीन फालतूपुर्जों के आयात के लिए आपाती लाइसेंस के आवेदन-पत्र परिशिष्ट-6क में दिये गए प्रपत्र-घ में दिये जाने चाहिये। इसके साथ आयात किए जाने वाली मर्च की सूची और मुख्य कार्यकारी अर्थात् अध्यक्ष/प्रबंधक निदेशक/कार्यकारी निदेशक/प्रबंधक साक्षीदार का निम्न प्रकार का एक घोषणापत्र होना चाहिये —

“मैं घोषणा करता हूँ कि फालतू पुर्जों के लिए आपाती लाइसेंस प्रदान करने के लिए हमारे आवेदनपत्र लागू आयात नीति के समरूप है क्योंकि मशीनरी के उत्पादन में वास्तविक/निकटवर्ती विकार हो गया है। मैं यह भी घोषणा करता हूँ कि फालतू पुर्जों के रूप में आयात किए जाने वाली मर्च पूंजीगत माल की मर्च नहीं है। निम्नलिखित कारणों से फालतू पुर्जों का आपाती आयात अनिवार्य हो गया है :—

(स्थिति का विस्तृत ब्यौरा दिया जाना है)”

प्रतिबंधित फालतू पुर्जों

259. वास्तविक उपयोक्ताओं द्वारा प्रतिबंधित फालतू पुर्जों के आयात के लिए आवेदन-पत्र सम्बन्धित प्रायोजक प्राधिकारी को निर्धारित प्रपत्र क (परिशिष्ट—5ब) में भेजे जाने चाहिये।

अध्याय—7

सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों, सरकारी विभागों और विभागीय संचालित उपक्रम

राज्य विद्युत बोर्ड/परियोजनाएं/उपक्रम

260. (1) राज्य विद्युत बोर्ड, परियोजनाओं अथवा उपक्रमों के मामलों में भारत सरकार द्वारा विदेशी मुद्रा की रिहाई संबंध बोर्ड/परियोजना/औद्योगिक संस्थान के पक्ष में उनकी अतिरिक्त पूर्ण और भण्डारगारों के रखरखाव और परिचालन आवश्यकताओं को पूर्ण करने के लिए की जाती है। इसका संचारक्षेत्र केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण, नई दिल्ली द्वारा किया जाता है। जैसा कि आयात-निर्यात नीति, 1985-88 में दिया गया है, फालतू पूर्णों के आयात के लिए उनका परिचालन खुले सामान्य लाइसेंस के अंतर्गत होना चाहिए। (25 लाख रु. मूल्य तक के पूंजीगत माल सहित) उनकी अन्य आवश्यकताओं के लिए आयात आवेदन पत्र वास्तविक उपयुक्तताओं के लिए निर्धारित प्रपत्र में अंशोक्त लाइसेंस प्राधिकारों को भेजे जाने चाहिए। लेकिन, सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के लिए उपभोग प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने या अधिकर घोषणापत्र दाखिल करने की कोई आवश्यकता नहीं है। आवेदनपत्र के साथ निम्नलिखित दस्तावेज होने चाहिए —

- (1) आयात करने के लिए चाहते हुए माल को शामिल करते हुए विदेशी मुद्रा की रिहाई की स्वीकृति वाले पत्र की एक सहायक प्रतिलिपि;
- (2) आयात की जाने वाली प्रस्तावित मर्चों की सूची की 5 प्रतियां (निबंध सूची या पूंजीगत माल की सूची में आने वाली मर्चों के सम्बन्ध में महानिदेशक, तकनीकी विकास से देशी निकासी प्राप्त करनी चाहिए);
- (3) आवेदनपत्र के निर्धारित शुल्क के भुगतान को प्रदर्शित करते हुए एक बैंक रसीद/दर्शनी हण्डी, और
- (4) जिस मामले में 5 लाख रुपये या इससे अधिक लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य के लिए प्रतिकृति उपस्कार सहित हलैकटानिकी मर्चों को आयात करने का प्रस्ताव किया गया हो, उसमें हलैकटानिकी विभाग से निकासी।

टिप्पणियां — (1) यदि किसी मामले में सम्बन्धित आयात को शामिल करने के लिए विदेशी मुद्रा का कोई आवेदन किया गया हो तो आवेदनपत्र केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण, नई दिल्ली के माध्यम से भेजने चाहिए।

- (2) उपर्युक्त अनुसार जारी किए गए लाइसेंस के आधार पर माल का आयात करने के बाद बोर्ड/परियोजना/औद्योगिक संस्थान को वास्तव में आयात की गई मर्चों की एक सूची केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण, नई दिल्ली को तुरन्त भेजनी चाहिए जिसमें कि यह

प्राधिकरण देशी उपलब्धता की तुलना में इस प्रकार आयात की गई मर्चों की पुनरीक्षा कर सके।

- (3) एक विशेष लाइसेंस वष में रख-रखाव और परिचालन के लिए मर्चों के आयात के लिए खुले सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत फालतू पूर्णों के आयात द्वारा और लाइसेंस प्राप्त करके इस प्रकार उपयोग की गई विदेशी मुद्रा की धरणी से बचने के लिए राज्य विद्युत बोर्ड/परियोजना/औद्योगिक संस्थान को एक प्रारम्भिक विवरण-पत्र सम्बन्ध पञ्चांगिक मंत्रालय/राज्य/केन्द्रीय सरकार के विभाग और वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग-एफ. डी. बी. 2 शाखा) को भेजना चाहिए।

(2) राज्य विद्युत बोर्ड/परियोजना/औद्योगिक संस्थान आयात-निर्यात नीति में उल्लिखित तरीके में आपाती फालतू पूर्णों के आयात के लिए भी लाइसेंसों के लिए पात्र है। ऐसे लाइसेंस जारी करने के साथ-साथ लाइसेंस प्राधिकारों ऐसे लाइसेंसों के द्वारा केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण, नई दिल्ली को भेजेगा जिसमें कि यह प्राधिकरण सम्बन्ध बोर्ड/परियोजना/औद्योगिक संस्थान को दी गई विदेशी मुद्रा की रिहाई का सम्बन्ध और संचारक्षेत्र करेगा (ऐसे आपाती लाइसेंसों की वैधता की अवधि साधारणतः 12 महीने होगी)।

औद्योगिक कच्चा माल सहायता फेड स्कीम

261. (1) आयात-निर्यात नीति, 1985-88. राज्य व्यापार निगम/खनिज तथा धातु व्यापार निगम/राज्य लघु उद्योग विकास निगम, सार्वजनिक क्षेत्र व्यापार एवं सेवा अभिकरण और सार्वजनिक क्षेत्र की इसी प्रकार की अन्य एजेंसियों द्वारा औद्योगिक कच्चा माल केन्द्र योजना (आई. आर. एम. ए. सी.) के अन्तर्गत हाजिर आयातित कच्चे माल के सम्भरण के लिए व्यवस्था प्रचार करती है। इस उद्देश्य के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसियों को अधिक लाइसेंस के लिए वास्तविक उपयोगों के लिए लगाने निर्धारित पत्र में योजना के प्रचालन के लिए लागू निर्देशक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली जी. एल. अ. भाग को आवेदन-पत्र भेज सकती है, परन्तु इन्हें स्वयं प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने की कोई आवश्यकता नहीं होगी। बाद में उपर्युक्तों के लिए आवेदन पत्र पहले ही वितरित कर दिए गए पत्रों के परिणामों के लिए दिए जा सकते हैं।

(2) आयात-निर्यात नीति के तहत व्यवस्था की गई है कि मुख्य निर्यातक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली वास्तविक उपयोगों की आई. आर. एम. ए. सी. की प्रतिकृति प्रदान करने के लिए कुछ निर्यात सदनों और व्यापार सदनों को अनुमति है

सकता है। ऐसे नियमित मदन/व्यापार मदन या मदन आयात लाइसेंसों की मजदूरी के लिए मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात से भी आवेदन कर सकते हैं।

महानिदेशक, सम्भरण और निपटान द्वारा आवेदित सरकारी ठेके/भण्डार

262. महानिदेशक, सम्भरण और निपटान द्वारा व्यक्तियों या व्यापार फर्मों आदि को माल के निर्यात दिये गये ठेकों के सम्बन्ध में आयात लाइसेंसों के लिये उनके आवेदनपत्रों को निपटान के निम्न विधियों अन्तर्गत की गई है।

263. आयात संस्तुति प्रमाण-पत्र :—एसे मामलों में आवेदक को अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित बातें दर्शाते हुए उपयुक्त सम्भरण निदेशक से आयात संस्तुति प्रमाण-पत्र (आई. आर. सी.) प्राप्त कर लेना चाहिए :—

- (1) ठेके की संख्या और तिथि।
- (2) माल का विवरण और आयात का देश।
- (3) माल का ठेका समन्धी मूल्य।
- (4) माल का लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य।
- (5) माल विवरण की प्रत्याप्ति अधि।
- (6) मांगकर्ता का नाम।
- (7) जिस सन्दर्भ के अन्तर्गत विदेशी मूद्रा रिहा की गई है, उसकी संख्या और दिनांक।
- (8) वह सोत जिससे विदेशी मूद्रा की अक्षरण की गई है और भुगतान का तरीका।
- (9) आयात के लिये आवेदित माल के सम्बन्ध में महानिदेशक, तकनीकी विकास से देखी एप्लिकेशन से जो निकासी प्राप्त की गई है उसकी संख्या और दिनांक।
- (10) प्रतिष्ठा लानेवाले सहित इलेक्ट्रॉनिक मदों के संबंध में 5 राहत राखे गए अधिक मूल्य के निम्न और जहाजी उपस्कर और नौकाओं के संबंध में मूल्य का ध्यान में न रखते हुए इलेक्ट्रॉनिकी विभाग से जो निकासी प्राप्त की गई है उसकी संख्या दिनांक।

टिप्पणियाँ (क) यह बात स्पष्ट की जाती है कि लाइसेंस के लिये आवेदन पत्र दते समय लागू आयात नीति के अनुसार जिस माल के लिए लाइसेंस, वास्तविक उपयोगिताओं के दिये जा सकता है उस माल के आयात के लिये किसी भी ऐसी निकासी की आवश्यकता नहीं होगी। परिशिष्ट-2 भाग 8-2 भाग क, 9 और 10 की मदों के संबंध में महानिदेशक, आपूर्ति और निपटान के लिये यह आवश्यक होगा कि आयात की विपणन करने में पहले वह महानिदेशक, तकनीकी विकास से निकासी पत्र करें। आयात नीति के परिशिष्ट-2 भाग 8 और परिशिष्ट-2 भाग 8 में उल्लेख की गयी बातों के मामले में भी, इसी प्रकार की निकासी,

इस्यो विभाग, नहीं दिल्ली से प्राप्त की जाएगी। यदि कोई उपस्कर आयात करना होगा तो उसके मामले में सभी मदों के लिए देखी एप्लिकेशन से निकासी की आवश्यकता होगी और उपस्कर की निवेद किस्मों की मदों के आयात की अनुमति नहीं होगी।

(ख) महानिदेशक, आपूर्ति और निपटान संगत ठेके से सम्बन्धित सभी शर्तों के निर्धारित हो जाने के बाद आयात संस्तुति प्रमाणपत्र जारी करेगा और आयात संस्तुति प्रमाणपत्र में इस संबंध में संकेत करेगा।

264. आवेदनपत्र का प्रपत्र और उसे भेजने का तरीका :—आयात संस्तुति प्रमाणपत्र की प्राप्ति पर आवेदक को इस पुस्तक के परिशिष्ट 7-क में दिये गये प्रपत्र 'ख' में प्रत्येक संविदा के संबंध में सभी बातों का शामिल करते हुए एक समीकृत आवेदनपत्र देना चाहिए। आवेदनपत्र के शीर्ष पर "महानिदेशक, आपूर्ति और निपटान ठेका" साफ-साफ अक्षरों में लिखा होगा। आवेदनपत्र के साथ इसके शुल्क के भुगतान की दर्शाते हुए बैंक रसीद/दर्शनी हुण्डी सहित आपूर्ति निदेशक से प्राप्त प्रमाण-पत्र और अन्य सम्बन्धित दस्तावेज होने चाहिए और इन्हें मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, (जी. एल. अनुभाग) नहीं दिल्ली को भेजना चाहिए। इस श्रेणी के अन्तर्गत आवेदनपत्र प्राप्त करने की अन्तिम तिथि कोई नहीं होगी।

265. लाइसेंस प्राधिकारी को सूचना :—यदि किसी कारण से लाइसेंसधारी आयातित माल को उस कार्य में उपयोग करने में असमर्थ रहता है जिस कार्य के लिये उसको लाइसेंस जारी किया गया है और उसी अधि के दौरान उपयोग करने में असमर्थ रहता है जो अधि संबंधित ठेके में निर्धारित है तो जिस उद्देश्य के लिये माल के आयात की अनुमति दी गई थी, उस उद्देश्य के लिये माल का उपयोग करने में असफल रहने के कारणों का उल्लेख करते हुए लाइसेंसधारी सम्बद्ध लाइसेंस प्राधिकारी को इस सम्बन्ध में लिखित रूप में तुरन्त आवश्यक सूचना देगा। इस सूचना के प्राप्त होने पर लाइसेंस प्राधिकारी यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की धारा 10-ग के अन्तर्गत कार्रवाई प्रारम्भ करने पर विचार कर सकता है और यह कार्रवाई उस अन्य कार्रवाई के अतिरिक्त होगी जो लाइसेंसधारी या अन्य व्यक्ति के विरुद्ध इस सम्बन्ध में की जा सकती है।

रेलवे द्वारा आवेदित भण्डार

266. भारतीय रेलवे द्वारा व्यक्तियों का फर्मों आदि के लिए गये आवेदों को शामिल करने के लिए उनके आयात लाइसेंसों के लिए आवेदनपत्रों को निपटान के लिए भी विशेष व्यवस्था की गई है।

267. आवेदन पत्र का प्रपत्र और उसे भेजने का तरीका :—आवेदक को प्रत्येक ठेके के सम्बन्ध में केवल एक आवेदनपत्र परिशिष्ट 7-क में प्रदर्शित निर्धारित प्रपत्र 'ख' में भेजना चाहिए। आवेदन पत्र रेलवे सम्पर्क अधिकारी, नहीं दिल्ली के माध्यम से मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नहीं दिल्ली को भेजे जाने चाहिए।

268 लाइसेंस के लिए सिफारिश :—आयात के लिये सिफारिश करते समय रेलवे प्राधिकारियों को अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित व्योरे भी निरपवादरूप से देने चाहिए :-

- (1) रेलवे आदेश, उसकी संख्या और दिनांक।
- (2) आयात के लिये आवेदित माल का विवरण और आयात का देश।
- (3) सामग्रियों के ठेके का मूल्य।
- (4) माल का लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य।
- (5) माल की सुपुर्वाई की प्रत्याशित अवधि।
- (6) मागकर्ता का नाम।
- (7) जिस सदर्थ के अन्तर्गत विदेशी मुद्रा रिहा की गई है, उसकी संख्या और दिनांक।
- (8) वह स्रोत जिससे विदेशी मुद्रा ली गई है और भुगतान का तरीका।
- (9) जिस सदर्थ के अन्तर्गत महानिदेशक, तकनीकी विकास से देशी दृष्टिकोण से निकासी प्राप्त की गई है, उसकी संख्या और दिनांक।
- (10) प्रतिरूप उपस्कर सहित इलेक्ट्रानिक मर्चों के संबंध में 5 लाख रुपये या अधिक मूल्य के लिये और जहाजी उपस्कर तथा उनके सम्बन्ध में मूल्य को ध्यान में न रखते हुए इलेक्ट्रानिकी विभाग से जो निकासी प्राप्त की गई है, उसकी संख्या और दिनांक।

टिप्पणी:

- (1) यह बात स्पष्ट की जाती है कि लाइसेंस के लिए आवेदनपत्र दत्त समय लागू आयात नीति के अनुसार जिस माल के लिए लाइसेंस, वास्तविक उपयोगताओं को दिया जा सकता है, उस माल के आयात के लिए किसी भी देशी निकासी की आवश्यकता नहीं होगी। परिशिष्ट 2 भाग ख, 3, 8 और 10 में दर्शाई गई मर्चों के सम्बन्ध में रेलवे सम्पर्क अधिकारी के लिए यह आवश्यक होगा कि आयात की सिफारिश करने से पहले वह महानिदेशक, तकनीकी विकास/इस्पात विभाग से निकासी प्राप्त करे।
- (2) संगत ठेके से सम्बन्धित सभी शर्तें निर्णीत हो जाने के बाद रेलवे प्राधिकारी लाइसेंस के लिए सिफारिश जारी करेंगे और अपनी सिफारिश में इस सम्बन्ध में संकेत देंगे।

रक्षा ठेके

269. (1) रक्षा संगठन द्वारा व्यक्तियों या फर्मों आदि को दिए गए ठेकों से सम्बन्धित माल के लिए उन व्यक्तियों या फर्मों के आवेदनपत्रों पर ऐसे संगठन द्वारा जारी किए गए आयात संस्तुती प्रमाण पत्रों के आधार पर विचार किया जाएगा। आवेदनपत्र परिशिष्ट-7क में दिए गए प्रपत्र (ख) में मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली (जी एल अनुभाग) को सम्बोधित होने चाहिए।

- (2) आयात सिफारिश प्रमाण-पत्र उपयुक्त कडिका 268 में यथा निर्धारित तरीके से ही जारी किया जाएगा।

अध्याय-8

विशेष लाइसेंसिंग प्रावधान

अनुमोदित होटलों की विशेष आवश्यकताएं

270. अनुमोदित होटलों द्वारा पूंजीगत माल के आयात की क्रियाविधि अध्याय 3 में दी गई है। अनुमोदित होटलों की अन्य आवश्यकताओं के आयात के लिए वही क्रियाविधि लागू होगी।

गैस सिलिण्डरों, कन्टेनरों आदि का पुनः निर्यात आधार पर आयात

271. (1) गैस सिलिण्डर, लौहाने योग्य कोपेस और बोर्बिन्स, ड्रम क्लोजर्स, समुद्र में चलने वाले आधानों आदि जैसी मर्च जो कि आयातित मर्चों की सहायक मर्च है, उनके मामले में सीमा शुल्क प्राधिकारी, उनके पुनः निर्यात करने के तरीके के विषय से अपने आपको संतुष्ट करके उनके आयात की अनुमति बिना किसी लाइसेंस के दे सकते हैं।

(2) उपर पुरा (1) में दिए गए प्रावधान उन सभी गैस सिलिण्डरों के आयात के लिए भी लागू होंगे जिनका गैस भरने के बाद निर्यात किया जाना है। आयातित सिलिण्डरों की निकासी के समय आयातक को विस्फोटक निवेशक, मागपूर से सिलिण्डरों की उपयोगिता के विषय में एक प्रमाणपत्र सीमा शुल्क प्राधिकारियों को प्रस्तुत करना होगा। अपेक्षित प्रमाणपत्र के लिए विस्फोटक निवेशक से सम्पर्क करते समय आयातक को विषयाधीन सिलिण्डरों के ब्यारे यह निविष्ट करते हुए भेजने चाहिए :—(1) सिलिण्डरों के विनिर्माता का नाम और पता (2) वह विशिष्टीकरण जिसके सिलिण्डर समरूप है (3) वह विशिष्टीकरण जिसके समरूप सिलिण्डरों में फिट किए गए बाल्व हैं और (4) सिलिण्डरों की क्रम संख्या।

उच्च दाब वाले लाली औद्योगिक गैस सिलिण्डरों का आयात

272. औद्योगिक गैस विनिर्माताओं द्वारा उच्च दाब वाले लाली औद्योगिक गैस सिलिण्डरों के किसी भी मूल्य के निहित होने पर भी आयात के आवेदन पत्रों पर मुख्य निबंधक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली द्वारा विचार किया जाएगा। आवेदन पत्र पूंजीगत माल के आयात के लिए निर्धारित प्रपत्र पर भेजे जाने चाहिए।

समाचार-पत्र प्रतिष्ठान

273. जैसा कि प्रेस एण्ड रीडिस्ट्रिब्यूशन आफ बुक्स एक्ट, 1867 में परिभाषा दी गई है, समाचारपत्रों के मामले में भारत के समाचारपत्र पूंजीयक, प्रायोजक प्राधिकारी होंगे।

274. अखबारी कागज का आयात और वितरण भारत के राज्य व्यापार निगम के माध्यम से सरणीबद्ध है। समाचार-पत्र प्रतिष्ठानों को अखबारी कागज की अपनी आवश्यकताओं के लिए परिशिष्ट-8क में दिए गए निर्धारित प्रपत्र में आवेदन के लिए आवेदन करना चाहिए।

275. अखबारी कागज से अन्य आवश्यकताओं के लिए समाचार सस्थानों को अन्य वास्तविक उपयोक्ता (औद्योगिक) के समतुल्य माना जाएगा।

टिप्पणी : उन समाचारपत्र संस्थाओं के मामले में जो खपत प्रमाणपत्र में खपत के लिए दिखाई गई मर्चों के केवल स्थलीय कीमत विवरण देने की स्थिति में हैं लेकिन लागत-बीमा-भाड़ा के विवरण देने की स्थिति में नहीं हैं, ऐसे खपत प्रमाणपत्र को लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य की गणना के प्रयोजन के लिए 60% तक का समझा जाएगा।

276. अखबारी कागज और अन्य आवश्यकताओं के लिए उपयुक्त सुविधाओं का विस्तार उन सहयोगी मद्रणालयों के लिए भी किया जाएगा, जिन्होंने समाचारपत्रों के मुद्रण के लिए समाचारपत्रों के मालिकों के साथ लम्बी अवधि के लिए व्यवस्था/ठेके कर लिए हैं। ऐसे मामलों में आवेदक को ऐसी व्यवस्था/ठेके का संतोषजनक साक्ष्य प्रस्तुत करना चाहिए।

277. समाचारपत्रों की सामूहिक स्वामित्व की यूनिटों को अपनी विभिन्न यूनिटों की आवश्यकता शामिल करते हुए और प्रत्येक यूनिट की आवश्यकता का ब्याग देते हुए संयुक्त आवेदनपत्र भेजना चाहिए। ऐसे आवेदनपत्र उस क्षेत्रीय लाइसेंस प्राधिकारी को भेजने चाहिए जिसके अधिकार क्षेत्र में सम्बन्धित मुख्य कार्यालय स्थित हो।

278. समाचारपत्र प्रतिष्ठानों की पूंजीगत माल की आवश्यकताओं के लिए भी पूंजीगत माल प्रक्रिया लागू होगी।

279. समाचारपत्रों प्रतिष्ठानों को आयातित माल की खपत और उपयोग का एक लेखा परिशिष्ट 8-ख में दिए गए प्रपत्र में रखना चाहिए।

विद्युत् ट्रांसफार्मरों के साथ-साथ ट्रांसफार्मरों के तेल का आयात

280. (1) ट्रांसफार्मर के साथ पहली बार भरने के लिए दिया गया तेल भी ट्रांसफार्मर का ही एक भाग समझा जा सकता है और इसकी निकासी को अनुमति ट्रांसफार्मरों के लिए जारी किए गए लाइसेंस पर दी जा सकती है। लेकिन, यह बात नोट कर ली जाए कि इस प्रकार अनुमित किए गए ट्रांसफार्मर तेल की मात्रा किसी भी परिस्थिति में ट्रांसफार्मर के टैंक की क्षमता से अधिक नहीं होगी। इस बात का निश्चय कर लेना भी आवश्यक है कि तेल का लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य और ट्रांसफार्मर का लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य मिल कर ट्रांसफार्मर के लिए लाइसेंस में निर्दिष्ट लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य के भीतर होना चाहिए।

(2) जिस मामले में तेल और सम्बन्धित ट्रांसफार्मर अलग-अलग बेशों से लाये गए हों, उसमें तेल के लिए अलग लाइसेंस की आवश्यकता होगी, लेकिन यदि ट्रांसफार्मर के लिए लाइसेंस ट्रांसफार्मर के साथ अपेक्षित तेल के लिए भी कुछ निर्धारित शर्तों के अधीन विशेष रूप से बंध किया गया है तो यह बात लागू नहीं होगी।

बंकार पोत भण्डार की निकासी

281. बंकार पोत भण्डारों की निकासी निम्नलिखित अनुसार नियंत्रित की जाएगी :—

- (1) प्रत्येक मामले में 2000/- रुपये की मूल्य सीमा तक बंकार पोत भण्डार की निकासी की अनुमति सम्बन्ध सीमा शुल्क समाहर्ता द्वारा सीमा शुल्क निकासी परमिट के बिना ही दी जा सकती है।
- (2) जिस मामले में बंकार पोत भण्डारों का मूल्य एक समय में 2000/- रुपये से अधिक हो और विदेशी पोतों से निकासी की अनुमति दे दी गई हो, उस मामले में क्षेत्रीय लाइसेंस अधिकारी कस्टम द्वारा निर्धारित मूल्य के आधार पर मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रतियों के बिना सीमा शुल्क निकासी परमिट जारी कर सकते हैं। ऐसे सभी सीमा शुल्क निकासी परमितों का मूल्य, सम्बन्ध लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात की तदर्थ उच्चतम सीमा के नामे डाल दिया जाएगा।
- (3) जिन मामलों में विदेशी पोत शामिल नहीं हैं और भण्डारों का मूल्य 2000/- रुपये से अधिक है, ऐसे सभी मामलों में लाइसेंस प्राधिकारी मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रतियों के बिना सीमा शुल्क निकासी परमिट जारी कर सकते हैं।

अभिज्ञात न किए जाने वाले या लावारिस माल, अतिरिक्त अधस्तरीय माल, भाड़न और माल की स्वीकृत

282. (1) न पहचानने योग्य या लावारिस माल की निकासी के लिए स्टीमर के एजेंटों से प्राप्त आवेदन-पत्रों के आधार पर सम्बन्ध क्षेत्रीय लाइसेंस प्राधिकारी सीमा-शुल्क निकासी परमिट जारी कर सकते हैं। जिस मामले में ऐसे माल का मूल्य 100/- रुपये से अधिक न हो उसमें सीमा शुल्क निकासी परमित के बिना ही सीमा-शुल्क प्राधिकारियों द्वारा निकासी की अनुमति दी जा सकती है।

(2) अतिरिक्त मालों में अवतरित माल की निकासी के लिए सीमा शुल्क निकासी परमित प्रदान करने के लिए भी स्टीमर एजेंट क्षेत्रीय लाइसेंस प्राधिकारियों से आवेदन कर सकते हैं। ऐसे मामलों में यदि माल का मूल्य 5000/- रुपये से अधिक हो तो संबन्ध सीमा शुल्क प्राधिकारियों से माल की वास्तविकता का सत्यापन करने के बाद सीमा शुल्क निकासी परमित जारी किया जाएगा।

(3) सीमा शुल्क प्राधिकारी वास्तविक भाड़न (अर्थात् गांधी में शेरों की भाड़न द्वारा प्राप्त माल थैलों में भरे हुए माल के अवशिष्ट) की निकासी की अनुमति आयात लाइसेंसों के बिना ही दे सकते हैं चाहे वह शुल्क योग्य हो अथवा नहीं, बशर्ते कि :—

- (1) भाड़न का माल एक विशेष पोत से प्राप्त हुआ है;
- (2) यदि माल शुल्क चुकाने योग्य हो तो विषयाधीन पोत के सारे सूचीबद्ध माल पर पूर्ण शुल्क चुका दिया गया हो या यदि माल शुल्क मुक्त हो तो सीमा शुल्क प्राधिकारी द्वारा सारे सूचीबद्ध माल की निकासी कर दी गई हो;

(3) एक विशेष पोत पर अतिरिक्त माल नहीं था; और

(4) पत्तन ट्रस्ट प्राधिकारी द्वारा यह प्रमाणित कर दिया गया हो कि भाड़न का माल यथार्थ है और गोष्टी के शेरों से प्राप्त किया गया है।

4. इन मामलों में यदि स्वीकृत किए जाने वाले माल का आयात लागू आयात नीति के अंतर्गत सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसी के माध्यम से सरणीबद्ध हो तो निकासी इस शर्त के अधीन होगी कि सरणीबद्ध अधिकारों का माल स्थलीय लागत पर बेचा जाएगा।

अशक्त/शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों का पुनर्वास

283. (1) केवल अशक्त/शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों के पुनर्वास के लिए उद्योग स्थापित करने के लिए अपेक्षित विशेष अशक्तता नियंत्रण/यंत्रों के साथ फिट की हुई मशीनों के आयात के लिए वास्तविक उपयोक्ता (औद्योगिक) 20 लाख रुपये (लागत-सीमा-भाड़ा) मूल्य तक के आवेदन पत्रों पर विचार पात्रता के आधार पर किया जाएगा। इस प्रकार के आवेदनपत्र सीधे ही मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली को भेजे जाएंगे। इस व्यवस्था के अंतर्गत वर्तमान औद्योगिक उपक्रम भी मशीनों के आयात के लिए आवेदन कर सकते हैं बशर्ते कि वे अपने प्रतिष्ठान में अशक्त/शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों के पुनर्वास करने की इच्छा जाहिर करते हैं।

(2) औद्योगिक एकक जो उपर्युक्त उप-पैरा (1) के अंतर्गत आयात लाइसेंस के लिए आवेदन कर रहे हैं, उन्हें राज्य उद्योग निदेशक के पास जैसा कि लघु पैमाने के एककों के लिए अपेक्षित है, पंजीकृत होना पड़ेगा।

(3) इस प्रकार के वाहनों के विनिर्माता अशक्त/शारीरिक रूप से अशक्त व्यक्तियों द्वारा उपयोग करने के लिए वाहनों के विनिर्माण में उनके द्वारा फिट किए जाने के लिए अपेक्षित अशक्तता नियंत्रण/यंत्रों के आयात के लिए आवेदन कर सकते हैं। इस प्रकार के आवेदन पत्र वास्तविक उपयोक्ताओं (औद्योगिक) द्वारा कच्चे माल और संघटकों के आयात के लिए निर्धारित प्रपत्र में महानिदेशक, तकनीकी विकास, नई दिल्ली के माध्यम से सम्बन्धित क्षेत्रीय लाइसेंस प्राधिकारियों को भेजे जा सकते हैं। इस प्रकार के मामलों में जारी किए जाने वाले लाइसेंस अन्य बातों के साथ-साथ इस शर्त के अधीन होंगे कि वाहनों के विनिर्माता महानिदेशक, तकनीकी विकास को इस प्रकार के विनिर्मित वाहनों और उनके निपटानों की एक विशेष उत्पादन विवरणिका भेजेंगे।

नेपाल से आयात और उससे निर्यात

284. नेपाल से आयात और नेपाल को निर्यात की अनुमति आयात-निर्यात नियंत्रण प्रतिबंधों के बिना दी जाती है, बशर्ते कि माल या तो संबंधित देशों में उत्पादित हो या उन में विनिर्मित हो, यह उन अपवादों और सीमाओं के अधीन होगा जो बना दी गई हैं, और लागू हैं, या भविष्य में बनाई जा सकती हैं।

व्यापार समझौते के अधीन लाइसेंस बने।

285. भारत सरकार ने कई विदेशों के साथ व्यापार समझौते किए हैं। ये व्यापार समझौते समय-समय पर परिशोधित किए जाते हैं। व्यापार समझौते के अतिरिक्त कुछ देशों के साथ विशेष भुगतान एवं व्यापार व्यवस्थाएँ भी लागू की गई हैं। इन विशेष देशों के साथ विशेष भुगतान और व्यापार व्यवस्थाओं के अधीन समय-समय पर लाइसेंस जारी किए जाते हैं। माया-तकों को सलाह दी जाती है कि पूर्ण विवरण के लिए मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली से सम्पर्क करें।

रडियो-एक्टिव आइसोटोप्स का आयात

286. रडियो एक्टिव आइसोटोप्स के आयात के लिए परमाणु उर्जा विभाग, बम्बई को आवेदन किया जाना चाहिए।

संवादात्मकताओं और समाचार एजेंसियों के फिल्मों के लिए सीमाशुल्क निकासी परमिट प्रदान करना

287. नियमित संवादात्मकताओं/समाचार एजेंसियों द्वारा अप्रदर्शित फिल्मों के नि शुल्क आयात के लिए सीमा शुल्क निकासी परमिट जारी करने के लिए प्रेस सूचना ब्यूरो, नई दिल्ली की सिफारिश पर लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा विचार किया जाएगा।

परियोजना आयात के अंतर्गत सीमाशुल्क की रिआयती दर

288. (1) परियोजना की आरम्भिक शुरुआत या पर्याप्त बिस्तार के लिए अपेक्षित पूंजीगत माल, से संबंधित कच्ची सामग्री और उसके सघटकों का आयात सीमाशुल्क दर सूची अधिनियम, 1975 (1975 का 51) के भाग 16 के शीर्ष स. 84 66 के अंतर्गत दर के रिआयती मूल्यांकन के लिए पात्र होगा। सीमाशुल्क की रिआयती दर का उपर्युक्त लाभ संबंधित प्रायोजक प्राधिकारियों की सिफारिश पर सीमाशुल्क अधिकारी द्वारा अनुमित किया जाएगा। इस प्रायोजन के लिए लाइसेंस में किसी विशिष्ट पृष्ठांकन करने की आवश्यकता नहीं होगी।

(2) इलैक्ट्रॉनिक उद्योग के संबंध में इलैक्ट्रॉनिकी विभाग की सिफारिश पर सीमाशुल्क अधिकारी शुल्क पर रिआयती दर में लाभ देने की अनुमति देंगे।

भारतीय व्यापार मेला प्राधिकरण द्वारा आयोजित किए जाने वाले राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय मेला/प्रदर्शनियों के लिए आयातित प्रदर्शित की जाने वाली वस्तुओं की बिक्री

289. (1) प्रदर्शित वस्तुओं की बिक्री, अगर अनुमति दी जाती है, तो पुनः निर्यात के लिए अनुमित बंध अवधि के भीतर केवल वैध आयात लाइसेंस के प्रति अनुमित की जाएगी। यह सुविधा ऐसे वास्तविक उपयोक्ताओं को भी प्राप्त होगी जो खुले सामान्य लाइसेंस के अंतर्गत उसी माल के आयात के लिए पात्र हैं।

(2) ऐसी प्रदर्शित वस्तुओं की बिक्री की क्रियाविधि नीचे दी गई है :—

- (1) अगर बिक्री के लिए प्रस्तावित मशीनरी खुले सामान्य लाइसेंस के अंतर्गत अनुमित है तो लाइसेंस प्राधिकारियों की अनुमति के बिना कस्टम द्वारा पात्र वास्तविक उपयोक्ताओं को इसकी बिक्री की अनुमति दी जाएगी।
- (2) अगर खरीददार/वास्तविक उपयोक्ता के पास उक्त मशीनरी के आयात का लाइसेंस है तो आयात लाइसेंस में कटौती करके कस्टम द्वारा उस मशीनरी की बिक्री अनुमति है।
- (3) जहां बिक्री के लिए प्रस्तावित मशीनरी अनुबंधित सूची या खुले सामान्य लाइसेंस के अंतर्गत नहीं है और इसका मूल्य 10 लाख रुपये से अधिक नहीं है, तो संबंधित अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शकों के सामान्य हकदारी कोटों के भीतर पात्र वास्तविक उपयोक्ताओं को आयात लाइसेंस के प्रति उसकी बिक्री अनुमित है। इन मामलों में आयात लाइसेंस देशीय क्षमता दृष्टिकोण और अनिवार्यता प्रमाण-पत्र के मदर्भ के बिना जारी किए जाते हैं। किसी भी वास्तविक उपयोक्ता को उसी श्रेणी की एक से अधिक मशीनरी खरीदने की अनुमति नहीं है।
- (4) उपर्युक्त (1) और (3) में निर्दिष्ट मामलों में खरीददार वास्तविक उपयोक्ता को यह घोषणा देनी अपेक्षित है कि खरीदी जाने वाली मशीन उत्पादन की प्राधिकृत क्षमता से अधिक नहीं होगी और यह किसी अन्य प्रकार से औद्योगिक लाइसेंसिंग नीति का उल्लंघन नहीं करेंगे और यह वास्तविक उपयोक्ता शर्त के अधीन होगा।
- (5) उपर्युक्त श्रेणी में सम्मिलित न होने वाले मामलों के संबंध में सामान्य पूंजीगत माल क्रियाविधि लागू होगी और मशीन को खरीदने के लिए लाइसेंस को देने के वास्ते, जैसा भी मामला हो, पूंजीगत माल तदर्थ एवं पूंजीगत माल मुख्य समितियों द्वारा विचार किया जाता है।
- (6) सरकारी विभाग और सार्वजनिक उपक्रम भी बिना आयात लाइसेंस के वास्तविक उपयोक्ता शर्त के अधीन अपनी आयात आवश्यकताओं की खरीद के लिए अनुमित किए जाते हैं।
- (7) पात्र वास्तविक उपयोक्ता द्वारा प्रदर्शित की गई हकदारी के उक्त कोट के अंतर्गत आयात लाइसेंस देने के लिए आवेदन-पत्र या तो संबंधित देश के भारत में राजनयिक दूतावासों के माध्यम से अथवा व्यापार मेला प्राधिकरण के माध्यम से देने होंगे जो इनको समन्वित करेंगे और उन्हें मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली को प्रेषित करेंगे।

अध्याय-9

कार और वाहन

मोटर वाहनों का आयात

290. सामान के रूप में ऐसे आयातों सहित कारों और अन्य मोटर वाहनों के आयात के लिए लागू नीति और क्रियाविधि परिशिष्ट-9क में दी गई है। ऐसे सभी आवेदनपत्र मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात, नई दिल्ली, असबाब लाइसेंस अनुभाग को भेजने चाहिए।

विदेश में भारतीय ठेकेदारों द्वारा मोटर वाहनों की खरीद

291. ऐसे भारतीय ठेकेदार जो विदेश में परियोजना पूर्ण (टर्नकी)/निर्माण ठेके में लगे हुए हैं, वे अपने परियोजना क्रियाकलापों के भाग के रूप में विदेशी मोटर वाहनों की खरीद के लिए भारतीय रिजर्व बैंक का अनुमोदन प्राप्त कर सकते हैं। ऐसी खरीद को विनियमित करने के लिए निम्नलिखित शर्तों का पालन करना पड़ेगा —

- (1) भारतीय कार के संभावित उपयोग की पूरी तरह जांच करने के बाद ही विदेश में कम से कम कार/वाहनों की खरीद जाए;
- (2) कार/वाहन की पूरी कीमत ठेके की सेवा संगमेल के आधार पर प्राप्त होने वाले फण्ड में से अदा की

जानी चाहिए (न कि भारतीय संभरण के मूल्य में से जो कि भारत को पूर्ण रूप से प्रेषित किया जाना है);

- (3) विदेशी मुद्रा अर्जन में से विदेशी कार/वाहनों के लिए ऐसी चुकाई गई कीमत को रिजर्व बैंक के अनुमोदन के साथ विशिष्ट ठेके के निष्पादन के संबंध में खोले गए विदेशी मुद्रा बैंक लेखों के लिए संचालन के विवरण में पूर्ण रूप से दिखाया जाना चाहिए और इसके साथ ही अन्य उपर्युक्त वस्तुओं की साक्ष्य भी होना चाहिए;
- (4) विशिष्ट परियोजना/ठेके के पूर्ण होने के बाद भारत में खरीद करके लाई गई ऐसी कारों/वाहनों का आयात समय-समय पर लागू आयात नीति के अधीन होगा; और
- (5) विदेश में खरीदी गई ऐसी कारों/वाहन यदि विदेश में ही बेच दी जाती हैं तो बिक्री से प्राप्त मूल्य सामान्य बैंकिंग सूत्र के माध्यम से भारत को प्रेषित किया जाना चाहिए और इसके समर्थन में रिजर्व बैंक को एक प्रमाणपत्र भी भेजा जाना चाहिए।

अध्याय-10

उपहारों का आयात

292. उपहारों के लागू होने वाली आयात नीति, आयात-नियति नीति 1985-88 के अध्याय-10 में दी गई है।

पत्र, परिशिष्ट-10-क में दिए गए प्रपत्र-छ-1 में दिए जाने चाहिए।

293. अग्नयेस्त्रों के उपहार के रूप में आयात के लिए आवेदन

294. अग्नयेस्त्रों से भिन्नमयों के आयात के लिए आवेदन-पत्र, परिशिष्ट-10-ख में दिए गए प्रपत्र-छ-2 में दिए जाने चाहिए।

अध्याय-11

विदेश से वापस आने वाले भारतीयों के लिए सुविधाएं

295. स्थायी रूप से बसने के लिए विदेश से आने वाले गैर-नागरिकों के लिए आयात के मामले में उपलब्ध विशेष

सुविधाओं के संबंध में ब्यौरा, आयात-निर्यात नीति 1985-88 के अध्याय-11 में दिया गया है।

अध्याय-12

प्रौद्योगिकी का आयात*

296. प्रौद्योगिकी के आयात के लिए विस्तृत प्रावधान, आयात-निर्यात नीति 1985-88 के अध्याय-12 में दिए गए हैं। ड्राइंग और डिजाइन के आयात के लिए आवेदन-पत्र, परिशिष्ट-12क में दिए गए प्रपत्र-ठ में भेजे जाने चाहिए।

तकनीकी विकास निधि के लिए विशेष समिति

297. प्रौद्योगिकी विकास और आधुनिकीकरण को संबंधित करने के लिए उद्योग मंत्रालय ने निम्नलिखित के लिए विदेशी मुद्रा की आवश्यकताओं को पूर्ण करने के लिए एक तकनीकी विकास निधि की स्थापना की है :—

- (क) पैदावार के गुण और/या मात्रा पर पर्याप्त संघात रखने वाले कम मूल्य के संतुलन करने वाले उपस्कर के आयात के लिए;
- (ख) आयातित तकनीकी ज्ञान के लिए;
- (ग) विदेशी परामर्शदायी सेवा के लिए, यदि आवश्यकता हो तो;
- (घ) ड्राइंग और डिजाइन के आयात के लिए; और
- (ङ) सामान्य रूप से या विशेष रूप से अपनी निर्यात क्षमता में सुधार करने के लिए औद्योगिक एकाई द्वारा अपेक्षित किसी अन्य निवेश के लिए।

अब इस योजना की स्वीकृति सभी उद्योगों के लिए दी गई है।

298. इस योजना के अन्तर्गत किसी भी यूनिट के लिए लगाई गई कूल विदेशी मुद्रा प्रति वर्ष अमरीकी डालर के बराबर एक करोड़ है। निम्नलिखित के लिए जिन प्रस्तावों का लक्ष्य तेजी से और समेकित तरीके से सुधार करने का होगा उन्हें अधिमान्यता दी जाएगी :—

- (1) निर्यात क्षमता और निर्यात मात्रा,
- (2) लागत कटौती,
- (3) क्षमता का उपयोग,
- (4) प्रौद्योगिकी विकास,

- (5) उत्पाद-मिश्रित पुनर्गठन, और
- (6) आधुनिकीकरण और वैज्ञानिकीकरण।

299. आयात के लिए आवेदनपत्र विशेष समिति, तकनीकी विकास निधि, भारी उद्योग विभाग (प्राप्ति व निर्गम अनुभाग), उद्योग भवन, नई दिल्ली को पूंजीगत माल के आयात, विदेशी सहयोग आदि के लिए निर्धारित प्रपत्र में और अपेक्षित प्रतियों के साथ भेजने चाहिए। इस पुस्तक की कड़िका 161(1) में दर्शाए गए प्रतिबन्ध इन मामलों में लागू नहीं होंगे। पूंजीगत माल के लिए आवेदनपत्र के साथ निर्धारित आवेदन शुल्क के लिए बैंक रसीद/डिमांड ड्राफ्ट होना चाहिए। इनके साथ यूनिट की व्यापक आधुनिकीकरण योजना का विस्तारपूर्वक उल्लेख करते हुए और आयातित माल निर्यात विकास प्रौद्योगिकी को उन्नत करने में, क्षमता के उपयोग आदि में किस प्रकार सहायता करेगा, इसका उल्लेख करते हुए एक टिप्पणी होनी चाहिए।

300. (1) अनुमोदित परियोजनाओं के सुविधापूर्वक शीघ्र कार्यान्वयन के लिए निम्नलिखित सरलीकरण भी आरम्भ किया गया है :—

- (क) विदेशी मुद्रा का निर्धारण आयात के अनुमोदन के साथ-साथ होगा और आगे विदेशी मुद्रा का ऋण मांगने के लिए किसी क्रियाविधि की आवश्यकता नहीं होगी;
- (ख) प्रायोजक प्राधिकारियों द्वारा देशी निकासी की जाएगी और उपयुक्त मामलों में देशी निकासी की शर्त हटा दी जाएगी;
- (ग) आवेदनपत्रों पर निर्णय 45 दिनों के भीतर दिया जाएगा; और

(2) आयात लाइसेंस क्षेत्रीय लाइसेंस कार्यालयों द्वारा दिए जाएंगे।

301. ऐसे आवेदन-पत्र जो इस योजना के अधीन अनुमोदित नहीं हैं उन के निपटान के लिए स्वतः रूप से सामान्य प्रक्रिया के अधीन विचार किया जाएगा। आवेदक के लिए यह आवश्यक नहीं होगा कि वह नए सिरे से फिर आवेदन करें।

अध्याय-13

स्टाक एव बिक्री

302. ताजे फलों, सूखे फलों तथा खजूर, फोटोग्राफिक फिल्म, पुस्तकें, पत्रिकाओं, अध्यापन सहयोग आदि और स्टॉक एव बिक्री के लिए मशीनरी के फालतू पुराने के आयात के संबंध में

प्रावधान, आयात-निर्यात नीति, 1985-88 के अध्याय 13 में दिए गए हैं। आवेदन-पत्र के प्रपत्र परिशिष्ट-13क एव ख में दिए गए हैं।

अध्याय-14

पंजीकृत निर्यातक

निर्यातकों का पंजीकरण

पंजीकरण प्राधिकारी

303. (1) भिन्न-भिन्न निर्यात उत्पादों के लिए पंजीकरण प्राधिकारियों के नाम परिशिष्ट 14-क में दिए गए हैं।

(2) हथकरघा निर्यात संवर्धन परिषद्, मद्रास और उसके क्षेत्रीय कार्यालय, हथकरघा विकास आयुक्त नई दिल्ली के स्थान पर हथकरघा उत्पादों के निर्यातकों के लिए पंजीकरण प्राधिकारी के रूप में नियुक्त किए गए हैं। यह निर्णय 1 अप्रैल, 1985 से प्रभावी है। हथकरघा और इसके क्षेत्रीय कार्यालयों के लिए विकास आयुक्त द्वारा जारी किए गए वैध पंजीकरण प्रमाण पत्रधारी निर्यातक यदि कोई हों, तो 31 मार्च 1985 को हथकरघा निर्यात संवर्धन परिषद्, मद्रास के साथ पंजीकृत निर्यातक के रूप में समझा जाएगा। निर्यातकों को पंजीकरण के लिए हथकरघा निर्यात संवर्धन परिषद्, मद्रास को केंवल नया या उनका वर्तमान पंजीकरण प्राप्त करने के लिए आवेदन करना होगा।

(3) विकास आयुक्त का कार्यालय (हथकरघा), नई दिल्ली या कार्पेट निर्यात संवर्धन परिषद्, नोएडा, जिला गाजियाबाद या रेशम और रयेन टेक्स्टाइल निर्यात संवर्धन परिषद्, बम्बई के स्थान पर सभी रेशम के सामान जैसे वस्त्र, सिले-मिलाए वस्त्र और मशीन-निर्मित दरियों के निर्यातकों के लिए पंजीकरण प्राधिकारी के रूप में भारतीय रेशम निर्यात संवर्धन परिषद्, बम्बई स्थापित किया गया है। यह निर्णय 1 अप्रैल, 1984 से प्रभावी है। हथकरघा निर्यात संवर्धन परिषद्, मद्रास या इसके क्षेत्रीय कार्यालय, यदि कोई हो, तो या हथकरघा विकास आयुक्त, नई दिल्ली या कार्पेट निर्यात संवर्धन परिषद्, नोएडा, जिला गाजियाबाद या सिल्क और रयेन टेक्स्टाइल निर्यात संवर्धन बम्बई या इसके क्षेत्रीय कार्यालय, यदि कोई हो, तो द्वारा जारी किए गए वैध पंजीकरण प्रमाण-पत्र धारण करने वाले निर्यातक 31 मार्च, 1984 से भारतीय रेशम निर्यात संवर्धन परिषद्, बम्बई के पास पंजीकृत किए गए निर्यातक समझे जाएंगे। नया पंजीकरण प्राप्त करने के लिए या वर्तमान पंजीकरण को पुनर्वैध करने के लिए निर्यातकों को पंजीकरण के लिए भारतीय रेशम निर्यात संवर्धन परिषद्, बम्बई को आवेदन करना होगा।

(4) भारतीय समुद्रपार निर्माण परिषद्, बम्बई समुद्रपार निर्माण और मिटिल इंजीनियरिंग परियोजना के संबंध में पंजीकरण प्राधिकारी के रूप में स्थापित किया गया है। यह निर्णय 1 अप्रैल, 1984 से लागू है। इंजीनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद्, कलकत्ता या इसके क्षेत्रीय कार्यालय, यदि कोई हो, तो द्वारा जारी किए गए पहले से ही प्राप्त वैध पंजीकरण प्रमाण-पत्र धारी निर्यातकों को 31 मार्च, 1985 से भारतीय समुद्रपार निर्माण परिषद्, बम्बई के पास निर्यातकों के रूप में पंजीकृत कराना होगा।

304. निम्नलिखित राज्यों/संघ शासित राज्यों से रत्न तथा अभूषण से भिन्न भूदों के निर्यातकों के मामलों में पंजीकरण प्राधिकारी सम्बद्ध (राज्य) उद्योग निदेशक या सम्बद्ध राज्य सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में नामित अन्य अधिकारी होगा :-

- (1) अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह
- (2) अरुणाचल प्रदेश
- (3) लक्षद्वीप
- (4) मणिपुर
- (5) मिजोरम
- (6) नागालैण्ड
- (7) त्रिपुरा
- (8) जम्मू और कश्मीर
- (9) गोवा, दमन और दिव
- (10) मेघालय

305. (1) निर्यात सदन या व्यापार सदन के रूप में मान्यता प्राप्त करने के इच्छुक पंजीकृत निर्यातक को भारतीय निर्यात संगठन के संघ पी एच डी हाउस, सीरी इंस्टिट्यूशनल एरिया, हाउस खास, नई दिल्ली के पास पंजीकृत कराना होता है। सामान्यतः भारतीय निर्यात संगठन के संघ के साथ पंजीकरण सभी उत्पाद वर्गों के लिए वैध होगा। लेकिन, निर्यातक के रूप में संविधानिक तौर पर पंजीकरण अनिवार्य है तो ऐसे पंजीकृत निर्यातकों के लिए यह आवश्यक होगा कि वे संबंधित सरकारी प्राधिकारियों के पास भी पंजीकरण कराएं। निर्यात/व्यापार सदनों को भारतीय निर्यात संगठन के संघ को निर्यात की अपनी विस्तृत स्कीमों और कार्यक्रम की प्रतियां और निर्यातों के तिमाही एवं वार्षिक विवरण पण्यवस्तु-वार और वेष-वार उसी तरीके से भेजने चाहिए जैसा कि समय-समय पर भारतीय निर्यात संगठन के संघ द्वारा निर्धारित किया गया है। (वार्षिक विवरणों की प्रतियां मुख्य-नियंत्रक, आयात-निर्यात (ई पी प्रभाग), नई दिल्ली को भी भेजी जानी चाहिए।) व्यापार सदनों को परामर्श दिया जाता है कि वे विदेशों में निर्यात संवर्धन के उपाय के रूप में विक्री सुविधाओं की व्यवस्था करें। इस सम्बन्ध में उनके द्वारा की गई प्रगति का उल्लेख उनके द्वारा भारतीय निर्यात संगठन के संघ और मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात (सांख्यिकीय प्रभाग), नई दिल्ली को भेजी जाने वाली त्रैमासिक एवं वार्षिक रिपोर्टों में किया जाना चाहिए।

(2) स्वतंत्र व्यापार क्षेत्र में स्थित एककों के मामलों में संवर्धन क्षेत्र का विकास आयुक्त पंजीकरण प्राधिकारी होगा।

(3) वे निर्यातक जिनके लिए कोई भी पंजीकरण प्राधिकारी विनिर्दिष्ट न किया गया हो या (जिनके कोई भी पंजीकरण प्राधिकारी पंजीकरण को स्वीकार न करे) वे पत्तनों अर्थात् बंबई, मद्रास और कलकत्ता के निर्यात संवर्धन अधिकारियों के पास स्वयं को पंजीकृत करा सकते हैं। उनके क्रमशः पश्चिमी, दक्षिणी और पूर्वी क्षेत्र क्षेत्राधिकार होंगे। उत्तरी क्षेत्र के मामले में पंजीकरण प्राधिकारी संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, केन्द्रीय लाइसेंस क्षेत्र, नई दिल्ली होगा।

(4) एक उत्पाद वर्ग से अधिक के अंतर्गत आने वाले निर्यात उत्पादों के निर्यातक जिन्हें उसके लिए एक पंजीकरण प्राधिकारी से अधिक से पंजीकरण की आवश्यकता है वे स्वयं को बंबई, मद्रास और कलकत्ता के पत्तनों पर निर्यात संवर्धन प्राधिकारी के पास पंजीकृत करवा सकते हैं। वे क्रमशः पश्चिमी, दक्षिणी और पूर्वी क्षेत्रों पर क्षेत्राधिकार रखेंगे। उत्तरी अंचल के संबंध में, संयुक्त मुख्य-नियंत्रक, आयात-निर्यात, केन्द्रीय लाइसेंस क्षेत्र, नई दिल्ली पंजीकरण प्राधिकारी होंगे।

306. सार्वजनिक क्षेत्र के औद्योगिक संस्थानों, राज्य स्वामित्व या नियंत्रण में आने वाले निगमों, सरकार या सरकारी विभागों द्वारा स्थापित किए गए सांविधिक निकायों को भी पंजीकृत निर्यातकों के लिये आयात नीति के अंतर्गत लाभ प्रदान करने के उद्देश्य के लिए संबंधित पंजीकरण प्राधिकारी के पास पंजीकरण कराना होगा। लेकिन, यदि वे चाहें, तो संबद्ध निर्यात संवर्धन परिषद/पण्य बोर्ड के स्थान पर अपने आप को भारतीय निर्यात संगठनों के संघ के पास पंजीकृत करा सकते हैं। भारतीय निर्यात संगठनों के पास किये गए इस प्रकार के पंजीकरण सभी उत्पादों के लिए वैध होंगे।

पंजीकरण के लिए आवेदन-पत्र

307. पंजीकरण के लिए आवेदन पत्र सम्बद्ध पंजीकरण प्राधिकारी को भेजने चाहिए। शाखाओं वाली व्यापार संस्थाओं के मामले में पंजीकरण के लिए आवेदन पत्र लिमिटेड कम्पनियों के मामले में पंजीकृत कार्यालय द्वारा भेजे जा सकते हैं और अन्य के मामले में मुख्य कार्यालय द्वारा। ऐसे मामलों में पंजीकृत कार्यालय/मुख्य कार्यालय को जारी किया गया पंजीकरण प्रमाण-पत्र इसकी शाखाओं के लिए भी वैध होगा। शाखाएं पंजीकरण के लिए अलग से भी आवेदन कर सकती हैं, ऐसे मामले में पंजीकरण प्राधिकारी आवेदक शाखा को एक अलग पंजीकरण प्रमाण-पत्र जारी करेगा; लेकिन निर्यात मदन अपनी सभी शाखाओं और संबद्ध मस्थालयों के लिए समीकृत आधार को छोड़ कर अपने आर. ई. पी. और अतिरिक्त लाइसेंसों के लिए स्वतंत्र रूप से आवेदन पत्र भेजने के लिए पत्र नहीं होंगे।

308. (1) पंजीकरण के लिए आवेदन-पत्र परिशिष्ट-14ख में दिए गए प्रपत्र में भेजे जाने चाहिए।

(2) महानिदेशक, तकनीकी विकास के पास पंजीकृत से भिन्न विनिर्माताओं के मामले में, पंजीकरण व सवस्यता प्रमाण-पत्र का भाग-2 संबद्ध प्रायोजक प्राधिकारी द्वारा भरा जाना है। लेकिन, पंजीकरण प्राधिकारी संबद्ध राज्य उद्योग निदेशक या प्रायोजक प्राधिकारी द्वारा आवेदक को जारी किए गए पंजीकरण प्रमाण-पत्र के आधार पर प्रमाण-पत्र का भाग-2 को स्वयं भरें। इस आधार पर, आवेदक को एक व्यावसायिक पंजीकरण व सवस्यता प्रमाणपत्र जारी किया जा सकता है। इसके बाद पंजीकरण प्राधिकारी को चाहिए कि जैसा भी मामला हो,

राज्य उद्योग निदेशक या प्रायोजक प्राधिकारी से आवश्यक सत्यापन करें और उस आधार पर जो परिवर्तन आवश्यक हों उन्हें पंजीकरण-व-सवस्यता प्रमाण-पत्र में करें और वहां से 'अन्तिम' शब्द को भी हटा दें।

309. पंजीकरण के लिए आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित दस्तावेज होने चाहिए :—

- (1) आवेदक की वित्तीय क्षमता की पृष्ठ में बैंक प्रमाण-पत्र, और
- (2) विधिवत भरे हुए भाग-1 और भाग-2 के संबंधित कालम के साथ पंजीकरण-व-सवस्यता प्रमाण-पत्र।

पंजीकरण प्रमाण-पत्र

310. पंजीकरण प्रमाण-पत्र का प्रपत्र परिशिष्ट-14ग में दिया गया है।

311. रॉयन टैक्टाइल के निर्यातकों के मामलों में पंजीकरण का एक अलग भाग-3 परिशिष्ट-14ग में निर्धारित किया गया है।

312. यदि आवेदक विनिर्माता निर्यातक और व्यापारी निर्यातक दोनों हैं तो सम्बद्ध पंजीकरण प्राधिकारी द्वारा उसका एक अलग प्रमाणपत्र जारी किया जायेगा। (यह स्पष्ट किया जाए कि यदि कोई विनिर्माता अन्य द्वारा विनिर्मित उत्पादों का भी निर्यात करता है, तो उसे ऐसे निर्यात उत्पादों के लिए अपने आप को व्यापारी निर्यातक के रूप में पंजीकृत करवाना चाहिए)।

पंजीकरण के लिए पात्रता

313. भूतकालीन निर्यात निष्पादन, अच्छा रिकार्ड और अनुभव रखने वाले निर्यातक जो सम्बद्ध निर्यात संवर्धन परिषद के सदस्य हैं, पंजीकरण के लिये पात्र हैं। जिस आवेदक को किसी विशेष क्षेत्र में निर्यात का अनुभव नहीं है, उसका भी पंजीकरण किया जा सकता है बशर्ते कि पंजीकरण प्राधिकारी आवेदक की सामान्य वाणिज्यिक पृष्ठभूमि, उसके औद्योगिक अनुभव या अन्य क्षेत्रों में उसके निर्यात निष्पादन के विषय में सन्तुष्ट हो।

पंजीकरण की शर्तें

314. (क) पंजीकरण प्रमाण-पत्र ऐसी शर्तों के अधीन जारी किया जायेगा जिसे पंजीकरण प्राधिकारी आवश्यक समझे। पंजीकरण की एक शर्त यह होगी कि पंजीकृत निर्यातक तिमाही के बाव के महीने के पन्द्रहवें दिन तक निर्यात का एक तिमाही विवरणपत्र (शून्य विवरणपत्र सहित) पंजीकरण प्राधिकारी को भेजेंगा।

(ख) निर्यात संवर्धन परिषद या पण्यवस्तु बोर्ड द्वारा किसी मद के लिये पंजीकरण उन सभी मदों के लिये लागू होगा जिससे विशेष परिषद/बोर्ड सम्बद्ध है। (लेकिन यह उपर्युक्त कंडिका 312 में दिए गए प्रावधानों के अधीन होगी।

(ग) जो इन्जीनियरी माल और हथकरघा (वस्त्र और तैयार वस्तुओं) के संघटक, प्रतिपूर्ति लाइसेंसों की मंजूरी के लिए उनके विनिर्माण में प्रयुक्त कच्ची सामग्री पर निर्भर करते हुए अलग-अलग उत्पाद ग्रुपों के अंतर्गत वर्गीकृत किये गये हैं, उनके मामले

में पंजीकृत निर्यातक अपने आप को किसी भी सम्बद्ध पंजीकरण प्राधिकारी के पास पंजीकृत कर सकते हैं। इसी प्रकार से बहु-मूल्य/कम बहुमूल्य रत्नों की बनी वस्तुएँ जैसे राजदानी, कलम-दान आदि जो 'हस्तशिल्प' के अन्तर्गत आते हैं, उनके मामले में निर्यातकों को अपने आपको अखिल भारतीय हस्तशिल्प बोर्ड को पंजीकृत नहीं कराना होगा बशर्ते कि वे रत्न व आभूषण संवर्धन परिषद् के पास पहले ही पंजीकृत हैं। यदि लाइसेंस प्राधिकारी यह निश्चित कर देता है कि हस्तशिल्प के रूप में निर्यात किया गया उत्पाद वास्तव में किसी अन्य स्थान पर वर्गीकरणीय है तो उस मामले में भी आवेदक यदि अखिल भारतीय हस्तशिल्प बोर्ड के साथ पहले ही पंजीकृत है तो अन्य पंजीकरण प्राधिकारी से पंजीकरण प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं होगी।

ई.पी.एन.एस. सामान के निर्यातक जो अखिल भारतीय हस्तशिल्प बोर्ड से पंजीकृत हैं उन्हें इंजीनियरी निर्यात संवर्धन परिषद् से अलग से पंजीकरण कराने की आवश्यकता नहीं होगी।

(घ) जिन मिश्रित मर्चों में अलग-अलग उत्पाद ग्रुपों के अंतर्गत आने वाली कच्ची सामग्री अर्थात् प्लास्टिक, इंजीनियरिंग आदि हों, उनके मामले में यदि प्रयोग की गई किसी विशेष कच्ची-सामग्री का मूल्य मिश्रित मर्च के मूल्य से 50% से अधिक हो तो इतना ही पर्याप्त होगा कि आवेदक अपने आपको मिश्रित मर्च की मुख्य मात्रा के संबंध में सम्बद्ध पंजीकरण प्राधिकारी के पास पंजीकृत करा ले।

(ङ) "परियोजना निर्यातों" के मामले में यदि निर्यातक इंजीनियरी निर्यात संवर्धन परिषद् के पास पंजीकृत हैं तो उसके लिये विषयाधीन परियोजना में शामिल विभिन्न पण्य वस्तुओं से सम्बद्ध अन्य निर्यात संवर्धन परिषदों/पण्य वस्तु बोर्ड के साथ पंजीकरण कराना आवश्यक नहीं होगा।

(च) एक बार पंजीकृत कर लिये जाने के बाद पंजीकरण (जारी होने की तारीख से) चार वर्षों के लिए तब तक वैध रहेगा जब तक कि निर्यातक पंजीकृत निर्यातक के रूप में निर्यात करना बंद न कर दें, या किसी कारण से उसका नाम अपंजीकृत न कर दिया जाये या वह प्रमाणपत्र रखने के लिए अपात्र न बन जाये। जो पंजीकरण प्रमाणपत्र (इसमें भारतीय निर्यात संगठन के संघ के साथ पंजीकृत निर्यात व्यापार सदन भी शामिल है) वर्तमान लाइसेंसिंग अधिनियमों के दौरान समाप्त हो जायें, वे 6 महीनों की अतिरिक्त अवधि के लिए लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा स्वीकार किए जा सकते हैं जिससे निर्यातक नया पंजीकरण प्रमाण-पत्र प्राप्त कर सकें।

(छ) काण्डला स्वतन्त्र व्यापार क्षेत्र और सान्ताक्रूज इलेक्ट्रॉनिक निर्यात संसाधन क्षेत्र, बम्बई में स्थित यूनिटों के मामले में पंजीकरण प्रमाणपत्र की वैधता अवधि सम्बद्ध पंजीकरण प्राधिकारी द्वारा यथा निर्दिष्ट होगी।

पंजीकरण के लिए आवेदनपत्र की तिथि से पहले निर्यात

315. पंजीकरण के लिए आवेदन-पत्र देने की तिथि से 12 महीने से कम की तिथि से पहले पंजीकृत निर्यातक द्वारा किये गये निर्यात आयात प्रतिपूर्ति के लिये पात्रता प्रदान नहीं करेंगे। इस उद्देश्य के लिए आवेदनपत्र प्रस्तुत करने की लागू तिथि वह तिथि होगी जिस तिथि को पूर्ण आवेदनपत्र प्राप्त किया हो। (गैर-महानिदेशक तकनीकी विकास एकाई के मामले में पंजीकरण-व-सदस्यता प्रमाण-पत्र के भाग 2 को भरने के प्रयोजन के लिए प्रायोजक प्राधिकारी द्वारा आवेदन-पत्र प्राप्त करने की तारीख इस कांडिका के प्रयोजन के लिए पंजीकरण के

लिए आवेदन करने की तारीख ही गिनी जाएगी। 12 माह की अवधि पर पहुँचने के लिए उस महीने को उसमें नहीं गिना जाएगा जिसके दौरान पंजीकरण के लिए आवेदन पत्र प्राप्त किया जाता है। निर्यात की जाने वाली केवल विदेशी मुद्रा की वसूली के बाद प्रतिपूर्ति के लिए पात्रता प्रदान करती है उनके संबंध में 12 महीनों की अवधि निर्यात की अवधि से गिनी जाएगी और भुगतान की वसूली की तिथि से नहीं।

संगठन या स्वामित्व में परिवर्तन

316. (1) जिस मामले में किसी पंजीकृत निर्यातक के स्वामित्व, संगठन, नाम या पते में परिवर्तन हुआ हो उसके लिए परिवर्तन की सूचना 3 महीने के भीतर पंजीकरण प्राधिकारी को देना आवश्यक होगा। उन मामलों में जहाँ पंजीकरण प्राधिकारी द्वारा विनम्र माफ नहीं की जाती है अथवा परिवर्तन के संबंध में अपेक्षित सूचना निर्धारित/अनुमित समय के अंतर्गत नहीं भेजी जाती है, तो निर्यातक को नए पंजीकरण के लिए आवेदन करना पड़ेगा। विनिर्माता निर्यातकों के मामले में पंजीकरण प्राधिकारी इस बात का भी सत्यापन करेंगे कि परिवर्तन के संबंध में प्रायोजक प्राधिकारी की अनुमति प्राप्त की गई है या नहीं। उचित सत्यापन करने के बाद पंजीकरण करने वाला प्राधिकारी नई या पुनर्गठित व्यापार संस्था का एक नया पंजीकरण प्रमाण-पत्र जारी करेगा जो नाम, स्वामित्व या संगठन जो भी हो, में परिवर्तन की तिथि से वैध होगा। (निर्यात सदनों के लिए वर्तमान आयात-निर्यात नीति, 1985-88 (खंड-1) के अध्याय-21 का संदर्भ दिया जा सकता है।

(2) जिस मामले में किसी साप्ताहिक के प्रवेश या सेवा निर्यात निवर्तन या मृत्यु के कारण (या अविभाजित हिन्दु परिवार व्यापार संस्था के मामले में कर्ता के परिवर्तन के कारण) पंजीकृत निर्यातक व्यापार संस्था के संघटन में परिवर्तन हुआ हो और पुनर्गठित व्यापार संस्था अपने नाम और पते में किसी परिवर्तन के बिना पूर्ण व्यवसाय को संभाल लेती हो तो ऐसे परिवर्तन में पंजीकरण, प्राधिकारी से नया पंजीकरण कराने की आवश्यकता नहीं होगी। ऐसे मामलों में पंजीकरण प्राधिकारी को केवल परिवर्तन के विषय में सूचना देनी चाहिए। इस प्रकार प्राइवेट लिमिटेड कंपनी से पब्लिक लिमिटेड कंपनी या इसके विपरीत परिवर्तन होने पर पंजीकरण प्राधिकारी को केवल सूचना भेजनी चाहिए, और ऐसे परिवर्तनों में किसी नये पंजीकरण की आवश्यकता नहीं होगी।

निर्यातकों का विपंजीकरण

317. (1) पंजीकरण प्राधिकारी निर्धारित या अनिश्चित अवधि के लिये और एक या अधिक निर्यात उत्पादों के लिए किसी निर्यातक को निम्नलिखित मामलों में विपंजीकृत कर सकता है :—

- (क) निर्यातक में पंजीकरण के लिये अपेक्षित योग्यताएँ न रही हों या उसने पंजीकरण की शर्तों का उल्लंघन किया हो, अथवा
- (ख) निर्यातक किसी अनुचित, भ्रष्ट, या कपटपूर्ण कार्य में फँस गया हो या किसी निर्यात आभार को पूर्ण न कर सका हो; या
- (ग) निर्यातक या साझेदारी होने के नाते, भागीदार या लिमिटेड कंपनी होने के नाते उस का पूर्णकालीन

संचालक या प्रबन्ध संचालक पिछले निर्यात के लिये आर्बाइट किसी भी कोर्ट के मतापेक्षपूर्वक उपयोग करने में असफल रहा हूँ।

(2) विपंजीकृत करने से पहले निर्यातक को सामान्यतः एक कारण बताओ नोटिस दिया जायेगा।

(3) पंजीकृत निर्यातक के विरुद्ध प्राप्त किसी शिकायत के संबंध में या लिखित रूप में रिकार्ड किया जान वाल किसी विशेष और पर्याप्त कारण के सम्बन्ध में पड़ी हुई जांच के लिए पंजीकरण प्राधिकारी या मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात या मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय के अपर मुख्य नियंत्रक या निर्यात आयुक्त, निर्यातक के पंजीकरण का निर्धारित अर्वाध के लिए निलम्बित रख सकते हैं।

(4) जहाँ निर्यात सदन/व्यापार सदन भारतीय निर्यात संगठनों के महा संघ से और सम्बन्धित निर्यात संवर्धन परिषद्/पण्य वस्तु बोर्ड से भी पंजीकृत हो, तो ऐसे निर्यातकों का एफ आई आर द्वारा विपंजीकरण स्वतः ही क्रमशः निर्यात संवर्धन परिषद् पण्य वस्तु बोर्ड के साथ उनके पंजीकरण के लिए लागू होगा। इसी प्रकार यदि ऐसा निर्यातक, निर्यात संवर्धन परिषद्/पण्य वस्तु बोर्ड में विपंजीकृत है तो यह संबंधित निर्यात उत्पाद (दरों) के लिए भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ के साथ उसके पंजीकरण के साथ उसके पंजीकरण के लिए स्वतः लागू होगा।

(5) जहाँ एक व्यापार सदन/निर्यात सदन/पंजीकृत निर्यातक किसी भी किस्म के गलत, दुराचारी या धोखे के कार्य में फंसे होने के कारण किसी पंजीकृत प्राधिकारी या निर्यात संवर्धन परिषद् या एफ आई आर के आ या मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात द्वारा विपंजीकृत कर दिया जाता है तो यह निर्यात संवर्धन परिषद्/पण्य वस्तु बोर्ड/एफ आई आर सहित सभी पंजीकरण प्राधिकारियों के साथ स्वतः विपंजीकृत समझा जाए।

(6) जब एक कंपनी या फर्म को विपंजीकृत किया जाता है या पंजीकरण को आस्थगन में रखा जाता है तो विपंजीकरण/आस्थगन आदेश में फर्म/कंपनी के मालिक/सामोदार/संचालक के नामों का भी उल्लेख होगा।

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात द्वारा पंजीकरण और विपंजीकरण

318. मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात या मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय के अपर मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात या निर्यात आयुक्त किसी निर्यातक को पंजीकृत या विपंजीकृत कर सकते हैं या ऐसा करने के लिये पंजीकरण प्राधिकारी को निवेश दे सकते हैं। इस उपबन्ध के अन्तर्गत विपंजीकरण का आदेश उपर्युक्त पैरा 317 में आने वाले कारणों से दिया जा सकता है या उन मामलों में दिया जा सकता है जिन में निर्यातक ने विदेश व्यापार से संबंधित किसी कानून, नियम या विनियमन का उल्लंघन किया हो या विदेशी पार्टी के साथ ठेके का अपर्याप्त कारणों से उल्लंघन किया हो या विदेशी एजेंट का दये कमीशन की धनराशि चुकाने में असमर्थ रहा हो या किसी मांगी गई सूचना या आंकड़ों भेजने में असफल रहा हो या अन्य कोई पर्याप्त कारण जो निगाह में आए हों।

भारतीय निर्यातकों के विरुद्ध शिकायत

319. प्रत्येक निर्यातक के विरुद्ध प्राप्त शिकायत की जांच मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली द्वारा की जायेगी।

चूक करने वाली यूनिटों को संतावनी देने के लिये कार्रवाई की जायेगी जिससे कि समुद्रपार भारतीय निर्यातों की प्रतिष्ठा को कायम रखा जा सके।

निर्यातों का प्रमाणीकरण

320. (1) पोतलदान के समय पंजीकृत निर्यातक के पास सीमाशुल्क विभाग द्वारा विधिवत प्रमाणीकृत पोत परिवहन बिल की एक प्रति होनी चाहिये।

(2) पोतलदान के बाद पंजीकृत निर्यातक को सौदा तय करने और/या बिलों को प्राप्त करने के उद्देश्य के लिए विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत व्यापारी अर्थात् बैंक को निर्यात दस्तावेज प्रस्तुत करते समय उसके निर्यातों को प्रमाणित कराना चाहिये। निर्यात दस्तावेज प्रस्तुत करते समय उसे "एक दम" बिक्री के आधार पर किए गए निर्यातों के लिए परिशिष्ट-14घ (अनुबन्ध 1) में दिये गये प्रपत्र 1 में और परंपण के आधार पर/अनुमान के आधार पर किये गये निर्यातों के लिए परिशिष्ट 14घ (अनुबन्ध 11) में दिए गए प्रपत्र 2 में एक घोषणा (तीन प्रतियों में) भरनी चाहिये और बैंक को देनी चाहिये।

(3) बैंक निर्यातों के जहाज पर्यन्त निशुल्क मूल्य को भारतीय रुपये में प्रमाणित करेगा और निर्यात दस्तावेजों के सन्दर्भ में आवश्यक सत्यापन के बाद घोषणा पर प्रति-हस्ताक्षर करेगा। बैंक यह भी सत्यापन करेगा कि पोत परिवहन बिल सीमा शुल्क प्राधिकरण द्वारा विधिवत प्रमाणीकृत किया गया है या नहीं। इसके पश्चात् बैंक मूल प्रमाणपत्र को बैंक द्वारा साक्ष्यांकित बीजक की सम्बन्धित प्रति के साथ सम्बन्धित पंजीकृत निर्यातक को भेजेगा। दूसरी प्रति संबद्ध लाइसेंस प्राधिकारी को भेजेगा और तीसरी प्रति अपने रिकार्ड के लिये रख लेगा। परंपण के आधार पर/अनुमान के आधार पर किये गये निर्यातों के मामले में बैंक जहाज पर्यन्त निशुल्क मूल्य को प्रमाणित करेगा, उस पर प्रति हस्ताक्षर करेगा और प्रपत्र संख्या 2 के अनुसार प्रमाण पत्र पंजीकृत निर्यातक को केवल तब भेजेगा जब कि निर्यात बिक्री की रकम वसूल कर ली गई हो और भारतीय मुद्रा विनियम नियंत्रण विभाग को सौंप दी गई हो। एक से अधिक माल परंपण को शामिल करने वाला बैंक प्रमाणपत्र भी स्वीकार किया जा सकता है। इस संबंध में विस्तृत क्रियाविधि परिशिष्ट 2-थ में दी गई है। उन मामलों में जहाँ बैंक ने यह सत्यापित न किया हो कि जहाजरानी बिल सीमाशुल्क प्राधिकारियों द्वारा विधिवत प्रमाणित किए गए हैं और निर्यातक सम्बन्धित जहाजरानी बिल के बजाय सीमा शुल्क प्राधिकारियों द्वारा विधिवत् प्रमाणित निर्यात संवर्धन प्रति प्रस्तुत करता है तो लाइसेंस प्राधिकारी उसे स्वीकार कर सकता है यदि वह अन्यथा रूप से सही हो।

(4) जिस मामले में पंजीकृत निर्यातक पोत परिवहन कंपनी के वाद में "भाड़े की छूट" प्राप्त करता है जिसके परिणामस्वरूप जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य बढ़ जाता है तो वह इस अतिरिक्त जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य पर आयात प्रतिपूर्ति लाइसेंस प्राप्त करने के लिए बैंक प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकता है। ऐसे मामलों में अतिरिक्त लाभ उठाने के लिए आवेदन पत्र एक वर्ष की उसी तिमाही के दौरान जिसमें सम्बन्ध उत्पाद का निर्यात किया गया हो या भाड़े में छूट की प्राप्ति के तीन मास के दौरान, इनमें जो भी पहले हो, उसके भीतर भेजा जाना चाहिये।

(5) आयात प्रतिपूर्ति की हकदारी की गणना करने के प्रयोजन के लिए विदेशी अभिकर्ता को भुगतान कर दिए गए या भुगतान किए जाने वाले कमीशन या छूट की धनराशि निर्यातों के जहाज पर्यन्त निशुल्क मूल्य में से काट दी जाएगी।

(6) लेकिन, हाइड्रालिक, परीक्षण और पेंट संबंधी भाइयों, प्रबन्ध और जहाजी कुली सम्बन्धी भाइयों को जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य की गणना करने के लिए लेख में लिया जाएगा। व्याज प्रभार भी जहाज पर्यन्त निशुल्क मूल्य के एक भाग के रूप में लेख में केवल तभी लिए जाएंगे जबकि वे बीजक में अलग से दर्शाए गए हों और बैंक ने 'व्याज प्रभार' सहित उस धन-राशि के बिल के लिए सांदा कर लिया हो।

(7) विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत व्यापारियों द्वारा निर्यातों के प्रमाणीकरण के लिए ऊपर उल्लिखित क्रियाविधि निम्न-लिखित मामलों में लागू नहीं होगी :—

- (1) सिनेमैटोग्राफिक फिल्म (अभिदर्शित),
- (2) डाक पार्सलों द्वारा मूल्य बचे निर्यात,
- (3) पुस्तकों, पत्रिकाओं और आवधिकों के निर्यात,
- (4) विदेश में अन्तर्राष्ट्रीय प्रदर्शनियों में की गई बिक्री,
- (5) अग्रिम भुगतान के प्रति विदेशी पर्यटकों को कालीनों का निर्यात,
- (6) भारत में अन्तर्राष्ट्रीय बैंक, पुनःनिर्माण तथा विकास/अन्तर्राष्ट्रीय विकास अभिकरण सहायता प्राप्त परियोजनाओं के लिए किए गए संभरण,
- (7) स्वतन्त्र विदेशी मुद्रा में भुगतान के मद्दे भारत में किए गए संभरण,
- (8) विदेश में संयुक्त उद्योगों में भारतीय समान सहयोग के मद्दे मशीनरी और उपस्कर का निर्यात।

लाइसेंसों के लिए आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की क्रियाविधि

321. (1) एक उत्पाद वर्ग में सभी उत्पादों के निर्यात के मद्दे आयात लाइसेंसों के लिए समीकृत आवेदन-पत्र निर्धारित प्रपत्र एवं विधिनसार उस लाइसेंस अधिकारी को दिए जाने चाहिए जिसके क्षेत्राधिकार में, एक लिमिटेड कम्पनी के मामले में पंजीकृत कार्यालय और अन्य पंजीकृत निर्यातकों के मामले में मुख्यालय स्थित हो। 'शुल्क मुक्त आयात योजना' के अंतर्गत और ई पी लाइसेंस प्रदान करने के लिए आवेदन-पत्रों पर सबसे ऊपर 'शुल्क मुक्त आयात योजना' लिखा जाना चाहिए। लाइसेंस प्राधिकारी के नाम और उनके क्षेत्राधिकार परिशिष्ट 2ख में संकीर्तित हों।

(2) वे क्षेत्रीय लाइसेंस प्राधिकारी जिन के पास सामान्य क्षेत्राधिकार हैं वे पंजीकृत निर्यातकों के लिए आयात नीति के अंतर्गत उन के क्षेत्राधिकार में स्थित निर्यातकों के संबंध में भी आयात लाइसेंसों के लिए आवेदन पत्रों पर विचार करेंगे।

(3) लेकिन पंजीकृत ठेकों या परियोजना निर्यातों के मामले में एक उत्पाद ग्रुप से संबंधित सभी निर्यातों को शामिल करने के बजाए आवेदनपत्र ठेकेदार या उत्पादवार भरे जा सकते हैं।

(4) लिमिटेड कम्पनी या पंजीकृत निर्यातक की शाखा के लिए यह छूट होगी कि वह अपने द्वारा किए गए निर्यातों के मद्दे आयात प्रतिपूर्ति लाइसेंस के लिए उस लाइसेंस प्राधिकारी से आवेदन करे जिसके अधिकार क्षेत्र में वह शाखा स्थित है बशर्त कि ऐसी शाखा एक निर्यातक के रूप में अलग से पंजीकृत हो या इस संबंध में एक साक्ष्य प्रस्तुत करे कि लिमिटेड कम्पनी/मुख्य कार्यालय को जारी किया गया पंजीकरण प्रमाणपत्र विषयाधीन शाखा के लिए वैध है। इस प्रकार के मामलों में आवेदन पत्र के साथ मुख्य कार्यालय या पंजीकृत कार्यालय, जो भी हो, का एक प्रमाणपत्र इस संबंध में होना चाहिए कि उसने आवेदनपत्र में शामिल निर्यातों के मद्दे किसी प्रतिपूर्ति लाइसेंस का न तो दावा किया है और न करेगा।

आवेदन पत्रों की आवृत्ति

322. पंजीकृत निर्यातक का एक महीने या एक तिमाही (अप्रैल - जून आदि) या छमाही (अप्रैल-सितम्बर) या वर्ष (अप्रैल-मार्च) के दौरान किए गए निर्यातों के आधार पर लाइसेंस के लिए आवेदन करना चाहिए। पंजीकृत निर्यातकों द्वारा आयात प्रतिपूर्ति लाइसेंस के लिए आवेदनपत्र प्रत्येक मास या त्रैमासिक या प्रत्येक छमाही या वार्षिक आधार पर जैसे भी सुगम हो, भेजने चाहिए। प्रत्येक निर्यातक यह सुनिश्चय करेगा कि वह किस क्रियाविधि को अपनाना चाहेगा और इसकी सूचना (आर.ई.पी. लाइसेंस के लिए पहला आवेदन करते समय लाइसेंस प्राधिकारी को भेजेगा। यदि वह किसी भी क्रियाविधि को चुनने में असमर्थ रहता है तो यह मान लिया जाएगा कि उसने त्रैमासिक क्रियाविधि को चुना है। (लाइसेंस अवधि के दौरान चुनाव के परिवर्तन के लिए स्वीकृति नहीं दी जाएगी)। परेषण/अनुमोदन के आधार पर निर्यातों के मामले में ऐसे आवेदनपत्र इसी प्रकार से वसूल की गई बिक्री की रकम के सम्बन्ध में दिए जाने चाहिए।

आवेदनपत्र प्रस्तुत करने के लिए समय सीमा

323. (1) आयात प्रतिपूर्ति के लिए आवेदन-पत्र ऐसे समय में भेजना चाहिए जिससे कि वह निर्यात की तीन महीने की अवधि के अंत होने के भीतर या परेषण निर्यात के मामले में बिक्री की रकम की प्राप्ति की अवधि के अंत होने से तीन महीने के भीतर, जैसा भी मामला हो, सम्बद्ध लाइसेंस प्राधिकारी को पहुंच जाए। उन मामलों में जहां बिक्री की रकम अग्रिमरूप में प्राप्त होती है या जहां निर्यात भारतीय रिजर्व बैंक के आस्थागित भुगतान शर्तों के आधार पर किए जाते हैं तो आयात प्रतिपूर्ति के लिए आवेदन-पत्रों को प्रस्तुत करने के लिए समय सीमा की गणना वास्तविक निर्यात की अवधि के संदर्भ में की जाएगी।

(2) यदि एक निर्यातक एक विशेष निर्यात अवधि में एक उत्पाद वर्ग के अधीन अपने निर्यात में सम्बद्ध एक समीकृत आवेदन पत्र देने के बजाए एक से अधिक आवेदन-पत्र देता है तो लाइसेंस प्राधिकारी ऐसे बाद वाले आवेदन-पत्र (पत्रों) पर स्वीकार्य प्रतिपूर्ति के भीतर 5% या 5000/- रुपए, इन में जो भी कम हो, की कटौती कर के निचार कर सकता है। यह कटौती उसके अतिरिक्त होगी और कि इस पैरा के उप-पैरा (4) के अधीन उसी आवेदनपत्र के प्रस्तुतीकरण में विलम्ब के कारण

लगाई जाएगी।

(3) यदि आयात आवेदन-पत्र के साथ आवेदन शुल्क के भुगतान की बैंक रसीद/दर्शनी हुण्डी या निर्यात का विवरण या निर्यात को सत्यापित करने वाले दस्तावेजों से इतर अन्य दस्तावेज नहीं भेजे गए हों तो लाइसेंस अधिकारी 1% की कटौती लगाकर जो अधिकतम 100 रुपये होगी इन दस्तावेजों के देर से प्रस्तुतीकरण को स्वीकार कर सकता है। (इस उप-कंडिका के अंतर्गत आने वाले मामलों में निर्यातक को नीचे की उप कंडिका (4) के अधीन दंडाई गई अधिक कटौती नहीं देने पड़ेगी)।

(4) लाइसेंस प्राधिकारी उन आवेदन पत्रों (जिस में अतिरिक्त लाइसेंसों के आवेदन पत्र भी शामिल हैं) पर भी विचार कर सकता है जो निर्धारित समय के बाद मिलें अथवा जिनमें आवेदन पत्र देने की अंतिम तारीख के बाद त्रुटियों को सुधार गया हो, लेकिन इसके लिए यह आवश्यक होगा कि आवेदन-पत्र देने के लिए निर्धारित तारीख से तीन महीने के अंदर आवेदन पत्र पेश कर दिया जाए अथवा आवेदन पत्र की त्रुटियों को सुधार लिया जाए। इस अधि के बाद प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जा सकता। लेकिन ऐसी स्थिति में संबंध निर्यात के मद्दे स्वीकार्य आयात-प्रतिपूर्ति मूल्य में कटौती करके इस प्रकार के आवेदन पत्रों पर गुण-वोध के आधार पर लाइसेंस प्राधिकारी विचार कर सकता है। उक्त मामले में, मूल्य में नीचे लिखे ढंग से कटौती की जाएगी :—

- (1) निर्यात अधि के अंतिम महीने में 6 महीने के बाद किन्तु 12 महीने के अंदर की अधि में प्राप्त आवेदन-दन पत्र 5% कटौती।
- (2) निर्यात अधि के अंतिम महीने से 12 महीने के बाद किन्तु 18 महीने के अंदर की अधि में प्राप्त आवेदन पत्र 10% कटौती
- (3) निर्यात अधि के अंतिम महीने से 18 महीने के बाद किन्तु 24 महीने के अंदर की अधि में प्राप्त आवेदन-पत्र 15% कटौती।
- (4) निर्यात अधि के अंतिम महीने से 24 महीने के बाद की अधि में प्राप्त आवेदन-पत्रों पर विचार किए बिना ही कालातीत मानकर अस्वीकार कर लिया जाएगा।
- (5) जिन उत्पादों के निर्यात के मद्दे प्रतिपूर्ति केवल विदेशी मुद्रा की बसूली के बाद अर्हता प्राप्त करती है उनसे संबंधित देर से प्राप्त/त्रुटिपूर्ण आवेदन-पत्रों में उस अधि के हिमाब से कटौती की जाएगी, जब निर्यातकर्ता के खाते में राशि जमा करायी गयी हो, निर्यात अधि के समय से नहीं।
- (6) रत्नों और आभूषणों तथा चलचित्र फिल्मों (एक्स-गोल्ड) को छोड़कर वी. पी. पी. से निर्यात किए जाने वाले अन्य उत्पादों के मामले में पोस्ट मास्टर के प्रमाण-पत्र अथवा सूचना पत्ती में दी गयी भुगतान की तारीख से आवेदन-पत्र देने की सीमा का हिमाब नगाया जाएगा।
- (7) जहां आवेदन-पत्र आंशिक रूप से अपूर्ण हों अर्थात् कुछ पोतलदानों में संबंध निर्यात दस्तावेज प्रस्तुत न किए गए हों तो लाइसेंस प्राधिकारी आवेदन-पत्र के इस अंश के लिए आयात प्रतिपूर्ति लाइसेंस जारी

कर सकते हैं जिसके लिए पूर्ण दस्तावेज प्रस्तुत कर दिए हों। ऐसे मामलों में उस हिस्से के दावे को अपूर्ण हिस्से के दावे के कारण न रोकें जाए जिसके आवश्यक दस्तावेज भेजे दिए गए हों।

पोतलदान/परपेण की तिथि

324. पंजीकृत निर्यातकों के लिए आयात नीति के अंतर्गत आयात प्रतिपूर्ति के लिए आवेदन पत्रों पर विचार करने के उद्देश्य से निर्यात की सम्बन्धित तिथि निम्नलिखित अनुसार निश्चित की जाएगी :—

(क) सागर द्वारा पोतलदानों के मामले में निर्यात की तिथि निम्नलिखित अनुसार निश्चित की जाएगी :—

- (1) पोत द्वारा निर्यातित बूके-बल्क कार्गो के मामले में सवान बिल की तिथि अथवा मालिम रसीद की तिथि इनमें जो भी बाद में होगी, वही निर्यात की तिथि होगी।
- (2) आधानीकृत कार्गो के मामले में पोत पर आधान के लदान का साक्ष्य प्रस्तुत करते हुए "पोत पर लदान बिल" की तिथि ही निर्यात की तिथि होगी। लेकिन आधान में निर्यात माल के लदान की तिथि का साक्ष्य प्रस्तुत करते हुए "पोत-लदान के लिए सवान बिल के लिए प्राप्त" तिथि भी निर्यात की तिथि मानी जा सकती है यदि साक्ष्य-पत्र ऐसे सवान बिल की विशेषरूप से व्यवस्था करता हो। अन्तरदेशीय आधान डिपो (आईडीसी) से आधानों द्वारा निर्यात के मामले में निर्यात की तिथि वही होगी जो सीमा शुल्क द्वारा निकासी के बाद आईडीसी में निर्यात माल के लदान के समय पोतपरिवहन एजेंटों द्वारा जारी किए गए लदान बिल की तिथि हो।
- (3) लैंड बार्ज द्वारा निर्यात के मामले में निर्यात तिथि वही होगी जो बार्ज पर उस निर्यात माल के लदान का साक्ष्य प्रस्तुत करते हुए लदान बिल की तिथि हो जिसको मातृ-पोत पर ले जाने वाले बार्ज तक ले जाना है।

(ख) वायुयान द्वारा निर्यातों के मामले में निर्यातों की तिथि का निश्चय वायुयान बिल की तिथि या सीमा-शुल्क प्राधिकारी द्वारा पोत परिवहन बिल पर माल के लदान की प्रमाणित तिथि, इनमें जो भी बाद में हो, उस तिथि से किया जाएगा। जब निर्यात के लिए प्रेषणों को वायुपात परिसरों जो अंतर्राष्ट्रीय हवाई-अड्डों को आगे देश से बाहर प्रेषण के लिए अंतर्राष्ट्रीय हवाई-अड्डे नहीं हैं, को सौंपा जाता है, यदि निर्यात के लिए कार्गो वायुपात परिसरों को सौंप दिया जाता है और देश से बाहर इसके निर्यात से पूर्व इसको वापस लेने की अनुमति नहीं दी जाती है तो कोई वाहनान्तरण प्रमाण-पत्र देना अपेक्षित नहीं होगा। इसके बारे में प्रमाण-पत्र सम्बन्धित सीमा-शुल्क प्राधिकारियों द्वारा स्वयं वायुमार्ग बिल में दिया जाना चाहिए।

- (ग) डाक पार्सल द्वारा निर्यातों के मामले में निर्यात की तिथि डाक रसीद पर अंकित तिथि द्वारा निश्चित की जाएगी।
- (घ) रेल द्वारा निर्यातों के मामले में निर्यात की तिथि रेलवे रसीद की तिथि द्वारा निश्चित की जाएगी।
- (ङ) सड़क द्वारा निर्यात के मामले में निर्यात की तिथि स्थल सीमा शुल्क प्राधिकारियों द्वारा प्रमाणित माल भेजने की तिथि द्वारा निश्चित की जाएगी।

आवेदन-पत्र के साथ प्रस्तुत किए जाने वाले दस्तावेज

325 लाइसेंसों के लिए आवेदन-पत्र सब प्रकार में पूर्ण और आवेदन शुल्क के लिए उचित धनराशि के लिए बैंक रसीद/वर्षाणी हण्डरी और अन्य निर्धारित दस्तावेजों द्वारा समर्थित भेजने चाहिए।

326 जिन निर्यातों के मद्दे आयात के लिए आवेदन पत्र दिया गया है उसका ब्यौरा निर्दिष्ट करते हुए परिशिष्ट-14अ में दिए गए प्रपत्र में निर्यातों का विवरण आवेदक द्वारा आवेदन पत्र के साथ भेजा जाना चाहिए।

327 आयात प्रीतिपूर्ति के लिए आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित निर्यात दस्तावेज भी प्रस्तुत करने चाहिए :—

- (1) पैरा 320 (7) में उल्लिखित उत्पादों में भिन्न उत्पादों का निर्यात :—
 - (1) निर्यातों का बैंक प्रमाणपत्र (मूल रूप में)।
 - (2) बीजक की बैंक साक्ष्यांकित प्रति।
- (2) रत्न व आभूषण और मिनेमैटोग्राफिक फिल्मों (अभिदर्शित) से भिन्न उत्पादों का मूल्य देय डाक पार्सलों (वी पी पी) द्वारा निर्यात :—
 - (1) माल, अलग-अलग मद्द का वजन और वास्तव में निर्यात किए गए माल के कल वजन का विवरण देते हुए सीमाशुल्क द्वारा विधिवत साक्ष्यांकित बीजक।
 - (2) सम्बन्धित डाक रसीद या उसकी फोटो स्टेट प्रति या डाक घर द्वारा जारी किया गया डाक से भेजने का प्रमाण-पत्र,
 - (3) पोस्ट मास्टर का भूगतानों का प्रमाणपत्र या एक मचना पत्र (जो मल्लदेग डाक पार्सल (वी पी पी) द्वारा किए गए निर्यातों की रकम पर देने वाले भारतीय पाण्डुक्तों का डाक विभाग द्वारा दी गई हो, और
 - (4) सीमा शुल्क प्राधिकारियों द्वारा विधिवत सत्यापित पी पी प्रपत्र की निर्यात संवर्धन प्रति।

(3) उन पंजीकृत निर्यातकों द्वारा डाक द्वारा पुस्तकों और समाचार पत्रों का किया गया निर्यात जिनको पी पी औपचारिकताओं का पालन किए बिना अपने निर्यात करने की भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अनुमति दी गई है, या सामान्य बैंकिंग सूत्रों के माध्यम से ऐसी ही औपचारिकताओं के बिना प्रीति की सीधे ही दस्तावेज भेजने की अनुमति दी गई है।

(1) डाक रसीद या डाक घर द्वारा जारी किया गया डाक का प्रमाण-पत्र या जिन मामलों में मूल डाक रसीद आयातक को भेज दी गई हो, उनमें कोई अन्य साक्ष्य। साधारण डाक द्वारा निर्यात के मामले में यदि निर्यातक डाक से भेजने का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने में समर्थ नहीं है तो डाक खर्चों के पूर्ण व्यय, निर्यातों की तिथियाँ और निर्यातों के व्यय देते हुए सनदी लेखापाल का एक प्रमाण-पत्र डाक घर द्वारा जारी किए गए प्रमाणपत्र के साथ प्रस्तुत करना चाहिए।

(2) निर्यातों, भाड़े आदि के व्यय देते हुए सनदी लेखापाल का एक प्रमाणपत्र।

(3) सनदी लेखापाल द्वारा प्रमाणित बीजक।

(4) जिन मामलों में आवेदक उपर्युक्त (1) से (3) तक के दस्तावेज प्रस्तुत करने में समर्थ न हो, और निर्यातित माल के मद्दे उसने भूगतान पहले ही प्राप्त कर लिया हो, उनमें लाइसेंस प्राधिकारी निम्नलिखित दस्तावेज स्वीकार कर सकता है, अर्थात् :—

(क) निर्यात किए गए प्रत्येक प्रकाशन का नाम, किए गए निर्यातों का मूल्य और विषयाधीन परीक्षण पर किए गए डाक खर्चों की कल धनराशि का संकेत करते हुए सनदी लेखापाल में एक प्रमाणपत्र,

(ख) उपर्युक्त (क) में उल्लिखित निर्यातों को शामिल करते हुए विदेशी मुद्रा में भूगतान की प्राप्ति के समर्थन में एक बैंक प्रमाणपत्र, और

(ग) इस सम्बन्ध में आवेदक की यह घोषणा कि उसने उस विदेशी मुद्रा वसूली के आधार पर अलग से आर ई पी लाइसेंस के लिए न तो दावा किया है और न करेगा जिससे उपर्युक्त (ख) में बैंक प्रमाणपत्र संबंधित है।

(4) जिन पंजीकृत निर्यातकों को भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा पी पी औपचारिकताओं से छूट नहीं दी गई है, उनके द्वारा पुस्तकों, सामान्य पत्रिकाओं और आवधिकों का डाक द्वारा निर्यात :—

(1) मूल डाक रसीद या उसकी फोटो स्टेट प्रति या डाक घर द्वारा जारी किया गया डाक से भेजने का प्रमाणपत्र। साधारण डाक द्वारा निर्यात के मामले में यदि निर्यातक डाक से भेजने का प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने में असमर्थ है तो डाक खर्चों के पूर्ण व्यय, निर्यात की तिथियाँ और निर्यात के व्यय देते हुए सनदी लेखापाल में एक प्रमाणपत्र भेजना चाहिए।

(2) पी पी फार्म संस्थाएँ निर्दिष्ट करते हुए सनदी लेखापाल द्वारा प्रमाणित बीजक।

(3) विदेशी मुद्रा में भूगतान की रसीद और संबंधित पी पी फार्म संख्या निर्दिष्ट करते हुए बैंक प्रमाणपत्र (पी पी फार्म के बिना साधारण डाक द्वारा किए गए 50/- रुपये से कम के निर्यात इस क्रिया-

विधि के अन्तर्गत प्रतिपूर्ति के लिए पात्रता प्रदान नहीं करेंगे)।

(5) जिन पंजीकृत निर्यातकों को जी. आर. प्रपत्र की औपचारिकताओं का पालन किए बिना भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा आयात की अनुमति दे दी गई है, या उन्हें अपने प्रलेखों को सामान्य बैंकिंग चैनल के माध्यम से भेजे बिना सीधे ही परेषिती को भेजने की अनुमति है, उनके द्वारा जल/वायु मार्ग द्वारा पुस्तकों और समाचार पत्र पत्रिकाओं का निर्यात :—

- (1) सनदी लेखापाल द्वारा प्रमाणित बीजक,
- (2) लदान-वायुमार्ग बिल,
- (3) सम्बन्धित जी.आर. प्रपत्रों के मद्दे तिथिक्रम से रखी गई निर्यात रकमों की वसूली में संबंधित निर्यातक के बैंक/सनदी लेखापाल द्वारा विधिवत् प्रमाणित एक विवरणपत्र। लेकिन, जिन मामलों में निर्यातकों ने भारतीय रिजर्व बैंक से जी. आर. औपचारिकताओं से छूट का सामान्य परमिट प्राप्त कर लिया हो, उनमें (निर्यातकों) के लिए जी.आर. प्रपत्र संस्थाएं निर्दिष्ट करते हुए प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं है और इसके बजाए वे सनदी लेखापाल/निर्यातक के बैंक द्वारा जारी किए गए विवरणपत्र में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी की गई सामान्य परमिट संस्था उद्धृत कर सकते हैं।

(6) रत्न व आभूषण और सिनेमेटोग्राफिक फिल्मों (अभिवर्धित) से भिन्न उत्पादों का पंजीकृत डाक द्वारा निर्यात :—

- (1) निर्यातक के बैंक द्वारा जारी किया गया निर्यात का बैंक प्रमाणपत्र (मूल रूप में)
- (2) माल, अलग-अलग मद का वजन और वास्तव में निर्यात किए गए माल के कुल वजन का विवरण देते हुए सीमा-शुल्क द्वारा विधिवत साक्ष्यांकित बीजक।
- (3) डाक रसीद या जिन मामलों में डाक रसीद परेषिती को भेज दी गई हो, उसमें स्पष्ट रूप से डाक रसीद संख्या, दिनांक और धनराशि निर्दिष्ट करते हुए और परेषिती को डाक रसीद भेज दी गई है यह प्रमाणित करते हुए निर्यातक के बैंक या डाक निरूपक विभाग द्वारा जारी किया गया प्रमाण पत्र।

- (4) सीमा शुल्क प्राधिकारियों द्वारा विधिवत सत्यापित पी. पी. प्रपत्र की निर्यात संवर्धन प्रति।

(7) विदेशी पोत परिवहन, कम्पनियों को पोत-भण्डारों और अन्य माल (आधानों को छोड़कर) के रूप में किए गए माल के सम्भरण:

- (1) विदेशी मूद्रा या विदेशी मूद्रा विनिमय से भारत में किए गए भारतीय रुपयों की प्राप्ति के सम्बन्ध में बैंक प्रमाण-पत्र (मूल रूप में)
- (2) बैंक का साक्ष्यांकित बीजक।
- (3) विदेशी पोत परिवहन कम्पनियों को किए गए सम्भरण के संबंध में सीमा शुल्क विभाग द्वारा विधिवत प्रमाणित पोत परिवहन बिल की एक प्रति।

(4) जिस मामले में सीमा शुल्क विभाग द्वारा प्रमाणित पोत परिवहन बिल उपलब्ध न हो, उस में सीमा शुल्क का 'अनुमति आदेश'।

(5) जिन मामलों में आवेदक उपर्युक्त (1) और (2) के दस्तावेज प्रस्तुत करने में समर्थ न हो उनमें लाइसेंस प्राधिकारी इन दस्तावेजों के बदले में पोत परिवहन कम्पनी या इसके एजेंट से एक प्रमाणपत्र स्वीकार कर सकता है, यह प्रमाणपत्र सनदी लेखापाल द्वारा इस सम्बन्ध में विधिवत प्रतिहस्ताक्षरित होगा कि (क) बिल की धनराशि (जिसका पूर्ण व्यापार निर्दिष्ट किया जाना चाहिए) ऐसी कम्पनी के भाड़े की कमाई में से चुकाई गई है और (ख) वर्ष भारतीय रिजर्व बैंक को प्रस्तुत किए जाने वाले भूगतान के मासिक विवरण-पत्र में प्रदर्शित कर दिया गया है या कर दिया जाएगा।

(8) (1) व्यापार प्रदर्शनी अभिकरण द्वारा विदेश में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनियों में बचे गए माल का निर्यात :—

माल के पूर्ण विवरण, जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य, भारतीय निर्यातक का नाम, बिक्री की तिथि को निर्दिष्ट करते हुए विषयाधीन बिक्रियों के मद्दे भूगतान भारत को भेज दिया गया है और भारतीय मूद्रा विनिमय नियंत्रण विभाग को सौंप दिया गया है, यह प्रमाणित करते हुए व्यापार प्रदर्शनी प्राधिकरण के निदेशक से एक प्रमाणपत्र/आवेदनपत्र प्रस्तुत करने की समय-सीमा बिक्री की तिथि से गिनी जाएगी।

(2) निर्यात संवर्धन परिषद् द्वारा, विदेश में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनियों में बचे गए माल का निर्यात :—

(1) माल का पूर्ण विवरण, जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य और भारतीय निर्यातक का नाम, बिक्री की तिथि निर्दिष्ट करते हुए और विषयाधीन बिक्रियों के मद्दे भूगतान भारत को भेज दिया गया है और भारतीय मूद्रा विनिमय नियंत्रण विभाग को सौंप दिया गया है, यह प्रमाणित करते हुए निर्यात संवर्धन परिषद् से एक प्रमाणपत्र।

(2) विदेशी मूद्रा में भूगतान की प्राप्ति को निर्दिष्ट करते हुए बैंक प्रमाण-पत्र। परिशिष्ट-14घ (अनुबंध-3) में दिया गया बैंक प्रमाणपत्र का प्रपत्र उचित आशोधनों के साथ उपयोग किया जाए। आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने की समय-सीमा बैंक प्रमाणपत्र में यथाप्रवर्धित भूगतान की तिथि से गिनी जाएगी।

(3) जिस मामले में आवेदक इस कारण से बैंक प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने में असमर्थ हो कि दस्तावेज बैंक के माध्यम से नहीं भेजे गए थे, उसमें लाइसेंस प्राधिकारी उपर्युक्त (1) में उल्लिखित दस्तावेज इस शर्त पर स्वीकार कर सकता है कि अन्य साक्ष्य के आधार पर वह इस बात में संतुष्ट है कि विषयाधीन माल के लिए भूगतान प्राधिकृत सूत्रों के माध्यम से प्राप्त किया गया है।

(3) जहाँ व्यापार मेला प्राधिकरण द्वारा भारतीय विनिर्माताओं/निर्यातकों को सीधे भाग लेने के लिए अनुमति दिए जाने पर उनके द्वारा विदेश में अंतर्राष्ट्रीय मेलों/नूमायशों में बचे गए माल का निर्यात :—

- (1) माल का पूर्ण विवरण, जहाज पर निःशुल्क मूल्य, भारतीय निर्यातकों का नाम, बिक्री की तिथि दर्शाते हुए व्यापार मेला प्राधिकरण से प्रमाणपत्र।
- (2) विदेशी मद्रा में भुगतान की रसीद दर्शाने वाला बैंक प्रमाण-पत्र। परिशिष्ट-14घ (अनुबंध-3) में दिए गए बैंक प्रमाण-पत्र का प्रपत्र उचित संशोधनों के साथ उपर्युक्त में लाया जा सकता है। आवेदन पत्र प्रस्तुत करने के लिए समय-सीमा की गणना बैंक प्रमाण पत्र में दर्शाई गई तारीख से की जाएगी।

(9) उन ख्यातिप्राप्त समाचार कैमरामैन द्वारा समाचार फिल्म और टी वी फिल्मों का निर्यात जिन्हें जी आर/पीपी औपचारिकताओं का अनुपालन करने में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा छूट प्रदान की गई है :—

- (1) वायुमार्ग बिलों की सत्यापित प्रतियों के साथ संबद्ध वायुमार्ग बिल संख्या दर्शाते हुए निर्यातित समाचार फिल्मों/टी वी फिल्मों की सूची,
- (2) विदेशी मद्रा की रसीद दर्शाने वाला बैंक प्रमाण-पत्र,
- (3) आवेदक की घोषणा कि उसने उपर्युक्त (2) में रखे गए बैंक प्रमाण-पत्र के लिए विदेशी मद्रा वसूली के आधार पर अलग-अलग प्रतिपूर्ति लाइसेंस के लिए दावा नहीं किया है और न किया जाएगा।

(10) ऊनी कालीनों का निर्यात जिस के लिए विदेशी पर्यटकों से (क) विदेशी मद्रा पर्यटक चेकों, (ख) क्रास विदेशी बैंक डाफ्ट, और (ग) विदेशी बैंकों के नाम व्यक्तिगत चेक के रूप में, भुगतान स्थानीय रूप से (पूर्ण रूप में या आंशिक रूप में) प्राप्त किए जाते हैं :—

- (1) परिशिष्ट-14घ (अनुबंध-4) में दिए गए प्रपत्र में, निर्यातकों के बैंक द्वारा जारी किया गया भुगतान का प्रमाणपत्र (मूल रूप में)।
- (2) बैंक का साक्ष्यांकित बीजक,
- (3) डाक से निर्यातों के मामले में मूल डाक रसीद, और
- (4) भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा बिक्रेता को जारी किए गए मनी चेंजर्स लाइसेंस की एक प्रति।

(11) महाभागर भाड़ा आधानों की बिक्री के मामले में निम्नलिखित दस्तावेज भेजे जाने चाहिए :—

- (1) विदेशी क्रेता से प्राप्त किया गया आवेदन,
- (2) बचे गए माल और उसके मूल्य के ब्यौरे देते हुए बैंक द्वारा विधिवत साक्ष्यांकित बीजक,
- (3) विदेशी क्रेता या भारत में उनके अधिकृत एजेंट द्वारा प्राप्त किए गए माल का साक्ष्य, और
- (4) परिशिष्ट-14घ, अनुबंध-2 (प्रपत्र-2) में दिए गए प्रपत्र में बैंक प्रमाणपत्र (मूल में)। (पोतलदान बिल

के अभाव में जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य की वसूली को बैंक द्वारा बीजक के आधार पर सत्यापित किया जा सकता है।

(12) अन्तर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण और विकास बैंक/अन्तर्राष्ट्रीय विकास अभिकरण से भारत में सहायता प्राप्त परियोजनाओं द्वारा किए गए संभरण, जिस मामले में भारतीय निर्यातक विदेशी क्रेता को निर्यात दस्तावेज भेजता है और विदेशी क्रेता स्वयं को प्रदान किए गए ऋण में से आपसी तौर से निर्यातक को भुगतान करने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण व विकास बैंक/अन्तर्राष्ट्रीय विकास अभिकरण से आवेदन करता है :—

- (1) बिक्री की रकम की वसूली प्रदर्शित करते हुए परिशिष्ट-14घ के अनुबंध-2 के प्रपत्र-2 में बैंक प्रमाणपत्र जो ऐसे बिलों/आधारों के साथ जो अलग-अलग साक्ष्य या बीजक के मद्दे भारत में निर्यातक के लेख में जमा करने के लिए भुगतान की प्राप्ति को निर्दिष्ट करने के लिए पर्याप्त हो;
- (2) सीमा शुल्क कार्यालय द्वारा विधिवत प्रमाणित पोत परिवहन बिल;
- (3) बन्ध बातों के साथ-साथ पोत परिवहन बिल की संख्या और तिथि को निर्दिष्ट करते हुए बीजक की प्रति;
- (4) लघान बिल; और
- (5) बीमा-रसीद।

(13) विदेश में संयुक्त उद्यमों में भारतीय साम्य सहयोग संघ के मद्दे मशीनरी और उपस्कर का निर्यात :—

- (1) बीजक की प्रति/बीजक में एक अभ्युक्ति होनी चाहिए, अर्थात्, “वाणिज्य विभाग के पत्र संख्या दिनांक द्वारा यथा अनुमोदित संयुक्त उद्यम, सर्वश्री (स्थान और देश का नाम) के नाम में साम्य सहयोग करने के लिए निर्यात।”
- (2) निर्यातों के लागत बीमा-भाड़ा/लागत और भाड़ा/जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य, यदि कोई किया गया हो तो भाड़ा और बीमा बर्ष, परिशिष्ट-14घ में दिए गए अनुसार जी. आर. प्रपत्र आदि को प्रमाणित करते हुए सनदी लेखापान का मूल रूप में प्रमाणपत्र।
- (3) साम्य सहयोग के रूप में उपयोग किए जाने के लिए निर्यातों के मूल्य की अनुमति देते हुए सरकार/भारतीय रिजर्व बैंक की मंजूरी की एक प्रति।

(14) अन्तर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण व विकास बैंक/अन्तर्राष्ट्रीय विकास अभिकरण से सहायता प्राप्त परियोजनाओं या द्विपक्षी/बहुपक्षी सहायता परियोजनाओं के मद्दे या संयुक्त राष्ट्र संघ और अन्य बहु-राष्ट्रीय अभिकरणों के सहायता कार्यक्रमों के अंतर्गत भारतीय संस्थाओं द्वारा भारत में अन्तर्राष्ट्रीय कीमत पर किए गए और विदेशी मद्रा में बूट किए गए संभरण और भारत में जो एन जी सी और भारत तेल लि. को किए गए संभरण।

इस्तुतः किए जाने वाले दस्तावेज और संभरणों के प्रति प्रति-
वृत्ति का दावा करने के लिए अनुसरण की जाने वाली क्रिया-
विधि परिशिष्ट-14अ में दी गई है।

(15) विदेश में तकनीकी/परामर्श कार्य/निर्माण कार्य
लेने से परामर्शदात्री संस्थाओं और डिजाइन इंजीनियरी व्यापार
संस्थाओं द्वारा कमाई गई विदेशी मुद्रा :—

- (1) परामर्श शुल्क/अन्य स्वर्च/निर्माण स्वर्च की धनराशि
को प्रवर्धित करते हुए मूलरूप में बैंक प्रमाणपत्र;
- (2) परामर्श समझौते का अनुमोदन करते हुए भारतीय
रिजर्व बैंक के पत्र की संख्या और तिथि, यदि
कोई हो;
- (3) विदेशों में इंजीनियरी/अन्य भूमण आदि के
लिए भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रिहा की गई
विदेशी मुद्रा की धनराशि जिसके साथ भारतीय
रिजर्व बैंक द्वारा जारी किए गए परावृत्त की संख्या
और तिथि हो; और
- (4) कार्मिकों की यात्रा बूक करने के लिए भारत में
चुकाई गई यात्रा की धनराशि।

उपयुक्त (2) से (4) तक के व्योरे सनदी लेखापाल द्वारा
प्रमाणित होने चाहिए।

(16) विदेश में निर्यात संवर्धन परिषद् के प्रदर्शन कक्ष
में प्रवर्धित माल को बिक्री:-एसे मामलों में आवेदनपत्र द्वारा
प्रस्तुत किए जाने वाले दस्तावेज बही होंगे जो उपयुक्त उप-
परा (8) में निर्दिष्ट किए गए हैं, वे इस आशोधन के साथ
होंगे कि निवेशक, व्यापार प्रदर्शनी प्राधिकरण प्रमाणपत्र को
बजाय सम्बद्ध निर्यात संवर्धन परिषद् का प्रमाणपत्र होना
चाहिए। आवेदनपत्र प्रस्तुत करने के लिए समय सीमा बिक्री की
तिथि से गिनी जाएगी।

(17) स्वतंत्र विदेशी मुद्रा के मद्दे यात्रियों को कर मुक्त
दुकानों पर बचे गए माल की बिक्री के मामले में आवेदनपत्र के
साथ भारतीय पर्यटन विकास निगम (आइटीडीसी) का प्रमाण-पत्र
होना चाहिए जिसमें केशमीनों की तारीख, बंची गई मद का
नाम (यदि माडल हो तो उसका भी नाम), बंची गई मद का
और वमूल की गई विदेशी मुद्रा को दर्शाया जाए। विवरण मद्-
वार तैयार किया जाना चाहिए और वह कर मुक्त दुकान के
प्रबंधक द्वारा हस्ताक्षरित होना चाहिए। और नियंत्रक (बुकान)
द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित होना चाहिए और विवरण के अंत में
निम्नलिखित प्रमाणपत्र भी देना चाहिए :—

“विवरण में दिए गए व्योरे सत्य और सही हैं और
विवरण में दर्शायी गई विदेशी मुद्रा वसूल कर ली गई
है और उसे हमारे अड्डे पर स्थित स्टेट बैंक में जमा
करा दिया गया है।”

(आवेदन-पत्र के साथ केश सीमा भेजने की आवश्यकता नहीं
है।)

(18) समुद्र में चलने वाले जहाजों के लिए भारतीय पोत कार-
खानों में जुड़नाग मर्दों (पूँजीगत माल किस्म के) का संभरण :—

- (क) भारतीय पोत निर्माण कारखानों से समुद्र में चलने
वाले जहाजों के लिए जुड़नाग मर्दों के संभरण के मद्दे
भुगतान की रसीद को दर्शाने वाला बैंक प्रमाण-पत्र।

(ख) बैंक द्वारा सत्यापित आपूर्ति बीजक।

19. “उपयुक्त उप-परा (2) तथा (6) द्वारा निहित रत्न
एवं जवाहरात तथा सिनिमाटोग्राफ फिल्मों (एक्सपोज्ड) के अलावा
उत्पादों का बी. पी. पी. अथवा रजिस्टर्ड पोस्ट द्वारा निर्यात
के संबंध में निर्यातकों को बीजक की प्रतियों (दो प्रतियों में)
के साथ त त परिपत्र में आवेदन करना है। “अनुलिपि प्रति
को” निर्यात संवर्धन प्रति के रूप में इंगित किया जाएगा।
सीमाशुल्क प्राधिकारी विशेषी डाकघरों अथवा वायु डाकघरों में
पार्सल की मदों, उनकी मात्रा तथा मूल्य के बारे में जांच करने
के पश्चात् त त प्रपत्रों एवं बीजकों को प्रमाणित करेंगे। त त
प्रपत्र की मूल प्रति सीमाशुल्क द्वारा सीधे ही भारतीय रिजर्व
बैंक को अर्पित की जाएगी। त त प्रपत्र की अनुलिपि प्रति
(निर्यात संवर्धन प्रति) सीमा शुल्क द्वारा प्रमाणित बीजक के साथ
सीमा शुल्क प्राधिकारी द्वारा संबंधित निर्यातक के लिए आगे
डिलिवरी हेतु पोस्टल विभाग को वापस करनी होगी। इस
प्रयोजन के लिए, मोहर नगे पते सहित उचित डाक टिकट
रजिस्ट्री और वापस भेजने वाले तक के स्वर्च सहित एक लिफाफा
बी पी पी/रजिस्टर्ड पोस्ट पार्सल के साथ संलग्न होना चाहिए।
नगरेतर क्षेत्रों से जाने वाले पार्सल पोस्टल विभाग द्वारा संबंधित
विदेशी डाकघरों/वायु डाकघरों के लिए सीमा शुल्क आंच एवं
स्वीकृति के लिए भेजे जाएंगे।”

328. उगुर उल्लिखित दस्तावेज के अतिरिक्त पंजीकृत
निर्यातकों को वे अन्य दस्तावेज/सूचना भी प्रस्तुत करने होंगे जो
लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा आवश्यक समझे जाएं या सम्बन्धित
आयात नीति और लागू क्रियाविधियों के अनुसार आवश्यक
हों।

329. रत्न और आभूषणों की मदों और सिनेमाटोग्राफिक
फिल्मों (अभिदर्शिता) से भिन्न और प्रत्येक वर्ष में निर्यात सौदों
की बड़ी संख्या वाले उत्पादों के नियमित निर्यातकों के आवेदनों
पर बैंक प्रमाण-पत्रों और बीजकों को प्रस्तुत करने के बजाय अन्य
दस्तावेजों साक्ष्यों जैसे इस पुस्तक के परिशिष्ट-14अ में निर्धारित
प्रपत्र में सनदी लेखापाल प्रमाण-पत्र के आधार पर प्रतिपूर्ति के
लिए संबंधित लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा विश्वास किया जा सकता
है बशर्ते कि पूर्वगामी लाइसेंसिंग अवधि के दौरान उनका
वार्षिक निर्यात 50 लाख रुपए से अधिक हो और आगे यह
शर्त होगी कि निर्यात उत्पाद केवल आयात प्रतिपूर्ति के लिए
अर्हता प्रदान करने हों। वे निर्यातक जिनको पहले इस प्रकार
की अनुमति दी गई थी, उन्हें वर्तमान लाइसेंसिंग अवधि के
दौरान नई अनुमति लेनी होगी।

330. पंजीकृत निर्यातकों को भाड़े और बीसे के स्वर्चों का
साक्ष्य सम्बद्ध बैंक को प्रस्तुत करना चाहिए जिससे कि वह
बैंक प्रमाण-पत्र में निर्यातों के जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य का
सत्यापन कर सके। पोतलदान के समय विदेशी पोत परिवहन
कम्पनियों द्वारा भाड़े के स्वर्चों में दी गई तत्काल छूट भी जहाज
पर्यन्त निःशुल्क मूल्य की गिनती करते समय बैंक द्वारा
हिसाब में ली जानी चाहिए। जिन मामलों में निर्यात ठेके में
भाड़ा विभिन्नता धारा हो उनमें निर्यातक भाड़ा विभिन्नता पर
वसूल की गई विदेशी मुद्रा के सम्बन्ध में प्रतिपूर्ति का दावा
करने के लिए पात्र होगा।

331. निर्यात मर्दों को आयात के लिए अपन आवेदन-पत्रों
के साथ मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली द्वारा
जारी किए गए निर्यात सवन प्रमाणपत्र की एक प्रति इस घोषणा
के साथ प्रस्तुत करनी चाहिए कि यह न तो रद्द किया गया है
और न वापस लिया गया है।

रतन व आभूषण से भिन्न मर्बों की विदेशी पर्यटकों को बिक्री

332. (1) एक पंजीकृत निर्यातक अर्थात् वह व्यापारी जिसको उसके द्वारा विदेशी पर्यटकों को की गई बिक्री के लिए विदेशी मुद्रा में भुगतान प्राप्त करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा प्राधिकृत किया गया हो, वह (1) विदेशी मुद्रा पर्यटक बैंक, (2) फ्राइड विदेशी बैंक ड्राफ्ट, (3) विदेशी बैंकों के नाम लिखे गए व्यक्तिगत बैंक और (4) विदेशी मुद्रा के नोटों और सिक्कों के मद्दे विदेशी पर्यटकों को बेचे गए विशिष्ट माल के लिए प्रतिपूर्ति लाइसेंस की मंजूरी के लिए आवेदन करने के लिए पात्र होगा।

(2) ऐसी बिक्रियों के सम्बन्ध में निम्नलिखित क्रियाविधि लागू होगी :—

- (क) पंजीकृत निर्यातक को भूखित और क्रमवार संस्था-कित वाउचर पुस्तकें रखनी होंगी। वाउचर का एक नमूना इस पुस्तक के परिशिष्ट-14छ के अनुबंध-1 में दिया गया है;
- (ख) पर्यटक का नाम और राष्ट्रकता, उसके पासपोर्ट की संस्था, बेची गई मर्बों का विवरण, विदेशी मुद्रा में बिक्री मूल्य और उसके तुल्य रूप के सम्बन्ध में ब्यौरे प्रदर्शित करते हुए प्रत्येक बिक्री वाउचर तीन प्रतियों में होगा;
- (ग) मूल बिक्री वाउचर पर्यटक को उसके निजी उपयोग के लिए सौंप दिया जाएगा;
- (घ) वाउचर की अनुलिपि प्रति व्यापारी द्वारा प्रतिपूर्ति लाइसेंस के लिए आवेदनपत्र के साथ उसे प्रस्तुत करने के समय भेज दी जाएगी; और
- (ङ) तीसरी प्रति व्यापारी द्वारा अपने निजी रिकार्ड के लिए रख ली जाएगी।

(3) पंजीकृत निर्यातक को निम्नलिखित ब्यांखों वाला एक रजिस्टर रखना होगा।

- (1) क्रम संस्था;
- (2) बिक्री वाउचरों की संस्था;
- (3) बिक्री की तिथि;
- (4) विदेशी क्रेता का नाम;
- (5) उसके पासपोर्ट की संस्था;
- (6) बेची गई मर्ब की संस्था और उस सामग्री का नाम जिससे वह बनी है;
- (7) रुपये का मूल्य;
- (8) अभ्यर्पित की गई तुल्य विदेशी मुद्रा;
- (9) उस बैंक का नाम जिसमें विदेशी यात्रा बैंक/रेखांकित विदेशी ड्राफ्ट/बैंक जमा किए गए हैं उसका नाम;
- (10) जमा करने की तिथि; और
- (11) अभ्युक्तियां।

सरकारी अभिकरणों द्वारा रजिस्टर की कभी भी जांच की जा सकती है।

(4) आवेदनपत्र विदेशी मुद्रा में भुगतान की प्राप्ति के बाद निर्धारित अवधि के भीतर सम्बद्ध लाइसेंस प्राधिकारी को भेजने चाहिए। लेकिन, आयात प्रतिपूर्ति की दर बिक्री की तिथि से सम्बन्धित होगी। आवेदनपत्र के साथ निम्नलिखित दस्तावेज होने चाहिए :—

- (1) आवेदनपत्र के शुल्क के लिए उपयुक्त धनराशि की बैंक रसीद/डिमाण्ड ड्राफ्ट;
- (2) (क) पर्यटक का नाम और राष्ट्रकता, (ख) पर्यटक के पासपोर्ट की संस्था, (ग) यात्री बैंक/फ्राइड विदेशी बैंक ड्राफ्ट/विदेशी बैंकों के नाम में लिखे गए व्यक्तिगत बैंकों, (घ) जिस सामग्री से वे वस्तुएं बनी हैं उसको निर्विष्ट करते हुए बेची गई वस्तुओं का विस्तृत विवरण और (ङ) प्रत्येक वस्तु के मूल्य के ब्यौरे देते हुए बिक्री वाउचरों/कैश मीमों की सत्य प्रमाणित प्रतियां;
- (3) सम्बन्धित बिक्री वाउचर/कैश मीमों की संस्था और तिथि निर्दिष्ट करते हुए और सम्बन्धित विदेशी मुद्रा यात्री बैंक/फ्राइड विदेशी बैंक ड्राफ्ट/विदेशी बैंकों के नाम लिखे गए व्यक्तिगत बैंक की प्राप्ति और भारतीय मुद्रा विनिमय नियंत्रण विभाग को किए गए अभ्यर्पण को प्रदर्शित करते हुए बैंक प्रमाणपत्र। (विदेश बैंकों के नाम व्यक्तिगत बैंकों के मामलों में बैंक को यह भी प्रमाणित करना चाहिए कि बैंकों की रकम मुद्रा विनिमय नियंत्रण विनियमनों के अनुसार विदेशी में वसूल की गई है), और
- (4) बिक्री वाउचर/कैश मीमो, इसकी संस्था और विनांक, जिस सामग्री से बनी है उसको निर्विष्ट करते हुए बेची गई वस्तुओं के मूल्य, यात्री बैंक/विदेशी बैंक ड्राफ्ट/व्यक्तिगत बैंक को अभ्यर्पित करने की तिथि और व्यक्तिगत बैंक के मामले में विदेशी मुद्रा की वसूली की तिथि के ब्यौरे देते हुए परिशिष्ट-14छ के नमूना प्रपत्र के अनुसार बिक्रियों का एक विवरणपत्र।

(5) डिनर्स क्लब और अमरीकन एक्सप्रेस इन्टरनेशनल के द्वारा जारी किए गए क्रेडिट कार्डों के माध्यम से की गई ऐसी बिक्रियों के भुगतान भी इस पैरे में निर्धारित शर्तों के अधीन और प्राधिकृत बैंक सूत्रों के माध्यम से विदेशी मुद्रा की प्राप्ति के साक्ष्य पर इस नीति के अन्तर्गत आयात प्रतिपूर्ति के लिए पात्रता प्रदान करेंगे।

रतन और आभूषणों का निर्यात

333. रतन और आभूषणों के निर्यातकों को वही वस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे जो अन्य निर्यातकों को प्रस्तुत करने हैं। अंतर केवल इतना होगा कि ऐसे निर्यातकों को सीमा शुल्क कार्यालय द्वारा विधिकृत साक्षात्कृत बीजक की एक प्रति अतिरिक्त प्रस्तुत करनी होगी। प्रेषण के आधार पर निर्यातों के मामले में विदेशी मुद्रा की पावनी का बैंक प्रमाणपत्र इस पुस्तक के परिशिष्ट-14घ के अनुबंध-3 में दर्शाए गए प्रपत्र में भेजा जाना चाहिए।

रतन और आभूषण की मर्चों की विदेशी पर्यटकों को बिक्री

334. (1) पंजीकृत निर्यातक (आभूषण व्यापारी) जिसके पास भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी किया गया "प्राधिकृत मनी चेन्जर्स" लाइसेंस हो और जो निर्यात संवर्धन प्राधिकरण, बम्बई, कलकत्ता और मद्रास द्वारा और अन्य पत्तनों पर लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित हो वह विदेशी पर्यटकों को की गई रतन और आभूषणों की बिक्री के मद्दे आयात प्रतिपूर्ति लाइसेंस के लिए आवेदन करने के लिए उन मामलों में पात्र होगा जिन में भुगतान प्राधिकृत मनी चेन्जर्स लाइसेंस के अंतर्गत अनुमय तरीके से प्राप्त किए गए हों। भारत से बाहर के बैंक के नाम लिखे गए व्यक्तिगत चेकों के मामले में विदेशी मुद्रा प्राधिकृत व्यापारी से इस सम्बन्ध में एक प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना चाहिए कि बैंक की रकम वसूल कर ली गई है। अन्य सभी मामलों में इस संबंध में एक यह प्रमाणपत्र पर्याप्त होगा कि चेक/धनराशि भारतीय मुद्रा विनिमय नियंत्रण विभाग को अभ्यर्पित कर दी गई है।

(2) पंजीकृत निर्यातक (आभूषण व्यापारी) जो अवमूल्यन तिथि से पहले अनुमोदित किया गया था और जिसके पास अब भी "प्राधिकृत मनी चेन्जर्स" (सराफा) लाइसेंस है, वह इन उपबन्धों के अनुसार प्रतिपूर्ति का दावा करने के उद्देश्य के लिए "अनुमोदित" रूप में समझा जाएगा।

(3) इस योजना के अंतर्गत लाभों की इच्छा रखने वाला पंजीकृत निर्यातक (आभूषण व्यापारी) जिस के पास "मनी चेन्जर्स" (सराफा) लाइसेंस नहीं है वह निर्धारित प्रपत्र में भारतीय रिजर्व बैंक से एंसे लाइसेंस के लिए आवेदन कर सकता है और उसको प्राप्त करने पर वह सम्बद्ध निर्यात संवर्धन परिषद्/लाइसेंस प्राधिकारी से अनुमोदन के लिए सम्पर्क कर सकता है।

(4) विदेशी मुद्रा में भुगतान की वसूली के लिए आभूषणों के एक अनुमोदित व्यापारी को विदेशी पर्यटकों को 50,000/- रुपये के बराबर न्यूनतम वार्षिक बिक्री करनी होगी। अनुमोदन के लिए आवेदन करते समय पंजीकृत निर्यातक (आभूषण व्यापारी) पत्तनों पर सम्बद्ध अनुमोदन प्राधिकारी को इस सम्बन्ध में एक वचनपत्र भेजेगा कि (क) न्यूनतम 50,000/- रुपये के मूल्य की बिक्री विदेशी पर्यटकों को अगले 12 महीनों के दौरान कर दी जाएगी और (ख) रद्द हो जाने पर वह इसकी सूचना तुरन्त सम्बद्ध अनुमोदन प्राधिकारी को भेजेगा।

(5) यदि एक वर्ष की निर्धारित अवधि के भीतर बिक्री की न्यूनतम सीमा पूरी नहीं हो पाती है या यदि इस अवधि के दौरान किसी कारण से प्राधिकृत "मनी चेन्जर्स" (सराफा) लाइसेंस वापस ले लिया जाता है तो संबंध पंजीकृत निर्यातक (आभूषण व्यापारी) विदेशी पर्यटकों को बिक्री के मद्दे अनुमय प्रतिपूर्ति के लिए हकदार नहीं होगा।

(6) वाणिज्य मंत्रालय और/या मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात कोड भी कारण बताए बिना ही पत्तनों पर अनुमोदन प्राधिकारी द्वारा दिए गए अनुमोदन को वापस ले सकता है और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी किए गए लाइसेंस को रद्द करने की सिफारिश कर सकता है।

(7) विदेशी मुद्रा/यात्री चेकों पर भारत में विदेशी पर्यटकों को की गई रतन और आभूषण की मर्चों की बिक्री के सम्बन्ध

में आभूषणों के पंजीकृत अनुमोदित व्यापारियों द्वारा अपनाई जाने वाली क्रियाविधि निम्नलिखित है :—

(क) अनुमोदित पंजीकृत आभूषण व्यापारियों को मुद्रित, क्रमवार संख्यांकित वाउचर पुस्तकें रखनी होंगी जिनके ब्यारे अनुमोदित प्राधिकारी को पहले ही अधिसूचित कर देने चाहिए। वाउचर का एक नमूना परिशिष्ट-14ड (अनुबंध-2) में है।

(ख) पर्यटक का नाम और राष्ट्रकता, उसके पासपोर्ट की संख्या, बचे गए रतन व आभूषण मर्चों का विवरण, विदेशी मुद्रा में बिक्री मूल्य और पर्यटक द्वारा दिये गये विदेशी मुद्रा यात्री चेकों के तुल्य रुपये के ब्यारे प्रदर्शित करते हुए प्रत्येक बिक्री वाउचर चार प्रतियों में होगा।

(ग) मूल बिक्री वाउचर पर्यटक को संपूर्ण कर देना चाहिए क्योंकि भारत छोड़ते समय उसे सीमा शुल्क प्राधिकारी को देना होगा।

(घ) बिक्री वाउचर की अनुलिपि प्रति पर्यटक को उसके अपने उपयोग के लिये दे दी जाएगी।

(ङ) बिक्री वाउचर की तीसरी प्रति आभूषणों के व्यापारी द्वारा प्रतिपूर्ति लाइसेंस के आवेदनपत्र के साथ भेज दी जाएगी।

(च) चौथी प्रति आभूषणों के व्यापारी द्वारा अपने रिकार्ड के लिये रख ली जाएगी।

(8) आभूषणों के अनुमोदित व्यापारी को निम्नलिखित व्यापारों के साथ एक रजिस्टर रखना होगा :—

- (1) क्रम संख्या;
- (2) बिक्री वाउचर की संख्या;
- (3) बिक्री की तिथि;
- (4) विदेशी क्रेता का नाम;
- (5) उसके पासपोर्ट की संख्या;
- (6) बची गई मर्च का विवरण;
- (7) रुपये में मूल्य;
- (8) अभ्यर्पित की गई तुल्य विदेशी मुद्रा;
- (9) उस बैंक का नाम जिसमें विदेशी यात्री चेक जमा किये गये हैं;
- (10) जमा करने की तिथि; और
- (11) अभ्यक्तियां।

सरकारी अभिकरण कभी भी रजिस्टर जांच कर सकती है।

(9) डिनर्स क्लब और अमरीकन एक्सप्रेस इन्टरनेशनल द्वारा जारी किये गये क्रेडिट कार्डों के माध्यम से की गई ऐसी बिक्रियों पर भुगतान निर्धारित शर्तों के अधीन और प्राधिकृत बैंक सूत्रों के माध्यम से विदेशी मुद्रा की प्राप्ति के साक्ष्य पर इस नीति के अन्तर्गत आयात प्रतिपूर्ति के लिये पात्रता प्रदान करेगी।

(10) सम्बद्ध लाइसेंस प्राधिकारी को आयात के लिये आवेदनपत्र विदेशी मुद्रा में भुगतान की प्राप्ति के बाद निर्धारित

अवधि के भीतर भेजने चाहिए। लेकिन, ऐसे मामलों में आयात प्रतिपूर्ति बिक्री की तिथि से सम्बन्धित होगी। आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित वस्तावेज होने चाहिए :-

- (1) आवेदनपत्र शुल्क के लिये निर्धारित धनराशि की बैंक रसीद/दर्शनी हज़ुमी,
- (2) बेंची गई मर्दों, भारतीय रुपये में उनका मूल्य, विदेशी पर्यटकों के व्यौरों, उनके पासपोर्टों की संख्या, भुगतान के तरीके और विदेशी मुद्रा यात्री बैंकों की धनराशि का पूर्ण विवरण देते हुए बिक्री घाउचरों की तीन प्रतियां; और
- (3) यात्री बैंक के आधार पर विदेशी पर्यटकों का की गई बिक्री से विदेशी मुद्रा की प्राप्ति का साक्ष्य देते हुए मूलरूप में बैंक प्रमाणपत्र।

सम्भावित निर्यातों की कुछ श्रेणियों के लिए आवेदन पत्र भेजने की प्रक्रिया

335. (1) नीचे (3) में बताए गए आयात प्रतिपूर्ति लाइसेंसों के मामले में आवेदन-पत्र सम्बद्ध क्षेत्रीय लाइसेंसिंग प्राधिकारियों को दिए जाने चाहिए।

2. आवेदन-पत्र प्राप्त किए गए भुगतान के आधार पर मासिक, त्रैमासिक अथवा अर्ध-वार्षिक निर्धारित अवधि के अन्तर्गत भेजे जाने चाहिए। लेकिन, आयात प्रतिपूर्ति की गणना माल भेजने की तारीख से की जाएगी जो कि निर्यात करने की तिथि मानी जाएगी, परन्तु पंजीकृत संविदाओं के मामले में यह तिथि लागू नहीं होगी इसके लिए संबंधित परन्तुक लागू होंगे।

(3) आयात आवेदन-पत्र परिशिष्ट-14च में दिए गए निर्धारित प्रपत्र में दिए जाने चाहिए। आई बी आर डी/आई डी ए/द्विपक्षीय/बहुपक्षीय सहायता प्राप्त परियोजनाओं के मद्दे भारत में किए गए माल के मामले में और संयुक्त राष्ट्र संघ और तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग/जी ए आई एल/आयल इंडिया लिमिटेड को स्वतंत्र विदेशी मुद्रा में किए गए भुगतान के मद्दे (1) प्रपत्र-1 में परियोजना प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए भुगतान का एक प्रमाण-पत्र, (2) परियोजना प्राधिकारी द्वारा विधिवत अधिप्रमाणित बिक्री बीजक और (3) प्रपत्र-2 में आवेदक द्वारा दी गई वचनबद्धता, के साथ समर्थित होनी चाहिए।

4. जिन मामलों में परियोजना प्राधिकारी ने आंशिक रूप में भुगतान किया है, लेकिन आवेदक ने अपना आवेदन-पत्र पूर्ण-रूपेण किए गए संभरण के मद्दे भेजा है, तो लाइसेंस प्राधिकारी आवेदक के दावे पर केवल उसी सीमा तक विचार करेगा जिस सीमा तक भुगतान प्राप्त किया गया है। परियोजना प्राधिकारी के पूर्ण भुगतान करने के पश्चात्, आवेदक को प्राप्त किए गए शेष भुगतान के संबंध में परियोजना प्राधिकारी से एक और प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना चाहिए जिसके आधार पर लाइसेंस प्राधिकारी आवेदक को यथा अनुमय सम्पूर्ण प्रतिपूर्ति लाइसेंस जारी करेगा।

5. भारत में संयुक्त राष्ट्र संगठनों अथवा अन्य बहु-राष्ट्रीय एजेंसियों को किए गए संभरण अथवा अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता बोली के मद्दे भारत में किए गए संभरण, जिसके लिए स्वतंत्र विदेशी मुद्रा में भुगतान प्राप्त किया जाता है, के संबंध में आवेदन पत्र भुगतान प्राप्त करने के पश्चात् मासिक, त्रैमासिक अथवा अर्ध-वार्षिक के आधार पर निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत दिया जा सकता है। लेकिन, आयात प्रतिपूर्ति की गणना उस पंजीकृत संविदा को छोड़कर जिसके लिए सम्बद्ध परन्तुक लागू होगा, संभरण की तारीख को लागू दर पर की जाएगी जो कि निर्यात की तारीख मानी जाएगी। आयात आवेदनपत्र निर्धारित प्रपत्र में निम्नलिखित के साथ भेजे जाने चाहिए:-

- (1) खरीददार एजेंसी द्वारा विधिवत् प्रमाणित बीजक
- (2) आवेदक द्वारा इस संबंध में प्रपत्र 2 परिशिष्ट-14च में वचनबद्धता
- (3) इस संबंध में आवेदक द्वारा प्रपत्र 3 परिशिष्ट-14च में एक घोषणा
- (4) इस संबंध में प्रपत्र 4 परिशिष्ट-14च में खरीददार एजेंसी का प्रमाणपत्र
- (5) प्रपत्र 5 परिशिष्ट-14च में प्राप्त भुगतान के संबंध में बैंक प्रमाण-पत्र

6. भारत में की गई आपूर्ति के संबंध में आयात प्रतिपूर्ति की गणना जहाज पर निशुल्क मूल्य के बजाए रेल पर निशुल्क मूल्य (समीपवर्ती रेलवे स्टेशन) के आधार पर की जाएगी।

7. यह प्रक्रिया आयात-निर्यात नीति, 1985-88 (खण्ड-1) के पैरा 190 (ख), (ड), (च) और (झ) में निहित "संभावित निर्यातों" के लिए लागू है।

फिल्मों (अभिधीर्षित) का निर्यात

336. मिनेमाटोग्राफिक (अभिधीर्षित) फिल्मों, टी. वी. फिल्मों, समाचार फिल्मों और मूक समाचार फोटों के निर्यातकों को निम्नलिखित दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे :-

- (क) विदेशी मुद्रा की वसूली प्रदर्शित करते हुए और निर्यातित माल के व्यौर निविष्ट करते हुए परिशिष्ट 14घ अनुबंध 3 में दिया गया बैंक प्रमाण-पत्र। निर्यातक जहां अग्रिम/अग्रदाय लाइसेंस प्राप्त करता है वहां निर्यात आभार पूर्ण करने के साक्ष्य में निर्धारित प्रपत्र में बैंक प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना चाहिए।
- (ख) बैंक द्वारा विधिवत् सांख्यिकित बीजक।

निर्यात नाभारों का समेकन

337. जिन मामलों में मान्यता प्राप्त नाभार के माध्यम से निर्यातों के लिए अलग-अलग निर्यात प्रेषणों का समेकन किया जाता है उन में इस सम्बन्ध में निर्यातकों द्वारा अपनाई जाने वाली क्रियाविधि परिशिष्ट 14-नट में दी गई है।

निर्यात उत्पादों का वर्गीकरण/पुनः वर्गीकरण

338. निर्यात उत्पादों का वर्गीकरण/पुनः वर्गीकरण के लिए मूलाव पूर्ण औचित्य, आयात प्रतिपूर्ति की दर के सम्बन्ध में

समर्थक आंकड़े और उत्पाद के विनिर्माण में उपयोग के लिए अपेक्षित आयातित सामग्री के साथ सम्बद्ध निर्यात संवर्धन परिषद/पण्य वस्तु बोर्ड के माध्यम से मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात (इ. पी. सेल.), नई दिल्ली को भेजे जा सकते हैं।

बाण्ड/विधिक करारों का निष्पादन

339. (1) अग्रिम अथवा अग्रदाय लाइसेंस के मद्दे प्रथम प्रेषण की स्वीकृति में पूर्व या अग्रिम/अग्रदाय रिलीज आदेश के मद्दे माल की पूर्ति प्राप्त करने से पूर्व, जैसा भी मानला हो, लाइसेंसधारी को निर्धारित निर्यात आभार पूरा करने के लिए लाइसेंस/रिलीज आदेश का लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य (या क्षेत्र बांगी कर के समतुल्य धनराशि के लिए, इनमें से जो भी अधिक हो) के 50 प्रतिशत (लघु क्षेत्र में विनिर्माता-निर्यातकों के मामले में 25 प्रतिशत) के समतुल्य धनराशि के लिए निर्धारित प्रपत्र में बैंक गारन्टी के साथ एक बाण्ड निष्पादन करना अपेक्षित होगा। अग्रिम लाइसेंसों के संबंध में, बाण्ड प्रपत्र और विधिक करार का प्रपत्र इस पुस्तिका के परिशिष्ट 16-ग एवं घ में दिया गया है। अग्रदाय लाइसेंस के संबंध में, बाण्ड प्रपत्र और विधिक करार का नमूना इस पुस्तिका के क्रमशः परिशिष्ट 17-ब और परिशिष्ट 17-ग में दिए गए हैं।

(2) विनिर्माता-निर्यातक जो पिछले दो वित्तीय वर्षों के दौरान निर्यात निष्पादन रखते हैं, को अग्रिम लाइसेंसों के संबंध में दिये सीमा-शुल्क इयूटी के 25 प्रतिशत के लिए बैंक गारन्टी के साथ बाण्ड की सुविधा दी जाए। इसी प्रकार, विनिर्माता-निर्यातक जो 2 वर्ष की न्यूनतम अवधि के लिए पहला निर्यात निष्पादन रखते हैं, को अग्रिम लाइसेंसों के संबंध में दिये सीमा-शुल्क इयूटी के 50 प्रतिशत के लिए बैंक गारन्टी के साथ बाण्ड की सुविधा की अनुमति दी जाएगी।

(3) अपरिष्कृत हीरों के लिए अग्रदाय लाइसेंसों (डी. टी. सी. से भिन्न) के मामले में, पूर्व निर्यात निष्पादन न करने वाले विनिर्माता-निर्यातकों को लाइसेंसों के लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य के 25 प्रतिशत के लिए बैंक गारन्टी के साथ बाण्ड की सुविधा दी जाए। इसी प्रकार, अग्रदाय लाइसेंसों (डी. टी. सी. से भिन्न) के लिए पहले निर्यात निष्पादन न करने वाले व्यापारी निर्यातकों को लाइसेंस के लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य के 50 प्रतिशत के लिए बैंक गारन्टी के साथ बाण्ड की सुविधा दी जाए।

(*) अग्रिम लाइसेंसों के लिए लागू

340. संबंधित लाइसेंस प्राधिकारी निम्नलिखित मामलों में, बैंक गारन्टी के बदले विधिक (लीगल) करार स्वीकार कर सकते हैं :—

- (1) उन पंजीकृत निर्यातकों के मामले में जो पूर्वगामी तीन वित्तीय वर्षों से नियमित रूप से निर्यात कर रहे हैं;

(2) सार्वजनिक क्षेत्र में विनिर्माता-निर्यातकों के मामले में; और

(3) उन पंजीकृत निर्यातकों के मामले में जो डी. टी. सी. साइट होल्डर हैं और जिनका अग्रदाय डी. टी. सी. लाइसेंस जारी किए गए हैं।

नोट :—

(1) लाइसेंसों के मद्दे आयात किए जाने वाली मर्चों की किस्म और निर्यातक की पूर्व निष्पादन का ध्यान में रखते हुए उपर्युक्त पैरा 339 (1) के अनुसार और उस प्रकार के मामलों में भी जो उपर्युक्त पैरा 339 (2) और (3) और पैरा 340 में भी दिए गए हैं, लाइसेंस प्राधिकारी बैंक गारन्टी के साथ बाण्ड मांगने लिए स्वतंत्र होगा।

(2) नए निर्यातको अथवा उन निर्यातकों के मामले में जो संबंधित लाइसेंस प्राधिकारियों की संतुष्टी के लिए निर्यात व्यापार में नियमित रूप से स्थापित नहीं हैं, उपर्युक्त पैरा 339 (1) में विनिर्दिष्ट संपूर्ण मूल्य के लिए बैंक गारन्टी के साथ बाण्ड मांगने के लिए लाइसेंस प्राधिकारी स्वतंत्र होगा।

नार. इ. पी. हकदारियों के मद्दे पंजीगत माल का आयात।

341. नार. इ. पी. हकदारियों के मद्दे पंजीगत माल के आयात संबंधित प्रावधान इस पुस्तिका के अध्याय-3 में दिए गए हैं।

व्यापार विकास प्राधिकरण द्वारा पंकेज सेवाएं

342. व्यापार विकास प्राधिकरण द्वारा उसके शाहकों को दी गई पंकेज की सेवाओं के विवरण परिशिष्ट 14-ड में पुनः प्रस्तुत किए गए हैं।

निर्यात ठेके का पंजीकरण

343. निर्यातों की वृद्धि को स्थायी बनाए रखने के प्रयोजन से, ठेके के पंजीकरण के लिए एक स्कीम चलाई जा रही है। आयात-निर्यात नीति, 1985-88 (खंड-1) के परिशिष्ट 20 में इसके विवरण दिए गए हैं।

नार. इ. पी. लाइसेंसों के मद्दे शुल्क मुक्त आयात

344. नार. इ. पी. लाइसेंसों के मद्दे शुल्क मुक्त आयातों की नीति और प्रक्रिया, आयात एवं निर्यात नीति, 1985-88 (खंड-1) के परिशिष्ट 21 में दी गई है।

अध्याय—15**आयात-निर्यात पासबुक स्कीम**

345. आयात और निर्यात नीति, 1985-88 (खण्ड-1) के अध्याय 15 में आयात-निर्यात पासबुक स्कीम के सम्बन्ध में नीति एवं प्रक्रिया दी गई है।

अध्याय-16

कर मुक्त स्कीम

कर छूट स्कीम

346. कर छूट स्कीम के अंतर्गत लाइसेंसों की विभिन्न श्रेणियों के लिए आयात-निर्यात नीति 1985-88 में दी गई है।

347. कर छूट स्कीम के अंतर्गत लाइसेंसों के लिए आवेदन-पत्र उसमें निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुसार निम्नलिखित दस्तावेजों के साथ दी जानी चाहिए —

1. संबंधित पंजीकरण प्राधिकारी द्वारा जारी सी. एम. सी. की प्रमाणित प्रति।
2. संबंधित प्रायोजक प्राधिकारी द्वारा जारी किया गया पंजीकरण प्रमाण-पत्र की प्रमाणित प्रति।
3. संबंधित केन्द्रीय उत्पाद के अधीक्षक द्वारा आवेदन अथवा आनुषंगिक विनिर्माता(ओं), जैसा भी मामला हो, को जारी किये गये केन्द्रीय उत्पाद लाइसेंस की स्थापित प्रति छूट के अधीन कार्यरत किसी यूनिट संबंध में इस आशय का कि कारखाने ने केन्द्रीय उत्पाद विधि के अंतर्गत एक घोषणा दी है और इस घोषणा के अनुसार उल्लिखित उत्पाद उसके द्वारा विनिर्मित किये जाते हैं, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के संबंधित अधीक्षक से एक प्रमाण-पत्र।
4. आवेदन-पत्र शुल्क के भुगतान की अपेक्षित धन-राशि के लिए बैंक रसीद/डिमाण्ड ड्राफ्ट।
5. निर्यात आदेश तथा साथ पत्र, यदि कोई हो और जहां पर लागू हो, की प्रमाणित प्रति।

6. स्वतंत्र सनदी/लागत लेखाकार जो फर्म अथवा इसके सहयोगियों द्वारा नियोजित न हो, द्वारा प्रमाणित पिछले तीन वित्तीय वर्षों के दौरान निर्यात किए गए उत्पादों का व्योरा, मात्रा, अर्थात् पर्यन्त निःशुल्क मूल्य को दिखाने वाला एक विवरण।

7. इस पुस्तक के परिशिष्ट-16 में दिए गए प्रपत्र में नियत किए जाने वाले उत्पाद के लिए अपेक्षित प्रत्येक मद का विवरण, मात्रा और मूल्य दत्ते हुए स्वतंत्र व्यावसायिक सनदी इंजीनियर (अथवा उत्पादन के प्रभारी मुख्य तकनीकी अधिकारी/सनदी या लागत लेखाकार से एक प्रमाण-पत्र)।

348. लाइसेंसों को देने के लिए अथवा निर्यात आभार अधि-के विस्तार के लिए निर्धारित आवेदन-पत्रों के विभिन्न प्रपत्र इस पुस्तक के परिशिष्ट-16 में स. में दिए गए हैं।

349. कर छूट स्कीम के अंतर्गत किसी लाइसेंस में सम्मिलित निर्यात आभार को पूरा करने के लिए बाण्ड/विधिक करार भरने से संबंधित प्रावधान इस पुस्तक पैरा 339 एवं 340 में दिए गए हैं। निर्यात आभार को पूरा करने एवं बाण्ड/विधिक करार के विमो-चन के लिए साक्ष्य के रूप में लाइसेंसधारी को पंजीकृत निर्यातकों के लिए आयात-नीति के अंतर्गत निर्यात के मद्दे लाइसेंस वाले त्रही दस्तावेज प्रस्तुत करने अपेक्षित होंगे।

350. इस पुस्तक के परिशिष्ट-16 में और स. में बाण्ड और विधिक करार के प्रपत्र दिए गए हैं। कर छूट अधिकारी का प्रमाण-पत्र जो सीमा-शुल्क अधिसूचना दिनांक 5-4-1982 का एक भाग है, इस पुस्तक के परिशिष्ट-16 में दिया गया है। इस पुस्तक के परिशिष्ट 16 में और छ. में क्रमशः सनदी इंजीनियर एवं परि-ओजना प्राधिकारियों के प्रमाण-पत्रों के प्रपत्र दिए गए हैं।

अध्याय—17

अप्रदाय लाइसेंसिंग स्कीम

351. अप्रदाय लाइसेंसों के लिए आवेदन-पत्र परिशिष्ट-17-क में दिए गए निर्धारित प्रपत्र में सम्बन्धित लाइसेंस प्राधिकारियों को निम्नलिखित दस्तावेजों के साथ भेजे जाने चाहिए:—

- (1) सम्बन्धित पंजीकरण प्राधिकारी द्वारा जारी आर. सी. एम. सी. की फोटोस्टेट प्रतित।
- (2) संबंधित प्रायोजक प्राधिकारी द्वारा जारी पंजीकरण प्रमाण-पत्र की फोटोस्टेट प्रतित।
- (3) आवेदन-पत्र शुल्क की अपेक्षित धनराशि के भुगतान की बैंक रसीद/डिमांड ड्राफ्ट।
- (4) निर्यात आदेश और साख-पत्र, यदि कोई हो और जहां कहीं लागू हो, तो उसकी फोटोस्टेट प्रतित।
- (5) स्वतन्त्र सनदी/लागत लेखापाल द्वारा जो फर्म अथवा उसके सहयोगियों द्वारा नियोजित नहीं है, पिछले-तीन वित्तीय वर्षों के दौरान निर्यातित उत्पादों की माल, जहाज पर निःशुल्क मूल्य और उसके व्यौरों को दिखाने वाला निधिवत सत्यापित विवरण।
- (6) जिन मामलों में निर्यात किए जाने वाले उत्पाद, आयात की मदों या आवेक्षित अप्रदाय लाइसेंस का मूल्य पूर्णरूपेण आयात एवं निर्यात नीति, 1985-88 के परिशिष्ट 17 के समरूप न हों, उनमें आयात के लिए अपेक्षित मदों और प्रत्येक मद की मात्रा और मूल्य की सूची निर्दिष्ट करते हुए स्वतन्त्र व्यवसायिक सनदी इंजीनियर (या उत्पादन के प्रभारी मुख्य तकनीकी अधिकारी/सनदी या लागत लेखापाल, जो भी हो) से एक प्रमाणपत्र।

- (7) आस्थपित भुगतान के आधार पर किए जाने वाले निर्यात के मामले में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अनुमोदित आस्थपित भुगतान की शर्तों की एक प्रतित।

352. महानिदेशक, तकनीकी विकास और वस्त्र मशीन विनिर्माता यूनियनों द्वारा साक्ष्यांकन सूची प्रक्रिया के शर्त के अधीन संघटकों के आयात के लिए 1985-88 की आयात और निर्यात नीति के अध्याय 5 में दिए गए प्रावधान लागू होंगे।

353. इस पुस्तक के परिशिष्ट 16-ख में अग्रिम लाइसेंस की विभिन्न श्रेणियों के सम्बन्ध में निर्यात आभार की वृद्धि के लिए आवेदन पत्र के लिए निर्धारित प्रपत्र को अप्रदाय लाइसेंसों के सम्बन्ध में निर्यात आभार की वृद्धि के लिए आवेदन पत्र के प्रयोजन के लिए उपयोग में लाया जा सकता है।

354. अप्रदाय लाइसेंस के अन्तर्गत आभार की पूर्ति के लिए बाण्ड/कानूनी करार के निष्पादन से सम्बन्धित प्रावधान इस विस्तृत के पैरा 339 एवं 340 में दिए गए हैं।

355. बाण्ड/कानूनी करार के निष्पादन के लिए और निर्यात आभार की पूर्ति के साक्ष्य के रूप में लाइसेंस के वही दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे जैसे कि आयात नीति के अंतर्गत पंजीकृत निर्यातकों द्वारा निर्यातों के प्रति प्रतिपूर्ति लाइसेंस प्राप्त करने के लिए प्रस्तुत करने होते हैं। ये निर्यात भी यदि कोई हो, निर्यात आभार को पूरा करने के लिए पूंजीगतमाल लाइसेंस पर आरापित अथवा औद्योगिक लाइसेंस या लाइसेंसधारी के लिए जारी विदेशी सहयोग की स्वीकृति पर स्वीकृत किए जाने वाले पात्र हैं।

356. इस प्रयोजन के लिए निर्धारित बाण्ड एवं कानूनी करार के लिए निर्धारित प्रपत्र इस पुस्तक के परिशिष्ट-17ख एवं ग में दिए गए हैं।

अध्याय—18

“स्वर्ण आभूषण निर्यात संवर्धन स्कीम”

357. 1985-88 की आयात तथा निर्यात नीति के परिशिष्ट-22 में स्वर्ण आभूषण के निर्यात से संबंधित पांच निर्यात संवर्धन स्कीमों दी गई हैं। 1985-88 की आयात तथा निर्यात नीति के परिशिष्ट-22 के अनुबंध-2 में प्रदर्शनियों में सोने के

आभूषण/वस्तुओं के निर्यात के मद्दे सोने की प्रतिपूर्ति का दावा करने के लिए निर्धारित प्रमाण-पत्र का प्रपत्र इस पुस्तक के परिशिष्ट-18 में दिया गया है।

अध्याय—19

शतप्रतिशत निर्यात अभिमुख यूनिट स्कीम

358. शतप्रतिशत निर्यात अभिमुख यूनिट स्कीम से सम्बन्धित नीति एवं प्रक्रिया आयात-निर्यात नीति, 1985-88 के परिशिष्ट-23 में दी गई है।

359. शतप्रतिशत निर्यात अभिमुख यूनिट के रूप में अनु-बन्ध है। शतप्रतिशत निर्यात अभिमुख यूनिट के रूप में अनु-

बन्धन के लिए निर्धारित आवेदन-पत्र का प्रपत्र इस पुस्तक के परिशिष्ट 19क में दिया गया है। अनुमोदित शतप्रतिशत निर्यात अभिमुख यूनिट द्वारा भर्गु जाने के लिए निर्धारित विधिक करार प्रपत्र इस पुस्तक के परिशिष्ट 19ख में दिया गया है।

अध्याय—20

मुक्त व्यापार क्षेत्रों में पंजीकृत निर्यातकों के लिए आयात नीति

360. मुक्त क्षेत्रों में पंजीकृत निर्यातकों के लिए नीति और प्रक्रिया, आयात-निर्यात नीति, 1985-88 के परिशिष्ट-15 में दी गई है।

361. घरेलू टैरिफ क्षेत्र के एककों द्वारा मुक्त व्यापार क्षेत्रों के एककों को किए गए संभरणों के मद्दे आयात प्रतिपूर्ति लाइसेंस की मांग करने के लिए निर्धारित आवेदनपत्र का प्रपत्र प्रस्तुत पुस्तक के परिशिष्ट-20 में दिया गया है।

अध्याय-21

निर्यात सदन/व्यापार सदन

362. 1985-88 की आयात-निर्यात नीति के अध्याय 21 में निर्यात सदनों और व्यापार सदनों से संबंधित आयात नीति और प्रक्रिया दी गई है।

363. इस पुस्तक के अध्याय 14 में दिए गए विभिन्न प्रावधान, आवश्यक परिवर्तनों सहित, निर्यात सदनों तथा व्यापार सदनों पर भी लागू होंगे। निर्यात सदनों और व्यापार सदनों को अपने आपको भारतीय निर्यातक संगठन संघ, नई दिल्ली के साथ पंजीकृत करवाना होगा, इसलिए उनका ध्यान इस पुस्तक के अध्याय 14 के पैरा 305 में दिए गए प्रावधानों की ओर दिलाया जाता है।

364. एक मान्यता प्राप्त निर्यात सदन या व्यापार सदन बनने के लिए/नवीनीकरण के लिए आवेदन पत्र इस पुस्तक के परिशिष्ट 21-क और 21-ख में दिए गए निर्धारित प्रपत्रों में किए जाने चाहिए। अतिरिक्त जाइसेंस के दावे हेतु आवेदन पत्र इस पुस्तक के परिशिष्ट 21-ग में प्रपत्र दिया गया है। इस पुस्तक के परिशिष्ट 21-घ में निर्यात/व्यापार सदनों द्वारा आयात किए गए माल के निपटान से संबंधित तिमाही रिपोर्ट प्रस्तुत करने का प्रपत्र दिया गया है।

अध्याय-22

उद्यमी व्यापारी निर्यातक

365. लघु उद्योग यूनिटों/कुटीर उद्योगों द्वारा विनिर्मित उत्पादों का निर्यात करने वाले उद्यमी व्यापारी निर्यातकों के वास्तविक विशेष सुविधाओं के संबंध में नीति एवं प्रक्रिया आयात-निर्यात नीति, 1985-88 के अध्याय 22 में दी गई है।

366. उद्यमी व्यापारी निर्यातकों द्वारा उनके जारी किए गए अग्रिम लाइसेंसों के मद्दे आयातित माल को अपने संपूरक विनिर्माताओं को जिनका माल उनके द्वारा निर्यात किया जा चुका है, निष्पादित करना होगा। यह वास्तविक उपयोक्ता शर्तों के अधीन होगा।

367. उद्यमी व्यापारी निर्यातकों द्वारा अग्रिम लाइसेंसों के मद्दे आयातित माल के निष्पादन को दिखाने वाले विवरण (1) मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय (निर्यात सदन सैल), नई दिल्ली, (2) सम्बन्धित क्षेत्रीय लाइसेंसिंग प्राधिकारी और (3) संपूरक विनिर्माताओं के संबंधित प्रायोजक प्राधिकारी जिनको आयातित माल सप्लाई किया गया है, भेजने होंगे। निर्यात/व्यापार सदनों के लिए इस समय इस पुस्तक के परिशिष्ट 21-घ में निर्धारित प्रपत्र को इस प्रयोजन के लिए उपयोग में लाया जाए। उपयोग में लाया जाए।

अध्याय-23

निर्यात लाइसेंस प्रदान करने की प्रक्रिया

निर्यातकों की श्रेणियाँ

368. लाइसेंस के लिए निर्यातकों को निम्नलिखित दो मुख्य श्रेणियों में बांटा गया है :—

- (1) सुस्थापित निर्यातक अर्थात् वे निर्यातक जिनके पास लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा दत्त स्वीकृत निर्धारित आधारभूत अवधि में विशेष प्रकार की पण्यवस्तु का निर्यात हो। आधारभूत अवधि एक पण्यवस्तु से दूसरी पण्यवस्तु के लिए बदलती रहती है।
- (2) नए व्यापारी अर्थात् वे व्यापारी जिनके पास निर्धारित आधारभूत अवधि में कोई निर्यात न हो, परन्तु विशेष क्षेत्र में या तो आधारभूत अवधि से बाहर निर्यातक के रूप में या सम्बन्ध पण्यवस्तु के आंतरिक व्यापार में व्यापारी के रूप में काफी अनुभव हो।

कोटा लाइसेंसिंग

369. (1) पण्य वस्तुएं जिनका निर्यात कोटा के आधार पर सुस्थापित निर्यातकों को अनुमति है, उनका उल्लेख आयात-निर्यात-नीति, 1985-88 खण्ड-11 में किया गया है। जहां ऐसी किसी पण्यवस्तु के लिए निर्यातक निर्यात कोटा लेने की इच्छा जाहिर करता है तो उसे ऐसी पण्यवस्तु के लिए "निर्धारित आधारभूत" विनिर्दिष्ट अवधि में से उस के द्वारा चुने गए एक वर्ष या एक वर्ष के किसी एक भाग के दौरान उस पण्यवस्तु के निर्यात को सिद्ध करना अपेक्षित है।

- (2) निर्यातक को यह स्वतंत्रता है कि वह निर्धारित आधारभूत अवधि में से अपने सर्वोत्तम वर्ष या उसके एक भाग, जैसा भी मामला हो, को चुने। आधारभूत अवधि के निर्यात के समर्थन में लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित साक्ष्य स्वीकार किए जा सकते हैं :—

(क) सदान बिल;

(ख) जहां सदान बिल उपलब्ध नहीं है, वहां सीमाशुल्क के मनीफेस्ट निकाली विभाग से प्रमाणपत्र;

(ग) उन मामलों में जहां निर्यात रेल या सड़क के जरिये किया जाता है वहां भूमि सीमा शुल्क अनुबन्ध की सत्यापित प्रतियाँ;

(घ) निर्यात बीजक; और

(ङ) डाक द्वारा निर्यात के मामले में डाक रसीद।
(जहां विदेशी ग्राहकों को, वसूली के उद्देश्य के लिए मूल डाक रसीद बैंकों द्वारा

भेजी जाती है तो सम्बन्ध बैंकों से प्रमाणपत्र, बीच साक्ष्य के रूप में स्वीकृत है)।

- (3) निर्यातक के कोटे की गणना सामान्यतः उसके "मूल निर्यात" के आधार पर की जाती है, लेकिन कुछ मामलों में जिनमें समता के विचार से वृद्धि कर दी गई है। वे समायोजन के अधीन होंगे जैसे निर्यात कोटे के लिए न्यूनतम और/या अधिकतम सीमा निर्धारण। कभी-कभी किसी पण्यवस्तु की सीमित मात्रा निर्यात के लिए रिहा की जाती है। ऐसे मामलों में प्रत्येक निर्यातक के कोटे का हिसाब तथानुपात के आधार पर लगाया जाता है, और निर्यात के लिए कुल रिहा की गई मात्रा पर किए गए निर्धारित निर्यात के प्रतिशत पर आकलन आधारित है।

- (4) अधिकतर मामलों में, निर्यात के लिए अनुबन्ध मूल्य या मात्रा के आकलन के लिए निर्धारित प्रतिशत की घोषणा कर दी जाती है। व्यक्तिगत निर्यातक के कोटे का हिसाब उसके मूल निर्यात के लिए निर्धारित प्रतिशत को ध्यान में रख कर लगाया जाएगा।

- (5) कुछ मामलों में जहां सुस्थापित निर्यातकों की संख्या, निर्यात के लिए उच्चतम निर्धारित सीमा की तुलना में अधिक है वहां कोटा समान ढर पर प्रदान किए जाते हैं।

- (6) उन मामलों में जहां कोटे का कम उपयोग हुआ हो या बिल्कुल उपयोग न हुआ हो, वहां मद अन्य निर्यातकों के लिए अनुमति देने के लिए सभ्य की जाती है और यह आवश्यक सभ्यी जाने वाली शर्तों के अधीन है।

- (7) कोटे के मद्दे जिन मदों के निर्यात के लिए लाइसेंस दिया जा सकता है, उनके लिए आवेदन-पत्र, परिशिष्ट-23क में निर्धारित प्रपत्र के अनुसार दिए जाने चाहिए। इसके साथ में जहाजरानी बिल, लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा प्रदत्त कोटा स्लिप और/या अन्य ऐसे दस्तावेज जो संगत व्यापार सूचनाओं की शर्तों के अनुसार भेजे जाने आवश्यक हैं या आवश्यक उन्हें भेजना आवश्यक समझता है, भेजे जाने चाहिए।

नए आगन्तुकों को लाइसेंस देना

370. यदि पहले से विद्यमान सुस्थापित निर्यातकों के कोटे की तुलना में निर्यात के लिए जब तक अनुमति मात्रा कम रहती है तो सामान्यतः नए व्यापारियों को निर्यात व्यापार में शामिल करने के लिए व्यवस्था करने का प्रयास किया जाता है। केवल ऐसी व्यापारिक संस्थाएं, नव-आगन्तुक व्यापारी लाइसेंस के लिए आवेदन करने के लिए पात्र हैं जिनके

सम्बद्ध पण्यवस्तु की अच्छी जानकारी है तथा जो आर्थिक स्थिति आदि में मजबूत है। साधारणतः आर्यकों को विशेष अवधि के दौरान पण्यवस्तु के आंतरिक व्यापार में अपनी स्थिति सिद्ध करनी आवश्यक होती है। जो शर्तें एक व्यक्ति को पूर्ण करनी चाहिए और जिस तरीके से उसे अपने अनुभव को सिद्ध करना चाहिए उनकी घोषणा आवेदन पत्र मांगते समय कर दी जाती है। सनदी लेखापालों, जो कि प्रार्थी फर्म या उसकी सम्बद्ध शाखाओं में भागीदार, निदेशक या कर्मचारी नहीं हैं द्वारा क्रय एवं विक्रय को प्रमाणित करते हुए प्रमाण-पत्र साक्ष्य के रूप में स्वीकार किए जाते हैं। कभी-कभी प्रदत्त बिक्री-कर की रसीदों को साक्ष्य के लिए मांगा जाता है। इसके अतिरिक्त, नए आगन्तुक आवेदक के लिए यह आवश्यक है कि लाइसेंस प्राधिकारी के पास पहले से ही उसके द्वारा विदेशी खरीददारों के साथ तय की गई बिक्री संचिदा प्रस्तुत करते हुए, वह निर्यात व्यापार में शामिल होने की अपनी योग्यता सिद्ध करे।

371. नए व्यापारियों को निर्यात के लिए आवेदनपत्र परिशिष्ट-23क में दिए गए प्रपत्र में देने चाहिए। इसके साथ जहाजरांनी बिल और/या ऐसे अन्य दस्तावेज जो संगत व्यापार सूचना की शर्तों के अधीन भेजे जाते हैं या आवेदक द्वारा आवश्यक समझे जाते हैं, संलग्न होने चाहिए।

सरणीबद्ध निर्यात

372. निर्यात की कुछ मर्दें सरणीबद्ध अभिकरण अर्थात् राज्य व्यापार निगम या अन्य मान्यताप्राप्त अभिकरण/संगठन के माध्यम से निर्यात की जाती हैं। ऐसी मर्दों की सूची और ऐसे मनोनीत अभिकरण, के लिए 'वर्तमान' आयात-निर्यात-नीति (खण्ड-2) के भाग-2 की अनुबन्ध-1 में दिए गए हैं। इन मर्दों के लिए निर्यात की अनुमति केवल सम्बन्धित सरणीबद्ध अभिकरणों के माध्यम से ही दी जाएगी। इन मर्दों के सम्बन्ध में जिस मात्रा तक निर्यात की अनुमति दी जा सकती है और उनसे सम्बन्धित अन्य जो ध्याते हो सकते हैं उनका निश्चय सरकार द्वारा समय-समय पर किया जाता है। इसलिए, इस सम्बन्ध में सरणीबद्ध करने वाले अभिकरणों के संचालन सरकार द्वारा उनको दिए जाने वाले ऐसे निदेशों के अधीन है।

खुला सामान्य लाइसेंस

373. खुला सामान्य लाइसेंस जब तक वैध है, उसके अधीन आने वाली मर्दें, लाइसेंस की औपचारिकता के बिना ही उसमें अनुमति सभी गन्तव्य स्थानों को निर्यात की जा सकती है।

374. इस समय निम्नलिखित चार खुले सामान्य लाइसेंस लागू हैं और उनका मूल पाठ वर्तमान आयात-निर्यात नीति पुस्तक 1985-88 (खण्ड-2) में निहित है —

- (क) खुला सामान्य लाइसेंस संख्या-1 निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1977 के लिए अनुसूची-1 में शामिल किसी भी शाल का जिसका परीक्षण ट्रांजिट ट्रेफिक नियंत्रित करने के लिए निर्धारित क्रियाविधि के अंतर्गत किया जाता है, तो भारत के निकटवर्ती किसी भी देश जिसकी कोई भी समुद्री बंदरगाह नहीं है, को स्थल मार्ग से निर्यात करने के लिए लागू होता है।

(ख) खुला सामान्य लाइसेंस 2, वास्तविक मर्दों के निर्यात के लिए लागू होता है।

(ग) खुला सामान्य लाइसेंस 3 उन मर्दों की सूची दर्शाता है जो प्रत्येक मर्द के सामने कालम 4 में दर्शायी गई शर्तों को पूर्ण करने पर निर्यात की जा सकती हैं; और

(घ) खुले सामान्य लाइसेंस 4 में उन मर्दों की सूची शामिल है जो प्रत्येक मर्द के सामने कालम 4 में उल्लिखित सरणीबद्ध अभिकरणों द्वारा सीधे ही निर्यात की जा सकती हैं।

सीमित स्वतन्त्र लाइसेंस बेना

375. जहां किसी पण्यवस्तु का निर्यात उच्चतम निर्धारित सीमा के भीतर नियंत्रित है या जहां व्यापार का कोई सुव्यवस्थित तरीका नहीं है, वहां निर्यात पहले आए सो पहले पाए के आधार पर अनुमय होगा। ऐसे मामलों में निम्नलिखित सिद्धान्त एवं प्रक्रिया लागू होगी :—

- (1) नीति घोषित करने हुए तथा उन लाइसेंस कार्यालयों को दर्शाते हुए जिनको ऐसे आवेदनपत्रों पर विचार करने के उद्देश्य में उपलब्ध उच्चतम निर्धारित सीमा नियत की गई है, एक सार्वजनिक सूचना/व्यापार सूचना जारी की जाएगी;
- (2) जब तक सार्वजनिक सूचना/व्यापार सूचना में अन्यथा रूप से नहीं दर्शाया गया हो, आवेदनपत्र सार्वजनिक/व्यापार सूचना के जारी होने की तिथि से 15 दिन के बाद प्राप्त किए जाएंगे;
- (3) परिशिष्ट 23क के प्रपत्र "ए. एक्स." में दिए गए सभी आवेदनपत्र जो सब प्रकार से पूर्ण होंगे और निर्धारित तिथि के प्रांत 10-30 और 1 बजे के बीच में प्राप्त किए जाएंगे उन्हें एक समान वरीयता प्राप्त होगी। ऐसे आवेदनपत्रों के साथ इस आशय का साक्ष्य होगी। ऐसे आवेदनपत्रों के साथ इस आशय का साक्ष्य होना चाहिए कि भारतीय निर्यातक आवेदक ने विदेशी खरीददारों का पण्यवस्तु खरीदने का प्रस्ताव आर्षित मात्रा के लिए स्वीकार कर लिया है, लेकिन यह केवल इस शर्त के अधीन होगा कि लाइसेंस उसके नाम से है;
- (4) नियमानुसार लाइसेंस प्राधिकारी आवेदनपत्र अस्वीकार करने के कारणों को लिखित रूप से रिकार्ड करेगा;
- (5) प्रत्येक निर्यातक को एक दिन में केवल एक आवेदन-पत्र देने की अनुमति होगी और इसकी साथ एक विदेशी श्रेता से केवल एक संचिदा भेजी जाएगी। प्रत्येक निर्यात आवेदन-पत्र के साथ निर्यातक इस सम्बन्ध में एका घोषणा-पत्र भी भेजेगा कि उसने उसी लाइसेंस अवधि के दौरान किसी अन्य लाइसेंस प्राधिकारी को उसी पण्य-वस्तु के लिए कोई निर्यात आवेदन-पत्र प्रस्तुत नहीं किया है। लाइसेंस प्राधिकारी उप-कडिवा (6) में निर्धारित शर्तों के अधीन पण्य-वस्तु से यथा अनुपात के आधार पर कोटे का आवेदन करेगा।

- (6) किसी भी पात्र आवेदक को एक दिन में सम्बद्ध कार्यालय को आवंटित उच्चतम निर्धारित सीमा के 10 प्रतिशत से अधिक की अनुमति नहीं दी जाएगी। यदि पहले दिन प्राप्त होने वाले आवेदनपत्रों के निपटान के बाद उच्चतम सीमा की कुछ मात्रा बच जाती है तो उस अगले दिन प्राप्त होने वाले नए आवेदनपत्रों के लिए रख लिया जाएगा, यह प्रक्रिया तब तक दोहराई जाएगी जब तक उच्चतम सीमा खत्म न हो जाए।
- (7) जारी होने की तिथि से 45 दिन की वैध अवधि के साथ, निर्यात लाइसेंस जारी करके निर्यात की अनुमति दी जाएगी;
- (8) वह सविदा जिसके मद्दे लाइसेंस जारी किया गया है, उसमें आने वाली मात्रा का वैध अवधि के भीतर पोतलदान किया जाएगा। निम्नलिखित परिस्थिति के सिवाय अन्य किसी भी हालत में समय की रियायत प्रदान नहीं की जाएगी —
- (क) लाइसेंस जारी करने वाला प्राधिकारी, लाइसेंस जारी होने के सात दिन के भीतर इस बात से संतुष्ट हो जाता है कि उक्त 45 दिन की अवधि के भीतर परीक्षण ले जाने के लिए कोई जहाज उपलब्ध नहीं है; या
- (ख) लाइसेंस की वैध अवधि के भीतर, पत्तन पर वह लाइसेंस प्राधिकारी जिसे परीक्षण दिया जाता है, संतुष्ट है कि प्रारम्भिक वैध अवधि के भीतर जहाज के पहचानने में विलम्ब हुआ है।
- दोनों ही स्थितियों में पोतलदान पूरा करने के लिए केवल 15 दिन तक की रियायत दी जाएगी। दूसरी बार रियायत नहीं दी जाएगी अर्थात् इसके बाद लाइसेंस स्वतः ही समाप्त हो जाएगा।
- (9) पोतलदान करने के बाद लेकिन पोतलदान के सात दिनों की अवधि के भीतर प्रत्येक लाइसेंसधारी लाइसेंस जारी करने वाले लाइसेंस प्राधिकारी को वास्तव में किए गए पोतलदान की सूचना देगा। उस मामले में भी जहां पर लाइसेंस बिल्कल उपयोग में नहीं लाया गया है अथवा आंशिक उपयोग में लाया गया है, लाइसेंसधारी पोतलदान की तारीख से 7 दिनों के भीतर अथवा लाइसेंस की समाप्ति की तारीख को, जैसा भी मामला हो, सम्बद्ध लाइसेंस प्राधिकारी को स्थिति के बारे में अवगत कराएगा। ऐसा न करने पर लाइसेंस अवधि के लिए समय-समय पर यथा संशोधित निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1977 की धारा 5 (ख) के अधीन सीमित उच्चतम निर्धारित सीमा के अन्तर्गत अनुमये मद्दों का और आगे निर्यात करने के लिए निर्यात लाइसेंस प्रदान नहीं किया जाएगा।
- (10) पहले के लाइसेंस के मद्दे आवंटित कोई भी मात्रा जो उपर्युक्त कारणों से समाप्त हो गई हो, वह सम्बद्ध लाइसेंस कार्यालय को, उसी ढंग से पुन आवंटन के लिए उपलब्ध हो सकती है जैसा कि ऊपर निर्धारित किया गया है।

स्वतन्त्र रूप से लाइसेंस देना

376 जहां एक मद्द निर्यात के लिए स्वतन्त्र रूप से अनुमये है, परन्तु वह खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन नहीं आती है तो इच्छुक निर्यातक को सम्बद्ध जहाजरानी बिलो पर सम्बद्ध लाइसेंस प्राधिकारी से लाइसेंस पृष्ठांकन प्राप्त करना चाहिए। आवेदनपत्र परिशिष्ट-23क में दिए गए प्रपत्र में दिया जाना चाहिए।

तदर्थ लाइसेंस देना

377 (1) नए बाजारों के विकास के लिए और नए निर्यात उत्पादों के उत्पादन में घरेलू धनधो पर आधारित उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए छोटी मात्रा में निर्यातों के लिए आवेदनों पर कभी-कभी तदर्थ आधार पर विचार किया जाता है, चाहे ऐसी मद्दों का स्वदेशी उत्पादन कुछ हद तक सीमित क्यों न हो। एकत्र स्टाक की निकासी करने और निरन्तर उत्पादन बनाए रखने के लिए एक उद्योग या युनिट को समर्थ बनाने के लिए तदर्थ लाइसेंस प्रदान किया जाता है।

(2) ऐसी मद्दों के निर्यात के लिए आवेदनपत्र निर्धारित प्रपत्र में दिए जाने चाहिए और उसके साथ जहाजरानी बिल और/या अन्य ऐसे दस्तावेज जो मगत व्यापार संधनाओं की शर्तों के अनुसार भेजे जाने आवश्यक हैं या आवेदक उन्हें भेजना आवश्यक समझता है, भेजे जाने चाहिए।

निषेध से पूर्व की किए गए सीबे

378 (1) जब तक अन्यथा रूप से व्यवस्था नहीं की जाती, निषेध पूर्व (नियंत्रण से पूर्व सहित) निम्नलिखित सीबों के लिए साधारणतः निर्यात नियंत्रण के उद्देश्य के लिए मान्यता दी जाएगी —

(क) निर्यातक/निर्यात करने वाली फर्म के मामले में जहां पर एक विशिष्ट निर्यात आदेश के मद्दे विदेशी सरीददारी द्वारा परीक्षण के जहाज पर्यन्त नि शुल्क मूल्य के 100 प्रतिशत के बराबर एक अपरिवर्तनीय साक्ष पत्र सोला गया है और निषेध/नियंत्रण की तिथि से पूर्व भागत में अनुसन्धित बैंक द्वारा स्वीकृत किया गया है;

(ख) जहां पर अग्रिम धन प्राप्त कर लिया गया है अर्थात् कि;

(1) एक विशिष्ट निर्यात आदेश के मद्दे अग्रिम धन प्राप्त किया गया है और जो परीक्षण के जहाज पर निशुल्क मूल्य के 100% के बराबर है; और

(2) अग्रिम भगतान विदेशी मद्रा के प्राधिकृत व्यापारी के माध्यम से निषेध की तिथि को अथवा इस से पूर्व प्राप्त किया गया है।

सरकार उपर्युक्त बातों के होते हुए भी उपर्युक्त प्रावधानों के अंतर्गत न आने वाले किसी अन्य धावे को भी संमन्धित कारणों के आधार पर निषेध पूर्व के सीबों के रूप में मान सकती है।

(2) (निषेध से पूर्व की गई वचनबद्धताओं/निर्यात सविदाओं या नियंत्रण से पूर्व वचनबद्धताओं/सविदाओं) की प्रतियां सम्बद्ध व्यक्तियों द्वारा संबंधित क्षेत्रीय लाइसेंस प्राधिकारियों

का भंजी जानी चाहिए और इसके साथ में की गई वचन-बद्धताओं/संविदाओं के समर्थन में विश्वसनीय प्रलेखीय साक्ष्य भी भेजा जाना चाहिए। ये दस्तावेज सार्वजनिक/व्यापार सूचना सम्बन्ध पण्यवस्तु के निर्यातों पर लगाए गए प्रतिबंधों की घोषणा करने की अधिसूचना होने की तारीख से या जिस तारीख से इस प्रकार की पण्यवस्तु का निर्यात नियंत्रण के अधीन लाया गया हो, जैसा भी मामला हो, उस तारीख से 15 दिन की अवधि के भीतर रजिस्ट्री डाक से लाइसेंस प्राधिकारी को भेजे जाने चाहिए। सुनवाई केवल तभी की जाएगी यदि दस्तावेज समय पर वांछित कर दिए गए हों। लेकिन साक्ष्य प्रस्तुत कर देने से सम्बन्ध व्यक्ति को यह अधिकार नहीं मिल जाएगा कि वह निर्यात लाइसेंस या निर्यात की अनुमति अवश्य प्राप्त करेगा।

टिप्पणी :—प्रस्ताव किए जाने के बाद और दूसरी पार्टी द्वारा स्वीकृत हो जाने पर संविदा निर्णीत समझी जाएगी। आपस में स्वीकृत शर्तों के सम्बन्ध में यह सुस्पष्ट होना चाहिए अर्थात् यह निर्दिष्ट होना चाहिए कि इसके बाध्यकरण के संदर्भ में यह दोनों के लिए बाध्यकारी है।

379. जहाँ ऐसे साक्ष्य जैसा कि पैरा 378 में मांगे गए हैं, तार/टैलेक्स सन्देश की प्रकृति के हैं जिसमें प्रस्ताव या संविदा की स्वीकृति के ब्यौरे हों, तो निषेध से पूर्व वचन-बद्धता/निर्यात संविदा (या नियंत्रण से पूर्व की वचनबद्धता/संविदा) को प्रमाणित करने वाले विश्वसनीय साक्ष्य के साथ, उपयुक्त संदेश भेजने के तत्काल बाद संबद्ध लिफाफा जिस पर डाकखाने की मोहर लगी हो, के साथ संदेश की (पुष्टि करने वाली) डाक प्रति भी होनी चाहिए।

आवेदनपत्र का प्रपत्र

380. निर्यात लाइसेंस या जहाजरानी बिलों पर लाइसेंस पृष्ठांकन के लिए आवेदनपत्र निर्धारित प्रपत्रों में संगत दस्तावेजों के साथ दिए जाने हैं। ये प्रपत्र परिशिष्ट-23क में दिए गए हैं। आवेदक अपने टाइप किए हुए/साइक्लोस्टाइल्ड या मुद्रित प्रपत्रों का भी उपयोग कर सकता है।

आवेदनपत्र पर हस्ताक्षर करने वाले प्राधिकृत व्यक्ति

381. निर्यात लाइसेंस या जहाजरानी बिलों पर लाइसेंस पृष्ठांकन के प्रत्येक आवेदनपत्र स्वयं आवेदक द्वारा या उसके द्वारा विधिवत्/कानूनी तौर पर प्राधिकृत व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षरित होना चाहिए। आवेदनपत्र/दस्तावेज/प्रपत्र हस्ताक्षर करने वाले व्यक्ति द्वारा गृहीत स्थिति या ऐसे कानूनी प्राधिकार की प्रकृति उसमें स्पष्ट रूप से दी जानी चाहिए और इसके साथ उससे सम्बन्ध हैसियत के कार्यालय की मोहर भी होनी चाहिए। अन्यथा, लाइसेंस प्राधिकारी ऐसे आवेदनपत्रों, दस्तावेजों या प्रपत्रों पर कोई ध्यान नहीं देंगे। ये आवश्यकताएँ सरणीबद्ध अधिकारों को दिए गए आवेदनपत्रों के लिए भी लागू होंगी।

अपूर्ण आवेदनपत्र

382. जो आवेदनपत्र (1) निर्धारित प्रपत्र में नहीं है, (2) जिनके साथ आवश्यक निर्यात दस्तावेज मलगन नहीं है, (3) हस्ताक्षर करने वाले प्राधिकारी का ब्यौरा नहीं है, या (4) जो निर्धारित अन्तिम तिथि के बाद प्राप्त होते हैं, उन्हें एकदम अस्वीकार कर दिया जाएगा। आवेदकों में आशा की जाती है कि वे आवेदनपत्र के सभी कालम ठीक-ठीक एवं उचित तरीके से भरेंगे। यह निश्चय करने के लिए कि सभी जरूरतें पूर्ण हो गई हैं, व खिडकी पर प्रदान की जाने वाली सहायता प्रक्रिया से सहायता ले सकते हैं।

लाइसेंसों में संशोधन एवं परिवर्तन

383. लाइसेंसधारी द्वारा या किसी अन्य व्यक्ति के द्वारा माल के ब्यौरों में या परेषक या परेषिता के नाम में और लाइसेंस की शर्तों एवं अधिनियमों में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा। कोई भी अप्राधिकृत परिवर्तन लाइसेंस को अप्रभावी कर देगा और इसके अलावा अपराधी को दंडनीय भी घोषित करेगा। संशोधन या परिवर्तन के लिए आवेदनपत्र, लाइसेंस जारी करने वाले अधिकारी को भेजे जाने चाहिए।

आवेश प्राप्त करने और पुनः आयात करने के लिए भारतीय मूल के नमूनों का निर्यात

384. कुछ शर्तों एवं कुछ औषचारिकताओं के अनुपालन के अधीन आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 और सीमा शुल्क अधिनियम 1962, विदेशों का अनुमोदन प्राप्त करने के लिए भारतीय व्यापारियों द्वारा विदेश में भेजे गए या उनके द्वारा से जाए गए नमूनों के पुनः आयात की अनुमति प्रदान करते हैं। भारतीय व्यापारियों को पुनः आयात करते समय जो कठिनाइयाँ आती हैं, उनसे बचने की दृष्टि से भावी निर्वातकों को चाहिए कि वे विदेशों में नमूनों का निर्यात करने से पूर्व सीमा शुल्क/आयात व्यापार नियंत्रण प्राधिकारी से सम्पर्क करें और इसका सुनिश्चय करें कि निर्धारित की गई विभिन्न शर्तें पूर्ण कर दी गई हैं।

क्षेत्राधिकार

385. जब तक अन्यथा रूप से उल्लेख न किया गया हो, जो मर्च सामान्यतः अनुमोदित नहीं है या जिनका निर्यात गुणवत्ता के आधार पर अनुमोदित है, उन मर्चों के निर्यात के लिए आवेदनपत्र मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली को सम्बोधित किए जाने चाहिए। अन्य सभी निर्यातित मर्चों के निर्यात के लिए आवेदनपत्र, जिस पत्तन से निर्यात किया जाता है, परिशिष्ट-2ख में दिए गए लाइसेंस प्राधिकारी में से जो उनसे सम्बन्धित हो, किसी एक को सम्बोधित किए जाने चाहिए। उन पण्य वस्तुओं के मामले में जहाँ निर्धारित उच्चतम सीमा, एक या एक से अधिक विशिष्ट लाइसेंस प्राधिकारियों के अधिकार के अधीन होगी, इच्छुक निर्यातक इनमें से ऐसे किसी एक लाइसेंस प्राधिकारी को भी आवेदन कर सकते हैं। ऐसे मामलों में प्रत्येक आवेदनपत्र के साथ निर्यातक को इस संबंध में एक घोषणापत्र भी भेजना चाहिए कि उसने किसी भी अन्य लाइसेंस प्राधिकारी को उसी पण्यवस्तु के लिए (उसी लाइसेंस अवधि के लिए) आवेदन नहीं किया है।

नए सुस्थापित निर्यातकों को मान्यता एवं कोटे का हस्तांतरण (टी.क्यू.आर.)

386. (1) एक सुस्थापित निर्यातक; (1) एक व्यक्ति, (2) साझीदार संस्थी, (3) परिवार के व्यापार के सम्बन्ध में अविभाजित हिस्से परिवार का कर्ता, (4) एक लिमिटेड कम्पनी, तथा (5) कोई संघ या व्यक्तियों का निकाय हो सकता है। सुस्थापित निर्यातक में सम्बन्ध व्यापार के नाम में लाइसेंस प्रदान किए जाते हैं। जहाँ कहीं व्यापार के स्वामित्व, व्यवस्था या नाम में परिवर्तन होता है तब चूंकि वह सुस्थापित निर्यातक नहीं रहता है इसलिए लाइसेंस के लिए पात्र नहीं होगा। लेकिन, सार्वजनिक हित में और व्यापार को चालू रखने के लिए लाइसेंस प्राधिकारी आगे के पैरा में दिए गए प्रावधानों के अनुसार किसी व्यापार के संबंध में नए सुस्थापित निर्यातकों को मान्यता दे सकते हैं।

(2) जहाँ कहीं किसी सुस्थापित निर्यातक के व्यापार के नाम में बिना किसी परिवर्तन के, व्यापार के स्वामित्व या व्यवस्था में परिवर्तन होता है और नया स्वामी या पुनः सुस्थापित संस्था जैसा भी मामला हो, वास्तविक संस्था से संबंधित कोटे के पूर्ण रूप से प्राप्त कर होती है तो वास्तविक संस्था से सम्बद्ध कोटा नहीं संस्था को हस्तांतरित किया गया समझा जाएगा। नए संस्थान ऐसे कोटे के आधार पर निर्यात लाइसेंस प्राप्त कर लेता है, दावा अन्यथा रूप से स्वीकार नहीं। ऐसे मामले में टी. क्यू. आर. के लिए कोई आवेदनपत्र नहीं दिया जाना चाहिए। परन्तु परिशिष्ट-23 के अनुसार परिवर्तन की सूचना लाइसेंस प्राधिकारी को परिवर्तन की तिथि से 90 दिन के भीतर भेज देनी चाहिए। लाइसेंस के लिए अगले आवेदनपत्र में परिवर्तन की प्रकृति और किस तिथि से परिवर्तन किया गया है, उसका संकेत करते हुए नए संस्थान की व्यवस्था का भी सामान्य रूप से संकेत किया जाना चाहिए। जहाँ 90 दिन की अवधि समाप्त हो जाने पर परिवर्तन के बारे में सूचना भेजी जाती है तो परिवर्तन के बाव प्रथम लाइसेंस अवधि में आवेदक 25 प्रतिशत कटौती के लिए उत्तरदायी होगा। लेकिन, लाइसेंस प्राधिकारी यदि संतुष्ट है कि आवेदक के नियंत्रण के बाहर की परिस्थितियों के कारण विलम्ब हुआ था, तब वे विलम्ब को क्षमा कर सकते हैं।

(3) जहाँ व्यापार के स्वामित्व या व्यवस्था में परिवर्तन किए बिना सुस्थापित निर्यातक के व्यापार में परिवर्तन होता है, वहाँ टी.क्यू.आर. के लिए आवेदनपत्र देना आवश्यक नहीं है। सुस्थापित निर्यातक को सम्बद्ध लाइसेंस प्राधिकारी के पास आवश्यक परिवर्तन के लिए कोटा प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना चाहिए। उसके साथ नाम के परिवर्तन का शपथ-पत्र और यह स्वीकृति होनी चाहिए कि भविष्य में पुराने नाम से वह किसी लाइसेंस का दावा नहीं करेगा। जहाँ एक निजी लि. कम्पनी, मार्जिनल लि. कम्पनी बन जाती है या एक सार्वजनिक लि. कम्पनी निजी कम्पनी बन जाती है तो सम्बद्ध लाइसेंस प्राधिकारी को तथ्य बताए जाने चाहिए।

(4) जहाँ सुस्थापित निर्यातक के व्यापार के नाम के साथ साथ उसके स्वामित्व या व्यवस्था में भी परिवर्तन होता है, तब नहीं संस्था टी.क्यू.आर. अपने नाम में प्राप्त किए बिना मूल संस्थान के कोटे के आधार पर निर्यात लाइसेंस का दावा नहीं कर सकती। टी.क्यू.आर. के लिए आवेदनपत्र संबंध लाइसेंस प्राधिकारी को भेज जाने चाहिए।

(5) जहाँ सुस्थापित निर्यातक के व्यापार में स्वामित्व या व्यवस्था में परिवर्तन होता है और ऐसे परिवर्तन के परिणामस्वरूप मूल संस्था के कोटे का एक भाग अलग किया जाता है या मूल संस्था का कोटा विभाजित किया जाता है, कोटे के ऐसे पृथक्करण या विभाजन, जैसा भी मामला हो, के आवेदनपत्र सम्बद्ध लाइसेंस प्राधिकारी को दिये जाने चाहिए। यदि अलग किए जाने वाला कोटा किसी व्यक्ति के नाम में हस्तांतरित भी किया जाता है तो हस्तांतरक को भी सम्बद्ध लाइसेंस प्राधिकारी को टी.क्यू.आर. के लिए आवेदनपत्र देना चाहिए। ऐसे मामलों में नए स्वामी या पुनः स्थापित संस्था टी. क्यू. आर. प्राप्त किए बिना मूल संस्थापक के नाम के कोटे के आधार पर निर्यात लाइसेंस का दावा नहीं कर सकती।

(6) जहाँ सुस्थापित निर्यातक एक लिमिटेड कम्पनी है और कम्पनी किसी अन्य कम्पनी के साथ मिल गई है, नई कम्पनी के नाम के टी. क्यू. आर. के लिए आवेदनपत्र संबंध लाइसेंस प्राधिकारी को भेजे जाने चाहिए। इसके साथ संक्षम कोटे आवेदन या विनियम होने के अन्य माध्यम होने चाहिए।

टी.क्यू.आर. के लिए आवेदनपत्र

387. टी. क्यू. आर. के लिए आवेदनपत्र परिशिष्ट 23 के में दिए गए प्रपत्र (प्रपत्र सी. एक्स) में निर्धारित प्रलेखीय साक्ष्य के साथ दिया जाना चाहिए। पत्र के लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा ऐसे आवेदनपत्रों पर विचार करने के क्षेत्राधिकार परिशिष्ट-23 के में दिए गए हैं। सभी शाखाओं को शामिल करते हुए आवेदक के सम्बद्ध मुख्य कार्यालय द्वारा टी.क्यू.आर. के लिए आवेदनपत्र दिया जाना चाहिए और ऐसे आवेदनपत्र उस लाइसेंस प्राधिकारी को दिए जाने चाहिए जिसके क्षेत्राधिकार में मुख्य कार्यालय स्थित है।

388. उपर्युक्त पैरा 386 (6) और 387 की शर्तों के अनुसार दिए गए आवेदनपत्रों के साथ निम्नलिखित दस्तावेज होने चाहिए :—

- (1) किसी व्यक्ति की मृत्यु के मामले में मृत्यु प्रमाण-पत्र दिया जाना चाहिए;
- (2) किसी व्यक्ति के नाम पर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकार छोड़ने के मामले में अधिकार छोड़ने का शपथपत्र दिया जाना चाहिए;
- (3) यदि कोटे का हस्तांतरण का दावा वसीयत के आधार पर किसी वैध उत्तराधिकारी या उत्तराधिकारियों के नाम में किया जाता है तो आवेदनपत्र के साथ उक्त वसीयत और उसका इच्छापत्र या अन्य वैध उत्तराधिकारियों की सहमति का शपथ-पत्र होना चाहिए;
- (4) अलग होने वाली संस्था का साक्षीदारी संलेख;
- (5) यदि यह साक्षीदार संस्था है तो इसमें शामिल होने वाली संस्था का साक्षीदारी संलेख;
- (6) यदि व्यापार बेचा गया है तो दस्तावेजों के पंजीकृत के पास विधिवत् पंजीकृत हस्तांतरण पत्र प्रस्तुत करना चाहिए, यदि फर्म विघटित की गई है तो विघटन पत्र प्रस्तुत करना चाहिए;
- (7) जहाँ कोटे के परिकलन के लिए समान आधार वर्ष की अपेक्षा है तो आवेदनपत्र के साथ इस आशय का शपथपत्र होना चाहिए कि पार्टियाँ अलग होने वाली संस्था द्वारा किए गए व्यापार के आधार पर उन्हीं मद या उन्हीं की तरह की मदों के संबंध में कोटे की स्थापना के लिए समान आधार वर्ष का चुनाव करेंगी; और
- (8) अन्य दस्तावेज, जिस पर आवेदक अपने आवेदन-पत्र के समर्थन में निर्भर कर सकता है।

389. कोटे के हस्तांतरण/विभाजन के लिए आवेदक द्वारा आवेदनपत्र के साथ प्रस्तुत किया गया शपथपत्र प्रथम श्रेणी के मजिस्ट्रेट या नोटरी पब्लिक के सामने शपथ दिया हुआ होना चाहिए।

390. (1) नीचे के उप-पैरा (2) के प्रावधानों की शर्तों के अनुसार एक सुस्थापित निर्यातक कोटे से सम्बद्ध व्यापार को संपूर्ण रूप में हस्तांतरित करने के सिवाय और किसी रूप में हस्तांतरित नहीं कर सकते।

(2) यदि किसी सुस्थापित निर्यातक की दो या दो से अधिक शाखाएँ हैं और उनसे संबंधित प्रत्येक का कोटा अलग-अलग है तो ऐसे सुस्थापित निर्यातक के लिए यह स्वतंत्रता होगी कि वह किसी भी बाँच के व्यापार का उस बाँच के हिस्से के संपूर्ण कोटे के साथ अन्य शाखा को हस्तांतरित करेगा।

391. निम्नलिखित किस्म के मामलों में निर्यात लाइसेंसों के लिए दावा केवल उन्नीस महीने या महीने महीने के संबंध में समान मूल वर्ष पर परिगणित कोटों के मद्दे अलग होने वाली व्यापार सस्था द्वारा किए गए व्यापार (व्यवसाय) के आधार पर किया जा सकता है।

- (1) जहाँ कोई व्यक्तियों में अलग-अलग कोई हिस्से में कोटे को विभाजित और हस्तांतरित किया गया हो तो जिस व्यक्ति के नाम से कोटा हस्तांतरित किया गया हो, उसे समान आधार वर्ष चुनना होगा। लेकिन, जहाँ कोई व्यक्ति अपने नाम में हस्तांतरित किसी मद्द का कोटा प्राप्त करता है और उसके पास उसके द्वारा स्वयं किए गए अलग व्यापार की वजह से उसी मद्द का पहले से ही कोटा हो तो उसके लिए उसे यह स्वतंत्रता होगी कि वह उन्नीस महीने या उसी प्रकार की मद्दों के सम्बंध में दोनों कोटों के मिश्रित मूल्य पर लाइसेंस का दावा करे, चाहे कोटा प्रमाणपत्र अलग-अलग आधार वर्षों के क्यों न हों। यह प्रक्रिया दो लिमिटेड कम्पनियों के विलय के मामले में भी लागू होगी,
- (2) उपर्युक्त पैरा 390 (2) के अधीन आने वाले मामलों में हस्तांतरक और हस्तान्तर की उन्नीस मद्दों का या उसी प्रकार की मद्दों का समान आधार वर्ष चुनना होगा; और
- (3) इस पैराग्राफ में दिए गए प्रावधान उन मामलों में भी लागू होंगे जहाँ पार्टियों को टी. क्यू. आर. के आवेदनपत्र देने से मुक्त किया गया हो।

392. जहाँ इन प्रावधानों के अनुसार टी. क्यू. आर. के आवेदनपत्र दिए जाने हैं वहाँ सभी प्रकार से पूर्ण आवेदनपत्र, जैसा भी मामला हो, व्यापार के स्वामित्व, व्यवस्था या व्यापार के नाम में परिवर्तन की तिथि से 90 दिनों के भीतर सम्बद्ध लाइसेंस प्राधिकारी को भेजना चाहिए। लेकिन, लाइसेंस प्राधिकारी उचित मामलों में, इस प्रकार के आवेदन पत्र देने में हुए विलम्ब को माफ कर सकते हैं यदि ऐसे प्राधिकारी संतुष्ट हैं कि विलम्ब आवेदक के नियंत्रण के बाहर की स्थिति के कारण हुआ है। यदि दस्तावेजों पंजीकर्ता के पास पंजीकृत व्यापार के हस्तांतरण पर शाप करने में की गई औपचारिकताओं के कारण आवेदक, निर्धारित 90 दिन की अवधि में, सभी प्रकार से पूर्ण आवेदनपत्र देने में असमर्थ है तो हस्तांतरण पत्र की मसौदापत्र प्रति साथ में यह दिखाने के लिए भेज सकता है कि मूल दस्तावेज पंजीकरण के लिए जमा करवा दिए गए हैं और उसे इस आशय की त्वचनबद्धता देनी चाहिए कि विधिवत पंजीकृत मूल दस्तावेज, पंजीकरण के 15 दिन के भीतर भेज दिए जाएंगे।

393. जहाँ टी. क्यू. आर. के लिए आवेदनपत्र सभी प्रकार से पूर्ण है अर्थात् उपर्युक्त पैरा 388 में निर्धारित दस्तावेजों के साथ, व्यापार के स्वामित्व, व्यवस्था या नामों में परिवर्तन जैसा भी मामला हो, की तिथि 90 दिन के भीतर सम्बद्ध लाइसेंस प्राधिकारी को प्राप्त होते हैं या आवेदनपत्र सप्लाने में विलम्ब को लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा माफ कर दिया गया है

तो जैसा कि उपर पैरा 392 में उल्लिखित है, लाइसेंस की जिस अवधि में यह परिवर्तन हुआ है, उसी अवधि में हस्तांतरण कोटे के हस्तांतरण के लिए पात्र होगा। अन्य मामलों में, टी. क्यू. आर. उस लाइसेंस अवधि में प्रभावी होंगे जिस अवधि के दौरान टी. क्यू. आर. के लिए सभी प्रकार से पूर्ण आवेदन पत्र दिए गए हों। त्रुटिपूर्ण आवेदनपत्रों के मामलों में टी. क्यू. आर. उस अवधि से बंध होगा जिसमें उपर्युक्त पैरा 388 में निर्धारित दस्तावेज प्रस्तुत किए गए हों।

394. जहाँ आवेदक उपर्युक्त पैरा 388 में निर्धारित प्रपत्र में मूल दस्तावेज प्रस्तुत करने में असमर्थ हो, वहाँ टी. क्यू. आर. के आवेदनपत्र के समर्थन में उनकी फोटोस्टैट/प्रमाणित/सत्यापित प्रतियाँ प्रस्तुत कर सकता है। बाव में आवेदक मूल दस्तावेज यह दिखाने के लिए भेज सकता है कि फोटोस्टैट/प्रमाणित/सत्यापित प्रतियाँ ठीक हैं। ऐसे मामलों में टी. क्यू. आर. का लाभ उस तिथि से दिया जाएगा जिस तिथि को उक्त दस्तावेजों की फोटोस्टैट/प्रमाणित/सत्यापित प्रतियाँ प्राप्त हुई हों, यदि ऐसी तिथि से टी. क्यू. आर. अन्यथा रूप से स्वीकार्य हो।

395. लाइसेंस प्राधिकारी टी. क्यू. आर. के आवेदनपत्रों का विवेक निपटान करेंगे। यदि टी. क्यू. आर. के लिए सभी प्रकार से पूर्ण आवेदनपत्र एक मास के भीतर नहीं निपटाया जाता है तो लाइसेंस प्राधिकारी आवेदक को अन्तरिम जवाब भेजेंगे। यदि कोई आवेदक इस सीमित अवधि में अन्तरिम जवाब नहीं प्राप्त करता है तो वह सम्बद्ध निर्यात व्यापार नियंत्रण कार्यलय के जन-सम्पर्क अधिकारी के सामने इस मामले को रख सकता है या अपने आवेदनपत्र के निपटान में हुए विलम्ब का कारण जानने के लिए पृच्छा अधिकारी के माध्यम से सम्बद्ध अधिकारी से साक्षात्कार का समय ले सकता है।

396. जहाँ एक सुस्थापित निर्यातक ने लाइसेंस के लिए विधिवत आवेदनपत्र दिया हो, लेकिन, लाइसेंस प्रदान करने से पूर्व व्यापार के स्वामित्व या व्यवस्था या व्यापार के नाम में परिवर्तन हो जाता है तो लाइसेंस ऐसे आवेदनपत्र पर जारी किया जाएगा, यदि अन्यथा रूप से नए स्वामी या स्वामियों या नई स्थापित फर्म आदि को उनके सुस्थापित निर्यातक के रूप में मान्यता प्राप्त करने के पश्चात् स्वीकार्य हो, बशर्ते कि टी. क्यू. आर. की वैधता उपर्युक्त पैरा 393 के अधीन आती हो। लाइसेंस प्राधिकारी व्यापार के दौरान पुराने स्वामियों के गंके गए दावों के व्यापार के नए स्वामी (यों) या पुनः स्थापित उद्योगों आदि के नाम से लाइसेंस प्रदान करने पर विचार कर सकते हैं यदि अन्यथा रूप से स्वीकार्य हों, बशर्ते कि पार्टियों के बीच में समझौता या सपथपत्र या सपथ त्याग आदि के अंश का विशेष प्रावधान निहित हो।

397. यदि लाइसेंस प्राधिकारी संतुष्ट है कि आवेदक के नियंत्रण के बाहर की स्थितियों के कारण मान्यता का अनुमोदन और कोटे के अनुदान में विलम्ब हुआ है तो यह लाइसेंस प्राधिकारी की इच्छा पर होगा कि यदि आवेदन अन्यथा रूप में ठीक हो, तो अनुमोदन में पूर्व ही आवेदक को लाइसेंस प्रदान करें।

398. निम्न प्रकार के मामलों में सुस्थापित निर्यातक का कोटा रद्द हो जाएगा --

- (1) यदि सुस्थापित निर्यातक एक व्यक्ति है और विवाहिलया घोषित कर दिया जाता है; और

- (2) सुस्थापित निर्यातक एक लिमिटेड कम्पनी है जो अपने व्यापार के हस्तान्तरण की व्यवस्था किए बिना हों समाप्त हो जाती है।

399. निम्न प्रकार के मामलों में इन नियमों के लिए व्यापार के स्वामित्व में कोई परिवर्तन नहीं होगा:—

- (1) सार्वजनिक या निजी लिमिटेड कम्पनी में संचालकों या साझेदारों में कोई परिवर्तन नहीं होगा;
- (2) जब तक अन्यथा रूप से कर्ता की मृत्यु न हो जाए या सेवा निवृत्ति न हो जाए। जन्म या मृत्यु न हो जाए अविभाजित परिवार में कोई परिवर्तन नहीं होगा; और
- (3) सुस्थापित निर्यातक के व्यापार के पते का परिवर्तन।

400. कोई भी मामला जो उपर्युक्त पैराग्राफ के अधीन नहीं आता है, उस पर उसके अनुरूप नियमों के अनुसार निचार किया जाएगा।

401. उन मामलों में जहां पूर्वोक्त प्रावधानों के अधीन टी.क्यू.आर. के लिए आवेदनपत्र भेजना आवश्यक नहीं है, आवेदनपत्र के साथ परिशिष्ट 23ख में दिए गए प्रपत्र में घोषणा पत्र संलग्न होना चाहिए।

402. जहां नए सुस्थापित निर्यातकों को टी.क्यू.आर. के लिए आवेदनपत्र देने से छूट दी गई है, यदि अन्यथा रूप से स्वीकार्य है तो, उन्हें सामान्य रूप से नियमित लाइसेंस जारी किया जाएगा। तब, लाइसेंस के लिए अपने आवेदनपत्र में, व्यापार में हुए परिवर्तनों और किस तिथि से ये परिवर्तन हुए हैं, उनका उल्लेख करना होगा। यदि ऐसे मामलों में, किसी समय में दावा किए गए लाइसेंस या प्रदान किए गए लाइसेंस पर किसी व्यक्ति द्वारा आरोप लगाया गया हो तो लाइसेंस प्राधिकारी ऐसे आरोपों की जांच करने और दोनों पार्टियों से आवश्यक समर्थन देने वाले साक्ष्य मंगवाए जाएंगे। यदि जांच के परिणामस्वरूप, लाइसेंस प्राधिकारी यह पाता है कि सुस्थापित निर्यातक वह सारा कोटा या उसका कुछ भाग प्राप्त करने का हकदार नहीं है जिसके आधार पर वह टी.क्यू.आर. की मंजूरी के लिए बिना लाइसेंस का दावा कर रहा है तो सुस्थापित निर्यातक का कोटा तदनुसार कम किया जाएगा और गलत घोषणा दिए जाने और इन नियमों का उल्लंघन करने में दोषी पाई गई पार्टियों आयात-निर्यात नियंत्रण, अधिनियम और उसके अधीन जारी किए गए आदेशों के अन्तर्गत दण्ड की भागी होगी। ऐसे मामलों में, पार्टियों द्वारा पहले से प्राप्त लाइसेंस के बड़े हुए मूल्य/मात्रा को भी भविष्य में पार्टियों की किसी भी मद के कोटे में समायोजित किया जाएगा।

403. यदि उपर्युक्त पैरा 402 की शर्तों के अनुसार, सम्बद्ध लाइसेंस प्राधिकारी को सुस्थापित निर्यातक के व्यापार की व्यवस्था, स्वामित्व या व्यापार के नाम में परिवर्तन की तिथि से 3 मास की अवधि के भीतर आरोप लगाए जाते हैं और आपसिक-कर्ता पूर्ण कोटा या कोटे के हिस्से का हकदार पाया जाता है तो वह ऐसे कोटे को अपने नाम में हस्तान्तरण करने का हकदार होगा। यदि लाइसेंस प्राधिकारी संतुष्ट होता है कि आरोप लगाए जाने में क्लिष्टता निमित्त कर्ता के नियंत्रण में परे की स्थिति के कारण

हुआ है तो वह आरोप लगाए जाने में विलम्ब को माफ कर सकता है।

404. निम्नलिखित मामलों में टी.क्यू.आर. के आवेदन पत्र को रद्द करना लाइसेंस प्राधिकारी पर निर्भर होगा:—

- (1) यदि आवेदनपत्र या आवेदन के साथ संलग्न दस्तावेज त्रुटिपूर्ण है;
- (2) कि आवेदक द्वारा दिए गए साक्ष्य में कोई ऐसा की मान्यता या अनुदान सार्वजनिक हित में या व्यापार को जारी रखने के लिए नहीं है;
- (3) यदि लाइसेंस प्राधिकारी निर्णय लेता है कि कोटे का हस्तान्तरण/विभाजन हस्तान्तरण करने वाले के लेनदारों को पराजित करने के इरादे से मांगा गया है; और
- (4) रिकार्ड किए जाने वाले किसी भी अन्य कारणों के आधार पर।

405. जिन व्यक्तियों को सुस्थापित निर्यातक के रूप में मान्यता प्रदान की गई है और जिन्हें कोटा प्रदान किया गया है तो इस सम्बन्ध में निम्नलिखित बातें पाई जाने पर उन्हें सुनवाई का उचित जवाब प्रदान करने के बाद, लाइसेंस प्राधिकारी नए सुस्थापित निर्यातक को मान्यता और प्रदान किए गए कोटे से सम्बन्धित आदेशों को संशोधित कर सकता है या रद्द कर सकता है:—

- (1) कि कोटे की मान्यता और अनुदान के लिए आवेदनपत्र में कोई झूठी, धोखेबाजी या गुमराह करने की सूचना शामिल है;
- (2) कि आवेदक द्वारा दिए गए साक्ष्य में कोई ऐसा दस्तावेज शामिल है जो झूठा या जाली है या उसमें कोई हरे-फरे किया गया है;
- (3) कि आवेदक अपने आवेदनपत्र के मामले में कपट या छलपूर्ण व्यवहार के लिए दोषी है; और
- (4) किसी झूठी या गलत सूचना की वजह से या असावधानी से या गलती से कोटे की मान्यता दी गई है।

कोटा लाइसेंस का उपयोग करने की अनुमति

406. जहां एक सुस्थापित निर्यातक को निर्यात लाइसेंस प्रदान किया गया हो और लाइसेंस प्रदान करने के बाद किन्तु उपयोग करने से पूर्व सुस्थापित निर्यातक के व्यापार के स्वामित्व या व्यवस्था या व्यापार के नाम में परिवर्तन हो जाता है तो व्यापार का नया स्वामी या पुनः स्थापित उद्योग जैसा भी मामला हो, जिस लाइसेंस प्राधिकारी ने लाइसेंस जारी किया था या निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1977 की उपधारा 4(2) की शर्तों के अनुसार ऐसे प्राधिकारी द्वारा उसके नाम में प्राधिकृत किसी अन्य व्यक्ति से विधिकृत लिखित अनुमति प्राप्त किए बिना बिषयाधीन लाइसेंस का प्रयोग नहीं कर सकता। ऐसे मामलों में सम्बद्ध प्राधिकारियों से आवश्यक अनुमति प्राप्त करने के लिए आवेदन पत्र के साथ, प्रथम श्रेणी के मैजिस्ट्रेट या नोटरी पब्लिक के सामने शपथ-ग्रहण कर इस आशय का शपथपत्र संलग्न होना चाहिए कि वह उस व्यापार का असली अधिकारी है जिसके लिए उक्त लाइसेंस जारी किया गया था। इस सम्बन्ध में बाद

में पाए गए किसी भी गलत विवरण के परिणामस्वरूप की जान वाली कारवाही के लिए वह उत्तरदायी होगा।

कोटा विभाजन/हस्तान्तरण के परिणामस्वरूप दिया कोटा प्रमाणपत्र जारी करना

407. (1) नए स्वामी या पुनः स्थापित उद्यम में जैसा भी मामला हो, व्यापार के नाम में परिवर्तन किए बिना व्यापार के स्वामित्व या व्यवस्था में परिवर्तन होने पर टी. व्यू. आर. के लिए आवेदन पत्र नहीं देना है, मूल उद्यम के नाम कोटा प्रमाण-पत्र सम्बद्ध लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा उसमें परिवर्तन की प्रकृति और तिथि जिसमें परिवर्तन हुआ है का संकेत करते हुए पृष्ठांकित किया जाएगा।

(2) यदि व्यापार का नाम बदल जाता है तो सम्बद्ध लाइसेंस प्राधिकारी सुस्थापित निर्यातक के कोटा प्रमाणपत्र में प्रदर्शित व्यवसाय के नाम में परिवर्तन करते हुए कोटा प्रमाण-पत्र में संशोधन करेगा। जिस तिथि से परिवर्तन हुआ है उसका संकेत करते हुए कोटा प्रमाण पत्र पर एक पट्टांकन भी किया जाएगा।

(3) जहाँ कोटे का विभाजन किया गया हो वहाँ विघटित फर्म के नाम में आने वाले कोटा प्रमाणपत्र और उसके प्रतिपरीक्षित कर दिये जाएंगे और उनके नाम में कोटा हस्तान्तरित के भाग (घोचर) के अनुसार सम्बद्ध परवर्ती पट्टी के नाम में नए कोटा प्रमाण-पत्र जारी किए जाएंगे। जिस आदेश के अधीन सम्बद्ध निर्यात व्यापार नियंत्रण प्राधिकारी द्वारा विभाजन/हस्तान्तरण की अनुमति दी गई है, उसकी संख्या एवं तिथि दर्शाते हुए पुराने और नए कोटा प्रमाणपत्रों पर उनके प्रतिपरीक्षित पर उचित पृष्ठांकन किया जाएगा।

(4) उपर संकेतित परिवर्तन होने के तत्काल बाद ही संबंधित व्यक्ति को कोटा प्रमाणपत्र जारी करने वाले लाइसेंस प्राधिकारी के पास कोटा प्रमाणपत्र आवश्यक पृष्ठांकन/संशोधन के लिए भेजने चाहिए। उन मामलों में जहाँ नये स्वामी या पुनः-सुस्थापित उद्यम को, टी. व्यू. आर. के लिए आवेदन करना है, नए स्वामी या पुनः-सुस्थापित उद्यम को, जैसा भी मामला हो, सुस्थापित निर्यातक के रूप में मान्यता देने के बाद, तत्काल ही हर हालत में, 30 दिन से पूर्व कोटा प्रमाणपत्र आवश्यक पृष्ठांकन/संशोधन के लिये संबद्ध लाइसेंस प्राधिकारी को दिया जाना चाहिए।

पोतलदान की अवधि

408. जब तक कि अन्यथा निर्दिष्ट न किया गया हो, एक निर्यात लाइसेंस (पोत लदान बिल पर लाइसेंस पृष्ठांकन से भिन्ने) उसमें उल्लिखित माल के पोत लदान के लिए लाइसेंस के जारी होने की तिथि से तीन महीने की अवधि के लिए वैध होगा। लेकिन, उच्चतम सीमा व्यवस्था के अधीन जारी किया गया निर्यात लाइसेंस केवल 45 दिनों के लिए वैध होगा। लाइसेंस के मुद्दे पोललदान भारत में किसी भी पत्रन में किया जा सकता है, लेकिन प्रलेखन, पुनर्वर्धीकरण आदि के लिए निर्यातक को उस लाइसेंस प्राधिकारी को रिपोर्ट करनी होगी जिसने निर्यात लाइसेंस जारी किया है।

409. जब तक उसमें अन्य तिथि निर्दिष्ट न की जाए, पोत लदान बिलों पर लाइसेंस पृष्ठांकन के मामले में, माल के पोत लदान के लिए वैधता की अवधि एक महीना होगी।

जिन पड़ोसी देशों के साथ भारत रेलों द्वारा जुड़ा हुआ है, उनके किसी स्थान को रेल द्वारा बूझ किए गए माल परीक्षण के नियम की निर्णायक तिथि

410. जिन पड़ोसी देशों के साथ भारत रेलों द्वारा जुड़ा हुआ है उनके किसी स्थान को रेलवे के माध्यम से या कोई मान्य भेजा जाए तो निर्यात व्यापार नियंत्रण के नियंत्रण के लिए रेलवे रसीद की तिथि निर्यात की तिथि समझी जाएगी यद्यपि कि निर्यात लाइसेंस और मावपत्र रेलवे रसीद के जारी होने की तिथि को वैध हो। यदि माल परीक्षण की यात्रा के दौरान आर्डर पर अन्तिम भारतीय सीमा शुल्क जंक्शन पर सीमा शुल्क विभाग द्वारा निकासी कर देने तक निर्यात लाइसेंस और मावपत्र की वैधता समाप्त हो जाती है तो उसके पश्चात इन की वैधता समाप्त होने के कारण से माल परीक्षण को रद्द नहीं किया जाएगा। रेलवे रसीद जारी होने के बाद ऐसे माल के निर्यात पर लगाया गया कोई प्रतिबन्ध भी ऐसे माल परीक्षण पर लागू नहीं होगा।

पुनर्वर्धीकरण

411. उपर्युक्त पैरा 408 में उल्लिखित सीमित निर्धारित उच्चतम सीमा के अन्तर्गत निर्यात लाइसेंस जिसकी प्रारम्भिक वैधता अवधि 45 दिन की हो, के मामले में पोत लदान की वैधता की अवधि में कोई भी वृद्धि उन परिस्थितियों के अतिरिक्त नहीं की जाएगी जो नीति में दी गई है।

412. निर्यात लाइसेंस या पोत लदान बिलों पर लाइसेंस पृष्ठांकन के अन्य मामलों में वृद्धि के लिए आवेदन (यदि यह आवेदन अन्य सब प्रकार से वर्तमान निर्यात नीति के अनुरूप है) पर संबद्ध लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा तब विचार किया जा सकता है जब कि वह इस बात से सन्तुष्ट हो कि देश के भीतर पण्य-वस्तु की कीमत और संभरण की स्थिति संतोषजनक चल रही है और यह कि माल के पोत लदान में विलम्ब निर्यातक के नियंत्रण से बाहर के कारणों से हुआ था। ऐसे मामलों में प्रदान की गई वृद्धि एक समय में एक महीने से अधिक नहीं होगी और कुल मिला कर तीन महीने से अधिक नहीं होगी यद्यपि कि इस प्रकार प्रदान किया गया पुनर्वर्धीकरण जग लाइसेंस अवधि के समाप्त होने से 15 दिन से अधिक नहीं है जिस अवधि में निर्यात लाइसेंस जारी किया गया था या पोतलदान बिल पृष्ठांकित किया गया था। (लेकिन, यह उपबन्ध उन मामलों में लागू नहीं होगा जिनमें सम्बन्धित लाइसेंस अवधि के लिए निर्यात नीति में उससे बाद में आने वाली लाइसेंस अवधि में कोई परिवर्तन न हुआ)।

निर्यात प्रातिबन्धों से छूट

413. निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1977 के चैप 15 की व्याप्ति के भीतर आने वाले माल के लिये किसी निर्यात लाइसेंस की आवश्यकता नहीं है। सभी प्रकार के निर्यात सामान निर्यात नीति, 1985-88 (खंड-11) में परिभाषित सभी सामान लाइसेंस (नों) में शामिल माल के लिये किसी निर्यात लाइसेंस की आवश्यकता नहीं है।

वास्तविक निजी असबाब

414. जिन मर्दों के निर्यात के लिए सामान्यतः निर्यात लाइसेंस की आवश्यकता होती है और जिन्हें यात्री अपने निजी उपयोग के लिए या यादगार के रूप में भारत से बाहर ले जाना चाहते हैं, उनके लिए निर्यात लाइसेंसों के लिए आवेदन करने की कठिनाई से यात्रियों को बचाने के लिए कुछ रियायतें दी गई हैं।

415. बाहर जाने वाले यात्रियों के निजी वास्तविक असबाब, चाहे उनका निर्यात यात्रियों के साथ किया गया हो या उनके द्वारा भारत छोड़ने के 4 महीने पहले या बाद में निर्यात किया गया हो, निम्नलिखित व्यापार नियंत्रण प्रतिबंधों से मुक्त है। उप-वर्णित मामलों में सीमाशुल्क: समाहर्ता द्वारा उसके निजी विवेक से समय सीमा एक साल तक बढ़ाई जा सकती है।

416. यह रियायत केवल परिशिष्ट 23-घ में सूचीबद्ध उपयोग की गई या उपयोग न की गई वस्तुओं के लिए सूची में निर्धारित सीमा तक प्रतिबन्धित है बशर्ते कि वे वस्तु यात्री के निजी उपयोग के लिए हैं और अन्य पार्टियों को बिक्री या हस्तान्तरण के लिये न हों। यदि कोई यात्री ऐसी कोई वस्तु अपने साथ ले जाना चाहता हो जो परिशिष्ट 23-घ की सूची के क्षेत्र से बाहर है उसे पोत आरोहण के पत्तन या स्थल सीमा शुल्क चर्गी के सीमा शुल्क प्राधिकारियों से या साथ में न जाने वाले असबाब के मामले में निर्यात के पत्तन के सीमाशुल्क प्राधिकारियों से आवेदन करना चाहिये। सीमाशुल्क समाहर्ता अपने विवेक से निर्यात की अनुमति देने के लिए प्राधिकृत है। यदि परिशिष्ट 23-घ में निर्धारित मात्रा से अधिक मात्रा होगी तो इस सम्बन्ध में निर्यात लाइसेंस के लिए आवेदनपत्रों पर साधारणतः निर्यात व्यापार नियंत्रण प्राधिकारियों द्वारा किसी नियंत्रित वस्तु जैसे अनाज, दाल आदि वस्तुओं के अतिरिक्त के लिये विचार नहीं किया जायेगा।

पोत-भण्डार

417. विदेश में जाने वाले भारतीय जलयान और विदेशी जलयान जिन में भारतीय शिपिंग एजेंट हों और यात्रा के दौरान भारतीय पत्तनों से होकर जाएं तो कमींदल और यात्री दोनों के वास्तविक उपयोग के लिए पोतभण्डारगारों के रूप में जहाजरानी तथा परिवहन मंत्रालय, परिवहन विंग द्वारा भारत के राजपत्र दिनांक 2-8-1975 में प्रकाशित अधिसूचना एस. ओ. सं. 2473 के अनुसार निर्धारित अनुपात में (परिशिष्ट 23-ड में वर्णित) है। नियंत्रित खाद्य पदार्थ और रसद जैसे बेहू, आटा, चावल, दाल, वनस्पति तेल आदि ले जा सकते हैं। उपर्युक्त अनुपात के आधार पर मर्दों का निर्यात सीमा-शुल्क प्राधिकारियों द्वारा सीधे ही अनुमेष होगा।

डाक द्वारा निर्यात

418. उपहार के रूप में या वाणिज्यिक उद्देश्यों के लिये डाक पार्सल द्वारा माल का निर्यात पोस्टल नोटिस में 13, दिनांक 3-12-1973 की शर्तों के अनुसार नियंत्रित किया गया है। पोस्टल नोटिस परिशिष्ट 23-च में उद्धृत किया गया है।

419. पोस्टल नोटिस की व्याप्ति के भीतर आने वाली मर्दों को छोड़कर अन्य सभी मर्दों के निर्यात की अनुमति (दीक्षणी अफ्रीका, दीक्षणी-पश्चिमी अफ्रीका संघ को छोड़कर) चाहे उपहार के रूप में या वाणिज्यिक माल परीक्षण के रूप में निर्यात लाइसेंसों के बिना ही जायेगी।

420. पोस्टल नोटिस में शामिल वस्तुओं वाले पार्सलों का निर्यात तब तक अनुमेष नहीं है जब तक उपर्युक्त लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गये निर्यात लाइसेंसों में वे मर्द शामिल न हों। लाइसेंसों के लिए आवेदन पत्र परिशिष्ट 23-क में उद्धृत प्रपत्र बी. एक्स में देने चाहिए।

421. डाक पार्सल द्वारा या जलमार्ग या वायुमार्ग द्वारा भेजे गए वाणिज्यिक मर्दों वर्तमान आयात-निर्यात नीति, 1985-88 (खण्ड-11) के परिशिष्ट-1 में उद्धृत खुले सामान्य लाइसेंस 2 में शामिल हैं।

422. माल भेजने वाले का यह उत्तरदायित्व है कि वह यह सुनिश्चित करे कि जिस मामले में ऐसे लाइसेंस की आवश्यकता हो, तो उस मामले में पार्सल उचित निर्यात लाइसेंस में शामिल है, ऐसा न होने पर पार्सल वापस किया जा सकता है। पार्सल पहली बार में ही डाकघरों द्वारा स्वीकार कर लिया जाता है, तो इस बात की गारन्टी नहीं मिल जाती है कि निर्यात नियंत्रण की आवश्यकतापूर्ण पूरी कर ली गई है और डाक से भेजने की वजह से प्रतिपूर्ति या वापसी के लिये कोई भी बाधा स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

अनुज्ञापित/निष्पादन गारन्टी अधीन के वस्तुओं के निर्यात के रूप में फालतू पत्रों का निर्यात

423. (1) मशीनरी और उपस्कर के निर्यातकों को मशीनरी/उपस्कर के फालतू पत्रों को बढ़ाई के रूप में मुफ्त निर्यात करने की अनुमति तभी दी जाएगी जब कि वे निम्नलिखित शर्तों को पत्र करते हों :—

- (1) विषयाधीन फालतू पत्रों, मशीनरी और उपस्कर के विदेशी खरीददार को अनुज्ञापित/निष्पादन गारन्टी की अधीन के दायित्व संग्रहित किए जा रहे हों;
- (2) मुफ्त में संभरण किए जाने वाले फालतू पत्रों का कुल मूल्य निर्यातित मशीनरी/उपस्कर के जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य के 2.5% से अधिक न हो;
- (3) इस व्यवस्था के अधीन फालतू पत्रों का संभरण मुख्य उपस्कर के साथ या बाद में किया जा सकता है;
- (4) यदि मुख्य उपस्कर के साथ फालतू पत्रों का संभरण किया जाता है तो ऐसे फालतू पत्रों की निर्यात के बीजक, लदान बिल और जी-शोर-आई प्रपत्र में दर्शाया जाना चाहिए। निर्यातक द्वारा लाभ के लिए पत्र बही होगे। ऐसे फालतू पत्रों के भेजे जाने वाले बैंक प्रमाणपत्र में ऐसे फालतू पत्रों के व्यौरों को दर्शाना आवश्यक नहीं होगा,

(2) उन मामलों में जहाँ इस व्यवस्था के अधीन मुख्य उपस्कर/मशीनरी के निर्यात के बाद फालतू पूजों का संभरण किया जाता है, वहाँ निर्यातक इस संबंध में सीमाशुल्क प्राधिकारियों को साक्ष्य प्रस्तुत करेगा कि फालतू पूजों का संभरण अनूज्ञप्ति/गारंटी अवीध के दौरान किया जा रहा है। निर्यातक फालतू पूजों का निर्यात करते समय सीमाशुल्क प्राधिकारी को एक घोषणा-पत्र भी प्रस्तुत करेगा कि उसी मशीनरी/उपस्कर के संबंध में मुफ्त बदलाई में पहले से ही संभरण किए गए फालतू पूजों का और इस समय संभरण किए जा रहे फालतू पूजों का कुल मूल्य संबंध मशीनरी/उपस्कर के जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य के 2.5% से अधिक नहीं है।

(3) जहाँ मुफ्त में संभरण किए गए फालतू पूजों का मुख्य मुख्य उपस्कर के जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य के 2.5% से अधिक हो जाए वहाँ निर्यातक को भारतीय रिजर्व बैंक की पूर्व अनुमति प्राप्त करनी होगी। भारतीय रिजर्व बैंक से ऐसी अनुमति प्राप्त करते समय निर्यातक को यह भी चाहिए कि वह उम्मी

उपस्कर/मशीनरी के संबंध में पहले से ही मुफ्त में संभरण किए गए फालतू पूजों के मूल्य और निर्यात किए गए उपस्कर/मशीनरी के कुल लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य के बारे में भी भारतीय रिजर्व बैंक को बताए।

(4) निर्यातक के लिए ऐसे फालतू पूजों के निर्यात के लिए लाइसेंस प्राधिकारी से पूर्व अनुमति प्राप्त करनी तब तक आवश्यक नहीं होगी जब तक कि ऐसे फालतू पूजों के लिए निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1977 के अधीन एक निर्यात लाइसेंस की आवश्यकता न हो।

(5) उपर्युक्त व्यवस्थाओं के अन्तर्गत न आने वाले पूजों के निर्यात के लिए आवेदनपत्रों पर भी गुण बोध के आधार पर विचार किया जाएगा ताकि निर्यातक बिक्री के बाद सेवा/वारंटी आभार या विदेश में ली गई परियोजनाओं के निष्पादन से सम्बंध अपनी आवश्यकताओं को पूरा कर सकें। ऐसे मामलों में निर्यात के लिए दी गई अनुमति यथा उल्लिखित शर्तों के अधीन होगी।

परिशिष्ट

परीक्षण-1क

आयात और निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम

30 अप्रैल, 1979 तक यथा-संशोधित आयात और निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम—1947

यह अधिनियम आयात एवं निर्यात को निषिद्ध करने या नियंत्रित करने के लिए है, चूंकि आयात और निर्यात को निषिद्ध, प्रतिबंधित या अन्यथा नियंत्रित करने के लिए यह आवश्यक है।

इसलिए एतद् द्वारा यह अधिनियम बनाया जाता है :—

1. संक्षिप्त नाम, व्याप्ति, प्रारंभ और अवधि :—

- (1) यह अधिनियम, आयात और निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 कहलाएगा।
- (2) यह सम्पूर्ण भारत में लागू होगा।
- (3) यह 25 मार्च, 1947 से लागू होगा।

2. परिभाषा :—इस अधिनियम में जब तक संदर्भ में अन्यथा रूप से आवश्यक न हो :—

- (क) “न्याय प्राधिकारी” का अर्थ है खण्ड 1ट के अंतर्गत या उसमें विशिष्टकृत प्राधिकारी;
- (ख) “अपील प्राधिकारी” का अर्थ है, खण्ड-4-ड में उल्लिखित प्राधिकारी;
- (ग) “मुख्य नियंत्रक” का अर्थ है, मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात;
- (घ) “नियंत्रण आदेश” का अर्थ है इस अधिनियम के अंतर्गत बनाया गया या बनाया गया समझा जाने वाला नियंत्रण आदेश;
- (ङ) “सीमा शुल्क क्षेत्र” का अर्थ वही है जो सीमा शुल्क अधिनियम 1962 में उसके लिए दिया हुआ है;
- (च) “उप-मुख्य नियंत्रक” का अर्थ है, उप मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात;
- (छ) “आयात” और “निर्यात” का अर्थ है समझी जहाज, स्थल वाहन या हवाई जहाज द्वारा क्रमशः भारत में सामान लाना या बाहर भेजना;
- (ज) “प्राधिकार-पत्र” का अर्थ है एक ऐसा पत्र जिसमें लाइसेंसधारी को प्राधिकृत किया गया हो कि उस को प्रदान किए गए लाइसेंस के मद्दे उक्त पत्र में नामांकित किसी अन्य व्यक्ति को सामान के आयात करने की अनुमति दी जाए;

(फ) “लाइसेंस” का अर्थ है प्रदान किया गया एक लाइसेंस और इसमें किसी भी नियंत्रण आदेश के अंतर्गत जारी किया गया सीमा शुल्क निकासी पर-मिट भी शामिल है;

(झ) “निर्धारित” का अर्थ है इस अधिनियम के अंतर्गत बनाए गए नियमों द्वारा निर्धारित नियम;

(ट) “मान्यताप्राप्त अभिकरण” का अर्थ है वह अभिकरण जिसको आयातित माल के वितरण का कार्य मुख्य नियंत्रक, द्वारा सौंपा गया हो।

3. आयात और निर्यात को निषेध या प्रतिबंधित करने का अधिकार :—(1) केन्द्रीय सरकार राजपत्र में आदेश प्रकाशित करके निम्नलिखित सभी मामलों में या इन मामलों की विशेष श्रेणियों में यदि कोई हो तो और ऐसे अपवादों के अधीन निषेध करने, प्रतिबंधित करने या अन्यथा रूप से नियंत्रित करने के लिए शर्तें बना सकती है जो उस आदेश द्वारा या उस के अधीन बनाई जाए :—

(क) उल्लिखित प्रकार के माल का तट से आयात या निर्यात करना या पोत भण्डार के रूप में उसका लवान;

(ख) यदि उल्लिखित प्रकार का माल जहाज या वाहन जिसमें वह ले जाया जा रहा है उसमें से उतारने बिना भारत से बाहर ले जाया जा रहा हो तो उस भारत के किसी पत्तन या स्थान पर लाना।

(2) जिस माल पर उप-धारा (1) के अधीन कोई आदेश लागू होता हो उसका आयात या निर्यात सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 11 के अधीन निषिद्ध माना जाएगा और उस पर तदनुसार उपर्युक्त अधिनियम के सभी उप-बन्ध लागू होंगे।

(3) उपर्युक्त अधिनियम में उल्लिखित बातों के बावजूद भी केन्द्रीय सरकार राजपत्र में आदेश प्रकाशित करके भारत में आयातित किसी भी सामान या किसी विशेष श्रेणी के सामान की निकासी को निषेध कर सकती है, प्रतिबंधित कर सकती है या उस पर शर्तें लगा सकती है चाहे वह सामान घरेलू खपत के लिए हो या विदेश को लवान के लिए।

(4) वर्तमान आदेशों का जारी रहना :—भारत सुरक्षा नियमावली के नियम 84 के अधीन या आपात उपबन्ध (जारी रखने का) अध्यादेश 1946 (वर्तमान आदेश 1946 का 20 जारी रहना) के अधीन और इस अधिनियम के लागू होने से तुरन्त पहले लागू उक्त नियम के अधीन जारी किए गए सभी आदेश जिस सीमा तक वे इस अधिनियम के उपबन्धों से असंगत नहीं हैं उस सीमा तक लागू रहेंगे और उन्हें इस अधिनियम के अंतर्गत माना जाएगा।

(4क) लाइसेंस के लिए आवेदन करने और उसे जारी करने अथवा उसका नवीकरण करने की कीमत :—केन्द्रीय सरकार आदेश जारी कर के, उस आदेश में यदि किसी व्यक्ति या किसी श्रेणी के व्यक्तियों के संबंध में कोई छूट दी गई हो

तो उसे छोड़कर शेष मामलों में किसी आवेदन-पत्र के लिए या इस अधिनियम के अधीन दिए गए अथवा इस अधिनियम के अधीन जारी माने गए आवेदन के अधीन जारी किए गए या नवीकरण किए गए लाइसेंस के लिए फीस वसूल कर सकती है।

(4ख) प्रवेश और निरीक्षण करने के प्राधिकार :—

इस बार् में मुख्य नियंत्रक द्वारा लिखित रूप में प्राधिकृत किया हुआ कोई व्यक्ति या उसके अधीन कार्य करने वाला कोई अधिकारी जो उप मुख्य नियंत्रक के पद से कम का न हो, (उसे इसके बाद इस अधिनियम में "प्राधिकृत व्यक्ति" कहा जाएगा) वह किसी भी उचित समय पर ऐसे किसी भी स्थान में प्रवेश कर सकता है जहाँ :—

(1) ऐसा आयातित माल या सामग्री हो जिसे इस अधिनियम के अधीन जप्त किया जा सकता हो, या

(2) लेखा पुस्तक या दूसरा कोई दस्तावेज या चीजें, जो उसकी राय में, इस अधिनियम के अधीन कार्रवाई करने के लिए उपयोगी होंगे या उससे संबंध होंगे उन्हें छिपाकर रखने का सन्देह है तो वह ऐसे आयातित माल, सामग्री, लेखा पुस्तकों, दस्तावेजों और चीजों का निरीक्षण कर सकता है और यदि उचित समझे तो उन लेखा पुस्तकों या दस्तावेजों को निकल या उनसे उद्धरण ले सकता है।

4ग. तलाशी लेने का अधिकार :—यदि प्राधिकृत व्यक्ति को किसी कारणवश यह विश्वास हो जाए कि :—

(1) कोई आयातित माल या सामग्री, जिसे इस अधिनियम के अधीन जप्त किया जा सकता है, या

(2) कोई लेखा, पुस्तक, या दूसरे दस्तावेज या चीजें जो उसकी राय में, इस अधिनियम के अधीन कार्रवाई करने के लिए उपयोगी होंगी या उससे सम्बन्ध रखती होंगी, किसी जगह छिपाकर रखी हैं, तो वह ऐसे आयातित माल, सामग्री, लेखा पुस्तकों, दस्तावेज या चीजों की तलाशी लेने के लिए ऐसे स्थान या परिसर में प्रवेश कर सकता है और उसकी तलाशी ले सकता है।

4घ. आयातित माल या सामग्री को जप्त करने का अधिकार :—

(1) यदि प्राधिकृत व्यक्ति को किसी कारणवश यह विश्वास हो जाए कि इस अधिनियम के अधीन किसी आयातित माल या सामग्री को जप्त करना जरूरी है तो वह उस माल और सामग्री और यदि वे किसी पैकेज या कागज या बर्तन में हों तो उन्हें भी और यदि आयातित माल या सामग्री किसी दूसरे माल और सामग्री में मिला कर रखी हो तो उस माल और सामग्री को भी जप्त कर सकता है;

किन्तु यदि ऐसे माल या सामग्री को जप्त करना व्यावहारिक न हो, तो प्राधिकृत व्यक्ति माल या सामग्री के मालिक को आवेदन दे सकता है कि वह उस की पूर्वानुमति के बिना उस माल या सामग्री को न हटाए, न अलग करे या उसे अन्यथा न निपटाए।

(2) यदि उपधारा (1) के अधीन किसी माल या सामग्री को जप्त किया गया हो और उस माल या सामग्री

को जप्त करने के छः महीने के भीतर धारा 4ठ के अंतर्गत उनकी जल्दी का कोई नोटिस नहीं दिया गया हो तो जिस व्यक्ति से उस माल या सामग्री को जप्त किया गया है उस व्यक्ति को वह माल और सामग्री वापस की जाएगी।

किन्तु मुख्य नियंत्रक उपर्युक्त छः महीने की अवधि को पर्याप्त कारण होने पर ज्यादा से ज्यादा 6 महीने और बढ़ा सकता है।

(3) प्राधिकृत व्यक्ति ऐसे किसी भी दस्तावेजों या चीजों को जप्त कर सकता है जो उस की राय में इस अधिनियम के अधीन कार्रवाई करने के लिए उपयोगी होंगी या उससे सम्बन्धित होंगी।

(4) जिस व्यक्ति से उपधारा (3) के अधीन किसी दस्तावेज को जप्त किया जाएगा उस व्यक्ति को प्राधिकृत व्यक्ति की उपस्थिति में उन दस्तावेजों की प्रतिलिपियाँ बनाने या उनसे उद्धरण लेने की अनुमति दी जाएगी।

(5) जो व्यक्ति उपधारा (3) के अधीन जप्त किए गए दस्तावेज या दूसरी चीजों का कानूनी हकदार है उसे यदि प्राधिकृत व्यक्ति द्वारा उन दस्तावेज या चीजों को अपने पास रख लेने पर किसी कारण से आपत्ति हो तो उसे अपनी आपत्ति का कारण बताते हुए उन दस्तावेज और चीजों को लौटाने के लिए केन्द्रीय सरकार से आवेदन करना होगा।

(6) केन्द्रीय सरकार उपधारा (5) के अधीन आवेदन मिलने पर आवेदक को अपनी बात कहने का अवसर देगी और उस पर जो आवेदन देना उचित समझेगी वह आवेदन देगी।

(7) जहाँ :—

(क) किसी व्यक्ति ने कोई दस्तावेज पेश या प्रस्तुत किया हो अथवा किसी व्यक्ति की अभिरक्षा या नियंत्रण से इस अधिनियम या थोड़े समय के लिए लागू किसी दूसरे कानून के अधीन कोई दस्तावेज जप्त किया गया हो, अथवा

(ख) इस अधिनियम के अधीन किसी व्यक्ति के संबंध में अपराध के किसी आरोप की जांच करते समय भारत से बाहर किसी स्थान से (एसे प्राधिकारी या व्यक्ति द्वारा निर्धारित ढंग से विधिवत् अधिप्रमाणित) कोई दस्तावेज प्राप्त हुआ हो।

और जिस व्यक्ति ने वह दस्तावेज पेश किया हो या जिस व्यक्ति से वह दस्तावेज जप्त किया हो उस व्यक्ति के खिलाफ अथवा उसके साथ जिस व्यक्ति पर मुकदमा चल रहा हो या कार्रवाई की जा रही हो उस व्यक्ति के खिलाफ वह दस्तावेज प्रमाण के तौर पर प्रस्तुत किया जाए तो यथास्थिति अदालत या न्याय निर्णय करने वाला प्राधिकारी, उस समय लागू किसी भी दूसरे कानून में उसके विपरीत की गई व्यवस्था के बावजूद भी :—

(i) जब तक अन्यथा प्रमाणित न हो जाए यह मानेगा कि हस्ताक्षर और उस दस्तावेज का प्रत्येक अंश, जो किसी खास व्यक्ति के हाथ का लिखा प्रतीत होता है या जिसके बारे में अदालत या न्याय

करने वाला प्राधिकारी उचित कारणों से यह समझे कि वह हस्ताक्षर और हस्त-लेख किसी खास व्यक्ति का है, उस खास व्यक्ति की अपनी लिखावट में है और जो दस्तावेज लिखा या साक्ष्यांकित किया गया है उसके मामले में यह मानेगा कि जिस व्यक्ति द्वारा वह लिखा या साक्ष्यांकित किया गया प्रतीत होता है उसी व्यक्ति ने उसका निष्पादन और साक्ष्यांकन किया है,

- (2) यदि ऐसा दस्तावेज अन्यथा रूप से साक्ष्य में स्वीकार्य हो तो स्टाम्प लगे न होने पर भी उसे साक्ष्य में स्वीकार करेगा।

4क. वाहनों को रोकने और कब्जे में लेने का अधिकार :—

यदि किसी प्राधिकृत व्यक्ति को किसी कारणवश संदेह हो कि किसी ऐसे आयातित माल या सामग्री को, जो उसे अधिनियम के अधीन जब्त हो सकती है, ले जाने के लिए कोई वाहन या जानवर हस्तमाल किया जा रहा है या हस्तमाल किया जाने वाला है और उस प्रकार माल या सामग्री ले जाने से इस अधिनियम के किसी उपबन्ध का उल्लंघन हो रहा है या होने वाला है तो वह किसी भी समय ऐसे वाहन या जानवर को रोक सकता है अथवा यदि वह वाहन हवाई जहाज हो तो उसे जमीन पर उतरने को मजबूर कर सकता है; और

- (क) उस वाहन या उसके किसी भाग की छानबीन कर सकता है अथवा तलाशी ले सकता है;
- (ख) वाहन में या जानवर पर रखे माल या सामग्री की जांच कर सकता है और उसकी तलाशी ले सकता है;
- (ग) यदि किसी वाहन या जानवर को रोकना जरूरी हो तो वह उसके लिये सभी प्रकार के कानूनी तरीके अपना सकता है और यदि कानूनी तरीके विफल हो जाएं तो वाहन या जानवर पर गोली चला सकता है।

और यदि उसे इस बात का यकीन हो जाए कि इस अधिनियम के किसी उपबन्ध या किसी नियंत्रण आदेश अथवा किसी लाइसेंस या प्राधिकार-पत्र की शर्तों का उल्लंघन करने के लिये ऐसे वाहन या जानवर को कब्जे में लेना आवश्यक है तो वह उसे कब्जे में ले सकता है।

स्पष्टीकरण - इस धारा में जहां भी वाहन शब्द आया है वहां उसमें यदि संदर्भ से अन्यथा अभिप्रेत न हो तो हवाई जहाज, गाड़ी और जलयान शामिल हैं।

4घ. तलाशी और जब्ती दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 के अनुसार किए जाएंगे :— इस अधिनियम के अधीन जो भी तलाशी ली जाएगी और जब्ती की जाएगी उस पर तलाशी और जब्ती के सम्बन्ध में दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 के उपबन्ध, जहां तक हो सके, लागू होंगे।

4छ. अधिग्रहण : कोई भी आयातित माल या सामग्री जिस के सम्बन्ध में :—

(क) जिस लाइसेंस या प्राधिकार पत्र के अधीन आयात किया गया है उसमें उस माल या सामग्री के उपयोग या वितरण के संबंध में उल्लिखित किसी शर्त का, या

(ख) उक्त माल या सामग्री के उपयोग या वितरण के संबंध में जिन शर्तों पर वे किसी मान्यताप्राप्त एजेंसी से या उसके माध्यम से प्राप्त हुए हैं उनमें से किसी शर्त का, या

(ग) नियंत्रण के आदेश में उस माल या सामग्री की बिक्री के बारे में उल्लिखित किसी निर्देश का

उल्लंघन किया गया हो, या किया जा रहा हो या करने की कोशिश की गई हो तो उस माल या सामग्री को और साथ ही जिस पैकेज, कवरिंग या बर्तन में वे थे उस पैकेज, कवरिंग या बर्तन का अधिग्रहण कर लिया जाएगा और यदि वह माल या सामग्री किसी दूसरे माल या सामग्री के साथ इस तरह मिलाकर रखी हो जिससे उन्हें आसानी से अलग नहीं किया जा सकता हो तो उस दूसरे माल या सामग्री का भी अधिग्रहण कर लिया जाएगा;

किन्तु यदि यह प्रमाणित हो जाए और न्याय निर्णय करने वाले प्राधिकारी इस बारे में संतुष्ट हो कि इस अधिनियम के अधीन जिस माल या सामग्री का अधिग्रहण किया जा सकता है वह माल और सामग्री किसी व्यापार या उद्योग के लिये नहीं है बल्कि निजी उपयोग के लिये आयात किया गया था/की गई थी और वह उस व्यक्ति का नहीं है जिसके किसी कार्य या चक्र के कारण उसका अधिग्रहण किया गया है और उसने यह कार्य या चक्र उस व्यक्ति की जानकारी या सहमति के बिना की है जिसका कि यह माल या सामग्री है, तो न्याय निर्णय करने वाला प्राधिकारी अधिग्रहण का आदेश नहीं देगा; लेकिन जिस व्यक्ति के किसी कार्य या चक्र के कारण उस माल या सामग्री का अधिग्रहण किया जा रहा था उस व्यक्ति पर इस अधिनियम के अधीन कोई दूसरी कार्रवाई की जाएगी।

4ज. वाहन का अधिग्रहण :— इस अधिनियम के अधीन जिस आयातित माल या सामग्री का अधिग्रहण किया जा सकता है उस माल या सामग्री को ले जाने के लिए जो वाहन या जानवर हस्तमाल किया गया था, किया जा रहा है या करने की कोशिश की गई, उस वाहन या जानवर का अधिग्रहण कर लिया जाएगा, लेकिन यदि वाहन या जानवर का मालिक यह प्रमाणित करे कि स्वयं मालिक या उसके एजेंट की अथवा उस वाहन या जानवर के प्रभारी व्यक्ति की जानकारी या सहमति के बिना उसका हस्तमाल इस काम के लिये किया गया था, किया जा रहा अथवा किया जाने वाला था, और उनमें से प्रत्येक व्यक्ति ने वाहन या जानवर का इस तरह हस्तमाल होने के विरुद्ध सभी उचित पूर्वोपाय किए हैं, तो उस वाहन या जानवर का अधिग्रहण नहीं किया जाएगा;

किन्तु माल या यात्रियों को ले जाने के लिये हस्तमाल किए गए किराए के जानवर के मामले में वाहन या जानवर के मालिक को वाहन या जानवर के अधिग्रहण के बदले में, उस वाहन से जो आयातित माल या सामग्री ले जाई गई, ले जाई जा रही थी, या ले जाने की कोशिश की गई उसके मूल्य तक के बराबर जमा देने का विकल्प होगा।

4क. (1) ज़रूरी की बेचता :—जो व्यक्ति

- (क) किसी लाइसेंस या प्राधिकार पत्र के अधीन आमतौर पर किसी माल या सामग्री का उपयोग या इस्तेमाल उस लाइसेंस या प्राधिकार-पत्र की शर्तों के अनुसार न करके अन्यथा करता है; या
- (ख) मान्यताप्राप्त एजेंसी द्वारा आयातित या सामग्री दिए जाने पर उसका उपयोग और इस्तेमाल, जिस प्रयोजन से उसे वह माल या सामग्री दी गई थी उस प्रयोजन के लिये प्रयोग न करके किसी अन्य प्रयोजन के लिये प्रयोग करता है या करवाता है; या

(ग) निम्नलिखित को प्राप्त करने के लिए घोषणा-पत्र दे दिया है :—

- (1) किसी माल या सामग्री के आयात करने का लाइसेंस या प्राधिकार-पत्र लेने के लिये, या
- (2) उस लाइसेंस या प्राधिकार-पत्र में कोई तबदीली करवाने के लिए, या
- (3) किसी भी आयातित माल के आबंटन को प्राप्त करने के लिये ऐसा घोषणा पत्र देता है और उस घोषणा-पत्र में कोई गलत या झूठा बयान पाया जाए; या

(घ) जिस लाइसेंस अथवा प्राधिकार पत्र के अन्तर्गत्त में माल अथवा सामग्री का आयात किया गया था उसकी शर्तों का उल्लंघन करते हुए आयातित माल या सामग्री खरीदता है, उसे बेचता है अथवा उसे अन्यथा रूप से दे देता है अथवा उसे खरीदने, बेचने अथवा अन्यथा रूप से देने की अनुमति देता है; या

(ङ) मान्यता प्राप्त एजेंसी द्वारा किए गए आबंटन की शर्तों का उल्लंघन करके कोई आयातित माल अथवा सामग्री खरीदता है, बेचता है अथवा अन्यथा रूप से दे देता है अथवा उसे खरीदने, बेचने अथवा अन्यथा रूप से देने की अनुमति देता है;

(च) जिस माल अथवा सामग्री का आयात किसी लाइसेंस अथवा प्राधिकार पत्र के अन्तर्गत किया गया है अथवा जो किसी मान्यता प्राप्त एजेंसी से अथवा उसके माध्यम से प्राप्त किया गया है, उस माल या सामग्री के बेचने के बारे में जारी किए गए नियंत्रण आदेश के अन्तर्गत दिए गए किसी निर्देश का उल्लंघन करता है,

तो चाहे ऐसे माल का अधिग्रहण किया गया हो अथवा नहीं या चाहे ऐसा माल अधिग्रहण के लिए उपलब्ध हो या नहीं; उस माल अथवा सामग्री के पांच गुना अथवा एक हजार रुपये इसमें से जो भी अधिक हो, तक अर्थ दण्ड दिया जा सकता है।

स्पष्टीकरण : इस धारा में "मूल्य" का अर्थ वही लिया जाएगा जो अर्थ सीमा शुल्क अधिनियम 1962 की धारा 14 की उपधारा (1) में दिया गया है।

(2) यदि कोई व्यक्ति ऐसे किसी कार्य को रोकने या न करने के लिए उकसाता है जिस कार्य को करने या न करने पर

किसी व्यक्ति पर उपधारा (1) के अन्तर्गत ज़रूरी किया जा सकता है या ऐसा कार्य करने की कोशिश करता है तो चाहे ऐसे माल का अधिग्रहण किया गया हो अथवा न किया गया हो या उसका अधिग्रहण किया जा सकता हो या न किया जा सकता हो, इस प्रकार उकसाने या उकसाने का प्रयास करने वाले व्यक्ति को जिस माल अथवा सामग्री के बारे में उकसाया गया है अथवा उकसाने का प्रयास किया गया है, उस माल या सामग्री के मूल्य के अधिकतम पांच गुना तक अथवा एक हजार रुपये, इन में से जो भी अधिक हो, तक का अर्थ दण्ड दिया जाएगा।

(3) यदि उपधारा (1) अथवा उपधारा (2) के अन्तर्गत किया गया ज़रूरी नहीं दिया जाता है तो उसे लगान के बकाया के रूप में वसूल किया जाएगा :

किन्तु उपधारा (1) अथवा उपधारा (2) के अन्तर्गत जिस व्यक्ति पर ज़रूरी किया गया है उस व्यक्ति की निजी धन-राशि को अथवा उसे कर्ज दी गई रकम को न्याय निर्णय प्राधिकारी आदेश जारी करके कर्क कर सकता है और इस कर्क की कार्रवाई उसी प्रकार होगी जैसे सिविल न्यायालय द्वारा की गई कर्क में की जाती है।

4ख. अन्य दण्ड में हस्तक्षेप किए बिना अधिग्रहण या अर्थ दण्ड :—

इस अधिनियम के अन्तर्गत किए गए अधिग्रहण अथवा ज़रूरी के कारण इस अधिनियम के उपबन्धों अथवा उस समय लागू किसी अन्य कानून के अन्तर्गत दिए जाने वाले दण्ड पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

4ट. न्याय निर्णय :—इस अधिनियम के अन्तर्गत

(क) मुख्य नियंत्रक अथवा जिन मामलों में वह अपने सामान्य अथवा विशिष्ट आदेशों के अन्तर्गत अपर मुख्य नियंत्रक को यह अधिकार दे उनमें अपर मुख्य नियंत्रक;

(ख) इस बारे में निर्धारित सीमा के अन्तर केन्द्रीय सरकार राजपत्र में अधिसूचना जारी करके कम से कम उप मुख्य नियंत्रक के स्तर के अधिकारी को प्राधिकृत करती है वह अधिग्रहण करने का निर्णय करेगा अथवा अर्थ दण्ड देगा।

4ठ. माल के स्वामी को अवसर प्रदान करना आदि :—

अधिग्रहण अथवा अर्थदण्ड का आदेश तब तक जारी नहीं किया जाएगा जब तक कि माल, सामग्री, वाहन अथवा जानवर के मालिक अथवा अन्य सम्बन्ध व्यक्ति को लिखित रूप में :—

(1) वे कारण सूचित किए जाएं जिनके आधार पर ऐसे माल, सामग्री, वाहन अथवा जानवर का अधिग्रहण करने अथवा उसे अर्थदण्ड देने का प्रस्ताव है;

(2) लिखित नोटिस देकर उसे नोटिस में निर्दिष्ट समय के भीतर उसमें उल्लिखित अधिग्रहण अथवा अर्थ दण्ड के विरुद्ध अपना लिखित अभिवेदन का समुचित अवसर न दिया जाए और यदि वह चाहे तो उसे मौखिक रूप से अभ्यावेदन करने का अवसर भी दिया जाएगा।

43. अपील :—इस अधिनियम के अंतर्गत किए गए निर्णय या दिए गए आदेशों से यदि कोई व्यक्ति व्यथित हो तो निम्नलिखित स्थितियों में वह अपील कर सकता है :—

- (क) जिन मामलों में मुख्य नियंत्रक अथवा अपर मुख्य नियंत्रक अथवा केन्द्रीय सरकार ने निर्णय दिया हो अथवा आदेश जारी किया हो;
- (ख) जिन मामलों में अपर मुख्य नियंत्रक से नीचे के स्तर के अधिकारी ने निर्णय लिया हो उन मामलों में मुख्य नियंत्रक को, अथवा जिस मामले में वह ऐसा निर्देश दे उसमें अपर मुख्य नियंत्रक को अपील कर सकता है।

उस व्यक्ति को अपनी अपील, आदेश प्राप्त होने से 45 दिन के भीतर करनी होगी :

किन्तु अपील प्राधिकारी यदि इस बात से संतुष्ट है कि अपीलकर्ता पर्याप्त कारणों से उक्त 45 दिनों के अन्दर अपील दायर न कर सका, तो इस प्रकार की अपील दायर करने के लिए वह 45 दिन का समय और दे सकता है।

किन्तु अर्थ दण्ड के आदेशों के विरुद्ध की जाने वाली अपील पर तब तक विचार नहीं किया जाएगा जब तक कि अपीलकर्ता अर्थ दण्ड की रकम जमा नहीं करता :

किन्तु यदि अपील प्राधिकारी के विचार में अर्थ दण्ड की रकम जमा कराने से अपीलकर्ता को अकारण परेशानी होगी तो वह अपने विवेकाधिकार से, बगैर किसी शर्त के अथवा शर्त के साथ उसे जमाने की राशि जमा कराने से मुक्त कर सकता है।

(2) यदि अपीलकर्ता चाहे तो अपील प्राधिकारी उसे सुनवाई का उचित मौका देकर और आवश्यक पृष्ठताल्ल करने के बाव पछले आदेशों की पूर्ण कर सकता है, उनमें परिवर्तन कर सकता है अथवा निर्णय बदल सकता है, या अपील के खिलाफ आदेश दे सकता है, अथवा वह जैसा उचित समझे और यदि आवश्यक हो तो अतिरिक्त साक्ष्य लेकर अपने निर्देशों सहित मामले को फिर से न्याय अथवा निर्णय के लिए लाटा सकता है :

किन्तु जमाने को बढ़ाने या लगाने या अधिक मूल्य के माल अथवा सामग्री का अधिग्रहण करने के आदेश इस धारा के अन्तर्गत तब तक जारी नहीं किए जाएंगे जब तक कि अपीलकर्ता को अपने बचाव में लिखित अभिवेदन देने तथा यदि वह चाहे तो सुनवाई का अवसर न दिया जाए।

44. मुख्य नियंत्रक को पुनरीक्षण के अधिकार :—मुख्य नियंत्रक स्वयं या अन्यथा किसी भी ऐसी कार्रवाई के अभिलेख रंगवाकर, जिसमें अधीनस्थ अधिकारी ने अधिग्रहण अथवा अर्थ दण्ड का आदेश दिया हो, और जिसके विरुद्ध कोई अपील नहीं की गई हो, उस आदेश या निर्णय की सत्यता, वैधता या औचित्य के बारे में स्वयं को संतुष्ट करने के लिए उनकी जांच कर सकता है और उस पर जैसा उचित समझे वैसा आदेश जारी कर सकता है :

किन्तु इस धारा के अधीन किसी निर्णय या आदेश में इस प्रकार का कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा जिसमें किसी व्यक्ति पर उसका प्रतिकूल प्रभाव पड़े जब तक कि उस व्यक्ति को—

- (क) ऐसे निर्णय या आदेश दिए जाने की तारीख से दो वर्ष के अन्दर निर्णय या आदेश बदलने के विरुद्ध कारण बताओ नोटिस न बिया जाए, और
- (ख) बचाव में अपनी सफाई देने का उचित मौका न दिया जाए और यदि वह सुनवाई चाहता है तो उसकी सुनवाई न की जाए।

45. न्याय निर्णय और अन्य प्राधिकारियों के अधिकार :—

(1) इस अधिनियम के अधीन न्याय निर्णय करने वाले या किसी अपील को सुनने वाले या पुनर्विचार करने का अपने अधिकारों का प्रयोग करने वाले प्रत्येक प्राधिकारी को निम्नलिखित मामलों में मुकदमों सुनते समय सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के अधीन सिविल न्यायालय के सभी अधिकार प्राप्त होंगे, अर्थात्:—

- (क) गवाहों को बुलाने और उनकी हाजिरी सुनिश्चित करने में;
- (ख) किसी दस्तावेज को खोजने और पेश कराने में;
- (ग) किसी न्यायालय अथवा कार्यालय से सार्वजनिक अभिलेख या उनकी प्रति मांगने में;
- (घ) क्षपण-पत्र पर साक्ष्य प्रस्तुत करने पर;
- (ङ) गवाहों और दस्तावेज की जांच के लिये कमीशन भेजने में।

(2) इस अधिनियम के अधीन न्याय निर्णय करने या अपील की सुनवाई करने वाले या पुनरीक्षण के अधिकार का प्रयोग करने वाले प्रत्येक प्राधिकारी को दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 345 और 346 के उद्देश्यों के लिए सिविल न्यायालय समझा जाएगा।

(3) इस नियम के अधीन न्याय निर्णय करने वाले या अपील की सुनवाई करने वाले या पुनरीक्षण के अधिकार का प्रयोग करने वाले प्रत्येक प्राधिकारी को ऐसे अन्तिम आदेश जैसा कि वह उचित समझे, देने का अधिकार होगा, और वह किसी भी निर्णय या आदेश को पर्याप्त कारण होने पर स्थगित करने के लिए आदेश दे सकता है।

46. मृत्यु या दिवालिया होने की स्थिति में कार्रवाई का प्राव रहना :—

(1) यदि न्याय निर्णय करने वाले अधिकारी ने जमाना कर दिया हो और—

(क) इस प्रकार अर्थ दण्ड दिए जाने के आदेश के विरुद्ध अपील प्राधिकारी के समक्ष कोई अपील न की गई हो और अपील दाखिल किए जाने की अवधि समाप्त होने से पहले अपील करने के हकदार व्यक्ति की मृत्यु हो जाए या उसे दिवालिया घोषित कर दिया जाए, या

(ख) इस प्रकार अर्थ दण्ड दिए जाने के आदेश के विरुद्ध अपील प्राधिकारी के समक्ष अपील दायर कर दी गई हो लेकिन अपील पर निर्णय होने से पहले अपीलकर्ता की मृत्यु हो जाए या उसे दिवालिया घोषित कर दिया जाए,

तो उस व्यक्ति के बदले में, जैसा भी मामला हो, उसके कानूनी प्रतिनिधि या सरकारी समन्वयकारी या सरकारी रिसेवर को अपील प्राधिकारी के समक्ष अपील दायर करने या अपील पर कार्रवाई जारी रखने का कानूनी अधिकार होगा और जैसा भी

मामला हो, ऐसी अपील पर यथा सम्भव 48 घंटा के उपबन्ध लागू होंगे या लागू होते रहेंगे।

(2) उपधारा (1) के अधीन सरकारी प्रतिनिधि या सरकारी रिसवर के अधिकारों का प्रयोग, जैसा भी मामला हो, प्रेसिडेन्सी टाउन्स इन्सोल्वेन्सी एक्ट, 1909 या प्रोविशियल इन्सोल्वेन्सी एक्ट, 1920 के उपबन्ध के अनुसार किया जाएगा।

5. **दण्ड :—**यदि कोई व्यक्ति इस अधिनियम के अधीन दिए गए या दिए गए समझे गए किसी आदेश से या इन आदेशों के अधीन मंजूर किए गए लाइसेंस की शर्तों का या ऐसे प्राधिकार जिसके अधीन मान्यताप्राप्त अभिकरण के माध्यम से उसे आयोजित माल प्राप्त हुआ था, से संबंध शर्तों का उल्लंघन करे, या उल्लंघन करने का प्रयत्न करे या उल्लंघन करने में सहायता करे तो वह सीमा शुल्क अधिनियम 1962 (1962 का 52) के उपबन्धों के अधीन अधिग्रहण या दण्ड पर विपरीत प्रभाव डाले बिना ही निम्नलिखित अनुसार होगा :—

(क) जिस सामान के सम्बन्ध में इस प्रकार का उल्लंघन किया गया हो या उल्लंघन करने का प्रयास किया गया हो या उल्लंघन करने में सहायता की गई हो यदि उस सामान का मूल्य 10 लाख रुपये से अधिक हो तो सात साल तक की कैद और जुर्माने का भी दण्ड दिया जा सकता है, तथा

(ख) किसी अन्य मामले में तीन साल तक की कैद और जुर्माने की सजा भी दी जा सकती है।

किन्तु इसके विरुद्ध विशेष और पर्याप्त कारणों के अभाव में, जिसका न्यायालय के निर्णय में उल्लेख किया जाएगा यह कैद छः महीने से कम नहीं होगी।

5क. **न्याय प्राधिकारी और अपील प्राधिकारी द्वारा बिछू गए आदेश का उल्लंघन करने पर जुर्माना :—**यदि कोई व्यक्ति इस अधिनियम के अधीन किसी न्यायिक अधिकारी या अपील प्राधिकारी द्वारा किया गया जुर्माना अदा नहीं करता या इस अधिनियम के अधीन दिए गए या दिए गए समझे गए किसी निदेश या आदेश का उल्लंघन करता है, तो न्यायालय में दोष सिद्ध हो जाने पर उसे 2 वर्ष तक की कैद या जुर्माने की सजा दी जा सकती है या उसे यह दोनों दण्ड दिए जा सकते हैं।

5ख. **लेखन या गणना की गलतियाँ ठीक करना :—**किसी निर्णय या आदेश में लेखन या गणना की गलतियाँ या संयोगवश हुई किसी भूल-भूक के कारण कोई अशुद्धि हो गई हो, तो निर्णय या आदेश देने वाला प्राधिकारी उसे किसी भी समय स्वयं या व्यथित व्यक्ति द्वारा आवेदन करने पर ठीक कर सकता है :

परन्तु यदि इस धारा के अधीन किए जाने वाले सुधार से किसी व्यक्ति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता हो, तो ऐसे व्यक्ति को इस

विषय में प्रतिवेदन करने का उचित अवसर दिए बगैर इस प्रकार का सुधार नहीं किया जाएगा और यह सुधार उस निर्णय या आदेश के दिए जाने की तारीख से 2 वर्ष व्यतीत होने के बाद नहीं किया जाएगा।

6. **अपराधों का संज्ञान :—**केवल केन्द्रीय सरकार द्वारा इस बारे में, सामान्य या विशेष आदेश द्वारा प्राधिकृत अधिकारी द्वारा की गई लिखित शिकायत के अलावा कोई भी न्यायालय, धारा 5 के अधीन दण्डनीय किसी भी अपराध की सनवाई नहीं करेगा और प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट या प्रथम श्रेणी के मैजिस्ट्रेट से निम्न न्यायालय ऐसे किसी अपराध की जांच नहीं कर सकेंगे।

7. इस अधिनियम के अधीन दिए गए या दिए गए समझे गए किसी आदेश को किसी न्यायालय में चुनौती नहीं दी जा सकती और न ही किसी व्यक्ति के विरुद्ध इस अधिनियम के अधीन सम्भाव्यपूर्वक किए गए या करने का इरादा रखे गए किसी काम के विरुद्ध या इसके अधीन दिए गए या दिये गए समझे गए किसी आदेश के विरुद्ध कोई मुकदमा, अभियोजन या अन्य कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की जा सकती।

8. **नियम बनाने का अधिकार :—**(1) केन्द्रीय सरकार राजपत्र में अधिसूचना निकाल कर इस अधिनियम के उपबन्ध लागू करने के लिए नियम बना सकती है।

(2) भारत में बाहर किसी स्थान से किसी व्यक्ति द्वारा किसी भी तरीके से प्राप्त कोई भी दस्तावेज अधिप्रमाणित माना जाएगा अर्थात् :—

(क) इन नियमों में निम्नलिखित सब मामलों या किसी भी मामले की व्यवस्था विशेष रूप से और पूर्वोक्त अधिकार की व्यापकता का ध्यान में रखे बिना की जा सकती है,

(ख) कोई अन्य विषय जिसका विधान करना अनिवार्य हो, या जिसका विधान किया जाए।

(3) इस अधिनियम के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा बनाये गये प्रत्येक नियम बनाए जाने के यथा शीघ्र बाद संसद के प्रत्येक सदन के समक्ष तब प्रस्तुत किए जाने चाहिए जब सदन की सत्रावधि एक सत्र में या दो या दो से अधिक अनुवर्ती सत्रों में कुल मिलाकर 30 दिन हो और यदि ऐसे सत्र के तत्काल बाद के सत्र या पूर्वोक्त अनुवर्ती सत्रों के समाप्त होने से पहले दोनों सदन उस नियम में कोई परिशोधन करने की स्वीकृति दे दें या दोनों सदन की यह राय हो कि नियम नहीं बनाया जाना चाहिए तो उसके बाद जैसा भी मामला हो या तो संशोधित नियम लागू होगा या बिल्कुल लागू नहीं होगा; परन्तु इस प्रकार के संशोधन या निषेध से ऐसे नियम के अधीन पड़ने से की गई किसी बात की वैधता पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

परिशिष्ट-1ख

आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955

भारत सरकार

बाणिज्य तथा पूर्ति मंत्रालय

आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 (12 अप्रैल, 1984 तक यथासंशोधित)

नई दिल्ली, 7 दिसम्बर, 1955

सं. 17/55—केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा भारत में और पाण्डिचेरी राज्य में लागू आयात और निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) की धारा 3 और 4 के द्वारा प्रवृत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित आदेश का निर्माण करती है, अर्थातः—

आदेश

1. संक्षिप्त नाम और लागू होने की तारीख:

- (1) यह आदेश आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 कहा जाएगा।
- (2) यह तत्काल लागू होगा।

2. परिभाषा : इस आदेश में, जब तक सन्दर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो तब तक:—

- (क) "अधिनियम" से आयात और निर्यात नियंत्रण अधिनियम, 1947 (1947 का 18) अभिप्रेत है;
- (कक) "लाइसेंस" के लिए आवेदन में आयात व्यापार नियंत्रण नियमावली के अधीन दिया गया कोई भी आवेदन सम्मिलित है;
- (ककक) मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात में अपर मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय में निर्यात आयुक्त, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, उपमुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात और लोहा तथा इस्पात उप नियंत्रक सम्मिलित हैं;
- (कककक) "लाइसेंस" में इस आदेश के अधीन जारी किया गया सीमा शुल्क निकासी परमिट सम्मिलित है;
- (ख) "लाइसेंसधारी" से वह व्यक्ति अभिप्रेत है जिसे इस आदेश के अधीन लाइसेंस या सीमा शुल्क निकासी परमिट दिया गया हो;
- (ग) "लाइसेंस देने वाला प्राधिकारी" से वह प्राधिकारी अभिप्रेत है जो इस आदेश के अधीन लाइसेंस या सीमा शुल्क निकासी परमिट देने के लिए सक्षम हो;

(घ) "अनुसूची" से इस आदेश की अनुसूची अभिप्रेत है;

(ङ) "मूल्य" से वह अर्थ अभिप्रेत है जो अर्थ सीमा शुल्क अधिनियम 1962 (1962 का 52) की धारा 14 की उपधारा (1) में दिया गया है।

3. कुछ माल के आयात पर रोक:—(1) इस आदेश में अन्यथा की गई व्यवस्था को छोड़कर, कोई भी व्यक्ति केन्द्रीय सरकार या अनुसूची 2 में निर्दिष्ट किसी अन्य अधिकारी द्वारा दिए गए लाइसेंस या सीमा शुल्क निकासी परमिट के अधीन या उसके अनुसार आयात किए जाने वाले माल को छोड़कर अनुसूची 1 में निर्दिष्ट माल का आयात नहीं करेगा।

(2) यदि किसी मामले में, यह पता चल जाए कि लाइसेंस के अधीन आयातित माल लाइसेंस में दिए गए ब्यारे के अनुसार नहीं है या जिस लाइसेंस के अधीन माल आयात किया गया है उसके जारी होने की तारीख से पहले माल अज्ञात से रवाना हो चुका था, तो उस आयात के बारे में सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) के अधीन लाइसेंसधारी के विरुद्ध की जाने वाली किसी भी कार्रवाई पर कोई प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना यह समझा जाएगा कि लाइसेंस का उपयोग उक्त माल के आयात के लिए कर लिया गया है।

(3) यदि किसी मामले में यह पता चल जाए कि लाइसेंस के अधीन आयातित माल सभी बातों में निम्नलिखित अनुसार अर्थातः—

- (1) लाइसेंस में दिए गए माल के विवरण या मूल्य के अनुसार; या
- (2) लाइसेंस पर लागू होने वाली या लाइसेंस में दिए गए ऐसे माल से सम्बन्धित अन्य शर्तों के अनुसार नहीं है—

तो ऐसे माल का आयात वर्जित समझा जाएगा।

3-क. यदि आयातक उस लाइसेंस को माल के आ जाने पर प्रस्तुत न कर सके जो उसे प्रदान किया गया था, तो सीमा शुल्क प्राधिकारी अपने विवेक पर आयातक को माल छड़ाने की अनुमति दे सकता है, बशर्ते कि आयातक इस आशय का एक बाण्ड अथवा जमानत-पत्र निष्पादित करे कि उसके पास आयात किए गए माल का वैध लाइसेंस है, जिसे वह यथोचित सीमा शुल्क प्राधिकारी द्वारा निर्धारित समय में प्रस्तुत कर देगा और यदि वह ऐसा करने में असमर्थ रहा तो वह संबंधित माल के अप्राधिकृत आयात के लिए सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) के अधीन उसके विरुद्ध हो सकने वाली कार्रवाई पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना बाण्ड या जमानत पत्र में उल्लिखित धन राशि यथोचित सीमा शुल्क प्राधिकारी को देगा।

4. लाइसेंस के लिए आवेदन-शुल्क :—(1) लाइसेंस के लिए प्रत्येक आवेदन पत्र लाइसेंस देने वाले उचित प्राधिकारी को प्रस्तुत किया जाएगा।

(2) प्रत्येक आवेदन के लिए अनुसूची 3 में उल्लिखित फीस उसी प्रकार दी जाएगी जिस प्रकार अनुसूची में कहा गया है लेकिन ऐसे आवेदन के बारे में कोई फीस नहीं दी जाएगी, जो निम्नलिखित द्वारा दिया गया हो:—

- (क) केन्द्रीय सरकार, राज्य सरकार या केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार के किसी विभाग या कार्यालय द्वारा;
- (ख) किसी स्थानीय प्राधिकरण द्वारा निजी उपयोग के लिए माल के आयात के लिए;
- (ग) किसी शिक्षा संस्था, धर्मार्थ संस्था या मिशनरी संस्था द्वारा निजी उपयोग के लिए माल के आयात के लिए।
- (घ) किसी आदेश के पुनर्विचार के लिए आवेदन अर्थात् लाइसेंस देने वाले उस प्राधिकारी को जिसने मामले पर मूल रूप से विचार किया हो, लाइसेंस के लिए दिए गए आवेदन-पत्र पर की गई प्रथम अपील के लिए।

एक बार प्राप्त हुई फीस निम्नलिखित को छोड़कर, किसी भी मामले में वापस नहीं की जाएगी:—

- (1) जब निर्धारित राशि से अधिक फीस जमा की गई हो;
- (2) जब फीस तो जमा की गई हो परन्तु आवेदन पत्र न दिया गया हो;
- (3) जब फीस गलती से जमा कर दी गई हो लेकिन आवेदक को लाइसेंस फीस की अदायगी के लिए छूट दी गई हो;

नोट: मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात को की गई अपील के लिए जमा की गई फीस किसी भी परिस्थिति में लौटाई नहीं जाएगी।

5. लाइसेंसों की शर्तें:—(1) लाइसेंस देने वाले प्राधिकारी इस आदेश के अधीन लाइसेंस जारी करते समय नीचे दी गई एक या एक से अधिक शर्तों पर लाइसेंस जारी कर सकते हैं:—

- (1) यह कि लाइसेंस में उल्लिखित माल लाइसेंस देने वाले प्राधिकारी द्वारा निर्दिष्ट तरीके के अलावा किसी अन्य तरीके से निपटाया नहीं जाएगा या लाइसेंस देने वाले प्राधिकारी या उसके द्वारा प्राधिकृत किए गए व्यक्ति को लिखित स्वीकृति के बिना उसका अन्यथा उपयोग नहीं किया जाएगा;
- (2) यह कि लाइसेंस के अधीन माल के आयात के बाद लाइसेंस में दिए निर्देशों के अनुसार निर्धारित मूल्य से अधिक मूल्य पर न तो बेचा जाएगा और न ही वितरित किया जाएगा;
- (3) यह कि लाइसेंस के लिए आवेदक एक बाण्ड भरेगा जिसमें वह यह वचन देगा कि मैं उन शर्तों का अनुपालन करूंगा जिन पर मुझे लाइसेंस दिया जा रहा है।

2. इस आदेश के अधीन जारी किया गया लाइसेंस अनुसूची 5 में दी गई शर्तों के अधीन होगा।

3. प्रदान किया जाने वाला प्रत्येक लाइसेंस निम्नलिखित शर्तों के भी अधीन समझा जाएगा:—

- (1) कोई भी व्यक्ति लाइसेंस देने वाले प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए लाइसेंस को लाइसेंस जारी करने वाले प्राधिकारी या इस बारे में ऐसे प्राधिकारी द्वारा जिसे अधिकार प्रदान किए जाएं उस व्यक्ति की लिखित स्वीकृति के बिना किसी अन्य व्यक्ति को हस्तांतरित नहीं करेगा और न ही उस हस्तांतरण द्वारा प्राप्त करेगा।

- (2) वह माल जिसके आयात के लिए लाइसेंस दिया गया है, आयात के समय और इसके बाद जब तक कि सीमा शुल्क कार्यालय से उसे छूटा न लिया जाए, लाइसेंस धारी की सम्पत्ति होगी।

परन्तु इस उप-खण्ड की मद (1) और (2) की शर्तें भारत के राज्य व्यापार निगम, भारतीय खनिज एवं धातु व्यापार निगम और केन्द्रीय सरकार के नियंत्रण और स्वामित्वाधीन इस प्रकार की अन्य संस्थाओं और एजेंसियों को जिन्हें आयात सरणीबद्ध करने का काम सौंपा गया है, को जारी किए गए लाइसेंस पर लागू नहीं होंगी।

इसके अलावा इस उप-खण्ड की मद (1) और (2) की शर्तें (क) पंजीकृत निर्यातकों के लिए आयात नीति के अधीन वास्तविक उपयोक्ताओं को बेचे जाने वाले माल के आयात के लिए पात्र निर्यात गदनों या व्यापार सदनों को जारी किए गए लाइसेंस; और (ख) लगू आयात नीति के अंतर्गत वास्तविक उपयोक्ता के लिए माल के निपटान के लिए केन्द्रीय या राज्य सरकार द्वारा नियंत्रित या लिए गए अभिकरणों को जारी किए गए लाइसेंस पर भी लागू नहीं होंगी।

- (3) जिस माल के आयात के लिए लाइसेंस दिया गया है वह माल यदि लाइसेंस में अन्यथा उल्लिखित न हो तो डिम्पोजल के माल में इतर नया माल होगा।

4. इस आदेश के अधीन प्रदान किए गए लाइसेंस में ऐसी अन्य शर्तें भी हो सकती हैं जो अधिनियम या इस आदेश में असंगत नहीं हों और जिन्हें लाइसेंस प्राधिकारी ठीक समझे।

5. लाइसेंसधारी इस खण्ड के अन्तर्गत लगाई गई अथवा लगाई जाने वाली सभी शर्तों का पालन करेगा।

6. लाइसेंस मंजूर न करना:—(1) केन्द्रीय सरकार या आयात-निर्यात के मुख्य नियंत्रक निम्नलिखित स्थितियों में लाइसेंस देने में इन्कार कर सकते हैं या लाइसेंस देने वाले किसी अन्य प्राधिकारी को लाइसेंस प्रदान न करने के लिए कह सकते हैं:—

- (क) यदि इस उद्देश्य के लिए विदेशी मुद्रा उपलब्ध न हो;

- (ख) यदि आवेदक को लाइसेंस देना राज्य के हितों के विरुद्ध हो;

- (ग) यदि सामग्री का आयात और वितरण किसी विशेष या विशेषज्ञ एजेंसी या किसी अन्य माध्यम से सरणीबद्ध करने का निश्चय किया गया हो;
- (घ) यदि आवेदक किसी भागीदार फर्म में साझीदार या प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का निदेशक हो जिसके सम्बन्ध में फिलहाल खण्ड 8, 8क अथवा 8ख के अधीन कोई कार्रवाई की जा रही हो;
- (घघ) यदि आवेदक पर फिलहाल खण्ड-8, 8क अथवा 8ख के अधीन कोई कार्यवाही की जा रही है;
- (ङ) यदि आवेदक ऐसी भागीदारी फर्म या लिमिटेड कंपनी है, तो उसका कोई साझी या पूर्णकालिक निदेशक अथवा संचालक, जैसी भी स्थिति हो, जिसके विरुद्ध खण्ड 8, 8क या 8ख के अधीन कार्रवाई की जा रही है;
- (च) यदि सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के अधीन आवेदक से जो राशि जमा करने के लिए कहा गया है या उक्त अधिनियम के अधीन उस पर जो जमाना किया गया है, वह तीन महीने से दिया नहीं गया है; और
- (छ) यदि आवेदक अधिनियम के अंतर्गत अंतिम रूप में उस पर लगाए गए जमाने का भुगतान करने में असमर्थ रहता है।

(2) उप-खण्ड (1) के अन्तर्गत लाइसेंस प्रदान करने से इन्कार कर देने पर उस अन्य कार्रवाई पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा जो लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा सम्बन्धित आयात नीति और लागू क्रियाविधि के अधीन की जाएगी।

7. लाइसेंस में संशोधन:—लाइसेंस देने वाला प्राधिकारी स्वयं या लाइसेंसधारी द्वारा आवेदनपत्र दिए जाने पर इस आदेश के अधीन दिए गए लाइसेंस में ऐसा संशोधन कर सकता है जो लाइसेंस को इस अधिनियम या इस आदेश या उस समय लागू किसी कानून के उपबन्धों के अनुसार बनाने के लिए या लाइसेंस की किसी अशुद्धि या त्रुटि को सधारने के लिए आवश्यक हो, लेकिन लाइसेंस देने वाला प्राधिकारी, लाइसेंसधारी के अनुरोध पर लाइसेंस में जो भी संशोधन करेगा वह आयात व्यापार नियंत्रण विनियमावली के अनुसार ही करेगा।

8. माल आयात करने से, लाइसेंस प्राप्त करने से या आयातित माल के आबंटन से संबंधित करने का अधिकार:—

(1) केन्द्रीय सरकार या आयात और निर्यात के मुख्य नियंत्रक किसी लाइसेंसधारी या आयातक या किसी अन्य व्यक्ति को सभी से या निम्नलिखित में से प्राप्त एक अर्थात् माल का आयात करने या लाइसेंस प्राप्त करने या आयातित माल को भारतीय राज्य व्यापार निगम, भारतीय खनिज और धातु व्यापार निगम या इसके समान किसी अन्य एजेंसी के माध्यम से या सीधे आबंटन के लिए वित्तित कर सकते हैं और उसके विरुद्ध इस सम्बन्ध में की जाने वाली किसी अन्य कार्रवाई पर प्रतिकूल असर होने बिना यह आदेश दे सकते हैं कि कोई लाइसेंस या आयातित माल का आबंटन नहीं किया जाएगा और उसे इस आदेश के अंतर्गत एक निश्चित अवधि के लिए माल का आयात करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

- (क) यदि लाइसेंस के लिए उसका आवेदन-पत्र किसी भी समय इस आदेश के उपबन्धों के अनुसार न पाया जाए; या
- (ख) यदि ऐसे आवेदन-पत्र में कोई कथन मिथ्या, कपटपूर्ण या भ्रामक हो; या
- (ग) यदि यह पता लगे कि उसने अपने आवेदन-पत्र के समर्थन में किसी ऐसे प्रलेख का उपयोग किया है जो मिथ्या या जाली है या जिसमें तथ्यों को तोड़ा-मरोड़ा गया है; या
- (घ) यदि उसने, किसी भी समय, आयात लाइसेंस में कोई हरेफेर किया हो या बिना लाइसेंस के माल आयात किया हो या अपने व्यापार के मिलसिले में या लाइसेंस प्राप्त करने में किसी भ्रष्ट तरीके या धोखाधड़ी के कार्य में शामिल हो कर या किसी लाइसेंसधारी को कुछ प्रलोभन देकर या अन्यथा कोई लाइसेंस प्राप्त करने की कोशिश करता पाया गया हो; या
- (ङ) यदि उसकी तरफ से उसके किसी एजेंट या कर्मचारी ने लाइसेंस प्राप्त करने में कोई भ्रष्ट तरीका अपनाया हो या धोखाधड़ी के किसी काम में शामिल हुआ हो; या

(च) यदि उसने लाइसेंस या लाइसेंस के लिए आवेदन पत्र में दी गई या उसके साथ लगी शर्तों का पालन नहीं किया हो या उल्लंघन किया हो या उल्लंघन करने का प्रयास किया हो या उल्लंघन करने के लिए किसी को प्रेरित किया हो; या

(छ) यदि उसने सीमा शुल्क, माल के आयात और निर्यात या विदेशी मुद्रा से सम्बद्ध किसी कानून को भंग (किसी नियम, आदेश या विनियम सहित) किया हो; या

(ज) यदि उसने आयात और निर्यात के मुख्य नियंत्रक या लाइसेंस देने वाले किसी अन्य प्राधिकारी द्वारा मांगी गई कोई सूचना न दी हो या कोई दस्तावेज प्रस्तुत न किया हो; या

(झ) यदि वह डी जी टी डी अथवा किसी अन्य संबंधित प्रायोजक प्राधिकारी को नियमित रूप से उत्पादन विवरण प्रस्तुत करने में असमर्थ हो; या

(ञ) यदि वह आयातित माल के संबंध में वितरण पर नियंत्रण, जहां पर यह नियंत्रण लागू हो, करने में असमर्थ हो।

(2) केन्द्रीय सरकार अथवा मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, विशिष्ट लिखित आदेश द्वारा:—

(क) विवर्जित कर सकता है:—

- (1) उस व्यक्ति को जिसके संबंध में विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी कार्यक्रमा

निराध अधिनियम, 1974 (1974 का 52) (इसके बाद 1974-अधिनियम कहा गया है) के अधीन कारावास का आदेश लागू किया गया है; या

- (2) उस साझीदार फर्म या प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी जिसका ऐसा व्यक्ति साझीदार या पूर्णकालिक निदेशक अथवा प्रबंध संचालक है, को भारतीय राज्य व्यापार निगम, भारतीय खनिज एवं धातु व्यापार निगम अथवा किसी अन्य ऐसे ही अभिकरण के माध्यम से लाइसेंस अथवा आयातित माल का आबंटन प्राप्त करने से; और

- (ख) ऐसे व्यक्ति साझीदार फर्म या कम्पनी के विरुद्ध जो अन्य कार्रवाई की जा सकती है इस पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना यह निदेश दे सकते हैं कि ऐसे व्यक्ति साझीदार फर्म या कम्पनी को ऐसे विशेष आदेश में निर्दिष्ट अवधि के लिए माल के आयात को अनुमति नहीं दी जाएगी और लाइसेंस अथवा आयातित माल का आबंटन प्रदान नहीं किया जाएगा।

शर्त यह होगी कि ऐसे व्यक्ति, या जैसा भी मामला हो, साझीदार फर्म या कम्पनी जिसका वह व्यक्ति साझीदार या पूर्णकालिक संचालक या प्रबंध संचालक है, के सम्बन्ध में ऐसा विशिष्ट आदेश तब लागू नहीं होगा जब कि ऐसे व्यक्ति के खिलाफ कारावास का आदेश :-

- (1) वह कारावास का आदेश हो जिसके लिए अधिनियम, 1974 के खण्ड-9 या खण्ड 12-क के परन्तुक लागू न होते हों इस कारण वह कारावास का आदेश इस अधिनियम के खण्ड 8 के अन्तर्गत सलाहकार बोर्ड की रिपोर्ट पर या सलाहकार बोर्ड की रिपोर्ट प्राप्त होने से पहले या सलाहकार बोर्ड को संदर्भ भेजने से पहले रद्द कर दिया गया है; अथवा
- (2) वह कारावास का आदेश हो जिसके लिए अधिनियम, 1974 के खण्ड 9 के परन्तुक लागू होते हों इस कारण वह कारावास का आदेश खण्ड 9 के उप-खण्ड (3) के अन्तर्गत पुनरीक्षा के लिए समय की समाप्ति से पहले या पुनरीक्षा के आधार पर या उस अधिनियम के खण्ड 9 के उप-खण्ड (2) के साथ पढ़े जाने वाले खण्ड-8 के अन्तर्गत सलाहकार बोर्ड की रिपोर्ट पर रद्द कर दिया गया हो; अथवा
- (3) वह कारावास का आदेश हो जिसके लिए अधिनियम, 1974 के खण्ड 12 (क) के परन्तुक लागू होते हों इस कारण वह कारावास का आदेश उस खण्ड के उप-खण्ड (3) के अन्तर्गत प्रथम पुनरीक्षा के लिए समय की समाप्ति से पहले या

प्रथम पुनरीक्षा के आधार पर या उस अधिनियम के खण्ड 12क के उप-खण्ड (6) के साथ पढ़े जाने वाले खण्ड 8 के अन्तर्गत सलाहकार बोर्ड की रिपोर्ट के आधार पर रद्द कर दिया गया हो; या

- (4) सक्षम अधिकार क्षेत्र की अदालत द्वारा वह कारावास का आदेश हटा दिया गया हो।

(3) केन्द्रीय सरकार अथवा मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात एक आयातक अथवा लाइसेंसधारी अथवा अन्य किसी भी व्यक्ति को भारतीय राज्य व्यापार निगम, भारतीय खनिज एवं धातु व्यापार निगम या इससे मिलते जुलते किसी अन्य अभिकरण के माध्यम से किसी भी माल का आयात करने अथवा लाइसेंस प्राप्त करने अथवा आयातित माल का आबंटन करने से रोक सकती है और इस मामले में ऐसे व्यक्ति के विरुद्ध की जाने वाली अन्य कार्रवाई के अतिरिक्त यह निदेश दे सकती है कि ऐसे व्यक्ति को न तो कोई लाइसेंस और न ही आयातित माल का आबंटन प्रदान किया जाएगा और इस आदेश के अन्तर्गत विशिष्टीकृत अवधि के लिए ऐसे व्यक्ति को किसी भी माल का आयात करने के लिए अनुमति नहीं दी जाएगी यदि केन्द्रीय सरकार अथवा मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के विचार में,

- (क) ऐसा लाइसेंसधारी, आयातक अथवा अन्य व्यक्ति; या

- (ख) ऐसा लाइसेंसधारी, आयातक अथवा अन्य व्यक्ति, आयातक अथवा अन्य व्यक्ति, साझीदार फर्म अथवा एक लिमिटेड कम्पनी हो या उसका साझीदार अथवा पूर्णकालिक निदेशक अथवा प्रबंध संचालक हो; अथवा

- (ग) जहाँ, जैसा भी मामला हो, ऐसा लाइसेंसधारी, आयातक अथवा अन्य व्यक्ति साझीदार फर्म में साझीदार हो अथवा लिमिटेड कम्पनी, साझेदारों की फर्म या साझेदारी की लिमिटेड कम्पनी में पूर्णकालिक निदेशक या प्रबंध संचालक है;

- (1) ऐसा लाइसेंसधारी, आयातक अथवा अन्य व्यक्ति अथवा ऐसा साझीदार अथवा पूर्णकालिक निदेशक अथवा प्रबंधक संचालक अथवा ऐसी साझीदार फर्म अथवा लि. कम्पनी, जैसा भी मामला हो, प्रदान किये गये किसी भी आयात लाइसेंस का बिना किसी उचित कारण के इस्तेमाल करने में असमर्थ रहा है अथवा पूर्ण रूप से इस्तेमाल करने में असमर्थ रहा है; अथवा

- (2) निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1977 की धारा 7 की उप-धारा (3) की कंडिका (1) में निर्दिष्ट कोई कार्य किया है।

8क. माल का आयात करने, लाइसेंसों की मंजूरी या आयातित माल के आबंटन को स्थगित करने के अधिकार :-

केन्द्रीय सरकार या आयात-निर्यात के मुख्य नियंत्रक किसी भी व्यक्ति द्वारा माल का आयात अथवा लाइसेंस की मंजूरी या भारतीय राज्य व्यापार निगम, भारतीय खनिज और

भातु व्यापार निगम या इसके समान किसी अन्य एजेंसी के माध्यम से लाइसेंसधारी को या आयातक को या किसी अन्य व्यक्ति को आयातित माल का आबंटन तब तक के लिए रोक सकते हैं जब तक कि उसके विरुद्ध खण्ड 8 में दिए गए एक या इससे अधिक आरोपों की जांच का निर्णय न हो जाए। लेकिन इससे उसके विरुद्ध की जाने वाली किसी अन्य कार्रवाई पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

लेकिन इस खण्ड के अधीन लाइसेंस की मंजूरी या आयातित माल का आबंटन सामान्य रूप से 12 महीने से अधिक अवधि के लिए स्थगित नहीं किया जाएगा;

किन्तु स्थगन का ऐसा आदेश वापस लिए जाने पर उप-व्यक्त प्राधिकारी जो शर्तें, पाबन्दियाँ या सीमाएँ निर्धारित करना उचित समझे उन शर्तों, पाबन्दियों और सीमाओं के अधीन स्थगन की अवधि के लिए विदेशी मुद्रा की स्थिति, स्वदेशी उत्पादन और अन्य संगत कारणों को ध्यान में रखते हुए लाइसेंस या आयातित माल का आबंटन कर सकता है।

8ख. लाइसेंस के लिए आवेदन या आयातित माल के आबंटन को स्थगित करने के अधिकार :—

जब किसी लाइसेंसधारी या आयातक या किसी अन्य व्यक्ति के विरुद्ध खण्ड 8 में उल्लिखित किसी आरोप की जांच चल रही हो और केन्द्रीय सरकार या आयात और निर्यात के मुख्य नियंत्रक इस बात से सन्तुष्ट हों कि उक्त आरोप के बारे में और ब्योरा प्राप्त किए बिना लाइसेंस देना या आयातित माल का आबंटन करना लोक हित में नहीं है, तो केन्द्रीय सरकार या आयात और निर्यात के मुख्य नियंत्रक इस आदेश में उल्लिखित किसी भी बात के बावजूद ऐसे व्यक्ति से लाइसेंस के लिए प्राप्त आवेदन पर निर्णय को स्थगित कर सकते हैं या भारतीय राज्य व्यापार निगम, भारतीय खनिज और धातु व्यापार निगम या इसके समान किसी अन्य एजेंसी को ऐसे व्यक्ति को आयातित माल का आबंटन बिना कारण बताए और इस बारे में की जाने वाली किसी अन्य कार्रवाई पर कोई प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना स्थगित रखने के लिए आदेश दे सकते हैं :—

लेकिन इस खण्ड के अधीन लाइसेंस की मंजूरी या आबंटन सामान्य रूप से 6 महीने से अधिक समय के लिए स्थगित नहीं किया जाएगा।

8ग. खण्ड 8 या 8क के अधीन की गई कार्रवाई का प्रचार

(1) यदि केन्द्रीय सरकार के विचार में जिस व्यक्ति या व्यक्तियों के विरुद्ध खण्ड 8 या 8-क के अधीन कार्रवाई की गई है उसके या उसके नाम तथा अन्य सम्बद्ध विवरण लोक हित के ध्यान में रखते हुए प्रकाशित करना जरूरी या लाभप्रद है तो वह ऐसे व्यक्ति या व्यक्तियों के नाम तथा इस प्रकार का विवरण जिस तरीके से चाहें प्रकाशित कर सकती है अथवा प्रकाशित करवा सकती है।

(2) यदि अपील दायर न की गई हो तो जब तक अपील प्राधिकारी के पास अपील दायर करने की अवधि समाप्त न हो जाए तब तक और यदि अपील दायर की गई हो तो जब तक अपील पर निर्णय न हो जाए तब तक इस संबंध में की गई इस प्रकार की किसी भी कार्रवाई के बारे में उप-खण्ड (1) के अधीन कुछ भी प्रकाशित नहीं किया जाएगा।

व्याख्या:—किसी फर्म, कम्पनी या व्यक्तियों की अन्य संस्था के बारे में यदि केन्द्रीय सरकार की राय में मामले की परि-

स्थितियाँ उचित ठहरे तो जैसा भी मामला हो, फर्म के साझीदारों के नाम, कम्पनी के निदेशकों, प्रबन्ध एजेंटों, सचिवों और खजोच्चियों या प्रबन्धकों के नाम या मंत्रा के सदस्यों के नाम प्रकाशित किए जा सकते हैं।

9. लाइसेंस रद्द किया जाना:—(1) केन्द्रीय सरकार या मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात या इस सम्बन्ध में प्राधिकृत कोई अन्य अधिकारी इस आदेश के अन्तर्गत दिए गए किसी भी लाइसेंस को निम्नलिखित परिस्थितियों में रद्द कर सकता है या उसे निष्प्रभावी बना सकता है :—

- (क) यदि लाइसेंस भूल से या गलती से जारी किया गया हो या धोखाधड़ी अथवा तथ्यों को गलत ध्यान करके प्राप्त किया गया हो;
- (ख) यदि लाइसेंस इस आदेश के उपबन्धों या नियमों के विपरीत प्रदान किया गया हो;
- (ग) यदि लाइसेंसधारी ने लाइसेंस की किसी शर्त का उल्लंघन किया हो;
- (घ) यदि केन्द्रीय सरकार या सम्बद्ध अधिकारी को यह विश्वास हो कि जिस प्रयोजन के लिए लाइसेंस दिया गया था उससे वह प्रयोजन सिद्ध नहीं होगा;
- (ङ) यदि लाइसेंसधारी ने सीमाशुल्क के किसी कानून या सामान के आयात-निर्यात संबंधी किसी नियम और विनियमन या विदेशी मुद्रा संबंधी किसी विनियमन का उल्लंघन किया हो।

(2) केन्द्रीय सरकार अथवा मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात अथवा इस सम्बन्ध में अन्य कोई प्राधिकृत अधिकारी लिखित रूप में विशिष्ट आदेश द्वारा इस आदेश के अंतर्गत निम्नलिखित को प्रदान किए गए किसी भी लाइसेंस को अप्रभावी कर सकता है:—

- (क) एक व्यक्ति को जिसके संबंध में अधिनियम-1974 के अन्तर्गत कारावास का आदेश लागू किया गया हो, अथवा
- (ख) एक साझीदार फर्म अथवा प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी को जिसका वह व्यक्ति साझीदार अथवा पूर्णकालिक निदेशक या प्रबन्धक संचालक, जैसा भी मामला हो।

शर्त यह होगी कि ऐसा विशिष्ट आदेश उस व्यक्ति के सम्बन्ध में या उस साझेदारी की फर्म या कम्पनी के सम्बन्ध में लागू नहीं होगा जिसका वह व्यक्ति साझीदार या पूर्णकालिक निदेशक अथवा प्रबन्धक संचालक हो जब कि ऐसे व्यक्ति के विरुद्ध दिया गया ऐसा कारावास का आदेश:—

- (1) वह कारावास का आदेश हो जिसके लिए 1974 के अधिनियम के खण्ड 9 या खण्ड-12क के परन्तुक लागू न होते हों इस कारण वह कारावास का आदेश इस अधिनियम के खण्ड 8 के अन्तर्गत सलाहकार बोर्ड की रिपोर्ट पर या सलाहकार बोर्ड की रिपोर्ट प्राप्त होने से पहले या सलाहकार बोर्ड को संदर्भ भेजने से पहले रद्द कर दिया गया हो; अथवा
- (2) वह कारावास का आदेश हो जिसके लिए अधिनियम 1974 के खण्ड 9 के परन्तुक लागू होते हों इस कारण वह कारावास का आदेश खण्ड 9 के उप-खण्ड (3) के अन्तर्गत पुनरीक्षा के लिए समय की समाप्ति से

पहले या पुनरीक्षा के आधार पर या उस अधिनियम के खण्ड 9 के उप-खण्ड (2) के साथ पढ़े जाने वाले खण्ड 8 के अन्तर्गत सलाहकार बोर्ड की रिपोर्ट पर रद्द कर दिया गया हो; या

- (3) वह कारावास का आदेश हो जिस के लिए अधिनियम 1974 के खण्ड 12-क के परन्तुक लागू होते हैं इस कारण वह कारावास का आदेश उस खण्ड के उप-खण्ड (3) के अन्तर्गत प्रथम पुनरीक्षा के लिए समय की समाप्ति से पहले या प्रथम पुनरीक्षा के आधार पर या उस अधिनियम के खण्ड 12-क के उप-खण्ड (6) के साथ पढ़े जाने वाले खण्ड (8) के अन्तर्गत सलाहकार बोर्ड की रिपोर्ट के आधार पर रद्द कर दिया गया हो; अथवा

- (4) सक्षम अधिकार क्षेत्र की अदालत द्वारा वह कारावास का आदेश हटा दिया गया हो।

(3) केन्द्रीय सरकार अथवा मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात अथवा इस मामले में कोई भी प्राधिकृत अधिकारी निम्नित रूप में विशिष्ट आदेश द्वारा इस आदेश के अधीन जारी किए गए किसी भी लाइसेंस का अप्रभावित घोषित कर सकता है अथवा रद्द कर सकता है जब कि ऐसे लाइसेंस को रद्द करने की प्रक्रिया उपधारा (1) के अन्तर्गत की गई हो, लेकिन फिर भी ऐसा प्रत्येक विशिष्ट आदेश ऐसे मामले में रद्द कर दिया जाएगा जिसमें लाइसेंस रद्द करने का फैसला ऐसी प्रक्रियाओं के पूर्ण होने के बाद किया गया हो।

10. सुनवाई का अवसर दिया जाना:—(1) सुनवाई का उचित अवसर दिए बिना किसी लाइसेंसधारी या किसी आयातक या किसी अन्य व्यक्ति के विरुद्ध धारा 7 या धारा 8 या धारा 8-क की उप-धारा (1) या उप-धारा (3) या धारा 9 की उप-धारा (1) के अन्तर्गत कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

(2) यदि कोई व्यक्ति धारा 8 या धारा 8 (क) की उप-धारा (1) या उप-धारा (3) या धारा 9 की उप-धारा (1) के अधीन उसके विरुद्ध की गई किसी कार्रवाई में व्यथित हो तो वह की गई कार्रवाई की सूचना दिए जाने की तारीख से 45 दिन के भीतर इस प्रकार की कार्रवाई के विरुद्ध अपील दायर कर सकता है। यह अपील उस अधिकारी के पास दायर की जाएगी जिसकी नियुक्ति अपील सुनने के लिए प्राधिकृत अधिकारी के रूप में सरकारी राजपत्र में अधिसूचित की गई हो।

(3) उप-खण्ड (2) में निर्दिष्ट प्राधिकारी आवेदक को उसकी इच्छा पर सुनवाई के लिए उचित अवसर प्रदान करने के पश्चात् और अपने अपनी इच्छानुसार कोई आवश्यक पूछताछ करने के पश्चात् अपील के विरुद्ध की गई कार्रवाई की पुष्टि करते हुए उसमें आशोधन करते हुए या उसको प्रतिलोमित करते हुए ऐसा आदेश दे सकता है जो वह उचित समझे या यदि वह आवश्यक समझे तो अतिरिक्त साक्ष्य प्राप्त करने के बाद ऐसे निर्देश के साथ मामले को नई कार्रवाई या कार्यवाही के लिए वापस भेज सकता है, जिन्हें वह उचित समझे।

यद्यपि कि धारा 8 के अन्तर्गत जिस अवधि के लिए आवेदक व्यथित किया गया है उसमें वृद्धि करने के लिए कोई आदेश इस धारा की उपधारा के अन्तर्गत तब तक नहीं दिया जाएगा जब तक कि उसको यदि वह ऐसा चाहता है, अपने पक्ष में सुनवाई के लिए प्रतिवेदन करने का अवसर प्रदान न किया गया हो।

10क. आयातित माल के मुख्य, किस्म आदि की घोषणा:—

चाहे शुल्क लगता हो अथवा नहीं, किसी भी सामान का किसी भी सीमा शुल्क पतन पर आयात करने पर, इस प्रकार के सामान का मालिक अपनी पूरी जानकारी और विश्वास के अनुसार प्रविष्टि बिल या नियमानुसार निर्धारित किए गए प्रलेख में इस प्रकार के सामान के मुख्य, किस्म तथा गुण के बारे में विवरण देगा और इस प्रकार के प्रविष्टि बिल या प्रलेखों में नीचे की ओर दिए गए ब्यौरे के सत्य होने की घोषणा करेगा।

10.क (क) आयात कोड संख्या के रूप में घोषणा:—किसी भी सीमा शुल्क पतन पर किसी भी माल का आयात करते समय आयातक आयात को प्रविष्टि बिल अथवा नियमों द्वारा निर्धारित अन्य दस्तावेजों पर मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार उसको आवंटित "आयातक कोड संख्या" का अभिलेख करेगा और ऐसे प्रविष्टि बिल अथवा दस्तावेज के अन्त में इस प्रकार के किए गए अभिलेख की सच्चाई के समर्थन में घोषणा देगा। जहां पर आयातक को इस प्रकार की आयात कोड संख्या प्राप्त करने से छूट प्राप्त है वहां वह इस प्रकार की छूट प्रदान करने वाले मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के प्राधिकारी का नाम बतायेगा। (यह धारा 1 जुलाई, 1982 से लागू होगी)।

10ख. आयातित माल का उपयोग:—(1) भारतीय व्यापार निगम द्वारा या मान्यताप्राप्त किसी अन्य एजेंसी द्वारा किए गए आबंटन या वितरण के दौरान प्राप्त किए गए किसी भी आयातित माल का उपयोग कोई भी व्यक्ति केवल उमी तरीके से और उमी उद्देश्य के लिए करेगा उमने आबंटन या वितरण के लिए अपने आवेदनपत्र में या ऐसे आवेदनपत्र की पुष्टि में दिए गए दस्तावेज में घोषित किया हो।

(2) धारा 10(ग) के उपबन्धों के अधीन कोई भी व्यक्ति लाइसेंस के मद्दे आयात किए गए माल को, आयात व्यापार के नियंत्रण अधिनियम के अधीन जारी किए गए प्राधिकार पत्र के बल पर तब तक न तो उपयोग करेगा न बेचेगा जब तक कि एस प्राधिकार-पत्र में ऐसा करने की शर्तें न हों।

10ग. कुछ मामलों में आयातित माल की बिक्री के लिए निर्देश देने का अधिकार:—

- (1) जिस मामले में माल का आयात करने पर या उसके बाद किसी समय भी, मामले की सुनवाई के लिए लाइसेंसधारी को उचित अवसर प्रदान करने के बाद मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात इस बात में सन्तुष्ट हो जाए कि ऐसे माल का उपयोग इस उद्देश्य के लिए नहीं किया जा सकता है अथवा नहीं किया जाना चाहिए जिस के लिए वह आयात किया गया था तो वह आदेश द्वारा माल के आयात को (यदि माल का आयात खुले सामान्य लाइसेंस अथवा विशेष सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत किया हो) अथवा लाइसेंसधारी को या ऐसे माल को या अधिकार नियंत्रण में रखने वाले किसी अन्य व्यक्ति को ऐसे माल का ऐसे व्यक्ति को ऐसे समय के भीतर, ऐसी कीमत पर और ऐसे तरीके से बेचने का निर्देश दे सकता है जो उस निर्देश में उल्लिखित हो।

(2) उप खंड (1) के अधीन निर्धारित किये जाने वाले मूल्य में सामान के उतारने तक की कुल कीमत, छुड़ाई और ड्यूटी तथा इस संबंध में मामले की परिस्थितियों को देखते हुए मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात द्वारा जो भी प्रासंगिक खर्च उचित समझे जाए, शामिल किए जाएंगे।

(2-क) यदि माल का आयात भारतीय राज्य व्यापार निगम, भारतीय खनिज और धातु व्यापार निगम या सरकार के स्वामित्व या नियंत्रणाधीन इसी प्रकार के किन्हीं अन्य संस्थानों या एजेंसियों या किसी अन्य मान्यता-प्राप्त एजेंसी की माफत किया गया हो और इस प्रकार आयात किया गया सामान किसी व्यक्ति को आवंटित किया गया हो तो ऐसे व्यक्ति को भी मूजवाई का अवसर दिया जाएगा।

(3) जिस लाइसेंसधारी या व्यक्ति को खण्ड (1) के अधीन कोई निर्देश दिया जाए, उसे उस निर्देश का पालन करना होगा।

10 घ. किसी घोषणापत्र, विवरणपत्र या बस्ताबेच पर हस्ताक्षर करने आदि को मनाही :—

(1) यदि किसी व्यक्ति को यह ज्ञात हो या उसके पास यह मानने का पर्याप्त आधार हो कि किसी घोषणा, वक्तव्य या प्रलेख में कोई व्युत्पन्न गलत दिया गया है तो वह कोई लाइसेंस प्राप्त करने या किसी प्रकार का सामान आयात करने के लिए इस प्रकार की कोई घोषणा नहीं करेगा या वक्तव्य या प्रलेख नहीं देगा या प्रलेख पर हस्ताक्षर नहीं करेगा और न ही किसी दूसरे से ऐसी घोषणा करवायेगा या वक्तव्य नहीं दिलवाएगा या प्रलेख पर हस्ताक्षर नहीं करवाएगा और न उन्हें इस्तेमाल करेगा और न ही किसी को इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित करेगा।

(2) लाइसेंस प्राप्त करने या कोई माल आयात करने के लिए कोई भी व्यक्ति कोई भ्रष्ट तरीका या कपटपूर्ण पद्धति नहीं अपनाएगा।

10ङ मुख्य नियंत्रक/अपर मुख्य नियंत्रक द्वारा संशोधन करने का अधिकार :—

मुख्य नियंत्रक अथवा अपर मुख्य नियंत्रक अपनी इच्छानुसार या अन्यथा रूप से किसी भी ऐसी कार्रवाई के रिकार्ड को मंगवा सकता है और जांच पड़ताल कर सकता है जिसमें उसके अधीनस्थ किसी भी अधिकारी द्वारा धारा 8 की उप-धारा (1) अथवा उप-धारा (3) के अन्तर्गत विवरित करने या धारा 9 की उप धारा (1) के अन्तर्गत लाइसेंस रद्द करने की कार्रवाई की गई हो अथवा उसे पूर्ण किया गया हो (जो भी कुछ इसका परिणाम हो) और ऐसी कार्रवाई के सही होने, वैधानिकता अथवा औचित्य के लिए उसको संतुष्ट करने के प्रयोजनार्थ कोई अपील प्रस्तुत न की गई हो और उस कार्रवाई पर ऐसे आदेश दे सकता है जो वह ठीक समझे।

बशर्ते कि इस उप-धारा के अन्तर्गत की गई कोई भी कार्रवाई इस सीमा तक परिवर्तित नहीं होगी कि वह किसी भी व्यक्ति पर प्रतिकूल प्रभाव डाले जब तक कि वह व्यक्ति :—

(1) ऐसी कार्रवाई की जाने की तिथि से दो वर्ष की अवधि के भीतर यह कारण प्रदर्शित करने का एक

नोटिस प्राप्त न कर ले कि ऐसी कार्रवाई परी-वर्तित क्यों न कर दी जाए, और

(2) जब तक कि उसने प्रतिवेदन देने का उचित अवसर प्रदान न किया गया हो और यदि वह ऐसा चाहे तो बचाव के लिए मुजवाई का सुअवसर न दिया गया हो।

11. बचत :—(1) इस आदेश में से कोई भी बात निम्न-लिखित किसी भी माल के आयात पर लागू नहीं होगी :—

(क) रक्षा कार्यों के लिए केन्द्रीय सरकार या केन्द्रीय सरकार के नियंत्रण या स्वामित्व के अधीन एजेंसियों/उपक्रमों द्वारा आयात की जाने वाली वस्तुएं।

(ख) आपूर्ति मंत्रालय के क्रय संगठन के अभिकरण अर्थात् लन्दन स्थित इण्डिया सप्लाई मिशन और वाशिंगटन स्थित इण्डिया सप्लाई मिशन की माफत केन्द्रीय सरकार अथवा किसी राज्य सरकार, सार्वजनिक निगम, सार्वजनिक निकाय या संयुक्त स्टॉक कंपनी के रूप में चलाए जा रहे किसी सरकारी उपक्रम द्वारा आयात किया जाने वाला सामान;

(ग) केन्द्रीय सरकार, किसी राज्य सरकार या किसी सार्वजनिक निगम या सार्वजनिक निकाय या संयुक्त स्टॉक कंपनी के रूप में चलाए जा रहे किसी सरकारी उपक्रम द्वारा आयात किया जाने वाला ऐसा सामान जिसके बारे में आदेश महानिदेशालय पूर्ण और निपटान, नई दिल्ली की माफत दिये जाते हैं;

(घ) वाहनान्तरण द्वारा या आयातित और आ पहुँचने पर पात भंडार के रूप में या अन्य प्रकार से भारत से बाहर परन्तु नेपाल, तिब्बत और भूटान को छोड़कर किसी देश को पुनः निर्यात के लिए बॉन्ड या आयातित और आ पहुँचने पर यथापूर्ववर्त पुनः निर्यात के लिए बॉन्ड माल परन्तु बाद में राजनयिक कर्मचारियों, भारत में कानूनी अधिकारियों और संयुक्त राष्ट्र मध्य के कर्मचारियों और उसकी विशेष एजेंसियों को रिहा किया गया माल जिन्हें क्रमशः वित्त मंत्रालय (डॉ. आर.) अधिसूचना सं. 3 दिनांक 8 जनवरी, 1957 और संयुक्त राष्ट्र (विशेषाधिकार तथा प्रतिरक्षण) अधिनियम, 1947 के अधीन शुल्क का भुगतान करने से छूट है;

(ङ) अनुमोदित कर मुक्त दुकानों पर विक्री के लिए पहुँचने पर आयातित और बॉन्ड बाह्य वह स्वतंत्र विदेशी मुद्रा में भुगतान के मद्दे बाहर जाने वाले या आने वाले यात्रियों के लिए हो;

(च) ऐसा सामान जो डाक द्वारा या अन्यथा रूप से भारत के रास्ते से भेजा जा रहा हो या उसे नेपाल, तिब्बत और भूटान को छोड़कर डाक द्वारा या अन्यथा रूप से भारत से बाहर किसी अन्य देश को पुनः प्रेषित किया जा रहा हो, परन्तु शर्त यह है कि ऐसा सामान भारत में जब तक रहे तब तक वह डाक/सीमा शुल्क प्राधिकारियों के कब्जे में रहे;

(च) शल्लूक से छूट या शल्लूक को पूर्णरूप से या आंशिक रूप से वापसी का दावा करते हुए नेपाल, तिब्बत और भूटान को भारत के रास्ते से वायुमार्ग द्वारा अफगानिस्तान को या स्थल मार्ग से भारत से बाहर किसी अन्य देश को भेजा जाने वाला माल, परन्तु शर्त यह है कि सामान का आयात किसी ऐसे देश द्वारा स्वयं या उसकी सरकार की ओर से किया गया हो जिसकी सीमा भारत से लगती हो या आयातकर्ता यह वचन दे कि वह निश्चित अतिरिक्त के भीतर यह प्रमाण-पत्र प्रस्तुत कर देगा कि इस प्रकार का सामान भारत की सीमा से बाहर चला गया है और यदि ऐसा न हुआ तो वह यथोचित सीमा-शल्लूक प्राधिकारी द्वारा उस सामान के बारे में जो भी निर्णय किया जाएगा वह निर्णय भरेगा, इसके अलावा यह शर्त भी होगी कि उक्त सामान में कोई ऐसी वस्तुएं न हों जो निर्यात व्यापार नियंत्रण विनियमावली के अधिकारी देश से बाहर हों;

(छ) यात्री उपबाध के रूप में किसी व्यक्ति द्वारा उस समय लागू उपबाध नियमावली के अन्तर्गत स्वीकार्य सीमा तक आयात किया जा सकता है परन्तु इस सामान में अनुसूची-1 के शीर्ष सं. 29.01/45 के अन्तर्गत आने वाली 1/2 पाउंड पाउडर की 500 गैलिया या 100 एम्प्यूल्स से अधिक कुलन शामिल नहीं है।

परन्तु किसी पर्यटक द्वारा किये जाने वाले आयात के मामले में शर्त यह है कि जिन मूल्यवान् वस्तुओं को पर्यटक परदाब नियमावली 1978 के नियम 7 के अनुसार पुनः निर्यात करना अनिवार्य हो उक्त भारत छोड़ने पर पुनः निर्यात किया जाएगा और ऐसा न करने पर यह माना जाएगा कि वे वस्तुएं ऐसी हैं जिनका सीमा शल्लूक अधिनियम, 1962 (1962 का 52वां) के अधीन आयात निषेध है;

इसके अलावा जिन वस्तुओं पर इस उप-पैरा के अंतर्गत छूट दी गई है, यह छूट इस शर्त के अधीन होगी कि ऐसी वस्तुओं को ब्रेच नहीं जाएगा, जिक्री के लिए विज्ञापित नहीं किया जाएगा या दकान पर प्रदर्शित नहीं किया जाएगा, जब तक कि (क) उल्लेखों के मामलों में जो ऐसे व्यक्ति या यात्री या कमीर्दल के सदस्य द्वारा छुड़ाये जाने की तिथि से कम से कम 10 वर्षों की अवधि तक प्रयोग में न लाया गया हो या (ख) टी. वी. गेटों के मामलों में, जो ऐसे व्यक्ति या यात्री या कमीर्दल के सदस्य द्वारा छुड़ाए जाने की तिथि से कम से कम 5 वर्षों की अवधि तक प्रयोग में न लाया गया हो, अथवा (ग) अन्य वस्तुओं के मामलों में, जब तक कि उनका आजार भाव उनकी खरीद के तत्पश्चात् बाजार भाव की तुलना में कम कर 50% से कम नहीं रह जाता।

(छछ) किसी व्यक्ति द्वारा डाक के जरिए निजी प्रयोग के लिए आयात किया गया सामान या किसी संस्थान अथवा अस्पताल द्वारा अपने प्रयोग के लिए आयात किया गया सामान, परन्तु जिसमें निम्नलिखित सामान शामिल नहीं है :—

- (1) अनुसूची 1 की शीर्ष संख्या 12.05/10 के अन्तर्गत आने वाले उपर्युक्त वीजों के डाक पार्सल जिनका वजन एक पाँच से अधिक हो।
- (2) अनुसूची-1 की शीर्ष संख्या - 01.01/06 के अन्तर्गत आने वाली मधुमक्खियाँ।

(3) अनुसूची - 1 की शीर्ष संख्या 09.01/10 के अन्तर्गत आने वाली चाय।

(4) पुस्तकें, पत्रिकाएँ, जर्नल और साहित्य जिनका फिलहाल लागू आयात नीति के अनुसार आयात करने की मनाही हो।

(5) माल, जिसका आयात लागू आयात नीति के अन्तर्गत सरणीबद्ध है।

(6) नशीले पेय-पदार्थ।

(7) आग्नेयास्त्र और गोला बारूद।

(8) उपभाग इलेक्ट्रॉनिक मर्च जिनका मूल्य पाँच सौ रुपये से अधिक हो (श्रवण सहायक और जीवन रक्षक उपकरण, उपस्कर एवं माधिव और उसके पर्जों को छोड़कर)।

शर्तें कि एक समय में यथा पूर्वोक्त आयातित माल का लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य 1250 रुपये से अधिक न होगा,

टिप्पणी :—उपहार में प्राप्त वस्तुओं के अलावा, अन्य वस्तुओं के मूल्य की अदायगी रिजर्व बैंक आफ इण्डिया की अनुमति में प्राधिकृत व्यापारियों के जरिये विदेशी मुद्रा में की जा सकेगी।

(ज) मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात द्वारा सीमा शल्लूक प्राधिकारियों के लिए जारी किये गये किसी कार्यकारी अनुदेश के अन्तर्गत आने वाली वस्तुएं।

(झ) राजनयिकों, कांसूलरों, अधिकारियों और भारत में व्यापार आयुक्तों द्वारा या उनकी ओर से आयात किया गया सामान जिन पर उन्हें भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की दिनांक 8 जनवरी, 1957 की अधिसूचना संख्या 3 के अनुसार सीमा शल्लूक अदा नहीं करना पड़ता।

(ञ) किसी ऐसे देश से आयात किया गया सामान जिसे पुनः आयात करने पर सीमाशल्लूक अधिनियम, 1962 (1962 का 52वां) की धारा 20 के अधीन भारत सरकार वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की तारीख 16 मई, 1957 की सीमा शल्लूक अधिसूचना सं. 113, तारीख 25 मार्च, 1958 की अधिसूचना सं. 103, 11-10-1958 की अधिसूचना सं. 260 और 261, 25-10-1958 की अधिसूचना सं. 269, 270, 271, 273, 274, 275 और 276 और भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की ता: 2-8-1976 की अधिसूचना सं. 204 अथवा यथा संशोधित अधिसूचना सं. 174, दिनांक 24-9-1966 या भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व एवं बीमा विभाग) की अधिसूचना सं. 103, दिनांक 16-5-1978 अथवा अधिसूचना सं. 80 दिनांक 29-8-1970 के अनुसार सीमा शल्लूक नहीं देना होता है।

(ट) भारत में या विदेशों में निर्मित ऐसी वस्तुओं के पुर्जों जो विनिर्माताओं को परीषदी से मरम्मत करने और पुनः निर्यात करने के लिए प्राप्त हुए हों, परन्तु शर्त यह है कि :—

(1) सीमा शुल्क प्राधिकारियों को सम्बन्ध मामले की सत्यता पर विश्वास हो; और

(2) तारीख 9-12-1961 की सीमाशुल्क अधिसूचना सं. 132 के अधीन पुनः आयात करने पर सीमा-शुल्क की अदायगी से छूट प्राप्त वस्तुओं से इसतर वस्तुओं के मामले में आयात-कर्ता सम्बन्ध पत्र पर आयात व्यापार नियंत्रण प्राधिकारी के पास यह बंध-पत्र प्रस्तुत करे कि इस प्रकार आयात की गई वस्तुएं मरम्मत करने के बाद 6 महीने के भीतर पुनः निर्यात कर दी जाएंगी।

(ठ) संयुक्त राष्ट्र संघ के अधिकारियों और उसकी विशेष एजेंसियों द्वारा आयात किया जाने वाला सामान जिस पर संयुक्त राष्ट्र संघ (विशेषाधिकार और प्रतिरक्षण) अधिनियम, 1947 के अनुसार सीमा शुल्क की छूट है।

(ड) निजी गाड़ियों के अस्थायी आयात संबंधी सीमा-शुल्क समझौते के अनुच्छेद 1 में परिभाषित गाड़ियां या उक्त समझौते के अनुच्छेद 4 में उल्लिखित उनके पुर्जों, जिन पर भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना संख्या 53-कस, दिनांक 1 मई, 1977 द्वारा उत्तरांतर या संशोधित अधिसूचना सं. 296 दिनांक 2 अगस्त, 1976, के अनुसार सीमा शुल्क की छूट है, परन्तु शर्त यह है कि —

(1) इस प्रकार की गाड़ियां या उनके पुर्जों उक्त अधिसूचना में दी गई अवधि या सीमा शुल्क प्राधिकारियों द्वारा बढ़ाई गई अवधि के भीतर पुनः निर्यात कर दिए जाएं।

(2) इस प्रकार की गाड़ियां या उनके पुर्जों के बारे में अस्थायी बाहन आयात अनुज्ञापत्र या पारगमन अनुज्ञापत्र के उपबन्धों या उक्त अधिसूचना के उपबन्धों का उल्लंघन न किया जाए;

अन्यथा इस प्रकार की गाड़ियों और संघटक पुर्जों पर इस आदेश में दिए गए उपबन्ध लागू होंगे और इस प्रकार की गाड़ियां या संघटकों को ऐसी वस्तुएं माना जाएगा, जिनका सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) के अनुसार आयात करने की मनाही है।

परन्तु शर्त यह है कि इन अपवादों में दी गई किसी भी बात से किसी वस्तु या किसी ऐसी

अन्य मनाही या विनियमावली पर कोई विपरीत प्रभाव नहीं पड़ेगा जो ऐसी वस्तुओं को आयात किये जाने के समय लागू हों।

(ण) कोई ऐसा सामान जो नेपाल की सरकार द्वारा जारी किए गए आयात लाइसेंस में शामिल हो और आयातक यथोचित सीमा-शुल्क प्राधिकारी द्वारा निर्धारित प्रपत्र में अनुसूचित बैंक में यथोचित सीमा शुल्क प्राधिकारी को इस संबंध में जमानत दे कि वह उस सम्पूर्ण माल या उसके किसी भाग के सम्बन्ध में शुल्क और आयात व्यापार नियंत्रण प्रतिबन्धों का उल्लंघन करने के लिए लगाया गया जमाना चकाएगा जिसके नेपाल राज्य में दाखिल होने की अनुमति नहीं है।

(त) भारतीय निर्माता को या अन्यथा रूप से केन्द्रीय सरकार या किसी राज्य सरकार द्वारा मरम्मत के लिए माल और जो विदेशों में भारतीय दूतावासों या विदेशों में स्थित केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकारों के किसी अन्य कार्यालय को पुनः निर्यात किया जाना हो।

(2) इस आदेश का कोई भी उपबन्ध भारतीय बाध निगम द्वारा आयात किए जाने वाले खाद्यान्न पर लागू नहीं होगा बशर्त कि निकासी के समय आयातक सीमा शुल्क प्राधिकारियों को यह घोषणा-पत्र प्रस्तुत कर दे कि सम्बन्ध आयात के लिए केन्द्रीय सरकार ने स्वीकृति दे दी है।

(3) इस आदेश में दिया गया कोई भी उपबन्ध मुफ्त दी जाने वाली ऐसी किसी सामग्री तथा बाध सामग्री के आयात पर लागू नहीं होगा जो संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा अनुमोदित एजेंसियों द्वारा मुफ्त उपहार के रूप में सप्लाई की जाती है और जिन पर वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) की 21 जून, 1975 की अधिसूचना संख्या-जी एस आर-766 के अधीन सीमा शुल्क की छूट प्राप्त है।

(4) धारा 5 की उप-धारा (3) के पैरा (3), धारा 8, धारा 8-क, धारा 8-ग और धारा 10-ग को छोड़कर केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए खुले सामान्य लाइसेंस अथवा विशेष सामान्य लाइसेंस के अंतर्गत किसी भी माल का आयात इस आदेश में दिए गए के अनुसार लागू नहीं होगा।

12. निरसन—अनुमूची 4 में दी गई अधिसूचना में निहित आदेश एतद् द्वारा निरस्त किये जाते हैं :—

परन्तु किये गये किसी भी कार्य या की गई किसी भी कार्रवाई को जिसमें उक्त आदेशों के अधीन की गई नियुक्ति या जारी किया गया लाइसेंस भी शामिल है, इस आदेश के अनुरूप उपबन्धों के अधीन किया गया कार्य या की गई कार्रवाई माना जाएगा।

परीक्षण 18—बारी

अनुसूची 1

(खंड 3 देखें)

नोट :—कालम (1) में प्रत्येक शीर्षक संख्या सीमा शुल्क दर अधिनियम, 1975 (1975 का 21) की अनुसूची के वर्गीकृत अध्याय और शीर्षक संख्या के अनुरूप हैं, तथा कालम (2) की प्रत्येक प्रविष्टि का वही अर्थ और सीमा है जो उक्त पहली अनुसूची के तदनुसूची अध्याय और शीर्षक की है।

शीर्षक संख्या वस्तुओं का विवरण

2

खंड-1

जीवित पशु : पशु उत्पाद

अध्याय-1

जीवित पशु

- 01 01 जीवित घोड़े, गधे, खरबंद और हिरनी
01 02 गोजानीय किस्म के जीवित पशु
01 03 जीवित सूअर
01 04 जीवित भेड़ तथा बकरियाँ
01 05 जीवित कककटादि, जैसे मुर्ग, बत्खें, गीज, पीरू और गायना मुर्गे
01 06 अन्य जीवित पशु

अध्याय-2

मांस और मांस के भोज्य छीछड़े

- 02 01 शीर्षक सं. 01.01, 01.02, 01.03 अथवा 01 04 के अन्तर्गत आने वाले पशुओं के मांस और मांस के भोज्य छीछड़े, ताजा, शीतित अथवा जमे हुए।
02 02 मात कककटादि (जैसे मुर्ग, बत्खें, हंस, पीरू और गायना मुर्गे) और उनके भोज्य छीछड़े (जिगर को छोड़कर), ताजा, शीतित अथवा जमे हुए।
02 03 कककटादि जिगर, ताजा, शीतित, जमे हुए, नमकीन अथवा लवण-जल में रबे हुए।
02 04 अन्य मांस एवं मांस के भोज्य छीछड़े ताजा शीतित अथवा जमे हुए।

1

2

- 02 05 सूअर की चरबी जिसमें क्षीण मांस और कककटादि की चरबी नहीं हो (पिघली हुई या विलायक निस्सारित नहीं), ताजा, शीतित, जमी हुई, नमकीन, लवण जल में रबी हुई, सूखी या धूमयित।
02 06 मांस और मांस के भोज्य छीछड़े (कककटादि जिगर को छोड़कर) नमकीन, लवण जल में रबे हुए, सूखे या धूमयित।

अध्याय-3

मछली, क्रस्टेशियन और मालस्कस

- 03 01 मछली, ताजी (जीवित या मृत) शीतित, अथवा जमी हुई।
03 02 मछली, सूखी, नमकीन अथवा लवण जल में रबी हुई; धूमयित मछली, चाहे धूमयित प्रक्रिया से पहले या उसके दौरान पकाई गई हो या नहीं।
03 03 क्रस्टेशियन और मालस्कस, चाहे सीपी में हो या नहीं, ताजे (जीवित या मृत), शीतित, जमे हुए, नमकीन, लवण जल में रबे हुए या सूखाए हुए; क्रस्टेशियन, सीपी में, साधारणतः पानी में उबले हुए।

अध्याय-4

डोरी उत्पाद; पक्षियों के अंडे; प्राकृतिक सहव; पशुओं से उद्भूत खाद्य उत्पाद, जो अन्य कहीं विशिष्टकृत या शामिल न किए गए हैं।

- 04 01 दूध और क्रीम, ताजा, गाढ़ा या मीठा नहीं हो।
04 02 दूध और क्रीम, परिरक्षित, गाढ़ा या मीठा नहीं हो।
04 03 मक्खन
04 04 पनीर और बही
04 05 पक्षियों के अंडे और अंडों की जर्दों, ताजी, सूखाई हुई या अन्य प्रकार से परिरक्षित, मीठी बनाई हुई या मीठी न बनाई हुई।
04 06 प्राकृतिक सहव
04 07 पशुओं से उद्भूत खाद्य उत्पाद जो और कहीं विशिष्टकृत या शामिल न किए गए हैं।

शीर्षक सं.	वस्तु-विवरण	शीर्षक सं.	वस्तु-विवरण
अध्याय 5		में न कटे हुए हों; पंजे और कच्छप शैल के अवशेष।	
पशुओं से उद्भूत उत्पाद, जो और कहीं विशिष्टकृत या शामिल न किए गए हों		05.12	मुँगा और इसी से मिलते-जुलते पदार्थ, जिन पर कोई काम न किया गया हो या साधारण रूप से तैयार किए गए हों परन्तु उन पर अन्यथा रूप से कोई कार्य न किया गया हो, शैल, जिन पर कोई काम न किया गया हो या साधारण रूप से तैयार किए गए हों परन्तु आकार में न कटे हुए हों; शैल का पूर्ण और अपशेष।
05.01	मानव-बाल जिन पर काम न किया गया हो, चाहे उन्हें धोया या धुँसाया गया हो या नहीं, मानव-बाल के अवशेष।	05.13	प्राकृतिक स्पंज।
05.02	सुअर, खस्ती सुअर एवं ब्राह्म के बिस्टल या बाल; बजर बाल और अन्य बूँस बनाने वाले बाल; ऐसे बिस्टल एवं बाल के अवशेष।	05.14	अम्बरगोरिस, कास्टोरियम, विलाव कस्तूरी और कस्तूरी, कन्धराइड्स, पित्त, चाहे सूखी हों या सूखी नहीं हों, पशु उत्पाद, ताजा, शीतल एवं जमे हुए या अन्यथा अनन्तिम रूप से परिरक्षित हों, ऐसी किस्म जिसका प्रयोग फार्मैस्यूटिकल उत्पादों के तैयार करने में किया जाता है।
05.03	घोड़े के बाल और घोड़े के बाल के अवशेष, चाहे उन्हें एक तरह में रखा गया हो या अन्य माल की बाँतहों के बीच में रखा गया हो।	05.15	पशु उत्पादन जो अन्यथा कहीं विशिष्टकृत नहीं किए गए हों या शामिल नहीं किए गए हों, अध्याय 1 अथवा अध्याय 3 के मत पशु जो मानव उपभोग के लिए उपयुक्त न हों।
05.04	पशुओं की अंतिडियाँ, धौलियाँ, एवं पेट (मछली को छोड़कर), पूर्ण रूप से और उनके टुकड़े।		
05.05	अपशेष मछली		
05.06	नस एवं कंडरा; कच्ची खाल एवं चमड़े की छीलन और मिलते जुलते अवशेष।		
05.07	पक्षियों की चर्म और उनके अन्य भाग, उनके पंख या रोएँ सहित, पंख और पंख के भाग (चाहे साफ सूखे किनारों के साथ हो या नहीं) और रोएँ, साफ करने के अतिरिक्त उन पर और कोई कार्य न किया गया हो, रोगाणुओं में मुक्त या सुरक्षित रखने के लिए हों, पंख के पूर्ण और अपशेष या पंख के भाग।		
05.08	हड्डियाँ और श्रृंग-बीज, जिन पर कोई कार्य न किया गया हो, डिफॉटिड, साधारण रूप से तैयार किये गये हों (किन्तु आकार में नहीं काटे गये हों) तेजाब के साथ संसाधित हों या डिजेलैटिनाइज्ड हों, उन उत्पादों के पूर्ण या अवशेष।		
05.09	पशुओं के सींग, एन्टलर, हूव, नाखून, पंजे और चोंच, जिन पर कोई कार्य न किया गया हो या साधारण रूप से तैयार किए गए हों किन्तु आकार में नहीं काटे गए हों और इन उत्पादों के अवशेष और चूर्ण; स्क्वेलबोन और इससे मिलते जुलते, जिन पर कोई कार्य नहीं किया गया हो या साधारण रूप से तैयार किए गए हों किन्तु आकार में नहीं काटे गए हों और इन उत्पादों के बाल और अवशेष।		
05.10	हाथी दाँत, जिन पर कोई काम न किया गया हो या साधारण रूप से तैयार किए गए हों किन्तु किसी आकार में न कटे हुए हों, हाथी दाँत के चूर्ण और अवशेष।		
05.11	कच्छप शैल (शैल और स्केल), जिन पर कोई काम न किया गया हो या साधारण रूप से तैयार किए गए हों परन्तु आकार		

खंड-2**वनस्पति उत्पाद****अध्याय-6**

जीवित पेड़ और पौधे; कंब जड़े और ऐसे ही पदार्थ, कटे हुए फूल और सजावटी पौधियाँ

- 06.01 सकन्द कन्व, कम्पाकार जड़े, धनकन्द, काजन्म एवं रिहजोम, डोरमैन्ट, वर्धन में हो या फूल में हों।
- 06.02 अन्य जीवित पौधे जिनमें पेड़, झाड़ी, भूर-मट, जड़, काटिंग और स्लिप्स शामिल हैं।
- 06.03 ऐसे प्रकार के कटे हुए फूल और फूल कलियाँ जो ग्लदस्ते बनाने या सजावटी प्रयोजनों में उपयुक्त हैं, ताजा, सूखे, रंजित, ब्लीचड, इम्प्रेगनेटिड अथवा अन्यथा रूप से तैयार किए गए।
- 06.04 वृक्ष के बेल-बूटो, शाखाएँ और अन्य भाग (फूल और कलियाँ से भिन्न) भाथी, झुरमुट इस प्रकार के माल के, जो ग्लदस्ते और सजावटी प्रयोजनों में उपयुक्त हैं, ताजे, सूखे, रंजित, ब्लीचड इम्प्रेगनेटिड अथवा अन्यथा रूप से तैयार किए गए।

अध्याय-7

खाद्य वनस्पतियां और कुछ जड़ें तथा कन्दमूल

शीर्षक सं.	वस्तु-विवरण
07.01	वनस्पतिया, ताजी या शीतित।
07.02	वनस्पतिया (चाह पकाई हुई हो या न पकाई हुई हो), बर्फ द्वारा परिरक्षित।
07.03	वनस्पतिया जो अन्तिम रूप से लवण जल में परिरक्षित हो, शक्कर के पानी में या अन्य परिरक्षक घोल में परिरक्षित हों परन्तु विशेष रूप से तुरन्त उपभोग के लिए तैयार न की गई हों।
07.04	सूखी डिहाइड्रोटेड या पानी रहित वनस्पति, पूर्ण, कटी हुई, स्लाइस, तोड़ी हुई या चूर्ण में, किन्तु और आगे तैयार न की गई हों।
07.05	मुखाई हुई फलीदार वनस्पतियां, छिलके वाली, चाहे छिलकेदार अथवा स्प्लिट हों या न हों।
07.06	आलू का पौधा, अरारोट, सालम मिश्री, जेरूसलम, आर्टिचोक मीठे आलू और इसी से मिलती जुलती जड़ें और कन्दमूल जिनमें उच्च मात्रा का स्टार्च या इन्सुलिन वस्तु हों, ताजा या सूखा, सम्पूर्ण या स्लाइस; साबुदाना सत्व।

अध्याय-8

खाद्य फल और गिरीदार फल; तरबूज के छिलके या नींबू के फल

08.01	खजूर, केल, नारियल, तिकोना फल (जिसमें गिरी होती है), काजू, अनानास, एगो-केडास, आम, अमरूद और मंगुष्ट, ताजा अथवा सूखा, छिलके वाला या बिना छिलके वाला।
08.02	नींबू जाति के फल, ताजा अथवा सूखे।
08.03	अंजीर, ताजा अथवा सूखा
08.04	अंगूर, ताजे अथवा सूखे
08.05	शीर्षक सं. 08.01 के अन्तर्गत आने वालों से भिन्न गिरी, ताजी अथवा सूखी, छिलके वाली या बिना छिलके वाली
08.06	सेब, नाशपाती और सूरजफल, ताजे
08.07	गूठलीदार फल, ताजे
08.08	सरस फल, ताजे
08.09	अन्य फल, ताजे
08.10	बर्फ द्वारा परिरक्षित फल (चाह पकाए हुए या न पकाए हुए) परन्तु उनमें चीनी न मिली हुई हो।
08.11	फल जो अस्थायी रूप से परिरक्षित (उदाहरणार्थ सल्फर डाइआक्साइड गैस द्वारा, लवण जल

शीर्षक सं.

वस्तु-विवरण

में, गन्धक जल में या अन्य परिरक्षण घोल में) परन्तु उम्र स्थिति में तुरन्त उपभोग के लिए उपयुक्त न हों।

08.12 शीर्षक सं. 08.01, 08.02, 08.03, 08.04, या 08.05 के अन्तर्गत आने वालों से भिन्न फल, सूखे।

08.13 तरबूज के छिलके एवं नींबू जाति के फल, ताजे, जमाए हुए, सूखे अथवा अस्थायी रूप में लवण जल में, गन्धक जल में या अन्य परिरक्षण घोल में परिरक्षित।

अध्याय-9

कहवा, चाय, मेट और मसाले

09.01 कहवा चाहे भुना हुआ या न भुना हुआ या कैफेन से मुक्त किया हुआ, कहवा की भूसी और छाल, कहवा के प्रतिस्थानी जिनमें कहवा किसी अनुपात में अन्तर्विष्ट हों।

09.02 चाय

09.03 मेट

09.04 "पाइपर" प्रकार की मिर्च, "केप्सिकम" प्रकार का पिमेन्टो अथवा "पिमेन्टो" किस्म

09.05 वैनिला

09.06 दालचीनी और दालचीनी के वृक्ष के फूल

09.07 लोंग (सम्पूर्ण फल, लोंग और इण्डी)

09.08 जायफल, जावित्री और इलायची

09.09 सोंफ, बदयन, मंथी, धनिया, प्याज, अजवायन और हाउबेरे के बीज।

09.10 अजवायन, केसर और तेषपात के पत्ते; अन्य मसाले।

अध्याय-10

अनाज

10.01 गेहूं और मैसलिन (मिश्रित गेहूं और राई)

10.02 राई

10.03 जौ

10.04 जई

10.05 मक्का

10.06 बाजरा

10.07 कुटू, बाजरा, केनरी बीज और गल्ला सारथम; अन्य अनाज।

अध्याय-11

मिल उद्योग के उत्पाद, माल्ट और स्टार्च; ग्लूटिन इन्सुलिन

शीर्षक सं.	वस्तु-विवरण
11.01	अनाज का आटा
11.02	अनाज का दलिया और अनाज का बेंसन; अन्य संसाधित अनाज के दाने (उदाहरणार्थ बोलित, टुकड़े किए हुए, पालिश किए हुए, पीस कर मोती जैसे बनाए हुए, या कुचले हुए, परन्तु इससे आगे उन पर कोई काम न किया गया हो) इसमें छिलकेदार, चमकीला, पालिश किया गया या तोड़ा हुआ चावल शामिल नहीं हैं; अनाज के बीज, सम्पूर्ण रूप में, बोलित, टुकड़े किए हुए या ग्राउन्ड।
11.03	शीर्षक सं. 07.05 के अन्तर्गत आने वाली फलीदार वनस्पतियों का आटा।
11.04	अध्याय 8 में किसी भी शीर्षक के अन्तर्गत आने वाले फलों का आटा।
11.05	आटा, मालू का आटा और फ्लेक्स।
11.06	आटा और साबुदाने और मनीयक का चूर्ण अगरोट, सेलप और अन्य जड़ों और कन्द जो शीर्षक सं. 07.06 के अन्तर्गत आते हैं।
11.07	माल्ट, भूना हुआ और बिना भूना हुआ
11.08	स्टार्च; इनसुलिन
11.09	गेहूँ का सतत, चाहे सूखा हो या न हो।

अध्याय-12

तिलहन और तेलदार फल; विविध प्रकार के दाने, बीज और फल; औद्योगिक और चिकित्सा में काम आने वाले पौधे, भूसा और चारा

12.01	तिलहन और तेलदार फल, साबुत या खण्ड किए हुए।
12.02	तिलहन और तेलदार फल का आटा या बेंसन जिसमें से चबी न निकाली गई हो (सरसों के आटे को छोड़कर)
12.03	बीज, फल और बीजाणु जो बोने के लिए उपयोग में आने वाली किस्म के हों।
12.04	चूकन्दर, साबुत या टुकड़े, ताजी, सुखाई गई या चूर्ण की हुई; गन्ना।
12.05	कासनी की जड़ें, ताजी या सुखाई गई, साबुत या कटी हुई, बिना तपाई गई।
12.06	हाफ कोन्स और लूपूलिन
12.07	पौधे और पौधों (बीजों और फलों सहित) के भाग, भाड़-भांडाड़, भाड़िया या अन्य पौधे,

शीर्षक सं.

वस्तु-विवरण

	जो मुख्य रूप से इत्रसाजी में, औषधि निर्माण में या कीड़े मारने के लिए, फफंदी नाश करने के लिए या अन्य समान कार्यों के लिए उपयोग किए जाने वाले मान की एक किस्म होते हैं; या ताजी, सुखाई हुई, पूर्ण, कटी हुई, कुचली हुई, पिंसी हुई या चूर्ण के रूप में।
12.08	टिड्डी सेम, ताजी या सुखाई हुई, कुचली हुई या पिंसी हुई हो या नहीं परन्तु इससे आगे तैयार न की गई हो; फलों की गिरी और मुख्य रूप से मनुष्य के भोजन के लिए उपयोग किए जाने वाले अन्य वनस्पति उत्पाद जो किसी अन्य शीर्षक के अंतर्गत नहीं आती हैं।
12.09	अनाज की पुआल और भूसी, बिना तैयार किए गए या खण्ड किए गए परन्तु अन्य प्रकार से तैयार न किए गए हों।
12.10	मेनगोल्ड्स, स्वीड्स, चारा-जड़ें, सूखी घास, लसून्घास, तिपतिया घास, छोटी घास, करमसाग का चारा, लूपिन मोठ और इसके समान चारा उत्पाद।

अध्याय-13

रंगने में या चमड़ा कमाने में प्रयोग करने के लिए उपयुक्त किस्म की कच्ची वनस्पति सामग्री : लाख, गोंद, रोजिन और वनस्पति के अन्य रस और सस

13.01	रंगने में या चमड़ा कमाने में मुख्य रूप से प्रयोग करने के लिए उपयुक्त किस्म की कच्ची वनस्पति को सामग्री।
13.02	चमड़ा, लाख के दाने, छड़ी लाख और अन्य लाख; प्राकृतिक गोंद, रोजिन, गोंद रोजिन और बालसम।
13.03	वनस्पति के रस और सस; पैकिटक सार, पैकिटनेट्स और पैकेट्स; अगर-अगर और अन्य लासा तथा स्थूल पदार्थ, वनस्पति उत्पादों से उद्भूत।

अध्याय-14

वनस्पति की शिकन बाँधने और नक्काशी करने की सामग्री; वनस्पति उत्पाद जो और कहीं विशिष्ट या शामिल नहीं हैं

14.01	मुख्यतः शिकन डालने में उपयोग की जाने वाली वनस्पति सामग्री (उदाहरणार्थ अनाज, भूसा, साफ किया हुआ, ब्लिन्ड अथवा रंगा हुआ, बेंत, रीड्स, रेशस, ताड़, बांस, रफिया और लाइमबाँक)।
14.02	वनस्पति सामग्री, चाहे किसी अन्य सामग्री की एक तह पर या दो तहों के बीच रखी गई हो और ऐसी किस्म की मुख्यतः स्टीफिंग

शीर्षक सं.	वस्तु-विवरण	शीर्षक सं.	वस्तु-विवरण
	या पीड़िंग के रूप में उपयोग की जाती है (उदाहरणार्थ सेमल की रुई, बनस्पति रोएं और हेल-वास)।		वैक्यूम में ताप द्वारा या मन्व गैस द्वारा पालि-मराइज्ड अथवा अन्य प्रकार से परिष्कृत।
14.03	ऐसी किस्म की बनस्पति सामग्री जो मुख्यतः बुशों में या कूची करने में उपयोग की जाती है (उदाहरणार्थ सोरगोह, पसवा, कोच-ग्रास एवं इस्टल) चाहे गूठ या लच्छे में हो या न हो।	15.09	डिग्रास
14.04	नयकाशी करने के लिए उपयोग किए जाने वाले कठोर बीजों, पिप, शोबलों और गिरीदार फलों की एक किस्म (उदाहरणार्थ कोराज और डोम)।	15.10	वसायुक्त एसिड; परिष्करण द्वारा एसिड तेल; वसायुक्त अलकोहल।
14.05	वनस्पति उत्पाद जो और कहीं विशिष्टकृत या शामिल नहीं हैं।	15.11	ग्लाइसोल और ग्लाइसोल लीस।
		15.12	पशु या बनस्पति तेल एवं वसा, पूर्ण रूप से या आंशिक रूप से हाइड्रोजनेटड या किसी अन्य प्रक्रिया द्वारा जमाया हुआ या सक्त किया हुआ हो, चाहे परिष्कृत किया गया हो या नहीं परन्तु आगे तैयार न किया गया हो।
		15.13	मारगेराइन, इमिटेशन लार्ड और अन्य प्रकार से तैयार की गई खाने योग्य चरबी।
		15.14	स्पर्मसेटि, अपरिष्कृत, प्रेस्ड या परिष्कृत चाहे रंगदार हो या न हो।
		15.15	मधुमक्खियों का मोम, एवं अन्य कीड़ों का मोम चाहे रंगदार हो या नहीं।
		15.16	वनस्पति मोम, चाहे रंगदार हो या नहीं।
		15.17	वसायुक्त तत्वों या पशु या वनस्पति मोम के शोधन से प्राप्त अपशेष।

खण्ड-3

पशु और वनस्पति चरबी और तेल और उनकी फांक के उत्पाद; तैयार खाद्य चरबी; पशु तथा वनस्पति मोम

अध्याय-15

पशु और वनस्पति चरबी और तेल और उनकी फांक के उत्पाद; तैयार खाद्य चरबी; पशु तथा वनस्पति मोम

- 15.01 मुअर की चरबी, अन्य मुअर की चरबी और कुक्कुटादि की चरबी पिघली हुई या विलायक निस्सारित।
- 15.02 गांजातीय पशुओं, भेड़ या बकरियों की चर्बी न पिघली हुई, पिघली हुई या विलायक निस्सारित चरबी (जिसमें "ग्रीमियर जस" शामिल है) जो न पिघली हुई चरबी में प्राप्त की गई है।
- 15.03 लार्ड स्टीयरिन, आलियो स्टीयरिन एवं टैलो स्टीयरिन; मुअर की चरबी का तेल, आलियो तेल एवं चरबी तेल, जिसका पायसीकरण न किया गया हो या किसी भी रूप में मिश्रित या तैयार न किया गया हो।
- 15.04 मछली और समुद्री स्तनधारी की चरबी और तेल, चाहे परिष्कृत हो या न हो।
- 15.05 ग्रीम और उनसे निकाली गई चरबी वाली वस्तुएं (जिसमें लेनीलिन शामिल हैं)।
- 15.06 अन्य पशुओं का तेल और चरबी (जिनमें गो-जातीय पशुओं के पैरों का तेल और हड्डियों से प्राप्त चरबी और अपशेष शामिल हैं)।
- 15.07 नियतित वनस्पति तेल, तरल या ठोस अपरिष्कृत या शुद्ध किए हुए।
- 15.08 तेल और वनस्पति तेल, उबला हुआ आक्सीकृत, निर्जलीकृत, सल्फराइज्ड, ब्लोन या

खंड-4

तैयार खाद्य पदार्थ; पेय पदार्थ, लिफ्ट तथा सिरका; तम्बाकू

अध्याय-16

मांस, मछली, क्रैस्टेशियन या मोलस्क से निर्मित पदार्थ

- 16.01 मांस, मांस के भोज्य छीछड़ों या पशु रक्त के सॉसिज और इसी से मिलते जुलते पदार्थ।
- 16.02 अन्य तैयार किए या परिष्कृत मांस या मांस के भोज्य छीछड़े।
- 16.03 मांस के सत और मांस के रस; मछली के सत।
- 16.04 तैयार या परिष्कृत मछली, जिनमें मछली का अचार और मछली के अचार के प्रतिस्थानी पदार्थ शामिल हैं।
- 16.05 क्रैस्टेशियन तथा मोलस्क, तैयार या परिष्कृत।

अध्याय-17

चीनी और चीनी की मिठाई

- 17.01 चुकन्दर की चीनी और गन्ने की चीनी, ठोस रूप में।
- 17.02 अन्य प्रकार की चीनी, चीनी के शर्बत; बना-वटी शहब (चाहे प्राकृतिक शहब में मिश्रित हो या नहीं हो); वरध-शर्करा।
- 17.03 सीरा, चाहे वर्णहीन हो या नहीं।

शीर्षक सं.	वस्तु-विवरण	शीर्षक सं.	वस्तु-विवरण
17.04	चीनी की मिठाई, जिसमें कोको शामिल नहीं हो।		चीनी हो या चीनी रहित हो, चाहे उनमें नमक, मसाला और राई हो या नहीं हो।
17.05	सुगंधित या रांगीन चानी, शर्बत और सीरा परन्तु इसमें किसी भी अनुपात में चीनी मिलाए हुए फलों का रस शामिल नहीं हो।	20.02	सिक्का या एसाटक एसाड से भिन्न अन्यथा रूप से तैयार या पाररक्षित वनस्पतिया
	अध्याय-18	20.03	बर्फ में ब्रमाए हुए पाररक्षित फल, जिनमें चीनी मिली हुई हो।
	कोको और कोको से निर्मित उत्पाद	20.04	चीनी द्वारा पाररक्षित फल, फल के छिलके और पाँधों के भाग (ड्रिड, ग्लोस या क्रिस्टेलाइज्ड)।
18.01	कोको की फली, साबूत या टूटी हुई, कच्ची या भूनी हुई।	20.05	जेल, फलों की जेली, फलमिष्ठान, फला का पूड़ा और फलों के पेस्ट, पका कर बनाए गए पदार्थ, चाहे उनमें चीनी मिली हुई हो या नहीं।
18.02	कोको का खोल, भूसी, छिलका और रूदी।	20.06	फला का रस (द्राक्षारस सहित) और वनस्पति का रस, चाहे उनमें चीनी मिली हुई हो या नहीं, परन्तु खमीर उठाए हुए से रहित और जिनमें स्ट्रॉ नहीं मिली हुई हो।
18.03	कोको पेस्ट (थोक में या खडों में) चाहे चवीरहित हो या नहीं।		
18.04	कोको का मक्खन (वसा या तेल)		
18.05	कोको का चूर्ण जो मीठा नहीं हो।		
18.06	चाकलेंट और अन्य खाद्य पदार्थ जिनमें कोको मिला हो।		

अध्याय-19**अनाज, आटा या स्टार्च से निर्मित पदार्थ, पेस्ट्री के उत्पाद**

- 19.01 माल्ट का सत्त
- 19.02 आटा, बेसन, स्टार्च से निर्मित पदार्थ या बच्चों के भोजन के लिए या भोजन सम्बन्धी या पाकशाला कार्यों के लिए उपयोग में आने वाले माल्ट सत्त की एक किस्म जिसमें जोंका का वजन 50 प्रतिशत से कम मात्रा में हो।
- 19.03 मैकरोनी, स्पागहेट्टी और मिलते जुलते उत्पाद।
- 19.04 टॉपियोका और साबूदाणा, टॉपियोका और साबूदाना प्रतिस्थानी जो आलू या अन्य स्टार्च से प्राप्त किए गए हों।
- 19.05 अनाजों या अनाज उत्पादों के खमीर द्वारा या भूनकर तैयार करके प्राप्त किए गए भोजन (मुरमुरा, कार्नफ्लैक्स और मिलते जुलते उत्पाद)।
- 19.06 कम्यून्यन वेफर्स, और ऐसी किस्म के खानी केचेट्स जिनका उपयोग फार्मेस्यूटिकल में किया जाता है, सीलिंग वेफर्स, राइस पेपर और इससे मिलते जुलते उत्पाद।
- 19.07 बूड, शिप्स बिस्कुट और अन्य साधारण बेकरी पदार्थ जिनमें चीनी, शहद, अंडे, खरबी, पनीर या फल न मिलाए गए हों।
- 19.08 पेस्ट्री, बिस्कुट, केक और अन्य उम्वी किस्म के बेकरी के सामान, चाहे उनमें किसी भी अनुपात में कोका हो या नहीं हो।

अध्याय-20**वनस्पतियों, फलों और पाँधों के अन्य भागों से तैयार पदार्थ**

- 20.01 वनस्पति और फल जो मिर्का या एमिटिक एमिट द्वारा तैयार या पाररक्षित हों, जिनमें

अध्याय-21**विविध खाद्य पदार्थ**

- 21.01 नून हुए कागती और अन्य भूने हुए कढ़वा के प्रतिस्थानी पदार्थ और उनके अर्क, सत्त और कन्सन्ट्रट।
- 21.02 कढ़वा, चाय या मेटे के अर्क, सत्त या कन्सन्ट्रट और इन अर्कों, सत्त या कन्सन्ट्रट्स पर आधारित पदार्थ।
- 21.03 मरचा का आटा और तैयार सगसों।
- 21.04 चटनी, मिश्रित मसाला और मिश्रित स्वादिष्ट नसकनेमज।
- 21.05 सूप और सारवा, द्रव्य और ठोस या चूर्ण के रूप में, सजातीय मिश्रित खाद्य पदार्थ।
- 21.06 प्राकृतिक पोस्ट (अनूकूल और प्रतिकूल) और तैयार बैंकिंग पाउडर।
- 21.07 खाद्य पदार्थ जो और कहीं विशिष्टीकृत या शामिल नहीं हैं।

अध्याय-22**शराब, स्ट्रॉ और सिरका**

- 22.01 जल जिसमें स्पा-जल और एरोटिड जल शामिल हैं, बर्फ और तुषार।
- 22.02 नीबू का जल, सुगंधित स्पा जल और सुगंधित एरोटिड जल और अन्य अल्कोहलिक रहित पेय, जिनमें फल और वनस्पति के रस शामिल नहीं हो और जो शीर्षक सं. 20.07 के अन्तर्गत नहीं हैं।
- 22.03 माल्ट से बनी बीयर।

शीर्षक सं.	वस्तु-विवरण
22.04	द्राक्षारस, खमीर से या अवरोद्ध खमीर के साथ और अन्यथा रूप में अल्कोहल के मिश्रण से भिन्न।
22.05	ताजे अंगूरों की शराब, अल्कोहल को मिलाते हुए द्राक्षारस अवरोद्ध खमीर के साथ
22.06	वरमाउथ और ताजे अंगूरों की अन्य शराब संग-धित सत्तों के साथ स्वादिष्ट।
22.07	अन्य खमीर के पेय (उदाहरणार्थ, सेब की शराब, नाशपाती की शराब और शहद की शराब)।
22.08	ईथिल अल्कोहल या न्यूट्रल स्पिरिट, अविकृत, 80 डिग्री या इससे अधिक शक्ति की; किसी भी शक्ति की विकृत ईथिल अल्कोहल और न्यूट्रल स्पिरिट सहित)।
22.09	स्पिरिट (शीर्षक सं. 22.08 में आने वाली स्पिरिट से भिन्न) शराब और स्पिरिट वाले अन्य पेय; पेयों के निर्माण के लिए औद्योगिक अल्कोहलीय पदार्थ (जो कन्मैन्टेडिड एक्सट्रैक्ट्स प्रकार की जाती हैं)।
22.10	सिरका और सिरके के प्रतिस्थानी पदार्थ।

अध्याय—23

सब उद्योगों से प्राप्त अवशेष और रद्दी; तैयार पशु चारा

23.01	मांस, छीछन्, मछली, क्रस्टेशियन या शीरे का आटा और बेसन जो मानव उपयोग गैरवृज के लिए उचित नहीं हैं।
23.02	ब्रान, शार्प्स और अन्य अवशेष जो शिप्टिंग मिलिंग या अनाजों या फलीदार वनस्पतियों पर प्रक्रिया करने से प्राप्त किये गये हैं।
23.03	चुकन्दर का गूदा, खोई और चीनी निर्माण के अन्य अवशेष, शराब तथा डिस्टिलिंग ड्रग्स एवं अवशेष; स्टार्च निर्माण के अवशेष और मिलते-जुलते अवशेष।
23.04	तेल निकालने से प्राप्त खली और अन्य अवशेष ड्रग्स को छोड़कर जो वनस्पति तेल के सार से प्राप्त हुई हैं।
23.05	वाइन लीस; अर्गोल।
23.06	वनस्पति उद्भूत की ऐसी किस्म जो पशु-चारे के उपयोग में आती हैं और जो और कहीं विशिष्टकृत या शामिल नहीं की गई हैं।
23.07	मीठा चारा और अन्य किस्म का पशुचारा

अध्याय—24

तम्बाकू

24.01	अनिर्मित तम्बाकू, तम्बाकू की रद्दी।
24.02	निर्मित तम्बाकू, तम्बाकू के अर्क और मत्त।

शीर्षक सं.	वस्तु-विवरण
खण्ड—5	
खनिज उत्पाद	
अध्याय—25	
नमक; गन्धक; मिट्टियाँ और पत्थर; प्लास्टर करने की सतह, चूना और सीमेन्ट	
25.01	सामान्य नमक (पहाड़ी नमक, समुद्री नमक और टेबल नमक सहित); शुद्ध सोडियम क्लोराइड; नमक लिकर; समुद्री पानी।
25.02	बिना भूने हुए लौह-पायराइट।
25.03	सभी प्रकार के गन्धक; उत्कृष्ट गन्धक त्रिसि-पीटैटिड गन्धक एवं कलिलीय गन्धक को छोड़ कर।
25.04	प्राकृतिक ग्रेफाइट।
25.05	सभी प्रकार की प्राकृतिक रेत, चाहे रंगभार हो या नहीं हो, किन्तु शीर्षक संख्या 26.01 के अन्तर्गत आने वाली धातु वाली रेत को छोड़ कर।
25.06	क्वाट्स (प्राकृतिक रेत को छोड़ कर) क्वार्ट्ज-जाइट जिसमें वह क्वार्ट्ज-जाइट शामिल है जिस पर खुरदरी स्पिलिट, खुरदरे स्कवेयर्ड अथवा चिराई द्वारा स्कवेयर्ड से भिन्न और आगे कोई प्रक्रिया न की गई हो।
25.07	मिट्टी (उदाहरणार्थ केओलिन एवं बेन्टोनाइट) एन्डलूसाइट, क्यानाइट एवं सिलिमोनाइट, चाहे कैल्साइन्ड हो या नहीं हो, किन्तु शीर्षक सं. 68.07 के अन्तर्गत आने वाली बिस्तारित मिट्टी को छोड़कर; मेलाइट; केमोटी एवं डिनस मिट्टी।
25.08	चाक
25.09	मिट्टी वाले रंग, चाहे कैल्साइन्ड अथवा अप्स में मिश्रित हों या नहीं हों; प्राकृतिक मिक्सिस लोह आक्साइड।
25.10	प्राकृतिक कैल्सियम फास्फेट, प्राकृतिक एल्यू-मीनियम कैल्सियम फास्फेट्स, एपेटाइट एवं फास्फैटिक/चाक।
25.11	प्राकृतिक बोरियम सल्फेट (बोराइट्स); प्राकृतिक बोरियम कार्बोनेट (विधराइट) चाहे कैल्साइन्ड हो या नहीं हो, बोरियम आक्साइड से भिन्न।
25.12	सिलिसियस क्रोसिल मील्स और मिलती-जुलती सिलिसियस मिट्टी (उदाहरणार्थ किसेलगहर, ट्रिपोलाइट अथवा डायटोनाइट), चाहे कैल्साइन्ड हो या नहीं हो, एक या इससे कम स्पष्ट आपीक्षक घनत्व वाले।
25.13	भाया पत्थर; एनेजी; प्राकृतिक कोरन्डम, प्राकृतिक गार्नेट और अन्य प्राकृतिक अपघर्षक चाहे रंग पर ताप प्रक्रिया की हो या नहीं की हो।

शीर्षक सं.	वस्तु-विवरण	शीर्षक सं.	वस्तु-विवरण
25.14	ग्लेड, जिसमें खुरदरे स्पिलिट खुरदरे स्कवेयड या चिराई द्वारा स्कवेयड के अतिरिक्त और आगे कोई प्रक्रिया नहीं की गई हो।		सुपरसल्फेट सीमेन्ट और इसी प्रकार के हाइड्रॉलिक सीमेन्ट चाहे रंगदार हों या नहीं हों या क्लिकर के रूप में।
25.15	संगमरमर, टूवरटाइन, इवासिन और अन्य कोलकोरियस स्मारकीय एवं बिल्डिंग पत्थर जो विशेष रूप से 2.5 या इससे अधिक स्पष्ट आपेक्षिक घनत्व वाले हों और सिलिकेटी, जिसमें इस प्रकार के पत्थर शामिल हैं जिन पर खुरदरे स्पिलिट, खुरदरे स्कवेयड, या चिराई द्वारा स्कवेयड के अतिरिक्त और आगे कोई प्रक्रिया नहीं की गई हो;	25.24	एस्वेस्टोज।
25.16	ग्रेनाइट, प्रोफिरल, बेसाल्ट, रेतिले पत्थर और अन्य स्मारक और बिल्डिंग पत्थर, जिनमें इस प्रकार के पत्थर शामिल हैं जिन पर खुरदरे स्पिलिट, खुरदरे स्कवेयड या चिराई द्वारा स्कवेयड के अतिरिक्त और आगे कोई प्रक्रिया नहीं की गई हो,	25.25	समग्र फेन (चाहे पालिष्ट टुकड़ों में हो या नहीं हों) और तृणमणि; एंग्लोमरेटिड समग्र फेन और एंग्लोमरेटिड तृणमणि, प्लेट्स में, राब्स में, छड़ों में और इसी प्रकार के रंगों में, मोल्डिंग के बावजूद उन पर प्रक्रिया नहीं की गई हो; जेट।
25.17	रोडे और कुचले अथवा तोड़े हुए पत्थर (चाहे उन पर ताप प्रक्रिया की गई हो या नहीं की गई हो), गेवल, मेकेडम और टाई मेकेडम, ऐसी किस्म के जो साधारणतः कंक्रीट को एकत्र करने के लिए उपयोग में लाए जाते हैं, और जो रोड मेटलिंग या रेल या अन्य क्लाम्ट के उपयोग में लाए जाते हैं; फिलन्ट और शिंगल, चाहे उन पर ताप प्रक्रिया अपनाई गई हो या नहीं, ग्रेनल्स एवं चिपिंग (चाहे उन पर ताप प्रक्रिया अपनाई गई हो या नहीं) और शीर्षक संख्या 25.15 या 25.16 के अन्तर्गत आने वाले पत्थर का सूर्य।	25.26	अभ्रक, स्पिलिटिंग सहित; अभ्रक बेस्ट।
25.18	डोलोमाइट जिस पर अपरिष्कृत रूप में खंडित करने से आगे कोई क्रिया न की गई हो, मज्जिन डोलोमाइट चाहे कैंल्साइन्ड हो या नहीं हो, जिनमें खुरदरे, स्पिलिट खुरदरे स्कवेयड या चिराई द्वारा खुरदरे स्कवेयड हो, एंग्लोमरेटिड डोलोमाइट (टाई डोलोमाइट सहित)।	25.27	प्राकृतिक स्ट्रुटाइट, प्राकृतिक स्ट्रुटाइट सहित जिन पर खुरदरे स्पिलिट, खुरदरे स्कवेयड या तत्काल चिराई द्वारा स्कवेयड के अलावा उन पर और आगे कोई काम न किया गया हो।
25.19	प्राकृतिक मेग्नीशियम कार्बोनेट (मेग्नेसाइट) चाहे कैंल्साइन्ड हो या नहीं हो, किन्तु मेग्नीशियम आक्साइड से भिन्न।	25.28	प्राकृतिक क्रायोलाइट और प्राकृतिक त्रिऑक्साइट।
25.20	जिप्सम; एनहाइड्राइट, कैंल्साइन्ड जिप्सम, और कैंल्सियम सल्फेट के आधार के माथ प्लास्टर, चाहे रंगदार हो या नहीं हो, किन्तु उनमें वह प्लास्टर शामिल नहीं जो विशेष रूप से दन्त चिकित्सा में प्रयोग किया जाता है।	25.29	प्राकृतिक वासोनिनिक सल्फाइड।
25.21	चना पत्थर फ्लक्स और कोलकोरियम पत्थर, जो सामान्यतया चूना या सीमेन्ट के विनिर्माण में प्रयोग किया जाता है।	25.30	अपरिष्कृत प्राकृतिक बोरैट और उनके सार (कैंल्साइन्ड हों या नहीं हों) किन्तु इसमें प्राकृतिक बाइन से अलग किए गए बोरैट शामिल नहीं हो; अपरिष्कृत प्राकृतिक बोरिक एसिड जिसमें डाई बेस्ट के आधार पर गणना किए गए एच 3 बी ओ 3 का 85 प्रतिशत में अधिक न हो।
25.22	अनकृता चूना, कृता चूना और हाइड्रॉलिक चूना, जो कैंल्सियम आक्साइड और हाइड्रॉक्साइड से भिन्न हो।	25.31	फेल्सपर, ल्यूसाइट, नेफेलीन एवं नेफेलीन साइनाइट; फ्लोरसपार।
25.23	पोर्टलैंड सीमेन्ट, सीमेन्ट फोन्ड, स्वेग सीमेन्ट	25.32	स्ट्रॉणिएनाइट (चाहे कैंल्साइन्ड हों या नहीं हों) किन्तु स्ट्रॉण्टियम आक्साइड से भिन्न; खनिज पदार्थ जो अन्यत्र कहीं विनिर्दिष्ट नहीं हैं या सीमित नहीं हैं, टूटे हुए मिट्टी के बर्तन।

अध्याय—26

धात्विक अवस्क, धातुमूल और राख

- 26.01 धात्विक अवस्क और क्रोमोस्टेट, तपाण हार्ग लोहे के पाइराइट।
- 26.02 लोहे तथा इस्पात के विनिर्माण में निकली हुई मैल, ड्रास, स्कॉलिंग और हार्ग पायर के अवशेष।
- 26.03 राख और अवशेष (लोहे और इस्पात के विनिर्माण से भिन्न) जिनमें धातु या धात्विक मिश्रण शामिल हों।
- 26.04 अन्य मैल और राख, जिनमें कैंल्सियम मिश्रित है।

शीर्षक सं.	वस्तु-विवरण
अध्याय—27	
खनिज ईंधन, खनिज तेल और उनके आसवन से प्राप्त उत्पाद; बिटुमिनस पदार्थ; खनिज मोम	
27.01	कोयला; ब्रिक्लेट्स, ओवाइड्स और इसी से मिलते जुलते ठोस ईंधन जो कोयले से विनिर्मित हों।
27.02	लिग्नाइट चाहे एंग्लोमरॉइट हो या नहीं हो।
27.03	पीट (पीट लिटर सहित); चाहे एंग्लोमरॉइट हो, या नहीं हो।
27.04	लिग्नाइट या पीट का कोक और सेमिकोको।
27.05	शुद्ध कार्बन।
27.06	कोयले की गैस, पानी की गैस, उत्पादक गैस और इसी प्रकार की गैस (वैकल्पिक शीर्षक)
27.07	कोयले से, लिग्नाइट या पीट से आसवित कोल-तार और अन्य खनिज कोलतार, जिसमें विशेषतः आसवित कोलतार और क्रियोसोट तेल के साथ या अन्य कोलतार आसवित उत्पादों के साथ पिच के ब्लैन्ड्स शामिल हैं।
27.08	उच्च तापमान के कोलतार से आसवित के तेल और अन्य उत्पाद और इस अध्याय की टिप्पणी 2 में यथा निर्धारित इसी प्रकार के उत्पाद।
27.09	कोलतार या अन्य खनिज कोलतार से प्राप्त पिच और पिच कोक।
27.10	बिटुमिनस खनिज, अपरिष्कृत से प्राप्त पेट्रोलियम तेल और तेल।
27.11	अपरिष्कृत से भिन्न बिटुमिनस खनिज से प्राप्त पेट्रोलियम तेल और तेल; ऐसे तैयार उत्पादन जो अन्य कहीं विशिष्टकृत या सम्मिलित नहीं हैं, और जिनमें 7 प्रतिशत से कम वजन का पेट्रोलियम तेल या बिटुमिनस खनिज से प्राप्त तेल न हो, और इस प्रकार के तेल तैयार वस्तुओं के आधारभूत संघटक हों।
27.12	पेट्रोलियम गैस और अन्य गैस के हाइड्रोकार्बन।
27.13	पेट्रोलियम जेली।
27.14	पेराफीन वेक्स, माइक्रो-क्रिस्टलाइन वेक्स, स्लैक वेक्स, ओजोकराइट, लिग्नाइट वेक्स, पीट वेक्स और अन्य खनिज वेक्स, चाहे, रंगदार हो या नहीं हो।
27.15	पेट्रोलियम बिटुमन, पेट्रोलियम कोक और पेट्रोलियम तेल या बिटुमन खनिज तेल से प्राप्त अन्य अवशेष।
27.16	बिटुमन और एस्फाल्ट, प्राकृतिक; बिटुमन स्लेटी पत्थर, एस्फाल्ट की चट्टान और तार-कोल।
27.17	प्राकृतिक एस्फाल्ट पर, प्राकृतिक बिटुमन या पेट्रोल बिटुमन पर, खनिज तार या खनिज तार पिच पर आधारित बिटुमन के मिश्रण (उदाहरणार्थ बिटुमन की (बजरी और छंटनी)।
27.18	विद्युत करंट (वैकल्पिक शीर्षक)।

शीर्षक सं.	वस्तु-विवरण
खण्ड—8	
रसायन और सम्बंध जड़ों के उत्पाद	
अध्याय—28	
अकार्बनिक रसायन; बहुमूल्य धातुओं; दुर्लभ मूल धातुओं; रेडियोएक्टिव तत्वों और आइसोटोप के कार्बनिक और अकार्बनिक यौगिक	
1. रसायन तत्व	
28.01	हालोजिन (फ्लोराइन, क्लोराइन, ब्रोमाइन और आयोडिन)।
28.02	गन्धक, सफ्लाइट या प्रिंसिपिटॉइट; कोलोडल गन्धक।
28.03	कार्बन (काले कार्बन सहित)।
28.04	हाइड्रोजन, असाधारण गैस और धातु से इतर।
28.05	खार और खारी मिट्टी के धातु; दुर्लभ मिट्टी के धातु, वाइट्रियम और स्कॉन्डियम और उनके अंतर्मिश्रण और अंतर्मिश्रित धातु; पारा।
2. अकार्बनिक एसिड्स और धातु से इतर आक्सीजन के मिश्रण	
28.06	हाइड्रोक्लोराइड एसिड एवं क्लोरोसल्फ्यूरिक एसिड।
28.07	गन्धक डायोक्साइड।
28.08	गन्धक एसिड; ओलियम।
28.09	नाइट्रिक एसिड; सल्फोनाइट्रिक एसिड।
28.10	फास्फोरस पेंटाक्साइड एवं फास्फोरिक एसिड (मेटाअर्थो एवं पाइरो)।
28.11	आसैनिक ट्रायोक्साइड, आसैनिक पेंटाक्साइड एवं आसैनिक एसिड।
28.12	बोरिक आक्साइड एवं बोरिक एसिड।
28.13	अन्य अकार्बनिक एसिड एवं धातु से इतर (पानी को छोड़ कर) आक्सीजन मिश्रण।
3. धातु से इतर के हालोजिन एवं गन्धक मिश्रण	
28.14	हालोजेस, आक्सीहालोजेस एवं धातु से इतर अन्य हालोजेन मिश्रण।
28.15	गैर धातु के सल्फाइड्स; फास्फोरस ट्राइसल्फाइड।
4. अकार्बनिक बेसिस और धात्विक आक्साइड हाइड्रोक्साइड और पेरोक्साइड	
28.16	अमोनिया, एनिहाइड्रस या एक्विवस घोल।
28.17	सोडियम हाइड्रोक्साइड (दाहक सोडा); पोटैशियम हाइड्रोक्साइड (दाहक पोटाश); पोटैशियम या सोडियम के पेरोक्साइड्स।
28.18	मैंगनीटियम बोरियम या मैंगनीशियम के आक्साइड, हाइड्रोक्साइड और पेरोक्साइड।
28.19	जिंक आक्साइड और जिंक पेरोक्साइड।

शीर्षक सं.	वस्तु-विवरण	शीर्षक सं.	वस्तु-विवरण
28.20	एल्यूमीनियम आक्साइड और हाइड्रोक्साइड; बनावटी कोरमंडल।	28.46	बोरट्रेस और परबोरट्रेस।
28.21	क्रोमियम आक्साइड एवं हाइड्रोक्साइड।	28.47	धात्विक एसिड्स के लवण (उदाहरणार्थ क्रोमेट्स परमाणुट्रेस, स्ट्रेनेट्स)।
28.22	मंगनीज आक्साइड्स।	28.48	अकार्बनिक एसिड्स के अन्य लवण और पेरॉक्सीलवण, किन्तु उनमें एजाइड्स शामिल नहीं हैं।
28.23	लोहा आक्साइड एवं हाइड्रोक्साइड; मिट्टी के रंग जिनमें 70 प्रतिशत या उस से अधिक बजन के एफ. ई. 203 के रूप में मूल्यंकित मिश्रित लोहा हो।	6-विषय	
28.24	कोबाल्ट आक्साइड और हाइड्रोक्साइड।		
28.25	टिटानियम आक्साइड।	28.49	कोलायडल कीमती धातु; कीमती धातुओं के मिश्रण; लवण और अन्य मिश्रण, अकार्बनिक या कार्बनिक, किन्तु कीमती धातु के हों, और उनके एल्यूमिनेट्स, प्रोटिनेट्स, टनेट्स और इसी प्रकार के मिश्रण शामिल हैं, चाहे वे रासायनिक दृष्टि से परिभाषित हों या नहीं हों।
28.26	टिन आक्साइड (स्टेनस आक्साइड एवं स्टैनिक आक्साइड)।	28.50	विषण्डीय रासायनिक पदार्थ और आइसोटोप्स; अन्य रेडियोधर्मी रासायन पदार्थ एवं रेडियोधर्मी आइसोटोप्स; ऐसे पदार्थों या आइसोटोप्स के मिश्रण, अकार्बनिक या कार्बनिक चाहे रासायनिक दृष्टि से परिभाषित हों या नहीं हों; मिश्रवातु डिस्पर्सन और समेट्स जिन में इन पदार्थों में से कोई भी पदार्थ हो, आइसोटोप्स या मिश्रण।
28.27	लेड आक्साइड; रेड लेड और ओरेंज लेड	28.51	आइसोटोप्स और उन के मिश्रण, अकार्बनिक या कार्बनिक, चाहे रासायनिक दृष्टि से परिभाषित हों या नहीं हों, किन्तु शीर्षक संख्या 28.50 के अन्तर्गत आने वाले आइसोटोप्स और मिश्रण से भिन्न।
28.28	हाइड्रोजेन और हाइड्रोक्सालोमाइन और अनेक अकार्बनिक लवण; अन्य अकार्बनिक बेसिस और धात्विक आक्साइड, हाइड्रोक्साइड और पेरॉक्साइड।	28.52	थोरियम के यू. 235 में निःक्षेप यूरेनियम-के, असाधारण मिट्टी की धातु के, वाइट्रियम के या स्कैंडियम के अकार्बनिक या कार्बनिक यौगिक चाहे वे आपस में मिश्रित हों या नहीं हों।
5. धात्विक लवण और अकार्बनिक एसिड के पेरॉक्सी साल्ट		28.53	तरल वायु (चाहे उस में से असाधारण गैस निकाल दी गई हो या नहीं); सम्पीडित वायु।
28.29	फ्लोराइड्स, फ्लोरोसिलिकेट्स, फ्लोरोबोरेट्स और अन्य मिश्रित फ्लोराइन लवण।	28.54	हाइड्रोजन पेरॉक्साइड (जिस में ठोस हाइड्रोजन पेरॉक्साइड शामिल हों)।
28.30	क्लोराइड्स और आक्सीक्लोराइड्स।	28.55	फास्फाइड।
28.31	क्लोराइड्स और हाइपो-क्लोराइड्स।	28.56	कार्बाइड्स (उदाहरणार्थ सिलिकान कार्बाइड, बोरॉन कार्बाइड, धातु कार्बाइड)।
28.32	क्लोरेट्स और परक्लोरेट्स।	28.57	हाइड्राइड्स, नाइट्राइड्स और एजाइड्स, सिलिसाइड्स और बोराइड्स।
28.33	ब्रोमाइड्स, आक्सीब्रोमाइड्स, ब्रोमेट्स और पर-ब्रोमेट्स और हाइपोब्रोमाइड्स।	28.58	अन्य अकार्बनिक यौगिक (जिस में आसक्ति और चालकता वाला पानी और इसी प्रकार की शुद्धता वाला पानी शामिल हों), कीमती धातु के मिश्रण को छोड़ कर मिश्रण।
28.34	आयोडाइड्स, आक्सीआयोडाइड, आयोडेट्स और पेरियोडेट्स।		
28.35	सल्फाइड्स; पोलिसल्फाइड्स।		
28.36	डिथियोनाइट्स वे जो कार्बनिक पदार्थों के साथ स्थिर हों, सल्फोक्सीलेट्स।		
28.37	सल्फाइट और थियोसल्फेट्स।		
28.38	सल्फेट (सेलम सहित); और परसल्फेट्स।		
28.39	नाइट्राइड्स एवं नाइट्स।		
28.40	फास्फाइड्स, हिपोफास्फेट और फास्फेट।		
28.41	आर्सेनाइड्स और आर्सेनेट्स।		
28.42	कार्बोनेट्स और परकार्बोनेट्स; अमोनियम कार्बोनेट वाला वाणिज्यिक अमोनियम कार्बोनेट।		
28.43	सायनाइड्स और मिश्रित सायनाइड्स।		
28.44	फ्लिमनेट, सायनेट्स और थियोसायनेट्स। सिलिकेट्स; वाणिज्यिक सोडियम और पोटेशियम सिलिकेट।		
28.45	सिलिकेट्स, वाणिज्यिक सोडियम और पोटेशियम सिलिकेट।		

शीर्षक सं.	वस्तु-विवरण
अध्याय--29	
कार्बोनिक रसायन	
1. हाइड्रोकार्बन और उनके हालोजेनेटिड, सल्फोनेटिड, नाइट्रेटिड या नाइट्रोसेटिड डीरिवेटिव्स	
29.01	हाइड्रोकार्बन।
29.02	हाइड्रोकार्बन के हालोजेनेटिड डीरिवेटिव्स।
29.03	हाइड्रोकार्बन के सल्फोनेटिड, नाइट्रेटिड या नाइट्रोसेटिड डीरिवेटिव्स।
2. एल्कोहल और उनके हालोजेनेटिड, सल्फोनेटिड, नाइट्रेटिड या नाइट्रोसेटिड डीरिवेटिव्स	
29.04	एसिक्लिक एल्कोहल और उन के हालोजेनेटिड, सल्फोनेटिड, नाइट्रेटिड या नाइट्रोसेटिड डीरिवेटिव्स।
29.05	साइक्लिक एल्कोहल और उनके हालोजेनेटिड, सल्फोनेटिड, नाइट्रेटिड या नाइट्रोसेटिड डीरिवेटिव्स।
3. फिनोल्स, फिनोस-एल्कोहल और उनके हालोजेनेटिड, सल्फोनेटिड, नाइट्रेटिड डीरिवेटिव्स	
29.06	फिनोल और फिनोल एल्कोहल।
29.07	हालोजेनेटिड, सल्फोनेटिड नाइट्रेटिड या फिनोल या फिनोल-एल्कोहल के नाइट्रेटिड या नाइट्रोसेटिड डीरिवेटिव्स।
4. इथर एल्कोहल पेरियडेट्स, इथर पेरॉक्साइड इपिक्साइड तीन या चार मेम्बर रिंग एसिटिल्स के साथ और (हैमि-यासिटरेस और उनके एलजीनेटिड स्लिपटमेनेटिड, नाइट्रेटिड या नाइट्रोसेटिड डीरिवेटिव्स)।	
29.08	'इथर, इथर एल्कोहल' इथर-फिनोल्स, इथर-एल्कोहल-फिनोल्स, एल्कोहल पेरॉक्साइड और इथर पेरॉक्साइड और उन के हालोजेनेटिड, सल्फोनेटिड, नाइट्रेटिड या नाइट्रोसेटिड डीरिवेटिव्स।
29.09	इपॉक्साइड, इपॉक्सीएल्कोहल, इपॉक्सी फिनोल्स और इपॉक्सीइथर, तीन या चार मेम्बर रिंग के साथ और उनके हालोजेनेटिड, सल्फोनेटिड, नाइट्रेटिड या नाइट्रोसेटिड डीरिवेटिव्स।
29.10	एसिटिल्स और हैमसिटिल्स और एक या विविध आक्सीजन के कार्य करने वाले एसिटिल्स और हैमसिटिल्स और उनके हालोजेनेटिड, सल्फोनेटिड, नाइट्रेटिड या नाइट्रोसेटिड डीरिवेटिव्स।
5. एलिहाइड कार्य करने वाले यौगिक	
29.11	एलिहाइड्स, एलिहाइड-एल्कोहल, एलिहाइड-इथर, एलिहाइड फिनोल और अन्य एक या आक्सीजन के कार्य करने वाले एलिहाइड; एलिहाइड के साइक्लिक पोलिमर्स; प्राफार्मील्ड-हाइड।
29.12	शीर्षक संख्या 29.11 के अन्तर्गत आने वाले उत्पादों के हालोजेनेटिड, सल्फोनेटिड, नाइट्रेटिड या नाइट्रोसेटिड डीरिवेटिव्स।

शीर्षक सं.	वस्तु-विवरण
6. क्लोरोन कार्य करने वाले यौगिक और क्लोरोन का कार्य करने वाले यौगिक	
29.13	क्लोरोस--क्लोरोन-एल्कोहल, क्लोरोन, फिनोल्स, क्लोरोन, एलिहाइड्स, क्लोरोन, क्लोरोन - एल्कोहल, क्लोरोन - फिनोल्स, क्लोरोन-एलिहाइड्स और एक अथवा विविध आक्सीजन कार्य करने वाले क्लोरोस और क्लोरोन और उनके हालोजेनेटिड, सल्फोनेटिड, नाइट्रेटिड या नाइट्रोसेटिड डीरिवेटिव्स।
7. कार्बोक्सीलिक एसिड्स एवं उनके एनिहाइड्राइड्स, हैलाइड्स पेरॉक्साइड्स एवं परएसिड्स एवं उनके हालोजेनेटिड, सल्फोनेटिड, नाइट्रेटिड या नाइट्रोसेटिड डीरिवेटिव्स	
29.14	मोनोकार्बोक्सीलिक एसिड्स और उनके एनिहाइड्राइड्स, हैलाइड्स, पेरॉक्साइड्स एवं परएसिड्स और उनके हालोजेनेटिड, सल्फोनेटिड नाइट्रेटिड या नाइट्रोसेटिड डीरिवेटिव्स।
29.15	पोलिकार्बोक्सीलिक एसिड्स और उनके एनिहाइड्राइड्स, हैलाइड्स, पेरॉक्साइड्स एवं परएसिड्स और उन के हालोजेनेटिड-सल्फोनेटिड, नाइट्रेटिड या नाइट्रोसेटिड डीरिवेटिव्स।
29.16	अलकोहल के साथ कार्बोक्सीलिक एसिड, फिनोल, एलिहाइड या क्लोरोन का कार्य करने वाले और एक या विविध आक्सीजन का कार्य करने वाले कार्बोक्सीलिक एसिड्स उनके एनिहाइड्राइड्स, हैलाइड्स, पेरॉक्साइड्स और परएसिड्स, और उनके हालोजेनेटिड, सल्फोनेटिड, नाइट्रेटिड या नाइट्रोसेटिड डीरिवेटिव्स।
8. अकार्बनिक इस्टर और उनके नमक और उनके हालोजेनेटिड सल्फोनेटिड, नाइट्रेटिड या नाइट्रोसेटिड डीरिवेटिव्स	
29.17	सल्फ्यूरिक इस्टर और उनके नमक, और उनके हालोजेनेटिड, सल्फोनेटिड, नाइट्रेटिड या नाइट्रोसेटिड डीरिवेटिव्स।
29.18	नाइट्रस और नाइट्रिक इस्टर और उनके हालोजेनेटिड, सल्फोनेटिड, नाइट्रेटिड या नाइट्रोसेटिड डीरिवेटिव्स।
29.19	फास्फोरिक इस्टर और उन के नमक, जिन में लेक्टोफास्फेट और उन के हालोजेनेटिड, सल्फोनेटिड, नाइट्रेटिड या नाइट्रोसेटिड डीरिवेटिव्स शामिल हैं।
29.20	कार्बोनिक इस्टर और उन के नमक, और उनके हालोजेनेटिड, सल्फोनेटिड, नाइट्रेटिड या नाइट्रोसेटिड डीरिवेटिव्स।
29.21	खनिज एसिड्स के अन्य इस्टर (हैलाइड्स को छोड़कर) और उन के नमक और उनके हालोजेनेटिड, सल्फोनेटिड, नाइट्रेटिड या नाइट्रोसेटिड डीरिवेटिव्स।
9. नाइट्रोजन का कार्य करने वाले यौगिक	
29.22	एमाइन-कार्य यौगिक
29.23	एक या विविध आक्सीजन का कार्य करने वाले एमिनो-यौगिक।

शीर्षक सं.	वस्तु-विवरण	शीर्षक सं.	वस्तु-विवरण
अध्याय—32		अध्याय—33	
चर्मशोधक और रंजक सत्त; टॉनिस और उनसे व्युत्पन्न पदार्थ; रंजक, रंग, पेन्ट और वार्निश; प्यूटो, फिलर्स और स्टापिंग, स्याही		सुगन्धित तेल, रोजिनायड्स, इत्रसाजी, धृंगार और प्रसाधन सामग्री	
32.01	वनस्पति से उद्भूत चमड़ा कमाने के अर्क और अन्य व्युत्पन्न।	32.10	कलाकारों, विद्यार्थियों और साइन-बोर्ड पेंटरों के रंग, परिवर्तन करने वाले रंग, मनोरंजन रंग और इसी प्रकार के मिलते जुलते रंग, टैब्लेट्स, ट्यूब भरतबान बोतल पान और मिलते जुलते रूप में या पैकिंग में जिस में सेंट या आउटफिट में ऐसे रंग सम्मिलित हैं और जो बुराश प्लेट्स और अन्य उप साधक के साथ हों या इसके बिना हों।
32.02	टॉनिस (टॉनिस एसिड्स) जिस में पानी निकालें गए माजुफल टॉनिस और उन के लवण, हार्थर्स, हर्स्टर्स और अन्य डीरिवेटिव्स शामिल हैं।	32.11	तैयार शोधक
32.03	संश्लिष्ट कार्बनिक चमड़ा कमाने के पदार्थ, और अकार्बनिक चमड़ा कमाने के पदार्थ, चमड़ा कमाने की तैयार वस्तुएं; चाहे उन में प्राकृतिक चर्म शोधन सामग्री अन्तर्विष्ट हों या नही, चर्मशोधन की पूर्व क्रिया के लिए एन्जीमेटिक तैयार वस्तुएं (उदाहरणार्थ एन्जीमेटिक, पारान्क्रिएटिक या बैक्टीरिया से उद्भूत)	32.12	ग्लोजियर पेंटि; रोपण पेंटि; पेंटरों के फिलिग्स, नान-रिफ्रेक्ट्री सरफेसिंग प्रिपेरेशन; स्टापिंग; सीलिंग और इस प्रकार के मास्टिक्स जिन में रोजिन्स मास्टिक्स, और सीमेंट सम्मिलित हैं।
32.04	वनस्पति उद्भूत (जिसमें लकड़ी को रंगने वाले अर्क और अन्य वनस्पति रंगने वाले अर्क शामिल हैं किन्तु नील को छोड़कर) या पशु उद्भूत रंगने वाली सामग्री।	32.13	लेखन स्याही, मुद्रण स्याही एवं अन्य स्याही।
32.05	संश्लिष्ट कार्बनिक रंगने की सामग्री (जिस में रंजक रंगने वाली सामग्री शामिल हैं), ल्यूमिनोफोर्स के रूप में उपयोग की जाने वाली, एक किस्म के संश्लिष्ट कार्बनिक उत्पाद; उन उत्पादों की एक किस्म जो आपटिकल ब्लीचिंग एजेंट फाइबर के लिए एक पदार्थ के रूप में भी जानी जाती हैं; प्राकृतिक नील।	33.01	सुगन्ध तेल (चाहे टर्पिन के बगैर हों या न हों); गाढ़ा और परिशुद्ध; रोजिनायड्स।
32.06	कलर लेक्स	33.02	सुगन्धित तेल के डिस्टिलेशन के टरपिनिक गौणत्पादन।
32.07	अन्य रंगने की सामग्री, ल्यूमिनोफोर्स के रूप में उपयोग होने वाले अकार्बनिक किस्म के उत्पाद।	33.03	फ्लंट्स में, फिक्स्ड तेल में या मोम में या इसी प्रकार के मिलते-जुलते सुगन्धित तेल के सांद्रण, जो शीत विलयन या गलाकर प्राप्त किए गए हैं।
32.08	तैयार रंगद्रव्य, तैयार आपोसफायर्स और तैयार रंग काच्चीय एनेमल और ग्लेजेस, तरल चमकने वाले और इसी प्रकार के ऐसी किस्म के उत्पाद जिन का उपयोग सिरैमिक एनेमलिंग, और ग्लास उद्योग के लिए किया जाता है; एनोब्ल्स (स्लिप्स); ग्लास फ्रिट और अन्य ग्लास, चूर्ण ग्रैन्युल्स या फ्लैक्स के रूप में।	33.04	दो या दो से अधिक सुगन्धित पदार्थों के मिश्रण (प्राकृतिक या बनावटी) और ऐसे मिश्रण (जिनमें अलकोहलिक घोल शामिल हैं) जिन के इन पदार्थों में से एक या एक से अधिक आधार हैं, और ऐसी किस्म के हैं जिनका उपयोग इत्रसाजी, खाद्य, पेय या अन्य उद्योगों में कच्चे माल के रूप में किया जाता है।
32.09	वार्निश और लेक्स; डिस्टेंपर्स; ऐसी किस्म के पानी से तैयार किए गए रंग जिन का उपयोग चमड़े को चमकाने में किया जाता है; पेन्ट और एनेमल; अलसी के तेल के रंग, सफेद स्प्रिट के टरुपेन्टाइन, वार्निश या अन्य पेन्ट और एनेमल; अलसी के तेल के रंग, रंग या अन्य रंगाई की सामग्री, उस रूप में या पैकिंग में जिसकी बिक्री फूटकर में होती है।	33.05	सुगन्धित तेल के जलीय डिस्टिलेट्स और जलीय घोल, जिनमें ऐसे उत्पाद शामिल हैं जो औषधीय प्रयोगों के लिए उपयुक्त हों।
		33.06	इत्रसाजी, धृंगार और प्रसाधन सामग्री।
अध्याय—34		अध्याय—34	
		साबुन कार्बनिक सरफेस एक्टिव एजेंट्स, धुसाई करने की सामग्री, स्नेहक सामग्री, नकसी मोम, तैयार मोम, पालिश करने और चमकाने की सामग्री, मोम बत्तियां और इसी प्रकार की वस्तुएं, प्रतिरूपण पेस्ट्स और बन्त मोम	
34.01	साबुन; कार्बनिक सरफेस एक्टिव उत्पाद और सामग्री जो साबुन के रूप में बार, केक्स या मोल्लिड टुकड़ों या शेप्स के रूप में प्रयोग में		

शीर्षक सं.	वस्तु-विवरण	शीर्षक सं.	वस्तु-विवरण
	आती हो चाहे साबुन के साथ मिली हो या नहीं हो।		के लिये उचित उत्पाद जो पैकेज में सरसे के रूप में फूटकर बिक्री के लिए रखे गए हों और जिनका वास्तविक भार 1 कि. ग्रा. से अधिक न हो।
34.02	कार्बोनिक, सरफेस-एक्टिव एजेंट; सरफेस-एक्टिव सामग्री और धोने की सामग्री, चाहे उस में साबुन हो या न हो।	अध्याय—36	
34.03	स्नेहक सामग्री, और ऐसी किस्म की सामग्री जिस का प्रयोग कपड़े, चमड़े या अन्य माल पर तेल या ग्रीस के रूप में किया जाता है, किन्तु इस में 70 प्रतिशत या इससे अधिक वजन के पेट्रोलियम तेल या विट्मिनस खनिज से प्राप्त तेल शामिल नहीं है।	विस्फोटक; आतिशबाजी उत्पाद; माचिस; स्वतः जलनशील मिश्रधातुएं; कठिपय ज्वलनशील सामग्री	
34.04	बनावटी मोम, (जल में घुलनशील मोम सहित); तैयार मोम, जो पायसीकृत या विलायकों वाला न हो।	36.01	नादक बारूद चूर्ण।
34.05	जूतों, फनीचर या फर्श के लिए पालिश और क्रोम, धातु पालिश, स्कीरिंग पाउडर और इसी प्रकार की सामग्री किन्तु शीर्षक संख्या 43.04 के अंतर्गत तैयार मोम को छोड़कर।	36.02	तैयार विस्फोटक, नादक बारूद चूर्ण से भिन्न।
34.06	मोमबस्तियां, टपेर्स, रात्रि की लाइट और इस प्रकार की सामग्री।	36.03	खान, विस्फोटक एवं सेफ्टी फ्यूजेस।
34.07	माडल के पेस्ट (बच्चों के मनोरंजन के लिए और माडल से संबंधित पेस्ट शामिल है); ऐसी प्रकार की सामग्री जो "वन्त मोम" या "डेंटल इम्प्रेशन कम्पाउण्ड" के रूप में प्लेट, हार्सशू के आकार, स्टिक और इसी प्रकार के आकार में जानी जाती हो।	36.04	आघातो और प्रस्फोटक कोस; पलीता स्फोटक।
अध्याय—35		36.05	आतिशबाजी की वस्तुएं (उदाहरणार्थ आतिशबाजी, रेल के लिए सिगनल, एमोर्स, बर्षा राकेट)।
एल्यूमिनियम पदार्थ; सरसे		36.06	माचिस (बंगाल-माचिस को छोड़कर)।
35.01	कोसिन, कोसिनेट्स और अन्य कोसिन व्युत्पन्न; कोसिन सरसे।	36.07	फरों सेरियम और सभी रूपों में अन्य स्वतः जलनशील मिश्रधातुएं।
35.02	एल्यूमिनस, एल्यूमिनेट्स और अन्य एल्यूमिन व्युत्पन्न।	36.08	अन्य वाह्य सामग्री और उत्पाद।
35.03	जिलेटिन (आयताकार के रूप में जिलेटिन सहित चाहे रंगीन हों, या नहीं और चाहे सरफेस क्रिया की गई हो या नहीं) और जिलेटिन व्युत्पन्न; हड्डियों, खालों नाड़ियों टेन्डोन्स, और इसी प्रकार के अन्य उत्पादों से निकाले गए सरसे और मछली सरसे; आइसिंग्लास।	अध्याय—37	
35.04	पेपटोन्स और अन्य प्रोटीन पदार्थ और उनके व्युत्पन्न; खाल का चूर्ण चाहे क्रोम किया हुआ हो या नहीं।	फोटोग्राफिक एवं सिनेमाटोग्राफिक सामान	
35.05	डैक्सिट्रिन और डैक्सिट्रिन सरसे; घुलनशील या पकाई हुई स्टार्च; स्टार्च सरसे।	37.01	फ्लैट में फोटोग्राफिक प्लेट्स और फिल्म, सूक्ष्म ग्राहीकृत अप्रवर्धित, जो कागज बोर्ड या कपड़े से भिन्न किसी भी सामग्री की हो।
35.06	तैयार सरसे जो अन्य कहीं विशिष्टकृत या शामिल नहीं, सरसे के रूप में उपयोग करने	37.02	फिल्म रोल्ल्स, सूक्ष्मग्राहीकृत, अनएक्सपोज्ड, छिद्रित हों या न छिद्रित हों।
		37.03	सूक्ष्मग्राहीकृत कागज, कागज बोर्ड एवं कपड़ा; एक्सपोज्ड के बिना या एक्सपोज्ड किन्तु विकसित नहीं हों।
		37.04	सूक्ष्मग्राहीकृत प्लेट्स एवं फिल्मस, एक्सपोज्ड किन्तु विकसित नहीं हों, नेगेटिव या पोजिटिव।
		37.05	प्लेट्स, बिना छिद्रित फिल्म एवं छिद्रित फिल्म (सिनेमाटोग्राफ फिल्म से भिन्न), एक्सपोज्ड और विकसित, नेगेटिव अथवा पोजिटिव।
		37.06	सिनेमाटोग्राफ फिल्म, एक्सपोज्ड एवं विकसित केवल साउन्ड ट्रैक वाली हो, नेगेटिव या पोजिटिव।
		37.07	अन्य सिनेमाटोग्राफ फिल्म, एक्सपोज्ड और विकसित चाहे उस में साउन्ड ट्रैक हो या नहीं हो, नेगेटिव या पोजिटिव।
		37.08	ऐसी किस्म के रसायन उत्पाद और फ्लैश साइट माल जो फोटोग्राफी के उपयोग के लिए उपयुक्त हों।

शीर्षक सं.	वस्तु-विवरण	शीर्षक सं.	वस्तु-विवरण
अध्याय—38			
विविध रसायन उत्पाद			
38.01	बनावटी ग्रेफाइट, कोलोइडल ग्रेफाइट, तेल में सस्पेंशन से भिन्न।		सहायक सामग्री; सोल्डरिंग, ब्रिजिंग या बॉल्डिंग पाउडर और पेस्ट जिनमें धातु और अन्य सामान शामिल हों, ऐसी प्रकार की सामग्री जिसका प्रयोग बॉल्डिंग छड़ों और इलेक्ट्रोड्स पर कोटिंग के कोर के रूप में किया जाता है।
38.02	जान्तव कोयला (उदाहरणार्थ अस्थि कोयला, हाथी दांत कोयला), मुक्तशेष जान्तव कोयला को शामिल करते हुए।	38.14	प्रत्याघात सामग्री, आक्सिडेशन निरोधक, गोंद निरोधक, ध्वनता सुधारक क्षयकारी निरोधक, खनिज तेल के लिए इसी प्रकार की तैयार संयोज्य सामग्री।
38.03	उत्तेजित कार्बन (बिरंगीकरण, निधुवन या अवशोषक); उत्तेजित हायटोमाइट, उत्तेजित मिट्टी, उत्तेजित बाक्साइट एवं अन्य उत्तेजित प्राकृतिक खनिज उत्पाद।	38.15	रबड़ के तैयार एक्सिलरेटर्स।
38.04	एमोनिअकल गैस लिक्विड एवं कोयला गैस के शुद्धीकरण से उत्पादित अपयुक्त आक्साइड।	38.16	माइक्रोआर्गेनिज्म के विकास के लिए तैयार कल्चर मीडिया।
38.05	टार तेल।	38.17	अग्निशामक के लिए तैयार सामग्री और चार्जिंग; आवेशित अग्नि शामक प्रैनेइस।
38.06	कन्सेन्ट्रेटेड सल्फाइट ह्वे।	38.18	बार्निश और इसी प्रकार के उत्पादों के लिए मिश्रित विलायक और थिनर्स।
38.07	तारपीन की स्प्रिट (गोंद, लकड़ी और सल्फेट) और अन्य तारपीन के विलायक जो आसवान द्वारा या बेनिफरस लकड़ी की अन्य प्रक्रिया द्वारा उत्पादित हैं; अपरिष्कृत डिपेन्टीन; सल्फाइट, तारपीन; बेवेदार तेल (बेवेदार तेल को छोड़कर जिस में टारपीनियल की भरपूर मात्रा न हो)।	38.19	रसायन उत्पाद एवं रसायन या सम्बद्ध उद्योगों के सामान (इसमें वे भी शामिल हैं जो प्राकृतिक उत्पादों के मिश्रण हैं) जो अन्यत्र विशिष्टीकृत अथवा शामिल नहीं हैं, रसायन अथवा सम्बद्ध उद्योगों के अवशेष उत्पाद जो अन्यत्र विशिष्टीकृत अथवा शामिल नहीं हैं।
38.08	रॉजिन और रॉजिन ऐसिड और उनके व्युत्पन्न उस इस्टर गोंद को छोड़कर जो शीर्षक संख्या 39.05 में शामिल की गई हैं; रॉजिन स्प्रिट और रॉजिन तेल।	खंड—7	
38.09	काठ तार; काठ तार तेल (मिश्रित विलायक और थिनर्स से भिन्न जो शीर्षक सं 38.18 के अन्तर्गत आते हैं); काठ क्रियोसोट; काठ नेप्था; एसिटोन तेल।	कृत्रिम रॉजिन्स और प्लास्टिक माल, सेलूलोज इस्टर और ईथर्स और उनकी वस्तुएं : रबड़, सिन्थेटिक रबड़ फोम्लस और उनकी वस्तुएं	
38.10	सभी प्रकार की वनस्पति पिच; बूक्स पिच और रॉजिन या वनस्पति पिच पर आधारित इस प्रकार के मिश्रण; प्राकृतिक रॉजिन्स के उत्पादों पर आधारित फाउन्ड्री कोर बाइन्डर्स।	अध्याय—39	
38.11	रोगाणुनाशक, कीटनाशक, कवकनाशी, शाकनाशी, अंकुरण विरोधी उत्पाद, चूहों को मारने वाला जहर और इसी प्रकार के उत्पाद; जो उसी रूप में या पैकिंग के रूप में फूटकर सामग्री के रूप में या वस्तुओं के रूप में फूटकर बिक्री के लिये रखे गये हों, (उदाहरणार्थ गंधक क्रिया किए हुए बेम्बुस, विक्स और मोमबत्तियाँ, फ्लाई कागज)।	कृत्रिम रॉजिन और प्लास्टिक माल, सेलूलोज इस्टर और ईथर्स; उनकी वस्तुएं	
38.12	तैयार ग्लोबिंग, तैयार ड्रेसिंग और तैयार माइन्ट की ऐसी किस्में जिनका प्रयोग वस्त्र, कागज, चमड़े और इसी प्रकार के उद्योगों में किया जाता है।	39.01	कन्डेन्सेशन, पॉलिकन्डेन्सेशन और पॉलिएडिशल उत्पाद चाहे परिशोधित या पोलिमराइज्ड हों या नहीं और चाहे लिनियर हों या नहीं (उदाहरणार्थ फिनेप्लास्ट्स, एनिमोप्लास्ट्स, एलकाइड, पॉलिएलाइल इस्टर और अन्य असंतृप्त पॉलिस्टर, सिलिकोन्स)।
38.13	धातु सरफेस फलक्सेज के लिये पिक्लिंग सामग्री सोल्डरिंग ब्रिजिंग या बॉल्डिंग के लिये	39.02	पोलिमोराइजेशन और कोपोलिमराइजेशन उत्पाद, (उदाहरणार्थ पोलिथिलीन, पॉलि-टेट्राथैलीथिलीन, पॉलिसोब्यूटिलीन, पॉलि-स्टीन, पॉलिनाइल क्लोराइड, पॉलि-विनाइलसीटेट, पॉलिविनाइल क्लोरोएसीटेट और अन्य पॉलिविनाइल डीरिवेटिव्स, पॉलि-एक्रिलिक और पॉलिमेथाक्रिलिक डीरिवेटिव्स, कामारोनेइडीन रॉजिन्स।
		39.03	पुनः प्रजननीकृत सेलूलोज, सेलूलोज नाइट्रेट, सेलूलोज एसिटेट और अन्य सेलूलोज इस्टर, सेलूलोज ईथर और सेलूलोज के अन्य रसायनिक

शीर्षक सं.	वस्तु-विवरण	शीर्षक सं.	वस्तु-विवरण
	व्यूत्पन्न, चाहे प्लास्टिसाइड हो या नहीं (उदाहरणार्थ—कोलोडियोन, सेलुलाइड); बल्क-नाइज्ड फाइबर।	40.06	गैर-बल्कनीकृत प्राकृतिक या संश्लिष्ट रबड़, रबड़ लेटेक्स सहित; अन्य आकारों या स्थितियों में (उदाहरणार्थ, छड़ें, ट्यूब और प्रोफाइल आकारों में, घोल और विक्षेपण); गैर बल्कनीकृत, प्राकृतिक या संश्लिष्ट रबड़ की वस्तुएं (उदाहरणार्थ—लेपित या संसिक्त सूती धागे, छल्ले और गोल पात्र)।
39.04	हाइड्रोजन प्रोटीन (उदाहरणार्थ, हाइड्रोजन कोसिन और हाइड्रोजन (जिलेटिन)।	40.07	बल्कनीकृत रबड़ के धागे और डोरियां, चाहे वस्त्र से ढके हुए हों या नहीं और बल्कनीकृत रबड़ से ढके हुए संसिक्त सूती धागे।
39.05	फ्यूजन द्वारा परिशोधित प्राकृतिक रोजिन (रन गोंद); प्राकृतिक रोजिन्स या रोजिनिक एसिड के प्रलवणीकरण द्वारा प्राप्त किए गए कृत्रिम रोजिन्स (प्रलवण गोंद); प्राकृतिक रबड़ के रासायनिक व्युत्पन्न (उदाहरणार्थ क्लो-रिनेटिड रबड़, रबड़ हाइड्रोक्लोराइड, आक्सी-डाइज्ड रबड़, साइक्लाइज्ड रबड़)।	40.08	सख्त न की गई बल्कनीकृत रबड़ की प्लेटें, चद्दरें, पट्टियां, सलाखें और प्रोफाइल आकार।
39.06	अन्य उच्च पोलिमर्स, कृत्रिम रोजिन और कृत्रिम प्लास्टिक सामान, इसमें एल्युमिनिक एसिड, इसके लवण और प्रलवण भी शामिल हैं; लिनोक्सीन।	40.09	सख्त न की गई बल्कनीकृत रबड़ की पट्टियां और ट्यूबिंग।
39.07	39.01 से 39.06 तक की शीर्षक सं. में बनाई गई किसी भी सामग्री की वस्तुएं।	40.10	बल्कनीकृत रबड़ के ट्रांसमिशन, कन्वेयर या एलिमेंटर बेल्ट या बेल्टिंग।
		40.11	सभी किस्म के पहियों के लिए रबड़ के टायर, टायरों के खोल, टायरों के अन्तर्गत परिवर्तनीय पट, आन्तरिक ट्यूब और टायर फलीप।

अध्याय 40

रबड़, सिन्थेटिक रबड़, फॉक्टस और इसकी वस्तुएं

40.01	प्राकृतिक रबड़ लेटेक्स, चाहे परिवर्धित संश्लिष्ट रबड़ लेटेक्स के साथ हो या न हो, पूर्व बल्कनीकृत प्राकृतिक रबड़ लेटेक्स, प्राकृतिक रबड़, बलाटा, गूटापर्चा और इसी तरह के प्राकृतिक गोंद।	40.12	सख्त न की गई बल्कनीकृत रबड़ की स्वास्थ्य सम्बन्धी और औषधि निर्माण सम्बन्धी (उपचार सहित) वस्तुएं, सख्त की गई रबड़ के जूझारों के साथ या उनके बिना।
40.02	संश्लिष्ट रबड़ लेटेक्स, पूर्व-बल्कनीकृत संश्लिष्ट रबड़ लेटेक्स; संश्लिष्ट रबड़; तेल से निकाले गए फॉक्टस।	40.13	परिधानों और पहनावों की वस्तुओं की सहायक वस्तुएं (दस्तानों सहित), सभी कार्यों के लिए, सख्त न की गई बल्कनीकृत रबड़ की।
40.03	संशोधित रबड़।	40.14	सख्त न की गई बल्कनीकृत रबड़ की अन्य वस्तुएं।
40.04	सख्त न बनाई गई रबड़ की रूंदी और छीलन, सख्त न बनाई गई रबड़ की कतरन, जो केवल रबड़ उपलब्धि के योग्य हो; सख्त न बनाई गई रबड़ की रूंदी या कतरन से प्राप्त किया गया चूर्ण।	40.15	सख्त की गई रबड़ (एबोनाइट और बल्कोनाइट) थोक में, प्लेटें, चद्दरें, पट्टियां, छड़ें, प्रोफाइल आकार या ट्यूबों, सख्त की गई रबड़ की कतरन, रूंदी और चूर्ण।
40.05	गैर बल्कनीकृत प्राकृतिक या संश्लिष्ट रबड़ की प्लेटें, शीट और पट्टियां, शीर्षक संख्या 40.01 या 40.02 की धूमक शीट और क्रय शीट से भिन्न; बल्कनीकरण के लिए तैयार मिश्रित गैर-बल्कनीकृत प्राकृतिक या संश्लिष्ट रबड़ के कण; गैर-बल्कनीकृत प्राकृतिक या संश्लिष्ट रबड़, या तो काले कार्बन (खनिज तेल के योग के साथ या उसके बिना) के साथ या सिलिका (खनिज तेल के योग के साथ या उसके बिना) के साथ जमाव के पहले या बाद में मिश्रित की गई, किसी भी रूप में, मूल वर्गीकरण के रूप में अभिज्ञात किस्म की हों।	40.16	सख्त की गई रबड़ (एबोनाइट और बल्कोनाइट) की वस्तुएं।

खण्ड—8

कच्ची खाल और चर्म, घमड़ा, समूर और उस से बनी वस्तुएं; जीनसाजी और अश्वसज्जा, यात्रा सामान, हथबंद और इसी प्रकार के अन्य आधान, अन्तर्धियों की वस्तुएं (रेशम के कीड़े की अन्तर्धियों से भिन्न)

अध्याय—41

कच्ची खाल और चर्म (समूर से भिन्न) और घमड़ा

41.01	कच्ची खाल और चर्म (ताजी, लवणित, सखाई हुई, अम्लित या चूना डाली हुई) चाहे
-------	---

शीर्षक सं.	वस्तु-विवरण
41.02	परतों में चीरी हुई हों या नहीं, उन में भेड़ की खाल भी शामिल है। गोजातीय पशु का चमड़ा (भैंस के चमड़े सहित) और अश्व का चमड़ा, 41.06, 41.07 या 41.08 शीर्षकों में आने वाले चमड़े के अतिरिक्त।
41.03	भेड़ों और मोमनों की खालों का चमड़ा, शीर्षक संख्या 41.06, 41.07 या 41.08 में आने वाले चमड़े के अतिरिक्त।
41.04	बकरी और उसके बच्चों की खालों का चमड़ा, शीर्षक संख्या 41.06, 41.07 या 41.08 में आने वाले चमड़े के अतिरिक्त।
41.05	चमड़े की अन्य किस्में, शीर्षक संख्या 41.06, 41.07 या 41.08 में आने वाले चमड़े के अतिरिक्त।
41.06	संभर की खाल से प्रसाधित चमड़ा।
41.07	चिमड़ा कागज से प्रसाधित चमड़ा।
41.08	पेटेन्ट चमड़ा और नकली पेटेन्ट चमड़े; धात्विकृत चमड़ा।
41.09	चमड़े की या उसके संयोजन छीलन और अन्य रद्दी या पार्चमेंट से ढका हुआ चमड़ा, जो चमड़े की वस्तुओं के निर्माण के लिये उपयुक्त न हो, चमड़े की शाइन, पाउडर और बुकनी।
41.10	चमड़े या चमड़े के रेशे के आधार पर संविरचित चमड़ा, सिल्लियों में, चद्दरों में या बेलनाकारों में।

अध्याय 42

चमड़े की वस्तुएं, जीनसाजी और अवयवस्था; यात्रा का सामान, हार्नेडिंग और इसी प्रकार के आधार, पशुओं की अंतिइयों की वस्तुएं (रेशम के कीड़े की अंतिइयों से भिन्न)

- 42.01 किसी भी सामग्री की जीन और सज्जीकरण (उद्धारणार्थ, जीन, साज, कालर, पट्टे टखने के पैड और बूट), किसी भी किस्म के पशु के लिए।
- 42.02 यात्रा का सामान (जैसे, ट्रंक, सूट केस, हूट के लिए बक्स, यात्रा के लिये थैले, रक्सैक, शापिंग बैग, हार्नेडिंग, बस्ता, ब्रीफकेस, थैली, बटल, टायलेट केस, टूल केस, तम्बाकू रखने की थैली, म्यान, केस, बक्स (जैसे शस्त्रों, संगीत के यंत्रों, दूरबीन, आभूषणों, बोतलों, कालरों, जूतों, बूतों के लिये) और चमड़े के या मिश्रित चमड़े के, धात्विकृत रेशे; नकली प्लास्टिक शीटों के; कागज के गत्ते के या सूती रेशे के इसी प्रकार के आधार।
- 42.03 चमड़े की या संविरचित चमड़े के परिधान और पहनावों की सहायक वस्तुएं।

शीर्षक सं.	वस्तु-विवरण
42.04	चमड़े की वस्तुएं या इस किस्म की संरचित चमड़े की वस्तुएं, जो मशीनरी में या यांत्रिक उपकरणों या अन्य औद्योगिक कार्यों के लिये उपयोग करने के लिए हों।
42.05	चमड़े या संविरचित चमड़े की अन्य वस्तुएं।
42.06	अंतिइयों (रेशम के कीड़े की अंतिइयों से भिन्न) से, वर्कसाजी में काम आने वाली झिल्ली से, मूत्राशय से या नसों से बनी वस्तुएं।

अध्याय 43

समूर और नकली समूर, उन की वस्तुएं

- 43.01 कच्चा समूर।
- 43.02 समूर, कमाया हुआ या प्रसाधित, प्लेटों में, कोसों में और इसी प्रकार के रूपों में संयोजित किए हुए समूर सहित; समूर के टुकड़े, या खंड, कमाए हुए या प्रसाधित, सिर, पंजे, पूंछ और इसी प्रकार की वस्तुओं सहित (संविरचित नहीं)।
- 43.03 समूर की वस्तुएं।
- 43.04 नकली समूर और उससे बनी वस्तुएं।

खंड 9

लकड़ी और लकड़ी की वस्तुएं; लकड़ी कोयला का कार्क और कार्क की वस्तुएं; घास-फूस की, एतपाष्टों की और अन्य प्ले-टिंग सामग्री की वस्तुएं; बोंस की टोकीरियां और तोली का सामान

अध्याय 44

लकड़ी और लकड़ी की वस्तुएं; लकड़ी का कोयला

- 44.01 हार्नेडन की लकड़ी लट्ठों में, छड़ों में, टहनियों में, या गट्टों में; लकड़ी की रद्दी, बुरादा सहित।
- 44.02 लकड़ी का कोयला (काष्ठफल और छिलकों के कोयले सहित) संपीडित किया हो या नहीं।
- 44.03 लकड़ी, अपरिष्कृत रूप से चौकोर या अर्ध चौकोर की गई।
- 44.04 लकड़ी, अपरिष्कृत रूप से चौकोर या अर्ध चौकोर की गई, परन्तु इससे अधिक परिष्कृत न की गई हो।
- 44.05 लम्बाई के अनुसार चीरी गई, टुकड़े की गई या छिली गई लकड़ी, 5 मि. मी. मोटाई से अधिक परन्तु इससे आगे तैयार न की गई।
- 44.06 लकड़ों के फर्शी पिंड।
- 44.07 रेलवे या ट्रामवे की लकड़ी के स्लीपर।
- 44.08 लकड़ी के फाड़े हुए फट्टे जो एक मुख्य सतह पर चीरे गए हों और इससे आगे तैयार न किए गए हों, लकड़ों के चिरे हुए फट्टे।

शीर्षक सं.	वस्तु-विवरण	शीर्षक सं.	वस्तु-विवरण
	जिनकी कम-से-कम एक मुख्य सतह बेलनाकार चिरी हुई हो, इससे आगे तैयार न किए गए हों।	44.19	लकड़ी की उभरी हुई नक्काशी और ढलाई, ठले स्कर्ट और अन्य ठले बोर्ड सहित।
44.09	हूप लकड़ी; चिरे हुए लट्ठे; लकड़ी की बल्लियां; खूंट, स्थूण; नोकदार बनाए हुए परन्तु लम्बाई के अनुसार चिरे हुए नहीं हों; लकड़ी की चिप्पी; लूगदी की लकड़ी, चिप्पी में या टुकड़ों में; सिरका के निर्माण में या तरल पदार्थों के स्पष्टीकरण के लिए उपयोग में उपयुक्त एक किस्म की लकड़ी की छीलन।	44.20	तस्वीरों के लिये लकड़ी के चोखटे, फोटों के लिए चोखटे, दर्पण के चोखटे, और इसी प्रकार की वस्तुएं।
44.10	लकड़ी की छड़ियां, लगभग परिष्कृत की हुई परन्तु मोड़ी हुई नहीं, भूकाई हुई या अन्य काम की हुई नहीं, जो टहलने की छड़ियों, कोड़े, गाल्फ क्लब शाफ्ट, छातों के हैंडल, दस्ती औजारों और अन्य समान वस्तुओं के निर्माण के लिये उपयुक्त हों।	44.21	लकड़ी की पैक करने की पूर्ण पेटियां, बक्से, टोकरे, ढोल और इसी प्रकार की पैकिंग की वस्तुएं।
44.11	योजक लकड़ी, माचिस की खपचियां, जूतों के लिये लकड़ी की छुटियां, या पिन।	44.22	लकड़ी के पीपे, बैरल, टकी, नाथ, बाल्टी और तांबे के अन्य उत्पाद और उनके अंग जो शीर्षक संख्या 44.08 में माने वाले तत्वों से भिन्न हों।
44.12	लकड़ी की उग्न और लकड़ी का आटा।	44.23	भवन-निर्माणकर्त्ता, बढ़ाईगिरी और मिस्त्री-गिरी (पूर्वगठित और आंशिक निर्माण और फर्श बनाने के संयोजित सजावटी लकड़ी के फट्टों सहित)।
44.13	लकड़ी (ब्लाक, पट्टियों और चित्रकारी करने के लिये या काष्ठ ब्लाक फ्लोरिंग करने के लिये सजावटी लकड़ी, सहित, संयोजित नहीं), रन्दा की हुई, जिह्वायुक्त बनाई हुई खांचेदार, पलस्तरदार, किनारेदार वी-संधियुक्त, केन्द्र वी-संधियुक्त, मनकेदार, केन्द्र में मनकेदार बनाई गई, या इनके समान, परन्तु इससे आगे इन पर काम न किया गया हो।	44.24	लकड़ी के घरेलू पात्र।
44.14	लम्बाई के अनुसार चिरी हुई लकड़ी, तराशी हुई या छिली हुई परन्तु इससे आगे तैयार न की गई हो, जिसकी अधिकतम मोटाई 5 मि. मी. हो; मूलम्मा घड़ी घुंवरे, और प्लाईवूड के लिए चद्दरों, जो अधिकतम 5 मि. मी. मोटाई की हों।	44.25	लकड़ी के औजार, औजारों के ढांचे, औजारों की मूठ, हाइकू और बूशों के ढांचे और मूठ, बूट और जूतों के और लकड़ी के कलशूत।
44.15	प्लाईवूड, ब्लैकबोर्ड, लैमिनबोर्ड, बेंटनबोर्ड और अन्य इसी तरह की लैमिनेटेड लकड़ी के उत्पाद (मूलम्मेदार पट्टियों और चद्दरों जटित लकड़ी और जड़ाऊ काम की लकड़ी।	44.26	परिष्कृत लकड़ी की चर्खियां, आटियां, अटरन, सिलाई के धागे की रील, और इसी प्रकार की वस्तुएं।
44.16	जालीदार लकड़ी की पट्टियां, चाहे मूल धातु की सतह वाली हों या नहीं।	44.27	लकड़ी के स्टैन्डर्ड लैम्प, मोष के लैम्प और अन्य प्रकाशकीय जड़नार; लकड़ी के फनींचर की वस्तुएं अध्याय 94 में न आने वाली; लकड़ी की संदूकचियां, सिगरटे के बक्से, ट्रे, फलों के लिए कटोरे, आभूषण और अन्य सजावटी वस्तुएं; लकड़ी की धाकू छुरी के लिये, डाइंग के औजारों के लिए, वायलन के लिए बक्से, और इसी प्रकार के पात्र; व्यक्तिगत उपयोग या सजावट के लिए लकड़ी की वस्तुएं, सामान्यतः जेब में, हैंडबैग में, या हाथ में रखी जाने वाली किस्म की; पूर्वोक्त लकड़ी के वस्तुओं के अग्रभाग।
44.17	“सुधारी हुई” लकड़ी, चद्दरों, ब्लाक्स में या इनके समान।	44.28	लकड़ी की अन्य वस्तुएं।
44.18	पुनर्गठित लकड़ी, लकड़ी की छीलन, लकड़ी की खपचियां, बुरादा, लकड़ी की बकनी या अन्य काष्ठवत रद्दी जो प्राकृतिक या कृत्रिम रेजिन या अन्य कार्बनिक संयोजन पदार्थ के साथ पिंडीभूत, चद्दरों, ब्लाक्स या सामान वस्तुओं में हो।		

अध्याय 45

कार्क और कार्क की वस्तुएं

- 45.01 प्राकृतिक कार्क, काम न किया हुआ, कूचला हुआ धानेदार आधार; रद्दी कार्क।
- 45.02 प्राकृतिक कार्क के कुन्दे, प्लेट, चद्दर या पट्टियां (धन या वर्गाकार सिल्लियों सहित, कार्क या डाट के लिए माप में कटी हुई)।
- 45.03 प्राकृतिक कार्क की वस्तुएं।
- 45.04 पिंडित कार्क (बन्धक पदार्थ के साथ या उस के बिना पिंडित की गई कार्क) और पिंडित कार्क की वस्तुएं।

शीर्षक सं.	वस्तु-विवरण	शीर्षक सं.	वस्तु-विवरण
अध्याय 46		48.05 कागज और गत्ता, शिकन डाला हुआ (चपटी सतह वाली चबूतरों के साथ या उनके बिना), कोप बनाया हुआ, शिकन डाला हुआ, बेस-बूटे, कड़ा हुआ, छिद्रित किया हुआ बेलनाकार या चद्दरों के रूप में।	
पुआल की, एस्पार्डों की और अन्य गूथी जाने वाली सामग्री की वस्तुएं; टोकरियां और खपचियों की वस्तुएं		48.06 कागज और गत्ता, रेखांकित, लाइनदार या वर्गाकार, परन्तु अन्यथा रूप से मुद्रित न हो, बेलनाकार या चबूतरों के रूप में।	
46.01	बैणियां और गूथी जाने वाली सामग्री के समान उत्पाद, सभी प्रयोगों के लिये, चाहे पट्टियों में सज्जित हों या नहीं।	48.07 कागज और गत्ता, संसंचित, लेपित, ऊपरी सतह पर रंग किया हुआ, ऊपरी सतह पर सजाया हुआ या मुद्रित (केवल रेखांकित, लाइनदार या वर्गित न हो और अध्याय 49 वाले मुद्रित विषय वाला न हो), बेलनाकार में या चद्दरों के रूप में।	
46.02	बटा हुआ या बना हुआ हस्त निर्मित कागज और गत्ता चद्दर के रूप में, चटाई के काम, चटाई और पर्ची सहित; बोतलों के लिये पुआल के लिफाफे।	48.08 कागज की लुगदी के फिल्टर ब्लाक्स, सिल्लियां और प्लेटें।	
46.03	टोकरियों का काम, खपचियों का काम और गूथी जाने वाली सामग्री की अन्य वस्तुएं, प्रत्यक्ष रूप से आकार में ढाली हुई शीर्षक संख्या 46.01 या 46.02 में आने वाले माल से बनी हुई वस्तुएं; तुरह की वस्तुएं।	48.09 लकड़ी की लुगदी के या घनस्पति रेशे के भवन निर्माण के गत्ते, चाहे प्राकृतिक या कृत्रिम रजिन या इसके समान बन्धकों से बंधे हों या नहीं।	
खंड 10		2. माप और आकार में कटा हुआ कागज और गत्ता और कागज या कागज के गत्ते की वस्तुएं	
कागज बनाने की सामग्री; कागज और कागज का गत्ता और उन की वस्तुएं		48.10 सिगरटे का कागज, माप में कटा हुआ, चाहे पुस्तिका या नीलियों के रूप में हो या नहीं।	
अध्याय 47		48.11 दीवार का कागज और वस्त्र विशेष (लिन-क्रुस्टा); कागज के खिड़की के पारदर्शक।	
कागज बनाने की सामग्री		48.12 फर्शों के आवरण, कागज या गत्ते के आधार पर तैयार किए गए, चाहे माप में कटे हुए हों या नहीं, लिनोलियम यौगिक से लेपित या इसके बिना।	
47.01	किसी भी रेशेदार वनस्पति सामग्री से मशीन द्वारा या रासायनिक तरीके से निकाली गई लुगदी।	48.13 कार्बन और प्रतिलिपि बनाने के अन्य कागज (डुप्लीकेटर स्टैन्सलों सहित) और दस्तीर उतारने के कागज, माप में कटे हुए, चाहे बक्सों में रखे हुए हों या नहीं।	
47.02	खुदी कागज और गत्ता; कागज या गत्ते की कतरन जो केवल कागज बनाने में उपयोग के लिए उपयुक्त हों।	48.14 लेखन ठप्पे, लिफाफे, पत्रों के कार्ड, सादे पोस्टकार्ड, पत्राचार कार्ड; बक्से, धौलियां, बटुए और लेखन सामान, कागज या गत्ते का, जिसमें केवल कागज स्टेशनरी का ही सामान हो।	
अध्याय 48		48.15 अन्य कागज और गत्ता, माप या आकार में कटा हुआ।	
कागज और गत्ता, कागज की लुगदी, कागज और गत्ते की वस्तुएं		48.16 बक्से, बैग, और बैग तथा पैक करने के अन्य आधान, कागज और गत्ते के।	
1. कागज और गत्ता बेलनों में या चद्दरों में		48.17 कार्यालयों, दुकानों या ऐसी ही जगहों में सामान्यतः उपयोग की जाने वाली किस्म की कागज या गत्ते के बक्से, मिश्रित, पत्रों के लिए ट्रे संचयन बक्से और तुल्य वस्तुएं।	
48.01	कागज और गत्ता (सेल्युलोज, वॉडिंग सहित), मशीन से बने हुए, बेलनाकार में, चद्दरों के आकार में।		
48.02	हस्तनिर्मित कागज और गत्ता।		
48.03	चर्बी अभेद्य कागज का पार्चमेंट और गत्ता, और उसकी नकल, और चमकीला पारदर्शक कागज, बेलनाकार में या चद्दरों के आकार में।		
48.04	मिश्रित कागज या गत्ता (एक आसंजक से चपटी परतें चिपका कर बनाया हुआ), ऊपरी सतह लेपित या संसंचित न हो, चाहे अन्दर से प्रबलित किया हुआ हो या नहीं बेलनाकार में या चद्दरों के रूप में।		

शीर्षक सं.	वस्तु-विवरण	शीर्षक सं.	वस्तु-विवरण
48.18	रजिस्टर, अभ्यास के लिए पुस्तिकाएं, नोट बुक, ज्ञापन गुटके, आवेदन पुस्तिका, आवेदी पुस्तिका, डायरी, ब्याटिंग पैड, बन्धक (खुले पन्ने वाले या अन्य), फाइल कवर और कागज या गत्ते की अन्य स्टेशनरी; नमूने और अन्य एलबम और पुस्तकों के आवरण, कागज या गत्ते के।	49.10	कागज या गत्ते के किसी भी किस्म के कैलेण्डर, कैलेण्डर के ब्लाक सहित।
48.19	कागज और गत्ते के लेबल, चाहे मुद्रित या गोंद लगाए हुए हों या नहीं।	49.11	अन्य मुद्रित विषयवस्तु, मुद्रित तस्वीरों और फोटोग्राफ सहित।
48.20	कागज की लुगदी के अटरेन, तागा लपेटने की बर्ली, काप और इसी प्रकार के अवलम्बन, कागज या गत्ता (चाहे छिद्रित किया गया हो या कठोर बनाया गया हो या नहीं)।		
48.21	कागज की लुगदी की अन्य वस्तुएं, कागज, गत्ता या सेल्यूलोज के तौलक।		
अध्याय 49		खंड 11	
मुद्रित पुस्तकें, अक्षरवार, चित्र और मुद्रण उद्योग के अन्य उत्पाद; हस्तलिपियां, टंकित लिपियां और मानचित्र		वस्त्र और वस्त्रों की वस्तुएं	
49.01	मुद्रित पुस्तकें, पुस्तिकाएं, विवरणिका, पम्पलेट एवं इतहास।	अध्याय 50	
49.02	अक्षरवार, राजनामचे और आवधिक, चाहे चित्रयुक्त हों या नहीं।	रेशम और रूखी रेशम	
49.03	बच्चों की चित्रों वाली पुस्तकें और रंगीन चित्रों वाली पुस्तकें।	50.01	रेशम-कीट कृमिकोष, लपेटने के लिए उप-युक्त।
49.04	संगीत, मुद्रित या हस्तलिपि में, चाहे बंधा हुआ या संचित हो या नहीं।	50.02	कच्ची रेशम (न स्थायी हुई)।
49.05	नक्शे और जलमय चित्र और इसी प्रकार के सभी किस्म के चार्ट, एटलस, वरवार के नक्शे और स्थलरूपरेखीय मानचित्र, मुद्रित; मुद्रित ग्लोब (स्थलीय या खगोलीय)।	50.03	रेशम की रूखी (लपेटने के लिए अनुपयुक्त कृमिकोष, रेशम की गट्टियों और कर्षित और गानेट किए हुए चिथड़ों सहित)।
49.06	मानचित्र और ड्राइंग, औद्योगिक-वस्तु, शिल्प, इंजीनियरिंग, वाणिज्यिक या इसी प्रकार के कार्यों के लिए, चाहे मूल या प्रति-लिपि सहायक कागज पर हों; हस्तलिपियां और टंकितलिपियां।	50.04	रेशम का धागा, गट्टियों के धागे या अन्य रूखी रेशम के धागे से भिन्न, खुदरा बिक्री के लिए न रखा हुआ।
49.07	उपयोग में न लाए गए डाक टिकट, राजस्व और इसी प्रकार के उस देश के टिकट जो उस देश में वर्तमान में ही या नए जारी किए गए हों; टिकट लगे हुए कागज; बैंकनोट, स्टाक, शेयर और बान्ड प्रमाणपत्र और इसी प्रकार के स्वामित्व अधिकार वाले दस्तावेज; चेक बुक।	50.05	गट्टी से भिन्न रेशम की रूखी से काटा हुआ धागा, खुदरा बिक्री के लिए न रखा हुआ।
49.08	अन्तरण (डिकोल्गेमैनियस)।	50.06	गट्टी से काटा हुआ रेशम धागा, खुदरा बिक्री के लिए न रखा हुआ।
49.09	पिक्चर, पोस्टकार्ड, क्रिसमस और अन्य प्रीटिंग कार्ड, किसी भी प्रक्रिया द्वारा मुद्रित, सजावट सहित या उसके बिना।	50.07	रेशम का धागा और गट्टी या अन्य रूखी रेशम से काटा हुआ धागा, खुदरा बिक्री के लिए न रखा हुआ।
		50.08	रेशम-कीट आंत; रेशम की इमिटेशन कैंटगट।
		50.09	रेशम के या उत्कृष्ट रेशम के बूने हुए वस्त्र, गट्टी से भिन्न।
		50.10	गट्टी रेशम से बूने हुए वस्त्र।
		अध्याय 51	
		मानव-निर्मित रेशे (अविच्छिन्न)	
		51.01	मानव-निर्मित रेशे (अविच्छिन्न) का धागा, खुदरा बिक्री के लिए न रखा हुआ।
		51.02	मोनोफिल, स्ट्रुप (नकली पञ्जाल और इसके समान) और मानव-निर्मित रेशे की सामग्री की आंत की तांत की नकल।
		51.03	मानव-निर्मित रेशे (अविच्छिन्न) का धागा, खुदरा बिक्री के लिए रखा हुआ।
		51.04	मानव निर्मित रेशों (अविच्छिन्न) से बूने हुए वस्त्र, शीर्षक सं. 51.01 या 51.02 के

शीर्षक सं.	वस्तु-विवरण	शीर्षक सं.	वस्तु-विवरण
	मोनीफिल या स्ट्रिप के रेशे से बूने हुए वस्त्र सहित ।	53.11	भेड़ के या मोमने के ऊन के या पशु के परिष्कृत बालों से बूने हुए कपड़े ।
		53.12	घोड़े के बालों से भिन्न पशु के अपरिष्कृत बालों से बूने हुए वस्त्र ।
		53.13	घोड़े के बालों से बूने हुए वस्त्र ।
अध्याय-52		अध्याय-54	
धात्विकृत वस्त्र		फ्लैक्स और रामी	
52.01	धात्विकृत धागा, धातु से कसे हुए धागे या किसी भी प्रक्रिया द्वारा धातु लेपित धागे का वस्त्र ।	54.01	फ्लैक्स, कच्चा या संसाधित परन्तु कटा हुआ नहीं; फ्लैक्स का सन और रद्दी (कर्षित या गानेट किए हुए चिथड़ों सहित) ।
52.02	परिधानों की वस्तुओं में उपयोग की गई किस्म की सजावट करने के वस्त्रों या उनके समान वस्त्रों के रूप में धातु के धागे या धात्विकृत धागे से बूने हुए वस्त्र ।	54.02	रामी, कच्ची या संसाधित परन्तु कटी हुई नहीं; रामी की गिट्टियां और रद्दी (कर्षित या गानेट किए हुए चिथड़ों सहित) ।
		54.03	फ्लैक्स या रामी का धागा, खुदरा बिक्री के लिए रखा हुआ नहीं ।
		54.04	फ्लैक्स या रामी धागा, खुदरा बिक्री के लिए रखा हुआ ।
		54.05	फ्लैक्स या रामी के बूने हुए वस्त्र ।
अध्याय-53		अध्याय-55	
ऊन और अन्य पशुओं के बाल		रूई	
53.01	भेड़ या मोमने का ऊन, धुना हुआ या कंघी से साफ किया हुआ नहीं ।	55.01	रूई, धुनी हुई या कंघी से साफ की हुई नहीं ।
53.02	अन्य पशुओं के बाल (परिष्कृत या अपरिष्कृत), धुने हुए या कंघी से साफ किए हुए नहीं ।	55.02	रूई के बिनिलों पर के छोटे रेशे (लिन्टर्स) ।
53.03	भेड़ या मोमने के ऊन की या अन्य पशु के बाल की रद्दी (परिष्कृत या अपरिष्कृत), कर्षित या गानेट किया हुआ नहीं ।	55.03	रूई की रद्दी (कर्षित या गानेट किए गए चिथड़ों सहित), धुनी हुई या कंघी से साफ की हुई नहीं ।
53.04	भेड़ या मोमने के ऊन की या अन्य पशु के बाल की रद्दी (परिष्कृत या अपरिष्कृत), कर्षित या गानेट की हुई (कर्षित या गानेट किए हुए चिथड़ों सहित) ।	55.04	रूई, धुनी हुई या कंघी से साफ की हुई ।
53.05	भेड़ या मोमने के ऊन या अन्य पशु के बाल (परिष्कृत या अपरिष्कृत), धुने हुए या कंघी से साफ किए हुए ।	55.05	रूई का धागा, खुदरा बिक्री के लिए रखा हुआ नहीं ।
53.06	भेड़ का या मोमने का धुना हुआ ऊन का धागा (ऊनी धागा), खुदरा बिक्री के लिए न रखा हुआ ।	55.06	रूई का धागा, खुदरा बिक्री के लिए रखा हुआ ।
53.07	भेड़ का या मोमने का कंघी से साफ किया हुआ ऊन का धागा (ऊनी धागा), खुदरा बिक्री के लिए न रखा हुआ ।	55.07	रूई के राज ।
53.08	पशु के परिष्कृत बालों, (धुने हुए या कंघी से साफ किए गए) का धागा, खुदरा बिक्री के लिए न रखा हुआ ।	55.08	टैरि-टाविलिंग और रूई के इसी प्रकार के टैरि-वस्त्र ।
53.09	घोड़े के बालों या अन्य पशु के अपरिष्कृत बालों का धागा, खुदरा बिक्री के लिए न रखा हुआ ।	55.09	रूई के अन्य बूने हुए वस्त्र ।
53.10	भेड़ के या मोमने के ऊन का, घोड़े के बालों का या अन्य पशु के बालों का धागा (परिष्कृत या अपरिष्कृत), खुदरा बिक्री के लिए रखा गया ।		
		अध्याय-56	
		मानव-निर्मित रेशे (विच्छिन्न)	
		56.01	मानव-निर्मित रेशे (विच्छिन्न) जो कातने के लिए धुने हुए, कंघी से साफ किए हुए या अन्यथा रूप से तैयार किए हुए नहीं हैं ।

शीर्षक सं.	वस्तु-विवरण	शीर्षक सं.	वस्तु-विवरण
56.02	मानव निर्मित रेशे (विच्छिन्न) के निर्माण के लिए सन के अविच्छिन्न तन्तु।	57.11	अन्य वनस्पति वस्त्र के रेशों से बने हुए वस्त्र।
56.03	रखी (भागों की रखी और कर्षित या गान्ठ किए हुए चिथड़ों सहित) मानव-निर्मित रेशे (अविच्छिन्न या विच्छिन्न), कातने के लिए धुने हुए, कंघी से साफ किए हुए या अन्य प्रकार से तैयार किए हुए नहीं।	57.12	कागज के धागे से बने हुए वस्त्र।
56.04	मानव-निर्मित रेशा (विच्छिन्न या रखी) कातने के लिए धुना हुआ, कंघी से साफ किया हुआ या अन्य प्रकार से तैयार किया हुआ।	अध्याय-58	
56.05	मानव-निर्मित रेशे (विच्छिन्न या रखी), खूदरा बिक्री के लिए रखा हुआ नहीं।		
56.06	मानव-निर्मित रेशों का धागा (विच्छिन्न या रखी), बिक्री के लिए रखा हुआ नहीं।	58.01	वरियां, वरियों का सामान और कालीन, गांठ-दार (बनी हुई या न बनी हुई)।
56.07	मानव-निर्मित रेशों (विच्छिन्न या रखी) के बूने हुए वस्त्र।	58.02	अन्य वरियां, वरियों का सामान, कालीन, पायदान, और चटाइयां और "केलम", "शूमक्स" और "कारामानी" कालीन और इसी प्रकार की वस्तुएं (बनी हुई या न बनी हुई)।
अध्याय-57		58.03	दीवार - वरियां, हस्तनिर्मित, गोब्लिन्स, फ्लैण्डर्स, ओबुस्सन, बीवाइंस और इसके तुल्य किस्म की, और सूई से काम की हुई चौखटे पर बनी हुई दीवार-वरियां (उदाहरणार्थ पेंटिड प्लाइन्ट और फ्रास स्टिच) और इसी तरह की हाथ से बनी हुई वरियां।
वस्त्रों की अन्य वनस्पति सामग्री; कागज के धागे और कागज के धागे के बने हुए वस्त्र		58.04	बूने हुए फ्लालैन के वस्त्र और शनील के वस्त्र (टॉरि-टावीलिंग या इसी प्रकार के शीर्षक सं. 55.08 में आने वाले सूती टॉरि-वस्त्रों और शीर्षक सं. 58.05 में आने वाले वस्त्रों से भिन्न)।
57.01	असली सन ("केनाबिस सेंटिवा"), कच्चा या संसाधित, परन्तु कटा हुआ नहीं; असली सन के मोटे रेशे और रखी (कर्षित या गान्ठ चिथड़ों या रस्सियों सहित)।	58.05	तंग बूने हुए वस्त्र और तंग वस्त्र (नोल्लयूक) जिनमें बाने के बिना एंठन दी गई हो जो आसंजक द्वारा संयोजित हो, शीर्षक संख्या 58.06 में आने वाले माल से भिन्न।
57.02	मनीला सन (अब्रैका) ("मूसा टेक्सटाइल्स"), कच्चा या संसाधित परन्तु कटा हुआ नहीं; मनीला सन के मोटे रेशे और रखी (कर्षित या गान्ठ चिथड़ों या रस्सियों सहित)।	58.06	बूने हुए लेबल, बज और इसी प्रकार की वस्तुएं, कशीदाकारी न की हुई, टुकड़ों में पट्टियों में या माप और आकार में कटी हुई।
57.03	पटसन और अन्य टेक्सटाइल वास्ट फाइबरस जो और कहीं विशिष्टीकृत या शामिल न किए गए हों, कच्चे या संसाधित परन्तु कटे हुए नहीं; उनके मोटे रेशे और रखी (कर्षित या गान्ठ चिथड़ों या रस्सियों सहित)।	58.07	शनील का धागा (फ्लाप शनील धागे सहित), रेशमी कन्नी का धागा (शीर्षक सं. 52.01 के धात्विकृत धागे और घोंड़े के गिम्पुड बाल के धागे से भिन्न); रिबन आवि और सजावटी गांठा-पट्टी, टुकड़ों में; भालर, सिर के अलंकरण और इसी प्रकार की वस्तुएं।
57.04	अन्य वनस्पति वस्त्र के रेशे, कच्चे या संसाधित परन्तु कटे हुए नहीं; ऐसे रेशों की रखी (कर्षित या गान्ठ चिथड़ों या रस्सियों सहित)।	58.08	तुली और अन्य जालीदार वस्त्र (परन्तु बूने हुए कढ़े हुए या कशीदाकारी किए हुए वस्त्र शामिल नहीं) अविनित।
57.05	असली-सन के बूने हुए वस्त्र।	58.09	तुली और अन्य जालीदार वस्त्र (परन्तु बूने हुए कढ़े हुए या कशीदाकारी किए हुए वस्त्र शामिल नहीं) विनित; हाथ या यन्त्रों से बनाए गए फीते, टुकड़ों में, पट्टियों में या कला-वस्तुओं में।
57.06	पटसन के या शीर्षक सं. 57.03 के अन्य सर्वोत्तम रेशे के कपड़े के वस्त्र।	58.10	कशीदाकारी, खंडों में, पट्टियों में या कला-वस्तुओं में।
57.07	अन्य वनस्पति वस्त्र के रेशे के बूने हुए वस्त्र।		
57.08	कागज के धागे के बूने हुए वस्त्र।		
57.09	असली सन से बूने हुए वस्त्र।		
57.10	पटसन के या शीर्षक सं. 57.03 के अन्य कपड़े के सर्वोत्तम रेशे के बूने हुए वस्त्र।		

शीर्षक सं.	वस्तु-विवरण	शीर्षक सं.	वस्तु-विवरण
अध्याय--59			
तोशक और नमदा; रस्सियां; डोरियां; रस्से और केबल; विशेष वस्त्र; संसंचित लेपित वस्त्र; औद्योगिक उपयोग के लिए उप-युक्त किस्म के वस्त्र की वस्तुएं			
59.01	तोशक और तोशक की वस्तुएं; वस्त्र के लच्छे और धूल और मिल नप्स।	59.14	लैम्प, स्टोव, लाइटर, मोमबत्ती और समान वस्तुओं के लिए बूनी हुई, सूती हुई या सलाई से बूनी हुई सूती वस्त्र सामग्री की बत्तियां, नलिकाकार में सलाई से बना हुआ गैस आच्छादित वस्त्र और तापदीप्त गैस आच्छादन।
59.02	नमदा और नमदे की वस्तुएं, चाहे संसंचित या लेपित हों या नहीं।	59.15	वस्त्र के होजपाइपिंग और इसी प्रकार की ट्यूबों, अन्य सामग्री के अस्तरों, कवचों या उप-साधकों सहित या रहित।
59.03	आबद्ध रेशे के वस्त्र, इसी प्रकार आबद्ध धागे के वस्त्र, और ऐसे वस्त्रों की वस्तुएं, चाहे संसंचित या लेपित हों या नहीं।	59.16	ट्रान्समिशन, कन्वेंयर या एलिवेटर बेल्ट या बेल्टिंग वस्त्र सामग्री के, चाहे धातु या अन्य सामग्री से मजबूत की गई हों या नहीं।
59.04	रस्सियां, डोरियां, रस्से और केबल, शिकन डाले हुए हों या नहीं।	59.17	सूती वस्त्र और उसकी वस्तुएं, मशीनरी या संयंत्र में उपयोग की जाने वाली किस्म की।
59.05	रस्सियों, डोरियों या रस्सों से बने हुए जाल और जाल का सामान, और धागे, रस्सियां, डोरियों या रस्सों के मछली पकड़ने के जाल।	अध्याय--60	
59.06	धागे, रस्सी, डोरी, रस्सों या केबलों से बनी हुई अन्य वस्तुएं, सूती वस्त्रों और ऐसे वस्त्रों से बनी हुई वस्तुओं से भिन्न।	सलाई से बना हुआ या क्रोशियाकारी का नाम	
59.07	गोंद से या स्टार्च वाले पदार्थ से लेपित सूती वस्त्र, पुस्तकों के बाहरी आवरण या इसी प्रकार की वस्तुओं के लिए उपयोग की जाने वाली एक किस्म; अनुरक्षित कपड़ा; तैयार पॉन्टिंग कैनवस; बुकरम और इसी प्रकार के वस्त्र, होंट बनाने और इसी प्रकार के उपयोगों के लिए।	60.01	सलाई से बूने हुए या क्रोशियाकारी किए हुए वस्त्र, लचीले बनाए हुए या रबड़ मिलाए हुए नहीं।
59.08	संसंचित, लेपित, आवरित या सैल्यूलोज के यौगिक से या अन्य नकली प्लास्टिक सामग्री से स्तरबद्ध किये गये सूती वस्त्र।	60.02	दस्ताने, बिना अंगुलियों के दस्ताने, मुक्के-बाजी के दस्ताने, सलाई से बूने हुए या क्रोशियाकारी किए हुए, न तो लचीले और न रबड़ मिलाए हुए।
59.09	तेल से लेपित या संसंचित सूती कपड़े या सुखाने वाले तेल के आधार पर बनाई गई इनकी वस्तुएं।	60.03	लम्बे मोर्चे, आधे मोर्चे, मोर्चे, टखने के मोर्चे, साकेट और ऐसी ही वस्तुएं, सलाई से बूने हुए या क्रोशिया से बूने हुए, लचीले बनाए हुए या रबड़ चढ़ाए हुए नहीं।
59.10	लिनोलियम और लिनोलियम के समान तरीके से वस्त्र के आधार पर तैयार की गई सामग्री, चाहे आकार में कटी हुई हों या नहीं या फर्श के आच्छादन के रूप में उपयोग की जाने वाली एक किस्म की सामग्री; वस्त्र के आधार पर लाए गए लेपन वाले फर्श आच्छादन, आकार में कटे हुए या न कटे हुए।	60.04	अन्तर पहनने की पोशाकें, सलाई से बूनी हुई या क्रोशियाकारी की हुई, न तो लचीली बनाई हुई और न रबड़ चढ़ाई हुई।
59.11	रबड़ चढ़े हुए सूती वस्त्र, सलाई से बूने हुए या क्रोशियाकारी किए हुए माल से भिन्न।	60.05	उत्तर पहनने की पोशाकें और अन्य वस्त्र, सलाई से बूनी हुई या क्रोशियाकारी की हुई, लचीली बनाई हुई या रबड़ चढ़ाई हुई नहीं।
59.12	अन्य प्रकार से संसंचित या लेपित सूती वस्त्र; थियेटरिकल सीनरी, स्टूडियो बैकक्लाथ या समान वस्तुओं के लिए पॉन्टिड कैनवास।	60.06	सलाई से बूने हुए या क्रोशियाकारी किए हुए वस्त्र और उनकी वस्तुएं, लचीले या रबड़ चढ़ाए हुए (लचीली घटने की टॉपियों और लचीले पूरे मोर्चों सहित)।
59.13	लचीले वस्त्र और गोटा-पट्टी (सलाई से बूने हुए या क्रोशियाकारी किए हुए से भिन्न) जिनमें रबड़ के धागों के साथ सूती वस्त्र की सामग्री संयुक्त की गई हो।	अध्याय--61	
		सलाई से बूने हुए और क्रोशियाकारी किए हुए माल से भिन्न सूती कपड़े के परिधानों की वस्तुएं और परिधानों की गॉज वस्तुएं	
		61.01	पुरुषों और लड़कों की बाहरी पोशाक।
		61.02	महिलाओं, लड़कियों और बच्चों की बाहरी पोशाकें।

शीर्षक सं.	वस्तु-विवरण	शीर्षक सं.	वस्तु-विवरण
61.03	पुरुषों और लड़कों की आंतरिक पोशाकों जिन में कालर, कमीजों के अग्रभाग और कफ शामिल हैं।		लिनन और सजावट करने की वस्तुएं (शीर्षक सं. 58.01, 58.02 या 58.03 में आने वाली वस्तुओं से भिन्न) वस्त्र सामग्री की, किसी भी सामग्री के जूते और हार्डगियर, उत्तम वस्त्र के प्रदर्शनीय चिन्ह, थोक में या गांठों में आयात किए हुए बोरें या इसी प्रकार की पैक करने की थोक में सामग्री।
61.04	महिलाओं, लड़कियों और बच्चों की अन्दर पहनने की पोशाकें।		
61.05	रूमाल।		
61.06	शाल, गुलूबन्द, मफलर, दुपट्टा, चादर और इसी तरह की वस्तुएं।	63.02	उपयोग किए हुए या नए चिथड़े, सूतली की कतरन, काडोज, रस्से और केबल और सूतली, काडोज, रस्सों और केबलों की टूटी-फूटी वस्तुएं।
61.07	टाईयां, सरफन्दा टाईयां, गुलूबन्द।		
61.08	कालर, जालीदार रूमाल, फूल, अंगियों के अग्रभाग, भालर, कफ, लहंगे की भालर का कपड़ा, सिले हुए वस्त्रों के कंधे पर के भाग और महिलाओं तथा लड़कियों की पोशाकों के लिए इसी प्रकार की गौण वस्तुएं तथा गोटा पट्टियां।		
61.09	चोलियां, चोलियों की पटियां, निलंबित-पटियां बूजियर बूसिस, गाटर और इसी प्रकार की वस्तुएं (सलाई से बने हुए या क्रोशियाकारी के वस्त्र की ऐसी ही वस्तुओं सहित) चाहे इलास्टिक के हों या न हों।		
61.10	वस्ताने, शिना अंगुलियों के वस्ताने, मुक्केबाजी के वस्ताने, पूरे मोजे, मोजे और साकेट, सलाई से बने हुए या क्रोशियाकारी किए हुए माल के न हों।		
61.11	बेशभूषा की वस्तुओं के लिए तैयार गौण वस्तुएं (उवाहरणार्थ, ड्रेस शील्ड, कंधे के और अन्य पैड, पटियां, मफस, आस्तीन के आवरण, पाकेट)।		
अध्याय—62			
वस्त्र की बनी हुई अन्य वस्तुएं			
62.01	यात्रा में काम आने वाले कालीन और कम्बल।		
62.02	बैठ लिनन, टेबल लिनन, टायलेट लिनन और किचिन लिनन; परदे और सजावट की अन्य वस्तुएं।		
62.03	बोरें और धैले, माल को पैक करने के लिए उपयोग की जाने वाली एक किस्म के।		
62.04	तिरपाल, पाल, सायबान, फिलिमिली, टैन्ट और कैम्प लगाने का माल।		
62.05	वस्त्र की अन्य बनी हुई वस्तुएं (ड्रेस के नमूने सहित)।		
अध्याय—63			
पुराना कपड़ा और कपड़े की अन्य वस्तुएं; चिथड़े			
63.01	परिधान, परिधानों की गौण वस्तुएं, यात्रा में काम आने वाले कालीन और कम्बल, घरेलू		
			खण्ड—12
			जूते, हार्डगियर, छाते, छोटे छाते, कोड़े, घुड़सवारी के चाबूक और उनके भाग; तैयार पंख और उनसे बनी हुई वस्तुएं; कृत्रिम फूल; मानव बालों की वस्तुएं; बंधे
			अध्याय—64
			जूते, गेदर और इसी प्रकार की वस्तुएं; ऐसी वस्तुओं के भाग
		64.01	रबड़ या कृत्रिम प्लास्टिक सामग्री के बाहरी तलों, और ऊपरी भाग के साथ जूते।
		64.02	चमड़े या भिलावटी चमड़े के बाहरी तलों के साथ जूते; जूते (शीर्षक सं. 64.01 में आने वाले जूतों से भिन्न) जिनके बाहरी तल्ले रबड़ या कृत्रिम प्लास्टिक की सामग्री के हों।
		64.03	काष्ठ या कार्क के बाहरी तलों वाले जूते।
		64.04	अन्य सामग्री के बाहरी तलों वाले जूते।
		64.05	धातु से भिन्न किसी भी सामग्री के जूतों के भाग (जिनमें ऊपरी भाग, आंतरिक तल्ले और एडियों के पेंच शामिल हैं)।
		64.06	गेदर, मोजे के गिलाफ टंगावरण, पट्टियां, क्रिकेट पैड, पिंडली रक्षक और समान वस्तुएं और उनके भाग।
			अध्याय—65
			सिर के पहनावे और उनके भाग
		65.01	हैट फार्मस, हैट बाडीज और नमदे के हूड्स, जो न तो आकार के लिए ब्लाक किया हुआ हो और न किनारे बना हुआ हो; प्लेटोक्स और मनचोन्स (स्लिट मनचोन्स सहित) नमदे के।
		65.02	हैट के आकार, शिकन डाले हुए या किसी भी प्रकार की सामग्री की पट्टियों से गूथे हुए, न तो आकार में ढाले हुए और न किनारे बने हुए।
		65.03	नमदे के हैट और नमदे के बने सिर के अन्य पहनावे, शीर्षक सं. 65.01 में आने वाले नमदे के हूड और प्लेटोक्स से बने हुए सिर के पहनावे, रोखाएँ डाले हुए या सजावट किए हुए हों या नहीं।

शीर्षक सं.	वस्तु-विवरण	शीर्षक सं.	वस्तु-विवरण
65.04	हूट और सिर के अन्य पहनावे, परत डाले हुए या किसी भी सामग्री की अन्य पट्टियों से बनाए हुए, चाहे रेखाएं डाले हुए या सजावट किए हुए हों या नहीं।		और इसी प्रकार की वस्तुएं बनाने में उपयोग के लिए तैयार किए गए हों।
65.05	हूट और सिर के अन्य पहनावे (बालों की जालियाँ सहित), सलाई से बने हुए या क्रोशिया-कारी किए हुए, गोटे, नमड़े, या खंडों में अन्य वस्त्र रेशे से बने हुए (परन्तु पट्टियों से बने हुए नहीं), चाहे रेखाएं डाले हुए या सजावट किए हुए हों या नहीं।	67.04	विग, नकली दाढ़ियाँ, भौंहें, बरौनिबी; लट और इसी प्रकार की वस्तुएं, मानव या पशु के बालों की या वस्त्र की; मानव बालों की अन्य वस्तुएं (बालों की जालियों सहित)।
65.06	सिर के अन्य पहनावे, चाहे रेखाएं डाले हुए या सजावट किए हुए हों या नहीं।	67.05	पंखे और दस्ती परखे, गैर मशीनी, किसी भी सामग्री के; उनके ढांचे और मूठ और ऐसे ढांचों और मूठों के हिस्से, किसी भी सामग्री के।
65.07	सिर बन्धक, अस्तर, आवरण, हूट के आधार, हूट के ढांचे (ओपेरा हूट के लिए स्प्रिंगदार ढांचे सहित), शिखर और ठोड़ी स्ट्रैप्स सिर के पहनावे के लिए।		
अध्याय-66		खण्ड-13	
छाते, छोटे छाते, भ्रमण में काम आने की छड़ियाँ, कोड़े, धड़सवारी के चाबूक और उनके भाग		पत्थर, पसस्तर, सीमेन्ट, एम्बेस्डोस, अभ्रक की और इसी प्रकार की सामग्री की वस्तुएं; मृत्तिका उत्पाद; कांच और कांच के बर्तन	
66.01	छाते और छोटे छाते (भ्रमण की छड़ियों वाले छातों के टेंटे और उद्यानों के छातों तथा इसी प्रकार के छातों सहित)।	अध्याय-68	
66.02	भ्रमण की छड़ियाँ (चटाई पर काम आने वाली छड़ियाँ और सीट की छड़ियाँ सहित), बैत, कोड़े, धड़सवारी के चाबूक और इसी प्रकार की वस्तुएं	पत्थर, पलास्तर, सीमेन्ट, एम्बेस्डोस, अभ्रक और इसी प्रकार की सामग्री की वस्तुएं	
66.03	पर्जे, जड़दार, गोटा-पट्टियाँ और शीर्षक सं. 66.01 या 66.02 में आने वाली वस्तुओं के उप-साधक।	68.01	प्राकृतिक पत्थर (स्लेट को छोड़कर) के सड़क और खंडों के सेट, चक्के और पट्टिया-पत्थर।
अध्याय-67		68.02	स्मारक निर्माण या भवन निर्माण का शिल्पकारी किया हुआ पत्थर और उस की वस्तुएं (पच्ची-कारी किए हुए चनों सहित), शीर्षक सं. 68.01 में या अध्याय 69 में आने वाले मान से भिन्न।
तैयार किए हुए पंख और कोमल पंख और पंख या कोमल पंख से बनी हुई वस्तुएं; कृत्रिम फल; मानव के बालों की वस्तुएं; पंखे		68.03	शिल्पकारी की हुई स्लेट और स्लेट की वस्तुएं पिंडीभूत स्लेट की वस्तुओं सहित।
67.01	पंख और कोमल पंख के साथ पक्षियों के चर्म और अन्य भाग, पंख के भाग, कोमल पंख और उनकी वस्तुएं (शीर्षक सं. 05.07 के अन्तर्गत आने वाले माल और काम किए गए पंख और पंखपिच्छ से भिन्न)।	68.04	मिल स्टोन, सान का पत्थर, सान के पहिये और इसी प्रकार की वस्तुएं (घर्षण करने, तैज करने, पालिश करने, सीधा करने और काटने के पहियों, शीशों, तश्तारियों और प्वाइन्ट्स सहित), प्राकृतिक पत्थर के (पिंडीभूत हों या नहीं), पिंडीभूत प्राकृतिक या कृत्रिम अपघर्षकों के, या कुम्भकारी के, या सांचे के साथ और उसके बिना कोर्स, प्लैंक, साकेट, एक्सल और अन्य सामग्री की इसी प्रकार की वस्तुओं किन्तु उन पर ब्रिस्टल का कार्य न हुआ हो; ऐसे पत्थरों और पहियों के खंड अन्य तैयार हिस्से, प्राकृतिक पत्थर के (पिंडीभूत किवा हुआ हो या नहीं), पिंडीभूत प्राकृतिक या कृत्रिम एब्रोसिव, या कुम्भकारी के।
67.02	कृत्रिम फल, पूर्ण समूह या फूल और उनके भाग; कृत्रिम फलों, पूर्ण समूहों या फलों से बनाई गई वस्तुएं।	68.05	हाथ से पालिश करने के पत्थर, सान के पत्थर, सिल्लियाँ, प्राकृतिक पत्थर के, पिंडीभूत प्राकृतिक या कृत्रिम एब्रोसिव के, या कुम्भकला की हिड्डियाँ और इसी प्रकार की वस्तुएं।
67.03	मानव के बाल, संभारे हुए, मूलायम किए हुए, विरंजित या अन्य प्रकार से काम किए हुए उन या पशु के अन्य बाल जो बालों के टोप	68.06	प्राकृतिक या कृत्रिम एब्रोसिव पाउडर या दाने, कागज के, गत्ते के या अन्य स्वच्छ सामग्री के बने हुए वस्त्र के आधार पर, चाहे आकार में कटे हुए हों या चिरे हुए, या अन्य प्रकार से बने हुए हों या नहीं।

7—G. 1 Commercial 85

शीर्षक सं.	वस्तु विवरण	शीर्षक सं.	वस्तु विवरण
62.07	धातुमल की ऊन, शैल ऊन और इसी प्रकार की खनिज ऊन; परत उतारी हुई कृमक, विस्तारित क्ले, पैनल धातुमल और इसी प्रकार की विस्तारित खनिज सामग्री; उष्मारोधन, ध्वनिरोधन, या ध्वनिक्षोभक खनिज सामग्री के मिश्रण और वस्तुएं, शीर्षक सं. 68.12 या 68.13 या अध्याय 69 में आने वाली सामग्री से भिन्न।	अध्याय-69	
68.08	अस्फाल्ट की या इसी प्रकार की वस्तुएं (उदाहरणार्थ पेट्रोल बिटुमन की या कोल-तार की राल)।	सिरीमिक उत्पाद	
68.09	वनस्पति रेशे, लकड़ी के रेशे, पजाल, लकड़ी की बीरण या लकड़ी की रबड़ी (बराबे सहित) के पट्टे, तख्ते, ईंटें, खंड और इसी प्रकार की वस्तुएं, सीमेंट, प्लास्टर या अन्य खनिज बन्धक तत्वों से पिंडीभूत।	69.01	उष्मारोधी ईंट, ब्लाक्स, टाइल्स और सिलिशियम फॉसिल मील्स या इसी प्रकार के सिलिशियस मिट्टी के अन्य उष्मारोधी सामान (उदाहरणार्थ, कीसेल्यूहर, ट्रिपोनाइट या डायटोमाइट)।
68.10	प्लास्टर करने की सामग्री की वस्तुएं।	69.02	तापसह ईंट, ब्लाक्स, टाइल्स और इसी प्रकार के अन्य तापसह निर्माण के सामान किन्तु शीर्षक सं. 69.01 के अन्तर्गत आने वाले सामान से भिन्न।
68.11	सीमेंट (धातुमल की सीमेंट सहित) की, कंक्रीट की, या कृत्रिम पत्थर की वस्तुएं (सीमेंट के साथ पिंडीभूत की हुई धानेदार संगमरमर सहित), पुनः बलयुक्त की हुई या न की हुई।	69.03	अन्य तापसह सामान (उदाहरणार्थ, रिटार्टर्स, क्रसिबल, मफलस नोजल्स, प्लम्स, धूनी, लूपेरे, ट्यूब, पाइप्स छावन और राइ) किन्तु शीर्षक सं. 69.01 के अन्तर्गत आने वाले सामान से भिन्न।
68.12	एस्बेस्टोज-सीमेंट की, सैल्युलोस फाइबर-सीमेंट की या इसी प्रकार की वस्तुएं।	मिट्टी के अन्य उत्पाद	
68.13	गढ़ा हुआ एस्बेस्टोज और उसकी वस्तुएं (उदाहरणार्थ, एस्बेस्टोज के गत्ते, भागे और रेशे; एस्बेस्टोज के कपड़े और जूतनार), पुनः बलयुक्त किए हों या नहीं, शीर्षक सं. 68.14 में आने वाले माल से भिन्न; एस्बेस्टोज पर आधारित मिश्रण और एस्बेस्टोज और मंगनीसियम कार्बोनेट पर के आधार के साथ मिश्रण, और ऐसे मिश्रणों पर आधारित वस्तुएं।	69.04	बिल्डिंग बनाने की ईंट (जिनमें फर्श के ब्लाक्स, धूनी या फिलर टाइल्स और इसी से मिलते जुलते सामान शामिल हैं)।
68.14	घर्षण माल (सिग्नेट, डिस्क, वाशर्स स्टिप्स, शीट्स, प्लेट्स रोलर्स और इस से मिलते जुलते माल) ऐसी किस्म के माल जो ब्रेक, क्लचर्स या इसी प्रकार के सामान के लिए उपयुक्त हैं और जिनका आधार एस्बेस्टोज, अन्य खनिज पदार्थ या तेललोज आह्वे वह कपड़े या अन्य माल के साथ मिश्रित हो या नहीं हों।	69.05	छत बनाने की टाइल्स, चिमनी पात्र, छक्कन, चिमनी लाइनर्स, कानिक्स और अन्य निर्माणकारी सामान जिन में संरचनात्मक सामान शामिल हैं।
68.15	क्रिया किया हुआ अभक और अभक की वस्तुएं, कागज या कपड़े के साथ बान्ड्ड अभक स्पिरिटिंग मज्जित (उदाहरणार्थ, मेन्त-नाइट और माइका-फोर्लियम)।	69.06	पाइपिंग, जल प्रणाली और नालियाँ (कांणों, बंधकों और अन्य सामान जूतनारों सहित)।
68.16	पत्थर की या अन्य खनिज पदार्थों की वस्तुएं (पीट की वस्तुओं सहित) जो अन्य कहीं विशिष्टकृत या शामिल न की गई हों।	69.07	सेट्स, फ्लैग्स और लडंजा, अंगीठी और दीवार की टाइल्स जो चमकीली न हों।
		69.08	सेट्स, फ्लैग्स और लडंजा, अंगीठी और दीवार की टाइल्स जो चमकीली न हों।
		69.09	प्रयोगशाला, रासायनिक या औद्योगिक बर्तन; नांद ग्राही पात्र टब और कृषि में उपयोग किए जाने वाले किस्म के पात्र; और माल के ले जाने या पैकिंग करने में सामान्यतः उपयोग किए जाने वाले किस्म के पात्र;
		69.10	सिंक्स, वाश बेसिन, बिडेट्स, बाटर क्लोजेट पेन्स, मूत्रालय, स्नानगृह और इसी प्रकार की सफाई संबंधी वस्तुएं।
		69.11	मेज के पात्र और ऐसी प्रकार की प्रॉसिलेन या चीनी मिट्टी की वस्तुएं (जिन में बिस्कट प्रॉसिलेन और पेरियन शामिल हैं) जो सामान्यतः घरले अथवा टायलेट के प्रयोजन के लिए हैं।
		69.12	मेज के बरतन और अन्य किस्म के बरतनों की वस्तुएं जो साधारणतः घरले या टायलेट

शीर्षक सं.	वस्तु विवरण	शीर्षक सं.	वस्तु विवरण
	प्रयोजन के लिए प्रयोग की जाती है और कुम्भ-कारी की अन्य किस्मों के।	70.12	वेक्यूम फ्लास्क या अन्य नेक्यूम बरतनों के लिए ग्लास इनर्स।
69.13	लघु प्रतिमाएं और अन्य आभूषण और व्यक्तिगत सजावट की वस्तुएं; फर्नीचर की वस्तुएं।	70.13	शीशे के सामान (शीर्षक सं. 70.19 के अन्तर्गत आने वाली वस्तुओं से भिन्न) ऐसी किस्म के जो मोज, रसाई, टायलट या आफिस प्रयोजन के लिए प्रयोग किए जाते हैं जो अन्दर की सजावट के लिए या इसी प्रकार के अन्य उपयोगों के लिए प्रयोग किए जाते हैं।
69.14	अन्य वस्तुएं।		
बध्याव-70			
कांच और कांच के बर्तन			
70.01	वेस्ट कांच (कल्लेट) ; प्रच्यमान में कांच (प्रकाशीय कांच को छोड़ कर)।	70.14	सजावटी कांच के सामान, सिगनल देने वाले शीशे के सामान और कांच के ऑप्टिकल एलिमेंट जो आप्टिकली क्रिया न किए गए हों और न ही ऑप्टिकल कांच के हों।
70.02	ऐसी किस्म का कांच जो "एनामिल" कांच के नाम से जाना जाता है, ब्रॉय, राइ एवं ट्यूब में।	70.15	थिडियाल (क्लाक) और थिडियों के शीशे और इसी प्रकार के शीशे (इन में सनग्लास के लिए प्रयोग में आने वाली किस्म के शीशे भी शामिल हैं किन्तु करीकटव लेन्सेज के लिए उपयुक्त शीशे को छोड़कर), टूट्टे किए हुए मोड़े हुए, धंसे हुए और इसी प्रकार के अन्य शीशे; गोल शीशे और ऐसी किस्म के गोल सेगमेंट जिनका प्रयोग थिडियाल और थिडियों के शीशों के विनिर्माण में किया जाता है।
70.03	बाल, राइ, और ट्यूब में कांच और ऐसा कांच जिस पर कोई क्रिया नहीं की गई हो (प्रकाशीय कांच न हों)।	70.16	ऐसी किस्म की ईंट, टाइल्स, स्लेप्स, पॉथिंग ब्लाक्स, स्केवर्स और प्रेस्ड या मोल्ड्ड कांच जिन का साधारणतया उपयोग बिल्डिंग बनाने में किया जाता है; ब्लाक्स में मल्टी-सेलूलर ग्लास, स्लेप्स, प्लेट्स पेंस और इसी प्रकार के रूपों में अन्य वस्तुएं।
70.04	बिना क्रिया किया हुआ, ढाला हुआ कांच (फ्लेशड कांच सहित), आयताकार में। चाहे चित्रित हो या न हो, आयताकार में।	70.17	प्रयोगशाला, स्वास्थ्य सम्बन्धी और भेषज संबंधी कांच के बर्तन चाहे वे अंशकित या व्यास मापकित हों या न हों; कांच की छोटी नालियां।
70.05	बिना क्रिया किया हुआ ड्रान या ब्लोन कांच (फ्लेशड कांच सहित), आयताकार में।	70.18	प्रकाशकीय कांच और प्रकाशकीय कांच के तत्व, प्रकाशकीय कार्य किए हुए तत्वों से भिन्न; शोधक चक्ष्मों के लेन्सों के लिए ब्लैंक।
70.06	ढाला हुआ, रोल्ड, ड्रान या ब्लोन कांच (फ्लेशड या वायर्ड कांच सहित), आयताकार में, सफेस ग्राउन्ड या पॉलिश किए हुए, किन्तु इससे आगे कोई क्रिया नहीं की गई हो।	70.19	कांच के मनके, नकली मोती, नकली बहु-मूल्य और कम बहुमूल्य रत्न, फ्रेगमेंट और चिपिंग और तुल्य श्रृंगार युक्त या सजावटी कांच का छोटा सामान और उससे बनी हुई वस्तुएं; मोसाइक्स और इसी प्रकार के सजावटी कार्यों के लिए कांच के क्यूब्स और छोटी कांच की प्लेटें चाहे किसी आधार पर हों अथवा नहीं, कांच की नकली आंखें इन में खिलौने की नकली आंखें भी शामिल हैं, किन्तु इन में मानव द्वारा पहनी जाने वाली आंखें शामिल नहीं हैं, आभूषण और लैम्प-वर्कड कांच की अन्य सजावटी वस्तुएं; कांच के कण (बैलोडिनी)।
70.07	बिना क्रिया किया हुआ ढाला हुआ (फ्लेशड या वायर्ड कांच सहित) शेष में काटा हुआ, आयताकार शेष से भिन्न या मुड़ा हुआ या अन्यथा रूप से क्रिया किया हुआ (उदाहरणार्थ क्रिया किए हुए या नकश किए हुए किनारे) चाहे सफेस ग्राउन्ड या पॉलिश किए हुए हों या नहीं; बहू-तह वाला पृथक्कारी कांच; लीडड लाइट और इसी प्रकार के सामान।	70.20	कांच रेशा (उन सहित), सूत, वस्त्र और उनसे बनी हुई वस्तुएं।
70.08	सुरक्षा कांच जिसमें सख्त या परतदार कांच, शैड या बिना शैड में भी शामिल है।	70.21	कांच की अन्य वस्तुएं।
70.09	आइने (पीछे देखने के आइनों सहित), बिना फ्रेम किए हुए, फ्रेम किए हुए या बैंकड।		
70.10	कार्बायस, बोतलें, मरतबान, बरतन, नला-कार धारक और इसी प्रकार के धारक, ऐसे कांच के जो साधारणतः परिवहन या पैकिंग के सामान में प्रयोग किए जाते हैं; स्टाप्स और अन्य कांच के क्लोजर्स।		
70.11	बिजली के लैम्प्स, इलेक्ट्रॉनिक वाल्वस या इसी प्रकार के अन्य सामान के लिए शीशे के एन्वेलव (बल्ब और ट्यूब सहित)।		

शीर्षक सं.	वस्तु विवरण
------------	-------------

खण्ड-14

मोती, बहुमूल्य तथा कम बहुमूल्य रत्न, बहुमूल्य धातुएं, सिकके बोलित बहुमूल्य धातुएं तथा उनकी वस्तुएं; नकली आभूषण सिकके

अध्याय-71

मोती, बहुमूल्य तथा कम बहुमूल्य रत्न, बहुमूल्य धातुएं, बोलित धातुएं और उनकी वस्तुएं; नकली आभूषण,

मोती और बहुमूल्य और कम बहुमूल्य पत्थर

71.01 मोती, जिन पर काम किया गया हो या बिना काम किए हुए, किन्तु नग बनाए हुए व्यवस्थित किए हुए या पिरोए हुए नहीं (यातायात की सुविधा के लिए अस्थायी रूप से पिरोए हुए गैर-वर्गित मोतियों को छोड़कर)।

71.02 बहुमूल्य और कम बहुमूल्य रत्न, जिन पर काम नहीं किया गया हो, काटे हुए या अन्य प्रकार से काम किया गया हो, किन्तु नग बनाए हुए, व्यवस्थित किए या पिरोए हुए नहीं (यातायात की सुविधा के लिए अस्थायी रूप से पिरोए हुए गैर-वर्गित रत्नों के अतिरिक्त)।

71.03 संश्लिष्ट अथवा पुनःनिर्मित बहुमूल्य या कम बहुमूल्य रत्न जिन पर काम न किया गया हो, कटाई किए गये या अन्यथा काम किए गए, किन्तु नग बनाए हुए, व्यवस्थित किए हुए या पिरोए हुए नहीं हैं (यातायात की सुविधा के लिए अस्थाई रूप से पिरोए हुए गैर-वर्गित रत्नों के अतिरिक्त)।

71.04 प्राकृतिक अथवा संश्लिष्ट बहुमूल्य या कम बहुमूल्य रत्नों की भूल और चूर्ण।

2. बहुमूल्य धातुएं और बोलित बहुमूल्य धातुएं, अपरिष्कृत, बिना गढ़ी हुई अथवा अर्ध-विनिर्मित।

71.05 रजत, जिस में रजत गिल्ट और प्लेटिनम प्लेटिड रजत, अपरिष्कृत या अर्ध-विनिर्मित।

71.06 बोलित रजत पर कोई कार्य नहीं किया गया हो या अर्ध-निर्मित।

71.07 सोना, जिस में प्लेटिनम-प्लेटिड सोना, अपरिष्कृत और अर्ध-निर्मित।

71.08 बोलित सोना या बेस धातु या रजत जिस पर कोई कार्य नहीं किया गया हो या अर्ध-निर्मित।

71.09 प्लेटिनम और प्लेटिनम बर्ग के अन्य धातु, अपरिष्कृत या अर्ध-निर्मित।

71.10 बोलित प्लेटिनम या अन्य प्लेटिनम बर्ग के धातु; बेस धातु या बहुमूल्य धातु जिन पर कोई काम किया गया हो या अर्ध-निर्मित।

शीर्षक सं.	वस्तु विवरण
------------	-------------

71.11 सुनार, चांदी के जेवर बनाने वाले और जौहरी की भाड़न, अवशेष, लेम्लस और बहुमूल्य धातु के अन्य नेस्ट और स्क्रैप।

3. जेवर, सुनार और चांदी के जेवर बनाने वालों के बर्तन और अन्य वस्तुएं

71.12 बहुमूल्य धातु या बोलित बहुमूल्य धातु की जेवरात की वस्तुएं और उनके भाग।

71.13 सुनार की वस्तुएं या चांदी बनाने वालों के बर्तन और उनके भाग जो बहुमूल्य धातु या बोलित बहुमूल्य धातु के बने हुए हों और जो शीर्षक सं. 71.12 के अन्तर्गत आने वाले माल से भिन्न हों।

71.14 बहुमूल्य धातु या बोलित बहुमूल्य धातु की अन्य वस्तुएं।

71.15 ऐसी वस्तुएं जिन में मोती, बहुमूल्य या कम बहुमूल्य रत्न संगत या सम्मिलित हों (प्राकृतिक, सिन्थेटिक या पुनः तैयार किए हुए)।

71.16 नकली जेवरात।

अध्याय-72**सिकके**

72.01 सिकका।

खण्ड-15

आधार धातुएं और उनकी वस्तुएं

अध्याय-73

लोहा एवं इस्पात और उनकी वस्तुएं

73.01 कच्चा लोहा, ढलवां लोहा और दर्पण लोहा पिण्डों में, गूटके, ढले और इसी प्रकार की आकृतियों में।

73.02 लोहा-मिश्र धातुएं।

73.03 लोहा या इस्पात की रद्दी और कतरन।

73.04 लोहे या इस्पात की गूटका और कोणीय गिट्टियां चाहे वर्गित हो या नहीं; लोहे या इस्पात के तार पैलेट्स।

73.05 लोहा या इस्पात का भूर्ण; स्पन्ज लोहे या इस्पात।

73.06 गारा की सलाखें और पिर्लिंग्स; लोहे या इस्पात की सिल्लियां, ब्लाक्स, लम्प्स और इसी प्रकार की आकृतियां।

73.07 लोहे या इस्पात के ब्लम्स, बिल्लेट्स, स्लेब्स और चद्दर/सलाखें (टिन प्लेट सलाखें सहित);

शीर्षक सं.	वस्तु विवरण	शीर्षक सं.	वस्तु विवरण
	लोहे या इस्पात की ठलाई द्वारा बुरदरे आकार के टुकड़े।		बिड़कियों के ढाँचे, शर्ट्स, बालस्ट्रिप्स, पिप्लर्स एवं कालम) लोहे अथवा इस्पात के; प्लेट्स, स्ट्रिप्स, राड एंगल्स, फ्लेस, संक्शन ट्यूब और निर्माण में प्रयोग के लिए इसी प्रकार के तैयार किए गए लोहे तथा इस्पात के सामान।
73.08	पुनः बेलनाकार बनाने के लिए लोहे या इस्पात के कुंडल।		
73.09	लोहे या इस्पात की यूनिवर्सल प्लेट्स।	73.22	रेजर्वार्स, टैन्क, बेट्स और इसी प्रकार कहीं पात्र जो लोहे अथवा इस्पात किसी भी माल (संपीड़क और लिक्विफाइड गैस से भिन्न) के हों और जिस की क्षमता 3001 से अधिक की हो, चाहे वे लाइन्ड हों अथवा ताप प्रथककारी हों/नहीं हों किन्तु मेकैनिकल या थर्मल उपकरण के साथ हों।
73.10	लोहे या इस्पात की छड़े या सलाखें (तार की सलाखों सहित), गर्म-बेलित, गढ़ी हुई, निःस्सारित कोल्डफार्मड अथवा कोल्ड फिनिश सक्षमता से निर्मित सहित); खान को बोलना करने के लिए बर्मा इस्पात।	73.23	चबूदर या लोहा प्लेट या इस्पात के कास्क श्रम कनस्तर, बक्स और मिलते-जुलते पात्र ऐसी किस्म के जो साधारणतः यातायात या माल के पैकिंग के लिए प्रयोग किए जाते हैं।
73.11	लोहे या इस्पात के कोण, आकृतियाँ और बच्चे गर्म-बेलित, गढ़ी हुए निस्सारित, कोल्ड फार्मड या कोल्ड फिनिश; लोहे या इस्पात की पिपिंग शीट चाहे, ये बर्मा की हुई, पंच की हुई या तत्वों के संघटन से बनाई गई हों या नहीं।	73.24	संपीड़ित अथवा द्रवी कृत-गैस के लिए लोहे तथा इस्पात के पात्र।
73.12	लोहे या इस्पात का छल्ला और फीता, हाट-रोल्ड अथवा कोल्ड-रोल्ड।	73.25	पृथक्कारक विद्युत के केबल को छोड़कर गुच्छेदार तार, केबल कोइल, सिलवटी रस्सियाँ, ब्रैन्ड, स्लिंग एवं इसी प्रकार के लोहे या इस्पात के तार।
73.13	लोहे या इस्पात की शीट्स और प्लेटें, हाट-रोल्ड अथवा कोल्ड-रोल्ड।	73.26	घेराबंदी के प्रयोग के लिए कांटेदार लोहे अथवा इस्पात के तार; मोड़ी हुए, एकहरी कपटी तार, कांटेदार हों या कांटेदार न हों और लोहे अथवा इस्पात के घेराबंदी के प्रयोग में लाने वाली किस्म के ढीले मोड़े हुए दोहरे तार।
73.14	लोहा एवं इस्पात तार, चाहे कोटिड हों या नहीं किन्तु पृथक्कारी नहीं हों।	73.27	लोहे अथवा इस्पात तार की जाली, कपड़ा, ग्निल, नेटिंग, बाड़, रिफ्लेक्टिंग फीब्रक और इसी प्रकार के माल।
73.15	शीर्षक सं. 73.06 से 73.14 तक में यथा उल्लिखित अनुरूप मिश्रधातु इस्पात एवं हाई कार्बन इस्पात।	73.28	कैलाई हुई धातु, लोहा या इस्पात की।
73.16	रेल एवं ट्राममार्ग के निर्माण के लिए लोहे अथवा इस्पात का निम्नलिखित माल; पटरियाँ, रोक पटरियाँ, स्विच ब्लेड्स, कैंची (या फ्राग) कैंची के टुकड़े, कांटे की रोडें, रोक पटरियाँ, स्लीपर, जोड़ पट्टियाँ, कैंसियाँ, चेंबर वेंजिज, तल पट्टे (बेस प्लेट्स) रेल क्लिप्स, तल पट्टी, तान और जोड़ने अथवा पटरियों को स्थिर करने के लिए अन्य विशेष माल।	73.29	लोहे अथवा इस्पात की चैन और उस के पुर्जे।
73.17	ढलवें लोहे की ट्यूब और पाइप।	73.30	लोहे अथवा इस्पात के लंगर और कांटा और उसके पुर्जे।
73.18	ट्यूब और पाइपें उनके ब्लैक्स, लोहा (ढलवें लोहे से भिन्न) या इस्पात के, अधिक दाब वाले हाइड्रोइलेक्ट्रिक कन्ड्यूट को छोड़कर।	73.31	लोहे अथवा इस्पात की कील, टेक्स स्टेपल्स हुक, कील, नालीदार कील, स्पाइक्स हुक, कील, स्पाइक्स, एवं ड्राइंग पिन चाहे हवेस अन्य सामग्री के हों या न हों किन्तु ऐसी वस्तुओं को छोड़कर जिन के हवेस ताम्बे के हों।
73.19	इस्पात के अधिक दाब वाले हाइड्रो-इलेक्ट्रिक कन्ड्यूट चाहे वे प्रबलित हों या नहीं हों।	73.32	लोहे अथवा इस्पात के बोल्ट और नट (बोल्ट और स्क्रू स्ट्रिप्स सहित) थ्रीड्ड अथवा टेप्ड और स्क्रू (स्क्रू हुक और स्क्रू छल्लों सहित); रिबेट्स, कांटेटर-कोटेटरपिन्स, लोहे अथवा इस्पात के वाशर्स और स्प्रिंग वाशर्स।
73.20	लोहे अथवा इस्पात की ट्यूब और पाइप फिटिंग्स (उदाहरणार्थ, जोड़, एल्बो यूनियन्स और फ्लेन्जेस)।	73.33	हाथ की सिलाई के लिए सुइयाँ (बेलबूटों सहित) हाथ से बनाने वाली धीरियों की सुइयाँ और हाथ से बुनाई करने के लिए सुइयाँ, बोर्ड-
73.21	बिनिर्माण और निर्माण संबंधी पुर्जे (उदाहरणार्थ हेन्गर्स और अन्य बिल्डिंग, पुल और पुल संक्शन्स, लाक गेट, बर्ज, जालीदार मास्ट्स, छतें, छत के ढाँचे, दरवाजे एवं		

शीर्षक सं.	वस्तु विवरण	शीर्षक सं.	वस्तु विवरण
	किन्स, क्रोशेट हक, और इसी से मिलती-जुलती वस्तुएं और लोहे अथवा इस्पात के बेल-बूटों के स्टिलेंटोस।		आकार में कटी हुई, छेद की हुई, मूलम्मा चढ़ाई हुई, छपी हुई या कागज अथवा अन्य प्रबल पदार्थ द्वारा समर्थित अथवा बिना समर्थित)।
73.34	पिन (हुटे पिन और अन्य आभूषण के पिन और डाइंग पिन को छोड़कर) बालों के पिन और कॉलिंग मूठ लोहे तथा इस्पात के।	74.06	ताम्बे का चूर्ण तथा पपड़ियाँ।
73.35	लोहे अथवा इस्पात के स्प्रिंग के लिए स्प्रिंग और पात।	74.07	ताम्बे की ट्यूब्स तथा पाइप तथा उसके ब्लैंक्स ताम्बे की खाँखली छड़ें।
73.36	स्टोव (कौन्ड्रत ताप के लिए सहायक बायलर्स के साथ स्टोव सहित) रेन्जर्स, कुर्कर्स, गेट्स, फायर्स और अन्य स्पेस हीटर्स, गैस रिरर्स, वर-नर्स के साथ प्लेट वारमर्स, ब्रेटर्स के साथ वाश बायलर्स या अन्य गर्म करने वाले पदार्थ और इसी प्रकार के उपकरण लोहे अथवा इस्पात की ऐसी किस्म के जो घरले कार्याओं के लिए प्रयोग किए जाते हैं, जो बिजली से न चलते हैं और उन के पुर्जें।	74.08	तांबे की ट्यूब्स तथा पाइप फिटिंग्स (उदाहरणार्थ जोड़, एल्बोज, साकेट्स और फ्लेजिंग्स)।
73.37	लोहे अथवा इस्पात के बायलर्स (शीर्षक सं. 84.01 के बायलर्स को छोड़कर) सेंद्रल हीटिंग के लिए रेडिएटर्स, जो बिजली से न तपाए जाते हैं और उनके पुर्जें; लोहे अथवा इस्पात के एयर हीटर्स और एयर डिस्ट्रिब्यूटर्स नहीं (इन में वे भी शामिल हैं जो ठंडी या वातानुकूल हवा दे सकते हैं), किन्तु विद्युत शक्ति से न गर्म किए जाते हैं इनमें मोटर से चलने वाले पंखे अथवा ब्लोब्लू और उनके लोहे या इस्पात के पुर्जें।	74.09	3001 से अधिक क्षमता वाले ताम्बे के हाँप, टैंक्स वेल्स तथा इसी प्रकार के किसी भी माल के लिए पात्र (संपीड़ित एवं द्रवीकृत गैस से भिन्न) चाहे भारीदार अथवा ताप/रोधक हों या न हों लेकिन यांत्रिक अथवा ताप उपस्कर के साथ जुड़े हुए नहीं।
73.38	लोहे अथवा इस्पात की ऐसी किस्म की वस्तुएं जो साधारणतः घरले प्रयोजनों के लिए और सेंट्रलरी सामान के लिए प्रयोग की जाती हैं और ऐसी वस्तुओं के पुर्जें और बर्तन।	74.10	स्ट्रिन्ड तार, केबल्स काइजिंग, रस्से, प्लेटिङ, नैन्डस और इसी प्रकार के ताम्बे के तार, लेकिन विद्युत पृथक्कारी तार एवं केबल्स से भिन्न।
73.39	लोहा अथवा इस्पात उन्न; लोहे अथवा इस्पात के स्कोरर और स्कोरिंग एवं पालिश करने के पेड्स, वस्ताने और इसी प्रकार की वस्तुएं।	74.11	ताम्बे के तार की जाली, कपड़ा, प्रिल, नोटिंग, बाइ, रिप्लेसिंग फोब्लू और इसी प्रकार के ताम्बे के तार के समान (अन्तरहित बनेल्स के साथ)।
73.40	लोहा तथा इस्पात की अन्य वस्तुएं।	74.12	ताम्बे की विस्तारित धातु।
	अध्याय-74	74.13	ताम्बे की ग्रैन और इसके पुर्जें।
	ताम्बा और इससे बनी वस्तुएं	74.14	ताम्बे की कील, टैंक्स, स्टेपल्स, हक कील, स्पाइकड क्रम्प्स, स्टइस, स्पाइक्स एवं डाइंग पिन, अथवा लोहे या इस्पात की हों और जिनके हैंड्स ताम्बे के बने हुए हों।
74.01	द्युतिहीन ताम्बा, कच्चा ताम्बा (परिष्कृत अथवा अपरिष्कृत) ताम्बे की छीजन एवं कतरन।	74.15	ताम्बे के बोल्ट्स और नट (बोल्ट एन्ड्स और स्क्रू स्टइस सहित) चाहे वे थ्रैड्ड अथवा टैप्ड हों या न हों और स्क्रू (स्क्रू हक और स्क्रू छल्ले सहित); ताम्बे के रिबेड्स कोटर्स, कोट्टट पिन्स, वार्शस और स्प्रिंग बाइर्स;
74.02	मूल मिश्रधातु।	74.16	तांबे के स्प्रिंग।
74.03	ताम्बे की परिष्कृत सलाखें, राइ, एगल्स, शोप्स और सेक्शन्स, ताम्बे के तार।	74.17	बिजली से न चलने वाला घरले उपयोग के लिए बाना बनाने एवं ताप देने वाला ताम्बे का एक प्रकार का उपकरण और उसके पुर्जें।
74.04	ताम्बे की परिष्कृत प्लेट्स, शीट्स तथा स्ट्रिप	74.18	घरले उपयोग के लिए साधारणतया प्रयोग में आने वाली ताम्बे की अन्य वस्तुएं, घर में उपयोग के लिए ताम्बे के सफाई के पात्र और ऐसी वस्तुओं के पुर्जें एवं पात्र।
74.05	0.15 मि.मी. से कम मोटाई (समर्थन समर्थी रहित) वाली ताम्बे की पर्ण (उत्कर्ण,	74.19	ताम्बे की अन्य वस्तुएं।
	अध्याय-75		निकल और उसकी वस्तुएं
		75.01	निकल पदार्थ, निकल स्पाइसिस एवं निकल धातु विज्ञान के अन्य मध्यस्थ उत्पाद, बिना गढ़ा

शीर्षक सं.	वस्तु विवरण
75.02	हूआ निकल (इलेक्ट्रोप्लेटिंग एनोड्स को छोड़कर), निकल की छीजन और कतरन। गढ़ी हुई सलाखें, राइ, एंगल्स, निकल के शेप्स एवं सेक्शन, निकल के तार।
75.03	निकल की गढ़ी हुई प्लेट्स, शीट्स एवं स्ट्रिप्स, निकल फायल; निकल का चूर्ण और पपड़ी।
75.04	निकल की ट्यूब्स एवं पाइप्स तथा ब्लैक्स निकल की खोखली छड़ें और ट्यूब तथा पाइप फिटिंग (उदाहरणार्थ ज्वाइंट, एल्बोज, सांकेट एवं प्लेजिस)
75.05	निकल के इलेक्ट्रोप्लेटिंग एनोड्स गढ़े हुए अथवा बिना गढ़े हुए इसमें से भी शामिल हैं जो विद्युत अपघटन द्वारा उत्पादित हैं।
75.06	निकल की अन्य वस्तुएं।

अध्याय—76

एल्यूमीनियम और उसकी वस्तुएं

76.01	बिना गढ़े हुए एल्यूमीनियम; एल्यूमीनियम छीजन और कतरन।
76.02	एल्यूमीनियम की परिष्कृत सलाखें, राइ, एंगल्स, शेप्स एवं सेक्शन; एल्यूमीनियम के तार।
76.03	एल्यूमीनियम की गढ़ी हुई प्लेट्स, शीट्स एवं स्ट्रिप्स।
76.04	एल्यूमीनियम फायल (चाहे उत्कीर्ण, आकार अनुसार कटी हुई, छेद की गढ़ी, लीपत, छपी हुई या कागज अथवा अन्य पुनः प्रबल पदार्थ द्वारा समर्थित हो अथवा नहीं) जिसकी मोटाई (बिना बैकिंग के) 0.20 मि.मी. से अधिक न हो।
76.05	एल्यूमीनियम चूर्ण तथा पपड़ी।
76.06	एल्यूमीनियम की ट्यूब्स एवं पाइप तथा इसके ब्लैक्स; एल्यूमीनियम की खोखली छड़ें।
76.07	एल्यूमीनियम की ट्यूब तथा पाइप फिटिंग्स (उदाहरणार्थ ज्वाइंट्स, एल्बो, सांकेट्स तथा प्लेजिस)।
76.08	एल्यूमीनियम के विनिर्माण और निर्माण संबंधी पूर्ण (उदाहरणार्थ हार्गर्स और अन्य निर्माण सामग्री प्ल और पल सेक्शन, बर्ज, लीट्स मेस्ट्स, छतें, छत के ढांचे, दरवाजे एवं बिड़की के ढांचे, ब्लस्टेजस, पिल्लर्स एवं कालम) एल्यूमीनियम की प्लेट्स, राइ, एंगल्स, शेप्स, सेक्शनस, ट्यूब्स और निर्माण कार्य में प्रयोग के लिए इसी प्रकार के तैयार किए गए एल्यूमीनियम के सामान।
76.09	300 पौंड से अधिक क्षमता वाले एल्यूमीनियम के हाँज, टैन्क्स, बेट्स, और इसी प्रकार के किसी भी मल के लिए पात्र (संपीड़ित एवं द्रवीकृत गैस से भिन्न) चाहे वे धारीदार अथवा

शीर्षक सं.	वस्तु विवरण
76.10	तापरोधक हों, या न हों, लेकिन यांत्रिक अथवा तापिक उपस्कर के साथ जुड़े हुए न हों।
76.11	एल्यूमीनियम के ड्रम, पीपे, बाल्टी, सन्तूक और इसी प्रकार के पात्र (कठोर तथा दबने वाली ट्यूब के पात्रों के साथ) जिनका प्रयोग साधारणतया सामान बांधने के लिए अथवा याता-यात के लिए किया जाता है।
76.12	संपीड़ित अथवा द्रवीकृत गैस के लिए एल्यूमीनियम के पात्र।
76.13	एल्यूमीनियम तार के स्ट्रैंड्ड वायर, केबल, काब्रज, रस्से, प्लेटिड ब्रेन्ड्स और इसी प्रकार के एल्यूमीनियम वायर लेकिन पृथक किये हुए विद्युत तार तथा केबल को छोड़कर।
76.14	एल्यूमीनियम तार की जाली, गाज, कपड़ा, प्रिल, नेटिंग, रिफ्लेक्टिंग फोबूक तथा इसी प्रकार के सामान।
76.15	एल्यूमीनियम की विस्तारित धातु।
76.16	घरेलू उपयोग के लिए सामान्य प्रयोग में आने वाली एल्यूमीनियम की एक प्रकार की वस्तुएं घर में उपयोग के लिए सफाई के पात्र और ऐसी वस्तुओं के पूर्ण एवं पात्र।

अध्याय—77

मैंगनीशियम और बेरिलियम तथा इसकी वस्तुएं

77.01	अपरिष्कृत मैंगनीशियम, मैंगनीशियम छीजन (समान आकार वाले शेविंग्स को छोड़कर) और कतरन।
77.02	मैंगनीशियम की गढ़ी हुई सलाखें, राइ, एंगल्स, शेप्स तथा सेक्शन; मैंगनीशियम वायर; मैंगनीशियम की गढ़ी हुई प्लेट्स, शीट्स तथा स्ट्रिप्स; मैंगनीशियम फायल, समान आकार वाले शेविंग्स तथा रैसपिंग्स, मैंगनीशियम का चूर्ण तथा पपड़ी; मैंगनीशियम की ट्यूब्स, पाइप तथा उसके ब्लैक्स; मैंगनीशियम की खोखली छड़ें।
77.03	मैंगनीशियम की अन्य वस्तुएं।
77.04	अपरिष्कृत अथवा परिष्कृत बेरिलियम, एवं बेरिलियम की वस्तुएं।

अध्याय—78

सीसा और उसकी वस्तुएं

78.01	अपरिष्कृत सीसा (अर्जन्टीफेरस सीसे सहित), सीसे की छीजन एवं कतरन।
78.02	सीसे की गढ़ी हुई छड़ें, राइ, एंगल्स, शेप्स तथा सेक्शन; सीसे का वायर।
78.03	सीसे की गढ़ी हुई प्लेट्स, शीट्स तथा स्ट्रिप्स।

शीर्षक सं.	वस्तु विवरण	शीर्षक सं.	वस्तु विवरण
78.04	1700 ग्राम से कम भारी वाली सीसे की फायल (चाहे खड़ी हुई हो या न खड़ी हुई हो आकार के अनुसार कटी हुई, छेदे वाली, लेंपित, छपी हुई या कागज अथवा अन्य प्रबल पदार्थ द्वारा समर्थित हो या नहीं); सीसे का चूर्ण एवं पपड़ी।	अध्याय--81	
78.05	सीसे की ट्यूब तथा पाइप और उसके ब्लैक्स; खोखली छड़ें और ट्यूब तथा पाइप फिटिंग्स (उदाहरणार्थ ज्वाइन्ट्स, एल्बो, साकिट्स, फ्लेजिस तथा एस-बैंड्स)।	धातु क्रम से प्रयोग किए जाने वाली अन्य आधार धातु और उसकी वस्तुएं	
78.06	सीसे की अन्य वस्तुएं।	81.01	अपरिष्कृत अथवा परिष्कृत टंगस्टन (वूलफ्रेम) और उसकी वस्तुएं।
अध्याय--79		81.02	अपरिष्कृत अथवा परिष्कृत मोलिब्डेनम और उसकी वस्तुएं।
जस्ता और उसकी वस्तुएं		81.03	अपरिष्कृत अथवा परिष्कृत टैंग्स्टलम-और उसकी वस्तुएं।
79.01	अपरिष्कृत जस्ता; जस्ता छीजन और कतरन।	81.04	अन्य आधार धातु, अपरिष्कृत अथवा परिष्कृत और उनकी वस्तुएं; अपरिष्कृत अथवा परिष्कृत सरमेट्स और उनकी वस्तुएं।
79.02	जस्ते की गढ़ी हुई सलाखें, राइ, एंगल्स शेप्स तथा सेक्शन्स; जस्ते के तार।	अध्याय--82	
79.03	जस्ते की गढ़ी हुई प्लेट्स, शीट्स तथा स्ट्रिप्स वाली एल्युमीनियम की एक प्रकार की वस्तुएं जस्ते की फायल; जस्ते का चूर्ण एवं पपड़ी।	आधार धातु के औजार, उपकरण-छुरी कांटे, चम्मच और कांटे; उनके पर्जे	
79.04	जस्ते की ट्यूब्स और पाइप्स तथा उसके ब्लैक्स; जस्ते की खोखली छड़ें और ट्यूब तथा पाइप फिटिंग्स (उदाहरणार्थ ज्वाइन्ट्स, एल्बो, साकिट्स तथा फ्लेजिस)।	82.01	निम्नलिखित हाथ के औजार; फावड़े, वेलचे, गूबाले कूदाली, कांटा, तथा जेली; कन्हाडी बिल हुक और इसी प्रकार के चीरने वाले औजार; बरातियां, हंसिया, घास काटने वाले चाक, घास काटने वाली कूची, लकड़ी की फन्नी और इसी प्रकार के अन्य औजार जिनका प्रयोग कृषि, बागवानी या वनों में किया जाता है।
79.05	जस्ते के गटर्स, छत की ऊपरी पट्टी, स्काइ-लाइटफ्रेम तथा अन्य गढ़े हुए इमारती संघटक।	82.02	आरे (मशीन में न चलने वाले) और हाथ अथवा मशीन आरों के लिए ब्लेड (जिनमें दंतहीन आरा ब्लेड भी शामिल हैं)।
79.06	जस्ते की अन्य वस्तुएं।	82.03	निम्नलिखित हाथ के औजार - चिमटे (काटने वाले चिमटे सहित), मंचासी, चिमटी, टिन-मेन्स स्निप्स, बॉन्ट क्रोप्स और इसी प्रकार के अन्य औजार; परफॉरेटिंग पंच; पाइप कटर्स; स्पेन्स तथा रैचेंस (नल के रैचेंस को छोड़कर); रेंतियां और मोटी रेंतियां।
अध्याय--80		82.04	हाथ औजारों के साथ कांचकर्तक हींग जो इस अध्याय के किसी भी शीर्षक के अन्तर्गत नहीं हैं; ब्लो लैम्पस एनविल्स; वाइमिस तथा ब्लैम्प्स किन्तु इनके लिए उपर्युक्त और पर्जे को छोड़कर, मशीन औजार, सहाय्य भट्टियां; छांच के साथ पीसने वाले चक्के (हाथ अथवा पांव से संचालित)।
टिन और उसकी वस्तुएं		82.05	हाथ औजारों, मशीन औजारों अथवा विद्युत्-शक्ति से संचालित हाथ औजारों के लिए अंत-बदल औजार (उदाहरणार्थ प्रीसिंग, स्टीपिंग, ड्रिलिंग, टीपींग, थ्रूडिंग, बोरिंग, ओ-चिंग, मिलिंग, कटिंग, टर्निंग, ड्रौसिंग, माटिंग अथवा स्कू डाविंग के लिए) जिनके वायर ड्राइंग के लिए आइयां, धातु के लिए
80.01	अपरिष्कृत टिन; टिन छीजन और कतरन।		
80.02	टिन की गढ़ी हुई छड़ें, राइ, एंगल्स, शेप्स और सेक्शन्स; टिन वायर।		
80.03	टिन की गढ़ी हुई प्लेट्स, शीट्स तथा स्ट्रिप्स।		
80.04	1 कि. ग्राम से कम भार वाली (किसी समर्थन पदार्थ के बिना) टिन की फायल (चाहे खड़ी हुई, आकार के अनुसार कटी हुई, छेदे वाली, लेंपित, छपी हुई या कागज अथवा अन्य प्रबल पदार्थ द्वारा समर्थित हो या नहीं); टिन का चूर्ण तथा पपड़ी।		
80.05	टिन की ट्यूब तथा पाइप और उसके ब्लैक्स; टिन की खोखली छड़ें और ट्यूब तथा पाइप फिटिंग्स (उदाहरणार्थ ज्वाइन्ट्स, एल्बो, साकिट्स तथा फ्लेजिस)।		
80.06	टिन की अन्य वस्तुएं।		

शीर्षक सं.	वस्तु विवरण	शीर्षक सं.	वस्तु विवरण
	एक्सट्रूजन डाइयां और राक डिमिलिंग बिट्स भी शामिल हैं।		सन्दूकचियां और इसी प्रकार की अन्य वस्तुओं (आटोमेटिक बोर क्लोजर सहित) के लिए उपयुक्त किस्म की आधार धातु की फिटिंग्स और माउन्टिंग्स आधार धातु के बने बेट रेक्स, हैटपेग्स, ब्रेकेट्स और इसी प्रकार की वस्तुएं।
82.06	मशीन अथवा मशीनी उपकरणों के लिए चाकू और काटने वाले ब्लेड्स।	83.03	आधार धातु की तिजोरियां, मजबूत बक्स, बक्तरजन्म अथवा प्रबलित कोष कक्ष, लाइनिंग कोष-कक्ष और कोष-कक्ष दरवाजे, रोकड़ और विलेख बक्स और इससे मिलते-जुलते सामान।
82.07	सिंटर्ड धातु कार्बाइड के अन-माउन्टिड औजार-टिप्स और प्लेट्स स्टिक्स और टूलटिप्स के लिए और ऐसी ही वस्तुएं (उदाहरणार्थ टंगस्टन के कार्बाइड, मोलिब्डेनम अथवा वेनाडियम)।	83.04	आधार धातु की मिसिल रखने की अलमारियां, रेक्स, सॉर्टिंग बक्से, पेपर ट्रेज, पेपर रेस्ट्स और इसी प्रकार के कार्यालय उपकरण, शीर्षक सं. 94.03 के अन्तर्गत आने वाले कार्यालय फनीचर से भिन्न।
82.08	काफी मिल्स, मिनर्स, रस निकालने वाली मशीन और अन्य मशीनी उपकरण जिनका वजन 10 कि. ग्रा. से अधिक न हो और इसी प्रकार की वस्तुएं जो घरेलू कार्यों में खाद्य या पेय पदार्थों को पकाने, परोसने अथवा उनको अन्कूल बनाने के लिए प्रयोग में लाई जाती हैं।	83.05	फिटिंग्स या लूज लीफ बाइन्डर्स मिसिलों के लिए या स्टेशनरी पुस्तकों के लिए जो आधार धातु के हों; पत्रों के लिए क्लिप्स, पेपर क्लिप्स, स्टैप्लर्स, इंडेक्सिंग टेग्स और इसी प्रकार की आधार धातु का स्टेशनरी का सामान।
82.09	काटने वाले ब्लेड्स के साथ चाकू, दांतदार अथवा नहीं (तराशने वाले चाकूओं के साथ) शीर्षक संख्या 82.06 के अन्तर्गत आने वालों से भिन्न।	83.06	अन्दर प्रयोग की जाने वाली आधार धातु की बनी लघु प्रतिभाएं और इसी किस्म के अन्य अभूषण।
82.10	चाकू ब्लेड्स।	83.07	आधार धातु के बने लैम्प तथा रोशनी के लिए फिटिंग्स और उसके पुर्जों (शीर्षक संख्या 85.22 के अलावा अध्याय 85 के अन्तर्गत आने वाले स्विचिज, घिसाली के बल्ब होल्डर, वाहनों के लिए बिजली के बल्ब, बिजली की बैटरी या मैग्नेटो लैम्प्स तथा अन्य पुर्जों को छोड़कर)।
82.11	रेजर और रेजर ब्लेड्स (जिनमें रेजर ब्लेड्स ब्लेक्स चाहे वे स्टिप्स में हों या न हों भी शामिल हैं)।	83.08	आधार धातु की बनी फ्लेक्सिबिल ट्यूबिंग एवं पाइपिंग।
82.12	कैचियां (वर्गी की कैची सहित) और उसके ब्लेड्स।	83.09	हाथ के धूलों के लिए कलास्पस और कलास्पस के साथ फ्रेम और इसी प्रकार का सामान, बकेट, बक्कलस, क्लेस्पस, हुक, आईज, आइलेट्स और इसी प्रकार का सामान जो सामान्यतः यात्रा के कपड़े के सामान, हाथ के धूलों, या अन्य कपड़े या चमड़े के माल में उपयोग किया जाता है; आधार धातु के ट्यूब-लर रिबेट्स और बाइफुरकेटिड रिबेट्स।
82.13	चाकू छुरी की अन्य वस्तुएं (उदाहरणार्थ कैन्वी, बालों में लगाने वाली घिमटी, कसाई द्वारा धीरे-धीरे फाड़ करने वाला, कागज काटने वाला चाकू); मैनिक्योर एवं चिरोपोडी सेट्स एवं उपकरण (नख-रेती सहित)।		
82.14	चम्मच, कांटे, मछली खाने वालों के लिए, मक्खन लगाने वाला चाकू, कड़छी और इसी प्रकार के रसोईघर या मेज के बर्तन।		
82.15	शीर्षक संख्या 82.09, 82.13 अथवा 82.14 के अन्तर्गत आने वाली वस्तुओं के लिए आधार धातु के हुडल।		

अध्याय-83

आधार धातु की विविध वस्तुएं

83.01	आधार धातु के ताले और पैडलोक (चाबी, पंच-दार चाबी या विद्युत् चालित); ह्यून्ड बैग्स, सन्दूक और इसी प्रकार के चीखटों के लिए पंच-दार ताले और ऐसे चीखटों के लिए आधार धातु के बने हुए पुर्जें; किसी भी ढले हुए पुर्जों के लिए आधार धातु की बनी हुई चाबियां।	83.10	आधार धातु के मनके एवं सितारें।
83.02	फनीचर, दरवाजे, सीढ़ियां, खिड़कियां, परदे, सूत की चटाई, जीनसाजी, सन्दूक, 1—G 1 Commerce/85	83.11	आधार धातु के बेल्स एवं गांग्स जो बिजली के नहीं हैं, और उनके आधार धातु के पुर्जें।
		83.12	आधार धातु की फोटोग्राफ, तस्वीरें और इसी प्रकार के फ्रेम्स; आधार धातु के आइने।
		83.13	आधार धातु के स्टांपर्स, फ्राउन कार्ड्स, बोतलों के ढक्कन, कैंपसूलस, बंग कवर्स, सील और प्लोम्स, फंस कार्नर प्रोटेक्टर्स और पीकिंग की अन्य वस्तुएं।

शीर्षक सं.	वस्तु विवरण	शीर्षक सं.	वस्तु विवरण
83.14	आधार धातु की हस्ताक्षर प्लेट्स, नाम प्लेट्स, अंक, अक्षर और अन्य संकेत।	84.11	एयर पम्प, वैक्यूम पम्प और वायु अथवा गैस सम्पीडक एवं गैस टर्बाइन के लिए फ्री पिस्टन (सम्पीडक एवं गैस टर्बाइन के लिए फ्री पिस्टन जनिन शामिल हैं) पंपों, ब्लोअर्स और इसी प्रकार की वस्तुएं।
83.15	धातु आधार या धातु कार्बाइड के तार, राइ, ट्यूब, प्लेट्स, इलेक्ट्रोड्स और इसी तरह के मिलते जुलते उत्पाद, फ्लक्स सामान के साथ कोटिड अथवा कोड्ड, वह किस्म जो धातु के अथवा धातु कार्बाइड के सोल्डरिंग, ब्रैजिंग, वेल्डिंग अथवा अवतारण के लिए प्रयोग किए जाते हैं; धातु स्प्रेडिंग के प्रयोग के लिए एंग्लो-मिरॉटिड आधार धातु चूर्ण के तार एवं राइ।	84.12	वायु की नमी एवं ताप में परिवर्तन करने के लिए एलिमेंट और स्वतः पूर्ण एक मोटर चालित पंपों के साथ वातानुकूलन मशीन।
खंड—18		84.13	गैस के लिए अथवा चूर्णित ठोस ईंधन के लिए अथवा तरल ईंधन के लिए बाह्यक भट्टी (आटोमोबाइल); मेकैनिक्ल, स्टार्कर्स मेकै-निकल प्रिंट्स, मेकैनिक्ल राख को हटाने वाला और उसी प्रकार के उपकरण।
बायलर्स, मशीन एवं मशीनी उपकरण और उसके पूर्ण विद्युत उपकरण और उनके पूर्ण		84.14	विद्युत से इतर औद्योगिक एवं प्रयोगशाला भट्टियां और चूल्हे।
अध्याय—84		84.15	रैफ्रिजरेटर और प्रशीतन उपकरण (विद्युतीय और अन्य)।
बायलर्स मशीनरी एवं यांत्रिक उपकरण और उसके पूर्ण		84.16	केलेंडरिंग और इसी प्रकार की रोलिंग मशीनें (मेटल वर्किंग और मेटल रोलिंग मशीनें और ग्लास वर्किंग मशीनों से भिन्न) और उनके सिलिन्डर्स।
84.01	भाप और अन्य वाष्प उत्पादक बायलर (मूल्य तापक गर्म पानी करने वाला बायलर जो कम दबाव की भाप का उत्पादन करने की भी क्षमता रखता हो, उसे छोड़कर), सब से अधिक ताप वाले जल का बायलर।	84.17	ऐसी प्रक्रिया जिसमें तापमान के परिवर्तन करने जैसे तापन, खाना बनाने, भूनने, आसवन करने, समंजित करने, जीवाणुनाश करने, वाष्पण करने, पास्तुरीकरण करने, भाप बनाने, सूखाने, वाष्प करने, भाप निकालने, सघन करने अथवा ठंडा करने के कार्य शामिल हैं उनको द्वारा माल की प्रक्रिया के लिए मशीनरी संयंत्र और इसी प्रकार के प्रयोगशाला उपस्कर चाहे वे विद्युत द्वारा संचालित जाएं या नहीं किन्तु ऐसी किस्म की मशीनरी या संयंत्र न हों जिसका उपयोग बरतल कार्यों के लिए किया जाता है; विद्युत से इतर तात्कालिक या पानी को जमा करने वाले हीटर्स।
84.02	शीर्षक संख्या 84.01 के बायलर के साथ प्रयोग में आने वाले सहायक संयंत्र (उदाहरणार्थ किफायती, सुपर हीटर्स, काजल के हटाने वाला, गैस प्राप्त करने वाला और इससे मिलते जुलते); विद्युत एकक एवं वाष्प इन्जन के लिए कन्डेंसर्स।	84.18	सैन्टीफ्यूजिस; द्रव्य तथा गैस को छानने एवं शुद्ध करने वाली मशीनरी एवं उपकरण (क्रीम-दूध को छानने वाले एवं इसी से मिलते-जुलते को छोड़कर)।
84.03	गैस उत्पादक एवं जल गैस जनित्र, शोधक सहित अथवा उसके बिना; एसिटिलीन गैस जनित्र (जल प्रक्रिया) और उससे मिलते जुलते गैस जनित्र जो शोधक अथवा शोधक के बिना हों।	84.19	बोतल अथवा अन्य पात्रों को साफ करने या सूखाने की मशीनरी; बोतल, डिब्बे, सन्वृक, थैले अथवा अन्य पात्रों को भरने, बन्ध करने, सील लगाने, कवच बसाने अथवा लेबल लगाने के लिए मशीनरी पैकिंग; अथवा रैपिंग के लिए मशीनरी, छाग भरने के लिए मशीनरी; तप्तरी को धोने वाली मशीनें।
84.04	पूर्ण बायलर सहित भाप इन्जन (जिनमें मोबाइल इंजिन शामिल हैं लेकिन शीर्षक संख्या 87.01 के अन्तर्गत आने वाले भाप टर्बोटर अथवा मशीन से चलने वाले सड़क कूटने के इंजन शामिल नहीं हैं)।	84.20	तोल मशीनरी (5 से. ग्रा. अथवा इससे अधिक सूक्ष्मता के तराजूओं को छोड़कर) जिनमें भार संचालित गणना एवं निरीक्षण मशीनें भी शामिल हैं; तोल मशीन के सभी प्रकार के बाट।
84.05	भाप एवं अन्य वाष्प विद्युत एकक जिनमें बायलर शामिल नहीं हैं।	84.21	तरल पदार्थों या चूर्ण के प्रक्षेपण, छिड़काव अथवा बिखेरने के लिए मशीनरी उपकरण (चाहे
84.06	आन्तरिक बहून पिस्टन इन्जन।		
84.07	हाइड्रॉलिक इन्जन एवं मोटर्स (जिनमें जल क्लील और जल टरबाइन्स भी शामिल हैं)।		
84.08	अन्य इन्जन एवं मोटर्स।		
84.09	मशीन से चलने वाले सड़क कूटने के इन्जन।		
84.10	मापक यंत्रों के साथ अथवा उसके बिना द्रव्य के लिए पम्प (टर्बो पम्प तथा मोटर पम्प सहित); बकिट, बने, स्कू, बैन्ड और इसी प्रकार की वस्तुओं के द्रव्य उत्पादक।		

शीर्षक सं.	वस्तु विवरण	शीर्षक सं.	वस्तु विवरण
	हाथ से चलने वाले या बगैर हाथ से चलने वाले (हो); अग्नि शामक (आवेशित अथवा बगैर आवेशित), छिड़काव करने वाली पिचकारियाँ और उससे मिलते जुलते उपकरण, भाप और रेत विस्फोट करने वाली मशीनें और इसी प्रकार की जेट प्रोजेक्टिंग मशीनें।		के सीरियल से निर्मित वस्तुएँ खाद्य पदार्थ मांस मछली, फल अथवा तरकारियाँ से बनी हुई वस्तुएँ (भिन्सिंग अथवा स्लाइसिंग मशीन भी शामिल हैं) चीनी विनिर्माण अथवा मत्स्य-करण के लिए।
84.22	शीर्षक संख्या 84.23 के अन्तर्गत आने वाली मशीनरी से इतर उठाने वाली, पकड़ने वाली, भार बढ़ाने अथवा भार उतारने वाली मशीनरी, टेल्लर्स एवं कन्वेंयर्स (उदाहरणार्थ लिफ्ट्स, हास्ट, विंचिस, क्रेंस, परिवहन क्रेंस, जैक्स, पुल्ली टैकल्, बेल्ट कन्वेंयर्स तथा टीसर्स-रिक)।	84.31	लुगदी, कागज अथवा गत्ता बनाने या परिष्कृत करने के लिए मशीनरी।
		84.32	किताब सीने वाली मशीन के साथ किताब पृष्ठ जिख बढ़ाने वाली मशीनरी।
84.23	मिट्टी खनिज अथवा अयस्क के लिए खुदाई करने वाली, समीकरण करने वाली, टैपिंग, बेधन करने वाली मशीनरी जैसे मशीनी बेलचे, कोल कटर्स, खनिज, अवघर्षक, समीकारक एवं बलबोजर; पीहलडाइवर्स; हिम के हल जो स्वतः नहीं चलते (हिम के हल के उपकरण सहित)।	84.33	कागज या गत्ता काटने की सभी प्रकार की मशीन; कागज लुगदी, कागज अथवा गत्ता बनाने की मशीन (II)
84.24	खेत की तैयारी और उसकी जुताई के लिए कृषि एवं उद्यानकृषि मशीनरी (जैसे हल, हुरे, कल्टिवेटर्स, बीज और खाद फैलाने वाला), बाग तथा क्रीड़ा स्थल रोस्सर्स।	84.34	टाइप फाउण्डिंग अथवा टाइप सेटिंग के लिए मशीनरी उपकरण एवं उप-साधित्र शीर्षक संख्या 84.45, 84.46 या 84.47 के अन्तर्गत मशीन मशीनों से भिन्न मशीनरी जो कि मुद्रण ब्लॉक्स, प्लेट्स अथवा सिलेन्डर्स तैयार करने अथवा बनाने के काम में लाई जाती हो; मुद्रण टाइप, इम्प्रेस्ड फ्लॉयर्स एवं मेटेरिसेस, मुद्रण ब्लॉक, प्लेट्स एवं सिलेन्डर्स; ब्लॉक प्लेट्स; सिलेन्डर्स एवं लिथोग्राफिक पत्थर जो कि मुद्रण कार्य के लिए तैयार किए जाते हैं (उदाहरणार्थ प्लेन्ड, ग्रेन्ड अथवा पालिश्ड)।
84.25	फसल काटने और खलियान की मशीनरी; भूसा और चारा सम्पीडक; सूखी घास या घास मूवर्स; बीज, अनाज अथवा फलीदार तरकारियाँ और एगग्रेडिंग और कृषि उत्पादन के लिए अन्य ग्रेडिंग मशीनों के लिए, फटकन और इसी प्रकार की साफ करने वाली मशीनें (शीर्षक संख्या 84-29 के अन्तर्गत आने वाली बूँड ग्रेन मिलिंग उद्योग में प्रयोग होने वाली मशीन की किस्म को छोड़कर)।	84.35	अन्य मुद्रण मशीनरी, मुद्रण के लिए सहायक उपयोग के लिए मशीनरी।
		84.36	हाथ से तैयार करने वाले वस्त्रों के लिए मशीन; उस किस्म की मशीनें जिनका प्रयोग प्राकृतिक अथवा हाथ से तैयार किए गए कपड़ों के धाने तैयार करने के लिये किया जाता है; वस्त्र काटने एवं बटने की मशीनें; वस्त्र बढ़ाने, फेंकने और लपेटने की मशीनें (क्वैट वाइडिंग के साथ)।
84.26	झेरी मशीनरी (बूँध निकालने वाली मशीन सहित)।	84.37	बूनने की मशीनें, कताई करने की मशीनें तथा जिम्पूड यार्न, टूली, लेंस, कशीदाकारी, ट्रिनिंग्स, बूँड या नोट बनाने के लिए मशीनें; ऐसी मशीनों के प्रयोग के लिए भागा तैयार करने के लिए मशीनें जिनमें वापिंग और वापिंग साइजिंग मशीनें भी शामिल हैं।
84.27	शराब बनाने, सब्जि का आसब बनाने, फसों का रस तैयार करने या इसी प्रकार के अन्य पदार्थों के लिए सम्पीडक, क्रशर्स और अन्य मशीनरी।	84.38	शीर्षक संख्या 84.37 की मशीनों के साथ प्रयोग के लिए सहायक मशीनरी (उदाहरणार्थ गॉबीज, प्रैक्वाइर्स, आटोमैटिक स्टाप मोशन एवं फिरकी परिवर्तन क्रिया विधि); शीर्षक संख्या 84.36 या 84.37 अथवा वर्तमान शीर्षक के अन्तर्गत आने वाली मशीनों के पूर्णतया अथवा मुख्यतः प्रयोग के लिए उपयुक्त पुर्जों और अनुवर्गी (उदाहरणार्थ स्पिंडल्स और स्पिंडल्स प्लाइअर्स, काइड ब्लोडिंग, कंचे, निष्कासन निपल्स, फिरकियां हील्ड्स एवं हील्ड्स लिफ्टर्स एवं होजरी सूईयाँ)।
84.28	अन्य कृषि, उद्यानकृषि, मृगी पालन और मधु-मक्खी पालन मशीनरी; मशीन अथवा थर्मल उपस्कर के साथ फिटिड जर्मिनेशन प्लान्ट; पोल्ट्री इन्क्यूबेटर्स एवं बूँडर्स।	84.39	टुकड़े या आकार में फेल्ड के विनिर्माण अथवा परिष्करण के लिए मशीनरी जिसमें फेल्ड हट्ट
84.29	बूँड ग्रेन मिलिंग उद्योग में प्रयोग होने वाली किस्म की मशीनरी दाल अथवा सूखी फलीदार तरकारियों के बनाने वाली अन्य मशीनरी (फार्म टाइप मशीनरी के अलावा)।		
84.30	निम्नलिखित खाद्य अथवा पेय पदार्थों के उद्योगों में प्रयोग की जाने वाली किस्म की मशीनरी जो इस अध्याय के किसी भी शीर्षक के अन्तर्गत नहीं आती;—बेकरी, कन्फेक्शनरी, चाकलेट नाने, मेकरोनी, रेविगोली अथवा इसी प्रकार		

शीर्षक सं.	वस्तु विवरण	शीर्षक सं.	वस्तु विवरण
	बनाने वाली मशीनों और हूट बनाने वाले ब्लाक्स शामिल हैं।		लिए मशीन औजार अथवा अन्य प्रकार के औजार के लिए टूल होल्डर्स।
84.40	तैयार वस्त्रों की वस्तुएं या वस्त्र अथवा वस्त्र के सूत धोने, साफ करने, सुखाने, ब्लीचिंग, रंगने, संवारने, परिष्करण अथवा कोटिंग के लिए मशीनरी (जिनमें कपड़े धोने और ड्राई-क्लीनिंग की मशीन शामिल हैं)। कपड़ों की तह करना, लपेटना अथवा काटने की मशीनें; उस किस्म की मशीनें जिनका प्रयोग लिनोलियम के विनिर्माण के लिए अथवा आधार कपड़ों या अन्य आधार के पेस्ट करने के लिए अन्य फ्लोर कवरींग के लिए किया जाता है; इस प्रकार की मशीनें जिनका प्रयोग पुनरावर्ती डिजाइन, पुनरावर्ती शब्दों या कपड़ों, चमड़े, बाल पेपर, रीपिंग पेपर, लिनोलियम अथवा अन्य सामान को पूर्ण रूप से रंगने के लिए और एम्ब्रेड अथवा एन्ड प्लेट्स, ब्लाक या उनके रोलर्स के लिए किया जाता है।	84.49	हाथ से काम करने के लिए औजार, वायु संचालित अथवा सैल्फ कटने वाली बिजली से इतर मोटर।
84.41	सिलाई मशीनें, सिलाई मशीनों के लिए विशेष रूप से बनाया गया फनीशियर; सिलाई मशीन की सूइयां।	84.50	पैस-आपरेटिंग वॉल्विंग, टांका लगाने, काटने और सतह मुलायम करने के लिए उपकरण।
84.42	चर्म, खाल अथवा चमड़े को बनाने, कमाने या उन पर प्रक्रिया के लिए (सिलाई की मशीन से भिन्न मशीनरी) (बूट और जूतों की मशीनरी भी शामिल हैं)।	84.51	संगणना यंत्रों सहित टाइपराइटर्स से भिन्न टाइपराइटर्स, चैक लिखने की मशीनें।
84.43	परिवर्तक कलछी, इनगाट मोल्ड्स तथा ढलाई की मशीनें जिनका प्रयोग धातु तथा धातु फाउन्ड्री में किया जाता है।	84.52	संगणना करने की मशीनें; लेखा-मशीनें, रोकड़ खाता, डाक-टिकट अंकन करने की मशीनें, टिकट जारी करने की मशीनें और उससे मिलती-जुलती मशीनें जिसमें संगणना करने के यंत्र भी शामिल हैं।
84.44	रोलिंग मिल्स तथा उनके लिए रोलर्स।	84.53	स्वतः आंकड़े तैयार करने की मशीन और उसके एकक; चुम्बकीय अथवा ऑप्टिकल रीडर्स; कोडिड रूप में आंकड़ों के आंकड़ों के माध्यम से अभिलेखन के लिए मशीन और ऐसे आंकड़ों को तैयार करने के लिए मशीनें जिनका कहो पर भी न तो उल्लेख किया गया है और न ही शामिल की गई है।
84.45	शीर्षक संख्या 84.49 अथवा 84.50 के अन्तर्गत आने वाली मशीनों को छोड़कर धातु अथवा धातु कार्बाइड के कार्य के लिए मशीन के औजार।	84.54	कार्यालय में काम आने वाली अन्य मशीनें (जैसे—हैक्टोग्राफ अथवा स्टैसिल डुप्लिकेटिंग मशीन, पता लिखने वाली मशीन, सिक्का छंटने की मशीन, सिक्का गिनने अथवा रीपिंग की मशीन, पैसिल तेष करने (बनाने) की मशीन, छेद करने और सीने की मशीन)।
84.46	शीर्षक संख्या 84.49 या 84.50 के अन्तर्गत आने वाली मशीनों से भिन्न पत्थर, सिरॉमिक, कंकरीट, एस्बेस्टोज, सीमेंट बनाने और इसी प्रकार के खनिज पदार्थ या शीत में ग्लास बनाने के कार्य के लिए मशीन औजार।	84.55	शीर्षक संख्या 84.51, 84.52, 84.53 अथवा 84.54 के अन्तर्गत आने वाली मशीनों में पूर्णतः या मुख्यतः प्रयोग के लिए उपयुक्त पूज्य और उपकरण (ढक्कन, उन मशीनों को ले जाने वाले सन्युक और उससे मिलते-जुलते सामान से भिन्न)।
84.47	शीर्षक संख्या 84.49 के अन्तर्गत आने वाली मशीनों से भिन्न काष्ठ, काक, हड्डी, हॉर्न-नाइट (बर्कनाइट), कृत्रिम कठोर प्लास्टिक पदार्थ या अन्य सख्त नक्काशी सामान के लिए मशीन औजार।	84.56	मिट्टी, पत्थर, खनिज अथवा खनिज पदार्थों की ठोस अवस्था (जिसमें पाउडर अथवा पेस्ट भी शामिल हैं) को छांटने, स्कीनिंग करने, पृथक करने, धोने, कूचलने, पीसने अथवा मिलाने के लिए मशीन, ठोस खनिज इंधन, सिरॉमिक पेस्ट, मुलायम सीमेंट, प्लास्टीक सामग्री अथवा अन्य खनिज उत्पाद बाह्य पाउडर रूप में अथवा पेस्ट रूप में हों, को संघट्ट करने, ढालने अथवा रीपिंग के लिए मशीनरी; रेत को भट्ठी के रूप में ढालने के लिए मशीनरी।
84.48	शीर्षक संख्या 84.45 से लेकर 84.47 के अन्तर्गत आने वाली मशीनों के साथ पूर्णतया अथवा मुख्यतः प्रयोग के लिए उचित उप साधक और पूज्य जिनमें मशीन, औजारों के लिए बर्क एवं टूल होल्डर्स, स्वतः चलने वाले ड्राई हेड्स, डिवाइजिंग हेड्स और अन्य उप-साधक भी शामिल हैं; हाथ से कार्य करने के	84.57	ग्लास बनाने के लिए मशीनें (शीत में ग्लास कार्य करने के लिए मशीनों से भिन्न); इलैक्ट्रिक फिलामेन्ट और डिस्चार्ज लैम्प और इलैक्ट्रो-निक एवं इसी प्रकार की ट्यूब तथा बाल्ब जोड़ने के लिए मशीनें।

शीर्षक सं.	वस्तु विवरण	शीर्षक सं.	वस्तु विवरण
84.58	आटोमेटिक वैंडिंग मशीनें (जैसे स्टाम्स, सिगरेट, चाकलेट तथा खाद्य मशीनें) जो कि क्रीड़ा अथवा अवसर स्किल या चांस के रूप में न मानी जाए।		ऐसे चुम्बकों ब्लैंक के रूप में हों, विद्युतीय चुम्बक और स्थायी चुम्बक चक्स, क्लैम्प, शिकजे और वैसे ही काम करने के लिए होल्डर; विद्युत चुम्बकीय क्लच और कप्लिंग; विद्युत चुम्बकीय ब्रेक; विद्युत चुम्बकीय लिफ्टिंग हूडें।
84.59	इस अध्याय के किसी भी शीर्षक के अन्तर्गत न आने वाली मशीनें एवं मशीनी उपकरण जिनका कार्य पृथक-पृथक है।	85.03	प्राथमिक सैल और प्राथमिक बैटरी।
84.60	धातु फाउन्ड्री के लिए मोल्डिंग बाक्स; धातु प्रयोग के लिए (इन्गोट मोल्ड से भिन्न), धातु के लिए कार्बाइड, ग्लास के लिए, खनिज पदार्थों के लिए (जैसे सिरॉमिक पेस्ट, कन्क्रीट अथवा सीमेन्ट) अथवा रबर या कृत्रिम प्लास्टिक पदार्थों के लिए एक प्रकार का माउल्ड।	85.04	विद्युत संचायक।
84.61	पाइपों के लिए बायलर शैल्स, टैन्क्स, वाट्स और उससे मिलते जुलते उपकरण जिनमें दबाव कम करने वाले वाल्व्स तथा थर्मोस्टैटिकली वाल्व्स भी शामिल हैं, टैप्स, काक्स, वाल्व्स तथा उससे मिलते-जुलते उपकरण, बायलर, शैल्स।	85.05	स्वतः अन्तर्विष्ट बिजली की मोटर के साथ हाथ से काम करने के औजार।
84.62	बाल, रोलर अथवा-नीडल रोलर बियरिंग्स।	85.06	स्वतः अन्तर्विष्ट बिजली की मोटर के साथ विद्युत मशीनरी के घरेलू उपकरण।
84.63	ट्रान्समिशन शाफ्ट्स, क्रैन्क्स, बियरिंग्स प्लेन शाफ्ट बियरिंग्स, गीयर्स एवं गीयरिंग (जिनमें फिक्शन गीयर्स एवं गीयर्स बाक्स और अन्य परिवर्तनशील स्पीड गीयर्स भी शामिल हैं), फ्लाई व्हील, पुल्लीस एवं पुल्लीस ब्लाक्स, क्लचेंज और शैफ्ट कर्पलिंग्स।	85.07	स्वतः अन्तर्विष्ट बिजली की मोटर के साथ उस्तारे और बाल काटने की केशी।
84.64	अन्य सामान के साथ गास्केट और उससे मिलते-जुलते मिश्रित धातु के जोड़े (जैसे एसबेस्ट्स फोल्ड तथा पेपर बोर्ड) अथवा लैमिनेटेड धातु की फायल के जोड़े; गास्केट तथा इस से मिलते-जुलते ज्वाइन्ट के सेट अथवा उनका वर्गीकरण, जो कि आकार से भिन्न हैं, जो कि इन्जन, पाइप, ट्यूब तथा उससे मिलते-जुलते अन्य सामान के लिए हों और जो कि थैली, लिफाफे अथवा ऐसे ही सामान में रखे जा सकते हैं।	85.08	आन्तरिक वहन इंजनों के लिए विद्युत चालित और प्रज्वलित उपस्कर (जिसमें प्रज्वलन मेग्नेटो, मेग्नेटो डाइनेमो, प्रज्वलन कायल्स, मोटर स्टार्टर, स्पार्किंग प्लग और ग्लो प्लग, जनरेटर (डाइनेमो और आलटरनेटर) और ऐसे इंजनों के साथ संयोजन में प्रयोग होने वाली कटआउट्स।
84.65	मशीन के पुर्जों जिसमें बिजली के कनेक्टर्स, इन्स्युलेटर्स कायल्स, कन्ट्रैक्ट अथवा अन्य बिजली के फीचर्स शामिल नहीं हैं और इस अध्याय के किसी अन्य शीर्षक के अन्तर्गत भी नहीं आते हैं।	85.09	साइकिलों या मोटर वाहनों के लिए बिजली की बलियां और सिग्नल देने वाले उपस्कर और बिजली के वायु रोधक वाइपर, डिफरोस्टर्स और डिमिस्टर्स।
		85.10	सुवास्थ्य विद्युत बैटरी और मेग्नेटो लैम्प, शीर्षक सं. 85.09 के अन्तर्गत आने वाले लैम्पों को छोड़कर।
		85.11	औद्योगिक एवं प्रयोगशाला की बिजली की भिट्टियां, चूल्हे और इन्डक्शन और डाइ-इलेक्ट्रिक हीटिंग उपस्कर; विद्युत के टांके लगाने, पीतल के टांके लगाने और टांके लगाने की मशीनें और यंत्र और वैसे ही काटने के लिए बिजली की मशीनें और यंत्र।
		85.12	तत्कालिक या संचित पानी गरम करने के विद्युतीय हीटर और इमर्सन हीटर; मिट्टी गरम करने के विद्युत यंत्र और अन्तरिक्ष (स्पेस) गरम करने के विद्युत यंत्र; कोष श्रृंगार के विद्युत उपकरण (उदाहरणार्थ बाल सुखाने वाले, घुंघराले बाल बनाने वाले, कॉलिंग टॉप हीटर) और मूलायम बनाने के लिए विद्युत हस्त्री; इलेक्ट्रो थर्मिक घरेलू उपकरण; इलेक्ट्रिक हीटिंग रिसिस्टर जो कार्बन के हैं, उनको छोड़कर।
		85.13	टेलीफोन के लिए बिजली की लाइन और तार संचार के यंत्र (कॉरियर करन्ट लाइन प्रणाली के लिए इसी तरह के यंत्रों को मिलाकर)।

अध्याय--85

विद्युतीय मशीनरी और उपस्कर, तथा उनके पुर्जें

- 85.01 निम्नलिखित विवरण के बिजली के सामान :— जनरेटर, मोटर, कन्वर्टर (घूमने वाला या स्थिर), ट्रान्सफार्मर, रेक्टिफायर्स और रेक्टिफाइंग सामान, इन्वर्टर।
- 85.02 विद्युतीय चुम्बक; स्थायी चुम्बक और स्थायी चुम्बक के लिए विशेष सामग्री की वस्तुएं जो

शीर्षक सं.	वस्तु विवरण	शीर्षक सं.	वस्तु विवरण
85.14	माइक्रोफोन और उनके स्टैंड, लाउड स्पीकर; आडियोफ्रिक्वेंसी विद्युत एम्पलीफायर।		केबल सहित) चाहे वे संयोजक के साथ लगे हुए हों या नहीं।
85.15	रेडियो टेलीग्राफिक और रेडियो टेलीफोन संचरण और श्रवण यंत्र, रेडियो प्रसारण और दूरदर्शन संचरण और श्रवण यंत्र (ध्वनि रिकार्डर या रिप्रोड्यूसर को मिलाने वाले रिसेवरों सहित) और दूरदर्शन कमरे; रेडियो नेविगेशनल सहायक यंत्र, राडार यंत्र और रेडियो दूरवर्ती नियंत्रण यंत्र।	85.24	कार्बन ब्रूश, आर्क लैम्प कार्बन, बैटरी कार्बन, कार्बन इलेक्ट्रोड्स और विद्युत प्रयोजन के लिए प्रयुक्त होने वाली अन्य किस्म की कार्बन की वस्तुएं।
85.16	रेलवे, सड़कों या अंतरराष्ट्रीय जल मार्गों के लिए यातायात नियंत्रण उपस्कर और पत्तन की स्थापनाओं में या हवाई मैदानों पर उसी प्रकार के प्रयोजन में प्रयुक्त होने वाले उपस्कर।	85.25	किसी भी प्रकार के माल के पृथक्कारी।
85.17	विद्युत ध्वनि या दृश्य संकेतिक उपकरण (जैसे कि घंटी, भोंपू, इन्डिकेटर पैनल, और और अग्नि सूचक घंटियाँ), शीर्षक सं. 85.09 या 85.16 के अन्तर्गत आने वाली से भिन्न।	85.26	बिजली की मशीनों के लिए पृथक्कारी फिटिंग्स, उपस्कर या उपकरण, जो जोड़ने के प्रयोजन के लिए सिर्फ सांचा बनाने के दौरान किसी धातु के छोटे संघटकों के मिलाने के अलावा इन्सुलेंटिंग माल की पूर्णरूप से फिटिंग हैं, किन्तु इसमें शीर्षक सं. 85.25 के भीतर आने वाले इन्सुलेटर सम्मिलित नहीं हैं।
85.18	विद्युत के धारित्र, स्थिर या अस्थिर।	85.27	इन्सुलेंटिंग माल के साथ बेस मेटल लाइन्ड की बिजली की कन्ड्यूट ट्यूबिंग और उसके लिए ज्वाइंट।
85.19	विद्युत की सरकिटों की सुरक्षा के लिए या विद्युत की सरकिटों में या संयोजन करने के लिए विद्युत की सरकिटों को बनाने और तोड़ने के लिए बिजली के उपकरण (उदाहरणार्थ-स्विच, रिले, फ्यूज, तटित विरोधक, सर्ज सप्प्रेसर, प्लग, लैम्प होल्डर और जन्कसन बक्स); रिसिस्टर, स्थिर या अस्थिर (पोटेन्शियोमीटरों सहित); हीटिंग रिसिस्टरों को छोड़कर; प्रिन्टिड सरकिट; स्विच बोर्ड (टेलिफोन स्विच बोर्ड को छोड़कर) और कंट्रोल पैनल।	85.28	मशीनरी और उपस्करों के बिजली के पुर्जों जो इस अध्याय के किसी पूर्व के शीर्षक के किसी भी माल के अन्तर्गत नहीं आते हैं।
85.20	विद्युत फिलामेंट लैम्प और विद्युत विसर्जन लैम्प (इन्फ्रार रेड और अल्ट्रा वायलेट लैम्पों सहित); आर्क लैम्प; बिजली से प्रज्वलित फोटोग्राफ के लिए फ्लैश बल्ब।		
85.21	धर्मियोनिक, कोल्ड कैथोड और फोटो कैथोड वाल्व और ट्यूबें; (उसमें वेपर या गैस फील्ड वाल्व और ट्यूब, कैथोड रे ट्यूब, दूरदर्शन कैमरा ट्यूब और मर्करी आर्क रॉकेटफाइंग बाल्व और ट्यूब भी शामिल हैं); फोटो सेल; माउन्टेड पीजो इलेक्ट्रिक क्रिस्टल; डायोड्स, ट्रांसिस्टर और वैसी ही सेमी कन्डक्टर डिवाइसेज; इलेक्ट्रॉनिक माइक्रो सर्किट।		
85.22	विद्युतीय सहायक पुर्जों और उपकरण जिन का अलग-अलग कार्य हो, और जो इस अध्याय के भीतर और इस के अन्य शीर्षक के अन्तर्गत न आते हैं।		
85.23	पृथक्कारी (इसमें एनेमलड या एनोडाइज्ड भी शामिल हैं) विद्युत तार, केबल, छड़, फीते और उसी तरह की चीजें (को-एक्सल-		

खंड-17

वाहन, हवाई जहाज और उनके पुर्जों; जलयान और कुछ वाहन सम्बन्धी उपस्कर

अध्याय-86

रेलवे और ट्रामवे लोकोमोटिव, रेल के डिब्बे और उनके पुर्जों; रेलवे और ट्रामवे लाइनों के जड़भार और फाइटिंग; सभी प्रकार के यातायात सम्बन्धी सिगनल देने वाले उपस्कर (जो बिजली से नहीं चलते हैं)

- 86.01 वाष्प रेल लोकोमोटिव और टेंडर्स।
- 86.02 विद्युत रेल लोकोमोटिव, जो बैटरी से चलता हो या बिजली के बाह्य स्रोत से चालित हो।
- 86.03 अन्य रेल लोकोमोटिव।
- 86.04 यंत्र चालित रेलवे और ट्रामवे के सवारी डिब्बे, वैन, और ट्रक और यंत्रचालित लाइन निरीक्षण की ट्रायलियां।
- 86.05 रेलवे और ट्रामवे सवारी के डिब्बे और सामान के डिब्बे; अस्पताल के डिब्बे, कैंडियों के डिब्बे, परीक्षण के डिब्बे, डाकघर के यात्री डिब्बे, और अन्य विशेष प्रयोजन के लिए रेल के डिब्बे।
- 86.06 रेलवे और ट्रामवे की निम्नलिखित गाड़ियां या डिब्बे, बकशाप, क्रैन और अन्य सेवा के वाहन।

शीर्षक सं.	वस्तु विवरण	शीर्षक सं.	वस्तु विवरण
86.07	रेलवे और ट्रामवे माल गाड़ी, माल डिब्बे और ट्रक ।	87.08	मोटर युक्त ट्रैक और अन्य बस्तर बन्ध गाड़ियां, चाहे हथियारों से जुड़े हुए हों या नहीं और ऐसे ही वाहनों के पुर्जे ।
86.08	वाहन के एक से अधिक तरीकों द्वारा माल ले जाने के लिए विशेष प्रकार से बनाए गए और सजाये गये डिब्बे ।	87.09	मोटर साइकिल, आटो साइकिल और सहायक मोटर लगी हुई साइकिलें, साइड कारों सहित या उसके बिना; सभी प्रकार की साइड कार ।
86.09	रेलवे और ट्रामवे लोकमोविंग और गाड़ियों के पुर्जे ।	87.10	साइकिल (जिसमें वितरण के लिए तीन पहिए वाली साइकिल भी सम्मिलित हैं) जो मोटर युक्त न हों ।
86.10	रेलवे और ट्राम लाइनों के जुड़नार और फिटिंग; सिग्नल देने के लिए या सड़क, रेल या अन्य वाहनों, जहाजों या हवाई जहाजों को व्यवस्थित रखने के लिए, बिजली से न चलने वाले यांत्रिक उपस्कर; पूर्ववर्ती जुड़नारों के पुर्जे फिटिंग या उपस्कर फिटिंग ।	87.11	नाकाम गाड़ियां जो यंत्र चालित साधनों से जोड़ी हुई हों (मोटर युक्त हो या नहीं) ।
		87.12	शीर्षक सं. 87.09, 87.10 या 87.11 के अन्तर्गत आने वाली वस्तुओं के पुर्जे और सहायक ।
		87.13	छोटी गाड़ियां और नाकाम गाड़ियां (मोटर युक्त से भिन्न या अन्यथा रूप से यंत्र चालित) और उनके पुर्जे ।
		87.14	अन्य वाहन (जिसमें ट्रैलर भी सम्मिलित हैं) जो यंत्र चालित नहीं हैं और उनके पुर्जे ।
अध्याय--87			
वाहन, रेलवे या ट्रामवे गाड़ियों से अन्य और उनके पुर्जे			
87.01	ट्रैक्टर (जो शीर्षक सं. 87.07 के अन्तर्गत नहीं आते हैं) चाहे वे शक्ति प्रभार उठाने वाले हों या नहीं, विंचेज या प्लीज ।	अध्याय--88	
87.02	व्यक्तियों, माल या वस्तुओं को ढोने के लिए मोटर वाहन (इसमें शीर्षक सं. 87.09 के अन्तर्गत न आने वाले अन्य क्रीड़ा मोटर वाहन भी शामिल हैं) ।	हवाई जहाज और उसके पुर्जे; छतरियां; कटेपेल्ड्स; और वैसे ही हवाई जहाजों के लॉन्चिंग गियर; ग्राउन्ड फ्लाइटिंग ट्रेनेर्स	
87.03	विशेष प्रयोजन के लिए मोटर गाड़ियां और बोगियां (जैसे बूके डाउन गाड़ियां, दमकल अग्नि मोचन, सड़क साफ करने वाली गाड़ियां, बर्फ के हल, स्प्रै करने वाली गाड़ियां, क्रेन गाड़ियां, सर्चलाइट गाड़ियां, मोबाइल वर्क-शाप और मोबाइल रीडियो विद्या एकक) किन्तु इसमें शीर्षक सं. 87.02 के मोटर वाहन शामिल नहीं हैं ।	88.01	गुब्बारे और हवाई पोत ;
87.04	शीर्षक सं. 87.01, 87.02 या 87.03 के अन्तर्गत आने वाले मोटर वाहनों के लिए, इंजनों के साथ लगाया गया चैसिस ।	88.02	फ्लाइटिंग मशीन, गिल्डर और पतंग; पैराशूट्स ।
87.05	शीर्षक सं. 87.01, 87.02 या 87.03 के अन्तर्गत आने वाले मोटर वाहन के लिए बाइजी (जिसमें क्रेप्ट (क्रेब) भी शामिल हैं) ।	88.03	शीर्षक सं. 88.01 या 88.02 के अन्तर्गत आने वाले माल के पुर्जे ।
87.06	शीर्षक सं. 87.01, 87.02 या 87.03 के अन्तर्गत आने वाले मोटर वाहनों के लिए पुर्जे और सहायक ।	88.04	पैराशूट और उनके पुर्जे और उन के लिए उप साधक ।
87.07	काम में लाए जाने वाले यन्त्र चालित ट्रक और वे उस प्रकार के हों जो कारखानों, गोदामों, बन्दरगाहों के क्षेत्रों या हवाई अड्डों पर थोड़े फासले से माल ढोने या माल निपटाने के लिए प्रयोग किए जाते हैं (उदाहरणार्थ प्लेटफार्म ट्रक, फोर्क लिफ्ट ट्रक और स्ट्रॉल गाड़ियां); रेलवे स्टेशन प्लेटफार्म पर प्रयोग में आने वाले किस्म के ट्रैक्टर; पूर्ववर्ती वाहनों के पुर्जे ।	88.05	कटेपेल्ड्स और वैसे ही एयरक्राफ्ट लॉन्चिंग गियर; ग्राउन्ड फ्लाइटिंग ट्रेनेर्स; पूर्वोक्त वस्तुओं में से किसी के भी पुर्जे ।
		अध्याय--89	
		जहाज, किश्तियां और तैरने वाले वाहने	
		89.01	जहाज, किश्तियां और इस अध्याय के निम्न-लिखित शीर्षकों में से किसी के भी अन्तर्गत न आने वाले अन्य जलयान ।
		89.02	जलयान जो अन्य जलयानों के बीचने (बसीटमें) या धकेलने के लिए विशेष प्रकार से बनाए गए हों ।
		89.03	प्रकाश प्रदान करने वाले जलयान, अग्निजलमन पोत, सभी प्रकार के डूबेर, तैरने वाली क्रेन,

शीर्षक सं.	वस्तु विवरण	शीर्षक सं.	वस्तु विवरण
	और अन्य जलयान जिन का नाव्य कार्य उनके मुख्य कार्य के लिए सहायक हो; तैरने वाली गोदी ।	90.08	सिनेमा कैमरे, प्रोजेक्टर, ध्वनि रिकार्डर और ध्वनि रिप्रोड्यूसर; इन वस्तुओं के कोई भी संयोजन ।
89.04	विघटित करने के लिए जहाज, किश्तियां और अन्य जलयान ।	90.09	इमेज प्रोजेक्टर (सिनेमेटोग्राफिक प्रोजेक्टरों से भिन्न); फोटोग्राफिक (सिनेमेटोग्राफिक को छोड़ कर) चित्रवर्धक और चित्र अवकारक ।
89.05	जलयानों से भिन्न तैरने वाले ढांचे (उदाहरणार्थ, कोफर ड्रेमस, लॉन्डिंग स्टेशन, बोयेज और बीकंस) ।	90.10	फोटोग्राफिक या सिनेमेटोग्राफी प्रयोगशालाओं में प्रयोग होने वाली किस्म के उपकरण और उपस्कर जो इस अध्याय में किसी अन्य शीर्षक के अन्तर्गत नहीं आते हैं; फोटो प्रति लेने वाले उपकरण (चाहे प्रकाशीय प्रणाली से समाविष्ट हों या सम्पर्क श्रेणी के हों) और थर्मो-कापीइंग उपकरण; प्रोजेक्टरों के पदों ।
खण्ड—18			
प्रकाशीय, फोटोग्राफी, सिनेमेटोग्राफी, माप करने, जांचने, परिष्कार करने, चिकित्सा और शल्य चिकित्सा के लिए औजार और उपकरण; घन्टे और घड़ी; संगीत के औजार; ध्वनि रिकार्डर और रिप्रोड्यूसर; दूरदर्शन चित्र और ध्वनि रिकार्डर और रिप्रोड्यूसर सम्बन्ध और उनके पुर्जों			
अध्याय—90			
प्रकाशीय, फोटोग्राफी, सिनेमेटोग्राफी, माप करने, जांचने, परिष्कार करने, चिकित्सा और शल्य चिकित्सा के औजार और उपकरण; उनके पुर्जों ।			
90.01	लैन्स, प्रिज्म, आइने और अन्य प्रकाश सम्बन्धी तत्व, किसी भी सामग्री के बिना चौखटे वाले, शीशे के ऐसे तत्वों से भिन्न जिन पर प्रकाश सम्बन्धी काम किया गया हो; ध्रुवण सामग्री की शीट और प्लेटें ।	90.11	माइक्रोस्कोप और डिफ्रैक्शन उपकरण, इलेक्ट्रॉन और प्रोटॉन ।
90.02	लैन्स, प्रिज्म, आइने और अन्य प्रकाशीय तत्व, किसी भी सामग्री के चौखटे वाले, जो उपकरणों या यंत्रों के पुर्जों या फिटिंग हों, और जो ऐसे शीशे के ऐसे तत्वों से भिन्न हैं जिन पर प्रकाशीय काम नहीं किया गया है ।	90.12	कम्पाउन्ड ऑप्टिकल माइक्रोस्कोप, चाहे वे फोटो लेने या बिम्ब को प्रक्षिप्त करने वाले हों या नहीं ।
90.03	फ्रेम और चौखटे और उनके भाग, एनेकों के लिए, नाक-पकड़ चश्मे, लम्बी कमानी वाले चश्मे, धूप के चश्मे और इसी प्रकार के अन्य चश्मे ।	90.13	प्रकाशकीय उपकरण और औजार (किन्तु इन में खोजबत्ती या केन्द्रक बत्ती से भिन्न प्रकाश देने वाले उपकरण शामिल नहीं हैं), जो इस अध्याय के किसी अन्य शीर्षक के अन्तर्गत नहीं आते हैं ।
90.04	एनेक, नाक-पकड़ चश्मे, लम्बी कमानी के चश्मे, धूप के चश्मे और इसी प्रकार के अन्य चश्मे, बिनाई को दूरस्त करने वाले, रोष रक्षात्मक और अन्य चश्मे ।	90.14	सर्वेक्षण (इसमें फोटो ग्रामेट्रिकल सर्वेक्षण शामिल हैं) जल भापीय, नौयाना परिवहन सम्बन्धी, मौसम विज्ञान सम्बन्धी, जल विज्ञान सम्बन्धी और भूभौतिक औजार, कम्पास परास मापी यंत्र ।
90.05	परावर्तक दूरबीक्षण यन्त्र (एक नेत्र के और दोनों नेत्रों के), चाहे वे प्रिसमेटिक हों या नहीं ।	90.15	5 सेण्टी ग्राम या ऊपर की सूक्ष्मप्राहित तराजू, सोल बट्टों सहित या उनके बिना ।
90.06	खगोलीय औजार (उदाहरणार्थ, दूरबीक्षण यन्त्र, यात्रा के औजार और भूमध्य रेखा सम्बन्धी दूरबीक्षण यंत्र) और उनके चौखटे किन्तु इस में रेडियो खगोल विज्ञान सम्बन्धी औजार सम्मिलित नहीं हैं ।	90.16	ग्राइंग, नम्बर लगाने और गणितीय गणना करने वाले औजार, ड्राफ्टिंग मशीनें, पेंटो-ग्राफ, स्लाइड रूल, डिस्क गणक और इसी प्रकार के; मापने या जांच करने के औजार, उपकरण और मशीनें, जो इस अध्याय के किसी अन्य शीर्षक के अन्तर्गत नहीं आते हों (उदाहरणार्थ, माइक्रोमीटर कोलीपर्स, गोजिज. पमाने, सोलने की मशीनें), प्रोफाइल प्रोजेक्टर ।
90.07	फोटोग्राफिक कैमरे, फोटोग्राफिक प्लैटलाइट, औजार ।	90.17	चिकित्सा, दंत चिकित्सा, शल्य चिकित्सा और पशु चिकित्सा औजार और उपकरण (इसमें विद्युत चिकित्सा उपकरण और नेत्र सम्बन्धी यन्त्र भी शामिल हैं) ।
		90.18	मैकोनो-थैरैपी उपकरण; संचार उपकरण: मनोवैज्ञानिक अभिवृत्ति को जांचने के उपकरण; कृत्रिम श्वास-प्रश्वास संबंधी, औजोन चिकित्सा सम्बन्धी, आक्सीजन चिकित्सा सम्बन्धी, वायु धुन्ध चिकित्सा सम्बन्धी, या इसी प्रकार के यंत्र; श्वास लेने के उपकरण (इसमें गैस मास्क और इसी प्रकार के श्वसन औजार भी सम्मिलित हैं) ।

शीर्षक सं.	वस्तु-विवरण
अध्याय-92	
संगीत वाद्य यंत्र; ध्वनि रिकार्डर और रिप्रोड्यूसर; टेलीविजन हमोन और ध्वनि रिकार्डर और रिप्रोड्यूसर, घुमकीय; ऐसी वस्तुओं के पूर्ण और उप-साधक	
92.01	पियानो (स्वचालित पियानो सहित, बाह्य की-बोर्ड लगे हुए हों या नहीं), हार्पसिकॉर्ड और अन्य की-बोर्ड लगे हुए अन्य वाद्य यंत्र सारंगी किन्तु एलियन सारंगियों को छोड़ कर।
92.02	संगीत के तार वाले अन्य वाद्य यंत्र।
92.03	पाहूप और रीड आरगन, हारमोनियम और इसी प्रकार की वस्तुओं सहित।
92.04	धोकनियों वाला बाजा और संगीत के इसी प्रकार के वाद्य यंत्र, मुख वाद्यराज।
92.05	अन्य वाद्य संगीत यंत्र।
92.06	ताल वाद्य संगीत वाद्य (उदाहरणार्थ ढोल, कोष्ठतरंग, भाँझ, करताल)।
92.07	इलेक्ट्रो-मैग्नेटिक, इलेक्ट्रोस्टैटिक, इलेक्ट्रो-निक और इसी प्रकार के संगीत वाद्य (उदाहरणार्थ पियानो, आर्गन, एकोर्डियन)।
92.08	इस अध्याय के किसी अन्य शीर्षक के अन्तर्गत न आने वाले संगीत वाद्य (उदाहरणार्थ फेयर शोउण्ड आर्गन, मैकेनिकल स्ट्रीट आर्गन; संगीत बक्से, संगीत आरे); मशीनी गायन यंत्र, सभी प्रकार की लभावनी आवाज और प्रभाव वाले वाद्य यंत्र; मूढ़ से बजाए जाने वाले ध्वनि संकेतक वाद्य (उदाहरणार्थ सीटियों और नाविक अधिकारियों के पाहूप)।
92.09	संगीत वाद्य के तार।
92.10	संगीत वाद्य यंत्रों के पूर्ण और उप-साधक (तारों को छोड़कर), इसमें संगीत के लिए छिद्रित रोल और संगीतीय बक्सों के लिए यंत्रावली भी शामिल हैं, तालभाषी, धून के कांटे और सभी तार के पिच-पाहूप।
92.11	ग्रामोफोन, डिक्टेटिंग मशीनें और अन्य ध्वनि रिकार्डर और रिप्रोड्यूसर, इसमें रिकार्ड प्लेयर्स और टेप डेक्स जो ध्वनि सङ्ग्रहों के साथ हों या नहीं, भी शामिल हैं टेलीविजन के चित्र और ध्वनि रिकार्डर और रिप्रोड्यूसर, घुमकीय।
92.12	ग्रामोफोन रिकार्डर और अन्य ध्वनि या इसी प्रकार के अन्य रिकार्डर रिकार्डरों के उत्पादन के लिए मापदंड, तैयार किए हुए कार्ड रिकार्डर, मशीनी ध्वनि रिकार्डर करने के लिए किस्म, तैयार किए हुए टेप तार, फीले और ध्वनि रिकार्डर तार या इसी प्रकार के रिकार्डर तैयार करने के लिए सामान्य उपयोग में लाए जाने वाली किस्म की समान वस्तुएं।

शीर्षक सं.	वस्तु-विवरण
92.13	शीर्षक संख्या 92.11 के अन्तर्गत आने वाले यंत्रों के अन्य पूर्ण और उप-साधक।

खण्ड-19

हथियार और गोला बारूद; उनके पूर्ण

अध्याय-93

हथियार और गोला बारूद; उनके पूर्ण

- 93.01 पार्श्व हथियार (उदाहरणार्थ, तलवार, कृपाण और संगीन) और उनके पूर्ण और उनके लिए म्यान और बाल।
- 93.02 रिवाल्वर और पिस्तौल, जो अग्न्यस्त्र हैं।
- 93.03 तोपखाने के हथियार, मशीन गनों, छोटी मशीन गनों और अन्य सीनिक अग्न्यस्त्र और प्रक्षेपक (रिवाल्वर और पिस्तौलों को छोड़कर)।
- 93.04 अन्य अग्न्यस्त्र, जिसमें बहुत छोटे पिस्तौल, पिस्तौल और रिवाल्वर जो केवल धोंधी गोली फेंकने के लिए हैं, लाइन थरोविंग गन और ऐसी ही किस्म की गनों।
- 93.05 अन्य विवरण के हथियार, जिसमें बाय के, स्प्रिंग के और ऐसे ही पिस्तौल, राइफल और गनों भी शामिल हैं।
- 93.06 हथियारों के पूर्ण, जिसमें गन बैरल ब्लैन्क्स भी शामिल हैं, किन्तु पार्श्व हथियारों के पूर्ण शामिल नहीं हैं।
- 93.07 गोले, हथगोले, तारपीडो, माइन्स, नियंत्रित हथियार और मिसाइल और युद्ध के लिए इसी प्रकार के गोला बारूद वाले अस्त्र-शस्त्र, और उनके पूर्ण, गोला बारूद और उनके भाग, जिनमें कारतस की बंदों भी शामिल हैं; बारूद के लिए तैयार की हुई शीशे की गोलीयाँ।

खण्ड-20

विविध विनिर्दिष्ट वस्तुएं

अध्याय-94

फर्नीचर और उसके भाग; मोंडिंग तोलक, मोदक के आस्तरण, और इसी प्रकार की सामग्री का सजावट का सामान

- 94.01 कर्मिण और अन्य गद्दियां (शीर्षक संख्या 94.02 के भीतर आने वाली गद्दियों को छोड़कर), बाह्य के पलंगों में परिवर्तनीय हों या नहीं, और उनके भाग।
- 94.02 चिकित्सा, दंत चिकित्सा, अन्य चिकित्सा या पेश चिकित्सा, काम करने वाले फर्नीचर (उदाहरणार्थ, आपरेशन करने की मेजें, गान्धिवी जूझनारों के साथ अस्पतालों के बिस्तर); दांतों के डाक्टरों के लिए और इसी प्रकार की यान्त्रिक उठाऊ, घुमने वाली या

शीर्षक सं.	वस्तु-विवरण	शीर्षक सं.	वस्तु-विवरण
	सहारा देने वाली गतियों के साथ कुर्सियाँ; और पूर्वोक्त वस्तुओं के भाग।		अध्याय-96
94.03	अन्य फनीचर और उसके भाग।		भाड़ू बूश, पंखों के भाड़न, पाउण्डर लगाने की गद्दी और छलनियाँ
94.04	तोषक के अवलम्ब; शीय्या की वस्तुएँ या इसी प्रकार के सज्जीकरण जो स्प्रिंगों से जोड़े गए हों या ठूँसे गए हों या किसी अन्य सामग्री या फालने वाली सामग्री से फिट किए गए हों, फोम या स्पंज रबड़ या फालने वाले, आकार के चाहूँ वे ढके हुए हों या नहीं (उदाहरणार्थ, तोषक रजाइया साइडरडाउन, कुशन, सोफे, और तकिए)।	96.01	भाड़ू और बूश, टहनियों के या अन्य वनस्पति सामग्री के जो केवल आपस में बंधी हुई हों किन्तु सिर से जकड़ी हुई नहीं (उदाहरणार्थ भाड़ू और चंवर), मूठ सहित या मूठ के बिना।
	अध्याय-95	96.02	अन्य भाड़ू और बूश (इसमें मशीनों के पुर्जों के रूप में प्रयोग होने वाला एक किस्म का बूश भी शामिल है), पेन्ट बेलन, स्क्वीजी (रोलर स्क्वीजी से भिन्न) और झाड़न।
नक्काशी या फर्मे की सामग्री की वस्तुएँ और उनसे निर्मित वस्तुएँ		96.03	भाड़ू या बूश बनाने के लिए तैयार संयोजन और लुट्टे।
95.01	शिल्पकारी की हुई कछुए की खोपड़ी और कछुए की खोपड़ी की वस्तुएँ।	96.04	पंखों के झाड़न।
95.02	शिल्पकारी की हुई मुक्ता सीप और मुक्ता सीप की वस्तुएँ।	96.05	किसी भी सामग्री की पाउण्डर लगाने की गद्दी और पैड जो सौन्दर्यवर्धक द्रव्यों या प्रसाधन की वस्तुएँ लगाने के लिए हों।
95.03	शिल्पकारी किया हुआ हाथी दांत और हाथी दांत की वस्तुएँ।	96.06	किसी भी सामग्री की दस्ती छलनियाँ और दस्ती झारने।
95.04	शिल्पकारी की हुई हड्डियाँ (ज्वाल मछली की हड्डियों को छोड़ कर) और हड्डियों की वस्तुएँ (ज्वाल मछली की हड्डियों को छोड़ कर)।		अध्याय-97
95.05	शिल्पकारी किए हुए सींग, मूंगा (प्राकृतिक या पिंडीभूत किए हुए) और अन्य पशुओं की नक्काशी की सामग्री, और सींग, मूंगा (प्राकृतिक या पिंडीभूत किए हुए) या अन्य पशुओं की नक्काशी सामग्री की वस्तुएँ।		खिलौने, क्रीड़ा और खेल-कूद की आवश्यक वस्तुएँ; उनके भाग
95.06	वनस्पति नक्काशी की शिल्पकारी की हुई सामग्री (उदाहरणार्थ गजवन्तताल) और वनस्पति की नक्काशी सामग्री की वस्तुएँ।	97.01	बच्चों की सवारी के लिए बनाए गए पहिएदार खिलौने (उदाहरणार्थ, खेलने की बाइसिकल और तीन पहियों वाली साइकिलों और पैडल चबाने से चलने वाली मोटर कार), गूड़ियों के प्राम्स और गूड़िया की धकेलने वाली कुर्सियाँ।
95.07	शिल्पकारी किए हुए जेट (और जेट के लिए खनिज प्रतिस्थापन), एम्बर, समुद्रफेन, पिंडीभूत किया हुआ एम्बर और पिंडीभूत किया हुआ समुद्रफेन; और ऐसे तत्वों की वस्तुएँ।	97.02	गूड़ियाँ।
95.08	मोम की, स्टिन की, प्राकृतिक रोंद या प्राकृतिक राल की (उदाहरणार्थ, कोपल या गंधराल की) या माइल बनाने के पेस्ट की साँचे में ढाली हुई या नक्काशी की हुई वस्तुएँ और साँचे में ढाली हुई या नक्काशी की हुई अन्य वस्तुएँ जो अन्य स्थान पर विनिश्चित न की गई हों या शामिल न की गई हों, शिल्पकारी किए हुए, नरम सरस (शीर्षक सं. 35.03 के भीतर आने वाले सरस से भिन्न) और नरम सरस की वस्तुएँ।	97.03	अन्य खिलौने; आमाव-प्रमाद के प्रयोजन के लिए प्रयोग होने वाली किस्म के हिलने-डुलने वाले माइल।
		97.04	बैठकों के लिए साज-समान, मेजों और वयस्कों या बच्चों के लिए विल बहलाने वाले खेल (इसमें बिलियर्ड टेबल और पिन टेबल और टेबल टैनिंग के लिए आवश्यक वस्तुएँ शामिल हैं)।
		97.05	आनन्दोत्सव की वस्तुएँ, मनोरंजन की वस्तुएँ (उदाहरणार्थ, बाजीगरी का खेल और अन्तर् मजार्के), क्रिसमस के उपहारवृक्ष, क्रिसमस के उपहार-वृक्ष की सजावट करने की वस्तुएँ, और हँसाइयों के त्यौहारों के लिए इसी प्रकार की वस्तुएँ, बड़े दिन की आवश्यक वस्तुएँ, बड़े दिन पर जलाए जाने वाले नकली लकड़ी के लट्ठे, जन्मोत्सव के दृश्य और उनके लिए रखा-चित्र।
		97.06	ब्यापाम और खेल-कूद के लिए या खेल-कूद और मीठा के खेलों के लिए साधित्र,

शीर्षक सं.	वस्तु-विवरण	शीर्षक सं.	वस्तु-विवरण
	उप-करण, उप-साधक और आवश्यक वस्तुएँ (शीर्षक संख्या 97.04 में आने वाली वस्तुओं से भिन्न)।		बाली सलाइड और कम्पोज करने वाली ऐसी सलाइडों को समाविष्ट करने वाले हस्त-मुद्रण के संट।
97.07	मछली पकड़ने के कांटे, महस्य रज्जू की सलाख और बंसी, मछलियों को भूमि पर रखने के जाल और बटरफ्लाई जाल, "पक्षी फन्दा" लार्क मिस्टर और शिकार करने की इसी प्रकार की वस्तुएँ।	98.08	टाइपराइटर के और पुराने रिटर्न, चाहे चर्खियों पर हों या नहीं; इनके पेड, बक्स सहित या रहित।
97.08	चक्करदार मार्ग, घुमाव, कूटिंग गैलरी और मैदान के आमांद-प्रमोद; चलते-फिरते सर्कस, चलती-फिरती मनेजरी और चलते-फिरते थियेटर।	98.09	सील करने के लिए लाख (इसमें बोतल में लाख भी शामिल है) सलाखों, टिक्कियों या इसी प्रकार के आकारों में; प्रतिलिपि करने की स्पाही जो सरस के आधार के साथ हों, चाहे वह कागज या वस्त्र में बन्द हों या नहीं।
		98.10	यान्त्रिक लाइटर और इसी प्रकार के लाइटर, इसमें रासायनिक और विद्युतीय लाइटर भी शामिल हैं, और उनके पुर्जे, थकमक और पत्तीतों को छोड़कर।

अध्याय-98

विविध विनिर्मित वस्तुएँ

98.01	बटन और बटन के सांचे, दोहरे बटन, कफों की कड़ियाँ और दबा कर बन्द करने की कसनी, इसमें चिट बटन और दबा कर बन्द करने वाले दोहरे बटन भी शामिल हैं ऐसी वस्तुओं के खोल और भाग।	98.11	तम्बाकू पीने की नलियाँ; हुक्के, हुंडियाँ और तम्बाकू पीने की नलियों के अन्य भाग (इसमें लकड़ी या जूट के घटिया प्रकार के ढाँचे में हों, सम्मिलित हैं); सिगार और सिगरेट होल्डर और उनके पुर्जे।
98.02	सरकाने वाली कसनी और उनके पुर्जे।	98.12	कंधे, हथेर सलाइड और इसी प्रकार की वस्तुएँ।
98.03	फाउन्टेन पेन, स्टाइलोग्राफ पेन और पेंसिल (इसमें बाल प्वाइन्ट पेन और पेंसिलें भी शामिल हैं) और अन्य पेन, पेन होल्डर, पेंसिल होल्डर और इसी प्रकार के होल्डर, बड़ने वाली पेंसिल और सरकने वाली पेंसिल; उनके पुर्जे और फिटिंग, किन्तु उनको छोड़ कर जो शीर्षक सं. 98.04 या 98.05 के अन्तर्गत आते हैं।	98.13	बगियों में लगाने की कड़ी पट्टियाँ और पहनावे या वेशभूषा के सामान के लिए इसी प्रकार के समर्थन।
98.04	पेन की निबों और निब प्वाइन्ट।	98.14	सेन्ट और थ्रूगार प्रयोजन के लिए प्रयोग होने वाली किस्म के इग्री प्रकार के फव्वार, और उनके चौखटे और प्रभाग।
98.05	पेंसिलें (शीर्षक सं. 98.03 की पेंसिलों से भिन्न), पेंसिलों के सिक्के, स्लेट पेंसिलें, चित्रांकनी और रंगीन पेंसिल, ड्राइंग तार-कोल और लेखन और कृत्रिम रेखा बनाने वाले चाक, दर्जियों के उपयोग के और बिलियर्ड चाक।	98.15	खाली बोतल और अन्य खाली बर्तन जो खोल के साथ हों; उनके पुर्जे, भीतरी बींधों को छोड़कर।
98.06	स्लेट और बोर्ड, जो लिखने या ड्राइंग बनाने के तल के साथ हों, चाहे चौखटों में हों या नहीं।	98.16	दर्जियों की डभी और कारोबार सम्बन्धी अन्य ले-चित्र; दुकान की खिडकी सजाने के लिए प्रयोग होने वाली किस्म के स्वचालित और इसी प्रकार के प्रेरक।
98.07	तिथि डालने, मोहर लगाने, संख्या डालने के स्टैम्प और इसी प्रकार की मोहरें (इनमें मुद्रित करने के लिए या लेबल एम्बोस करने के लिए औजार भी शामिल हैं) जो हथ में चलाए जाने के लिए बनाए गए हैं; हस्तचालित कम्पोज करने		

खण्ड-21

कलाकृतियाँ, संग्राहकों द्वारा कला कृतियों के संग्रहण और पुरावशेष

अध्याय-99

कलाकृतियाँ, संग्राहकों द्वारा कला कृतियों के संग्रहण और पुरावशेष

99.01 पेंटिंग, ड्राइंग और रंगीन पेंसिलें, जो मुख्य रूप से हाथ से प्रयोग की जाती हैं (शीर्षक सं.)

शीर्षक सं.	वस्तु-विवरण	शीर्षक सं.	वस्तु-विवरण
	49.06 में आने वाली औद्योगिक ड्राइंग को छोड़ कर और हाथ से अंकित की हुई या हाथ से सजावट की हुई विनिर्मित वस्तुओं को भी छोड़ कर)।		शामिल हैं), जो प्रयोग किए हुए हों या यदि अप्रयुक्त हों तो वे जिस देश में गंतव्य हों उस देश के वर्तमान या नए प्रशासन में न हों।
99.02	मूल नक्काशी, छपाई और अक्षमलेख।	99.05	प्राणी विज्ञान सम्बन्धी, वनस्पति विज्ञान सम्बन्धी, खनिज विज्ञान सम्बन्धी, शारीरिक, इतिहास सम्बन्धी, पुरातत्व सम्बन्धी, पुरामानवीय सम्बन्धी, मानव जाति विज्ञान सम्बन्धी या मुद्रा तत्व के हित के संग्रह और संग्राहकों की कला-कृतियां।
99.03	मूल मूर्ति कला और मूर्ति विद्या, किसी भी सामग्री में।		
99.04	डाक, रसीदी और इसी प्रकार की टिकटें (इसमें डाक टिकट लगे हुए और अंकित लिफाफे, पत्र-काष्ठ और इसी प्रकार की वस्तुएं	99.06	एक सौ वर्ष से अधिक पुराने पुरावशेष।

परिशिष्ट--1ख

अनुसूची-2

(खण्ड--3 देखें)

आयात लाइसेंस देने के लिए सक्षम अधिकारी

1	2	1	2
1. मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात	अनुसूची-1 के अन्तर्गत आने वाली किसी भी वस्तु के लिए।	(जहाँ तक सांताक्रूज इलेक्ट्रॉनिक निर्यात संसाधन क्षेत्र एवं पंजीकृत निर्यातकों के लिए आयात नीति के अन्तर्गत आयात प्रतिपूर्ति लाइसेंस देने के लिए ऐसे संभरण के मद्दे डोमेस्टिक टेरिफ एरिया (डी० टी० ए०) से माल के संभरण-कर्त्ताओं का सम्बन्ध है)	
2. अपर मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात	—वही—		
3. निर्यात आयुक्त	—वही—		
4. संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात	—वही—		
5. उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात	—वही—		
6. सहायक मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात			
7. नियंत्रक, आयात-निर्यात	—वही—		
8. अनुसूची-1 में दी गई वस्तुओं में से किसी भी वस्तु के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा प्राधिकृत कोई भी अधिकारी	—वही—		
9. सहायक मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात/नियंत्रक आयात-निर्यात, न्यू काङ्गला, (जहाँ तक मुक्त व्यापार क्षेत्र काङ्गला का सम्बन्ध है)	—वही—		
10. उप-विकासयुक्त (विकास) सांताक्रूज बम्बई	—वही—		
		11. सहायक विकासयुक्त (आयात एवं निर्यात), सांता-क्रूज, बम्बई (जहाँ तक सांताक्रूज इलेक्ट्रॉनिक निर्यात संसाधन क्षेत्र एवं पंजीकृत निर्यातकों के लिए आयात नीति के अन्तर्गत आयात प्रतिपूर्ति लाइसेंस देने के लिए, ऐसे संभरण के मद्दे डोमेस्टिक टेरिफ एरिया (डी० टी० ए०) से माल के संभरण-कर्त्ताओं का सम्बन्ध है)	अनुसूची 1 के अन्तर्गत आने वाली किसी भी वस्तु के लिए।

परिशिष्ट-1ख (आर०)

अनुसूची-3

(खण्ड-4 बचे)

आयात लाइसेंस के लिए दिए जाने वाले आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित शुल्क देना होगा --

क्र संख्या	ब्यौरे	शुल्क की राशि
1	2	3
1.	जिन मामलों में आवेदन-पत्र में निर्दिष्ट वस्तुओं का मूल्य 50,000/- रुपये से अधिक न हो ;	50/- रुपये
2.	जिन मामलों में आवेदन-पत्र में निर्दिष्ट वस्तुओं का मूल्य 50,000/- रुपये से अधिक हो परन्तु एक करोड़ रुपये से अधिक न हो ।	प्रत्येक एक हजार तथा उसके अग्रे रुपये पर एक रुपया,
3.	जहाँ आवेदन पत्र में निर्दिष्ट माल का मूल्य एक करोड़ रुपये से अधिक हो ।	एक करोड़ रुपये तक एक रुपया प्रति हजार और प्रत्येक अतिरिक्त हजार रुपये अथवा उसके किसी अंश पर 50 पैसे प्रति हजार अंशों कि यह 25,000/- रुपये से अधिक न हो ।

बशर्ते कि :--

(1) जहाँ आवेदन-पत्र में विशिष्टकृत माल का मूल्य एक लाख रुपये से अधिक नहीं हो जाता, वहाँ कच्चे माल, संघटक या फालतू पुर्जों के आयात के लिए छोटे पैमाने के वास्तविक उपयोक्ता या पंजीकृत निर्यातक द्वारा आयात लाइसेंस के लिए दिए गए आवेदन-पत्र के सम्बन्ध में लगने वाले शुल्क की राशि 50/- रुपये होगी।

(2) निम्नलिखित के सम्बन्ध में, आवेदन-पत्र में निर्दिष्ट वस्तुएं कितने भी मूल्य की हों किन्तु उन पर 25/- रुपये के शुल्क की राशि देनी होगी :--

- (1) परिष्कृत लाइसेंस प्रदान करने के लिए आवेदन-पत्र; या
- (2) अनुलिपि लाइसेंस प्रदान करने के लिए आवेदन-पत्र, या
- (3) अलग-अलग लाइसेंस प्रदान करने के लिए आवेदन-पत्र।

(3) आवेदन-पत्र में निर्दिष्ट माल के लिए मूल्य के होते हुए भी अपील/पुनरीक्षण वाले आवेदन-पत्रों के लिए घेये शुल्क की राशि निम्न प्रकार होगी --

1. प्रथम अपील--शून्य
2. द्वितीय अपील--50/- रुपये
3. पुनरीक्षण/आयोधन--100/- रुपये

(4) किसी आयात लाइसेंस की पोत लदान की अवधि में वृद्धि के लिए आगे आवेदन-पत्र के साथ 50/- रुपये का शुल्क देना होगा चाहे कितना भी मूल्य हो।

(5) स्कूटर/काटो साइकिल/ मोटर साइकिल/मोपेड्स सहित एक वाहन के आयात के लिए आवेदनपत्र के सम्बन्ध में अदा किए जाने वाले शुल्क की धनराशि 500/- रुपये होगी और यह आवेदन-पत्र में विशिष्टकृत ग्रेड के मूल्य को ध्यान में दिए बिना होगी।

बशर्ते की यह निम्नलिखित के सम्बन्ध में कोई शुल्क नहीं दिया जाएगा:--

(क) किसी भी वस्तु के लिए (वाहन को छोड़कर) यदि उस व्यक्ति विशेष को उन वस्तुओं का आयात अपने वैयक्तिक प्रयोग के लिए करना हो न कि व्यापार या विनिर्माण कार्यों के लिए तो उस सम्बन्ध में आयात लाइसेंस प्राप्त करने के लिए भेजा गया आवेदन-पत्र; या

(ख) समाचार प्रतिष्ठान द्वारा 40 टन की मात्रा से कम अखबारी कागज आयात करने के लिए, आयात लाइसेंस प्राप्त करने के लिए भेजे गए आवेदन-पत्र।

शुल्क वसूल करने के लिए, सार्वजनिक जानकारी के लिए निम्नलिखित हिवायतें दी गई हैं --

- (1) शुल्क मुख्य शीर्षक "097 विदेश व्यापार और निर्यात संवर्धन" के अधीन शीर्षक 'आयात लाइसेंस आवेदन-पत्र शुल्क' में जमा करना चाहिए।
- (2) आयात व्यापार नियंत्रण निक्षेप को प्राप्त करने के लिए प्राधिकृत भारतीय केन्द्रीय बैंक की किसी भी एक शाखा में शुल्क जमा करना चाहिए।
- (3) यदि आवेदक ऐसे स्थान पर रहता है जहाँ आयात व्यापार नियंत्रण निक्षेप प्राप्त करने के लिए प्राधिकृत भारतीय केन्द्रीय बैंक की कोई शाखा नहीं है, तो आवेदन शुल्क एवं अन्य आयात व्यापार नियंत्रण निक्षेपों को बैंक लाइट के माध्यम से जमा करने की भी सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।
- (4) इस आदेश के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क के भुगतान का प्रमाण तब तक आवेदन-पत्र के साथ नहीं भेजा जाएगा, जब तक उस पर विचार नहीं किया जाएगा।

परिशिष्ट 1क—(जारी)

अनुसूची 4

(खण्ड—12 बरें)

- | | |
|--|--|
| <p>1. विगत वाणिज्य विभाग द्वारा जारी की गई अधिसूचना सं. 23-आई. टी. सी./43, दिनांक 1 जुलाई 1943</p> <p>2. विगत वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी की गई अधिसूचना सं. 2-आई. टी. सी./48, दिनांक 6 मार्च, 1948</p> | <p>3. विगत वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी की गई अधिसूचना सं. 4-आई. टी. सी./48, दिनांक 1 मई, 1948</p> <p>4. विगत वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी की गई अधिसूचना सं. 51-आई. टी. सी./50, दिनांक 15 नवम्बर, 1950</p> <p>5. वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी किया गया आदेश सं. 4/55, दिनांक 30 जून 1955</p> |
|--|--|

अनुसूची—5

(खण्ड—5 बरें)

आयात लाइसेंसों के लिए लागू अर्तें

1. निम्नलिखित शर्तें सभी आयात लाइसेंसों के लिए लागू होंगी :—

- (1) यदि किसी मामले में, लाइसेंसधारी द्वारा लाइसेंस में शामिल किसी माल के आयात के वित्तबान के लिए अपरिवर्तनीय साखपत्र खोला जाए, तो विदेशी माल के जिस प्राधिकृत व्यापारी के माध्यम से साख खोला जाए वह भी साख में शामिल माल की सीमा तक संयुक्त लाइसेंसधारी माना जाएगा।
- (2) लाइसेंस के मद्दे किए जाने वाले प्राधिकृत भूगतानों में भारत में आयातक/एजेंट को विदेशी संभरक/विनिर्माता द्वारा दिया गया कमीशन, बट्टा या छूट शामिल नहीं होंगे।

2. वास्तविक उपयोक्ताओं को "वास्तविक उपयोक्ता" शर्त के साथ जारी किए गए आयात लाइसेंसों के लिए निम्नलिखित शर्तें लागू होंगी :—

- (1) लाइसेंस के मद्दे अर्णत किए गए माल का उपयोग लाइसेंसधारी द्वारा केवल उसी उद्देश्य के लिए किया जाएगा जिसके लिए वह आयात किया गया था और उसका उपयोग उसी कारखाने, वाणिज्यिक प्रतिष्ठान, संस्थान, व्यावसायिक कार्यालय या अन्य सम्बद्ध परिसर में किया जाएगा जिसका पता उस आवेदनपत्र में दिया गया है जिसके मद्दे यह लाइसेंस दिया गया है। उस माल का कोई भी भाग किसी अन्य पार्टी को न तो हस्तान्तरित किया जाएगा, न उसके द्वारा उपयोग किया जाएगा और न ही किसी भी तरीके से उपयोग करने की अनुमति दी जाएगी;

लेकिन, जिस भौतल में वास्तव में आवश्यक होगा तो जब तक वास्तविक उपयोक्ता शर्त का पालन हो तब तक वह माल अन्य कारखाने में मर्यादित करवा जा सकता है या दूसरे प्रतिष्ठान में उपयोग के लिए रखा जा सकता है।

- (2) लाइसेंसधारी लाइसेंस के मद्दे आयातित माल की छपत और उपयोग का एक उचित लेखा निर्धारित प्रपत्र में और निर्धारित तरीके से रखेगा और उस लेख को लाइसेंस प्राधिकारी या अन्य सरकारी प्राधिकारी को ऐसे समय के भीतर प्रस्तुत करेगा जो उसके द्वारा निर्धारित किया गया हो।
- (3) सभी वास्तविक उपयोक्ता (औद्योगिक एकक) महानिदेशक तकनीकी विकास, नई दिल्ली को या सम्बद्ध प्रायोजक प्राधिकारी को उत्पादन का विवरण नियमित रूप से प्रस्तुत करेंगे।
- (4) वास्तविक उपयोक्ता (औद्योगिक एकक) महानिदेशक, तकनीकी विकास, नई दिल्ली को या सम्बद्ध प्रायोजक अधिकारी को और इलैक्ट्रिकल विभाग, नई दिल्ली (जो भी आयातित माल के लिए उपयुक्त हो) को अपने द्वारा आयातित पदों का ७५ प्रतिशत वार्षिक विवरण-पत्र भेजेगा।
- (5) यदि अनुसंधान और विकास एककों द्वारा किए गए आयातों का मूल्य किसी एक समय में एक लाख रुपये से अधिक हो तो सीमांशक कार्यालय के माध्यम से माल की निकासी के 30 दिनों के भीतर सभी अनुसंधान और विकास एककों को विज्ञान और प्रौद्यो-

गिकी विभाग को सूचित करना होगा। किसी
इलेक्ट्रानिक मय के बारे में उन्हें इलेक्ट्रानिक
विभाग, नई दिल्ली को भी सूचित करना चाहिए।

3. पूंजीगत माल के आयात के लिए जारी किए गए लाइसेंसों के लिए निम्नलिखित शर्तें लागू होंगी :--

(1) लाइसेंस के अन्तर्गत आयातित माल का उपयोग उस आवेदन-पत्र में दर्शाए गए पते पर लाइसेंसधारी की फैक्टरी में किया जाएगा जिसके मध्ये लाइसेंस जारी किया गया है और यह कि उसका कोई भी भाग न तो बेचा जाएगा, न किसी अन्य पार्टी को उसका उपयोग करने की अनुमति दी जाएगी और विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत व्यापारी बैंक और राज्य विदेशी निगम के अतिरिक्त अन्य किसी वित्त दाता के पास बन्धक नहीं रखा जाएगा, बशर्त कि बन्धक रखे जाने वाले माल का ब्यौरा लाइसेंसधारी द्वारा पहले ही लाइसेंस प्राधिकारी को भेज दिया गया हो।

(2) लाइसेन्सधारी द्वारा सांख्यिकी निदेशक, मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली को प्रत्येक वर्ष की 28 फरवरी और 31 अगस्त को लाइसेंस के मद्दे किए गए वास्तविक आयात और धन प्रेषण दर्शाते हुए इससे संलग्न अनुबन्ध में दिए गए प्रपत्र में एक अर्धवार्षिक विवरण पत्र भेजा जाएगा। जैसा कि बताया गया है प्रत्येक छमाही के लिए विवरण छमाही के समाप्त होने के 15 दिन की अवधि के भीतर भेजा जाएगा।

4. सरकारी संविदाओं के निष्पादन के लिए जारी किए गए आयात लाइसेंस इस शर्त के अधीन होंगे कि आयातित माल आपूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, रेलवे प्राधिकारियों अथवा रक्षा प्राधिकारियों, जैसा भी मामला हो, द्वारा किए गए आवेदन में निर्धारित तरीके से उपयोग में लाया जाएगा अथवा बेचा जाएगा अथवा उसका निपटान किया जाएगा, और आयातित माल लाइसेंस प्राधिकारियों की पूर्व अनुमति के बिना किसी भी अन्य प्रकार से उपयोग में नहीं लाया जाएगा अथवा उसका निपटान नहीं किया जाएगा ।

अनुसूची 5 का अनुबन्ध

प्रध्वंषादि समाप्ति पर उपयोग्यता रिपोर्ट

1. लाहुरेसधाररी का नाम और पता

दिन		मास		वर्ष	

--	--	--	--	--	--	--	--

[illegible][illegible][illegible][illegible]

2. प्रायातक का कोड

[illegible]

3. पूर्व और पश्चात् के क्रम के साथ आयात लाइसेंस की क्रम सं

[illegible]

परिशिष्ट 1 ख (जारी)

4. लाइसेंस जारी करने की तिथि

5. लाइसेंस का मूल्य (रु०) ०

[illegible][illegible]

--	--	--	--	--	--	--

अर्धवर्ष के दौरान उपयोग

क सीमा शुल्क प्रति

दिन महीना वर्ष

7.भारत की स्थिति					
-------------------------	---	---	---	---	---	---	--	--	--	--	--

8. प्रयुक्त मूल्य रु०

9. निकासी का पत्तन

10. रिपोर्ट के अधीन प्रत्येक वर्ष के अन्त में सीमा शुल्क प्रति के लाइसेंस में शेष प्रयुक्त नूतन (५०)

ख. विदेशी मुद्रा की प्रवायगी

* 11. रिपोर्ट के अधीन प्रत्येक वर्ष के दौरान साइसेस के मद् की गई छदावगी का विवरण .

--	--	--

* 12. रिपोर्ट के प्रथम छह वर्षों के दौरान लाइसेंस की मुद्रा नियंत्रण प्रति में शेष अप्रयुक्त मूल्य (₹०)

ग. दिग्ग मण्डलदेश

13 वर्ष-वर्ष में दिए गए आदेशों का मूल्य (र०)					
--	--	--	--	--	--

14 शेष मूल्य (र०)

परिशिष्ट 1 ख (जारी)

खोले गए साख-पत्र

दिन

मास

वर्ष

15 तिथि

--	--	--	--	--	--	--	--	--

16 खोले गए साख मूल्य (रु०)

--	--	--	--	--	--	--	--	--

17 शेष मूल्य रु०

--	--	--	--	--	--	--	--	--

18 सार्वसंगिक की वेधता अवधि की समाप्त होने की तिथि (तबोकरण की अवधि सहित यदि कोई है)

दिन

मास

वर्ष

समाप्ति की तिथि

--	--	--	--	--	--	--	--	--

मास

वर्ष

--	--	--	--	--	--	--	--	--

पुनर्बोधीकरण की अवधि

नोट :—कृपया एक खाने में केवल मात्राओं सहित एक शब्द या एक अंक भरें जैसे कि निदेशक, साक्षिकी मुख्य नियंत्रक आयात एवं निर्यात का कार्यालय उद्योग मंत्र, नई दिल्ली-110001 इस प्रकार भरा जाएगा।

नि	दे	श	क		सा	सि	य	की
----	----	---	---	--	----	----	---	----

मु	क	य		नि	यं	ज	क		भा	या	त
----	---	---	--	----	----	---	---	--	----	----	---

ए	वं		नि	यी	त		का	यी	ल	य
---	----	--	----	----	---	--	----	----	---	---

न	ई		वि	ह	जी		1	1	0	0	1	1
---	---	--	----	---	----	--	---	---	---	---	---	---

*उदाहरणार्थ 28-2-85 की समाप्त वर्ष-वार्षिक रिटर्न के लिए निम्न प्रकार से भरें :—

दिन

मास

वर्ष

2	8	0	2	8	5
---	---	---	---	---	---

*कृपया केवल वास्तव में की गई सवायगी का मूल्य दिखाएं खोले गए साखपत्र के मूल्य को इन खानों में दिखाने की आवश्यकता नहीं है ;

**वास्तविक सवायगी का शेष अग्रयुक्त मूल्य इस खाने में भरा जाए।

परिशिष्ट—1 ग

निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1977

भारत सरकार

वाणिज्य मंत्रालय

आदेश

निर्यात व्यापार नियंत्रण (सं. 1/77-ईटीसी)

नई दिल्ली, दिनांक 24 मार्च, 1977

एस. ओ. 254 (इ)—आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित आदेश की रचना करती है; अर्थात् :—

1. **सीमांत शीर्षक और प्रारम्भ**—(1) इस आदेश को निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1977 की संज्ञा दी जाए।

(2) यह 1 अप्रैल, 1977 से लागू होगा।

2. **परिभाषा**—इस आदेश में जब तक अन्यथा रूप से सन्दर्भ की आवश्यकता न हो :—

(क) “अधिनियम” का अर्थ है आयात और निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18);

(ख) “मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात” में अपर मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, निर्यात आयात, मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय में संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, सहायक नियंत्रक, आयात-निर्यात तथा निर्यात, आयात-निर्यात शामिल हैं।

(ग) “सीमा-शुल्क समाहर्ता” का वही अर्थ है जो सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) में नियत है;

(घ) “लाइसेंस” में निम्नलिखित शामिल हैं:—

(1) इस आदेश के अन्तर्गत पोतलदान बिल में किया गया लाइसेंस पृष्ठानक।

(2) इस आदेश के अन्तर्गत आबंटित माल के निर्यात के लिए कोटा, चाहे ऐसा आबंटन लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा किया गया हो या इस सम्बन्ध में लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा प्राधिकृत किसी भी अन्य अभिकरण द्वारा किया गया हो।

(ङ) “लाइसेंसधारी” का मतलब वह व्यक्ति है, जिसको इस आदेश के अन्तर्गत लाइसेंस प्रदान किया जाता है;

। “लाइसेंस प्राधिकारी” का मतलब है वह समर्थ प्राधिकारी जो इस आदेश के अन्तर्गत लाइसेंस प्रदान करता है;

। “अनुसूची” का मतलब है इस आदेश की अनुसूची;

(ज) “मूल्य” का मतलब वही है जो सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 के 52) की धारा 14 की उपधारा (1) में है।

3. **कुछ शर्तों के निर्यात पर प्रतिबन्ध**—(1) इस आदेश में अन्यथा रूप से जो दिया गया है, उसे छोड़ कर कोई भी व्यक्ति अनुसूची-1 में उल्लिखित विवरणों के किसी भी माल का निर्यात नहीं करेगा, किन्तु उनको छोड़ कर जिन्हें केंद्रीय सरकार या अनुसूची-2 में उल्लिखित अधिकारी द्वारा नियमानुसार लाइसेंस प्रदान किया गया हो।

(2) कोई भी व्यक्ति पाकिस्तान को किसी भी माल का निर्यात नहीं करेगा, लेकिन उनको छोड़ कर जिन्हें केंद्रीय सरकार द्वारा या अनुसूची-2 में उल्लिखित अधिकारी द्वारा नियमानुसार लाइसेंस प्रदान किया गया हो।

(3) उप-अनुच्छेद (1) और (2) में किसी बात के होते हुए भी अनुसूची-3 में विशिष्टीकृत माल का निर्यात उसमें उल्लिखित शर्तों को पूरा करने पर किया जा सकता है।

(4) यदि किसी भी मामले में यह पाया गया कि निर्यात किए जाने वाले माल का मूल्य, प्रकार, विशिष्टीकरण, किस्म और विवरण निर्यातक की घोषणा के अनुसार नहीं है या ऐसे माल की किस्म और विशिष्टीकरण निर्यात संविदा की शर्तों के अनुसार नहीं है तो ऐसे माल का निर्यात निषेध समझा जाएगा।

4. **लाइसेंस की शर्तें**—(1) इस आदेश के अन्तर्गत प्रदान किए गए लाइसेंस में इस तरह की शर्तें हो सकती हैं, जो इस अधिनियम या इस आदेश के अनुरूप न हों, परन्तु जिन्हें लाइसेंस अधिकारी उपयुक्त समझे।

(2) इसे प्रत्येक लाइसेंस के लिए एक शर्त के रूप में समझा जाएगा कि :—

(क) लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए लाइसेंस को कोई व्यक्ति हस्तान्तरित नहीं करेगा और न कोई व्यक्ति हस्तान्तरण द्वारा प्राप्त करेगा, किन्तु उन मामलों को छोड़ कर जिनमें उस प्राधिकारी की लिखित अनुमति मिल जाती है जिसने लाइसेंस प्रदान किया है या अन्य कोई व्यक्ति जो इस प्रकार के अधिकारी द्वारा उसकी ओर से ऐसा करने के लिए समर्थ बनाया गया है।

(ख) जिस माल के निर्यात के लिए लाइसेंस प्रदान किया जाता है वह माल निर्यात के समय लाइसेंसधारी की सम्पत्ति होगी।

(3) इस अनुच्छेद के अन्तर्गत रखी गई या रखी जाने वाली शर्तों का सभी लाइसेंसधारी पालन करेंगे।

5. लाइसेंस अस्वीकार करना :—लाइसेंस प्राधिकारी लाइसेंस देने से इनकार कर सकता है :—

- (क) यदि लाइसेंस के लिए दिया गया आवेदन-पत्र इस आदेश के किसी उपबन्ध के अनुसार नहीं है;
- (ख) यदि इस प्रकार के आवेदन-पत्र में किसी प्रकार का झूठा या जालसाजी करने या गुमराह करने वाला विवरण पाया जाता है;
- (ग) यदि आवेदक अपने आवेदन-पत्र के समर्थन में कोई ऐसा दस्तावेज प्रस्तुत करता है जो झूठा है या जाली है या जिसमें हेरफेर किया गया है;
- (घ) यदि लाइसेंस प्राधिकारी यह समझता है कि लाइसेंस प्रदान करना देश के हित में नहीं होगा;
- (ङ) यदि आवेदक के कार्य-कलाप राज्य के हित के प्रति-कूल हैं;
- (च) यदि आवेदक ने किसी सीमाशुल्क या विदेशी मुद्रा से सम्बन्धित किसी कानून (जिसमें कोई नियम, आदेश या अधिनियम शामिल है) का उल्लंघन किया है;
- (छ) यदि आवेदक ने किसी समय निर्यात लाइसेंस में कोई फेर-बदल की है या बिना लाइसेंस के माल निर्यात किया है या अपने वाणिज्यिक कार्यों में या किसी प्रकार से लाइसेंस प्राप्त करने में किसी भ्रष्ट या धोखेबाजी के कामों में भाग लिया है या यह पाया जाता है कि उसने लाइसेंसधारी को किसी प्रकार का प्रलाभन देकर या अन्य तरीके से लाइसेंस पाने के लिए याचना की है;
- (ज) यदि आवेदक के लिए लाइसेंस प्राप्त करने में आवेदक के किसी अभिकर्ता या कर्मचारी ने किसी भ्रष्ट या जालसाजी के कामों में भाग लिया है;
- (झ) यदि निर्यात लाइसेंस के लिए आवेदन-पत्र दोषपूर्ण पाया जाता है और निर्धारित नियमों के अनुसार नहीं पाया जाता है;
- (ञ) यदि आवेदक अधिनियम के अन्तर्गत बनाए या बनाए गए समझे जाने वाले किसी आदेश या इस प्रकार के किसी आदेश के अन्तर्गत दिए गए लाइसेंस की किसी शर्त का उल्लंघन करता है; या उल्लंघन करने का प्रयास करता है या उल्लंघन करने के लिए उकसाता है या निर्यात व्यापार नियंत्रण विनियमों को भंग करता है;
- (ट) यदि आवेदक निर्यात नियंत्रण विनियमों के अनुसार लाइसेंस के लिए पात्र नहीं है;
- (ठ) यदि लाइसेंस प्राधिकारी निर्यात को विशेष या विशिष्ट अभिकरणों से या सूत्रों के माध्यम से सरणीबद्ध करने का निश्चय करता है;

(ड) यदि आवेदक एक साक्षीदार फर्म में साक्षीदार है या उस प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी का पूर्ण समय के लिए निवेशक या प्रबन्ध निदेशक है जो कुछ समय के लिये अनुच्छेद 7 या अनुच्छेद 8 या अनुच्छेद 9 के अन्तर्गत कार्रवाई के अधीन है;

(ढ) यदि आवेदक अनुच्छेद 7 या अनुच्छेद 8 या अनुच्छेद 9 के अन्तर्गत थोड़े समय के लिए किसी कार्रवाई के अधीन है;

(ण) यदि आवेदक एक साक्षीदार फर्म में या प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी में कोई साक्षीदार या पूर्ण समय के लिए निवेशक या प्रबन्ध निवेशक हो या, जैसा भी मामला हो, थोड़े समय के लिए अनुच्छेद 7 या 8 या 9 के अन्तर्गत किसी कार्रवाई के अधीन है;

(त) यदि सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 के अन्तर्गत आवेदक से किसी प्रकार की धनराशि की मांग की जाती है या उक्त अधिनियम के अन्तर्गत किसी प्रकार का लगाया गया दण्ड 3 महीने की अवधि तक चुकाया नहीं गया है;

(थ) यदि आवेदक किसी प्रकार के उस दस्तावेज को प्रस्तुत करने में असमर्थ है जिसकी मांग मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात या लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा की जाती है; और

(द) यदि आवेदक, अधिनियम के अन्तर्गत उस पर अन्तिम रूप से लगाए गए जुर्माने को चुकाने में असफल रहता है।

6. लाइसेंस का संशोधन—लाइसेंस प्राधिकारी अपने स्वयं के प्रस्ताव पर या लाइसेंसधारी के आवेदन पर, इस आदेश के अन्तर्गत प्रदान किए गए लाइसेंस में ऐसा संशोधन कर सकता है, जो कि अधिनियम की या इस आदेश की या थोड़े समय के लिए लागू किसी अन्य कानून की व्यवस्थाओं के अनुरूप आवश्यक समझे या लाइसेंस में किसी प्रकार की गलती या भूल का सुधार कर सकता है;

बशर्ते कि लाइसेंस प्राधिकारी लाइसेंसधारी के अनुरोध पर लाइसेंस में निर्यात व्यापार नियंत्रण विनियमों के अनुसार किसी संगत तरीके से संशोधन करे।

7. लाइसेंस प्राप्त करने या माल निर्यात करने से वंचित करने का अधिकार—(1) केन्द्रीय सरकार या मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात लाइसेंसधारी को या निर्यातक या किसी अन्य व्यक्ति को निम्नलिखित सभी के लिए या इनमें से किसी के लिए वंचित कर सकते हैं; अर्थात् लाइसेंस प्राप्त करने से या किसी माल का निर्यात करने से वंचित कर सकते हैं और अन्य कोई कार्रवाई, जो इस सम्बन्ध में की जाए उसे ध्यान में रखे बिना यह निदेश दे सकता है कि उसे कोई लाइसेंस प्रदान नहीं किया जाएगा या इस आदेश के अन्तर्गत एक विशिष्टीकृत अवधि के लिए किसी माल के निर्यात के लिए उसे कोई अनुमति नहीं दी जाएगी :—

(क) यदि लाइसेंस के लिए उसका आवेदन-पत्र किसी समय इस आदेश की किसी व्यवस्था के अनुरूप नहीं पाया जाता है; या

- (ख) यदि इस प्रकार के आवेदन-पत्र में किसी प्रकार का झूठा, जाली या गुमराह करने वाला विवरण शामिल होता है; या
- (ग) यदि यह पाया जाता है कि उसने अपने आवेदन-पत्र के समर्थन में जो प्रलेख दिया गया है, वह झूठा है या जाली है या उनमें हेर-फेर किया हुआ है; या
- (घ) यदि उसने किसी समय निर्यात लाइसेंस में हेर-फेर किया है या लाइसेंस के बिना माल निर्यात किया है या वाणिज्यिक व्यवहार करने में या लाइसेंस प्राप्त करने में या किसी माल का निर्यात करने में भ्रष्ट या धोखेबाजी के काम में भाग लिया है, या यह पाया जाता है कि लाइसेंसधारी ने किसी प्रकार का प्रलोभन देकर या किसी अन्य तरीके से लाइसेंस पाने के लिए याचना की है;
- (ङ) यदि उसके अभिकर्ता या कर्मचारी में किसी भ्रष्ट या धोखेबाजी के काम में किसी लाइसेंस प्राप्त करने या उसका ओर से किसी माल का निर्यात करने में किसी धोखेबाजी के काम में भाग लिया है; या
- (च) यदि वह लाइसेंस में दी गई शर्तों या लाइसेंस में संलग्न किए गए आवेदन-पत्र में दी गई शर्तों में किसी शर्त का अनुपालन करने में असफल रहता है या उल्लंघन करता है या उल्लंघन करने का प्रयत्न करता है या उल्लंघन करने में सहायता देता है; या
- (छ) यदि वह सीमाशुल्क या माल के आयात और निर्यात या विदेशी मुद्रा में सम्बन्धित किसी कानून (इसमें कोई आदेश या विनियम शामिल है) को भंग करता है; या
- (ज) यदि वह मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात या किसी अन्य लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा मांगे गए दस्तावेज प्रस्तुत करने में असमर्थ रहता है।
- (झ) यदि वह अपने और अन्य पार्टियों के बीच में हुई निर्यात संधि का जान बूझ कर उल्लंघन करता है।

टिप्पणी : इस अनुच्छेद में, "लाइसेंस के लिए आवेदन-पत्र" में निर्यात व्यापार नियंत्रण विनियमों के अन्तर्गत दिया गया कोई भी आवेदन-पत्र शामिल है।

(2) केन्द्रीय सरकार या मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात लिखित रूप में विशेष आदेश द्वारा :—

(क) विवर्जित कर सकते हैं :—

- (1) उस व्यक्ति को जिसके सम्बन्ध में विदेशी मुद्रा संरक्षण एवं तस्करी कार्यकलाप निवारण अधिनियम, 1974 (1974 के 52) (जिसे इसके बाद अधिनियम, 1974 कहा गया है) के अधीन कारावास का आदेश दिया गया है, अथवा

- (2) एक साझेदार फर्म या प्राइवेट कम्पनी के ऐसे व्यक्ति को जो भागीदार हो या निदेशक या प्रबन्ध निदेशक जैसा भी मामला हो, लाइसेंस प्राप्त करने से या माल का निर्यात करने से; और

(ख) ऐसे व्यक्ति साझेदारी की फर्म या कम्पनी के विरुद्ध जो अन्य कार्रवाई की जा सकती है, उसको ध्यान में रखे बिना यह आदेश दे सकते हैं कि ऐसे विशेष आदेश में जो अवधि निर्धारित की जाए उसके लिए ऐसे व्यक्ति, साझेदारी की फर्म या कम्पनी को कोई माल निर्यात करने के लिए कोई लाइसेंस या अनुमति नहीं दी जाएगी : बशर्ते कि ऐसा विशेष आदेश ऐसे व्यक्ति/साझेदारी की फर्म या कम्पनी जिसका यह व्यक्ति पूरे समय के लिए प्रबन्ध निदेशक या निदेशक जो भी हो, के विरुद्ध तब लागू नहीं होगा जबकि ऐसे व्यक्ति के विरुद्ध दिया गया कारावास का आदेश—

- (1) वह कारावास का आदेश हो जिसके लिए अधिनियम, 1974 के खण्ड 9 या खण्ड 12-क के प्रावधान लागू न होते हों और वह उस अधिनियम के खण्ड 8 के अन्तर्गत सलाहकार बोर्ड की रिपोर्ट पर रद्द कर दिया गया हो या सलाहकार बोर्ड की रिपोर्ट प्राप्त होने से पहले रद्द कर दिया गया हो या सलाहकार बोर्ड को सन्दर्भ भेजने से पहले रद्द कर दिया गया हो; या

- (2) वह आदेश कारावास का ऐसा आदेश हो जिसके लिए अधिनियम, 1974 के खण्ड 9 के प्रावधान लागू होते हों, परन्तु वह उस अधिनियम के खण्ड 9, उप-खण्ड (2) के साथ पढ़े जाने वाले खण्ड 8 के अन्तर्गत सलाहकार बोर्ड की रिपोर्ट के आधार पर या खण्ड 9 के उप-खण्ड (3) के अन्तर्गत जांच के आधार पर समय की समाप्ति से पहले रद्द कर दिया गया हो; या

- (3) वह कारावास का ऐसा आदेश हो जिसके लिए अधिनियम, 1974 के खण्ड 12-क के प्रावधान लागू हों और वह उस खण्ड के उप-खण्ड (3) के अन्तर्गत प्रथम जांच के आधार पर या उस अधिनियम के खण्ड 12-क के उप-खण्ड (6) के साथ पढ़े जाने वाले खण्ड (8) के अन्तर्गत सलाहकार बोर्ड की रिपोर्ट के आधार पर समय की समाप्ति से पहले रद्द कर दिया गया हो; या

- (4) समर्थ क्षेत्राधिकार के न्यायालय द्वारा वह रद्द कर दिया गया हो।

- (3) केन्द्रीय सरकार या मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात लाइसेंसधारी या निर्यातक या किसी अन्य व्यक्ति को लाइसेंस प्राप्त करने या किसी माल का निर्यात करने से रोक सकते हैं और जो इस सम्बन्ध में उनके विरुद्ध कोई भी कार्रवाई की जा सकती है उसको ध्यान में रखे बिना यह निदेश दे सकते हैं कि ऐसे व्यक्ति को इस आदेश के अन्तर्गत एक विशिष्ट अवधि के लिए माल का निर्यात करने के लिए कोई लाइसेंस प्रदान नहीं किया जाएगा या

अनुमति नहीं दी जाएगी, यदि केन्द्रीय सरकार या मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के विचार में—

- (क) ऐसा लाइसेन्सधारी, निर्यातक या अन्य व्यक्ति; या
- (ख) जहाँ ऐसा लाइसेन्सधारी, निर्यातक या अन्य व्यक्ति एक साझेदारी फर्म या लिमिटेड कंपनी में कोई साझेदार या पूर्ण समय के लिए जैसा भी मामला हो संचालक या प्रबन्ध संचालक हो; या
- (ग) जहाँ ऐसा लाइसेन्सधारी, आयातक या अन्य व्यक्ति एक साझेदारी फर्म में साझेदार या लिमिटेड कंपनी; पूर्ण साझेदारी फर्म या लिमिटेड कंपनी का पूर्ण समय के लिए, जैसा भी मामला हो, संचालक या प्रबन्ध संचालक हो; और

(1) ऐसा लाइसेन्सधारी, निर्यातक या अन्य व्यक्ति या साझेदार या पूर्ण समय के लिए संचालक या प्रबन्ध संचालक या ऐसी साझेदारी फर्म या लि. कंपनी, जैसा भी मामला हो, प्रदान किए गए किसी निर्यात लाइसेन्स या आवंटित कोटे का उपयोग करना या पूर्णतया उपयोग करने में बिना यथेष्ट कारण के असफल रहा हो; या

(2) उसने आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955, की कड़िका 8 के उप-अनुच्छेद (3) के पैरा (1) में उल्लिखित कोई गलत कार्य किया हो।

8. लाइसेन्सों की मंजूरी निलम्बित करने या माल निर्यात करने की अनुमति के लिए अधिकार—केन्द्रीय सरकार या मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात उस लाइसेन्सधारी या निर्यातक या अन्य व्यक्ति को लाइसेन्सों की मंजूरी देने या माल निर्यात करने से निलम्बित कर सकते हैं जिसके विरुद्ध धारा 7 में उल्लिखित एक या अधिक अभियोगों की जांच चल रही हो; वह कार्रवाई उस अन्य कार्रवाई से अतिरिक्त होगी जो इस सम्बन्ध में की जा सकती है;

बशर्त कि लाइसेन्स मंजूर करना या माल के निर्यात के लिए अनुमति देना साधारणतः 12 महीनों की अवधि से अधिक के लिए इस धारा के अन्तर्गत निलम्बित नहीं किया जाएगा;

आगे यह भी शर्त होगी कि निलम्बन हटाने पर उसकी ऐसी शर्तों और प्रतिबन्धों के अधीन निलम्बन की अवधि के लिए लाइसेन्स प्रदान किया जा सकता है जो कि पूर्वोक्त प्राधिकारी द्वारा सम्बन्धित आर्थिक तथ्यों का ध्यान में रख कर तय की जाए।

9. निर्यात किए जाने वाले माल के लिए आवेदन-पत्रों को आस्थगन में रखना—उन मामलों में जहाँ लाइसेन्सधारी या निर्यातक या किसी भी अन्य व्यक्ति के विरुद्ध परिच्छेद 7 में उल्लिखित आरोपों में किसी भी आरोप के लिए जांच पड़ताल करना बाकी है और जहाँ केन्द्रीय सरकार या मुख्य नियंत्रक,

आयात-निर्यात इस प्रकार के आरोपों के सम्बन्ध में और विस्तृत जानकारी का पता लगाए बिना ही संतुष्ट हो जाता है कि लाइसेन्स प्रदान करना या माल का निर्यात करने के लिए स्वीकृति प्रदान करना सार्वजनिक हित में नहीं है तो इस आदेश में निहित किसी भी बात के होते हुए भी केन्द्रीय सरकार या मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात ऐसे व्यक्ति को लाइसेन्स प्रदान करने के लिए या माल का निर्यात करने के लिए उसके किसी भी आवेदन-पत्र को, कोई भी कारण बतलाए बिना ही इस सम्बन्ध में की जाने वाली किसी भी अन्य कार्रवाई को ध्यान में रखे बिना ही, आस्थगन में रख सकता है :

बशर्त कि इस परिच्छेद के अन्तर्गत ऐसे लाइसेन्स के लिए मंजूरी देने या माल के निर्यात के लिए अनुमति देने की निलम्बन अवधि साधारणतः 6 महीने से अधिक नहीं होगी।

10. परिच्छेद 7 अथवा 8 के अन्तर्गत की गई कार्रवाई का प्रचार :—

(1) यदि केन्द्रीय सरकार के विचार में यह आवश्यक है या सार्वजनिक हित को ध्यान में रखते हुए यह उचित है कि परिच्छेद 7 या 8 के अन्तर्गत किसी व्यक्ति या व्यक्तियों जिन के विरुद्ध कार्रवाई की गई है, के नामों या अन्य व्यौरों को प्रकाशित किया जाए तो जैसा भी वह उचित समझे ऐसे व्यक्ति या व्यक्तियों के समूह के नाम को और ऐसे व्यौरों को प्रकाशित करा सकती है या प्रकाशित कराने का कारण बन सकती है।

(2) उप-परिच्छेद (1) के अन्तर्गत ऐसी किसी कार्रवाई के सम्बन्ध में कोई भी प्रकाशन तब तक नहीं किया जाएगा जब तक कि अपील सुनने वाले प्राधिकारी को अपील प्रस्तुत किए बिना अपील प्रस्तुत करने का समय बीत न गया हो या अगर अपील प्रस्तुत की गई हो तो अपील निपटा न दी गई हो।

व्याख्या :— फर्म, कंपनी या व्यक्तियों की अन्य संस्था के मामले में, फर्म के साझेदारों, संचालकों, प्रबन्ध एजेंटों, सचिवों और कोषाध्यक्षों या कंपनी के प्रबन्धकों या संस्था के सदस्यों, जैसा भी मामला हो, के नाम भी प्रकाशित किए जा सकते हैं बशर्त कि केन्द्रीय सरकार के विचार में मामले की परिस्थितियों इसे न्याय संगत ठहराए।

11. लाइसेन्सों को रद्द करना—(1) केन्द्रीय सरकार या मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात या उस की ओर से प्राधिकृत कोई अन्य अधिकारी इस आदेश के अन्तर्गत प्रदान किए गए किसी भी लाइसेन्स को रद्द कर सकता है या अन्यथा रूप से उसे अप्रभावी कर सकता है :—

(क) यदि लाइसेन्स भूल या गलती से प्रदान किया गया है या जालसाजी या मिथ्या निरूपण से प्राप्त किया गया है,

(ख) यदि लाइसेन्स, नियमों या इस आदेश की शर्तों के प्रतिकूल प्रदान किया गया है,

(ग) यदि लाइसेन्सधारी ने लाइसेन्स की शर्तों में से किसी भी शर्त का उल्लंघन किया है,

(घ) यदि केन्द्रीय सरकार या ऐसा अधिकारी इस बात से संतुष्ट हो कि लाइसेंस उस उद्देश्य की पूर्ति नहीं करेगा जिम के लिए वह प्रदान किया है, या

(ङ) यदि लाइसेंसधारी ने सीमाशुल्क से संबंधित किसी कानून या माल के आयात-निर्यात से संबंधित किन्हीं नियमों या विनियमों या विदेशी मुद्रा के विनियमों से संबंधित किसी कानून का उल्लंघन किया हो :

इसकी शर्त यह भी है कि इस आदेश में कोई बात निहित होते हुए भी केन्द्रीय सरकार या मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात या उसकी ओर से प्राधिकृत कोई अन्य अधिकारी यदि इस बात से संतुष्ट है कि लाइसेंस को रद्द करना या उसे अप्रभावी करना सार्वजनिक हित में है तो वह कोई भी कारण बताए बिना ही ऐसा कर सकता है।

(2) केन्द्रीय सरकार या मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात या उसकी ओर से प्राधिकृत कोई अन्य अधिकारी इस आदेश के अंतर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों को प्रदान किए गए किसी भी लाइसेंस को लिखित रूप में विशेष आदेश द्वारा अप्रभावी कर सकता है :—

(क) ऐसा व्यक्ति जिम के संबंध में अधिनियम 1974 के अंतर्गत कारावास का आदेश दिया गया हो; या

(ख) एक साझेदारों की फर्म या प्राइवेट लि. कम्पनी जिसका ऐसा व्यक्ति साझेदार या पूर्ण समय के लिए निदेशक या प्रबंध निदेशक हो।

शर्त यह है कि ऐसे व्यक्ति के संबंध में या साझेदारी फर्म या कंपनी, जो भी हो, जिसका ऐसा व्यक्ति साझेदार या संचालक हो, के संबंध में ऐसा विशेष आदेश, उस समय अपना कोई प्रभाव नहीं रखेगा जब कि ऐसे व्यक्ति के विरुद्ध दिया गया कारावास का आदेश :—

(1) कारावास का ऐसा आदेश हो जिस के लिए अधिनियम 1974 के अनुच्छेद 9 या अनुच्छेद 12-क के प्रावधान लागू न होने के कारण उसे उक्त अधिनियम के अनुच्छेद 8 के अधीन सलाहकार बोर्ड की रिपोर्ट के आधार पर या सलाहकार बोर्ड की रिपोर्ट की प्राप्ति से पहले या सलाहकार बोर्ड को संदर्भ भेजने से पहले रद्द कर दिया गया हो; या

(2) कारावास का ऐसा आदेश हो जिसके लिए अधिनियम 1974 की धारा 9 की शर्त लागू होती हो, और वह धारा 9 की उपधारा (3) के अंतर्गत प्रथम पन-विचार के लिए दिए गए समय की समाप्ति से पहले या प्रथम पन-विचार के आधार पर या इस अधिनियम की धारा 9 की उपधारा (2) के साथ पढ़ी जाने वाली धारा 8 के अंतर्गत सलाहकार बोर्ड की रिपोर्ट के आधार पर रद्द कर दिया गया हो; या

(3) कारावास का ऐसा आदेश हो जिस के लिए अधिनियम 1974 की धारा 12क की शर्त लागू होती हो और वह इस धारा की उपधारा (3) के अंतर्गत प्रथम पन-विचार के लिए दिए गए समय की समाप्ति से पहले या प्रथम पन-विचार के आधार पर या इस अधिनियम की धारा 12क की उपधारा

(6) के साथ पढ़ी जाने वाली धारा के अंतर्गत सलाहकार बोर्ड की रिपोर्ट के आधार पर रद्द कर दिया गया हो; या

(4) कारावास का ऐसा आदेश हो जो सक्षम न्याय अधिकारी के न्यायालय द्वारा रद्द कर दिया गया हो।

12. लाइसेंसधारी आदि को सुनवाई के लिए सूचनाएं प्रदान करना :—

(1) अनुच्छेद 6 या उपधारा (1) या अनुच्छेद 7 की उपधारा 3 या अनुच्छेद 8 या अनुच्छेद 11 की उपधारा (1) के अंतर्गत लाइसेंसधारी या निर्यातक या किसी अन्य व्यक्ति के विरुद्ध तब तक कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी जब तक कि उसे सुनवाई का उचित सूअवसर प्रदान न कर दिया गया हो।

(2) यदि किसी मामले में अनुच्छेद 7 या 8 या अनुच्छेद 11 की उपधारा (1) के उस मामले को छोड़कर जिस में उस के परन्तक के अंतर्गत रद्द करने का आदेश दिया गया हो, के अंतर्गत की गई कार्रवाई से कोई व्यक्ति संतुष्ट नहीं है तो वह कार्रवाई के पत्र की तिथि से 30 दिनों के भीतर ऐसी कार्रवाई के विरुद्ध ऐसे प्राधिकारी से अपील कर सकता है जिसे केन्द्रीय सरकार सरकारी राजपत्र में अधिसूचना द्वारा अपील सुनने के लिए निर्धारित करे।

13. निर्यात किए गए माल के मूल्य, किस्म, गुण आदि की घोषणा :—

किसी सीमा शुल्क पत्रन से किसी भी माल का निर्यात करने पर चाहे वह माल सीमा-शुल्क के अधीन हो या नहीं उस माल का मालिक या निर्यातक अपने ज्ञान और विश्वास के अनुसार पोत लदान बिल में या अन्य संगत दस्तावेज में उस माल के मूल्य, किस्म, विशिष्टीकरण गुण और विवरण का उल्लेख करेगा और यह प्रमाणित करेगा कि इन दस्तावेजों में उल्लिखित माल की किस्म और विशिष्टीकरण उसी निर्यात संविदा के अनुसार है जो कंता और माल के परेषक के बीच की गई है और जिसके अनुसरण में माल का निर्यात किया जा रहा है और ऐसे उल्लेख की घोषणा की मच्चाई में ऐसे बिल या अन्य दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करेगा।

14. किसी घोषणा, विवरण पत्र या दस्तावेजों को तैयार करने, उन पर हस्ताक्षर आदि करने के संबंध में निषेध :—

(1) लाइसेंस प्राप्त करने में या किसी माल का निर्यात करने में कोई भी व्यक्ति किसी घोषणा पत्र, विवरण पत्र या दस्तावेज पर यह जानते हुए या विश्वास रखते हुए न तो हस्ताक्षर करेगा और न हस्ताक्षर करने का कारण उत्पन्न करेगा कि ऐसे घोषणा पत्र, विवरणपत्र या दस्तावेज में कोई विशेष बात झूठी है।

(2) कोई भी व्यक्ति किसी भी लाइसेंस को प्राप्त करने या किसी भी माल का निर्यात करने में भ्रष्ट या कपटपूर्ण तरीकों का प्रयोग नहीं करेगा।

14-क. मुख्य नियंत्रक, या अपर मुख्य नियंत्रक को संशोधन करने का अधिकार :—

मुख्य नियंत्रक या अपर मुख्य नियंत्रक अपनी जर्नी के या किसी अन्य प्रकार से किसी भी ऐसी कार्रवाई का रिकार्ड बनाकर जिसमें अधीनस्थ अधिकारी द्वारा धारा 7 की उपधारा (1) या उपधारा (3) अधिनियम, धारा 11 की उपधारा (1) के अंतर्गत विमर्शित करने की कार्रवाई की गई हो और जिस में खिलाफ कोई भी अपील नहीं की गई हो ऐसी कार्रवाई को सहीपन, कानूनी वैधता या अहित्य का अपनी संतुष्टि के लिए परीक्षण कर सकते हैं और उस पर जैसा भी उचित समझे आदेश दे सकते हैं :

बशर्ते कि इस उप-धारा के अंतर्गत की गई कार्रवाई में ऐसी विविधता नहीं होगी जिससे किसी व्यक्ति पर उत्का प्रतिकूल असर पड़े जब तक कि ऐसे व्यक्ति को :—

- (क) ऐसी कार्रवाई करने की तिथि से दो वर्षों के भीतर यह पूछते हुए कारण बताओ नोटिस प्राप्त न हुआ हो कि ऐसी कार्रवाई में परिवर्तन क्यों न कर दिया जाए; और
- (ख) यदि उसने अपने बचाव की इच्छा व्यक्त की है और बचाव के लिए समय चाहता है तो उसे अभ्यावेदन करने का और व्यक्तिगत सुनवाई के लिए सुनवाई प्रदान न किया गया हो।

15. बचबाव :—निम्नलिखित को लिख आदेश में से कुछ भी लागू नहीं होगा :—

- (क) केन्द्रीय सरकार के प्राधिकार के अधीन निर्यात किया गया कोई भी माल;
- (ख) मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात द्वारा जारी किए गए निर्यादन अनुबंधों में शामिल कोई भी माल;
- (ग) बाहर जाने वाले किसी जलबान या अन्य वाहन के भंडार या उपस्कर के रूप में कोई भी माल, किन्तु भोजन सामग्री से मिले;
- (घ) भारत से बाहर जाने वाले किसी भी व्यक्ति (बाहर जाने वाले किसी जलबान या वाहन में सवारी या दल के सदस्य को छोड़कर) के वास्तविक निजी नाविक असबाब में शामिल कोई भी माल;

वर्त यह है कि अनुसूची 1 के भाग "क" में विनिर्दिष्ट जंगली जीव (मृत या जीवित या उनके अंग या उनके उत्पाद) ऐसे निजी असबाब में शामिल नहीं किए जाएंगे :—

- (ङ) डाक प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए पोस्टल नोटिस में विनिर्दिष्ट शर्तों के अंतर्गत डाक

द्वारा या वायुयान द्वारा निर्यात किया गया कोई भी माल;

- (च) भारत के पत्तन पर वाहनान्तरित कोई भी माल जब कि वह भारत से बाहर के पत्तन में प्रेषण के समय ऐसे वाहनान्तरण के लिए माल सूची में लिख दिया गया हो;
- (छ) आयात किया हुआ और भारत पहुंचने पर नेपाल और भूटान के अतिरिक्त भारत से बाहर किसी भी देश को पुनःनिर्यात के लिए आवद्ध कोई भी माल;

- (ज) यात्रा में डाक द्वारा भारत से होकर कोई भी माल या नेपाल और भूटान को छोड़कर भारत से बाहर किसी भी गन्तव्य स्थान को डाक द्वारा भेजा गया कोई भी माल बशर्ते कि भारत में रहते समय-ऐसा माल सदैव डाक प्राधिकारियों के संरक्षण में रहा हो।

- (झ) वैध आयात लाइसेंस के बिना आयात किया गया और प्राधिकृत सीमा-शुल्क अधिकारी द्वारा निर्यात के लिए दिए गए आदेश के अनुसार निर्यात किया गया कोई भी माल;

- (ञ) कानूनी मुक्त व्यापार क्षेत्र में विनिर्दिष्ट और जहां से निर्यात किए गए उत्पाद;

(ट) निदेशक, राष्ट्रीय रक्त ग्रुप संदर्भ प्रयोगशाला बम्बई द्वारा बैथानिक अनुसंधान या आपात कालीन रोगों पर उपचार के लिए मानवता के आधार पर जीवन रक्षा के उपायों के रूप में रक्त ग्रुप को (बम्बई फोनोटाइप) का निर्यात उन के द्वारा इस विषय में प्रत्येक मामले में जारी किए गए विनिर्दिष्ट प्रमाणपत्र के आधार पर।

16. निर्यात :—समय-समय पर यथासंशोधित एम. जी. 927 दिनांक 8 मार्च, 1968 के अंतर्गत भारत सरकार, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के आदेश से प्रकाशित किया गया निर्यात (निर्यात) आदेश, 1968 एतद् द्वारा रद्द किया जाता है :—

वर्त यह है कि उपर्युक्त आदेश का अधिस्तथान की शर्तों में किसी एक शर्त के अन्तर्गत किए गए किसी भी फैसले या जारी किए गए किसी भी लाइसेंस सहित कोई भी बात या कार्रवाई इस आदेश की तदनुसूची शर्तों के अन्तर्गत ही की गई समझी जाएगी।

टिप्पणी :—निर्यात (निर्यात) आदेश, 1977 के एक भाग के रूप में अनुसूची 1 से 3 को यहां पुनः उद्धृत नहीं किया गया है। ये आयात निर्यात नीति 1985-88 (खण्ड-11) में दर्शाई गई है।

परिशिष्ट-1ब

असमान नियम 1978

(अधिसूचना सं. 213-सीमा, दिनांक 13-11-1979,
सं. 247-सीमा, दिनांक 26-12-1980 और अधिसूचना सं.
57/83-सीमा, दिनांक 1-3-1983 द्वारा संशोधित)

भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

राजस्व विभाग

नई दिल्ली

दिनांक 16 मई, 1978

26 मई, 1900 (साका)

अधिसूचना

सीमा शुल्क

जी. एस. आर. सं. 290 (डि)-सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 के 52) की धारा 79 की उपधारा (2) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए और सामान नियमावली, 1970 और श्री लंका सामान नियमावली, 1930 का अधिभरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा नेपाल को छोड़कर किसी भी अन्य देश से जाने वाले यात्रियों (पर्यटकों को छोड़कर) को सीमा शुल्क की वसुली के बिना सामान का आयात करने की अनुमति देने के निम्नलिखित नियमों का निर्माण करती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम, आरम्भ :

(1) यह नियमावली, सामान नियमावली, 1978 कहलायेगी।

(2) यह नियमावली, तत्काल से लागू होगी।

2. प्रयुक्त व्यक्तिगत सामान—व्यक्तिगत पहनावे की प्रयुक्त वस्तुएँ (गहनों को छोड़कर लेकिन केवल एक हाथ की घड़ी) जिसका मूल्य 500 रुपये से अधिक न हो, शामिल है (और जीवन की दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिये यात्री के व्यक्तिगत प्रयोग में जाने वाली वस्तुओं को बिना शुल्क के स्वीकृति दी जाए।)

3. सामान्य निष्काशक भत्ता—नियम 2 में विनिर्दिष्ट वस्तुओं के अतिरिक्त और नियम 0 की शर्तों के अनुसार 12 वर्ष और इससे अधिक उम्र के एक यात्री को वस्तुओं को बिना शुल्क के आयात करने के लिए निम्नलिखित में स्वीकृति दी जा सकती है :—

(क) तीन सौ रुपये मूल्य तक, श्रीलंका और मालदीव से जाने वाले यात्री के मामले में, और

(ख) एक हजार दो सौ पचास रुपये मूल्य तक, श्रीलंका या मालदीव या नेपाल से भिन्न देश से जाने वाले यात्री के मामले में, यदि उपयुक्त प्राधि-

कारी संतुष्ट हो जाए कि ऐसी वस्तुएँ यात्री के उसके परिवार के उपयोग के लिए हैं या उपहार का निशानी के रूप में देने के लिए हैं।

(1) 12 वर्ष से कम आयु के यात्री को शुल्क मुक्त वस्तुओं का आयात करने की अनुमति, इन मामलों में दी जा सकती है :—

(क) पचाहत्तर रु. मूल्य तक, श्रीलंका या मालदीव से जाने वाले यात्रियों के मामले में; और

(ख) तीन सौ रुपये मूल्य तक, श्रीलंका या मालदीव या नेपाल से भिन्न देश से जाने वाले यात्री के मामले में,

(11) हवाई जहाज से यात्रा करने वाले यात्री के मामले में जो मुफ्त या रियायती टिकट पर यात्रा करते हैं और भारत से बाहर श्रीलंका, मालदीव या दोनों में 10 दिनों से कम ठहरने के पश्चात् भारत में लौटते हैं, ऐसे व्यक्ति यात्री के मामले में 30 रु. मूल्य तक की वस्तुएँ और साढ़े सात रु. की वस्तुएँ ऐसे यात्रियों के मामले में जो 18 वर्ष की आयु से कम हों उन्हें प्रत्येक दिन भारत से बाहर रहने पर शुल्क मुक्त आयात करने की अनुमति दी जाएगी, और

(111) हवाई जहाज से यात्रा करने वाले यात्री के मामले में जो मुफ्त या रियायती टिकट से यात्रा करता है और दस दिनों से कम भारत से बाहर श्रीलंका या मालदीव या नेपाल से भिन्न देश में ठहरने के पश्चात् भारत लौटता है उसे भारत से बाहर प्रत्येक दिन ठहरने पर ऐसे व्यक्ति यात्री के मामले में एक सौ पच्चीस रुपये मूल्य तक और 18 वर्ष से कम आयु के यात्री के मामले में 30 रु. मूल्य तक की वस्तुओं का शुल्क मुक्त आयात करने की अनुमति दी जाएगी।

स्पष्टीकरण:—इस प्रावधान के प्रयोजनार्थ, “रियायती टिकट” का अर्थ उस टिकट से है जो 75 प्रतिशत या उससे अधिक की रियायत देने के बाद जारी किया गया है।

4. प्रयुक्त वस्तुओं के लिए अतिरिक्त भत्ता :— उस यात्री के सम्बन्ध में जो तीन मास से अधिक अवधि के लिये विदेश में अपने व्यवसाय के लिये लगा हो, उसे घरेलू कार्य चलाने के लिये वास्तव में प्रयुक्त वस्तुएँ जैसे लिनन, बर्तन, मेज, पर रखने वाले बर्तन, रसोईघर के उपकरण और इस्त्री जिनका कुल मूल्य 1000/- रुपये हो, का आयात करने की स्वीकृति दी जा सकती है।

4(क) यात्रियों की कुछ श्रेणियों के संबंध में प्रयुक्त व्यक्तिगत सामान और घरेलू वस्तुओं के लिए अतिरिक्त भत्ता :—(1) पारम्परिक उद्दिष्ट, 1967 (1967 का 15) के अधीन जारी किए गए वैध पासपोर्ट के धारक उस यात्री के मामले में जो विदेश में एक साल की अवधि से कम न रहा हो और उसके लिये भारत में लौट रहा हो, उसका कुल पांच हजार रुपये तक के व्यक्तिगत सामान और घरेलू वस्तुओं के लिए जो विदेश में दस से कम 6 मास की अवधि तक उस को या उसके

परिवार के पास रही हों और उसके द्वारा या उसके परिवार के द्वारा वहां उपयोग में लाई गई हों वे निम्नलिखित शर्तों के अधीन किसी भी सीमा शुल्क कर के बिना आयात की जा सकती हैं :—

- (1) ऐसा यात्री जो कम से कम एक वर्ष की अवधि से विदेश में कार्य कर रहा हो और वह उस कार्य को समाप्त करके भारत में लौट रहा हो;
- (2) ऐसा यात्री घोषणा द्वारा इस बात की पुष्टि करे कि विषयाधीन सामान विदेश में कम से कम 6 मास की अवधि के लिए या उसके या उसके परिवार के पास रहा है और उसका उपयोग उसके या उसके परिवार द्वारा किया गया है और ऐसे माल की जांच करने पर सम्बन्धित परिस्थितियां विपरीत नहीं पाई जाती हों।

(2) इस नियम में निहित कोई भी बात निम्नलिखित वस्तुओं के लिए लागू नहीं होगी :—

- (क) मोटर साइकिल, स्कूटर या मोपिड,
- (ख) वातानुकूलक
- (ग) प्रशीतक और डीप फ्रीजर्स
- (घ) अग्न्यस्त्र
- (ङ) 200 से अधिक सिगरेट या 50 से अधिक सिगार या 250 ग्राम से अधिक तम्बाकू, और
- (च) 0.95 लिटर से अधिक अल्कोहलिक लिकर

5. व्यवसायिक उपस्कर के लिए भत्ता :—एक यात्री जो विदेश में 3 महीने से अपना व्यवसाय कर रहा हो उसे ऐसे सुवाह्य उपस्कर, औजार, यन्त्र और साधन आदि जो साधारणतः ऐसे व्यवसाय में अर्पित हों, के लिये 5000 रुपये मूल्य तक बिना किसी कर के आयात करने का अनुमति दी जा सकती है।

बशर्ते कि सामान्य उपयोग की वस्तुएं जैसे कैमरा, टंकण मशीन, कॅसेट रिकार्डर और डिक्टाफोन के निःशुल्क आयात की अनुमति इस नियम के अन्तर्गत नहीं दी जाएगी।

6. आभूषण :—उस यात्री के वास्तविक उपयोग के लिये गहने जो बाहर के देश में एक वर्ष से अधिक से रह रहा हो, पुरुष यात्री होने के मामले में 1500 रुपये के कुल मूल्य तक के सामान और स्त्री यात्री होने के मामले में 3000 रुपये के कुल मूल्य तक के सामान को बिना किसी शुल्क के अनुमति प्रदान की जा सकती है।

7. साथ न लाया गया सामान :—(1) इन नियमों में निर्धारित शर्तों और प्रतिबंधों के अधीन, उपयुक्त अधिकारी भारत में यात्री के पहुंचने के पश्चात् साथ न लाये गये वास्तविक सामान के लिये बिना किसी शुल्क के या शुल्क के साथ आयात की स्वीकृति दे सकता है यदि यह सामान विदेश में उसके पास था और जो यात्री के भारत में पहुंचने के एक महीने के भीतर पोतलदान किया गया था या जो 15 दिनों के भीतर हवाई जहाज द्वारा प्रेषित किया गया था।

किन्तु यदि सहायक सीमा शुल्क समाहर्ता या सीमा शुल्क समाहर्ता, जैसा भी मामला हो, को यह सन्तुष्ट हो जाये कि बावजूद सभी उचित प्रयासों के यात्री अपने साथ न लाये गये वास्तविक सामान का उपयुक्त अवधि के भीतर पोतलदान नहीं कर सका या प्रेषित नहीं कर सका तो सहायक सीमा शुल्क समाहर्ता जैसा भी मामला हो, एक महीने की समय सीमा अवधि को तीन मास तक बढ़ा सकता है या 15 दिनों की अवधि को बढ़ाकर दो मास कर सकता है और सीमा शुल्क समाहर्ता बांध किसी भी समय तक समय सीमा बढ़ा सकता है।

(2) यात्री के भारत में पहुंचने से पहले किसी भी सीमा शुल्क स्टेशन पर दो महीने के भीतर उतरने हुए वास्तविक सामान के लिए उपयुक्त अधिकारी द्वारा इन नियमों में निर्धारित शर्तों और प्रतिबंधों के अधीन निःशुल्क आयात की स्वीकृति दी जा सकती है :

बशर्ते कि सहायक सीमा शुल्क समाहर्ता या सीमा शुल्क समाहर्ता जैसा भी मामला हो, लिखित रूप में रिकार्ड किए जाने वाले कारणों से सन्तुष्ट हो जाता है कि यात्री को उक्त दो मास की अवधि के भीतर भारत में पहुंचने से उन्हें उन कारणों से रोके लिया गया था जो उनके नियंत्रण से बाहर हैं, जैसे यात्री के या उसके परिवार के सदस्य का अचानक बीमार हो जाना, या प्राकृतिक आपदाएं आ जाना, असामान्य परिस्थितियां आ जाना, या देश में या सम्बन्धित देशों में परिवहन या यात्रा व्यवस्थाओं में बाधाएं आ जाना या अन्य कोई भी कारण जिनके आधार पर यात्री की निर्धारित यात्रा में परिवर्तन करना आवश्यक समझा जाए, तो 2 मास की समय सीमा को—

- (1) सहायक सीमा शुल्क समाहर्ता द्वारा बढ़ाकर चार मास तक किया जा सकता है, और
- (2) सीमा शुल्क समाहर्ता द्वारा एक वर्ष तक बढ़ाया जा सकता है।

8. कर्मीदल के सदस्यों पर इन नियमों का लागू होना :—नियम 2, 3, 5, 6 और 9 उन अधिकारियों और कर्मीदल के सदस्यों पर लागू होंगे जो अपनी नियुक्ति की समाप्ति के बाद अंतिम बार अपने सामान की निकासी के लिए विदेश में जाने वाले पोतों में व्यस्त हैं;

किन्तु नियम 5 के अन्तर्गत दी गई रिक्वायर्त पहली नियुक्ति की समाप्ति पर अन्तिम बार विदेश जाने वाले पोतों में व्यस्त अधिकारियों को छोड़कर अन्य के लिये नहीं होगी।

9. वे वस्तुएं जिनमें शुल्क से छूट नहीं है—इन व्यवस्थाओं या नियम 3 और 4 के द्वारा हुए भी निम्नलिखित वस्तुओं के लिये इन नियमों के अन्तर्गत निःशुल्क आयात की स्वीकृति नहीं दी जायगी, अर्थात् :—

- (1) मोटर साइकिल, स्कूटर और मोपिड
 - (2) अग्न्यस्त्र
 - (3) 200 से अधिक सिगरेट या 50 से अधिक सिगार या 250 ग्राम से अधिक तम्बाकू; और
 - (4) 0.95 लिटर से अधिक अल्कोहलिक लिकर।
- सं. 101 - कस्ट/एफ. नं. 495/24/78 - कस्ट 6
213 - कस्ट/एफ. नं. 495/106/79 - कस्ट 6

247 - कस्ट/एफ. नं. 495/72/79 - कस्ट 6

57/83-कस्ट/एफ. नं. वड (कस्ट)/83

सं. 166/83 - कस्ट/एफ. नं. 495/20/83-कस्ट 6

पर्यटक आवागमन नियम 1978

(अधिसूचना सं. 214-कस्ट दिनांक 13-11-79 द्वारा तथा संशोधित और आगे अधिसूचना सं. 211-कस्ट दिनांक 28-10-80 द्वारा संशोधित)

भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

राजस्व विभाग

नई दिल्ली, 16 मई, 1978

26 मई 1900 (साका)

अधिसूचना

सीमा शुल्क

जी. एस. आर. संख्या 291/(ई.)—सीमा शुल्क अधिनियम 1962 (1962 का 52) के खण्ड-79 के उपखण्ड (2) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए और पर्यटक सामान नियमों का अधिक्रमण करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा पर्यटकों के सामान को शुल्क की अदायगी के बिना आयात करने के लिए निम्नलिखित नियमों का निर्माण करती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम, प्रारम्भ और लागू होना—(1) यह नियमावली पर्यटक सामान नियमावली, 1978 कहलाएगी।
2. यह तत्काल से ही लागू होगी।
3. ये नेपाल मूल से आ रहे नेपाली पर्यटकों के लिए लागू नहीं होगी।

2. परिभाषा—इन नियमों के अन्तर्गत, जब तक अन्यथा रूप से संदर्भ की आवश्यकता न हो, पर्यटक शब्द का अर्थ ऐसे व्यक्ति से है जो कि साधारणतः भारत का निवासी न हो और जो विधि संगत अप्रवासी प्रयोजन जैसे पर्यटन, मनोरंजन, क्रीड़ा स्वास्थ्य, पारिवारिक कारणों, अध्ययन, धार्मिक तीर्थ यात्रा अथवा व्यवसाय के लिए किसी भी 12 महीनों की अवधि के दौरान भारत में छः मास से अधिक न रहा हो।

नबत कि जिन मामलों में सीमाशुल्क समाहर्ता को इस बाब की तसल्ली हो जाए कि किसी पर्यटक के लिए विधि संगत अप्रवासी प्रयोजनों से भारत में छः महीने से अधिक समय के लिए रहना आवश्यक हो तो सीमा शुल्क समाहर्ता अवधि को बढ़ाकर 18 मास कर सकता है।

किन्तु यदि बॉर्डर सन्तुष्ट है, तो वह उपर्युक्त अवधि को 12 मास से और आगे बढ़ा सकता है।

3. ऐसे व्यक्तिगत सामान के लिए सीमाशुल्क अदायगी के छूट देना, जिसका आयात अस्थायी तौर पर किया गया हो :—

(1) इस विनियमावली में निर्दिष्ट अन्य शर्तों के अधीन किसी पर्यटक को सीमा-शुल्क की अदायगी के बिना व्यक्तिगत सामान का आयात करने की अनुमति दी जाएगी।

नबत कि वह सामान पर्यटक के अपने ही इस्तेमाल के लिए हो, और जिसे वह अपने साथ लाया हो या जो पर्यटक द्वारा साथ लाए गये सामान में होगा और जिसके बारे में यह आशंका न हो कि उसका दुरुपयोग किया जाएगा और विदेश लौटने के लिए भारत छोड़ने पर पर्यटक इस व्यक्तिगत सामान को अपने साथ वापस विदेश ले जाएगा।

स्पष्टीकरण :—'व्यक्तिगत सामान' से अभिप्राय उन सभी नये और इस्तेमाल किए हुए वस्तुओं और अन्य वस्तुओं से है, जिनको उसके भारत आने की सभी परिस्थितियों को देखते हुए उसे व्यक्तिगत रूप और उचित रूप से जरूरत हो, किन्तु इसमें ऐसा कोई तिजारती सामान शामिल नहीं माना जाएगा, जिसका आयात वाणिज्यिक प्रयोजनों के लिए किया गया हो, और व्यक्तिगत सामान में निम्नलिखित वस्तुएं शामिल हैं :—

- (1) व्यक्तिगत आभूषण;
- (2) एक कैमरा तथा फिल्म की 12 प्लेटें या पांच रोल;
- (3) एक लघु सिनेमाटोग्राफ कैमरा तथा फिल्म की दो रोलें;
- (4) एक छोटा दूरबीन;
- (5) एक सुवाह्य संगीत वाद्य यंत्र;
- (6) एक सुवाह्य ग्रामोफोन दस रिकार्ड सहित;
- (7) एक सुवाह्य बेतार अभिग्राही सेट;
- (8) एक सुवाह्य ध्वनि रिकार्ड करने का उपकरण;
- (9) एक सुवाह्य टाइपराइटर;
- (10) एक बच्चा-गाड़ी;
- (11) एक तंबू और शिविर लगाने के अन्य उपस्कर;
- (12) खेलों के उपकरण जैसे मछली पकड़ने का उपकरण, खेल से संबंधित एक बन्दूक तथा पचास गोलियां, एक बिना मोटर की साइकिल, एक डोंगा या डोंगी, जिसकी लंबाई 5-1/2 मीटर से कम हो, एक जोड़ा स्कीस, दो टेनिस रैकेट।

(2) नियम 7 के अनुसार निम्नलिखित माल लिखित स्वीकृति द्वारा शुल्क अदायगी के बिना आयात किया जा सकता है, नबत कि भारत से वापस जाते समय वह पर्यटक द्वारा वापस ले आया जाए, अर्थात् :—

- (1) प्रदर्शन और प्रशिक्षण देने के लिए स्लाइड और फिल्म सहित सुनने और देखने के यंत्र;
- (2) सिनेमा-उपस्करों और दूरदर्शन उपस्करों सहित व्यावसायिक उपस्कर, औजार, यंत्र अथवा सधित्र।

4. अस्थायी तौर पर आयातित यात्रा स्मृति-चिन्हों को सीमा शुल्क की अदायगी से छूट देना :—नियम 2 में निर्दिष्ट के अलावा कुल 500/- रु. के मूल्य तक के यात्रा स्मृति चिन्हों की अस्थायी तौर पर आयात करने की अनुमति दी जा सकती है; नबत कि पर्यटक ये स्मृति-चिन्ह अपने साथ लाये या साथ लाने वाले सामान में लाए और वे वाणिज्यिक प्रयोजनों के लिए न हों और भारत छोड़कर विदेश जाने पर उन्हें अपने साथ वापस अवश्य ले जाए।

5. विदेशी मूल के यात्रियों द्वारा आयातित उपहार आदि पर शुल्क से छूट :—3 और 4 नियमों के अन्तर्गत अनुमत वस्तुओं के अतिरिक्त भारत में 24 घण्टे से अधिक रह रहे विदेशी मूल के पर्यटक को उपयुक्त अधिकारी की इच्छा से 500/- रुपये मूल्य तक की उन वस्तुओं को जो सामान नियम, 1978 के नियम 9 में उल्लिखित में भिन्न हैं, शुल्क अदा किए बिना आयात करने की अनुमति तब दी जाए यदि वे व्यक्तिगत प्रयोग के लिए अथवा उपहार देने के लिए हों।

6. भारतीय मूल के यात्रियों द्वारा आयातित उपहारों आदि पर सीमा शुल्क का अदायगी से छूट देना :—भारतीय मूल के यात्री, जो सामान्यतः बाहर रह रहे हैं और भारत में 24 घण्टे से ज्यादा ठहर रहे हैं, उन्हें उचित अधिकारी की इच्छा से उपहार के रूप में दी जाने वाली वस्तुओं के लिए शुल्क की अदायगी के बिना आयात करने की अनुमति दी जाए।

बशर्त कि वस्तुएं सामान नियम, 1978 के नियम 9 के साथ पढ़े जाने वाले नियम 3 के अन्तर्गत आने वाली वस्तुओं के समरूप हों।

बशर्त आगे यह कि सामान नियम, 1978 के नियम 3 और 9 में उल्लिखित सभी धर्म और सीमाएं पूर्ण कर दी गई हों।

7. सीमा शुल्क प्राधिकारियों का कुछ मामलों में विषय जाने वाला बचन :

- (1) नियम 3 के उपनियम (1) के उपबंधों के बावजूद ध्वनि रिकार्डिंग उपकरण, बेतार अभिग्राही सेट और इसी प्रकार की अधिक मूल्य वाली अन्य वस्तुओं को तब तक सीमा शुल्क की अदायगी के बिना आयात नहीं किया जाएगा, जब तक कि पर्यटक सीमा शुल्क समाहर्ता को लिखित में यह बचन न दे दे कि वह उन वस्तुओं का विदेश जाते समय भारत से वापस ले जाएगा या ऐसा न करने पर वह उन वस्तुओं पर लगने वाले सीमा शुल्क की अदायगी करेगा।
- (2) प्रत्येक पर्यटक को, उसके भारत पहुंचने पर और उसके सामान की जांच के बाद, उसके द्वारा लायी गई अधिक मूल्य की वस्तुओं की सूची दी जाएगी, जिस पर उस सीमा-शुल्क अधिकारी को हस्ताक्षर होंगे, जिसने उनमें सामान की जांच की होगी। यदि अधिक मूल्य की कोई वस्तु आयात न की गई हो, तब भी एक दृश्य सूची उसे दी जाएगी, जिस पर उसी प्रकार के सामान की जांच करने वाले सीमा शुल्क अधिकारी को हस्ताक्षर होंगे। भारत से विदेश के लिए प्रस्थान करने पर जब तक पर्यटक अपने सामान की जांच के समय सूची में दर्ज अधिक मूल्य वाली वस्तुओं के साथ वह सूची सीमा शुल्क प्राधिकारी को प्रस्तुत न कर दे, तब तक उसे निर्यात के लिए सीमा शुल्क भुगतान में अपने सामान को निकालने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

8. ऐसे सामान से संबंधित शर्तें, जो पर्यटक अपने साथ न लाया हो :—पूर्ववर्ती नियमों में दी गई शर्तों के विपरीत विद्ये गये किसी उपबंध के होते हुए भी ऐसा वास्तविक सामान और पूर्ववर्ती उपबंधों के अधीन जिस सामान के आयात के लिए रियायत दी जा सकती हो और जो पर्यटक के भारत पहुंचने से

एक महीना पहले या एक महीना बाद किसी सीमा शुल्क पत्तन पर पहुंचा हो, उसे उन्हीं शर्तों के अनुसार पास किया जा सकता है, जो पर्यटक द्वारा अपने साथ लाये जाने वाले सामान पर लागू होती है।

बशर्त कि उपयुक्त अधिकारी को इस बात की तसल्ली हो जाती है कि वे सामान पर्यटक के साथ उचित कारणों से लाए नहीं जा सकें।

9. कुछ मामलों में छूट न देना :—इन नियमों में विद्ये गये उपबंधों के बावजूद सीमा शुल्क समाहर्ता किसी पर्यटक को निम्नलिखित में से किसी भी मामले में इन नियमों के अनुसार स्वीकृत सीमा शुल्क की अदायगी से छूट देने से इंकार कर सकता है अर्थात् :—

- (क) जब पर्यटक द्वारा आयातित कुल पण्यवस्तु की मात्रा इन नियमों में निर्धारित सीमा से काफी अधिक हो;
- (ख) यदि कोई पर्यटक एक महीने में एक बार से अधिक भारत आता है,
- (ग) यदि कोई पर्यटक 17 वर्ष से कम आयु का हो।

सं. 102 -- सीमा शुल्क/मिसिल सं. 499/6/78-सीमा-6

सं. 211 - सीमाशुल्क/मिसिल सं. 499/6/78-सीमा-6 (पाट)

सं. 214 - सीमाशुल्क/मिसिल सं. 495/106/79-सीमा-6

भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली दिनांक, 4 फरवरी, 1985

15 मार्च, 1906 (साका)

सं. 26/85-सीमाशुल्क सा.का. नि. (76-ई)—केंद्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 79 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यात्री सामान नियम, 1978 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम यात्री सामान (संशोधन) नियम, 1985 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. यात्री सामान नियम, 1978 के नियम 3 में,—
- (1) खण्ड (क) में, “श्रीलंका या मालद्वीप शब्द रखे जाएंगे।
- (2) खण्ड (क) के पश्चात् निम्नलिखित खंड अतः—

(कक) मालद्वीप से आने वाले यात्रियों की दशा में,—

- (1) तीन सौ पचास रुपये के मूल्य तक की वस्तुएं निःशुल्क आयात करने की

अनुज्ञा दी जा सकेगी, यदि भारत से बाहर ठहरने की अवधि तीन दिन से अधिक नहीं है,

- (2) सात सौ पचास रुपये के मूल्य तक की वस्तुएं निःशुल्क आयात करने की अनुज्ञा दी जा सकेगी, यदि ऐसे ठहरने की अवधि तीन दिन से अधिक है किन्तु नौ दिन से अधिक नहीं है;
- (3) बारह सौ पचास रुपये के मूल्य तक की वस्तुएं निःशुल्क आयात करने की अनुज्ञा दी जा सकेगी, यदि ऐसे ठहरने की अवधि नौ दिन, जिसके अंतर्गत यात्रा के दिन नहीं है, से अधिक है, और;
- (3) परन्तु (1) के उपखण्ड (क) में "श्रीलंका या मालदीप और" शब्दों के स्थान पर "श्रीलंका" शब्द रखे जाएंगे।
- (4) उपखण्ड (क) के पश्चात् निम्नलिखित उपखण्ड अतः- स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—
 "(क) मालदीप से आने वाले यात्रियों की दशा में—
 (1) सौ रुपये के मूल्य तक की वस्तुएं निःशुल्क आयात करने की अनुज्ञा दी जा सकेगी, यदि भारत से बाहर ठहरने की अवधि तीन दिन से अधिक नहीं है,
 (2) दो सौ रुपये के मूल्य तक की वस्तुएं निःशुल्क आयात करने की अनुज्ञा दी जा सकेगी, यदि ऐसे ठहरने की अवधि तीन दिन से अधिक है किन्तु नौ दिन से अधिक नहीं है,
 (3) तीन सौ रुपये के मूल्य तक की वस्तुएं निःशुल्क आयात करने की अनुज्ञा दी जा सकेगी यदि ठहरने की अवधि यात्रा की तिथियों को छोड़कर नौ दिन से अधिक है, और;

ई एन सं. 495/3/85-कस्ट-6

(भार. एस. सिद्धु)

अवर सचिव, भारत सरकार

आयात स्थानान्तरण नियमावली, 1978

(अभिज्ञान सं. 124-सीमा शुल्क, विनांक 22-6-78 द्वारा यथा संशोधित)

भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

राजस्व विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 16 मई, 1978

26 जून, 1980 (साका)

अभिज्ञान

(सीमा शुल्क)

जी. एच. आर. सं. 292 (ए) —सीमाशुल्क अधिनियम 1962 (1962 का 52) की धारा 79 द्वारा प्रदत्त अधिकारों

का प्रयोग करते हुए और आवाम स्थानान्तरण नियमावली, 1969 का अधिक्रमण करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा निम्न-लिखित नियमावली का निर्माण करती है, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम :—यह नियमावली स्थानान्तरण नियमावली, 1979 कही जाएगी।

2. ऐसा व्यक्तिगत और घरेलू सामान जिसके आयात पर कुछ शर्तों के अधीन शुल्क से छूट दी गई हो :—व्यक्तिगत सामान (सीमा-शुल्क की छूट देने से संबंधित शर्तों) नियमावली, 1975 और इस नियमावली के नियम 3 के उपबन्धों के अधीन ऐसे व्यक्ति के व्यक्तिगत और घरेलू सामान के आयात पर सीमा-शुल्क को अदायगी से निम्नलिखित शर्तों के अधीन छूट दी जाएगी जो व्यक्ति भारत में वास्तव में रहने के लिए आया हो :—

(क) वह व्यक्ति भारत में रिहायश के लिए जाने के तत्काल पहले कम से कम दो वर्षों तक लगातार विदेश में रहा हो, और भारत में कम से कम एक वर्ष तक रहने के लिए आया हो;

(ख) उस व्यक्ति को घोषणा द्वारा यह प्रमाणित करना होगा कि आयातित सामान उसका या उसके परिवार का अपना सामान है और कम से कम एक वर्ष से वह या उसका परिवार उस सामान का इस्तेमाल करता आया है और सामान की जांच करने से और परिस्थितियों की जांच करने से यही साबित भी होता हो;

(ग) पर्यटक के साथ न लाए गये असबाब का असबाब नियमावली, 1978 में विनिर्दिष्ट सम्य सीमा के भीतर पोतलदान कर दिया गया हो अथवा प्रेषण कर दिया गया हो अथवा वहां पहुंच गया हो।

स्पष्टीकरण :—इस नियम के प्रयोजन के लिए, "व्यक्तिगत और घरेलू असबाब" की अभ्युक्ति में बहुत अधिक सोने के आभूषण शामिल नहीं होंगे, कहने का अर्थ है कि जिन आभूषणों का मूल्य सामान्यतः सोने की मात्रा के आधार पर पुरुष यात्री के संबंध में एक हजार पांच सौ रुपये और स्त्री यात्री के संबंध में तीन हजार रुपये से अधिक नहीं।

3. ऐसी वस्तुएं जिन पर शुल्क की अदायगी से छूट नहीं दी जाती :—नियम 2 में किसी अन्य बात के निहित होते हुए भी, इन नियमों के अन्तर्गत गेटर वाहन, पोत, वायुयान, 35 मि. मी. और इससे अधिक की सिनेमाटोग्राफ फिल्मों, नातानुकूलक, रेफ्रिजरेटर और डोप फ्रीजर के आयात की अनुमति शुल्क की अदायगी के बिना नहीं दी जाएगी।

4. आवश्यक उपस्करों आदि के लिए भत्ता :—नियम 2 के अन्तर्गत अनुमित वस्तुओं और उस नियम के खंड (ग) में दी गई समय-सीमा के अधीन अनुमित वस्तुओं के अतिरिक्त एक उच्च योग्यता प्राप्त वैज्ञानिक, शिल्प विज्ञानी, डाक्टर अथवा इंजीनियर जो कम से कम 2 वर्ष विदेश में रहने के पश्चात् स्थायी रूप से भारत में बसने के लिए लौट रहा हो उसे अपने व्यवसाय में साधारणतः अपेक्षित 30 हजार रुपये मूल्य तक के उपस्करों, औजारों, यंत्रों और साधनों को शुल्क की अदायगी के बिना आयात करने की छूट होगी।

स्पष्टीकरण :—इस नियम के उद्देश्य के लिए "उच्च योग्यता प्राप्त वैज्ञानिक, शिल्प विज्ञानी, डाक्टर अथवा इंजीनियर" वह व्यक्ति है जिसके पास भारतीय अथवा विदेशी विश्वविद्यालय की विज्ञान, शिल्प विज्ञान, चिकित्सा अथवा इंजीनियरी में स्नातकोत्तर अथवा इसके समकक्ष, जैसा भी मामला हो, डिग्री हो और वह कम से कम एक वर्ष के लिए विदेश में अपने क्षेत्र अथवा विषय में नियुक्त अथवा कार्यरत रहा हो।

5. **अल्पावधि यात्रा के लिए शर्तें :—**इन नियमों के उद्देश्य के लिए, यदि कोई व्यक्ति उपर्युक्त 2 वर्ष की अवधि के दौरान छोटी अवधि के लिए भारत की यात्रा पर आता है और इन यात्राओं की कुल अवधि छः मास से अधिक नहीं है, तो उस पर ध्यान नहीं दिया जाएगा;

शर्त यह होगी कि यदि संबंधित व्यक्ति भारत में छः मास से अधिक रहने के यथेष्ट कारण बताए तो इस अवधि के लिए भी सीमा-शुल्क समाहर्ता उन्हें क्षमा कर सकता है।

6. **विदेश में रहने की अवधि में कमी करने से संबंधित शर्तें :—**इन नियमों के उद्देश्य के लिए, किसी व्यक्ति के विदेश में रहने की दो मास की अवधि तक की कमी को सहायक सीमा-शुल्क समाहर्ता द्वारा इस शर्त पर क्षमा किया जा सकता है जबकि वह संतुष्ट हो कि व्यक्ति सेवान्त छूट्टी अथवा लम्बी छूट्टी बिताने के लिए अथवा किसी विशेष परिस्थितियों में भारत लौट आया है।

सं. 103--कस्टम/एफ. सं. 497/6/कस. 6

सं. 124--कस्टम/एफ. सं. 497/6/78-कस. 6

वित्त मंत्रालय

राजस्व विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 26 सितम्बर 1980

4 अश्विनी 1902 (साका)

अधिसूचना

सीमा शुल्क

जी. एस. आर. सं. 558 (ई)¹—सीमा शुल्क अधिनियम 1962 (1962 का 52) के खंड 25 के उपखंड (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग की अधिसूचना सं. 230-सीमा-शुल्क, दिनांक 5 दिसम्बर 1979 का अधिक्रमण करते हुए, केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट होती है कि ऐसा करना जनता के हित में है, एतद्वारा संलग्न तालिका के कालम (2) में विनिर्दिष्ट प्रत्येक माल के आयात को सीमा शुल्क दर अधिनियम 1975 (1975 का 51) की प्रथम अनुसूची के अधीन उम् पर उगाहे जाने योग्य उत्तरे अतिरिक्त सीमा शुल्क से निम्नलिखित शर्तों के अधीन छूट प्रदान करती है जितना कि उक्त तालिका के कालम (3) में संलग्न प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट दरों से अधिक हो जबकि वह व्यक्ति उन वस्तुओं का अपने असबाब के रूप में वास्तव में निवास स्थान स्थानांतरण के समय आयात कर रहा हो :—

- (1) ऐसा व्यक्ति निवास का स्थानांतरण करने से तुरन्त दो वर्ष पहले की न्यूनतम अवधि से विदेश में रह रहा हो और भारत में कम से कम एक वर्ष तक रहने के लिए अपना निवास तय रहा हो;
- (2) ऐसा व्यक्ति एक घोषणा द्वारा इस बात की पुष्टि करता हो कि माल उसके अपने अथवा उसके परिवार के अधिकार और प्रयोग में कम से कम एक वर्ष के लिए रहा है और एम्मे माल की जांच और वर्तमान परिस्थितियां देश के विरुद्ध प्रतीत न होती हों।
- (3) ऐसी वस्तुओं को बेचने, प्रदर्शन करने अथवा विज्ञापित करने या बिक्री करने की अनुमति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक कि उनका बाजार भाव नये माल के बाजार भाव के 50 प्रतिशत से कम न हो, और
- (4) सामान नियमावली, 1978 में विनिर्दिष्ट समय-सीमा के भीतर यात्री के साथ न आने वाले माल का नदान अथवा प्रेषण कर दिया गया हो अथवा वह पहुँचा दिया गया हो।

स्पष्टीकरण :—इस अधिसूचना के उद्देश्य के लिए—

- (क) यदि संबंधित व्यक्ति द्वारा उपर्युक्त 2 वर्ष की अवधि के दौरान अल्पावधि के लिए भारत की ऐसी यात्राएं की गई हों जिनकी अवधि 6 महीनों से अधिक न हो तो उस पर ध्यान नहीं दिया जाएगा;
- (ख) किसी व्यक्ति के विदेश में रहने की अवधि में दो मास की अवधि तक की कमी को सहायक सीमा-शुल्क समाहर्ता द्वारा इस शर्त पर क्षमा किया जा सकता है कि वह इस बात से संतुष्ट हो कि सम्बन्धित व्यक्ति सेवान्त छूट्टियां अथवा लम्बी छूट्टी बिताने के लिए अथवा किसी अन्य विशेष कारण से भारत में पहले ही लौट आया है।

शर्त यह होगी कि छः मास से अधिक भारत में रहने की अवधि संबंधित व्यक्ति द्वारा सीमा शुल्क समाहर्ता को समुचित कारण बताए जाने पर ही क्षमा की जा सकेगी।

सारणी

क्रम सं.	माल का व्यापार	सीमा शुल्क की दर
1	2	3
1.	100 लिटर तक की क्षमता के घरेलू रेफ्रिजरेटर्स	15%
2.	100 लिटर से अधिक और 165 लिटर तक की क्षमता वाले घरेलू रेफ्रिजरेटर्स	20%
3.	अन्य घरेलू रेफ्रिजरेटर्स	40%
4.	डोप फ्रीजिज	40%
5.	वातानुकूलक	50%

हस्ताक्षरित/—के. कुमार, अवर सचिव

सं. 195--कस्टम/एफ. सं. 495/92/79--कस्टम

सीमा-शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ब्रूलैटिन

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

कस्टम—68/81-82 - दिनांक 10 दिसम्बर 1981

नई दिल्ली, दिनांक 1 मार्च, 1983

भारत सरकार

10 फागून, 1904 (साका)

वित्त मंत्रालय

अधिसूचना

राजस्व विभाग

सं. 58/83-सीमा शुल्क

दिनांक 9 दिसम्बर 1981

18 अप्रैल, 1903 (साका)

अधिसूचना

सीमा-शुल्क

सी. सी. एन. सं. (3)—सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 79 के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा आवास स्थानान्तरण नियमावली, 1978 में आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियमों की रचना करती है, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों को आवास स्थानान्तरण (संशोधन) नियम, 1981 की संज्ञा दी जाए;

(2) आवास नियमावली, 1978 के नियम 2 में लागू होंगे।

2. आवास स्थानान्तरण नियम, 1978 के नियम 2 में स्पष्टीकरण के लिए निम्नलिखित स्पष्टीकरण प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“स्पष्टीकरण” :—इस नियम की प्रयोजन के लिए “व्यक्तिगत और घरेलू असबाब” की अभ्युक्ति में बहुत अधिक सोने के आभूषण शामिल नहीं होंगे, कहने का अर्थ यह है कि आभूषणों का मूल्य सामान्यतः सोने की मात्रा के आधार पर पुरुष यात्री के सम्बन्ध में एक हजार पांच सौ रुपये और स्त्री यात्री के सम्बन्ध में तीन हजार रुपये से अधिक न हो परन्तु उक्त सीमाएं उन आभूषणों के लिए लागू नहीं होंगी जिनके सम्बन्ध में सहायक सीमाशुल्क समहर्ता यात्री द्वारा या उस के परिवार के सदस्य द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्य के आधार पर इस बात से संतुष्ट हो जाए कि वह आभूषण भारत से बाहर से प्राप्त किया गया था।

ह./- के. कुमार

अवर सचिव, भारत सरकार

(सं. 268/81)

फाइल सं. 497/14/81-कस्टम—V

आवास स्थानान्तरण नियम, 1978 के नियम 2 में स्पष्टीकरण को संशोधन करने की आवश्यकता समझते हुए यह अधिसूचना जारी की गई है।

जी. एस. आर.—सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) के खण्ड 25 के उप खण्ड 1 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 142 सीमा शुल्क, दिनांक 16 जुलाई, 1980 का अधिक्रमण करते हुए और इससे संतुष्ट होने पर कि ऐसा करना लोकहित में आवश्यक है, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 (1975 का 51) की प्रथम अनुसूची की शीर्षक सं. 100 01 के अंतर्गत आने वाली और प्रस्तुत सारिणी के कालम (1) में उल्लिखित वस्तुओं का असबाब कालम (1) में उल्लिखित वस्तुओं का असबाब के रूप में किसी यात्री या कमीदल के सदस्य द्वारा भारत में आयात करने पर उन वस्तुओं पर उगाहने जाने योग्य उक्त प्रथम अनुसूची में उल्लिखित सीमा शुल्क को उस सीमा तक छूट प्रदान करती है जो उक्त सारिणी के कालम 2 की तदनु रूप प्रविष्टि में उल्लिखित दर पर गिनी गई धनराशि से अधिक हो।

सारिणी

वस्तुओं का विवरण	दर
(1)	(2)
असबाब नियमावली, 1978 के नियम 3 के अन्तर्गत ऐसे यात्री या सदस्य के लिए ग्रन्थ मेय कर मुक्त भत्ते में मूल्य में अधिक कोई वस्तु	
(क) प्रथम 2000 रुपये के लिए	130% यथा मूल्य
(ख) शेष पर	200% पर मूल्य

स्पष्टीकरण 1:—जिस मामले में असबाब नियमावली 1978 के नियम 3 के अन्तर्गत किसी एक वस्तु का कर मुक्त भत्ते से अधिक हो उसमें कर मूल्य ऐसे यात्री या सदस्य के दिये अनुमय की धनराशि केवल इस प्रकार अनुमय कर मुक्त भत्ते के उस अतिरिक्त मूल्य पर उस सीमा तक गिनी जायेगी जो सीमा ऐसे यात्री या सदस्य द्वारा असबाब को अन्य वस्तु की निकासी करने के लिये उपलब्ध की गई हो।

स्पष्टीकरण 2:-जहां ऐसा यात्री या सदस्य किसी भी वस्तु का 2000 रुपये की सीमा तक के लिये उक्त सारिणी कौ धारा (क) के अधीन निहित दर को स्वयं उपलब्ध करना चाहता है, तो वह उस सीमा तक किसी भी मव के लिये उक्त को उपलब्ध करने के लिये हकदार नहीं होगा।

- (3) सम्बन्ध असबाब नियमावली के अन्तर्गत मुक्त आयात के लिए निर्धारित मात्रा से अधिक सिगरेट, सिगार या तम्बाकू, और
- (4) 500 रुपये से अधिक मूल्य के कपड़े

हस्ताक्षरित

जे. श्रीधरण,

अवर सचिव, भारत सरकार

2. इस अधिसूचना में निहित कोई भी बात निम्नलिखित के लिए लागू नहीं होगी:—

- (1) मोटर साइकिल स्कूटर या मोपेड,
- (2) अग्न्यस्त्र

फा. सं. बड/(कस्ट)/83.

परिशिष्ट-2क

आयातकों को कोड संख्या आबंटन करना

भारत में माल का आयात करने वाले प्रत्येक व्यक्ति (चाहे वह व्यक्ति हो, फर्म हो या कंपनी आदि हो) को इस परिशिष्ट के प्रावधानों के अनुसार "आयातक कोड संख्या (आई सी एन)" प्राप्त करना होगा। यह प्रावधान एक एजेंट के रूप में या प्राधिकार पत्र के धारक के रूप में, या आयात लाइसेंस के हस्तास्तरी के रूप में माल का आयात करने वाले व्यक्ति के लिए भी समान रूप से लागू होगा। इस संबंध में यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश : 1955, दिनांक 7 दिसम्बर, 1955 में एक उपबन्ध बिना गया है।

2. सीमानुसार प्राधिकारी उस व्यक्ति को आयात की अनुमति नहीं देंगे जिसके पास सम्बन्ध आयात व्यापार नियंत्रण लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा आबंटित की गई कोड संख्या नहीं होगी। संबंधित प्रविष्टि बिन्दु में अपनी कोड संख्या उद्धृत करना आयातक के लिए अनिवार्य होगा।

3. किसी व्यक्ति को आबंटित की गई कोड संख्या उस व्यक्ति द्वारा किसी भी पथ वस्तु के आयात के लिए वैध होगी।

4. निम्नलिखित मामलों में आयातकों को कोड संख्या प्राप्त करने से छूट दे दी जाएगी :—

- (1) यथासंशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की बन्धन धारा 11 (1) में आने वाले आयातकों को।
- (2) केन्द्रीय या राज्य सरकार के मंत्रालयों/विभागों को।
- (3) अपने निजी उपयोग के लिए उस माल का आयात करने वाले व्यक्तियों को जो व्यापार या निर्माण या कृषि से संबंधित न हों।

5. कोड संख्या के आबंटन के लिए आवेदनपत्र निर्धारित प्रपत्र में तीन प्रतियों में उस क्षेत्रीय आयात व्यापार नियंत्रण लाइसेंस प्राधिकारी को प्रस्तुत करने चाहिए जिसके अधिकार क्षेत्र के प्रदेश में आवेदक रहता हो। क्षेत्रीय लाइसेंस प्राधिकारियों के अधिकार क्षेत्र आयात-निर्यात प्रक्रिया-पुस्तक, 1985-88 के परिशिष्ट-2ख में निविष्ट किए गए हैं।

6. जिस कंपनी/फर्म की भाँखें हों उसके मामले में केवल कंपनी के मुख्य कार्यालय अथवा पंजीकृत कार्यालय द्वारा ही कोड संख्या के आबंटन के लिए आवेदन करना चाहिए। प्रांतीय कार्यालय, मुख्य कार्यालय/पंजीकृत कार्यालय को आबंटित कोड संख्या का ही उपयोग करेगा।

परिशिष्ट 2क का अनुबन्ध

आयातक कोड संख्या के आवेदन के लिए आवेदन-पत्र
(तीन प्रतियों में भेजा जाना है)

आवेदन पत्र टाइटिल किया हुआ या साफ साफ अक्षरों में लिखा हुआ होना चाहिए।

1. आयातक का नाम
2. (क) आयात के मुख्य/प्रधान कार्यालय का पूरा पता
(ख) उन विभिन्न नगरों के नाम जहाँ शाखा कार्यालय स्थापित हैं।

- (1)
- (2)
- (3)
- (4)
- (5)

3. फर्म/कंपनी की स्थापना की तारीख
4. आयात की जाने वाली मुख्य पण्य वस्तुएं (3 अंश भारतीय व्यापार विशिष्टीकरण परिशीलन 2 का भी संकेत किया जाना चाहिए)

- (1)
- (2)
- (3)
- (4)
- (5)
- (6)
- (7)
- (8)
- (8)
- (9)
- (10)

मैं/हम एनवू द्वारा यह घोषणा करता हूँ/करते हैं कि यह आवेदन पत्र मुख्य प्रधान कार्यालय के रूप में हमारी सामर्थ्य के अन्वय किया गया है और मैंने/हमने भारत में मुख्य नियन्त्रक, आयात निर्यात के किसी भी कार्यालय से इस नाम में पहले कोई भी आयातक कोड संख्या प्राप्त नहीं की है या इसके लिए आवेदन नहीं किया गया है।

स्थान :

(आवेदक के हस्ताक्षर)

दिनांक :

कार्यालय की मोहर के साथ
हस्ताक्षरकर्ता का पूरा मिलास का पता

(लाइसेंस प्रदान करने वाले कार्यालय द्वारा भरा जाना है)

1. आवेदित कोड संख्या
2. पार्टी के साथ किए गए पत्राचार की संख्या और दिनांक

दिनांक

हस्ताक्षर
बदनाम

आयातकों के लिए मार्ग दर्शन

2. आयातकों की सहाय के लिए आवेदन पत्र केवल मुख्य/प्रधान कार्यालय द्वारा ही भरे जाने चाहिए और उनके क्षेत्र के मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात/संयुक्त मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात को भेजे जायें। एक बार आवेदित की गई हुई कोड संख्या को फर्म के सभी शाखा कार्यालयों द्वारा भारत में किसी भी पत्तन के माध्यम से आयात करने के लिए उपयोग किया जा सकता है। लेकिन, यदि कोई शाखा कार्यालय मुख्य/प्रधान कार्यालय से सिम्न नाम से कार्य कर रहा तो उसके लिए कोड संख्या प्राप्त करनी पड़ेगी। कोड संख्या में फर्म को आयात कार्य-कलाप के निलम्बन करने के साथ निलम्बित नहीं की जायेगी और वे आने वाले समय के लिए बंध रहेंगी।
2. कडिका 4 में सूचना पण्य वस्तु विवरण के अनुसार और 3 अंश स्तर पर आईटीसी परिशीलन 2—कोड के अनुरूप दी जाती है। यह फर्म के कार्य-कलाप के क्षेत्र का पता लगाने के लिए अपेक्षित है।
3. इस पत्र में दी गई मार्ग सूचना को पूर्ण रूप से गोपनीय रखा जाएगा और किसी भी प्रयोजन के लिए किसी भी अप्रामाणिक अभिकरण का बताया नहीं जाएगा।

परिशिष्ट—2 क

क्षेत्रीय लाइसेंस प्राधिकारियों की सूची (उनके डाक और तार पते तथा उनके क्षेत्राधिकार)

क्रम सं०	लाइसेंस प्राधिकारी	तार का पता	क्षेत्राधिकार
1	2	3	4
1.	संयुक्त मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात, 4-एस्प्लेनेड ईस्ट, कलकत्ता 700089	निधानिक्षेत्र, कलकत्ता	पश्चिमी बंगाल, सिक्किम और प्रशासन और निकोबार का संघ शासित क्षेत्र।
2.	संयुक्त मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात, न्यू सेन्ट्रल गार्मन्ट आर्किव बिल्डिंग, एम० ई० बिल्डिंग, निधानिक्षेत्र, बम्बई न्यू मेरीन लाइसेंस, चर्च गेट, बम्बई 400020	निधानिक्षेत्र, बम्बई	महाराष्ट्र।
3.	संयुक्त मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात, 3-विजय राजन रोड, टी नगर, मद्रास-600017	निधानिक्षेत्र, मद्रास	तमिलनाडु
4.	संयुक्त मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात, केन्द्रीय लाइसेंस क्षेत्र, इन्दिरा भवन, "ए" बिल्डिंग, नई दिल्ली-110002	निधानिक्षेत्र, नई दिल्ली	दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के छः जिले अर्थात् मेरठ, गाजियाबाद, बुलन्दशहर, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर और मुरादाबाद
5.	संयुक्त मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात, 117/एल/494, कॉकावेव, कानपुर-208025	निधानिक्षेत्र, कानपुर	उत्तर प्रदेश किन्तु संयुक्त मुख्य नियन्त्रक, आयात, तथा निर्यात (सी० एल० ए०), नई दिल्ली के क्षेत्राधिकार में आने वाले क्षेत्रों को छोड़कर।
6.	उप-मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात, दमयन्ति चैम्बर-बुनरो एवं तोमरा, मंजिल 3/9/22/ आदर्श नगर रिड्स होटल देवराबाद—00500483	निधानिक्षेत्र, देवराबाद	ग्रामप्रदेश, किन्तु नियन्त्रक आयात तथा निर्यात, विशाखा-पत्तनम के क्षेत्राधिकार में आने वाले क्षेत्रों को छोड़कर।
7.	संयुक्त मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात, 7वीं मंजिल, कवेरा भवन, पोस्ट बाइल सं० 9688, बंगलौर-560006	निधानिक्षेत्र, बंगलौर	कर्नाटक
8.	संयुक्त मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात, 'ए' ब्लाक, 11वीं मंजिल, गवर्नमेंट बहुमंजिली बिल्डिंग, लाल बरबाजा, महमदाबाद-380001	निधानिक्षेत्र, महमदाबाद	गुजरात राज्य, किन्तु राजकोट और न्यू कांडला कार्यालयों के क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत आने वाले स्थानों को छोड़कर।
9.	उप-मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात, टी० डी० रोड, एनकुलम, कोच्चन-682011	निधानिक्षेत्र, एनकुलम	केरल राज्य और लक्षद्वीप के संघ शासित क्षेत्र।
10.	उप-मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात, कोनगे मंजिल, पुणे गवर्नमेंट काउन्सिल, न्यू मार्किट, भोपाल-462003	निधानिक्षेत्र, भोपाल	मध्य प्रदेश
11.	उप-मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात, सी० बी० मार० बिल्डिंग, मान रोड, धनूतसर	निधानिक्षेत्र, धनूतसर	पंजाब
12.	उप-मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात, उद्योग भवन, तिजक मार्ग, जयपुर 302005	निधानिक्षेत्र, जयपुर	राजस्थान
13.	उप-मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात, राजगढ़ रोड, गोहाटी-781003	निधानिक्षेत्र, गोहाटी	असम, अरुणाचल प्रदेश, नागालैण्ड और मणिपुर
14.	नियन्त्रक, आयात-निर्यात, मेरेलो बिल्डिंग, जिलांग, मेघालय-790001	निधानिक्षेत्र, जिलांग	मेघालय
15.	नियन्त्रक, आयात-निर्यात, आशीर्वाद बिल्डिंग, सारला-इलेज, पंजिम, (गोवा)-403001	निधानिक्षेत्र, पंजिम	गोवा, वनम और दियू और वावर और नगर हुबेसी
16.	सहायक मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात, रजिस्ट्रो रोड, श्रीनगर 180001	निधानिक्षेत्र, श्रीनगर	जम्मू और कश्मीर (टिप्पणी :—शरव अस्तु में नियन्त्रक, आयात-निर्यात, श्रीनगर द्वारा समय-समय पर की जाने वाली घोषणा के अनुसार प्रत्येक मास में 7 दिनों के लिये जम्मू (प्रदर्शनी प्राञ्च) में एक प्राधिकार कार्यालय कार्य करेगा।)

परिशिष्ट—2 ख (जारी)

1	2	3	4
17. नियन्त्रक, आयात-निर्यात, बी०के० रोड, पेलेम कम्पाऊंड, अगर्तल्ला-799001	निम्नानिक्षेप्रा, अगर्तल्ला	त्रिपुरा और मिजोरम।	
18. नियन्त्रक, आयात-निर्यात, प्रशासनिक बिल्डिंग, कांडला मुक्त व्यापार क्षेत्र, गांधीधाम, (कच्छ)-370301	निम्नानिक्षेप्रा० न्यू कांडला	गुजरात का कच्छ जिला और न्यू कांडला मुक्त व्यापार क्षेत्र।	
19. सहायक मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात, विस्कोयन भवन, पटना 800001	निम्नानिक्षेप्रा, पटना	बिहार।	
20. नियन्त्रक, आयात-निर्यात, सेक्टर-35, एस० सी० ओ०-288, चंडीगढ़-160023	निम्नानिक्षेप्रा, चंडीगढ़	हिमाचल प्रदेश और संघ शासित प्रदेश, चंडीगढ़।	
21. नियन्त्रक, आयात-निर्यात, स्वास्त्यान, बारजाकबती रोड, कटक-752001	निम्नानिक्षेप्रा, कटक	उड़ीसा।	
22. नियन्त्रक, आयात-निर्यात, देसाई बिल्डिंग, भूपेन्द्र रोड, न्यू टाउन हाल, राजकोट-360001	निम्नानिक्षेप्रा, राजकोट	सौराष्ट्र के नाम से जाने वाले गुजरात राज्य के जिले (कच्छ को छोड़कर)।	
23. उप-विकास आयुक्त (विकास), इलेक्ट्रानिक्स नियमित संसाधन क्षेत्र, सांताक्रूज, बम्बई।	सोप्रोजोन, बम्बई	इलेक्ट्रानिक्स निर्यात संसाधन क्षेत्र, सांताक्रूज, बम्बई, (सीपज)	
24. नियन्त्रक, आयात तथा निर्यात, पी० बी० नं० 14, पांडिचेरी-605001	निम्नानिक्षेप्रा, पांडिचेरी	पांडिचेरी संघ शासित प्रदेश, करैकेल, माहे और यनम।	
25. नियन्त्रक, आयात तथा निर्यात, पी० आई० ए० ए० क्रेडिट मास्टर स्टार के फाक्टर गार्ड के पास, विशाखापत्तनम-530001।	निम्नानिक्षेप्रा, विशाखापत्तनम	आन्ध्र प्रदेश का सिरिकाकुलम, विशाखापत्तनम, पूर्वी गोदावरी और पश्चिमी गोदावरी जिले	

परिशिष्ट-2ग

शुल्क जमा करने/वापस लेने के लिए प्रक्रिया; आवेदन-पत्र शुल्क आदि प्राप्त करने के लिए भारतीय सेंट्रल बैंक की प्राधिकृत शाखाएं और शुल्क वापस लेने के लिए आवेदन पत्र का प्रपत्र।

शुल्क का भुगतान

(1) (क) जब तक किसी आवेदक को आयात (नियंत्रण) आदेश की धारा 4 के अन्तर्गत शुल्क की अदायगी से छूट प्राप्त नहीं है, आयात लाइसेंस/सीमाशुल्क परमिट के लिए प्रत्येक आवेदन-पत्र के साथ बैंक रसीद होनी चाहिए जिसमें आयात (नियंत्रण) आदेश की अनुसूची 3 के अनुसार निर्धारित अनुपात में शुल्क निक्षेप का हवाला दिया हुआ हो। निक्षेप संगत प्रपत्र/खजाना चालान 6 के साथ किया जाना चाहिए जिसमें नीचे संकेतित अनुसार लेखा शीर्षक स्पष्ट रूप से दर्शाया जाए:—

(ख) इम्पोर्ट लाइसेंस एप्लीकेशन फी-सबार्डिनेट टू दी मेजर हंड 097—विदेश व्यापार तथा निर्यात संवर्धन/बैंक रसीद में विभाग का नाम उदाहरणार्थ—“आयात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण संगठन” और आयात लाइसेंस प्रदान करने के लिए आवेदन-पत्र के ब्यारे दिए जाने चाहिए अर्थात् चालान प्रपत्र के कालम के पूरे ब्यारे में उस लाइसेंस अवधि और मूल्य सहित माल का विवरण दिया जाना चाहिए जिसके लिए लाइसेंस मांगा गया है। खजाना चालान रसीद संबंधित वेंतन एवं लेखा कार्यालय के स्थान को बताते हुए वेंतन एवं लेखा अधिकारी (आयात एवं निर्यात)

के नाम में होनी चाहिए। खजाना चालान सम्बद्ध वेंतन एवं लेखा अधिकारी का स्टेशन बताते हुए वेंतन एवं लेखा अधिकारी (आयात एवं निर्यात) के नाम में भेजनी चाहिए। आवेदन-पत्र में बैंक रसीद का विवरण भी दिया जाना चाहिए जिसके अंतर्गत अपेक्षित शुल्क का निक्षेप किया गया है। निक्षेप सेंट्रल बैंक आफ इण्डिया की किसी भी उस शाखा में किया जाना चाहिए जो आवेदन-शुल्क और अन्य आयात व्यापार नियंत्रण निक्षेप जमा करने के लिए प्राधिकृत की गई हो। सेंट्रल बैंक आफ इण्डिया की उन शाखाओं की एक सूची इस परिशिष्ट में दिखाई गई है जो आवेदन-पत्र शुल्क और अन्य आयात व्यापार निक्षेप प्राप्त करने के लिए प्राधिकृत की गई है।

(ग) किसी भी मामले में शुल्क खजाने में जमा नहीं किया जाना चाहिए। खजाने की रसीद स्वीकार नहीं की जाएगी।

बैंक डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से प्रेषण की सुविधा

(2) (क) लेकिन, यदि आवेदक किसी ऐसे जिले में स्थित है जहां सेंट्रल बैंक आफ इण्डिया की कोई भी प्राधिकृत शाखा नहीं है, तो उसके लिए आवेदन-शुल्क और अन्य आयात व्यापार नियंत्रण निक्षेपों के प्रेषण की सुविधा अनुसूचित बैंक के लिए कास किए गए बैंक ड्राफ्ट के माध्यम से भी उपलब्ध होगी। अपेक्षित धनराशि के लिए ऐसे डिमांड ड्राफ्ट उस सम्बद्ध

लाइसेंस प्राधिकारी के नाम में किए जाएंगे जाँ बैंक ड्राफ्ट को उस जगह के सेंट्रल बैंक में जमा करेगा जहाँ उसका बैंक खाता हो। ऐसी जगह जहाँ सेंट्रल बैंक आफ इन्डिया की कोई शाखा न हो तो लाइसेंस प्राधिकारी के नाम में प्राप्त किए गए डिमांड ड्राफ्ट सरकारी लेखे में जमा करने के लिए सम्बद्ध बतन एवं लेखा अधिकारी को पृष्ठांकित किए जा सकते हैं। विभिन्न बतन एवं लेखा अधिकारियों का क्षेत्राधिकार भी इस परिशिष्ट में बाद में संकीर्णित किया गया है।

(ख) जहाँ कहीं डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से प्रेषण की सुविधा का उपयोग किया जाता है, तो क्रास डिमांड ड्राफ्ट को आवेदन-पत्र के साथ नत्थी करके संबंधित लाइसेंस प्राधिकारी के पास भेज दिया जाना चाहिए।

शुल्क अदा करने की छूट

(3) (क) आवेदक की वे श्रेणियाँ जिन्हें शुल्क अदा करने से छूट मिली हुई है, आयात (नियंत्रण), आदेश 1955 की धारा 4 में दी गई है। उन आवेदन-पत्रों पर भी कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा, जहाँ आयात किया जाने वाला माल आवेदकों के व्यक्तिगत उपयोग के लिए है (अर्थात् उन प्रयोजनों के लिए जो व्यापार अथवा विनिर्माण से संबंधित नहीं हैं) चाहे माल का मूल्य जो भी हो। किंतु, यह छूट कार और अन्य परिवहन के आयात के लिए लागू नहीं है।

(ख) जहाँ कहीं, आवेदक को शुल्क की अदायगी से छूट मिली हुई है, उसे अपने आवेदन-पत्र में बैंक रसीद/बैंक ड्राफ्ट सं. और दिनांक से संबंधित कालम में स्पष्ट रूप से उल्लेख करना चाहिए और जिस प्रावधान के अन्तर्गत उसको ऐसी छूट मिली हुई है, उसका भी संकेत करना चाहिए।

जहाँ बैंक रसीद खो जाती है

(4) ऐसे मामलों में जहाँ आवेदक से मूल रसीद अस्थानस्थ हो गई है, आवेदक को इस संबंध में स्टाम्प कागज पर एक शपथ पत्र दाखिल करना चाहिए कि संबंधित बैंक रसीद खो गई या अस्थानस्थ हो गई और उसका किसी अन्य तरीके से उपयोग नहीं किया गया है। आगे, उसे इस बात का भी उल्लेख करना चाहिए कि यदि बाद में मूल रसीद मिल गई तो उसे संबंधित लाइसेंस प्राधिकारी को लौटा दिया जाएगा और उसका किसी भी अन्य तरीके से उपयोग नहीं किया जाएगा। रसीद के ब्यौरे अर्थात् लाइसेंस अवधि, जमा की गई धनराशि, भुगतान की तिथि का भी शपथपत्र में हवाला दिया जाना चाहिए।

आवेदन-पत्र शुल्क की वापसी

(क) आयात (नियंत्रण) आदेश की धारा 4 में विधि-पूरी परिस्थितियों को छोड़कर, एक बार जमा किया गया आवेदन-शुल्क वापस नहीं किया जाएगा।

(ख) जहाँ आवेदक आवेदन-शुल्क को वापसी के लिए पात्र है, उसे इस परिशिष्ट में दिए गए निर्धारित प्रपत्र में शुल्क वापसी के लिए आवेदन-पत्र उस प्राधिकारी को भेजनी चाहिए जिसके क्षेत्राधिकार में शुल्क अदा किया गया था। शुल्क वापसी के लिए आवेदन करते समय, मूल बैंक रसीद, शुल्क वापसी के आवेदन-पत्र के साथ दी जानी चाहिए। यदि, लेकिन, मूल बैंक रसीद आवेदन-पत्र के साथ संलग्न कर दी गई है, तो बैंक रसीद की अनुरूप भेजी जाए। सभी मामलों में बैंक रसीद और चालान की संख्या और दिनांक उस खजाने/बैंक का नाम दिया जाना चाहिए जहाँ शुल्क जमा किया गया था।

(ग) शुल्क वापसी के ऐसे मामलों में जहाँ धनराशि बैंक ड्राफ्ट के माध्यम से जमा की गई है तो इसके अतिरिक्त आवेदक को निम्नलिखित सूचना भेजनी चाहिए :—

- (1) डिमांड ड्राफ्ट की सं. और जारी करने की तारीख।
- (2) उस बैंक का नाम और शाखा का पता जिसने डिमांड ड्राफ्ट जारी किया था।
- (3) वह बैंक जिसके लिए डिमांड ड्राफ्ट भेजा गया है (अर्थात् भुगतान करने वाला बैंक)।
- (4) उस व्यक्ति का नाम जिसके नाम में डिमांड ड्राफ्ट दिये किया गया था।

आवेदन-पत्र प्राप्त होने पर लाइसेंस प्राधिकारी संबंधित बतन एवं लेखा अधिकारी से यह सत्यापन करने के बाद धन वापसी की मंजूरी प्रदान करेगा कि विषयाधीन धनराशि भारत सरकार के लेखे में जमा करा दी गई है।

साधारणतः शुल्क वापसी के लिए किसी भी आवेदन-पत्र को तब तक स्वीकार नहीं किया जाएगा जब तक कि आवेदक द्वारा शुल्क वापसी का दावा करने के पूरे कारणों का उल्लेख न किया जाए और शुल्क वापसी, जमा कराने के एक वर्ष के भीतर ही मांगी गई हो। लेकिन, वास्तविक मामलों में, लाइसेंस प्राधिकारी दूरी के लिए माफी दे सकते हैं किन्तु किसी भी मामले में शुल्क वापसी के लिए आवेदन-पत्र पर शुल्क वापसी का दावा करने की तिथि से तीन वर्ष व्यतीत होने के बाद विचार नहीं किया जाएगा।

(ब) 1-7-1976 से पहले खजाने में जमा की गई धनराशि की वापसी के मामले में, शुल्क वापसी के लिए आवेदन पत्र में बैंक रसीद संख्या आदि के बजाय खजाना चालान की संख्या एवं दिनांक और खजाने का नाम लिखा होना चाहिए। ऐसे मामलों में, भुगतान के लिए बतन एवं लेखा अधिकारी को वापसी बिल भेजने से पहले मूल जमा धनराशि का सत्यापन किया जाना चाहिए और सम्बन्धित खजाना अधिकारी द्वारा वापसी को नोट कर दिया जाना चाहिए।

(ड) शुल्क वापसी के लिए आवेदन-पत्रों पर विचार करते समय, लाइसेंस प्राधिकारी आवेदक से कोई भी सूचना/व्यापार मांग सकते हैं।

(च) ऐसे मामलों में, जहाँ आवेदक से मूल बैंक रसीद खो गयी हो, नहां लाइसेंस प्राधिकारी इस तथ्य के समर्थन में बैंक या बतन एवं लेखा अधिकारी (आयात एवं निर्यात) से यह प्रमाण-पत्र भी स्वीकार कर सकते हैं कि धनराशि जमा कर दी गई है। ऐसे मामलों में, जहाँ मूल रसीद उपलब्ध नहीं है तो आवेदक को उपर्युक्त तथा उल्लिखित व्यापार दत्ते हुए एक शपथपत्र दाखिल करना पड़ेगा।

(छ) शुल्क वापसी आदेश जारी होने की तिथि से तीन महीने तक वैध होगा। उसके पुनर्विधीकरण का आवेदन उस प्राधिकारी द्वारा जिसने शुल्क वापसी आदेश जारी किया है, पात्रता के आधार पर विचार करने के लिए स्वीकार किया जा सकता है किन्तु यह शुल्क वापसी आदेश की अवधि समाप्ति की तारीख से 9 महीने से अधिक अवधि का नहीं होना चाहिए।

(ज) ऐसे मामलों में जहाँ लाइसेंस प्राधिकारी शुल्क वापसी के अनुरोध को अस्वीकार कर देते हैं, तो वे ऐसी नामंजूरी के कारणों का उल्लेख करेंगे।

परिशिष्ट-2 ग कक्षः

अनुबन्ध-1

आयात लाइसेंस आवेदन पत्र के शुल्क और अन्य आयात व्यापार नियंत्रण निलेयों के भुगतान को प्राप्त करने के लिए प्राधिकृत भारतीय संयुक्त बैंक की शाखाओं की सूची

क्रम सं०	शाखा का पता	जिला
1	2	3

आन्ध्र प्रदेश

1. 6-1-10631, ई, प्रथम मंजिल, राजभवन रोड, खैराताबाद, हैदराबाद-500004. हैदराबाद
2. पोस्ट बाक्स नं० : 30, विक्टरी हाउस, बोर नम्बर 1834-1-18, टैम्पल स्ट्रीट, काकीमाडा-533001. पूर्व गोदावरी
3. 3-1-16, राष्ट्रपति रोड, सिकन्दरा-बाद-500003. हैदराबाद
4. पोस्ट बाक्स नं० 8, गोपी नैनी बिल्डिंग्स, बी-12-319, राजा रांगेश चम्पारस स्ट्रीट, विजयवाडा-520001. कृष्णा
5. पोस्ट बाक्स नं० 22, डोर नं० 5 281, माया लता मेन रोड, राजामुन्नी-533101. पूर्व गोदावरी
6. ई-1, जिपयाई कालोनी, गांधी ग्राम, विशाखापत्तनम-533005. विशाखापत्तनम
7. पोस्ट बाक्स नं० 65, 2918, 119, मेन रोड, विशाखापत्तनम-530001. विशाखापत्तनम
8. पोस्ट बाक्स नं० 5, बाजार स्ट्रीट, सामरबी बिल्डिंग्स, पकाला-517112. चित्तूर
9. 18/188/ बी० के० एन० स्ट्रीट, कडुपाहा-518001. कडुपाहा
10. पोस्ट बाक्स नं० 22, 18/192, रसूल बाजार, करनूल-516001. करनूल
11. 22, अनासागदावरी स्ट्रीट, नेल्सोर-524001. नेल्सोर
12. पोस्ट बाक्स नं० 60, राम गोपाल कम्पाउंड, जवाहर रोड, निजामा-बाद-503001. निजामाबाद
13. रत्ना जुटर, ग्रांड ट्रक रोड, धोमोल-523001. प्रकाशम्

1	2	3
14. पोस्ट बाक्स नं० 27, बेलन बिजा, 8-413 स्टेशन रोड, वारंगल मिट्टी-500002.		वारंगल

असम

15. रहमान मंजिल, पान बाजार, गोहाटी-781001. गोहाटी
16. मारवाडी पट्टी पोस्ट आफिस, रेहाबाड़ी, डिब्रुगढ़-786001. डिब्रुगढ़
17. सिल्वर, पोस्ट आफिस सिल्वर. कच्छार
- 17क. तिनसुकिया. डिब्रुगढ़

बिहार

18. बैंक नार्थ-802156, धनबाद. धनबाद
19. पोस्ट बाक्स नं० 14, मेन रोड, विस्तुपुर, जमशेदपुर-831001. सिहमूड़
20. पोस्ट बाक्स नं० 64, न्यू बाक बंगला रोड, पटना-800001. पटना
21. पोस्ट बाक्स नं० 5, गोवर्धन रोड, पोस्ट आफिस, दरभंगा-846004. दरभंगा
22. डाकखाना मधुबनी-847211, मधुबनी. मधुबनी
23. रामगढ़ नेशनल हाईवे 33, डाक खाना रामगढ़ कैंट, हजारीबाग. हजारीबाग
24. पोस्ट बाक्स नं० 38, नबकेतन, डा० राजेन्द्र प्रसाद रोड, भागलपुर-81200. भागलपुर
25. पोस्ट बाक्स नं० 23, बाड़ी बाजार, मुंगेर, 811201. मुंगेर
26. एम० जी० रोड, कटिहार-854105. कटिहार
27. डाक खाना पूर्णिया, भद्रवाल मार्किट, धार० एन० शाह चौक, पूर्णिया-854301. पूर्णिया
28. डाकखाना, सहरसा, 852201. सहरसा
29. पोस्ट बाक्स नं० 8, मेन बाजार चौक, रक्सौल-845305. बम्भारन
30. इन्स्टीट्यूट इंजीनियरिंग रोड, इन्स्टीट्यूट-822101. पासापुर्न
31. पोस्ट बाक्स नं० 201, एम० जी० रोड, सूरत-395003. सूरत
32. न्यू वीजीटैबल मार्किट, पोस्ट बाक्स नं० 62, बलसूर-396001. बलसूर

1	2	3	1	2	3
33. कलाबिलडिंग पानीपेट बड़ौदा-380001			55. पोस्ट बाक्स नं० 60, 590, मंजीरोट, दशगरे-577001		चित्रकुर्गा
34. क्वासी सिनेमा के पास, लाल बरबाणा, महमदाबाद-380001		महमदाबाद	केरल		
35. पोस्ट बाक्स नं० 505, 3/62, मांडवी टावर रोड, जामनगर- 361001		जामनगर	56. पोस्ट बाक्स नं० 14, बाजार रोड, कोचीन-82002		एनीकुलम
36. पत्तामी बिलडिंग, पोस्ट बाक्स नं० 129, एम० जी० रोड, राजकोट-360001		राजकोट	57. पोस्ट बाक्स नं० 38, न्यू, क्वाथमाल बिल्डिंग्स, पहली मंजिल, टी० सी० 21/219, प्रोजेक्ट जी० पी० ओ०, मेन रोड, त्रिवेन्द्रम- 6950001		त्रिवेन्द्रम
37. हैरीस रोड भावनगर-364001		भावनगर	58. पोस्ट बाक्स नं० 28, क्यू० एम० जी० 526, बी० बार्डि० ए०, चिन्नाकावा, स्टेट हाउस, जंक्शन-691001		क्यूईलोन
38. जोवा चौक, पोर्ट ट्रस्ट बिल्डिंग, गांधीघाट-370201		कच्छ	59. पोस्ट बाक्स नं० 1123, 21/421-सी, एम० जी० रोड, एनीकुलम, कोचीन		कोचीन
39. जामा मस्जिद रोड, बहुरथ- 392001		बहुरथ	मध्य प्रदेश		
हरियाणा			60. पोस्ट बाक्स नं० 10, जयेश्वर गंज, खरकर, खालियर-474001		खालियर
40. रेलवे रोड, बहादुरगढ़-124507		रोहतक	61. 14, न्यू मार्किट, टी० टी० नगर, भोपाल		भोपाल
41. बसई रोड, गुड़गांव-122001		गुड़गांव	62. पोस्ट बाक्स नं० 89, जवाहर मार्ग, मियागंज इंदौर सिटी-452001		इंदौर
42. इंडस्ट्रियल एरिया, फरीदाबाद एम० आई० टी०-121001		गुड़गांव	63. पोस्ट बाक्स नं० 11, 506 सराफा बाजार, जबलपुर-482001		जबलपुर
43. चौक मस्त पूरियान, पंजाला महर-134002		अम्बाला	64. पोस्ट बाक्स नं० 23 छांडवा, गवर्नमेंट हास्पिटल के सामने, छांडवा-450001		पूब निमार
44. सखी मंजी, सिरसा-125055		सिरसा	65. चर्च कम्पाउंड बस स्टेशन, बितल		बितल
हिमाचल प्रदेश			66. श्रीरक्षिया भवन, मेन रोड, पोस्ट आफिस-बालाघाट-481001		बालाघाट
45. लोघर बाजार, 171991, जिला शिमला		शिमला	67. पोस्ट बाक्स 17, ग्रेट ईस्टर्न रोड, रायपुर 492001		रायपुर
जम्मू और कश्मीर			68. मार्फैड थी के० एन० टंडन बिल्डिंग्स, रेवा रोड, सतना-485001		सतना
46. पोस्ट बाक्स नं० 59, इश्रा मेशन, शालीमार रोड, रबुनाथ बाजार, जम्मू तबी-180001		जम्मू	69. पोस्ट बाक्स नं० 52, पटेल भवन, बिलासपुर		बिलासपुर
47. पोस्ट बाक्स-नं० 91, अमीरा काबल, श्रीनगर		श्रीनगर	70. पोस्ट बाक्स नं० 32 सिविल सेंटर, भिलाई-490001		कुर्ग
कर्नाटक			मेघालय		
48. पोस्ट बाक्स नं० 14, III/सी० टी० एन० नं० 1012/1-बी, दाजोवेन पेथ, हुबली-580020		धारवाड़	71. बड़ा बाजार रोड, 28, [कन्टोनमेंट, शिलांग-790001		शिलांग
49. 1 3852 बी, प्रोजेक्ट बिल्डिंग, हैम्पकटा, मंगलूर-575003		दक्षिण कनारा	महाराष्ट्र		
50. 3-4, विश्वेश्वरैया भवन, पहली मंजिल, कृष्णा राजेश्वर सफिल, मैसूर-570001		मैसूर	72. महात्मा गांधी रोड, बम्बई		बम्बई
51. सतीश सिनेमा कम्प्लेक्स, कामा- गोबादा रोड, बंगलूर-560009		बंगलूर	73. 2-5-102, स्टेशन रोड, गलमंडी, श्रीरंगाबाद		श्रीरंगाबाद
52. "बी निवारो" बंगलूर बिल्डिंग रोड, बिल्डिंग-583101		बिल्डिंग			
53. पहली मंजिल, सुपर मार्किट, प्लाट नं० 7 और 8, गुलबर्गा-585101		गुलबर्गा			
54. 11-2-7 सुबानी बिल्डिंग, गोल धाना के पास, रायचूर-58410 1		रायचूर			

1	2	3	1	2	3
74. नावहटी ब्रिजर्स, ग्रांट रोड, बंबई 400007	बंबई		96 पोस्ट बाक्स नं० 83, 1, कबीर रोड मिथिल लाइन्स, अमृतसर-143001		अमृतसर
75. 129, मांडवी जानाबाई बिल्डिंग, मस्जिद बंदर, मांडवी रोड, बम्बई-400003	बंबई		राजस्थान		
76 मधु संजय तिलक रोड, नासिक सिटी-422001	नासिक		97. संपार चन्द्र रोड, जयपुर-302001		जयपुर
77. पोस्ट बाक्स नं० 51, 317, एम० जी० रोड, कैम्प, पूना (पुणे)	पुणे		98. जालोंगे गेट, चोखानो रोड, जोधपुर-342001		जोधपुर
78. पोस्ट बाक्स नं० 46, गोंधी भवन, "सी", 1407, लक्ष्मी पुरी, कोल्हापुर-416002	कोल्हापुर		99. कलाय मार्किट, पाली-306401		पाली
79. पोस्ट बाक्स नं० 20, सी० टी० एस०, 183/1, निखार बाग, नागली-416416	नागली		100. पोस्ट बाक्स नं० 21, आर्य समाज रोड, कोटा-324001		कोटा
80. स्टेशन रोड, नागपुर-440001	नागपुर		101. पोस्ट आफिश बाक्स नं० 22, के० ई० एम० रोड, बीकानेर-334001		बीकानेर
81. पोस्ट बाक्स 43, कपवत लेन नं० 4, धुलिया-424001	धुलिया		102. पोस्ट बाक्स नं० 25, 10 पब्लिक पार्क, श्री गंगानगर-335001		गंगानगर
82. प्रकाश कुंज, नव पेय, जलगांव-425001	जलगांव		103. लाधिया बाजार, नागौर, मारवाड़-341001		नागौर
83. कलाय मार्किट तजनापेय, अकोला-444001	अकोला		104. पोस्ट बाक्स नं० 49, गेट के बाहर, उदयपुर-313001		उदयपुर
84. पुष्पी बंदन, गांधी चौक, योतमाल-445001	योतमाल		तमिलनाडु		
85. वजीराबाद रोड, नरिंद-4316011	नरिंद		105. पोस्ट बाक्स नं० 190, मद्रास स्ट्राक, एक्सचेंज बिल्डिंग, 16/17 तूनी लाइन बीच, मद्रास-600001		मद्रास
86. शंकर भवन, मोर्सी रोड, अमरावती-444601	अमरावती		106. यूनाईटेड मोटर्स बिल्डिंग, 150, अविनाश रोड, कोयंबटूर-641008		कोयंबटूर
87. 1/5/14 शाह रोड, लैटूर-413512	उस्मानाबाद		107. एंडोसन बिल्डिंग मद्रास (टी० एन०), पोस्ट बाक्स नं० 2719, 158, माउन्ट रोड, मद्रास-600002		मद्रास
87क. मराठी ग्रंथ संग्रहालय बिल्डिंग, नेताजी सुभाष बोस रोड, याना	याना जिला याना		108. पोस्ट बाक्स नं० 43, शेवर हेल, बैस्टन बोनलेवर्ड रोड के सामने, त्रिचूरपल्ली-620008		त्रिचूरपल्ली
उड़ीसा			109. 54, बीच रोड, फेवर लाइट, तूलीकोरिन-628001		तिरुनेलवली
88. प्लाट नं० 106-बी, यूनिट नं० 7, ग्राउंड फ्लोर, सूर्यनगर, बृषनेश्वर-74100	पूरी		110. सकार स्ट्रीट, पल्ली मंजिल, बिरघुनगर-626001		रामनाथपुरम
89. पटेल बिल्डिंग, बक्सी बाजार, कटक-743001	कटक		111. पोस्ट बाक्स नं० 8, 15, मोनाथी, कोविल स्ट्रीट, मदुराई-625001		मदुराई
90. शर्मा बिल्डिंग, पल्ली मंजिल, मेन रोड, राउरकेला-760001	सुरेन्द्रगढ़		त्रिपुरा		
91. म्युनिसिपल शॉपिंग सेंटर के सामने कचहरी रोड, बालासोर-756001	बालासोर		112. मंजीबाड़ी रोड, अग्रनला-799001		त्रिपुरा
92. 226/5, मेन रोड, बोड़ा बाजार, बेहरामपुर-760002	गंजम		उत्तर प्रदेश		
पंजाब			113. पोस्ट बाक्स नं० 8, 161, खेरनगर बाजार, मेरठ सिटी-250002		मेरठ
93. याना मंडी रोड, कपूरथला-144601	कपूरथला		114. पोस्ट बाक्स नं० 40, 29 महात्मा गांधी मार्ग इलाहाबाद-211001		इलाहाबाद
94. पोस्ट बाक्स नं० 55, मंडी रोड, जलंधर-144001	जलंधर		115. राइट गंज, गाजियाबाद-201001		गाजियाबाद
95. पोस्ट बाक्स नं० 36, निजाम रोड, खुशियाना-144101	खुशियाना		116. 1271, धैरों बाजार, बैलनगंज, आगरा-282004		आगरा
			117. 8/90, पल्ली मंजिल, आर्यनगर, कानपुर-208002		कानपुर
			118. पोस्ट बाक्स नं० 161, 73, एम० जी० रोड हज़रत गंज, लखनऊ-226001		लखनऊ

1	2	3	1	2	3
119. पोस्ट बाक्स नं० 78, सी० के० 39/76, बौक, वाराणसी-221081	वाराणसी		129. छोटा कोठी, डाकखाना कूच बिहार- 736101।		कृष्ण बिहार
120. बाराबाद बिल्डिंग, मेन रोड, नियर भारत प्लेस, भदोई-221401	भदोई		130. एन० सी० गोयन्का रोड, दार्जिलिंग		दार्जिलिंग
121. 121, पोस्ट बाक्स नं० 45, हासियटन रोड, बरेली-243001	बरेली		131. पोस्ट बाक्स नं० 29, थियेटर रोड, जलपाईगुडी-735101		जलपाईगुडी
122. अयोध्या द्वार, बैरिस्टर रोड, मोहल्ला पुरविलपुर, गोरखपुर-273001	गोरखपुर		132. मांहीबसी, बाल रायगंज केन्द्र शासित प्रदेश दिल्ली		पश्चिमी दीनाजपुर
123. होटल नटराज बिल्डिंग, वि माल, मैनीताल	मैनीताल		133. उद्योग भवन नई दिल्ली-110001		नई दिल्ली
124. बेलतार, मिर्जापुर-231001	मिर्जापुर		गोवा, दमन और दीव		
125. पी० बी० नं० 6, स्टेशन रोड, मुरादाबाद-244001	मुरादाबाद		134. स्वतन्त्री पथ, वास्को-डि-गामा-403802		गोवा
पश्चिम बंगाल			135. रुभा०, एलफेमोडा डी एल्बुक्कारक्यू पणजी-403001।		गोवा
126. फीडर रोड, डाकखाना दुर्गापुर-713201	बडवान		पाण्डिचेरी		
127. पोस्ट बाक्स नं० 29, 18/ए, ग्रांड ट्रंक रोड, (साउथ) हावड़ा	हावड़ा		136. पोस्ट बाक्स नं० 61, 4, अम्बाला— थादियार, मदाम स्ट्रीट, पाण्डिचेरी-605001।		पाण्डिचेरी
128. पोस्ट बाक्स नं० 40, मलीद हाउस, 3, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता	कलकत्ता		चंडीगढ़		
			137. एस० सी० एफ० 23 सेक्टर 15-सी, चंडीगढ़		चंडीगढ़

परिशिष्ट—2 ग

अनुबन्ध—2

लाइसेंस प्राधिकारियों और वेतन तथा लेखा अधिकारियों (आयात एवं निर्यात) के क्षेत्राधिकार का संकेत करने वाली सूची

वेतन तथा लेखा अधिकारी बम्बई	वेतन तथा लेखा अधिकारी कलकत्ता	वेतन तथा लेखा अधिकारी मद्रास	वेतन तथा लेखा अधिकारी नई दिल्ली
1	2	3	4
संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, बम्बई	संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, कलकत्ता	संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, मद्रास	संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात (सी० एल० ए०), नई दिल्ली
संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, अहमदाबाद	नियंत्रक, आयात-निर्यात, इम्फाल, शिलांग	संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, हैदराबाद	संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, कानपुर
उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, भोरा	नियंत्रक, आयात-निर्यात, पटना	संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, बंगलौर	उप-मुख्य नियंत्रक, आयात- निर्यात, अमृतसर
नियंत्रक, आयात-निर्यात पणजी (गोवा)	नियंत्रक, आयात-निर्यात, कटक (उड़ीसा)	उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, चेन्नई-1।	उप-मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात, जयपुर
नियंत्रक, आयात-निर्यात, गांधी धाम (कच्छ)	नियंत्रक, आयात-निर्यात, अगरतला	नियंत्रक, आयात-निर्यात, बिलासपुर-1।	नियंत्रक, आयात-निर्यात ओनगर
नियंत्रक आयात-निर्यात, राजकोट।	उप-मुख्य नियंत्रक, आयात- निर्यात, गोंदा	नियंत्रक आयात-निर्यात, पाण्डिचेरी।	नियंत्रक, आयात-निर्यात चंडीगढ़

परिशिष्ट-2 ग जारी

अनुबन्ध-3

शुल्क वापसी के लिये आवेदक द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली अपेक्षित सूचना का ब्यौरा

1. खजाना/बैंक रसीद/बैंक ड्राफ्ट जिसके मद्दे शुल्क वापसी मांगी गई है

- (1) खजाना रसीद/बैंक रसीद/डिमांड ड्राफ्ट की संख्या और दिनांक
- (2) स्थान सहित बैंक/खजाने का नाम।

2. उपर्युक्त कालख (1) में उल्लिखित खजाना/बैंक रसीद/ बैंक ड्राफ्ट के मद्दे भेजे जाने वाले प्रस्तावित आयात आवेदन-पत्र के ब्यौरे:—

- (1) माल का विस्तार में विवरण
- (2) माल का मूल्य
- (3) माल का आयात व्यापार नियंत्रण धर्गीकरण
- (4) लाइसेंस अवधि
- (5) आयातक की श्रेणी
- (6) लाइसेंस प्राधिकारी
- (7) प्रायोजक प्राधिकारी (अर्थात् महानिदेशक, तकनीकी विकास महानिदेशक, आपूर्ति एवं निर्यात, आयात निर्यात प्रक्रिया पुस्तक 1985-88 के अनुसार प्रमाणित करने वाला प्राधिकारी)
- (8) क्या खजाना चालान/बैंक रसीद/डिमांड ड्राफ्ट के मद्दे कोई आयात आवेदन-पत्र या खजाना चालान/बैंक रसीद/डिमांड ड्राफ्ट में उल्लिखित माल (मदों) और मूल्य के आयात के लिए कोई आवेदन-पत्र आयात निर्यात प्रक्रिया पुस्तक, 1985-88 में उल्लिखित किसी लाइसेंस प्राधिकारी, प्रायोजक प्राधिकारी की अनिवार्यता प्रमाणपत्र/आयात लाइसेंस प्रदान करने के लिये भेजा गया है या नहीं, और यदि हाँ तो उसकी संख्या और दिनांक बतायें।

3. उपर्युक्त पैरा 2 में उल्लिखित किसी भी प्राधिकारी और लाइसेंस प्राधिकारी से आयात लाइसेंस जारी करने से संबंधित यदि कोई पत्राचार हुआ है, तो उसकी संख्या और दिनांक।

4. वह खजाना चालान/बैंक रसीद/डिमांड ड्राफ्ट जिसके लिये शुल्क वापसी मांगी गई है, उसके धबके में यदि कोई नया खजाना चालान/बैंक रसीद/डिमांड ड्राफ्ट भेजा गया हो, तो उसकी संख्या, दिनांक और मूल्य

5. खजाना चालान/बैंक रसीद/बैंक ड्राफ्ट के निक्षेप के उचित समय के भीतर शुल्क वापसी के लिये आवेदन न करने के कारण।

6. बावें की पुष्टि करते हुए विस्तृत कारण दिया जाए कि प्रस्तावित आयात आवेदन-पत्र, उपर्युक्त पैरा 2 में बताए गए किसी लाइसेंस प्राधिकारी को क्यों नहीं भेजा गया।

घोषणा

हम सत्यनिष्ठा पूर्वक एतद्वारा यह घोषणा करते हैं कि हम ने अपने के लिये खजाना चालान/बैंक रसीद/बैंक ड्राफ्ट संख्या के मद्दे किसी भी लाइसेंस प्राधिकारी को आयात लाइसेंस या पोत लदान बिल या सीमा शुल्क निकासी परमिट के लिये कोई आवेदन-पत्र नहीं भेजा है।

आवेदक के हस्ताक्षर

साफ अक्षरों में नाम

और पता

परिशिष्ट-2घ

बैंक द्वारा वित्तयुक्त किए गए व्यापार साधनों की निकासी के लिए सार्वजनिक सूचना

बाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं. 60-आयात व्यापार नियंत्रण (पी.एन.)/50, तारीख 21-7-1950 की प्रति

विषय :— लाइसेंसधारियों द्वारा पक्के साख पत्रों के अधीन आधारित बिलों का भुगतान न करने पर भारत में विनिमय बैंक द्वारा वित्त पोषित माल की निकासी।

कुछ बैंक संघों ने यह प्रतिवेदन किया है कि यदि अदाकर्ता पक्के अपरिवर्तनीय साखपत्र के अंतर्गत किए गए समझौते को पूरा न करे तो बैंक को साख पत्र के अधीन अदायगी के लिए विदेशी मुद्रा प्रेषित करने के लिए अपने धन को पूरा करना पड़ता है किन्तु उनके अपने नाम से कोई वैध आयात लाइसेंस

न होने के कारण वह सीमा शुल्क कार्यालय से माल छोड़ा नहीं पाता है।

2. इस कठिनाई से बचने के लिए, यह निर्णय किया गया है कि इसके बाव सभी लाइसेंस निम्नलिखित शर्तों के अधीन जारी किए जायेंगे और ये शर्तें लाइसेंस पर पष्ठांकित होंगी "इस लाइसेंस की यह शर्त होगी कि जिन मामलों में लाइसेंस में शामिल सामान के आयात का वित्त पोषण करने के लिए लाइसेंसधारी द्वारा अपरिवर्तनीय साख पत्र खोला गया हो उनमें विदेशी मुद्रा का लेन देन करने वाले उस प्राधिकृत व्यापारी जिसके माध्यम से साख पत्र खोला गया हो, को उस लाइसेंस का संयुक्त लाइसेंसधारी माना जाएगा, किन्तु उसे सामान की उतनी

मात्रा के लिए ही संयुक्त लाइसेंसधारी समझा जाएगा, जो साख पत्र में शामिल हो।

3. लाइसेंस पर पृष्ठांकन करने का प्रभाव यह होगा कि यदि बैंध आयात लाइसेंस के आधार पर साख पत्र खोलने पर और सामान पहुँच जाने पर लाइसेंसधारी साख पत्र के आधार पर बिलों का भुगतान न करे तो जिस बैंक ने साख पत्र खोला है, वह फिर भी सीमाशुल्क कार्यालय से सामान छुड़ा सकेगा और उन विदेशी पूर्तिकर्ताओं को विदेशी मुद्रा भी भेज सकेगा, जिनके नाम में उस सामान के मूल्य की राशि को सम्बन्धित लाइसेंस के नामे डालकर साख पत्र खोला गया था।

4. इस सम्बन्ध में निम्नलिखित कार्यविधि तत्काल अपनाई जाएगी :—

- (1) ऐसे मामलों में सामान की निकासी करने वाले बैंक सीमा शुल्क कार्यालय को इस आशय का प्रमाण पत्र देंगे कि सामान का आयात कर लिया गया है और बैंध आयात लाइसेंस और पक्के अपरिवर्तनीय साख पत्र के प्राधिकार के अधीन बैंकों या उनके एजेंटों ने विदेशी मुद्रा प्रेषित कर दी है।

- (2) वे लाइसेंस की विदेशी मुद्रा नियंत्रण प्रति भी प्रस्तुत करेंगे और यदि यह उपलब्ध न हो, तो वे लाइसेंस और लाइसेंसधारी का पूरा ब्योरा प्रस्तुत करेंगे।

- (3) सामान की निकासी के समय, सामान के मूल्य की धनराशि की प्रविष्टि सीमा शुल्क कार्यालय द्वारा रखे जाने वाले रजिस्टर में की जाएगी और उसमें इस बात का भी उल्लेख किया जाएगा कि माल की निकासी बैंकों द्वारा की गई है। यदि मूल लाइसेंसधारी आयात लाइसेंस की सीमाशुल्क प्रति बाद में और जैसे ही प्रस्तुत करता है, तो यह वस्तु स्थिति तत्काल अपने आप ही स्पष्ट हो जाएगी कि कुछ ऐसा सामान भी पहले ही छुड़ा लिया गया है जो लाइसेंस में शामिल है और तब सीमा शुल्क कार्यालय उस सामान की राशि को लाइसेंस के नामे डाल देगा।

- (4) यह सुनिश्चित करने के लिए कि आयात लाइसेंस की सीमा शुल्क निकासी की प्रति का उपयोग किसी अन्य पत्तन पर न किया जाए, सीमा शुल्क कार्यालय, बैंकों द्वारा सामान की निकासी के लिए दी गई स्वीकृति की सूचना अन्य पत्तनों को देंगे और साथ-साथ ऐसे शेष सामान की सूची भी भेजेंगे, जिसके लिए लाइसेंस बैंध है।

प्रपत्र

लाइसेंसों की अनुलिपि प्रति जारी करने के लिए शपथ-पत्र का

परिच्छेद-2

खो गए या अस्थानस्थ हो गए लाइसेंसों और सीमा शुल्क निकासी परमिटों की अनुलिपियाँ प्राप्त करने के लिए शपथ-पत्र का प्रपत्र

“मैं/हम सत्यनिष्ठा पूर्वक पृष्ठ एवं घोषणा करता हूँ/करते हैं कि मुझे/हमें से के आयात/निर्यात के लिए जारी किए गए लाइसेंस संख्या दिनांक की सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति/मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति/दोनों प्रतियाँ किसी भी सीमा शुल्क प्राधिकारी के पास पंजीकृत कराए बिना और बिल्कुल उपयोग किए बिना/(सीमा शुल्क कार्यालय) के पास पंजीकृत कराने और उसका आंशिक रूप से उपयोग करने के बाद खो गई/अस्था नस्थ हो गई है। कुल धनराशि जिसके लिए लाइसेंस जारी

किया गया था वह रु. है और कुल शेष धनराशि जिसे पूरा करने के लिए अब मूल प्रति/या अनुलिपि प्रति की आवश्यकता है वह रुपये है। मैं/हम आगे सत्यनिष्ठा पूर्वक पृष्ठ और घोषणा करता हूँ/करते हैं कि उक्त लाइसेंस मेरे/हमारे द्वारा रद्द, धरोहर, हस्तांतरित नहीं किया गया है या मेरी/हमारी ओर से किसी भी अन्य पार्टी को किसी भी प्रयोजन/या विचार से चाहे जो कुछ हो के लिए सौंपा नहीं गया है और अनुरोध है कि मूल लाइसेंस को रद्द किया जाए और उसके स्थान पर मैंने/हमने जिस अनुलिपि प्रति के लिए आवेदन किया है वह जारी की जाए। मैं/हम इस बात से सहमत हूँ/हैं और वचन देता हूँ/देते हैं कि यदि मूल लाइसेंस बाध में मिल गया तो मैं/हम उसे जारी करने वाले प्राधिकारी को उनके रिकार्ड के लिए लौटा दूंगा/लौटा देंगे।”

परिशिष्ट-2च

एयर इंडिया/इंडियन एयरलाइन्स के माध्यम से आयात

आयात लाइसेंस लागत-बीमा-भाडा के आधार पर मूल्य के साथ जारी किए जाते हैं। फिर भी, आर. ई. पी. लाइसेंस-धारी (अग्रिम/अग्रवाय लाइसेंस और अतिरिक्त लाइसेंस सहित) जो ऐसे लाइसेंसों के मद्दे एयर इंडिया/इंडियन एयरलाइन्स के माध्यम से माल का आयात करते हैं और भारत में अपरिवर्तनीय भारतीय रुपयों में वायुयान का भाडा चुकाते हैं, उन्हें आयातित माल की लागत और बीमे के अनुसार अपने लाइसेंसों के पूर्ण मूल्य का उपयोग करने की अनुमति होगी। अन्य शब्दों में, आयात लाइसेंस के मूल्य का वह भाग जिसके अन्तर्गत "भाडा" के निमित्त रखी गई पूर्ण धनराशि आ जाती है, उस भी आयात किए जाने वाले माल के सम्बन्ध में लागत और बीमे पर उपयोग करने की अनुमति दी जाएगी। वायुयान भाडा के प्रति शुकाई गई धनराशि लाइसेंस के मूल्य में नहीं डाली जाएगी। इस सीमा तक, आर. ई. पी. लाइसेंसधारी, भाडा के मामले में जो आयात वह कर सकता था उसकी अपेक्षा अधिक मात्रा का ऐसा माल आयात करने का पात्र होगा, जो लाइसेंस के सम्पूर्ण मूल्य के नामे डाला जा सकता था।

2. यह सुविधा पूजिगत माल/एच. ई. पी. के लिए आयात लाइसेंसों के लिए कच्चे माल/सघटको/फालतू पूर्ण/उपभोज्य सामग्री के आयात के लिए जारी किए गए वास्तविक उपयोक्ता लाइसेंसों के मामले में भी उपलब्ध होगी।

3. यह सुविधा इन शर्तों के अधीन होगी कि (1) आयात, लाइसेंस के समस्त मूल्य से अधिक नहीं होगा, (2) यदि लाइसेंस में अलग भवों के लिए कोई अंकित मूल्य प्रतिबंध है, तो बढ़ाया नहीं जाएगा, और (3) आयात पर लागू होने वाली अन्य शर्तें अपरिवर्तनीय रहेंगी।

4. जो लाइसेंसधारी यह सुविधा प्राप्त करना चाहते हैं, उनके लिए आवश्यक नहीं होगा कि वे इस विषय में लाइसेंस प्राधिकारी से एक पृष्ठाकन प्राप्त करें। यदि अन्यथा रूप से आदेश सही हुआ, तो इन व्यवस्थाओं के अनुसार सीमा शुल्क प्राधिकारी आयात के लिए अनुमति देंगे। इसी प्रकार से विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत व्यापारी भी ऐसे मामलों में विदेश में धन परेषण के लिए वायुयान भाडा की धनराशि लाइसेंस के लागत-बीमा-भाडा मूल्य के नामे नहीं डालेंगे।

5. जो लाइसेंसधारी यह सुविधा प्राप्त करना चाहते हैं, वे अपने आवेदन और साक्षपत्र (जहाँ खोला गया हो) में स्पष्ट लिखें कि विदेशी पोतवणिक को विदेश में एयर इंडिया या इंडियन एयर लाइन्स के ब्रूकिंग कार्यालय को यह परामर्श देना चाहिए कि भारत माल 1985-88 की आयात-निर्यात प्रक्रिया पुस्तक के पैरा 90 के अधीन आयात किया गया था और इस विषय में सगत वायु मार्ग बिल के ऊपर साफ अक्षरों में भर्तीकृत करें। वायुयान बिल पर ऐसी सूचना से एयर इंडिया/इंडियन एयर लाइन्स को यह सुनिश्चित करना सम्भव हो जाएगा कि माल वास्तविक रूप से एयर इंडिया या इंडियन एयर लाइन्स द्वारा ही ले जाया गया था और समूह व्यवस्था में साक्षदार एयर लाइन्स को हस्तांतरित नहीं किया गया।

6. लाइसेंसधारी इसके लिए बाध्य होगा कि आयातित माल के सम्बन्ध में माल की सुपूर्दगी का आदेश प्राप्त करने के लिए एयर इंडिया/इंडियन एयरलाइन्स से सम्पर्क करते समय वह लाइसेंस के व्योरे एयर इंडिया/इंडियन एयरलाइन्स को ये व्योरे नीचे दिए गए—“सूचना पत्ती” के प्रपत्र में भेजने चाहिए —

7. इस परिशिष्ट में दिए गए प्रावधान भारतीय जलयानों के माध्यम से किए आयातों के लिए भी निर्धारित शर्तों के अधीन लागू होंगे।

सूचना पत्ती

1. लाइसेंसधारी का नाम और पता
2. जिस आर.ई.पी./एयू/सीजी लाइसेंस के मद्दे आयात किया गया है, उसकी सख्या और दिनांक
3. उपर्युक्त (2) में सदर्भित आर. ई. पी. /वास्तविक उपयोक्ता/पूजिगत माल लाइसेंस का लागत-बीमा-भाडा मूल्य
4. उपर्युक्त (3) में दिए गए मूल्य में से निकासी किए जाने वाले आयात परेषण का मूल्य

लाइसेंसधारी या उसके प्राधिकृत प्रतिनिधि के हस्ताक्षर।

दिनांक —

परिशिष्ट-2क

प्रपत्र-ड

वास्तविक उपयोक्ताओं की ओर से उद्योग के संघ/निर्यात सदन/
व्यापार सदनों द्वारा आयात करने के लिए आवेदन-पत्र का प्रपत्र

1. आवेदक का नाम

(पूरे डाक पते के साथ)

2. (क) फर्म का दर्जा : क्या सार्वजनिक क्षेत्र निगम, सहकारी समिति, उद्योग का संघ, निर्यात सदन, व्यापार सदन है।

(ख) जैसा भी मामला हो, निदेशकों, साक्षी-दारों, स्वामियों और पधारियों का नाम।

(ग) शाखाओं के ब्यौरे, यदि कोई हों तो।

3. प्रस्तावित थोक आयात को प्राधिकृत करते हुए राज्य उद्योग निदेशक द्वारा जारी किए गए प्रमाण-पत्र की प्रति (यह संघ/सहकारी समितियों के मामले में ही भेजना चाहिए)।

4. अपेक्षित शुल्क का भुगतान दर्शाते हुए बैंक रसीद/ डिमांड ड्राफ्ट की संख्या और तारीख (बैंक रसीद/ डिमांड ड्राफ्ट संलग्न किया जाए)।

5. लाइसेंस अविधि जिसके लिए आवेदन पत्र भेजा गया है।

6. आयात किए जाने वाले माल के ब्यौरे :—

(क) परिशिष्ट सं./क्र. सं. के साथ माल का विवरण (सम्पूर्ण लाइसेंस के मामले में)।

(ख) लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य रुपए में।

(ग) पोतलदान का देश।

7. उपयोक्ताओं की व्यापक श्रेणी और उनके द्वारा विनिर्मित मद (दें)।

(1) मैं/हम एतद् द्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि आवेदन पत्र में दी गई सूचना ठीक है। मैं/हम भली-भांति समझता हूँ/समझते हैं कि यदि प्रस्तुत की गई सूचना का कोई भी भाग गलत, भ्रूषा या भ्रमात्मक पाया गया तो इस सम्बन्ध में जो अन्य कार्रवाई की जा सकती है उसके अतिरिक्त इस जानकारी के आधार पर किया गया कोई भी लाइसेंस रद्द किया जा सकता है।

(2) पिछले लाइसेंस वर्ष के लिए एकक के पक्ष में मैंने/हमने सम्पूर्ण लाइसेंस प्राप्त नहीं किया है।

(3) मैं/हम एतद् द्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि जिस एकक के पक्ष में यह आवेदन

पत्र दिया गया है उसने किसी भी लाइसेंस प्राधिकारी से अलग-अलग आटोमेटिक/सम्पूर्ण लाइसेंस प्राप्त नहीं किए हैं।

(4) मैं/हम एतद् द्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि आयातित माल उस सम्बन्धित वास्तविक उपयोक्ता को सौंपा जाएगा जिसके पक्ष में आयात किया जा रहा है और प्रायोजक/ लाइसेंस प्राधिकारियों के निरीक्षण के लिए एसे वितरण का उचित लेखा रखा जाएगा।

आवेदक के हस्ताक्षर

पदनाम

कार्यालय का पूरा पता

स्थान

निवास स्थान का पूरा पता

दिनांक

भेजे जाने वाले दस्तावेज :—

(1) आवेदन पत्र दो प्रतियों में

(2) आवेदन पत्र शुल्क के लिए मूल बैंक रसीद/डिमांड ड्राफ्ट

(3) मान्यता प्राप्त प्रमाण-पत्र की फोटोस्टैट प्रति

(4) सम्पूर्ण लाइसेंस के मामले में आयात की जाने वाली मवों की सूची की सात प्रतियां

(5) प्रत्येक एकक से यह दर्शाते हुए एक घोषणा पत्र कि वास्तविक उपयोक्ता की शर्त के अनुसार आयातित माल उस की अपनी फैक्टरी में ही इस्ते-माल होगा।

(6) सम्बन्ध एककों के ब्यौरे देते हुए एक विवरण—उनका नाम और पता (कारखाने के पते सहित) लघु उद्योग पंजीकरण की संख्या और दिनांक, विनिर्मित अंतिम उत्पाद, आवेदित मूल्य।

(7) सम्पूर्ण लाइसेंस के मामले में प्रत्येक एकक को सम्पूर्ण लाइसेंस दिए जाने का औचित्य देते हुए एक टिप्पणी।

परिशिष्ट-2अ

(क)

प्रतिबंधित माल की स्वीकृति और गारन्टी पत्र के लिए बंधपत्र का प्रपत्र

यह सबको ज्ञात हो कि सीमाशुल्क कलक्टर - - - - - ने जिस इसमें आगे 'उक्त कलक्टर' कहा गया है और इसके अंतर्गत सीमा शुल्क कलक्टर, - - - - - के कर्तव्यों का तत्समय निर्वहन करने वाला व्यक्ति भी है इसमें आगे लिखी अनुसूची में वर्णित माल की निकासी की अनुज्ञा दे दी है। अतः हम (1) - - - - - (आयातकर्ता) (2) - - - - - (प्रतिभू) भारत के राष्ट्रपति के प्रति - - - - - रुपये की रकम का, तत्समय उक्त कलक्टर को नीचे लिखी शर्तों के अधीन रहते हुए संदाय करने के लिए स्वयं को और अपने में से प्रत्येक को तथा अपने अपने वारिसों, निष्पादकों, प्रशासकों और विभिन्न प्रतिनिधियों को संयुक्ततः और पृथकतः बाधकतः करते हैं:-

उक्त बंधपत्र की शर्त यह है कि यदि उक्त (1) - - - - - (आयातकर्ता), इनके वारिस और प्रतिनिधि इस बंधपत्र की तारीख से एक मास के भीतर उक्त कलक्टर को अनुसूची में उल्लिखित आयात अनुज्ञप्ति का जिसके अन्तर्गत अनुसूची में उल्लिखित माल भी आता है, परिवान कर देगा या परिदान करा देगा अथवा यदि उक्त - - - - - (आयातकर्ता), उनके वारिस या प्रतिनिधि या उनमें से कोई कलक्टर द्वारा मार्ग की जाने पर ऐसी अनुज्ञप्ति को परिदान के स्थान पर भारत के राष्ट्रपति की ओर से उसे - - - - - रु. की रकम का संदाय करेगा या करायेंगे तो उक्त लिखित बंधपत्र शून्य और प्रभावहीन हो जाएगा अन्यथा वह बंधपत्र पूर्णतः प्रवृत्त और बल-शील रहेगा, तथा इसके द्वारा यह घोषणा की जाती है कि:-

(क) भारत के राष्ट्रपति या किसी अन्य अधिकारी की ओर से कोई प्रवृत्ति उक्त प्रतिभू, उसके वारिसों या प्रतिनिधियों को उक्त लिखित बंधपत्र के अधीन उसके या उनके दायित्व से किसी प्रकार उन्मोचित नहीं करेगी; और

(ख) यह बंधपत्र केन्द्रीय सरकार के आदेश से ऐसा कार्य करने के लिए निष्पादित किया गया है जिसमें जनहितबद्ध है।

निकासी किए गए माल की अनुसूची

संख्या विनांक	माल का विवरण	मात्रा	उद्गम देश	पोत भरण पत्तन	माल का मूल्य
------------------	-----------------	--------	--------------	------------------	-----------------

(1) (आयातकर्ता)

(2) (प्रतिभू)

उपरिनामित व्यक्तियों ने निम्नलिखित की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए, मुहर लगाई और परिदान किया

साक्षी - - - - -

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से

हस्ताक्षर

सहायक सीमाशुल्क कलक्टर
ने स्वीकार किया।

(ख)

प्रत्याभूति पत्र का प्रपत्र

सीमाशुल्क कलक्टर द्वारा हम - - - - - (आयातकर्ताओं) को नीचे उल्लिखित मूल आयात-लाइसेंस प्रस्तुत किए बिना निम्नलिखित माल की निकासी की अनुज्ञा दिए जाने के प्रतिफलस्वरूप, हम इसके द्वारा यह वचनबद्ध करते हैं कि हम आज की तारीख से एक मास के भीतर उक्त मूल अनुज्ञप्ति पेश कर देंगे जो हम लोगों को सरकार पहले ही मंजूर कर चुकी है और जिसके अन्तर्गत अन्य माल के साथ हम लोगों द्वारा आयातित निम्नलिखित माल भी है और उसकी लाइसेंस सं. - - - - - तारीख - - - - - है तो पुनर्विधमान्यकरण/उक्त अनुज्ञप्ति के अंतर्गत आने वाले अन्य माल की निकासी के लिए मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली/सीमा शुल्क कलक्टर - - - - - को भेजी गई है।

प्रतिष्ठित बिल माल का प्रदायकर्ता का नाम मात्रा
संख्या और तिथि व्योरा

उद्गमदेश लदान का पत्तन और दिनांक माल का मूल्य

यदि हम ऊपर विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर या ऐसी बढ़ाई गई अवधि के भीतर जैसी कि सीमाशुल्क कलक्टर - - - - - अपने स्वविवेकानुसार अनुज्ञात करे (और इस संबंध में समय, व्यवस्था का सार होगा), मूल अनुज्ञप्ति पेश करने में असफल रहते हैं तो हम - - - - - (आयातकर्ता) इसके द्वारा यह करार करते हैं कि जब भी हमसे ऐसा करने को कहा जाएगा, हम - - - - - रु. की रकम और उसके साथ उस जमाने का जो उल्लिखित माल की बाबत सीमा शुल्क प्राधिकारियों द्वारा हम पर अधिरोपित किया जाए राष्ट्रपति को भुगतान करेंगे। हम और - - - - - (प्रतिभू) भारत के राष्ट्रपति को - - - - - रु. की उक्त रकम और पूर्वोक्त रूप में अधिरोपित किए जाने वाले उक्त जमाने का सम्यक रूप से भुगतान करने की प्रत्याभूति देते हैं।

यह करार किया जाता है और घोषणा की जाती है कि:-

(क) भारत के राष्ट्रपति या सरकार के किसी अन्य अधिकारी की ओर से किसी प्रवृत्ति या आयातकर्ता के प्रति उदारता से उक्त प्रतिभू, उनके वारिस या उत्तराधिकारी या विधिक प्रतिनिधि इस करार के अधीन अपने दायित्वों से किसी प्रकार उन्मोचित नहीं होंगे; और

(ख) यह करार केन्द्रीय सरकार के आदेश से ऐसा कार्य करने के लिए किया गया है जिसमें जनहितबद्ध है।

आयातकर्ता के हस्ताक्षर
प्रतिभू के हस्ताक्षर

तारीख-----

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से
स्वीकृत किया गया।

सहायक सीमाशुल्क कलक्टर

परीशिष्ट-2 भ

प्रपत्र 'ब'

लाइसेंस के पुनर्विधीकरण के लिए आवेदन-पत्र का प्रपत्र

1. लाइसेंसधारी का नाम और पता
2. लाइसेंस संख्या, तिथि एवं मूल्य
3. लाइसेंस प्राधिकारी की जिस मिसिल में लाइसेंस जारी किया गया था उसकी संख्या
4. माल का ब्यौरा
5. यदि कोई हो, तो पहले से ही प्राप्त पुनर्विधीकरण अर्वाधि सहित प्रारम्भिक वैधता अर्वाधि के दौरान किए गए पक्के सौदों का मूल्य।
(समर्थक दस्तावेजी साक्ष्य भेजे जाने चाहिए)
6. यदि कोई हो तो पहले से ही प्राप्त वैधता अर्वाधि मंजूर प्रारम्भिक वैधता अर्वाधि के दौरान माल के गैर लदान का मूल्य।
7. उस सौदे का मूल्य जिसके मद्दे अभी पोतलदान किया जाना है
8. क्या पुनर्विधीकरण के लिए प्रथम अथवा द्वितीय अथवा तत्पश्चात अनुरोध किया गया है। (द्वितीय अथवा उसके बाद के अनुरोध के मामले में पहले उपलब्ध की गई वैधता अर्वाधि अवश्य दें)।
9. पुनर्विधीकरण प्राप्त करने के कारण (समर्थक दस्तावेज भेजे जाने चाहिए)।

10. आवेदित पुनर्विधीकरण की अर्वाधि।

11. संलग्नकों की संख्या।

टिप्पणी:—50/- रुपये की बैंक रसीद/डिमांड ड्राफ्ट अवश्य संलग्न किया जाना चाहिए।

घोषणा

मैं/हम एतद्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि उपर्युक्त विवरण मेरे/हमारे ज्ञान और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है। मुझे/हमें ज्ञात है कि भेजे गए विवरण के आधार पर मुझे/हमें प्रदान किए गए किसी भी पुनर्विधीकरण में कोई भी विवरण या तथ्य गलत या असत्य पाया गया तो सरकार द्वारा लगाए गए किसी अन्य जुर्माने अथवा कोई अन्य कार्रवाई जो मामले की परिस्थितियों को देखते हुए की जा सकती है, के साथ-साथ उसे रद्द अथवा अप्रभावकारी किया जा सकता है।

(पूरे नाम सहित हस्ताक्षर)

पदनाम

सम्बन्ध

कार्यालय का पूरा पता

निवास का पूरा पता

स्थान

दिनांक

परीशिष्ट-2अ

कीटनाशक ब्याहियों का ब्यौरा देने के लिए प्रपत्र

खुले सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत अथवा लाइसेंस के मद्दे भूगर्भात करके अथवा मृपत नमूने के रूप में अथवा अन्यथा रूप से कीटनाशी दवाइयों का आयात करने वाले किसी भी व्यक्ति को सीमा शुल्क के माध्यम से निकासी के 15 दिनों के भीतर कृषि मंत्रालय, नई दिल्ली के अधीन पोषा संरक्षण मलाहकार, फरीदाबाद को निम्नलिखित ब्यौरों में सूचित करना चाहिए:—

- (1) आयातक का नाम।
- (2) विनिर्माता का नाम।
- (3) संभरक का नाम
- (4) तकनीकी श्रेणी की सामग्री के नाम सहित कीटनाशी दवाई का नाम एवं उसका प्रतिशत।
- (5) मात्रा
- (6) लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य।
- (7) आयात का पत्तन।
- (8) स्पार्दर्शी/निवासी लेने की तिथि।

(9) पंजीकरण समिति/पी. पी. ए. द्वारा जारी की गई उनकी पंजीकरण संख्या/अनुमति का सन्दर्भ।

(10) लाइसेंस की सन्दर्भ संख्या।

(11) लाइसेंस का मूल्य।

(12) यदि खुले सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत आयात-किया गया है, तो सम्बन्धित खुले सामान्य लाइसेंस की संख्या एवं तिथि बताएं।

(13) यदि लाइसेंस का पहले उपयोग किया गया था, तो पिछले पत्राचार का सन्दर्भ दें।

हस्ताक्षर

साफ अक्षरों में नाम

वर्तमान पद

कार्यालय का पूरा पता

निवास स्थान का पूरा पता

स्थान

दिनांक

परिशिष्ट-2ए

(वास्तविक उपभोक्ता (औद्योगिक) द्वारा स्पष्टीकरण प्राप्त करने के लिए प्रपत्र)

1. वास्तविक उपभोक्ता का नाम और पता और परिशिष्ट संख्या के अन्तर्गत सीमा शुल्क से निकासी हुई उसका जल्लेख करें और साथ ही सीमा शुल्क द्वारा स्वीकृत वर्गीकरण भी लिखें।
2. प्रायोजक प्राधिकारी का नाम
3. विनिर्मित उत्पाद
4. उस मद का पूर्ण ब्यौरा (विशिष्टकरण/साहित्य/सूची पत्र सहित) जिसके लिए स्पष्टीकरण की आवश्यकता है। (रसायनों के मामले में कृपया तकनीकी नाम और पर्यायवाची नाम, यदि कोई हो तो वह निदिष्ट करें)।
5. आयात नीति 1985-88 (खण्ड-I) में मद के लिए प्रविष्टि और परिशिष्ट संख्या लिखें।
6. क्या मद का पहले आयात किया गया था और यदि हां तो, किस वर्गीकरण के अन्तर्गत, अर्थात् जिस प्रविष्टि सं०
7. अन्तिम उपयोग से सम्बन्धित ब्यौरे अर्थात् क्या वह कच्चा माल, संघटक, फालतू पुर्जें, ट्रिलिंग, पैकिंग सामग्री अथवा उपभोज्य सामग्री है। (उपभोज्य सामग्री के लिए कृपया बताएं कि उसका उपयोग किस संसाधन में हुआ)।
8. वास्तविक उपभोक्ता ने अपने विचारानुसार क्या स्पष्टीकरण मांगा।
9. कोई अन्य सम्बन्धित सूचना।

परिशिष्ट-2B

प्रत्येक सब की आयात नीति में निषेध/प्रतिबंधित/सरसीकरण के बारे में सुझाव के प्रतिवेदनों पर विचार करने के लिए भेजी जाने वाली सूचना।

1. (क) प्रतिवेदन देने वाली पार्टी का नाम और पता
(ख) क्या वह वृहद की है या लघु उद्योग एकक है या व्यापारी है ?
2. जिस मद के लिए आयात नीति में परिवर्तन लाने के लिए सुझाव दिया गया है उसका विवरण।
3. मद की वर्तमान आयात नीति
(क) वास्तविक उपभोक्ताओं के लिए
(ख) पंजीकृत निर्यातकों के लिए
(ग) अन्य के लिए।
4. उसका अन्तिम उत्पाद क्या है जिसके लिए कालम उल्लिखित मद का उपयोग किया जाना है।
5. आयात शुल्क
6. देश में अनुमानित वार्षिक मांग
7. प्रतिवर्ष देशी दर पर क्षमता
8. गत तीन वर्षों के दौरान वर्तमान वर्ष की तिथि तक (वर्षवार) वास्तविक देशी उत्पादन
9. गत तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष की तिथि तक (वर्षवार) भारत में किए गए वास्तविक निर्यात।
10. आयातित उत्पाद की प्रति यूनिट देश में कीमत (रुपए में)
11. देशी उत्पाद की प्रति यूनिट थोक बाजार कीमत
12. अन्य सम्बन्धित सूचना
13. संक्षेप में सुझाव।
स्थान
दिनांक

हस्ताक्षर

(साफ अक्षरों में नाम और पदनाम)

टिप्पणी:—(1) उपर्युक्त सूचना जिस सीमा तक उपलब्ध हो, दी जाए, जिससे कि सुझावों की उचित जांच की जा सके।
(2) यह प्रपत्र दो प्रतियों में भेजा जाना चाहिए।

क्रम संख्या- - - - -

परिशिष्ट-28

आयात-निर्यात पृष्ठतलछ पर्ची

1. आवेदक का नाम और पता
2. पृष्ठ-तलछ करने वाले व्यक्ति का नाम, पदनाम, पता और टेलीफोन नं.
- 3 निम्नलिखित की तारीख और संख्या ---
 - (क) आवेदन
 - (ख) पावती
 - (ग) क्या बाद में कोई अन्य पत्र प्राप्त हुआ और उनका उत्तर दिया गया
 - (घ) मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात की संदर्भ संख्या, यदि कोई हो
4. (क) आवेदन पत्र की श्रेणी (अर्थात् पूंजीगत माल/कच्चा माल/विशेष)
 - (ख) माल का संक्षिप्त विवरण
 - (ग) आयात व्यापार नियंत्रण अनुसूची का भाग और क्रम संख्या
 - (घ) आवेदित लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य
 - (ङ) आवेदन-पत्र किस उद्योग से सम्बद्ध है (अंतिम उत्पाद)
5. वह संख्या तथा दिनांक जिसके अधीन किसी अन्य प्राधिकारी द्वारा आवेदनपत्र प्रेषित/सिफारिश किया गया।
6. क्या इस मामले के लिए किसी अधिकारी से भूलाकात की गई थी अथवा वर्तमान स्थिति ज्ञात की गई है यदि हां, तो कब---

7. वांछित सूचना

स्थान

दिनांक

पृष्ठतलछ करने वाले के
हस्ताक्षर

पदनाम

कार्यालय का पूरा पता

निवास स्थान का पूरा पता

स्थिति को नीचे दर्शाने के लिए और शीघ्र ही मुझे वापस लौटाने के लिए - - - - - अनुभाग को भेजी जाती है।

पाटी को दिनांक ----- को ----- बजे दोपहर पूर्व/दोपहर बाद सूचना प्राप्त करने की गलाह दी गई है।

पृष्ठतलछ अधिकारी

आवेदन-पत्र की स्थिति के विषय में अनुभाग के नियंत्रक की अभ्युक्तियां

नियंत्रक (----- अनुभाग/शाखा)

प्रतिपत्र

संख्या-----

दिनांक-----

1 आवेदक फर्म का नाम और पता

2. माल का विवरण

3 सूचना प्राप्त करने की सम्भावित तिथि और समय

4 मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात की संदर्भ संख्या, यदि कोई हो।

परिशिष्ट-2ब

साक्षात्कार स्लिप

क्रम सं.

1. आवेदक का नाम और पता

2. प्रतिनिधि का नाम, पदनाम और फर्म से उनका सम्बन्ध

3. किस अधिकारी से मिलना है...

4. किस तारीख को मिलना चाहते हैं...

5. नीचे लिखे की संख्या और दिनांक :—

(क) आवेदन पत्र

(ख) पावती, और

(ग) इसके बाद प्राप्त पत्र और दिए गए उत्तर

6 (क) आवेदन पत्र किस वर्ग का है

(ख) माल का संक्षिप्त विवरण

(ग) आयात व्यापार नियंत्रण/निर्यात व्यापार नियंत्रण अनुसूची की क्रम संख्या

(घ) लागत-बीमा-भाड़ा/अहाज पर निशुल्क मूल्य

(ङ) उस उद्योग का नाम, जिससे आवेदन पत्र संबंधित है

7. उस पत्र की संख्या और तारीख, जिसके अन्तर्गत किसी अन्य प्राधिकारी द्वारा आवेदन-पत्र अग्रोषित किया गया हो, या उसमें गिरफ्तारी की गई हो....

8. चर्चा का संक्षिप्त सार

(यदि आवश्यकता हो, तो फार्म के दूसरी ओर का प्रयोग करें।)

9 क्या इस मामले के लिये किसी अधिकारी से पहले मिले हैं, या मामले की स्थिति का पता लगाया है? यदि हां, तो कब

मिलने का समय....

स्थान

दिनांक

हस्ताक्षर

कार्यालय का पूरा पता

निवास स्थान का पूरा पता

पृथक् कार्यालय की टिप्पणी,

विशेष टिप्पणी—प्रत्येक आवेदन के लिये अलग फार्म इस्ते-माल किया जाये।

काउन्टर फाइल

क्रम सं.

तारीख

माहुर:

1. आवेदक का नाम

2. प्रतिनिधि का नाम

3. किस अधिकारी से मिलना है

4. मिलने की तारीख और समय

प्रमुख अधिकारी के हस्ताक्षर

परिनिष्ठ-2ग

आयकर घोषणा का प्रश्न

(जब अपेक्षित आबात आवेदन-पत्रों के साथ भेजा जाए--बैंकों

परा 52)

(क) उन व्यक्तियों के विषय में विजली आय कर देने योग्य नहीं है।

मैं/हम एतद्वारा सत्य निष्ठापूर्वक घोषणा करता हूँ/करते हैं कि मैं/हम अग्रिम कर सहित किसी भी आय कर का भुगतान करने का उत्तरदायी नहीं हूँ/नहीं हैं, क्योंकि मेरे/हमारे द्वारा अर्जित आय वर्तमान लेखा वर्ष और पिछले चार लेखा वर्षों में उस अधिकतम सीमा से कम रही है जिस पर कोई कर नहीं लगता है।

(ख) उन व्यक्तियों के मामले में जिनकी आय कर देने योग्य है।

मैं/हम एतद्वारा निष्ठापूर्वक घोषणा करता हूँ/करते हैं कि:—

(1) मैंने/हमने आज तक मेरे/हमारे द्वारा दिये आय का विवरण आय-कर विभाग का भेज दिया है।

(2) मैंने/हमने मेरे/हमारे द्वारा दिये अग्रिम कर सहित सभी कर किन्तु सक्षम प्राधिकारी द्वारा स्थगित कर माग के अतिरिक्त आयकर अधिनियम के अन्तर्गत भुगतान कर दिए हैं।

(3) मुझे/हमें पिछले तीन कैलेंडर वर्षों के दौरान आय/धन छूटाने के लिए बण्ड नहीं दिया गया*/दायी नहीं ठहराया गया है।

(4)**(क) मैं/हम एतद्वारा निष्ठापूर्वक घोषणा हूँ/करते हैं कि उपर्युक्त घोषणा उन कम्पनियों जिनमें मेरे/हमारे महत्वपूर्ण हिस्से हैं** अथवा व्यक्तियों की वे फर्म अथवा संघ जिनमें मैं/हम क्रमशः साझे-

दार या सदस्य हूँ/हैं के विषय में भी लागू होती है।

अथवा

(ख) उपर्युक्त घोषणा उन व्यक्तियों के सम्बन्ध में लागू होती है, जो आवेदक कम्पनी में महत्वपूर्ण साझे** रखते हैं अथवा जो आवेदक संघ के सदस्य हैं अथवा आवेदक फर्म के भागीदार हैं।

हस्ताक्षर

कार्यालय का पूरा पता

निवास का पूरा पता

स्थान

दिनांक

स्थायी लेखा संख्या

उस आय-कर अधिकारी का पदनाम जिसने कर निर्धारित किया है/जिस के पास कर निर्धारित किया जाना

है

*यदि जुर्माने का वसूल करने के विरुद्ध एक अपील वास्तविक की गई है और अपील आयकर के अपील सहायक आयुक्त अथवा आयकर अपील अधिकारी के सम्मुख विचाराधीन है तो इस घोषणा के प्रयोजनार्थ ऐसे जर्माने पर ध्यान देना आवश्यक नहीं है।

**शब्द "महत्वपूर्ण साझे" का वही अर्थ होगा जो आयकर अधिनियम, 1961 के सेंड-40 (क) (2) में बताया गया है।

परिशिष्ट-2-त

प्रपत्र-ग

विदेश में मरम्मत के पश्चात् पुनः आयात करने वाले माल के लिए आशोधन-पत्र।

भाग-1

1. आवेदक का नाम
2. पृथक् पता
3. कारखाना/एकक का पता
4. प्रायोजक प्राधिकारी द्वारा आबंटित पंजीकरण संख्या अथवा औद्योगिक लाइसेंस की संख्या और दिनांक
5. एकक की स्थापना की तिथि
6. (क) मरम्मत के लिए निर्यात किए गए माल और उसके बाद वापस आने वाले माल का विवरण
(ख) मरम्मत का मूल्य
(ग) यदि कोई हो तो अदा की जाने वाली मरम्मत की कीमत, भाड़ा और बीमा
(घ) मरम्मत/आशोधन आदि की किस्म
7. (1) पोतलदान का देश
(2) यदि माल विदेशी मूल का है तो वह मूल रूप से किस देश से आयात किया गया
8. महानिर्देशक, तकनीकी विकास से यह वर्णित हुए एक प्रमाण पत्र कि विदेश में मरम्मत के लिए भेजा गया माल भारत में मरम्मत नहीं किया जा सकता (भारतीय मूल के माल के सम्बन्ध में)

9. मरम्मत, भाड़ा और बीमा के मद्दे खर्च दर्शाने वाला विनिर्माता का पत्र, यदि कोई हो।

10. बैंक रसीद/डिमान्ड ड्रफ्ट सं. और दिनांक (मूल रूप में संलग्न की जाए)

मैं/हम एतद् द्वारा यह घोषणा करता हूँ/करते हैं कि उपर्युक्त विवरण जहाँ तक मुझे/हमें जानकारी है और विश्वास है सत्य और सही है। मुझे/हमें यह पूरी जानकारी है कि प्रस्तुत किए गए विवरण के आधार पर मुझे/हमें जो लाइसेंस प्रदान किया गया है, यदि उसमें यह पाया गया कि उसके विवरण या तथ्य गलत या भ्रमक है तो उसे खूब किया जा सकता है, इसके अतिरिक्त मामले के हालातों को देखते हुए सरकार कोई अन्य नुर्दाना भी कर सकती है।

हस्ताक्षर

साफ अक्षरों में नाम

पदनाम

कार्यालय का पूरा पता

निवास का पूरा पता

स्थान :

दिनांक :

भाग-2

आयकर घोषणा

आयकर घोषणा के लिए प्रपत्र परिशिष्ट 2-ग में दिया गया है।

परिशिष्ट 2—ब

लाइसेन्सों के मूल्य के बराबर ऋण लेने की प्रक्रिया

पंजीगत माल और भारी विद्युत संयंत्र के लिए आयात लाइसेंस

1. पंजीगत माल और भारी विद्युत संयंत्र के लिए आयात लाइसेंस जारी करते समय, लाइसेंस प्राधिकारी लाइसेंस के अन्तर्गत आयात किए जाने वाले माल के मूल्य की गणना राजस्व विभाग (सीमा शुल्क) द्वारा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा - 15 में अधिसूचित और आयात लाइसेंस जारी करने की तारीख को मौजूदा विनिमय दर के आधार पर करेंगे। लाइसेंस प्राधिकारी सीमा शुल्क और विनिमय बैंकों द्वारा सन्दर्भ के लिए लाइसेंस के दस्तावेजों पर उक्त विनिमय दर का अलग से उल्लेख करेंगे। सीमा शुल्क प्राधिकारी और विदेशी मुद्रा में व्यापार के लिए प्राधिकृत व्यापारी आयात लाइसेंस, पर लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा निर्दिष्ट विनिमय दर पर लाइसेंस के मूल्य के बराबर ऋण देंगे।

सीधे भुगतान क्रियाविधि के अन्तर्गत आने वाले विदेशी ऋण पर दिए गए कच्चे माल, सघटकों और पुर्जों के लिए आयात लाइसेंस

2. सीधे भुगतान क्रियाविधि के अन्तर्गत आने वाले विदेशी ऋण पर दिए गए कच्चे माल, सघटकों और पुर्जों के लिए जारी किए गए लाइसेंस के मामले में उपर की कड़िका 1 में बताई गई क्रियाविधि अपनाई जाएगी। ये उपबन्ध सीधे भुगतान क्रियाविधि के अन्तर्गत आने वाले विदेशी ऋण के लिए दिए गए अन्य लाइसेंसों पर भी उसी प्रकार लागू होंगे जैसे उक्त लाइसेंसों पर लागू होते हैं।

पंजीकृत निर्यातकर्ताओं के लिए आयात नीति के अन्तर्गत जारी किए जाने वाले आयात प्रतिपूर्ति लाइसेंस

3. पंजीकृत निर्यातकों के लिए आयात नीति के अन्तर्गत प्रतिपूर्ति लाभों के लिए निर्यात के पोत-पर्यन्त निःशुल्क मूल्य के बराबर रुपये की गणना खरीद निर्यात दस्तावेजों की बातचीत की तारीख को मौजूदा 'विनिमय दर' पर की जाएगी, 'केन्द्रीय दर' पर नहीं। पंजीकृत निर्यातकों के लिए आयात नीति के अन्तर्गत जिन बैंक प्रमाण-पत्रों के आधार पर प्रतिपूर्ति लाभों का निर्धारण किया जाता है, वे बैंक प्रमाण-पत्र नीचे बताए गए के अनुसार तैयार किए जाएंगे :—

(क) तुरन्त बिक्री से संबंधित खरीदे गए या बातचीत से तय किए बिल—खरीद किए गए या बातचीत से तय किए गए बिल के मूल्य प्राधिकृत व्यापारियों द्वारा प्राधिकृत व्यापारियों की मांग (मांग पर) की खरीद वरु पर निर्यातकों को चुकाई गयी वास्तविक राशि।

(ख) वसूली के लिए बिल (तुरन्त बिक्री)

जिस तारीख को उन्होंने वसूली के लिए दस्तावेज भेजे यदि उस तारीख को वे बिल खरीदते/बातचीत से तय करते तो प्राधिकृत व्यापारी मांग पर (मांग पर) खरीद दर के अनुसार जो राशि उन्हें देता वह राशि।

(ग) परेषण के आधार पर निर्यात —

निर्यात आय की वसूली की तारीख को जैसा भी मामला हो, प्राधिकृत टी. टी. खरीद/मांग पर खरीद दर पर प्राधिकृत व्यापारी द्वारा निर्यातकर्ता को अदा की गई राशि।

4. पंजीकृत निर्यातकर्ताओं के लिए जो बैंक प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होता है उसका फार्म परिशिष्ट-14ध में दिया गया है।

5. सीमा-शुल्क प्राधिकारी और विदेशी मुद्रा में व्यापार करने वाले प्राधिकृत व्यापारी नीचे के पैरा 7 में बताई गई क्रियाविधि के अनुसार आयात दस्तावेज प्रस्तुत करते समय प्रचलित विनिमय दर पर प्रतिपूर्ति लाइसेंस के नामे डालेंगे।

उपयुक्त लाइसेंसों के अलावा अन्य आयात लाइसेंस

6. ऐसे मामलों में लाइसेंस प्राधिकारी आयात लाइसेंस का मूल्य चालू आयात नीति के अनुसार निर्धारित करेंगे। ऐसे मामलों में लाइसेंस जारी होने की तारीख या किसी अन्य तारीख को मौजूदा विनिमय दर के अनुसार लाइसेंस का मूल्य रुपये में परिवर्तित नहीं करना होगा। सीमा-शुल्क प्राधिकारी और विदेशी मुद्रा में व्यापार करने वाले प्राधिकृत व्यापारी आयात दस्तावेज प्रस्तुत करने के समय चालू विनिमय दर पर निर्धारित क्रियाविधि के अनुसार इन लाइसेंसों के नामे डालेंगे और इस बात का निश्चय करेंगे कि इस प्रकार किसी लाइसेंस के आधार पर नामे डाली गई राशि पैरा 7 में दी गई प्राधिकृत सीमा तक लाइसेंस के मूल्य के बराबर या उससे कम है।

7. उपयुक्त पैराग्राफ 3-6 में दिए गए आर. ई. पी. लाइसेंसों और 'अन्य' लाइसेंसों के मूल्य आयातों के मामले में, विदेशी मुद्रा के लेन-देन में प्राधिकृत व्यापारी और सीमा-शुल्क प्राधिकारी स्व-निर्णय से यदि कोई अधिक मूल्य होगा तो उसे नीचे दिए गए तरीके से माफ कर सकते हैं :—

(1) विदेशी मुद्रा में व्यापार करने वाले प्राधिकृत व्यापारी अपरिवर्तनीय साख पत्र खोलने की तारीख को

और वास्तविक प्रेषण की तारीख को मौजूद विनिमय दर में भिन्नता होने के कारण लाइसेंस मूल्य में हुई वृद्धि, यदि कोई हो, को माफ कर सकते हैं। यदि कोई भी अपारिवर्तनीय साख पत्र नहीं खोला गया हो, तो विदेशी मुद्रा में व्यापार करने वाले प्राधिकृत व्यापारी पोत लदान की तारीख और प्रेषण की तारीख को विनिमय-दरों में विभिन्नता के कारण हुई वृद्धि, यदि कोई हो, को उम्माफ कर सकते हैं।

- (2) यदि आयातकर्ता लाइसेंस की मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति प्रस्तुत करे तो सीमा शुल्क प्राधिकारी जिस मूल्य के लिए विदेशी मुद्रा में व्यापार करने वाले प्राधिकृत व्यापारी ने प्राधिकृत किया हो, उस मूल्य के बदले में माल छुड़ाने की अनुमति दे सकते हैं किन्तु अनुमति देते समय वह उपर के पैरा (1) में बताए गए के अनुसार विनिमय दरों की भिन्नता के फलस्वरूप होने वाले अन्तर की रकम की माफी का भी ध्यान रखेगा।

- (3) यदि आयातकर्ता सीमा शुल्क प्राधिकारियों के सामने आयात लाइसेंस की मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति प्रस्तुत न करे तो ये प्राधिकारी राजस्व (सीमाशुल्क) विभाग द्वारा भारतीय सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 15 में अधिसूचित लदान बिन्दु पर बताई गई पोत लदान की तारीख पर मौजूदा विनिमय दर पर उधार देंगे। सीमा शुल्क प्राधिकारी सीमा शुल्क आयात पत्र प्रस्तुत करने की तारीख और पोत लदान की तारीख को मौजूदा विनिमय दरों के अन्तर के कारण लाइसेंस मूल्य में हुई वृद्धि यदि कोई हो, को माफ कर सकते हैं।

टिप्पणी:—जिन मामलों में अनुमोदित आस्थगित अदायगी की शर्तों पर निर्यात होते हैं, उन मामलों में पैरा 3 के उद्देश्य से जिस तारीख को प्राधिकृत व्यापारी के सामने समुद्र पार के बरीदवार को माल बंधने के लिए निर्यात दस्तावेज प्रस्तुत किए

जाते हैं, उस तारीख को राजू मांग पर बरीद दर अपनाई जाएगी।

व्यापार और भुगतान समझौते के अन्तर्गत भारत से पोलैण्ड को निर्यात।

व्यापार और भुगतान समझौते के अन्तर्गत भारत से पोलैण्ड को निर्यात के सम्बन्ध में वाणिज्य मन्त्रालय का सार्वजनिक सूचना संख्या 14 आई. टी. सी. (पी. एन.)/75, तारीख 20 फरवरी, 1975 का और ध्यान आकृष्ट किया जाता है।

2. यह निश्चय किया गया है कि भारत से पोलैण्ड को किए जाने वाले माल और सेवाओं के निर्यात के बारे में किए गए सभी कारारों और वाणिज्यिक और वित्तीय दस्तावेजों में सम्बन्धित निर्यातकर्ताओं के अनुसार यू. एस. डालर्स या भारतीय रुपयों में राशि लिखी जाए। किन्तु दोनों स्थितियों में अपरिवर्तनीय भारतीय रुपए में अदायगी की जाएगी। जिन मामलों में यू. एस. डालर्स में कीमत बताई गई हो, यू. एस. डालर्स की अदायगी करने की तारीख (खो) को डालर/रुपयों की दर पर नीचे दिए गए के अनुसार भारतीय रुपयों में परिवर्तित कर लिया जाएगा:—

(क) निर्यात कार्य दिवस के अन्त में लन्दन बाजार में पाउ स्टैलिंग में एप्पलर की मध्यम दर; और

(ख) भारतीय रुपए में पाउ स्टैलिंग की बरीद और बिक्री के लिए बैंक हैन्डलोवी बार्सीजियिया एम. ए. के लेखे रखने वाले भारतीय वाणिज्यिक बैंक की माध्यम दर।

3. यह स्पष्ट कर लिया जाए कि वर्तमान समय की भांति प्रतिपूर्ति लाभों के लिए भी भारतीय निर्यातकर्ता को अप्रैल, 1975 से मार्च, 1976 अवधि के लिए आयात व्यापार नियंत्रण नीति (रेड बुक जिल्द 2) के पृष्ठ 241 के अनुबंध 6 और इससे समय-समय पर किए गए संशोधनों के आधार पर की गई व्यवस्था के अनुसार, निर्धारित फार्म में बैंक प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा।

परिशिष्ट-3 क

पूँजीगत माल के लिए आयत लाइसेंस आवेदन-पत्र प्रपत्र 'ड' (पूँजीगत माल)
(सात प्रतियाँ भेजी जानी हों)

टिप्पणी

विदेश में साभितदारी और
उसका प्रतिशत

1. आवेदकों को परामर्श दिया जाता है कि आवेदन-पत्र भरने में पहले आयात-निर्यात प्रक्रिया पुस्तक और आयात नीति में निहित वर्तमान अवधि के लिए लाइसेंस अन्देश पढ़ लें; आवेदन पत्र सब प्रकार से पठनीय एवं पूर्ण होना चाहिए ताकि उसे पत्राचार/विलम्ब और अस्वीकृत होने में न चरया जा सके।
2. आवेदन पत्र कम्पनी के प्राधिकृत प्रतिनिधि द्वारा हस्ताक्षरित होना चाहिए।
3. मांग गए और लागू सम्भाव्य साक्ष्य एवं अनुरक्त वस्तुओं अवश्य ही आवेदन-पत्र के साथ भेजे जाने चाहिए।

आवेदक के ब्योरे

- 1.1 नाम
- 1.2 पूँजीगत पता
- 1.3 पत्राचार के लिए डाक पता
- 1.4 प्रायोजक प्राधिकारी
- 1.5 प्रशासनिक मंत्रालय

2. कम्पनी की किस्म

- 2.1 स्वयं/साभितदारी/प्राइवेट कम्पनी/सार्वजनिक कम्पनी।
- 2.2 क्या कम्पनी का पूँजीकरण एम. आर. टी. पी. अधिनियम के अन्तर्गत हुआ है।
- 2.3 नि. कम्पनियों के मामले में पूँजीगत स्वरूप के ब्योरे:
 - (1) पूँजी का स्वरूप
 - (2) प्राधिकृत निर्गमित और अभिदत्त पूँजी
 - (3) यदि कोई हो, तो पत्र नामों के साथ

- 2.4 मालिकों साभितदारी/निवेशकों के नाम और पते

3. आद्योगिक एकक के ब्योरे

- 3.1 (क) एकक का नाम और स्थान
तहसील
जिला
राज्य

(ख) क्या तहसील/जिला घोषित पिछड़ा क्षेत्र है जो कि सरकार से पूँजी निवेश अनुदान अथवा रियायती विस्तार के लिए पात्र है। यदि हाँ, तो निम्नलिखित और ब्योरे भेजे जाएं :--

- (1) औद्योगिकीय पिछड़े राज्य/संघ शासित क्षेत्र में घोषित पिछड़ा क्षेत्र/जिला

- (2) औद्योगिक रूप से उन्नत राज्य/संघ शासित क्षेत्र में घोषित पिछड़ा क्षेत्र/जिला

- (3) औद्योगिक रूप से पिछड़े राज्य/संघ शासित क्षेत्र में पिछड़े हुए से भिन्न क्षेत्र/जिला

(ग) क्या प्रस्तावित स्थान निम्नलिखित के अन्तर्गत आता है :--

- (1) भारत की जनगणना, 1971 के अनुसार निर्धारित दस लाख से

परिशिष्ट — 3क जारी

अधिक जनसंख्या वाले शहर जो मानक शहरी क्षेत्र सीमा के अन्दर हैं; अथवा

- (2) भारत की जनगणना, 1971 के अनुसार निर्धारित 0.5 लाख से अधिक जनसंख्या वाले शहर की नगर-पालिका सीमा के अंतर्गत हैं।

(घ) उन मामलों में जहां प्रस्तावित स्थान अधिसूचित पिछड़े क्षेत्र में नहीं हैं, तो क्या उद्यमी अधिसूचित पिछड़े क्षेत्र में कार्यकलाप के लिए स्थान का पता लगाने के लिए तैयार हैं, यदि हां, तो उसके पसन्द का ब्यौरा भी दर्शाया जाए।

(ङ) क्या प्रस्तावित स्थान औद्योगिक विकास विभाग द्वारा जारी किए गए प्रेस नोट सं. 10/1/82-एल. पी., दिनांक 27-2-1982 में सूचीबद्ध "उद्योग से भिन्न जिले" के अंतर्गत हैं और यदि नहीं हैं तो क्या उद्यमी "उद्योग से भिन्न जिले" में कार्यकलाप के लिए स्थान का पता लगाने के लिए तैयार हैं।

3.2 क्या उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 के अंतर्गत एक औद्योगिक लाइसेंस अथवा आशय पत्र जारी किया गया है।

3.3 (क) यदि लाइसेंस में छूट है तो उद्योग राज्य निदेशक/महा निदेशक तकनीकी विकास/वस्त्रायुक्त/पटसन आयुक्त/लोहा तथा इस्पात नियंत्रक/

अन्य प्रायोजक प्राधिकारी के पास की पंजीकरण सं. और तिथि के ब्यौरे भेजे।

3.3 (ख) यदि आप महानिदेशक तकनीकी विकास/वस्त्र आयुक्त/पटसन आयुक्त/लोहा एवं इस्पात नियंत्रक/अन्य प्रायोजक प्राधिकारियों के पास पंजीकरण के लिए आवेदन करने का विचार करते हैं तो निम्नलिखित सूचनाएं भेजें :—

- (1) विनिर्माण की मद
- (2) प्रस्तावित वार्षिक क्षमता
- (3) क्या प्रस्तावित निवेश नये संस्थान या नई मद के विनिर्माण या वर्तमान संस्थान को बढ़ाने के लिए है।
- (4) वार्षिक उत्पादन

(क) मात्रा

(ख) कारखाना मूल्य

3.4 यदि आवेदक एक लघु एकक हैं, तो क्या वह प्रस्तावित आयत के पश्चात भी इसी प्रकार रहेगा।

3.5 क्या सरकार द्वारा प्रदान किए गए अनुमोदन पत्र/लाइसेंस और विदेशी सहयोग के लिए अनुमोदन पत्र में गिराव की कोई शर्त है? यदि हां, तो उन के ब्यौरे भेजें।

3.6 क्या विदेशी सहयोग, वित्तीय और या तकनीक शामिल है, यदि हां तो क्या इसके लिए स्वीकृति प्रदान कर दी गई है।

3.7 वार्षिक विनिर्माण क्षमता

विनिर्माण की मद	अनुज्ञप्ति क्षमता (वर्तमान)	अनुज्ञप्ति क्षमता (अनुमोदित)	अतिरिक्त उपयोगिता के आधार पर पूंजीगत माल के आवेदन पत्र में दर्शाई गई क्षमता
-----------------	-----------------------------	------------------------------	---

परिशिष्ट — 3क जारी

3.8 पिछले तीन वर्षों अथवा उत्पादन के प्रारम्भ होने से, उत्पादन का पुस्तक-मूल्य।

3.9 क्या विनिर्माण की जाने वाली प्रस्तावित वस्तुओं का आयात किया जा रहा है, यदि हाँ, तो सम्भव हो तो आयातों का औसत मूल्य (लागत-बीमा-भाड़ा) दें।

3.10 क्या विनिर्मित की जाने वाली प्रस्तावित वस्तुओं का निर्यात किया जा सकता है। यदि हाँ, तो क्या आवेदक उत्पादन के प्रतिशत और मूल्य के अनुसार ऐसे निर्यात आभार की सीमा तक के लिए बचनबद्ध हो सकता है।

4. पूंजी निवेश

4.1 कूल पूंजी निवेश (भूमि और

भवन निर्माण और मशीनरी)
(वर्तमान) (प्रस्तावित)

भूमि और भवन
मशीनरी
जोड़

4.2 आयातित संयंत्रों और उपकरण का मूल्य
वर्तमान - - - - -
प्रस्तावित - - - - -
जोड़ - - - - -

4.3 क्या आशय-पत्र/औद्योगिक लाइसेंस के लिए आवेदन-पत्र में दर्शाया गया तथा संकोचित आयात किए जाने वाले प्रस्तावित उपकरण का मूल्य आयातित उपकरण के अनुमानित मूल्य से अधिक है।

4.4 यदि 4.3 का उत्तर 'हाँ' में है, तो वृद्धि का प्रतिशत और उसकी सीमा तथा उसके कारण बताएं।

5. कच्चेमाल/संघटकों की आवश्यकताएँ

क. कच्चा माल

आयातित			देशी		
कच्चे माल का नाम	मात्रा	मूल्य (रुपए)	कच्चे माल का नाम	मात्रा	मूल्य (रुपए)
ख	संघटक				
आयातित			देशी		
संघटकों के नाम	मात्रा	मूल्य (रुपए)	संघटकों के नाम	मात्रा	मूल्य (रुपए)

(2) (क) निर्यातों की मात्रा और उनका जहाज पर निशुल्क मूल्य

(ब) निर्यात लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आप के विचार से लगने वाली निश्चित अवधि

(ग) क्या आप निर्यात या विनिर्माण के व्यापार में लगे हुए हैं, यदि हाँ, तो पिछले तीन वर्षों के दौरान निर्यात की मदों और साथ-साथ उन के जहाज पर निशुल्क मूल्य का संकेत करें।

(3) मूल्य में वृद्धि का न्यूनतम प्रतिशत क्या होगा, जो आप बचन-बद्धता के प्राधिकृत उत्पादन से प्राप्त करेंगे (जोड़े गए मूल्य की गणना करने के लिए प्राप्त किए गए देशी कच्चे माल आयातों के रूप में समझे जाएंगे)

(4) प्रथम 5 वर्षों के लिए शेष भूगतानों पर प्रभाव

(क) निर्यात आभार के अन्तर्गत आने वाले निर्यातों के जहाज पर निशुल्क मूल्य पर

परीक्षण — 3क जारी

आधारित विदेशी
मुद्रा अर्जन।

(ख) निम्नलिखित पर
व्यय होने वाली
विदेशी मुद्रा—

- (1) मशीनरी और उप-
करण का आयात
- (2) कच्चे माल और
संघटकों का आयात
- (3) विदेशी सहयोगियों
को लाभ और लाभांश
का प्रत्यावर्तन
- (4) एक मुद्रा, रायल्टी,
तकनीकी जानकारी
फीस आदि के माध्यम
से विदेशी सहयोगियों
को अन्य भुगतान।

(ग) व्यय या अन्तर्विह की
वास्तविक विदेशी
मुद्रा

(क) में से (ख) को
घटाकर

5. 2. 5. 1 के लिए आयातित संघटकों की वार्षिक आवश्यकता।

भद	मात्रा	मूल्य	(लागत, बीमा, भाड़ा)
पहला वर्ष - - - - -			
दूसरा वर्ष - - - - -			
तीसरा वर्ष - - - - -			
चौथा वर्ष - - - - -			
पाँचवा वर्ष - - - - -			

6. आयात का प्रयोजन

6.1 क्या आवेदित पूंजीगत माल
निम्नलिखित प्रयोजन के लिए
है:-

- (1) नया उद्यम
- (2) नई वस्तु विविधता
- (3) महत्वपूर्ण विस्तार
- (4) संतुलन
- (5) पुनःस्थापन
- (6) आधुनिकीकरण
- (7) परीक्षण
- (8) क्वालिटी नियंत्रण

(9) विनिर्माण के लिए
प्रोटोटाइप

(10) अनुसंधान और विकास

6.2 यदि आयात संतुलन/
पुनःस्थापन आधुनिकी-
करण के लिए है, तो
क्या इससे अनुज्ञप्ति, अनु-
मोदित मात्रा में वृद्धि
होगी।

6.3 पुनःस्थापन के लिए मशीनों
के आयात के मामले में
(1) मूल मशीनों की
स्थापना की तिथि

(2) पुरानी मशीनों के
निपटान के लिए
व्यवस्था

(3) वेशी विनिर्माताओं
से सम्बन्धित मशीन
की अधिप्राप्ति के
लिए किए गए
प्रयासों के विस्तृत
व्यापार भेजे जिनमें
उन विनिर्माताओं के
नाम दर्शाए जाएं जिन
के साथ करीब के
सम्बन्ध में सम्पर्क
स्थापित किया गया
और उसके क्या-क्या
परिणाम निकले उस-
को भी इसमें प्रदर्शित
किया जाए।

7. आयात के लिए वित्तपोषण की विधि

7.1 विदेशी सामान्य श्रेयर यदि
हो, तो अनुमोदित विदेशी
साझेदारी, उपयोग में लाई
गई और उपलब्ध बकाया
भनराशि के पूर्ण ब्यौरे भेजे।

7.2 गैर निवासी भारतीय राष्ट्रियों
द्वारा पूंजीनिवेश

7.3 संभरक ऋण

7.4 निजी विदेशी मुद्रा ऋण

7.5 आई. एफ. सी./आई.
सी. आई. सी. आई./राज्य
वित्त निगम से उधार

8. आवेदित पूंजीगत माल के ब्यौरे

8.1 क्या यह मशीनरी, मशीनी
अपकरण अथवा भारी बिजली
संयंत्र है।

परिशिष्ट — 3क जारी

8.2 आई टी सी विवरण संख्या, मात्रा, जहाज पर निःशुल्क मूल्य रुपयों में, उद्गम का देश :

कुल जहाज
पर निःशुल्क
मूल्य
रुपयों में

8.3 प्रारम्भिक कालतु पूर्णों का मूल्य (जहाज पर निःशुल्क मूल्य, रुपयों में)

8.4 अनुमानित भाड़ा (रुपयों में)

8.5 बीमा (रुपयों)

8.6 (1) कुल नागत-बीमा भाड़ा मूल्य
(8.2+8.3+
8.4+8.5)
रुपयों में

(2) विदेशी मुद्रा में
(3) रुपये को विदेशी मुद्रा में बदलने में उपयोग में लाई गई मुद्रा की दर।

8.7 यदि कोई हो, तो मुद्रा में दिया जाने वाला अभिकर्ता कमीशन अथवा अधिप्राप्ति शुल्क।

8.7 (क) यदि कोई हो, तो विदेशी मुद्रा में दिया जाने वाला निर्माण प्रभार।

8.8. मशीन की दशा, क्या वह नई है, पुरानी है अथवा फिर से मरम्मत की हुई है।

8.9 पहले से ही प्राप्त/आवर्तित किए गए सम्बद्ध पूंजीगत माल के आयात लाइसेंसों के ब्यौरे लाइसेंस सं., दिनांक, मूल्य वित्त-बान के सूचे, आयात के सूचे के ब्यौरे।

8.10. क्या परियोजना के लिए वर्तमान आवेदन-पत्र के अन्तर्गत मर्चों के अतिरिक्त और पूंजीगत माल के आयात शामिल हैं।

9. जारी किए जाने वाले आयात लाइसेंसों के लिए विशेष सूचना

9.1 आयात लाइसेंस के लिए अपेक्षित वैधता अवधि

9.2 जैसा कि परियोजना आयात के लिए आवश्यक है आई. सी. टी.-72 ए. के अन्तर्गत कर में रियायती दर उपलब्ध करने के लिए पृष्ठांकन

10. तथ्यिक दस्तावेज/जानकारी के ब्यौरे

10.1 मूल बैंक रसीद/डिमांड ड्राफ्ट

☐ संलग्न है।

सं. दिनांक
रुपयों में मूल्य

10.2 औद्योगिक लाइसेंस/आवश्यक/प्रायोजक प्राधिकारी से पंजीकरण प्रमाण-पत्र की फोटोस्टेट/साक्ष्यांकित प्रति। ☐ संलग्न है।

10.3 माल के समर्थन में दो प्रतियों में बीजक प्रपत्र/अन्य दस्तावेजों साक्ष्य जिनमें बीजक की तारीख और उस की वैधता को दर्शाया गया हो। ☐ संलग्न है।

10.4 आयात किए जाने वाले माल का पूर्ण ब्यौरा देते हुए साहित्य/पैम्फलेट/विशिष्टकरण की प्रतियां। ☐ संलग्न है।

10.5 आई. टी. जे. ई. एस. बी. में प्रत्येक विशापन की प्रति। ☐ संलग्न है।
बालूम दिनांक -----

10.6 विज्ञापन/पृष्ठताछ के मध्ये प्राप्त उत्तरों का तालिका-विवरण। ☐ संलग्न है।

10.7 केवल लघु उद्योग के मामले में मशीन के पुनःस्थापन के लिए अनिवार्यता प्रमाणित करते हुए लघु उद्योग सेवा संस्थान से मूल प्रमाण पत्र। ☐ संलग्न है।

10.8 पुनःस्थापित की जाने वाली मशीन/उपस्कर की ☐ संलग्न है।
☐ लागू नहीं होता

परिशिष्ट — 3क जारी

- में सनदी इंजीनियर का मूल प्रमाण-पत्र।
- 10.9 यदि पुरानी मरम्मत की हुई मशीन का आयात किया जाना है तो सनदी इंजीनियर से मशीन की आयु, वर्तमान दशा, वास्तविक और वर्तमान मूल्य और सम्भावित शेष आयु को प्रमाणित करते हुए एक प्रमाण-पत्र। ☐ संलग्न है।
- 10.10 प्रशासनिक मंत्रालय के पास पंजीकृत अनुसंधान और विकास संस्थान/प्रयोगशाला के मामले में पंजीकरण प्रमाण-पत्र की फोटोस्टेट/साक्ष्य-कृत प्रति। ☐ संलग्न है। ☐ लागू नहीं होता
- 10.11 1985-88 की आयात निर्यात प्रक्रिया पुस्तक के आयात व्यापार नियंत्रण के परिशिष्ट-3ज के अनुसार प्रोटोटाइप के आयात के सम्बन्ध में प्रपत्र।
- 10.12 रुपया भुगतान क्षेत्र से मशीन का आयात करने के लिए, यदि कोई है, तो किए गए प्रयत्नों के सम्बन्ध में पत्राचार की प्रतियां।
- 10.13 जहां आयात की जाने वाली मशीन के उपस्कर के ब्लू प्रिंट्स और रेखा-चित्र प्राप्त करने के लिए प्रयत्न किए गए हैं, वहां विदेशी संभरकों से की गई पुछताछ और उनके उत्तर की साक्ष्यकृत/फोटोस्टेट प्रतियां। ☐ संलग्न है। ☐ लागू नहीं होता
- 10.14 निम्नलिखित के लिए सरकार का अनुमोदन दर्शाते हुए दस्तावेजी साक्ष्य।
- (1) विदेशी सहयोग ☐ संलग्न है। ☐ लागू नहीं होता
 - (2) नकद विदेशी साम्य पूंजी के मद्दे उप-☐ संलग्न है।
- सम्बन्ध क्षेत्र धन राशि के सम्बन्ध में भारतीय रिजर्व बैंक के प्रमाण पत्र की प्रतियां। ☐ लागू नहीं होता
- 10.15 (1) व्यवस्थित निजी साक्ष के नियमों और शर्तों की एक साक्ष्यकृत/फोटोस्टेट प्रति। ☐ संलग्न है। ☐ लागू नहीं होता
- (2) द्विपक्षीय / स्वतन्त्र विदेशी मुद्रा के मामले में आयात करीयता वाले देशों को दर्शाने वाला विवरण। ☐ संलग्न है। ☐ लागू नहीं होता
- भाग 2**
‘ड’ (सी. जी. आवेदन प्रपत्र)
- विनिर्माता निर्यातक द्वारा पूंजीगत माल के आयात के लिए ‘ड’ (सी. जी.) प्रपत्र में आवेदन पत्र की पांच प्रतियों को साथ भेजा जाना चाहिए।
1. निर्यातक/विनिर्माता का नाम और पूरा पता
 2. निर्यात किए जा रहे उत्पादों को दर्शाते हुए विनिर्मित किए गए उत्पादों की नामावली
 3. आज तक पहले तीन वित्तीय वर्षों में विनिर्मित प्रत्येक उत्पाद के उत्पादन की मात्रा और मूल्य (उत्पादन के मूल्य की गणना करते हुए कृपया आन्तरिक बिक्री मूल्य के साथ-साथ जहाज पर निःशुल्क निर्यात मूल्य दोनों दें।)
 4. उपर्युक्त (3) पर यथा उल्लिखित अवधि के लिए उत्पादन-वार निर्यात की मात्रा और जहाज पर निःशुल्क मूल्य (जिन देशों को निर्यात किया गया है उन्हें भी शामिल करते हुए संबंधित निर्यात संवर्धन परिषद/पण्यवस्तु बोर्ड द्वारा प्रमाणित की गई मात्रा और जहाज पर निःशुल्क मूल्य के अनुसार निर्यात का विवरण संलग्न किया जाना चाहिए।)
 5. आगामी पांच वर्षों से अधिक के आयात के लिए मांगे गए पूंजीगत माल की स्थापना के परिणामस्वरूप आगामी निर्यात में मात्रा और मूल्य के अनुसार वृद्धि।

परिशिष्ट 3 क-जारी

6. क्या आशय-पत्र अथवा औद्योगिक लाइसेंस में किसी किस्म के निर्यात आभार की शर्त लगाई गई थी, यदि हां, तो उसके ब्यौरे दें।
7. क्या वर्तमान आवेदन-पत्र किसी विदेशी सहयोग से संबंधित है, यदि हां, तो क्या विदेशी सहयोग अनुमति में किसी किस्म के निर्यात आभार की शर्त लगाई गई थी।
8. क्या अभी भी आपके पास ऐसे निर्यात आभार बाकी बचे हैं जिन्हें पूर्ण किया जाना है, यदि हां, तो उनके ब्यौरे दिए जाने चाहिए।
9. क्या आप एक निर्यात आभार लेने के लिए तैयार हैं, यदि हां, तो उत्पादन के प्रतिशत एवं मूल्य के अनुसार कितनी सीमा के निर्यात आभार के लिए आप तैयार हैं।
10. क्या आपने गत 12 मास के दौरान महानिदेशक, तकनीकी विकास/मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात/विकास आयुक्त, सष्ठ उद्योग आदि को पूंजीगत माल के आयात के लिए कोई आवेदन-पत्र दिया है, यदि हां, तो आवेदित पूंजीगत माल, सरकार द्वारा आयात के लिए स्वीकृति प्राप्त पूंजीगत माल, उनका मूल्य, वित्त के स्रोत और क्या आयात प्रभावी कर दिए गए हैं, के संबंध में ब्यौरे भेजें। यदि आपके निर्यात निष्पादन के मद्दे पूंजीगत माल के आयात के लिए कोई आवेदन-पत्र दिया गया हो तो कृपया ब्यौरा दें।

(भाग-3)

“इ (सीजी) आवेदन पत्र का प्रपत्र”

(सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों द्वारा पूंजीगत माल के आयात के लिए इ (सीजी) प्रपत्र में आवेदन-पत्र की पांच प्रतियों के साथ भेजा जाना चाहिए।)

- (1) अनुज्ञप्ति पत्र के विवरण के साथ सरकार द्वारा परियोजना की अनुमोदन की स्थिति
- (2) अनुमोदित परियोजना लागत
- (3) उपयुक्त (2) में बताए गए अनुमोदित परियोजना लागत में सम्मिलित विदेशी मुद्रा संचटक
- (4) परियोजना की आयात आवश्यकताओं के लिए पहले से किए गए विदेशी मुद्रा वायदे; और
- (5) आगे किए जाने वाले वायदों के लिए उपलब्ध शेष विदेशी मुद्रा।

(1) मैं/हम एतद् द्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि उपयुक्त विवरण मेरी/हमारी जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य व सही है।

(2) मैं/हम एतद् द्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि जिस माल के आयात के लिए आवेदन-पत्र दिया गया है, उसका उपयोग केवल के विनिर्माण (अन्तिम उत्पाद का नाम) और उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 के अन्तर्गत या सरकार द्वारा अनुमोदित अनुमित क्षमता के लिए किया जाएगा।

(3) मैं/हम एतद् द्वारा यह घोषणा करता हूँ/करते हैं कि आयात किए जाने वाली मशीनरी औद्योगिक लाइसेंस पंजीकरण सं. के अन्तर्गत अनुमोदित क्षमता से अधिक क्षमता की नहीं होगी।

(4) मैं/हम एतद् द्वारा यह घोषणा करता हूँ/करते हैं कि अपेक्षित आधुनिकीकरण, गुण नियंत्रण उपकरण आदि अनुमोदित क्षमता से अधिक क्षमता के नहीं हैं और मैं/हम लब्ध पैमाने के क्षेत्रों के लिए आरक्षित इन मदों के लिए कोई भी विनिर्माण सुविधाएं नहीं लूंगा/लेंगे।

(5) मैं/हम एतद् द्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि यह नई क्षमता वर्गीकृत शहरी क्षेत्र में उद्योगों की स्थापना पर लगाए गए प्रतिबन्ध की नीति का उल्लंघन नहीं करेगी।

हस्ताक्षर

स्थान

साफ अक्षरों में नाम

पदनाम

दिनांक

पूरा निवास पता

पूरा कार्यालय पता

भाग-4

आय कर घोषणा

आयकर घोषणा के लिए प्रपत्र परिशिष्ट 2-ण में दिया गया है।

परिशिष्ट 3ब

प्रबल-ख

वास्तविक उपयोगिता (गैर-औद्योगिक) द्वारा

मशीनरी के आयात के लिए आवेदन-पत्र

(पांच प्रतियां संलग्न की जानी हैं)

भाग—1

1. आवेदक के ब्यौरे

1.1 नाम

1.2 पंजीकृत पता

1.3 पताभार के लिए डाक पता

1.4 आयोजक प्राधिकारी

1.5 प्रशासकीय मन्त्रालय

2. कम्पनी की कितनी

2.1 स्वामी/साझीदार/प्राइवेट लिमिटेड/सार्वजनिक कम्पनी

2.2 स्वामी/साझीदार/निवेशक का नाम और पता

3. पूंजी निवेश

3.1 कुल पूंजी निवेश (भूमि और भवन निर्माण और मशीनरी (प्रस्तावित)

भूमि और भवन

मशीनरी

जोड़

3.2 आयातित संयंत्र और उपकरण का मूल्य

विद्यमान

प्रस्तावित

जोड़

4. आयात का उद्देश्य

4.1 प्रतिस्थापना के लिए मशीनों के आयात के माध्यम से

(i) मूल मशीन की स्थापना की तारीख

(ii) पुरानी मशीनों के निपटान के लिए व्यवस्थाएं

(iii) देशी विनिर्माताओं से विस्थापित मशीनों की अधि-प्राप्ति के लिए किए गए प्रयत्नों का विवरण इस प्रयोजन के लिए सम्पर्क किये गए विनिर्माताओं का नाम दर्शाते हुए प्रस्तुत करें।

5. समर्थक दस्तावेजों/सूचना का ब्यौरा

5.1 मूल बैंक रसीद/डिमांड ड्राफ्ट सं०

दिनांक

मूल्य रुपये में

5.2 आयात किए जाने वाले माल का पूर्ण ब्यौरा देते हुए साहित्य/हस्त बिलों/विशिष्टकरणों की प्रतियां

5.3 आई० टी० जे०/ई० एस० बी० में त्रत्येक विज्ञापन की प्रति।

5.4 विज्ञापन/पूछताछ के मद्दे प्राप्त अनुक्रियाओं का तालिका विवरण

5.5 प्रतिस्थापित की जाने वाली मशीनरी/उपकरण की वर्तमान दशा के सम्बन्ध में सनदी इंजीनियर का मूल रूप में प्रमाण पत्र

5.6 यदि पुरानी मशीन की हुई मशीन आयात की जानी है तो सनदी इंजीनियर से मशीन की आयु, वर्तमान दशा मूल एवं वर्तमान मूल्य और सम्भावित जीवन वृत्ति हुए एक प्रमाण-पत्र।

5.7 रूप भुगतान क्षेत्र से मशीनरी आयात करने के लिए प्रयत्नों के सम्बन्ध में, यदि कोई हो, पताभार की प्रतियां

5.8 जहां पर आयात की जाने वाली मशीनरी की ब्लू प्रिन्ट्स/उपकरणों की ड्राइंग प्राप्त करने के लिए प्रयत्न किए गए हैं, विदेशी संभरकों से की गई पूछताछ और उनके उत्तरों की साक्ष्यीकृत फोटोस्टेट प्रति।

(1) मैं/हम एतद् द्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि उपर्युक्त विवरण मेरी/हमारी जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य व सही है।

(2) मैं/हम एतद् द्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि जिस माल के आयात के लिए आवेदन-पत्र दिया गया है उसका उपयोग केवल उस प्रयोजन के लिए किया जाएगा जिसके लिए आयात लाइसेंस जारी किया गया है।

हस्ताक्षर

साफ अक्षरों में नाम

निवास का पूरा पता

पदनाम

स्थान

दिनांक

भाग—2

आयकर घोषणा

आयकर घोषणा के लिए प्रपत्र परिशिष्ट 2-ग में दिया गया है।

परिशिष्ट—3 ग

कम्प्यूटर/कम्प्यूटर सब सिस्टम/कम्प्यूटर पर आधारित सिस्टम
के आयात के लिए आवेदन पत्र का प्रपत्र।

विषय :— मूल्य जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य/
लागत बीमा भाड़ा मूल्य का (भारतीय अभिकरण)
के माध्यम से (विदेशी संभरक) द्वारा
का आयात।

1. उपयोक्ता संवर्ध सं.
2. उपयोक्ता संगठन का नाम
3. पता
4. सम्पर्क किए जाने वाले व्यक्ति
5. आयात की जाने वाली कम्प्यूटर मदें (समाकृति विवरण के साथ)

क्र. सं. माहसल सं. मात्रा विवरण जहाज पर्यन्त निःशुल्क
मूल्य/लागत बीमा भाड़ा
मूल्य

6. फालतू पुर्जें, औजार एवं परीक्षण उपस्कर (कीमत)
7. प्रलेखन एवं प्रशिक्षण खर्चें।
8. भारतीय रुपयों में वये अभिकरण कमीशन/सेवा खर्चें और भारतीय अभिकरणों की भूमिका।
9. संगठन की पृष्ठभूमि।
10. उपस्कर के अंतिम उपयोग का स्पष्ट उल्लेख करते हुए प्रस्तावित कम्प्यूटर मदों के आयात के लिए औचित्य।
11. यदि श्रम मंत्रालय से निकासी अपेक्षित है, तो उस पत्र की प्रति संलग्न करें।
12. सक्षम प्राधिकारी से बजट संबंधी प्रावधान।
13. क्या विदेशी प्रणाली से आपकी आवश्यकता पूरी हो सकती है? यदि हां, तो उसका कारण बताएं और आपके द्वारा चूने गए सिस्टम का तुलनात्मक विवरण संलग्न किया जाना चाहिए।
14. क्या वर्तमान आयात विद्यमान कम्प्यूटर सिस्टम में वृद्धि के लिए है? यदि हां, तो कृपया निम्नलिखित का उल्लेख करें :—
(क) विद्यमान कम्प्यूटर सिस्टम की पूर्ण समाकृति सिस्टम
(ख) सन्दर्भ
(ग) आयात करने और उसे स्थापित करने की तारीख

परिशिष्ट—3 ग (जारी)

- (घ) अहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य/लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य
- (ङ) वर्तमान वित्तीय वर्ष के दौरान उनमें और आगे वृद्धि के लिए विचार
15. आयात की जाने वाली प्रस्तावित मदों से संबंधित तकनीकी साहित्य और बीजक प्रपत्र की प्रति संलग्न है।
 16. प्राधिकरण की शर्तें
 17. रख-रखाव योजना
 18. अन्य दूसरी अभ्युक्तियाँ
 19. माल की सूची, बीजक प्रपत्र साहित्य और अन्य समर्थन वस्तावों के साथ "ई" सी. जी./एन. आर. आई. (जो भी लागू हों) प्रपत्र में आयात लाइसेन्स आवेदन-पत्र

टिप्पणी :—

- (1) यदि पूर्ण सूचना नहीं दी जाती है, तो आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।
- (2) प्रपत्र में दिए गए स्थान के भीतर सभी विवरण लिखे जाने चाहिए। केवल विशेष मामलों में ही उसी आकार के अन्य पृष्ठ संलग्न किए जा सकते हैं।
- (3) इसकी एक प्रति पर्याप्त है।
- (4) आयातित कम्प्यूटर सिस्टम/कम्प्यूटर संबंधी उपस्कर का रख-रखाव उपयोक्ता द्वारा घर पर ही किया जाना है अथवा कम्प्यूटर रख-रखाव निगम द्वारा।
- (5) आवेदन पत्र के साथ आयात की जाने वाली प्रस्तावित मद का तकनीकी साहित्य और बीजक की प्रति-अवश्य संलग्न होनी चाहिए।

उपयोक्ता के हस्ताक्षर.....

दिनांक

कार्यालय की मोहर.....

परीशिष्ट-3ग (भारत)

साफ्टवेयर निर्यात की परियोजना की स्कीम के अंतर्गत कम्प्यूटर/कम्प्यूटर सब सिस्टमस के आयात के लिए आवेदनपत्र का प्रपत्र

साफ्टवेयर निर्यात परियोजना कोसए आवेदन पत्र

टिप्पणी

1. आवेदनों को परामर्श दिया जाता है कि आवेदन पत्र प्रपत्र भरने से पहले साफ्टवेयर निर्यात परियोजनाओं की नीति और लाइसेंसिंग अनुबंध पढ़ लें। आवेदनपत्र सुस्पष्ट और सभी प्रकार से पूर्ण होना चाहिए जिससे कि दोरी/पत्राचार और आवेदनपत्र के अस्वीकार होने से बचा जा सके।
2. 'क' और 'ग' श्रेणियों के मामले में आवेदन पत्र कंपनी के प्राधिकृत प्रतिनिधि द्वारा तथा 'ख' श्रेणी के मामले में गैर-आवासी भारतीय द्वारा हस्ताक्षरित होना चाहिए।
3. दस्तावेजी साक्ष्य और समर्थक दस्तावेज, जो मांगे गए हैं तथा लागू होते हैं, आवेदनपत्र के साथ भेजे जाएं।
4. आवेदनपत्र की सभी प्रकार से पूर्ण, दो प्रतियां, इलेक्ट्रॉनिकी विभाग (कम्प्यूटर निदेशालय), लोक नायक भवन, नई दिल्ली को भेजी जाएं।

1. आवेदक के विवरण

- 1.1 नाम
- 1.2 पंजीकृत पता
- 1.3 पत्राचार के लिए डाक पता
- 1.4 टेलीफोन, टेलेक्स;

2. आयात किस श्रेणी के अंतर्गत प्रस्तावित है

3. संगठन का स्वरूप

- 3.1 प्राइवेट/साझेदारी/प्राइवेट लि./पब्लिक लि.
- 3.2 क्या उद्यम एम. आर. डी. पी. अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत है।
- 3.3 पूंजी ढांचे का विवरण, लिमिटेड कम्पनियों के मामले में
 - (1) पूंजीगत ढांचा
 - (2) प्राधिकृत, जारी और अभिलेखित पूंजी
 - (3) विदेशी हिस्सेदारी, यदि कोई है तथा उसका प्रतिशत, पूर्ण विवरण सहित

3.4 स्वामी/साझेदार/निदेशकों के नाम और पते

4. तकनीकी क्षमता

- 4.1 कंपनी के कम्प्यूटर परियोजनाओं, उसके स्वामित्व के प्रतिष्ठानों इत्यादि के पिछले रिकार्ड का विवरण दें।

- 4.2 यदि संगठन को निर्यात या घरेलू कम्प्यूटर का पूर्व अनुभव है तो कृपया निम्नलिखित दिखाते हुए परियोजनाओं की सूची उपलब्ध करें।
 - (क) परियोजना का नाम और संक्षिप्त विवरण
 - (ख) भारत सरकार के अनुमोदन इत्यादि का ब्यौरा
 - (ग) परियोजना का मूल्य
 - (घ) कार्य का स्वरूप
 - (ङ) क्या आपने साफ्टवेयर निर्यात के लिए पहले एक कम्प्यूटर सिस्टम का आयात किया है? यदि हां तो, उसका पूरा ब्यौरा दें।

- 4.3 निम्नलिखित का ब्यौरा देते हुए इस बात का वर्णन करें कि आप निर्यात वचनबद्धता को प्राप्त करने के लिए किस तरह योजना बना रहे हैं।
 - (क) कार्य का क्षेत्र
 - (ख) परियोजना को निष्पादित करने का तरीका
 - (ग) मार्केटिंग का तरीका
 - (घ) कर्मचारियों के प्रवेश, प्रशिक्षण तथा नियोजन का कार्यक्रम

5. आयातित कम्प्यूटर के उपयोग की योजना

- 5.1 कम्प्यूटर कहाँ पर प्रतिस्थापित किया जाएगा
- 5.2 कम्प्यूटर टाइम का अनुमानित अनुपात और निर्यात परियोजनाओं में लगाए जाने वाले प्रस्तावित कर्मचारी।
- 5.3 किए जाने वाले घरेलू कार्य का स्वरूप और ब्यौरा

6. साफ्टवेयर निर्यात विवरण

- 6.1 प्राप्त किए गए पक्के आदेशों का कुल मूल्य, अमरीकी डालर/रु. (समर्थक दस्तावेजों की प्रतियां संलग्न करें)
- 6.2 प्रत्याशित आदेशों का कुल मूल्य अमरीकी डालर/रु. (आश्च पत्रों इत्यादि की प्रतियां संलग्न करें)
- 6.3 5 वर्षों के लिए वर्षवार अनुमानित निर्यात/विदेशी मुद्रा प्राप्ति
- 6.4 कृपया निर्दिष्ट करें कि निर्यात आदेशों को पूरा करने के लिए प्रस्तावित कम्प्यूटर उपस्कर का आयात क्यों आवश्यक है।
- 6.5 कृपया बताएं कि स्थानीय उपलब्ध या प्रतिस्थापित कम्प्यूटरों का प्रयोग करके निर्यातों को नहीं प्राप्त किया जा सकता।

- 6.6 कृपया निर्यात गतिविधियों का नियोजित स्वरूप, कम्प्यूटर प्रयोग के क्षेत्रों, विशिष्ट समय में किए गए आरम्भिक बाजार अध्ययन के परिणाम और संबंधित कम्पनियों, एजेंटों इत्यादि के व्यौरों का वर्णन करें।
- 6.7 कृपया उन विदेशी कम्पनियों का व्यौरा दें जिनके साथ सॉफ्टवेयर निर्यात के लिए आपका सम्बन्ध है।
- 7. आयात के लिए प्रस्तावित कम्प्यूटर सिस्टम की आकृति**
- 7.1 ग्रांडल नं./टाइप नं., मात्रा इत्यादि सहित विस्तृत संरूप
- 7.2 (क) कम्प्यूटर सिस्टम की लागत (जहाय पर्यन्त निःशुल्क)
- (ख) भाड़ा और बीमा
- (ग) कुल लागत-बीमा-भाड़ा कमित।
- 7.3 कृपया प्रोफार्मा बीजक संलग्न करें।
- 7.4 कृपया तकनीकी साहित्य/आयात के लिए प्रस्तावित मर्चों का विवरण संलग्न करें।
- 7.5 कृपया यह निर्दिष्ट करें कि क्या प्रस्तावित कम्प्यूटर सिस्टम नया है या पुराना है (अगर पुराना है तो उसका विवरण दें)।
- 8. कृपया कम्प्यूटर सिस्टम के रख रखाव के लिए अपने स्थानों को बताएं**
- 9. कृपया बताएं कि सॉफ्टवेयर निर्यात परियोजना को वित्तबान करने के लिए आप किस प्रकार से नियोजन कर रहे हैं**
- (क) कम्प्यूटर सिस्टम की लागत
- (ख) सीमा शुल्क
- (ग) अन्य खर्चे

10. यदि कम्प्यूटर सिस्टम का आयात 'ग' अंश के अंतर्गत किया जाना है तो कृपया निम्नलिखित भी भरें :—

- 10.1 ऋण पर कम्प्यूटर सिस्टम देने वाली विदेशी फर्म का नाम और पता
- 10.2 विदेशी फर्म का विवरण
- 10.3 निर्यात के लिए विकसित किए जाने वाले सॉफ्टवेयर का तकनीकी विवरण।
- 10.4 ऋण की अवधि/सॉफ्टवेयर निर्यात ठेका
- 10.5 कृपया, विदेशी फर्म के साथ किए गये आवेदक के सॉफ्टवेयर निर्यात ठेके और उनके द्वारा कम्प्यूटर सिस्टम को ऋण पर देने की शपथ की एक प्रति संलग्न करें।
- 10.6 कृपया, सॉफ्टवेयर निर्यात ठेके की समाप्ति के पश्चात् आवेदक द्वारा कम्प्यूटर सिस्टम को उसके संभरक को वापस करने की शपथ संलग्न करें।

11. क्या सॉफ्टवेयर निर्यात विदेश संचार डाटा लिंक द्वारा करना चाहते हैं। यदि हां, तो संचार मंत्रालय/डाक एवं तार विभाग के साथ पत्राचार की प्रतियां प्रस्तुत करें।

मैं/हम एतद्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि उपर्युक्त सूचना मेरी/हमारी पूरी जानकारी और विश्वास में सत्य और सही है।

स्थान

हस्ताक्षर

दिनांक

माफ अक्षरों में नाम

पदनाम

पूरा निवास पता

आयकर घोषणापत्र का प्रपत्र आयात-निर्यात प्रक्रिया पुस्तक 1985-88 के परिशिष्ट 2ण में दिया गया है।

परिशिष्ट--3 अ

प्रपत्र--ब।

कृषि विकास के लिए मशीनों/हरित सब्जियों के आयात के लिए आवेदन-पत्र का प्रपत्र।

भाग-1.

- 1 आवेदक का नाम
- 2 पूरा डाक पता
- 3 फार्म/कृषि योग्य भूमि के स्थान का पता

- 4 आयात किए जाने वाले माल का विवरण
- 5 आवेदित लाइसेंस का लागत-बीमा-भाड़ा-मूल्य
- 6 बैंक रसीद/डिमांड ड्राफ्ट की सं. एवं तिथि
7. 1 उद्गम देश
- 2 पोतलबान का देश

8. क्या फार्म/कृषि योग्य भूमि सरकार या किसी निगम इत्यादि या सहायतार्थ संस्थाओं (कृपया नाम दें) द्वारा संचालित है, और यदि सरकार द्वारा बंटाई जाती है तो केन्द्रीय सरकार द्वारा अथवा राज्य सरकार द्वारा
9. यदि केन्द्रीय/राज्य सरकार या अन्य किसी निकाय से कोई अनुदान प्राप्त हुआ हो (कृपया नाम दें) तो ऐसे अनुदान का विवरण दें।
10. सम्भावित निर्यात के सहित आयात का औचित्य
11. वर्तमान यन्त्रों/कृषि औजारों का विवरण
 1. आयातित
 2. देशी
12. यदि आयात निःशुल्क हुआ है तो दाता का नाम एवं पता

घोषणा

1. मैं/हम एतद् द्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि यदि हमें यह लाइसेंस प्रदान किया जाता है तो माल का केवल मेरे/हमारे फार्म/कृषि योग्य भूमि के लिए प्रयोग किया जाएगा और इसका कोई भी भाग बेचा नहीं जाएगा या किसी अन्य पार्टी द्वारा प्रयोग किए जाने के लिए अनुमति नहीं किया जाएगा।
2. मैं/हम एतद् द्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि उपर्युक्त विवरण मेरे/हमारे विश्वास एवं ज्ञान के अनुसार सही एवं सत्य है।
3. मैं/हम पूर्णतया समझते हैं/समझते हैं कि यदि यह पाया गया कि इसमें कोई विवरण गलत अथवा भ्रमक है तो प्रस्तुत विवरणों के आधार पर प्रदान किया गया लाइसेंस/सीमा शुल्क निकासी परमिट रद्द किया जा सकता है तथा इसके अतिरिक्त मामलों के हालातों को देखते हुए सरकार अन्य जुर्माना भी कर सकती है।

हस्ताक्षर
 नाम साफ अक्षरों में
 पदनाम
 निवास का पूरा पता

स्थान

दिनांक

भाग-2

(प्रायोजक प्राधिकारी द्वारा बो प्रतियों में भरा जाए)।

1. उद्देश्य, जिसके लिए आयातित मर्चों की आवश्यकता है।
2. फार्म/कृषि योग्य भूमि का कुल क्षेत्र
3. बूझाई योग्य क्षेत्र
 1. कुल एकड़
 2. सिंचित
 3. असिंचित
 4. मुख्य फसलों एवं वार्षिक उपज
4. स्वामित्व की प्रकृति
 1. पूर्ण स्वामित्व
 2. पट्टा
 3. सहकारी
5. सिफारिश किए गए माल के विवरण

क्रम सं०	सिफारिश किए गए माल के पूर्ण विवरण	आवेदक के पास पहले से इसी प्रकार का माल है या नहीं
(1)		
(2)		
(3)		

6. डी. जी. टी. डी. से निकासी प्राप्त कर ली गई है अथवा नहीं
7. प्रमाणित किया जाता है कि आवेदक द्वारा दिए गए विवरण सत्यापित कर लिए हैं एवं उन्हें ठीक पाया गया है।

प्रायोजक प्राधिकारी के हस्ताक्षर

मोहर

स्थान

दिनांक

संलग्नक

1. बैंक रसीद/ड्राफ्ट मूल रूप में, यदि आवेदन शुल्क के भुगतान से मुक्त नहीं है।
2. मर्चों का लागत-बीमा-भाड़ा-मूल्य दिखाते हुए बीजक प्रपत्र
3. देशी दृष्टिकोण से मूल रूप में डी. जी. टी. डी. की स्वीकृति
4. उपहार के मामले में दाता का मूल रूप में पत्र

परिशिष्ट-3 ड

प्रपत्र-ध

खेलकूद के सामान (उपस्कर) के आयात के लिए आवेदन-पत्र का प्रपत्र

(तीन प्रतियों में भरा जाना है)

भाग-1

1. आवेदक का नाम
2. पूरा डाक पता
3. आयात किए जाने वाले माल का ब्यौरा
4. आवेदित लाइसेंस का लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य
5. बैंक रसीद/डिमांड ड्राफ्ट सं. एवं दिनांक
6. 1. उद्गम देश का नाम
2. पोतलदान के देश का नाम
7. क्या संस्थान सरकार द्वारा या किसी निगम/नगर पालिका आदि या धर्मार्थ संस्थानों (नाम दिया जाना है) द्वारा संचालित है, यदि सरकार द्वारा संचालित है तो क्या वह केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार द्वारा।
8. केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकार या किसी अन्य निकाय (नाम दिया जाना है) से कोई अनुदान प्राप्त हुआ हो तो उसका ब्यौरा
9. अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय खेलों आदि के नाम जिनमें भाग लिया है और ट्राफियां जीती हैं।
10. आयात के औषिचर्य
11. वर्तमान खेल-कूद के सामान/उपस्कर का ब्यौरा.--

1. आयातित :

2. देशी :

12. यदि आयात नि.शुल्क हो तो दाता का नाम और पता

घोषणा

4. मैं/हम एतद्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि इस लाइसेंस द्वारा माल का उपयोग केवल मेरे/

हमारे संस्थान में ही किया जाएगा और उसका कोई भी भाग न तो बेचा जाएगा या किसी अन्य पार्टी द्वारा उपयोग करने की अनुमति दी जाएगी।

2. मैं/हम एतद्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि उपर्युक्त विवरण मेरी/हमारी जानकारी एवं विश्वास के आधार पर सत्य एवं सही है।

3. मैं/हम पूर्ण रूप से समझता हूँ/समझते हैं कि यदि यह पाया गया कि इसमें कोई विवरण गलत अथवा भ्रामक है तो हमारे विवरण के आधार पर प्रदान किया गया लाइसेंस/सीमाशुल्क निकासी परमिट रद्द किया जा सकता है तथा इसके अतिरिक्त मामले के हालातों को देखते हुए सरकार कोई अन्य जुर्माना भी कर सकती है।

हस्ताक्षर

नाम साफ अक्षरों में

पदनाम

स्थान

दिनांक

निवास स्थान का पूरा पता

.

भाग-2

(प्रायोजक प्राधिकारी द्वारा दो प्रतियों में भरा जाए)

1. सिफारिश किए गए माल का विवरण --

क्रम सं०	सिफारिश किए गए माल का पूर्ण विवरण	क्या आवेदक के पास इसी प्रकार का माल पहले से ही है या नहीं
----------	-----------------------------------	---

(1)

(2)

(3)

2. डी. जी. टी. डी. से निकासी प्राप्त कर ली गई है अथवा नहीं।

प्रमाणित किया जाता है कि आवेदक द्वारा दिए गए विवरण सत्यापित किए गए हैं और उन्हें सही पाया गया है।

प्रायोजक प्राधिकारी के हस्ताक्षर

सील

स्थान

दिनांक :

संलग्नक :—

1. मूल रूप में बैंक रसीद/ड्राफ्ट, यदि आवेदक शुल्क के भुगतान से मुक्त नहीं है।
2. मदों का लागत-बीमा-भाड़ा-मूल्य विखाते हुए प्रोफार्मा
3. देशी दृष्टिकोण से मूल रूप में डी. जी. टी. डी. निकासी
4. उपहार के मामले में दाता का मूल रूप में पत्र

परीक्षण-3 च

उन मशीनों की सूची जिनके लिए बिनापत्र क्रियारिधि की आवश्यकता नहीं होगी

1. 1200 के डब्ल्यू से अधिक की हाई फ्रीक्वेंसी इन्डक्शन मॉल्टिंग भट्टियां।
2. 600 के डब्ल्यू से अधिक के हाई फ्रीक्वेंसी इन्डक्शन हीटिंग उपस्कर।
3. फ्लोरोसेंट लैंप के विनिर्माण के लिए मशीनरी और उपस्कर (भट्टियों को छोड़कर)।
4. सोडियम वेपर डिस्चार्ज लैंप के विनिर्माण के लिए मशीनरी और उपस्कर (भट्टियों को छोड़कर)।
5. मरकरी वेपर लैंप के विनिर्माण के लिए मशीनरी उपस्कर (भट्टियों को छोड़कर)।
6. फ्लोरोसेंट ट्यूब्स के लिए ट्यूब्यूलर ग्लास शेल्स के लिए हार्जिटल ट्यूब डाइंग लाइन (भट्टियों को छोड़ कर)।
7. जी. एल. एस. लेम्प ग्लास शेल्स के लिए 16 हैड करोसल मशीन।
8. 77 एम. एस. से अधिक बार क्षमता की मल्टी स्पिन्दल बार आटोमेट्स।
9. 200 एम. एम. से अधिक चकिंग व्यास के मल्टी स्पिन्दल चकिंग आटोमेट्स।
10. 120 एम. एम. बार के व्यास से अधिक का इटर-नल और फेस ग्राइन्डर।
11. हॉनिंग मशीन।
12. वो रंग वाली हाई स्पीड प्रिंटिंग मशीन।
13. लेटर प्रेस और आफ-सेट छपाई की मशीन के लिए फोटो-सैकेनिकल प्री-प्रेस प्रूफिंग सिस्टम।
14. टाइम नियंत्रण के लिए एप्लयूटस के लिए सूबाहन स्वचालित आंतरिक सेंपलर।
15. 3/5 लेयर प्लास्टिक पैकेजिंग फिल्मों के विनिर्माण के लिए विशेष डिजाइन राटोटिंग ड्राई के साथ कम्पोजिट एक्सट्रूजन लाइन।
16. एक साथ ही साथ नैक, शोल्डर और बर्तनों की बाड़ी की मॉल्टिंग के लिए इजेक्शन स्ट्रॉच माउल्टिंग मशीनें।
17. पी. वी. सी. कार्बोनेट शीट मॉल्टिंग मशीन।
18. टैनेसिलाइज्ड पोलिस्टर फिल्म के विनिर्माण के लिए कम्पोजिट एक्सट्रूजन लाइन।
19. हाजिरी नीडल्स बनाने के लिए मशीनरी।
20. पोलिस्टर जिप फास्टनर्स बनाने के लिए विशिष्ट-कृत मशीनरी।
21. घातक बाल पेन टिप्स बनाने के लिए आटोमेटिक मशीन "पिनोटोमेटिक टाइप"।
22. वीविंग टायर कोर्ड फैब्रिक के लिए ह्यूडी इयूटी लुक्स।
23. सिन्थेटिक टायर यार्न वीविंग मशीन।
24. ओपन एंड स्पनिंग मशीन।

परिशिष्ट 3 छ

विधिक करार के प्रपत्र

भाग I

विधिक करार का प्रपत्र

(मूल्य के अनुसार निर्यात बाध्यता वाले मामलों में लिमिटेड कम्पनियों द्वारा निष्पादन के लिए)

यह करार एक कम्पनी जो अधिनियम, 1956 के अधीन निर्गमित कम्पनी है और जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय में है (जिसमें इसमें आगे "कम्पनी" कहा गया है और इसके अन्तर्गत उसके उत्तराधिकारी और समनुवर्षिणी शामिल हैं) एक पक्ष और भारत के राष्ट्रपति (जिन्हें इसमें आगे "सरकार" कहा गया है और इसके अन्तर्गत उनके पद और समनुवर्षिणी भी हैं) द्वितीय पक्ष के बीच आज दिनांक को किया गया।

जबकि कम्पनी को रुपये के लागत-बीमा और भाड़ा मूल्य के संयंत्र मशीनरी और उपस्कर के आयात के लिए आयात अनुज्ञप्ति सं., तारीख प्रवान की गई है।

और/या जबकि सरकार ने कम्पनी को सर्वश्री के साथ उसके प्रस्तावित विदेशी विनिधान/उत्पत्ती सहायक व्यवस्था के निबंधन और शर्तें संसूचित कर दी हैं इस सम्बन्ध में देखिए और/या जबकि सरकार ने कम्पनी को औद्योगिक अनुज्ञप्ति/क्षमता के पर्याप्त विस्तार की मंजूरी के उसके प्रस्ताव की स्वीकृति के निबंधन और शर्तें संसूचित कर दी हैं। इस संबंध में देखिए तारीख का आशयपत्र संख्या।

और जबकि संयंत्र और उपस्कर के लिए उक्त आयात अनुज्ञप्ति/विदेशी सहायक के अनुमोदन/औद्योगिक अधिनियम के अधीन अनुज्ञप्ति या आशयपत्र को एक शर्त के रूप में सरकार ने यह अनुबन्ध किया है कि कम्पनी के लिए यह आवश्यक है कि वह लाख रुपये की विदेशी मुद्रा प्रति वर्ष/. वर्ष की अवधि में अर्जित करे अथवा वर्ष तक या उतनी अवधि तक को पक्षकारों के हस्ताक्षरों से समय-समय पर बढ़ाई जाए (या निर्यात इसके उत्पादों के निर्यात) यह संशोधन इस करार का भाग रूप समझा जाएगा प्रति वर्ष अपने उत्पादों का प्रतिशत उस समय तक निर्यात करे जब तक कि परियोजना की विदेशी मुद्रा में पूरी लागत (या परियोजना की विदेशी मुद्रा लागत की दृग्नी या उसकी कोई अन्य गणज राशि) जो लाख रुपये है निर्यात उपार्जन के रूप में वसूल नहीं हो जाती है। (ठीक-ठीक शर्त का अनुमोदन प्रत्येक मामले में पंजीगत माल समिति/विदेशी विनिधान बोर्ड/अनुज्ञापन समिति द्वारा किया जाएगा)।

अब, इसके पक्षकारों द्वारा और उनके बीच निम्नलिखित करार किया जाता है और घोषणा की जाती है कि :—

1. कम्पनी वर्ष तक या उतनी अवधि तक जो पक्षकारों के हस्ताक्षरों से समय-समय पर बढ़ाई जाए। यह संशोधन इस करार का भाग रूप समझा जाएगा प्रतिवर्ष अपने उत्पादों (उत्पादों) अर्थात् (जिनका मूल्य लाख रुपये से कम न हो/जो उसके उत्पाद के प्रतिशत से कम न हो) का उस समय तक निर्यात करके रुपये की विदेशी मुद्रा उपार्जन करेगी या वह उस समय तक निर्यात करके विदेशी मुद्रा उपार्जन करेगी जब तक निर्यातों से प्राप्त कुल विदेशी मुद्रा उपार्जन की राशि रुपये नहीं हो जाती है। यह निर्यात बाध्यता ऐसी किसी अन्य निर्यात बाध्यता के अतिरिक्त होगी (अग्रिम/अग्रदाय लाइसेंसों के मुद्दे निर्यात आभार को छोड़) जो कम्पनी पर किसी अन्य आधार पर अधिरोपित की गई है या अधिरोपित की जाए। भूतान को किए गए निर्यात, निर्यात बाध्यता के मोचन के लिए अर्हित नहीं होंगे और यदि नेपाल और अफगानिस्तान को मुक्त विदेशी मुद्रा में संवाय से भिन्न संदाय पर निर्यात किए जाते हैं तो वे निर्यात, निर्यात बाध्यता के मोचन के लिए अर्हित नहीं होंगे। यदि विदेशी सहयोग के लिए कोई करार हुआ है तो उसको भंग करते हुए किए गए निर्यात भी, निर्यात बाध्यता के मोचन के लिए अर्हित नहीं होंगे।

2. ऊपर वर्णित निर्यात, संयंत्र और उपस्कर के चालू किए जाने/उत्पादन के प्रारम्भ होने के पश्चात् 18वें मास से प्रारम्भ हो जाना चाहिए। संयंत्र को औद्योगिक अनुज्ञप्ति में विनिर्दिष्ट तारीख के भीतर चालू कर दिया जाएगा। यह आवश्यक है कि उत्पादन तारीख से आरम्भ हो जाए।

कम्पनी अपने मूद्रित पत्र शीर्ष पर एक प्रमाणपत्र देने के लिए वचनबद्ध होगी जिसमें आयात अनुज्ञप्ति के आधार पर संयंत्र और उपस्कर के चालू किए जाने की सही तारीख दी गई हो और जिस पर यथास्थिति, उसके मुख्य इंजीनियर या निर्माण कार्य प्रबन्धक के हस्ताक्षर और कम्पनी के विधि पूर्वक प्राधिकृत व्यक्ति के सम्यक रूप से किए गए प्रतिहस्ताक्षर होंगे तथा जिस पर कम्पनी की सामान्य मुद्रा अंकित होगी। कम्पनी यह प्रमाणपत्र संयंत्र और उपस्कर के उक्त रूप में चालू होने की तारीख से तीस दिन के भीतर देगी।

अथवा

कम्पनी अपने मूद्रित पत्र शीर्ष पर एक प्रमाणपत्र देने के लिए वचनबद्ध होगी जिसमें संयंत्र और उपस्कर के लिए आयात अनुज्ञप्ति/विदेशी सहायक के अनुमोदन/उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 के अधीन अनुज्ञप्ति/आशय पत्र

के आधार पर उत्पादन या अतिरिक्त उत्पादन के प्रारम्भ की सही तारीख दी होगी और जिस पर यथास्थिति, उसके मुख्य इजीनियर या निर्माण कार्य प्रबंधक के हस्ताक्षर और कंपनी के विधिपूर्वक प्राधिकृत व्यक्ति के सम्यक् रूप से किए गए प्रति-हस्ताक्षर होंगे तथा जिस पर कंपनी की सामान्य मुद्रा अंकित होगी और कंपनी यह प्रमाणपत्र ऐसे उत्पादन या अतिरिक्त उत्पादन प्रारम्भ होने की तारीख से 30 दिन के भीतर देगी।

3. कंपनी प्रत्येक वित्तीय वर्ष की समाप्ति में 30 दिन के भीतर एक रिपोर्ट आयात और निर्यात के मुख्य नियंत्रक (निर्यात आभार संल), नई दिल्ली को देगी और उसकी एक प्रति संबंधित संयुक्त/उप-मुख्य नियंत्रक, आयात और निर्यात को और एक प्रति वाणिज्य मंत्रालय (निर्यात-उत्पादन अनुभाग), भारत सरकार, नई दिल्ली को भेजेगी। इस रिपोर्ट में, पूर्व वित्तीय वर्ष (या इसके खंड 2 के अनुसार निर्यात शर्त के लागू होने के प्रथम वर्ष के लिए वित्तीय वर्ष के एक भाग) के सम्बन्ध में निम्नलिखित विवरण दिए जाएंगे :—

(क) उत्पादन (परिणाम तथा वही मूल्य के अनुसार) जो व्यवसायगत किसी ऐसे सनदी लेखापाल द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित किया गया हो जो कंपनी या उसकी सम्बन्ध संस्था का निदेशक या उसका कर्मचारी न हो किन्तु वह कंपनी का कानूनी लेखा परीक्षक हो सकता है।

(ख) निर्यात (परिमाण और पोतपर्यन्त निःशुल्क मूल्य के अनुसार) और साथ ही निर्यात किए गए माल और उनके परिणाम और पोतपर्यन्त निःशुल्क मूल्य और उन देशों के नाम जिनको वे निर्यात किए गए हैं, के ब्यौरे जो व्यवसायगत किसी ऐसे सनदी लेखापाल द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित हो और जो कंपनी या उसकी सम्बन्ध संस्था का निवेशक या कर्मचारी न हो किन्तु वह कंपनी का कानूनी लेखा परीक्षक हो सकता है।

4. कंपनी प्रत्येक वित्तीय वर्ष की समाप्ति से छः मास के भीतर मुख्य-नियंत्रक, आयात और निर्यात, नई दिल्ली को या संबंधित संयुक्त/उप-मुख्य नियंत्रक, आयात और निर्यात को इसमें विनिर्दिष्ट निर्यात आभार की पूर्ति में पूर्व वर्ष के दौरान किए गए निर्यातों के मद्देन बमूल की गई विदेशी मुद्रा वंशित करने वाले बैंक प्रमाणपत्रों की मूल प्रतियाँ और अन्य ऐसे दस्तावेज भेज भी भेजेगी जो मुख्य नियंत्रक या सम्बन्धित संयुक्त/उप-मुख्य नियंत्रक, आयात और निर्यात इस करार के निबन्धन और शर्तों की पूर्ति में पूर्व वर्ष में उपार्जित विदेशी मुद्रा के समर्थन में अतिरिक्त साक्ष्य के रूप में मांगे।

5. यदि किसी वर्ष विशेष में कंपनी रु. मूल्य का माल (अपने उत्पादन के प्रतिशत) निर्यात करने में असफल रहती है और/या उपेक्षा करती है या असमर्थ है तो उस दशा में कंपनी सम्बन्धित संयुक्त/उप-मुख्य नियंत्रक, आयात और निर्यात या मुख्य नियंत्रक, आयात और निर्यात नई दिल्ली को पत्र द्वारा मांग पर, उक्त पत्र की तारीख से 30 (तीस) दिन के भीतर भारतीय राज्य व्यापार निगम लिमिटेड/परिगोजना एवं उपस्कर निगम/खनिज एवं धातु व्यापार निगम को या अन्य ऐसे व्यक्ति, फर्म या निगम निकाय को, जिसे सरकार या मुख्य नियंत्रक, आयात और निर्यात नई दिल्ली नाम निदेशित करे (जिसे इसमें आगे "अभिकरण" कहा गया है), अभिकरण द्वारा निर्यात के लिए वर्ष के दौरान उत्पादित के सम्बन्ध में

अनुबंधित वार्षिक वचनबद्धता/आभार और उसके वास्तविक निर्यात (जो प्रतिशत से अधिक नहीं होगा) बीच का अन्तर ऐसी कीमतों पर सौंप देगी जो वह विदेशों में प्राप्त कर सकती है। इसके अतिरिक्त कंपनी इसके साथ ही इतनी रकम का (जो निर्यात आभार के 5 प्रतिशत के बराबर, किन्तु 5 लाख रुपये से अधिक न हो), भुगतान अभिकरण को "परिनिर्धारित नुकसान" के रूप में करेगी। अभिकरण उपर्युक्त के निर्यात और उसके विक्रय आगम की वसूली के पश्चात् यथासंभव शीघ्र कंपनी को ऐसे निर्यात पर अभिकरण द्वारा उपार्जित वास्तविक विदेशी मुद्रा के समतुल्य रुपये, उसमें से ऐसे व्यय (जिनके अंतर्गत अभिकरण का सामान्य कमीशन भी है) काट कर देगी जो अभिकरण ने किए हैं। यदि इस प्रकार मनोनीत अभिकरण परिनिर्धारित नुकसान से अधिक व्यय करता है जो कि सम्बद्ध अभिकरण को दिए गए माल की विक्री/निपटान मूल्य के मद्देन किसी भी कारणों से समायोजित नहीं किए जा सकते हैं, तो इस प्रकार किया गया अधिक व्यय सरकार द्वारा कंपनी में पुनः प्राप्त किया जाएगा।

6. निर्धारित वार्षिक निर्यात वचनबद्धता/आभार और किए गए वास्तविक निर्यात के बीच के अन्तर को प्रतिरूपित करने के रूप में, वार्षिक निर्यात आभार के 5 प्रतिशत को प्रतिरूपित करने वाली रकम का भी अवधारण संयुक्त/उप-मुख्य नियंत्रक, आयात और निर्यात या मुख्य नियंत्रक, आयात और निर्यात नई दिल्ली द्वारा किया जाएगा और उक्त किसी भी प्राधिकारी द्वारा किया गया विनिश्चय अंतिम और कंपनी पर बाध्यकारी होगा। मूल्य और/या परिमाण का अवधारण करते समय उक्त प्राधिकारी यदि आवश्यक समझे तो अपने विवेकानुसार कंपनी को ऐसा साक्ष्य पेश करने का अवसर दे सकेगा जो वह (कंपनी) इस प्रयोजन के लिए मूल्य और परिणाम के अवधारण के समर्थन में दे सकती है।

7. यदि किसी वर्ष कंपनी इसमें अभिकर्षित निबंधनों और शर्तों में अपेक्षित, अपने उत्पादन के प्रतिशत से अधिक रु. का निर्यात करती है तो ऐसा आधिक्य पश्चात्पूर्ति वर्ष (वर्षों) में कमी, यदि कोई हो, में से मूजरा किया जा सकेगा।

8. यदि किसी वर्ष कंपनी अपने आभारों की पूर्ति में असफल रहती है और/या उपेक्षा करती है तो केवल उस दशा को छोड़कर जिसमें ऐसे आभार की पूर्ति सरकार की किसी विधि, आदेश, उद्घोषणा, विनियम या अध्यादेशों के कारण नहीं हो पाई थी या विलम्ब से हो पाई थी, सरकार को यह हक और स्वतंत्रता होगी कि वह कंपनी द्वारा उत्पादित का उस सीमा तक कब्जा ले जो उक्त खण्ड 6 में उल्लिखित है और अन्य ऐसे कार्रवाई करे जो वह परिनिर्धारित नुकसानी वसूल करने के अतिरिक्त आवश्यक समझे। सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में जारी किया गया आदेश अंतिम और कंपनी पर बाध्यकारी होगा और कंपनी ऐसे आदेश का अशर्त अनुपालन करने के लिए वचन देती है। लेकिन, यह आयात एवं निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 और इसके अन्तर्गत जारी किए गए आदेश के अधीन की गई किसी अन्य कार्रवाई को ध्यान में रखे बिना होगा। कंपनी द्वारा परिनिर्धारित नुकसान का भुगतान न करने पर, ऐसे परिनिर्धारित नुकसान कंपनी को किसी भी देय नकद अनुदान से पुनः प्राप्त किए जाएंगे।

9 इस विलेख या इसके अधीन निष्पादित किसी दस्तावेज पर यदि कोई स्टाम्प शुल्क प्रभावी है तो वह अनन्य रूप से कंपनी द्वारा दिया जाएगा।

इसके साक्ष्यस्वरूप इस पर की सामान्य मूद्रा लगा दी गई है तथा भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से श्री ने हम पर अपने हस्ताक्षर कर दिए हैं।

इस विलेख में नामित कम्पनी की सामान्य मूद्रा पर इनकी उपस्थिति में कम्पनी ने मोहर लगाई है

(हस्ताक्षर)

(1) श्री

और (2)
के लिए

(1)
(निवास स्थान का पता)

और उसकी ओर से,
श्री, निवेशक

(2)

(हस्ताक्षर)

(निवास स्थान का पता)

की उपस्थिति में लगाई गई है और ये निवेशक कम्पनी के निवेशक बोर्ड के तारीख को हुए अधिवेशन में पारित संकल्प द्वारा इस प्रयोजन के लिए सम्यक् रूप से प्राधिकृत किए गए हैं इन्होंने—

1. (नाम, पदनाम और पता)
 2. (नाम, पदनाम और पता)
- की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए।
भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से श्री

.

1. (नाम, पदनाम और पता)

2. (नाम, पदनाम और पता)
- की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए।

भाग 2

विधिक करार का प्रारूप

(उन लिमिटेड कम्पनियों द्वारा निष्पादन के लिए जिन पर उत्पादन की कुछ प्रतिशतता के अनुसार एक ही मूल्य का निर्यात आभार है)

यह करार एक पक्षकार के रूप में जो कम्पनी अधिनियम, 1956 के अधीन निर्गमित कम्पनी है और जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय में है (जिसमें आगे "कम्पनी" कहा गया है और इसके अन्तर्गत उसके उत्तराधिकारी और समनुवर्षित भी हैं) और दूसरे पक्षकार के रूप में भारत के राष्ट्रपति (जिन्हें इसमें आगे 'सरकार' कहा गया है और इसके अन्तर्गत पद उत्तरवर्ती और समनुवर्षित भी हैं) के बीच तारीख 198 को किया गया।

कम्पनी को रूप के लागत-बीमा-भाड़ा सहित मूल्य के संयंत्र मशीनरी और उपस्कर के आयात के लिए आयात लाइसेन्स से, तारीख मंजूर किया गया है।

और/या सरकार ने कम्पनी को सर्वश्री के साथ उसके प्रस्तावित विदेशी विनिधान/तकनीकी सहयोग व्यवस्था के निबन्धन और शर्तों संसूचित कर दी है। इस संबंध में देखिए

और/या सरकार ने कम्पनी को औद्योगिक अनुज्ञप्ति/क्षमता के पर्याप्त विस्तार को मंजूरी के उनके प्रस्ताव की स्वीकृति के निबन्धन और शर्तों संसूचित कर दी है। इस संबंध में देखिए तारीख का आशय पत्र संख्या

संयंत्र और उपस्कर के लिए उक्त आयात लाइसेन्स/विदेशी सहयोग के अनुमोदन/औद्योगिक अधिनियम के अधीन अनुज्ञप्ति या आशयपत्र की एक शर्त के रूप में सरकार ने यह निर्धारित किया है कि कम्पनी लिए यह आवश्यक है कि वह वर्ष तक या उतनी अवधि तक जो पक्षकारों के हस्ताक्षर से समय समय पर बढ़ाई जाए (यह संशोधन इस करार का भाग रूप समझा जाएगा) प्रतिवर्ष अपने उत्पादों का प्रतिशत निर्यात करके विदेशी मूद्रा उपार्जित करे। (ठीक ठीक शर्त का अनुमोदन प्रत्येक मामले में पूंजीगत माल समिति/विदेशी विनिधान बोर्ड/लाइसेन्स प्रदान करने वाली समिति द्वारा किया जाएगा)।

इसके पक्षकारों द्वारा और उनके बीच यह करार किया जाता है और घोषणा की जाती है कि :—

1. कम्पनी वर्ष तक या उतनी अवधि तक जो पक्षकारों के हस्ताक्षर से समय - समय पर बढ़ाई जाए (यह संशोधन इस करार का भाग रूप समझा जाएगा) अपने वार्षिक उत्पादन के प्रतिशत का निर्यात करेगी। यह निर्यात आभार ऐसे किसी अन्य निर्यात आभार के (अग्रिम/अग्रदाय लाइसेन्सों के मूल्य निर्यात आभार को छोड़कर) अतिरिक्त होगी जो कम्पनी पर

किसी अन्य आधार पर अधिगणित किया गया हो या अधिरोपित किए जाएं। भट्ठा या पैसा गण निर्गत, निर्गत आभार के मोचन के लिए अर्हित नहीं होंगे और यदि नेपाल और अफगानिस्तान को गन्तव्य निर्देशी मुद्रा से भगवान से भिन्न भगवान पर निर्यात किए जाते हैं तो गण निर्गत, निर्यात आभार के मोचन के लिए अर्हित नहीं होंगे। यदि बाह्य विदेशी सहयोग करार हुआ है तो उसको भग करतें हुए किए गए निर्यात भी, निर्यात आभार के मोचन के लिए अर्हित नहीं होंगे।

2. उपर वर्णित निर्गत, सयंत्र और उपस्कर के धालू किए जाने/उत्पादन के प्रारम्भ होने के पश्चात् अठारहवें मास से प्रारम्भ हो जाना चाहिए। (सयंत्र को औद्योगिक लाइसेंस में विनिर्दिष्ट तारीख के भीतर धालू कर दिया जाएगा) यह आवश्यक है कि उत्पादन तारीख—से आरम्भ हो जाए।

कम्पनी अपने माली पत्रावली पर एक प्रमाणपत्र देने के लिए वचनबद्ध होगी जिसमें आयात लाइसेंस के आधार पर सयंत्र और उपस्कर के धालू किए जाने की सही तारीख दी गई हो और जिस पर, यथास्थिति, उसके मुख्य इंजीनियर या निर्माण कार्य प्रबन्धक के हस्ताक्षर और कम्पनी के विधि-पूर्वक प्राधिकृत व्यक्ति के सम्यक् रूप से किए गए प्रति-हस्ताक्षर होंगे तथा जिस पर कम्पनी की सामान्य मुद्रा अंकित होगी। कम्पनी यह प्रमाणपत्र सयंत्र और उपस्कर के उक्त रूप से धालू होने की तारीख से तीस दिन के भीतर देगी।

अथवा

कम्पनी अपने माली पत्रावली पर एक प्रमाणपत्र देने का वचन देगी जिसमें सयंत्र और उपस्कर के लिए आयात लाइसेंस/विदेशी सहायोग के अनुमोदन/उद्गम (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 के अधीन लाइसेंस या आशय-पत्र के आधार पर उत्पादन या अतिरिक्त उत्पादन के प्रारम्भ की सही तारीख दी होगी और जिस पर, यथास्थिति, उसके मुख्य इंजीनियर या निर्माण कार्य प्रबन्धक के हस्ताक्षर और कम्पनी के विधिपूर्वक प्राधिकृत व्यक्ति के सम्यक् रूप से किए गए प्रतिहस्ताक्षर होंगे तथा जिस पर कम्पनी की सामान्य मुद्रा अंकित होगी। कम्पनी यह प्रमाणपत्र अपने उत्पादन या अतिरिक्त उत्पादन के प्रारम्भ होने की तारीख से 30 दिन के भीतर देगी।

3. कम्पनी प्रत्येक वित्तीय वर्ष की समाप्ति से 30 दिन के भीतर एक रिपोर्ट मूल्य नियंत्रक आयात और निर्यात, (निर्यात आभार से) नई दिल्ली को देगी और उसकी एक प्रति सम्बन्धित सयंत्र/उप-मुख्य नियंत्रक आयात और निर्यात को और एक प्रति ताणिजा मन्त्रालय (निर्यात उत्पादन विभाग) भारत सरकार, नई दिल्ली को भेजेगी। इस रिपोर्ट में पूर्व वित्तीय वर्ष (या इसके खण्ड 2 के अनुसार निर्यात शर्त के लागू होने के प्रथम वर्ष के लिए वित्तीय वर्ष के भाग) के संबंध में निम्नलिखित जानकारी और व्योरे दिए जाएंगे—

(क) उत्पादन (परिमाण तथा कम्पनी द्वारा उत्पादित की प्रति इकाई कारखाना-द्वारा उत्पादन लागत से उत्पादन शुल्क, यदि कोई है, घटाने के बाद जो आप उसके आधार पर परिष्कृत किए जाने वाले मूल्य के अनुसार) और उक्त आंकड़े किमी ऐसे गन्दी लेखापत्र द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित किये गये हो जो

कम्पनी का या उसकी सम्बन्ध संस्था का निदेशक या उसका कर्मचारी न हो; किन्तु वह कम्पनी का कानूनी लेखा परीक्षक हो सकता है।

(ख) निर्यात (परिमाण और पोत पर्यन्त नि.शुल्क के अनुसार) और साथ ही निर्यात किए गए माल और उसके परिणाम और पोत पर्यन्त नि.शुल्क मूल्य के व्योरे और उन देशों के नाम जिसको वे निर्यात किए गए हैं, किसी ऐसे सन्दी लेखापत्र द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित हों, जो कम्पनी या उसकी सम्बन्ध संस्था का निदेशक या कर्मचारी न हो; किन्तु वह कम्पनी का कानूनी लेखा परीक्षक हो सकता है।

4. कम्पनी प्रत्येक वित्तीय वर्ष की समाप्ति के छः मास के भीतर मुख्य नियंत्रक, आयात और निर्यात, नई दिल्ली की या सम्बन्धित सयंत्र/उप-मुख्य नियंत्रक, आयात और निर्यात को इसमें विनिर्दिष्ट निर्यात आभार की पूर्ति में पूर्व वर्ष के दौरान किए गए निर्यातों के मद्दे धालू की गई विदेशी मुद्रा धारित करने वाले बैंक प्रमाणपत्रों की मूल प्रतियाँ और अन्य ऐसे दस्तावेज भी भेजेगी जो मुख्य नियंत्रक, आयात और निर्यात या सम्बन्धित सयंत्र/उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात इस करार के निबन्धन और शर्तों की पूर्ति पूर्व वर्ष में अर्जित विदेशी मुद्रा के समर्थन में अतिरिक्त साक्ष्य के रूप में मांगें।

5. यदि किसी वर्ष विशेष में कम्पनी अपने के उत्पादन के प्रतिशत का निर्यात करने में असफल रहती है और/या उपेक्षा करती है या असमर्थ है तो उस दशा में कम्पनी संबंधित मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात या सयंत्र/उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली को एक-द्वारा मांग की जाने पर उक्त पत्र की तारीख से तीस दिन के भीतर भारतीय राज्य व्यापार निगम लिमिटेड/परियोजना एवं उपस्कर निगम/शनिज एवं धातु व्यापार निगम को या अन्य ऐसे व्यक्ति, फर्म या निगम या निकाय, जिसे सरकार या मुख्य नियंत्रक, आयात और निर्यात, नई दिल्ली नाम निर्धारित करें (जिसे इसमें आगे 'अभिकरण' कहा गया है), वर्ष के संबंधित उत्पादित के संबंध में अनुबंधित वार्षिक वचनबद्धता/आभार और उसके वास्तविक निर्मित (औ प्रतिशत से अधिक नहीं होगा) के बीच का अन्तर ऐसी कीमतों पर सौंप देगी जो वह विदेशों में प्राप्त कर सकती है। इसके अतिरिक्त कम्पनी इसके साथ निर्यात आभार के 5 प्रतिशत के बराबर राशि का भी जो अधिक से अधिक 5 लाख रुपये (पांच लाख रुपये) होगी भुगतान अभिकरण को 'परिनिर्धारित नुकसानी' के रूप में करेगी। अभिकरण उक्त के निर्यात और उसके विक्रय आगम की घसली के पश्चात् यथासम्भव शीघ्र कम्पनी को ऐसे निर्यात पर अभिकरण द्वारा अर्जित विदेशी मुद्रा के समतुल्य रूप, उनमें से ऐसे व्यय (जिसके अन्तर्गत अभिकरण का सामान्य कामीशन भी है) काट कर वगेरा जो अभिकरण ने किए हैं। यदि इस प्रकार मनोनीत अभिकरण परिनिर्धारित नुकसान से अधिक व्यय करता है जो कि संबंधित अभिकरण को दिए गए माल की बिक्री/निपटारे मूल्य के मद्दे किसी भी कारणों से समीकित नहीं किए जा सकते हैं, तो इस प्रकार किया गया अधिक व्यय सरकार द्वारा कम्पनी से पुनः प्राप्त किया जाएगा।

परिनिर्धारित नुकसानी की रकम की संगणना कम्पनी द्वारा उत्पादित के प्रति एकक उत्पादन की कारखाना-द्वारा लागत के आधार पर, उसमें से उत्पाद शुल्क को, यदि कोई हो, घटाकर की जाएगी। प्रति यूनिट उत्पादन की कारखाना-द्वारा लागत के साक्ष्यस्वरूप कम्पनी किसी (व्यवसायरत) सनदी लेखापाल का, जो कम्पनी का विशेषक या कर्मचारी नहीं है, एक प्रमाणपत्र पेश करेगी, निर्धारित आधार की पूर्ति करने में असफल रहने और/या उपेक्षा करने या असमर्थ होने की दशा में भुगतान परिनिर्धारित नुकसानी की रकम के अवधारण के लिए उत्पादन की उक्त कारखाना-द्वारा लागत का हिसाब रूपये में लगाया जाएगा किन्तु उपर्युक्त आधार पर परिकलित रकम का उपयोग किसी अन्य प्रयोजन के लिए या किसी स्कीम के अधीन (सीधे ही या भारतीय राज्य व्यापार निगम लिमिटेड या अन्य किसी अभिकरण के माध्यम से किए गए) ऐसे निर्यातों पर किन्हीं फायवों का दावा करने के लिए नहीं किया जाएगा।

6. अनुबंधित वार्षिक निर्यात वचनबद्धता/आभार और किए गए वास्तविक निर्यात के बीच के अन्तर को प्रतिरूपित करने वाला मूल्य और/या परिमाण का और परिनिर्धारित नुकसानी के रूप में वार्षिक निर्यात आभार के 5 प्रतिशत को प्रतिरूपित करने वाली रकम का भी अवधारण संयुक्त/उप-मुख्य नियंत्रक, आयात और निर्यात या मुख्य नियंत्रक, आयात और निर्यात, नई दिल्ली द्वारा किया जाएगा और उक्त किसी भी प्राधिकारी द्वारा किया गया विनिश्चय अंतिम और कम्पनी पर बाध्यकारी होगा। मूल्य और/या परिमाण का अवधारण करते समय उक्त प्राधिकारी यदि आवश्यक समझे तो अपने विवेकानुसार कम्पनी को ऐसे साक्ष्य पेश करने का अवसर दे सकेगा जो वह (कम्पनी) इस प्रयोजन के लिए मूल्य और परिमाण के अवधारण के समर्थन में दे सकती है।

7. यदि किसी वर्ष में कम्पनी इसमें अभिकथित विबंधनों और शर्तों में अपेक्षित अपने उत्पादन के प्रतियोगिता से अधिक का निर्यात करती है तो ऐसा बाधक्य पचासवर्षीय वर्ष (वर्षों) में कमी, यदि कोई हो, में से पूरा किया जा सकेगा।

8. यदि किसी वर्ष में कम्पनी अपने आभारों की पूर्ति में असफल रहती है और/या उपेक्षा करती है तो केवल उस वक्त को छोड़कर जिसमें ऐसे आभार की पूर्ति सरकार की किसी बिधि, आवेदन, उद्घोषणा, विनियमनों या अध्यादेशों के कर्तव्य नहीं हो पाई थी या विलम्ब से हो पाई थी, सरकार उसे यह हक और स्वतंत्रता होगी कि वह कम्पनी द्वारा उत्पादित का उस सीमा तक कब्जा ले जो उक्त खण्ड 6 में उल्लिखित है और अन्य ऐसी कर्तव्यों को जो वह परिनिर्धारित नुकसानी वसूल करने के अनिवार्य आवश्यक समझे। सरकार द्वारा इस संबंध में जारी किया गया आदेश अंतिम और कम्पनी पर बाध्यकारी होगा और कम्पनी ऐसे आदेश का अवगत अनपालन करने को वचनबद्ध है। लेकिन, यह आगत एवं निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 और इसके अन्तर्गत जारी किए गए आदेशों के अधीन की गई किसी अन्य कर्तव्यवाही को ध्यान में रखे बिना होगा। कम्पनी द्वारा परिनिर्धारित नुकसानी का भुगतान न करने पर, ऐसे परिनिर्धारित नुकसानी कम्पनी को किसी भी दाये नकद अनुदान से वंचित; प्राप्त किए जाएंगे।

9. इस विलेख या उसके अधीन निष्पादित किसी वस्तावेज पर यदि कोई स्टाम्प शुल्क प्रभावी है तो वह अनन्य रूप से कम्पनी द्वारा दिया जाएगा।

इसके साक्ष्यस्वरूप इस पर को सामान्य मुद्रा लगा दी गई है तथा भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से श्री ने इस पर अपने हस्ताक्षर कर दिए हैं।

इस विलेख में नामित कम्पनी की सामान्य मुद्रा इस पर (1) के लिए और उनकी ओर से, श्री निदेशक

(हस्ताक्षर)

(1)

(निवास स्थान का पता)

और (2) के लिए और उसकी ओर से,

श्री निवेशक (2)

(हस्ताक्षर)

(निवास स्थान का पता)

की उपस्थिति में लगाई गई है और ये निवेशक कम्पनी के निदेशक

(निवास स्थान का पता)

बोर्ड के तारीख को

हूए अधिवेशन में पारित संकल्प द्वारा इस प्रयोजन के लिए सम्यक् रूप से प्राधिकृत किए गए हैं और इन्होंने

1.

(नाम, पदनाम और पता)

2.

(नाम, पदनाम और पता)

की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए।

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से श्री

1.

(नाम, पदनाम और पता)

2.

(नाम, पदनाम और पता)

की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए।

भाग 3

विधिक करार का प्रारूप

(उन लिमिटेड कम्पनियों द्वारा निष्पादन के लिए जिन पर उत्पादन की कुछ प्रतिशतता के अनुसार बहुविध मर्चों का निर्यात आभार है)

यह करार एक पक्षकार के रूप में जो कम्पनी अधिनियम, 1956 के अधीन निर्गमित कम्पनी है और जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय में है। (जिसे इसमें आगे "कम्पनी" कहा गया है और इसके अन्तर्गत उसके उत्तराधिकारी और समनुदेशी भी हैं) और दूसरे पक्षकार के रूप में भारत के राष्ट्रपति (जिन्हें इसमें आगे "सरकार" कहा गया है और इसके अन्तर्गत उनके पद-उत्तरवर्ती और समनुदेशी भी हैं) के बीच तारीख 198 का किया गया।

कम्पनी को रुपए लागत-बीमा भाड़ा मूल्य के संयंत्र मशीनरी और उपस्कर के आयात के लिए आयात-अनुज्ञप्ति संख्या, तारीख मंजूर की गई है।

और/या सरकार ने कम्पनी (विदेशी फर्म का नाम) का सर्वश्री के साथ उसके प्रस्तावित विदेशी विनिधान/तकनीकी सहयोग व्यवस्था के निबंधन और शर्तों संसूचित कर दी है। इस संबंध में देखिए।

और/या सरकार ने कम्पनी को औद्योगिक अनुज्ञप्ति/क्षमता के पर्याप्त विस्तार की मंजूरी के उसके प्रस्ताव की स्वीकृति के निबंधन और शर्तों संसूचित कर दी है। इस सम्बन्ध में देखिए तारीख का आशय पत्र संख्या

संयंत्र और उपस्कर के लिए उक्त आयात अनुज्ञप्ति/विदेशी सहयोग के अनुमोदन/औद्योगिक अधिनियम के अधीन अनुज्ञप्ति या आशयपत्र की एक शर्त के रूप में सरकार ने यह अनुबंध किया है कि कम्पनी के लिए यह आवश्यक है कि वह वर्ष तक या उतनी अवधि तक जो पक्षकारों के हस्ताक्षर से समय-समय पर बढ़ाई जाए। (यह संशोधन इस करार का भाग रूप समझा जाएगा) प्रति वर्ष अपने उत्पादन का प्रतिशत निर्यात करके विदेशी मुद्रा उपार्जित करे। ठीक-ठीक शर्त का अनुमोदन प्रत्येक मामले में पूंजीगत माल समिति/विदेशी विनिधान बोर्ड/अनुज्ञापन समिति द्वारा किया जाएगा।

इसके पक्षकारों द्वारा और उनके बीच यह करार किया गया है और घोषणा की जाती है कि:—

1. कम्पनी वर्ष तक या उतनी अवधि तक जो पक्षकारों के हस्ताक्षर से समय-समय पर बढ़ाई जाए (यह संशोधन इस करार का भाग रूप समझा जाएगा) प्रतिवर्ष अपने उत्पादों अर्थात् के प्रतिशत का निर्यात करके विदेशी मुद्रा उपार्जित करेगी। यह निर्यात आभार एवं किसी अन्य निर्यात आभार (अग्रिम/अग्रदाय लाइसेन्सों के मद्दे निर्यात आभार को छोड़कर) के अतिरिक्त होगा जो कम्पनी पर किसी अन्य आधार पर अधिरोपित किया गया हो या

अधिरोपित किया जाए। भूटान को किए गए निर्यात, निर्यात आभार के मोचन के लिए अहित नहीं होंगे और यदि नेपाल को मुक्त विदेशी मुद्रा में निर्यात किए जाते हैं तो वे निर्यात, निर्यात आभार के मोचन के लिए अहित नहीं होंगे। यदि विदेशी सहयोग के लिए कोई करार हुआ है तो उसका भंग करते हुए किए गए निर्यात भी, निर्यात आभार के मोचन के लिए अहित नहीं होंगे।

2. ऊपर वर्णित निर्यात, संयंत्र और उपस्कर के चालू किए जाने/उत्पादन के प्रारंभ होने के पश्चात् अष्टाष्ट मास में प्रारम्भ हो जाना चाहिए। संयंत्र को औद्योगिक अनुज्ञप्ति में विनिर्दिष्ट तारीख के भीतर चालू कर दिया जाएगा। यह आवश्यक है कि उत्पादन तारीख से आरम्भ हो जाए।

कम्पनी अपने मुद्रित पत्रशीर्ष पर एक प्रमाणपत्र देने के लिए वचनबद्ध होगी जिसमें आयात लाइसेंस के आधार पर संयंत्र और उपस्कर के चालू किए जाने की सही तारीख दी गई हो और जिस पर यथास्थिति, उसके मुख्य इंजीनियर या निर्माण कार्य प्रबंधक के हस्ताक्षर और कम्पनी के विधि पूर्वक प्राधिकृत व्यक्ति के सम्यक् रूप से किए गए प्रतिहस्ताक्षर होंगे तथा जिस पर कम्पनी की सामान्य मुद्रा अंकित होगी। कम्पनी यह प्रमाण पत्र संयंत्र और उपस्कर के उक्त रूप में चालू होने की तारीख से तीन दिन के भीतर देगी।

बुद्धा

कम्पनी अपने मुद्रित पत्रशीर्ष पर एक प्रमाणपत्र देने के लिए वचनबद्ध होगी जिसमें संयंत्र और उपस्कर के लिए आयात लाइसेंस/विदेशी सहयोग के अनुमोदन/उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 के अधीन अनुज्ञप्ति या आशय-पत्र के आधार पर उत्पादन या अतिरिक्त उत्पादन के प्रारंभ की कोई तारीख दी होगी और जिस पर यथास्थिति, उसके मुख्य इंजीनियर या निर्माण कार्य प्रबंधक के हस्ताक्षर और कम्पनी के विधि पूर्वक प्राधिकृत व्यक्ति के सम्यक् रूप से किए गए प्रतिहस्ताक्षर होंगे तथा जिस पर कम्पनी की सामान्य मुद्रा अंकित होगी। यह प्रमाण-पत्र उत्पादन या अतिरिक्त उत्पादन के इस प्रकार प्रारंभ होने की तारीख से 30 दिन के भीतर देगी।

3. 'कम्पनी प्रत्येक वित्तीय वर्ष की समाप्ति से 30 दिन के भीतर एक रिपोर्ट मुख्य नियंत्रक, आयात और निर्यात (निर्यात आभार से) नई दिल्ली को देगी और उसकी एक प्रति संबंधित संयुक्त/उप-मुख्य नियंत्रक, आयात और निर्यात को और एक प्रति वाणिज्य मंत्रालय (निर्यात-उत्पाद अनुभाग), भारत सरकार, नई दिल्ली को भेजेगी। इस रिपोर्ट में पूर्व वित्तीय वर्ष (या इसके खण्ड 2 के अनुसार निर्यात शर्त को लागू होने के प्रथम वर्ष के लिए वित्तीय वर्ष के एक भाग) के सम्बन्ध में निम्न-लिखित जानकारी और विशिष्टियां दी जाएंगी:—

(क) उत्पादित प्रत्येक मद की बाबत (परिणाम के अनुसार) उत्पादन जो किसी ऐसे सनदी-लेखापाल द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित किया गया हो जो कम्पनी का निदेशक या उसका कर्मचारी न हो किन्तु वह कम्पनी का कानूनी लेखा परीक्षक हो सकता है।

(ख) परिमाण और पोत पर्यन्त निःशुल्क (मूल्य के अनुसार) निर्यात और साथ ही निर्यात किए गए माल की विशिष्टियां और उनके परिमाण और पोत पर्यन्त

निःशुल्क की विशिष्टियाँ और उन देशों के नाम जिनको वे निर्यात किए गए हैं, जो किसी ऐसे सनदी लेखापाल द्वारा सम्यक रूप से प्रमाणित हों जो कम्पनी या उसकी सम्बन्ध संस्था का निदेशक या कर्मचारी न हो किन्तु वह कम्पनी का कानूनी लेखा-परीक्षक हो सकता है।

- (ग) यूनिट द्वारा उत्पादन की कारखाने-द्वारा लागत जिसमें से उत्पादित प्रत्येक मद के संबंध में उत्पाद शुल्क, यदि कोई हो, घटा दिया गया हो, जो (व्यवसायरत) किसी ऐसे सनदी लेखापाल द्वारा सम्यक रूप से प्रमाणित हो जो कम्पनी या उसकी सम्बन्ध संस्था का निदेशक या कर्मचारी न हो, किन्तु वह कम्पनी का कानूनी लेखा परीक्षक हो सकता है, प्रमाणपत्र में वह (व्यवसायरत) सनदी-लेखापाल एकक द्वारा उत्पादित सभी मदों के उत्पादन की कुल कारखाने-द्वारा लागत भी उसमें से उत्पाद शुल्क, यदि कोई हो घटाकर, प्रदर्शित करेगा।

4. कम्पनी प्रत्येक वित्तीय वर्ष की समाप्ति से 6 मास के भीतर मुख्य नियंत्रक, आयात और निर्यात, नई दिल्ली को या संबंधित संयुक्त/उप-मुख्य नियंत्रक, आयात और निर्यात को इसमें विनिर्दिष्ट निर्यात आभार की पूर्ति में पूर्व वर्ष के दौरान किए गए निर्यातों के मूल्यांकन की गई विदेशी मुद्रा दर्शित करने वाले बैंक प्रमाणपत्रों की मूल प्रतियाँ और अन्य ऐसे दस्तावेज भी भेजेगी जो मुख्य नियंत्रक, आयात और निर्यात या संबंधित संयुक्त/उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात इस करार के निबंधन और शर्तों की पूर्ति में पिछले वर्ष में उपार्जित विदेशी मुद्रा के समर्थन में अतिरिक्त साक्ष्य के रूप में मांगे।

5. कुल निर्यात आभार का अवधारण, सभी मदों के उत्पादन के कुल कारखाना लागत को उसमें से उत्पाद शुल्क, यदि कोई हो घटाकर, हिसाब में लेकर निकाले गए मूल्य के, जो (व्यवसायरत) लागत लेखापाल द्वारा प्रमाणित हो, अनुसार किया जाएगा। परिमाण के अनुसार वस्तुतः किए गए निर्यातों का भी, निर्यात की गई मदों के उत्पादन की लागत, लेखापाल द्वारा प्रमाणित कारखाना-द्वारा लागत को उसमें से उत्पादन शुल्क, यदि कोई हो, घटाकर, हिसाब में लेकर मूल्य में संपरिवर्तित किया जाएगा। यदि निर्यात की गई मदों के उत्पादन को कारखाने-द्वारा लागत, कम्पनी द्वारा उत्पादित सभी मदों के उत्पादन को कुल कारखाने-द्वारा लागत की प्रतिशतता के रूप में उस निर्यात आभार की प्रतिशतता के बराबर है जो पक्षकार लाइसेंसधारी पर (परिणाम के अनुसार) अधिरोपित की गई है तभी यह समझा जाएगा कि कम्पनी ने अपने निर्यात आभार का निर्वहन किया है।

6. यदि किसी वर्ष विशेष में कम्पनी अपने उत्पादन के प्रतिशत का निर्यात करने में असफल रहती है और/या उपेक्षा करती है या असमर्थ है तो उस दशा में कम्पनी संबंधित संयुक्त/उप-मुख्य नियंत्रक, आयात और निर्यात या मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली की पत्र द्वारा मांग की जाने पर, उक्त पत्र की तारीख से तीस दिन के भीतर भारतीय राज्य व्यापार निगम लिमिटेड/परियोजन एवं उपस्कर निगम/खनिज एवं धातु व्यापार निगम को या अन्य ऐसे व्यक्ति, फर्म या निगम निकाय को, जिसे सरकार या मुख्य नियंत्रक, आयात और निर्यात, नई दिल्ली निर्दिष्ट करे। (जिसमें इसमें आगे "अभिकरण" कहा गया है), अभिकरण

द्वारा निर्यात के लिए वर्ष के दौरान उत्पादित के संबंध में अनुबंधित वार्षिक वचनबद्धता/आभार और उसके (जिस विशेष वर्ष में अधिकतम प्रतिशत तक की सीमा के अधीन रहते हुए) वास्तविक निर्यात के बीच का अंतर ऐसी कीमतों पर सौंप देगी जो वह विदेशों में प्राप्त कर सकती है। इसके अतिरिक्त, कम्पनी इसके साथ ही इतनी रकम का जो निर्यात आभार के 5 प्रतिशत के बराबर किन्तु 5 लाख रुपये से अधिक न हो, राशि का भी भुगतान अभिकरण को "परिनिर्धारित नुकसानी" के रूप में करेगी। अभिकरण उक्त के निर्यात और उसके विक्रय आगम की वसूली के पश्चात् यथासंभव शीघ्र कम्पनी को ऐसे निर्यात पर अभिकरण द्वारा उपार्जित वास्तविक विदेशी मुद्रा के समतुल्य रूप, उसमें से ऐसे व्यय (जिसके अन्तर्गत अभिकरण का सामान्य कमीशन भी है) काट कर वेगा जो अभिकरण ने किए हैं।

जहां निर्यात आभार की पूर्ति नहीं की जाती है वहां परिनिर्धारित नुकसान की रकम उत्पादन की कारखाने-द्वारा कीमत में से उत्पाद शुल्क, यदि कोई हो, घटाकर उसके आधार पर परिकलित की जायेगी। वस्तुतः कौन सा माल सौंपा जाएगा यह बात सरकार द्वारा चुने गए निर्यात अभिकरण के विकल्प पर छाड़ दी जाएगी और सौंपे जाने वाले माल का कुल मूल्य कम्पनी द्वारा उत्पादित मदों के उत्पादन की कुल कारखाने-द्वारा लागत और वस्तुतः निर्यात की गई या निर्यात की जाने वाली मदों के उत्पादन की कारखाने-द्वारा लागत में से उत्पाद शुल्क यदि कोई हो, घटाकर आने वाली रकम के बीच का अंतर निकाल कर किया जाएगा।

उक्त आधार पर परिकलित रकम का उपयोग अन्य किसी प्रयोजन के लिए या किसी स्कीम के अधीन (सीधे ही या भारतीय राज्य व्यापार निगम लिमिटेड या अन्य किसी अभिकरण के माध्यम से किए गए) ऐसे निर्यातों पर किन्हीं फायदों का दावा करने के लिए नहीं किया जाएगा। यदि इस प्रकार मंजूरित अभिकरण परिनिर्धारित नुकसान से अधिक व्यय करता है जो कि सम्बन्ध अभिकरण को दिए गए माल की निर्यात/निपटान मूल्य के मूद्दे किसी भी कारणों से समंकित नहीं किए जा सकते हैं, तो इस प्रकार किया गया अधिक व्यय सरकार द्वारा कम्पनी से पुनः प्राप्त किया जाएगा।

7. अनुबंधित वार्षिक निर्यात प्रतिबद्धता/बाध्यता और किए गए वास्तविक निर्यात के बीच के अंतर को प्रतिरूपित करने वाला मूल्य और/या परिमाण का और परिनिर्धारित नुकसानी के रूप में वार्षिक निर्यात आभार के 5 प्रतिशत को प्रतिरूपित करनेवाली रकम का भी अवधारण संयुक्त/उप-मुख्य नियंत्रक, आयात और निर्यात या मुख्य नियंत्रक, आयात और निर्यात, नई दिल्ली द्वारा किया जाएगा और उक्त किसी भी प्राधिकारी द्वारा किया गया विनिश्चय अन्तिम और कम्पनी पर बाधक-कर होगा। मूल्य और/या परिमाण का अवधारण करते समय उक्त प्राधिकारी, यदि आवश्यक समझे तो अपने विवेकानुसार कम्पनी को ऐसा साक्ष्य पेश करने का अवसर दे सकेगा जो वह (कम्पनी) इस प्रयोजन के लिए मूल्य और परिमाण के अवधारण के समर्थन में दे सकती है।

8. यदि किसी वर्ष में कम्पनी इसमें अभिकथित निबंधनों और शर्तों में अपेक्षित अपने उत्पादन के प्रतिशत से अधिक का निर्यात करती है तो ऐसा आधिक्य पश्चात-वर्ती वर्ष (वर्षों) में कमी, यदि कोई हो, में से मजरा किया जा सकेगा।

संयंत्र और उपस्कर के लिए उक्त आयात शून्य/विदेशी
सहयोग के अनुमोदन/शौचार्थक शिपिंग के अन्तर्गत
या आस्थापना की एक इकाई के रूप में स्थापित करने की आवश्यकता है।

है कि फर्म के लिए आवश्यक है कि वह
 रुपए की विदेशी मुद्रा प्रति वर्ष वर्ष
 की अवधि में उपार्जित करे। अथवा वर्ष
 तक या उतनी अवधि तक जो पक्षकारों के हस्ताक्षर से समय-समय
 पर बढ़ाई जाए। यह संशोधन इस करार का भाग रूप समझा
 जाएगा। प्रति वर्ष अपने उत्पादों के
 प्रतिशत का निर्यात उस समय तक करे जब तक कि परियोजना
 की विदेशी मुद्रा में पूरी लागत (या परियोजना की विदेशी
 मुद्रा लागत की दुगुनी या उसकी कोई अन्य गुणज राशि) जो
 लाख रुपए है निर्यात उपार्जनों के
 रूप में वसूल नहीं हो जाती है। (प्रत्येक मामले में ठीक-ठीक
 शर्तों का अनुमोदन पूंजीगत माल समिति/विदेशी विनिधान बोर्ड/
 अनुज्ञापन समिति द्वारा किया जाएगा)।

इसके पक्षकारों द्वारा और उनके बीच यह करार किया जाता
 है और घोषणा की जाती है कि—

1. फर्म वर्ष तक या
 उतनी अवधि तक जो पक्षकारों के हस्ताक्षर से समय-समय पर
 बढ़ाई जाए (यह संशोधन इस करार का भाग रूप समझा जाएगा)
 प्रति वर्ष अपने उत्पादन (उत्पादों) अर्थात्
। जिनका मूल्य लाख
 रुपए से कम न हो/जो उसके उत्पाद के प्रति
 शत से कम न हो) का उस समय निर्यात करके
 रुपये की विदेशी मुद्रा उपार्जित करेगी जब तक कि निर्यातों
 से प्राप्त कुल विदेशी मुद्रा उपार्जन की राशि
 रुपये नहीं हो जाती है। यह निर्यात
 आभार ऐसे किसी अन्य निर्यात आभार (अग्रिम/अग्रदाय
 लाइसेंसों के मद्दे निर्यात आभार को छोड़कर) के अतिरिक्त
 होगा जो फर्म पर किसी अन्य आधार पर अधिरोपित किया गया
 है या अधिरोपित किया जाए। भूटान को किए गए निर्यात,
 निर्यात-आभार के मोचन के लिए अर्हित नहीं होंगे और यदि
 नेपाल और अफगानिस्तान को मुक्त विदेशी मुद्रा में भुगतान से
 भिन्न भुगतान पर निर्यात किए जाते हैं तो वे निर्यात, निर्यात
 आभार के मोचन के लिए अर्हित नहीं होंगे। यदि विदेशी
 सहयोग के लिए कोई करार हुआ है तो उसका भंग करते हुए
 किए गए निर्यात भी, निर्यात आभार के मोचन के लिए अर्हित
 नहीं होंगे।

2. ऊपर वर्णित निर्यात, संयंत्र और उपस्कर के चालू
 किए जाने/उत्पादन के प्रारम्भ होने के पश्चात् अठारहवें मास
 से प्रारम्भ होना चाहिए (संयंत्र को औद्योगिक लाइसेंस में
 विनिर्दिष्ट तारीख के भीतर चालू कर दिया जाएगा) यह आवश्यक
 है कि उत्पादन तारीख से
 आरंभ हो जाए। फर्म अपने मुद्रित पत्रशीर्ष पर एक प्रमाणपत्र
 देने के लिए वचनबद्ध होगी जिसमें आयात लाइसेंस के आधार
 पर संयंत्र और उपस्कर के चालू किए जाने की सही तारीख दी
 गई हो और जिस पर, यथार्थता, उसके मुख्य इंजीनियर
 या निर्माण कार्य प्रबंधक के हस्ताक्षर और कम्पनी के विधि-पूर्वक
 प्राधिकृत व्यक्ति के सम्यक् रूप से किए गए प्रतिहस्ताक्षर होंगे
 तथा जिस पर फर्म की प्राधिकृत मुद्रा अंकित होगी। फर्म यह
 प्रमाणपत्र संयंत्र और उपस्कर के उक्त रूप में चालू होने की
 तारीख से तीस दिन के भीतर देगी।

अथवा

फर्म अपने मुद्रित पत्रशीर्ष पर एक प्रमाणपत्र देने का वचन-
 देगी जिसमें संयंत्र और उपस्कर के लिये आयात लाइसेंस

विदेशी सहयोग के अनुमोदन/उद्योग (विकास और विनियमन)
 अधिनियम, 1951 के अधीन अनुज्ञप्ति या आशय पत्र के
 आधार पर उत्पादन या अतिरिक्त उत्पादन के प्रारम्भ की सही
 तारीख दी होगी और जिस पर यथार्थता, उसके मुख्य
 इंजीनियर या निर्माण कार्य प्रबंधक के हस्ताक्षर और फर्म के
 विधि पूर्वक प्राधिकृत व्यक्ति के सम्यक् रूप से किये गये प्रति-
 हस्ताक्षर होंगे तथा जिस पर कम्पनी की सामान्य मुद्रा अंकित
 होगी। फर्म यह प्रमाणपत्र उत्पादन या अतिरिक्त उत्पादन के
 इस प्रकार प्रारम्भ होने की तारीख से 30 दिन के भीतर देगी।

3. फर्म प्रत्येक वित्तीय वर्ष की समाप्ति से 30 दिन के
 भीतर एक रिपोर्ट मुख्य नियंत्रक, आयात और निर्यात (निर्यात
 आभार संल), नई दिल्ली को या संबंधित संयुक्त/उप-मुख्य
 नियंत्रक, आयात निर्यात को देगी और उसकी एक प्रति वाणिज्य
 मंत्रालय (निर्यात-उत्पादन अनुभाग) भारत सरकार, नई दिल्ली
 को भेजेगी। इस रिपोर्ट में पूर्व वित्तीय वर्ष (या इसके खण्ड 2
 के अनुसार निर्यात शर्तों के लागू होने के प्रथम वर्ष के लिये
 वित्तीय वर्ष के एक भाग) के सम्बन्ध में निम्नलिखित विशिष्टियां
 दी जायगी—

(क) उत्पादन (परिमाण तथा वही मूल्य के अनुसार) जो
 व्यवसायरत किसी ऐसे सनदी लेखापाल द्वारा
 सम्यक् रूप से प्रमाणित किया गया हो जो फर्म या
 उसकी सम्बद्ध संस्था का भागीदार या उसका कर्म-
 चारी नहीं है, किन्तु वह फर्म का कानूनी लेखा
 परीक्षक हो।

(ख) निर्यात (परिमाण और पोतपर्यन्त निःशुल्क मूल्य के
 अनुसार) और साथ ही निर्यात किये गये माल के
 ब्यौरे और उसके परिमाण और पोत पर्यन्त
 निःशुल्क मूल्य के ब्यौरे और उन देशों के
 नाम जिनको ये निर्यात किये गये, जो किसी ऐसे
 सनदी लेखापाल द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित
 हो जो फर्म या उसकी सम्बद्ध संस्था का भागीदार
 या कर्मचारी नहीं है किन्तु वह फर्म का कानूनी
 लेखा परीक्षक हो।

4. फर्म प्रत्येक वित्तीय वर्ष की समाप्ति के छः मास के
 भीतर मुख्य नियंत्रक, आयात और निर्यात को या सम्बन्धित
 संयुक्त/उप-मुख्य नियंत्रक, आयात और निर्यात को इसमें
 विनिर्दिष्ट निर्यात आभार की पूर्ति में पूर्व वर्ष के दौरान
 किए गए निर्यातों के मद्दे वसूल की गई विदेशी मुद्रा प्रदर्शित
 करने वाले बैंक प्रमाणपत्रों की मूल प्रतियां और अन्य ऐसे
 दस्तावेज भी भेजेगी जो मुख्य नियंत्रक, आयात और निर्यात के या
 सम्बन्धित संयुक्त/उप-मुख्य नियंत्रक, आयात और निर्यात, नई
 दिल्ली इस करार के निबन्धन और शर्तों की पूर्ति में पूर्व वर्ष
 में उपार्जित विदेशी मुद्रा के समर्थन में अतिरिक्त साक्ष्य के रूप
 में मांगें।

5. यदि किसी वर्ष विशेष में फर्म
 रु. मूल्य का माल (अपने उत्पादन के प्रतिशत)
 का निर्यात करने में असफल रहती है और/या उपेक्षा करती
 है या असमर्थ है तो उस दशा में फर्म संबंधित संयुक्त/उप-मुख्य
 नियंत्रक, आयात और निर्यात या मुख्य नियंत्रक, आयात और
 निर्यात, नई दिल्ली को पत्र द्वारा मांग की जाने पर, उक्त
 पत्र की तारीख से तीस दिन के भीतर भारतीय राज्य व्यापार
 निगम लिमिटेड/परियोजना एवं उपस्कर निगम/खनिज एवं धातु
 व्यापार निगम को या अन्य ऐसे व्यक्ति, फर्म या निगम

निकाय को, जिसे सरकार या मुख्य नियंत्रक आयात और निर्यात, नहीं दिल्ली निर्देशित करे (जिसे इसमें अपने "अभिकरण" कहा गया है), अभिकरण द्वारा निर्यात के लिये वर्ष के दौरान उत्पादित... के सम्बन्ध में अनुबंधित वार्षिक वचनबद्धता/आभार और उसके वार्षिक निर्यात (जो... प्रतिशत से अधिक नहीं होगा) के बीच के अन्तर के समतुल्य... का स्टॉक ऐसी कीमतों पर खोपे देगी जो वह विदेशों में प्राप्त कर सकती है। इसके अतिरिक्त, फर्म उसके साथ ही... लाख रु. (यह रकम निर्यात आभार के 5 प्रतिशत के बराबर होगी किन्तु 5 लाख रुपये से अधिक नहीं होगी) की राशि का भी भुगतान अभिकरण को "परिनिर्धारित नुकसानी" के रूप में करेगी। अभिकरण उक्त... के निर्यात और उसके विक्रय आगम की वसूली के पश्चात यथा संभव शीघ्र कम्पनी को ऐसे निर्गत पर अभिकरण द्वारा उपार्जित शुद्ध विदेशी मूद्रा के समतुल्य रुपये, उसमें ऐसे व्यय (जिसके अन्तर्गत अभिकरण का मासिक कमीशन भी है) काट कर देगा जो अभिकरण ने लिये है। यदि इस प्रकार मनोनीत अभिकरण परिनिर्धारित नुकसान में अधिक व्यय करता है जो कि सम्बद्ध अभिकरण को निर्यात मात्र की विक्री/निपटान मूल्य के मुद्दे किसी भी कारणों से सम्प्रेषित नहीं किए जा सकते हैं, तो इस प्रकार किया गया अतिरिक्त व्यय सरकार द्वारा कम्पनी से पन प्राप्त किया जाएगा।

6. अनुबंधित वार्षिक निर्यात वचनबद्धता/आभार और किये गये वास्तविक निर्यात के बीच के अन्तर को प्रतिरूपित करने वाले मूल्य और/या परिमाण का और परिनिर्धारित नुकसानी के रूप में, वार्षिक निर्यात बाध्यता के 5 प्रतिशत को प्रतिरूपित करने वाली रकम का भी अवधारण प्रत्यक्ष/उप-मुख्य नियंत्रक, आयात और निर्यात या मुख्य नियंत्रक, आयात और निर्यात, नहीं दिल्ली द्वारा किया जाएगा और उक्त किसी भी प्राधिकारी द्वारा किया गया विनिश्चय अन्तिम और फर्म पर आवधिक होगा। मूल्य और/या परिमाण का अवधारण करते समय उक्त प्राधिकारी, यदि आवश्यक समझे तो अपने विवेकानुसार फर्म को ऐसा साक्ष्य पेश करने का अवसर दे सकेगा जो वह (फर्म) इस प्रयोजन के लिये मूल्य और परिमाण के अवधारण के समर्थन में दे सकती है।

7. यदि किसी वर्ष में फर्म इसमें अभिकथित निबन्धनों और शर्तों में अपेक्षित अपने उत्पादन के... प्रतिशत से अधिक... रु. से अधिक के... का निर्यात करती है तो ऐसा आधिक्य पश्चात्तवर्ती वर्ष (वर्षों) में कमी, यदि कोई हो, में से मजरा किया जा सकेगा।

8. यदि किसी वर्ष में फर्म अपने आभागों की पूर्ति में असफल रहती है और/या उपेक्षा करती है तो केवल उस दशा को छोड़कर जिसमें ऐसे आभार की पूर्ति सरकार की किसी विधि, आदेश, उद्घोषणा, विनियमन या अध्यादेशों के कारण नहीं हो पाई थी या विलम्ब से हो पाई थी, सरकार को यह हक और स्वतंत्रता होगी कि वह कम्पनी द्वारा उत्पादित... का उस सीमा तक कब्जा ले ले जो उक्त खंड 6 में उल्लिखित है और अन्य ऐसी कार्रवाई करे जो वह परिनिर्धारित नुकसानी वसूल करने के अतिरिक्त आवश्यक समझे। सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में जारी किया गया आदेश अंतिम और फर्म पर आवधिक होगा और फर्म को अपने आभागों का बिना शर्त अनपालन करने के लिए उत्तरदायी है। लेकिन, यह आयात एवं निर्यात (नियंत्रण) विनियमन, 1947 और इसके अन्तर्गत जारी किए गए आदेशों के अन्तर्गत किसी अन्य कार्यवाही को ध्यान में रखे बिना होगा। कम्पनी

द्वारा परिनिर्धारित नुकसान को भुगतान करने पर, ऐसे परिनिर्धारित नुकसान को फर्म को भी देय नुकसान अनुदान में गणित किया जायेगा।

9. इस विलेख या उसके अधीन निष्पादित किसी दस्तावेज पर यदि कोई स्टाम्प शुल्क प्रभार्य है तो वह अन्य रूप से फर्म द्वारा दिया जायेगा।

इसके साक्ष्यस्वरूप इस पर फर्म की खड मोहर लगा दी गई है तथा भारत के राष्ट्रपति के लिये और उनकी ओर से श्री... ने इस पर अपने हस्ताक्षर कर दिये हैं।

फर्म की खड/की मोहर
(भागीदार फर्म की दशा में लागू)

(क) प्रबन्ध भागीदार फर्म (क) हस्ताक्षर

नाम

(निवास स्थान का पता)

(ख) भागीदार (ख) हस्ताक्षर

नाम

(निवास स्थान का पता)

(ग) भागीदार (ग) हस्ताक्षर

नाम

(निवास स्थान का पता)

इत्यादि

साक्षी

1. (नाम, पदनाम और पता)

2. (नाम, पदनाम और पता)

भारत के राष्ट्रपति के लिये और उनकी ओर से
श्री

ने

1. (नाम, पदनाम और पता)

2. (नाम, पदनाम और पता)

की उपस्थिति में हस्ताक्षर किये।

(फर्म की खड मोहर)

(एक मात्र स्वत्वधारी/स्वत्वधारी फर्म की दशा में लागू)

हस्ताक्षर

एकमात्र स्वत्वधारी का नाम या

सभी स्वत्वधारियों के नाम

(निवास स्थान का पता/पते)

साक्षी।

1. (नाम, पदनाम और पता)

2. (नाम, पदनाम और पता)

भारत के राष्ट्रपति के लिये और उनकी ओर से

श्री

ने

1. (नाम, पदनाम और पता)

2. (नाम, पदनाम और पता)

को उपस्थिति में हस्ताक्षर किये।

भाग-5**विधिक करार का प्राक्क**

(उत्पादन की कुछ प्रतिशतता पर एकल मद के निर्यात प्रभार वाले मामलों में भागीदारों/स्वत्वधारी फर्म द्वारा निष्पादन के लिये)

(भागीदारी फर्म के मामले में लागू)

यह करार एक पक्षकार (क) रूप में (क)..... (प्रबन्धक भागीदार का नाम) जो का पुत्र है, (ख) (भागीदार का नाम) जो का पुत्र है, (ग) (भागीदार का नाम) जो का पुत्र है आदि के नाम और अभिनाम से, जो भारतीय भागीदारी अधिनियम के अधीन रजिस्ट्रीकृत फर्म है और जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय में है (जिसे इसमें शर्तों "फर्म" कहा गया है और इसके अन्तर्गत इसके उत्तराधिकारी और समनदेशिती भी है), कारोबार कर रहे हैं, और दूसरे पक्षकार के रूप में भारत के राष्ट्रपति (जिन्हें इसमें शर्तों "सरकार" कहा गया है और इसके अन्तर्गत उनके पद-उत्तरवर्ती और समनदेशिती भी है) के बीच आज तारीख 198..... को किया गया।

फर्म को रुपये के लागत-बीमा-भाड़ा सहित मूल्य के संयंत्र और उपस्कर के आयात के लिये आयात लाइसेंस स. तारीख को मंजूर की गई है।

और/या सरकार ने फर्म (विदेशी फर्म का नाम लिखिये) के सौम्य के साथ उसके प्रस्तावित विनिधान/तकनीकी सहयोग व्यवस्थान के निबन्धन और शर्तों संसूचित कर दी है। इस सम्बन्ध में देखिये।

और/या सरकार ने फर्म को औद्योगिक लाइसेंस/क्षमता के पर्याप्त विस्तार की मंजूरी के उसके प्रस्ताव की स्वीकृति के निबन्धन और शर्तों संसूचित कर दी है। इस संबंध में दीखए तारीख का आशय पत्र संख्यांक

संयंत्र और उपस्कर के लिये उक्त आयात लाइसेंस/विदेशी सहयोग के अनुमोदन/औद्योगिक अधिनियम के अधीन लाइसेंस या आशय पत्र की एक शर्त के रूप में सरकार ने यह अन्वंध किया है कि फर्म के लिये यह आवश्यक है कि वह अपने उत्पादनों का प्रतिशत प्रति वर्ष निर्यात करके वर्ष तक या उतनी अवधि तक जो पक्षकारों के हस्ताक्षर से समय-समय पर बढ़ाई जाये (यह संशोधन इस करार का भाग रूप माना जाएगा) विदेशी मुद्रा उपार्जित करे। ठीक-ठीक शर्तों का अनुमोदन प्रत्येक मामले में पूंजीगत माल समिति/विदेशी विनिधान बोर्ड/अनुज्ञापन समिति द्वारा किया जायेगा।

इसके पक्षकारों द्वारा और उनके बीच यह करार किया जाता है और घोषणा की जाती है कि:-

1. फर्म वर्ष तक या उतनी अवधि तक जो पक्षकारों से हस्ताक्षर से समय-समय पर बढ़ाई जाये (यह संशोधन इस करार का भाग रूप समझा जायेगा) अपने वार्षिक उत्पादन के

..... प्रतिशत का निर्यात करके विदेशी मुद्रा उपार्जित करेगी। यह निर्यात आभार ऐसे किसी अन्य निर्यात आभार (अग्रिम/अग्रदाय लाइसेंसों के मददे निर्यात आभार को छोड़कर) के अतिरिक्त होगा जो फर्म पर किसी अन्य आधार पर अधिशेषित किया गया हो या अधिशेषित किया जाए। भटान को किये गए निर्यात, निर्यात बाध्यता के मोचन के लिए अर्हित नहीं होंगे और यदि नेपाल और अफगानिस्तान को मुक्त विदेशी मुद्रा में भुगतान से भिन्न भुगतान पर निर्यात किये जाते हैं तो वे निर्यात, निर्यात आभार के मोचन के लिए अर्हित नहीं होंगे। यदि विदेशी सहयोग के लिये कोई करार हुआ है तो उसको भंग करते हुए किये गये निर्यात भी, निर्यात आभार के मोचन के लिए अर्हित नहीं होंगे।

2. उपर वर्णित निर्यात, संयंत्र और उपस्कर के चालू किए जाने/उत्पादन के प्रारम्भ होने के पश्चात् अठारहवें मास में प्रारम्भ हो जाना चाहिए। संयंत्र को औद्योगिक लाइसेंस में विनिर्दिष्ट तारीख के भीतर चालू कर दिया जायेगा। यह आवश्यक है कि उत्पादन तारीख, ... को और उस तारीख से प्रारम्भ हो जाये।

फर्म अपने मूद्रित पत्रशीर्ष पर एक प्रमाणपत्र देने के लिए वचन-बद्ध होगी जिसमें आयात लाइसेंस के आधार पर संयंत्र और उपस्कर के चालू किये जाने की सही तारीख दी गई हो और जिस पर यथास्थिति, उसके मुख्य इंजीनियर या निर्माण कार्य प्रबन्धक के हस्ताक्षर होंगे और फर्म के विधि पूर्वक प्राधिकृत व्यक्ति के सम्यक रूप से किये गये प्रतिहस्ताक्षर होंगे जिस पर कम्पनी की सामान्य मुद्रा अंकित होगी। फर्म यह प्रमाणपत्र संयंत्र और उपस्कर के उक्त रूप में चालू होने की तारीख से तीस दिन के भीतर देगी।

अथवा

फर्म अपने मूद्रित पत्रशीर्ष पर एक प्रमाणपत्र देने के लिए वचन-बद्ध होगी जिसमें संयंत्र और उपस्कर के लिये आयात लाइसेंस/विदेशी सहयोग के अनुमोदन की/उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 के अधीन लाइसेंस या आशय-पत्र के आधार पर उत्पादन या अतिरिक्त उत्पादन के प्रारंभ की सही तारीख दी होगी और जिस पर, यथास्थिति, उसके मुख्य इंजीनियर या निर्माण कार्य प्रबन्धक के हस्ताक्षर होंगे और उस पर फर्म के विधिपूर्वक प्राधिकृत व्यक्ति के सम्यक रूप से किये गए प्रतिहस्ताक्षर होंगे तथा जिस पर कम्पनी की सामान्य मुद्रा अंकित होगी। फर्म यह प्रमाणपत्र उत्पादन या अतिरिक्त उत्पादन के उस प्रकार प्रारम्भ होने की तारीख से 30 दिन के भीतर देगी।

3. फर्म प्रत्येक वित्तीय वर्ष की समाप्ति से 30 दिन के भीतर एक रिपोर्ट मुख्य नियंत्रक, आयात और निर्यात (निर्यात आभार से), नई दिल्ली को या संबंधित संयुक्त/उप-मुख्य नियंत्रक, आयात और निर्यात को देगी और उसकी एक प्रति वाणिज्य मंत्रालय (निर्यात-उत्पादन अनुभाग), भारत सरकार, नई दिल्ली को भेजेगी। इस रिपोर्ट में पूर्व वित्तीय वर्ष (या इनके खंड 2 के अनुसार निर्यात शर्त के लागू होने के प्रथम वर्ष के लिये वित्तीय वर्ष के एक भाग) के सम्बन्ध में निम्नलिखित विनिर्दिष्टां दी जायेंगी :-

(क) उत्पादन (परिमाण तथा बही मूल्य के अनुसार) जो व्यवसायरत किसी ऐसे सनदी लेखापाल द्वारा सम्यक रूप से प्रमाणित किया गया है जो फर्म या उसकी सम्बद्ध संस्था का भागीदार या उसका कर्मचारी न हो, किन्तु वह फर्म का कानूनी लेखा परीक्षक हो।

(ख) निर्यात (परिमाण और पोतपर्यंत निःशुल्क मूल्य के अनुसार) के साथ ही किये गए माल की विनिर्दिष्ट और उनके परिमाण और पोतपर्यंत निःशुल्क मूल्य की विनिर्दिष्ट और उन देशों के नाम जिनको ये निर्यात किये गये हैं जो किसी ऐसे सनदी लेखापाल द्वारा सम्यक रूप से प्रमाणित हैं जो फर्म या उस की सम्बद्ध संस्था का भागीदार या कर्मचारी न हो, किन्तु वह फर्म का कानूनी लेखा परीक्षक हो।

4. फर्म प्रत्येक वित्तीय वर्ष की समाप्ति से छः मास के भीतर मुख्य नियंत्रक, आयात और निर्यात, नई दिल्ली को या सम्बन्धित संयुक्त/उप-मुख्य नियंत्रक, आयात और निर्यात को इसमें विनिर्दिष्ट निर्यात आभार की पूर्ति से पूर्व वर्ष के दौरान किये गये निर्यातों के मद्दे वसूल की गई विदेशी मुद्रा दर्शित करने वाले बैंक प्रमाणपत्रों की मूल प्रतियां और अन्य ऐसे दस्तावेजों को भी भेजेगी जो कि मुख्य नियंत्रक, आयात और निर्यात या सम्बन्धित संयुक्त/उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली इस करार के निबन्धन और शर्तों की पूर्ति में पूर्व वर्ष की उपार्जित विदेशी मुद्रा के समर्थन में अतिरिक्त साक्ष्य के रूप में मांगे।

5. यदि किसी वर्ष विशेष में फर्म अपने उत्पादन के -----प्रतिशत का निर्यात करने में असफल रहती है या असमर्थ है तो उस विषय में फर्म मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात नई दिल्ली या सम्बन्धित संयुक्त/उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात को पत्र द्वारा मांग की जाने पर उक्त पत्र की तारीख से तीस दिन के भीतर भारतीय राज्य व्यापार निगम लिमिटेड परियोजना एवं उपस्कर निगम/खनिज एवं धातु व्यापार निगम को या अन्य ऐसे व्यक्ति, फर्म या निकाय को, जिसे सरकार या मुख्य नियंत्रक, आयात और निर्यात, नई दिल्ली नियुक्त करे (जिससे इस में आगे अधिकरण कहा गया है), वर्ष के दौरान उत्पादित-----के संबंध में अनुबंधित वार्षिक वचनबद्धता/प्रभार और उसके उस विशेष वर्ष में अधिकतम -----प्रतिशत तक की सीमा के अधीन रहते हुए वास्तविक निर्यात किये जाने के लिये सौंप देगी जो वह अधिकरण विदेशों में प्राप्त कर सकती है। इसके अतिरिक्त फर्म इसके साथ ही इतनी रकम का, जो निर्यात आभार के 5 प्रतिशत के बराबर किन्तु 5 लाख रुपये से अधिक न हो, भुगतान अधिकरण को परिनिर्धारित नुकसानी के रूप में करेगी। अधिकरण उक्त-----के निर्यात और उसके विक्रय आगम की वसूली के पश्चात यथासंभव शीघ्र फर्म को ऐसे निर्यात पर अधिकरण द्वारा उपार्जित वास्तविक विदेशी मुद्रा के समतुल्य एवं, उसमें से ऐसे व्यय (जिसके अन्तर्गत अधिकरण का सामान्य कमीशन भी है) काट कर देगा जो अधिकरण ने किये हैं। फूल निर्यात आभार का विनिर्धारण फर्म -----द्वारा उत्पादित सभी मर्चों के उत्पादन के कारखाना पूर्व काल लागत में से उत्पादन शुल्क, यदि कोई हो, जो कि व्यवसायरत परिनिर्धारित नुकसानी की रकम फर्म द्वारा उत्पादित लागत लेखाकार द्वारा प्रमाणित हो, मूल्यानुसार किया जाएगा। मर्चों की प्रति यूनिट उत्पादन का कारखाना-द्वारा लागत में से

उत्पादन शुल्क, यदि कोई हो, घटाकर बाने वाली रकम के आधार पर परिकलित की जायेगी। फर्म, प्रति यूनिट उत्पादन को कारखाना-द्वारा लागत के सबूत के रूप में व्यवसायरत ऐसे लागत लेखापाल का एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेगी जो फर्म का भागीदार या कर्मचारी नहीं है। यदि फर्म निर्यात आभार पूरा करने में असफल रहती है और/या उपेक्षा करती है या असमर्थ है तो उस दशा में संदेय परिनिर्धारित नुकसानी की रकम के अवधारण के लिये उत्पादन की उक्त कारखाना-द्वारा लागत रूपों में लगाई जायेगी किन्तु उपर्युक्त आधार पर परिकलित रकम का उपयोग अन्य किसी प्रयोजन के लिये या किसी स्कीम के अधीन (सीधे ही भारतीय राज्य व्यापार निगम लिमिटेड या किसी अन्य अधिकरण के माध्यम से किये गये) ऐसे निर्यातों पर किसी का दावा करने के लिये नहीं किया जायेगा। यदि इस प्रकार मनोनीत अधिकरण परिनिर्धारित नुकसान से अधिक व्यय करता है जो कि सम्बद्ध अधिकरण को दिए गए माल की बिक्री/निपटान मूल्य के मद्दे किसी भी कारणों से समेकित नहीं किए जा सकते हैं, तो इस प्रकार किया गया अधिक व्यय सरकार द्वारा कम्पनी से पुनः प्राप्त किया जाएगा।

6. अनुबंधित वार्षिक निर्यात वचनबद्धता/आभार और किये गये वास्तविक निर्यात के बीच के अन्तर को प्रतिरूपित करने वाले मूल्य और/या परिमाण का और परिनिर्धारित नुकसानी के रूप में, वार्षिक निर्यात आभार के 5 प्रतिशत को प्रतिरूपित करने वाली रकम का भी अवधारण संयुक्त/उप मुख्य नियंत्रक, आयात और निर्यात या मुख्य नियंत्रक, आयात और निर्यात, नई दिल्ली, के द्वारा किया जायेगा और उक्त किसी भी प्राधिकारी द्वारा किया गया विनिर्णय अन्तिम और कम्पनी पर बाध्यकर होगा। मूल्य और/या परिमाण का अवधारण करते समय उक्त प्राधिकारी यदि आवश्यक समझे तो अपने विवेकानुसार फर्म को ऐसा साक्ष्य पेश करने का अवसर दे सकेगा जो वह (फर्म) इस प्रयोजन के लिये मूल्य और परिमाण के अवधारण के समर्थन में दे सकती है।

7. यदि किसी वर्ष में फर्म इसमें अधिकृत निबंधनों और शर्तों में अपेक्षित अपने उत्पादन के -----प्रतिशत से अधिक-----का निर्यात करती है तो ऐसा अधिक पश्चात्तर्ती वर्ष (वर्षों) में कमी, यदि कोई हो, में से मुजरा किया जा सकेगा।

8. यदि किसी वर्ष में फर्म अपने आभारों की पूर्ति में असफल रहती है और/या उपेक्षा करती है तो केवल उस दशा को छोड़कर जिसमें ऐसी बाध्यता की पूर्ति सरकार की किसी विधि, आदेश, उद्घोषणा, विनियमन या अध्यादेशों के कारण नहीं हो पायी थी या विलम्ब हो गई थी, सरकार को यह हक और स्वतंत्रता होगी कि वह फर्म द्वारा उत्पादित-----का उस सीमा तक कब्जा ले ले जो उक्त खंड 6 में उल्लिखित है और अन्य ऐसी कार्रवाई करे जो वह परिनिर्धारित नुकसानी वसूल करने के अतिरिक्त आवश्यक समझे। सरकार द्वारा इस संबंध में जारी किया गया आदेश अन्तिम और फर्म पर बाध्यकर होगा और फर्म ऐसे आदेश का अंशतः अनुपालन करने के लिए आवश्यक है। लेकिन, यह आयात एवं निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 और इसके अन्तर्गत जारी किए गए आदेश के अधीन की गई किसी अन्य कार्रवाई को ध्यान में रखे बिना होगा। कम्पनी द्वारा परिनिर्धारित नुकसान का भुगतान न करने पर, ऐसे परिनिर्धारित नुकसान कम्पनी को किसी भी देय नकद अनुदान से पुनः प्राप्त किए जाएंगे।

9. इस विलेख या उसके अधीन निष्पादित किसी हस्ता-
वेष पर यदि कोई स्टैम्प शुल्क प्रभाव्य है तो वह अनन्य रूप से
फर्म द्वारा दिया जायेगा।

इसके साक्ष्यस्वरूप इस पर-----की सामान्य मुद्रा लगा
दी गई है तथा भारत के राष्ट्रपति के लिये और उनकी ओर
से श्री ने इस पर अपने हस्ताक्षर
कर दिये हैं।

(भागीदार फर्म की दशा में लागू)

फर्म की रबड़ मोहर

- | | |
|---|---------------------|
| (क) प्रबन्धक भागीदार का नाम
(निवास स्थान का पता) | (क) हस्ताक्षर ----- |
| (ख) भागीदार का नाम
(निवास स्थान का पता) | (ख) हस्ताक्षर ----- |
| (ग) भागीदार का नाम
(निवास स्थान का पता) | (ग) हस्ताक्षर ----- |

साक्षी :

1. ----- (नाम, पदनाम और पता)
भारत के राष्ट्रपति के लिये
और उनकी ओर से श्री----- ने
2. ----- (नाम, पदनाम और पता)

1. ----- (नाम, पदनाम और पता)
2. ----- (नाम, पदनाम और पता)
की उपस्थिति में हस्ताक्षर किये।
(एकमात्र स्वत्वधारी/स्वत्वधारी फर्म की दशा में लागू)

फर्म की रबड़ मोहर

एकमात्र स्वत्वधारी का नाम या सभी स्वत्वधारियों के नाम, सभी स्वत्व
धारियों के हस्ताक्षर।

(निवास स्थान का पता/पते)

साक्षी :

1. -----
(नाम, पदनाम और पता)
2. -----
(नाम, पदनाम और पता)

(भारत के राष्ट्रपति के लिये और उनकी
ओर से----- ने

1. ----- (नाम, पदनाम और पता)
2. ----- (नाम, पदनाम और पता)
की उपस्थिति में हस्ताक्षर किये

भाग 6

विधिक करार का प्रारूप

(उन भागीदार/स्वत्वधारी फर्म द्वारा निष्पादन के लिये,
जिन पर उत्पादन के कुछ प्रतिशत के हिसाब से बहुविध
मर्चों का निर्यात-आभार है)।

(भागीदारी फर्म की दशा में लागू)

यह करार एक पक्षकार के रूप में (क) -----
(प्रबन्ध भागीदार का नाम) जो ----- का
पुत्र है, (ख) भागीदार का नाम -----
जो ----- का पुत्र है, (ग) (भागीदार का
नाम) ----- जो -----
का पुत्र है आदि ----- नाम और अभिनाम
से कारोबार कर रहे हैं, जो भारतीय भागीदारी अधिनियम
के अधीन एक रजिस्ट्रीकृत भागीदार फर्म है और जिसका
रजिस्ट्रीकृत कार्यालय ----- में है (जिसे इसमें आगे
'फर्म' कहा गया है और इसके अन्तर्गत उसके उत्तराधिकारी
और समनुवर्ति भी हैं) और दूसरे पक्षकार के रूप में
भारत के राष्ट्रपति (जिन्हें इसमें आगे 'सरकार' कहा गया
है और इसके अन्तर्गत उनके पव-उत्तरवर्ती और समनुवर्ति
भी हैं) के बीच तारीख ----- को किया गया।
(एकमात्र स्वत्वधारी/स्वत्वधारी फर्मों की दशा में लागू)

यह करार एक पक्षकार के रूप में (एकमात्र स्वत्वधारी/
स्वत्वधारियों का/के नाम ----- जो -----
----- का/के पुत्र है/हैं और एकमात्र स्वत्वधारी/स्वत्वधारी
फर्म ----- के नाम और अभिनाम में, जो भारतीय
भागीदारी अधिनियम के अधीन रजिस्ट्रीकृत फर्म है, कारोबार
कर रहा है/रहे हैं, और जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय -----
में है (जिसे इसमें आगे 'फर्म' कहा गया
है और इसके अन्तर्गत उसके उत्तराधिकारी और समनुवर्ति
भी हैं) और दूसरे पक्षकार के रूप में भारत के राष्ट्रपति
और इसके अन्तर्गत उनके पव-उत्तरवर्ती और समनुवर्ति भी हैं
के बीच आज तारीख ----- को किया गया।

फर्म को ----- रुपये लागत-बीमा-भाड़ा सहित
मूल्य के संयंत्र, मशीनरी और उपस्कर के आयात के लिये
आयात लाइसेंस सं. ----- तारीख -----
मंजूर किया गया है।

और/या सरकार ने फर्म (विवेची फर्म का नाम
लिखें) को मसर्स के साथ उसके प्रस्तावित
विवेची विनिधान/तकनीकी सहयोग व्यवस्था के नियंत्रण और
शर्तों संसूचित कर दी है। इस सम्बन्ध में देखिये।

और/या सरकार ने फर्म को औद्योगिक लाइसेंस/क्षमता के
पर्याप्त विस्तार की मंजूरी के उसके प्रस्ताव की स्वीकृति के
निबन्धन और शर्तों संसूचित कर दी है। इस सम्बन्ध में देखिए
तारीख का आशयपत्र संख्या

संयंत्र और उपस्कर के लिये उक्त आयात लाइसेंस/विवेची
सहयोग के अनमोदन/औद्योगिक अधिनियम के अधीन लाइसेंस
की या आशय पत्र की एक शर्त के रूप में सरकार ने यह अनुबन्ध

किया है कि फर्म के लिये यह आवश्यक है कि वह----- अपने उत्पादन का - - - प्रतिशत प्रति वर्ष निर्यात करके ----- वर्ष तक या उतनी अवधि तक जो पक्षकारों के हस्ताक्षर से समय-समय पर बढ़ाई जाये, (यह संशोधन इस करार का भाग रूप माना जायेगा) प्रति वर्ष अपने ----- के उत्पादन का ----- प्रतिशत निर्यात करके विदेशी मुद्रा उपार्जित करे। (ठीक-ठीक शर्त का अनुमोदन प्रत्येक मामले में पूंजीगत माल समिति/विदेशी विनिधान बोर्ड/अनुज्ञापन समिति द्वारा किया जायेगा)

इसके पक्षकारों द्वारा और उनके बीच यह करार किया जाता है और घोषणा की जाती है कि :---

1. फर्म ----- वर्ष तक या उतनी अवधि तक जो पक्षकारों के हस्ताक्षर से समय-समय पर बढ़ाई जाये। यह संशोधन इस करार का/भाग रूप समझा जायेगा। प्रति वर्ष अपने उत्पादों अर्थात् ----- के ----- प्रतिशत का निर्यात करके विदेशी मुद्रा उपार्जित करेगी। यह निर्यात आभार ऐसी किसी अन्य निर्यात बाध्यता (अग्रिम/अग्रदाय लाइसेंसों के मद्दे निर्यात आभार को छोड़कर) के अतिरिक्त होगी जो फर्म पर किसी अन्य आधार पर अधिरोपित की गई हो या अधिरोपित की जाये। भूटान को किये गये निर्यात, निर्यात आभार के मोचन के लिए अर्हित नहीं होंगे और यदि नेपाल और अफगानिस्तान को मुक्त विदेशी मुद्रा में भुगतान से भिन्न भुगतान पर निर्यात किये जाते हैं तो वे निर्यात, निर्यात के मोचन के लिए अर्हित नहीं होंगे। यदि विदेशी सहयोग के लिए कोई करार हुआ है तो उसको भंग करते हुए किये गये निर्यात भी, निर्यात आभार के मोचन के लिए अर्हित नहीं होंगे।

2. ऊपर वर्णित निर्यात, संयंत्र और उपस्कर के चालू किये जाने/उत्पादन के प्रारम्भ होने के पश्चात् अठ्ठारहवें मास से प्रारम्भ हो जाना चाहिये। संयंत्र को औद्योगिक लाइसेंस में विनिर्दिष्ट तारीख के भीतर चालू कर दिया जायेगा। यह आवश्यक है कि उत्पादन तारीख ----- से आरम्भ हो जाये।

फर्म अपने मुद्रित पत्रशीर्ष पर एक प्रमाणपत्र देने के लिए वचन-बद्ध होगी जिसमें आयात लाइसेंस के आधार पर संयंत्र और उपस्कर के चालू किये जाने की सही तारीख दी गई हो और जिस पर, यथास्थिति, उसके मुख्य इंजीनियर या निर्माण कार्य प्रबन्धक के हस्ताक्षर और फर्म के विधिपूर्वक प्राधिकृत व्यक्ति के सम्यक् रूप से किये गये प्रतिहस्ताक्षर होंगे तथा जिस पर फर्म की प्राधिकारिक मुद्रा अंकित होगी। कम्पनी यह प्रमाणपत्र संयंत्र और उपस्कर के उक्त रूप में चालू होने की तारीख से तीस दिन के भीतर देगी।

अध्याय

फर्म अपने मुद्रित पत्रशीर्ष पर एक प्रमाणपत्र देने के लिए वचन-बद्ध होगी जिसमें संयंत्र और उपस्कर के लिए आयात लाइसेंस/विदेशी सहयोग के अनुमोदन/उत्थोग (विकास और विनियम) अधिनियम, 1951 के अधीन लाइसेंस या आशयपत्र के आधार पर उत्पादन या अतिरिक्त उत्पादन के प्रारम्भ की सही तारीख दी होगी और जिस पर, यथास्थिति, उसके मुख्य इंजीनियर या निर्माण कार्य प्रबन्धक के हस्ताक्षर और फर्म के विधिपूर्वक प्राधिकृत व्यक्ति के सम्यक् रूप से किये गये प्रतिहस्ताक्षर होंगे तथा जिस पर फर्म की प्राधिकारिक मुद्रा अंकित होगी। फर्म यह प्रमाणपत्र उत्पादन या अतिरिक्त उत्पादन के इस प्रकार प्रारम्भ होने की तारीख से 30 दिन के भीतर देगी।

3. फर्म प्रत्येक वित्तीय वर्ष की समाप्ति से 30 दिन के भीतर एक रिपोर्ट मुख्य नियंत्रक, आयात और निर्यात (निर्यात लाइसेंस सेल), नई दिल्ली को देगी और उसकी एक प्रति संबंधित संयुक्त/उप-मुख्य नियंत्रक, आयात और निर्यात को और एक प्रति वाणिज्य मंत्रालय (निर्यात उत्पादन अनुभाग), भारत सरकार, नई दिल्ली को भेजेगी। इस रिपोर्ट में पूर्व वित्तीय वर्ष या इसके खण्ड 2 के अनुसार निर्यात शर्त के लागू होने के प्रथम वर्ष के लिए वित्तीय वर्ष के एक भाग के सम्बन्ध में निम्नलिखित विशिष्टियां दी जाएंगी :---

(क) उत्पादित प्रत्येक मद की बाबत (परिमाण के अनुसार) उत्पादन जो व्यवसायरत किसी ऐसे सनदी लेखापाल द्वारा सम्यक् रूप से अनु-प्रमाणित किया गया हो जो फर्म या उसकी सम्बद्ध संस्था का भागीदार या उसका कर्मचारी नहीं हो; किन्तु वह फर्म का कानूनी लेखा परीक्षक हो।

(ख) निर्यात (परिमाण और पोतपर्यन्त निःशुल्क मूल्य के अनुसार) और साथ ही निर्यात किये गये माल की विशिष्टियां और उसके परिमाण और पोतपर्यन्त निःशुल्क मूल्य की विशिष्टियां और उन देशों के नाम जिनको निर्यात किये गये हैं, जो किसी ऐसे सनदी लेखापाल द्वारा सम्यक् रूप से अनु-प्रमाणित हो जो फर्म या उस की सम्बद्ध संस्था का भागीदार या कर्मचारी नहीं हो; किन्तु वह फर्म का कानूनी लेखा परीक्षक हो।

(ग) यूनिट द्वारा उत्पादन की कारखाने-द्वारा लागत जिसमें से उत्पाद शुल्क, यदि कोई हो, घटा दिया गया हो, जो (व्यवसायरत) किसी ऐसे लागत लेखापाल द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित हो जो फर्म का भागीदार या उसका कर्मचारी नहीं हो। प्रमाणपत्र में वह (व्यवसायरत) लागत लेखापाल यूनिट द्वारा उत्पादित सभी मदों के उत्पादन की कुल कारखाना-द्वारा लागत भी, उसमें से उत्पाद शुल्क, यदि कोई हो, घटा कर प्रदर्शित करेगा।

4. फर्म प्रत्येक वित्तीय वर्ष की समाप्ति से छः मास के भीतर मुख्य नियंत्रक, आयात और निर्यात, नई दिल्ली को या संबंधित संयुक्त/उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात को इस विनिर्दिष्ट निर्यात आभार की पूर्ति में पूर्व वर्ष के दौरान किये गये निर्यातों के मद्दे वसूल की गई विदेशी मुद्रा प्रदर्शित करने वाले बैंक-प्रमाणपत्रों की मूल प्रतियां और अन्य ऐसे दस्तावेज भी भेजेगी जो मुख्य नियंत्रक, आयात और निर्यात या सम्बन्धित संयुक्त/उप-मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात इस करार के निबन्धन और शर्तों की पूर्ति में पूर्व वर्ष में उपार्जित विदेशी मुद्रा के समर्थन में अतिरिक्त साक्ष्य के रूप में मांगे।

5. कुल निर्यात आभार उत्पादित सभी मदों के उत्पादन की कुल कारखाना-द्वारा लागत में से उत्पाद शुल्क, यदि कोई हो, घटाकर निकाले गये मूल्य के, जो (व्यवसायरत) लागत लेखापाल द्वारा प्रमाणित हो, अनुसार अवधारित की जायेगी। परिमाण के अनुसार वस्तुतः किए गए निर्यातों को भी (व्यवसायरत) लागत लेखापाल द्वारा प्रमाणित कारखाने-द्वारा लागत को उसमें से उत्पाद शुल्क, यदि कोई हो, घटाकर हिसाब में लेकर मूल्य में परिवर्तित किया जायेगा। यदि निर्यात की गई मदों के उत्पादन को कारखानों - द्वारा लागत की प्रतिशतता के

रूप में उस निर्यात आभार की प्रतिशतता के बराबर है जो पक्षकार/लाइसेंसधारी पर (परिमाण के अनुसार) अधिरोपित की गई है तथा यह समझा जायेगा कि फर्म ने अपने निर्यात का निर्वहन किया है।

6. यदि किसी वर्ष विशेष में फर्म अपने उत्पादन के-----
-----प्रतिशत का निर्यात करने में असफल रहती है और/या उपेक्षा करती है या असमर्थ है तो उस वर्ष में फर्म संबंधित संयुक्त/उप-मुख्य नियंत्रक, आयात और निर्यात या आयात और निर्यात के मुख्य नियंत्रक, नई दिल्ली, को पत्र द्वारा मांग पर उक्त पत्र की तारीख से तीस दिन के भीतर भारतीय राज्य व्यापार निगम लिमिटेड/परियोजना एवं उपस्कर निगम/खनिज एवं धातु व्यापार निगम को अन्य ऐसे व्यक्ति, फर्म या निगम निष्काश को, जिसे सरकार या मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली निर्देशित करे। (जिसे इसमें आगे 'अभिकरण' कहा गया है), अभिकरण द्वारा निर्यात के लिये वर्ष के दौरान उत्पादित-----के सम्बन्ध में वार्षिक वचन-बद्धता/आभार और उनके वास्तविक निर्यात (जो -----प्रतिशत से अधिक नहीं होगी) के बीच का अन्तर ऐसी कीमतों पर सौंप देगी जो वह विवेकों में प्राप्त कर सकती है। इसके अतिरिक्त फर्म इसके साथ ही इतनी रकम का जो, निर्यात आभार के 5 प्रतिशत के बराबर किन्तु 5 लाख रु. से अधिक न हो, भुगतान अभिकरण को, 'परिनिर्धारित नुकसानी' के रूप में करेगी। अभिकरण उक्त ----- के निर्यात और उसके विक्रय आगम की वसूली के पश्चात यथासंभव शीघ्र फर्म का ऐसे निर्यात पर अभिकरण द्वारा उपाजित वास्तविक विदेशी मुद्रा के समतुल्य रुपये, उसमें से ऐसे व्यय (जिसे अन्तर्गत अभिकरण का सामान्य कमीशन भी है) काट कर देगा जो अभिकरण ने किये हैं। यदि इस प्रकार मनातीत अभिकरण परिनिर्धारित नुकसान से अधिक व्यय करता है जो कि संबंधित अभिकरण को दिए गए माल की बिक्री/निपटान मूल्य के मद्दे किसी भी कारणों से समीकित नहीं किए जा सकते हैं, तो इस प्रकार किया गया अधिक व्यय सरकार द्वारा कम्पनी से पुनः प्राप्त किया जाएगा।

जहां निर्यात आभार की पूर्ति नहीं की जाती है वहां परिनिर्धारित नुकसानी की रकम उत्पादन की कारखाना-द्वारा कमीशन में से उत्पाद शुल्क, यदि कोई हो, घटाकर उसके आभार पर परिकलित की जाएगी। वस्तुतः कान-सा माल सौंपा जायेगा वह बात सरकार द्वारा चुने गये निर्यात अभिकरण के विकल्प पर छोड़ दी जायेगी और सौंपे जाने वाले माल का कूल मूल्य फर्म द्वारा उत्पादित मर्चों के उत्पादन की कूल कारखाना-द्वारा लागत और वस्तुतः निर्यात की गई या निर्यात की जाने वाली मर्चों के उत्पादन की कारखाना-द्वारा लागत में से उत्पाद शुल्क यदि कोई हो, घटाकर आने वाली रकम के बीच का अन्तर निकाल कर किया जायेगा।

उक्त आधार पर परिकलित रकम का उपयोग अन्य किसी प्रयोजन के लिये या किसी स्कीम के अधीन (सीधे ही या भारतीय राज्य व्यापार निगम लिमिटेड या अन्य किसी अभिकरण के माध्यम से किये गये) ऐसे निर्यातों पर किन्हीं फायदों का दावा करने के लिये नहीं किया जायेगा।

7. अनुबंधित वार्षिक निर्यात वचनबद्धता/आभार और किये गये वास्तविक निर्यात के बीच के अन्तर को प्रतिरूपित करने वाला मूल्य और/या परिणाम और परिनिर्धारित नुकसानी के रूप में, वार्षिक निर्यात आभार के 5 प्रतिशत को

प्रतिरूपित करने वाली रकम का भी अवधारण संयुक्त/उप-मुख्य नियंत्रक, आयात और निर्यात या मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात, नई दिल्ली और उक्त किसी भी प्राधिकारी द्वारा किया गया विनिश्चय अन्तिम और कम्पनी पर बाबद्ध कर होगा। मूल्य और या परिमाण का अवधारण करते समय उक्त प्राधिकारी यदि आवश्यक समझे तो अपने विवेकानुसार फर्म को ऐसा साक्ष्य पेश करने का अवसर दे सकेगा जो वह (फर्म) इस प्रयोजन के लिये मूल्य और परिमाण के अवधारण के समर्थन में दे सकती है।

8. यदि किसी वर्ष फर्म इसमें अभिकथित निबन्धनों और शर्तों में अपेक्षित अपने उत्पादन के-----प्रतिशत से अधिक-----का निर्यात करती है तो ऐसा आधिक्य पश्चात्तवर्ती वर्ष (वर्षों) में कमी, यदि कोई हो, में से मुजरा किया जा सकेगा।

9. यदि किसी वर्ष फर्म अपने आभारों की पूर्ति में असफल रहती है और/या उपेक्षा करती है तो केवल उस दशा को छोड़कर जिसमें ऐसे आभार की पूर्ति सरकार की किसी विधि, आदेश, उद्योषणा, विनियम या अध्यादेशों के कारण नहीं हो पाई थी या विलम्ब से हो पाई थी, सरकार को यह हक और स्वतन्त्रता होगी कि वह फर्म द्वारा उत्पादित-----का उस सीमा तक कब्जा ले जो उक्त खण्ड 7 में उल्लिखित है और अन्य ऐसी कार्रवाई करे जो वह परिनिर्धारित नुकसानी वसूल करने के अतिरिक्त आवश्यक समझे। सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में जारी किया गया आदेश अन्तिम और फर्म पर बाबद्ध कर होगा और फर्म ऐसे आदेश का अक्षर अनुपालन करने के लिए वचनबद्ध है। लेकिन, यह आयात एवं निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 और इसके अंतर्गत जारी किए गए आदेश के अधीन की गई किसी अन्य कार्रवाई के ध्यान में रखे बिना होगा। कम्पनी द्वारा परिनिर्धारित नुकसान का भुगतान न करने पर ऐसे परिनिर्धारित नुकसान कम्पनी को किसी भी देय नकद अनुदान से पुनः प्राप्त किए जाएंगे।

10. इस विलेख या इसके अधीन निष्पादित किसी दस्तावेज पर यदि कोई स्टांप शुल्क प्रभावी है तो वह अनन्य रूप से फर्म द्वारा दिया जायेगा।

(भागीदारी फर्म की दशा में लागू)

इसके साक्ष्य स्वरूप इस पर फर्म की रबड़ मोहर लगा दी गई है तथा भारत के राष्ट्रपति के लिये और उनकी ओर से श्री - - - - - ने इस पर अपने हस्ताक्षर कर दिये हैं।

फर्म की रबड़ की मोहर

(क) प्रबन्ध भागीदार का नाम (क) हस्ताक्षर-----
(ख) भागीदार का नाम (ख) हस्ताक्षर-----
(निवास स्थान का पता)

<p>(ग) भागीदार का नाम (निवास स्थान का पता)</p> <p>1------(नाम, पदनाम और पता)</p> <p>2------(नाम, पदनाम और पता)</p> <p>भारत के राष्ट्रपति के लिये और उनकी ओर से</p> <p>श्री-----ने</p> <p>साक्षी</p> <p>1------(नाम, पदनाम और पता)</p> <p>2------(नाम, पदनाम और पता)</p> <p>की उपस्थिति में हस्ताक्षर किये।</p> <p>(एकमात्र स्वत्वधारी/स्वत्वधारी फर्म की दशा में लागू)</p> <p>फर्म की रबड़ मोहर</p> <p>हस्ताक्षर-----</p> <p>एकमात्र स्वत्वधारी का नाम या सभी स्वत्वधारियों के नाम</p> <p>हस्ताक्षर.....,</p> <p>(निवास स्थान का पता/पते)</p> <p>साक्षी</p> <p>1. (नाम, पदनाम और पता)</p> <p>2. (नाम, पदनाम और पता)</p> <p>भारत के राष्ट्रपति के लिये और उनकी ओर से</p> <p>श्री-----ने</p>	<p>1. (नाम, पदनाम और पता)</p> <p>2. (नाम, पदनाम और पता)</p> <p>की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए</p> <p>बन्धपत्रों /करार के निष्पादन के विषय में मार्गदर्शन के लिये टिप्पणी :—</p> <p>(i) विधिक करार भारतीय स्टाम्प अधिनियम के अधीन संबंधित राज्य में लागू पर्याप्त मूल्य के न्यायकेतर स्टाम्प पत्र पर हस्ताक्षरित होना चाहिए।</p> <p>(ii) विधिक करार पर निदेशक बोर्ड द्वारा सम्यक रूप से प्राधिकृत दो निदेशकों के और दो साक्षियों के हस्ताक्षर होने चाहिए तथा उनके पदनाम और पते लिखे जाने चाहिए और कम्पनी की सामान्य मुद्रा लगाई जानी चाहिए।</p> <p>(iii) विधिक करार के प्रत्येक पृष्ठ पर कम्पनी के दो निदेशकों के हस्ताक्षर होने चाहिए।</p> <p>(iv) कम्पनी जिस पत्र के साथ विधिक करार आयात और निर्यात के मुख्य नियंत्रक/अनुज्ञापन प्राधिकारी को भेजती है उनमें इस बात का उल्लेख होना चाहिए कि निदेशकों और साक्षियों के हस्ताक्षर तथा लगाई गई सामान्य मुद्रा असली है या नोटरी पब्लिक से प्राप्त उस आक्षेप का एक प्रमाण पत्र भेजा जाय।</p>
--	--

परिशिष्ट—3अ

आदिप्ररूपों के लिए प्रपत्र

वास्तविक उपयोगताओं द्वारा मशीनरी/उपकरणों के आदि-
प्ररूपों के आयात के लिए दिए जाने वाले आवेदन पत्र परिशिष्ट—
3क में दिए गए प्रपत्र 3 के साथ संलग्न किया जाने वाला प्रपत्र
(लाइसेंस-कार्यालय में इस्तेमाल के लिए आवेदक द्वारा भरा
जाना है)

1. आवेदक का नाम और पूरा डाक पता
2. उस पत्र/आवेदन-पत्र की संवर्ध संख्या और तारीख
जिसके साथ प्रपत्र संलग्न किया गया है
3. मशीनरी उपकरणों के आदिप्ररूपों का उन की मात्रा
के साथ मुख्य विवरण
4. आयात व्यापार नियंत्रण की उस अनुसूची की क्रम
संख्या जिसके अन्तर्गत मशीनरी/उपकरणों के आदि-
प्ररूपों को शामिल किया जाएगा।

5. क्या आवेदक यूनिट उसी प्रकार की मशीनरी/उप-
करण का पहले से विनिर्माण कर रही है, जिसके
लिए आदिप्ररूपों की आवश्यकता है, और यदि हां
तो—

- (1) क्या विनिर्माण के प्रयोजन से संयन्त्र और पूंजी-
गत मशीनरी पहले से संस्थापित की गई? यदि
नहीं तो—
- (2) क्या पूंजीगत मशीनरी या अन्य मशीनों के आयात
के लिए पूंजीगत माल का आवेदन-पत्र समय-
समय पर प्रकाशित होने वाली पूंजीगत माल की
योजना के विनियमों के अनुसार दिया गया है?
यदि हां तो—
- (3) क्या उन मशीनों (जिनके लिए आदिप्ररूपों की
आवश्यकता है) के विनिर्माण की योजना अनु-

मोचित है और क्या उसके लिए आवश्यक पूंजीगत माल लाइसेंस प्रदान किया गया है/या आवश्यक सयंत्र का आयात किया गया है, यदि हां, तो उसका पूरा व्यौरा दें और उसके साथ स्वीकृत आयात लाइसेंसों की सख्या और तारीख भी दें।

(4) क्या विदेशी पूंजीगत मशीनरी प्राप्त करने के लिए पक्के आदेश दिए गए हैं।

6. क्या मशीनरी/उपकरण के आदिप्ररूप की मद की उस प्रकार की मद का विनिर्माण आरम्भ करने से पहले किसी सक्षम प्राधिकारी से जांच और अनुमोदन कराना जरूरी है?

7. जिस पद के लिए आदिप्ररूप की आवश्यकता है, क्या उसके विनिर्माण के लिए अतिरिक्त पूंजीगत मशीनरी/कच्चे माल और संघटकों का आयात करना पड़ेगा? (पहले से विनिर्माण में सलग्न वर्तमान यूनिटों के सम्बन्ध में) यदि ऐसा हां, तो उसका परा विवरण दें और वार्षिक आधार पर उसकी मात्रा और लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य भी दें।

8. क्या आदिप्ररूपों के आयात के लिए विदेशी भुआ लेनी पड़ेगी या विदेशी पूर्तिकर्ता लागत बीमा भाड़ा के आधार पर उनकी निःशुल्क पूर्ति करेंगे? कृपया विदेशी पूर्तिकर्ताओं का लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य का प्रपत्र बीजक संलग्न करें।

9. जिन मर्चों के लिए आदिप्ररूपों की आवश्यकता है, क्या उन मर्चों के विनिर्माण के लिए किसी प्रकार के

वित्तीय/तकनीकी विदेशी सहयोग की आवश्यकता पड़ेगी? यदि हां, तो क्या इस प्रकार का सहयोग करने के लिए सरकार की स्वीकृति ले ली गई है (कृपया इस संबंध में सरकार के स्वीकृति पत्र की साक्ष्यांकित फोटोस्टेट प्रतियां संलग्न करें)।

मैं/हम यह घोषणा करता हूँ/करते हैं कि (क) उपर्युक्त प्रपत्र के कालम 3 के अनुसार मशीनरी/उपकरण या आदिप्ररूपों की जिस मद के आयात के लिए आवेदन किया गया है, उसका उपयोग आदि प्ररूपों के रूप में विनिर्माण प्रयोजन के अलावा किसी अन्य प्रयोजन के लिए नहीं किया जाएगा। (ख) आयातित आदिप्ररूपों की मर्चों को जाइसेंस प्राधिकारी की पूर्व लिखित अनुमति के बिना न तो अन्यथा रूप से बेचा जाएगा, न ही किराये पर दिया जाएगा और न ही उनका निपटारा किया जाएगा। (ग) आदिप्ररूपों की मर्चें - - - - - पर स्थित हमारे विनिर्माण यूनिट में संयोजित या टूटी-फूटी हालत में जांच के लिए हमेशा उपलब्ध रहेंगी।

हस्ताक्षर-----

नाम, साफ शब्दों में-----

पदनाम-----

निवास स्थान का पता-----

स्थान

तारीख

संलग्नकों की सूची ६--

परिशिष्ट 3अ

गैर निवासी भारतीयों द्वारा पूंजीगत माल के आयात के लिए आवेदन-पत्र का प्रपत्र (प्रपत्र सी. जी. (गैर निवासी भारतीय) एन. आर. आई)

(सात प्रतियां भेजी जानी हैं)

1. आवेदक का व्यौरा

1.1 नाम

1.2 जिस देश में रह रहा है वहां का पता

1.3 वर्तमान राष्ट्रिकता

1.4 यदि कोई हो, तो भारत का पता

1.5 पक्ष व्यवहार के लिए डाक पता

1.6 भारत में किस तारीख तक घाने का प्रस्ताव है

2. प्रस्तावित प्रतिष्ठान की किस्म

2.1 स्वामित्व/साझेदारी/प्रा० लि०/पब्लिक लि०।

2.2 लि० कम्पनी के मामले में, पूंजीगत ढांचे का विवरण (रुपए लाख में)

प्राधिकृत

जारी किया गया

प्रदा किया गया

2.3 स्वामियों/साम्नीवारों/ गैर निवासी भारत में रहने वाले भारतीय निदेशकों के नाम और भारतीय पते

3 प्रस्तावित औद्योगिक एकक के विवरण :—

3.1 प्रस्तावित एकक

का नाम और स्थान :—

1 नाम

2. स्थान

जगह

जिला

राज्य

3.2 (1) क्या आपने एकक के पंजीकरण के लिए उचित प्राधिकारी को आवेदन दिया है।

(2) यदि हाँ, तो किस को आवेदन भेजा है।

(3) यदि नहीं, तो आप कब ऐसा करना चाहते हैं।

3.3 विनिर्माण की प्रस्तावित मद और वार्षिक क्षमता

विनिर्मित मद (मदें)	वार्षिक प्रस्तावित क्षमता	
	मात्रा	मूल्य (लाख रुपए में)
(1)		
(2)		
(3)		

3.4 आयातित कच्चे माल और संघटकों की अनुमानित वार्षिक आवश्यकता।

वर्ष	मद	मात्रा	मूल्य
1	2	3	4
पहला वर्ष			
दूसरा वर्ष			
तीसरा वर्ष			
चौथा वर्ष			
पांचवा वर्ष			

3.5 आयात प्रतिस्थापना के लिए चरणवार विनिर्माण कार्यक्रम। पांच वर्षों के लिए व्योरे हैं।

वर्ष	विनिर्माण की मद	वार्षिक उत्पादन		आयातित वस्तु के लागत बीमा भाड़ा मूल्य का प्रतिशत (अर्थात् सारे आयातित कच्चे माल और संघटकों का जोड़)
		मात्रा	कार-खाना मूल्य (लाख रुपए में)	
1	2	3	4	5
पहला वर्ष				
(1)				
(2)				
(3)				
(4)				
दूसरा वर्ष				
(1)				
(2)				
(3)				
(4)				
तीसरा वर्ष आदि				

3.6 क्या विनिर्माण की जाने वाली प्रस्तावित वस्तुओं का निर्मात किया जा सकता है। यदि हाँ, तो क्या आप उत्पादन का प्रतिशत और मूल्य के अनुसार निर्यात आभार पूरा कर सकते हैं।

3.7 एकक में नियुक्त किया जाने वाला प्रस्तावित स्टाफ और मजदूर

- (क) प्रबन्धकीय
- (ख) सुपरवाइजरी
- (1) तकनीकी
- (2) गैर-तकनीकी
- (ग) लिपिकीय
- (घ) मजदूर
- (1) कुशल
- (2) अर्धकुशल
- (3) अकुशल कुल

4. पूंजी निवेश

4.1 कुल पूंजी निवेश (भूमि, भवन और मशीनरी में)

प्रस्तावित पूंजी निवेश रुपए में

(1) भूमि और भवन

(2) मशीनरी

जोड़

4.2 निम्नलिखित रूप में भारत से बाहर रहने वाले भारतीयों की पूंजी निवेश

(1) पूंजीगत माल के आयात के लिए बिना बान

(2) नकद भेषण

जोड़

5. आवेदित पूंजीगत माल का विवरण

5.1	विवरण	मात्रा	जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य रुपए में	उद्गम का देश
(1)				
(2)				
(3)				

कुल जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य रुपयों में

5.2 प्रारम्भिक कालत पूंजी का मूल्य (जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य) (रुपए)

5.3 अनुमानित भाड़ा (रुपए)

5.4 बीमा (रुपए)

(1) कुल लागत बीमा भाड़ा मूल्य (5.1+5.2+5.3+5.4) रुपए में

(2) विदेशी मुद्रा में

(3) विदेशी मुद्रा में रुपए के परिवर्तन में प्रयुक्त मुद्रा विनिमय की दर

5.5 मशीनरी की हालत—नया नहीं, पुरानी या भस्मरत की हुई है।

5.6 क्या परियोजना के लिए बर्तमान आवेदन पत्र में पूरी होने वाली मवों के अतिरिक्त पूंजीगत माल के किसी और आयात की परिकल्पना की गई है।

6. जारी किए जाने वाले आयात लाइसेंसों में उपयोग करने के लिए विशिष्ट सूचना।

6.1 माल की निकासी के लिए पूंजीकरण का पत्तन।

6.2 आयात लाइसेंस के लिए अपेक्षित बैंध अवधि।

6.3 अपेक्षित “परियोजना आयात” के रूप में शुल्क को रियायती दर उपलब्ध करने का पृष्ठांकन।

7. शार्वक दस्तावेजों/सूचना का ब्यौरा

7.1 शुल्क के भुगतान के सम्बन्ध में मूल बैंक डिमान्ड ड्रफ्ट सं. --- दिनांक ----- मूल्य रुपयों में -----

संलग्न है।

7.2 प्रत्येक मुख्य मव के अलग-अलग लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य के बकेअप सहित पूंजीगत माल की विस्तृत सूची की सात प्रतियां

संलग्न है।

7.3 लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य में शामिल किए गए (1) भाड़े (2) बीमे की भरपाई को अलग दिखाते हुए माल के मूल्य के समर्थन में प्रपत्र बीजक/अन्य दस्तावेजी साक्ष्य की साक्ष्यीकृत प्रतियां या फोटोस्टेट चार प्रतियां

संलग्न है।

7.4 आयात किए जाने वाले माल का पूरा ब्यौरा देते हुए साहित्य/पम्फलेट/विशिष्टकरण की प्रतियां

संलग्न है।

7.5 यदि पुरानी/भस्मरत की हुई मशीनरी का आयात किया जाना है तो, सनदी अभियन्ता से मशीनरी की आयु, वर्तमान स्थिति, मूल और वर्तमान और सम्भावित शेष आयु को प्रमाणित करते हुए एक प्रमाण पत्र

7.6 यदि विनिर्माण का प्रस्तावित मव के लिए विदेशी सहयोग की आवश्यकता है।

संलग्न है।

(1) यदि विदेशी सहयोग पहले ही प्राप्त कर लिया है तो सरकारी अनुमोदन को दिखाते हुए दस्तावेजी साक्ष्य

लागू नहीं होता।

(2) विदेशी सहयोग के लिए आवेदन पत्र

लागू नहीं होता।

घोषणा

1. मैं/हम एतद्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि उपर्युक्त विवरण जहाँ तक मुझे/हमें जानकारी और विश्वास है, सत्य और सही है।
2. मैं/हम एतद्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि मास का आयात जिसके लिए आवेदन किया गया है वह केवल... (अंतिम उत्पाद का नाम) के विनिर्माण के लिए उपयोग किया जाएगा।
3. मैं/हम घोषणा करता हूँ/करते हैं कि न तो संयंत्र और मशीनरी, कच्चे माल/संघटकों के रूप में या अन्यथा रूप से लगाई गई पूंजी से, अर्जित करके लाई हुई विदेशी मुद्रा और न ही इन निवेशों पर कमाए गए लाभ को देश से बाहर प्रत्यावर्तित किया जाएगा।
4. मैं/हम सीमा शुल्क निकासी परमिट के जारी होने की तारीख से एक वर्ष के भीतर सम्बन्धित प्राधिकारियों के पास एकक का पंजीकरण करा लूंगा/लेंगे।
5. मैं/हम आयातित मशीनरी को 5 वर्ष तक नहीं बेचूंगा/बेचेंगे।
6. मशीनरी स्थापित किए जाने वाले औद्योगिक एकक में उपयोग की जाएगी और उस प्रयोजन के लिए काम में लाई जाएगी जिसके लिए आयात की स्वीकृति मिली है।
7. मैं/हम भारत में स्थायी रूप से रहने के लिए... की अधिधि के भीतर लौट आऊंगा/आएँगे

जो लागू नहीं हो उसे काट दें।

स्थान

हस्ताक्षर

दिनांक :

नाम

पदनाम :

टिप्पणी

(क) औद्योगिक लाइसेंस

(1) औद्योगिक लाइसेंस के लिए सब आवश्यकता पड़ेगी

- (1) जबकि भूमि, भवन, संयंत्र और मशीनरी में नियत सम्पत्ति के रूप में प्रस्तावित एकक में कुल पूंजी निवेश 5 करोड़ रुपये से अधिक हो।

(2) यदि इस्पात और संघटकों को छोड़कर कच्चे मान के आयात के लिए विदेशी मुद्रा की वार्षिक आवश्यकता, वार्षिक उत्पादन के कारखाना मूल्य के 10 प्रतिशत या 25 लाख रुपये से अधिक है, इन में से जो भी कम हो।

(3) यदि पूंजी और संघटकों के आयात के लिए विदेशी मुद्रा की वार्षिक आवश्यकता, उत्पादन प्रारम्भ होने के 3 वर्षों के बाद किसी भी वर्ष में वार्षिक उत्पादन के कारखाना मूल्य के 10 प्रतिशत या 15 लाख रुपये से अधिक है, इन में से जो भी कम हो।

(4) यदि प्रस्तावित पूंजी निवेश किसी भी निम्नलिखित उद्योगों में से है :-

(1), लिग्नाइट कोयला, कोक तथा शीर्षक "2 हॉथन" के शीर्षक के अंतर्गत उनकी विभिन्नता, शीर्षक "23 वस्त्र (डाई प्रिन्ट किये हुए अथवा अन्य प्रकार से संसाधित किये गये सहित), विनिर्मित उत्पाद, अथवा पावरलूम पर संसाधित", के अंतर्गत आने वाले वस्त्र, दूध उत्पाद (2) के अंतर्गत आने वाले दूध उत्पाद; मालटिड उत्पाद (3) के अंतर्गत आने वाले मालटिड उत्पाद और रोलर फ्लोर मिलिंग (4) के अंतर्गत आने वाले शीर्षक "27, उत्पाद संसाधन उद्योगों" के अधीन फ्लोर; (क) तेल बीज कशिंग (1) के अंतर्गत आने वाले वेजीटेबल जिसमें घुलनशील निकाले गए तेल और (ख) वनस्पति (2) के अधीन आने वाले वनस्पति और शीर्षक 28 के अधीन वेजीटेबल तेल और वनस्पति; चमड़ा शीर्षक 31 के अधीन चमड़ा, चमड़े के सामान और पिकर्स; माचिस (3) के अधीन आने वाले माचिस शीर्षक 36 के अधीन माचिस, टिम्बर उत्पाद; शीर्षक 26 के अधीन आने वाले डिस्टिलेशन या अल्कोहल पेय के मद्यकरण "26-फर्मेन्टेशन उद्योग/हाटरालिंग, बार्स, वायर-राइस और इस्पात के स्ट्रैकचरल सैक्शन; ट्रैक्टर एवं स्वतः चालने वाला कम्पाइन हार्वेस्टर; मोटर कार, बसें, ट्रक, जीप, गाड़ियां आदि कतरन पर आधारित बिजली की भट्टियाँ से विनिर्मित इस्पात की सभी किस्में जो कि (1) के अधीन लोहा एवं इस्पात (धातु) और (6) विशेष इस्पात शीर्षक के अधीन धातुीकृत उद्योग : क लोहा; लोहा एवं इस्पात पाईप और ट्यूब एवं जगावरलोधी ट्यूब (5) के अधीन लोहा एवं इस्पात पाईप शीर्षक के अधीन; धातुीकृत उद्योग: क लोहा; वाइंट बार्स, ठिन कनटेनर और मोटल कनटेनर, काल और ग्रेन्ल, कच्चे इस्पात के तार, विशेष इस्पात और मिश्रित इस्पात-परत चढ़ा हुआ और बिना

परत चढ़ा हुआ; कोल्ड और हाट राल्ड स्ट्रिप्स, इस्पात के सभी श्रेणियों के शीट्स और लेप्टस जिसमें बाक्स स्ट्रिपिंग्स शामिल हैं; उपयुक्त बाईट बार्स पे इस्पात की सभी श्रेणियों तक जिसमें बाक्स स्ट्रिपिंग्स भी शामिल हैं (7) के अधीन आते हैं लोहे एवं इस्पात के अन्य उत्पाद शीर्षक सं. 1 धातवीकृत उद्योग : क लोह; अलोह संमिस एलांम, फ्लेट उत्पाद और एक्सट्रूशन शीर्षक। धातवीकृत उद्योग के अधीन आने वाले; ख अलोह; ए सी सी/ ए सी एस आर कन्डक्टर्स (6) विद्युत केबल्स और वायर्स शीर्षक 5 के अधीन विद्युतीय उपकरण, क्रेल्ड राल्ड फार्मड सेक्शन; हिमिलटन पोल्स, ट्यूबलर पोल्स, शीट मेटल संघटक, शीट वायर ग्लास, प्राईबुड, सजावटी धीनर्स, ब्लाक बोर्ड और फलश बरवाजे, सूगर, ट्रांसमिशन लाइन टावर हाथ से चलने वाली सिलाई की मशीन, (औद्योगिक सिलाई की मशीन को छोड़कर) डेरी मशीनरी उद्योग; खाद्य संसाधन मशीनरी एवं उपस्कर उद्योग, सभी प्रकार के रबड़ के बने कनवेंयर बेल्टिंग्स, पीबीसी कनवेंयर बेल्टिंग्स और पंखे तथा वी-बेल्ट्स; केलशियम कार्बाइड, कास्टिक सोडा, पोटेशियम क्लोराइड, कार्बन ब्लैक, कैल्शियम कार्बोनेट, ऐलीमेन्टल फास्फोरस, सोडियम क्लोराइड, मैलपिओन टैकनीकल, बी एच सी टैकनीकल, एनडांसलफन टैकनीकल, 2-4-डी; सिनथेटिक पैरोथ्रोइस, एनीलाइन, एसीटानीलाइड, मेटाअमिनो फिनायल, एम-डिनोइट्रो-बेन्जीन, नाइट्रो-बेन्जीन, पैरा-नाइट्रोक्लोरोबेन्जीन, आरपोनाइट्रोक्लोरो - बेन्जीन, पैरा-नाइट्रो-टाल्यून, आर्थोनाइट्रोक्लोरोबेन्जीन, मेटा-नाइट्रो टाल्यून, एल्कोहल मिश्रित रसायन, पिग आयरन, फ़ैरो अलाय, कम्प्यूटर्स, लघु कम्प्यूटर/माइक्रो संसाधित पर आधारित सिस्टम और अनुषर्ग मद, टू वे रॉडियो संचार एवं सहायक उपस्कर, बोरेक्स, बैरिक एसिड, केमिकल लाईम, एल्यूमीनियम कन्डक्टर के स्पथ पीवीसी एसिटिक एसिड, डाई बेटरीज, बिल्डिंग इन्सुलेशन, बिजली के पंखे, ओवरहूड क्रेन, रेलवे वॉगन्स, फारमलडिहाइड, वेनेडियम पेंटाक्साइड कैटलिस्ट, हाइड्रोजन पर-आक्साइड कैटलिस्ट, हाइड्रोजन परआक्साइड, नाइलान चिप्स/नाइलान मोल्डिंग पाउडर, औद्योगिक विस्फोटक, जिसमें डेटोनाटॉंग फ्यूस, सेफ्टी फ्यूज, गन पाउडर और नाइट्रो-सैल्यूलाज (विस्फोटक

श्रेणी) शामिल हैं, पॉलिएस्टर चिप्स/पॉलिएस्टर मोल्डिंग पाउडर, एल. पी. जी. वाल्वस और रेंगू-लेटर्स, रेलवे प्वाइन्ट्स और क्रॉसिंग्स

(1) यदि विनिर्माण की मद छोटे पैमाने के क्षेत्र के लिए आरक्षित है (छोटे पैमाने के एकक के उपक्रम हैं जिनमें संयंत्र और मशीनरी में लगाई गई सम्पत्ति का कुल पूंजी निवेश 20 लाख रुपये से अधिक नहीं है या यदि वे सहायक एकक हैं तो 25 लाख रुपये से अधिक नहीं हैं)। जो मद छोटे पैमाने के क्षेत्र के लिए आरक्षित हैं उनकी संख्या 873 है। इन मदों की सूची, विकास आयुक्त, लघु उद्योग, निर्माण भवन, नई दिल्ली के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है या विभिन्न राज्यों में उद्योग निदेशक या भारतीय पूंजी निवेश केन्द्र "जीवन विहार" संसद मार्ग, नई दिल्ली या भारत में और विदेश में उसकी शाखाओं से प्राप्त की जा सकती है।

(2) औद्योगिक लाइसेंस के लिए आवेदन पत्र औद्योगिक अनु-मोदन सचिवालय, उद्योग मंत्रालय, उद्योग-भवन, नई दिल्ली को औद्योगिक लाइसेंस प्रपत्र में भेजना चाहिए।

(3) सरकार ने यह निश्चय किया है कि 1981 की जनगणना के अनुसार 10 लाख से अधिक आबादी वाले विशाल महानगरों और 5 लाख से अधिक आबादी के शहरी क्षेत्रों की सीमा के भीतर नए औद्योगिक एकक स्थापित करने के लिए कोई और आगे लाइसेंस प्रदान नहीं किए जाएंगे।

(ख) विदेशी सहयोग

(1) भारत में न रहने वाले वह भारतीय जो विदेशी सहयोग से औद्योगिक एकक स्थापित करना चाहते हैं वह ऐसा केवल भारत सरकार से अनुमोदन प्राप्त करने पर ही कर सकते हैं। एफ. सी. प्रपत्र में एक आवेदन पत्र अलग से औद्योगिक अनु-मोदन सचिवालय (विदेशी सहयोग एकक), उद्योग मंत्रालय, उद्योग भवन, नई दिल्ली को भेजना पड़ेगा।

(2) यदि विनिर्माण की मद के लिए भी उपयुक्त उल्लिखित परिमाण के अनुसार औद्योगिक लाइसेंस की आवश्यकता है तो उन्हें विदेशी सहयोग और औद्योगिक लाइसेंस दोनों के लिए ही मिश्रित आवेदन पत्र भेजना चाहिए ताकि वे दोनों साथ-साथ निपटाए जा सकें।

परिशिष्ट—3-अ

प्रपत्र—क-1

क्रम सं०

विदेशी मुद्रा में प्रेषण के लिये आवेदन पत्र

(केवल आयातों के भुगतान के लिये)

(भारतीय रिजर्व बैंक के उपयोग के लिए)

प्रेषित धनराशि.....

मुद्रा

राशि

ए० बी० कोड सं०...

समतुल्य रुपए.....

प्रपत्र सं०

(प्राधिकृत व्यापारी द्वारा पूर्ण किया जाना है)

(प्राधिकृत व्यापारी द्वारा पूर्ण किया जाना है)

मैं/हम भारत में निम्नलिखित आयातों के भुगतान मेंको भुगतान के लिये
 (प्रेषण के लाभकर्ता का नाम और पता)

के माध्यम सेको खरीदना चाहता हूँ/चाहते हैं :—

(मुद्रा का नाम)

(शब्दों में धनराशि)

भारत में आयातित या आयात किए जाने वाले भाल के ब्यौरे

खंड क: आयात लाइसेंस/खुले सामान्य लाइसेंस के ब्यौरे

खुला सामान्य लाइसेंस.....

.....

.....

संख्या

भाग

अनुसूची

क्रम संख्या

आयात लाइसेंस		प्रत्यय						जारी करने की तारीख		
पूर्व प्रत्यय	लाइसेंस सं०	1	2	3	4	5		दिनांक	मास	वर्ष
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11

समाप्त होने की तारीख			लाइसेंस का अंकित मूल्य	पृष्ठांकित की जाने वाली धनराशि (रुपयों में)	प्रेषण के बाद लाइसेंस में बकाया शेष (रु० में)
दिनांक	मास	वर्ष			
12	13	14	15	16	17

② इस कालम के अधीन सम्मिलित प्रत्येक लाइसेंस के सामने रुपये में पृष्ठांकित वास्तविक धनराशि दर्शाई जानी चाहिए।

टिप्पणी:—यदि एक से अधिक लाइसेंस शामिल हों, तो सभी लाइसेंसों के ब्यौरे दिये जाने चाहिए। यदि स्थान अपर्याप्त हों तो एक अलग से विवरण संलग्न किया जाए। प्रत्येक लाइसेंस के सामने प्रयुक्त धनराशि निरपवाद रूप से संकेतित की जानी चाहिए।

खंड छ : आयात के ब्यौरे

बीजक के ब्यौरे				माल की मात्रा
संख्या और दिनांक	शर्त (लागत-बीमा-भाड़ा, जहाज पर निशुल्क, लागत तथा भाड़ा आदि)	मुद्रा	धनराशि	
1	2	3	4	5

माल का विवरण	बी० टी० एन० वर्गीकरण	माल के उद्गम देश का नाम	वह देश जहाँ से माल भेजा जाता है	पोतलदान की विधि (वायुयान, समुद्र, डाक, रेल, नदी परिवहन आदि)	लदान की तिथि (यदि शात न हो तो लगभग तिथि बताएं)
6	7	8	9	10	11

खंड-ग : अन्य ब्यौरे

- आयात के सदे यदि कोई अग्रवर्ती ऋय संविदा बुक की गई हो तो उसके ब्यौरे
(संविदा की सं० एवं दिनांक) (संविदा की मुद्रा एवं धनराशि) (संविदा के अधीन शेष)
- यदि प्रेषण बीजक मूल्य से कम है तो उसके कारण बताएं (अर्थात् अंश प्रेषण, किस्त आदि)

मैं/हम एतद्द्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि इस प्रपत्र में मेरे/हमारे द्वारा दिये गये विवरण सत्य हैं और मैंने/हमने किसी भी बैंक के माध्यम से प्राधिकार पत्र के लिये आवेदन नहीं किया है।

मैं/हम घोषणा करता हूँ/करते हैं और यह भी जानता हूँ/जानते हैं कि इस आवेदन पत्र के अनुसार मेरे/हमारे द्वारा प्राप्त गई विदेशी मुद्रा का उपयोग मेरे/हमारे द्वारा केवल उस प्रयोजन के लिए किया जाएगा जिसके लिए यह प्राप्त की गई है और शर्तें जिनके अधीन मुद्रा विनिमय प्रदान की गई है, उनका अनुपालन किया जाएगा।

आवेदक(कों) का नाम.....
(साफ अक्षरों में)

आवेदक(कों) की राष्ट्रिकता
(साफ अक्षरों में)

आवेदक(कों) का पता
(साफ अक्षरों में)

दिनांक

.....
आवेदक(कों) के हस्ताक्षर

टिप्पणी :—मध्यस्थ व्यापार वाले प्रेषण के लिये प्रपत्र-क-2 का उपयोग किया जाना चाहिए।

परिशिष्ट—३—घ

(प्रायास एवं नियमित नीति, 1985-88 (खण्ड-1) तथा सांख्यिक सूचना सं० 81-प्रादु० टी० सी० (पी० एम०)/84, दिनांक 3-9-84 के परिशिष्ट 6 में उल्लिखित ज्ञात सं० 21(य) के अनुसार रिटर्न।)

प्रपक्ष

समाप्त जमाही के लिए रिटर्न

पिन

मास

॥

--	--	--	--	--	--

1. જમ સં.

--	--

2. छात्रात्क का नाम एवं पूरा पता।
(यदि संभव हो पिनकोड सं० सहित)

--	--	--	--	--	--

--	--	--	--	--	--	--	--	--

--	--	--	--	--	--	--	--

--	--	--	--	--	--	--	--

[illegible]

--	--	--	--	--

3 जहाँ मशीन प्रतिष्ठापित की गई है, उस स्थान का पूरा विवरण :

[illegible]

--	--	--	--	--	--	--	--	--

--	--	--	--	--	--	--	--

--	--	--	--	--	--	--	--	--

4. घायातक का कोड

--	--	--	--

5. घायातित बंजीगत मातृ-काल विवरण

--	--	--	--

--	--	--	--	--	--	--	--	--

--	--	--	--	--	--	--	--	--

:

6. (क) माता.

--	--	--	--

(ख) माता की इनिट

--	--

7. घायात की तारीख—बीमा-भाड़ा मूल्य (हजार रुपए में)

--	--	--

8. धर्मस्थिति :

टि: कृपया एक खाने में केवल एक माता सहित प्रकार अपना एक नम्बर ही लिखें। उदाहरणार्थ निवेदक साक्ष्यकी मुख्य निर्बलक घायात एवं निर्बलक उद्योग बनत नहीं दिल्ली-110011 को निम्न प्रकार लिखें :—

नि	दे	सा	क	सा	क्या	की	मु	क्या
----	----	----	---	----	------	----	----	------

बि		अ	क	जा	या	त	ए	ब
----	--	---	---	----	----	---	---	---

लि	की	ब	उ	बी	ग	म	ब	म
----	----	---	---	----	---	---	---	---

ब	ई	:	दि	लकी	—	1	1	0	0	1	1
---	---	---	----	-----	---	---	---	---	---	---	---

उदाहरण के लिए 81-3-85 को समाप्त जमाही की रिहते निम्न प्रकार होती :—

3	1	0	3	8	5
---	---	---	---	---	---

परिशिष्ट 3-ट जार।

आवेदक (कों) द्वारा भरी जाने वाली घोषणा

मैं/हम घोषणा करता हूँ/करते हैं कि—

(क) वह माल जिससे प्रस्तुत आवेदनपत्र संबंधित है उसका मेरे/हमारे लेखे पर भारत में आयात कर लिया गया है*/कर लिया जाएगा।*

(ख) आयात.....*की ओर से है और @

(ग) प्रस्तुत पत्र में घोषित माल का बीजक मूल्य भारत में आयातित*/आयात किये जाने वाले* माल का वास्तविक मूल्य है।

यदि आयात कर लिया गया हो

मैं/हम प्रविष्टि बिल की संबंध सीमा-शुल्क की मोहर लगी हुई मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति* संलग्न करता हूँ/करते हैं।

डाक पार्सल रेपर (डाक द्वारा आयातों के लिये)*

या

यदि आयात किया जाना है

मैं/हम प्राधिकृत व्यापारी को तीन मास के भीतर प्रविष्टि@

बिल की संबंध सीमा शुल्क की मोहर लगाई हुई मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति भेजने का वचन देता हूँ/देते हैं।

डाक पार्सल रेपर (डाक द्वारा आयातों के लिए)

*जो लागू न हो उसे काट दें।

@जहां आयात केन्द्र/राज्य सरकार के विभाग या केन्द्र/राज्य सरकार/सांविधिक निगम, स्थानीय संस्था आदि द्वारा ली गई कंपनी द्वारा किया हो तो सरकारी विभाग, निगम आदि का संकेत करें।

दिनांक—

आवेदक(कों) हस्ताक्षर

अनुमोदन के लिये भारतीय रिजर्व बैंक को आवेदनपत्र अप्रसारित करते समय प्राधिकृत व्यापारी के प्रारम्भ के लिये स्थान (मुद्रा विनिमय नियंत्रण नियमावली/कड़िका डी० परिपत्र का संदर्भ जिसके अनुसार संदर्भ किया जाता है उसे निरपवाद रूप से दर्शाया जाना चाहिए। यदि पहले रिजर्व बैंक को संदर्भित उसी आयात के लेखे के लिये किसी प्रेषण आवेदन पत्र का संदर्भ दिया गया था, तो अंतिम पत्राचार/अनुमोदन का संदर्भ भी दिया जाना चाहिए।)

दिनांक—

.....
(प्राधिकृत व्यापारी के हस्ताक्षर तथा मोहर)

प्राधिकृत व्यापारी (आयातक के बैंक) द्वारा भेजा जाने वाला प्रमाणपत्र

हम एतद्वारा प्रमाणित करते हैं कि:

(क) यह भुगतान

संबद्ध खातों में () का निशान लगाएं:—

(1) ☐ अग्रिम प्रेषण है।

- (2) ☐ हमारे द्वारा खोले गये साखपत्र के अधीन बिल को वापस लेने के लिये है।
- (3) ☐ वसूली के लिये हमारे माध्यम से प्राप्त दस्तावेजों के मदे हैं।
- (4) ☐ तीन मास के भीतर प्रविष्टि बिल की सीमा शुल्क की मोहर लगाई हुई मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति/ डाक पार्सल रेपर को प्रस्तुत करने के लिये पत्र द्वारा भेजी गई वचनबद्धता के मदे आवेक (कों) द्वारा सीधे ही प्राप्त दस्तावेजों के आधार पर है।
- (5) ☐ बाव बाले के द्वारा भेजी गई प्रविष्टि बिल की सीमाशुल्क की मोहर लगाई हुई मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति/डाक पार्सल रेपर (संलग्न है) के मदे आवेक(कों) द्वारा सीधे ही प्राप्त दस्तावेजों के आधार पर है।

(6) ☐ (स्पष्ट किया जाने वाला अन्य कोई मामला)

(ख) प्रेषण के लिए लागू सभी मुद्रा विनिमय नियंत्रण विनियमों का अनुपालन किया गया है।

(ग) माल के संभरक का भुगतान के माध्यम से कर दिया गया है*/ जाएगा।*
(विदेशी बैंक का नाम और पता)

हम यह भी प्रमाणित करते हैं/वचन देते हैं कि प्रविष्टि बिल की संबद्ध सीमाशुल्क की मोहर लगाई हुई मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति या डाक पार्सल रेपर—

* का सत्यापन हमारे द्वारा तीन मास के भीतर (उपर्युक्त प्रमाणपत्र क (2) और (3) में) कर दिया जाएगा।

* का सत्यापन उपर्युक्त प्रमाणपत्र क(5) के अनुसार कर लिया गया है

* को आवेक(कों) द्वारा प्राप्त कर लिया जाएगा और (उपर्युक्त प्रमाणपत्र क (1) और (4) के अनुसार) तीन मास के भीतर रिजर्व बैंक को अग्रसारित कर दिया जाएगा।

*जो मद्य लागू न हो उसे काट दें।

दिनांक

.....
व्यापारी

परिशिष्ट 35

पट्टा कम्पनी से सहमति का पत्र का प्रपत्र

मैंने/हमने (वास्तविक उपभोक्ता का नाम और पता) निम्नलिखित पूंजीगत माल को आयात करने का निर्णय लिया है:—

(ब्योरे दिए जाने हैं)

पट्टा कम्पनी अर्थात्, मैं/हम (पट्टा कम्पनी का नाम) द्वारा बित्तदायक किया जाना है।

..... के साथ (पट्टा कम्पनी का नाम) (दिनांक) को हमारे द्वारा लिप्यावित किए गए एक पट्टा करार में उल्लिखित शर्तों के अधीन उपरोक्त कम्पनी आयात का बित्तदायक करने के लिए सहमत हुई है। पट्टा करार की एक प्रति इसके साथ संलग्न है।

मुझ/हमें पट्टा बित्तदायक स्कीम के अंतर्गत उपर्युक्त पूंजीगत माल का आयात करने की अनुमति दी जाए।

पट्टाधारी

मैं/हम (पट्टा कम्पनी का नाम) निम्नलिखित पूंजीगत माल के आयात को बित्तदायक करने के लिए सहमत हो गए हैं:

(ब्योरे दिए जाने हैं)

मैं/हम (वास्तविक उपभोक्ता का नाम) द्वारा (दिनांक) को निष्पावित किए गए पट्टा करार में उल्लिखित शर्तों के अंतर्गत जिसकी एक प्रति इसके साथ संलग्न है।

मैं/हम अपने आपको जब और जैसे लाइसेंस जारी किया जाएगा, उसकी शर्तों की अनुपालना करने के लिए बाध्य हूँ/हैं।

पट्टा कम्पनी का नाम और पता

परिशिष्ट 3—ब

विदेशी मुद्रा बकाया रखने की अनुमति देने के लिए आवेदन-पत्र

- (1) भारत/विदेश में पूरा नाम और पता
- (2) वर्तमान राष्ट्रीयता
- (3) जन्म देश का नाम
- (4) शैक्षिक योग्यता
- (5) भारत वापस आने से पहले जिन देशों में आप तीन महीने से अधिक के लिए रह रहे थे, उनके नाम, मित्राश की अवधि और प्रत्येक देश में अपने रोजगार के स्वरूप के साथ बताएं
- (6) उपर्युक्त प्रत्येक देश में ठहरने का क्या उद्देश्य था
- (7) भारत में आप किस तारीख को आए/किस तारीख को आने का प्रस्ताव है।
- (8) विदेशों में रहे गए लेखों का ब्योरा :—

जिन बैंकों के साथ लेखा रखा गया है/
रखे गए हैं उनके नाम और पते

लेखों की किस्म अर्थात् करेंट, सेविंग्स, फिक्स्ड
डिपोजिट आदि

क्या लेखा एक ही नाम में रखा गया है या
किसी अन्य व्यक्ति या व्यक्तियों के साथ
संयुक्त रूप से; यदि संयुक्त लेखा रखा
गया है तो संयुक्त लेखाधारी का नाम,
सम्बन्ध और वर्तमान पता क्या है।

लेख/लेखों का वर्तमान
बैलेंस क्या है।

(1)।

(2)।

(3) आदि

(9) लेखा (लेखों) निधि का खोत

- (10) यदि लेख की धनराशि आपके रोजगार की कमाई की प्रदर्शित करती है तो कृपया अपने नियोजक (कों) का नाम और पता बताएं और यदि आप किसी फर्म या कम्पनी में रोजगार करते हैं तो उसके मुख्य कार्यालय/पंजीकृत कार्यालय का भी उल्लेख करें।
- (11) क्या आपके पास कोई विदेशी मुद्रा ऋण-पत्र है? यदि हां, तो क्या आपके उसके सम्बन्ध में सम्पत्ति लाइसेंस प्राप्त करने के लिए रिजर्व बैंक को एक अलग आवेदन-पत्र दिया है?

मैं एतद्वारा इस बात की पुष्टि करता हूँ कि ऊपर सूचीबद्ध विदेशी मुद्रा लेखा (लेख) विदेशों में मेरी विदेशी मुद्रा की सम्पत्ति का पूर्ण विवरण है और प्रमाणित करता हूँ कि ऊपर दिए गए सभी ब्योरे मेरे ज्ञान और विश्वास के अनुसार सत्य है।

स्वातः

(आवेदक के हस्ताक्षर)

दिनांक:

परिशिष्ट 4—क

सरणीबद्ध करने वाले अधिकरण द्वारा सरणीबद्ध की गई मर्चों के आबंटन के लिए आवेदन-पत्र

1. आवेदक का नाम
2. पूरा बाक पता
3. कारखानों के स्थान का पता
4. उद्योग का नाम
5. विनिर्मित अन्तिम उत्पाद का नाम
6. क्या यूनिट लघु उद्योग क्षेत्र/तकनीकी विकास महानिदेशालय/गैर तकनीकी विकास महानिदेशालय/गैर-लघु उद्योग है
7. जहाँ कहीं लागू हो, प्रायोजक प्राधिकारी द्वारा आबंटित पंजीकरण संख्या/उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी किए गए लाइसेंस सं० एवं विवरण
8. अपेक्षित सरणीबद्ध मर्चों के ब्यौरे । (इस्पात और फेरो अलाय मर्च के सम्बन्ध में विस्तृत विधिपत्रकरण और साइज आदि के ब्यौरों माध के)
9. अपेक्षित सरणीबद्ध मर्चों की मात्रा/लागत-बोमा-भाड़ा मूल्य
10. यदि माल निश्चित ऋणों में मंगवाना हो, यदि कोई हो तो
11. (1) मैं/हम यह घोषित करता हूँ/करते हैं कि जिन वस्तुओं के आबंटन के लिए यह आवेदन-पत्र दिया गया है, उन वस्तुओं को उपर्युक्त पते पर स्थित हमारे अपने फैक्ट्री.....के विनिर्माण के लिए इस्तेमाल किया जाएगा (तैयार उत्पाद का नाम निर्दिष्ट करना है) जिसके लिए मैंने/हमने.....के पास पंजीकरण करा रखा है । पंजीकरण न तो वापस किया गया है और न ही रद्द किया गया है और न ही निलम्बित किया गया है ।
- (2) मैं/हम क्रम सं० 5 पर उल्लिखित माल का विनिर्माण करने के लिए विधिवत् पंजीकृत/अनुमति हूँ/हैं और मैं/हम यह घोषणा करता हूँ /करते हैं कि क्रम सं० 8 पर उल्लिखित सरणीबद्ध मर्चों का क्रम संख्या 5 पर उल्लिखित माल के उत्पादन के लिए अनिवार्य रूप से आवश्यकता है ।
- (3) मैं/हम एतद्वारा यह घोषणा करता हूँ/करते हैं कि यदि हमें माल आबंटित किया गया तो उसे उपर्युक्त वस्तुओं का विनिर्माण करने के लिए हमारी फैक्ट्री में इस्तेमाल किया जाएगा और यह इस्तेमाल औद्योगिक लाइसेंस/पंजीकरण प्रमाण-पत्र की शर्तों के अनुसार होगा और इसकी धोड़ी सी मात्रा भी किसी अन्य पार्टी को बेची नहीं जाएगी और न ही किसी अन्य पार्टी को इसे इस्तेमाल करने या किसी अन्य काम के लिए इस्तेमाल करने की अनुमति दी जाएगी ।
- (4) मैं/हम प्रमाणित करता हूँ/करते हैं कि मांगी गई मात्रा/मांगें गए मूल्य के सामान से (लाईसेंसिंग बर्ष के लिए) हमारी अधिक से अधिक 12 मास की जरूरत पूरी की जाएगी ।
- (5) मैं/हम एतद्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि मेरी/हमारी पूरी जानकारी और बिबरण के अनुसार ऊपर दिए गए विवरण सत्य और सही हैं । मैं/हम यह अच्छी तरह जानता हूँ/जानते हैं कि यदि इस बिबरण में दिया गया कोई ब्यौरा असत्य, गलत या भ्रामक पाया गया तो इस आवेदन में दिए गए विवरण के आधार पर मुझे/हमें आबंटित किया गया सामान न केवल जब्त किया जाएगा बल्कि यथा-संशोधित आयात-निर्यात (नियन्त्रण) अधिनियम, 1947 के अधीन अन्य समुचित कार्रवाई भी की जाएगी ।
- (6) मैं/हम यह बात भी धलीभांति समझता हूँ/समझते हैं कि सरणीबद्ध मर्चों का आबंटन आयात व्यापार नियन्त्रक विनियमावली के अधीन सरणीबद्ध करने वाले अधिकरण के माध्यम से किया जाता है और मुझे/हमें इस प्रकार का कच्चा माल रिसिज करने की किसी शर्त का उल्लंघन किए जाने पर या इसमें माल का बुरा उपयोग किए जाने या यथा संशोधित आयात-निर्यात (नियन्त्रण) अधिनियम, 1947 और उसके उपबन्धों और उसके अधीन जारी किए गए आदेशों के अनुसार मेरे/हमारे विरुद्ध कार्रवाई की जा सकेगी ।
- (7) मैंने/हमने आयात-निर्यात नीति/आयात-निर्यात प्रक्रिया पुस्तक 1985-88 में दिए गए उपबन्ध नोट कर लिए हैं ।
- (8) मुझे/हमें लाइसेंसिंग बर्ष के लिए आयात (नियन्त्रण) आदेश, 1955 की धारा 8 के अधीन अपात्र घोषित नहीं किया गया है ।

1. हस्ताक्षर और तारीख

स्थान :

2. स्पष्ट अक्षरों में नाम

जिला :

3. रिहाई की पता

परीशिष्ट—4अ

वास्तविक उपयोगिताओं द्वारा सरणीबद्ध मर्चों के सीधे आयात के लिए सरणीबद्ध अभिकरणों द्वारा "अनापत्ति प्रमाण-पत्र" जारी करने के लिए प्रपत्र।

(सरणीबद्ध अभिकरण का नाम और पता)
सं.
दिनांक
सेवा में,
लाइसेंसिंग प्राधिकारी
विषय:— के सीधे आयात के लिए
(मद का नाम निर्दिष्ट करें)
अनापत्ति प्रमाण-पत्र।
महोदय,
जबकि मैसर्स
(आवेदक का नाम और पता)

ने अपने पत्र सं. दिनांक
आयात एवं निर्यात नीति, 1985-88 (खण्ड-1) के परिशिष्ट-5
भाग क में क्रम सं. में निहित रु. मूल्य
के (मात्रा) के आबंटन के लिए एक मांग
(मद का नाम आकार एवं विशिष्टीकरण के साथ यदि कोई हो)
पंजीकृत कराई है और जबकि हम आयात-निर्यात प्रक्रिया 1985-
88 की पुस्तक के पैरा के अनुसार 60 दिनों
की अवधि के भीतर आयात और सप्लाई के लिए
. इन कारणों से व्यवस्था करने की स्थिति

में नहीं है हमें एतद्वारा मात्रा के सीधे
मैसर्स

(आवेदक का नाम और पता)

द्वारा रुपये
लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य और मद का (आकार एवं विशिष्टीकरण
के साथ, यदि कोई हो) आयात के लिए लाइसेंस जारी करने
के लिए कोई आपत्ति नहीं है।

2. यह अनापत्ति प्रमाण-पत्र केवल तीन महीनों के लिए वैध
है।

दिनांक

भवदीय,

हस्ताक्षर

(नाम और पदनाम कार्यालय मोहर के साथ)

प्रति :—

(1) मैसर्स
(आवेदक का नाम और पता)

आयात एवं निर्यात नीति, 1985-88 (खण्ड-1) और आयात-
निर्यात प्रक्रिया, 1985-88 के प्रावधानों के अधीन अपेक्षित
आयातों के व्यापक सम्बन्ध प्राधिकारियों को भेजे जाने चाहिए।

(2) सम्बन्ध प्रशासनिक मंत्रालय।

परीशिष्ट—4ग

सरणीबद्ध मर्चों के सीधे आयात के लिए प्रपत्र-पत्र का प्रपत्र।

जबकि मैसर्स के
(कम्पनी का नाम और पता)
मैं/हमने की
(मद का विवरण, मात्रा और अन्य व्यौरें)
सप्लाई के लिए मेरी/हमारी मांग के
(सरणीबद्ध अभिकरण का नाम)
साथ/को पंजीकृत डाक रसीद सं. दिनांक
द्वारा को रसीद सं. दिनांक
द्वारा व्यक्तिगत रूप से प्रस्तुत की है, के अधीन भेजी है।
2. जबकि मेरी/हमारी आवश्यकता
(सरणीबद्ध अभिकरण का नाम)
द्वारा को पंजीकृत की गई है।
(दिनांक)

3. जबकि मैं/हमने पेशगी धनराशि कास बैंक/बैंक
ड्रफ्ट/बैंक गारन्टी सं. दिनांक

द्वारा से/ के नाम

(बैंक का नाम)

(दिनांक)

को जमा कर दी है।

4. जबकि मुझे/हमसे द्वारा
(सरणीबद्ध अभिकरण)

वित्तीय व्यवस्थाएं करने के लिए नहीं पूछा/पूछा गया था वरन्
पत्र सं. दिनांक और
मैं/हमने द्वारा

(वित्तीय व्यवस्था के व्यौरें)

अपेक्षित वित्तीय व्यवस्था कर ली है; सरणीबद्ध अभिकरण
द्वारा धनराशि के भुगतान की तिथि दी जानी चाहिए।

5. जबकि मैसर्स
(सरणीबद्ध अभिकरण)

पेशगी धनराशि/संतोषजनक वित्तीय व्यवस्था करने (इनमें से जो भी बाद में हो) के संबंध में मांग का पंजीकरण/नगद भुगतान/क्रास चैक का भुगतान के 60 दिनों के भीतर सप्लाई करने में असफल रहे हैं।

6. मैं/हम एतद्वारा सत्यनिष्ठा एवं विश्वास के साथ घोषणा करता हूँ/करते हैं कि मैं/हमने आयात-निर्यात प्रक्रिया पुस्तक के पैरा में यथाव्यवस्थित पंजीकृत मांग के 50 प्रतिशत तक के सीधे आयात लाइसेंस देने के लिए शर्तों का पालन किया है।

मैं/हम एतद्वारा सत्यनिष्ठा से घोषणा करते हैं कि उपर्युक्त विवरण ठीक है और कुछ भी छिपाया नहीं है। मैं/हम पूर्ण रूप से समझता हूँ/समझते हैं कि यदि यह पाया गया कि प्रस्तुत किए गए विवरण पत्र में कोई विवरण या तथ्य गलत या झूठा है तो प्रस्तुत किए गए सपथ-पत्र के आधार पर मुझे/हमें जारी किया गया आयात लाइसेंस तथा संशोधित आयात एवं निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 और इसके अधीन जारी किए गए आदेशों के अंतर्गत की जाने वाली कार्यवाही के अतिरिक्त लाइसेंस को रद्द किया जा सकता है।

परिशिष्ट 4-थ

प्रपत्र अ

सरणीबद्ध अभिकरणों द्वारा माल के आयात के लिए आवेदनपत्र का प्रपत्र

1. आवेदक के नाम सहित पूरा पता
2. वह श्रेणी जिसके अन्तर्गत आवेदन किया गया है
3. अपेक्षित शुल्क का भुगतान दिखाते हुए बैंक रसीद की संख्या और दिनांक*
- * (बैंक रसीद भी संलग्न होनी चाहिए)
4. लाइसेंस अधिधि जिसके सम्बन्ध में आवेदन किया गया है
5. आयात किये जाने वाले माल का विवरण :
 - (क) माल का विवरण (आयात व्यापार नियंत्रण के भाग और क्रम सं. के साथ)
 - (ख) लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य रुपए में
 - (ग) पोतलवान का देश
6. आयात के लिए वित्तीय प्राधिकरण, क्या वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) या किसी अन्य प्राधिकारी द्वारा रिहा की गई विदेशी मुद्रा के मद्दे है। यदि हां, तो ब्योरा दें। विदेशी मुद्रा की रिहाई से संबंधित स्वीकृति की एक साक्ष्यांकित प्रति साथ लगाई जानी चाहिए।
7. क्या उपर्युक्त कालम 6 के मद्दे आवेदक द्वारा कालम 5 में उल्लिखित अनुसार उसी क्रम सं. के अंतर्गत मद के लिए पहले से ही कोई आवेदनपत्र दिया गया है। यदि हां, तो ब्योरा दें।
 - (क) क्या कोई सहायक/खण्ड लाइसेंस अपेक्षित है, ब्योरा दें।
 - (ख) क्या सहायक/खण्ड लाइसेंस प्राप्त करने के लिए आवश्यक शुल्क जमा कर दिया गया है।

कृपया मूल बैंक रसीद संलग्न करें।

8. कोई अन्य विवरण

9. आवेदन पत्र के साथ लगाए गए संलग्नक का पूरा ब्योरा नीचे विवरण में भेजना चाहिए (दस्तावेजों की प्रत्येक प्रति उपक्रम के जिम्मेदार अधिकाारी द्वारा सत्य प्रति के रूप में साक्ष्यांकित की जानी चाहिए।)

क्रम सं.	दस्तावेजों का नाम
1.	
2.	
3.	

घोषणा

मैं/हम एतद्वारा यह घोषणा करता हूँ/करते हैं कि उपर्युक्त विवरण जहाँ तक मुझे/हमें जानकारी है एवं विश्वास है, सत्य और सही है। मुझे/हमें यह पूरी जानकारी है कि प्रस्तुत किए गए विवरण के आधार पर मुझे/हमें जो लाइसेंस प्रदान किया गया है, यदि उसके विवरण और तथ्य गलत या भ्रामक है तो जो अन्य कार्रवाई इस सम्बन्ध में की जा सकती है उसको ध्यान में रखे बिना ही उसे रद्द किया जा सकता है। मैं/हम आगे यह भी घोषणा करता हूँ/करते हैं कि मुझे/हमें इस आवेदित माल के विवरण के सम्बन्ध में सरणीबद्ध अभिकरण के रूप में आयात लाइसेंस के लिए अर्हता प्राप्त है।

हस्ताक्षर

साफ अक्षरों में नाम

पदनाम

घर का पूरा पता

स्थान:

दिनांक :

संलग्नकों की सूची

परिशिष्ट 4-क

सरणीबद्ध एजेंसियों के पते

1. कालभेर लारी एण्ड क.,
21, नेताजी सुभाष रोड,
कलकत्ता-700001
2. भारतीय काजू निगम,
पोस्ट बाक्स नं. 1261, एम. जी. रोड,
एनाकूलम,
कोचीन-682011
3. केन्द्रीय सिल्क बोर्ड,
यूनाइटेड मैन्शन्स,
दूसरी मंजिल,
39, महात्मा गांधी मार्ग,
बंगलूर-560001
4. भारतीय कपास निगम,
एयर इण्डिया बिल्डिंग,
12वीं मंजिल, नारीमन प्वाइन्ट,
बम्बई-400021
5. भारतीय खाद्य निगम,
16-20, बाराखम्मा रोड,
नई दिल्ली-110001
6. भारतीय पटसुन निगम,
1, दोक्सपीयर सरणी,
कलकत्ता-700016
7. भारतीय तेल निगम,
इण्डियन आयल भवन,
जनपथ, नई दिल्ली-110001
8. भारतीय खनिज एवं धातु व्यापार निगम,
(एम एम टी सी)
"एक्सप्रेस बिल्डिंग"
9-10, बहादुरशाह जफर मार्ग,
नई दिल्ली-110002
9. भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारिता विपणन संघ लि.,
(एन ए एफ ई डी) सपना बिल्डिंग, नेहरू प्लेस,
54, इस्ट आफ कैलाश, नई दिल्ली-110065
10. भारतीय राज्य व्यापार निगम लि., (एस टी सी)
"चन्द्रलोक" 36, जनपथ, नई दिल्ली-110001
11. धातु कतरन व्यापार निगम, 225-ई, आचार्य
जगदीश बोस रोड, कलकत्ता-700001
12. राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम, शिप सागर एस्टेट,
'डी' ब्लॉक, 5वीं मंजिल, डा. एनी. बेसेन्ट रोड,
वोली, बम्बई-400018
13. राष्ट्रीय खनिज विकास निगम लि., 109 सूर्यकिरण
बिल्डिंग, कस्तूरबा गांधी मार्ग,
नई दिल्ली-110001

परिशिष्ट-5क

प्रायोजक प्राधिकारियों की सूची

उद्योग	प्रायोजक प्राधिकारी	उद्योग	प्रायोजक प्राधिकारी
1. महानिदेशक, तकनीकी विकास के रजिस्टर में प्रमुखित उद्योग	महा निदेशक, तकनीकी विकास	18. खनन (कोलरीज से भिन्न)	नियंत्रक, भारतीय खाद्य, नागपुर
2. सभी लघु उद्योग एक	सम्बद्ध राज्यों के उद्योगों के निदेशक (नीचे की टिप्पणी देखिए।)	19. भव्यकारी स्थापना	भारत के समाचार रजिस्ट्रार, नई दिल्ली
3. फिल्म स्टूडियो, सिनेमा घर, फिल्म संसाधन प्रयोगशाला, किराए के [स्टूडियो उपकरण और फिल्म उद्योग से संबंधित अन्य कोई एक]	संबंधित राज्यों के उद्योग निदेशक या राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम	20. पेट्रोलियम उद्योग	पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय, नई दिल्ली
4. काफ़ी उद्योग/बागान,	अध्यक्ष, काफ़ी बोर्ड, बंगलौर	21. फार्मास्यूटिकल उद्योग और कागज-वर्धक उद्योग (बत मंजन सहित)	राज्य भेषज नियंत्रक (या राज्य सरकार के ऐसे अन्य प्राधिकारी)
5. कोयला और भूरा कोयला	कोयला विभाग, नई दिल्ली	22. विद्युत पूर्ण एवं विवरण उद्योग	केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण, नई दिल्ली
6. नारियल जटा उद्योग (रबड़ीकृत मारियल जटा उत्पाद सहित)	अध्यक्ष, नारियल जटा बोर्ड एनाकुलम।	23. भारतीय इस्पात प्राधिकरण लि० (सेल) के एकक/सहायक कार्यालय.	भारतीय इस्पात प्राधिकरण लि० (सेल) मुख्य कार्यालय
7. कोल्ड स्टोरेज (भागवानी उत्पादों के लिए)	कृषि विपणन सलाहकार, भारत सरकार, फरीदाबाद	24. (क) डाटा लोहा एवं इस्पात कम्पनी लिमिटेड (ख) विपणनपरिया लोहा व इस्पात कम्पनी (ग) इस्पात विभाग द्वारा सीधे प्रशासित अन्य एकक	इस्पात विभाग, लोहा एवं इस्पात मंत्रालय, नई दिल्ली
8. इलायची बागान	इलायची बोर्ड, एनाकुलम	25. लोहा और इस्पात के क्षेत्र में अन्य एकक, इसमें बिजली के ताप भट्टी एकक, रिरोलिंग एकक, सहायक उत्पादक भी शामिल हैं।	
9. कम्प्यूटर सिस्टम (इनके फालतू गुर्जा सहित)	इलक्ट्रॉनिक्स विभाग, नई दिल्ली	26. मुद्रण प्रतिष्ठान, प्रकाश निर्माण अधिकरण, विकासन अधिकरण, सचिस स्टेशन और अन्य रब-रबाव वर्कशाप	राज्य औद्योगिक निवेशक (जो यदि आवश्यक हो तो राज्य सरकार के अन्य तकनीकी विशेषज्ञों से सहायता कर सकता है)
10. बिस्फोटक	मुख्य इन्सपेक्टर बिस्फोटक, नागपुर	27. रबड़ बागान	अध्यक्ष, रबड़ बोर्ड, कोटायम
11. मछली उद्योग (समुद्र में चलने वाले जलयानों से भिन्न के लिए कोल्ड स्टोरेज सुविधाओं सहित)	मछली उद्योग के राज्य निदेशक (मछली एवं समुद्री उत्पादों के निर्यात के संसाधन में लगे एककों के लिए समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण एक एवज प्रायोजक प्राधिकारी होगा।)	28. चीनी उद्योग	चीनी के मुख्य निदेशक, खाद्य विभाग, नई दिल्ली
12. मछलियों के जलपोत	महानिदेशक, तकनीकी विकास	29. रेशम उद्योग/रेशम बस्त्र/सेरिकल्चर	केन्द्रीय रेशम बोर्ड, बंगलौर
13. फल और सब्जी परिरक्षण उद्योग	कार्यकारी निदेशक (खाद्य एवं आहार बोर्ड विभाग) नई दिल्ली	30. जहाज रानी उद्योग/ जहाज रानी कम्पनी	जहाजरानी के महानिदेशक बम्बई
14. हथ-करघा	हथ-करघा के राज्य निदेशक	(क) समुद्र में चलने वाले पोत	जहाजरानी के महानिदेशक बम्बई
15. हस्त शिल्प	विकास आयुक्त (हस्तशिल्प)	(ख) अन्तर्राष्ट्रीय वाहन एवं मोटर वाहन	सम्बद्ध क्षेत्र के व्यापारिक समुद्री विभाग के मुख्य अधिकारी,
16. सिंचाई परियोजना	केन्द्रीय जल प्रायोग, नई दिल्ली		
17. सिसल या मनीला रेशों का प्रयोग करने वाले पटसन उद्योग, रसा उद्योग, पटसन मिलों के लिये पटसन बस्त्र, इन्जीनियरी उद्योग और लकड़ी के सहायक उद्योग	पटसन आयुक्त, कलकत्ता		

उद्योग	प्रयोजक अधिकारी	उद्योग	प्रयोजक अधिकारी
(ग) जहाजों की मरम्मत	जहाजरानी के महाविदेशक, बम्बई	35. कुटीर उद्योग और वास्तविक उप-योजना सहित (गैर-औद्योगिक) एकक—येसे मरम्मत/रख रखाव कार्य करने वाले एकक जिनके लिए ऊपर किसी प्रयोजक प्राधिकारी का विशेष रूप से उल्लेख नहीं किया गया है।	राज्य उद्योग निदेशक या राज्य या केन्द्र सरकार का कोई अन्य सम्बन्ध विभाग
1. लवण उद्योग	लवण आयुक्त, भारत सरकार जयपुर		
32. (क) पटसन और रेशम से भिन्न वस्त्र उद्योग (ख) वस्त्र इंजीनियरिंग उद्योग (ग) शक्ति चालित करवा उद्योग (घ) तैयार वस्त्र (होजरी से भिन्न) (ङ) किम्पिंग टेक्सचराइजिंग और क्रा-टेक्सचराइजिंग यूनिट	वस्त्र आयुक्त, बम्बई	टिप्पणी :—(1) उपर्युक्त क्रम सं० 14, 15, 17, 21 32 और 33 के सामने विख्यात गए प्रयोजक प्राधिकारी इन उद्योगों के लघु पैमाना उद्योग एककों के सम्बन्ध प्रयोजक प्राधिकारी होंगे। (2) पेड़ के रबड़ को कच्चे रबड़ के रूप में बाजार के योग्य बनाने के लिए संसाधन के प्रयोजनार्थ रबड़ बागान द्वारा प्रप्रेषित मशीनरी के आयात के लिए बोर्ड, कोटायम का अध्यक्ष भी प्रयोजक प्राधिकारी होगा। (3) फिशरी बनाने वाली मशीनरी के मामले में सिफारिश करने से पूर्व सम्बन्ध लाइसेंस अधिकारी कृषि मंत्रालय, नई दिल्ली में स्वीकृति प्राप्त करेगा।	
33. चाय उद्योग/बागान/चाय बैग का उद्योग	अध्यक्ष, चाय बोर्ड, कलकत्ता		
34. वनस्पति	नागरिक आपूर्ति एवं सह-कारिता विभाग, नई दिल्ली		

परिशिष्ट-5-अ

रजिस्ट्रेशन संख्या के आबंटन के लिये आवेदन

- (1) अनुसूचित उद्योग का नाम या वह उद्योग जिससे निर्माण की वस्तुओं का संबंध है।
- (2) औद्योगिक उपक्रम का नाम
- (3) कम्पनी के पंजीकृत कार्यालय का पूरा पता
- (4) कारखाना कहाँ स्थित है उसका पूरा पता
- (5) औद्योगिक (विकास और विनियमन) अधिनियम के अंतर्गत जारी किये गये लाइसेंस की संख्या, और तारीख
- (6) जारी किये गये मंजूरी पत्र/पत्रों की संख्या और तारीख
- (7) मालिकों, साझेदारों अथवा बोर्ड के निदेशकों का नाम और पूरा पता
- (8) यदि कोई विदेशी सहयोग हो, तो किसके साथ
- (9) यदि कोई विदेशी तकनीकी कर्मचारी नौकरी में हो, तो उनकी संख्या तथा कर्मचारियों की श्रेणियाँ
- (10) एक बारी के आधार पर सालाना उत्पादन के लिये दिया गया उन भार का लाइसेंस/दी गई अनुमति
- (11) लाइसेंस/मंजूरी के अंतर्गत अनुमित बारी की संख्या
- (1) लाइसेंस प्रवक्त/स्वीकृत क्षमता में से वास्तव में संस्थापित क्षमता
- (13) शेष क्षमता के प्रतिष्ठापन न होने के कारण, और इसके प्रतिष्ठापन की संभावना कब तक है अथवा अतिरिक्त क्षमता जहाँ लागू हो, तो उसका कारण लिखें
- (14) जिन वस्तुओं का विनिर्माण अब हुआ हो उनके नाम तथा प्रत्येक वस्तु के सामने प्रतिवर्ष उत्पादन क्षमता लिखें जैसे गेज, मात्रा आदि।

(उन इकाइयों के मामले में जिनमें अभी तक उत्पादन प्रारंभ नहीं हुआ है)

- (1) क्या कारखाने के लिये जमीन अर्जित कर ली है
- (2) कारखाने के निर्माण और संयंत्र तथा मशीनों के संस्थापन में हुई प्रगति।
- (3) बिजली तथा पानी की सप्लाई में हुई प्रगति।
- (4) आवश्यक पूंजीगत उपस्कर कुल मूल्य के कितने प्रतिशत का है—
(क) आदेश दिया गया और कितना प्राप्त हुआ
(ख) आदेश दिया गया परन्तु अभी तक प्राप्त नहीं हुआ।

- (5) उत्पादन प्रारंभ होने की सम्भावित तारीख

मैं/हम यह एतद् द्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि जहाँ तक मेरी/हमारी जानकारी और विश्वास है उपर्युक्त तथ्य/विवरण सही और सत्य हैं। मैं/हम इन बात को भ्रष्टी तरह समझता हूँ/समझते हैं कि यदि इस विवरण और तथ्य में दी गई सूचना गलत अथवा झूठी पाई गई तो इस मामले में मेरे/हमारे विरुद्ध अन्य कार्रवाई किये जाने के अतिरिक्त उपर्युक्त तथ्य/विवरण के आधार पर मुझे/हमें प्रदान किया गया "रजिस्ट्रेशन" नंबर रद्द किया जा सकता है।

(आवेदक के हस्ताक्षर)

नाम स्पष्ट अक्षरों में
पूरा पता

तारीख

परिशिष्ट 5-ग

**वास्तविक उपयोक्ताओं द्वारा आयातित कच्चेमाल/संघटकों के उपभोग और स्टॉक का लेखा रखने का रजिस्टर
(समाधारपत्र संस्थानों से भिन्न)**

क्रम सं०	माल का विवरण	पावतियां		उन आयात लाइसेंसों/रिलीज आवेशों या खुले सामान्य लाइसेंस या सरणीबद्ध करने वाले अधिकरण द्वारा सीधे आर्यटनों के ग्योरे जिनके माल आयात किये गये हैं/ आर्यटित किये गये हैं।	यदि माल किसी अन्य स्रोत से प्राप्त किये गए हैं तो प्राधिकृत स्रोत का नाम और पता।	प्रविष्टि बिज सं० और विनांक, विक्रय बिल सं० और दिनांक एवं जी० आर०/आर० आर० सं० एवं विनांक जिसके अन्तर्गत माल अन्तर्गत के पक्ष से या माल प्राप्त करने की जगह से पैकट्री के स्थान पर डीया गया है।
		अवशेष	प्राप्त किए गए माल स्टॉक की मात्रा			
1	2	3	4	5	6	7

निर्गम (उपभोग)

दिनांक	मात्रा	वह अन्तिम उत्पाद जिन्में उपयोग किया गया है/ फार्म स्ट्रुक्चरल एकांक के मामले में बीज सं० को भी प्रदर्शित किया जाना है।	उपभोग किए गए आयातित माल में से उत्पादित मात्रा	प्राधिकृत विधि से अन्य को अपवर्तित मात्रा	इति शेष	अभ्युक्तिता
8	9	10	11	12	13	14

परिशिष्ट-5B

वास्तविक उपयोगिताओं के लिए प्रपत्र

लाइसेंस अधिध

प्रपत्र-क

(प्रारम्भिक/सम्पूर्ण लाइसेंसों के लिए सभी वास्तविक उपयोगिताओं और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा कच्चे माल/संघटकों/उपभोग्यों और फालतू पूर्णों (पंजीगत माल से भिन्न) के आयात के लिए आवेदनपत्र)

लाइसेंस अधिध

भाग-1

1. नाम और पता
2. फैक्ट्री/यूनिट का पता
3. (क) प्रायोजक प्राधिकारी द्वारा दी गई पंजीकरण संख्या अथवा औद्योगिक लाइसेंस की संख्या और दिनांक
(ख) इकाई स्थापना की तिथि
4. (क) विनिर्मित माल का व्यापार
(ख) यदि कोई हो, तो उत्पाद शुल्क को घटा कर पूर्व वित्तीय वर्षों में उत्पादों का क्रिस्तावी मूल्य (अर्थात् कारखाने में उत्पाद का मूल्य)
5. आवेदन किए गए लाइसेंस का लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य
(क) लोहा एवं इस्पात मर्च रुपये.....
(ख) अन्य मर्च रुपये.....
(ग) फालतू पूर्ण (ओ. जी. एल. से भिन्न) रुपये.....
(घ) वैज्ञानिक और मापतोल के उपकरण
6. आवेदन के साथ मूल रूप में संलग्न की जाने वाली, जैसा भी मामला हो, बैंक रसीद/डिमांड ड्राफ्ट की संख्या और दिनांक
7. मशीनरी और उपकरण पर खर्च की गई पूंजी :—
(क) आयातित मशीनरी (लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य)
(ख) आयातित संघटकों (क्रयमूल्य) वाली बेशी मशीनरी
(ग) अन्य बेशी मशीनरी (क्रय मूल्य)
8. गत लाइसेंस अधिध के लिए जारी किए गए आयात लाइसेंसों (आटोमेटिक और संपूर्ण) की संख्या एवं मूल्य

9. सम्पूर्ण लाइसेंस के लिए आवेदन पत्र के सम्बन्ध में निम्नलिखित भी प्रस्तुत किया जाना चाहिए :—

- (1) आवेदन की तारीख के प्रतिबंधित/सीमित अनुमये श्रेणी के अन्तर्गत आने वाले आयातित कच्चे माल और संघटकों का उसके पास का स्टॉक का मूल्य एवं मात्रा।
- (2) गत नीतियों के अन्तर्गत जारी किए गए आयात लाइसेंस के मद्दे पाइप लाइन में प्रतिबंधित/सीमित अनुमये श्रेणी के अन्तर्गत आने वाले आयातित कच्चे माल और संघटकों का मूल्य और मात्रा में स्टॉक
- (3) उत्पादन कार्यक्रम/अनुमोदित चरणबद्ध कार्यक्रम/निर्धारित क्षमता।
- (4) लाइसेंस क्षमता/पंजीकरण के अन्तर्गत आने वाली क्षमता।
- (5) आयात के लिए आवेदित मर्चों का ब्यौरा, प्रत्येक मद, अपेक्षित मात्रा, लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य, क्रम सं. और परिशिष्ट सं. जिसके अन्तर्गत वर्तमान आयात नीति के अधीन मद आती है। (निषेध और प्रतिबंधित मदों के लिए अलग सूचियां प्रस्तुत की जानी होंगी)।
- (6) आयात का देश
- (7) उसके पास के अप्रयुक्त लाइसेंसों का ब्यौरा, किन्तु क्रम सं. 9 (2) के अन्तर्गत पाइपलाइन की सामग्री को छोड़कर।
- (8) प्रस्तावित सामग्री की उपयोगिता और चालू लाइसेंस अधिध के लिए आटोमेटिक लाइसेंसों का ब्यौरा जैसा कि उपर्युक्त 9 (1), 9 (2), 9 (7) में दिया गया है।
- (9) अप्रयुक्त लाइसेंसों का दावा करने के लिये पूर्ण औचित्य। यदि आवेदन आदेश रद्द किए गए के आधार पर किया गया है तो उपर्युक्त कालम 9(5) के अधीन विभिन्न मदों की आवेदनवार आवश्यकताओं के साथ प्राप्त किए गए आदेशों का ब्यौरा दिखाया जाना चाहिए।
- (10) कृपया लोहा एवं इस्पात मर्च के मामलों में अप्रयुक्त लाइसेंसों के अधीन आयात किए जाने वाले प्रस्तावित कच्चे माल के सम्भरण के लिए स्वदेशी निर्माताओं को पृच्छाछ के लिए भेजी गई साक्ष्य-कृत प्रतियां या फोटोस्टेट प्रतियां और उनके लिए प्राप्त उत्तर संलग्न करें।

10. (क) प्रतिष्ठान किस प्रकार का है क्या वह सार्वजनिक कम्पनी या प्राइवेट कम्पनी, साझेदारी या हिन्दू अविभाजित परिवार प्रतिष्ठान है।
 (ख) जैसा भी मामला हो, निवेशकों, साक्षीदार, स्वामी या कर्ता के नाम
 (ग) शाखाओं या सम्बद्ध कम्पनियों का विवरण (नाम और स्थान) :—
 (1) भारत में
 (2) विदेश में
11. क्या आप कोई सहायक लाइसेंस जारी करना चाहते हैं, यदि हाँ, तो सहायक लाइसेंसों की संख्या और उनका मूल्य बताएं।
12. क्या आप वास्तव में अनुमोदित चरणवार विनिर्माण कार्यक्रम का पालन कर रहे हैं?
13. क्या औद्योगिक लाइसेंस/पंजीकरण प्रमाण-पत्र अब भी वैध है।

भाग-2

आयकर घोषणा

आयकर घोषणा का प्रपत्र परिशिष्ट-2ण में दिया गया है।

भाग-3

आयातित कच्चे माल, संघटकों और उपभोग्य सामग्री की खपत को विखाने वाला विवरणपत्र

1. एकक का नाम और पता
2. विनिर्मित अंतिम उत्पाद
3. 1983-84 अथवा 1984-85 अवधि के दौरान आयातित कच्चे माल, संघटकों और उपभोग्य सामग्री की खपत और निम्न-लिखित के संबंध में लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य :—

- (1) 1985-88 के लिए आयात-निर्यात नीति पुस्तक के परिशिष्ट 3 भाग-क में शामिल अन्य कच्चे माल, संघटन, और उपभोग्य सामग्री

रुपए

- (2) 1985-88 के लिए आयात-निर्यात नीति के परिशिष्ट-3 भाग-ख में उल्लिखित लोह एवं इस्पात की मदें

रुपए

4. पर्वोक्त मद संख्या 2 के सामने दर्शाई गई खपत की अवधि के दौरान तैयार किए गए उत्पाद का किताबी मूल्य

रुपए

5. खपत के कुल लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य का अलग-अलग ब्यौरा :—

- (1) आवेदक के स्वयं के वास्तविक उपयोक्ता लाइसेंस के मद्दे आयातित

रुपए

- (2) खुले सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत आवेदक द्वारा आयातित (वे मर्वे जो कि पहले खुले सामान्य लाइसेंस में भी लेकिन 1985-86 में परिशिष्ट-3 भाग-क में दी गई है)

रुपए

- (3) अन्य प्राधिकृत स्रोतों से आवेदक द्वारा अधिप्राप्ति

रुपए

6. मशीनरी और उपस्कर पर लगाई गई पूंजी

- (क) आयातित मशीनरी
(लागत-बीमा-भाड़ा)

मूल्य रु.

- (ख) आयातित संघटकों वाली
देशी मशीनरी

क्रय मूल्य रु.

- (ग) अन्य देशी मशीनरी

क्रय मूल्य रु.

घोषणा

(1) मैं/हम एतद्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि ऊपर दर्शाए गए कच्चे माल/संघटकों और उपभोग्य का उपभोग केवल उन मदों के संबंध में है जो कि हमारे/अपने लाइसेंसों के मद्दे आयात की गई हैं और/अथवा अन्य प्राधिकृत स्रोतों से प्राप्त की गई हैं। मैंने/हमने कार्य के आधार पर अन्तर्वर्ती संसाधन के लिए अन्य एककों से प्राप्त आयातित कच्चे माल/संघटकों/उपभोग्य के मूल्य को खपत में शामिल नहीं किया है। मैंने/हमने भेषज तथा प्रसाधन अधिनियम, 1940 के अधीन ऋण लाइसेंसधारियों की ओर से विनिर्माण के लिए खपत में आयातित माल के मूल्य मेरे/हमारे द्वारा उपयोग किए गए आयातित कच्चे माल/उपभोग्यों के मूल्य को भी खपत में शामिल नहीं किया गया है।

(2) मैं/हम एतद्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि इस विवरण में दी गई सूचना सही है। मैं/हम अच्छी तरह समझता हूँ/समझते हैं कि यदि प्रस्तुत की गई सूचना का कोई भाग गलत, भ्रष्ट या भ्रष्टात्मक पाया गया तो इस सूचना के आधार पर जारी किया गया लाइसेंस उस अन्य की गई कार्रवाई के अतिरिक्त रद्द कर दिया जाएगा, जो इस संबंध में की जा सकती है।

(3) मैं/हम एतद् द्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि मैंने/हमने 1983-84 और 1984-85 दोनों लाइसेंस अव-

धियों के लिए कच्चे माल, संघटकों और उपभोज्य सामग्री के लिए वास्तविक उपयोगिता लाइसेंस प्राप्त किया था/और मेरे/हमारे मामले/मामले आयात नीति, 1985-86 के अध्याय 6 की कंडिका 44 के अन्तर्गत नहीं आते हैं।

4. मैं आगे स्थापित करता हूँ कि मैं इस विवरण की जाँच करने एवं हस्ताक्षर करने के लिए प्राधिकृत हूँ।

5. मैं/हम एतद् द्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि हमारे निर्यात निष्पादन का स्तर 1985-86 के लिए आयात-निर्यात-नीति की उप-कंडिका 29 (ग) के अधीन आता है और हम ने मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली से निर्यात निष्पादन प्रमाणपत्र प्राप्त कर लिया है जिस की एक प्रति सलग्न की जाती है।

(यदि लागू न हो तो घोषणा (4) को काट दें)

आवेदक के हस्ताक्षर

पद नाम

दिनांक

पूरा सरकारी निवास का पता

सनदी लेखापाल/लागत लेखापाल/कम्पनी सचिव अथवा प्रायोजक प्राधिकारी से प्रमाणपत्र

मैंने/हमने यह स्थापन कर लिया है कि आवेदक एकक ने डी.जी.टी.डी., इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग, वस्त्र आयुक्त अथवा अन्य सम्बद्ध प्रायोजक प्राधिकारियों को पूर्वगामी वर्ष के लिए अपने उत्पादन की विवरणिका और उसी वर्ष के लिए अन्य निर्धारित विवरणिका/विवरणपत्र जो कि आयात और निर्यात नियंत्रण नियमावली, आँखांगिक (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, वस्त्र नियंत्रण आदेश आदि के परन्तुकों के अन्तर्गत भेजने चाहिए थे, विधिवत् भेज दिए हैं।

2. मैं/हम एतद्द्वारा प्रमाणित करता हूँ/करते हैं कि विवरणपत्र में यथाप्रमाणित खपत को सर्वश्री द्वारा रखे गए बही-खाते से स्थापित किया गया है और वह सही है। मैंने/हमने उन किताबों पर जिनसे इस सूचना की जाँच पड़ताल की गई है अपने/हमारे कार्यालय की मोहर लगा दी है और हस्ताक्षर कर दिए हैं।

3. मैं/हम यह भी प्रमाणित करता हूँ/करते हैं कि आवेदक एकक आयात-निर्यात प्रक्रिया पुस्तक में दर्शाए गए निर्धारित प्रपत्र में उपयोग का उचित लेखा रखता रहा है।

4. मैं/हम आवेदक फर्म अथवा इसकी सहयोगी फर्म का साझी दार, निदेशक अथवा कर्मचारी नहीं हूँ/हैं।

5. मुझे/हमें कम्पनी या प्रबंध के निदेशक मंडल जैसा भी मामला हो, द्वारा इस प्रयोजन के लिए विधिवत् नियुक्त किया गया है।

(सनदी/लागत लेखापाल के मामले में)

सनदी लेखापाल/लागत लेखापाल/कम्पनी सचिव या प्रायोजक प्राधिकारी के

हस्ताक्षर और मोहर

प्रायोजक प्राधिकारी का नाम

हस्ताक्षरकर्ता का नाम

पूरा पता

सहस्यता सं.

दिनांक

सील

टिप्पणी:—(1) विवरण के सभी पृष्ठ सनदी लेखापाल/लागत लेखापाल/कम्पनी सचिव प्रायोजक प्राधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए और उन पर मोहर लगी हुई होनी चाहिए।

2. प्राधिकृत स्रोतों से प्राप्त आयातित माल के सम्बन्ध में (उनको छोड़ कर जो आवेदक को जारी किए गए लाइसेंसों के मद्दे सीधे ही आयात किए गए हों) विवरण के कालम 3 के सामने दिया जाने वाला लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य सनदी लेखापाल/लागत लेखापाल/कम्पनी सचिव प्रायोजक प्राधिकारी के अपने सर्वोत्तम निर्णय द्वारा निर्धारित किया जायेगा।

3. आवेदक को पूर्वगामी वर्ष के दौरान खुले सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत आयातित कच्चे माल, संघटकों और पुर्जों के साथ लागत-बीमा-भाड़ा का संकेत करते हुए एक विवरण भी विधिवत् हस्ताक्षरित दो प्रतियों में लगाना चाहिए।

4. इसे ध्यान में रखना चाहिए कि विवरण में शामिल की गई सूचना यदि गलत पाई गई तो आवेदक और प्रमाणित करने वाले प्राधिकारी के विपरीत कानून के अधीन कार्रवाई की जाएगी।

5. उन एककों के मामले में जिन्होंने पिछली दो लाइसेंस अवधियों के दौरान कोई लाइसेंस प्राप्त नहीं किया लेकिन अपेक्षित माल प्राधिकृत स्रोतों से प्राप्त किया था, उनके द्वारा की गई खरीद का विवरण अर्थात् उस व्यक्ति का नाम जिससे माल प्राप्त किया गया, माल प्राप्त करने की तारीख और माल का मूल्य भेजा जाए।

6. पहले आवेदन पत्र के सम्बन्ध में भाग-1 के कालम-9 (3, 4, 5 एवं 6) में दी गई सूचना भी भेजनी चाहिए।

घोषणा

मैं/हम एतद्द्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि आवेदन पत्र में मेरे/हमारे द्वारा दिया गया विवरण मेरी/हमारी जानकारी एवं विश्वास के अनुसार सत्य और सही है। मैं/हम अच्छी तरह समझते हैं कि यदि यह पाया गया कि प्रस्तुत किए गए विवरणपत्र में कोई विवरण या तथ्य गलत या झूठा है तो प्रस्तुत

किए गए विवरणपत्र के आधार पर मुझे/हमें जारी किया गया कोई भी लाइसेंस उस अन्य जूमनि या अन्य कार्रवाई को ध्यान में रखे बिना रद्द किया जा सकता है या अप्रभावी किया जा सकता है जो सरकार मामले की परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए अधिरूपित करे।

(पूरे नाम के साथ हस्ताक्षर)

पदनाम

संबंध

पूरा पता (1) कार्यालय

(2) निवासीय

स्थान

दिनांक:

टिप्पणियाँ

1. प्रस्तावित एक को और सार्वजनिक क्षेत्र के विभाग द्वारा चलाए गए एक को खपत प्रमाणपत्र भरने की आवश्यकता नहीं है।

2. खपत विवरण का प्रत्येक पृष्ठ सनवी लेखापाल/प्रायोजक प्राधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित होना चाहिए और उसकी मोहर लगी होनी चाहिए।

3. खपत प्रमाणपत्र के कालम 3 में खपत वित्तीय वर्ष अर्थात् वर्ष के 1 अप्रैल से 31 मार्च तक के संबंध में होनी चाहिए।

4. सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमां के मामलों में, यह विवरण उपक्रम के अन्तर लेखा-परीक्षक द्वारा प्रमाणित होना चाहिए।

प्रस्तुत किए जाने वाले दस्तावेज

1. आवेदनपत्र की चार प्रतियां होनी चाहिए।
2. आवेदनपत्र की फीस के लिए मूल बैंक रसीद/डिमांड ड्राफ्ट संलग्न किया जाना है।
3. खपत प्रमाण-पत्र सनवी/लागत लेखापाल द्वारा चार प्रतियां में विधिवत प्रमाणित होना चाहिए।
4. आयात की जाने वाली भयों की सूची की सात प्रतियां, एक प्रति प्रयोजक अधिकारी द्वारा प्रमाणित होनी चाहिए।
5. औद्योगिक लाइसेंस/पंजीकरण/प्रमाणपत्र/भंडार विनिर्माण लाइसेंस
6. नीति के अनुसार अपेक्षित अन्य कोई दस्तावेज
7. आयकर बांणना के लिए प्रपत्र परिशिष्ट--2-ण में दिया गया है।

परीशिष्ट--5

पिछड़े क्षेत्रों की सूची

अंश--क

गैर-उद्योग वाले जिले

असम

1. नार्थ कछार हिम
2. लखिमपुर

बिहार

3. औरंगाबाद
4. भोजपुर
5. कामारिया
6. नालन्दा
7. पूर्णिया
8. साहरसा

गुजरात

9. अजमेर

हिमाचल प्रदेश

10. चम्बा
11. कांगड़ा
12. कुलू
13. किन्नोर
14. लाहौल और स्पीति

जम्मू और काश्मीर

15. डोडा
16. लद्दाख
17. पंछ
18. राजोरी
19. उदमपुर
20. कात्राग
21. गलबामा

करनाटक	सिक्किम
22. बिवार	57. गंगटोक
मध्य प्रदेश	58. ग्यालसिंग
23. बालाघाट	59. मंगान
24. बिहंद	60. नेमची
25. छत्तरपुर	त्रिपुरा
26. सिंदवारा	61. त्रिपुरा उत्तरी
27. दामो	62. त्रिपुरा दक्षिणी
28. धार	63. त्रिपुरा पश्चिमी
29. दाण्डिया	उत्तर प्रदेश
30. गुना	64. बांदा
31. जाबूआ	65. फतेहपुर
32. माडला	66. हमीरपुर
33. नरसिंनपुर	67. जालौन
34. पन्ना	68. जौनपुर
35. राजगढ़	69. सुलतान पुर
36. सिओली	70. कानपुर बहेल
37. शिवपुरी	71. चमोली
38. सिधी	72. पीढ़ी गढ़वाल
39. सरगुजा	73. टिहरी गढ़वाल
40. टिकमगढ़	74. उत्तर काशी
मेघालय	पश्चिम बंगाल
41. इस्ट गैरां हिल्स	75. बक्रा
42. वेस्ट गैरां हिल्स	76. कूच बिहार
43. जैनतिया हिल्स	77. जलपाईगुड़ी
44. वेस्ट काशी हिल्स	78. मालदा
मन्नीपुर	79. बाजर्जिलिंग
45. मनीपुर सैन्टर	कोरल
46. मनीपुर इस्ट	80. वाइनाद
47. मनीपुर नोर्थ	81. इड्डुकी
48. मनीपुर साउथ	अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह
49. मनीपुर वेस्ट	82. निकोबार द्वीप समूह
50. थनगोउपाल	अरुणाचल प्रदेश
नागालैण्ड	83. कामेंग (पूर्व एवं पश्चिम)
51. त्वैनसांग	84. सिगांग (पूर्व एवं पश्चिम)
उड़ीसा	85. सुबनशी (निम्न एवं अपर)
52. बालाशोर	86. तिरप
53. ओलनगीर	बाबर एवं नगर हवेली
54. ब्रुधलौन्डमल्स (फूलबनी)	87. दादर एवं नगर हवेली
राजस्थान	लक्ष द्वीप
55. जैसलमेर	88. लक्ष द्वीप
56. सिराई	मिजोरम
	89. एजवल
	90. लुगलंज

विशेष क्षेत्रा बाले जिले

असम	मेघालय
1. कछार	23. पूर्वी खासी पहाडियां
2. भोलपारा	
3. कामरूप	नागालैण्ड
4. कारबी एन्जलांग	24. कोहिमा
5. नाखगोंग	25. मकोकचुर्ग
6. डारंग	26. मोन
7. डिब्रुगढ़	27. फैंक
8. मिवसागर	28. ओखा
	29. जूनहोबोटो
हिमाचल प्रदेश	उत्तर प्रदेश
9. सोलन	30. अल्मोड़ा
10. सीरमूर	31. पिथौरागढ़
11. वीलासपुर	32. देहरादून
12. हमीरपुर	33. नैनीताल
13. मान्डी	
14. शिमला	अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह
15. उना	34. अण्डमान द्वीप समूह
जम्मू और काश्मीर	
16. अनन्तनग	अरुणाचल प्रदेश
17. वारामूला	35. दिब्रुंग घाटी
18. जम्मू	36. लोहित
19. कातोरा	गोवा दमन और द्वीप
20. श्रीनगर	37. गोवा दमन और द्वीप
21. वेडगम	पांडिचेरी
22. कारगिल	38. पांडिचेरी

श्रेणी—ख

श्रेणी क में सम्मिलित में निम्न केन्द्रीय पूंजी निवेश उपादान के लिए प्राप्त जिले/क्षेत्र

मध्य प्रदेश (6 जिलों के बराबर)	श्री काकुलम जिला और पांच क्षेत्र राज्य सीमा क्षेत्र के 22 ब्लॉकों से दो क्षेत्र क्षेत्र 1: 13 ब्लॉक शामिल नामशः चियर, बंगराकुलम, पुली बैरला, पतुर, चम्प्रागिरि तथा काला हस्ती (चियर जिले से) और कुडूर, नजिमपेट, सिन्नाउट, उडपा, कमलपुरम्, परोडुन्नूर तथा तूलीबैम्बला (कुडपा जिले से) क्षेत्र 2: 9 ब्लॉक शामिल नामशः तवपत्तिई, सिगनामाला, भूटी, कुडैय (मन्नतपुर जिले से) तथा धीने, कुडनूर, बन्गनपाली, नदयाल तथा गिडार पुर (कर्नूर जिले से) तेलगुना क्षेत्र से जिनमें 43 ब्लॉक शामिल 3 क्षेत्र क्षेत्र 1: 14 ब्लॉक शामिल नामशः महबूब नगढ़, अब्बेरिया, शाद नगर, कलवा कुर्ति तंग भ्रमगल (महबूब नगर जिले से) एवं नालगोण्डा (मुनगेरिल) नकराकल, सुरियापेट, कोडा। हजुर नगर, मिलाख बुडा, पैाबोरा तथा देवलरकोण्ड (नालगोन्ना जिले से) क्षेत्र 2: 14 ब्लॉक शामिल नामशः खम्भामधिरम् मलाय पालेग, कुलु, एलन्डू, कोठागुन्डम, भरतवारो बेटा, पुरागमपड तथा भवरावलम् (फरीम खमालम जिले से) तथा मैहबूबा बाब, नरसेम पेट, हान्दम कोण्ड, घनापुर, जन्गावि और मुसुम (बारंगल जिले से) क्षेत्र 3: 15 ब्लॉक शामिल नामशः जहीराबाब, पत्तनबेरुदु, नरसापुर मेडक तथा डिडीपेट (मैंडक जिला से) येड्डापल्ली निजामाबाब, कामारेड्डी और बेमाकुण्डा (निजामाबाद जिले से) और सिरपमिला करीमनगर मुल्तानबाद पैापल्ली मथानी और हजुराबाब (करीमनगर जिले से) भागलपुर वरमंगा चम्पारण पलामऊ तथा सन्धाल परगना जिले
बिहार (5)	पंचमहल भगोंच और सुरेन्द्रनगर जिले
गुजरात (3)	पुनर्गठित महेन्द्रगढ़ जिला (महेन्द्रगढ़ और रिवाड़ी उपमंडल) भिवानी जिला जिसमें भिवानी भिवानी और दादरी उपमंडल और 8 ब्लॉकों वाला एक क्षेत्र नामशः हिसार ब्लॉक नं० 1 और बरवाना ब्लॉक (हिसार तहसील) हांसी ब्लॉक नं० 1 (हांसी तहसील से) बहूना ब्लॉक फमहाबाब तहसील से) टोहाना ब्लॉक (टोहाना तहसील से) हिमार जिले से जिनमें और जुलावा ब्लॉक (जिन्द तहसील से) छपाना ब्लॉक (नरवाना तहसील) जिनमें जिले से रायपुर
हरियाणा (तीन जिलों के बराबर)	रायपुर मैसूर और धारवरण्ड जिले
कर्नाटक (3)	अल्मोड़ा, कन्नानूर और मालापुरम जिले
केरल (3)	क्षेत्र 1 (पूर्वी क्षेत्र से) ब्लॉक नामशः कोरवा, बालोडा, चम्पा, कोटा, मामदूर और बिला (बिलासपुर) बिलोक (बिलासपुर जिले से) भाटापुरा सिमग, धारमिडा (रायपुर) ब्रह्महानपुर और राजम ब्लाक्स (रायपुर जिले से)
मध्य प्रदेश छः क्षेत्र (3 1/4 जिले अथवा 4 जिले)	क्षेत्र 2: (पश्चिमी क्षेत्र से) ब्लॉक नामशः देवाय और टोंक खुरद ब्लॉक (देवाय जिले से) गुखाना, सुपलपुर और शाहाबापुर ब्लॉक्स (शाहाबापुर जिले से) क्षेत्र 3: (उत्तरी क्षेत्र से) बलाक नामशः मोरेन और जोडरा (मोरेना जिले से) क्षेत्र 4: (केन्द्रीय क्षेत्र से) ब्लॉक नामशः बिबडावा, खीरबावा (बिनाइका), राधागढ़ मगर (महागढ़) (मगर जिले से) क्षेत्र 5: (पश्चिमी क्षेत्र-2 से) ब्लॉक नामशः महेश्वर और बरवाना (कारगन क्षेत्र से) रघुनम और मूरा (रैतलम क्षेत्र से) मन्दसूर, मालागढ़ और नीमछ (मेशसूर जिले से) क्षेत्र 6: (उत्तरी पूर्वी क्षेत्र से) ब्लॉक नामशः देवा और रायपुर (गढ़) (देवा जिले से) रत्नागिरि, भर्तुबाद और चन्दनपुर जिले में।
महाराष्ट्र (3)	कालन्दी, नयूरवान्ज, देनकनाल, केशोनगर और कोरापु जिले
उड़ीसा (5)	बेजियारपुर, मंगरूर और भटिडा जिले
पंजाब (3)	अचवर, रोधपुर, भीनखारा, चोरू, नाबीर और उदयपुर जिले।
राजस्थान (6)	3 क्षेत्र/ट्रिबल 3 तालुक शामिल:
समिलनाडु (3 जिले)	क्षेत्र 1: 12 ब्लॉक नामशः (बमबबनालुक शामिल) रामनाथपुरम, मधुकुलापुर, शिवगंगा परमाकुटी, तिरुवावली, केराकुडी, और थिरिपथूर तालुक (रामनाथपुरम जिले से) मैसूर तालुक (मदुराई जिले से) पाकुकोटिया, थिय्याग, अनामगुडी और कुथूर तालुक (पाकुकोटिया जिले से) क्षेत्र 2: 2 भातालुक ब्लॉक नामशः धरमपुरी, पालकोड, ह्वेसूर, डानकान्न होकत, वृष्णागिरी, अदैनगरी, हाबर (धरमपुर जिले से) तिरुपथूर, धिनयाबाबा, वेलांग, बालाजपेट (उत्तरी धरकोट जिले से) क्षेत्र 3: 10 तालुक ब्लॉक नामशः अचपाळकोरिया, सधूर, बिरडहन्नूर, श्रीवीक्षीपथूर, राजपिलायम (पश्चिमी रामनाथपुरम जिले से) थिरुमंगलम, मूसलामपत्ती, नीलकोटी, डीडिगल और वेदाब सान्दूर (मदुराई जिले से)

उत्तर प्रदेश (5) 22

बलिया, बस्ती, जौजाबाद, झांसी और राय बरेली जिले।

पश्चिमी बंगाल (3)

पबलिया, मिदनापुर और नादिया जिले

नोट : 1 इस श्रेणी में दिखाए गए जिले/क्षेत्र वे हैं जो उनके पुनः वर्गीकरण से पहले 1-10-1970 को विद्यमान थे। इन जिलों/क्षेत्रों में सम्मिलित क्षेत्र उसके पश्चात् उपादान के लिए उसी दर पर उपादान के लिए पात्र रहेंगे।

2 सभी जिले/क्षेत्र आवश्यक रूप से वही नहीं होंगे जो 1-10-1980 को विद्यमान थे।

श्रेणी "ब"

केन्द्रीय पूर्वी निवेश उपादान

के लिए श्रेणी क और ख में सम्मिलित से जिस पात्र जिले/क्षेत्र

प्राग्ध प्रदेश

धनगढ़पुर (ताबपतरी, सिंगनामाला, गोदी, कुडी--ब्लाक शामिल) बिलौड़ा (बिलौड़ा, बनगा खपलाम, पुलीबेरला, पबुर, चम्बरगिरि और कलाहस्ती ब्लाक शामिल), कुवपा (कोडु राजमपेट, सिदीपेट, कुवपा, कमलापुरम्, पुरोडम्बर और पलीदेम्बला ब्लाक शामिल), करीम नगर (सिबिला, करीमनगर, मुलतानाबाद, पेताहापाली, मेनयनी और हजराबाद ब्लाक शामिल) खमाम (खमाम, बिस्मेल, इपलम, कनूर, यैलैयूर, कोटागुवम ब्लाक शामिल) करनूल (कोड, करनूल, बामगनापाली, नागियाल और निडेयलपुर ब्लाक शामिल) मैहबूब नगर (महबूब नगर, जदबेरला, सावनगर, कालवा कुरली और धमेन्जल ब्लाक शामिल) मेंडक (जाहिराबाद, पतनाबिष्टुर, नरसपुर, मेंडक और सिदीपेट ब्लाक शामिल) नालगोंडा, (नालगोंडा, मनजैड नाकराकाल, सरयापेत, कोबाय, हजूरनगर, मिरियलगा, पेदाबोरा और डिवराकोन्डा ब्लाक शामिल) नेलोर, निजामबाद (याबापाली, निजामाबाद, यामाजेडो और निमाकुन्ना ब्लाक) आनगोल, बरगल (महबूबाबाद, नरसापेट, हनमकोन्डा, धानापुर, जेनगोन और मुलग मुजप रपुर, सरल, ताबाद, गया, बेगुमराय और मोनगयर।

बिहार (6)

गुजरात (7)

हरियाणा (4)

धमराही, बैतासकाभात, भांभानगर, कच्छ, मेसाणा, साबरकण्टा।
मिबानी (मिबानी और दाबरी शामिल) हिसार (हिसार ब्लाक और बारवाना ब्लाक) (हिसार तहसील) हस्ती ब्लाक नं० 1 (हस्ती तहसील से) बाहुना ब्लाक (फैताबाद तहसील से) दोना ब्लाक/तहसील (दूना तहसील) त्रिव्य (त्रिव्य ब्लाक और जुलाना ब्लाक शामिल जिद तहसील से) और धवना ब्लाक (नारवाना तहसील से) मोहिन्द्रागढ़ (मोहिन्द्रागढ़ और रेवाड़ी)।

रत्न (2)

कर्नाटक (7)

मध्य प्रदेश (19)

तिरीचुर और तिरुवेन्द्रम

बेलगम, बिजापुर, गुलबार्गा, हुसन, उत्तरी केतारा, ताउव केतारा और तमकुर।

वासटर, बेडुल, बिलासपुर (कोरवा, बागोदा, चम्पा, कोटा, मसतुरी, और बिला (बिलासपुर ब्लाक) देवास (देवास और टोक खुरद ब्लाक) होसंगाबाद, कारगान, (माहेस्वर और वरवाना ब्लाक) मेंडासर (मेंडासर, मालागढ़, और नोमठ ब्लाक) मोरेना (मोरेना और जाउरा ब्लाक), रायगढ़, रायपुर (भाटापारा, निमना, टिलवा, वरसिवा, (रायपुर) धबहानपुर और रजिम ब्लाक) शाहजापुर (गुलाना, सुरजालपुर और शाहजापुर ब्लाक) रतलम (रतलम और जाउरा ब्लाक), रेवा (रेवा और रायपुर) गढ़ (ब्लाक) मगर (बीना इटावा, खुरी बादा) बिनाइका (रहायनगढ़, सगर, शाहगढ़,)धमरानू (ब्लाक) बिदीभा (बिदिशाह और गायरसपुर ब्लाक) ग्मु सेहीर।

महाराष्ट्र (10)

बांभरा, भीर, बलबहना, कोलबा, झीलिया, जालस्थन, तानडेर, औसमानाबाद, पारबानी और और यशोतमल।

उड़ीसा

पंजाब (2)

तमिलनाडु (9)

किरोणपुर, गुरबासपुर

बांसवारा, (धरमपुर, पालाकोड, होसुर, वेनकानिकोट, कृष्णागिरि, उवैनगरारी और हाकर टालकस), कल्याकुमारी, धसलामापली, नीकोटी, श्री वेदासउधर टालकस (उत्तरी धरकोट तिरपपुर, बानीयामबादी, बेलूर बालाजापेत टेक्लस (रामानाथपुरम (रामानाथपुरम्, माडु कलबर, शिवांगगा, परमाकुदी, निरबाबनी, काराकुदी, तिरपपुर, धरुपकोटि, साधुर, बीरबुधर, श्रीबीलीपेथुर, राजपालयम (साउथ धरकोट, धिरुबिरापल्ली, पादुकोटी (पदुकोटी, तिचमयम, धलमगुडी) और कलधीर टालकस)।

उत्तर प्रदेश (21) 1

धामगढ़, बादून, बीरीका, बाराबन्की, बुलन्धरहर, देवरिया, एटा, इटावा फरखाबाद, गाजीपुर, गोरख, हरदोई, मेनपुरी, मधुरा, मुरादाबाद, पीलीभीत, प्रतापगढ़, रामपुर, शाहजापुर सीतापुर और उताब।

पश्चिमी बंगाल (5)

बीरभुम, धरदोन, हुगली, मुरशीबाबाद और पश्चिमी बीनाजपुर।

नोट : 1 इस श्रेणी में दिखाए गए जिले/क्षेत्र वे हैं जो उनके पुनः वर्गीकरण से पहले 1-10-1970 को विद्यमान थे। उन जिलों/क्षेत्रों में सम्मिलित क्षेत्र उसके पश्चात् उपादान के लिये पात्र रहेंगे।

2. 2. सभी जिले/क्षेत्र आवश्यक रूप से वही नहीं हैं जो 1-10-1970 को विद्यमान थे।

परिशिष्ट-5-ब

अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशालाओं की स्थापना के लिये आवेदन करने का प्रपत्र

1. आवेदक/कर्म का नाम
2. पता
 - (क) मुख्य कार्यालय
 - बिस्ली कार्यालय (यदि कोई)
 - (ख) फैक्ट्री/फैक्टरिया
 - (ग) अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला/किन्ना
3. व्यवसाय की प्रकृति
4. कम्पनी की संरचना
 - (क) भागजनि/निजी/सहकारी/अंशुक क्षेत्र/स्वामित्व/साझेदारी संस्था
 - (ख) क्या बिदेसी साम्य भागीदार हैं ? कृपया बिदेसी साम्य भागीदार का नाम तथा उसका प्रतिशत बताइए ?
 - (ग) बोर्ड के निदेशकों/स्वामियों का नाम
5. पूंजी की संरचना :-
 - (क) प्राधिकृत पूंजी
 - (ख) प्रचलित पूंजी
 - (ग) अन्य देयता
6. कर्म की श्रेणी :-
 - (क) लघु पैमाना एकक
 - (ख) सहानिवेशक, तकनीकी विकास के पास पंजीकृत
 - (ग) आई० डी० आर० अधिनियम के अधीन आने वाली
 - (घ) एम० आर० टी० पी० अधिनियम के अधीन आने वाली
 - (ङ) अन्य (कृपया प्रायोजक प्राधिकारी का नाम निर्दिष्ट करें)
7. सम्बन्ध प्रशासकीय मंत्रालय
8. तकनीकी सहायता, यदि कोई हो तो :-

क्रम सं०	उत्पाद	तकनीकी सहयोग का नाम एवं पता	सहयोग का इतिहास
(1)	(2)	(3)	(4)

बिज्ञेय ध्यान दीजिए :- कालम 4 के अन्तर्गत कृपया सहयोग व्यवस्था के अनुमोदन का वर्ष जिसमें तपस वृद्धि भी शामिल हो तथा वर्तमान सहयोग व्यवस्थाओं की समाप्ति की तिथि भी निर्दिष्ट कीजिए।

9. पिछले तीन वर्षों (बच-बार) का समस्त वार्षिक व्यापार

10 मुख्य विनिर्मित उत्पाद :-

क्र० सं०	उत्पाद	अनुवृत्त क्षमता	संस्थापित क्षमता	उत्पादन (पिछले तीन वर्षों में)		
1	2	3	4	5	6	7

11. कर्म द्वारा नियुक्त किए गए व्यक्ति (जिसमें अनुसंधान एवं विकास इकाई भी शामिल है)

- (क) बहानिक एवं तकनीकी
- (ख) प्रशासनिक
- (ग) अन्य

कुल

(ख) अनुसंधान एवं विकास

1. (क) क्या अनुसंधान एवं विकास का कार्य प्रगति पर है ?
(ख) प्रारम्भ होने की तिथि
2. अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य
3. क्या अनुसंधान एवं विकास संस्थान कैबिनेटरी परिसर के भीतर/बाहर अलग बिल्डिंग में स्थापित है
4. क्या अनुसंधान एवं विकास कार्य आपके उत्पादन एवं गुण नियंत्रण विभाग से पृथक है और क्या अलग-अलग लेखा रखा गया है
4. (क) क्या अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रमों के उत्पादन एवं मासिक नियंत्रण से भिन्न है
(ख) क्या अनुसंधान एवं विकास व्ययों के लिए अलग से लेखा रखा गया है
(ग) अनुसंधान एवं विकास इकाई के लिए अनुमानित प्रयोज्य
5. उपलब्ध उपकरण/प्रायोगिक संयंत्र सुविधाओं का संक्षिप्त व्योरा (हृपया मूल्य एवं खीत की दशादि हुए सूची संलग्न करें)
6. क्या आपके पास पूरे समय के लिए अनुसंधान एवं विकास निदेशक/प्रबंधक हैं ? यदि हाँ, तो हृपया इनका नाम एवं नियुक्ति की तिथि बताइये
6. (क) क्या आपके पास पूर्ण कालिक अनुसंधान एवं विकास निदेशक प्रबंधक है
(ख) नाम
(ग) अहंता
(घ) इस पद पर नियुक्ति की तिथि
7. पिछले तीन वर्षों में अनुसंधान एवं विकास की उपलब्धियों का व्योरा (यदि आवश्यक हो तो अलग शीट लगाएं)
8. पिछले तीन वर्षों के दौरान भारत या विदेश में बाहिल किए गए पेटेंट

क्र० सं०	उत्पाद/संसाधन	देश का नाम	वर्ष
1	2	3	4

9. क्या आपके द्वारा किसी नई विकसित प्रौद्योगिकी का :--

9. (क) व्यापारिकरण किया गया है

क्र० सं०	तकनीकी	वर्ष
1	2	3

(ख) निर्यात किया गया है

क्रम सं	तकनीकी	वर्ष	निर्यात किया गया है।	
			पार्टी	देश
1	2	3	4	5

(ग) भारत में अन्य पार्टियों को बेचा गया है।

क्र० सं०	तकनीकी	वर्ष	पार्टी
1	2	3	4

10. प्रगति में लगी हुई अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं का व्यौरा बीजिए (कृपया व्यौरा अनुबंध "क" के प्रपत्र में दें)
11. अगले तीन वर्षों में प्रस्तावित अनुसंधान एवं विकास परियोजनाएँ (कृपया व्यौरा अनुबंध "ख" के प्रपत्र में दें)
12. अनुसंधान एवं विकास कार्य पर खर्च। कृपया पिछले तीन वर्षों (वास्तविक) बाबू वर्ष (बजटिड) और अगले तीन वर्षों के अनुमानित आंकड़े वर्षवार, बीजिए

वर्ष	पिछले तीन वर्ष (वास्तविक)			बाबू वर्ष (बजटिड)		अगले तीन वर्ष (अनुमानित)	
	1982-83	1983-84	1984-85	1986-87	1987-88	1988-89	
	1	2	3	4	5	6	7

(क) पूंजी

(ख) आबर्ती

(ग) कुल

(घ) ग के विदेशी मुद्रा के संघटक

(1) पूंजी

(2) आबर्ती

टिप्पणी :—उत्पादन से सम्बद्ध, शुष्क निर्यात, ट्रेडिंग, परीक्षण बाजार अनुसंधान और इसी प्रकार के अन्य क्रियाकलापों पर—
किए गए खर्च ऊपर दिए जाने वाले आंकड़ों में शामिल नहीं किए जाएँ।

13. कृपया पिछले तीन वर्षों के दौरान अनुसंधान एवं विकास खर्च पर आयकर कूट, यदि कोई हो, तो निम्नलिखित करें।

14. अनुसंधान एवं विकास कार्य पर नियुक्त किए गए व्यक्ति (वर्तमान)।

श्रेणी	पूर्व काधिक	अंश कालिक
	(संख्या)	(संख्या)
(क) वैज्ञानिक		
(ख) इंजीनियर		
(ग) तकनीशियन		
(घ) अन्य		

कुल

15. न एवं विकास

कार्मिकों की शैक्षिक स्थिति

श्रेणी

(पूर्ण कार्मिक)

(अंश कार्मिक)

1

2

3

(क) विद्या पारिधि डिग्री

(ख) स्नातकोत्तर डिग्री

(ग) स्नातक डिग्री

(घ) स्नातक से कम

योग

16. अगले तीन वर्षों के दौरान वर्षों की चरमवार श्रेणी

श्रेणी

1

2

3

(क) वैकल्पिक

(ख) स्नातकोत्तर डिग्री

(ग) स्नातक

(घ) स्नातक से नीचे

कुल

17. पिछले तीन वर्षों के दौरान क्या आपने एम० आर० बी० सी० या अन्य राष्ट्रीय प्रयोगशाला/विश्वविद्यालय/आई० आई० टी०/अन्य संस्थाओं से किसी प्रकार की सहायता/खरीददारी और जानकारी प्राप्त की है? कृपया वर्ष एवं अंत सहित ब्यौरा दीजिए।

18. (क) क्या आपके द्वारा प्रवृत्ति में सने हुए या प्रस्तावित अनुसंधान एवं विकास कार्य का कोई कार्य देश में किसी अन्य स्थान पर किया जा रहा है? यदि हाँ, तो कृपया स्थान संकेतित करें।

(ख) क्या आपने आयकर अधिनियम, 1981 की धारा 35(2ख) के अधीन शिक्षण एवं तकनीकी विधाय को कोई प्रोग्राम विचार करने के लिए भेजा है। यदि हाँ, तो कृपया उक्त विवरण में विज्ञान प्रोग्राम का नाम, आवेदन पत्र की तिथि और कुल लागत एवं विकास का निर्णय शामिल हो।

प्रमुख निदेशक के हस्ताक्षर

पदनाम

दिनांक:

स्थान:

परिशिष्ट 5—आरी

अनुबंध “क”

प्रगति में लगे हुए अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रम/परियोजनाएं का व्यौरा

क्रम सं०	अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं का नाम एवं क्षेत्र	परियोजना सीडर का नाम	किस वर्ष में आरम्भ किया गया	परियोजना की अवधि	निम्नलिखित के अन्तर्गत परियोजना की कुल अनुमानित लागत				
					पूंजी	आवर्ती	जोड़	विदेशी मुद्रा	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10

अनुबंध “ख”

प्रस्तावित अनुसंधान और विकास कार्य के व्यौरेअगले तीन वर्षों के लिए

क्रम सं०	अनुसंधान एवं विकास परियोजना का नाम एवं क्षेत्र	परियोजना सीडर का नाम	किस वर्ष से आरम्भ किया गया	परियोजना की अवधि	निम्नलिखित के अन्तर्गत परियोजना की कुल अनुमानित लागत				
					पूंजी	आवर्ती	जोड़	विदेशी मुद्रा	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10

खरीदे जाने वाले अपेक्षित विशिष्ट उपस्कर का मूल्य का संकेत करते हुए उसकी सूची

मूल्य सहित किसी भी विशेष अपेक्षित कच्चे माल की सूची

अभ्युक्ति (अनुसंधान एवं विकास परियोजना प्रस्तावित करने का यदि कोई विशेष कारण हो, तो निर्दिष्ट करें)

11

12

13

परिशिष्ट 5छ

अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशालाओं को मान्यता नवीकरण के लिए आवेदन करने का प्रपत्र

भाग क

1. आवेदक/फर्म का नाम
2. पता
- (क) मुख्य कार्यालय
- (ख) दिल्ली कार्यालय (यदि कोई हो)
- (ग) फैक्टरी/कैक्टरीयाँ
- (घ) अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला/किन्ना
3. व्यवसाय की प्रकृति
4. कम्पनी की संरचना
- (क) सार्वजनिक /निजी/सहकारी/संयुक्त क्षेत्र/स्वामित्व/भागीदारी संस्था
- (ख) क्या विदेशी सार्व भागीदार हैं? कृपया विदेशी सार्व भागीदार का नाम तथा उसका प्रतिपात बताइये ?
- (ग) बोर्ड के विदेशकों/स्वामियों का नाम
5. पूंजी की संरचना :—
- (क) प्राधिकृत पूंजी
- (ख) प्रयुक्त पूंजी
- (ग) अन्य वेयता
6. फर्म की क्षेपी :—
- (क) लघु पैमाना एकक
- (ख) महानिदेशक, तकनीकी विकास के पास पंजीकृत
- (ग) आई० डी० आर० अधिनियम के अधीन आने वाली
- (घ) एम० आर० टी० पी० अधिनियम के अधीन आने वाली
- (ङ) अन्य (कृपया प्रायोजक प्राधिकारी का नाम निदिष्ट करें)
7. सम्बद्ध प्रशासकीय मन्त्रालय
8. तकनीकी सहायता, यदि कोई हो, तो :—

क्रम सं०	उत्पाद	तकनीकी सहयोग का नाम एवं पता	सहयोग का इतिहास
(1)	(2)	(3)	(4)

विशेष ध्यान दीजिए :—कालम 4 के अन्तर्गत, कृपया सहयोग व्यवस्था के अनुमोदन का वर्ष जिसमें समय बृद्धि भी शामिल हो तथा वर्तमान सहयोग व्यवस्थाओं की समाप्ति की तिथि भी निदिष्ट कीजिए।

9. पिछले तीन वर्षों (वर्ष-वार) का समस्त वार्षिक व्यापार

10. मुख्य विनिर्मित उत्पाद :—

क्रम सं०	उत्पाद	अनुसूचित क्षमता	संस्थापित क्षमता	उत्पादन (पिछले तीन वर्षों में)		
1	2	3	4	5	6	7

11. फर्म द्वारा नियुक्त की गई कुल मानवशक्ति (जिसमें अनुसंधान एवं विकास इकाई भी शामिल है)

- (क) वैज्ञानिक एवं तकनीकी
- (ख) प्रशासक
- (ग) अन्य

परिशिष्ट 5छ—जारी

भाग (ख) अनुसंधान एवं विकास

1. प्रदान की गई मान्यता के ब्यौरे :—
 - (क) प्रारम्भ में प्रदान की गई मान्यता का वर्ष और उसकी वैधता अवधि
 - (ख) वर्तमान मान्यता पत्र सं० और उसकी वैधता अवधि
 - (ग) यदि कोई हो तो मान्यता में क्रम भंग
2. अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य
3. क्या अनुसंधान एवं विकास संस्थान पैक्टरीपरिसर के भीतर/बाहर धलंग बिल्डिंग में स्थापित है।
4. (क) क्या अनुसंधान एवं विकास कार्य उत्पादन/क्वासिटी नियंत्रण से असंग है
- (ख) क्या अनुसंधान एवं विकास खर्चों के लिए अलग सेबे रखे जाते हैं
- (ग) अनुसंधान एवं विकास एकक का लगभग न्यूनतम क्षेत्र
5. 2/3 वर्ष पहले जब मान्यता नवीकरण के लिए आवेदन किया गया था यदि उसमें कोई परिवर्तन हुआ हो
 - (क) व्यक्तियों की संख्या
 - (ख) न्यूनतम क्षेत्र
 - (ग) सुविधाएं
 - (घ) प्राप्त उपकरणों की सूची (कृपया प्राप्त किए गए उपकरणों की वर्षवार सूची में और उनकी लागत तथा स्रोत भी दर्शाएं)
6. (क) क्या आपने पूर्ण काल के लिए अनुसंधान एवं विकास निदेशक/प्रबंधक रखा हुआ है
 - (ख) नाम
 - (ग) योग्यता
 - (घ) पद पर नियुक्ति की तारीख
7. अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रम
 - (क) पूर्ण के आवेदन पत्र के अनुबंध 'क' में दर्शाए गए अनुसंधान एवं विकास परियोजना की वर्तमान स्थिति
 - (ख) पूर्ण के आवेदन पत्र के अनुबंध 'ख' में दर्शाए गए अनुसंधान एवं विकास परियोजना की वर्तमान स्थिति
8. पुनरीक्षा वर्ष के दौरान अनुसंधान एवं विकास उपलब्धियों के ब्यौरे (वर्ष वार उपलब्धियों की सूची में) :—
 - (क) नया उत्पाद विकास
 - (ख) नया संसाधन विकास
 - (ग) वर्तमान उत्पादन संसाधन में प्रगति
 - (घ) आयात प्रतिस्थापन (जिस भव में विकास हुआ हो उसकी और बचार्ई गई विदेशी मुद्रा का संकेत करें)
 - (ङ) अन्य (पत्र आदि का प्रकाशन)
9. गत तीन वर्षों के दौरान भारत में या विदेश में दाखिल किए गए पेटेंट

क्र० सं०	उत्पाद/प्रक्रिया	वैज्ञानिक नाम	वर्ष	पेटेंट सं०
1	2	3	4	5

10. क्या किसी भी नई प्रौद्योगिकी जिसका विकास किया गया है वह
 - (क) आपके द्वारा व्यापारिक बनाई गई है।

क्रम सं०	प्रौद्योगिकी	वर्ष
1	2	3

(ख) निर्यात किया गया है

क्रम सं०	प्रौद्योगिकी	वर्ष	जिसे निर्यात किया गया	
			पार्टी	देश
1	2	3	4	5

परिशिष्ट 5 ब—आरी

(ग) भारत में अन्य पार्टी को सेवा गया है।

क्रम सं०	प्रयोगिकी	वर्ष	पार्टी
1	2	3	4
11.	अगले तीन वर्षों में प्रस्तावित अनुसंधान एवं विकास परियोजनाएं (कृपया ध्वारा अनुसंध "ख" के प्रपत्र में दें)		
12.	अनुसंधान एवं विकास कार्य पर खर्च:— कृपया पिछले तीन वर्षों (वास्तविक) आगामी वर्ष (बजेटिड) और अगले तीन वर्षों के अनुमानित आंकड़े वर्ष वार, दीजिए		

	पिछले तीन वर्ष (वास्तविक)	आगामी वर्ष (बजेटिड)	अगले तीन वर्ष (अनुमानित)
	1	2	3
(क) पूंजी			
(ख) आवर्ती			
(ग) कुल			
(घ) ग के विदेशी मुद्रा के संघटक			
(1) पूंजी			
(2) आवर्ती			
कुल			

3. (क) कृपया वर्तमान वर्ष (जिसका बजट बना लिया गया है) के वर्ष वार आंकड़े प्रस्तुत करें और आगामी तीन वर्षों के लिए आकलनों का संकेत करें।

वर्ष	गत तीन वर्षों में			वर्तमान वर्ष (जिसका बजट बना लिया गया है)	आगामी तीन वर्ष (आकलित)		
	1982-83	1983-84	1984-85		1985-86	1986-87	1988-89
1	2	3	4	5	6	7	8
(क) पूँजी							
(ख) आवर्ती							
(ग) कुल							
(घ) (ग) के विदेशी मुद्रा के संघटक							
(1) पूँजी							
(2) आवर्ती							
कुल							

टिप्पणी:—उत्पादन से सम्बंध, गुण नियंत्रण, दुर्घटना शूटिंग, परीक्षण बाजार अनुसंधान और इसी प्रकार के अन्य क्रियाकलापों पर किये गए खर्च ऊपर दिये जाने वाले आंकड़ों में शामिल नहीं किये जायेंगे।

13. (ब) स्टाफ के वेतन सहित वर्ष वार अनुसंधान एवं विकास के कुल खर्चों का संकेत करें और उसीही पुनरीक्षा वर्ष के दौरान कुल व्यापार के प्रतिष्ठान के रूप में भी वर्णायें।

वर्ष	कुल अनुसंधान एवं विकास खर्च	वार्षिक व्यापार	%
1.			
2.			
3.			

14. कृपया पिछले तीन वर्षों के दौरान अनुसंधान एवं विकास खर्च पर प्राथमिक छूट, यदि कोई हो, तो गिबिष्ट करें

परिशिष्ट 5 छ-जारी

15. अनुसंधान एवं विकास कार्यपर नियुक्त किये गये व्यक्ति (वर्तमान)

श्रेणी	पूर्ण कालिक	अंशकालिक
	(संख्या)	(संख्या)
(क) वैज्ञानिक	_____	_____
(ख) इंजीनियर	_____	_____
(ग) तकनीशियन	_____	_____
(घ) धरा	_____	_____
कुल	_____	_____

(पूर्णकालिक)

(अंशकालिक)

16. अनुसंधान एवं विकास
कार्यको की वैदिक स्थिति
(वर्तमान)

- (क) विद्या वास्तविक स्थिति
(ख) स्नातकोत्तर शिक्षा
(ग) स्नातक शिक्षा
(घ) स्नातक से नीचे

जोड़

17. आगे की तरफ से नीचे की तरफ श्रेणी

श्रेणी

- (क) वैज्ञानिक
(ख) स्नातकोत्तर शिक्षा
(ग) स्नातक
(घ) स्नातक से नीचे

वर्ष

1 2 3 4

कुल

18. पिछले तीन वर्षों में दौरान क्या आपने एन० आर० डी० सी० या अन्य राष्ट्रीय प्रयोगशाला/विश्व विद्यालय/पार्षद आर्डी० टी०/अन्य संस्थाओं से किसी प्रकार की स्हापना/खरीददारी और जानकारी प्राप्त की है? कृपया वर्ष एवं स्रोत सहित ब्योरा दीजिए।

19. (क) क्या आपने ज्ञान प्राप्त किया है? हुए या प्रस्तावित अनुसंधान एवं विकास कार्य का कोई कार्य देश में किसी अन्य संस्था पर किया जा रहा है? यदि हाँ, तो कृपया ब्योरा प्रस्तुत करें।

19. (ख) क्या आपने अथवा अभिनियम 1961 की धारा 35(28) के अधीन विचार के लिए किसी कार्यक्रम के लिए आवेदन किया है। यदि किया हो तो कृपया कार्यक्रम के नाम, आवेदन पत्र की तारीख और कुल लागत सहित ब्योरे दें।

20. पुनरीक्षा कार्य के दौरान अनुसंधान एवं विकास प्रयोजनों के लिए प्रभावी किए गए आयतों के पूर्ण ब्योरे।

क. पूंजीगत माल

क्र० सं०	आयात का वर्ष	विवरण	लागत-बीमा भाड़ा मूल्य	कैसे उपयोग किया गया
1	2	3	4	5

ख. कच्चा माल

क्र० सं०	आयात का वर्ष	विवरण	लागत बीमा भाड़ा मूल्य	कैसे उपयोग किया गया
1	2	3	4	5

परिशिष्ट 5 छ—(जारी)

ग. अन्व

क्र० सं०	आयात का वर्ष	विवरण	लागत बीमा भाड़ा मूल्य	कैसे उपयोग किया गया
1	2	3	4	5

21. माध्यता को ध्यान में रखते हुए यदि आपकी फर्म को कोई लाभ प्राप्त हुआ हो तो उसका संकेत करें.....
22. अनुसंधान एवं विकास योजना के बारे में आप किसे किस्म का सुझाव देना चाहेंगे तो उसका संकेत करें.....
23. क्या आपने नईमेंप में नरीयना के निरूपणकार की अविमुचना के आधार पर औद्योगिक लाइसेंस के लिए आवेदन किया था ?
24. क्या आपने निवेश भत्ते की बढ़ि के लिए आवेदन किया था ?

प्रबंधक निदेशक के हस्ताक्षर
ओहवा :

दिनांक

स्थान

अनुबन्ध "क"

प्रगति में लगे हुए अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रमों/परियोजनाओं का ज्योरा

क्रम सं०	अनुसंधान एवं विकास परियोजना का नाम एवं क्षेत्र	परियोजना लोडर का नाम	किस वर्ष में आरम्भ किया गया	परियोजना को अवधि	निम्नलिखित के अन्तर्गत परियोजना की कुल अनुमानित लागत				अध्यक्षिता
					पूँजी	घाबर्ती	जोड़	विदेशी मुद्रा	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10

परिशिष्ट 5 ड (जारी)

अनुसूचक "ख"

प्रस्तावित अनुसंधान और विकास कार्य के व्योरे (अगले तीन वर्षों के लिए)

वर्ष	क्रम सं०	अनुसंधान एवं विकास परियोजना का नाम एवं क्षेत्र	प्रस्तावित परियोजना की शीर्षक का नाम	परियोजना की प्रकृति	परियोजना की कुल लागत			
					पूँजी	प्राथमिकी	कुल	विदेशी मुद्रा
1	2	3	4	5	6	7	8	9

जारी जाने वाले धपेकित
विशिष्ट उपस्कर की सूची
और उसके मुख्य का संकेत
करते हुए एक सूची

मुख्य सहित किसी भी अपेक्षित
विशिष्ट कच्चे मान की सूची

अभ्युक्ति (अनुसंधान एवं
विकास परियोजना प्रस्ता-
वित करने का यदि कोई
विशेष कारण है, तो
निर्दिष्ट करें)

10

11

12

क्रमशः

परिशिष्ट-6-अ

प्रपत्र-ब

आपात कालीन पुर्जों के लिए आयात आवेदन-पत्र

भाग 1

क. आवेदक के ब्यौरे:

1. आवेदक का नाम
2. पूरा डाक पता
3. कारखाने का पता
4. विनिर्मित सामान

ख. आवेदन-पत्र के ब्यौरे

1. बैंक रसीद/डिमांड ड्राफ्ट संख्या और तिथि (मूल बैंक रसीद/डिमांड ड्राफ्ट संलग्न किया जाना है।)
2. अतिरिक्त पुर्जों की सूची के साथ जिस मशीन के लिए अतिरिक्त पुर्जों की आवश्यकता है उसका ब्यौरा और आयात किए जाने वाले पुर्जों का लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य।
3. उस मशीनरी का मूल्य जिसके लिए फालतू पुर्जे अर्पणित हैं।
4. वह देश जहां से आवेदित फालतू पुर्जे आयात किए जाने हैं।
5. वह देश जिससे मूल उपस्कर आयात किया गया था।
6. जहां लदान ऐसे देश से प्रभावी किया जाना है जो उस देश से भिन्न है जहां माल उत्पन्न हुआ हो तो उसके कारणों का पूर्ण विवरण दिया जाना चाहिए।

ग. भेजी जाने वाली सामान्य जानकारी

1. क्या तकनीकी विकास महानिदेशालय की पुस्तकों में आपका नाम है, और यदि हां, तो तकनीकी विकास महानिदेशालय द्वारा आर्बिट्रल कारखाने की संख्या दर्शाए। (फोटो प्रति या साक्ष्यांकित प्रति संलग्न की जानी है)
2. संबंधित प्रायोजक प्राधिकारी द्वारा आर्बिट्रल पंजीकरण संख्या। (फोटो प्रति या साक्ष्यांकित प्रति संलग्न की जानी है)
3. आपात कालीन फालतू पुर्जों के लाइसेंस का मूल्य, यदि कोई प्राप्त किया हो या उसी मशीनरी के संबंध में पहले से ही उसी अवधि के दौरान आवेदन किया हो जिसके भीतर वर्तमान आवेदन-पत्र भेजा गया है।

4. संस्था की किस्म, क्या वह सार्वजनिक कम्पनी अथवा निजी कम्पनी, साझेदारी या हिन्दू अविभाजित परिवार संस्था है।
5. निदेशकों, साझेदारों, स्वामी अथवा कर्त्ता, जैसा भी मामला हो, के नाम।

6. शाखाओं अथवा संबंधित कंपनियों के ब्यौरे (नाम और स्थान) :

1. भारत में
2. विदेश में।

(1) मैं/हम एतद्द्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि यदि यह लाइसेंस मंजूर हो गया तो माल का उपयोग केवल हमारे कारखाने में ही होगा और उसका कोई भी भाग बेचा नहीं जाएगा अथवा किसी अन्य पार्टी द्वारा उसका उपयोग करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

(2) मैं/हम एतद् द्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि उपर्युक्त विवरण मेरी/हमारी जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है। मुझे/हमें पूर्णतया ज्ञात है कि भेजे गए विवरण में कोई बात गलत या असत्य पाई जाती है तो सरकार द्वारा लगाए जाने वाले जुर्माने अथवा मामले की परिस्थितियों को देखते हुए की जाने वाली कोई भी कार्रवाई करने के अतिरिक्त, रद्द किया जा सकता है।

हस्ताक्षर

नाम (साफ अक्षरों में)

पदनाम

पूरा निवास का पता

दिनांक

टिप्पणियां : (1) यह प्रपत्र वास्तविक उपयोक्ताओं द्वारा फालतू पुर्जों के आयात के लिए आयात लाइसेंस प्रदान करने वाले आवेदन-पत्रों के लिए बनाया गया है।

(2) इस प्रपत्र में दिए गए ब्यौरे के अतिरिक्त, आवेदन-पत्र के अर्पणित पत्र में फालतू पुर्जों के अतिशीघ्र आयात के लिए उचित औचित्य दिए जाने चाहिए।

(3) आवेदन-पत्र कम्पनी के मुख्य कार्यकारी जैसे अध्यक्ष/प्रबन्ध निदेशक/साझेदारों/साझेदारों के द्वारा हस्ताक्षरित होना चाहिए। आवेदन-पत्र और फालतू पुर्जों की सूची पर आवेदक के कार्यालय की मोहर होनी चाहिए।

(4) आपातकालीन पुर्जों के रूप में पंजीगत माल का आयात अनुमित नहीं है।

भाग-2

आयकर घोषणा

आयकर घोषणा के लिए प्रपत्र परिशिष्ट-2 में दिया गया है।

परिशिष्ट 7-क

प्रपत्र (घ)

महानिबन्धन, संभरण व निपटान/रखे/रखा संविदाओं के लिए आवेदनपत्र

1. आवेदक का नाम
 - (1) पूरा डाक का पत्ता
 - (2) राज्य का नाम
2. आवश्यक शुल्क का भुगतान दर्शाने वाली बैंक रसीद/डिमांड ड्राफ्ट की संख्या एवं दिनांक (मूल बैंक रसीद/डिमांड ड्राफ्ट संलग्न करना है)।
3. वह लाइसेंस अवधि जिसके संबंध में आवेदनपत्र दिया गया है।
4. आयात किए जाने वाले माल का विवरण।
5. आयात किए जाने वाले माल का लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य रूप में।
6. पोत लदान का देश।
7. जहां पोत लदान उस देश से होता है जो कि माल के उद्गम देश से भिन्न है, उसके कारणों का पूर्ण विवरण देना चाहिए।
8. भेजी जाने वाली सामान्य सूचना :—
 - (क) भारत में व्यापार स्थापना की तारीख
 - (ख) पार्टी का स्वरूप क्या है क्या वह सार्वजनिक, निजी अथवा साझीदार अथवा स्वामित्व हिन्दू अविभाजित परिवार है।
 - (ग) उनमें जो भी हैं संघातकों, साझीदारों, स्वामियों या कर्ताओं के नाम
 - (घ) शाखाओं अथवा संबंधित कम्पनियों (नाम और स्थिति) के नाम :—

(1) भारत में

(2) विदेश में

9. आवेदन पत्र के साथ संलग्नकों का पूर्ण विवरण (दस्तावेजों की प्रत्येक प्रति आवेदक द्वारा सत्य प्रतिलिपि के रूप में लिखी होनी चाहिए और नीचे हस्ताक्षर होने चाहिए)।

मैं/हम एतद्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि मेरी/हमारी जानकारी और विश्वास के अनुसार उपर्युक्त विवरण सत्य और सही है। मैं/हम अच्छी तरह समझता हूँ/समझते हैं कि यदि यह पाया गया कि विवरणपत्र में पिया गया कोई तथ्य गलत या झूठा है तो मामले की स्थिति को ध्यान में रखते हुए इस संबंध में सरकार द्वारा जो बंड दिया जाएगा उसके अतिरिक्त प्रस्तुत किए गए विवरण के आधार पर मुझको/हमको जारी किया गया कोई भी लाइसेंस उद्धृत किया जा सकता है।

हस्ताक्षर .

साफ अक्षरों में नाम -

पदनाम .

पूरा पता :

(1) सरकार

(2) निवास

दिनांक :

अपीक्षित दस्तावेज :—

- (1) आवेदन पत्र तीन प्रतियों में
- (2) आवेदन पत्र शुल्क के लिए आवश्यक धनराशि की बैंक रसीद/डिमांड ड्राफ्ट
- (3) आयकर घोषणा तीन प्रतियों में
- (4) आयात की जाने वाली मर्चों की सूची का सात प्रतियां
- (5) औद्योगिक लाइसेंस/पंजीकरण प्रमाण-पत्र

निवास स्थान का पता

भाग-2

आयकर घोषणा

आयकर घोषणा के नियम 1962 प्ररिशिष्ट-2 न में दिया गया है।

परिशिष्ट-3क

अपेक्ष—1

समाचार पत्रों/पत्रिकाओं के लिए अखबारी कागज के आवंटन के लिए आवेदन पत्र का प्रपत्र

भाग-1

1. आवेदक का नाम
2. समाचार पत्र/पत्रिका का नाम, अधि और भाषा का नाम
3. पूरा ठीक पता
4. (क) वह तिथि जिस से समाचार-पत्र/पत्रिका लगातार प्रकाशित होती है।
(ख) भारत के समाचार-पत्र बीजीयक द्वारा की गई पंजीकरण संख्या।
(ग) जिलाधीश के पास अद्यतन वाखिल किए गए बोधना पत्र की तिथि।
5. फर्म का दर्जा अर्थात् सार्वजनिक/निजी/स्वामित्व वाली आदि; और संचालकों/साक्षीदारों आदि के नाम
6. 12 मास के लिए अपेक्षित अखबारी कागज की मात्रा/मूल्य
7. (क) क्रमिक सुपूर्दगी की आवश्यकता
(ख) प्राधिकृत अधिकारी का नाम
8. जिन अखबारों/पत्रिकाओं का आवेदक मालिक है उनके नाम और अन्य व्यौर

आवर पत्रों का शीर्षक	भाषा और अधि	प्रकाशन का स्थान	क्या अखबारों कागज सरकार द्वारा प्राप्त किया जा रहा है
1	2	3	4
(1)			
(2)			
(3)			
(4)			

9. समाचार पत्र/पत्रिकाओं के लिए प्रति प्रकाशन दिन प्रसारण इत्यादि का विवरण :
(क) प्रस्तावित प्रकाशन की तिथि
(ख) मुद्रण के लिए प्रस्तावित प्रतियों की औसतन संख्या
(ग) पृष्ठों की औसतन संख्या
(घ) समाचार पत्र/पत्रिकाओं के एक पृष्ठ का औसतन क्षेत्र (वर्ग सेंटीमीटर में)
(ङ) प्रकाशन के दिनों की संख्या

(चमकीले, गर-चमकीले और नेपा को अलग-अलग निषिष्ट करें) ।

क्र.सं०	मात्रा टनों में	स्रोत	मूल्य (लागत-बीमा- भाड़ा) (रुपयों में)
1	2	3	4
1984-85 के दौरान की गई खपत			
1985-86 वर्ष के लिए आवश्यकता			

11. अंतिम लाइसेंस वर्ष जिसमें आर० एन० आई० के कार्यालय से अख्तयारी कागज ले लिया गया था।

(क) मशीन की किस्म (अर्थात् रोटरी/फ्लैट/सीटर-प्रेस)

(ख) अपेक्षित रीलों/शीटों का माप

बोधना

1. मैं/हम एतद्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि उपर्युक्त विवरण मेरे/हमारे ज्ञान और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है। मुझे/हमें भली-भाँति ज्ञात है कि यदि इस विवरण पत्र में दिया गया कोई भी विवरण या तथ्य गलत या झूठा पाया गया तो मामले की परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए सरकार जो अन्य ज़रूरतें लगाएगी या अन्य कार्रवाई करेगी उसके अतिरिक्त प्रस्तुत विवरण के आधार पर मुझे/हमें किया गया आबंटन रद्द किया जा सकता है।

2. मैं/हम घोषणा करता हूँ/करते हैं कि जब्तारी कागज, यदि जाबंदित किया गया तो इसका उपयोग उपयुक्त पत्र पर हमारे प्रेस/परिसर/स्थापनाओं में होगा।

3. मैं/हम यह भली-भाँति समझता हूँ/समझते हैं कि सरणीबद्ध मद्यों का कार्बटन आयात व्यापार नियंत्रण विनियमों के अधीन सरणीबद्ध एजेन्सी के माध्यम से किया जाता है और जिन शर्तों पर उपयोग के लिए ये मदें रिजर्व की जाती हैं उनका उल्लंघन करने पर संशोधित आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 के उपबन्धों और उसके अधीन जारी किए गए आदेशों के अन्तर्गत कार्रवाई की जाएगी।

4. मई/जुन में आयात नीति/आयात-निर्यात प्रक्रिया पुस्तक 1985-88 में निहित सम्बन्ध पुस्तकों को ध्यानपूर्वक नोट कर लिया है।

इस्ताकिर

साफ बक्षरों में नाम

[1] • [2] • [3] • [4] • [5] [6] [7] [8] [9]

कृष्णनाम् अ . इ . उ . ए . ओ . आ . ऐ . औ .

निवास स्थान का पूरा पता ५ ४ ७ ४५

[illegible]

विवांक

स्थान ५ ७ ८ ९ १० ११

भाग-2

आयकर घोषणा पत्र

आयकर जोषणापत्र के लिए प्रपत्र परिशिष्ट-2ग में दिया गया है।

परिशिष्ट 8-ब

समाचार-पत्र संस्थानों द्वारा आयोजित कच्चे माल आदि के उपयोग एवं स्थापन को रखने के लिये रजिस्टर

अवधौन	पावतियां			उपधौन			इतिधौन		
1 अग्रेन 19 ... को अवधौन	सर्वों का विस्तृत ग्रीस	माता/बाग- मीमा-भाड़ा मूल्य	पावती की तिथि	मायातिथि माता	बीजक सं० एवं विचारक	बाग-मीमा- भाड़ा-मूल्य	उपधौन की माता	आण, यदि कोई ही वो, माता ।	31-3-19 को लेव माता एवं माता मीमा-भाड़ा मूल्य
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)

परिशिष्ट-8 ग

प्रश्न ५

मान्यता प्राप्त बुड़शालाओं/अलग-अलग प्रजनकों द्वारा प्रजनन
उद्देश्यके लिए बोंडों की अभाव की लिए आवेदन-पत्र

भाग 1

(क) आवेदक का ज्वारा

1. आवेदक का नाम
2. पूरा डाक पता
3. बुड़शाला की स्थिति का पता
4. क्या बुड़शाला "भारतीय अन्न शाला पुस्तक" या कृषि मंत्रालय, भारत सरकार या दोनों रखने वाले और डब्ल्यू. आई. टी. सी. द्वारा मान्यताप्राप्त है और उसके पास पंजीकृत है; तो प्रत्येक पंजीकरण प्रमाण-पत्र की एक फोटोस्टेट प्रति साथ लगाई जानी है।

(ख) आवेदन-पत्र का ज्वारा

1. बैंक रसीद/डिमांड ड्राफ्ट की संख्या और दिनांक (रसीद/डिमांड ड्राफ्ट मूल रूप से संलग्न करना है)
2. जहां पोत लदान उस देश से होना है जो कि माल के उद्गम देश से भिन्न है, तो इसके कारणों का पूर्ण विवरण देना चाहिए।

(ग) सामान्य सूचना भेजी जाती है

1. भारत में व्यापार स्थापना की तिथि।
2. पार्टी का स्वरूप क्या है, क्या वह सार्वजनिक अथवा निजी अधवासाधिकारी अथवा स्वामित्व या हिन्दू अभिभाजित परिवार की फर्म है।
3. निवेशकों, स्वामी, साझादारों अथवा कर्ता, जैसा भी मामला हो, का नाम।
4. शाखाओं अथवा अनुषंगी कम्पनियों (नाम और स्थिति) का विवरण :—
 1. भारत में
 2. विदेश में
5. क्या आवेदक द्वारा इस आवेदन पत्र में दर्शाई गई मर्चा के लिए अथवा अन्य मर्चा के लिए अथवा किसी भी धोड़ी में एक ही अवधि के लिए, पहले कोई आवेदन पत्र भेजा गया है? यदि हां, तो विवरण दें।
6. कालम 4 में दर्शाई गई शाखाओं अथवा अनुषंगी कम्पनियों अथवा कालम 3 में दर्शाए गए किसी भी सज्जन ने इस आवेदन पत्र में दर्शाए गए माल के आयात के लिए क्या किसी आयात लाइसेंस के लिए

भाग 2

(प्राथमिक प्राधिकारी और लाइसेंस प्राधिकारी के उपयोग के लिए, आवेदक द्वारा भरा जाना है)

1. बोंडों की किस उद्देश्य के लिए आवश्यकता है
2. बुड़शाला का कुल क्षेत्रफल
3. परगाहों के अन्तर्गत क्षेत्र
4. ज़ताई के अन्तर्गत क्षेत्र (विभिन्न फसलों के अन्तर्गत क्षेत्रफल)
5. भवनों के अन्तर्गत क्षेत्रफल (भवनों का विवरण दिया जाए)
6. प्रजनन बुड़शाला में उपलब्ध पशुओं की संख्या

पशुओं का विवरण	बुड़शाला की सम्पत्ति प्रायः भारतीय उत्पन्न	दूसरों से संबंधित सम्पत्ति प्रायः भारतीय उत्पन्न	मासिक का नाम और पता
1	2	3	4

(क) सांड

(ख) बच्चे प्रजनन करने वाली घोड़ी

(ग) एक से दो वर्ष के बच्चे

(घ) बछड़ी

(ङ) बछड़ा

(च) छोटी बछड़ी

योग

7. बुड़शाला में पशु और भूमि का अनुपात क्या है?
8. पिछले तीन वित्तीय वर्षों के दौरान उत्पादन होने वाले बोंडों की वार्षिक संख्या
9. साल वित्तीय वर्ष के दौरान वार्षिक उत्पादन
10. साल वित्तीय वर्ष में अनुमानित उत्पाद
11. गत तीन वर्षों के दौरान बचे गए बोंडों का कुल मूल्य और संख्या (वर्षवार आंकड़े दें)।

12. आयात किए जाने वाले पशुओं का विवरण:

श्रेणी	पशुओं की सं०	लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य (रुपए) आयात किया गया है	किस देश से	टिप्पणी
1	2	3	4	5

13. जारी किए गए लाइसेंसों/सीमाशुल्क निकासी परमिटों और गत पांच वर्षों के दौरान किए गए आयात के ब्यौरे।

लाइसेंस धारक	जारी किए गए लाइसेंस/सीमा-शुल्क निकासी परमिट की संख्या दिनांक एवं मूल्य	आयातित पशुओं का लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य और आयात की शर्तें	पशुओं का विवरण
1	2	3	4
वह देश जहाँ से आयात किया गया है	आयु	क्या आयातित पशु घुड़शाला में बूढ़ हो चुके हैं यदि हाँ, तो धारक का विवरण दे	व्यक्तियों
5	6	7	8

14. क्या आयातित पशुओं ने दौड़ में भाग लिया है, यदि हाँ, तो उनसे जीते हुए धन के साथ विवरण दें।

15. क्या घुड़शाला अथवा आयात किए जाने वाले प्रजनन स्टाक में किसी अन्य व्यक्ति का कोई वित्तीय लाभ है, यदि हाँ, तो विवरण दें।

16. वह स्थान जहाँ पर आयातित स्टाक जिसके लिए अब आवेदन किया है, रखा जाएगा। स्टाक की स्थिति में मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात की लिखित अनुमति के बिना कोई भी परिवर्तन नहीं होगा।

17. क्या पहले आयातित घोड़ों का रिकार्ड रखा जा रहा है।

घोषणा

(1) मैं/हम एतद् द्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि यदि लाइसेंस प्रदान किया गया तो घोड़ों का उपयोग

उसी उद्देश्य के लिए किया जाएगा जिसके लिए उनका आयात किया गया है और किसी भी दशा में पशुओं को बेचा नहीं जाएगा अथवा अन्य किसी पार्टी द्वारा उपयोग में लाने के लिए अनुमति नहीं दी जाएगी।

(2) मैं/हम एतद् द्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि उपर्युक्त विवरण मेरी/हमारी जानकारी और विश्वास के अनुसार ठीक है।

(3) मुझे/हमें भली-भाँति ज्ञात है कि यदि यह पाया गया कि प्रस्तुत किए गए विवरण पत्र में कोई तथ्य गलत या झूठा है तो मामले की परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए सरकार जो ज़रूरी लगाएगी या अन्य कार्रवाई करेगी उसके अतिरिक्त प्रस्तुत विवरणपत्र के आधार पर मुझे/हमें जारी किया गया लाइसेंस रद्द किया जा सकता है।

(4) मैं/हम एतद्द्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि मुझे/हमें राज्य के पशुपालन विभाग अथवा भारत सरकार के किसी भी अधिकारी द्वारा मेरे/हमारे फार्म का निरीक्षण करने में कोई आपत्ति नहीं होगी।

हस्ताक्षर
साफ अक्षरों में नाम
पदनाम
निवास स्थान
का पूरा पता

दिनांक

यह प्रमाणित किया जाता है कि आवेदक द्वारा दिए गए विवरण का सत्यापन किया गया और सही पाया गया है। आवेदित किए गए घोड़ों के आयात की एतद्-द्वारा सिफारिश की जाती है।

हस्ताक्षर
साफ अक्षरों में नाम
पदनाम

निवेशक, पशु पालन एवं पशु चिकित्सा सेवाएँ

भाग 3

आयकर घोषणा प्रपत्र

आयकर घोषणा के लिए प्रपत्र परिशिष्ट 2-ण में दिया गया है।

अपेक्षित दस्तावेज :—

- (1) आवेदन-पत्र तीन प्रतियों में
- (2) आवेदन-पत्र शुल्क की अपेक्षित धनराशि के लिए बैंक रसीद/डिमाण्ड ड्राफ्ट
- (3) आयकर घोषणापत्र तीन प्रतियों में।

परिशिष्ट-8घ

प्रपत्र-ब

चिकित्सा महाविद्यालयों सहित अस्पतालों/शिक्षा संस्थाओं
द्वारा माल के आयात के लिए आवेदन-पत्र का प्रपत्र।

भाग-1

(लाइसेंस कार्यालय में उपयोग के लिए आवेदक द्वारा भरा जाना है)

क. आवेदक के ब्यारे

1. अस्पताल/शिक्षण संस्थान का नाम
2. डाक का पूरा पता :—
 - (1) मकान/दुकान की सं.
 - (2) गली/सड़क का नाम
 - (3) स्थान और शहर का नाम
 - (4) राज्य का नाम
3. तार का पता।

ख. आवेदन पत्र के ब्यारे

1. बैंक रसीद/डिमांड ड्राफ्ट संख्या और दिनांक (बैंक रसीद/डिमांड ड्राफ्ट की मूल प्रति संलग्न की जानी है)।
2. प्रबन्ध किए गए हस्पताल/शिक्षण संस्थान।
3. जिस देश में माल बना हुआ है यदि उससे भिन्न किसी दूसरे देश से माल का पोतलदान किया जाना है तो उसके कारणों का पूर्ण विवरण दिया जाना चाहिए।

ग. भेजी जानै वाली सामान्य सूचना

1. स्थापना की तिथि।
2. क्या अस्पताल/शिक्षण संस्थान का प्रबन्ध सरकार अथवा किसी निगम/नगरपालिका आदि या वान-शील संस्था (नाम दिया जाना है) द्वारा किया जाता है : यदि सरकार द्वारा प्रबन्ध किया जाता है तो क्या इसका प्रबन्ध केन्द्रीय अथवा राज्य सरकार द्वारा किया जाता है।
3. वार्ड की संख्या और प्रत्येक वार्ड में बिस्तरों की संख्या।

4. अनुदानों का ब्यौरा, यदि कोई केन्द्रीय या राज्य सरकार या किसी अन्य निकाय से प्राप्त की गई हो (नाम दिया जाना है)।
5. आवेदक के पास उपलब्ध मुख्य उपस्कर और उपकरण की सूची (सूधियां संलग्न की जाएं)।
6. क्या आयात किया जाने वाला प्रस्तावित उपस्कर नया, पूर्ण अथवा एक मुख्य प्रतिस्थापक है।
7. विभाग/पाठ्यक्रम/विषय आदि या अन्य प्रयोजन, यदि कोई हो, जिसके लिए आवेदन-पत्र के अन्तर्गत आने वाले स्टोर की जरूरत है।
8. नामावली में विद्यार्थियों की संख्या।
9. संचालित स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम।
10. प्रत्येक स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों की संख्या।
11. अनुसंधान कार्य करने वाले नामांकित विद्यार्थियों की संख्या।
12. वह विषय जिस पर अनुसंधान हो रहा है।
13. आवेदन-पत्र के साथ संलग्नकों के ब्यारे (दस्तावेज की प्रत्येक प्रति पर सत्यप्रति का चिह्न होना चाहिए और आवेदक द्वारा नीचे हस्ताक्षर होने चाहिए)।

भाग-2

(प्रायोक्क प्राधिकारी और लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा उपयोग में लाने के लिए आवेदक द्वारा भरा जाना है।)

1. आयात किए जाने वाले प्रस्तावित उपस्कर का औचित्य और आवश्यकता तथा जिस कार्य के लिए उपस्कर का उपयोग किया जाना है उसकी किस्म।
2. यदि उपलब्ध हो तो इसी प्रकार के विद्यमान उपस्कर का ब्यौरा, उसकी क्षरीद, मूल्य और वर्तमान दशा के ब्यारे का संकेत करें।

3. आयात किए जाने वाले माल का ब्यौरा :—

आई० टी० सी० क्रम सं०	मद	मात्रा/संख्या	मूल्य (सागत-बीमा-भाड़ा)
-------------------------	----	---------------	----------------------------

4. पिछली तीन लाइसेंस अवधियों में प्राप्त किए गए आयात लाइसेंसों का ब्यौरा :—

लाइसेंस अवधि	लाइसेंस सं० और दिनांक	सागत-बीमा] भाड़ा-मूल्य	माल का ब्यौरा]	किया गया आयात और उस का उपयोग
1.				
2.				
3.				

1. मैं/हम एतद्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि यदि यह लाइसेंस प्रदान किया गया तो माल केवल मेरे/हमारे अस्प-तालों/शिक्षा संस्थानों में उपयोग में लाया जाएगा और उसका कोई भी भाग बेचा नहीं जाएगा अथवा किसी अन्य पार्टी द्वारा उपयोग में लाने के लिए अनुमति नहीं दी जाएगी।

2. मैं/हम एतद्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि जहाँ तक मुझे/हमें जानकारी और विश्वास है उपर्युक्त विवरण सत्य और सही है।

3. मुझे/हमें पूर्णतया ज्ञात है कि प्रस्तुत किए गए विवरण में यदि यह पाया गया कि कोई भी विवरण या तथ्य गलत या असत्य है तो मुझे/हमें प्रदान किया गया कोई भी लाइसेंस दिए गए विवरण के आधार पर किसी भी अन्य जमाने जिसे सरकार लगा सकती है अथवा मामले की परिस्थितियों को देखते हुए किसी भी की जाने वाली कार्रवाई के अतिरिक्त उसे रद्द किया जा सकता है।

हस्ताक्षर

साफ साफ अक्षरों में नाम

पद नाम

स्थान

निवास स्थान का पूरा पता

भाग 3

(प्रायोजक प्राधिकारी द्वारा दो प्रतियों में भरा जाना है)

1. सिफारिश किए गए माल का ब्यौरा:—

क्रम सं०	सिफारिश किए गए माल का पूर्ण ब्यौरा	आवेदक के पास पहले ही इसी प्रकार का माल है या नहीं
(1)		
(2)		
(3)		

2. क्या महानिदेशक तकनीकी विकास से निकासी प्राप्त कर ले गई है। (महानिदेशक, तकनीकी विकास के सन्दर्भ की सं. और दिनांक दिया जाना है)।

3. उन मदों के मामले में जिनका आयात राज्य व्यापार निगम द्वारा किया जा रहा है, क्या राज्य व्यापार निगम ने माल का संभरण करने में असमर्थता प्रकट की है। (उनके पत्र की सं. और दिनांक दिया जाना है)।

प्रायोजक प्राधिकारी के हस्ताक्षर

.....

टिप्पणी :—प्रायोजक प्राधिकारी को यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि:—

(1) आवेदन-पत्र की अभिशंसा करने से पूर्व महानिदेशक, तकनीकी विकास से देसी निकासी प्राप्त हो गई है। स्वदेशी निकासी प्राप्त करते समय मशीन का पूर्ण विवरण और पत्र अथवा अन्य साहित्य, यदि वह आवश्यक हो, तो महानिदेशक तकनीकी विकास, नई दिल्ली को भेजे जाने चाहिए।

(2) आवेदन-पत्र के सभी कालम आवेदक द्वारा सही तरीके से भर दिए गए हैं, अपूर्ण आवेदन-पत्र की अभिशंसा नहीं की जाए।

संलग्नकों की सूची

परीशिष्ट-8B

प्रपत्र-8

कार्यालय मशीन के लिए आवेदन-पत्र

लाइसेन्स अवधि -----

भाग-1

1. आवेदक का नाम
2. पूरा डाक पता
3. (क) प्रायोजक प्राधिकारी द्वारा आवंटित पंजीकरण संख्या या औद्योगिक लाइसेन्स की संख्या एवं दिनांक।

(ख) एकक की स्थापना की तिथि।

4. विनिर्मित वस्तुएं/वह कार्यकलाप जिसमें वे लगे हुए हैं उनके ब्यौरे।
5. आवेदित लाइसेन्स का लागत-सीमा-भाड़ा मूल्य।
6. वह मदें जिनके लिए लाइसेन्स/सीमा शुल्क निकासी परमिट अपेक्षित हैं।
7. आवेदन पत्र के साथ जैसा भी मामला हो मूल रूप में संलग्न की जाने वाली बैंक रसीद/डिमाण्ड ड्रफ्ट की संख्या एवं दिनांक।
8. उसी किस्म की मशीनों की अलग-अलग संख्या
 - (क) जो उनके पास पहले से उपलब्ध हों, दोनों देशी विनिर्मित और बाहर से आयातित।
 - (ख) आयात के लिए औचित्य।
9. (क) प्रतिष्ठान की किस्म, क्या वह सार्वजनिक कम्पनी या प्राइवेट कम्पनी, साझेदारी या हिन्दू अविभाजित परिवार प्रतिष्ठान/संस्थान/बैंक आदि है।
 - (ख) जैसा भी मामला हो, निवेशकों, साझेदार, स्वामी या कर्ता के नाम।
 - (ग) शाखाओं या सम्बन्ध कम्पनियों का विवरण। (नाम और स्थान)
 - (1) भारत में
 - (2) विदेश में

10. उपहार के मामले में कृपया सूचित करें :—

- (1) आवेदक का उपहारकर्ता से रिश्ता।
- (2) उपहार के लिए अवसर।

- (3) उपहारकर्ता का नाम, पता और व्यवसाय विवरण में।
- (4) उपहारकर्ता की राष्ट्रकता।
- (5) उपहारकर्ता की विदेश में ठहरने की अवधि।
- (6) बीमे और भाड़े के लिए क्या विदेशी मुद्रा की आवश्यकता है।
- (7) वर्ष के दौरान आवेदक द्वारा प्राप्त किए गए उपहार का मूल्य और वर्तमान वित्तीय वर्ष के दौरान जारी किए गए/आवेदन किए गए सीमा शुल्क निकासी परमिटों का विवरण।

11. संस्थान के मामले में कृपया निम्नलिखित जानकारी दें :—

- (क) क्या संस्थान को सीमा शुल्क कर की अवायगी से छूट है, यदि हां तो, उस अधिसूचना का ब्यौरा दें जिसके अधीन छूट दी गई है।

मैं/हम एतद्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि मेरी/हमारी जानकारी और विश्वास के अनुसार उपर्युक्त विवरण सत्य और सही है। मैं/हम अच्छी तरह से समझता हूँ/समझते हैं कि यदि यह पाया गया कि प्रस्तुत किए गए विवरण में कोई विवरण या तथ्य गलत या झूठा है तो उसके आधार पर मुझको/हमको प्रेषित किया गया कोई भी सीमा शुल्क निकासी परमिट/लाइसेन्स सरकार द्वारा लागू किए गए किसी अन्य ज़रूरी अथवा इस मामले की स्थिति को ध्यान में रखते हुए की गई कोई अन्य कार्रवाई के अतिरिक्त रद्द किया जा सकता है या अप्रभावी किया जा सकता है।

हस्ताक्षर

साफ-साफ अक्षरों में नाम

पदनाम

निवास स्थान का पता

दिनांक

स्थान

टिप्पणी:—जिन मशीनों के लिए आयात लाइसेन्स प्राप्त किए जा चुके हैं या उसी लाइसेन्स अवधि के दौरान आयात आवेदन-पत्र दिया गया हो, उन मशीनों की मात्रा और मूल्य को दर्शाते हुए नियतकालीन एक घोषणा-पत्र देना चाहिए।

भाग 2

आयकर घोषणा

आयकर घोषणा के लिए प्रपत्र परीशिष्ट 2-ग में दिया गया है।

परीक्षण-88

परामर्शदात्री, डिजाइन बनाने वाली और इन्जीनियरी फर्मों द्वारा भेजे जाने वाली अतिरिक्त सूचना/वस्तावों के लिए प्रपत्र

(क)

(ख)

1. आवेदक का नाम

2. उस परियोजना प्राधिकारी का नाम जिसने संविदा दी है।

3. उस परियोजना का नाम, जिसके लिए आयामित उपकरण चाहिए।

4. संविदा के अनुसार निर्दिष्ट कार्य।

5. संविदा के क्रियान्वयन हेतु आयात की जाने वाली मर्च

6. आयात की जाने वाली मर्चों का लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य (रुपये और विदेशी मुद्राओं दोनों में)

7. आयात का देश

8. देशी मात्रा (लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य)

9. संविदा का कुल मूल्य (देशी उपकरण, सेवा खर्चों आदि के मूल्य सहित)

(परियोजना प्राधिकारी द्वारा प्रस्तुत किया जाना है)

1. उस परियोजना की अनुमानित लागत जिसके लिए संविदा दी गई है।

2. संगत परियोजना के लिए सरकार द्वारा यथा अनु-मोदित परियोजना प्राक्कलनों में संकीर्णक विदेशी मुद्रा की कुल धनराशि।

3. क्या आयात के लिए अपेक्षित मर्च परियोजना प्राक्कलनों में संकीर्णक है और क्या यह उस में उल्लिखित है कि इन मर्चों का आयात करना आवश्यक है।

4. क्या माल का आयात, संयंत्र (परियोजना) की प्रारम्भिक स्थापना के लिए या वर्तमान संबंध के विस्तार के लिए किया जा रहा है?

5. क्या परियोजना प्राधिकारी ने यह सिफारिश की है कि माल की सूची आयात-निर्यात-प्रक्रिया पुस्तक, 1985-88 के अनुसार सीमा शुल्क दर सूची अधिनियम, 1975 (1975 का 51) के खण्ड 16 की शीर्षक सं. 84-66 के अन्तर्गत शुल्क की रियायती दर का लाभ उठाने के लिए "परियोजना आयात" के रूप में पृष्ठांकित की जानी है?

स्थान

दिनांक

स्थान

दिनांक

हस्ताक्षर

नाम साफ अक्षरों में

.

.

पदनाम

.

घर का पूरा पता

.

.

हस्ताक्षर

नाम साफ अक्षरों में

.

पदनाम

.

घर का पूरा पता

.

.

सहस्रकों की सूची

पाराशष्ट—9क

कारों और अन्य वाहनों का आयात

1. कारों एवं वाहनों के आयात के लिए नीति, आयात एवं निर्यात नीति (खण्ड-1), 1985-88 के अध्याय 15 में दर्शाई गई है।

क्रियाविधि

2. आयात लाइसेंस/सीमा शुल्क निकासी परमिट के लिए आवेदन पत्र अनुबन्ध में दिए गए प्रपत्र में मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली को भेजने चाहिए और इसके साथ निर्धारित आवेदन शुल्क की अदायगी का वाउचर अर्थात् 500/- रुपये आवेदित मूल्यों को ध्यान में न रखते हुए भेजना चाहिए।

लागू होने वाली शर्तें

3. वाहन के भारत में पहुँचने के बाद उसे केवल लाइसेंस-धारक के नाम में पंजीकृत कराना चाहिए।

4. पतन पर निकासी से पूर्व, लाइसेंसधारी भारत के राष्ट्रपति के नाम में वाहन के लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य के लिए गणना की गई सीमा शुल्क धनराशि के बराबर के लिए स्थानीय लाइसेंस प्राधिकारियों के पास निर्धारित प्रपत्र में एक बांड का निष्पादन करेगा, जिसमें आयात लाइसेंस/सीमा शुल्क निकासी परमिट के लिए लागू शर्तों को पूरा करने के लिए वचन दिया जाएगा और उस बांड के साथ अनुसूचित बैंक की गारन्टी भी होगी। इसके बदले में, वह 'बिक्री बन्द' अवधि की मद्द्दा के लिए उपर्युक्त वाहन को रहन रखने के मद्द्दा वाहन के लागत बीमा-भाड़ा मूल्य की गणना की गई सीमा शुल्क के लिए अनुसूचित बैंक द्वारा जमानत प्रस्तुत कर सकता है। लेकिन, शारीरिक रूप से विकलांग लाइसेंसधारी के मामले में उसकी इस घोषणा पर कानूनी समझौता स्वीकार किया जा सकता है कि वह वित्तीय रूप से बैंक की गारन्टी/जमानत देने में समर्थ नहीं है। प्रारम्भ में, बांड/जमानत/कानूनी समझौता 6 वर्ष के लिए वैध होना चाहिए, किन्तु लाइसेंस/सीमा-शुल्क निकासी परमिट के धारक को इसकी अवधि वृद्धि या पुनर्विधकरण के लिए प्रारम्भिक अवधि की समाप्ति से 6 महीने पहले ऐसे समय तक के लिए बढ़ा दिया या नवीकृत किया जाएगा, जिसे लाइसेंस प्राधिकारी आवश्यक समझे (लाइसेंस प्राधिकारी व्यक्तिगत आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बांड प्रपत्र में उपयुक्त आशोधन कर सकते हैं)।

5. लाइसेंसधारी नीचे दर्शाई गई 'बिक्री बन्द' की अवधि (अवधियों) के भीतर लाइसेंस प्राधिकारी की पूर्व लिखित अनुमति के बिना वाहन के स्वामित्व या कब्जे का हस्तान्तरण नहीं करेगा। यदि हस्तान्तरण अनुमति किया जाता है तो वह ऐसी कीमत और नियम एवं अन्य शर्तों के अधीन होगा जो हस्तांतरी/स्वीकृत समय आदि के अनुकूल हों जैसा कि लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा विशिष्टकृत किया जाए:—

- (i) श्रेणियाँ (क, ख) 'बिक्री बन्द' अवधि आयातक द्वारा खरीद की तिथि से 5 वर्ष की अवधि तक या आयात की तारीख से 2 वर्षों तक, इन में जो अवधि बाद में हो, उस

तक होगी।

- (ii) श्रेणियाँ (छ, झ, व, ट, ठ)

से पांच वर्ष तक बिक्री बन्द होगी।

- (iii) श्रेणियाँ (ग, घ, एवं ङ)

आयातक के भारत छोड़ने पर वाहन का पुनः निर्यात किया जाएगा किंतु इसमें एक बार 3 मास तक की लघु विदेशी यात्रा शामिल नहीं होगी। सम्बद्ध लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा आयातक को नीचे की कड़िका 7 में निर्हित शर्तों के अधीन अन्य पात्र विदेशी राष्ट्रों को भारत में वाहन बेचने के लिए भी अनुमति दी जा सकती है या किसी अन्य व्यक्ति/अभिकरण को भी ऐसी शर्तों के अधीन और अन्य शर्तों जैसे हस्तांतरी, कीमत आदि जो लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा निर्धारित की जाएं।

- (iv) श्रेणी-च : (क) किसी भी समय कार बेची नहीं जाएगी या अन्यथा रूप से निपटाई नहीं जाएगी या उसका स्वामित्व किसी को दिया नहीं जाएगा या बंधक, रहन या गिरवी नहीं रखी जाएगी। लेकिन, विशेष परिस्थितियों में और वैध कारणों से और यथानिर्धारित शर्तों के अधीन निवेदन करने पर नियंत्रक, आयात-निर्यात इस शर्त में ढील दे सकते हैं।।

- (ख) लाइसेंसधारी को आयात करने की तिथि से 6 मास के भीतर अपना डाइविंग लाइसेंस उस लाइसेंस प्राधिकारी को देना चाहिए जिसके पास बिक्री बन्द बांड निष्पादित किया हो।

- (ग) ये शर्तें उन सभी मामलों में भी लागू होंगी जिनमें आयात लाइसेंस पहले से ही जारी कर दिए गए हों परन्तु सम्बद्ध लाइसेंस प्राधिकारी ने बांड अभी स्वीकार नहीं किया है।

- (v) श्रेणी-ज

(क) कार विदेशी सहयोगकर्ताओं के कारण रोक रखी जाएगी और मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली की पूर्व लिखित अनुमति के बिना

अधीन किसी भी समय कार को न तो बेचा जाएगा या न अन्यथा रूप से निपटाया जाएगा, बन्धक रखा जाएगा, गिरवी रखा जाएगा या रहन रखा जाएगा। लेकिन, मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात आयात की तिथि से दस वर्ष बीत जाने के बाद आयातित कार को बिक्री के लिए आवेदन पर विचार कर सकते हैं। ऐसे मामलों में, बिक्री के लिए कार, पहले भारतीय राज्य व्यापार निगम को प्रस्तुत करनी होगी।

(ख) ये शर्तें उन मामलों में भी लागू होंगी जहां आयात आवेदनपत्र पहले ही जारी किया जा चुका हो लेकिन सम्बद्ध लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा बांड अभी स्वीकार नहीं किया गया हो।

6. श्रेणी (क) और (ख) के लाइसेंसधारी एक वर्ष से अधिक की अवधि के लिए विदेश यात्रा पर जाते समय भारत में वाहन को नहीं छोड़ेंगे। ऐसी अनुपस्थिति में, किसी भी हालत में उस अवधि के दौरान वाहन केवल परिवार के किसी और सदस्य की सुरक्षा में छोड़ना चाहिए और किसी गैर के पास नहीं। यदि लाइसेंस धारक को विदेश में एक वर्ष से अधिक अवधि के लिए जाना पड़ता है तो उसे अधिक अवधि के लिए ठहरने के कारण बताते हुए और वापस लौटने की प्रस्तावित तिथि का हवाला देते हुए उस लाइसेंस प्राधिकारी को उस की सूचना पावती पंजीकृत डाक से देनी चाहिए जिस के पास बांड निष्पादित किया गया था।

7. एक वर्ष से अधिक विदेश में ठहरने की अवधि के लिए, लाइसेंसधारी ऐसी अधिक ठहरने की अवधि के लिए बांड की अवधि को तभी बढ़ा सकता है जब कि उसे ऐसा करने के लिए लाइसेंस प्राधिकारियों से छूट प्राप्त हो जाए। विदेश में ठहरने की कुल अवधि यदि दो वर्ष से अधिक हो जाने की संभावना है, तो सभी मामलों में लाइसेंस प्राधिकारी की पूर्व लिखित अनुमति प्राप्त करनी अनिवार्य होगी। ऐसा न करने पर आयातित वाहन को जब्त भी किया जा सकता है।

8. लाइसेंसधारी को यह खली छूट होगी कि वह सदा के लिए देश को छोड़ते समय वाहन को पुनःनिर्यात कर सकता है, किन्तु उसे इसके लिए पहले से ही लाइसेंस प्राधिकारी को सूचित कर देना चाहिए।

9. लेकिन, विदेशी राष्ट्रक लाइसेंसधारी को यह छूट होगी कि वह वाहन को भारत में अन्य विदेशी राष्ट्रक को बेच सकता है बशर्ते कि (क) लागू नीति के अधीन क्रेता स्वयं उसके आयात के लिए पात्र है, (ख) किसी भी ढंग से भारत से प्रेषण को शामिल किए बिना क्रेता ने अपने निजी फण्ड में से विदेश में उसका मूल्य और खर्च का भुगतान कर दिया हो, (ग) क्रेता उन शर्तों का पालन करने के लिए वचनबद्ध हो जिनके अधीन आयात की अनुमति दी गई थी और (घ) लाइसेंस प्राधिकारी की संतुष्टि के लिए इन जरूरतों को पूरा करने के लिए क्रेता बैंक गारंटी सहित बाण्ड को पूरा करता हो।

10. पत्तन पर वाहन की निकामी करने और बांड निष्पादित करने के पश्चात्, लाइसेंसधारी वाहन को उतारने के पत्तन पर भारत में अपने (अभिप्रेत) नियमित पते की सूचना लाइसेंस प्राधिकारी को तत्काल ही देगा, अर्थात् जहां कार रखी जाएगी और उपयोग की जाएगी। तब उसके मामले से सम्बन्धित बांड और अन्य कागजात उस लाइसेंस प्राधिकारी को हस्तांतरित किए जाएंगे जिनके क्षेत्राधिकार में उपर्युक्त पता पड़ता है। उसके बाद सभी आगामी पत्राचार केवल परवर्ती प्राधिकारी के साथ होने चाहिए और इस नीति के अंतर्गत अधिकार और आभार का उपयोग उसके द्वारा किया जाएगा।

11. लाइसेंसधारी को मांगे जाने पर मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात या लाइसेंस प्राधिकारी या मोटर वाहन अधिनियम, पुलिस या आयात नियंत्रण से सम्बद्ध अन्य सरकारी प्राधिकारी (केन्द्र या राज्य को यह सिद्ध करने के लिए साक्ष्य प्रस्तुत करने चाहिए कि बाण्ड की अवधि के दौरान वाहन उसके स्वामित्व और अधिकार में रहा है।

12. जिन व्यक्तियों को वाहन का स्वामित्व दिया गया हो या जो इस नीति के अधीन आयातित वाहन की खरीद की बातचीत कर रहे हों, उन्हें अपने हित के लिए, इस बात का सन्निश्चय कर लेना चाहिए कि वे ऐसा करने के लिए स्वयं स्वतन्त्र हैं अर्थात् नीति और सम्बद्ध बाण्ड की शर्तों के अनुसार वाहन उनके अधिकार या स्वामित्व में हो सकता है। ऐसा करने के लिए, प्रमाण का दायित्व उनके ऊपर ही होगा। इस नीति के अधीन अप्राधिकृत व्यक्तियों के अधिकार में पाए गए वाहन बिना किसी शर्त के जब्त कर लिए जाएंगे।

13. उपर्युक्त प्रावधानों के अधीन न आने वाले आवेदन-पत्रों पर तदर्थ आधार पर, गुण दोष को सामने रखते हुए मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली द्वारा विचार किया जा सकता है।

14. ऊपर निर्धारित किए गए किसी भी प्रावधान को ध्यान में रखते हुए, मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात यदि वाहन के आयात के औचित्य से संतुष्ट नहीं होता है तो आवेदन पत्र को रद्द कर सकता है।

परिशिष्ट—9 का अनुबन्ध-1

[क, ख, ग, घ, ङ एवं च श्रेणियों के लिए आवेदन-पत्र का प्रपत्र]

(1) मदा के लिए भारत लौटने वाले भारतीय राष्ट्रक (2) भारतीय राष्ट्रकों से विवाहित औरतें (भारतीय मूल के व्यक्तियों को शामिल करते हुए) (3) अन्य विदेशी राष्ट्रक, और (4) शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्ति

1. आवेदक का नाम।

2. राष्ट्रियता

3. पदनाम/व्यावसायिक स्थिति

4. विदेश का पूरा पता।

5. भारत का पूरा पता।

6. विदेश जाने का उद्देश्य और वहां ठहरने की अवधि (भारत को वापस आने वाले भारतीय राष्ट्रकों के लिए ही लागू)।

परिशिष्ट—9क का अनुबंध-1

7. भारत छोड़ने और वापस आने की प्रस्तावित तिथि।
 8. भारत में ठहरने की सम्भावित अवधि।
 9. वाहन का मोक और माडल तथा लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य।
 10. पोतलवान का देश।
 11. खरीद/पंजीकरण की तिथि और स्वामित्व की अवधि।
 12. यदि कार का पहले ही आयात हुआ है तो बताएं कि कार/वाहन को ट्रिपटार्क/कारनेट डी-पैसेज के अन्तर्गत भारत में लाया गया है और यदि हां, तो आयात किए जाने की तिथि और संख्या और कारनेट की वैधता का उल्लेख करें (कारनेट की फोटोस्टेट प्रति संलग्न की जाए)।
 13. वाहन खरीदने के लिए विदेशी मुद्रा प्राप्त करने का ढंग।
 14. पिछले दो वर्षों के दौरान भारतीय रिजर्व बैंक की अनुमति के अधीन यदि कोई ली गई/निकाली गई विदेशी मुद्रा हो तो (केवल सखा के लिए लौटने वाले भारतीय राष्ट्रकों के लिए लागू)।
 - (क) मूल कोटा
 - (ख) विशेष कोटा

(कृपया यह भी सूचित करें कि क्या इस प्रकार प्राप्त की गई विदेशी मुद्रा वापस कर दी गई है)।
 15. वह उद्देश्य जिसके लिए भारत में कर की जरूरत है।
 16. क्या आवेदक, उसकी पत्नी/पति/उस पर निर्भर करने वालों ने कभी भारत में कार आयात की है और यदि हां, तो सीमा शुल्क निकासी परमिट/लाइसेंस नम्बर सहित पूर्ण विवरण दें।
 17. क्या आवेदक या उसकी पत्नी/उसके पति/आश्रित ने आयात के लिए पिछली लाइसेंसिंग अवधि में या वर्तमान लाइसेंसिंग अवधि में कोई आवेदन-पत्र दिया है? यदि हां, तो उसका क्या परिणाम हुआ (इसका पूर्ण सन्दर्भ दिया जाना चाहिए)।
 18. (क) भारत में कार को जहाज से उतारने के लिए अधि-मान्य पत्तन।
 - (ख) वह राज्य जिस में कार का उपयोग किया जाएगा अर्थात् यह भारत में नियमित रूप से पंजीकृत करवाइए जागगी अर्थात् पत्तन पर अगतिरूप से या अस्थायी पंजीकरण करवाने के पश्चात्।
 19. क्या भुगतान (पूर्ण या आंशिक रूप में) भारत में आने से पहले किया गया है।
 20. क्या भारतीय रिजर्व बैंक ने विचाराधीन सीमा-शुल्क निकासी परमिट के आवेदन के लिए अनापत्ति जारी की है (उनके मामले में जो पहले ही वापस आ चुके हैं)।
 21. आवेदन-पत्र के साथ भेजे जाने वाले दस्तावेज:—
 - (क) आवेदन-पत्र शुल्क के भुगतान का वाउचर (मूल प्रति)
 - (ख) खरीद/प्रपत्र बीजक/पंजीकरण प्रमाण-पत्र/किए गए भुगतान के साक्ष्य की फोटोस्टेट प्रति।
 - (ग) कार खरीदने से पूर्व विदेश में आवेदक की कमाई के विवरण के साथ नीति के अधीन जब भी आवश्यक हो नियोक्ता का प्रमाणपत्र, आय कर प्रमाण-पत्र/बैंकर का प्रमाणपत्र संलग्न होना चाहिए।
 - (घ) भारत सरकार के उपयुक्त प्राधिकारी या नोटरी पब्लिक (विदेश में) के सम्मुख शपथ लेते हुए इस सम्बन्ध में एक शपथ-पत्र कि आवेदक सखा के लिए भारत वापस आ रहा है।
 - (ङ) विचाराधीन सीमा-शुल्क निकासी परमिट के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की अनापत्ति।
22. आवेदकों की विशिष्ट श्रेणी के लिए संलग्न किए जाने वाले अतिरिक्त दस्तावेज:—
- (क) भारतीय राष्ट्रकों से विवाहित विदेशी स्त्रियां (उपहार के मामले में)
 - (क) उपहार दाता के माता-पिता से उपहार की अप्रार्थित प्रकृति घोषित करते हुए पृष्ठ पत्र (मूल रूप में);
 - (ख) विवाह के प्रमाण-पत्र की फोटोस्टेट प्रति;
 - (ग) दाता की वित्तीय स्थिति के सम्बन्ध में बैंकर का प्रमाण-पत्र (मूल रूप में);
 - (घ) आवेदक और उसकी पत्नी दोनों द्वारा मजिस्ट्रेट या शपथ कमिश्नर या नोटरी पब्लिक के सामने शपथ लेते हुए स्टाम्प कागज पर इस सम्बन्ध में एक शपथ पत्र देना चाहिए कि वे भारत में स्थायी रूप से बसे हुए हैं और उन्होंने इससे पूर्व कोई भी कार आयात नहीं की है।
 - (ङ) आवेदक और उसके पति के पामपोट की फोटोस्टेट प्रति जिम में विवाह के समय उनकी राष्ट्रकता को दिखाया जाए। यदि पति के पाम क्रोई पामपोट नहीं है, तो उसे अपनी राष्ट्रकता को दिखाते हुए एक आवेदन पत्र देना चाहिए।
 - (ख) भारत में सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में कार्यरत विदेशी राष्ट्रक
 - (क) भारत में नियुक्ति की अवधि दिखाते हुए नियोक्ता का प्रमाणपत्र (मूल रूप में)
 - (ग) अन्य विदेशी विशेषज्ञ (सहायता कार्यक्रमों के अधीन) और राजनयिक-छर रहने वाले कर्मचारी
 - (क) कार्य का सामान्य विवरण और सम्भावित अवधि के साथ सम्बन्धित सरकारी विभाग/वृत्तावास से नियुक्ति/नौकरी का प्रमाण-पत्र (मूल रूप में)

परिशिष्ट-9क का अनुबंध-1 (जारी)

(घ) अपना धंधा करने वाले विदेशी राष्ट्रिक :—

(क) आवेदक के व्यवसाय की प्रकृति और आयात को उचित ठहराने के कारण बताते हुए राज्य/केन्द्रीय सरकार का प्रमाण-पत्र;

(ख) माल उतरने की पूर्व कीमत को (अर्थात् सीमा-शुल्क सहित) विदेशी मूद्रा में पूरा करने का घोषणा-पत्र।

(ग) आवेदक की वित्तीय स्थिति दिखाते हुए विदेशी बैंकर का प्रमाण-पत्र।

(ङ) शारीरिक रूप से विकलांग

(क) राज्य सिविल सर्जन या सरकारी अस्पताल में कार्यरत सम्बद्ध विंग के अध्यक्ष से विकलांगता की प्रकृति और विशेष नियंत्रणों सहित कार उचित ठहराने के कारणों सहित अनुबन्ध-2 में दिए गए के अनुसार चिकित्सा प्रमाण-पत्र;

(ख) दाता का पृष्ठि कारक पत्र (उस मामले में जहां कार उपहार में दी जा रही हो)

(ग) पूर्वगामी वर्ष के दौरान सकल आय का दस्तावेजी साक्ष्य जैसे गत दो वर्षों के लिए आयकर निर्धारण आवेदन।

घोषणा:—

मैं एतद् द्वारा घोषणा करता हूँ कि उपर्युक्त विवरण, मेरे ज्ञान एवं विश्वास से सत्य और ठीक है और मैं अच्छी तरह समझता हूँ कि उपर्युक्त विवरण के आधार पर मेरे द्वारा मांगा गया अथवा मुझे जारी किया गया कोई लाइसेंस/सीमाशुल्क निकासी परमिट यदि यह पाया गया कि विवरण अथवा तथ्य का कोई भी भाग गलत अथवा भ्रूषण है तो वह रद्द किया जा सकता है और इसके अतिरिक्त मामले की परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए सरकार कोई और भी जर्माना कर सकती है अथवा कोई अन्य कार्रवाई कर सकती है।

स्थान

दिनांक हस्ताक्षर

संलग्नक नाम (साफ अक्षरों में)

निवास स्थान का पूरा पता

.

भारत में सबा के लिए निवास करने के लिए आने वाले भारतीय राष्ट्रिकों द्वारा निष्पादित किया जाने वाला शपथ-प्रपत्र

मैं, (नाम--- -- -- --) सुपुत्र श्री----- का निवासी ----- भारतीय पासपोर्ट सं. ----- दिनांक ----- का धारक एतद् द्वारा घोषणा करता हूँ और पृष्ठि करता हूँ कि :—

(1) मैं-----समय से लगातार विदेश में रह रहा हूँ, केवल निम्न-लिखित अवधि इसमें शामिल नहीं है क्योंकि मैं उन दिनों भारत आया था:—

(1)

(2)

(3)

(2) ----- (मास/वर्ष) में, मैं भारत में स्थाई तौर पर रहने के लिए वापस आ रहा हूँ।

(3) मेरे द्वारा प्रस्तावित आयात किया जाने वाला वाहन मेरे द्वारा विदेश में अर्जित धनराशि में से खरीदा गया है/खरीदा जाएगा।

(4) वाहन विदेश में मेरे नाम में पंजीकृत है और उसकी पंजीकरण संख्या----- है।

अभिसाक्षी

टिप्पणी :- जो लागू न हो उसे काट दो।

श्रेणी छ, ज, झ, ञ, ट एवं ठ के लिए आवेदन-पत्र का प्रपत्र—

(1) विदेशी संस्थानों की शाखाएं/कार्यालय (सहायक या अन्यथा रूप से);

(2) वायुयान कम्पनियां (आवेदन-पत्र नागरिक उड्डयन विभाग, पर्यटन और नागरिक उड्डयन मंत्रालय के माध्यम से भेजे जाने चाहिए);

(3) रुपया कम्पनियां जिन्हें विदेशी महायता प्राप्त हो;

(4) संविदा के कार्यों को कार्यान्वित करने वाली या भारतीय फर्म;

(5) विदेशी समाचार अभिकरण का अभिकृत पत्रकार/संवाददाता (प्रेस सूचना व्यूरो के माध्यम से आवेदन-पत्र भेजे जाने हैं); और

परिशिष्ट-9 का अनुबंध-1 (जारी)

- (6) भारत में धर्मार्थ और मिशनरी संस्था
- (1) आवेदक का नाम
- (2) राष्ट्रकृता और पदनाम/व्यावसायिक स्थिति [केवल वर्ग (5) और (6) के लिए लागू]
- (3) विदेश का पंजीकृत पूरा पता
- (4) भारत का पंजीकृत पूरा पता
- (5) भारत में शाखाओं की संख्या सहित उनके पते
- (6) भारत में व्यवसाय/नियुक्ति की प्रकृति
- (7) लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य सहित वाहन का मक एवं माडल
- (8) वह उद्देश्य जिसके लिए भारत में कार की आवश्यकता है
- (9) आवेदन शुल्क के भुगतान को दिखाने वाला वाउचर/रसीद
- (10) खरीद/बीजक प्रपत्र/पंजीकरण प्रमाण-पत्र
- (11) यदि कार का पहले ही आयात हुआ है तो कृपया बताएं कि कार/वाहन को ट्रिपट्राइक/कारनेट-डी-पैसेज के अन्तर्गत भारत में लाया गया है और यदि हां, तो कारनेट के आयात किए जाने की तिथि, संख्या और वैधता का उल्लेख करें (कारनेट की फोटो स्टेटे प्रति संलग्न करें)
- (12) जहां कार उपहार के रूप में दी जानी है वहां उस खरीदने के लिए भारत से बाहर किस ढंग से विदेशी मुद्रा प्राप्त की गई थी, इस के साथ विदेशी स्वामी/दाता के मुख्य कार्यालय से पृष्ठ पत्र (मूल रूप में) संलग्न होना चाहिए।
- (13) जहां सीमा शुल्क कर विदेशी मुद्रा में दिया जाना है, वहां विदेशी स्वामी/मुख्य कार्यालय से इस आशय का पृष्ठ पत्र (मूल रूप में) होना चाहिए कि ऐसे कर का भुगतान वे विदेशी मुद्रा में कर देंगे।
- (14) यदि कोई कार भारत में सीधे आयात की गई हो या किसी अनेक व्यक्ति/अधिकरण से हस्तान्तरण द्वारा ली गई हो तो आयातित कार का पूर्ण विवरण, व्योरा दिया जाना चाहिए।
- (15) क्या इससे पूर्व कार के लिए आवेदन-पत्र दिया गया था, यदि हां, तो क्या परिणाम रहा (पूरा सन्दर्भ दीजिए)
- (16) कार के पोतलदान की प्रस्तावित तिथि
 - (क) भारत में जहाज से उतारने का पत्तन
 - (ख) भारत में वह राज्य जहां कार की जरूरत है।

घोषणा :—

मैं एतद् द्वारा घोषणा करता हूँ कि उपर्युक्त विवरण मेरे ज्ञान एवं विश्वास से सत्य और ठीक है और मैं अच्छी तरह समझता हूँ कि उपर्युक्त विवरण के आधार पर मेरे द्वारा मांगा गया अथवा मुझे जारी किया गया कोई भी लाइसेंस/सीमाशुल्क निकासी परमिट यदि यह पाया गया कि विवरण अथवा तथ्य का कोई भी भाग गलत अथवा झूठ है, तो वह रद्द किया जा सकता है और इसके अतिरिक्त मामले की परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए सरकार कोई और भी जुर्माना कर सकती है अथवा कोई अन्य कार्रवाई कर सकती है।

स्थान

दिनांक

हस्ताक्षर

संलग्नक

नाम (साफ अक्षरों में)

निवास स्थान का पूरा पता

- (17) आवेदकों की विशेष श्रेणी के लिए संलग्न किए जाने वाले अतिरिक्त दस्तावेज

(क) रक्षया कम्पनी लिमिटेड विदेशी सहायता प्राप्त हो—

(क) उस तकनीकी सहायता समझौते की फोटो-स्टेटे प्रति जिसकी शर्तों के अनुसार विदेशी विशेषज्ञों, तकनीकियों, निदेशकों को समय-समय पर भारत आना पड़ता है।

(ख) विदेश में ठेके पर काम करने वाली कारोबार में लगी हुई भारतीय फर्मों :

(क) भारतीय रिजर्व बैंक/भारत सरकार द्वारा संविदा की स्वीकृति देने वाले पत्र की फोटो-स्टेटे प्रति;

(ख) विदेश से कार/कार खरीदने के अनुमोदन को दर्शाने वाली भारतीय रिजर्व बैंक की संजूरी।

(ग) विदेश में संविदा/कार्य समाप्त हो गया है, यह दिखाने के लिए प्रमाण पत्र/वस्तावेजी साक्ष्य।

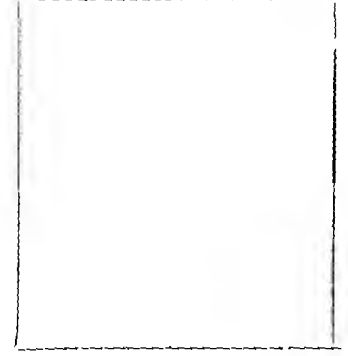
(ग) धर्मार्थ और मिशनरी संस्थाएं :—

(क) सम्बन्ध सरकारी प्राधिकारी से इस आशय का प्रमाण पत्र कि संस्था धार्मिक है और जाति-पाति अथवा रंग भेद-भाव रखे बिना जनता की नलाई के लिए कार्य कर रही है।

(ख) इस सम्बन्ध में घोषणा-पत्र कि कथित वाहन उपहार है और इस उद्देश्य के लिए भारत से विदेशी मुद्रा में किए गए प्रेषण शामिल नहीं हैं।

परिशिष्ट 9-क के लिए अनुबन्ध-2

राज्य के सिविल सर्जन या सरकारी हस्पताल में विकलांगता का आकार और सीमा से सम्बन्धित विभाग के प्रधान द्वारा जारी किए जाने वाले डाक्टरों प्रमाणपत्र का प्रपत्र



डाक्टरों प्रमाण पत्र जारी करने वाले प्राधिकारों द्वारा विधिवत साक्ष्यांकित विकलांगता को दिखाते हुए आवेदक का फोटो

1. आवेदक का नाम
2. राष्ट्रीयता
3. जन्म तिथि
4. कारोबार/व्यवसाय का वास्तविक ब्यौरा
5. निवास का पूरा पता
6. शारीरिक स्थिति

नेत्र परीक्षा

1. (क) दृष्टि

दायाँ नेत्र

बायाँ नेत्र

(ख) यदि कोई रंगान्धी जो उसे मोटर चलाने में अयोग्य बनाती हो तो उसे बताएं।

2. मानसिक स्थिति

(क) सामान्य

(ख) सामान्य से कम

(ग) कोई मानसिक बीमारी

3. श्रवण शक्ति

(क) दायाँ कान की श्रवण शक्ति

(ख) बाएँ कान की श्रवण शक्ति

4. विकलांगता का ब्यौरा

(क) क्या आवेदक नीचे लिखित किसी विकलांगता से ग्रस्त है :—

- 1 घटने से नीचे एक पक्षीय छिन अंग को छोड़कर नीचे के अंगों के एक पक्षीय/द्विपक्षीय छिन अंग

2. कोहनी से नीचे या कोहनी से ऊपर एक पक्षीय छिन अंग।
 3. अभिधातज/स्थायी लकवा जिसका शल्य चिकित्सा या दवाइयों से उपचार न हो सके।
 4. किसी भी कारण से ऊपर के एक अंग या नीचे के दोनों अंगों में स्थायी लकवा या पक्षाघात; और
 5. चोट के कारण पूर्ण रूप से विकृत अंग, गठिया या जन्मजात किन्तु कम से कम ऊपर का एक अंग सामान्य हो।
- (ख) यदि ऐसा है तो, उपर्युक्त 6(4) (क) (1से5) में से विकलांगता को स्पष्ट किया जाए और मेंबराइड स्केल के अनुसार क्षति की प्रतिशतता का उल्लेख किया जाए।
7. कार के आघात के लिए डाक्टर द्वारा सिफारिस किए गए अडापशन/डिस्पेन्सिटी गैडगैट्स की कीमत।

डाक्टर के हस्ताक्षर

(सिविल सर्जन के स्तर से कम नहीं)
अस्पताल की मोहर के साथ

स्थान

दिनांक

परिशिष्ट-9क का अनुबन्ध-3

व्यक्तिगत असबाब के रूप में कार आदि के आयातक
द्वारा निष्पादित किए जाने वाले बन्धपत्र के प्रपत्र का नमूना
यह सब को ज्ञात हो कि हम (1)-----जो-----
के हैं (जिन्हें इसमें आगे "आयातक" कहा गया है और इस
अभिव्यक्ति में उसके/उनके उत्तराधिकारी, प्रबन्धक, प्रशासक
और कानूनी प्रतिनिधि/उत्तराधिकारी और अनुमत समनु-
देशिनी शामिल हैं) और (2) -----जो----- के
हैं (जिसे इसमें आगे "जमानती" कहा गया है और इसके
अन्तर्गत जब तक कि संदर्भ के विरुद्ध न हो, उसके/उनके
उत्तराधिकारी, प्रबन्धक, प्रशासक और कानूनी प्रतिनिधि/
उत्तराधिकारी और अनुमत समनुदेशिनी शामिल हैं) भारत
के राष्ट्रपति के प्रति-----रूप की रकम
मांगी जाने पर बिना आपत्ति के संयुक्त/उप मुख्य नियंत्रक,
आयात-निर्यात के माध्यम से भारत के राष्ट्रपति को चुकाने के
लिए आज तारीख-----के इस विलेख द्वारा
संयुक्त रूप में और अलग-अलग आबद्ध हैं।

जबकि संयुक्त/उप मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात भारत
सरकार-----जो यहां उक्त संयुक्त/उप
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में संदर्भित किए गए हैं,
जिस अभिव्यक्ति में, वह व्यक्ति शामिल हैं, जो वर्तमान
में संयुक्त/उप मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात - - - - -

परीशिष्ट--9 का अनुबन्ध-3 (जारी)

का कार्यभार सम्भाल रहे हूँ) ने - - - - - जो कि पूर्णरूप से नीचे की अनुसूची में वर्णित है और जिसका आयातक द्वारा भारत में आयात किया गया है, की निकासी की अनुमति दे दी है।

अब ऊपर लिखित बन्धपत्र की शर्त यह होगी कि ---

1. यदि उपर्युक्त आयातक इस देश से प्रस्थान करते समय कार का पुनः निर्यात करता है या छः महीने से अधिक अवधि के लिए विदेश जाते समय भारत में कार छोड़ने की आयात व्यापार निबंधन प्राधिकारी से पूर्व अनुमति प्राप्त कर लेता है; और
2. यदि उपर्युक्त आयातक कार को न तो बेचेगा, न रहन, बन्धक रखेगा या उपर्युक्त कार का कब्जा छोड़ेगा या कार को अन्यथा रूप से बेचेगा, तो ऊपर लिखित बन्ध पत्र अमान्य और अप्रभावी हो जाएगा, अन्यथा रूप से यह कायम रहेगा और पूर्ण रूप से लागू रहेगा और एतद् द्वारा दोनों के बीच यह पूर्ण सहमति हुई है और निम्नलिखित घोषणा की है:—

(क) कि ऊपर लिखित बन्ध पत्र उपर्युक्त-----
-----के आयात करने की तिथि से-----वर्षों की अवधि के लिए पूर्ण रूप से लागू और प्रभावित रहेगा और आगे एंसे अवधि के लिए इसे पुनः नवीकृत समझा जाएगा जिसे संयुक्त/उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात उपर्युक्त अवधि की समाप्ति से पहले जितने समय के लिए उचित समझें।

(ख) आयातक के खिलाफ बंध पत्र के लागू करने में भारत के राष्ट्रपति की ओर से कोई भी स्थगन कार्य या छूट (चाहे वह जमानती की जानकारी या सलाह के बिना या सहित हों) से उपर्युक्त बंधपत्र के बाधित्व से कथित जमानती को किसी प्रकार से विमुक्त नहीं किया जाएगा।

(ग) यह कि यह बंधपत्र केन्द्रीय सरकार के आदेश के अंतर्गत उस कार्यपालन के लिए किया गया है जो सार्वजनिक हित में है।

संस प्राधिकारी द्वारा जब कभी यह साक्ष्य राशि के भुगतान करने के अतिरिक्त यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 मांगा जाए कि कार आयातक के कब्जे और स्वामित्व में है तो आयातक इसका साक्ष्य प्रस्तुत करेगा।

(घ) मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात या किसी लाइसेन्स के अन्तर्गत दी गई व्यवस्थाओं के अनुसार जमाना देने का दायर होगा।

(ङ) विदेश जाते समय आयातक कार को भारत में उस अल्पावधि यात्रा के सिवाय नहीं छोड़ेगा जिसकी अनुमति कार को अपने निकट सम्बन्धियों के पास छोड़ने के लिए लाइसेन्स प्राधिकारियों से प्राप्त की जाएगी।

(च) बन्धपत्र के नियम एवं शर्तों का किसी प्रकार उल्लंघन करने पर आयातक बन्धपत्र की धन-

निकासी के लिए माल की अनुसूची

गवाहों के रूप में पार्षदों के हस्ताक्षर

----- का -----विषय

-----की उपस्थिति में उपर्युक्त आयातक द्वारा हस्ताक्षरित -----
-----की उपस्थिति में उपर्युक्त जमानती द्वारा हस्ताक्षरित-----
भारत के राष्ट्रपति की ओर से-----
द्वारा स्वीकृत

परिशिष्ट—10क

प्रपत्र छ-1

सीमा शुल्क निकासी परमिटों (अग्न्यस्त्र के लिए) के लिए आवेदन पत्र का प्रपत्र

1. आवेदक का नाम।
2. आवेदक का पूरा पता।
3. वे मूल्य जिनके लिए सीमा शुल्क निकासी परमिट की आवश्यकता है।
4. अग्न्यस्त्र का लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य।
5. आवेदक के साथ उपहारकर्ता का सम्बन्ध।
6. उपहार के लिए अवसर।
7. विदेश से उपहार भेजने वाले का नाम, पता एवं व्यवसाय।
8. उपहारकर्ता की राष्ट्रिकता।
9. उपहारकर्ता के विदेश में ठहरने की अवधि।
10. वर्ष के दौरान आवेदक द्वारा प्राप्त उपहार (रों) का मूल्य और जालू वित्तीय वर्ष के दौरान जारी किए गए/आवेदन किए गए सीमा शुल्क निकासी परमिटों का विवरण।

की गई कोई अन्य कार्रवाही के अतिरिक्त इसे रद्द किया जा सकता है या अप्रभावी किया जा सकता है।

(पूर्ण नाम सहित हस्ताक्षर)

पदनाम

सम्बन्ध

निवास स्थान का पूरा पता

स्थान

दिनांक

अपीक्षित बस्तावेज:

1. उपहारकर्ता का मूल रूप में पत्र।
2. मैजिस्ट्रेट अथवा नोटरी पब्लिक के समक्ष उपयुक्त मूल्य के स्टाम्प-कागज पर विधिवत् शपथ लेते हुए एक शपथ पत्र। (क) आवेदक के साथ उपहारकर्ता का ठीक-ठीक रिश्ता दर्शाते हुए। (ख) यह घोषणा करते हुए कि उसने अथवा उसकी पत्नी/उसके पति ने कोई भी अग्न्यस्त्र, अर्थात् रिवाल्वर, पिस्तौल, राइफल इत्यादि उपहार के रूप में अथवा अन्यथारूप से पिछले 10 वर्षों से आयात नहीं किया था, और (ग) यह वचन पत्र कि सीमा शुल्क निकासी परमिट के अन्तर्गत आने वाले अग्न्यस्त्र, यदि उनके नाम में जारी किया गया था, तो मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात की विशिष्ट अनुमति प्राप्त किए बिना इसमें आयात करने की तिथि से दस वर्ष की अवधि के अन्तर्गत इसको न तो बेचा जाएगा या अन्यथारूप से निपटाया जाएगा और न ही अलग किया जाएगा।
3. उपहारकर्ता से एक शपथ पत्र यह दर्शाते हुए कि उसकी/उनकी विदेश में निरन्तर आवास की अवधि और उनके पासपोर्ट का विवरण और भारत में उनके अंतिम बार आने की तिथि और अवधि क्या है; और
4. भारत में उचित लाइसेंस प्राधिकारों द्वारा जारी किया गया वैध अस्त्र लाइसेंस।

घोषणा

मैं/हम एतद्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि मेरी/हमारी जानकारी और विश्वास के अनुसार उपर्युक्त विवरण सत्य और सही है। मैं/हम अच्छी तरह से समझता हूँ/समझते हैं कि यदि यह पाया गया कि प्रस्तुत किए गए विवरण में कोई विवरण या तथ्य गलत या झूठा है तो उसके आधार पर मुझको/हमको प्रदान किया गया कोई भी सीमा शुल्क निकासी परमिट/लाइसेंस सरकार द्वारा लागू किए गए किसी अन्य ज़रूमा अथवा इस मामले की स्थिति को ध्यान में रखते हुए

परीक्षण—10क

प्रपत्र-क-2

सीमा शुल्क निकासी परमिट (वैयक्तिक से भिन्न) के लिए
आवेदन-पत्र का प्रपत्र

1. आवेदक का नाम

2. आवेदक का पूरा पता

3. आयात की मर्चों का विस्तृत ब्यौरा
(मुद्रित सूची पत्र आदि के साथ)4. भारतीय रुपयों में उपहार (रों) का लागत-बीमा-
भाड़ा मूल्य (प्रपत्र बीजक मूल रूप में संलग्न करना
है)5. क्या बीमा भाड़े के लिए विदेशी मुद्रा की आवश्यकता
है? यदि हाँ, तो भारतीय रुपए में उसकी धन
राशि ।6. आवेदक के साथ दाता/दान देने वाले अभिकरण की
रिश्तेदारी/सम्बन्ध

7. उपहार देने का उद्देश्य

8. विदेश में रहने वाले दाता का नाम, राष्ट्रिकता,
पता और व्यवसाय

9. दाता का पत्र (मूल रूप में)

10. वर्ष के दौरान आवेदक द्वारा प्राप्त उपहार (रों)
का मूल्य और वर्तमान वित्तीय वर्ष के दौरान उसको
आयी किए गए सीमा शुल्क निकासी परमिटों/उसके
द्वारा जिन सीमा शुल्क निकासी परमिटों के लिए
आवेदन किया गया है उनके ब्यौरे।11. संस्थाओं, ट्रस्ट, समूहाय और समितियों आदि के
सम्बन्ध में, कृपया यह बताएँ:—(1) क्या संस्थान आदि किसी सरकारी प्राधिकरण
के पास पंजीकृत हैं और यदि हाँ, तो पंजीकरण/
मान्यता प्रमाण-पत्र की सही रूप से अधिप्रमाणित
प्रति भेजी जाए।(2) निदेशकों/अध्यक्षों आदि का नाम और पता
(जैसा भी मामला हो) दर्शाया जाए।12. क्या यह जाति, रंग और भेद का ध्यान न रखते हुए
स्वतन्त्र वितरण के लिए है अथवा क्या इसका उपयोग
केवल संस्थान/ट्रस्ट आदि के ही लिए है? आवेदक
द्वारा यदि कोई सामाजिक कल्याण कार्य किया
गया है तो उसका संक्षेप विवरण भेजा जाए।
(यदि उपहार/दान का लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य एक
लाख रुपए से अधिक हो, तो सम्बन्ध राज्य सरकार
विभाग की सिफारिश मूलरूप में)

घोषणा

मैं/हम एतद्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि उपर्युक्त
विवरण मेरी/हमारी जानकारी एवं विश्वास के अनुसार सत्य और
सही है। मैं/हम अच्छी तरह से समझते हैं कि यदि यह पाया
गया कि प्रस्तुत किए गए विवरणपत्र में कोई विवरण या तथ्य
गलत या झूठा है तो प्रस्तुत किए गए विवरणपत्र के आधार पर
मुझे/हमें जारी किया गया कोई भी सीमा-शुल्क निकासी पर-
मिट लाइसेंस उस अन्य जमाने या अन्य कारवाई को ध्यान में
रखे बिना रद्द किया जा सकता है, या अप्रभावी किया जा
सकता है जो सरकार मामले की परिस्थिति को ध्यान में रखते
हूँ/हमें अधिरोपित करे।

(पूर्ण नाम के साथ हस्ताक्षर)

पदनाम

सम्बन्ध

निवास का पूरा पता

स्थान

दिनांक

अपेक्षित दस्तावेज:—

(1) दाता का पत्र (मूल रूप में)

(2) मर्चों, बीजक प्रपत्र की मुद्रित सूची/पुस्तिका

(3) राज्य सरकार के सिफारिश पत्र का विवरण
(जहाँ आवश्यक हो)(4) मैजिस्ट्रेट/नोटरी पब्लिक द्वारा विधिवत् साक्ष्या-
कृत दाता का शपथ पत्र या यदि उपहार(रों) 5000/-
रुपए मूल्य से अधिक का है/के हैं तो उसके नियो-
क्ता से यह प्रमाण पत्र कि उपहार, दाता की अर्जित
विदेशी मुद्रा में से खरीदा गया है।(5) जहाँ कहीं अपेक्षित हो, विदेशी मुद्रा विनियमन
अधिनियम, 1973 के अधीन अनुमति।

परिशिष्ट-11

हटा दिया गया है

परिशिष्ट-12क

प्रपत्र-ठ

आइन और ड्राइंगों के आयात के लिए आवेदन-पत्र का प्रपत्र
प्रेषण-पत्र की 5 प्रतियों के साथ 5 फालतू प्रतियों के साथ भेजा
जाना है)

भाग 'क'

1. आवेदक/कम्पनी का नाम और पता

2. भाग "क" विनिर्माण की वह लाइन
जिसके लिए ड्राइंग की आवश्यकता
है।

(1) वर्तमान व्यापार/विनिर्माण की मद और
यदि कोई हो तो उद्योग (विकास एवं
विनियमन) अधिनियम की संख्या और
तारीख।

(2) क्या उपर्युक्त उल्लिखित मद/मद
विदेशी सहयोग से विनिर्मित की जा
रही है/हैं? यदि हां, तो कृपया
प्रत्येक सहयोग का व्यौरा दें, इन
सहयोगियों के नाम और सहयोग की
प्रकृति अर्थात् तकनीकी और/या
वित्तीय सहयोग भी दिए जाएं।

(3) (क) क्या विनिर्माण कार्यक्रम
और ड्राइंग जिसके लिए डिजाइन
आयात किए जाने हैं, के लिए
कोई औद्योगिक लाइसेंस/मॉग पत्र
प्राप्त कर लिया गया है, यदि मद
उद्योग (विकास एवं विनियमन)
अधिनियम, 1951 के अन्तर्गत आती
है तो कृपया आप उसका संदर्भ लिखें;
या

(ख) यदि महानिदेशक तकनीकी विकास
के पास पंजीकृत है तो कृपया उसका
संदर्भ लिखें; या

(ग) क्या प्रस्तावित विनिर्माण कार्यक्रम
लघु क्षेत्र में होगा? यदि हां, तो
कृपया पंजीकरण सं. लिखें।

(4) (क) जिसके लिए डिजाइन और
प्रलेखन के आयात की आवश्यकता
है उसका पूर्ण उद्देश्य और
औचित्य दें।

(ख) कृपया बनाई जाने वाली प्रस्ता-
वित मशीनरी का विशेष व्यौरा
देें।

- (ग) कृपया यह बताएं कि इन डिजाइनों और डाइग्रामों के आधार पर बनाई जाने वाली मशीनरी कंप्यूटर उपयोग के लिए है या बिजली के उत्पादन के लिए है।
- (घ) (1) यदि बनाई जाने वाली मशीनरी, कंप्यूटर उपयोग के लिए है तो कृपया उसका लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य बताएं, अगर उसे आयात किया जाना था।
- (2) आयातित डिजाइनों और डाइग्रामों की सहायता से बनाए जाने वाले देशी उपकरण में आयात की कितनी मात्रा है?
- (3) आयातित डिजाइनों और डाइग्रामों की सहायता से बनाए गए देशी उपकरण का मूल्य क्या होगा?
- (4) यदि उपकरण पूर्ण रूप से आयात किया गया है तो उसका मूल्य क्या होगा।

3. वार्षिक उत्पादन का अनुमानित मूल्य

उत्पादन का वर्ष	मात्रा	कारखाना मूल्य (जाल रूप से)	आयातित संघटकों की देश में पहुँचने पर लागत को घटाने के बाद, यदि कोई हो तो कारखाना मूल्य क्या है ?
प्रथम वर्ष			
द्वितीय वर्ष			
तृतीय-आदि			

4. कारखाने का स्थान : तहसील जिला राज्य

5. निम्नलिखित पर किए जाने वाला अतिरिक्त निवेदन

- (1) भूमि
- (2) भवन
- (3) मशीन

- (क) आयातित
- (ख) देशी

6. चरणवार विनिर्माण कार्यक्रम का ध्येय अर्थात् कच्चे माल और संघटकों की वह आयातित मात्रा और देशी मात्रा जो उत्पादन के काम में आएगी।

- पहला वर्ष
- दूसरा वर्ष
- तीसरी वर्ष
- आदि-आदि

7. उस विदेशी संभरक का नाम और पूरा पता जिससे भारतीय कम्पनी डिजाइन और ड्राइंग खरीदना चाहती है।

8. डिजाइन और ड्राइंग खरीदने की शर्तें :—

(1) डिजाइन और वस्तुनिष्ठ/तकनीकी मुक्त

कपए में

विदेशी मुद्रा में

(ii) कृपया यह सूचित करें कि क्या वेप खनराशि और ऊपर (1) के सामने उल्लिखित खनराशि संभरक के वास्तविक मूल्य को दर्शाती है या उसमें कर शामिल है और इसलिए कर बटाने के बाद देय है।

9. संसदीय के अनुसार में विदेशी पार्टी द्वारा डिजाइनों और ड्राइंगों की आपूर्ति के अलावा उनके द्वारा प्रदान की जाने वाली विशेष सेवाएँ क्या हैं ?

10. कृपया बताएं यदि विदेशी संभरक तकनीकी जानकारी/उत्पादन डिजाइन/इंजीनियरी डिजाइन के लिए राशी कर लिए जाते हैं जैसा कि अन्य भारतीय पार्टियों के लिए भी उपलब्ध कराया जाता है तो क्या यह जरूरी है कि सभी संबंधित पार्टियों उन शर्तों पर पारस्परिक रूप से राशी हों जिनमें विदेशी संभरक भी शामिल हैं और क्या वे सरकार के अनुमोदन के अधीन हैं ?

11. क्या आवेदक ने पहले कभी डिजाइन और ड्राइंग्स का आयात किया है। यदि हाँ तो ऐसे डिजाइन और ड्राइंग्स के विवरण एवं संबंधित अनुमोदनपत्र की सं० एवं दिनांक दें।

12. आवेदक संबंधित तकनीक के मामले में अनुसंधान एवं विकास के लिए क्या रुकम उठाया चाहता है ? संक्षिप्त विवरण दें।

आवेदक पार्टी के हस्ताक्षर

एवमात्र

दिनांक :

मिनास स्थान

स्थान।

का पूरा पता :

परिशिष्ट—13क

प्रपत्र-क

तबर्ध/स्वाफ और बिक्री आवेदन-पत्र के लिए प्रपत्र

1. आवेदक का नाम
पूरा शक पता :—
 - (1) घर/दुकान की संख्या
 - (2) गली/सड़क का नाम
 - (3) बस्ती का नाम
 - (4) राज्य का नाम
 - (5) तार का पता
2. आयात का उद्देश्य
3. (क) भारत में व्यापार की स्थापना की तारीख
 - (ख) प्रतिष्ठान की किस्म क्या सार्वजनिक या प्रा. लि., या साझेदारी या स्वाभित्व या हिन्दू अविभाजित परिवार प्रतिष्ठान है।
 - (ग) पंजीकरण प्रमाणपत्र की प्राप्ति
 - (घ) जैसा भी मामला हो, निवेशकों, साझेदारों, स्वामियों, कर्ता के नाम
 - (ङ) आवेदक के मुख्य कारणों की वह किस्म (लाइन या लाइनें) जिसमें आवेदक लगा हुआ है।
 - (च) सम्बद्ध कम्पनियों की शाखाओं का ब्यौरा (नाम और स्थान)
 - (1) भारत में
 - (2) विदेश में
 - (छ) क्या आवेदक द्वारा किसी देश से उसी अवधि के उसी क्रम सं. या उसी क्रम सं. की उपमद के अन्तर्गत आने वाले माल के लिए कोई आवेदन-पत्र पहले ही दिया गया है। यदि हां, तो ब्यौरा दें।
4. अपेक्षित शुल्क के भुगतान को विज्ञाते हुए बैंक रसीद/ बैंक डाफ्ट की संख्या और दिनांक
5. वह लाइसेंस अवधि जिसके सम्बन्ध में आवेदन किया गया है।
6. नीचे लिखे अनुसार माल के ब्यौरे प्रस्तुत किए जाएंगे :—
 - (1) माल का विवरण
 - (2) आयात व्यापार नियंत्रण अनुसूची, भाग और क्रम संख्या के अन्तर्गत वर्गीकरण
 - (3) आयात नीति के वे संगत परिशिष्ट आदि जिसके अन्तर्गत माल आती है।
 - (4) लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य रुपये में
 - (5) पोतलदान का देश
 - (6) आवेदक द्वारा आयातित या यदि वह निर्धारित अवधि के दौरान विदेशी मशीनरी/यन्त्र निर्माताओं का भारतीय एजेंट रहा है तो उसके माध्यम से आयातित मशीनरी/यन्त्र का ब्यौरा।
7. जहां पोतलदान उस देश से भिन्न देश से किया जाना है जहां माल का उद्गम हुआ है, तो उसके कारणों का पूरा विवरण दिया जाना चाहिए।

मैं/हम एतद् द्वारा यह घोषणा करता हूँ/करते हैं कि उपर्युक्त विवरण जहां तक मुझे/हमें जानकारी है और विश्वास है, सत्य और सही है। मुझे/हमें यह पूरी जानकारी है कि प्रस्तुत किए गए विवरण के आधार पर मुझे/हमें जो लाइसेंस प्रदान किया गया है, यदि उसमें यह पाया गया कि उसके विवरण या तथ्य गलत या भ्रमक है तो उसे रद्द किया जा सकता है, इसके अतिरिक्त मामले के हालातों को देखते हुए सरकार कोई अन्य ज़रूरी भी कर सकती है।

हस्ताक्षर

साफ अक्षरों में नाम

पदनाम

निवास का पूरा पता

स्थान :

दिनांक :

भाग—2

आयकर घोषणा

आयकर घोषणा के लिए प्रपत्र परिशिष्ट-2 ग में दिया गया है।

परिशिष्ट-138

प्रपत्र-4

पुस्तकों के व्यापारियों द्वारा पुस्तकों के आयात के लिए आवेदन पत्र का प्रपत्र

भाग-1

1. आवेदक का नाम
2. पूरा ठाक पता
3. एकक की स्थापना की तारीख
4. क्या दूकान एवं स्थापना अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकृत है, यदि हां तो, संख्या और दिनांक का संकेत दे

(उसकी फोटो प्रति भी प्रस्तुत की जाए)

5. सनदी/लागत लेखापाल के प्रमाण पत्र के साथ 1983-84 के दौरान क्रय व्यवसाय। (सनदी/लागत लेखापाल आवेदक फर्म का भागीदार, निदेशक या कर्मचारी या उसका सहयोगी नहीं होना चाहिए)

6. फर्म का स्वरूप और निवेशकों/भागीदारों के नाम।

7. यदि कोई हां तो, उनके पतों सहित शाखाओं के नाम।

8. जैसा भी मामला हो, बैंक रसीद/डिमांड ड्राफ्ट सं. और दिनांक (मूल रूप से आवेदन पत्र के साथ भेजा जाना है)

मैं/हम एतद् द्वारा यह घोषणा करता हूँ/करते हैं कि उपर्युक्त विवरण जहां तक मुझे/हमें जानकारी है और विश्वास है सत्य और सही है। मुझे/हमें यह पूरी जानकारी है कि प्रस्तुत किए गए विवरण के आधार पर मुझे/हमें जो लाइसेंस प्रदान किया गया है, यदि उसमें यह पाया गया कि उसके विवरण या तथ्य गलत या भ्रमक है तो उसे रद्द किया जा सकता है, इसके अतिरिक्त मामले के हालातों को देखते हुए सरकार कोई अन्य जर्माना भी कर सकती है।

हस्ताक्षर

साफ अक्षरों में नाम

पदनाम

निवास स्थान का पूरा पता

स्थान :

दिनांक :

भाग 2

आयकर घोषणा प्रपत्र

आयकर घोषणा के लिए प्रपत्र परिशिष्ट-2 न में दिया गया है।

परिशिष्ट-14-क

पंजीकरण करने वाले प्राधिकरणों की सूची

क्रम सं०	निर्मात उत्पाद	पंजीकरण करने वाला प्राधिकारी	1	2	3
1	2	3			
1.	इंजीनियरी सामान -- जगाव-रोधी इस्पात उत्पाद, पत्रक के कागज और निर्माण सेवाओं के काम में जाने वाला सामान	इंजीनियरी मात निर्वात संवर्द्धन परिषद, "विश्व व्यापार केन्द्र" 14/1 बी एजरा स्ट्रीट (तीसरी मंजिल), कलकत्ता-700001; और इसके क्षेत्रीय कार्यालय, बाणिय्य केन्द्र (दूसरी मंजिल): तारदेव रोड, बम्बई-400034 कक्षाभई बिल्डिंग (पहली मंजिल) 612-अन्ना सलाई, मद्रास और 'सूर्यकिरण' कोची मंजिल 19, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली-110001	4.	प्लास्टिक बिक्रीने	प्लास्टिक और सिनोसियम निर्मात संवर्द्धन परिषद, तुलसियामी चेम्बरस 6डी मंजिल प्लाट नं० 212, ब्लॉक III 612 और 615 बैकवे रिक्लेमेशन, नारीमन प्वाइंट, बम्बई-400021 और सायर मेशन 123 माउन्ट रोड, मद्रास-600006, और 14/आई० बी०, एजरा स्ट्रीट्स, कलकत्ता-700001 में स्थित इसके क्षेत्रीय कार्यालय।
2.	रसायन और सम्बद्ध उत्पाद जैसे शीशा और शीशे के बर्तन, मिट्टी के बर्तन, पेंट, रबड़ उत्पाद इसमें टायर और ट्यूब भी शामिल हैं, कागज और कागज के उत्पाद इसमें पुस्तकें, जर्नेल्स और प्राथमिक पत्रिकाएं भी शामिल हैं, विशासबाई, भ्रातिशबाजी का सामान और बिस्फोटक पदार्थ, ऐस्बेस्टोस और सोमेट उत्पाद और लकड़ी के उत्पाद बाईकमैलो प्रीप्रींटेड पोलिस्टर फ़िल्म, मारबल चिप्ट, एडहेसिव चलेक कम्पाउण्ड	रसायन और सम्बद्ध उत्पाद निर्मात संवर्द्धन परिषद, 14/ I बी एजरा स्ट्रीट, दूसरी मंजिल, कलकत्ता-700001 और निम्नलिखित स्थानों पर स्थित इनके कार्यालय, सायर मेशन, 123, माउन्ट रोड, मद्रास-600006, और बी-17, काम सेंटर, तारदेव रोड, बम्बई-400034 रासायनिक एवं संबद्ध उत्पाद निर्मात संवर्द्धन परिषद् उत्तरी क्षेत्र, लक्ष्मी निवास, 8, शाहीव भगत सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001	5.	परिष्कृत जमड़ा और जमड़े से बना सामान, क्रोम द्वारा कमाया हुआ भीला जमड़ा एवं जाल, क्रोम द्वारा कमाया हुआ जमड़ा एवं जाल और जलेम द्वारा कमाया हुआ पपकीदार जमड़ा पूर्वी भारत के कमाए हुए जमड़े एवं जाल और पूर्वी भारत के पपकीदार जमड़े	जमड़ा निर्मात परिषद, मारबल हाल, 318-बेपरी हार्ड रोड, मद्रास-600003 और निम्नलिखित स्थानों पर स्थित इसके क्षेत्रीय कार्यालय, (i) 15/46, सिविल लाइन्स, पो० बाक्स नं० 198, कानपुर-208001, (ii) 220, 'निरंजना', दूसरी मंजिल, 99, सुभाष रोड बम्बई-400002 (iii) 27-मिर्जा भासिब स्ट्रीट (पहले वालो की स्कूल स्ट्रीट) पांचवीं मंजिल, कलकत्ता 700016 और (iv) 31-ई०बी० के० सम्बध सलाई रोड, मद्रास-600007
3.	मूल रसायन प्रथातु औषधियां, औषध और सूक्ष्म रसायन रंग, गन्ध बत्ती, बल्बोहल और कोल तार रसायन, कार्बनिक रसायन बूझो रसायन शिखरील साबुन, जपमार्जक, मांसी बर्तक एवं प्रसाधन, संसाधित तिलकड़ी, धगरबतो, सुगंधित तेल, चिहाइनेदिड कल्पर चिडिया एवं प्ररिष्कृत बवाईया	मूल रसायन, औषधि और कास्मेटिक निर्मात संवर्द्धन परिषद, हांसी कंसल (चीथीमंजिल), 7, कूपरज रोड, बंबई, 400001 और इसके क्षेत्रीय कार्यालय, 23/1 एवं 2, छठी मेन रोड तीसरा फ़ास, गांधी नगर, बंगलौर-560009 और कनकारिया एस्टेट 9वीं मंजिल, 8, लिटल रोसीव स्ट्रीट, कलकत्ता-700071	6.	खेल का सामान	खेल सामान निर्मात संवर्द्धन परिषद, आई० ई०/8, हांडेबाला एक्स-टेंडन, नई दिल्ली 110001
4.	मत्स्य, मत्स्य चूरा और मत्स्य उत्पाद।	मत्स्य रसायन, औषधि और कास्मेटिक निर्मात संवर्द्धन परिषद, हांसी कंसल (चीथीमंजिल), 7, कूपरज रोड, बंबई, 400001 और इसके क्षेत्रीय कार्यालय, 23/1 एवं 2, छठी मेन रोड तीसरा फ़ास, गांधी नगर, बंगलौर-560009 और कनकारिया एस्टेट 9वीं मंजिल, 8, लिटल रोसीव स्ट्रीट, कलकत्ता-700071	7.	मत्स्य, मत्स्य चूरा और मत्स्य उत्पाद।	समुद्री उत्पाद निर्मात विकास प्राधिकरण, विश्व व्यापार के 'महात्मा गांधी रोड, पोस्ट बाक्स नं० 1708' पार्ककुलम, दक्षिण कोचीन-16
5.	संसाधित जाल पदार्थ	संसाधित जाल पदार्थ, निर्मात संवर्द्धन परिषद 105, नई दिल्ली हाउस, 27, बापराज्जा रोड, नई दिल्ली-110001	8.	संसाधित जाल पदार्थ	संसाधित जाल पदार्थ, निर्मात संवर्द्धन परिषद 105, नई दिल्ली हाउस, 27, बापराज्जा रोड, नई दिल्ली-110001

1	2	3	1	2	3
9. करी पाउडर और पेट्रोल स्पाईसिज बायल एवं आलियां रेजिस्, वाड बड टूंड सेण्टर, महारमा गाँधी रोड, नार्थ के. ब्रिजगत एक क्लिनिशम या उससे कम के उपभोक्ता पैकिटों में साबुत मसाले भज्जवा पिसि हुए और बांक में साबुत भज्जवा पिसि हुए मसाले ।	मसाला निर्यात संवर्धन परिषद, एन.कुसम-6 ।		12. फलू की पिरी		काबू निर्यात संवर्धन परिषद, बिस्व व्यापार केन्द्र, मल्लिकार्जुन गाँधी रोड, एन.कुसम-6 ।
	विकास प्रायुक्त (हस्तकिल्प) का कार्यालय, पश्चिम ब्लॉक नं० 7 घार० के० पुरम, नई दिल्ली घोर इसके क्षेत्रीय कार्यालय :-		13. तम्बाकू घोर तम्बाकू उत्पाद		तम्बाकू बोर्ड, गन्दूर, माण्ड्र प्रदेव ।
	उप-निदेशक (सी० घार०), विकास प्रायुक्त (हस्तकिल्प) का कार्यालय 72-हलवासिया बाजार, हजरत मंज, सन्तन-286001, दूरभाष-24331 तार-बी०वाई०सी० घार० ए० एफ० टी० घाई० एन० डी०, सन्तन ।		14. ऊनी कपड़ा, होजरी, निठवियर (घोर मिश्रित रेकों से बना कपड़ा घोर मशीन से बने हुए ऊनी काशीन, बलीचे घोर बरियां		हथकरवा उत्पादों के मामले ऊन तथा ऊनी सामान निर्यात संवर्धन परिषद, 714, प्रबोध एस्टेट 24, बाराकम्पा रोड, नई दिल्ली घोर निम्नलिखित स्थानों पर इसके क्षेत्रीय कार्यालय चर्चगेट कैम्पबर्ग, 7वीं मंजिल, 5, न्यू मेरीन साइड, बम्बई-400020 घोर 714/3 बुद्ध देव नगर, पञ्चोन्न रोड, सुधियान भज्जवा हथकरवा विकास प्रायुक्त, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 घोर इसका क्षेत्रीय कार्यालय 3-विजयराजवा रोड, टी नगर, मद्रास-600001
	उप-निदेशक (ई० घार०) विकास प्रायुक्त (एच) का कार्यालय 9/12, पोस्ट कोर्ट हाउस स्ट्रीट कलकत्ता-700001, दूरभाष-2300 तार-बी०वाई०सी० घार० ए० एफ० टी० घाई० एन० डी० कलकत्ता ।		15. बार्बिकन बटा		नारिकेल बटा बोर्ड, पोस्ट बालस नं० 1752, इन्डियन (केरल) ।
	उप-निदेशक (एन० घार०), विकास प्रायुक्त (एच) का कार्यालय पश्चिम ब्लॉक VII घार० के पुरम, नई दिल्ली दूरभाष-694868 तार-बी०वाई०सी० घार० ए० ए० टी० घाई० एन० डी० दिल्ली ।		16. सूती वस्त्र		सूती वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद, इन्डीविजियर केन्द्र, 5वीं मंजिल, 9 कैम्प रोड, बम्बई-400004, घोर हथकरवा विकास प्रायुक्त, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011 घोर इसका क्षेत्रीय कार्यालय 3-विजयराजवा रोड, टी नगर, मद्रास-600001
	उप-निदेशक (एच० घार०), विकास प्रायुक्त (एच) का कार्यालय आरुली भवन, सीतरी मंजिल 35-हलीज रोड, मद्रास-600006 दूरभाष-86321		17. कपे बकाए वस्त्र (सलाई से बुने हुए ऊनी वस्त्र घोर चमड़ा, जूट, रिबन घोर लक के वस्त्रों को (जेककर) ।		परिवार निर्यात संवर्धन परिषद, सड्-योग डिस्टिन्शन, पीपी मंजिल, 58 गैल्ले प्लेस, नई दिल्ली-19 घोर डेवड डेवड सेण्टर पञ्चमी मंजिल, पूवा स्ट्रीट, पी० डी० मैसो रोड, बम्बई-400009 में इसका क्षेत्रीय कार्यालय ।
	तार-बी०वाई०सी० घार० ए० एफ० टी० घाई० एन० डी०, मद्रास ।		18. भसको रेकम के कपड़े, पोडाके घोर मशीन से बनी हुई बरियां		भारतीय रेकम निर्यात संवर्धन परिषद, 62-मिलन सेन्टर, भारतीय व्याट, बम्बई-400 001
	उप-निदेशक (ऊनी घार०), विकास प्रायुक्त (एच) का कार्यालय हल हाउस, सीतरी मंजिल, 294-पी० नरीमन स्ट्रीट, पीटी० बम्बई-400001 मद्रास-295959-तार-बी०वाई० सी० घार० ए० घाई० एन० डी०, बम्बई ।		19. रजत कल मल्लिकार्जुन		रजत तथा मल्लिकार्जुन निर्यात संवर्धन परिषद, डी-15, बाकिन्ग केन्द्र पीपी मंजिल, आरवे रोड, बम्बई-400034
11. हाथ से बने हुए ऊनी काशीन, बम्बल घोर बरी जिनमें हस्त-निर्मित रेकम के काशीन भी शामिल हैं	कार्पेट एक्सपोर्ट कांशंसिल प्रोमोशन बुरकान सं० डी-115, सेक्टर-18, अक्कर-बोडवा, बिजा माधिराजवा, उज्जर प्रदेव				

1	2	3
20.	बलचित्र फिल्म (प्रभावित) कथाचित्र, वृत्त चित्र, विज्ञापन फिल्में, समाचार फिल्में और दूरदर्शन फिल्में	राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम, बम्बई।
21.	घससी रेजे के उत्पाद (नारियल जटा उत्पादों को छोड़कर)	जूट प्रायुक्त, कलकत्ता।
22.	गैर-पेट्रोलियमिक उत्पाद	रेलम और रेयन बस्त्र निर्यात संवर्द्धन परिषद, रेलम भवन, 78, बीर नारीमन रोड, बम्बई-400001
23.	सेल्यूलोसिक उत्पाद	रेलम और रेयन बस्त्र निर्यात संवर्द्धन परिषद, रेलम भवन 78, बीर नारीमन रोड, बम्बई-400001*
24.	सूती/सेल्यूलोसिक रेजे या सूत/नारियल पोलिएस्टर रेजे या सूत के मिश्रण से बने मिश्रित उत्पाद।	रेलम और रेयन कपड़ा निर्यात संवर्द्धन परिषद, रेलम भवन 78 बीर नारीमन रोड, बम्बई-400001* हथकरघा, विकास प्रायुक्त, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011 और इसका क्षेत्रीय कार्यालय 3-विजया राजवा रोड, टी नगर, मद्रास-500001
25.	बनस्पति	बीनी और बनस्पति विवेक, बाग विभाग, बाग्य और नागरिक पूर्ति संसाधन, नई दिल्ली।
26.	बाबी घसीट भारत में हथकरघे पर बनाया हुआ सूती धातु से या भारत में हाथ से कते हुए ऊनी धातु से या किसी दो या ऐसे सभी धातुओं के मिश्रण से	बाबी और प्रामोबोन प्रायोग, "बानो-बय", 3, इर्ला रोड, बिने पार्क (पश्चिम), बम्बई-400066।

1	2	3
	बनाया हुआ कोई भी बस्त्र (सैयार पोशाकों और बाबी से बने हुए अन्य वस्तुओं सहित)	
27.	फोटोटाइप सैट फिल्में और माइक्रो फिल्में	रसायन और संबद्ध उत्पाद निर्यात संवर्द्धन परिषद, 14/1 बी, एजर स्ट्रीट, दूसरी मंजिल, कलकत्ता-110001।
28.	विनोदित विरचित शैलाक	शैलाक निर्यात संवर्द्धन परिषद, कलकत्ता।
29.	ऐम्ब्रिक के बुने हुए कपड़े	ऊन और ऊनी वस्त्र निर्यात संवर्द्धन परिषद, 714, प्रलोक एस्टेट, 24, वाराणसी रोड, नई दिल्ली और इसके क्षेत्रीय कार्यालय चर्च गेट नै-मार्, 7वीं मंजिल, न्यू मेरीन साइड, बम्बई-400020 या रेलम और रेयन बस्त्र निर्यात संवर्द्धन परिषद, 78, बीर नारीमन रोड, बम्बई-400001*
30.	पैकेट चाय, चाय के बीले और इम्पैकेट चाय	चाय बोर्ड, 14, विपलाकी सैलोजन, महाराज सारणी (घाबोन रोड), कलकत्ता-700001
31.	इलायची	इलायची बोर्ड, बिनर्जी रोड, कोचीन-682018
32.	प्रोवरसीज कन्स्ट्रक्शन एंड सिविल इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट्स	प्रोवरसीज कन्स्ट्रक्शन काउंसिल प्राक इंडिया, कामर्स सेंटर, सातवीं मंजिल, जे वाधा जी रोड, तारवेन बम्बई-400034।
33.	हथकरघा उत्पाद	हथकरघा निर्यात संवर्द्धन परिषद 123, माउन्ट रोड, मद्रास-600066
34.	वे सर्व बिन के लिए कोई भी पंजीकृत प्राधिकारी (ना रित नहीं किया) और कलकत्ता (कमल पण्डित)।	निर्यात संवर्द्धन प्राधिकारी, बम्बई, मद्रास पश्चिमी बंगाली और पूर्वी क्षेत्र) संयुक्त मुख्य निर्यातक, प्रायात निर्यात (केन्द्रीय साइसेंस क्षेत्र) नई दिल्ली (उत्तरी क्षेत्र के लिए)।

*शैलाक नं० 3ई, रेलम भवन, लाल दरवाजा, सुरत। 3-ए, विमान से मेहरा रोड, अमृतसर।

परिसंख्य—14-ब

अनुबन्ध—1

पंजीकरण के लिए आवेदनपत्र का प्रपत्र

भाग—क

शेधा में,

.....

.....

.....

महोदय,

विषय : पंजीकृत निर्यातकों के लिए आयात-नीति के अधीन पंजीकरण।

कृपया उपर्युक्त नीति के अधीन क्रम सं. 7 के सामने उल्लिखित उत्पाद ग्रुप पण्यवस्तु के लिए हमें विनिर्माता निर्यातक/व्यापारी निर्यातक के रूप में पंजीकृत करें।

1. (क) पंजीकृत कार्यालय, मुख्यालय और शाखाओं का नाम (तार का पता और टेलीफोन नम्बर)।

(ख) क्या कम्पनी स्वामित्व/साम्प्रदायी या निजी/सार्वजनिक लिमिटेड कम्पनी या सहकारी विपणन समिति आदि है। (मालिकों/साम्प्रदायिकों/निदेशकों/प्रबन्ध निदेशकों के नाम और स्थायी पते दिए जाने चाहिए)।

(ग) उन सहयोगी फर्मों के नाम जिनके लिए आवेदक निर्यात व्यवसाय में एजेंट के रूप में कार्य करता है।

2. (1) आवेदक के बैंकर का नाम और पता।

(2) बैंकर की वित्तीय स्थिति प्रमाणित करने वाला प्रमाणपत्र संलग्न करें।

3. (1) भारत में व्यवसाय/फैक्टरी स्थापित करने की तारीख।

(2) निर्यात व्यवसाय आरम्भ करने की तारीख।

4. क्या उद्योग (विकास और विनियम) अधिनियम के अन्तर्गत अनुज्ञप्त है/महानिदेशक तकनीकी विकास/राज्य उद्योग निदेशक या किसी अन्य प्रायोजक प्राधिकारी के पास पंजीकृत है। यदि हाँ, तो लाइसेन्स/पंजीकरण प्रमाणपत्र की संख्या एवं दिनांक का उल्लेख करें।

5. यदि कोई हो तो, पिछले तीन वर्षों के दौरान किए गए निर्यात (जिन उत्पादों के पंजीकरण की मांग की गई है और अन्य उत्पाद जो योजना के अन्तर्गत नहीं हैं, उनका उल्लेख किया जाना चाहिए)।

वर्ष	व्योरा	मूल्य	प्रमुख हेतु जिन्हें निर्यात किया गया
(1)	(2)	(3)	(4)

6. जहाँ कोई निर्यात न हुआ हो, तो जिस मूल्य का निर्यात किया जाना है उसकी पिछले तीन वित्तीय वर्षों की आंतरिक बिक्री का व्योरा उपर की क्रम सं. 5 के नीचे दी गई सारणी में दिया जाए।

7. वे निर्यात उत्पाद जिनके सम्बन्ध में पंजीकरण की मांग की गई है (यहाँ पर आयात नीति में दिए गए उत्पादों की क्रम सं. का उल्लेख करें)।

8. यदि आप व्यापारी निर्यातक हैं तो कृपया बताएं कि जिन विनिर्माताओं के उत्पादन का निर्यात किया जाना है तो उनके मामले में की गई व्यवस्था का उल्लेख करें।

9. यदि किसी अन्य निर्यात संवर्धन परिषद्/पण्य वस्तु बोर्ड के साथ पंजीकरण किया गया है तो पंजीकरण प्राधिकारी और पंजीकरण संस्था और जिस निर्यात उत्पाद के लिए पंजीकरण किया गया है, उनका नाम बताएं।

10. हम सत्यनिष्ठापूर्ण कहते हैं कि ऊपर दी गई जानकारी सच और सही है और हम बिना किसी शर्त के इसे सही शर्तों स्वीकार करते हैं —

- (1) हम सभी निर्यातों के लिए दिए गए पंजीकरण प्रमाण-पत्र की शर्तों का पालन करेंगे।
- (2) आयात लाइसेंसों का उन्ही कार्यों के लिए उपयोग करने जिन्हें लिए वे जारी किए गए हैं और जिन शर्तों पर उन्हें जारी किया गया है।
- (3) पंजीकरण अधिकारी द्वारा विहित आचरण का पालन करेंगे।
- (4) पंजीकरण अधिकारी द्वारा निर्धारित निर्यात की न्यूनतम मात्रा की शर्तों का पालन करेंगे और उनका पालन करेंगे।
- (5) हम पंजीकरण अधिकारी को नियमित रूप से तिमाही के बाद वाले मास की 15 तारीख तक निर्यातों के विवरण भेज देंगे, चाहे वह विवरण शून्य क्यों न हो।

11. हम यह भी संयोजित हैं कि ऊपर दिए गए वचन का पालन न करने पर हमारा पंजीकरण रद्द किया जा सकता है।

भवदीय,

स्पष्ट अक्षरों में नाम -----

पदनाम -----

पूरा पता -----

स्थान ----- (1) सरकारी-----

तारीख ----- (2) निवास-----

अनुबन्ध—2

सिविल इंजीनियर और निर्माण फर्मों के पंजीकरण के लिए आवेदन-पत्र का प्रपत्र

सेवा में,

क्षेत्रीय अधिकारी,
इंजीनियरी निर्यात संवर्धन परिषद्,
वाणिज्य केंद्र, दूसरी मंजिल,
तारदेव रोड, बम्बई-400034

प्रिय महोदय,

विषय:—पंजीकृत निर्यातकों के लिए आयात नीति के अधीन पंजीकरण।

कृपया हमें उक्त नीति के अधीन सिविल इंजीनियर/निर्माण फर्मों के रूप में पंजीकृत करें। हमने निम्नलिखित विषय में भी विवेचना प्राप्त की है :—

1. पंजीकृत कार्यालय, मरुभूमि और जलवायु का नाम और पता (नगर का पता और टेलीफोन नम्बर)

2. व्यवसाय आरम्भ करने की तारीख

37—G Commerce/85

3. क्या स्वामित्व/साझेदारी कंपनी या निजी/पब्लिक लिमिटेड कंपनी या राज्यद्वारा नियंत्रण समिति आदि है?

4. स्वामी/साझेदारों/निदेशकों/प्रबन्ध निदेशकों के नाम और उनके निवास के स्थायी पते।

5. आवेदक जिन सहयोगी फर्मों के निर्यात व्यवसाय के एजेंट के रूप में कार्य करता है, उन फर्मों का नाम।

6. फर्म की पूंजी का स्वरूप (प्राधिकृत, निर्गमित, अभिदत्त और प्रदत्त पूंजी)।

7. आवेदक के बैंकर (बैंकरों) का नाम और पता। (आवेदक के बैंकरों से उस की वित्तीय स्थिति को प्रमाणित करने वाला प्रमाण-पत्र सलग किया जाना चाहिए)।

8. पिछले 5 वर्षों में किए गए सिविल इंजीनियरी/निर्माण कार्य का मूल्य (प्रत्येक वर्ष में किए गए कार्य और उसके मूल्य का व्यौरा अलग-अलग दिखाया जाए) भारत में और भारत से बाहर किए गए कार्य का व्यौरा अलग-अलग दिखाया जाए।

9. पिछले 5 वर्षों के दौरान किए गए मुख्य निर्माण कार्यों का विस्तृत व्यौरा। [इन के लिए अलग से दिखाया जाए (क) बांध और बराजें, (ख) बिजली घर (थर्मल और हाइड्रल) (ग) ऊपर दिए गए निर्माणों के अलावा औद्योगिक निर्माण कार्य (घ) सड़कें और पुल (ङ) सुरंग (च) गोदी और बन्दरगाह (छ) मल व्यवस्था (सीवर) और जल पूर्ति प्रणाली (ज) बहुमंजिली इमारतें और नगर क्षेत्र (झ) इस्पात के ढाँचे बनाना और निर्माण कार्य।]

वर्ष	काम का नाम	काम का मूल्य	जिस ग्राहक के लिए काम किया गया उसका नाम और पता
------	------------	--------------	--

1

2

3

4

5

10. क्या फर्म किसी इंजीनियरी सामान बनाने वाली यूनिट के रूप में भी पंजीकृत है, यदि हां तो प्रायोजक प्राधिकारी (महानिदेशक, तकनीकी विकास उद्योग निदेशक, वस्त्र आयुक्त आदि का उल्लेख किया जाना है) से लाइसेंस लेने/पंजीकरण कराने की संख्या और दिनांक।

11. कम्पनी द्वारा नियुक्त तकनीकी और प्रबन्धकीय और कार्मिकों के व्यौरों (नीचे दिए गए प्रपत्रों से व्यौरों-वार विवरण संलग्न किया जाए)।

क्रम संख्या	प्राधिकारी का नाम	प्रायु	योग्यता	अनुभव
1				
2				

12. फर्म के संबंध और मशीनों की सूची (मशीनों, इनकी क्षमता की तारीख और वर्तमान छाता मूल्य का व्यौरा देते हुए विवरण प्रस्तुत किया जाए)

13. आगामी तीन वर्षों के लिए निर्धारित कार्य करने के बारे में बचन बद्धता/प्रक्षेपण

वर्ष	किए जाने वाले काम की किस्म	मूल्य
1		
2		

14. मान्यताप्राप्त निकायों/औद्योगिक संघों की सदस्यता के व्यौरों।

हम सत्यनिष्ठा पूर्वक घोषणा करते हैं कि ऊपर दी गई जानकारी सच और सही है और हम बिना किसी प्रतिबन्ध के बीचे दी गई शर्तों स्वीकार करते हैं :—

- (क) हम अपने सभी नियमितों के लिए दिए गए पंजीकरण प्रमाणपत्र की शर्तों का पालन करेंगे।

(ख) आयात आदेशों का उन्हीं कार्यों के लिए उपयोग करेंगे जिनके लिए वे जारी किए गए हैं और जिन शर्तों पर इन्हें जारी किया गया है, उन शर्तों का भी पालन करेंगे।

(ग) हम पंजीकरण प्राधिकारी द्वारा विहित आचरण का पालन करेंगे।

(घ) हम पंजीकरण प्राधिकारी द्वारा निर्धारित नियमितों के न्यूनतम मूल्य की शर्तों से सहमत हैं और उनका पालन करेंगे।

(ङ) हम पंजीकरण प्राधिकारी को नियमित रूप से तिमाही प्रतिलाभ विवरण अगले महीने की 15 तारीख तक साहजे शून्य प्रतिलाभ क्यों न हों, भेजेंगे।

हम यह भी समझते हैं कि ऊपर दिए गए बचन का पालन न करने पर हमारा पंजीकरण रद्द किया जा सकता है।

भवदीय,

स्पष्ट अक्षरों में नाम.....

पदनाम.....

कार्यालय का पता.....

निवास का पता.....

.....

.....

स्थान.....

दिनांक.....

टिप्पणी: आवेदन पत्र इंजीनियरी नियमित संवर्धन परिषद के सम्बद्ध क्षेत्रीय कार्यालय को भेजा जाना चाहिए।

परीक्षण—14-ग

पंजीकरण व सवस्यता प्रमाण-पत्र

भाग 1

(आवेदक द्वारा भरा जाना है)

1. आवेदक का नाम
2. क्या मुख्यालय/पंजीकृत कार्यालय/शाखा कार्यालय है।
3. यदि मुख्यालय हो तो शाखाओं और पंजीकृत कार्यालय के नाम और पते दें
4. आवेदक का पता
 - (1) डाक का पता
 - (2) तार का पता
 - (3) फैक्टरी का पता, यदि कोई हो
5. क्या व्यापारी निर्यातक है या विनिर्माता निर्यातक है।
6. जिन निर्यात उत्पादों के लिए पंजीकरण मांगा है उनका विवरण
 - (1) विनिर्मित वस्तुओं का विवरण (यदि कोई हो)-----
 - (2) निर्यातित माल का विवरण-----

7. व्यवसाय की स्थापना का वर्ष -----
8. भागीदारों/निदेशकों/प्रबन्धनिदेशकों/प्रोप्राइटर के नाम-----
मैं/हम घोषणा करता हूँ/करते हैं कि मेरी/हमारी जानकारी और विश्वास के अनुसार ऊपर दी गई जानकारी सच और सही है। जिन शर्तों के अधीन पंजीकरण/सवस्यता प्रदान की गई है मैं/हम उन शर्तों का पालन करने का वचन देता हूँ/देते हैं।

नाम स्पष्ट अक्षरों में

पदनाम

निवास का पता -----

भाग 2

1. प्रायोजक अधिकारी द्वारा आबंटित पंजीकरण संख्या/फैक्टरी संख्या
2. विनिर्मित माल का ब्यौरा।
(यदि महानिदेशालय, तकनीकी विकास की यूनिट हों तो पंजीकरण प्राधिकारी भरें और यदि अन्य यूनिट हों तो प्रायोजक प्राधिकारी भरें।)

पंजीकरण प्राधिकारी/प्रायोजक

प्राधिकारी के हस्ताक्षर -----

स्पष्ट अक्षरों में नाम -----

पदनाम - - - - -

मोहर - - - - -

दिनांक -----

स्थान -----

भाग 3

रखेन वस्त्रों के निर्यातकों के मामले में

1. लूम/निटिंग मशीन जिनके लिए परमिट दिया गया है उनकी संख्या के साथ वस्त्र आयुक्त के कार्यालय द्वारा लूम/वार्प निटिंग मशीन/रैसचल निटिंग मशीन के लिए जारी किए गए परमिट की संख्या।

2. विनिर्मित माल का विवरण

3. वस्त्र संसाधक के रूप में वस्त्रायुक्त के कार्यालय द्वारा आबंटित पंजीकरण संख्या

प्रायोजक प्राधिकारी के हस्ताक्षर -----

नाम -----

पदनाम -----

मोहर -----

भाग 4

(इस पर संबंधित पंजीकरण प्राधिकारी हस्ताक्षर करें)

प्रमाणित किया जाता है कि यह फर्म पंजीकृत निर्यातकर्ताओं के लिए आयात नीति के अधीन नीचे बताए गए ब्यौरों के अनुसार पंजीकृत है :

- (1) जिस माल के लिए पंजीकरण हुआ है उसका विवरण
- (2) पंजीकरण के लिए पूरी तरह से भरे हुए आवेदन-पत्र की प्राप्ति की तारीख
- (3) पंजीकरण संख्या
- (4) विनिर्माता निर्यातकर्ता या व्यापारी निर्यातकर्ता*

यह प्रमाण पत्र पंजीकरण से सम्बद्ध योजना में निर्धारित शर्तों के अधीन जारी किया जाता है।

पंजीकरण प्राधिकारी के हस्ताक्षर

नाम -----

(स्पष्ट अक्षरों में)

पदनाम -----

मोहर -----

-----तक वैध/नवीकृत

दिनांक -----

*जो लागू होता हो उसे स्पष्टतः बताएं।

इस प्रमाण-पत्र में किए गए संशोधनों के पृष्ठांकन के लिए स्थान।

परिशिष्ट—14घ

अनुबन्ध—1

निर्यात का बैंक प्रमाण-पत्र
(तुरन्त बिक्री के आधार पर)

फॉर्म संख्या-1

सेवा में - - - - (लाइसेंस प्राधिकारी का नाम और पता का)

हम - - - - (निर्यातकर्ताओं के नाम और पते) एतद् द्वारा को

घोषणा करते हैं कि हमने नीचे दिए गए व्यौरों के अनुसार वसूली/समझौते की बातचीत/

खरीद के लिए प्रलेखनीय निर्यात-बिल

(बैंक का नाम और पता अर्थात् शाखा या नगर) अर्पित किया है :—

बीजक संख्या और तारीख	सीमा शुल्क अधिकारी द्वारा विधिवत प्रमाणित की गई निर्यात संवर्धन प्रति सं० एवं तिथि	सीमा शुल्क द्वारा विधिवत प्रमाणित की गई निर्यात संख्या और तारीख	वसूली बिल/बैंक पासल राशि/हवाई माल का विवरण	माल का गंतव्य स्थान	बिल के मागत सीमा भाड़ा/सागत और पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य की राशि (विदेशी मुद्रा में)	लागत बीमा भाड़ा/लागत और पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य के परिवर्तन के लिए भुगतान की गई दर *	बिल की लागत बीमा भाड़ा/लागत और पोत पर निःशुल्क मूल्य के बराबर भार-व्यय की राशि (कालम 7 में दिखाई गई दर से परिवर्तित किए गए रुपये)
1	2	3	4	5	6	7	8
वसूली बिल/भाड़ा सीमा के अनुसार भारतीय रुपये में भाड़े की राशि रुपये	बीमा कम्पनी के बिल/रसीद के अनुसार भारतीय रुपये में बीमा की राशि रुपये	भारतीय रुपये में बिक्री/भुक्ताने योग्य रसीद/छूट	भारतीय रुपये में पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य (कालम 6 से कालम 9, 10 और 11 का जोड़ बताया जाए/रुपये)	ओ० ग्रा० आई०/पी० पी० का रकम			
9	10	11	12	13			

हम आगे यह भी घोषणा करते हैं कि :—

(1) उपर्युक्त व्यौरों सही हैं और तुरन्त हुई बिक्री से संबंधित हैं और इन निर्यातों से सम्बन्धित बीजक की प्रतियां संलग्न हैं।

(2) यह निर्यात लिमिटेड कम्पनी/पंजीकृत निर्यातक के मुख्यालय/शाखा कार्यालय द्वारा किया गया है; और

* (3) (क) शाखा कार्यालय उस लाइसेंस प्राधिकारी के नाम निर्यात सहायता के लिए आवेदन भेजेगा जिसके अधिकार क्षेत्र में यह शाखा कार्यालय होगा;

(ख) जिस लाइसेंस बने वाले उपर्युक्त प्राधिकारी के अधिकार क्षेत्र में लिमिटेड कम्पनी का मुख्यालय/पंजीकृत कार्यालय हो उस प्राधिकारी को कम्पनी का मुख्यालय/पंजीकृत कार्यालय निर्यात सहायता के लिए आवेदन भेजेगा।

*लागत-बीमा-भाड़ा, लागत और भाड़ा, पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य के बीजक में बताई गई विदेशी मुद्रा (जो बीजक भारतीय रुपये में बनाए गए हों) उनके कालम 6 और 7 में भरें।

*जो विकल्प लागू न हों उसे काट दें।

तुरन्त बिक्री के आधार पर खरीद गए/बातचीत से तय किए गए माल का बिल :—बातचीत/खरीद की तारीख को माँजूद मांग खरीद दर पर प्राधिकृत व्यापारियों पर।

वसूली के लिए भेजा गया बिल (तुरन्त बिक्री) :—जिस तारीख को वसूली के लिए दस्तावेज भेजे गए उस तारीख को प्राधिकृत व्यापारियों से मांग खरीद की जाने वाली दर पर।

बैंक का प्रमाण-पत्र

संदर्भ

तारीख

स्थान

निर्यातक के हस्ताक्षर

(1) प्रमाणित किया जाता है कि हमने ऊपर के कालम 6 में बताई गई राशि के लिए मैसर्स

अनुबन्ध-2

. द्वारा आहरित उक्त प्रलेखनीय निर्यात बिल बातचीत द्वारा तय किया है/खरीदा है/बसूली के लिए भेजा है और कालम 7 में बताई गई परिवर्तन की दर का सत्यापन किया है। हमने ऊपर कालम 12 में बताए गए पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य का नीचे दिए गए वस्तावों से भी सत्यापन किया है:—

निर्यातों का बैंक प्रमाण-पत्र

(परिचय के आधार पर निर्यात)

(1) लदान बिल/डाक पार्सल रसीद/हवाई मार्ग-बिल

(2) बीमा पॉलिसी/कवर/बीमा रसीद

(3) हमने यह भी सत्यापित कर लिया है कि सम्बद्ध पोत लदान बिल में दर्शाए गए के अनुसार सम्बद्ध मालिम रसीद की तिथि है।

फार्म संख्या-2

सेवा में,

(तिथि दी जाए)

(2) यह भी प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त निर्यातक द्वारा यथाप्रोपित कमीशन की धनराशि जो अदा कर दी गई है/जो अदा की जानी है अर्थात् रुपये (बंकों तथा शब्दों में) का जी. आर. प्रपत्र के साथ सत्यापन कर लिया है और वह सही है।

(लाइसेंस देने वाले प्राधिकारी का नाम और पता)

हम

(बैंकर के हस्ताक्षर)

(निर्यातकर्ताओं के नाम और पते) एतद्बबारा

कार्यालय मोहर

(बैंकरों का पता)

घोषणा करते हैं कि हमने परिचय के आधार पर निर्यात किया है और नीचे दिए गए व्यौरों के अनुसार हमें पूरी बिक्री की रकम मिल गई है :—

(शाखा और नगर)

अस्थापी बीजक नं० और तारीख	विदेशी मुद्रा में बीजक सं०, तारीख और मूल्य	सीमा-शुल्क अधिकारी द्वारा विधिवत प्रमाणीकृत पोतलदान बिल की निर्यात संवर्धन प्रति की संख्या एवं तिथि	माल का विवरण जैसा कि पोमा-शुल्क अधिक- प्रमाणित पोतलदान बिल में दिया गया है	लदान बिल/ डाक पार्सल रसीद/हवाई मार्ग बिल की संख्या और तारीख	माल का गन्तव्य स्थान	*विदेशी मुद्रा में बिल की राशि/लागत- बीमा-भाड़ा/ लागत एवं भाड़ा/पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य	पोत-बीमा- भाड़ा/लागत और भाड़ा/ पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य के परिचय के लिए अप- ताई गई दर	लागत-बीमा- भाड़ा/लागत और भाड़ा/ पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य के लिए भारतीय रुपए के बराबर बिल की धनराशि (कालम-8 में दिखाई गई परिवर्तित दर पर)
------------------------------	---	---	---	--	----------------------------	---	---	---

1	2	3	4	5	6	7	8	9
---	---	---	---	---	---	---	---	---

लदान बिल/भाड़ा बीमा के अनुसार भारतीय रुपयों में भाड़े की राशि	बीमा कम्पनी के बिल/ रसीद के अनुसार भारतीय रुपयों में बीमे की राशि	भारतीय रुपयों में चुकाए गए/ चुकाये योग्य कमीशन/छूट	भारतीय रुपयों में पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य (कालम 11 में कालम 12 एवं 13 का जोड़ अदाया जाए)	बिक्री प्राय की बसूली की तारीख	बी० प्रार० आई/पी० पी० फार्म संख्या
---	--	--	--	---	--

३०

३०

३०

10	11	12	13	14	15
----	----	----	----	----	----

हम आगे यह भी घोषणा करते हैं:---

बैंक का प्रमाण-पत्र

(1) कि उपर्युक्त व्यापक सही है और इस परमाणु की बिक्री में सम्बन्धित है और इस निर्यात से सम्बन्धित बीजक की प्रतिया सलग हैं,

संदर्भ संख्या -----

तारीख -----

स्थान -----

(2) कि यह निर्यात लिमिटेड कम्पनी/पंजीकृत निर्यातक के मुख्यालय/शाखा कागजात द्वारा किया गया है, और

(क) शाखा कार्यालय उस लाइसेंस देने वाले प्राधिकारी के नाम निर्यात सहायता के लिए आवेदन भेजेगा, जिसके अधिकार क्षेत्र में यह शाखा कार्यालय होगा।

(ख) जिस लाइसेंस देने वाले प्राधिकारी के अधिकार क्षेत्र में लिमिटेड कम्पनी का मुख्यालय/पंजीकृत कार्यालय आता है, उसी के द्वारा निर्यात सहायता के लिए आवेदन भेजा जाएगा। **

(निर्यातकर्ता के हस्ताक्षर)

*लागत-बीमा-भाड़ा, लागत और भाड़ा तथा पात पर्यन्त नि शुल्क मूल्य, भाड़ा के बिना में दिखाए गए के अनुसार विदेशी मुद्रा (जो सीलक भारतीय रुपये में बताया गए हो उन के सम्बन्ध में कालम 7 और 9 में भरें)

**जो विदेशी मुद्रा न हो उसे काट दें।

@उपलब्ध तारीख का मौजूद प्राधिकृत व्यापारी क टी/टी खरीद/माग खरीद का जालू दर, जो भी हो।

1 हम पुष्टि करते हैं कि - - - - - (भास्तीय रुपये में तैयार किए गए बीजकों के सम्बन्ध में कालम 7 या कालम 9 में दिखाई गई धनराशि) उक्त प्रेषण के लिए अनुमोदित तरीके से तिथि ----- को हमें प्राप्त हो गई है। हमने निम्नलिखित के संदर्भ में कालम 14 में दिखाए गए पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य का सत्यापन कर लिया है:--

(1) लदान बिल/आक पार्सल रसीद/हवाई मार्ग बिल

(2) बीमा पालिसी/कवर/बीमा रसीद

(3) हमने यह भी सत्यापित कर लिया है कि संगत पोत-लदान बिल में यथा संकेतित सम्बन्ध वालिम रसीद की तिथि ----- है (तारीख दी जानी है)

(2) यह भी प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त निर्यातक द्वारा यथा घोषित कमीशन की धनराशि जो अदा कर दी गई है/अदा की जानी है अर्थात् रुपये (अको तथा शब्दों में) का जी. आर प्रपत्र के साथ सत्यापन कर लिया गया है और वह सही है।

बैंकर के हस्ताक्षर - - - - -

कार्यालय मोहर - - - - -

बैंकर का पता - - - - -

(शाखा और नगर)

*विदेश स्थित बैंक द्वारा प्राप्त करने/प्रेषण करने के लिए बीजक की तारीख।

परिशिष्ट—14-थ जारी

अनुबन्ध—3

भुगतान का बैंक प्रमाण-पत्र

(परिचय के आधार पर रत्न तथा आभूषण की बिक्री)

प्रमाणित किया जाता है कि मैसर्स द्वारा दूसरे देशों को किए गए के निर्यात के नीचे दिए गए बिल बातचीत से तय कर लिए गए हैं और हमें अनुमोदित तरीकों में मुद्रा विनिमय नियंत्रण विनियमों के अनुसार इनसे नीचे दी गई राशि प्राप्त हो गई है। हम यह भी प्रमाणित करते हैं कि इसकी अदायगी अपरिवर्तनीय रुपया लेखा या अन्य विशेष द्विपक्षीय व्यापार समझौते के अनुसार प्राप्त नहीं हुई है।

क्र.सं.	बीजक संख्या और तारीख	निर्यात की तारीख	निर्यातित माल का विवरण	स्थान बिल/बाक रसीद और/या हवाई भारी के बिल की सं.	निर्यातकर्ताओं द्वारा घोषित किस देशों को निर्यात किया गया मूल्य है	क्रिया तारीख को बैंक को भुगतान प्राप्त हुआ या	निर्यातकर्ता के लेखों में विदेशी मुद्रा की जाय जमा होने की वास्तविक तारीख
---------	----------------------	------------------	------------------------	--	--	---	---

1	2	3	4	5	6	7	8	9
---	---	---	---	---	---	---	---	---

1
2
3

यदि बिल की प्राथमिक अदायगी की गई हो तो जिस बीजक के लिए अदायगी प्राप्त हुई हो उसकी छाप संख्या	भारत में प्राप्त राशि (रुपयों में)	जी० आर० आई० पी० का संख्या और तारीख
--	------------------------------------	------------------------------------

10	11	12
----	----	----

1
2
3

यह प्रमाणित किया जाता है कि जी. आर. प्रपत्र में दी गई राशि के अनुसार अदा की गई/अदा की जाने योग्य कमीशन की धनराशि रुपए है (अंकों तथा शब्दों में)।

संदर्भ संख्या :—

दिनांक

स्थान

विषयवस्तु :—

(1) बैंक के प्रमाण-पत्र पर बैंक के कार्यालय की मोहर लगी होनी चाहिए।

(2) बिल की पूरी राशि की बटुकी के साथ यह प्रमाण-पत्र दिया जाएगा; किन्तु बिल में दाने दाने लाटों के मूदे प्राथमिक अदायगी की प्राप्ति के मामले में अलग से दिया जा सकता है।

*बटुकी करने वाले/लेजने वाले विदेश स्थित बैंक द्वारा अदायगी की सुचना देने की तारीख।

प्रबन्धक के हस्ताक्षर

बैंक का अधिकृत अधिकारी

सरकारी मोहर

अनुबन्ध—4

विदेशी पर्यटकों को कालोन की बिक्री के लिए भुगतान का बैंक प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि हमें विदेशी पर्यटकों को दिये गए कालोन से प्राप्त लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य/लागत भाड़ा/पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य के बिलों की मैसर्स

. द्वारा भुगतान की गई रकम मुद्रा नियंत्रण विनियमबली के अनुसार अनुमोदित तरीकों से प्राप्त हो गई है।

हम यह भी प्रमाणित करते हैं कि इसकी अदायगी अपरिवर्तनीय रुपया लेखा या किसी द्विपक्षीय व्यापार समझौते के अनुसार प्राप्त नहीं हुई है।

क्रम सं०	बीजक की सं० और तारीख	निर्गत की तारीख	निर्यात किए गए माल का विवरण	उत्पत्ति प्रमाण पत्र/या हवाई मार्ग की संख्या और तारीख	दिया गया मानक प्रमाण	दिया गया बीमा प्रमाण	माल का पत्र और नि शुल्क मूल्य	बैक से मुद्रा, बैंक ड्राफ्ट या बैंक जमा कराने की तारीख
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.	8.	9.
1.								
2.								
3.								
4.								
भारत में प्राप्त राशि (रुपयों में)				*रकम मिलने की तारीख		जी० धार० आई०/पी० पी० फार्म सं० और तारीख		
10				11		12		
1.								
2.								
3.								
4.								

संदर्भ सं०—

दिनांक—

स्थान—

टिप्पणी— बैंक के प्रमाण-पत्र पर बैंक कार्यालय की मोहर लगी होनी चाहिए।

*यह ध्यान दें कि उन परिस्थितियों में बैंक के जाने वाले तारों को या विदेशी पर्यटकों द्वारा विदेशी बैंक से भुनाया गया हो।

अनुबन्ध 5

विदेशी पर्यटकों को कालीनों से निम्न माल की बिक्री के लिए बैंक प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि हमें विदेशी पर्यटकों को बेचे गए कालीनों से प्राप्त बिलों की सेटर्स की द्वारा अद्यतन की गई वस्तु निम्नलिखित विवरणों के अनुसार हस्तान्तरित की गई है। हम यह भी प्रमाणित करते हैं कि इसकी अवायगी अपरिबर्तनीय रूप से लेख 2 विदेशी विदेशी व्यापार अनुबंध के अनुसार प्राप्त नहीं हुई है।

क्रम सं०	विदेशी धारक/विदेशी बीमा सं० एवं दिनांक	विदेशी पर्यटकों को बेची गई वस्तुओं का ब्यौरा	माल का उद्घाटन पर्यटकों नि शुल्क मूल्य	बैंक में विदेशी मुद्रा/यात्री बैंक/क्रेडिट बैंक/ बैंक ड्राफ्ट/या बैंक जमा भी मामला हो को जमा करने की तारीख	रिहा की गई विदेशी मुद्रा के समतुल्य राशि	वस्तु/वस्तुमान करने की तारीख
1	2	3	4	5	6	7

संदर्भ सं०

दिनांक

स्थान

प्रबंधक के हस्ताक्षर

बैंक का प्राधिकृत अधिकारी

कार्यालय मोहर

*यह ध्यान दें कि विदेशी बैंकों में विदेशी बैंकों द्वारा प्रमाणित या प्रमाणित बैंकों के मामलों में लागू है।

परिशिष्ट—14-इ

अनुबन्ध—1

विदेशी पर्यटकों को की गई बिक्री का वाउचर

क्रम सं.

अनुबन्ध—2

- (1) जिस पर्यटक को माल बेचा गया हो उसका नाम और राष्ट्रकता
- (2) पर्यटक के पासपोर्ट की संख्या
- (3) बेची गई वस्तु का विवरण (जिस सामग्री से वह वस्तु तैयार की गई हो उसका उल्लेख करें)
- (4) विदेशी मुद्रा में बिक्री मूल्य और उसके बराबर भारतीय रुपये
- (5) पर्यटक द्वारा दी गयी विदेशी मुद्रा और यात्री चेक का विवरण

विदेशी पर्यटकों को रत्न और आभूषण बेचने के लिए वाउचर

क्रम सं.

- (1) जिस पर्यटक को बिक्री की गई है उसका नाम और नागरिकता
- (2) पर्यटक के पासपोर्ट की सं.
- (3) मव (बों) का विवरण
- (4) विदेशी मुद्रा में बिक्रय मूल्य और समतुल्य रुपये
- (5) विदेशी पर्यटक द्वारा दी गई विदेशी मुद्रा और विदेशी मुद्रा के यात्री चेक का विवरण

निर्यातक के हस्ताक्षर

पर्यटक के हस्ताक्षर

पंजीकरण सं.

पर्यटक के हस्ताक्षर	व्यापारी के हस्ताक्षर	पंजीकरण संख्या
---------------------	--------------------------	-------------------

सीमा शुल्क अधिकारी के हस्ताक्षर और मोहर

नोट :-- कृपया नीचे लिखी शर्तों का पढ़ें

- (1) . पासपोर्ट के साथ प्रति नरथी करनी है। (सफेद)
- (2) विदेशी पर्यटक को प्रति दी जानी है। (हरी)
- (3) आयात लाइसेंस आवेदन पत्र के साथ भेजा जाना है। (पीली)
- (4) निर्यातक द्वारा रखी जाने वाली प्रति (गुलाबी)

टिप्पणी :—कृपया इस विषय में सम्बन्धित शर्तों पन्ने के दूसरी ओर पढ़ें।

- (1) विदेशी पर्यटक को भेजी जाने वाली प्रति (सफेद)
- (2) आयात लाइसेंस के आवेदन पत्र के साथ भेजी जाने वाली प्रति (पीली)
- (3) व्यापारी के पास रखी जाने वाली प्रति (गुलाबी)

नोट:—इस वाउचर के अधीन खरीदा गया माल भारतवर्ष की सीमा के अन्दर किसी भी व्यक्ति को बेचना उप-हार में देने या अन्यथा रूप से निपटान करने के लिए बिल्कुल निषेध है।

परिशिष्ट—14-ब

आई. बी. आर. डी./आई. डी. ए./द्विपक्षीय/बहुपक्षीय
सम्बन्ध में और स्वतन्त्र बिबेसी मुद्रा में किए गए भुगतान के
इण्डिया लि. आदि को भेजे गए माल के सम्बन्ध में दिए जाने वाले

सहायता प्राप्त परियोजनाओं के मद्दे भारत में भेजे गए माल के
मद्दे संयुक्त राष्ट्र संघ और तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग/आयल
वस्तुओं के प्रपत्र

प्रपत्र—1क

आई. बी. आर. डी./आई. डी. ए./द्विपक्षीय/बहुपक्षीय
अभिकरणों द्वारा सहायता प्राप्त परियोजनाओं को भेजे गए माल
के लिए परियोजना प्राधिकारी द्वारा जारी किया जाने वाला
भुगतान का प्रमाण-पत्र

(क) प्रमाणित किया जाता है कि नीचे वर्णित और बीजक
से दिनांक में
वर्णित मात्रा और मूल्य का माल हमें दिनांक,

(संभरण की तारीख निर्दिष्ट कीजिए) को क्रय आदेश
सं. दिनांक के मद्दे
संभरित किया गया है और हमने संभरकों अर्थात् सर्वश्री . . .
(शब्दों में) को रुपये (शब्दों में
(शब्दों में) की धनराशि दिनांक
(भुगतान की तारीख निर्दिष्ट कीजिए) को चुका दी है जो कि संविदा के अनुसार
संभरित किए गए मूल्य का प्रति-
शत है। आगे यह प्रमाणित किया जाता है कि संभरण हमारे द्वारा
सी जा रही परियोजना में अन्तराष्ट्रीय प्रतियोगिता बोली के
मद्दे प्राप्त की गई संविदा की शर्तों के अनुसार किया गया है
और यह परियोजना पूर्ण रूप से आई. बी. आई. डी./आई.
डी. ए./द्विपक्षीय/बहुपक्षीय से सहायता प्राप्त है। हमने
बीजक में दर्शाई गई कीमत पर निर्धारित स्थान पर माल को
स्वीकार कर लिया है।

हस्ताक्षर

नाम

पदनाम

परियोजना का नाम

स्टेशन :

दिनांक :

भेजे गए माल का विवरण, मात्रा और मूल्य

हस्ताक्षर

नाम

पदनाम

परियोजना का नाम

स्टेशन :

दिनांक :

(नोट—यह प्रमाणपत्र परियोजना के मुख्य कार्यकारी इंचार्ज द्वारा
हस्ताक्षरित होना चाहिए)

अनुबन्ध—1-ख

ओ एन जी सी/जी ए आई एल/आयल इण्डिया लिमिटेड द्वारा
जारी किया जाने वाला भुगतान का प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि नीचे वर्णित और बीजक सं. . .
. दिनांक में वर्णित मात्रा और
मूल्य के माल/उपकरण हमें दिनांक
(संभरण की तारीख निर्दिष्ट कीजिए) को क्रय आदेश सं. . .
. दिनांक
के मद्दे संभरित किया गया है और हमने संभरकों अर्थात् सर्वश्री
. को रुपये
(शब्दों में) की धनराशि दिनांक
(भुगतान की तारीख निर्दिष्ट कीजिए)
को चुका दी है जो कि संविदा के अनुसार संभरित किए गए
माल/उपकरण के मूल्य का प्रतिशत है। आगे यह
प्रमाणित किया जाता है कि आपूर्ति संभरकों के साथ की गई
संविदा दिनांक के अनुसार है और बीजक
में दर्शाई कीमत पर हमारे द्वारा आपूर्ति स्वीकार कर ली गई
है।

हस्ताक्षर

नाम

स्टेशन

दिनांक

पदनाम

सील

भेजे गए माल का विवरण, मात्रा और मूल्य

हस्ताक्षर

नाम

पदनाम

परियोजना का नाम

स्टेशन

दिनांक

टिप्पणी:—यह प्रमाण-पत्र सम्बन्ध परियोजना के मुख्य कार्यकारी द्वारा अथवा उसके द्वारा नामित किसी वरिष्ठ अधिकारी जिसके नाम, पदनाम एवं नमूना हस्ताक्षर सम्बन्ध पत्र लाइसेन्सिंग प्राधिकरणों को परिपत्रित किए जा रहे हैं, द्वारा जारी किया जाए। अधिकारियों के नामों में परिवर्तन के लिए सम्योचित परामर्श भेजने का उत्तरदायित्व अनन्य रूप से सम्बन्ध परियोजना प्राधिकरणों पर होगा। किसी नकब सहायता का भुगतान अपना गलत प्रमाण-पत्रों के मद्दे स्वीकृत प्रतिपूर्ति लाइसेन्सों अथवा ऐसे किसी अधिकारी द्वारा अन्यथा रूप से जारी किए गए लाइसेन्सों के लिए परियोजना प्राधिकरणों को पूर्ण रूप से और अनन्य रूप से उत्तरदायी ठहराए जाएंगे।

प्रपत्र-2

आवेदक द्वारा दिया जाने वाला वचन पत्र

हम, सर्वश्री अपने आवेदन पत्र दिनांक के संबंध में को का भेजे गए माल

(खरीदने वाले का नाम) (माल का विवरण)

के मद्दे वचन देते हैं कि:—

(1) गारन्टी अवधि के दौरान उपस्कर के असंतोषजनक कार्य अथवा संविदात्मक समझौते के अनुसार खराब पुर्जों के प्रतिस्थापन पर यदि कभी भविष्य में हमें क्रेता अर्थात् को कोई धनराशि वापस करनी पड़ेगी तो ऐसी वापसी की तारीख से एक महीने के अंदर हमें लाइसेंस प्राधिकारी को पूर्ण विवरण के साथ सूचना भेजनी होगी।

(2) हमारे द्वारा परियोजना प्राधिकारी को वापस की गई धनराशि के संबंध में अनुपातिक धनराशि हम लाइसेंस प्राधिकारी को लौटा देंगे।

हस्ताक्षर

(स्पष्ट अक्षरों में नाम)

पदनाम

स्टेशन:

दिनांक :

प्रपत्र-3

घोषणा

(क) हम एतद् द्वारा घोषणा करते हैं कि :—

(क) दिनांक के आवेदनपत्र में उल्लिखित विवरण ठीक है;

(ख) आवेदनपत्र में उल्लिखित माल हमारे द्वारा प्राप्त की गई संविदा की शर्तों के अनुसार को भेजा गया है;

(ग) इन आपूर्तियों के मद्दे भुगतान स्वतंत्र विदेशी मुद्रा में प्राप्त किया गया है; और

(घ) आपूर्ति अन्तराष्ट्रीय मूल्य पर की गई है।

हस्ताक्षर

(स्पष्ट अक्षरों में नाम)

स्थान:

दिनांक:

पदनाम

आवेदक फर्म का नाम

घोषणा

(ख) हम एतद् द्वारा घोषणा करते हैं कि :—

(क) दिनांक के आवेदन पत्र में उल्लिखित विवरण ठीक है,

(ख) आवेदन पत्र में उल्लिखित माल हमारे द्वारा प्राप्त की गई संविदा की शर्तों के अनुसार को भेजा गया है।

(ग) इन आपूर्तियों के मद्दे भुगतान प्राप्त किया गया है, और

(घ) आपूर्ति ओ एन जी सी / भारतीय गैस अधिकरण लि./आयल इण्डिया लिमिटेड द्वारा की गई संविदा के अनुसार की गई है देखें उनका पत्र सं. दिनांक

हस्ताक्षर

नाम

(स्पष्ट अक्षरों में)

पदनाम

आवेदक फर्म का नाम

.

.

.

स्थान

दिनांक

प्रपत्र-4 (क)

और दिनांक (भुगतान की तारीख) को भुगतान किया गया था।

संयुक्त राष्ट्र संघ अथवा सम्बन्ध बहुराष्ट्रीय अभिकरणों द्वारा जारी किया जाने वाला प्रमाणपत्र

हस्ताक्षर

नाम

पदनाम

प्रमाणित किया जाता है कि नीचे दिए गए माल का विवरण, मात्रा और मूल्य जो कि आवेदनपत्र दिनांक में दिया गया है, हमको भारत में हमारे सहायता कार्यक्रमों में उपयोग के लिए सर्वश्री द्वारा भेजा गया है और हमने संभरक को स्वतन्त्र विदेशी मुद्रा में पूर्ण भुगतान कर दिया है। हम आगे यह भी प्रमाणित करते हैं कि यह माल अपने उपयोग के लिए इस्तेमाल नहीं किया जाएगा बल्कि हमारी धनबद्धता के अनुसार भारत में केवल सहायता कार्यक्रमों के लिए ही उपयोग किया जाएगा। हम संतुष्ट हैं कि माल अन्तराष्ट्रीय मूल्य पर भेजा गया है। माल दिनांक (माल भेजने की तारीख) को भेजा गया था और भुगतान दिनांक (भुगतान की तारीख) को किया गया था।

स्थान

दिनांक

संभरित किए गए माल का विवरण, मात्रा और मूल्य

हस्ताक्षर

स्थान नाम

दिनांक पदनाम

हस्ताक्षर

नाम

पदनाम

भेजे गए माल का विवरण, मात्रा एवं मूल्य

हस्ताक्षर

स्थान नाम
दिनांक पदनाम

प्रपत्र 4 (ख)

अन्तराष्ट्रीय प्रतियोगात्मक बांली के अन्तर्गत स्वतन्त्र विदेशी मुद्रा में भुगतान के लिए भारत में अधिप्राप्त संभरण के मद्दे खरीद करने वाले अभिकरण द्वारा जारी किया जाने वाला प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि नीचे दिए गए माल का विवरण, मात्रा और मूल्य के अनुसार और आवेदनपत्र दिनांक में दिए गए के अनुसार अन्तराष्ट्रीय प्रतियोगात्मक बांली के मद्दे हमको सर्वश्री के द्वारा संभरित किया गया है और हमने संभरक को स्वतन्त्र विदेशी मुद्रा में पूर्ण भुगतान कर दिया है। माल दिनांक (संभरण की तिथि) को संभरित किया गया था

हस्ताक्षर

नाम

स्थान पदनाम

दिनांक बैंक की मोहर

भेजे गए माल का विवरण, मात्रा और मूल्य

हस्ताक्षर

नाम

स्थान पदनाम

दिनांक बैंक की मोहर

परिशिष्ट 14 छ

फर्म का नाम और पता

भ्रष्टाचर के दौरान पर्यटक को की गई बिक्री का विवरण जिसके लिए प्रायात लाइसेंस लिया जा रहा है --

क्रम सं०	पर्यटक को बेचा गया उत्पाद (जिस उत्पाद समूह के अन्तर्गत बेचा गया है वह उत्पाद समूह और उसकी क्रम संख्या बताएं)	बिक्री बाउन्डर/कैस मोमो/प्रादेश की संख्या और तारीख	बेचे गए उत्पादों का विवरण	बेची गई वस्तुएं जिनकी प्रतिपूर्ति का दावा किया गया हो और उनका रूपों में पीन पर्यस्त नि शुल्क मूल्य	वे मर्जें जिन के लिए यहाँ प्रतिपूर्ति का दावा किया गया हो उनके लिए वसूल की गई विदेशी मुद्रा के बराबर रूप (बी/सी से प्राकट्य) होना चाहिए)	पीन पर्यस्त निशुल्क मूल्य जिन पर हकदारों का दावा किया जाता है। (यह मूल्य कालम 3 और 6 में बनाए गए दोनों मूल्यों से कम होना चाहिए)	प्रत्यक्षियां
1	2	3	4	5	6	7	8

1.
2.
3.
4.

- टिप्पणी (1) कालम 7 में दिए गए मूल्यों का जोड़ दिया जाना चाहिए।
- (2) जिन व्यक्ति ने भ्रष्टाचर फार्म पर भ्रष्टाचर के रूप में हस्ताक्षर किए हैं वही व्यक्ति व्योरे के विवरण पर भी हस्ताक्षर करें।

परिशिष्ट 14--ज

सभी भागीदारों के अधीन निर्यात का विवरण

सूचना

(लाइसेंस प्राधिकारी का नाम और पता),

हम

(निर्यातकर्ता का नाम और पता)

एतद्वारा घोषणा करते हैं कि हमने नीचे दिए गए व्योरे के अनुसार
अधीन निर्यात किया है --

(लाइसेंस भ्रष्टाचर) के दौरान समान हिस्सेदारी

बीजक संख्या और तारीख	माल का विवरण	खान बिल/पी०पी०रसीड/हवाई बिल की संख्या और तारीख	माल का संतुल्य स्थान	ला० बी०मा०/लागत और भाड़ा/पोत पर्यस्त निःशुल्क मूल्य के बिल की राशि	भाड़े की राशि	बीमे की राशि	पोत पर्यस्त निशुल्क मूल्य के बराबर राशि	जी० प्रार० भाई०/पी०पी० फार्म संख्या और विनांक
1	2	3	4	5	6	7	8	9

1.
2.
3.
4.

मैं/हम एतद् द्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि उपर्युक्त विवरण एवं वित्तीय सूचना मेरी/हमारी जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य एवं सही है और कुछ भी छिपाया नहीं गया है, सभी निर्धारित रजिस्टर/और रिकार्ड रखा गया है और वित्तीय सूचना उनसे ली गई है और यह रखे गये रजिस्टर एवं रिकार्ड के अनुसार है।

मैं आगे यह भी सत्यापित करता हूँ कि मैं इस विवरण की जांच करने एवं उस पर हस्ताक्षर करने के लिए प्राधिकृत हूँ।

मैं/हम यह पूरी तरह से समझते हैं कि उपर दी गई कोई सूचना यदि असत्य एवं गलत सिद्ध होती है तो उससे किसी दण्ड अथवा विधि में निर्धारित किसी अन्य प्रकार से या अन्यथा रूप से दण्ड का भागी हों उम्मा।

हस्ताक्षर
स्थान
निर्यातक का नाम
दिनांक
कार्यालय का पता

आवास का पूरा पता

यदि कोई दस्तावेज/रजिस्टर नहीं रखे गए हैं तो वे नीचे दिखाए जाएं :—

- (1)
- (2)
- (3)
- (4)

सनदी लेखापाल/लागत लेखापाल/कम्पनी सचिव का प्रमाण-पत्र

मैं/हम एतद्वारा पुष्टि करता हूँ/करते हैं कि मैंने/हमने मैसर्स के की अवधि के/की समाप्त अवधि/वर्ष के निर्धारित रजिस्ट्रों और उपयुक्त रिकार्डों की भी जांच कर ली है और एतद्वारा सत्यापित करता हूँ/करते हैं कि :—

- (1) मैसर्स) ने

(आवेदक का पूरा पता)

1985-88 की आयात एवं निर्यात नीति में यथा परिभाषित प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए शुचिन्दा अथवा गैर-शुचिन्दा निर्यातों के मूल्य के कुल जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य की गणना करने के पश्चात् और उसमें से सम्बन्धित वित्तीय वर्ष के दौरान जारी की गई आयात-निर्यात पास बुक में प्रभावित निर्यात या सम्बन्ध आयात-निर्यात नीति के अनुसार पात्रता के मद्दे अग्रिम/अग्रदाय लाइसेन्स, आर. ई. पी. लाइसेन्स/आयात हकदारियों के कुल लागत-बीमा-भाड़े के मूल्य को घटा कर आवेदन पत्र की क्रम संख्या 10 की विवरणी में विशिष्टीकृत तीनों वित्तीय वर्षों में प्रत्येक वर्ष की कुल विदेशी मुद्रा विनिमय की वसूली कर दी है।

- (2) आवेदक द्वारा निम्नीलिखित दस्तावेज और रिकार्ड प्रस्तुत किए गए हैं और मेरे/हमारे द्वारा उनकी जांच की गई है और उन्हें सत्यापित किया गया है :—

सम्बन्ध आयात-निर्यात नीति** के अनुसार पात्रताएं और निर्यात आदेश/संविदा, पोतलदान बिल, डिलीवरी बीजक, लदान बिल (और/या वायुमार्ग बिल/पी पी रसीद), सीमा शुल्क/सत्यापित बैंक बीजक, बैंक प्रमाण-पत्र, उनके अपने नाम में विदेशी मुद्रा में प्राप्त किए गए भुगतानों के साक्ष्य पत्र और संबंधित लेखा पुस्तकें, अग्रिम/अग्रदाय लाइसेन्स, आर. ई. पी. लाइसेन्स, सम्बन्ध वर्ष में जारी की गई आयात-निर्यात पास बुक, यदि कोई हो;

- (3) सम्बन्ध रजिस्टर मेरे/हमारे हस्ताक्षर/मोहर के अन्तर्गत अधिप्रमाणित किए गए हैं;
- (4) उपर्युक्त विवरण पत्र में दी गई वित्तीय सूचना सम्बन्धित रजिस्ट्रों और रिकार्डों के अनुसार है, यह सूचना निर्यातक द्वारा रखी गई लेखा पुस्तकों में संयोजित कर ली गई है, और यह सत्य एवं सही भी है;
- (5) यह सुनिश्चित किया जाता है कि प्रस्तुत की, गई सूचना हर तरह से सत्य एवं सही है; इसका कोई भी भाग गलत अथवा भ्रमक नहीं है और न ही कोई सम्बन्धित सूचना छिपाई अथवा रोकी गई है;
- (6) मैं और न ही मेरे भागीदार में से कोई भी, उपर्युक्त-नामित संस्था अथवा इसके सम्बन्धित उद्यमों का भागीदार, निदेशक अथवा कर्मचारी है;
- (7) मैं/हम यह अच्छी तरह से समझता हूँ/समझते हैं कि यदि इस प्रमाण-पत्र में उल्लिखित कोई विवरण गलत अथवा असत्य सिद्ध होता है तो यह मुझे/हमें किसी ऐसे बंड अथवा अन्य परिणाम, जैसा कि विधि में निर्धारित है या अन्यथा रूप से उपयुक्त है के लिए भागीदार करेगा।

(हस्ताक्षर और मोहर)

हस्ताक्षरकर्ता की सील

(सनदी लेखापाल/लागत लेखापाल/कम्पनी सचिव)

स्थान :

हस्ताक्षरकर्ता का नाम

पूरा पता

दिनांक :

सदस्यता सं.

**यदि उपर्युक्त मद (2) में उल्लिखित कोई दस्तावेज और रिकार्ड नहीं व्यवस्थित किए गए/दिए गए हैं, जांच किए गए या सत्यापित किए गए हैं तो उन्हें नीचे विशिष्टीकृत किया जाए।

परिशिष्ट 14 स

1985-88 के लिए आयात-निर्यात प्रक्रिया पुस्तक की कंठिका 329 के अनुसार आर० ई० पी० लाइसेंस के दावों के लिए सर्वे श्री..... द्वारा निर्यातित माल के संबंध में मनवी लेखापाल द्वारा सत्यापित निर्यातों के ब्यौरे

बीजक संख्या और दिनांक	सीमा शुल्क प्राधिकारियों द्वारा अधिवत् अधिप्रमाणित पोतलदान बिल की संख्या और दिनांक	सदान बिल/बाक रसीद और या हुआई मार्ग बिल सं० और दिनांक/पेट रसीद सं० और दिनांक	निर्यातित माल के ब्यौरे	आयात नीति के परिशिष्ट 17 के अनुसार निर्यातित उत्पादन का वर्गीकरण	भुगतान किए गए या देय कमीश रहित जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य जैसा कि बैंक प्रमाण-पत्र की सं० और दिनांक के अनुसार बैंक द्वारा सत्यापित किया गया है
-----------------------	--	---	-------------------------	--	---

1	2	3	4	5	6
---	---	---	---	---	---

सनदी लेखापाल/लागत लेखापाल/कम्पनी सचिव का प्रमाण-पत्र

मैं/हम एतद्वारा पुष्टि करता हूँ/करते हैं कि मैंने/हमने मैसर्स

से की अवधि के/

की समाप्त अवधि/वर्ष के निर्धारित रजिस्ट्रों और उपयुक्त रिकार्डों की भी जांच कर ली है और एतद्वारा सत्यापित करता हूँ/करते हैं कि :—

(1) मैसर्स

(आवेदक का पूरा पता)

1985-88 की आयात एवं निर्यात नीति में यथा परिभाषित प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए चूनिन्दा अथवा गैर-चूनिन्दा निर्यातों के (मूल्य के कुल जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य की गणना करने के पश्चात् और उसमें से सम्बन्धित वित्तीय वर्ष के दौरान जारी की गई आयात-निर्यात पास बुक में प्रभावित निर्यात या सम्बद्ध आयात-निर्यात नीति के अनुसार पाशता के मध्ये अग्रिम/अग्रदाय लाइसेंस, आर. ई. पी. लाइसेंस/आयात हकदारियों के कुल लागत-बीमा-भाड़े के मूल्य को घटा कर आवेदन पत्र की क्रम संख्या 10 की विवरणी में विशिष्टीकृत तीनों वित्तीय वर्षों में प्रत्येक वर्ष की कुल विदेशी मुद्रा विनिमय की बसूली कर दी है।

2) आवेदक द्वारा निम्नीलिखित दस्तावेज और रिकार्ड प्रस्तुत किए गए हैं और मेरे/हमारे द्वारा उनकी जांच की गई है और उन्हें सत्यापित किया गया है :—

सम्बद्ध आयात-निर्यात नीति** के अनुसार पात्रताएं और निर्यात आदेश/संविदा, पोतलदान बिल, डिली-वरी बीजक, लदान बिल (और/या वायुमार्ग बिल/पी पी रसीद), सीमा शुल्क/सत्यापित बैंक बीजक, बैंक प्रमाण-पत्र, उनके अपने नाम में विदेशी मुद्रा में प्राप्त किए गए भुगतानों के साक्ष्य पत्र और संबंधित लेखा पुस्तकों, अग्रिम/अग्रदाय लाइसेंस, आर.

ई. पी. लाइसेंस, सम्बद्ध वर्ष में जारी की गई आयात-निर्यात पास बुक, यदि कोई हो;

(3) सम्बद्ध रजिस्टर मेरे/हमारे हस्ताक्षर/मोहर के अन्तर्गत अधिप्रमाणित किए गए हैं;

(4) उपर्युक्त विवरण पत्र में दी गई वित्तीय सूचना सम्बन्धित रजिस्ट्रों और रिकार्डों के अनुसार है, यह सूचना निर्यातक द्वारा रखी गई लेखा पुस्तकों में संयोजित कर ली गई है, और यह सत्य एवं सही भी है;

(5) यह सुनिश्चित किया जाता है कि प्रस्तुत की गई सूचना हर तरह से सत्य एवं सही है; इसका कोई भी भाग गलत अथवा भ्रमक नहीं है और न ही कोई सम्बन्धित सूचना छिपाई अथवा रोकी गई है;

(6) मैं और न ही मेरे भागीदार में से कोई भी, उपर्युक्त-नामित संस्था अथवा इसके सम्बन्धित उद्यमों का भागीदार, निदेशक अथवा कर्मचारी है;

(7) मैं/हम यह अच्छी तरह से समझता हूँ/समझते हैं कि यदि इस प्रमाण-पत्र में उल्लिखित कोई विवरण गलत अथवा असत्य सिद्ध होता है तो यह मुझे/हमें किसी ऐसे दंड अथवा अन्य परिणाम, जैसा कि विधि में निर्धारित है या अन्यथा रूप में उपयुक्त है के लिए भागीदार करेगा।

(हस्ताक्षर और मोहर)

हस्ताक्षरकर्ता की सील

(सनदी लेखापाल/लागत लेखापाल/कम्पनी सचिव)

स्थान :

हस्ताक्षरकर्ता का नाम

पूरा पता

दिनांक :

सदस्यता सं

**यदि उपर्युक्त मंत्र (2) में उल्लिखित कोई दस्तावेज और रिकार्ड नहीं व्यवस्थित किए गए/दिए गए हैं, जांच किए गए या सत्यापित किए गए हैं तो उन्हें नीचे विशिष्टीकृत किया जाए।

परिशिष्ट-14-अ

प्रपत्र-ब

पंजीकृत निर्यातकों द्वारा किए गए निर्यातों के मद्दे माल का आयात करने के लिए आवेदन पत्र का प्रपत्र

भाग-1

1. आवेदक का नाम और पता
2. उद्योग की किस्म, क्या सार्वजनिक कम्पनी या निजी कम्पनी, साझेदारी या हिन्दू अविभाजित पारिवारिक उद्योग है
3. जैसा भी मामला हो, संचालकों, भागीदारों, स्वामियों या कर्ता का नाम
4. (1) क्या आप विनिर्माता निर्यातक, व्यापारी निर्यातक या निर्यात सदन*/व्यापार सदन है
- (2) वैध पंजीकरण प्रमाण-पत्र की संख्या और दिनांक और उसकी फोटोस्टेट/प्रमाणित प्रति।
- (3) यदि निर्यात सदन/व्यापार सदन है तो निर्यात सदन/व्यापार सदन प्रमाण-पत्र की संख्या और दिनांक और वह तारीख जिस तक वैध है और उसकी फोटो-स्टेट/प्रमाणित प्रति भी संलग्न की जानी है।
5. निर्यातों के ब्यौरे
 - (क) माल का ब्यौरा
 - (ख) आयात-निर्यात नीति के परिशिष्ट-17 की क्रम सं./उपक्रम सं.
 - (ग) निर्यात अवधि

*जो लागू हो उसका उल्लेख करें।
 - (घ) (1) जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य
 - (2) इस आवेदन-पत्र के अन्तर्गत आने वाले निर्यातों पर विदेशी अभिकर्ता को अदा किए गए या किए जाने वाले कमीशन या छूट की धन-राशि।
 - (3) वास्तविक जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य (i) घटा (ii)
6. सूना गया विकल्प
मासिक/त्रैमासिक/अर्धवार्षिक/वार्षिक
7. इस आवेदन पत्र के अन्तर्गत आने वाले निर्यातों के मद्दे यदि कोई अग्रिम/विशेष अग्रदाय लाइसेंस प्राप्त किए हों, तो उनके ब्यौरे
8. क्या आवेदक द्वारा उसी उत्पाद वर्ग के अधीन आने वाले निर्यात के मद्दे कोई आवेदन किया गया है, यदि हाँ, तो ब्यौरा दिया जाए

9. आवेदित लाइसेंस का लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य

10. आवेदन शुल्क के भुगतान के लिए बैंक रसीद/डिमांड ड्राफ्ट की संख्या और दिनांक (मूल बैंक रसीद/डिमांड ड्राफ्ट संलग्न किया जाना है)।

हस्ताक्षर -----

साफ अक्षरों में नाम -----

पद -----

कार्यालय का पूरा पता-----

पूरा निवास स्थान का पता-----

दिनांक :

वचन/घोषणा

1. मैं/हम एतद्वारा सत्यनिष्ठ पूर्वक यह वचन देता हूँ/देते हैं/घोषणा करता हूँ/करते हैं :-

- (1) कि कालम 7 के सामने उल्लिखित अग्रिम लाइसेंस (लाइसेंसों) को छोड़कर इस आवेदन पत्र के अन्तर्गत आने वाले निर्यातों के मद्दे आयात लाइसेंस के लिए और कोई अन्य आवेदन पत्र नहीं दिया गया है या भविष्य में नहीं दिया जाएगा।
- (2) (प्रेषण) प्रेषणों/पार्सल (पार्सलों) को वापस नहीं किया गया है। यदि किसी समय प्रेषिती द्वारा निर्यातित माल वापस किया गया है या यदि सम्बन्धित माल के सम्बन्ध में बिक्री की रकम निर्यात की तिथि से छः महीनों के भीतर या ऐसी बढ़ाई गई अवधि जो भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा स्वीकृत हो, के भीतर प्राधिकृत माध्यम द्वारा वसूल नहीं की गई है, तो उसकी आवश्यक सूचना उसके एक महीने के भीतर लाइसेंस प्राधिकारी को भेजी जाएगी और इस संबंध में अन्य कार्रवाई जो की जा सकती है उसको ध्यान में रखे बिना इस आवेदन-पत्र के मद्दे जारी किए गए लाइसेंसों के मूल्य को मुझे/हमें भविष्य में देज आयात लाइसेंसों के मद्दे समंजित कर दिया जाएगा इस आवेदन पत्र के अन्तर्गत आने वाले निर्यातों से सम्बन्ध किसी जुर्मन या नुकसान के कारण किसी भी समय विदेशी खरीददार को यदि कोई धनराशि अदा की जाती है, तो उसकी सूचना उसके एक महीने के भीतर लाइसेंस प्राधिकारी को भेजी जाएगी।

- परा निवास स्थान का पता-----

स्थान :
दिनांक
संलग्नकों की संख्या

पृष्ठ-2

घन बैलों का नाम और पता (जिल्हों वैत प्रमाण पत्र जारी किया है)	वैत प्रमाण पत्र की सं० और दिनांक (मूल प्रमाणपत्र बांध लगाया जाह)	बीचत सं० जो वैत प्रमाण पत्र में दी गई है।	सीमा शुल्क अधिकारी द्वारा विनिर्गत प्रमाणीकृत पोत परिमद्वन बिज की ई०पी० प्रति की बंकाहं व दिनांक	निर्वाचित उत्पाद का विवरण (आयात-बीति की क्रम सं० और शुल्क सं० का उल्लेख करें)
1	2	3	4	5
जब निर्यात लागत -बीमा भाड़ा या लागत पूर्व भाड़ा शुल्क के आधार पर किया गया है तो बंकाहं	प्रदा किया गया वा देव विदेशी अधिकारी का कमीशन	प्रदा किया गया प्रचका देव को बंकाहं विदेशी का बंकाहं पर निर्यात शुल्क ¹¹¹	कमीशन	देव आधारत प्रतिपूर्ति की दर और प्रचराति
			दर	राति
बिदा पदा नाकरप्रचार र०	बिदा पदा बीमाप्रचार र०	र०	र०	र०
6	7	8	9	10
				11

मैं/हम एतद्वारा घोषणा करते हैं/करते हैं कि विवरण में दी गई सूचना सही है। मैं/हम यह भी वचन देता हूँ/देते हैं कि यदि किसी मामले में इस विवरण में निहित सूचना गलत, झूठी या भ्रामक पाई गई तो इस विवरण के आधार पर प्रदान किए गए आयात लाइसेंस के मूल्य इस सम्बन्ध में की जाने वाली अन्य कार्रवाई के अलावा मझे/हमें या मेरे/हमारे नामितों

को दिये जागामी आयात लाइसेन्सों के मूल्य समर्पित करना लिया जाएगा।

आवेदक के हस्ताक्षर
स्पष्ट अक्षरों में नाम
पदनाम
कार्यालय का पूरा पता
निवास का पता

भाग—।।।

आयकर घोषणा का प्रपत्र परिशिष्ट—2ण में दिया गया है।

परिशिष्ट—14-ब

निर्यात के लिए हवाई जहाज से भेजे जाने वाले माल का समेकन

कुछ ऐसे जहाज एजेंट हैं जिन्हें अन्तर्राष्ट्रीय हवाई पत्तन परिवहन संघ (अ.ह.प.प.स.) द्वारा अनुमोदन तथा प्रमुख एयर लाइनों द्वारा मान्यता प्राप्त है। प्रत्येक अनुमोदित अ.ह.प.प.स. एजेंट का अलग अ.ह.प.प.स. कोड नम्बर है। ऐसे एजेंट अलग-अलग निर्यातकर्ताओं के लिए हवाई जहाज से भेजने के लिए माल के समेकन की व्यवस्था करते हैं। इस व्यवस्था के अन्तर्गत हवाई जहाज से विदेश के माल भेजने वाले अलग-अलग निर्यातकर्ताओं को उनके द्वारा दिए जाने वाले हवाई भाड़े में लाभ प्राप्त होगा।

2. इस सविधा का लाभ उठाने वाले निर्यातकर्ता से अपेक्षा की जाती है कि वे सम्बद्ध लदान बिल को सीमाशुल्क प्राधिकारियों से विधिवत् पारित तथा अधिप्रमाणित कराएं। ऐसे अलग-अलग पोत-परिवहन बिलों से संबंधित सामान समेकक द्वारा इकट्ठा किया जाएगा जो अ.ह.प.प.स. के अनुमोदित अधिकर्ता हैं। समेकक एक मास्टर हवाई बिल (एम.ए.बी.) तैयार करेगा। मास्टर हवाई बिल में यथा उल्लिखित निर्यात किए गए माल का विवरण इस प्रकार दिया जाएगा "संलग्न सूची के अनुसार समेकित माल"। मास्टर हवाई बिल में निविष्ट सूची में प्रत्येक परेषण के संबंध में निर्यातकर्ता का नाम, माल का विवरण और उसकी मात्रा और वजन, लदान बिल सं. और हाउस हवाई बिल सं. दी जाएगी। हाउस हवाई बिल (एच.ए.बी.) समेकक द्वारा हर ऐसे निर्यातकर्ता को जारी किया जाएगा जिससे सम्बन्धित परेषणों का माल इकट्ठा किया गया है। हाउस हवाई बिल में संबंधित अलग-अलग निर्यातकर्ता के परेषण के वे सभी ब्यौरे दिए जायेंगे जो कि सामान्य हवाई बिल में दिए जाते हैं। विषयाधीन माल मास्टर हवाई बिल के आधार पर जहाज द्वारा निर्यात किया जाएगा। ऐसे निर्यातों के मामलों में जहां आयात प्रतिपूर्ति का दावा करने के लिए हवाई बिल प्रस्तुत किया जाता है, उनमें बैंक और लाइसेंस प्राधिकारी यदि वे अन्यथा रूप से सही हों, तो स्वीकार करेंगे बशर्ते कि संबंधित एयर लाइन द्वारा इस

आशय का प्रमाण-पत्र दिया जाए और उस मास्टर हवाई बिल की संस्था और तारीख का उल्लेख कर दिया जाए जिसका वह हिस्सा है। प्रमाणपत्र इस प्रकार होना चाहिए :

इस हाउस हवाई बिल में बताया गया माल मास्टर हवाई बिल सं. दिनांक द्वारा निर्यात किया जा चुका है।

अलग-अलग निर्यातकर्ता अपने अपने हाउस हवाई बिल बैंक प्रमाणपत्र जारी किए जाने के लिए बैंकों को प्रस्तुत करेंगे और जहां कहीं आवश्यक हो, पंजीकृत निर्यातकर्ताओं से संबंधित आयात नीति के अन्तर्गत दी जाने वाली सुविधाओं के दावों के लिए लाइसेंस प्राधिकारियों को भी पेश करेंगे।

3. ऐसे मामलों में निर्यात की तारीख मास्टर हवाई बिल की तारीख मानी जाएगी जो कि संबंधित एयर लाइन द्वारा हाउस हवाई बिल में उल्लिखित की गई होगी। आयात आपूर्ति के लिए निर्यात सामग्री का पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य निकालने के लिए निर्यातकर्ता द्वारा समेकक को (अ.ह.प.प.स. एजेंट) अवा किए गए हवाई भाड़े की राशि को लेख में शामिल किया जाएगा। स्थापन के लिए अ.ह.प.प.स. में एजेंट लाइसेंस प्राधिकारियों को भारतीय हवाई सामान एजेंट संस्था के माध्यम से विभिन्न वस्तुओं और गन्तव्य स्थानों के लिए निर्यातकर्ताओं से वसूल की जाने वाली हवाई भाड़ा दरों की अपनी प्रकाशित अनुसूचियों की प्रतियां प्रस्तुत करेंगे।

4. उपर्युक्त पैरा 2 में बताई गई विधि के अनुसार समेकित रूप में भेजे जाने वाले सामान के लिए निर्यातकर्ता को निर्यात ठेका निष्पादित करते समय साख पत्र में इस आशय का आवश्यक खंड भी शामिल करा लेना चाहिए ताकि ऐसे निर्यातों के लिए निर्यात की राशि वसूल की जा सके।

5. ऐसे मामलों में निर्यातकर्ता को पंजीकृत निर्यातकर्ता के लिए आयात नीति के अन्तर्गत निर्धारित दूसरे दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे।

परिशिष्ट—14-ठ

आयात-निर्यात नीति, 1985-88 के अंतर्गत निर्यात निष्पादन प्रमाण-पत्र प्रदान करने के लिए आवेदन-पत्र

1. आवेदक एकक का नाम और पता
2. आवेदक के कारखाने का नाम
3. औद्योगिक लाइसेंस या प्रायोजक प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए पंजीकरण प्रमाण-पत्र या उद्योग निवेशक द्वारा जारी किए गए लघु उद्योग पंजीकरण प्रमाण-पत्र की संख्या और दिनांक
4. यदि कोई हो तो, निर्यात संवर्धन परिषद् या अन्य सम्बन्धित निर्यात संवर्धन पंजीकरण प्राधिकारी द्वारा आवेदक को विनिर्दिष्ट निर्यातक के रूप में जारी किए गए निर्यात संवर्धन परिषद् पंजीकरण की संख्या और दिनांक
5. अंतिम उत्पाद
6. परिशिष्ट 16 में 'चुनिन्दा' उत्पाद की सूची में विनिर्मित अंतिम उत्पाद की क्रम संख्या
7. एकक की अनुज्ञापित क्षमता
8. पूर्ववर्ती तीन वित्तीय वर्षों के दौरान विभिन्न चुनिन्दा उत्पादों के उत्पादन का वास्तविक मूल्य (सभी प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष उत्पादन लागत सहित, ज़ारा, ध्याज, लगाने बलि शुल्क एवं कर और लाभ हत्यादि सहित)।
9. पूर्ववर्ती तीन वित्तीय वर्षों के दौरान आवेदक द्वारा विनिर्मित और निर्यात किए गए उपर्युक्त क्रम संख्या 5 में उल्लिखित चुनिन्दा उत्पाद के निर्यात का कुल जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य
10. उपर्युक्त क्रम सं० 8 पर उत्पादन के वास्तविक मूल्य का उपर्युक्त तीन वर्षों के प्रत्येक वर्ष का उपर्युक्त क्रम सं० 9 के सामने के उत्पाद के निर्यात के जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य का प्रतिशत)

मैं/हम एतद्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि इन विवरण में दिए गए सही हैं और किसी भी बात को छुपाया नहीं गया है या रोक रखा नहीं गया है। कि सभी निर्धारित रजिस्टर एवं रिकार्ड रखे गये हैं और इनमें से वित्तीय सूचना ली गई है।

(1) मैं/हम एतद्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि

वह साल जिनका निर्माण हमारे खुद के नाम में नहीं किया गया था, और जिसका निर्यात ऊपर बताए गए के अनुसार दूसरे के माध्यम से किया गया था, वह वास्तव में मेरे/हमारे द्वारा विनिर्मित था और इसके सम्बन्ध में संतोषजनक दस्तावेजी साक्ष्य मेरे/हमारे पास हैं जिन्हें मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात नई दिल्ली द्वारा प्रोत्साहित/संबद्ध/सहमत प्राधिकारी द्वारा मागे जाने पर तुरन्त प्रस्तुत करने का मैं/हम बचन देता हूँ/दिते हैं और ऐसा करने में असमर्थ होने पर हमारे विरुद्ध हम सम्बन्ध में कोई भी कार्रवाई की जा सकती है।

(2) मैं आगे प्रमाणित करता हूँ कि मैं आवेदक के स्थान पर इन विवरण को मंजूरित और हस्ताक्षर करने के लिए प्राधिकृत हूँ।

(3) मैं/हम पूर्ण रूप से जानता हूँ/जानते हैं कि उपर्युक्त विवरण में दी गयी कोई भी सूचना यदि असत्य एवं गलत सिद्ध होगी तो मैं/हम कानून से निर्धारित किसी भी दण्ड या अन्यथा रूप से लिखित दण्ड के भागी होऊंगा/होंगे।

*यदि कोई दस्तावेज अथवा रिकार्ड नहीं रखे गये हैं तो उनके बारे में नोट उल्लेख करें।

1

2

3

4

मनदी लेखापाल/लागत लेखापाल/कम्पनी सचिव का प्रमाण-पत्र

मैं/हम एतद्वारा पुष्टि करता हूँ/करते हैं कि मैंने/हमने मैसर्स _____ की अवधि के/की समाप्त अवधि/वर्ष के निर्धारित रजिस्ट्रों और उपयुक्त रिकार्डों की भी जाँच कर ली है और एतद्वारा स्थापित करता हूँ/करते हैं कि :—

(1) मैसर्स _____ ने

(आवेदक का पूरा पता)

1985-88 की आयात एवं निर्यात नीति में यथा परिभाषित प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए चुनिन्दा अथवा गैर-चुनिन्दा निर्यातों के मूल्य के कुल जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य की गणना करने के पश्चात् और उसमें से सम्बन्धित वित्तीय वर्ष के दौरान जारी की गई आयात-निर्यात पास बुक में प्रभावित निर्यात या सम्बन्ध आयात-निर्यात नीति के अनुसार पात्रता के मद्द् अग्रिम/अग्रदाय लाइसेन्स, आर. ई. पी. लाइसेन्स/आयात हकवारियों के कुल लागत-बीमा-भाड़े के मूल्य को घटा कर आवेदन पत्र की क्रम संख्या 10 की विवरणी में विशिष्टीकृत तीनों वित्तीय वर्षों में प्रत्येक वर्ष की कुल विदेशी (मुद्रा विनिमय की बसूली कर दी है।

(2) आवेदक द्वारा निम्नलिखित वस्तावज और रिकार्ड प्रस्तुत किए गए हैं और मेरे/हमारे द्वारा उनकी जाँच की गई है और उन्हें स्थापित किया गया है :—

सम्बन्ध आयात-निर्यात नीति** के अनुसार पात्रताएं और निर्यात आदेश/संविदा, पोतलवान बिल, डिलीवरी बीजक, लदान बिल (और/या वायुमार्ग बिल/पी पी रसीद), सीमा शुल्क/स्थापित बैंक बीजक, बैंक प्रमाण-पत्र, उनके अपने नाम में विदेशी मुद्रा में प्राप्त किए गए भुगतानों के साक्ष्य पत्र और संबंधित लेखा पुस्तकों, अग्रिम/अग्रदाय लाइसेन्स, आर. ई. पी. लाइसेन्स, सम्बन्ध वर्ष में जारी की गई आयात-निर्यात पास बुक, यदि कोई हो;

(3) सम्बन्ध रजिस्टर मेरे/हमारे हस्ताक्षर/मोहर के अन्तर्गत अधिप्रमाणित किए गए हैं;

(4) उपर्युक्त विवरण पत्र में दी गई वित्तीय सूचना सम्बन्धित रजिस्ट्रों और रिकार्डों के अनुसार है, यह सूचना निर्यातक द्वारा रखी गई लेखा पुस्तकों में संयोजित कर ली गई है, और यह सत्य एवं सही भी है;

(5) यह सुनिश्चित किया जाता है कि प्रस्तुत की गई सूचना हर तरह से सत्य एवं सही है; इसका कोई भी भाग गलत अथवा भ्रामक नहीं है और न ही कोई सम्बन्धित सूचना छिपाई अथवा रोकी गई है;

(6) मैं और न ही मेरे भागीदार मैं से कोई भी, उपर्युक्त-नामित संस्था अथवा इसके सम्बन्धित उद्यमों का भागीदार, निवेशक अथवा कर्मचारी है;

(7) मैं/हम यह अच्छी तरह से समझता हूँ/समझते हैं कि यदि इस प्रमाण-पत्र में उल्लिखित कोई विवरण गलत अथवा असत्य सिद्ध होता है तो यह मुझे/हमें किसी ऐसे बंड अथवा अन्य परिणाम, जैसा कि विधि में निर्धारित है या अन्यथा रूप से उपयुक्त है के लिए भागीदार करेगा।

(हस्ताक्षर और मोहर)

हस्ताक्षरकर्ता की सील

(मनदी लेखापाल/लागत लेखापाल/कम्पनी सचिव)

स्थान :

हस्ताक्षरकर्ता का नाम

पूरा पता

दिनांक :

सदस्यता सं.

**यदि उपर्युक्त मव (2) में उल्लिखित कोई दस्तावेज और रिकार्ड नहीं व्यवस्थित किए गए/दिए गए हैं, जाँच किए गए या स्थापित किए गए हैं तो उन्हें नीचे विशिष्टीकृत किया जाए।

टिप्पणी:—(1) विवरण के सभी पृष्ठ उस मनदी लेखापाल/लागत लेखापाल/कम्पनी द्वारा प्रमाणित होने चाहिए जो संबंधित निर्यातक किया या उसकी सहयोगी फर्म का भागीदार, निदेशक या कर्मचारी न हों।

(2) इस प्रयोजन के लिए निम्नलिखित निर्यात लेखों में लिए जाएंगे :—

(1) आयात-निर्यात नीति (खंड-1) परिशिष्ट (16) में उल्लिखित "चुनिन्दा" निर्यात उत्पादों के संबंध में सभी निर्यात।

(2) आयात-निर्यात नीति के पैरा 2.21(3) के अंतर्गत वैध आयात लाइसेन्स के धारकों के लिए देशी माल का संभरण।

(3) भारत में बने चुनिन्दा उत्पादों के किए गए निर्यात के रूप में माने गए संभरण।

(4) स्वतंत्र विदेशी मुद्रा में नेपाल, अफगानिस्तान और भूटान को निर्यात।

परिशिष्ट-14-3

व्यापार विकास प्राधिकरण द्वारा दी गई सेवाओं का पैकेज

व्यापार विकास प्राधिकरण के मुख्य उद्देश्यों में से एक उद्देश्य निर्यात उत्पादन और बाजार के क्षेत्रों में अत्यधिक सेवाएं प्रदान करके लघु एवं मध्यम पैमाने के एककों की निर्यात क्षमता का विकास करना है। पैकेज सर्विसिंग योजना का मूल विषय अपने पंजीकृत ग्राहकों को समान रूप से सभी सेवाएं प्रदान करना है ताकि उसके द्वारा प्रक्रियात्मक विलम्ब दूर हो सके और सभी निर्यातों का उचित समय में संभरण का सुनिश्चय हो सके। व्यापार विकास प्राधिकरण द्वारा प्रदान किये गये विभिन्न निवेश/सेवाएं नीचे दर्शाई गई हैं :—

- (क) नमूनों, डाइंग, तकनीकी साहित्य और विशिष्ट-करणों और (ख) उत्पाद विकास के लिये कच्ची सामग्री, संघटकों, उपभोज्यों, औजार और परीक्षण उपस्कर का प्रारम्भिक छोटे लाट में आयात।

भारत सरकार ने व्यापार विकास प्राधिकरण में उनको ग्राहकों को उत्पाद विकास में सहायता देने के लिए स्वतन्त्र विदेशी मुद्रा का आबंटन प्रदान किया है। इस सम्बन्ध में यह ग्राहकों की मांग को पूरा करेगा बशर्ते कि यह संतुष्टि हो जाए कि उसके ग्राहक दीर्घकाल तक निर्यात के लिये उत्पाद विकास में अधिक रुचि रखते हैं। इस उद्देश्य के लिए सुविधा प्राप्त करने के इच्छुक ग्राहकों को चाहिए कि वे अपने आवेदन पत्र वास्तविक उपयोगताओं के लिये निर्धारित प्रपत्र में आवश्यक राजकीय धालान के साथ सीधे ही मुख्य वाणिज्य प्रभाग को भेजें। आवेदकों को निर्यात के लिये विकसित किये जा रहे उत्पादों का विवरण और बाजार जिसके लिये यह है, भी भेजने चाहिये। जांच पड़ताल के बाद ये आवेदन पत्र मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात, व्यापार विकास अधिकारी को लाइसेंस जारी करने के लिये सीधे ही भेजे जायेंगे।

नमूनों का कर मुक्त आयात

यदि उपयोग के लिये या निर्यात आदेश प्राप्त करने के सम्बन्ध में उपयोग के लिये नमूनों का भारत में आयात किया जा सकता है और यदि व्यापार विकास प्राधिकरण यह प्रमाणित कर दे कि नमूनों की आवश्यकता उपयोग के लिए या निर्यात आदेश प्राप्त करने के सम्बन्ध में उपयोग के लिये है तो इंजीनियरी माल के ऐसे रूपों का वित्त मंत्रालय की अधिसूचना में 186/76 और 187/76 के अनुसार सीमाशुल्क कर के भूगतान से छूट दे दी गई है। आयात की सुविधा 1,000/- रु. के नमूनों तक ही सीमित है। 1000/- रु. से अधिक नमूनों के मामलों में सहायक सीमा शुल्क समाहर्ता को इस सम्बन्ध में एक वचनबद्धता देनी होगी कि आयात करने के छः महीने की अवधि के भीतर अथवा सहायक सीमा शुल्क समाहर्ता द्वारा बढ़ाई गई अवधि के अन्तर्गत नमूने भारत से बाहर पुनः निर्यात किये जायेंगे।

उपयुक्त बातों के अतिरिक्त सरकार ने व्यापार विकास प्राधिकरण को प्रतिपूर्ति लाइसेंसों के मद्दे 1985-88 की आयात नीति के पैरा 217 के अंतर्गत तकनीकी नमूनों के आयात के लिये भी प्राधिकृत किया है। इस सुविधा को उपलब्ध करने वाले ग्राहक तकनीकी नमूनों का आयात करने

लिए अपने आवेदन-पत्र व्यापार विकास प्राधिकरण के माध्यम से भेज सकते हैं।

नियमित निर्यात उत्पादन के लिए आर.ई.पी. के अन्तर्गत अग्रिम और अप्रदाय लाइसेंस

उपयुक्त श्रेणी के लाइसेंसों के लिये नीतियां और क्रिया विधियां मूलतः वही होंगी जो कि आयात-निर्यात क्रियाविधि पुस्तक, 1985-88 में निर्धारित की गई है। लेकिन, विलंब दूर करने के लिये ग्राहकों को निर्धारित दस्तावेजों के साथ आवेदन-पत्र व्यापार विकास प्राधिकरण के मुख्य वाणिज्य प्रभाग को भेजने चाहिये। व्यापार विकास प्राधिकरण ने मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के साथ एक सरल क्रियाविधि की व्यवस्था की है जिसके द्वारा व्यापार विकास प्राधिकरण की सिफारिश पर ऐसे लाइसेंस शीघ्रता से जारी किये जा सकेंगे।

संतुलन/आधुनिकीकरण/क्षमता की वृद्धि के लिए पूर्णगत उपस्कर और नए औजारों का आयात

व्यापार विकास प्राधिकरण के ग्राहकों से निर्यात अभिमूख एककों के लिये पूर्णगत माल के आयात के लिये निर्धारित क्रियाविधियों के अन्तर्गत आयात आवेदन पत्र व्यापार विकास प्राधिकरण के मुख्य वाणिज्य प्रभाग को सीधे ही भेजे जाने चाहिये। यदि ऐसे आयात, व्यापार विकास प्राधिकरण की अनुमोदित योजना और कार्यक्रम के अनुसार होंगे, तो व्यापार विकास प्राधिकरण अनिवार्यता के सम्बन्ध में देसी दृष्टिकोण से उचित सरकारी प्राधिकारियों से अपेक्षित निकासी और पूर्णगत माल लाइसेंस समिति से अनुमोदन प्राप्त करने का प्रबन्ध करेगा।

औद्योगिक लाइसेंस जारी करना और विदेशी मुद्रा का अनुमोदन

निर्यात अभिमूख एककों के सम्बन्ध में व्यापार विकास प्राधिकरण अपने ग्राहकों के लिए औद्योगिक लाइसेंस जारी करने और विदेशी सहयोग के अनुमोदन के लिये आवेदन पत्रों की सिफारिश करता है। निर्धारित प्रपत्र में आवेदन पत्र सीधे व्यापार विकास प्राधिकरण को भेजे जाने चाहिये जो कि संबंधित सरकारी विभागों से जानकारी स्थापित करेगा और आवश्यक अनुमोदन प्राप्त करेगा।

निर्यात उत्पाद में वेशी निवेश

इस्पात कारखानों द्वारा प्राथमिक आधार पर संभरण निर्धारित करने के लिये व्यापार विकास प्राधिकरण के ग्राहकों की फाउण्डरी ग्रेड पिग आयरन रोल्ड साइड स्टील की आवश्यकताओं के लिये इस्पात और भारी इंजीनियरिंग मंत्रालय ने व्यापार विकास प्राधिकरण को प्रायोजक प्राधिकरण के रूप में मान्यता प्रदान की है। व्यापार विकास प्राधिकरण के ग्राहक जिनको इस देशी कच्चे माल की अग्रिम आपूर्ति की आवश्यकता है, उन्हें अपने आवेदन पत्र निम्नलिखित दस्तावेजों के साथ सीधे व्यापार विकास प्राधिकरण के प्रमुख वाणिज्य प्रभाग को भेजने चाहिये —

- (क) निर्यात संविदाओं का साक्ष्य, और

- (ख) कच्चे माल के अंतिम उपयोग का विवरण और उनका तकनीकी औचित्य।

जांच पड़ताल के पश्चात् ये आवेदन पत्र व्यापार विकास प्राधिकरण द्वारा लोहा एवं इस्पात निर्यातकों को भेजे जायेंगे जिससे कि यह सम्बन्ध इस्पात कारखानों को आपूर्ति के लिये योजना बताएँ।

ग्राहकों को व्यापार विकास प्राधिकरण को निम्नलिखित भी भेजने चाहिये :—

- (1) आवेदन पत्र भेजते समय लिखित रूप में एक वचन-पत्र कि वे इजीनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद् अथवा अन्य प्राधिकारियों से उन्हीं निर्यात संविदाओं के अन्तर्गत अग्रिम कोटों के लिये सम्पर्क स्थापित नहीं करेंगे।
- (2) आवेदन पत्र भेजते समय व्यापार विकास प्राधिकरण को लिखित रूप में एक वचनबद्धता पत्र कि वे किसी भी सूत से व्यापार विकास प्राधिकरण द्वारा प्राप्त अग्रिम कोटों के संबंध में किसी भी कोटा प्रतिपूर्ति के लिये कोई भी दावा नहीं करेंगे।
- (3) व्यापार विकास प्राधिकरण द्वारा प्राप्त कच्चे लोहे/इस्पात की प्राप्ति और उपभोग तथा तत्संबंधी निर्यातों को दर्शाने वाला मासिक विवरण।

किराया खरीद सुविधा

निर्यात अभिमुख विद्यमान एककों के विस्तार के लिये और नये एकक स्थापित करने के लिए देशी और आयातित दोनों मशीनरी के किराए पर खरीद के लिये व्यापार विकास प्राधिकरण द्वारा प्रायोजित किए गए आवेदन-पत्रों को राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम प्राथमिकता प्रदान करेगा। व्यापार विकास प्राधिकरण की सिफारिश के साथ निर्धारित प्रपत्र में आवेदन पत्र उद्योग निदेशक को भेजे जाएँ। राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम में ये आवेदन प्राथमिकता प्राप्त करेंगे।

विपणन संविदाएं

व्यापार विकास प्राधिकरण ने संयुक्त राज्य अमरीका कनाडा, पश्चिमी यूरोप, जापान, आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में प्रमुख खरीददारों के साथ चनिन्दा उत्पादों के लिये अनेक विपणन संविदाएँ की हैं। हमारे विदेशी कार्यालयों द्वारा की गई पृष्ठ-साक्ष व्यापार विकास प्राधिकरण के ग्राहकों को प्रेषित की जाती हैं। इसके अतिरिक्त व्यापार विकास प्राधिकरण विदेश से भारत में खरीददारों का शिष्टमंडल लाने का प्रबन्ध करता है और अपने ग्राहकों से उनका सम्पर्क कराता है। यह उन ग्राहकों को जो विदेश में जाते हैं संविदाएँ प्रदान कराने में सहायता प्रदान करता है। इस प्रकार खरीददारों को संविदाएँ प्रदान कराना व्यापार विकास प्राधिकरण का एक प्रमुख कार्य है।

विदेशी मुद्रा को रिलीज करना

निर्यात संवर्धन के लिये विदेश यात्रा और प्रचार के लिये विदेशी मुद्रा को रिलीज करने के लिए आवेदन-पत्र भारत के रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित प्रपत्र में इसके ग्राहकों द्वारा व्यापार विकास प्राधिकरण को भेजने चाहिये। गाँव आवेदन-पत्र व्यापार विकास प्राधिकरण की अनुमोदित योजना के अनुकूल होगा तो व्यापार विकास प्राधिकरण भीतीय रिजर्व बैंक के साथ आवश्यक विदेशी मुद्रा को रिलीज की व्यवस्था करेगा।

करों की वापसी

उत्पाद वर्ग के लिये जिस मामले में चुंगी वापसी की वर पहले ही निश्चित न की गई हो, उसमें इनके शीघ्रता से निर्धारण के लिए व्यापार विकास प्राधिकरण अपने ग्राहकों की सहायता करेगा। हम उद्देश्य के लिए व्यापार विकास प्राधिकरण के ग्राहकों को सलाह दी जाती है कि वे राजस्व विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा निर्धारित प्रपत्र में अपेक्षित सूचना के साथ व्यापार विकास प्राधिकरण से सम्पर्क करें।

क्रेता-विक्रेता की गोष्ठी का आयोजन करना और व्यापारिक से तथा नृमाहियों में भाग लेना

व्यापार विकास प्राधिकरण विश्व के भिन्न-भिन्न भागों में क्रेता-विक्रेता की गोष्ठीयों का आयोजन करता है। इंग्लैंड और अमरीका में इसने पहले ही ऐसी 7 गोष्ठीयों का आयोजन किया है जो कि व्यापारिक संविदाओं के दृष्टिकोण से अधिक सफल रहा है। विशिष्ट पण्य वस्तु के व्यापार मेलों में विदेशों में भाग लेने का भी यह प्रबन्ध करता है जिसमें व्यापार विकास प्राधिकरण के ग्राहकों को अपना माल प्रदर्शित करने के लिये प्राथमिकता दी जाती है।

व्यापारिक शिष्टमण्डल अध्ययन बल

व्यापार विकास प्राधिकरण व्यापारिक शिष्टमण्डलों और अध्ययन बलों को प्रायोजित करता है जिसमें इसके ग्राहकों के प्रतिनिधि भी शामिल होते हैं। इन शिष्टमण्डलों और अध्ययन बलों का मुख्य ध्येय विदेशी खरीददारों के साथ व्यापार संविदाएं करना और उनके साथ निर्यात संविदाओं का तय करना है।

क्रेताओं पर साख रिपोर्टें

व्यापार विकास प्राधिकरण अपने ग्राहकों को विदेशी खरीददारों से उन और बाइस्ट्रीट (डी एंड बी) रिपोर्टें प्राप्त कराने में भी सहायता प्रदान करता है। विदेशी खरीददारों की साख क्षमता स्थापित करने के लिये उनकी आर्थिक स्थिति पर रिपोर्टें प्राप्त करना आवश्यक है। व्यापार विकास प्राधिकरण ने भारतीय ग्राहकों को सूचीबद्ध करने और इसके साथ-साथ विदेशी खरीददारों से साख रिपोर्टें प्राप्त करने के लिये डी. एंड बी. के साथ विशेष व्यवस्था कर रखी है।

सूचना सेवाएं

व्यापार विकास प्राधिकरण का व्यापार सूचना केन्द्र भारतीय निर्यात समूदाय और अन्य इच्छुकों को डेस्क सेवाओं, पृष्ठसाक्ष व डाक द्वारा उत्तर देने वाली पत्रिकाओं के प्रकाशन, सूचना देने वाले हाथ के पर्चों और परिपत्रों के माध्यम से निर्यात विपणन की सूचना प्रसारित करता है।

केन्द्रों द्वारा प्रदान की गई सूचना निम्नलिखित से संबंधित है:—

- अभिकर्ताओं, निर्यातकों सहित विशिष्ट देश से विशिष्ट पण्यवस्तु के लिए आयात संविदाएं;
- समुद्रपार देशों के लिए आयात विनिमय;
- समुद्रपार देशों के लिए आयात टैरिफ;

- बरियता देने वाले देशों के संबंध में व्यापक बरियता पद्धति (जी.एम.पी.) के लिए सूचना;
- समुद्रपार देशों के लिए आयात आंकड़े;
- समुद्रपार/भारतीय व्यापार मेले तथा प्रदर्शनियां;
- समुद्रपार देशों में प्रचार माध्यम के व्यौर;
- औद्योगिक लाइसेंस, विदेशी सहयोग एवं विदेश में संयुक्त उद्यम सहित औद्योगिक नीति के व्यौर;
- भारत के लिए उद्योग-वार क्षमता तथा उत्पादन आंकड़े
- भारतीय विनिर्माता-निर्यातकों, निर्यात सदनों के नाम तथा पते;
- निर्यात प्रोत्साहन सहित भारतीय निर्यात और आयात नीतियां एवं क्रियाविधियां;
- निर्यात दस्तावेज;
- विदेश यात्रा और प्रॉटो-टाइप नमूनों के आयात में सम्बद्ध विदेशी मूद्रा विनियम;
- स्वास्थ्य और स्वास्थ्यकर विनियम;
- मार्किटिंग और लेबलिंग विनियम;
- मार्किटिंग चैनल्स;
- निर्यात वित्त की नीतियों के व्यौर;
- भारत के निर्यात/आयात आंकड़े;
- न्यूनतम मूल्य;
- भारत के निर्यात/आयात टैरिफ;
- विभिन्न उत्पादों की निर्यात सम्भावनाएं;
- पोत-लदान अन्वेषण;
- विदेशों के साथ भारत के व्यापार सम्भ्रंते;
- विदेश में वाणिज्य मण्डलों, व्यापार संगठनों के पते;
- समुद्रपार देशों एवं विदेशों में भारत के वाणिज्यिक प्रतिनिधि, भारत में प्रतिनिधि; और
- समुद्रपार देशों के लिए सामान्य आर्थिक सूचना जैसे जनसंख्या जी. एन. पी. प्रति व्यक्ति आय, इलेक्ट्रिसिटी, सार्वजनिक अवकाश, व्यापारिक समय, खरीद, ऋतु, होटल्स, बैंक इत्यादि।

प्रकाशन

आमने-सामने और डाक द्वारा सूचना भेजने के अतिरिक्त व्यापार सूचना केन्द्र निर्यात विपणन के विभिन्न पहलुओं पर बहुत और सूक्ष्म स्तर पर सूचना प्रसारित करने के लिए प्रकाशन रिपोर्ट प्रकाशित करता है। इन प्रकाशनों में निम्नलिखित शामिल हैं :—

- साप्ताहिक व्यापार अन्वेषण बुलेटिन;
- मार्किट सर्वेक्षण, संपर्क संवर्धन कार्यक्रम, क्रेताओं-विक्रेताओं की बैठकों, व्यापार मेलों और प्रदर्शनियों आदि में भाग लेने के संबंध में रिपोर्ट;

- कन्द्री नोट्स,
- प्रोडक्ट नोट्स,
- भारत में शुनिन्दा उत्पादों के लिए गाइड्स (कैटालाग्स)
- डायरेक्ट्री-व-डायरी;

व्यापार सूचना तथा सांख्यिकी प्रभाग नियमित रूप से प्रलेखी श्रृंखला को जैसे वर्तमान व्याज के नियम (मासिक) अंतराष्ट्रीय विपणन (मासिक) को भी प्रकाशित करता है।

निर्यात संवर्धन के लिए विदेशी संगठनों के साथ संविवाह

केन्द्र ने 27 विदेशी संगठनों के साथ व्यापार विकास प्राधिकरण के ग्राहकों के 217 निर्यात प्रस्ताव उनके बूलेटिन में प्रति मास नियमित रूप से प्रकाशित कराने की व्यवस्था की है। यह विदेशी बाजार में प्रचार का एक प्रभावी साधन सिद्ध हुआ है।

विदेशी उत्पाद कैटालाग्स/संमेलन का प्रदर्शन

व्यापार विकास प्राधिकरण अपने स्वयं के उत्पाद रूपान्तर उत्पाद विकास प्रोग्राम के रूप में विदेशी उत्पाद कैटालाग्स की प्रदर्शनी का आयोजन कर रहा है। ये प्रदर्शनियां विशिष्ट उत्पादों का निर्यात विपणन और विशेष रूप से उत्पाद रूपान्तर करने के लिए व्यापार विकास प्राधिकरण द्वारा आयोजित विदेशी नमूनों की प्रदर्शनी पर विचार विमर्श के लिए एकत्रित की गई हैं। उपर्युक्त कार्यक्रमलापो के अलावा व्यापार सूचना एवं सांख्यिकी विभाग देश के प्रमुख शहरों में वर्ष में एक बार व्यापार सूचना सेवाओं पर संमेलन का भी आयोजन करता है।

परामर्श सेवाएं

गैर-परम्परागत उत्पादों के निर्यातों के विविधीकरण एवं संवर्धन के लिए किए गए प्रयत्नों में व्यापार विकास प्राधिकरण का अनुसंधान विप्लेषण विभाग विभिन्न प्रकार की परामर्श सेवाएं प्रदान करता है जिसमें व्यक्तिगत इकाई, राज्य सरकारों एवं सरकारी उपक्रमों के लिए आँखिअध्ययनों का तैयार करना शामिल है। इसने पहले ही कुछ राज्य सरकारों के लिए निर्यात संसाधन क्षेत्र/निर्यात अभिमुख कम्पलैक्स तैयार करने के लिए सम्भवतः अध्ययन कर लिया है। ये अध्ययन, अन्य बातों के साथ-साथ, धर्मादा साधनों और क्षेत्र में विश्व-मान अन्य उपलब्ध स्विधाओं को ध्यान में रखते हुए देश के विशिष्ट क्षेत्रों में संभावित निर्यातित मदों का परीक्षण करती है।

व्यापार सूचना और सांख्यिकी विभाग ने व्यापार सूचना केन्द्र को चलाने में सुविज्ञता विकसित की है और विभिन्न संस्थाओं को देश तथा विदेश में अपनी व्यापार सूचना की आवश्यकता को पूरा करने के लिए अपने स्वतन्त्र सूचना केन्द्र स्थापित करने के लिए, परामर्श सेवाएं प्रदान करने की सामर्थ्य रखता है।

प्रधान कार्यालय	देशीय कार्यालय	“शांतिनिकेतन”
ट्रेड डेवलपमेंट आथॉरिटी, बैंक आफ बङ्गोदा बिल्डिंग, 16-पाबियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001	एयर इण्डिया बिल्डिंग, 8वीं मंजिल, नारीमन प्वाइंट मम्बई-400021।	फ्लैट नं० 9 चौथी मंजिल, 8 कैमक स्ट्रीट, कलकत्ता-700017
टेली: 310214, 310181, 310218 ग्राम्स: एडेप्ट नई दिल्ली। टेलिक्स: 01-2736 डेप्ट	टेली: 2023685 ग्राम्स: एडेप्टबाथ टेलिक्स: 011-4506 एडेप्ट “लक्ष्मी” 1/ए, अल्मुर रोड, बंगलौर-500421 टेली: 579510, 579503 ग्राम: डेप्ट टेलिक्स: 0845-8006	टेली: 425823 ग्राम: एडेप्टकल टेलिक्स: 021-7330 एडेप्टिन मारफत यू० पी० एक्सपोर्ट कार्पोरेशन लिमिटेड, बी-27, सर्वाय नगर, कानपुर टेलिक्स: 0325-372 केबल: यू० पी० एक्सपोर्ट कानपुर

भारतीय व्यापार विकास प्राधिकरण के विदेशी कार्यालय

फैंक फूट आफिस विह्वेल-लिउस्वरनर-स्ट्रीट, 93 6000 फैंक फूट/मिन 1, वेस्ट जर्मनी, केबल: एडेप्ट टेलिक्स: 413004 एडेप्ट टेली: 2710430, 2710433, 2710444	टोकियो आफिस एटागोयमा बेंगोशी बिल्डिंग, कमरा नं० 302-303, 6-7 एटागो चौ०, 1-चोमे, मिनाटो-कू टोकियो, जापान टेली: (03) 436-5060 केबल: एडेप्ट टी० वाई० पी०, टोकियो टेलिक्स: जे-25839
न्यूयार्क आफिस 445, पाटनवेयु, (18वीं मंजिल), न्यूयार्क एन० वाई०-10022, यू० एम० ए० टेली: (212) 753-6655-56 केबल: एन० वाई० एडेप्ट न्यूयार्क टेलिक्स: 236996 एडेप्ट यू० एम०	मोनरोबिया आफिस 204, पाम अफ्रीकन प्लाजा, टवमन बीलवेवार्ड (बीलेवार्ड) पी० ओ० बी-2013 मोनरोबिया-नाइजेरिया (वेस्ट अफ्रीका) टेली: 261326, 262070 टेलिक्स: 4349 लि० केबल: एडेप्ट एम०
	स्टाक होम आफिस कुंगसगेटन 65 एस-11122 स्ट्राकहोम स्वीडन टेली: 108573 टेलिक्स: 17568 केबल: स्ववायर्स-एस०

परीशिष्ट-148

देशी माल की रिहाई सूचना का प्रपत्र

देशी उत्पादक का नाम	1985-88 की आयात-निर्यात नीति की कंडिका
निर्गमन का कार्यालय	117 में दिए गए प्रावधानों के अनुसार सर्वश्री
भारत सरकार
वाणिज्य मंत्रालय के नाम में
. का कार्यालय	(नाम तथा पता)
सं. दिनांक	जारी किए गए आयात लाइसेंस सं.
सेवा में,	के मद्दे का
सर्वश्री	संभरण।
(आवेदक का नाम तथा पता)	
विषय :—देशी उत्पादक सर्वश्री	महोदय,
. द्वारा	उपरोक्त विषय पर आप के आवेदन पत्र/पत्र दिनांक
(नाम तथा पता) के सन्दर्भ में मुझे यह कहना है

कि आप नीचे दिए गए ब्याँरों के अनुसार उपर्युक्त आयात लाइसेन्स के मद्दे देशी उत्पादित माल का सम्भरण प्राप्त करने

के लिए सर्वश्री से सम्पर्क स्थापित करें —

क्रम संख्या	माल का विवरण	मात्रा		मूल्य	
		ग्रंकों में	शब्दों में	अंकों में	शब्दों में
1	2	3	4	5	6
1.					
2.					
3.					

2. यह रिहाई सूचना उपर्युक्त ब्याँरों के अनुसार माल का सम्भरण प्राप्त करने के लिए उक्त उल्लिखित देशी उत्पादक को मूल रूप में प्रस्तुत की जानी चाहिए।

3. यह रिहाई सूचना जारी होने की तारीख से छः मास की अवधि के लिए वैध होगी।

4. इस रिहाई सूचना के धारक द्वारा प्राप्त माल उन्ही शर्तों के अधीन होगा जो उस आयात लाइसेन्स के लिए लागू हैं जिस के मद्दे यह रिहाई सूचना जारी की गई है।

5. सीमा गुणक मूल्य होगा या मात्रा तथा मूल्य दोनों उन मामलों में होगा जहाँ इन दोनों का संकेत किया गया है।

टिप्पणी :—सम्बद्ध लाइसेन्स प्राधिकारी को इस बात का सुनिश्चय कर लेना चाहिए कि उपर्युक्त माल के विवरण में दर्शाया गया मूल्य और मात्रा लाइसेन्स में निर्धारित शर्तों के अनुसार है।

पृष्ठांकन सं. दिनांक

सर्वश्री को

(देशी उत्पादक का नाम तथा पता)

भवदीय,

नियंत्रक, आयात—निर्यात
कृते उप मुख्य/संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात—निर्यात
सील
रिहाई सूचना सं.

आवश्यक कार्रवाई के लिए।

नियंत्रक, आयात—निर्यात
कृते उप-मुख्य/संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात—निर्यात

उपर्युक्त रिहाई सूचना के अधीन सम्भरित माल का वितरण

क्रम संख्या	माल का विवरण	सम्भरित मात्रा		सम्भरित माल का मूल्य	
		ग्रंकों में	शब्दों में	अंकों में	शब्दों में
1	2	3	4	5	6
1.					
2.					
3.					

हम उपर्युक्त ब्याँरों के अनुसार माल के सम्भरण की पुष्टि करते हैं। हम उपर्युक्त ब्याँरों के अनुसार माल की प्राप्ति की पुष्टि करते हैं।

हस्ताक्षर
(देशी उत्पादक का नाम तथा पता)

हस्ताक्षर
(रिहाई सूचना के धारक का नाम तथा पता)

परिशिष्ट-15

(हटा दिया गया है)

परिशिष्ट 16—क.

कर छूट योजना के अन्तर्गत लाइसेंस के लिए आवेदनपत्र का प्रपत्र

भाग-1

सामान्य सूचना :

1. आवेदक का नाम और बताना
2. उद्योग का नाम
 - (1) कारखाने का पता और स्थान
 - (2) कारखाने में निम्न उप-उत्पादों और मध्यस्थों सहित अन्तिम उत्पाद
3. व्यवसाय का स्वरूप, क्या सार्वजनिक या निजी प्राइवेट लि० कम्पनी है या साझेदारी की या स्वामित्व वाली व्यापार संस्था है।
4. संभालकों, समझेदारों, स्वामी या कर्ता जी भी उपयुक्त हो, उसका नाम
5. क्या आप विनिर्माता निर्यातक/व्यापारी निर्यातक/निर्यात सदन/व्यापार सदन हैं।
6. परिशिष्ट 17 की क्रम सं० के साथ उस उत्पाद या उत्पाद ग्रुप निर्दिष्ट कर जिसके लिए पंजीकृत है।
7. निर्यात संवर्धन प्राधिकारी/निर्यात संवर्धन परिषद्/पण्य वस्तु बोर्ड/एफ० आई० ई० ओ० द्वारा जारी किए गए पंजीकरण प्रमाणपत्र की संख्या और दिनांक और वह तिथि जिस तक वह वैध है (प्रमाणपत्र की फोटोस्टेट/प्रमाणित प्रतिलिपि संलग्न करें)
8. यदि निर्यात सदन/व्यापार सदन है तो निर्यात सदन/व्यापार सदन प्रमाणपत्र की संख्या और दिनांक और वह तिथि निर्दिष्ट करें जिस तक वह वैध है। (प्रमाणपत्र की फोटोस्टेट/प्रमाणित प्रतिलिपि संलग्न करें)
9. यदि विनिर्माता निर्यातक है तो निम्नलिखित द्वारा आर्बिट्रित पंजीकरण संख्या दें :—
 - (1) महानिदेशालय, तकनीकी विकास की सूची में शामिल व्यापार संस्थाओं के मामले में महानिदेशक, तकनीकी विकास
 - (2) लघु उद्योग की यूनिटों के मामले में राज्य के उद्योग निदेशक।
 - (3) यदि कोई अन्य प्राधिकारी जो किसी यूनिट को विनिर्माता के रूप में पंजीकृत करने के लिए सक्षम हो।
10. यदि निवास सदन/व्यापार सदन या व्यापारी निर्यातक है तो समर्थक के विनिर्माता का नाम और पता दें और निम्नलिखित बात निर्दिष्ट करें :—
 - (1) क्या वह उद्योग की या लघु उद्योग की यूनिट है; और
 - (2) समर्थक यूनिट को पंजीकृत करने वाले प्राधिकारी का नाम क्या है
 - (3) समर्थक यूनिट को आर्बिट्रित पंजीकरण संख्या
11. आवेदनपत्र के शुल्क के भुगतान की बैंक रसीद/डिमांड ड्राफ्ट की संख्या और दिनांक (बैंक रसीद/डिमांड ड्राफ्ट मूल रूप में संलग्न करना है।)
12. पंजीकरण का पतन

(केवल एक उत्तर दिखाया जाना है।)

टिप्पणी - जहाँ किसी आयातक के पास औषध तथा श्रृंगार प्रसाधन अधिनियम, के अन्तर्गत औषध, और कीटनाशी अधिनियम के अधीन कीटनाशी और महामारी नाशक, और इसी तरह के उत्पादों के विनिर्माण के लिए एक लाइसेंस या पंजीकरण, प्रमाणपत्र होना अपेक्षित है,। जहाँ आवेदक को आवेदनपत्र के लिए ऐसे लाइसेंस या पंजीकरण प्रमाणपत्र की फोटो प्रति भी प्रेषित करनी चाहिए।

परिशिष्ट 1-क (अनन्तः)

भाग—2

निर्यात उत्पादन के व्यौरे (विशेष धनदाय लाइसेंसिंग से मिले व्यौरे के लिए लागू)

1. क्या यह आवेदनपत्र एक विशेष निर्यात आवेदन के मद्दे है? यदि हाँ, तो उसकी एक प्रति प्रस्तुत की जाए। यदि कोई हो, तो वह मूल्य भी निर्दिष्ट कर जिसके लिए इसी आवेदन के मद्दे निर्यात पहले ही किया जा चुका है।
2. यदि आवेदनपत्र बिशेष निर्यात आवेदन के मद्दे नहीं है, परन्तु निर्यात उत्पादन कार्यक्रम पर आधारित है तो इसके लिए औचित्य और बचनबद्ध निर्यात आभार की सीमा भी निर्दिष्ट करनी चाहिए।
3. निर्यात किए जाने वाले उत्पादों का व्यौरा :

(1) परिणामी उत्पाद:

क्रम सं०	विवरण	मात्रा	तकनीकी गुण	मात्रा	मात्रा का प्रति यूनिट जहाज पर्यन्त निर्यात मूल्य	कुल जहाज पर्यन्त निर्यात मूल्य	बचन या यदि बचन से भिन्न हो तो मात्रा की दर
1	2	3	4	5	6	7	8

- (2) विदेशी क्रेता का नाम और निर्यात का देश
- (3) निर्यात आवेदन में शामिल निर्यात उत्पादों की सुपुर्दगी की अवधि
- (4) भुगतान का तरीका
- (5) आवेदनपत्र में शामिल निर्धारित पर विदेशी एजन्ट को चूकाए गए या चूकाए जाने वाले (निर्यातक द्वारा बाव की तिथि को कमीशन या फूट की धनराशि)
- (6) क्या निर्यात किए जाने वाले उत्पाद पंजीकृत निर्यातकों के लिए आयात नीति में शामिल हैं यदि हाँ तो :—
 - (क) आयात नीति के परिशिष्ट-17 की प्रम स०
 - (ख) आयात प्रतिशुल्क की दर निर्दिष्ट करें
- (7) वह डू बेक अनुसूची सं० जिसके अंतर्गत उत्पाद आते हैं।
- (8) क्या आवेदित उत्पाद के लिए कोई ब्रांड दर निर्धारित की गई है यदि हाँ, तो कृपया डू बेक निदेशक की मिसिल सं० का संदर्भ दें।

या

भाग—2

(विशेष धनदाय लाइसेंसिंग स्कीम के लिए लागू)

निर्यात उत्पादन के व्यौरे :—

1. क्या यह आवेदनपत्र एक विशेष संभरण आवेदन के मद्दे है? यदि हाँ तो उसकी एक प्रति प्रस्तुत की जाए। यदि कोई हो, तो वह मूल्य भी निर्दिष्ट करे जिसके लिए इसी आवेदन के मद्दे संभरण पहले ही किया जा चुका है।
2. (क) वह व्यौरे जिसके अधीन परियोजना में बिल लगाया गया है।
(ख) आवेदन किस पद्धति द्वारा प्राप्त किया गया है अर्थात् विदेशीय निविदा, सीमित प्रतियोगीय परियोजनात्मक बोली आदि।

परिशिष्ट 10क (क्रमशः)

3. संभरण किए जाने वाले उत्पादों का ब्यौरा :-

(1) परिणामी उत्पाद

क्रम संख्या	विवरण	मात्रा	तकनीकी विशेषता	मात्रा	मात्रा का यूनिट एफ.ओ.आर.मूल्य	एफ.ओ.आर.कुल मूल्य	वजन या यदि वजन से निम्न हो तो वजन की इकाई
1	2	3	4	5	6	7	8

- (2) जिस परियोजना को उत्पाद संभरित किए जाने हैं, उसका नाम
- (3) क्रय आवेदनपत्रों में शामिल संभरण किए जाने वाले उत्पादों की सुपुर्वगी की प्रवधि
- (4) भुगतान का तरीका
- (5) आवेदनपत्र में शामिल उत्पाद पर चुकाए गए या चुकाए जाने वाले (निर्धारक द्वारा बाव की तिथि को) कमीशन या छूट की घनराशि।
- (6) क्या मण्डाई किए जाने वाले उत्पाद पंजीकृत निर्यातकों के लिए आयात नीति में शामिल है, यदि हां तो :—
(क) आयात नीति के परिशिष्ट 17 की क्रम सं०
(ख) आयात प्रतिपूर्ति की दर निर्दिष्ट करें।
- (7) डा बैंक अनुसूची सं० जिसके अंतर्गत उत्पाद आते हैं।
- (8) क्या आवेदित उत्पाद के लिए कोई बांड दर निशर्तित की गई है।
यदि हां, तो कृपया डा बैंक निदेशक की मिसिल सं० का संदर्भ दें।

भाग—3

कर मुक्त आयात के लिए आवेदित सामग्री के ब्यौरे :

(क) निर्यात उत्पाद की प्रत्येक किस्म के लिए प्रत्येक-प्रत्येक व्यवस्थित और प्रदर्शित :-

क्रम सं०	जिस परिणामी उत्पाद के लिए उनकी आवश्यकता है, उनकी क्रम सं०	विवरण	मात्रा	तकनीकी विशेषता	परिणामी उत्पाद को अक्षेत्रित प्रति इकाई मात्रा	अपेक्षित कुल मात्रा
1	2	3	4	5	6	7

कुल लागत बीमा-भाड़ा मूल्य	वाचा किए गए छीजन (वजन) (%)	आवश्यकता का उद्देश्य (निम्नलिखित निर्दिष्ट करें:—(क) क्या अंतिम उत्पाद में निहित है या (ख) अंतिम उत्पाद में निहित नहीं है परन्तु निर्माण प्रक्रिया में तेजी से खपता गया है या (ग) पैकिंग माल की विशेष किस्म के लिए है)	कालम 10 के (क) और (ख) के संबंध में अतिरिक्त सूचना
8	9	10	11
			उप-उत्पाद यदि कोई हो वसुली योग्य अपशिष्ट
			मात्रा मूल्य मात्रा मूल्य

(ख) सामग्री-वार व्यवस्थित

क्रम	विवरण, मात्रा और तकनीकी विशेषता	उपयुक्त (क), की क्रम संख्याएं श्री प्रस्तुत विवरण में आती हैं।	कुल प्रपेक्षित मात्रा	कुल लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य (अनुमानित रु०)	भारतीय कस्टम्स टैरिफ की क्रम सं०	करों की दर	कर जिससे छूट मांगी गई	इस वीरति की बहु प्रविष्टि संख्या और परिणित संख्या जिससे अन्तर्गत आयात की जाने वाली मद आती है।
1	2	3	4	5	6	7	8	9

भाग--4

भूतकालीन निष्पादन

1. क्रय निर्यात/संभरित किए जाने वाले उत्पादों के संबंध में भूतकालीन निर्यात/संभरण निष्पादन (जहाज पर्यस्त निशुल्क, रेल पर्यस्त निशुल्क मूल्य और निर्यातों/संभरणों के देश/बहु परियोजना जिसकी सम्भारित किया गया है को निविष्ट करते हुए पिछले तीन वित्तीय वर्षों के दौरान किए गए निर्यातों/संभरण का विवरण प्रस्तुत करें)
2. यदि इस मद के निर्यात के लिए भूतकाल में ग्रिम लाइसेंस जारी किया गया है तो कृपया मुख्य नियंत्रक-आयात-निर्यात के कार्यालय/क्षेत्रीय संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात एवं निर्यात/पत्तन लाइसेंस अधिकारी को मिलित सं० निविष्ट करें।
3. भूतकाल में जारी किए गए विविष्टि आदेशों के मद्दे ग्रिम लाइसेंसों की सभी श्रेणियों के और उत्पादन कार्यक्रम के अन्तर्गत अलग-अलग वें और उनकी वर्तमान स्थिति निविष्ट करें—
(क) क्या निर्यात आभार आरंभ से पूर्ण करते रहे हैं, लाइसेंस-वार अन्तरे दीजिए।
(ख) यदि नहीं, तो कृपया उनके अन्तरे निम्नलिखित अनुसार दीजिए:—
(1) लाइसेंस सं० तथा बिनाक
(2) लाइसेंस जारी करने वाले प्राधिकारी का नाम
(3) निर्धारित निर्यात आभार का लाइसेंसधार मूल्य
(4) क्या बैंक गारंटी निष्पादित की है या कानूनी बचनपत्र दिया है?
(5) निर्यात आभार पूर्ण करने के लिए अनुमति समय-सीमा
(6) प्रत्येक लाइसेंस के मद्दे पहले ही पूर्ण किए गए निर्यात आभार का मूल्य
(7) निर्यात आभार पूर्ण न करने के कारण
4. संलग्न दस्तावेजों की सूची

भाग--3

घोषणा

मैं/हम एतद्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि यदि यह लाइसेंस प्रदान किया गया तो मैंने का उपयोग केवल कच्चा सामग्री/संयुक्तों या उप-साधनों के रूप में मेरे/हमारे कारखाने में या इस उद्देश्य के लिए मनोवृत्त निर्माता के कारखाने में खनन के लिए किया जाएगा और उसका कोई भी भाग न तो बेचा जाएगा और न किसी अन्य पार्टी को उपयोग करने की अनुमति दी जाएगी।

2. मैं/हम एतद्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि उपर्युक्त अन्तरे मेरी/हमारी जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य और सही हैं। मैं/हम यह भली-भाँति समझता हूँ/समझते हैं कि यदि इसमें कोई भी कथन या तथ्य गलत या झूठा पाया गया तो सरकार जो जुर्माना लगाएगी या मायने की परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए जो कार्रवाई करेगी उसके अनतिरिक्त प्रस्तुत के आधार पर मुझे/हमें प्रदान किया गया कोई या अधिक रद्द किया जा सकता है या अग्रभावी किया जा सकता है।

3. मैं/हम एतद्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि आदेश/सबिदा आवेदन-पत्र में किए गए उत्पादों के संभरण के लिए अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता बोलियों के मद्दे प्राप्ति की गई है। परियोजना प्राधिकारी का प्रमाण-पत्र संलग्न है। (केवल विशेष ग्रिम लाइसेंस के लिए लागू है)

हस्ताक्षर

साक्षि अक्षरों में नाम

पदनाम

निवास स्थान का पता

दिनांक

परिशिष्ट 14ख

अग्रिम/अग्रिदाय लाइसेंस के अन्तर्गत नियति आभार की अवधियों में वृद्धि करने के लिए अनुरोध करने के लिए आवेदनपत्र का प्रपत्र

1. पार्टी का नाम
2. अग्रिम/अग्रिदाय लाइसेंस सं० और दिनांक
3. डी० ई० ई० सी० सं० और दिनांक
4. आयात के लिए अनुमित और वास्तव में आयात की गई मवों का ब्यौरा
(मद-भार आंकड़े प्रस्तुत करें)

क्रम सं०	आयात के लिए अनुमित मव	आयात के लिए अनुमित मात्रा	वास्तव में आयात की गई मात्रा
1	2	3	4

5. निर्यात आभार और वास्तव में किए गए निर्यात
(मद-भार आंकड़े प्रस्तुत करें)

क्रम सं०	निर्यात की जाने वाली मव	मात्रा और कुल जहाज-पर्यस्त निशुल्क-मूल्य	वास्तव में निर्यात की गई मात्रा			निर्यात की जाने वाली शेष मात्रा	कुल आभार का प्रतिफल
			क	ख	ग		
			पोत-परिवहन बिल सं० और दिनांक	मात्रा	किए गए निर्यातों का जहाज पर्यस्त निशुल्क मूल्य		
1	2	3	4	5	6		

6. आरंभिक आभार अवधि की समाप्ति की तारीख
7. पहले ही प्रश्न की गई समय वृद्धि का ब्यौरा और वह तारीख जिस तक निर्यात आभार की अवधि वैध है।
8. किस अवधि तक समय वृद्धि चाहिए।
9. निर्यात आभार अवधि में समय वृद्धि के लिए औचित्य
10. क्या बैंक गारंटी का निष्पादन किया गया था या कानूनी बचनबद्धता दी गई थी?
11. क्या लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा बांड के साथ बैंक गारंटी या वित्तिक करार के लिए कोई नोटिस जारी किया है, यदि हां, तो ब्यौरा दें।

टिप्पणी.—पार्टी द्वारा किए गए निर्यातों के ब्यौरे या वा सामाजिक द्वारा अधिप्रमाणित पोत परिवहन बिलों या कर भुट हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के भाग 'च' आदि की फोटो स्टैट प्रतियां द्वारा समर्पित होने चाहिए।

दिनांक.....

आवेदक के हस्ताक्षर.....

आवेदक का नाम.....

निवास स्थान का पता.....

परिशिष्ट-16-ग

शुल्क छूट योजना के अन्तर्गत निष्पादित किया जाने वाला
निर्यात आभार के बंध पत्र का प्रश्न

यदि आयातक/जमानती कारोबार का अकेला स्वामी है तो उसका नाम और पता दते हुए उसके "वारिस, निष्पादक और प्रशासक" जोड़े जायें। यदि आयातक/जमानती साक्षीदारों की फर्म है तो फिलहाल उपर्युक्त फर्म के साक्षीदार और उसके तत्सम्बन्धी वारिस, निष्पादक और प्रशासक जोड़े जाएंगे। यदि आयातक/जमानती एक लि. कम्पनी है तो उसके उत्तराधिकारी और समनुदेशी जोड़े जायें।

इस विलेख द्वारा सभी लोगों को यह ज्ञात हो कि हम (मैं) के जिनका इसके बाद "आयातक" के रूप में उल्लेख किया गया है (जिसकी परिभाषा में उसके/उनके उत्तराधिकारी और समनुदेशी शामिल होंगे) और (2) के जिसे इसके बाद "जमानती" के रूप में कहा जाएगा (जिसकी परिभाषा में उसके/उनके उत्तराधिकारी और समनुदेशी शामिल होंगे) संयुक्त रूप से और अलग-अलग बचनबद्ध हैं और भारत के राष्ट्रपति जिसे बाद में "सरकार" कहा गया है को उपर्युक्त सरकार या उसके उत्तराधिकारी और समनुदेशी को अदा की जाने वाली *रुपए की उस धनराशि के लिए आबद्ध है जिसके भुगतान के लिए हम अपने आप और हम में से प्रत्येक हमारे वारिस, निष्पादन, प्रशासक, उत्तराधिकारी और समनुदेशी संयुक्त रूप से और अलग अलग इस विलेख द्वारा जिसे बाद में उपर्युक्त तरीके से उपर्युक्त सरकार को अदा किए जाने के लिए कहा जाएगा, आबद्ध है।

2. आज की तारीख को हस्ताक्षर कर दिए गए और हमारी अलग अलग मोहरों से मोहर लगा दी गई।

3. जब कि संयुक्त/उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात (जिसे बाद में संयुक्त/उप मुख्य नियंत्रक कहा गया है जिसकी परिभाषा में फिलहाल वह व्यक्ति शामिल है जो उपर्युक्त संयुक्त/उपमुख्य नियंत्रक का कार्य धर रहा है, को भारत सरकार, वित्त मंत्रालय की अधिसूचना (यथा संशोधित राजस्व विभाग सं.-117/मिसिल सं. 602/14/78 डी. बी. के. दिनांक 9-6-1978 यथा संशोधित) के अन्तर्गत जारी किए गए शुल्क छूट हकदारी प्रमाण पत्र सं. दिनांक में विशिष्टकृत माल के आयात के लिए स्वीकृति दी गई है, वहां इसके बाद उसे कुछ नियम एवं शर्तों पर अग्रिम लाइसेंस सं. दिनांक से बन्धपत्र का निष्पादन करेगा जो नीचे दी गई है :

4. और जब कि उपर्युक्त अधिसूचना की एक शर्त में यह व्यवस्था भी है कि आयातक ऐसी शर्तों के साथ निर्धारित तरीके से बन्धपत्र का निष्पादन करेगा जो नीचे दी गई हैं :

5. अब उपर्युक्त लिखित बाण्ड की शर्तें ऐसी हैं कि :

(क) यदि उक्त आयातक निम्नलिखित की तारीख से मास के भीतर (1) पहले प्रेषण की निकासी या पहली प्रेषण के आयात के 30 दिनों के पश्चात्, इनमें जो भी पहले हो, या (2) सरणीबद्ध अभिकरण द्वारा माल के संभरण या ऐसा और समय जो उन्हें दिया जाए 'शुल्क' छूट हकदारी प्रमाण पत्र' में निर्दिष्ट के अनुसार परिणामी उत्पादों के अनुसार माल के निर्यात और इस प्रकार सुलभ संधर्भ के लिए नीचे लिखे गए (इसके पश्चात् "परिणामी उत्पाद" के रूप में कहा गया) और भारत से बाहर की किसी जगह उपर्युक्त अधिसूचना के अधीन अपेक्षित (नेपाल या अफगानिस्तान और भूटान के अतिरिक्त कोई भी स्थान, यदि उसे मुक्त विदेशी भूदा नहीं दी गई है) उपर्युक्त लाइसेंस की शर्तों और निबन्धों और 'शुल्क छूट हकदारी प्रमाण-पत्र' के अनुसार और जो (1) उपर्युक्त अधिसूचना में दी गई, और (2) जिनके अधीन सीमा-शुल्क समाह्वी द्वारा माल की निकासी की अनुमति दी गई थी एवं अन्य सभी शर्तों और निबन्धन पूरा करते हैं।

(ख) यदि उपर्युक्त आयातक और/या जमानती निर्यात आभार को पूरा करने के लिए उपर्युक्त अधिधि की समाप्ति की तारीख से एक महीने के भीतर संयुक्त/उप मुख्य नियंत्रक को यथा अपेक्षित उपर्युक्त शुल्क छूट हकदारी प्रमाणपत्र सभी 'भागों' के साथ जो विधिवत् भरा हुआ हो और पृष्ठांकित और हस्ताक्षरित किया हुआ हो और यथा अपेक्षित सभी अन्य निर्धारित दस्तावेज सौंप देगा या सौंप जाने का मामला है।

6. तब उपर्युक्त बांड शून्य समझा जाएगा और उसका कोई प्रभाव नहीं रहेगा। अन्यथा बांड बल, क्षमता और प्रभाव से लागू रहेगा।

7. और एतद् द्वारा यह भी घोषित किया जाता है कि :—

(क) उपर्युक्त लिखित बांड निर्यात आभार की अधिधि की समाप्ति की तिथि से एक वर्ष की अधिधि के लिए लागू रहेगा।

(ख) आयात के खिलाफ उपर्युक्त बांड शर्त को लागू करते हुए सरकार की ओर से कोई भी सहिष्णुता या त्रुटि या इससे सम्बन्धित आयातक की सरकार द्वारा किसी संवार्ध मंजूर किया जाने वाला कोई भी समय जमानती को मुक्त नहीं करेगा।

(ग) यह बांड उस अधिनियम के निष्पादन के लिए केन्द्रीय सरकार के आदेशों के अन्तर्गत धर किया गया है जिस में सार्वजनिक हित निहित है।

(घ) (1) इस बांड के अंतर्गत दिये कोई भी सीमा शुल्क कर और सहायक सीमा शुल्क कर और उनके साथ

आयात की तिथि से करों के भुगतान की तिथि तक 18% की दर से ब्याज किसी अन्य प्रकार की जाने वाली वसूली का ध्यान में रखे बिना ही सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 142 की व्यवस्थाओं के अनुसार और/या आयातक को देये किसी भी नकद सहायता से वसूल किया जाएगा; और

- (घ) (2) जहां वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं. 58-आई. टी. सी. (पी.एन.)/82, दिनांक 11 दिसम्बर, 1982 के अधीन अग्रिम लाइसेंस के मद्दे आयात के लिए अनुमये माल सेल के माध्यम से प्राप्त किया जाता है और लाइसेंसधारी, लाइसेंस पर लगाए गए निर्यात आभार को पूरा करने में असमर्थ हो जाए तो मांग किए जाने पर तुरन्त ही लाइसेंसधारी द्वारा प्राप्त की गई उन मर्दों के लिए देये सीमा-शुल्क और अतिरिक्त कर के बराबर धनराशि का भुगतान सेल को करना पड़ेगा यदि वे मर्द आयात कर ली गई होतीं। यह कानून में प्रधान वसूली के किसी भी तरीके और या लाइसेंसधारी को भुगतान योग्य किसी भी नकद क्षतिपूर्ति की धनराशि को ध्यान में रखे बिना होगा।

- (ङ) बांड की धनराशि का भुगतान उपर्युक्त आयात के किसी ऐसी अन्य कार्रवाई के उत्तरदायित्व पर कोई प्रभाव नहीं डालेगा जो वर्तमान समय में लागू कानून के अंतर्गत की जा सके।

*कुल देय सीमा शुल्क करा वा उल्लेख करें।

छट प्राप्त माल

क्रम सं०	विवरण	किस्म
तकनीकी विशेषतायें	सीमाएं (अधिकतम) मात्रा लागत बीमा भाड़ा मूल्य	

परिणामी उत्पाद

क्रम सं०	विवरण	किस्म
तकनीकी विशेषताएं	मात्रा जहाज पर्यन्त निशुल्क मूल्य	

जिसकी साजी में नीचे दिकित पॉटियों द्वारा प्रथम उपर्युक्त लिखित—
महीने _____ वर्ष की _____ तारीख की
बहु बांड विधिवत निष्पादित किया गया है।

_____ की उपस्थिति में _____ आयातक
द्वारा और उनकी ओर से हस्ताकरित और मोहर लगा कर सौंप दिया गया।

*साक्षियों की प्रपना

1.* _____

पेशा और पता

2. _____

भी देना चाहिए

जमानती बांड यहां उपर्युक्त पृष्ठाक्रम द्वारा प्रतिबन्धित किया जाय जो
यदि कोई हो तो वह उसके उधम टाए हुए मूल्य की बेनबारी के लिए
है जिसके लिए बैंक गारण्टी दी गई है

_____ की उपस्थिति में _____
पर जमानती द्वारा और उसकी ओर से हस्ताकरित, मोहर लगा कर सौंप दिया गया।

1. _____

2. _____

भारत के राष्ट्रपति के लिए और
उनकी ओर से स्वीकृत
प्राधिकृत अधिकारी का पदनाम

परिशिष्ट—16-घ

अग्रिम लाइसेंस के लिए पंजीकृत निर्यातकों के लिए कानूनी
समझौते का प्रपत्र

आज दिनांक 198 को (जिनका इसके बाद "आयातक" के रूप में उल्लेख किया गया है, जिसकी परिभाषा में उसके उत्तराधिकारी और समनुदेशी शामिल होंगे) एक पक्ष और भारत के राष्ट्रपति (जिनका इसके बाद "सरकार" के रूप में उल्लेख किया गया है, जिसकी परिभाषा में सरकार में उसके उत्तराधिकारी और समनुदेशी शामिल होंगे) द्वितीय पक्ष के बीच रुपये के लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य के कच्चे माल और संघटकों के आयात के लिए एक समझौता हुआ।

जबकि आयातकों ने रुपये के लागत-बीमा भाड़ा-मूल्य के कच्चे माल और संघटकों के आयात के लिए अग्रिम लाइसेंस/सीमा शुल्क निकासी परमिट/रिहाई आदेश सं. - - - - - दिनांक - - - - - प्राप्त कर लिया है।

और जबकि आयातक ने सीमा शुल्क आदि चुकाए बिना अग्रिम लाइसेंस/सीमा शुल्क निकासी परमिट/रिहाई आदेश में उल्लिखित रुपये मूल्य के कच्चे माल और संघटकों का आयात करने के लिए शुल्क छूट हकदारी प्रमाणपत्र सं. दिनांक भी प्राप्त कर लिया है। और जबकि उक्त अग्रिम लाइसेंस/सीमा शुल्क निकासी परमिट/रिहाई आदेश की एक शर्त के रूप में सरकार यह निर्धारित किया है कि भारत में माल की प्रथम खेप की निकासी हो जाने की तिथि से - - - - - महीनों की अवधि या प्रथम खेप का आयात हो जाने की तिथि से 30 दिन, इन में जो भी पहले हो, उस के भीतर या जब तक सरणीबद्ध अभिकरण उत्पाद अर्थात् का निर्यात करते विषयाधीन लाइसेंस/सीमा शुल्क निकासी परमिट/रिहाई आदेश के मद्द माल के संभरण का समय वैसे-वैसे समय के भीतर आयातक को रुपये की सीमा तक विदेशी मुद्रा कमानी होगी।

अब यह समझौता निर्मलखित शर्तों के लिए, साक्षी प्रदान करता है :-

1. आयातक का निर्यात करके यथा-पूर्वोक्त शर्तों की अवधि के भीतर रुपये जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य की विदेशी मुद्रा कमानी। भूतान को किए गए निर्यात, निर्यात आभार से छूटकारे के लिए उसी प्रकार पात्रता प्रदान नहीं करेंगे जिस प्रकार अफगानिस्तान और नेपाल को स्वतंत्र विदेशी मुद्रा के मद्दे किए गए भूतान से भिन्न प्रकार से किए गए निर्यात, निर्यात आभार से छूटकारे के लिए पात्रता प्रदान नहीं करने हैं।

2. आयातक निर्यात आभार की उक्त अवधि की समाप्ति से एक महीने के भीतर निर्यातित माल, उसकी मात्रा और जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य और निर्यात के देशों का व्यौरा

देते हुए किए गए निर्यात के साक्ष्य के रूप में विधिवत् भरा हुआ एक शुल्क व हकदारी प्रमाणपत्र संबद्ध संयुक्त/उप-मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात को प्रस्तुत करेंगे।

3. पूर्वोक्त निर्यात आभार की अवधि की समाप्ति से एक महीने के भीतर आयातक निर्यात आभार को पूर्ण करने में किए गए निर्यातों के मद्दे विदेशी मुद्रा मुद्रा की वगुली को प्रदर्शित करने हुए मूल रूप में बैंक प्रमाणपत्र और अन्य ऐसे दस्तावेज जो इस समझौते की शर्तों को पूर्ण करने में अर्जित विदेशी मुद्रा के समर्थन में साक्ष्य के रूप में संयुक्त/उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात द्वारा मांगे जाएं, इन सम्बद्ध, संयुक्त/उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात को प्रस्तुत करेंगे।

4. यदि आयातक, यथापूर्वोक्त वचनबद्ध निर्यात आभार को पूर्ण करने में असफल रहेंगे तो वह संबद्ध संयुक्त/उप-मुख्य निर्यातक, आयात-निर्यात, या मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात, नई दिल्ली द्वारा अनूदेश प्राप्त होने पर निर्धारित निर्यात आभार और वास्तविक निर्यात के बीच के अंतर के बराबर मात्रा और जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य के परिणामी उत्पाद की राज्य व्यापार निगम/परियोजना एवं उपस्कर निगम/खनिज एवं धातु व्यापार निगम को या सरकार (मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात) द्वारा नामित अन्य अभिकरण (जिसका आगे अभिकरण के रूप में उल्लेख किया गया है) को एग्सी कीमतों पर निर्यात के लिए देगा जो कि अभिकरण द्वारा विदेशों से प्राप्त की जा सके। इसके साथ ही साथ आयातक सीमा शुल्क को वह धन-राशि भी सीमा शुल्क अधिकारी को चुकाएगा जो इसके द्वारा निर्यात न किए गए उत्पाद के समरूप छूट प्राप्त माल पर उपयुक्त समय में चकाई जानी थी। इसके अतिरिक्त आयातक रुपये की धनराशि (यह निर्यात आभार के 5% के बराबर होगी और अधिक से अधिक 5 लाख रुपये होंगी) "निर्णीत हानि" के रूप में अभिकरण को चुकाएगा। अभिकरण (निर्यात करने के बाद और पूर्वोक्त उत्पादों की विभी की रकम की यथा-सम्भव शीघ्र वसूली के बाद) ऐसे खर्चे (अपने सामान्य कमीशन सहित) जो उसके द्वारा किए गए हों और जो इस समझौते के अंतर्गत आयातक में वसूल करने योग्य हों उनको घटा कर ऐसे निर्यातों पर कमाई गई कुल विदेशी मुद्रा के बराबर रुपये आयातक को देगा।

5. उपर उल्लिखित निर्धारित निर्यात आभार और वास्तविक निर्यात के बीच के अंतर को निरूपित करते हुए जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य और "निर्णीत हानि" के रूप में निर्यात आभार के 5% को निरूपित करते हुए धन-राशि का निश्चय भी संयुक्त/उपमुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात और मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात द्वारा,

किया जाएगा और उक्त प्राधिकारी का निर्णय आयातक के लिए अंतिम और बाध्यकारी होगा। मूल्य का निश्चय करते समय उक्त प्राधिकारी यदि आवश्यक समझेगा तो इस उद्देश्य के लिए मूल्य का निश्चय करने के समर्थन में आयातक को ऐसा साक्ष्य प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करेगा, जो वह प्रस्तुत कर सकता है। यदि इस प्रकार नामित एजेंसी को निर्धारित नुकसानी से अतिरिक्त खर्चा करना होता है जो किसी कारण से सम्बन्ध एजेंसी को संभारित किए जाने वाले माल की बिक्री/बिक्री मूल्य से स्मॉजर नहीं किया जा सकता है तो ऐसा अतिरिक्त खर्चा सरकार द्वारा आयातक से वसूल किया जाएगा।

6. यदि आयातक यथापूर्वोक्त वचनबद्ध निर्यात आभार को पूर्ण करने में असफल रहता है और यदि ऐसा आभार सरकार के किसी कानून, आदेश, घोषणा, विनियम या अध्यादेश के कारण शक न दिया गया हो या उसमें विलम्ब न हो गया हो तो सरकार आयातक द्वारा उत्पादित माल या आयातित कच्चे माल में से जो भी हो उसको अधिकार में लेने के लिए स्वतंत्र है और उसको उस तरीके से और उस कीमत पर बेचने/वितरण करने के लिए आवश्यक कार्रवाई कर सकती है जो उसके द्वारा निश्चित की जाए और इसके साथ-साथ समझौते के अनुसार "निर्णीत हानि" की धनराशि वसूल कर सकती है। आयातक को आयात किए गए परन्तु निर्यात के लिए उपयोग न किए गए माल पर सीमा शुल्क भी चुकाना होगा। इस करार के अधीन दिये कोई भी सीमा-शुल्क कर और छूट प्राप्त माल को आयात की तिथि से करों के भुगतान की तिथि तक की अवधि पर 18% की दर से ब्याज भी, वसूली के किसी अन्य तरीके को ध्यान में रखे बिना सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 के खण्ड 142 के उपबन्धों के अनुसार और/या आयातक को चुकाने योग्य किसी नकद सहायता में से वसूल किया जाएगा। लेकिन यह कार्रवाई उस अन्य कार्रवाई को ध्यान में रखे बिना की जाएगी जो आयात-निर्यात (नियन्त्रण) अधिनियम, 1947 और उस के अधीन जारी किए गए आदेश के अन्तर्गत की जा सकती है। मांग होने पर, कम्पनी द्वारा पूर्ण निर्धारित नुकसानी का भुगतान करने में असफल रहने पर ऐसी निर्धारित नुकसानी कम्पनी को दिये किसी नकद सहायता में से भी वसूल की जा सकती है।

7. इस सम्बन्ध में सरकार द्वारा जारी किया गया कोई भी आदेश अन्तिम और अनिवार्य होगा और आयातक उस आदेश को बिना शर्त अनुपालन करने का वचन लेता है।

8. इस दस्तावेज पर या इसके अधीन निष्पादित किसी भी दस्तावेज पर चूकाया जाने वाला स्टाम्प शुल्क आयातक द्वारा वहन किया जाएगा।

इसके साक्ष्यस्वरूप इस पर -----की सामान्य मुद्रा लगा दी गई है तथा भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से श्री -- -- -- -- ने इस पर अपने हस्ताक्षर कर दिए हैं।

इसमें उल्लिखित नाम के आयातक की सामान्य मोहर इनकी उपस्थिति में लगाई गई है।

(1) श्री

(1)--- -- -- --

हस्ताक्षर

(निवास स्थान का पता)

संचालक और (2) श्री -----

(2)--- -- -- --

(निवास स्थान का पता)

संचालक जो को हुई कम्पनी की बैठक में पारित कम्पनी संचालक बोर्ड के संकल्प द्वारा इस उद्देश्य के लिए विधिवत् प्राधिकृत किए गए हैं और जिन्होंने निम्नलिखित की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए हैं :—

1. (नाम, पदनाम और पता)

2. (नाम, पदनाम और पता)
. द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से निम्नलिखित की उपस्थिति में हस्ताक्षरित :—

1. (नाम, पदनाम और पता)

2. (नाम, पदनाम और पता)

छूट प्राप्त माल

क्रम सं० विवरण किस्म तकनीकी सीमा (अधिकतम)
विशेषताएं मात्रा लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य

परिणामी उत्पाद

क्रम सं० विवरण किस्म तकनीकी मात्रा जहाज पर्यन्त निशुल्क
मूल्य विशेषताएं

परिशिष्ट—18F

क्रम सं. आयात

भारत सरकार

राजस्व विभाग

कर छूट हकबारी प्रमाण-पत्र

(वो भागों में जारी—आयात एवं निर्यात प्रत्येक में वही संख्या है)

भाग—1 आयात

भारत सरकार

राजस्व विभाग

कर छूट हकबारी प्रमाण-पत्र

(अधिसूचना सं. 117/एफ. सं. 602/14/78-डी बी के, दिनांक 9-6-1978 के अनुच्छेद (क) और उसकी यथा संशोधित द्वितीय अनुसूची देखें)

(इसमें पृष्ठ हैं)

क्रम सं. आयात/निर्यात जारी करने की तिथि पंजीकरण का पत्तन

(आयातक का नाम और पूरा पता)

यह प्रमाण-पत्र

.....

.....

.....

..... के नाम में

जारी किया जाता है।

उपर्युक्त आयातक को के द्वारा जारी किए गए अग्रिम लाइसेंस सं. दिनांक के मद्दे आयातित जो प्रस्तुत प्रमाणपत्र के भाग "ग" में निर्दिष्ट माल की सूची में शामिल है वह भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, राजस्व और बैंकिंग विभाग की अधिसूचना के सं. 177-कख, दिनांक 9-6-1978 (प्रस्तुत अनुसूची में आगे उक्त अधिसूचना के रूप में संदर्भित) में निहित शर्तों के अधीन आयात शुल्क से छूट के लिए पात्रता प्राप्त करायेंगा।

आयातक आयात का प्रथम खेप की निकासी की तिथि से मास के भीतर या प्रथम खेप के आयात के बाद 30 दिनों के भीतर, इनमें जो भी पहले हो, उसी अवधि के भीतर उक्त अधिसूचना के अनुच्छेद (ग) के अनुसार निर्यात करेगा।

सीमा-शुल्क से माल की निकासी करने से पहले उक्त अधिसूचना की शर्त (ख) के अनुसार रुपये के लिए एक बन्धपत्र/विधिक करार के साथ निष्पादित किया जाएगा।

निर्यात पूर्ण कर लेने के बाद यह प्रमाणपत्र बन्धपत्र/विधिक करार के निरसन के लिए पृष्ठांकन के साथ सम्बद्ध लाइसेंस प्राधिकारी के सामने प्रस्तुत किया जाएगा जो बन्धपत्र/विधिक करार को निरसन करने के बाद इस प्रमाणपत्र को अपने पास रख लेगा।

हस्ताक्षर

(जारी करने वाला प्राधिकारी)

सुरक्षा मोहर

दिनांक

उक्त अधिसूचना की शर्त (ख) के अनुसार दिनांक को रुपये (रुपये) के लिए निष्पादित और के अधीन इस कार्यालय के साथ पंजीकृत बन्धपत्र/विधिक करार। सुरक्षा मोहर

हस्ताक्षर :

पता :

दिनांक :

भाग—क

जिन कारखानों में निर्यात के लिए परिणामी उत्पादों का निर्माण किया गया है उन के नाम और पते।

भाग—ख

जिन कारखानों में निर्यात के लिए परिणामी उत्पादों के उप-साधनों का निर्माण किया गया है, उन के नाम और पते।

भाग 'ग'

माल की सूची

क्रम सं०	उक्त अधिसूचना की प्रथम अधिसूची में क्रम सं०	किस्म	तकनीकी गुण	मात्रा	लागत-बीमा भाड़ा मूल्य	भाग 'ड' में परिणामी उत्पादों की क्रम सं०
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)

भाग-घ

(माल के) आयात का व्यौरा

क्रम सं०	भाग ग में माल की संख्या	प्रविष्टि बिल की संख्या और दिनांक और आयात के कस्टम हाउस का नाम	विवरण	मात्रा और वास्तविक भार	उगाहा जाने योग्य कर परन्तु छूट के लिए	कर की धनराशि	वदनाम और मोहर के साथ अधिकारी के हस्ताक्षर		
					कस्टम टैरिफ एक्ट 1975 की प्रथम अनुसूची की शीर्षक संख्या और अतिरिक्त कर की उगाही के लिए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क व नमक अधिनियम 1944 की प्रथम अनुसूची में माल संख्या	कर की दर (1) मूल (2) अतिरिक्त (3) पूरक			
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10

1.

2.

(इस कर छूट और हकदारी प्रमाणपत्र के निर्माण भाग में भाग ग और घ सम्मिलित हैं)।

भाग छ

जिस माल के सम्बन्ध में उक्त अधिसूचना की शर्तों का पालन नहीं किया है उस पर चुकाए गए कर

क्रम सं०	भाग घ में जिस क्रम सं० के अन्तर्गत माल के आयात की प्रविष्टि की गई है वह क्रम सं०	जिस माल पर कर चुकाया गया है उस का विवरण	उगाहे जाने योग्य कर की दर (1) मूल (2) अतिरिक्त (3) पूरक	कर की धनराशि	कर भुगतान दस्तावेजों का व्यौरा	वदनाम और मोहर के साथ सीमा-शुल्क अधिकारी के हस्ताक्षर
1	2	3	4	5	6	7

1.

2.

(इस कर छूट और हकदारी प्रमाणपत्र के निर्माण भाग में भाग ज और झ शामिल हैं।)

परिशिष्ट—16B

क्रम सं. निर्यात

भारत सरकार

राजस्व विभाग

कर छूट हकवारी प्रमाण-पत्र

(वा भागों में जारी—आयात एवं निर्यात प्रत्येक में वही संख्या है)

भाग—2 निर्यात

भारत सरकार

राजस्व विभाग

कर छूट हकवारी प्रमाण-पत्र

(अधिसूचना सं. 117/एफ. सं. 602/14/78-डी बी के, दिनांक 9-6-1978 के अनुच्छेद (क) और उसकी यथा संशोधित द्वितीय अनुसूची देखें)

(इसमें.....पृष्ठ हैं)

क्रम सं. आयात/निर्यात जारी करने की तिथि पंजीकरण का पत्तन

(आयातक का नाम और पूरा पता)

यह प्रमाण-पत्र

.....

.....

.....

.....के नाम में

जारी किया जाता है।

उपर्युक्त आयातक को के द्वारा जारी किए गए अग्रिम लाइसेंस सं. दिनांक के मद्दे आयातित जो प्रस्तुत प्रमाणपत्र के भाग "ग" में निविष्ट माल की सूची में शामिल है वह भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, राजस्व और बैंकिंग विभाग की अधिसूचना के सं. 177-कख, दिनांक 9-6-1978 (प्रस्तुत अनुसूची में आगे उक्त अधिसूचना के रूप में संदर्भित) में निहित शर्तों के अधीन आयात शुल्क से छूट के लिए पा क्षताप्राप्त करायेंगे।

आयातक आयात की प्रथम खेप की निकासी की तिथि से मास के भीतर या प्रथम खेप के आयात के बाद 30 दिनों के भीतर, इनमें जो भी पहले हो, उसी अवधि के भीतर उक्त अधिसूचना के अनुच्छेद (ग) के अनुसार निर्यात करेगा।

सीमा-शुल्क से माल की निकासी करने से पहले उक्त अधिसूचना की शर्त (ख) के अनुसार रुपये के लिए एक बन्धपत्र/विधिक करार के साथ निष्पादित किया जाएगा।

निर्यात पूर्ण कर लेने के बाद यह प्रमाणपत्र बन्धपत्र/विधिक करार के निरसन के लिए पृष्ठांकन के साथ संबद्ध लाइसेंस प्राधिकारी के सामने प्रस्तुत किया जाएगा जो बन्धपत्र/विधिक करार को निरसन करने के बाद इस प्रमाणपत्र को अपने पास रख लेगा।

हस्ताक्षर

(जारी करने वाला प्राधिकारी)

सुरक्षा मोहर

दिनांक

उक्त अधिसूचना की शर्त (ख) के अनुसार दिनांक को रुपये (रुपये) के लिए निष्पादित और के अधीन इस कार्यालय के साथ पंजीकृत बन्धपत्र/विधिक करार।

सुरक्षा मोहर

हस्ताक्षर :

पता :

दिनांक :

भाग—क

जिन कारखानों में निर्यात के लिए परिणामी उत्पादों का निर्माण किया गया है उन के नाम और पते।

भाग—ख

जिन कारखानों में निर्यात के लिए परिणामी उत्पादों के उप-साधित्रों का निर्माण किया गया है, उन के नाम और पते।

(भाग ग और घ के आकड़े इस डी वॉ ई सी के आयात वाले भाग में हैं)

भाग ड.

परिणामी उत्पाद

क्रम सं०	विवरण	मात्रा	तकनीकी विशेषताएं	मात्रा	मूल्य	भाग ग में माल की क्रम सं०
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)

भाग-च

निर्यातों का विवरण

क्रम सं०	भाग ड. में परिणामी उत्पाद की क्रम सं०	पोत सवाम के सीमा शुल्क कार्यालय का नाम	पोतपरिवहन की संख्या और दिनांक	पोतका नाम और पोतकी बाह्य प्रविष्टि की तारीख	मात्रा	निर्यात उत्पाद का वास्तविक भार	पोत परिवहन बिन्दु के अनुसार विवरण	अहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य	सीमा शुल्क अधिकारी के हस्ताक्षर पदनाम और सील सहित और यदि कोई हो सम्पूर्ण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)

1.

2.

(भाग-छ इस कर छूट हकदारी प्रमाण पत्र के आयात भाग में प्रांकड़े)

भाग—ब

प्रमाण-पत्र

मैं (नाम)
 (आयातकों) का अनुसार नामा धारक जिनका कारखाना
 परिसर में है और जिनके नाम में कर छूट हकदारी प्रमाण पत्र
 क्रम सं.
 दिनांक दिया गया
 है, यह प्रमाणित करता हूँ कि :—

(क) भाग ब की क्र. सं. (संख्याओं)
 में यथा विशिष्टीकृत निर्यातित माल भाग क/भाग छ में
 उल्लिखित कारखाने के परिसर में विनिर्मित किया गया है।

(ख) भाग ब की क्रम सं. (संख्याओं)
 में यथा विशिष्टीकृत छूट प्राप्त माल भाग च की क्रम सं.
 (संख्याओं) में यथा विशिष्टीकृत

निर्यातित माल के विनिर्माण में उपयोग किया गया है (कथित
 अधिसूचना की शर्त (घ) की धारा (1) देखें)।

(ग) भाग ब की क्रम सं. (संख्याओं)
 में यथा विशिष्टीकृत छूट प्राप्त माल के तदनुसूची माल का भाग
 च की क्रम सं. (संख्याओं) में यथा
 विशिष्टीकृत माल के विनिर्माण में उपयोग में लाया गया है
 (कथित अधिसूचना की शर्त की धारा (2) या धारा (3) देखें)।

(घ) भाग ब की क्रम सं. (संख्याओं)
 में यथा विशिष्टीकृत माल के सम्बन्ध में भाग छ की क्रम सं.
 (संख्याओं) में यथा विशिष्टीकृत
 कर का भुगतान कर दिया गया है।

कार्यालय की मोहर

हस्ताक्षर

दिनांक

पदनाम

माक्षी

पता

भाग—1

बॉन्ड की विमुक्ति

हम अनुरोध करते हैं कि बॉन्ड/विधिक करार सं..... को विमुक्ति किया जाए।

आयातक के हस्ताक्षर

जहां तक सीमा शुल्क विभाग का सम्बन्ध है बॉन्ड/विधिक करार को रद्द करने हेतु कोई आपत्ति नहीं है।

पंजीकरण के पत्तन पर सीमाशुल्क

अधिकारी के हस्ताक्षर

पदनाम और सील

..... रूपए) रूपए)
..... के लिए क्रम सं.....
दिनांक के अन्तर्गत पंजीकृत
बॉन्ड/विधिक करार सं..... से मंत्री
बहु संतुष्ट होने के बाद कि उपर्युक्त बॉन्ड की सभी शर्तें पूरी
कर दी गई हैं को विमुक्ति
कर दिया गया है।

कार्यालय की मोहर

दिनांक

हस्ताक्षर

पदनाम

परिशिष्ट-16 छ

मन्त्री अभियन्ता के प्रमाण पत्र का प्रपत्र

(आवेदक कम्पनी के मुख्य कार्यकारी/उत्पादन प्रभारी और सन्तरी अभियन्ता जो कम्पनी का कर्मचारी न हो द्वारा भरा जाए)
नियमित संविदा के निष्पादन के लिए एजीक्यूटिव निर्माण नीति के अन्तर्गत कच्चे माल, मशीनों और उपभोग्य सामग्री के आयात के लिये कर छूट योजना के अधीन प्रमाणन।

भाग—1

आवेदक कम्पनी श्री और से मैं एतद्वारा प्रमाणित करता हूँ कि पंजीकृत निर्माण नीति के अन्तर्गत इस आवेदनपत्र के साथ संलग्न सूची (जिसमें मध्ये के कुल लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य की मध्ये हैं और पृष्ठ है) में दी गई प्रत्येक मद के सामने दिये गये आयातित कच्चे माल तबतक और उपभोग्य सामग्री और मात्रा और लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य की के लिए निर्मित संविदाओं/मौरो के निष्पादन के लिए वास्तव में आवश्यकता है जिसके लिए यह आवेदनपत्र भेजा जा रहा है।

संलग्नक—सूची

हस्ताक्षर

मुख्य कार्यकारी/उत्पादन प्रभारी

का नाम और पदनाम

कम्पनी का नाम और पता

कम्पनी की मोहर

स्थान

दिनांक

भाग—2

(सन्तरी अभियन्ता द्वारा भरा जाए)

मैंने आवेदक कम्पनी के कच्चे माल मशीनों और उपभोग्य सामग्री की आयात संबंधी आवश्यकता की उनके तकनीकी विवरण/विशिष्टकरण और आयात की प्रत्येक मद के आयात पर मात्रा की जांच कर ली है और उपभोग के उचित तकनीकी मानदण्ड को ध्यान में रखते हुए और संबंधित विज्ञापन और श्रांति की तकनीकी समीक्षा के बाद मैं एतद्वारा प्रमाणित करता हूँ कि वे सब प्रकार से सही हैं और के लिए निर्मित संविदाओं के निष्पादन के लिये उनकी वास्तव में आवश्यकता है।

परिशिष्ट 16 छ

मर्कों की सूची में और रुपये कुल
मूल्य की मर्दें शामिल हैं।

हस्ताक्षर
नाम
पदनाम
पता
जिस संस्था के अधीन अधिभूत है उसका
नाम और पता
सामूहिक सदस्यता की संदर्भ संख्या और
दिनांक

स्थान

दिनांक

- टिप्पणी :— (1) प्रमाण-पत्र पर हस्ताक्षर करने वाला सनदी अभियन्ता आवेदक का कर्मचारी नहीं होना चाहिए। सार्वजनिक क्षेत्र और सरकारों उपक्रम के मामले में प्रमाण-पत्र कम्पनी के कर्मचारी सनदी अभियन्ता द्वारा हस्ताक्षरित किया जा सकता है।
- (2) रसायन उद्योग के मामले में प्रमाण-पत्र आवेदक एकक के मुख्य रसायनज्ञ/रसायन अभियन्ता और मनवी लेखापाल अथवा लागत लेखापाल का कम्पनी सचिव द्वारा संयुक्त रूप से हस्ताक्षरित किया जा सकता है।
- (3) वस्त्र उद्योग के मामले में प्रमाण-पत्र आवेदक एकक के उत्पादक के मुख्य तकनीकी अधिकारी और सनदी लेखापाल अथवा लागत लेखापाल द्वारा संयुक्त रूप से दिया जा सकता है।

भाग—7

विशेष अग्रदाय लाइसेंस प्रदान करने के लिये आवेदनपत्र के साथ प्रस्तुत किए जाने वाले परियोजना प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए प्रमाणपत्र का प्रपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि आवेदन सं० दिनांक के मद्दे
रूपे (शब्दों में) के कुल मूल्य के लिए नीचे उल्लिखित मूल्य, मात्रा और विवरण
का मास संभरण करने के लिए संबंधी को हमारे द्वारा एक संविदा प्रदान की गई है। प्रागे यह भी
प्रमाणित किया जाता है कि परियोजना पूंजी हमारे नियन्त्रण में है और जो क्रेडिट सं० या मा.ए.ए.जा.सो./प्रायज इण्डिया लि०/बी.ए.
आई.एल. के अन्तर्गत द्विपक्षीय बहुपक्षीय अधिकरण का नाम) से आई वा आर डी/आई डी ए/द्विपक्षीय/बहुपक्षीय सहायता
पूर्ण रूप से वित्तीय सहायता प्राप्त है, अतः संभरण व अन्तर्राष्ट्रीय, प्रतियोगी बोली/सीमित
खोखल निविदा के मद्दे प्राप्त की गई उक्त संविदा के अन्तर्गत किया जाएगा। उक्त, संविदा के अन्तर्गत सुपुर्दगी अनुसूची है।

स्थान

दिनांक

टिप्पणी—यह प्रमाण पत्र सम्बन्धित परियोजना के मुख्य कार्यकारी प्रभारी द्वारा या इन परियोजना में नियुक्त द्वारा, विशेष रूप से प्राधिकृत बरिष्ठ
अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित किया जाना है।

*जी लागू न हो, उसे काट व।

संविदा, के अन्तर्गत संभरित किए जाने वाले माल का विवरण, मात्रा और मूल्य।

(महा निदेशालय, तकनीकी विकास/वस्त्र आयुक्त द्वारा भरा जाए)

पंजीकृत निर्यातक नीति के अन्तर्गत निर्यात संविदा के निष्पादन के लिए करने माल, संघटकों और उ. मा. व. सामग्री के आयात, के लिए कर छूट योजना के
अधीन प्रमाणित।

हमने आवेदक कम्पनी के मुख्य प्रशासक/उत्पादन प्रभारी और सनदी अभियन्ता द्वारा प्रमाणित करने के आधार पर इन आवेदन पत्र में दी आयात
आवश्यकताओं की जांच कर ली है। हम प्रमाणित करते हैं कि सनदी अभियन्ता, द्वारा प्रमाणित नाममात्र, मचटक, और उपभोग्य सामग्री और उनकी मात्रा
यथोचित है और निर्यात के लिये उच्चस्तर/उत्पादों के उत्पादन के लिए अनिवार्य है।

2. हम निम्नलिखित मर्दों के आयात, के लिए सिफारिश नहीं करते हैं :—

हस्ताक्षर
महानिदेशालय, तकनीकी विकास/वस्त्र
आयुक्त के कार्यालय में उद्योग विकास
प्रभारी अधिकारी का नाम और पदनाम
.....

स्थान

दिनांक

परिशिष्ट—17क

असबाब लाइसेंस प्रदान करने के लिए आवेदन पत्र का प्रपत्र

भाग--I

सामान्य जानकारी :—

1. आवेदक का नाम और पता
2. उद्योग का नाम
 - (1) कारखाने का पता और स्थान
 - (2) उसमें विनिर्मित अन्तिम उत्पाद
3. फर्म की किस्म, क्या पब्लिक कम्पनी या प्राइवेट लि. कम्पनी या साझेदारी फर्म है।
4. जैसा भी मामला हो हिन्दू अविभाजित परिवार के रूप में निदेशक, साक्षीधारों, मालिक या कर्ता के नाम।
5. क्या आप विनिर्माता निर्यातक/व्यापारी निर्यातक/निर्यात सदन/व्यापार सदन हैं?
6. उत्पाद ग्रुप का एक उत्पाद जिसके लिए परिशिष्ट 17 में क्रम सं./उप क्रम सं. के साथ पंजीकृत किया।
7. निर्यात संवर्धन परिषद्/पण्य वस्तु बोर्ड/एफ आई ई ओ द्वारा जारी किए गए पंजीकरण प्रमाणपत्र की संख्या और दिनांक और वह तिथि जब तक यह वैध है (प्रमाण-पत्र की फोटोस्टेट/सत्यापित प्रति संलग्न करें)।
8. यदि निर्यात सदन है, तो निर्यात सदन/व्यापार सदन प्रमाण पत्र की संख्या और तिथि दर्शाएं और वह तिथि भी बताएं जब तक यह वैध है। (प्रमाण पत्र की फोटो-स्टेट/सत्यापित प्रति संलग्न करें)।
9. यदि विनिर्माता निर्यातक है तो निम्नलिखित द्वारा आवंटित पंजीकरण सं. दें :—
 - (1) महानिदेशक, तकनीकी विकास की सूची की फर्मा के मामले में महानिदेशक, तकनीकी विकास
 - (2) लघु उद्योग एकाई के मामले में राज्य के उद्योग निदेशक।
 - (3) विनिर्माता के रूप में एकक को पंजीकृत करने के लिए कोई अन्य सक्षम प्राधिकारी
10. मशीनरी के लिए पंजी निवेश।
11. यदि व्यापार निर्यात सदन/व्यापार सदन या व्यापारी निर्यातक है तो बताएं :—
 - (1) यह बताते हुए सहायक विनिर्माता का नाम और पता बताएं कि क्या वृहत् या लघु उद्योग का एकक है।
 - (2) सहायक विनिर्माता(ओं) के पंजीकरण प्राधिकारी का नाम।
 - (3) सहायक विनिर्माता(ओं) की पंजीकरण सं.
12. आवेदन शुल्क के भुगतान की बैंक रसीद/डिमांड ड्राफ्ट सं. और दिनांक बैंक रसीद/डिमांड ड्राफ्ट की मूल प्रति संलग्न की जानी है।
13. (1) आवेदित लाइसेंस का लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य।
 - (2) आयात किए जाने वाले माल का ब्योरा (आयात की जाने वाली प्रत्येक मद का पूर्ण ब्योरा, मात्रा, लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य दें।)

भाग 2

1. क्या यह आवेदन पत्र एक विशिष्ट निर्यात आदेश के मद्दे दिया गया है? यदि हां, तो बताएं :—
 - (1) निर्यात आदेश(शों) के अन्तर्गत निर्यात की मद (निर्यात आदेश की प्रति संलग्न करें)
 - (2) जहाज पर निःशुल्क मूल्य
 - (3) विदेशी क्रेता का नाम और पता और निर्यात का देश
 - (4) निर्यात आदेश(शों) के अन्तर्गत आने वाले निर्यात उत्पाद(दों) के वितरण की अवधि
 - (5) क्या विषयाधीन निर्यात आदेश(शों) के मद्दे कोई निर्यात पहले ही किए गए हैं? यदि हां, तो उसका जहाज पर निःशुल्क मूल्य बताएं।
 - (6) भुगतान की विधि बताएं (अपरिवर्तनीय साख पत्र के मामले में फोटोस्टेट प्रति संलग्न करें)।
 - (7) आवेदन पत्र के अन्तर्गत निर्यातों पर विदेशी अभिकर्ता को भुगतान की गई या दिये कमीशन या छूट की धनराशि।
2. (क) यदि निर्यात किए जाने वाले उत्पाद(दों) और आयात की जाने वाली मद मात्रा/लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य के रूप में पंजीकृत निर्यातकों के लिए आयात नीति के पूर्णतया अनुरूप हैं तो बताएं :—
 - (1) परिशिष्ट 17 की क्रम सं./उप क्रम सं.
 - (2) आयात प्रतिपूर्ति की दर।
- (ख) यदि ये आयात नीति के परिशिष्ट 17 के पूर्णतया अनुरूप नहीं हैं तो आयात नीति के अनुसार सनदी अभियंता का प्रमाण पत्र संलग्न करें।

भाग 3

1. यदि आवेदित आयात लाइसेंस एक विशिष्ट निर्यात आवेद के मद्दे नहीं किया गया है, तो उसे बताएं :-
 - (क) निर्यात किए जाने वाले उत्पादों का ब्यौरा, मात्रा और जहाज पर निःशुल्क मूल्य
 - (ख) यदि निर्यात किए जाने वाले उत्पाद और आयात की जाने वाली मर्चा मात्रा/लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य, के रूप में आयात नीति के परिशिष्ट 17 के पूर्णतया अनुरूप है तो पिछले तीन वित्तीय वर्षों के दौरान निर्यातित उत्पादों और निर्यातों के जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य का उत्पादवार ब्यौरा देते हुए एक विवरण संलग्न करें।
 - (ग) यदि ये आयात नीति के परिशिष्ट 17 के पूर्णतया अनुरूप नहीं हैं तो निम्नलिखित संलग्न करें :-
 - (1) आयात नीति के अनुसार मुख्य कार्यकारी और सनदी अभियंता से प्रमाण पत्र
 - (2) पिछले तीन वित्तीय वर्षों के दौरान उत्पादन-वार निर्यातित उत्पादों का त्रैमासिक दशान्वेष्टिका वाला विवरण।
 - (3) निर्यातित उसी उत्पाद के नवीनतम निर्यातों का इकाई मूल्य है और निर्यात की तिथि बताएं।

भाग 4

1. भूतकालीन निष्पादन :-

- (1) पिछले निर्यातों का ब्यौरा दें। निम्नलिखित ब्यौरे देते हुए विवरण संलग्न करें :-
 - (क) पिछले तीन वित्तीय वर्षों के दौरान किए गए निर्यात उत्पाद का विवरण।
 - (ख) उपर्युक्त (1) के विषय में निर्यात का जहाज पर निःशुल्क मूल्य (उत्पादवार)।
 - (ग) यदि 1985-88 की आयात-नीति के परिशिष्ट 17 के अधीन है तो निर्यातित उत्पाद का वर्गीकरण और आयात प्रतिपूर्ति की दर।
 - (घ) निर्यात किए जाने वाले उत्पाद की वह मात्रा जिसके लिए अप्रदाय लाइसेंस अपेक्षित है।
 - (ङ) आवेदक द्वारा निर्यातित उसी उत्पाद के आखिरी निर्यात का एकक मूल्य (निर्यात की तिथि भी लिखें)।
- (2) क्या गतवर्षों में कोई अग्रिम लाइसेंस जारी किया गया था?
- (3) यदि हां, तो क्या लाइसेंस के मद्दे निर्यात आभार अभी भी बाकी है?

- (4) यदि निर्यात आभार या तो अंश में या पूरे रूप में पूरा करना बाकी है तो कृपया नीचे लिखें अनुसार उसका ब्यौरा दें :-
 - (क) लाइसेंस सं. और दिनांक
 - (ख) लाइसेंस जारी करने वाले प्राधिकारी का नाम
 - (ग) निर्धारित निर्यात आभार का लाइसेंस-वार मूल्य
 - (घ) निर्यात आभार को पूरा करने के लिए अनुमित समय सीमा
 - (ङ) प्रत्येक लाइसेंस के मद्दे पहले ही पूरे किए गए निर्यात आभार का मूल्य
 - (च) निर्यात आभार को पूरा नहीं करने के कारण।

- (5) अप्रयुक्त प्रतिपूर्ति लाइसेंसों/रिलीज आवेदों का वह कुल लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य जिसके मद्दे आयात नहीं किया गया है।
- (6) प्रतिपूर्ति लाइसेंसों/रिलीज आवेदों का कुल लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य, जिसके लिए आयात आवेदन-पत्र लाइसेंस प्राधिकारियों के पास पड़े हुए हैं।

2. संलग्न दस्तावेजों की सूची।

भाग 5

घोषणा

1. मैं/हम एतद् द्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि यदि यह लाइसेंस प्रदान किया जाता है तो हमारे कारखाने में यह माल कच्चे माल/संबन्धी अथवा उप-साधकों के उपयोग के लिए ही उपयोग में लाया जाएगा और इसका कोई भी भाग न बेचा जाएगा अथवा किसी अन्य पार्टी द्वारा उपयोग के लिए अनुमति दी जाएगी।
2. मैं/हम एतद् द्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि उपर्युक्त विवरण मेरी/हमारी जानकारी एवं विश्वास के आधार पर सत्य एवं सही है। मैं/हम पूर्ण रूप से समझता हूँ/समझते हैं कि यदि यह पाया गया कि प्रस्तुत किए गए विवरण में कोई विवरण या तथ्य गलत अथवा झूठा है तो प्रस्तुत किए गए विवरण के आधार पर मुझे/हमको जारी किया गया कोई भी लाइसेंस उस अन्य जुमाने या अन्य कार्रवाई को ध्यान में रखे बिना रद्द किया जा सकता है या अप्रभावी किया जा सकता है जो सरकार हम संबंध में मामलों की परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए अधिरोपित करे।

हस्ताक्षर
 साफ अक्षरों में नाम
 पदनाम
 निवास का पूरा पता

दिनांक

भाग 6

आयकर घोषणा पत्र का प्रपत्र

आयकर घोषणा पत्र का प्रपत्र परिशिष्ट-2 में दिया गया है।

पौरीक-17'क'

बंधपत्र का नमूना

यदि आयातकर्ता/प्रतिभू व्यापारी का एकमात्र स्वस्थायी है तो अपना नाम और पता देने के पश्चात् "उसके वारिस, निष्पादक और प्रशासक" शब्द जोड़े जाएं।

यदि आयातकर्ता/प्रतिभू भारीवारी फर्म है तो "उक्त फर्म के तत्समय भारीवार और फर्म के उत्तराधिकारी और उनके अपने वारिस, निष्पादक और प्रशासक" शब्द जोड़े जाएं।

यह सबको ज्ञात हो कि हम (1)... का (जिसे हममें आगे "आयातकर्ता" कहा गया है) जिसके अंतर्गत उसके/उनके उत्तराधिकारी और समनुदेशिनी शामिल होंगे और (2)

(जिसे हममें आगे "प्रतिभू" कहा गया है) जिसके अंतर्गत, जब तक कि संदर्भ से अपरजित या उसके विच्छेद न हो, इसके उत्तराधिकारी और समनुदेशिनी भी है, संयुक्त और पृथक्: भारत के राष्ट्रपति के प्रति जिन्हें इसमें आगे "सरकार" कहा गया है आक्रांति एवं शब्दों में १० का भुगतान उक्त सरकार या उसके अंतर्गत और समनुदेशिनी को करने के लिए बचनबद्ध है और वृद्धतापूर्वक आबद्ध है। यह भुगतान करने के लिए, हम और हममें से प्रत्येक स्वयं को अपने अपने प्रत्येक वारिस, निष्पादक प्रशासक, उत्तराधिकारी और समनुदेशिनी को (जो शब्द लागू न हो उसे काट दें) आज तारीख के

यदि आयातकर्ता/प्रतिभू लिमिटेड कम्पनी है तो उसके उत्तराधिकारी और समनुदेशिनी को भी जोड़ा जाए)

हम 'विलेख' द्वारा संयुक्त और पृथक् आबद्ध करते हैं। उप/संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात और निर्यात ने (जिस इसमें आगे उप/संयुक्त-मुख्य नियंत्रक कहा गया, है और इसके अंतर्गत उस समय उक्त उप/संयुक्त-मुख्य नियंत्रक के कृत्यों का निर्वहन करने वाला कोई व्यक्ति भी है) हममें आगे दी गई अनुसूची में विनिर्दिष्ट माल (जिसे हममें आगे "आयातित माल" कहा जाता है) को "आयातित माल" कहा गया है) को लाइसेंस सं० ता० के अधीन पर आयात करने और उसकी निकासी करने की अनुमति दे दी है।

एक निबंधन यह है कि आयातकर्ता इसमें पूर्व लिखित रीति में पर्याप्त प्रतिभू सहित एक बंधपत्र उन शर्तों के साथ निष्पादित करेगा जो इसमें आगे दी गई हैं।

उपर लिखित बंधपत्र की शर्तें इस प्रकार हैं अर्थात् प्रथमतः, यदि उक्त आयातकर्ता तारीख से छः मास अथवा उक्त आयात और निर्यात के उप/संयुक्त-मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात द्वारा दिए गए अतिरिक्त समय के भीतर, आयातित माल के लागत-बीमा-भाड़ा सहित मूल्य के बराबर मूल्य का माल नंपाल, तिब्बत और भूटान को छोड़कर निबंधनों को निर्यात करेगा।

द्वितीय यदि उक्त आयातकर्ताओं और/या उनको प्रतिभू उप-युक्त अवधि की समाप्ति की तारीख से एक मास के भीतर यह साबित करने के लिए साक्ष्य प्राप्त करेगा और संयुक्त-मुख्य नियंत्रक को परिचित करेगा या पेश और परिदत्त करवाएगा कि आयातित माल के लागत-बीमा-भाड़ा सहित मूल्य के प्रतिशत के बराबर मूल्य का उक्त का पूर्वोक्त रूप से निर्यात कर दिया गया है और इसके अतिरिक्त बहन पत्र, बीजक, बैंक प्रमाण-पत्र आदि जैसे साक्ष्य भी पेश करेगा या कराएगा जिससे यह दर्शित होता है कि इस प्रकार निर्यात किए गए माल के पात पर्यन्त निःशुल्क मूल्य के संदाय के रूप में प्राप्त विदेशी मुद्रा के समतुल्य रूप उपरोक्त लाइसेंसों के मध्ये आयातित माल के लागत-बीमा-भाड़ा सहित मूल्य के प्रतिशत से कम नहीं है तो उपर लिखित बंध पत्र शून्य और निष्प्रभाव हो जाएगा अन्यथा यह बंधपत्र पूर्णतः प्रवृत्त और बल-शील रहेगा। इसके द्वारा यह घोषणा की जाती है कि :—

(क) उक्त बंधपत्र, उस आयातित माल के आयात की तारीख से वर्ष की अवधि के लिए पूर्णतः प्रवृत्त और प्रभावी रहेगा।

(ख) आयात कर्ता के विरुद्ध उपर्युक्त बंधपत्र की शर्तों को लागू करने में किसी प्रकार के स्थगन कार्य या सरकार की तरफ से कोई भूल हो जाने से या सरकार द्वारा आयातकर्ताओं को इसके संबंध में किसी प्रकार का समय मंजूर किए जाने से या किसी प्रकार की उदारता वरती जाने से प्रतिभू उन्मोचित नहीं होगा।

(ग) बंधपत्र केन्द्रीय सरकार के आदेश में ऐसा कार्य करने के लिए निष्पादित किया गया है जिसमें जनहितबद्ध है।

(घ) बंधपत्र की रकम के भुगतान से आयातकर्ताओं को ऐसी किसी अन्य कार्रवाई के लिए (जिसके अंतर्गत और आगे लाइसेंस दिए जाने से इंकार किया जाना भी है) दायित्व पर प्रभाव नहीं पड़ेगा जो आयात-व्यापार नियंत्रण, विनियमों के अधीन की जाएं।

यह करार हुआ है कि इस बंधपत्र पर लगने वाले स्टाम्प शुल्क का संदाय सरकार करेगी।

उपर निर्दिष्ट आयातित माल की अनुसूची

इसके साक्ष्य स्वरूप उपर सर्वप्रथम लिखी तारीख को इस विलेख के पक्षकारों ने इसके सम्यक रूप से निष्पादित किया।

*उक्त आयातकर्ता ने

1.

2.

की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए, मुद्रा लगाई और परिदान किया।
उक्त प्रतिभू ने

1.

2.

की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए, मुद्रा लगाई और परिदान किया।
(साक्षियों को चर्चाएँ कि वे उपजीविका और पता लिखें)

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से

परिशिष्ट-17ग

अप्रवाय लाइसेंसों के लिए विधिक करार प्रारूप

अप्रवाय लाइसेंसों के लिए पंजीकृत निर्यातकों के लिए विधिक वचनबद्ध का प्रारूप

यह करार एक पक्षकार के रूप में-----जो कम्पनी अधिनियम, 1956 के अधीन निर्गमित कम्पनी है और जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय-----में है (जिसमें इसमें आगे 'कम्पनी' कहा गया है और इसके अधीन उसके उत्तराधिकारी और समनुदेशी भी हैं) और दूसरे पक्षकार के रूप में भारत के राष्ट्रपति (जिन्हें इसमें आगे 'सरकार' कहा गया है और इसके अंतर्गत उनके पदांतरवर्ती और समनुदेशी भी हैं) के बीच तारीख-----198-----का किया गया।

कम्पनी को-----रु. के लागत-बीमा-भाड़ा सहित मूल्य के कच्चे माल और संघटकों के आयात के लिए आयात अनु-मति/विनिर्माण आदेश स.-----मंजूर किया गया है।

उक्त आयात लाइसेंस/निर्माण आदेश सख्या-----की एक शर्त के रूप में सरकार ने यह अनुबंध किया है कि-----कम्पनी प्रथम पारंपरण के आयात की तिथि से 30 दिन अथवा प्रथम पारंपरण की स्वीकृति से जो पहले हो अथवा सप्लाई की तिथि से लाइसेंस/विनिर्माण आदेश के अनुसार सरणीबद्ध अभिकरण द्वारा कच्चे माल के प्रदाय की तारीख से-----मास की अवधि में-----का निर्यात करके आंकड़ों एवं शब्दों में-----रु. तक की विदेशी मुद्रा अवश्य उपार्जित करेगी।

यह करार इस बात का साक्षी है कि :—

1. कम्पनी यथापूर्वोक्त-----मास की अवधि के भीतर-----का निर्यात करके-----रु. के पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य की विदेशी मुद्रा उपार्जित करेगी। (यदि आयात लाइसेंस/निर्माण आदेश सं. का उक्त कम्पनी द्वारा पूरी तरह से उपयोग नहीं किया जाता है तो निर्यात-बाध्यता उसी अनुपात में कम कर दी जाएगी)। भूटान को किए गए निर्यात, निर्यात आभार के मोचन के लिए अर्हित नहीं होंगे तथा यदि नेपाल और अफगानिस्तान को मुक्त विदेशी मुद्रा में भुगतान से भिन्न भुगतान पर निर्यात किए जाते हैं तो वे नियम निर्यात आभार के मोचन के लिए अर्हित नहीं होंगे।

2. कम्पनी किए गए निर्यात के संबंध में रिपोर्ट अर्थात् निर्यात किए गए माल की विशिष्टियाँ, उनकी क्वालिटी और उनका पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य और उन देशों के नाम जिनको निर्यात किया गया है, निर्यात आभार की उक्त अवधि की समाप्ति के एक मास के भीतर संबंधित संयुक्त/उप-मुख्य नियंत्रक, आयात और निर्यात को भेजेगी। ये सब आंकड़े किसी गनरी लेखापाल द्वारा सम्यक रूप से प्रमाणित किए जाएंगे।

3. कम्पनी पूर्वोक्त रूप में निर्यात आभार की अवधि की समाप्ति के एक मास के भीतर संबंधित संयुक्त/उप-मुख्य नियंत्रक, आयात और निर्यात को निर्यात आभार की पूर्ति में-----को किए गए निर्यातों के मद्दे वसूल की गई विदेशी मुद्रा प्रदर्शित करने वाले बैंक प्रमाणपत्र मूल रूप में और अन्य ऐसे दस्तावेज भी भेजेगी जो आयात और निर्यात के संयुक्त/उप-मुख्य नियंत्रक इस करार के निबंधकों और शर्तों की पूर्ति में उपार्जित विदेशी मुद्रा के समर्थन में साक्ष्य के रूप में मांगे।

4. यदि कम्पनी इस निर्यात आभार को पूरा करने में समर्थ नहीं है जिसके लिए उसने उपयुक्त रूप में वचनबद्ध है तो उस वशा में कम्पनी संबंधित संयुक्त/उप-मुख्य नियंत्रक, आयात और निर्यात या मुख्य नियंत्रक, आयात और निर्यात, नई दिल्ली द्वारा अनूद्घा दिए जाने पर राज्य व्यापार निगम एम. एम. टी. सी. अथवा पी. ई. सी. या ऐसे अन्य अभिकरण को जिसे सरकार (जिसके अंतर्गत आयात और निर्यात के मुख्य नियंत्रक भी हैं) नाम निर्देशित करे (जिसे इसमें आगे अभिकरण कहा गया है) अनुबंधित निर्यात बाध्यता और निर्यात किए जाने वाले उत्पादों के पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य के अनुसार वास्तविक निर्यात के बीच का अंतर अभिकरण द्वारा ऐसी कीमत पर निर्यात किए जाने के लिए सौंप देगी, जो विदेशों में प्राप्त कर सकती है। इसके अतिरिक्त कम्पनी इसके साथ ही-----रु. की रकम का (जो निर्यात आभार के 5% के बराबर किन्तु 5 लाख रुपये से अधिक नहीं होगी) भुगतान अभिकरण को 'परिनिर्धारित नुकसानी' के रूप में करेगी। अभिकरण (उपयुक्त उत्पादों के निर्यात और उसके विक्रय आगम की वसूली के पश्चात् यथासंभव शीघ्र कम्पनी को ऐसे निर्यात पर अभिकरण द्वारा उपार्जित शुद्ध विदेशी मुद्रा के समतुल्य रुपये, इसमें से ऐसे व्यय (जिसके अन्तर्गत अभिकरण का सामान्य कमीशन भी है) काट कर बचेगा जो अभिकरण ने किए हैं। यदि ऐसा मनोनीत अभिकरण परिसमाप्ति क्षतियों से अधिक व्यय करता है जो संबंधित एजेंसी को सप्लाई किए गए माल के विक्रय/निष्पादन के मूल्य में किसी भी कारण से समर्जित नहीं किया जा सकता है, तो ऐसे अधिक व्यय सरकार द्वारा कम्पनी से वसूल किया जाएगा।

5. अनुबंधित निर्यात आभार और वास्तविक निर्यात, जिसका उल्लेख ऊपर किया गया है, के बीच के अंतर प्रतिरूपित करने वाले पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य का तथा "परिनिर्धारित नुकसानी" के रूप में निर्यात बाध्यता के 5 प्रतिशत को प्रतिरूपित करने वाली रकम का भी अवधारण संयुक्त/उप-मुख्य नियंत्रक, आयात और निर्यात या मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात द्वारा किया जाएगा और उक्त प्राधिकारी का विनिश्चय अंतिम और कम्पनी पर बाध्यकर होगा। मूल्य का अवधारण करते समय उक्त प्राधिकारी यदि आवश्यक समझे तो कम्पनी को ऐसा माक्ष्य पेश करने का अवसर दे सकेगा जो वह (कम्पनी) इस प्रयोजन के लिए मूल्य के अवधारण के समर्थन में दे सकती है।

6. यदि कम्पनी अपने उन निर्यात आभारों की पूर्ति करने में असफल रहती है जिनके लिए उसने उपर्युक्त रूप में वचनबद्ध किया है तो केवल उस दिशा को छोड़कर जिसमें ऐसे आभारों की पूर्ति सरकार की किसी भीधि, आदेश, उद्घोषणा, विनियम या अध्यादेश के कारण नहीं हो पाई थी या विलम्ब में हो पाई थी, सरकार को यह स्वतंत्रता होगी कि वह इसके अंतर्गत के अनुसार परिनिर्धारित नकसानी वसूल करने के अतिरिक्त, यथास्थिति, कम्पनी द्वारा उत्पादित माल का या आयातित कच्चे माल का कब्जा ले और ऐसी रीति में और कीमत पर जो सरकार विनिश्चित करे, व्ययन/वितरण करने के लिए अन्य ऐसी कार्रवाई को जो वह आवश्यक समझे। यदि परिसमाप्ति क्षतियों का मांगने भुगतान नहीं किया जाता है तो सरकार कम्पनी को देय किसी भी लागत सहायता से उनको वसूल करने के लिए स्वतंत्र होगी। सरकार द्वारा इस संबंध में जारी किया गया आदेश अन्तिम और बाध्यकर होगा और कम्पनी ऐसे आदेश का अक्षर पालन करने के लिए वचनबद्ध करती है। बहरहाल, यह सैल आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 और उसके अन्तर्गत जारी किए गए आदेशों के अन्तर्गत किए जाने वाली अन्य कार्यवाही से अतिरिक्त होगी। इस दस्तावेज या इसके अधीन निष्पादित किसी अन्य दस्तावेज पर यदि कोई स्टाम्प शुल्क संदेय है तो वह कम्पनी देगी।

इसके साक्ष्यस्वरूप इस पर-----की सामान्य मुद्रा लगा दी गई है और भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी

और से श्री - - - - - ने इस पर अपने हस्ताक्षर कर दिए हैं।

इस पर उक्त कम्पनी की सामान्य मुद्रा-----

- (i) श्री ..----- (i) हस्ताक्षर-----
निदेशक, (निवास स्थान का पता)
(ii) श्री----- (ii) हस्ताक्षर-----
निदेशक (निवास स्थान का पता)

की उपस्थिति में लगाई गई है जिन्हें-----
कम्पनी की तारीख-----को हुई बैठक में पारित निदेशक बोर्ड के एक संकल्प द्वारा इस प्रयोजन के लिए सम्यक रूप से प्राधिकृत कि गया है और जिन्होंने-----

-----या

1. ----- (नाम, पदनाम और पता)
2. ----- (नाम, पदनाम और पता)
की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए हैं।

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से

श्री-----ने

1. ----- (नाम, पदनाम और पता)
2. ----- (नाम, पदनाम और पता)
की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए।

परिशिष्ट--18

प्रदर्शनियों में स्वर्ण आभूषणों/वस्तुओं के निर्यात के स्वर्ण की प्रतिपूर्ति हकदारी के लिये भेजने के लिये पात्रता प्रमाण-पत्र।

जयह प्रमाणित किया जाता है कि प्रदर्शनी में बीजक स०-----दिनांक-----के मद्द्द ज्ञेय गय वास्तविक माल का व्योरा निम्न प्रकार है और आयात एवं निर्यात नीति 1985-88 (परिशिष्ट-22 का अनुबन्ध-2) के अनुसार भारत में विदेशी मुद्रा प्रत्यावर्तित की गई और भारतीय मुद्रा विनियम नियंत्रण को वापस कर दी गई है:-

(1) भारतीय निर्यातक का नाम

(2) प्रदर्शनी लगने की () तिथि-----

() स्थान-----

(3) किसके द्वारा संगठित की गई

1	2	3	4	5	6	7	जड़ने के व्यापार			8	9	10	11
क्र० स०	हिस्सा	विवरण	कुल ग्राम	कुल वजन ग्राम	दर के वजन स्वर्ण का मुख्य रुपए	विवरण अनुसार	टुकड़	सी० टी० वजन	वास्तविक विक्रय मुख्य एवं विक्रय की स्थिति	किए गए भुगतान	कुल जहाज पर निशुल्क प्रेषित, 6 7 8 रुपए-----	विदेशी मुद्रा विक्रय मुख्य	प्रत्यावर्तित जहाज पर निशुल्क मुख्य

हस्ताक्षर -----
नाम -----
पदनाम -----
दिनांक -----
मोहर :-

परिशिष्ट 19-क

अनुमति के लिए लाइसेंस का आवेदन-पत्र

(बेतन तथा लेखा अधिकारी, औद्योगिक विकास विभाग के नाम 1,000/- रुपये के डिमान्ड ड्राफ्ट और 14 अतिरिक्त प्रतियों के साथ प्रस्तुत किया जाना है)।

टिप्पणी यह प्रपत्र अतःप्रतिष्ठान नियोजन अग्रिममुख औद्योगिक उपक्रमों की स्थापना के लिए लाइसेंस या अनुमति देने के लिए आवेदन पत्र के लिए उपयोग में लाया जाना है।

1. आवेदक का नाम और पता
2. (i) औद्योगिक उपक्रम का नाम और पता
- (ii) मालिकों, साझेदारों या निवेशकों के संजल के नाम और पते उनके रोजगार के सम्पूर्ण व्यौरों के साथ
3. क्या उपक्रम एम० आर० टी० पी० अधिनियम, 1969 के अन्तर्गत पंजीकृत है, यदि हाँ तो कृपया बताएं
- (1) जिसके संदर्भ में पंजीकृत किया गया है उसके खण्ड 20 का उपखण्ड [अर्थात् खण्ड 20 (क) और (ख)]
- (2) पंजीकरण सं० और दिनांक
- (3) क्या एम० आर० टी० पी० अधिनियम, 1969 के खण्ड 21 या 22 के अधीन कम्पनी कार्य विभाग को अनुमति देने के लिए कोई आवेदन पत्र दिया गया है यदि हाँ, तो कृपया संक्षिप्त व्यौर दें। यदि नहीं तो कृपया आवेदन पत्र न देने के कारण बताएं।
- (4) यदि एम० आर० टी० पी० अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकृत नहीं किया गया है तो कृपया कम्पनी के विभाग द्वारा जारी की गई कारण बताओ सूचना की सं० एवं तिथि बताएं, यदि कोई हो तो। कृपया बताएं कि क्या आपने इस संबंध में उस विभाग को कोई प्रतिवेदन किया है, यदि हाँ, तो कब?
- (5) क्या आवेदक फर्म/उपक्रम एम० आर० टी० पी० अधिनियम के अनुसार एक प्रभावशाली उपक्रम है। यदि ऐसा है तो कृपया बताएं।
- (क) उत्पादन की मदे जिनके कारण उपक्रम "प्रभावी" उपक्रमों की श्रेणी में आता है
- (ख) ऐसी मधो से संबोधित पिछले चार कैलेंडर वर्षों के वार्षिक उत्पादन के आंकड़े
4. पंजीगत रूप-रेखा
- (क) भारतीय कम्पनी अधिनियम, 1956 के अधीन पंजीकृत कम्पनियों के मामले में;

1. विद्यमान 1	औचित्य 2	तरजीह 3
प्राधिकृत पूंजी		
एकत्रित पूंजी		
पूँजी प्रयत्न		
(क) विदेशी होल्डिंग		
(1) सीधी भागीदारी		
(2) अप्रत्यक्ष रूप से भागीदारी		
(3) कुल (1) और (2)		
(ख) भारतीय होल्डिंग		
(ग) उधार		
(1) उधार		
(2) कम्पनी में विद्यमान		
(3) ऋण औचित्य का अनुपात		

1	2	3
2. प्रस्तावित :		
प्राधिकृत पूंजी	.	.
प्रदत्त पूंजी	.	.
एकत्रित पूंजी	.	.
(क) विदेशी होल्डिंग	.	.
(1) सीधी भागेदारी	.	.
(2) अप्रत्यक्ष लाभकारी रूप से भागेदारी	.	.
(3) कुल (1) और (2)	.	.
(ख) भारतीय होल्डिंग	.	.
(ग) उधार	.	.
ख. भारतीय कम्पनी अधिनियम 1918 के अधीन पंजीकृत से भिन्न कम्पनियों के मामले में।		
(1) उधार ली हुई को छोड़ कर स्वामी द्वारा लगाई गई पूंजी	.	.
(2) प्रत्येक भागीदार के शेयर्स	.	.
(3) उधार	.	.
5. (क) क्या प्रस्तावित निवेश एक नये उपक्रम (एन० यू०) के लिए है या नई वस्तु (एन० ए०) के विनिर्माण के लिए है या वर्तमान उपक्रम में निर्यात के लिए उत्पादन के लिए आवश्यक विस्तार (एस्० ई०) के लिए है।		
(ख) यदि निवेश एक नये उपक्रम द्वारा लिए जाने का प्रस्ताव है, तो कृपया मालिकों, साझेदारों या निवेशकों के मंडल के नाम उनके पते और व्यवसाय के पूरे ब्यौरे के साथ बताएं।	.	.
(ग) पूंजीगत ढांचे के ब्यौरे जैसे सदस्यों द्वारा वसूल की जाने वाली पूंजी; राज्य या केन्द्रीय सरकार और अन्यों द्वारा दिया गया भाग;	.	.
6. प्रस्तावित निवेश के लिए बिल की प्रक्रिया जिसमें निम्नलिखित के ब्यौरे शामिल हैं		
(1) आबेक एवं उसके समयकों द्वारा वृद्धि की जाने वाली पूंजी	.	.
(2) वित्तीय संस्थाओं से ली जाने वाली सहायता, यदि कोई हो तो, एवं उनके ऋण, ग्राहक राईटिंग पूंजी हक्किटी में भागे दारी आदि ब्यौरे सहित।	.	.
(3) और अन्य स्रोतों से	.	.
7. (क) कारखानों का प्रस्तावित		
स्थान	.	.
तहसील	.	.
जिला	.	.
राज्य	.	.
(ख) क्या तहसील/जिला सरकार की ओर से सब-मिडी के लिए पात्र पिछड़ा क्षेत्र अधिसूचित है?	.	.
(ग) (1) क्या प्रस्तावित स्थान मानक शहरी क्षेत्र की सीमा के भीतर आता है जैसा कि शहर की 1981 की भारत की जनगणना में में निश्चित किया गया है, और उसकी जनसंख्या 1 मिलियन से अधिक है।	.	.
(2) 0.5 मिलियन से अधिक की जनगणना वाले शहर की नगरीय सीमा के भीतर जैसा कि 1981 की भारत की जनगणना में निश्चित किया गया है;	.	.

8. (क) विनिर्माण की मर्दें और क्षमताएं जिनके लिए लाइसेंस की आवश्यकता है;

क्रम सं०	विनिर्माण की मर्दें	जिसे उद्योग से संबंधित है।	क्या आर्येदक के पास मर्द के विनिर्माण के लिए लाइसेंस है, यदि हां तो वर्तमान लाइसेंस क्षमता	सयत्न और मशीन अधिकतम समुपयोजन के आधर पर प्रस्तुतित आर्थिक प्रतिष्ठापन क्षमता
1	2	3	4	5

(ख) कारखाना मूल्य

- (1) वर्तमान में विनिर्मित मर्दों का वार्षिक उत्पादन
(2) निर्यात हेतु विनिर्मित प्रस्तुतित मर्दों का वार्षिक उत्पादन

9. पूंजीगत माल, कच्चा माल' संघटक, उपभोग्य और कालतु पूजों की अनुमानित आवश्यकता।

(क) पूंजीगत माल की आवश्यकता

आयातित	देशी माल
प्राप्त किए जाने वाले पूंजीगत माल की मर्दें	क्षमता मात्रा सी आई० एफ० मूल्य (रुपये)
	प्राप्त किए जाने वाले पूंजीगत माल की मर्दें
	क्षमता मात्रा
	मूल्य (रुपये)

(यदि आवश्यक हो तो सूची संलग्न की जाए)

(यदि आवश्यक हो तो सूची संलग्न की जाए)

पहले वर्ष

दूसरे वर्ष

(ख) कच्चे माल की आवश्यकता

आयातित	देशी माल
कच्चे माल का नाम	मात्रा सी० आई० एफ० मूल्य (रुपये)
	कच्चे माल का मूल्य
	मात्रा
	मूल्य (रुपये)
पहले वर्ष	पहले वर्ष
दूसरे वर्ष	दूसरे वर्ष
तीसरे वर्ष	तीसरे वर्ष
चौथे वर्ष	चौथे वर्ष
पांचवें वर्ष	पांचवें वर्ष

(ग) संघटकों की आवश्यकता

आयातित	देशी माल
संघटक का नाम	मात्रा सी० आई० एफ० मूल्य (रुपयों में)
	संघटक का नाम
	मात्रा
	मूल्य (रुपयों में)
पहले वर्ष	पहले वर्ष
दूसरे वर्ष	दूसरे वर्ष
तीसरे वर्ष	तीसरे वर्ष
चौथे वर्ष	चौथे वर्ष
पांचवें वर्ष	पांचवें वर्ष

(घ) उपभोग्यों की आवश्यकता

आयातित			देशी माल		
उपभोग्य(कों) का नाम	मात्रा	सी० आई० एफ० (मूल्य (रुपयों में))	उपभोग्य(ओं) का नाम	मात्रा	मूल्य (रुपयों में)
पहले वर्ष			पहले वर्ष		
दूसरे वर्ष			दूसरे वर्ष		
तीसरे वर्ष			तीसरे वर्ष		
चौथे वर्ष			चौथे वर्ष		
पाँचवें वर्ष			पाँचवें वर्ष		

(ङ) फालतू पुर्जों(ओं) की आवश्यकता

आयातित			देशी माल		
फालतू पुर्जों का नाम	मात्रा	सी० आई० एफ० मूल्य (रुपयों में)	फालतू पुर्जों का नाम	मात्रा	सी० आई० एफ० मूल्य (रुपयों में)
पहले वर्ष			पहले वर्ष		
दूसरे वर्ष			दूसरे वर्ष		
तीसरे वर्ष			तीसरे वर्ष		
चौथे वर्ष			चौथे वर्ष		
पाँचवें वर्ष			पाँचवें वर्ष		

10. निम्नलिखित परिसम्पत्तियों की आवश्यकताएँ निम्नलिखित फार्मों में निर्दिष्ट कीजिए

निम्नलिखित परिसम्पत्तियाँ	वर्तमान	प्रस्तावित
(क) भूमि		
(ख) भवन		
(ग) मशीनरी		
(1) देशी		
(2) आयातित		

11. क्या कोई विदेशी सहयोग (चाहे वित्तीय, तकनीकी, विपणन या परिकल्पित परामर्शीय) है?

यदि ऐसा है तो, निम्नलिखित विवरण दीजिए—

- (1) विदेशी सहयोग कर्तव्यों का नाम और पता
- (2) विदेशी सहयोग का स्वरूप
- (3) विदेशी सहयोग की शर्तें

12. क्या निर्माण सी० एस० आई० आर० द्वारा स्थापित किसी प्रयोगशालाओं द्वारा या विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा स्वीकृत आधार पर या उद्योगों/उपक्रमों की ओर से इन प्रयोगशालाओं द्वारा उपक्रमित प्रायोजित अनुसंधान द्वारा विकसित तकनीक पर आधारित है। यदि उत्तर हाँ में है तो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग से आवश्यक प्रमाणपत्र प्रस्तुत कीजिए;

13. (क) निर्यातों का परिमाण और इसके एफ० ओ० बी० मूल्य,
- (ख) निर्यात सध्यों को प्राप्त करने वाली गतिविधि क्या होगी?
- (ग) क्या आप निर्यात अथवा निर्यात के लिए निर्माण के व्यवसाय में लगे हुए हैं और यदि ऐसा है तो पिछले तीन महीनों में निर्यात की मदों की उनके एफ० ओ० बी० मूल्य के सहित निम्नलिखित कीजिए?

- 14 उपकरणों के प्राधिकृत उत्पादन पर आपके द्वारा प्राप्त किए गए मूल्य योग की निम्नतम प्रतिशतता क्या होगी (बरेखू रूप से प्राप्त कच्चे माल, संघटकों और उपभोग्यों की गणनीय मूल्य योग के लिए आयात समझा जाएगा।
(मूल्य योग प्रतिशतता के परिकलन के लिए

क-ख

$$\frac{\text{मूल्य}}{\text{क}} \times 100$$

क

जहाँ क-उत्पादन के पिछले पांच वर्षों में निर्यातों का प्रक्षिप्त मूल्य और

- ख (1) संघटकों उपभोग्यों पूंजीगत माल, फालतू पूजों आदि के निर्यात, स्वामित्व प्रदायगी आदि विदेशी सहयोगकर्ताओं की निर्यातों के भाड़त की प्रदायगी पर आगे जाने वाले सभी विदेशों विनियम योग
(2) बरेखू मूल्य पद्धति के क्षेत्रों से आयातित कच्चे माल, संघटकों और उपभोग्यों के पहले पांच वर्षों के उत्पादन की आवश्यकताओं का मूल्य ('क' का निर्वात लक्ष्य प्राप्त करने के लिए)

15. पहले पांच वर्षों में विदेशी मुद्रा का उपार्जन

पहले वर्ष दूसरे वर्ष तीसरे वर्ष चौथे वर्ष पांचवें वर्ष

- (क) निर्यात व्यापार के अन्तर्गत निर्यातों के एफ० प्रो० बी० मूल्य पर आधारित विदेशी मुद्रा का उपार्जन
(ख) विदेशी मुद्रा बाहर भेजने के लिए
(1) मशीनरी और उपकरणों का आयात
(2) कच्चे माल और संघटकों का आयात
(3) फालतू पूजों और उपभोग्यों का आयात
(4) विदेशी सहयोगकर्ताओं की भाषाओं का प्रस्तावित
(5) सहयोगियों की एकमुश्त रीयस्ट्री के रूप में अन्य भुगतान, तकनीकी जानकारी फोन इत्यादि।
(6) निर्यात पर कमीशन इत्यादि
(7) अन्य कोई भुगतान
(ग) पांच वर्षों में विदेशी मुद्रा का अर्जन।

16. पानी की सफाई

- (1) क्या शहर और स्टाफ क्वार्टरों और फैक्टरी की आवश्यकताओं के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध है (मात्रा दिखाएं)
(2) क्या यह सार्वजनिक क्षेत्रों से प्राप्त किया जाएगा ?

17. विद्युत सफाई

कि० वा० में मार

कि० वा० में

अधिकतम आवश्यकता

- (क) प्रस्तावित परियोजना के लिए विद्युत की कुल आवश्यकता
(ख) उपर्युक्त विद्युत कहाँ-कहाँ से प्राप्त की जानी है, अगल-अगल दिखाएं।
(ग) 1. अपना जेनरेटिंग स्टेशन
2. सार्वजनिक सफाई से
(घ) अगर अपना स्टेशन है तो बताएं जा रहे प्लांट का व्यौरा

18. मातायात

परिष्कृत उत्पाद और कच्ची सामग्री संचालन के लिए रेल मातायात की आवश्यकताएं संलग्न प्रश्न में निविष्ट करें।

19. ईंधन

ईंधन की आवश्यकता के विवरण। कोयले/ईंधन की आवश्यकता संलग्न प्रश्न में दिखाएं।

20. परियोजना के कार्यान्वयन के लिए नियोजित किए जाने वाले प्रस्तावित स्टाफ/धन

विवरण	वर्तमान	प्रस्तावित	कुल
(क) प्रबंधकीय			
(ख) पर्यवेक्षीय			
(1) तकनीकी			
(2) गैर तकनीकी			
(ग) लिपिकीय			
(घ) श्रमिक			
कुशल:			
अध कुशल			
अकुशल			
(ङ) अन्य श्रेणियां? यदि कोई है			
कुल			

21. क्या कोई अपेक्षित संघटक जलु और अनुवर्गी एकको को बिह जाने का प्रस्ताव है और यदि ऐसा है तो उसका धीरा वे। विवरण में इत बाव को लिखित करे कि क्या जलु/अनुवर्गी एकको को आनेवक/उद्भव के सहायक है या उसके द्वारा नियोजित या प्रबंधित की जा रही है, और दिए जाने वाले संघटकों का नाम, और उत्पादन की कुल अनुमानित कीमत में उनके हिस्से का प्रतिशत
22. विनिर्माण के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया का संक्षिप्त विवरण और उसे अपनाने के तथ्य
23. संबंधित राज्य में लागू प्रबंधन विरोधी नियमों की व्यवस्था सहित वहिभाव और गैसों को पानी और मिट्टी में निपटाने के लिए सुरक्षित रूप से छोड़ने के लिए प्रस्तावित उपाय
24. अनुमोदन पत्र की तिथि से उत्पादन शुरू करने के लिए अपेक्षित अनुमानित समय
25. क्या आधेवक को अब तक कोई औद्योगिक लाइसेंस या आशय पत्र जारी किया गया है। यदि हां, तो ऐसे सभी आशय पत्रों/औद्योगिक लाइसेंस के कार्यान्वयन में प्रगति, मर्दों का विनिर्माण, और उसको जारी किए गए प्रत्येक औद्योगिक लाइसेंस/आशय पत्र की सन्दर्भ सख्या और जारी करने की तिथि के पूर्ण विवरण। क्या आधेवक पार्टी द्वारा आशय पत्र के लिए दिया गया कोई आशेदन पत्र अनिर्णित है। यदि हां, तो विनिर्माण की मर्दों, प्रस्तावित क्षमता, क्षमता स्थिति और निवेश सहित उनका विवरण दें।
26. आशेदन की तिथि से पिछले 3 वर्षों में लगातार 90 दिनों की आशय तक बन्द रही औद्योगिक उपक्रम जो आधेवक के नियमन में या जिस प्रबंध के साथ आधेवक का संबंध था, उसके विवरण दें। उसके बन्द होम के कारण तथा उसकी पुनः शुद्धी के लिए प्रबंध द्वारा उठाए गए कदम और औद्योगिक उपक्रम की वर्तमान स्थिति को भी बताएं।
27. अपने आशेदन के लिए अनुकूल कारणों को बताएं। इन कारणों में स्कीम के कार्यान्वयन के लिए उपक्रम/आधेवक के (प्रबंधकीय, तकनीकी और वित्तीय) स्रोतों, अनुभव, तकनीकी क्षमता के साथ-साथ मार्केट संवर्धन और पूर्ण योजना, जोखिम क्षमता, तकनीक-आर्थिक पहलू के प्रारम्भिक अध्ययन पर भी प्रकाश डालें। उससे उत्पन्न हुए बाधा प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार इत्यादि बृहत विस्तार के मामले में आर्थिक पैमाने सहित जो बातें बृहत विस्तार को प्रदान करने के पक्ष में हैं उन पर भी प्रकाश डालें। उपक्रम या आधेवक के वित्तीय स्रोत और प्रस्तावित निवेश को वित्तवान करने के तरीके का भी विस्तार से वर्णन किया जा.ए ;

28. (क) क्या आवेदक या उपक्रम या उपक्रम के किसी साझेदार/निदेशक जो दूसरी कंपनी या उसके संबंधित उद्योग का साझेदार या निदेशक है का आयात व्यापार नियंत्रण के नियमों या सीमा शुल्क विनियमों को भंग करने के लिए बंध्यित किया गया/चेतावनी दी गई है।

(ख) यदि भाग (क) का उत्तर स्वीकारात्मक है तो उसका ब्योरा दें

29. (क) क्या आवेदक या उपक्रम या उसका कोई साझेदार/निदेशक जो दूसरी कंपनी या उसके सहायक उपक्रम का साझेदार/निदेशक भी है, को कोई अनुमति पत्र/आशय पत्र/लाइसेंस प्राप्त करने से विवर्जित किया गया है या स्पर्शन में रखा गया है।

(ख) क्या आवेदक या उपक्रम या उसका कोई साझेदार/निदेशक जो दूसरी कंपनी या उसके सहायक उपक्रम का साझेदार/निदेशक भी है, को भारत सरकार द्वारा जारी किए गए नोटिस से कोई लाइसेंस/आशय पत्र/ अनुमति पत्र प्राप्त करने से विवर्जित किया गया है?

(ग) यदि भाग (क) और/या (ख) का उत्तर स्वीकारात्मक है तो उसका विवरण दें।

मैं/हम एतद्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि उपर्युक्त विवरण जहाँ तक मेरी/हमारी जानकारी और विश्वास है, सत्य और सही है। मैं/हम यह पूर्णतया समझते हैं/समझते हैं कि प्रस्तुत विवरण के आधार पर मुझे/हमें प्रदान किया गया कोई भी आशय पत्र/अनुमति पत्र, यदि उस विवरण में बिना किसी भी तथ्य गलत या झूठा पाया गया तो मामले की स्थितियों को ध्यान में रखते हुए सरकार इस संबंध में जो कोई भी कार्यवाही करेगी इसके साथ-साथ उसे रद्द किया जा सकता है या निष्क्रिय किया जा सकता है।

(पूरे नाम सहित हस्ताक्षर)

पदनाम -----

सबध -----

पूरा पता -----

स्थान:--

तिथि:--

व्याख्यातात्मक टिप्पणी:--

1. अप्रत्यक्ष लाभ के लिए भागीदारी का अधिप्राय हिस्सेदारों की सूची की वे कंपनी हैं जिनमें गैर-आवसीय हिस्सेदारी है। इसके लिए केवल सम पूजी रु 15 प्रतिशत और अधिक के मुख्य हिस्से का विवरण लिया जाएगा।

2. कृपया लब्धोग मन्त्रालय की 16-2-1973 की समय-समय पर संशोधित अधिसूचना की अनुसूची 6 का अवलोकन करें।

परिशिष्ट 19-क जारी

(शतप्रतिशत नियति-मव संख्या 18 से सम्बंधित प्रपत्र)

के विनियमान के लिए कच्चे माल और परिष्कृत समान को संचालित करने के लिए मैसर्स—
की रेल यातायात की आवश्यकताओं की दिखाने वाला विवरण:—

उपक्रम का वास्तविक स्थान और उसका रेलवे स्टेशन	विनिर्मित की जाने वाली वस्तुएं	अगले कुछ वर्षों में हर वर्ष रेल द्वारा परिष्कृत उत्पादों को संचालित की जाने वाली अपेक्षित टनों में मासिक संचालन (टन)	प्रति दिन औसत (टन)	कालम 3 में दिए गए अनुसार प्रत्येक दिन के आधार पर उन मुख्य रेलवे स्टेशनों/धोंनों का उल्लेख करते हुए जहाँ माल जाना है के लिए यातायात का दिशावार ब्रकडाऊन	प्रत्येक कच्चे माल का दाम
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)

स्टेशनों और धोंनों प्राप्ति का उल्लेख करते हुए प्रत्येक कच्चे माल की आपूर्ति का स्रोत	प्रत्येक कच्चे माल की मात्रा		माल बेचने और प्राप्त करने वाले स्टेशनों पर अपेक्षित विशेष प्रकार के वेंगनों सहित विशेष सुविधाओं यदि कोई हो, का संक्षिप्त विवरण	रेल यातायात की आवश्यकताओं से संबंधित कोई अन्य सूचना
	वार्षिक संचालन (टन)	प्रति दिन औसत (टन)		
(7)	(8)	(9)	(10)	(11)

(शतप्रतिशत नियति-मव संख्या 19 में निविष्ट प्रपत्र)

को कोयल/कोक की आवश्यकताओं के विवरण:—

मेसर्स

उपक्रम का वास्तविक स्थान और उसका रेलवे स्टेशन	अपेक्षित कोयले/कोक इत्यादि का ग्रेड और श्रेणी		प्रति माल कोयल/कोक की आवश्यकता की मात्रा		स्टेशन और धोंनों का उल्लेख करते हुए आपूर्ति तिथि का स्रोत	प्रारम्भ किए जाने की तिथि	प्रयोग में लाए गए जलनशील उपस्कर की किस्म
	कोयला	कोक	कोयला	कोक			
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)

परिसिद्ध-198

शत-प्रतिशत निर्यात अभिमूख एकक के लिए कालुनी करार का प्रपत्र

वाणिज्य मंत्रालय (वाणिज्य विभाग) के संकल्प सं. 8(15)/78-ई. पी. दिनांक 31-12-80 में यथा परिभाषित 100% निर्यात अभिमूख एकक सर्वश्री जो इस करार का पक्ष है जिसका पंजीकृत कार्यालय में स्थित है (जिसके बाद "एकक" कहा जाए जिसकी अभिव्यक्ति में इसके उत्तराधिकारी और प्रतिनिधि शामिल हैं) और भारत के राष्ट्रपति (जिन्हें इसके बाद "सरकार" कहा जाए जिसकी अभिव्यक्ति में उनके उत्तराधिकारी और प्रतिनिधि शामिल हैं) जो दूसरा पक्ष है के बीच दिनांक 198 को एक करार किया गया।

जबकि सरकार ने पत्र सं. दिनांक के अनुसार एकक को का विनिर्माण करने के लिए 100% निर्यात अभिमूख एकक स्थापित करने के लिए बता दिया है और एकक ने अपने पत्र संख्या दिनांक के अनुसार उक्त नियम तथा शर्तों को विधिवत् स्वीकार कर लिया है।

और जबकि एकक को संयंत्र मशीनों और उपकरण के आयात के लिए रूप के लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य के लिए लाइसेंस सं. दिनांक और कच्चे माल, संघटकों तथा उपभोग्य सामग्री के आयात के लिए रु. के लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य के लिए आयात लाइसेंस सं. दिनांक प्रदान कर दिए गए हैं।

और जबकि एकक को पूंजीगत माल, कच्चे माल और संघटकों आदि के आयात के लिए आयात से छूट देते हुए आवात करने की स्वीकृति प्रदान कर दी गई है।

और जबकि एकक को बिना किसी केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के भुगतान किए रूप मूल्य के लिए देशी पूंजीगत माल, संघटकों और कच्चे माल की खरीद के लिए अनुमति प्रदान कर दी गई है।

और जबकि एकक को प्रदान किए गए लाइसेंस की एक शर्त के अनुसार सरकार ने यह निर्धारित किया है कि एकक को की अवधि से की अवधि तक के वर्षों के दौरान अपने निर्यात उत्पाद का 100 प्रतिशत उत्पादन/निर्यात करके विदेशी मुद्रा अवयव रूप से अर्जन करनी चाहिए जो कि सरकार द्वारा स्वीकृत निश्चित अवधि के पूर्ण होने के पहले दिन से लागू होगी (जिसके बाद "निर्धारित तिथि" कहा जाए) और जिसमें प्रतिशत की कटौती भी शामिल होगी।

अब करार इस प्रकार से होगा

1. एकक अवधि से तक की अवधि के वर्षों के दौरान अपने उत्पादन का 100% निर्यात करके विदेशी मुद्रा का अर्जन करेगा और यह अवधि यथा-उल्लिखित उत्पादन के प्रतिशत की कटौती के लिए स्वीकृति प्रदान करने की निर्धारित तिथि से गिनी जाएगी। भूटान को किए गए निर्यात, निर्यात आभार के वसूली के लिए पात्र नहीं होंगे और इस प्रकार यदि अफगानिस्तान और नेपाल को भी मुक्त विदेशी मुद्रा में भुगतान से भिन्न निर्यात किए जाएंगे तो वे भी पात्र नहीं होंगे। यह निर्यात आभार एकक पर और किसी भी आधार पर लगाए गए या लगाए जाने वाले किसी भी निर्यात आभार के अतिरिक्त होगा।

2. एकक 100 प्रतिशत निर्यात के लिए उत्पादन होने की तारीख से एक महीने के भीतर इसकी सूचना संबंध संयुक्त/उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात को देगा।

3. एकक तीन मास की अवधि के भीतर जो कि वित्तीय वर्ष के पहले दिन से लेकर निर्यात उत्पादन की आरम्भ करने के बाद से होगी, संयुक्त/उप-मुख्य नियंत्रक को एक मूल प्रमाण-पत्र और उक्त प्राधिकारी द्वारा मांगे जाने पर अन्य दस्तावेज प्रस्तुत करेगा जिसमें एकक द्वारा इमपोर्टेड टैरिफ एरिया से किए गए आयातों/निर्यातों और बिजली के ब्यौरे भी निम्नलिखित अवधि के दौरान भेजे जाएंगे।

(क) (1) पूंजीगत माल, संयंत्र, मशीनरी और उपकरण और (2) कच्चे माल, संघटकों और उपभोग्य सामग्री की मात्रा, विशिष्टीकरण तथा लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य।

(ख) देशी उत्पादित (1) संयंत्र, मशीनरी और उपकरण और (2) कच्चे माल, संघटकों एवं उपभोग्य सामग्री की मात्रा, विशिष्टीकरण तथा मूल्य।

(ग) के निर्यात की मात्रा विशिष्टीकरण और लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य

एकक इसी प्रकार के प्रमाण-पत्र और अन्य दस्तावेज उक्त प्राधिकारी को वर्षों की अवधि के लिए प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अन्त में तीन मास के भीतर भेजेगा।

4. यदि एकक उक्त उल्लिखित निर्यात आभार को पूरा नहीं कर पाता तो एकक को संबंध संयुक्त/उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात या मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के अनुदेशों के अनुसार सरकार को उस समय आयात लाइसेंस की शर्तों के अनुसार आयात के लिए स्वीकृत संयंत्र, मशीनरी और उपकरण और कच्चे माल, संघटकों और उपभोग्य सामग्री पर लगाई जाने वाली

सीमा-शुल्क कर की धनराशि का भुगतान करना होगा और साथ ही साथ इस अवधि के दौरान खरीदे गए वस्तु संयंत्र, मशीनरी और उपकरण और कच्चे माल, संघटकों और उपभोग्य सामग्री पर लगाए जाने वाले उत्पाद शुल्क की धनराशि का भी भुगतान करना होगा। एकक को इसके अतिरिक्त निर्धारित क्षति जो कि मामले की स्थिति को ध्यान में रखते हुए सरकार द्वारा निश्चित की जाएगी बहु धनराशि भी सरकार को देनी होगी। निर्धारित क्षति का निश्चय संयुक्त/उप-मुख्य निर्यातक, आयात-निर्यात या मुख्य निर्यातक, आयात-निर्यात द्वारा किया जाएगा और उक्त प्राधिकारी का अनूदेश एकक के लिए अतिरिक्त और धार्य होगा। निर्धारित क्षति का सुनिश्चय करने समय उक्त प्राधिकारी यदि आवश्यक समझे तो एकक को व्यक्तिगत रूप से समीक्षा के लिए भी अवसर प्रदान करेगा।

5. जब तक सरकार द्वारा विशेष रूप से स्वीकृति न प्रदान की जाए एकक को किसी भी हालत में नियामन प्रणाली को बरतने बाजार में बेचने की स्वीकृति नहीं होगी।

6. उक्त उल्लिखित दस्तावेज निर्यात आदेश को पूरा करने में असमर्थ होने की स्थिति में जिसमें कानून, आदेश, घोषणा, विनियमन या सरकार के अध्यादेश के कारण ऐसे निर्यात आदेश को पूरा करने में असमर्थ होने शामिल नहीं है, सरकार को निर्यात माल को किसी भी प्रकार से निर्यात करने के सम्बन्ध में एकक को निदेश जारी करने की पूर्ण स्वतंत्रता होगी और एकक को ऐसे अनूदेशों का हर प्रकार से पालन करना पड़ेगा। यह आयात तथा निर्यात (निर्यात) विनियमनों और किसी भी नियम के प्रावधानों के अन्तर्गत एकक के विरुद्ध दी जाने वाली अन्य कार्रवाई के अतिरिक्त होगा।

7. इस करार के अधीन सरकार के लिए देय कोई भी सीमा-शुल्क/उत्पाद शुल्क कर भी उसी के किसी भी स्त्रोत का ध्यान में रखे बिना और/या सरकार से एकक द्वारा वसूल की जाने वाली कोई भी धनराशि सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा-142 के प्रावधानों के अन्तर्गत वसूल की जाएगी।

8. इस सम्बन्ध में जारी किए गए किसी भी अन्य आदेश का एकक पालन करेगा और एकक ऐसे आदेश का बिना किसी शर्त के अनुपालन करने के लिए तैयारबद्ध है।

9. इस दस्तावेज पर या निश्चयित किए जाने वाले अन्य किसी भी दस्तावेज पर स्टाम्प कर एकक द्वारा दिया जाएगा।

इनके साक्ष्य स्वरूप इस पर की सामान्य मोहर लगा दी गई है और के लिए और उनकी ओर से अपने हस्ताक्षर कर दिए हैं।

इनके सामने नाम
सहित एकक की इस पर
सामान्य सील
लगा दी गई है।

हस्ताक्षर

(1) श्री (1)

(निवास का पता)

निदेशक और (2) श्री (2)

(निवास का पता)

- - - - - तारीख को हुई बैठक में
कम्पनी के बोर्ड आफ डायरेक्टर के संकल्प द्वारा और इस
प्रयोजन के लिए विधिवत प्राधिकृत निदेशक जिसने - - - -
के सामने हस्ताक्षर किए हैं।

1 (नाम, पदनाम और पता)

2 (नाम, पदनाम और पता)

भारत के राष्ट्रपति की ओर

से की

उपस्थिति में श्री

द्वारा हस्ताक्षरित

1 (नाम, पदनाम और पता)

2 (नाम, पदनाम और पता)

छूट प्राप्त माल

1. आयातित संयंत्र, मशीनरी और उपकरण

सं. माल का विवरण लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य

2. आयातित कच्चे माल, संघटक और उपभोग्य सामग्री

सं. विवरण तकनीकी विशेषताएं लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य

3. केन्द्रीय-उत्पाद शुल्क का भुगतान किए बिना देशीय
उत्पादित और खरीदे गए संयंत्र, मशीनरी और उपकरण और
कच्चे माल, संघटक और उपभोग्य सामग्री

सं. विवरण तकनीकी विशेषताएं मूल्य

4. निर्यात किए जाने वाले परिणामी उत्पाद

सं. विवरण क्वालिटी तकनीकी विशेषताएं मात्रा रेल पर निःशुल्क मूल्य

परिशिष्ट—20

७ टैरिफ क्षेत्र से मुक्त व्यापार जोन में स्थित यूनियों को जो जाने वाली सप्लाई के आधार पर आयात प्रतिपूर्ति लाइसेंस की मांग करने से संबंधित आवेदन पत्र

1. आवेदक का नाम
2. पूरा डाक पता
3. सप्लाई किए जाने वाले माल का ब्योरा (विवरण, मात्रा और उसका मूल्य)
4. पंजीकृत निर्यातकों के लिए आयात नीति में माल की कम समस्या
5. सप्लाई किस अवधि के दौरान की गई थी
6. मांगी गई आयात प्रतिपूर्ति
7. (क) पंजीकरण प्रमाणपत्र की सं. और तारीख
(पंजीकरण प्रमाणपत्र की प्रति प्रस्तुत की जाए)

(ख) क्या आवेदक का नाम विनिर्माता-निर्यातक के रूप में अथवा व्यापारी निर्यातकर्ता के रूप में पंजीकृत है :—

- (क)
(ख)
(ग)
(घ)
(ङ)
(च)

वचन/घोषणा

मैं/हम निष्ठापूर्वक यह वचन देता हूँ/देते हैं/यह घोषणा करता हूँ/करते हैं कि :—

- (1) उपर्युक्त ब्योरे सही है।
- (2) हमने जो ठेके लिए हैं उनकी शर्तों के अनुसार इस आवेदन पत्र में उल्लिखित सामान को सप्लाई किया गया है।
- (3) सामान की पूर्ति निर्यात मूल्यों पर की गई है।
- (4) इस आवेदन पत्र में उल्लिखित सामान के निर्यात के आधार पर आयात लाइसेंस लेने के लिए कोई दूसरा

आवेदन पत्र नहीं दिया गया है और न ही भविष्य में दिया जाएगा।

- (5) परेषण/पार्सल लौटाया नहीं गया है/लौटाए नहीं गये हैं। यदि किसी समय किसी परेषिती द्वारा कोई निर्यातित सामान लौटाया जाएगा तो सामान लौटने के एक महीने के अन्दर जोन के विकास आयुक्त को आवश्यक सूचना भेज दी जाएगी और विकास आयुक्त लाइसेंस प्राधिकारी को यह सूचित करेगा कि इस संबंध में जो अन्य कोई कार्रवाई की जा सकती हो उस पर कोई प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना आयात प्रतिपूर्ति लाइसेंस की राशि मझे/हमें या मेरे/हमारे नामित व्यक्तियों को भविष्य में मिलने वाले आयात की राशि में से घटा दी जाए।
- (6) यदि लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा किसी समय संवीक्षा करने पर यह मालूम हो जाए कि इस आवेदन के आधार पर मुझे/हमें लाइसेंस की राशि से अधिक अदायगी की गई है, तो अधिक अदा की गई राशि को मुझे/हमें या मेरे/हमारे नामित व्यक्तियों को भविष्य में किसी भी वर्ग के अन्तर्गत मिलने वाले लाइसेंसों/अदायगियों की राशि में समायोजित किया जाएगा, किन्तु इससे इस सम्बन्ध में की जाने वाली किसी अन्य कार्रवाई पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।
- (7) मैं/हम यह वचन देता हूँ/देते हैं कि यदि यह पता चले कि इस आवेदन पत्र में दी गई कोई सूचना गलत है या ठीक नहीं है या भ्रामक है, तो इस आवेदन के आधार पर दिया गया लाइसेंस इस संबंध में जो जाने वाली किसी अन्य कार्रवाई पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना रद्द कर दिया जाएगा।
- (8) मैंने/हमने बीजक में निर्यात किए जाने वाले सामान की मात्रा कम या ज्यादा नहीं भरी है।

हस्ताक्षर
नाम स्पष्ट शब्दों में
पदनाम
पूरा नाम पता
आवेदक फर्म का नाम

परिशिष्ट 21 क

निर्यात/“व्यापार-सदन” प्रमाण-पत्र के लिए आवेदन-पत्र का प्रपत्र

1. आवेदक का नाम और पता
2. वर्तमान नाम के अन्तर्गत कारोबार की स्थापना की तारीख
3. प्रतिष्ठान का स्वरूप, क्या पब्लिक लिमिटेड कम्पनी है या साक्षीवारी या हिन्दू अभिमक्त परिवार का प्रतिष्ठान है
4. जो भी हो, निवेशकों/साक्षीवारों/स्वामीया कर्ता का नाम
5. मुख्य कार्यालय, शाखाओं या सहयोगी कम्पनियों का विवरण (नाम और स्थान)
 - (1) भारत में
 - (2) विदेश में
6. (1) जारी किए गए अन्तिम निर्यात सदन प्रमाण पत्र की संख्या और दिनांक और वह तारीख जिस तक वैध है :—
 - (2) अन्तिम निर्यात तथा व्यापार सदन प्रमाण-पत्र की संख्या एवं तिथि ।
 - (3) प्रथम निर्यात तथा व्यापार सदन प्रमाण पत्र, यदि कोई जारी किया गया हो, की संख्या एवं तिथि ।
7. (1) क्या व्यापारी निर्यातक या विनिर्माता निर्यातक है
 - (2) यदि विनिर्माता निर्यातक है तो क्या वह बहुत उद्योग है वा लघु उद्योग (पंजीकरण/औद्योगिक लाइसेंस की संख्या और दिनांक भी दिया जाना चाहिए) ।
8. आवेदक के बैंक का नाम और पता, आवेदक के वित्तीय स्रोतों की भी सूचना दी जाए ।
9. निर्यातों का विवरण

वर्ष (पूर्ववर्ती तीन वित्तीय वर्ष)	निर्यात की गई मर का विवरण	निर्यात उत्पादों की चुनिन्दा सूची के सम्बन्ध में अप्रैल 85-मार्च 84 के लिए पंजीकृत निर्यातकों की नीति के विवरण पत्र के कालम 2 के अनुसार निर्यात की गई मर की क्रम संख्या	निर्यात किए गए माल के विनिर्माता का नाम और पता	कालम 4 में उल्लिखित विनिर्माता कम्पनी से सम्बन्ध अर्थात् क्या वह कम्पनी आप की शाखा है या सम्बन्ध कम्पनी आप है या कानूनी तौर पर अलग अस्तित्व वाली कम्पनी है ।	उस देश का नाम जिस देश को निर्यात किया गया	निर्यातित माल का पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य
1	2	3	4	5	6	7

टिप्पणी : प्रत्येक वर्ष के लिए आवेदन-पत्र के साथ अलग-अलग विवरण संलग्न किए जाएं ।

मैं/हम एतद्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि उपरोक्त विवरण पत्र और वित्तीय सूचना मेरे/हमारे ज्ञान और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है और कुछ भी छिपाया नहीं गया है; कि सभी विनिर्धारित रजिस्टर और रिकार्ड्स रखे गए हैं और इस तरह रखे गए रजिस्ट्रों और रिकार्ड्स में से वित्तीय सूचना ली गई है और उन्हीं के अनुसार है ।

मैं/हम आपसे घोषणा करता हूँ/करते हैं कि :—

- (1) निर्यात, का जहाज-पर्यन्त-निःशुल्क मूल्य जिसके आधार पर इस विवरण पत्र में निर्यात/व्यापार सदन प्रमाण-पत्र के देने हेतु दावा किया गया है, हमारे प्रत्यक्ष निर्यात है । निर्यात आवेदन/ठेका, बैंक प्रमाण-पत्र/पोत लदान बिल और बीजक केवल हमारे ही नाम में थे । यदि बीजक में निर्यातित माल के विनिर्माता का नाम भी दिया गया हो तो उसका उल्लेख किया जाए) ।

(2) हमारे द्वारा एम०टी०सी०/एम०एम०टी०सी० के गन्नायकों के रूप में किए गए निर्यातों के मामले में, आयात-निर्यात नीति, 1985-88 के अध्याय-21 में उल्लेखित शर्तों को पूरा किया गया है। ऐसे निर्यात, जिनके लिए एम०टी०सी०/एम०एम०टी०सी० ने दावे नहीं किए हैं और उन्हें निर्यात/आयात मन्त्र के रूप में नवीकरण हेतु वे अपने निर्यातों के रूप में परिकल्पित नहीं करेंगे, उन निर्यातों पर हमारे द्वारा आर०ई०पी० लाभ उठा लिए गए हैं या उठा लिए जाएंगे/----- दस्तावेजों में हमारे नाम एस०टी०सी०/एम०एम०टी०सी० के नाम के साथ या उनके नाम के बिना अभिव्यक्त हुए हैं। एस०टी०सी०/एम०एम०टी०पी० से प्राप्त इस उद्देश्य का एक प्रमाण-पत्र संलग्न है।

(3) विवरण पत्र में विन्यास किया गया जहाज-पर्यन्त-निःशुल्क मूल्य प्रदा किए गए अथवा किए जाने वाली श्राद्ध से अलग है।

(4) निर्यातों का जहाज-पर्यन्त-निःशुल्क मूल्य उन वस्तुओं से संबंधित है जिन्हें विदेश में प्रेषित करने के लिए लौटाया नहीं गया है।

मैं/हम एनद्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि उपरोक्त उत्पादों, जो कि लघु एककों द्वारा विनिर्मित हैं, के जहाज-पर्यन्त-निःशुल्क मूल्य में केवल लघु उद्योग एककों द्वारा विनिर्मित मूल्य भी शामिल हैं।

मैं आगे यह प्रमाणित करता हूँ कि मैं आवेदक को और से हम विवरण पत्र पर सत्यापन करने एवं हस्ताक्षर करने के लिए प्राधिकृत हूँ।

मैं/हम अच्छी तरह से समझता हूँ/समझते हैं कि उपर्युक्त विवरण में प्रस्तुत की गई कोई सूचना यदि गलत या असत्य सिद्ध हुई, तो यह मुझे/हमें किसी वण्ड अन्य परिणामों का कि कानून में निर्धारित या अन्यथा रूप से उल्लिखित हों, के लिए उत्तरदायी बना देगा।

हस्ताक्षर-----
निर्यातक का नाम-----
पूरा पता-----

पूरा आवासीय पता-----

स्थान : दिनांक :

यदि कोई हस्ताक्षर नहीं रखी गई है तो उनका नीचे उल्लेख किया जाए :--

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.

1. निर्यात का विवरण निम्न प्रकार से पांच भागों में दिया जाना चाहिए :--

(i) भाग 1 में परिशिष्ट 22 में यथा उल्लिखित निर्यात उत्पाद की बुनियादी सूची में शामिल किए गए उत्पादों (लघु पैमाना उद्योग यूनितों द्वारा विनिर्मित उत्पादों से भिन्न उत्पाद) के निर्यात का विवरण देना चाहिए।

(ii) भाग 11 में परिशिष्ट 22 में यथा उल्लिखित निर्यात उत्पाद की बुनियादी सूची में शामिल किए गए उत्पादों (लघु पैमाना उद्योग द्वारा विनिर्मित उत्पाद) के निर्यात का विवरण देना चाहिए। इस विवरण में विनिर्माता के नाम के साथ-साथ, राज्य के उद्योग निदेशक द्वारा विनिर्माता को आवंटित की गई लघु-पैमाना उद्योग पंजीकरण संख्या भी दी जानी चाहिए। विनिर्माता राज्य के उद्योग निदेशक से पंजीकृत नहीं हैं उनके मामले में निर्यात सदन को इस सम्बन्ध में अपनी निजी घोषणा देनी चाहिए कि विषयाधीन विनिर्माता लघु पैमाना उद्योग यूनित हैं।

(iii) भाग 111 में, ऊपर उल्लिखित निर्यात उत्पादों की बुनियादी सूची में शामिल किए गए उत्पादों से भिन्न उत्पादों (लघु

पैमाना उद्योग को यूनितों द्वारा विनिर्मित उत्पाद से भिन्न उत्पाद) के निर्यात का विवरण देना चाहिए।

(iv) भाग 11 में, ऊपर उल्लिखित निर्यात उत्पादों की बुनियादी सूची में शामिल किए गए उत्पादों से भिन्न उत्पादों (लघु पैमाना उद्योग को यूनितों द्वारा विनिर्मित उत्पादों) के निर्यातों का विवरण देना चाहिए। इस विवरण में विनिर्माता के नाम के साथ-साथ राज्य के उद्योग निदेशक द्वारा विनिर्माता को आवंटित की गई लघु-पैमाना उद्योग पंजीकरण संख्या भी देनी चाहिए। (जो विनिर्माता राज्य के उद्योग निदेशक के पास पंजीकृत नहीं हैं, उनके मामले में निर्यात सदन को इस सम्बन्ध में अपनी निजी घोषणा देनी चाहिए कि विषयाधीन विनिर्माता लघु-पैमाना उद्योग का यूनित हैं)।

(v) परोक्ष रूप से निर्यात किए जाने वाले सामान का विवरण, जिसमें बैंक के माध्यम से वसूल की गई विदेशी मुद्रा की वास्तविक धनराशि जिस वर्ष में विदेशी मुद्रा वसूल की गई थी वह वित्तीय वर्ष और जिन सेवाओं के सम्बन्ध में विदेशी मुद्रा वसूल की गई हो उनके नाम होने चाहिए।

परिशिष्ट-21 ख

अनुबंध--21

“व्यापार-सदन” मान्यता प्रमाण-पत्र की स्वीकृति/नवीकरण के लिए आवेदन पत्र का प्रपत्र

1. आवेदक का नाम और पता
2. वर्तमान नाम के अन्तर्गत कारोबार की स्थापना की तारीख
3. प्रतिष्ठान का स्वरूप, क्या पब्लिक लिमिटेड कम्पनी है या साक्षीदारी या हिन्दू अविभक्त परिवार का प्रतिष्ठान है
4. जो भी हो, निदेशकों/साक्षारों/स्वामी या कर्ता का नाम
5. मुख्य कार्यालय, शाखाओं या सहयोगी कम्पनियों का विवरण (नाम और स्थान)
 - (1) भारत में
 - (2) विदेश में
- (1) पंजीकृत निर्यातक के रूप में पंजीकरण प्रमाण-पत्र की संख्या एवं तिथि
- (2) जारी किए गए अंतिम निर्यात सदन और/या व्यापार प्रमाण पत्र की संख्या और दिनांक और वह तारीख जिस तक वैध है :--
- (3) प्रथम बार जारी किए गए निर्यात सदन प्रमाण पत्र की संख्या और दिनांक
7. (1) क्या व्यापारी निर्यातक या विनिर्माता निर्यातक है
- (2) यदि विनिर्माता निर्यातक है तो क्या वह वृहत उद्योग है या लघु उद्योग (पंजीकरण/प्रौद्योगिक लाइसेंस की संख्या और दिनांक)
8. आवेदक के बैंक का नाम और पता, आवेदक के वित्तीय स्रोतों की भी सूचना दी जाए।
9. वह तिथि जिस तक वर्तमान निर्यात/व्यापार सदन प्रमाण-पत्र, यदि कोई हो, वैध है।
10. क निर्यातों का विवरण

वर्ष	निर्यात की ग मंत्र का विवरण	निर्यात उत्पादों की चुनिन्दा सूची के सम्बन्ध में अप्रैल 83-मार्च 84 के लिए पंजीकृत निर्यातकों की नीति के विवरण पत्र के कालम 2 के अनुसार निर्यात की गई मंत्र की क्रम संख्या	निर्यात किए गए माल के विनिर्माता का नाम और पता	कालम 4 में उल्लिखित विनिर्माता कम्पनी से सम्बन्ध, अर्थात् क्या वह कम्पनी आप की शाखा है या सम्बन्ध कम्पनी आवि है या कानूनी तौर पर प्रलग अस्तित्व वाली कम्पनी है।	उस देश का नाम जिस देश को निर्यात किया गया	निर्यातित माल का पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य
1	2	3	5	6	7	

टिप्पणी: प्रत्येक वर्ष के लिए आवेदन-पत्र के साथ अलग-अलग विवरण संलग्न किए जाएं।

- (ख) विदेशी मुद्रा की कुल वसूली
(उपर्युक्त 10क में विनिर्दिष्ट पांच भागों में निर्यातों के विवरणों समरूप पांच भागों में दिया जाए)

वर्ष (पूर्वगामी तीन वित्तीय वर्ष)	सम्बन्ध वर्षों के लिए उपर्युक्त कालम 10क में जहाज पर निःशुल्क मूल्य का जोड़	सम्बन्ध वर्षों के दौरान जारी किए गए सभी श्रेणियों के प्रथम, प्रथम, आ आर० ई० पी० लाइसेंस और आयात-निर्यात पास नुक, यदि कोई हो तो, का लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य का जोड़	विदेशी मुद्रा की कुल वसूली (कालम 2 के मूल्य में से कालम 3 का मूल्य घटाया जाए)	अभ्युक्तियां
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)

मैं/हम एतद्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि उपरोक्त विवरण पत्र और वित्तीय सूचना मेरे/हमारे ज्ञान और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है और भी छिपाया नहीं गया है; कि सभी निर्धारित रजिस्टर और रिकार्ड्स रखे गए हैं और इस तरह रखे गए रजिस्ट्रों और रिकार्ड्स में से वित्तीय सूचना ली गयी है और उन्हीं के अनुसार है।

मैं/हम आग घोषणा करता हूँ/करते हैं कि :—

- (1) निर्यात, का जहाज-पर्यन्त-निःशुल्क मूल्य जिसके आधार पर इस विवरण पत्र में निर्यात/व्यापार सन प्रमाण-पत्र के नवीकरण हेतु दावा किया गया है, हमारे प्रत्यक्ष निर्यात है। निर्यात आदेश/ठेका, बैंक प्रमाण-पत्र/पोत लवान बिल और बीजक केवल हमारे ही नाम में थे (यदि बीजक में निर्यातित माल के विरमाता का नाम भी दिया गया हो तो उसका उल्लेख किया जाए।)
- (2) हमारे द्वारा एस० टी० सी०/एम० एम० टी० सी० के सहायकों के रूप में किए गए निर्यातों के मामले में, आयात-निर्यात नीति, 1985-88 के पैरा----- में उल्लिखित बातों को पूरा किया गया। ऐसे निर्यात, जिनके लिए एस० टी० सी०/एम० एम० टी० सी० ने दावे नहीं किए हैं और जिन्हें निर्यात/व्यापार सन के रूप में नवीकरण हेतु वे अपने निर्यातों के रूप में परिकल्पित नहीं करेंगे, उन निर्यातों पर हमारे द्वारा आर० ई० पी० लाभ उठा लिए गए हैं या उठा लिए या उठा लिए जाएंगे/----- दस्तावेजों में हमारे नाम एस० टी० सी०/एम० एम० टी० सी० के नाम के साथ या उनके नाम के बिना अभिषेकृत हुए हैं। एस० टी० सी०/एम० एम० टी० सी० से प्राप्त इस उद्देश्य का एक प्रमाण-पत्र संलग्न है।
- (3) विवरण पत्र में बिखाया गया जहाज-पर्यन्त निःशुल्क मूल्य अदा किए गए अथवा किए जाने वाली आइट से अलग है।
- (4) निर्यातों का जहाज-पर्यन्त-निःशुल्क मूल्य उन वस्तुओं से संबंधित जिन्हें विदेश में प्रेषिती द्वारा लौटाया नहीं गया है।

मैं/हम एतद्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि उपरोक्त उत्पादों, जो किलघु एककों द्वारा विनिर्मित हैं, के जहाज-पर्यन्त-निःशुल्क मूल्य में केवल लघु उद्योग एककों द्वारा विनिर्मित मर्चे भी शामिल हैं।

मैं आग यह प्रमाणित करता हूँ कि मैं आवेदक को और से इस विवरण पत्र पर सत्यापन करने एवं हस्ताक्षर करने के लिए प्राधिकृत हूँ।

न मैं/हम अच्छी तरह से समझता हूँ/समझते हैं कि उपर्युक्त विवरण में प्रस्तुत की गयी सूचना यदि गलत या असत्य सिद्ध हुई, तो यह मुझे/हमें किसी दण्ड अन्य परिणाम जो कानून में निर्धारित या अन्यथा रूप से उल्लिखित हों, के लिए उत्तरदायी बना देगा।

हस्ताक्षर -----

निर्यातक का नाम -----

पूरा पता -----

पूरा आभासीय पता -----

स्थान :

दिनांक :

—यदि कोई वस्तुएं नहीं रखी गयी है तो उनका नीचे उल्लेख किया जाए :—

1.

2.

3.

4.

सनवी सेवापाल/लागत सेवापाल/कम्पनी, सञ्चन का प्रमाण-पत्र

मैं/हम एतद्वारा पुष्ट करता हूँ/करते हैं कि मैंने/हमने मेसर्स----- के-----

की अध्यक्ष के/----- की समाप्त अर्थात् वर्ष के निर्धारित रजिस्ट्रों और उपयुक्त रिकार्डों की भी जांच कर ली है और एतद्वारा सत्यापन करता हूँ/करते हैं कि :—

(1) मेसर्स----- ने

(आवेदक का पूरा पता)

1985-88 की आयात एवं निर्यात नीति में यथा पारमावृत्त प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए चुनिन्दा अथवा गर-चुनिन्दा निर्यातों के मूल्य के कुल जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य की गणना करने के पश्चात्, और उनमें से सम्मिश्रित वित्तीय वर्ष के दौरान जारी की गयी आयात-निर्यात पास बुक में प्रभावित निर्यात या सम्मिश्रित आयात-निर्यात नीति के अनुसार पात्रता के मुद्दे अग्रिम/अग्रशाय लाइसंस आर० ई० पी० लाइसंस/आयात हक्कारियों के कुल लागत-बीमा-भाल के मूल्य को घटा कर आवेदन पत्र की क्रम संख्या 10 की विवरणी में विशिष्टीकृत तीनों वित्तीय वर्षों में प्रत्येक वर्ष की कुल विदेशी मुद्रा विनिमय की वसूली कर दी है।

(2) आवेक द्वारा निम्नलिखित वस्तावेज और रिकार्ड प्रस्तुत किए गए हैं और मेरे/हमारे द्वारा उनको जांच की गयी है और उन्हें सत्यापित किया गया है :—

(—)

- (1) सम्बद्ध आयात-निर्यात नीति के अनुसार पंजीकृत और निर्यात आदेश/साक्ष्य पोतलवान बिल, डलीबरी बीजक खान बिल ((और/या बाधुमाग बिल/पी० पी० रसीद) सीमा शुल्क/सत्यापन बक बीजक/प्रमाण-पत्र उनके अपने नाम में विदेशी मुद्रा में प्राप्त किए गए भुगतानों के साक्ष्य पत्र और सम्बद्ध वर्ष में जारी की गयी आयात-निर्यात पास बुक यदि कोई हो।
- (2) सम्बद्ध रजिस्टर मेरे/हमारे हस्ताक्षर/माहुर के अन्तर्गत अधिप्रमाणित किए गए हैं।
- (3) उपर्युक्त विवरण पत्र में दी गयी वित्तीय सूचना सम्बन्धित रजिस्ट्रों और रिकार्डों के अनुसार है यह सूचना नियमित द्वारा रखी गयी है पुस्तकों में सर्वजित कर ली गयी है और यह सत्य एवं सही भी है।
- (4) यह सुनिश्चित किया जाता है कि प्रस्तुत की गयी सूचना हर तरह से सत्य एवं सही है; इसका कोई भी भाग गलत अथवा भ्रामक नहीं है और न ही कोई संबंधित सूचना छिपाई अथवा रोकी गयी है;
- (5) मैं और न ही मेरे भागीदार में से कोई भी उपर्युक्त-नामित संस्था अथवा इसके सम्बन्धित उद्यमों का भागीदार निदेशक अथवा कर्मचारी है;
- (6) हम यह अग्रणी तरह से समझते हैं कि यदि इस प्रमाण-पत्र में उल्लिखित कोई विवरण गलत अथवा असत्य सिद्ध होता है तो यह मुझे/हमें किसी ऐ वण्ड अथवा अन्य परिणाम जैसा कि विधाय में निर्धारित है या अन्यथा रूप से उपयुक्त है के लिए भागीदार करेगा।

(हस्ताक्षर और मोहर)

हस्ताक्षरता की सील

(सन्दी लेखापाल/लागत लेखापाल/

कम्पनी सचिव)

हस्ताक्षरता का नाम—

पूरा पता—

सदस्यता सं०—

स्थान :

दिनांक :

(—)(—) यदि उपर्युक्त मद (2) में उल्लिखित कोई वस्तावेज और रिकार्ड नहीं व्यवस्थित किए गए/विए गए हैं जांच किए गए या सत्यापित किए गए हैं तो उन्हें उन्हें नीचे विशिष्टिकृत किया जाए।

टिप्पणी :—

नीचे दिए गए के अनुसार पांच भागों में विवरण दिए जाने चाहिए :—

- (1) भाग i में (क) परिशिष्ट—16 (लघु एककों द्वारा विनिर्मित उत्पादों से भिन्न) में दिए गए निर्यात उत्पादों की बसिदा सूची में शामिल उत्पादों का निर्यात और (ख) इन निर्यातों से विदेशी मुद्रा की कुल वसूली देनी चाहिए।
- (2) भाग—ii में (क) परिशिष्ट—16 (लघु एककों द्वारा विनिर्मित उत्पादों) में दिए गए निर्यात उत्पादों की बसिदा सूची में शामिल उत्पादों का निर्यात और (ख) इन निर्यातों से विदेशी मुद्रा की ल वसूली देनी चाहिए। विनिर्माता के नाम के साथ विवरण मंत्रालय उद्योग निदेशक द्वारा विनिर्माता के प्राबंठित लघु एकक पंजीकरण संख्या भी बताई जानी चाहिए। (उन विनिर्माताओं के मामले में जो राज्य उद्योग निदेशक के पास पंजीकृत नहीं हैं निर्यात/व्यापार सदन का यह बताते हुए कि विषयक विनिर्माताएं लघु एकक हैं अपनी स्वयं पाषण का भेजनी चाहिए)।
- (3) भाग—iii में (क) उपर्युक्त में दिए गए निर्यात उत्पादों (लघु एककों द्वारा विनिर्मित से भिन्न उत्पादों) की बसिदा सूची में शामिल से भिन्न उत्पादों का निर्यात और (ख) इन निर्यातों से विदेशी मुद्रा की कुल वसूली देनी चाहिए।
- (4) भाग—I में (क) उपर्युक्त में दिए गए निर्यात उत्पादों (लघु एककों द्वारा विनिर्मित उत्पादों) की बसिदा सूची में शामिल से भिन्न उत्पादों का निर्यात (ख) इन निर्यातों से कुल वसूल की गयी विदेशी मुद्रा। विनिर्माता के नाम के साथ इस विवरण में राज्य उद्योग निदेशक द्वारा विनिर्माता का प्राबंठित लघु एकक पंजीकरण संख्या भी बतायी जानी चाहिए। (उन विनिर्माताओं के मामलों में जो राज्य उद्योग निदेशक के पास पंजीकृत नहीं हैं व्यापार सदन का यह बताते हुए कि विषयक विनिर्माताएं लघु एकक हैं अपनी स्वयं की पाषण भेजनी चाहिए)।
- (5) अग्र्य निर्यातों का विवरण जिसमें बैंक के माध्यम से वसूल की गयी विदेशी मुद्रा का वास्तविक धनराशि वित्तीय वर्ष जिसमें दी गयी सेवाओं के नाम जिसके लिए विदेशी मुद्रा वसूल की गयी है, दिए जाने चाहिए।

परिशिष्ट-21 ग

अतिरिक्त लाइसेंस के लिए आवेदन पत्र का प्रपत्र

1. आवेदक का नाम और पता.....
2. पार्टी किस तर की है, क्या सार्वजनिक कम्पनी अथवा निजी कम्पनी, साझेदारी अथवा हल्कू अविभाजित प रवार है.....
3. निदेशक, साझेदार, स्वामी अथवा कर्त्ता जैसा भी मामला हो, का नाम.....
4. मुख्यालय/शेखाओं अथवा सहयोगी कम्पनियों का विवरण (नाम तथा 'पता').....
 (क) भारत में.....
 (ख) विदेश में.....
5. पंजीकरण प्रमाण पत्र की संख्या और दिनांक (पंजीकरण प्रमाण पत्र की प्रति प्रस्तुत करनी है).....
6. आयात-निर्यात संगठन संघ के सदस्य के रूप में प्रवेश सं० एवं तिथि (सदस्य-प्रमाण-पत्र की प्रति नथी की)
 /निर्यात सदन प्रमाण पत्र/आयात सदन मान्यता प्रमाण-पत्र पथ
7. निर्यात सदन प्रमाण पत्र/निर्यात सदन प्रमाण पत्र/यापार सदन मान्यता प्रमाण पत्र की संख्या तथा दिनांक और किस तिथि तक वैध है,.....
8. "चुनिन्दा" उपादों के गत वित्तीय वर्षों में निर्यात का जहाज पर्यन्त निः शुल्क मूल्य का योग
 (क) लघु उद्योग एककों द्वारा विनिर्मित चुनिन्दा उपादों का निर्यात.....रुपए
 (ख) अन्य एककों द्वारा विनिर्मित चुनिन्दा उपादों के अन्य निर्यात.....रुपए
 (समदी लेखापाल का प्रमाण पत्र संलग्न कीजिए) ।
8. लाइसेंस अवधि जिसके लिए अतिरिक्त लाइसेंस के लिए आवेदन किया ।
10. आवेदित लाइसेंस का मूल्य (जहाज पर्यन्त निःशुल्क)
11. आवेदन पत्र के संलग्नकों का पूर्ण विवरण
 (क) भारत में
 (ख) विदेश में

❖

बयान/घोषणा

मैं/हम एतद्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि उपरोक्त विवरण पत्र और वित्तीय सूचना मेरे/हमारे ज्ञान और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है और कुछ भी छिपाया नहीं गया है; कि सभी निर्धारित रजिस्टर और रिकार्ड्स रखे गए हैं और इस तरह रखे गए रजिस्ट्रों और रिकार्ड्स वित्तीय सूचना सही हैं और उन्हीं के अनुसार हैं।

मैं/हम एतद्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि उपरोक्त उत्पादों, जो कि लघु एककों द्वारा विनिर्मित हैं, के जहाज-पर्यन्त-निः शुल्क मूल्य में केवल लघु उद्योग एककों द्वारा विनिर्मित मर्चें भी शामिल हैं।

मैं आगे यह प्रमाणित करता हूँ कि मैं आवेदक की ओर से इस विवरण पत्र पर सत्यापन करने एवं हस्ताक्षर करने के लिए प्राधिकृत हूँ।

मैं/हम अच्छी तरह से समझता हूँ / समझते हैं कि उपर्युक्त विवरण में प्रस्तुत की गई कोई सूचना यदि गलत या असत्य सिद्ध हुई तो यह मुझे/हमें किसी दण्ड अन्य परिणाम जो कि कानून में निर्धारित या अन्यथा रूप से उल्लिखित हों, के लिए उत्तरदायी बना देगा।

हस्ताक्षर

निर्यातक का नाम

पूरा पता

पूरा आवासीय पता

स्थान।

दिनांक।

यदि कोई दस्तावेज नहीं रखा गई है तो उनका नीचे उल्लेख किया जाए:—

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.
- 5.

- नोट : (i) पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान नीति के परिशिष्ट 16 में खुनिस्ता निर्यात उत्पादों के निर्यातों का जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य।
- (ii) पिछले वित्तीय वर्षों के दौरान की पात्रताओं का पिछले वित्तीय वर्षों के दौरान जारी की गई सभी श्रेणियों के अग्रिम, अग्रवाय, आर० ह० पी० लाइसेंसों और आयात-निर्यात पास बुक का लागत बीमा-भाड़ा मूल्य और जारी करने वाले लाइसेंस प्राधिकारी का नाम, संख्या और दिनांक।
- (iii) पिछले वर्ष के दौरान स्वीकार की गई कुल विदेशी मुद्रा (विवरण 2 का मुख्य उपर्युक्त विवरण) के मूल्य में से घटायय जाना) पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान लघु उद्योग यूनिटों द्वारा विनिर्मित खुनिस्ता निर्यात उत्पादों के निर्यातों का पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य (इस आयात-निर्यात नीति के अध्याय 21 में दिए गए प्रावधानों का संवर्धन किया जाना है)।
- (iv) विवरणी प्रमाणित किया जाना चाहिए और सनदी लेखापाल का निर्धारित प्रपत्र में एक प्रमाणपत्र संलग्न किया जाना है।

परिशिष्ट—21ष

निर्यात/मदन व्यापार सदन सर्वेक्षी..... द्वारा आयातित सामग्री के आयात एवं निपटान के लेखों से सम्बन्धित तिमाही विवरण का प्रपत्र

मार्च/जून/सितम्बर/दिसम्बर 1984 की समाप्ति होने वाली तिमाही का विवरण

के अधीन आयातित माल का लागत बीमा भाड़ा

आयातित माल का विवरण	स्टाक के—	प्रतिशेष सार्व्वी की अनिश्चित स्विच का लागत बीमा भाड़ा मूल्य	प्रतिशेष सार्व्वी की अनिश्चित स्विच का लागत बीमा भाड़ा मूल्य	प्रतिशेष सार्व्वी की अनिश्चित स्विच का लागत बीमा भाड़ा मूल्य	प्रतिशेष सार्व्वी की अनिश्चित स्विच का लागत बीमा भाड़ा मूल्य	प्रतिशेष सार्व्वी की अनिश्चित स्विच का लागत बीमा भाड़ा मूल्य	प्रतिशेष सार्व्वी की अनिश्चित स्विच का लागत बीमा भाड़ा मूल्य	प्रतिशेष सार्व्वी की अनिश्चित स्विच का लागत बीमा भाड़ा मूल्य	प्रतिशेष सार्व्वी की अनिश्चित स्विच का लागत बीमा भाड़ा मूल्य	प्रतिशेष सार्व्वी की अनिश्चित स्विच का लागत बीमा भाड़ा मूल्य	प्रतिशेष सार्व्वी की अनिश्चित स्विच का लागत बीमा भाड़ा मूल्य	प्रतिशेष सार्व्वी की अनिश्चित स्विच का लागत बीमा भाड़ा मूल्य	प्रतिशेष सार्व्वी की अनिश्चित स्विच का लागत बीमा भाड़ा मूल्य
आयातित माल का विवरण	स्टाक के—	प्रतिशेष सार्व्वी की अनिश्चित स्विच का लागत बीमा भाड़ा मूल्य	प्रतिशेष सार्व्वी की अनिश्चित स्विच का लागत बीमा भाड़ा मूल्य	प्रतिशेष सार्व्वी की अनिश्चित स्विच का लागत बीमा भाड़ा मूल्य	प्रतिशेष सार्व्वी की अनिश्चित स्विच का लागत बीमा भाड़ा मूल्य	प्रतिशेष सार्व्वी की अनिश्चित स्विच का लागत बीमा भाड़ा मूल्य	प्रतिशेष सार्व्वी की अनिश्चित स्विच का लागत बीमा भाड़ा मूल्य	प्रतिशेष सार्व्वी की अनिश्चित स्विच का लागत बीमा भाड़ा मूल्य	प्रतिशेष सार्व्वी की अनिश्चित स्विच का लागत बीमा भाड़ा मूल्य	प्रतिशेष सार्व्वी की अनिश्चित स्विच का लागत बीमा भाड़ा मूल्य	प्रतिशेष सार्व्वी की अनिश्चित स्विच का लागत बीमा भाड़ा मूल्य	प्रतिशेष सार्व्वी की अनिश्चित स्विच का लागत बीमा भाड़ा मूल्य	प्रतिशेष सार्व्वी की अनिश्चित स्विच का लागत बीमा भाड़ा मूल्य
ह०	ह०	ह०	ह०	ह०	ह०	ह०	ह०	ह०	ह०	ह०	ह०	ह०	ह०
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14

स्थान.....

दिनांक.....

निर्यात सदन/व्यापार सदन का नाम

हस्ताक्षर.....

टिप्पणी— (1) यदि किसी तिमाही में कोई लेन-देन नहीं है तब भी तिमाही विवरण अवश्य प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

(2) मर्चों के आयातों और निपटान के संबंध में:

(i) आयात नीति के परिशिष्ट 3 और 5 भाग 'क' में दर्शाए गए:

(ii) आयात नीति की कंडिका 204-205 के अंतर्गत और

(iii) संघटकों के, नियत सवतों और व्यापार सवतों को अपेक्षित जानकारी विवरण के अलग भागों में भेजा जाना चाहिए जैसा कि आयात नीति में दिया गया है। इन आयातों से संबंधित जानकारी अन्य आयातों और उनके निपटान के साथ सम्मिलित नहीं की जानी चाहिए।

सनदी लेखापाल/लागत लेखापाल/कम्पनी सचिव का प्रमाण-पत्र

मैं/हम एतद्वारा पुष्टि करता हूँ/करते हैं कि मैंने/हमने मैसेस—

के— से— की
अवधि के/— की समाप्त अवधि/वर्ष के निर्धारित रजिस्ट्रों और उपर्युक्त
रिकार्डों की भी जांच कर ली है और एतद्वारा सत्यापित करता हूँ/करते हैं कि:—

(1) मैसेस— ने आयात एवं

(आवेदक का पूरा पता)

निर्यात नीति, 1985-88 के परिशिष्ट-16 में निर्दिष्ट शुल्किता उत्पादों का, आवेदन-पत्र के विवरण (णों) में निर्दिष्ट तीन वित्तीय वर्षों में प्रयोग के दौरान निर्यात किया गया है। ये निर्यात प्रत्यक्ष निर्यात हैं और फर्म/कम्पनी के बैलर उन्हीं के नाम से हैं तथा इन्हें हिट्टे ब्रह्मा उसकी और से या तृतीय पक्ष द्वारा निर्यात को उपर्युक्त विवरण में सम्मिलित नहीं किया गया है। फर्म/कम्पनी द्वारा एस० टी० सी०/एम०एम० टी० सी०/अन्य सरकारी अधिसूचित सारणी बद्ध एजेंसियों के सहयोग के रूप में निर्यात यदि कोई किया गया है तो वह एस० टी० सी०/एम०एम० टी० सी०/अन्य सरकारी अधिसूचित सारणीबद्ध एजेंसी द्वारा बावें के परिणाम और दस्तावेजों से यथा सत्यापित कम्पनी/पर्स के सीधे निर्यात हैं।

(2) आवेदक द्वारा निम्नलिखित दस्तावेज और रिकार्ड प्रस्तुत किए गए हैं और मेरे/हमारे द्वारा उनकी जांच की गई है और उन्हें सत्यापित किया गया है:—

सम्बद्ध आयात-निर्यात नीति के अनुसार पात्रताएं और निर्यात आदेश/संविदा, पोहलदान हिस, दिलीवरी बीजक, लवान बिल (और/या वायुमार्ग बिल/पी० पी० रसीदें), सीमा शुल्क/सत्यापित बैंक बीजक, बैंक प्रमाण-पत्र उनके अपने नाम में विदेशी मुद्रा में प्राप्त किए गए भुगतानों के साथ पत्र और संबंधित लेखा पुस्तकें,

(3) सम्बद्ध रजिस्टर मेरे/हमारे हस्ताक्षर/मेहर के अंतर्गत अधिप्रमाणित किए गए हैं।

(4) उपर्युक्त विवरण पत्र में दी गई वित्तीय सूचना सम्बद्ध रजिस्ट्रों और रिकार्डों के अनुसार है, यह सूचना नियतिक द्वारा रखी गई लेखा पुस्तकों में संयोजित कर ली गई है, और यह सत्य एवं सही भी है।

(5) यह सुनिश्चित किया जाता है कि प्रस्तुत की गई सूचना हर तरह से सत्य एवं सही है; इन्हें कोई भी भाग रहित ब्रह्मा अवस्था नहीं है और न ही कोई संबंधित सूचना छिपाई अथवा रोकी गई है;

(6) मैं और न ही मेरे भागीदार में से कोई भी, उपर्युक्त-नामित संस्था अथवा इसके संबंधित उद्यमों का भागीदार, निदेशक अथवा कर्मचारी है;

(7) मैं/हम यह अच्छी तरह से समझता हूँ/समझते हैं कि यदि इस प्रमाणपत्र में उल्लिखित कोई विवरण गलत ब्रह्मा असत्य सिद्ध होता है तो यह मुझे/हमें किसी ऐसे बंध अथवा अन्य परिणाम, जैसा कि विधि में निर्धारित है या अन्यथा रूप से उपर्युक्त है के लिए भागीदार करेगा।

हस्ताक्षर और मोहर)

हस्ताक्षरकर्ता की सील

(सनदी लेखापाल/लागत लेखापाल/सामान्य सचिव
हस्ताक्षरकर्ता का नाम)

पूरा पता

सदस्यता सं०

स्थान:

दिनांक:

यदि उपर्युक्त मंत्र (i) में उल्लिखित कोई दस्तावेज और रिकार्ड नहीं उपस्थित किए गए/दिए गए हैं, जांच किए गए—सत्यापित किए गए हैं तो नीचे विशिष्टीकृत किया जाए।

परिशिष्ट—22

(हटा दिया गया है)

परिशिष्ट—23क

निर्यात आवेदन-पत्र का प्रपत्र

प्रपत्र ए-एक्स

(निर्यातित वस्तुओं के निर्यात के लिए आवेदन-पत्र का प्रपत्र)

1. आवेदक का नाम और पता
2. निर्यात की जाने वाली मर्चों का ब्यौरा :—
 - (क) मद का ब्यौरा
 - (ख) ई. टी. सी. वर्गीकरण
 - (ग) मात्रा
 - (घ) जहाज पर्यन्त निः शुल्क मूल्य
3. पोत लदान का पत्तन
4. अंतिम गन्तव्य स्थान जहां के लिए निर्यात अपेक्षित है।
5. आवेदक का ब्यौरा :—
 - (क) स्थापना का वर्ष
 - (ख) क्या यह एक सार्वजनिक लि. कं., एक निजी कं., एक सांझीदारी कम्पनी या एक व्यक्तिगत फर्म है।
 - (ग) संचालकों/सांझीदारों/मालिकों के नाम।
 - (घ) यदि एक निजी कम्पनी, एक सांझीदार कम्पनी या एक व्यक्तिगत फर्म है तो बताएं कि क्या उपर्युक्त (ग) में दिए गए व्यक्तियों में से कोई व्यक्ति किसी कम्पनी या फर्म का संचालक, सांझीदार या मालिक है।
6. आवेदक के बैंकर का नाम।
7. यदि आवेदक को आर्बिट्रल कोर्ट के मद्दे निर्यात किया जाना है, तो कोटा स्लिप आर्बिटन पत्र का ब्यौरा भेजना है।
8. जिस वस्तु के लिए आवेदक ने अब आवेदन किया है, क्या उसका निर्यात पहले किया जा चुका है? यदि नहीं, तो उसका उस वस्तु के अन्तरिक व्यापार के साथ क्या सम्बन्ध है? क्या उसे निर्यात व्यापार का कोई पिछला अनुभव है? यदि हां, तो पिछले 12 महीनों में आवेदक द्वारा निर्यात की गई मुख्य वस्तुओं के नाम बताएं जाने चाहिए। यदि आवेदक का वस्तु के साथ विनिर्माता या व्यापारी के रूप में सम्बन्ध है, तो उत्पादन या व्यापार के परिमाण का संकेत करें।

क्या आवेदक किसी मान्यताप्राप्त वाणिज्य मंडल या व्यापार संघ का सदस्य है? यदि हां, तो उसका ब्यौरा दें।

10. संलग्नकों की सूची।

मैं यह घोषित करता हूँ कि ऊपर जो कुछ कहा गया है, वह सही है।

मैं/हम यह घोषणा करता हूँ/करते हैं कि जहां तक मेरी/हमारी जानकारी और विश्वास है, लदान बिल/तस्सम्बन्धी अन्य प्रलेखों में निर्यात किए जाने वाले सामान को जो मूल्य, किस्म, विशिष्टीकरण, गुण और विवरण दिया गया है, वह सही है और मैं/हम यह भी प्रमाणित करता हूँ/करते हैं कि लदान-बिल/तस्सम्बन्धी प्रलेखों में उल्लिखित सामान की क्वालिटी और विशिष्टीकरण क्रेता या परीषदी द्वारा किए गए उस निर्यात ठेके की शर्तों के अनुसार है जिसके अनुसार सामान का निर्यात किया जा रहा है।

आवेदक के हस्ताक्षर

नाम स्पष्ट अक्षरों में

पदनाम

निवास स्थान का पूरा पता

दिनांक

- विशेष टिप्पणी :** (1) यदि आवेदक किसी भी कालम के मद्दे उत्तर देने में असमर्थ है तो उसे उसने लिए स्पष्ट कारण बताने चाहिए।
- (2) भूमक या गलत सूचना देने वाले आवेदकों को भविष्य में कोटा/लाइसेंस लेने से वंचित कर दिया जाएगा।
- (3) आवेदन पत्र स्वामी, भागीदार या प्रबंधक, फर्म के निवेशक या कोई भी व्यक्ति जो फर्म की ओर से किसी वंश घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करने के लिए प्राधिकृत हो, के द्वारा हस्ताक्षर किए जाने चाहिए। हस्ताक्षर करने वाले व्यक्ति के ओहदे का आवेदनपत्र में स्पष्ट रूप से संकेत किया जाना चाहिए।

प्रपत्र-बी एक्स

निर्यातित-वस्तु का डाक द्वारा निर्यात करने के लिए लाइसेंस लेने का आवेदन फार्म

(कृपया नीचे दिए गए अनुदेश पढ़ें)

आवेदक का नाम
डाक पता

अधोहस्ताक्षरी नीचे दिए गए सामान का डाक से निर्यात करने के लिए लाइसेंस लेने के लिए एतद् द्वारा आवेदन करता है जिसके संबंध में भेजी गई सूचना सत्य और सही है।

1. सामान का पूर्ण विवरण, मात्रा, निवल-भार और मूल्य

.....

2. परेषिती का नाम और पता

3. क्या यह सामान व्यापार सम्बन्धी प्रयोजनों अथवा व्यक्तिगत उपयोग के लिए है

4. उस डाक-घर का नाम, जहाँ से पार्सल डाक द्वारा भेजा जाएगा

(आवेदक के हस्ताक्षर)

तारीख

सेवा में, संयुक्त/उप मुख्य नियंत्रक, आयात और निर्यात

(आवेदक को इसके नीचे की प्रविष्टि खाली छोड़ देनी चाहिए)

निर्णय

ऊपर दी गई वस्तुओं (संख्या - - - - - का पार्सलों में निर्यात करने के लिए लाइसेंस सं. - - - - -) का प्रदान किया गया।

कृते संयुक्त/उप मुख्य नियंत्रक, आयात और निर्यात जारी करने की तारीख से तीन महीने के लिए वैध

आवेदकों के लिए अनुदेश

1. यह प्रपत्र दो प्रतियों में पूरे ब्याँरे भरने के बाद लाइसेंस प्राधिकारी को प्रस्तुत किया जाना चाहिए और लाइसेंस मिल जाने पर उसे पार्सल के साथ उस डाक घर को सौंप दिया जाना चाहिए जहाँ से पार्सल भेजा जा रहा हो।
2. मद 1 के सामने के सामान का विवरण, मात्रा और मूल्य का उल्लेख करते समय पार्सलों की संख्या और प्रत्येक पार्सल में सामान की मात्रा का भी उल्लेख किया जाना चाहिए।
3. एक लाइसेंस में आने वाले सभी पार्सलों को एक ही किश्त में डाक से भेजा जाना चाहिए।

प्रपत्र सी-एक्स

सुस्थापित निर्यातकों के रूप में मान्यता प्राप्त करने और कारोबार के स्वामित्व में परिवर्तन होने पर कोटा मंजूर किए जाने के लिए आवेदन-पत्र का प्रपत्र।

1. आवेदक का नाम।

(क) व्यापार या कारोबार का नाम

(ख) पता

(ग) यदि शाखाएँ हों, तो उनके नाम और पते

(घ) क्या स्वामित्व :—

- (1) एक व्यक्ति,
- (2) साक्षीदारी,
- (3) अविभाजित हिन्दू परिवार का कर्ता
- (4) लिमिटेड कम्पनी,
- (5) व्यक्तियों की कोई अन्य संस्था या निकाय है।

(ङ) उपर्युक्त (1), (3) और (5) के होने पर व्यक्तियों के नाम, (2) के होने पर साक्षीदारों के नाम और (4) के होने पर निवेशकों के नाम।

नोट:—(2) के होने पर, आवेदन-पत्र के साथ साक्षीदारी विलेख भेजना चाहिए।

2. (क) उन सुस्थापित निर्यातकों के व्यापार या कारोबार का नाम और पता जिनको पूरा या आंशिक कोटा हस्तान्तरित किया जाना है।

(ख) यदि शाखाएँ हों तो उनके नाम और पते पहले जो शाखाएँ बन्द हो गई थी उनके ब्याँरे भी प्रस्तुत किए जाएँ।

(ग) क्या उपर्युक्त (क) का सुस्थापित निर्यातक :—

- (1) एक व्यक्ति,
- (2) साक्षीदार,
- (3) परिवार का कारोबार होने पर अविभाजित हिन्दू परिवार का कर्ता,
- (4) लिमिटेड कम्पनी,
- (5) व्यक्तियों की कोई अन्य संस्था या निकाय है।

(घ) उपर्युक्त (1), (3) और (5) होने पर व्यक्तियों के नाम, (2) होने पर साक्षीदारों के नाम और (4) के होने पर निवेशकों के नाम।

नोट :—(2) के होने पर साक्षीदारी-विलेख का आवेदन-पत्र के साथ लगाया जाए।

3. किस तारीख से उपर्युक्त 2 (क) का कारोबार पहली बार स्थापित किया गया था।

4. यदि कारोबार से सम्बन्धित पिछली बार कोटे के हस्तान्तरण की अनुमति मिली हो तो ऐसे हस्तान्तरण आदेश की संख्या और तारीख।

5. साक्षीदारों के सम्मिलित होने, रिटायर होने या मृत्यु होने या कारोबार का हस्तान्तरण होने के कारण या 1-4-1954 से या उपर्युक्त मद (2) में दी गई तारीख से या उपर्युक्त मद (4) में दी गई किसी तारीख से, जो भी सबसे बाद की हो, किसी भी कारण से स्वामित्व में आए परिवर्तन का उल्लेख करें।

6. उपर्युक्त (5) में उल्लिखित परिवर्तन की मान्यता के लिए कोई आवेदन पत्र क्यों नहीं दिया गया।

7. परिवर्तन की मान्यता प्राप्त किए बिना यदि कोई लाइसेंस प्राप्त किया गया तो, उसके ब्यारे (अर्थात् लाइसेंस संख्या, वस्तु का नाम, लाइसेंस का मूल्य, लाइसेंस अधिधि और लाइसेंस अधिकारी)।

8. हस्तान्तरित किए जाने वाले कोटे के ब्यारे (अर्थात् कोटे के प्रमाण-पत्र की संख्या, तारीख और मूल्य, वस्तु का नाम और उसमें यथा उल्लिखित आधार वर्ष और लाइसेंस प्रदान करने वाला प्राधिकारी)।

9. क्या निर्यात (निर्यात) आवेदन, 1977 के खण्ड 7 और 8 के अन्तर्गत उक्त सुस्थापित निर्यातक के विरुद्ध कोई ऐसा आवेदन जारी हुआ है जिसके अनुसार उस सुस्थापित निर्यातक को लाइसेंस जारी करना निलम्बित है, या उसे लाइसेंस दिए जाने पर रोक लगी है। यदि ऐसा आवेदन हो तो उसकी संख्या और तारीख दें।

10. सुस्थापित निर्यातक के कोटे में से आवेदक ने कितने बंश का दावा किया है और उसका कारण।

11. आवेदन-पत्र के साथ संलग्न दस्तावेजों की सूची :—

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.

मैं/हम घोषणा करता हूँ/करते हैं कि जहाँ तक मेरी/हमारी जानकारी और विश्वास है, उपर्युक्त विवरण सही है। मैं/हम अच्छी तरह जानता हूँ/जानते हैं कि जिन कोटों का हस्तान्तरण/भाग मुझे/हमें मंजूर किया गया है वह इस बात पर आधारित होगा कि किसी भी समय यह विवरण गलत पाया गया तो मंजूर किया गया कोटा किसी दूसरी कार्यवाही पर कोई प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना खूद किया जा सकेगा।

आवेदक के

हस्ताक्षर

नाम साफ-साफ अक्षरों में

पद नाम

निवास स्थान का पूरा पता

तारीख

परीक्षण—23ख

सुस्थापित निर्यातकर्ता के कारोबार के स्वामित्व/गठन में परिवर्तन के बारे में लाइसेंस प्राधिकारी को सूचना।

1. कारोबार का नाम
2. पता
3. यदि कोई शाखाएं हैं तो उनका नाम और पता
4. कारोबार के स्वामित्व/गठन में परिवर्तन का स्वरूप
5. परिवर्तन किस तारीख से हुआ—
6. क्या मूल स्वामित्व :

- (1) एक व्यक्ति
- (2) भागीदारी
- (3) अविभक्त हिन्दू परिवार का कर्ता
- (4) लिमिटेड कम्पनी
- (5) कोई अन्य संघ या व्यक्तियों की संस्था है।

(6) उपर्युक्त (1), (3) और (5) की दशा में व्यक्तियों के नाम, उपर्युक्त (2) की दशा में भागीदारों के नाम और उपर्युक्त (4) की दशा में निदेशकों के नाम

(क) क्या नया स्वामित्व :

- (1) एक व्यक्ति
- (2) भागीदारी

(3) अविभक्त हिन्दू परिवार का कर्ता

(4) लिमिटेड कम्पनी

(5) कोई अन्य संघ या व्यक्तियों की संस्था है

(ख) उपर्युक्त (1), (2) और (5) की दशा में व्यक्तियों का नाम, उपर्युक्त (3) की दशा में भागीदारों के नाम और उपर्युक्त (4) की दशा में निदेशकों के नाम।

घोषणा

मैं/हम इसके द्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि जैसा कि ऊपर बताया गया है, सर्वश्री - - - - - के नाम से किए जा रहे कारोबार के स्वामित्व/गठन में परिवर्तन हो गया है। कारोबार के नाम में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। मैंने/हमने नए स्वामी/पुनर्गठित निकाय होने के कारण मूल निकाय का सारा कोटा प्राप्त कर लिया है। हमारा मामला पूर्ण रूप से आयात-निर्यात प्रक्रिया पुस्तिका के पैरा के अन्तर्गत आता है, जिसे हमने ध्यान पूर्वक पढ़ लिया है।

मैं/हम एतद् द्वारा यह भी घोषणा करता हूँ/करते हैं कि मैंने/हमने आयात-निर्यात प्रक्रिया पुस्तिका, के पैरा----- के अनुसार उसी या उसके समान मर्चों की बाबत क्रेटा के परिकल्पन के लिए सामान्य आधारित वर्ष चुन लिया है।

मैं/हम इसके द्वारा घोषणा करता हूँ/करते हैं कि उप-युक्त कथन मेरे/हमारे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है और मैं/हम यह बात पूरी तरह से समझता हूँ/समझते हैं कि यदि यह पाया जाता है कि उपयुक्त कथन में से कोई कथन या उसके तथ्य असत्य या मिथ्या हैं तो ऐसे किसी अन्य जमाने के जो सरकार अधिरोपित करे या किसी अन्य कारवाई के जो मामले को परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए की जाए के अतिरिक्त ऐसा लाइसेंस जिसका मैंने/हमने उपयुक्त कथन के आधार पर दावा किया है या जो मुझे/हमें उस आधार पर मंजूर किया गया है, रद्द किया जा सकेगा।

हस्ताक्षर

नाम (स्पष्ट अक्षरों में)

पूरा निवासीय पता

टिप्पणी :- (1) इस घोषणा पर उस व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षर किया जाना चाहिए जो यथास्थिति, नए स्वामी या पुनर्गठन समुत्थान की ओर से घोषणा पर हस्ताक्षर करने के लिए सम्यक रूप से प्राधिकृत है। हस्ताक्षर करने वाले व्यक्ति को चाहिए कि वह स्पष्ट रूप से बताए कि कारोबार में उसकी स्थिति क्या है।

(2) घोषणा का अनुप्रमाणन किसी नाटरी पब्लिक/शपथ आयुक्त/प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट द्वारा किया जाना चाहिए।

परिशिष्ट—23ग

नए सुस्थापित निर्यातकों को मान्यता और कोटा प्रदान करने के लिए लाइसेंस प्राधिकारियों के अधिकार क्षेत्र

वह प्राधिकारी जिसे नए सुस्थापित निर्यातकों को मान्यता और कोटा प्रदान करने के लिए आवेदनपत्र भेजे जाने हैं

क्षेत्राधिकार

1. संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात (केन्द्रीय लाइसेंस क्षेत्र), इन्द्रप्रस्थ भवन, "ए" विंग, नई दिल्ली
2. संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, 4, एस्प्लेनेड स्ट्रीट, कलकत्ता
3. संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, सेण्ट्रल गवर्नमेंट आफिसिज, न्यू बिर्लिङ्ग, एस. ई. विंग, न्यू मीरिन लाइन्स, चर्चगेट, बम्बई
4. संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, 39, राजा जी सलाय, मद्रास
5. उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, 11-6-860 रोज हिल्स, हैदराबाद (आन्ध्र प्रदेश)
6. संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, बहुमंजलीय बिर्लिङ्ग, लाल दरवाजा, अहमदाबाद
7. संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, 7वीं मंजिल कावेरी भवन, बंगलोर
8. संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, 117/एल/444, काकोव कानपुर—208025
9. उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, टी. डी. रोज, एनीकलम

हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, जम्मू और कश्मीर राज्य, उत्तर प्रदेश के 6 जिले अर्थात् मेरठ, गाजियाबाद, बुलन्दशहर, मजफ्फरनगर, सहारनपुर और मुरादाबाद, पंजाब, हरियाणा और संघ शासित क्षेत्र दिल्ली और चण्डीगढ़।

असम, बिहार, उड़ीसा, पश्चिमी बंगाल, मणिपुर, मेघालय और त्रिपुरा राज्य और संघ शासित क्षेत्र अण्डमान और निकोबार द्वीप, अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम।

महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश राज्य और संघ शासित क्षेत्र, गोवा, दमण और दियू, दादरा और नगर हवेली।

तमिलनाडु राज्य (कोयम्बतूर जिले को छोड़कर) और संघ शासित क्षेत्र पाण्डिचेरी

आन्ध्र प्रदेश

गुजरात

कर्नाटक राज्य (मंगलूर जिले को छोड़कर)

उत्तर प्रदेश, उन क्षेत्रों को छोड़कर जो संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात (केन्द्रीय लाइसेंसिंग क्षेत्र), नई दिल्ली के क्षेत्राधिकार में हैं।

केरल राज्य, कोयम्बतूर जिला (तमिलनाडु राज्य) कर्नाटक राज्य का मंगलूर जिला और संघ शासित क्षेत्र लक्षद्वीप।

परिशिष्ट—23

निर्यात असमान नियम

भारत से बाहर जाने वाले व्यक्तियों का वास्तविक व्यक्तिगत सामान

निर्यात-व्यापार नियंत्रण संबंधी प्रतिबंधों से छूट देने के लिए वास्तविक सामान में निम्नलिखित अप्रयुक्त और प्रयुक्त वस्तुएं निर्धारित सीमा तक शामिल होंगी, बशर्ते कि वे वस्तुएं यात्री या उसके साथ यात्रा करने वाले उसके परिवार के सदस्यों के व्यक्तिगत उपयोग के लिए हों और वे वस्तुएं बेचने के लिए न हों, या दूसरी पार्टियों के नाम स्थानान्तरित करने के लिए न हों।

निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1977 की अनुसूची 1 के भाग 'क' में निर्दिष्ट जंगली जीव को (जीवित या मृत या उनका कोई भाग या उनसे बनी वस्तुओं को) व्यक्तिगत सामान का हिस्सा नहीं माना जाएगा।

टिप्पणी:—उन पशुओं की जातियों का निर्यात जो जंगली फौना और फ्लोरा (सी आई टी ई एस) की संकटापन्न जातियों के लिए हुए अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार विषयक सम्मेलन के किसी भी परिशिष्ट में शामिल हैं तो सी आई टी ई एस के अन्तर्गत वे विनियमन एवं क्षेत्रीय सहायक निर्देशक, जंगली जीव संरक्षण, भारत सरकार द्वारा विशेष जांच के अधीन होगा।

(क) प्रयुक्त वस्तुएं :—

- (1) पहनने वाले कपड़े
- (2) व्यक्तिगत और घरेलू सामान, जैसे बिस्तर की चादरें, कम्बल, तौलिये, घरेलू चादरें, इस्तेमाल किए हुए सभी प्रकार के जूते, चप्पलें और धूप के चश्मे, सिगरेट-केस, ऐश ट्रे, कागज की बनी कश्मीर की कलात्मक वस्तुएं, अखरोट की लकड़ी से बनी छोटी वस्तुएं अर्थात् स्टूल, चाय की छोटी मेजें, मेजों की कुर्सियां, कैम्प—काट आदि, पदों, मेज-पोश, गद्दियों के गिलाफ, टी-कोजियां, रसोई में इस्तेमाल किए हुए पीतल, एल्यूमीनियम या ताम्बे के बर्तन, ऐसी भारतीय कलाकृतियां, "जो चीते, तेंदूए या बाघ या ऐसे किसी अन्य जंगली जानवर की छाल की न बनी हो और जो निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1977 की अनुसूची-1 के भाग 'क' में शामिल हों।" बटन और कफलिंक, चांदी को छोड़कर अन्य धातुओं से धने छुरी-कांटे, चीनी के घरेलू बर्तन, मिट्टी के बर्तन, और कांच के बर्तन, चमड़े के सूट-केस, ह्यूड-बैग, घोड़ों आदि के जीन और साज, चमड़े के सभी प्रकार के वाद्य-यंत्र तथा जूते, सभी प्रकार के ग्रामोफोन और रिकार्ड, प्रेमयुक्त तथा बिना प्रेम की पिक्चर और चित्र डाक-टिकट, छपी हुई पुस्तकें, खिलौने, खेलों का आवश्यक सामान,

पैशबुलेटर, आवश्यक श्रृंगार प्रसाधन का सामान, उन्नी हाँजरी, फर्श के उन्नी कालीन पाव-पोश और परमीना के शाल हों।

- (3) कैमरा, घड़ियां, फाउंटैन पेन वगैरहें नग्न प्रति यात्री।
- (4) टाइप राइटर एक एक नग्न प्रति वयस्क यात्री।
- (5) चलचित्र के घरेलू उपकरण, वायर लेंस रिसप्लान सेट (रेडियो) आदि और सिलाई की मशीन (विदेशी या भारतीय)—एक-एक प्रति परिवार।
- (6) दीवार-घड़ियां या टाइमपीस, दूरबीन, साइकिलें (विदेशी या भारतीय)—एक-एक प्रति वयस्क यात्री।
- (7) बिजली के छोटे-मोटे उपकरण, जैसे टबेल-फैन, लैम्प, केतली, इस्त्री, प्लग, साकेट आदि उचित मात्रा में।
- (8) ऐसे व्यावसायिक औजार, उपकरण और साधन, जिनकी यात्री को अपने इस्तेमाल के लिए जरूरत होती है, जैसे शिल्पकार के औजार, चिकित्सा या शल्य-चिकित्सा के ऐसे उपकरण, जिन्हें वे सामान्यतः अपने साथ रखते हैं।
- (9) चांदी के घरेलू बर्तन और फनीचर। सामान्यतः थोड़े समय के लिए भारत से बाहर छुट्टी पर जाने वाले व्यक्तियों को चांदी के घरेलू बर्तन या फनीचर अपने साथ ले जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। अन्य मामलों में इन वस्तुओं का निर्यात करने की अनुमति नीचे दी गई सीमा या मूल्य तक ही दी जाएगी।
 - (क) जो यात्री बाहर से भारत आये हों और लंबे समय तक यहां रहने के बाद हमेशा के लिए देश छोड़ कर जा रहे हों, वे अपने साथ 3,000/- रु. तक के चांदी के बर्तन आदि ले जा सकते हैं। यह सुविधा उन विदेशियों के लिए भी होगी जो भारत में 2 से 3 वर्ष तक या अधिक अवधि से रह रहे हों और उसके बाद अपने देश को चले जाते हों।
 - (ख) कभी-कभी थोड़े समय के लिए विदेश जाने वाले व्यक्ति प्रति व्यक्ति के हिसाब से 200/- रु. की वस्तु ले जा सकते हैं किन्तु एक परिवार 400/- रु. से अधिक का चांदी का सामान वह तभी ले जा सकता है, जब उस सामान का वह वास्तव में उपयोग करते रहा हो।
 - (ग) लम्बे समय तक देश में रहने के बाद विदेश जाने वाले व्यक्ति अपने साथ ऐसा फनीचर ले जा सकेंगे, जिसका वे इस्तेमाल करते रहें हों।

- (घ) अनिश्चित काल के लिए या 6 महीने की अवधि तक विदेश में रहने के लिए जाने वाले व्यक्ति अपने साथ वास्तविक जरूरतों के लिए फनीशर ले जा सकते हैं।

टिप्पणी:—

- (1) विदेश में प्रवास करने वाले भारतीय राष्ट्रिक या असीमित समय के लिए विदेश जाने वाले भारतीय राष्ट्रिक 2000/- रु. मूल्य की चांदी के बर्तन भारतीय रिजर्व बैंक की अनुमति से ले जा सकते हैं।
- (2) भारतीय राष्ट्रिक विदेश में रहने वाले अपने सम्बन्धियों की चांदी से बनी वस्तुओं के उपहारों को उनके मूल्य को ध्यान में रखे बिना नहीं भेज सकते हैं।
- (3) प्रति परिवार 200 रुपये की दवा और औषधियां।

(ख) नयी वस्तुएं :—

- (1) सिलाई का धागा—1 किलोग्राम प्रति यात्री
- (2) सभी प्रकार के रंजक और रंग—500 ग्राम प्रति परिवार
- (3) बिना धुली हुई फिल्म—4 स्लू प्रति यात्री, बशर्ते कि यात्री अपने साथ कैमरा ले जा रहा हो।
- (4) धुली हुई फिल्म—उचित मात्रा में
- (5) खाद्य पदार्थ

गेहूं और गेहूं का आटा—9 किलोग्राम प्रति यात्री किन्तु प्रति परिवार 36 किलोग्राम से अधिक नहीं।

भावल	—वही—
वालें	—वही—
बाध्य-तेल	—वही—
चीनी	4.5 किलोग्राम प्रति व्यक्ति किन्तु प्रति परिवार 18 किलोग्राम से अधिक नहीं।
काली मिर्च और लाल मिर्च	1 किलोग्राम प्रति व्यक्ति किन्तु प्रति परिवार 4.5 किलोग्राम से अधिक नहीं।
चाय और काफी	प्रति व्यक्ति 1 किलोग्राम चाय और 2 किलोग्राम काफी।
मक्खन और घी	4.5 किलोग्राम प्रति यात्री किन्तु प्रति परिवार 18 किलोग्राम से अधिक नहीं।
इलायची	500 ग्राम प्रति यात्री किन्तु 5 या इससे अधिक सदस्यों के परिवार के लिए अधिक से अधिक दो किलोग्राम

- (6) चाकलेट और चाकलेट से बनी मिठाई—उचित मात्रा में।
- (7) फलों की संसाधित वस्तुएं जैसे जैम, मारमलेड, अंली और चीनी में पकाये गये फल, शरबत और फलों के स्क्वैश उचित मात्रा में।
- (8) अन्य खाद्य-पदार्थ, जैसे चटनी, मसाले, करी-पाउडर, इमली, विविध प्रकार के मसाले (काली मिर्च और लाल मिर्च को छोड़कर) काजू और अखरोट—उचित मात्रा में।
- (9) भारतीय मिठाइयां और घर की बनी मिठाइयां—उचित मात्रा में।
- (10) भारतीय सूअर से बना सामान अर्थात् सूअर की चर्बी, सूअर का नमकीन मांस और जैम—उचित मात्रा में
- (11) केवल भारत में बने कपड़े और सिले-सिलाए वस्त्र आदि :—

(क) सूती कपड़ा या वस्त्र

(ख) रेशम या कृत्रिम रेशम का कपड़ा या वस्त्र

(ग) ऊनी कपड़ा

उपर्युक्त कपड़ों को वास्तविक उपयोग के सामान के रूप में निर्यात करने पर कोई प्रतिबंध नहीं है बशर्ते कि उनका निर्यात, व्यावसायिक प्रयोजनों के लिए या बेचने के लिए न किया गया हो।

(घ) बुनाई की ऊन केवल 2.25 किलोग्राम प्रति-महिला।

(12) जरी :—

(क) प्रति यात्री—2.25 किलोग्राम

(ख) प्रति परिवार—4.5 किलोग्राम

(13) कश्मीर की कलात्मक वस्तुएं—उचित मात्रा में

- (14) भारत की बनी ऐसी कलात्मक वस्तुएं जो चीते, बाघ या तेंवू या किसी ऐसे जंगली जानवरों की खाल से न बनी हो, जिनके नाम निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1977 की अनुसूची 1 के भाग 'क' में शामिल हों ऐसे पर्यटकों के लिए, जिनके पास परमिट न हों 500 रु. तक का सामान, किन्तु इसके लिए शर्त यह होगी कि वह सामान, पूरावस्तु (निर्यात-नियंत्रण) अधिनियम, 1947 के अधीन न आता हो।

- (15) रसाई के नए बर्तन—जंगावरोधी इस्पात और एल्युमीनियम बर्तनों को ले जाने पर कोई रोक नहीं है। यदि कोई यात्री निर्धारित सीमा से अधिक सामान ले जाना चाहता हो, तो उसे अनियंत्रित वस्तुओं के लिए जांच निराधिक विभाग के सहायक समाहर्ता से और नियंत्रित वस्तुओं के लिए निर्यात व्यापार नियंत्रण प्राधिकारियों से परमिट लेना चाहिए।

(16) बिजली के बल्ब (विदेशी या भारतीय)—एक दर्जन प्रति परिवार

(17) मोर के पंखों में बनी वस्तुएँ—उचित मात्रा में।

(ग) शस्त्र और गोला बारूद :—

(1) व्यक्तिगत शस्त्र और गोला बारूद साथ ले जाने की अनुमति उसी स्थिति में दी जाएगी, जब यात्री के पास उसको रखने का वैध लाइसेंस होगा या भारतीय शस्त्र अधिनियम के अधीन उनको ऐसे लाइसेंस रखने की छूट प्राप्त हो।

(2) वह व्यक्ति, जिसने पुराने हथियारों के ऐसे असली प्रतिरूप खरीद रखे हों, जो भारत में नाकारा हो गए हों और वह उन्हें भारत से बाहर जाते समय अपने सामान के एक हिस्से के रूप में केवल 4 नग अपने व्यक्तिगत उपयोग के लिए साथ ले जाना चाहता है तो उसे इनको ले जाने की अनुमति ऐसे सीमा शुल्क प्राधिकारियों की मजिरी से दी जाए जो सहायक सीमा शुल्क समाहर्ता से कम न हों, और उसे बाहर जाने वाले पत्तन पर ऐसा वाउचर/बिक्री सीमा प्रस्तुत करना पड़ेगा जिसमें यह प्रमाणित किया गया हो कि प्रतिरूपों का निरीक्षण सक्षम प्राधिकारियों द्वारा कर लिया गया है।

2. निर्यात व्यापार नियंत्रण प्रतिबन्ध :—ऐसी नियंत्रित वस्तुएँ जो ऊपर के पैरा में न दी गई हों, उनके वैध निर्यात के लिए निर्यात व्यापार नियंत्रण प्राधिकारियों से लाइसेंस लेना जरूरी है। किन्तु सीमा शुल्क समाहर्ता अपने विवेकाधिकार से नीचे दिए गए धर्मा के यात्रियों को उनके सामने दी गई सीमा तक निर्यात व्यापार नियंत्रण प्रतिबन्धों में छूट दे सकता है, बशर्ते कि उसे इस बात की तसल्ली हो जाए कि (क) सम्बन्धित सामान यात्रियों की वास्तविक आवश्यकताओं के लिए है और (ख) सामान मुख्यतः भारत में ही उत्पादित है अथवा बनाया गया है :—

1. वास्तविक विदेशी पर्यटक :—निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1977 की अनुसूची-1 के भाग क में विशिष्टीकृत से भिन्न माल को वे अपने निवास के देश में धन की किसी निर्धारित सीमा के बिना ही ले जा सकते हैं। यदि वे सीमा-शुल्क प्राधिकारियों को यह वस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत कर देते हैं कि माल विदेशी मुद्रा में भुगतान के मद्दे खरीदा गया है। लेकिन, छांभी के बर्तनों की अनुमति केवल 200/- रु. प्रति व्यक्ति होगी जो 400/- रु. प्रति परिवार की सीमा के अधीन होगी।

2. विदेशी पर्यटकों से भिन्न यात्री :—विदेशी पर्यटकों से भिन्न यात्रियों द्वारा 2,000/- रु. (केवल दो हजार रुपये) मूल्य तक की वस्तुएँ बाहर ले जाई जा सकती हैं। लेकिन, उपर्युक्त सीमा के भीतर, छांदी के बर्तनों की अनुमति केवल 200/- रु. प्रति व्यक्ति होगी जो 400/- रु. प्रति परिवार की अधिकतम सीमा के अधीन होगी।

3. व्यावसायिक नमूने :—व्यवसाय करने वाले यात्री उचित मात्रा में व्यावसायिक नमूने चाहें वे नियंत्रित वस्तुओं के क्यों न हों, ले जा सकेंगे।

4. विदेशी मुद्रा विनियम।

(1) भारतीय मुद्रा

भारत से बाहर जाने वाले यात्री अपने साथ भारतीय मुद्रा के नोट और सिक्के निम्नलिखित सीमा तक ही ले जा सकते हैं, उससे अधिक नहीं :—

(क) उपहार देने के प्रयोजनार्थ अपरिचलित किस्म के विकास अभिमुख डिजाइनों के 50 रुपये और 10 रुपये के प्रत्येक दो सिक्के अपने साथ ले जा सकते हैं।

(ख) नेपाल जाने वाले व्यक्तियों के लिए भारतीय रुपये या सिक्के ले जाने पर सीमा सम्बन्धी कोई प्रतिबन्ध नहीं है (किन्तु 100/- रुपये या उससे अधिक राशि के नोटों को छोड़कर)।

(ग) बर्मा, मलेशिया, सिंगापुर, खाड़ी के पत्तनों या पूर्वी अफ्रीका को पानी के जहाज से जाने वाले यात्री प्रति व्यक्ति 20/- रुपये तक।

(घ) बांगला देश, श्रीलंका या पाकिस्तान जाने वाले यात्री प्रति व्यक्ति 20/- रुपये तक।

(1.1) विदेशी मुद्रा

(क) भारत से विदेश जाने वाला कोई व्यक्ति विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत विक्रेता से विदेशी मुद्रा में प्राप्त किए गए नोटों, सिक्कों, ड्राफ्टों, यात्री चेकों या साखपत्रों के रूप में अपने साथ इच्छानुसार विदेशी मुद्रा ले जा सकता है, बशर्ते कि सम्बन्धित प्राधिकृत विक्रेता द्वारा ऐसी विदेशी मुद्रा जारी करने की पूर्ण क्षमता के रूप में उस यात्री के पासपोर्ट पर विधिवत आवश्यक पृष्ठांकन किया गया हो।

(ख) रिजर्व बैंक ने निम्नलिखित के सम्बन्ध में सामान्य अनुमति दे दी है :—

(1) कोई भी व्यक्ति नेपाली मुद्रा के नोट या सिक्के बिना किसी सीमा के नेपाल ले जा सकता है।

(2) कोई भी व्यक्ति, जो सामान्यतः भारत का निवासी न हो, भारत से बाहर विदेशी मुद्रा की उतनी राशि ले जा सकता है, जो उस राशि से अधिक न हो, जो वह विदेशी मुद्रा में भारत लाया हो, बशर्ते कि उसने भारत पहुँचने पर सीमा-शुल्क प्राधिकारियों के सामने निर्धारित फार्म में उस राशि की घोषणा कर दी हो।

(3) बांग्लादेश, भूटान और नेपाल को जाने वाले यात्रियों को छोड़ कर भारत से बाहर जाने वाला कोई भी यात्री अपने साथ भारतीय मुद्रा के 200/- रुपये के बराबर की किसी विदेशी मुद्रा के नोट और सिक्के ले जा सकता है—प्रति व्यक्ति।

(4) बांग्ला देश को जाने वाले कोई भी यात्री भारतीय मुद्रा के 100/- रुपये के बराबर की किसी विदेशी मुद्रा के नोट और सिक्के ले जा सकता है—प्रति व्यक्ति।

(111) आभूषण

(क) ऐसे आभूषण, जो सोने के न हों :—कोई व्यक्ति एक बार में भारत से बाहर ऐसे बहुमूल्य रत्न और आभूषण जो पूर्णतः या मुख्यतः सोने के न हों और जिनका मुख्य निम्नलिखित राशि से अधिक न हो, ले जा सकता है :—

(1) अफगानिस्तान, ईरान या मध्यपूर्व के बाड़ी के देशों को जाने वाले यात्री—2,000/- रु. मूल्य के आभूषण।

(2) अन्य देशों को जाने वाले यात्री—5,000/- रु. मूल्य के आभूषण।

अपवाद—जो व्यक्ति भारत का अधिवासी हो, उसको छोड़कर कोई भी अन्य व्यक्ति अपने साथ ऐसे बहुमूल्य रत्न या आभूषण किसी भी मात्रा में बाहर ले जा सकता है, जो भारत आने पर वह अपने साथ लाया हो और उनके गतिरिक्त वह 10,000 रु. तक के मूल्य के ऐसे बहुमूल्य रत्न और आभूषण भी अपने साथ ले जा सकता है जो उसने भारत में खरीदे हों और पूर्णतया या मुख्यतया सोने के न बने हों।

(ख) सोने के आभूषण : रिजर्व बैंक ने ऐसे व्यक्ति को, जो सामान्यतः भारत का निवासी हो, किसी अन्य

देश को एक बार में मुख्यतः या पूर्णतः सोने के बने 5,000/रु. तक के अपने ऐसे निजी आभूषण से जाने की सामान्य अनुमति दे दी है जो उसने पहन रखे हों या जो उसके व्यक्तिगत सामान के अंतर्गत आते हों।

अपवाद—जो व्यक्ति सामान्यतः भारत का निवासी न हो, वह भारत से बाहर किसी अन्य देश को मुख्यतः या पूर्णतः सोने के बने अपने निजी आभूषण किसी भी मात्रा में ले जा सकते हैं, बशर्ते कि वह सीमा-शुल्क प्राधिकारियों की अनुमति से विदेश से वे आभूषण भारत में लाया हो। ऐसा व्यक्ति एक बार में मुख्यतः या पूर्णतः सोने के बने 2,000/- रु. तक के मूल्य के ऐसे आभूषण भारत से बाहर ले जा सकता है, जो उसने भारत में खरीदे हों।

(IV) आभूषण से भिन्न सोना और सोने से बनी वस्तुएं:

सोने के सिक्कों, इंटों, सिल्लियों और मुख्यतः सोने की बनी वस्तुओं (आभूषणों को छोड़कर) का तब तक निर्यात नहीं किया जा सकता, जब तक कि रिजर्व बैंक ने उनके निर्यात की विशेष रूप से अनुमति न दी हो।

5. **प्रतिभूतियों का निर्यात** : रिजर्व बैंक आफ इण्डिया की विशेष अनुमति प्राप्त किए बिना न तो प्रतिभूतियां ली जा सकती हैं और न ही वे भारत से बाहर किसी स्थान को भेजी जा सकती हैं।

6. **निर्यात घोषणा पत्र** : सभी यात्रियों को सीमा-शुल्क निर्यात घोषणा फार्म धारित करना होगा, जो उन्हें जहाज से उतरने पर उस सीमा-शुल्क अधिकारी द्वारा निःशुल्क दिया जाएगा, जो उस समय ड्यूटी पर होगा।

7. **निर्यात-प्रमाण-पत्र** : यात्रियों को यह सलाह दी जाती है कि वे व्यक्तिगत संपत्ति की उन वस्तुओं के लिए निर्यात-प्रमाण-पत्र ले लें जिनका भारत में द्वारा आयात किया जाना हो, ताकि उन्हें उन वस्तुओं को द्वारा भारत लाने के लिए सीमा-शुल्क न देना पड़े।

परीक्षण—23

पोत भण्डार

[भारत के राजपत्र के भाग 2, खण्ड 3, उप-खण्ड (11) में]

प्रकाशनार्थ दिनांक 2-8-1975]

भारत सरकार

जहाजरानी और परिवहन मंत्रालय

(परिवहन खण्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 15 जुलाई 1975

अधिसूचना

(व्यापार पोत)

का. आ. 2473—व्यापार पोत अधिनियम, 1958 (1958 का 44) की धारा 101 की उपधारा (2) के खण्ड (छ) के अनुसरण में और भारत सरकार के भूतपूर्व परिवहन और परिवहन मंत्रालय (परिवहन खण्ड) की अधिसूचना जो दिनांक 21 जून, 1967 के सा. आ. सं. 2169 के अन्तर्गत प्रकाशित हुई थी के अधिक्रमण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित रसद का माप नियत करती है जो न्यूनतम माप होगा और जो पहली मार्च, 1975, से भारत सरकार द्वारा स्वीकृत करार नियमावली के आधार पर जहाजों में कार्यरत नाविकों को दिया जाएगा।

अनुसूची

भारतीय करार नियमावली (विदेश गामी) पर हस्ताक्षर करने वाले नाविकों के लिए रसद का संशोधन माप :

1. चावल (क)	प्रतिदिन	350 ग्राम
2. घाटा तथा रोटी (जब व्यवहार्य हो तो रोटी प्रतिदिन जिसमें से 160 ग्राम प्रतिदिन उपलब्ध की जाएगी (ख)		80 ग्राम घाटा होगा
3. दाल-तोर, मूंग, मसूर अथवा मटर की दाल (क)	प्रतिदिन	80 ग्राम
4. ताजा मछली (साबूत)-जहां उपलब्ध हो भिन्न भिन्न प्रकार की मछली दी जाएगी—सप्ताह में 6 दिन (ग)	प्रतिदिन	110 ग्राम
5. ताजा मांस (हड्डियों तथा साधारण सब्जियों सहित—बर्फी 1/2 वें भाग से अधिक नहीं—सप्ताह में 6 दिन) (घ)	प्रतिदिन	170 ग्राम
6. सब्जियाँ (ङ)	प्रतिदिन	345 ग्राम
7. खाने तेल (च)	प्रतिदिन	25 ग्राम
8. घी (एगमार्क अथवा अन्य किसी अच्छे किस्म का)	प्रतिदिन	45 ग्राम
9. शोरबा (छ)	प्रतिदिन	25 ग्राम
10. इमली अथवा कोकम	प्रतिदिन	10 ग्राम
11. मसूर	प्रतिदिन	25 ग्राम
12. अचार अथवा चटनी	प्रतिदिन	15 ग्राम
13. मक्खन	प्रतिदिन	20 ग्राम
14. जाम	प्रतिदिन	10 ग्राम

15. चाय तथा/अथवा काफी (ज)	प्रतिदिन	10 ग्राम
16. चीनी	प्रतिदिन	40 ग्राम
17. संघटित दूध	प्रतिदिन	35 ग्राम
18. अण्डे (नाफ हुआ)	प्रतिदिन	225 ग्राम
19. अण्डे	प्रतिदिन	1
20. फल (सप्ताह में 6 दिन) (झ)	प्रतिदिन	एक पूरा टुकड़ा अथवा 115 ग्राम
21. घाहसूत्रीय—सप्ताह में एक बार (इसके न दिए जाने पर फल दिया जाएगा)	प्रतिदिन	1
22. नींबू रस	प्रतिदिन	15 ग्राम
23. पानी	साप्ताहिक	28 क्वार्टर्स
टेबल के लिए ताजा दूध (समांगीकृत अथवा अत्याधिक गर्म किया हुआ)		1 पण्ड

टिप्पणी :—

जब कोई नाविक बीमार हो और छुट्टी पर हो उसे बिस्कूट चाय अथवा काफी और चीनी, अरारोट अथवा साबूदाने के साथ जैसी आवश्यकता हो, दी जाएगी।

(क) खराब मौसम में जब चावल और दाल न पकाया जा सके तो उसके स्थान पर 185 ग्राम बिस्कूट तथा 60 ग्राम अतिरिक्त चीनी दी जायेगी।

(ख) जब रोटी न दी जाये तो 160 ग्राम आटा दिया जायेगा।

(ग) जब ताजा मछली न मिले तो ताजा मछली के स्थान पर डब्बा बन्द मछली अथवा हार्नरगज मछली का आचार 1:2 के अनुपात में दिया जायेगा।

(घ) उन नाविकों को जो गोमांस अथवा सूअर का गोشت न खाये भेड़ बकरे का मांस दिया जायेगा।

(ङ) 345 ग्राम में से 115 ग्राम आलू, 115 ग्राम प्याज, 115 ग्राम सेम, बेंगन, अंकुर, गोभी बन्दगोभी, फूल गोभी, भिण्डी, लाल मिर्च अथवा

मटर जैसी ताजी सब्जी अथवा विविधता लाने के लिए अन्य उपर्युक्त वैकल्पिक सब्जियां दी जायेंगी। जहां तक हो सके टमाटर सप्ताह में कम से कम एक बार दिए जाए। एक ही सब्जी लगातार दो दिनों से अधिक बार नहीं दी जायेगी। जब ताजी सब्जियां उपलब्ध न हो सूखी सब्जियां 1:4 अनुपात में दी जा सकती हैं।

(ब) बम्बई के नाविकों के लिए तिल अथवा काड़ाया का तेल, कलकत्ता के नाविकों के लिए जब उपलब्ध हो सरसों का तेल अन्यथा नारियल का अथवा भूंगफली का तेल।

(छ) 25 ग्राम शोरबा में से 18 ग्राम लाल मिर्च, धनिया, हल्दी, सरसों, सूखा अथवा हरा लहसुन, निर्जलीय अथवा सूखी गरी तथा 7 ग्राम गरम मसाला अर्थात् दाल-चीनी, लोंग, इलायची, सफेद जीरा, काली मिर्च, खसखस, जायफल तथा जावित्री होगी। जब ताजी गिरी उपलब्ध हो तो वह सूखी या निर्जलीय गिरी के स्थान पर दी जायेगी।

(ज) जब चूर्ण काफी की अपेक्षा तैयार काफी दी जाये, तो इसका अनुपात 1:4 का होना चाहिए।

(झ) जब पपीता, तरबूज आदि जैसे बड़े फल दिये जायें, तो वह 115 ग्राम हों।

(ञ) जहां ताजा दूध नहीं दिया जाता, वहां सप्ताह में 100 ग्राम सुखाया हुआ दूध दिया जायेगा।

(ट) ऐसी अवधि के दौरान जब नौबहन, महानिदेशक द्वारा खाद्यान्न की कमी घोषित की जाये, जब अपेक्षित मात्रा में चावल उपलब्ध न हो तो चावल की प्रतिदिन की मात्रा में से 25 ग्राम कम कर दिये जायें और उनकी प्रतिपूर्ति के रूप में प्रति-

दिन अन्य मदों की मात्रा में दधा निम्नलिखित वृद्धि कर दी जायेगी :

10 ग्राम ताजी मछली, अथवा

5 ग्राम मांस, अथवा

50 ग्राम सूखी सब्जी अथवा

25 ग्राम ताजी सब्जी

(ठ) जब लाख सामग्री, धनद डिब्बों में दी जाये तो नाविक उपर्युक्त के अनुसार भानक डिब्बों में निकटतम ग्राम वजन स्वीकार करेंगे।

शीत मौसम माप

*शीत मौसम में अतिरिक्त 10 ग्राम चाय और/या काफी, 10 ग्राम चीनी और 5 ग्राम संघटित दूध प्रतिदिन दिया जाएगा। शीत मौसम में नीबू का रस नहीं दिया जायेगा।

“शीत मौसम में” यह माप

(1) अक्टूबर से मार्च महीने तक की अवधि में उत्तरी गोलार्ध में तथा एटलांटिक समुद्र में 30° एन के उत्तर तथा अन्य किसी जगह 24° एन के उत्तर में।

(2) मई से सितम्बर तक की अवधि में दक्षिणी गोलार्ध में तथा 30° एस के दक्षिण में लागू होगा। (स. एम. एस. ई. (9)/75 एम. टी.)

ह./-

ह. दीवान चन्द अहीर
अवर सचिव, भारत सरकार

परिशिष्ट—23अ

आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 के अधीन विदेशी-पार्सलों पर प्रतिबंध

डाक-घर के महानिदेशक के समय-समय पर यथा संशोधित तारीख 30-12-1970 के परिपत्र सं. 21 के पैरा 1 में दिये गये अनुदेशों के अधिक्रमण में निम्नलिखित परिशोधित अनुदेश, जो तत्काल लागू किए जाते हैं, सभी संबंधित व्यक्तियों की सूचना और मार्गदर्शन के लिए संलग्न डाक-नोटिस में प्रकाशित किए गए हैं।

2. निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1977 की अनुसूची 1 में उल्लिखित वस्तुओं को छोड़कर अन्य सभी वस्तुओं को डाक से सभी अनुमेष-गंतव्य स्थानों पर लाइसेंस के बिना भेजा जा सकेगा।

टिप्पणी :—‘अनुमेष गंतव्य स्थानों’ से अभिप्राय उन देशों से है, जिनके साथ यह प्रशासन डाक सेवा कायम (पत्र और पार्सल) रखता है और उन देशों से भी है, जिनके साथ व्यापार करने पर कोई प्रतिबंध नहीं है।

डाक नोटिस

सं. 13, दिनांक 3-12-73

डाक नोटिस सं. 18 दिनांक दिसम्बर, 1970 का अधि-क्रमण करते हुए निम्नलिखित परिशोधित अनुदेश सभी संबंधित व्यक्तियों की सूचना और मार्गदर्शन के लिए प्रकाशित किए जाते हैं।

2. निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1977 की अनुसूची (1) में निहित माल के अतिरिक्त अन्य माल का उपहार के रूप में अथवा डाक पार्सल द्वारा वाणिज्य प्रयोजन के लिए निर्यात, आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 के अन्तर्गत लाइसेंसों को प्रस्तुत किए बिना सभी अनुमेष गंतव्य स्थानों के लिए अनुमेष होगा।

3. नीचे के उप-पैरा (1) से (10) में जो वस्तुएं उल्लिखित हैं, उनको छोड़कर निर्यात (व्यापार) नियंत्रण आदेश, 1977 की अनुसूची 1 में दी गई वस्तुओं को तब तक डाक से नहीं भेजा जा सकेगा जबतक कि वस्तुएं निर्यात व्यापार-नियंत्रण प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए लाइसेंसों में शामिल न हों।

(1) ऐसे वाणिज्यिक तमने जो (नियंत्रण) आदेश, 1977 की अनुसूची 3 में दिये गये मूल्य तक हों और जुले सामान्य लाइसेंस-2 के अन्तर्गत आते हों।

(2) जब निर्यात द्वारा बूकानदारों द्वारा उन पर्यटकों को डाक से किया जाए जो भारत में आए हैं और उन्होंने कोटे की जातियों सहित जंगली जीव की अनुमेष जातियों की खाल से बनी दो जैकेट खरीदी हैं और वे उन्हें डाक से भेजना चाहते हैं बशर्ते कि पर्यटक ने भूगतान विदेशी मुद्रा में कर दिया हो। लेकिन ऐसी जैकेटों का निर्यात कानूनी अधिप्राप्ति प्रमाण-पत्र और सी. आई. टी. ई. एस. प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर ही अनुमेष होगा।

(3) निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1977 की अनुसूची 1 के भाग 'ख' की मद सं. 73 के सामने उल्लिखित हाथ के बने हुए ऊनी कालीन और चैन स्टिच्ड ऊनी कालीन, मूल्य की किसी सीमा के बिना उपहार के रूप में भेजी जा सकती हैं।

(4) निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1977 की अनुसूची 1 के भाग 'ख' की मद सं. 76 में दिये गये 200/- रु. तक के मूल्य के सभी प्रकार के जूते उपहार के रूप में भेजे जा सकते हैं।

(5) निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1977 की अनुसूची 1 के भाग (ख) की मद 70 (3) में दी गई 200/-रु. तक के मूल्य की हथकरघे की धारीदार चादर जो 'इटावा की धारीदार चादर' के नाम से जानी जाती हैं, प्रत्येक पार्सल में उपहार के रूप में भेजी जा सकती हैं।

(6) निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1977 की अनुसूची 1 के भाग 'ख' की मद सं. 70 (4) में उल्लिखित 200/- रु. मूल्य तक की लूंगी के डिजाइन का कच्चे रंगों का (जिसमें ब्लीडिंग तत्वों वाला कपड़ा भी शामिल है) हथकरघे का कपड़ा और उससे बने वस्त्र प्रत्येक पार्सल में उपहार के रूप में भेजे जा सकते हैं।

(7) निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1977 की अनुसूची 1 के भाग 'ख' की मद सं. 70 (5), (6), (7), और (8) में दी गई 200/- रु. मूल्य तक की सूती कपड़े से बनी वस्तुएं प्रत्येक पार्सल में इंग्लैंड, संयुक्त राज्य अमरीका, आस्ट्रिया, पश्चिम जर्मनी, फ्रांस, इटली और बनेलक्स देशों का उपहार के रूप में भेजी जा सकती हैं।

(8) 200/- रु. मूल्य तक के सोल्यूजिस्टिक कृत्रिम रेशम के कपड़े प्रत्येक पार्सल में उपहार के रूप में भेजे जा सकते हैं।

(9) 200/- रु. मूल्य तक के नायलॉन के कपड़े प्रत्येक पार्सल में उपहार के रूप में भेजे जा सकते हैं।

(10) चांदी के सिक्के-यदि (1) उनका निर्यात-मूल्य सिक्के में जितनी चांदी है उसके मूल्य से कम न हो (2) रिजर्व बैंक आफ इण्डिया से अनुमति ले ली गई हो, (3) 100 वर्ष से अधिक पुराने सिक्कों के निर्यात के लिए शिक्षा मंत्रालय के पुरातत्व विभाग से पुरावस्तु संबंधी स्वीकृति ले ली गई हो, और (4) तत्त्वसंबंधी लदान बिलों पर सक्षम सीमा-शुल्क अधिकारी द्वारा पृष्ठांकन किया गया हो।

4. निर्यात के संबंध में ऊपर दी गई शर्तों के बावजूद जिन मामलों में आवश्यक हो, उनमें विदेशी-मुद्रा विनियमन अधिनियम, 1947 (1947 का 6) के अधीन भारत से बाहर देशों को डाक से निर्यात किए जाने वाले सामान पर लगाये गये प्रतिबंधों के सम्बन्ध में समय समय पर संशोधित तारीख 25-5-1951 के डाक नोटिस सं. 12 में निर्दिष्ट पी. पी. फार्म और अन्य क्रियाविधि के अधीन डाक द्वारा सामान का निर्यात किया जाता रहेगा।

5. इस डाक नोटिस के उपबंध हवाई डाक पार्सलों द्वारा निर्यात किए जाने वाले सामान पर भी लागू होंगे बशर्ते कि पार्सल का वजन 5 (पांच) किलोग्राम से अधिक न हो।

MINISTRY OF COMMERCE
IMPORT TRADE CONTROL
PUBLIC NOTICE NO. 2-ITC (PN)/85-88
New Delhi, the 12th April 1985

SUBJECT : Hand Book of Import-Export Procedures, 1985-88
The Hand Book of Import-Export Procedures, 1985-88 is contained in the Annexure to this Public Notice.

P. C. JAIN

Chief Controller of Imports and Exports

Copy to all concerned :

By order etc.,

O. P. GAHOTRA

Joint Chief Controller of Imports and Exports

(Issue from file No. HB/Misc./85-88/1)

CHAPTER I

INTRODUCTION

Origin

1. Import Trade Control was introduced in India as a war-time measure in the early period of the Second World War. A notification regarding this was issued on May 20, 1940, in exercise of the powers conferred under the Defence of India Rules. The primary objective of this notification was to conserve foreign exchange resources and to restrict physical imports so as to reduce the pressure on the limited available shipping space. Under the initial order, the import of only 68 commodities, mainly consumer goods, were brought under control. Subsequently, as foreign exchange resources came under pressure, import control was extended to other commodities as well. On December 31, 1940, unmanufactured and semi-manufactured steel were brought under control. On February 15, 1941, the import of machine tools was controlled. On August 23, 1941, many other commodities particularly capital goods and other industrial requirements were brought within the purview of import control. This process of increasing the coverage under the import control continued. In January, 1942, some more items were brought under its purview. Finally, on July 1, 1943, a consolidated notification was issued covering all the controlled items, except machine tools.

Development of the Legislation

2. After the end of the war, the Defence of India Rules lapsed and hence in September, 1946, the Emergency Provisions (Continuance) Ordinance 1946, was promulgated to continue Import Trade Control provisions. This was ultimately replaced by the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947) which came into force with effect from 25th March, 1947, initially for a period of three years. Thereafter the validity of this Act was extended for two successive terms of five years each, one term of six years and a further term of five years upto March 31, 1971. Thereafter, this Act was extended for an indefinite period. Several notifications had, from time

to time, been issued under this Act. These were replaced by a consolidated Order called the Imports (Control) Order No. 17/55, dated December 7, 1955. This Order, as amended from time to time, continues to be in force. On November 4, 1975, the Imports & Exports (Control) Amendment Ordinance, 1975 (No. 19 of 1975) was promulgated with a view to making provisions for stringent action for misuse of import facilities. The Ordinance was later replaced by the Imports & Exports (Control) Amendment Act, 1976, as passed by Parliament. The Imports and Exports (Control) Act, 1947, and the Imports (Control) Order, 1955, as amended upto 12th April, 1985 are reproduced in Appendices I-A and I-B to this book.

3. The Export (Control) Order, 1977 is reproduced in Appendix I-C.

Items Under Control

4. At present, Import Control covers practically all articles and these are included in Schedule I to the Imports (Control) Order, 1955. The import of such items is prohibited except under and in accordance with a licence or a Customs Clearance Permit issued under the said Order or an Open General Licence issued by the Central Government, or if they are covered by any of the savings mentioned in Clause 11 of the aforesaid Order. Import of gold, silver, currency notes, bank notes and coins is controlled by the Reserve Bank of India, under the Foreign Exchange Regulations Act.

Export Control

5. (1) Export Control covers only the items included in the Schedule I to the Exports (Control) Order, 1977. The exports of goods :—

- (a) not included in the said Schedule; or
- (b) falling within the purview of Clause 15 of the Exports (Control) Order, 1977; or

- (c) covered by an Open General Licence included in the Import & Export Policy, 1985—88;

can be made without an Export Licence.

(2) Export of Gold, Currency Notes, Bank Notes and Coins is controlled by the Reserve Bank of India under the Foreign Exchange Regulations Act.

Import/Export Policy

6. (1) The Import/Export Policy is announced by means of Public Notices in the Gazette of India Extraordinary. The Import-Export Policy has been issued in two Volumes. Volume I contains the policy for Imports & Exports Promotion and Volume II contains the policy in respect of items subject to export licensing. These are priced publications and are available for sale with the regional licensing authorities, the Controller of Publications, Delhi and other authorised dealers in Government publications.

(2) The Import and Export Policy is being announced this time for the three years period from 12th April, 1985 to 31st March, 1988 in consonance with the Government's objective of bringing in stability and continuity of Import and Export Promotion policies. However, the Government reserves the right to make amendments/changes in this policy which may become necessary in public interest from time to time during the above period. Amendments, etc., if any, will be notified, as usual, by means of public notices/amendment orders, etc. issued by the Chief Controller of Imports and Exports from time to time. The provisions of the above policy book are subject to such amendments/changes as and when notified.

(3) Instructions and guidelines contained in this book are applicable subject to such amendments/changes as may be made from time to time.

(4) Although this policy is for three years period, the licensing will continue to be on annual basis and all entitlements worked out accordingly, as hitherto.

(5) Wherever the word "year" or "licensing year" appears in this book, they should be construed to mean "financial year" beginning from 1st April to 31st March.

(6) The Chief Controller of Imports and Exports may, by issuing a Public Notice, evolve any special procedure for the issue of Import/Export licences in respect of any licensing period or commodity or any category of importers/exporters. In such cases the prescribed procedure for submission of applications and their processing, will be applicable only to the extent laid down in such Public Notice.

EXEMPTION FROM IMPORT-EXPORT LICENSING PROCEDURES

IMPORTS

Exemptions from Import Restrictions

7.(1) No import licence or Customs Clearance Permit is required for the import of goods, mentioned under the Savings Clause 11 of the Imports (Control) Order, 1955.

(2) The Savings Clause 11 (1) (j) of the Imports (Control) Order, 1955 exempts from production of import licence or Customs Clearance Permit, the import of goods which are exempt from customs duty, on re-importation under Section 20 of the Indian Customs Act, 1962. This exemption from production of import licence/Customs Clearance Permit, on re-importation, will also cover the import of goods where the importer has to pay customs duty in lieu of duty drawback and exemption of excise/customs duty availed of at the time of exportation, as provided for in Section 20 of the Indian Customs Act, 1962.

8. It has been provided in Sub-Clause 11 (1) (gg) of the Imports (Control) Order, 1955 that payments in respect of goods imported thereunder, other than those received as gifts, will be remittable through authorised dealers in foreign exchange with the permission of the Reserve Bank of India. In this connection, the following points are clarified :—

- (i) The said Sub-Clause does not cover import of a gift parcel in respect of which the payment is made out of a foreign currency account maintained abroad by the recipient of the gift; and
- (ii) Persons holding foreign currency accounts abroad, which can be operated with the permission of the Reserve Bank of India, can pay out of such funds in respect of goods imported under the said Sub-Clause if otherwise admissible, only with the permission of the Reserve Bank of India.

9. In terms of the Sub-Clause (h) of Savings Clause 11 (1) of the Imports (Control) Order, 1955, executive instructions have been issued to the Customs authorities to exempt the import of the following types of goods from import trade control procedures to the extent mentioned against each.

Bonding of Exposed Cinematographic Films

10. Exposed films imported and allowed to be bonded for preview of censorship or re-export by the Customs authorities.

Imports of Emeralds and other Precious Stones and Diamonds on Approval Basis and Examination of Contents Before Clearance.

11. Emeralds, diamonds and other precious stones imported by sea or air (otherwise than by post) and bonded on arrival for the purposes of inspection. Such quantities of goods as are approved after inspection may be allowed to be cleared against valid import licences.

Note : The aforesaid facility would not be available in the case of imports of emeralds and precious stones by post parcels, as under the Universal Postal Convention, a parcel cannot be split up into two i.e. one part to be retained and the other part to be returned to the sender. The contents of the post parcels can, therefore, either be accepted or rejected in toto. However, the importer or his agent will be given facilities to inspect

the contents of such post parcels under Customs supervision, if the addressee so desires. The inspection will be allowed at the time and date specified by the Customs authority. If the importer does not turn up for inspection at the appointed time and date, the parcel will be returned to the sender. If the importer accepts the parcel, he can secure its clearance against a valid licence and the value of the parcel as a whole will be debited to the licence and the debit once raised against the licence will not be revoked.

Transfer of Ships Stores in Cases where the Vessels Engaged on Foreign Trade are Transferred to Coastal Trade.

12. In cases where the vessels engaged on foreign trade are transferred to coastal trade, the consumable stores on board the ship are allowed to be transferred with the vessel on payment of Customs duty.

Advertisement Blocks

13. Consignment containing advertisement blocks supplied free of charge to newspaper establishments pertaining to the advertisements made by foreign concerns in the Indian Press, provided their c.i.f. value does not exceed Rs. 800/- at any one time.

Food Parcels

14. Food parcel sent from abroad as gifts

Food-stuffs, etc. by Charitable Organisations/Individuals

15. Articles such as food-stuffs, medicines, clothing and blankets which are exempt from Customs duty in terms of Notification No. 84-Customs dated 13-8-1960 (as amended from time to time) received by any charitable organisation or any individual as free gifts from any philanthropic organisation or individuals abroad, for free distribution to the poor and needy without any distinction of caste, creed or colour.

Food-Stuffs etc. and Provisions by Foreign Citizens

16. Food-stuffs and provisions (excluding fruit products, alcohol and tobacco) which are exempt from Customs duty in terms of Notification No. 135-Customs dated 20-6-1966 (as amended from time to time) as in force, by a person residing in India but not being a citizen of India, provided the c.i.f. value in a year does not exceed Rs. 800/- in the case of a person having no dependent relative living with him and Rs. 1,600/- in the case of a person having a dependent relative living with him.

Free Gifts to Indian Red Cross Society

17. Goods received as free gifts by the Indian Red Cross Society from abroad, provided such goods are exempt from Customs duty.

Paintings

18. Children's paintings for the "Shanker's International Competition" for paintings, addressed to the Children's Book Trust, Nehru House, New Delhi.

Samples by Exporters

19. Samples imported by exporters for export promotion against blanket release of foreign exchange granted by the Reserve Bank of India for travel abroad.

Relief Supplies and Packages Under Government Agreements

20. Relief supplies and packages, received as gifts through a Government Agency or any other approved agency covered by an agreement, entered into by the Government of India with a foreign Government—subject to the terms and conditions laid down in the agreement provided they are exempt from Customs duty.

Scientific Equipment

21. Scientific or educational institutions (non-profit making) as may be or have been approved by the Ministry of Education and Social Welfare, New Delhi for the purpose of scientific research or education of non-commercial nature can import, subject to re-export condition, the scientific equipment specified below, provided they are exempt from Customs duty in terms of Notification No. 84/F. 11/75-Customs-5 dated 11-9-1971 (as amended from time to time) :—

- (i) Scientific equipment viz. instruments, apparatus, machines or accessories thereof;
- (ii) Spare parts of scientific equipment referred to in (i) above; and
- (iii) Tools specially designed for the maintenance, checking, gauging or repair of scientific equipment which is used solely for purposes of scientific research or education.

Labels, Price Tags and like Articles for Exports Products

22. (1) Supplies made by foreign buyers of labels, price tags and like articles, to be attached to the goods against specific orders placed by them on Indian exporters, may be allowed clearance, provided the Customs authorities are satisfied with the *bona fides* of the case. This will also cover import of 'hangers' supplied free of charge, to be re-exported with garments.

(2) Registered Exporters of garments, knitwears and made-ups coming from abroad may be allowed, as a part of their baggage, labels upto a maximum value of Rs. 1,000 (cif), without import control restrictions.

Passengers' Baggage

23. Goods other than motor vehicles, etc., imported by a person as passenger baggage are exempt from the necessity of an import licence, subject to certain limitations/conditions, to the extent admissible under the Baggage Rules issued by the Central Board of Excise and Customs from time to time. Only such articles as are considered *bona fide* baggage under the Baggage Rules in force will be given this consideration.

24. The relevant Customs Notification and Public Notice giving the details of the facilities for the import of goods under the Baggage Rules have been reproduced in Appendix I-D. The rules applicable to tourists, crew as well as the Transfer of Residence Rules are also contained in the same Appendix.

Donations to National Defence Fund

25. Articles donated to the National Defence Fund or to the Government of India for use of the Defence personnel, and wool/woollen fabrics and woollen apparel donated to the Indian Red Cross, provided the same are exempt from Customs duty in terms of Customs Notification Nos. 168, 169 and 170-Customs dated 8-11-1972 (as amended from time to time).

Commercial Samples/Advertising Material

26. Commercial samples and advertising material, import of which is exempt from Customs duty under and in accordance with the International Convention drawn up at Geneva on 7-11-1952. Full details can be had from the Collector of Customs concerned.

Gifts of T.V./Tape Recordings, etc. to AIR and Door Darshan

27. Free gifts of T.V./tape recordings, electrical recordings/discs and gramophone records, involving no foreign exchange and having no commercial value to the All India Radio or Door Darshan

United Nations Organisation

28. Imports of goods by officials of the United Nations Organisation and its specialised agencies who are exempt from payment of Customs duty under the United Nations (Privileges and Immunities) Act, 1947, including the import of publications of the United Nations Organisation or its specialised agencies by the agents of the U.N.O. or its specialised agency, as the case may be, at the time of importation.

Exhibits Required for International/National Exhibitions or Fairs.

29. Import of non-consumable goods required in connection with international/national exhibitions or fairs approved by the Trade Fair Authority of India, or the Central Government may be allowed without any import licence or C.C.P. provided the goods in question are re-exported within a period of six months from the date of import into India and a requisite bond and a bank guarantee or an instrument to the satisfaction of the Competent Customs Officer, for the purpose are furnished at the time of clearance of goods to the Customs authorities. The procedure for sale of exhibits, where allowed, has been given in Chapter VIII of this book.

30. Import of consumable items such as printed materials, pamphlets, literature, etc. pertaining to exhibits, will also be exempt from import trade control procedure. In addition to advertising articles, consumable goods may be allowed clearance by Customs upto Rs. 1500/- without the requirement of C.C.P. or an import licence.

Import for Private Exhibitions and Demonstration Purpose with Conditions of Re-export

31. (1) Import of equipment for private exhibition/demonstration purposes will be allowed without any import licence/CCP, provided the goods in question are re-exported within a period of six months from the date of import, and the importer executes a bond and bank guarantee or an instrument to the satisfaction of the Competent Customs Officer for this purpose at the time of clearance of goods through and with the Customs authorities concerned.

(2) If the importer is unable to re-export the goods within the stipulated period of six months, he may apply for extension of such period to the CCI&E, New Delhi. Request for extension may be considered on merits in genuine cases upto a period of six months.

(3) The sale of exhibits, if allowed will be permitted only against a valid import licence within the bond period allowed for export. This facility will also be available to such Actual Users as are to import the same goods under Open General Licence.

Goods as Baggage by Foreign Mountaineering Expedition Teams

32. Goods imported as baggage by the members of Foreign Mountaineering Expedition Teams, provided such goods are —

- (i) exempt from payment of Customs duty; and
- (ii) the importer gives a declaration to the Customs authority at the time of clearance that the non-consumable goods shall be re-exported, when he leaves India.

Note : If the imported goods do not belong to any individual member of the expedition team, but belong to the team as a whole, the declaration referred to in (ii) above may be given by the leader of the team; it will then be his responsibility to see that the goods in question are re-exported by the time he leaves India.

Import of Medical Equipment by Indian Doctors

33. Indian Doctors (medical practitioners) returning from abroad, to set up practice in India may be allowed to import medical equipment, whether new or used, of c.i.f. value not exceeding Rs. one lakh provided (i) the person concerned has been living abroad continuously for a period of not less than two years; (ii) the imported equipment is required for his own professional use in India and (iii) the equipment in question has been purchased out of his foreign exchange earnings abroad. The maximum value limit of Rs. one lakh will not apply in cases where the equipment, in question, has been used abroad by the importer for at least one year prior to his departure to India.

Import of Scientific Instruments/Apparatus by Scientists

34. Highly qualified scientists returning to India for permanent settlement, may be allowed to import

professional scientific instruments or apparatus, whether new or used, without the requirements of any import licence/CCP upto a value not exceeding Rs. one lakh provided :—

- (i) the scientist concerned has been living abroad continuously for a period of not less than 2 years;
- (ii) the imported equipment is required for his own use in India; and
- (iii) the equipment has been purchased out of his own foreign exchange earnings abroad.

The maximum value limit of Rs. one lakh will not apply in cases where the equipment, in question, has been used abroad by the importer for at least one year prior to his departure to India, except that in the case of a computer system, used abroad by the importer for at least one year, the maximum value limit shall be Rs. 10 lakhs C.I.F. (Whether new or old).

For this purpose, highly qualified scientist will be a person who holds a post-graduate degree or its equivalent in science, technology, engineering or medicines from an Indian University or a foreign recognised University and has held a paid job abroad in his field of specialisation for over one year.

35. Where the value of imported medical equipment/apparatus referred to in Paras 33 and 34 above exceeds Rs. one lakh, applications may be made for issue of CCPs to the CCI&E, New Delhi, if the importer is not eligible to the relaxation in the upper value limit as provided for in paras 33 and 34 above. In such cases, CCPs will be issued upto a value of Rs. 1.5 lakh without the need for indigenously clearance.

Re-import of Goods for Removal of Defects and Subsequent Re-export

36. Goods of Indian manufacture exported and received back by the manufacturer from the consignee for repair and re-export.

Imports Under OGL No. 4

37. (1) Open General Licence No. 4, as amended and reproduced in Import-Export Policy permits import of certain goods without licence or Customs Clearance Permit, subject to the conditions laid down therein. This facility is available as follows :—

(i) Customs authorities may allow clearance under OGL No. 4 of permissible samples and advertising matter even if the importer concerned may have to pay for freight and insurance charges, provided the overall value of the samples or advertising matter, including freight and insurance charges, does not exceed the limits indicated in OGL No. 4, in one consignment. In such an event, the Collector of Customs will suitably endorse the relative Bill of entry to enable the importer to secure remittance facilities from the Reserve Bank of India in respect of the freight and insurance charges.

(ii) In certain cases, import of *bona fide* technical and trade samples has to be effected by air freight

parcels to meet urgent requirements whereby the c.i.f. value of the consignment exceeds the limit prescribed in OGL No. 4. In respect of such supplies of *bona fide* technical and trade samples made free of charge, if the foreign supplier also bears the expenses relating to insurance and air freight, the customs authorities may allow clearance provided the import is otherwise covered by OGL No. 4.

(iii) Though OGL No. 4 does not specify any particular types of importers who are eligible to import the samples, it is clarified that only such importers as are connected with the production or commercial sale or distribution of goods are expected to be supplied with free samples/advertising materials by the foreign suppliers. Importers who are not connected with the production or commercial sale or distribution will not be allowed these concessions. However, the Export Promotion Councils and Export Houses holding Export House Certificates issued to them by the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi may be allowed the concession regarding the import of technical and trade samples under OGL No. 4 by the customs authorities.

(iv) A trade sample is intended to promote sale of the concerned item for commercial purposes. A technical sample is required by a manufacturer for improvement/development of the designs of his end-product(s). The customs authorities will not allow an item sought to be imported as a trade sample under OGL No. 4, if the import of such item is not permissible for import under the policy in force at the time of shipment of the item is question. The customs authorities will also not allow an item sought to be imported as a technical sample if the importer is not engaged in the production of that item and is also not in a position to satisfy the customs authorities that his scheme for production of the item, in question, has been approved by the sponsoring authority concerned.

Note :—Import of several consignments of *bona fide* technical and trade samples or advertising matter sent by the same supplier to the same consignee and received by the same mail (although each consignment does not exceed the specified value limits), will tantamount to circumvention of ceiling placed for imports of *bona fide* technical and trade matter or advertising matter in one consignment and will not, therefore, qualify for the concession in OGL.

Import of Erection Tools by Foreign Technicians as Personal Baggage on Re-export Basis

38. (1) Foreign technicians/experts coming to India for study, research or other approved programmes may be allowed clearance, without Customs Clearance Permit, of tools and equipments relevant to their assignment in India, on re-export basis, subject to such undertakings as the customs authorities may require.

(2) Foreign technicians coming to India for erection work may be allowed clearance, without Customs Clearance Permit, of essential erection tools/testing

equipment required for erection work, on re-export basis, subject to such undertakings as the customs authorities may require.

Import of Equipment, Raw-films etc. by Foreign Publicists like Radio, Press, Films, Television Teams and Television Companies.

39. (1) Equipment and raw films imported by foreign TV companies coming to India will be exempted from ITC restrictions provided the visit is sponsored by the Ministry of External Affairs/Ministry of Information and Broadcasting/Department of Tourism, after obtaining clearance from the External Publicity Division of the Ministry of External Affairs and also the Ministry of Home Affairs where necessary. While allowing clearance, the Customs Authorities will obtain an undertaking from the importer, with a bank guarantee or other surety, to the effect that the imported items will be re-exported by the importer while leaving India.

(2) Import of cine-equipment and raw films by foreign film companies, on re-export basis, for shooting of films in India will be treated as exempt from import trade control restrictions, provided the import, in question, has been exempted from Customs duty by the Ministry of Finance (Department of Revenue) and has been cleared either by the Ministry of Information and Broadcasting or by the Ministry of External Affairs (Ex. P.D.).

Imports of Films by National Films Archives of India, Poona

40. Imports of films (i) as gifts (ii) or on loan (iii) or on exchange (iv) or on payment from various foreign countries by the National Film Archives of India and by The Children's Film Society, Bombay, will be allowed without import control restrictions, provided the import is exempted from payment of Customs duty.

Import/Export Licences Without Prejudice to Other Laws

41. An Import or Export licence is issued without prejudice to the operation of other laws to which the goods or the applicant/licence-holder may be subject. This applies also to goods allowed for import/export

on Open General Licences. Every person concerned is under obligation to comply and to continue to comply with all other laws, etc. applicable to his case at all times.

Countries of Import/Export

42. Unless otherwise provided therein, Licences for import and export, including Open General Licences, will be valid for import or export, from and to any country in the world except South Africa & South West Africa.

Breaches of Import/Export Trade Control Regulation

43. The Imports and Exports (Control) Act, 1947 and the Imports (Control) Order, 1955 and the Exports (Control) Order, 1977 now in force, are reproduced in Appendices I-A, I-B and I-C respectively. Importers, exporters and other concerned should carefully read the provisions made in the Act and the respective Orders, any breach of which is punishable under law.

44. The Central Government, in exercise of the powers conferred on it by Section 6 of the Act, has authorised the following officers to make complaints in writing in courts in respect of any offence punishable under Section 5 of the Act :—

(i) Joint Chief Controllers of Imports and Exports, (ii) Deputy Chief Controllers of Imports and Exports, (iii) Customs Collectors and the Officers of Customs under the Customs Act, 1962 (52 of 1962), (iv) Iron and Steel Controller and the Deputy Iron and Steel Controller, (v) Superintendents of Police in the Economic Offences Wing of the Central Bureau of Investigation.

45. Besides the penalties which can be imposed under Imports & Exports (Control) Act, as amended and the Customs Act, 1962, licences issued may be cancelled or otherwise made ineffective under one or the other of the circumstances mentioned in the Imports (Control) Order or Exports (Control) Order, as the case may be.

CHAPTER II

GENERAL LICENSING PROCEDURE

46. This chapter deals with import licensing procedure. The export procedure is given in Chapter No. XXIII. The instructions contained in this book will be subject to the provisions of the relevant import/export policy.

Importers' Code Numbers

47. The system of allotment of Code Numbers to importers has been in force since 1st July, 1982. Every person (whether an individual or firm or Company etc.) importing goods into India will require Code Number, unless specifically exempted by the Chief Controller of Imports & Exports. The Customs authorities will not allow any person to import goods into India unless such person holds a valid Importers Code Number. Therefore, importers are advised to take early steps to obtain the required Code Number. Code Numbers will be allotted by the regional import trade control licensing authorities concerned. The procedure for obtaining Code Numbers is given in Appendix II-A.

Categories of Importers

48. (1) For the purpose of licensing the importers are divided into the following broad categories :—

- (i) Actual Users.
 - (a) Industrial
 - (b) Non-Industrial
- (ii) Registered Exporters i.e., those who import under the import policy for registered exporters.
- (iii) Others.

(2) Applications for licences are considered in terms of the relevant policy in force.

Application Form

49. (1) Applications for licences are required to be made on prescribed forms.

(2) Application forms can be obtained from licensing offices and authorised dealers in Government publications. If the forms are not readily available, the applicants can use their own typed, cyclostyled or printed copies of the prescribed forms.

(3) An applicant should submit one or more copies of the application, as required, under the rules or as indicated in the prescribed application form.

Persons Authorised to Sign Application

50. Every application for an import licence or other document or form under the Imports and Exports (Control) Act, 1947, or the Import (Control) Order, 1955 should be signed by the applicant him-

self or by a person duly/legally authorised by the applicant to do so. The position or nature of such legal authority held by the person signing the application/document/form should be clearly given therein, along with the official stamp of his connected status and his complete residential address. Otherwise such application/document/form will receive no consideration by the licensing authority. These requirements apply equally to applications made to canalising agencies for direct allotment of any canalised item.

Licensing Authorities

51. (1) The designation, areas of jurisdiction and address of the licensing authorities are given in Appendix II-B. Applications should be submitted to these authorities, depending upon the location of the applicant.

(2) Registered Exporters should also apply for import replenishment licences to the respective licensing authorities mentioned in Appendix II-B.

(3) Actual user should apply to the licensing authority under whose jurisdiction the factory of the applicant is located, unless otherwise provided.

(4) Actual Users (Industrial) have the option to submit consolidated applications covering requirements of all their factories located at more than one place. In such cases the requirement of each unit should be separately given in a list appended to the consolidated application, together with separate consumption certificates for each. On the basis of the consolidated application made to the licensing authority within whose jurisdiction the Registered/Head Office is situated, separate licences will be issued, in terms of the policy, to each unit for the value/items admissible to it.

(5) Where a single unit manufactures more than one end-product, the applications should be made end-productwise. For related end-products, however, a single application can be made.

Income-tax Verification

52. (1) Every application for an import licence shall be accompanied by a declaration (in duplicate) regarding the filing of the Income Tax Returns and payment of taxes due by the applicant, in the form given in Appendix II-O. Attention is particularly drawn to the fact that the declaration is in two parts, (A) and (B) and the applicant should ensure that the part not applicable to him is clearly struck off.

(2) All Public Sector Undertakings, Central or State (exempted by the Ministry of Finance from production of Income Tax Verification Certificates) will be exempt from filing the Income Tax declaration referred to in sub-para (1).

(3) Applicants in the private sector who have been exempted from production of Income Tax Verification Certificates under the Pilot Scheme introduced by the Ministry of Finance, will also not be required to file the Income Tax declaration referred to in sub-para (1) above.

Application Fees

53. (1) The scale of fees payable for different types of import applications, including those for Customs Clearance Permits, is given in the Schedule III to the Imports (Control) Order, 1955 vide—Appendix I-B. Every application form should be accompanied by a valid Bank Receipt/Demand Draft evidencing the payment of the prescribed fee. If the applicant is exempt from such payment of fee under Imports (Control) Order, 1955 this should be clearly brought out in the application itself.

(2) The procedure for payment of fees is given in Appendix II-C.

(3) No fees need be paid by an applicant seeking direct allotment of a canalised item, under the policy, from a canalising agency.

(4) The procedure to be followed for claiming refund of application fee once deposited, if admissible, is given in Appendix II-C.

Last Date(s) for filing Applications

54. (1) The last date for receipt of applications, by the concerned sponsoring authorities, from Actual Users (Industrial as well as Non-Industrial), for Supplementary licences, shall be *15th December of the licensing year to which the application pertains*. Further, the last date for receipt of these applications for Supplementary licences, by the concerned licensing authority, duly recommended by the sponsoring authority, shall be *31st January of the licensing year to which the application pertains*. However, in the case of new/proposed units, the last date for receipt of applications for supplementary licences, by the concerned licensing authority, duly recommended by the respective sponsoring authorities, shall be the last day of February of the licensing year to which the application pertains.

(2) There will be no last date, within the licensing period concerned, or submission of applications for :
(i) Import Replenishment licences including Advance/Special Imprest/Imprest licences, Pass Book as per the provisions of Chapter XV of Imports & Export Policy, 1985—88, (Volume-I) and Additional licences, under the import policy for Registered Exporters; (ii) import of goods under the Empowered Committee procedure, vide para 40 of Imports & Export Policy, 1985—88, (Volume-I); (iii) licences under para 127 (15) appearing in Chapter-VII of Imports & Export Policy, 1985—88 (Volume-I); (iv) import by individuals of articles meant for their personal use; and (v) Emergency licences for spares.

(3) The last date for receipt of all other import applications by the concerned licensing authority shall be the last day of February of the licensing year to which the application pertains, unless any specific date is indicated, to the contrary.

55. Applications received after the prescribed last date(s) indicated in sub-paras (1) and (3) of Para 54 above, shall be rejected and no refund of fees is permissible in such cases.

Deficient Applications

56. Import applications which are not (i) in the prescribed form; (ii) accompanied by Bank Receipt/Demand Draft for the requisite application fee; (iii) accompanied by the necessary documents; (iv) accompanied by necessary documents setting out the authority of the person signing it; (v) received after the last date prescribed in the Policy or (vi) accompanied by properly executed Income-tax Declaration are liable to be rejected. Applicants are expected to complete all columns in the application form truly and properly. They may take the help of the Counter Assistance System to make sure that all these requirements are met.

Currency Areas

57. Import licences of the following two types are issued :—

- (i) "General Currency Area Licences" which are valid for import from all countries except those from which import is prohibited; and
- (ii) "Specific licences" which are valid for import from specified country or countries.

Licensing Period

58. Import & Export Policy has been announced for three years. However, the "licensing period" will continue to be from April to March.

Classification of Items

59. (1) The Schedule I to the Imports (Control) Order, 1955, reproduced in Appendix I-B to this Book, commonly known as the I.T.C. Schedule, contains the classification of all the articles that enter into the import trade.

(2) With effect from 1st April, 1976 the Schedule-I to the Imports (Control) Order, 1955 reproduced in Appendix I-B to this Book has been revised in alignment with the First Schedule of the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975). The Revised ITC Schedule contains 21 Sections sub-divided into 99 Chapters.

(3) There is now a complete co-relation between ITC classification and ICT classification. Both these are based on BTN Classification. (Brussels Trade Nomenclature).

Licence Issued in Duplicate

60. Import licences are generally issued in duplicate. One of the copies known as the Customs Purposes copy is to be presented by the importer along with the bills of entry, to the Customs authorities for obtaining clearance of the goods imported. The other i.e., the Exchange Control copy is to be presented

by the importer to the Bank for the purpose of opening a letter of credit or making remittance of foreign exchange. Where no remittance of foreign exchange is involved, the exchange control copy of the licence is not issued.

Banks as Joint Holders of Licences

61. (1) When an importer opens an irrevocable letter of credit through a bank and later fails to honour his bills, the bank concerned, which is committed for the payment of the exchange to the foreign suppliers, finds itself in difficulty to import as it is not the licence holder. As a safeguard against this contingency, the exchange bank or authorised dealer through whom the letter of credit is opened is considered as a joint holder of the licence to the extent of the goods covered by the credit which would thus enable the bank to honour its commitments with foreign supplier. The procedure in this respect is contained in Appendix II-D.

(2) In the types of cases referred to in sub-para (1) of this paragraph and also in cases where the goods are pledged with a Bank or a State Finance Corporation and the borrower does not meet his obligation, the imported goods lying with the Bank or the State Finance Corporation, as the case may be, will be dealt with in accordance with the provisions of Clause 10-C of the Imports (Control) Order, 1955, as amended. In such cases, sale of goods to Actual Users or S.T.C./M.M.T.C./State Small Industries Corporation, or any other similar agency, may also be effected in terms of the procedure laid down in this book.

Procedure for Raising Debit to the Value of Licences

62. Detailed procedure for raising debit to the value of import licences in respect of Capital Goods, raw materials, components, spares etc. is given in Appendix II-Q.

Periods of Validity of Import Licences

63. The Import-Export Policy sets down the periods of validity applicable to the different categories of licences granted thereunder. Unless otherwise provided the validity period of an import licence will be 18 months.

64. In the case of import licences (for items other than Capital Goods) granted under various Commodity Assistance Programmes or Rupee Payment Arrangements also the period of validity will be 18 months, subject to the condition that the validity does not exceed the terminal date of the relevant credit.

65. The initial period of validity of C. G. licences other than those against tied credit or foreign aid will be 24 months. In the case of CG licences issued against a "tied credit/foreign aid", the period of validity will be 24 months or the terminal date of the relevant "credit or aid", whichever is earlier.

66. Import licences for Capital Goods will be subject to the condition that a firm order is placed on the overseas supplier within 6 months from the date of issue of such a licence or the period indicated in the

licence for the purpose. If the licence holder fails to place a firm order or the overseas supplier has not accepted the order within this period, a request for extending the period for placement of order may be considered, on merits, by the licensing authority. This will also apply to Capital Goods permitted for import under the policy for Registered Exporters.

67. The period of validity of licences issued to fulfil DGS&D, Railway and Defence contracts will be in accordance with the connected recommendations. However, the validity period in such cases also will not exceed 24 months for Capital Goods and 18 months for import of raw materials, etc.

68. The validity period of a Customs Clearance Permit will be 9 months.

69. The period of validity of an emergency licence will be 12 months.

70. (1) The validity period of a Release Order will be 12 months from the date of its issue.

(2) This provision will also apply to Release Orders issued on indigenous producers or for obtaining materials from Export House under the IRMAC scheme.

71. The period of validity of licence issued for diesel generating sets will be 18 months.

72. No grace period for shipment of goods over and above the validity period prescribed will be admissible.

73. No revalidation of import licences or emergency licences or CCP will be allowed. However, in case Capital Goods licence could not be utilised within the validity period, requests for extension of the period of shipment upto a maximum period of 12 months beyond the period set down in the licence, may be considered, on merits, by the licensing authority having regard to the period of delivery of the Capital Goods as contracted for by the overseas suppliers (in the case of licences issued against tied credits or aids however, the terminal date will be kept in view while considering such requests for revalidation).

Date of Shipment/Despatch

74. The period of validity means the period of shipment/despatch permissible for the goods concerned.

75. In the case of shipments made by sea, this will be the date on the Bill of Lading.

76. In the case of imports by air, the date of the relevant Consignment Note will be normally taken as the date of despatch, provided this represents the date on which the goods left the last airport in the country from which the import is effected. It will be open to the Customs authorities to seek further information to satisfy themselves in this regard.

77. In the case of post parcels, the date stamp of the Office of Despatch on the packet or the Despatch Note is taken to be the date of despatch.

78. In the case of imports from land-locked countries, the date of despatch of the goods by rail, road or other recognised mode of transport to the consignee in India on through consignment basis, will be taken to be the date of shipment. (This will also be applicable to cross border certificates issued by the German Democratic Republic in respect of imports made from that country).

NOTE :—A "Through Bill of Lading" tallying in all material particulars and giving evidence of no undue delay by halts or break of journey will normally constitute sufficient proof of a 'through consignment'.

Validity of Import Licences to Cover Imports

79. (1) The validity of an import licence is decided with reference to the date of actual shipment/despatch of the goods from the supplying country and not the date of arrival of the goods at an Indian port.

(2) Where the date of expiry of an import licence falls before the last date of a month, the licence will automatically be valid up to the end of that month. Also, in calculating the period of validity of a licence the date of issue of the licences is excluded. For instance, if a licence is issued on 10th November, 1984 and it is valid for 12 months, it will normally expire on 10th November, 1985 but in accordance with the provisions of this paragraph, such licence will be treated as valid upto 30th November, 1985.

80. On certain occasions such as dockyard strike in the country of shipment when the importers face genuine difficulties and the goods cannot be shipped in time, the CCI&E may, by a general authorisation extend the period of validity of any licence on an ad-hoc basis for a specific period. Such extension, where granted, will not be available for opening any letter of credit or placing orders for the supply of goods during such extension.

Port of Registration

81. Every import licence granted under the Import-Export Policy will, unless specified otherwise, be valid for import of the goods through any of the Customs Ports (including Air Customs) in India. No endorsement would be made or is necessary to such effect. Hence, each licence-holder is advised to get his licence registered in accordance with the Customs Act, 1962 and the rules and procedures thereunder, with the appropriate Customs authority of the port through which he intends to effect import.

Split-up Licences

82. (1) The licensing authorities may consider requests for issue of 'split-up' licences against a main licence, for clearance of goods at different customs ports, or for part transfer of REP licences. The licensee should give adequate justification in support of his request for 'split-up' licences. The request for 'split-up' licences will be entertained only prior to registration of the main licence at the customs port. (For clearance of goods through different sections of the same custom

house, the licensee can obtain subsidiary licence under para 83 below).

(2) While issuing 'split-up' licences, the value of the main licence will be correspondingly reduced. The 'split-up' licences will have the same period of validity as the main licence.

(3) In the case of Additional licences issued to Export Houses/Trading Houses while issuing 'split-up' licences, the licensing authority will endorse the main licence as also each 'split-up' licence as under :—

'The licensee shall ensure that total import of a single item against the main licence and the 'split-up' licences put together, shall not exceed the maximum value limit laid down, and shall subscribe a declaration to this effect on the relevant Bill of Entry'.

Alternatively it will be open to the licensee to divide the maximum value limit permissible for each item amongst the main Additional licence and its 'split-up' licences, as long as the total value allowed for import in respect of that item does not exceed the maximum item-wise value permissible under the policy.

(4) Requests for the grant of 'split-up' licences may also be entertained in respect of REP licences (other than Additional licences) provided :—

- (i) The value of a 'split-up' licence asked for is not less than Rs. 5 lakhs and, at the same time, the balance value left in the main licence is also not less than Rs. 5 lakhs; and
- (ii) Where the main licence is valid for import of an item subject to both, percentage value limit as well as the overall maximum value limit, the main licence and also the 'split-up' licence will, apart from the percentage value limit, bear the proportionate specific maximum value limit also, so that the 'split-up' licences do not result in the item-wise value exceeding the permissible limits.

(5) Request for issue of a 'split-up' licence may also be considered in cases where REP licence holder intends to transfer a part of the REP licence and to utilise the remaining part with 'Actual User' condition. In such cases, not more than one 'split-up' licence will be issued against a main licence, except in cases covered by sub-para 4 above.

(6) Applications for 'split-up' licences should be accompanied by bank receipt/bank Draft showing the payment of prescribed application fees of Rs. 25 for each 'split-up' licence.

Subsidiary Licences

83 (1) In order to facilitate the clearance of goods through different sections of the same Customs House, the licensing authorities at the ports will consider requests for the issue of subsidiary licences against an existing licence. The requests for issue of subsidiary licence can be made to any Port Licensing Authority. Such requests will also be entertained by the regional licensing authorities in respect of licences issued from the Headquarters office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi.

(2) *Subsidiary licences for clearance of goods at air ports*—Requests for issue of subsidiary licences will also be considered for the clearance of goods through the Customs authorities at the airports.

(3) *Applications for subsidiary licences*.—The following points should be borne in mind by the applicant while applying for subsidiary licences :—

- (i) Applications for subsidiary licences should be made sufficiently in advance of the despatch/shipment of goods from the supplying country. A licensing authority may, however, consider an application for the grant of a subsidiary licence after the expiry of the main licence only to enable the licensee to clear goods shipped within the validity period of the main licence.
- (ii) The facility of the grant of subsidiary licences will be given irrespective of the value of the original licence.
- (iii) Subsidiary licences, where granted will be subject to face value restrictions or any other conditions applicable to the main licence. It is open to the importers to apply for and obtain separate subsidiary licence specifically valid for the items with face value restrictions upto the permissible limits. These licences showing the value of restricted items permissible against the main or original licence will also be valid for import of non-restricted items.
- (iv) The applications for subsidiary licences should also be accompanied by bank receipt/bank draft showing the payment of the prescribed application fees of Rs. 25/- for each subsidiary licence.
- (v) Subsidiary licence will have the same period of validity as the main licence. The revalidation, if any, granted in respect of the main or original licence will also apply to the subsidiary licence. For facility of clearance, the licensing authorities will indicate the period of validity on the subsidiary licence.
- (vi) The number and date of the main licence will be endorsed on the subsidiary licence for facility of reference and check.

While issuing a subsidiary licence, the licensing authority will make a suitable endorsement on the main licence (both customs and exchange control copies) making it invalid for clearance of goods and for remittance to the extent of the value/items of the subsidiary licence. It will be open to the licensing authority to issue subsidiary licence only of the Customs copy, and not of the exchange control copy of the main licence.

Replacement Licences

84. (1) Goods imported in replacement of those previously imported which have been found to be defective or otherwise unfit for use, or have been lost or

damaged after import, would be allowed to be cleared under Open General Licence No. 4 provided the conditions stipulated under the said OGL are fulfilled. In respect of such replacement imports, the shipment should be made within 24 months from the date of clearance of the previously imported goods through the Customs or within the guarantee period in the case of machines or parts thereof. Cases, where shipments for replacement have not been made within 24 months will not normally be considered. However, in cases of genuine hardship, for reasons beyond the control of the applicants, the licensing authority may consider such requests on the merit of each case. In such cases, the applicants should produce the same documents as have been laid down for import under OGL No. 4, and should give reasons for which import could not be made under OGL No. 4.

(2) In cases, where the goods have been found short-shipped, short-landed or lost in transit prior to actual import and are detected as such at the time of clearance through the customs, no fresh licence will be issued to cover the goods, in cases in which the import licence against which import was made is still valid. In such cases, replacement imports in lieu of the goods short-shipped, short-landed or lost in transit can be made on the strength of the certificate issued by the Customs authorities. In other cases, a fresh licence will be issued by the concerned licensing authority on production of documentary evidence about the goods short-shipped, short-landed or lost in transit as the case may be.

(3) In the cases not covered by sub-para (1) and (2) above licensing authority may consider, on merits, applications for issue of replacement licences. Such applications may be made in the form relevant to the category of the applicant concerned.

Duplicate Copies of Import/Export Licences/Customs Clearance Permits/Release Orders

85. Where a Licence (including an Advance/Imprest licence), Customs Clearance Permit or Release Order is lost or misplaced, an application for grant of duplicate copy thereof will be considered only if the licensing authority concerned is satisfied about the *bona fides* of the request.

86. Such application should be made to the licensing authority who issued the original Licence/Release Orders together with declaration about the port at which it had been registered by the licence holder. Such application should be accompanied by Bank Receipt/Demand Draft of Rs. 25/- towards application fee and an affidavit on a stamp paper in the form prescribed in Appendix II-E, duly sworn in before an appropriate Judicial authority.

87. The duplicate copy of the Licence/Release Order will be marked 'Duplicate' (on both the customs and the exchange control copies in the case of import licences) and endorsed by the issuing authority, in block letters as follows :—

"The Licence/Customs Clearance Permit/Release Order has been issued in lieu of Licence/Customs Clearance Permit/Release Order, No. _____"

dated since cancelled to the extent of full value or partly utilised value of Rs".

88. Intimation about the issue of duplicate copy of the licence will be sent by the licensing authority to the Customs authority where the original licence has been registered. In cases, where the licence has been lost before registering with the Customs authority, the intimation will be sent to all the Customs authorities. The order of cancellation of the original licence will be published in the Gazette of India.

In the case of Release Order, intimation about the issue of duplicate Release Order will be sent to the canalising agency concerned.

89. No duplicate licence will be granted in respect of freely transferable REP licences issued against exports made on or after 1-4-1978. However, the licensing authority may, in such cases, entertain applications for the grant of duplicate licences in cases where the original licence has been lost or misplaced in the Import & Export Trade Control Organisation. Such applications will be decided at a level not below that of a Joint Chief Controller of Imports & Exports (in the case of offices headed by Deputy Chief Controllers, the approval of the Joint Chief Controller in the concerned region will be obtained).

Imports Through Air India/Indian Airlines

90. (1) The procedure for debiting the amount of air freight to import licences where imports take place through Air India/Indian Airlines, is given in Appendix II-F.

(2) These provisions will also apply to imports made through Indian Vessels.

Payment to Suppliers

91. (1) When goods are to be imported under an Open General Licence, authorised dealers in foreign exchange have been permitted to open letters of credit or make remittances to cover the imports on their being satisfied that the goods ordered are covered by the Open General Licence.

(2) With regard to goods not covered by an Open General Licence, no letters of credit can be opened or remittances of foreign exchange made unless the importer is in possession of a valid import licence with exchange control copy. When applying to an authorised dealer in foreign exchange for remittance of foreign exchange, the licence holder should produce before him the copy of the licence marked 'for exchange control purposes'.

(3) It should be noted that in opening any letter of credit, the date of expiry of the O.G.L. or the valid licence should be kept in view for determining the period for which the letter of credit should be kept open for negotiation.

No Remittances in Advance of the Receipt of the Shipping Documents

92. It may be noted that whereas letter of credit can be opened on the basis of the exchange control

copy of the licence in advance of the shipment/despatch of goods, remittances can be made only on receipt of shipping documents. In the case of licences for Capital Goods and Heavy Electrical Plant, however, a part payment may be authorised by the Reserve Bank of India as an earnest money payable to the foreign suppliers.

93. (1) The value shown in an import licence is always the c.i.f. price of the goods to be imported, and it includes commission allowed by the supplier/manufacturer to the importer or agent. The value debitable to an import licence, for Customs purposes will be the c.i.f. value of goods imported as assessed by the Customs authorities. The remittance against goods covered by the import licence would however, be governed by the Exchange Control Regulations and it will exclude commission, discount or like rebates allowed by the foreign suppliers/manufacturer to the importer/agent. Therefore, the licensing authority will specially endorse a condition on the licence to the effect that payment authorised to be made against it shall not cover commission, discount or like rebates allowed by foreign supplier/manufacturer to the importers/agents in India.

NOTE: The c.i.f. value of the goods also includes stevedoring charges, as it forms a part of the freight and such charges are debitable to the licence.

(2) The c.i.f. value cannot also be used to the full extent if the stores are shipped f.o.b. In such an event, a margin has to be left to cover the cost of insurance and freight to be paid for in rupees. When either the freight or insurance is paid in rupees in India, the amounts will be deducted from the value of the licence by the authorised dealer in foreign exchange.

Provisional Debiting of Import Licences by Customs Houses

94. Import licences are sometimes debited with 'Loaded values' of the imported goods by Customs Houses on a provisional basis. On subsequent verification or on appeal, the quantum of loading is sometimes reduced after several licensing periods. Revalidation of a licence on account of reduction in the "loaded value" will not be granted.

Re-import of Goods after Repairs Abroad

95. In case of goods which are not covered by savings (1) (j) of Clause 11 of the Imports (Control) Order, 1955 and OGL No. 4 as given in Appendix 7 of Imports & Export Policy (Vol. I) 1985-88 and which are exported for repairs and subsequent return, the importer should secure an import licence in advance and the goods for repairs should be exported only after obtaining the licence for their re-import, from the licensing authority concerned. Where the re-import of articles after repairs involves foreign exchange, the amount to be remitted towards the cost of repairs, freight and insurance be indicated in the applications for licence.

The above provisions will also apply to items of Indian origin sent abroad for repairs etc. But in such

cases a certificate from DGTD would be necessary to the effect that the goods in question cannot be repaired in India.

NOTE. In the case of accredited foreign correspondents, such requests for repairs of professional equipment will be considered on the recommendations of the Press Information Bureau.

Import of Disposal, Second-hand or Re-conditioned goods

96. (1) In terms of the Import (Control) Order, 1955, dated the 7th December, 1955, as amended, it is a condition of every licence that the goods for the import of which the licence is granted, shall be new goods, other than disposal goods, unless otherwise stated in the licence. Disposal goods, even if new will not be treated as new goods.

(2) Requests for import of disposal or second-hand or reconditioned goods shall not be entertained except with the prior approval of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi. For import of re-conditioned second-hand Capital Goods, however, the procedure laid down in Chapter III of this Book will be applicable.

Change in the Name, Constitution or Ownership of Actual User Business

97. Approval of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi, is not necessary for effecting a change in the name, constitution or ownership of licence holder so long as the legal obligations and liabilities of the transferor are fully and individually taken over by the transferee.

98. Where the change of name results in no change in the business/activities or the identity of licence holder i.e. in effect there is no transfer of property involved, the licence holder (in his new name) should apply to the licensing authority which has issued the licence, for necessary amendment of any current licence. Such request should be made through the sponsoring authority.

99. In his first application for a licence made after the date of change, it should be expressly brought out that there has been a change in name without any change in the ownership or constitution of his manufacturing business. If in terms of the import policy in force, such application is required to be made direct to the licensing authority, and not through the sponsoring authority concerned, the Actual User should produce with his application a certificate of the sponsoring authority to the effect that the registration with the sponsoring Authority in the original name has been amended accordingly.

100. Where there is a change in the ownership or constitution (including a change by division) of an Actual User's business, with or without a change in the name of the business the following provisions will apply :—

(i) If the original owner has had imported machinery or any other imported goods in

the industrial unit concerned, he should obtain the prior permission of the sponsoring authority concerned for transfer of the business in favour of the new owner or the reconstituted concern, as the case may be. The intimation about the change should also be sent by the original owner to the licensing authority concerned. In cases where there is a change in the constitution of business by admission or retirement or death of a partner and the reconstituted firm takes over the business as a whole without any change in its name or address, the prior permission of the sponsoring authority will not be necessary. The original firm should only send an intimation about the change to the licensing and the sponsoring authorities concerned.

(ii) In the event of change referred to in (i) above, the original owner should transfer in favour of the new owner or the reconstituted concern, as the case may be, all the machinery and other material imported for use in the unit sought to be transferred.

(iii) Where an import licence had been issued to the original owner, and before the importation of the goods against the said licence, the change in ownership or constitution takes place, the original and the new owner of the business should make a joint application to the licensing authority, which had issued the licence, for permission to transfer the licence in favour of the new owner or the reconstituted concern, as the case may be, in terms of the Imports (Control) Order, 1955. The application should be made through the sponsoring authority of the new owner and it should be expressly stated in the application whether the approval of the sponsoring authority appropriate to the original owner has been obtained in regard to the transfer of business as stated in sub-clause (i) above.

(iv) If there is no unutilised licence in hand at the time of change, the new owner or the reconstituted concern as the case may be, should in the first application for a licence made after the date of change expressly indicate that there has been a change in the ownership or constitution of the business. If in terms of the Import-Export Policy in force, such applications are required to be made direct to the licensing authority and not through the sponsoring authority concerned, an evidence should, wherever necessary, be produced with the application to the effect that prior approval of the sponsoring authority of the original owner has been obtained, in regard to the change in ownership or constitution and new owner has been duly registered with the sponsoring authority concerned.

101. Where an Actual User transfers only a part of the factory or imported machinery or where any other

imported materials are proposed to be sold by an Actual User, without selling his business or factory for which the goods in question were imported; or where an Actual User sells his factory/manufacturing business, but the purchaser is not acquiring the imported raw materials, components, consumables or spares belonging to the industrial unit concerned and the Actual User has to sell such materials to another party, such sales will be governed by the procedure otherwise laid down in this Chapter and by Clause 10-C of the Imports (Control) Order, 1955.

102. Application for transfer of licences as above made on the recommendations of the sponsoring authority will be considered by a licensing authority only in cases where the transferee is not debarred or suspended or in abeyance from receiving licences under the Imports (Control) Order, 1955. In the same manner, a sponsoring authority will consider requests for transfer of business only in cases where both the transferor and the transferee are not debarred or suspended or in abeyance from receiving licences under the Import (Control) Order, 1955.

103. The above provisions will equally apply to import licences issued to Registered Exporters, except in respect of REP licences issued under the Import Policy, 1978-79, if they are freely transferable.

Transfer/Loaning of Imported Goods

104. Where an Actual User is unable to utilise the imported goods for the purpose for which he secured the goods or the imported material is surplus to his needs, he may transfer or loan such imported material to another Actual User with the written permission of the sponsoring authority concerned, provided both the buyer and the seller (lender and loanee) Actual Users are under the jurisdiction of the same sponsoring authority.

105. Where the respective sponsoring authorities are different, but the contracting Actual Users are situated in the same State or Union Territory, the (State) Director of Industries may grant the permission in writing for transfer/loan of the imported material and also monitor it thereafter. He will also inform the sponsoring authorities concerned *ex-post-facto*.

106. In other cases, prior written permission of the licensing authority is mandatory. After agreeing upon the terms of the transfer, the two Actual Users i.e. the buyer and the seller, should apply through the sponsoring authority of the buyer actual user.

107. The above provisions will be equally applicable to material imported under Open General Licence or obtained from a Canalising Agency.

Disposal of Imported Goods by Scheduled Banks

108. The procedure as laid down in para 113 will apply to the disposal of goods lying with a scheduled Bank in a case where (a) it has cleared the goods from the customs as the joint holder of a licence against which the goods had been imported or (b) the goods imported had been pledged with the bank by the licence holder and the licence holder is not in a

position to take over the goods in question, provided the bank has acquired a legal right to the sale.

109. In case the STC/MMTC or any other similar agency is not willing to purchase the imported goods from the bank and the bank has not been able to find out any Actual User willing to purchase such goods, through the sponsoring authority or through suitable advertisement in the newspaper of repute, the bank can approach the concerned licensing authority for permission to auction the goods, provided the licence holder agrees to the sale or the bank has otherwise the legal right to sell the goods under the valid contractual terms.

Disposal of Goods by Public Sector Agencies Including State (Small) Industries Development Corporations

110. Wherever a public sector agency had imported the goods on behalf of certain Actual Users and these Actual Users failed to lift the material, it can sell the imported material to another Actual User, without the permission of the licensing authority, but intimation of such sale should be sent to the licensing authority within 30 days from the date of the sale.

Transfer of Goods by Public Sector Industrial Undertakings

111. Industrial undertakings in the public sector may transfer the imported raw material, components, consumables or spares to another eligible Actual User in the public or private sector. The unit which effects the transfer should, within 30 days from the date of such transfer, send by Registered Post, the particulars of such transfer to the sponsoring authority as well as the licensing authority concerned. In cases not covered by the above provisions, prior written permission of the licensing authority is mandatory.

112. However, public sector industrial undertakings may dispose of imported spares to other than actual users provided all possible efforts have been made by them to dispose them off to actual users, subject to the production of a certificate by the Chief Executive of the undertaking to the effect that the project for which those spares were imported has already been completed and the same are not required for any other work or project for a period of next five years. In such cases, prior approval of the administrative Ministry concerned shall be necessary. The unit which effects the transfer shall inform the particulars of such transfers to the sponsoring and licensing authorities in the manner as laid down in Para 111 above.

Transfer of Imported Goods to a Public Sector Agency

113. No permission is required either of the sponsoring authority or the licensing authority for the transfer of imported material to a public sector agency or a State (Small) Industries Development Corporation. The Actual Users shall only give an intimation by Registered Post of such transfer to the sponsoring authority and the licensing authority concerned, within a period of 30 days.

Transfer of Capital Goods

114. (1) No permission of the licensing authority will be necessary for the transfer of imported Capital Goods, including spares, accessories (or attachment) thereof in favour of actual user only after a period of ten years has elapsed from the date of their import. An intimation should, however, be sent by Registered Post to the sponsoring authority as well as the licensing authority concerned within 30 days of the sale. It will be for the buyer to ensure that, by purchasing the goods in question he will not exceed the licensed/authorised capacity.

(2) Cases pertaining to the transfer of capital goods not covered by sub-para (1) above will be governed by the provision made in paras 104—113 above.

Transfer of Goods Imported into Free Trade Zone

115. Procedure for transfer/loaning of goods imported into Free Trade Zones are given in Appendix 15 to Import & Export Policy, 1985—88 (Vol. I).

General

116. (1) In all the above cases, the buyer and the seller Actual Users should settle the price of sale of the imported raw materials/Capital Goods etc.

(2) In all cases where the loan/transfer takes place, both the buyer and the seller Actual User should enter the particulars, including the quantity of material so transferred/procured in the registers maintained for receipt and consumption of stock of imported material as prescribed in Appendix V-C.

(3) The value of the imported material bought by an Actual User will not be debited to his existing licence if any/normal entitlement.

(4) In the case of loaning/transfer of newsprint, the provisions of the Newsprint (Control) Order shall be applicable.

(5) The provisions made in paras 104—115 above will apply to imported goods which are damaged in fire or otherwise rendered unfit for use.

Scheme for Imports through Association of Industry / Public Sector Corporations and Export Houses / Trading Houses

117. (1) A public sector corporation, Cooperative Societies, Associations of industry and recognised Export-Houses/Trading Houses will be allowed to provide assistance to small scale units in meeting their import requirements of raw materials, components, consumables and spares. They can obtain consolidated import licences on behalf of such units, for import and distribution of the material to the units concerned, subject to the provisions laid down hereunder :—

- (i) Under this scheme, the agency concerned (i.e. an Association, Cooperative Society, Public Sector Corporation, Export House/Trading House) will make consolidated applications in respect of units situated in the same State and engaged in the same industry, requiring substantially the same items of

import. Applications will be made to the regional licensing authority under whose jurisdiction the industrial units are situated. Separate applications should be made for units in each State/Union territory.

- (ii) In the case of Associations and Cooperative Societies, applications will be entertained only from those which have been recognised by the concerned State Director of Industry for this purpose.
- (iii) Application should be made in the form "M" appearing in Appendix II-G. It should be accompanied by a statement giving the particulars of the units concerned, their name and address (including factory address), the number and date of SSI registration, the end-products manufactured, the value applied for item-wise in each case, and the respective aggregate values. There should also be a declaration of each unit concerned to the effect that the material imported shall be used in its own factory as per "Actual User" condition. For supplementary licences, the agency should apply through the sponsoring authority concerned with all the above particulars, except that, instead of the consumption certificate, a note giving the justification for supplementary licence should be given for each unit.
- (iv) Application fees payable of such consolidated applications will be calculated in relation to the aggregate value applied for.
- (v) Under this scheme, 'new' or 'proposed' units will not be covered.
- (vi) Import licences will be issued in the name of the applicant agency concerned, with a list of items allowed for import and the value and/or quantity for each item, the limiting factor being the over-all value of the licence.
- (vii) Import licence shall be subject to the condition that the agency shall distribute the imported material to the units concerned, on whose behalf it has obtained the licence, and report the distribution to the licensing authority and the sponsoring authority concerned.

(2) This scheme will also apply for obtaining allotments of canalised items covered by "direct" allotment scheme. For further details, the agencies should contact the canalising agency concerned.

(3) This scheme will also apply for meeting the requirements of cottage sector units or individual users such as fishermen/farmers etc. through their recognised Associations or Public Sector Corporations only.

(4) Any licence granted/direct allotment made as above is subject to the condition that the materials so secured shall be distributed by the agency to the Actual Users (Industrial) on whose behalf the application for a licence/direct allotment had been made;

in turn, every small scale unit participating in the said licence or allotment, shall individually be subject to the Actual User condition, as if the licence/direct allotment had been granted in its own name and favour.

(5) Import of spares of motor vehicles/agricultural tractors has been allowed under Open General Licence to persons owning imported motor vehicles or agricultural tractors, as the case may be, upto a c.i.f. value of Rs. 5000/- per vehicle/tractor, in a financial year for their own use, subject to the conditions stipulated in the Open General Licence. This facility can also be availed of by registered Associations/Co-operative Societies having owners of imported motor vehicles or agricultural tractors as their members, for import of spare parts of motor vehicles and agricultural tractors on behalf of their members. At the time of clearance of the imported goods and at the time of remittance towards imports, the concerned Associations/Co-operative Societies shall produce the following documents to the Customs authorities/foreign exchange dealers :—

- (a) A list of the members on whose behalf the import has been made, giving (i) the name and address of the member, (ii) make of the imported motor vehicle/tractor owned by the member, (iii) No. and date of registration certificate of the vehicle/tractor, (iv) the date upto which the registration certificate is valid and (v) the c.i.f. value of spares imported for the member concerned.
- (b) A declaration from each member duly countersigned by the Association/Co-operative Society, to the effect that the member has made upto-date payment of taxes under the Motor Vehicles Act, 1939 and that the c.i.f. value of such goods already imported and proposed to be imported during the same financial year for the same motor vehicle or agricultural tractor, does not exceed Rs. 5,000/-. In the declaration the member concerned should also state that he has authorised the Association/Co-operative Society concerned to effect imports on his behalf.
- (c) The current valid certificate of registration of the concerned Association or Co-operative Society under the relevant statute.

It shall be a condition that the imported spares shall be supplied by the importing Association/Co-operative Society to the individual members for whom the import is made. The Association/Co-operative Society shall keep an account (in the form of a register) of all such imports and distribution and it shall be available for inspection by the licensing authority or any other authority concerned in this behalf at all times. The Actual User condition shall, however, apply in all such cases, as if the imports had been made by the individual members on their own volition directly.

(6) Import of spares for tractors under sub-para (5) above may also be undertaken by State Agro-Industries Corporation, on behalf of individual tractor

owners in their respective States. In their case, however, the detailed procedure outlined in sub-para (5) above will not apply. Instead, they will declare in the relevant Bill of Entry, or any other documents prescribed by rules that "the spares have been imported on behalf of individual owners of imported tractors situated in (name of State/Union Territory to be given), under the provisions of the import policy in force." It will be the responsibility of the Corporation to ensure that the individual tractor owners who obtain supplies through them do not separately import themselves directly or through Associations/Cooperative Societies referred to in sub-para (5) above, during the same licensing period and are not defaulters in payment of taxes under Motor Vehicles Act.

(7) Import of agricultural machinery and spare parts may be made by the State Agro-Industries Corporation for distribution to eligible actual users. Import application will be considered by the CCI&E, New Delhi, on the basis of recommendation made by the State Government and subject to indigenous clearance. Such applications will be considered by the Co-ordination Committee referred to in Chapter XII of Import & Export Policy 1985—88, (Vol. I).

Import Through Agents

118. (1) In the Import Policy in force since 1978-79 no special provision has been made for the licensing authority to issue a Letter of Authority, authorising another person to import goods against a licence on behalf of the licence holder. The licence holder is hereby given the authority to appoint another person as his agent for arranging the imports permitted by the licence. The licence should, however, continue to be in the name of licence-holder and the other provisions of the Imports (Control) Order, 1955, in regard to the duties and obligations of the licence-holder or Letter of Authority holder will continue to apply respectively to the persons concerned. Subject to these conditions and legal requirements, it will be open to the licence holder to decide upon his own form of Letter of Authority. But the functions of the holder of such Letter of Authority shall be limited to place orders, to open Letter of Credit, to make remittance of payment for importing the goods, to arrange movement and to clear the same through the Customs having regard to Sec. 147 of the Customs Act, 1962, on behalf of the licensee and other related matters connected with the operation of the licence in question, but not its ownership.

(2) The facility provided in sub-para (1) above will not be available to Export Houses and Trading Houses for import being made against import licences marked "Non-transferable", for example, Additional licences or REP licences marked "Non-transferable" under the import policy in force. For such licences, the Export Houses/Trading Houses are not allowed to appoint agents or issue Letters of Authority, for operating on the licence or for distribution of imported goods on their behalf. Such functions should be performed by the Export House/Trading House itself. Where an Export House or Trading House is in need for appointing an agent for any valid reasons, in respect of any particular licence or item to be imported, it should approach the Chief Controller of Imports & Exports,

New Delhi, for prior permission, which CCI&E, New Delhi, may consider, on merits, subject to such conditions as may be imposed.

(3) The facility provided in sub-para (1) above will also not be available to Indian agents of foreign machinery/instruments manufacturers, in the case of licences issued to such agents for import of spares for stock and sale, under the provisions of the relevant import policy in force.

119. (1) A person effecting imports under an Open General Licence may utilise the service of an agent only for the purpose of placing an order, arranging movement or clearing the goods through customs, but not for effecting remittances or opening letters of credit. The person entitled to the facility of the Open General Licence will be liable to the same legal obligations and penalties arising out of the agent's action or inaction under law, as he himself would be otherwise.

(2) In the following cases, the agents can also open Letters of Credit and make remittances on behalf of eligible importers :—

- (i) Agent importing goods for scientific or research laboratories, institutions of higher education and hospitals, recognised by the Central or a State Government.
- (ii) Agents importing goods for Government departments, public sector enterprises owned or controlled by Government, Central or State, and statutory bodies set up by an Act of Parliament.
- (iii) Export Houses/Trading Houses holding valid Export House/Trading House certificates issued by the Chief Controller of Imports & Exports and importing goods on behalf of Actual Users.
- (iv) Co-operative Societies or Associations of Actual Users recognised by the concerned State Director of Industries and importing goods on behalf of their members.
- (v) Public Sector Undertakings/agencies importing goods on behalf of Actual Users

(3) In cases covered by sub-para (2) above the imported goods shall be delivered by the concerned Co-operative Society/Association or the agent, to the beneficiary Actual User. An account (in the form of a register) should be kept of all such imports and distribution and it shall be available for inspection by the licensing authorities and sponsoring authorities at all times.

(4) The above arrangement will confer no immunity on the licence-holder, or, in any way, absolve him from any of the responsibilities under the Imports (Control) Order, 1955, were the imported goods to be misutilised in any manner or were there to be any violation of the Import Policy (in regard to utilisation of the connected licence) made by such an agent.

(5) All requests for amendment or revalidation of a licence shall be made by the licence-holder only; it will also be his responsibility to produce the licence before the licensing authority for getting such amendment or revalidation effected. This function cannot be performed by the agent.

Associate Concerns

120. For the purpose of Imports & Exports Policy and procedures, the following will be the criteria for determining whether any two concerns are associates :—

- (i) The two concerns are assessed to Income-tax jointly or have common ownership; or
- (ii) The two concerns are assessed to Income-tax separately and have no common ownership; but
 - (a) a partner in one of the concerns having a major share therein is the proprietor of the other; or
 - (b) a partner or set of partners in one of the concerns has/have a major share in the other; or
- (iii) One of the concerns is a limited company and a director of the limited company has interest in the other concern as proprietor; or
- (iv) One of the concerns is a consultant to or a contractor of the other; or
- (v) the concerns are limited companies with substantially common Boards of Directors or with registered offices located at the same premises.

Refusal of Licence/Release Order

121. (1) A licensing authority may refuse to grant a licence/release order :—

- (a) if the application does not conform to any provision of the Imports (Control) Order, 1955 dated the 7th December, 1955, as amended;
- (b) if such application contains any false or fraudulent or misleading statement;
- (c) if the applicant uses in support of the application any document which is false or fabricated or which has been tampered with;
- (d) if the application for the licence/release order is defective or incomplete and does not conform to the prescribed rules and procedure;
- (e) if the applicant is not eligible to the grant of licence/release order in accordance with the relevant Import Trade Control Policy and procedure in force;
- (f) if the applicant fails to produce any document that is called for by the licensing authority;
- (g) if the applicant has failed to make up a deficiency in his application within the time limit indicated by the licensing authority;

- (h) if the applicant has used any unfair means in obtaining a licence/release order; and
- (i) any other reason to be recorded in writing.

(2) A licensing authority will also refuse to grant a licence under the provisions of clause 6 of the Imports (Control) Order, 1955 dated the 7th December, 1955, as amended.

UNAUTHORISED IMPORTS

Valid Imports

122. Import is valid if it fulfils, among other things, the following conditions :—

- (i) it is covered by a licence/Open General Licence/Customs Clearance Permit,
- (ii) The description, value and the quantity of the imported goods are in accordance with the licence/open general licence/customs clearance permit,
- (iii) The shipment/despatch of the goods from the supplying country takes place within the validity period of the licence/open general licence/customs clearance permit, and
- (iv) The terms and conditions contained in the licence/open general licence/customs clearance permit and the Import-Export Policy and Procedures in regard to the item(s) of import and all other connected matters are fulfilled.

Imports not covered by Licences

123. If any article, requiring a licence (including Customs Clearance Permit), is imported or sought to be cleared without a valid licence, the importer/owner of the goods will be liable to appropriate action under the provisions of the Imports & Exports (Control) Act, 1947 and the Orders issued thereunder without prejudice to any action that may be taken in this behalf under the Customs Act, 1962.

124. As in the matters relating to import-export policy and procedure the interpretation given by the Chief Controller of Imports & Exports is final, in case of doubt regarding these matters, the customs authorities should consult the Import Trade Control authorities before clearance of the goods.

Joint Committee

125. In order to help the importers in case of genuine difficulties, a Joint Committee of the Licensing and the Customs authorities has been set up at each port. The Committee meets regularly and deals with both pre and post-importation enquiries and difficulties of importers.

Requests for Amendments to be made before Shipment

126. If the importer finds any discrepancy in a licence, he should immediately apply to the licensing

authority concerned for an amendment in the licence. The request for such an amendment should in any case be made before the goods have been shipped/despatched from the supplying country, so that if, for any reason the change or amendment is not permitted, the importer may be able to advise his suppliers to make the necessary adjustment. In seeking any amendment or revalidation of a licence, it should clearly be pointed out by the applicant whether or not shipment/despatch of goods covered thereby has already been made, either wholly or partly. Any misleading or wrong statement in this behalf will render the licensee/importer liable to action under the Import Trade Control rules and regulations.

127. The requests, if any, for amendment of a licence made after the shipment/despatch of the goods from the supplying country are liable to be summarily rejected by the I.T.C. authorities.

Penalty for Unauthorised Imports

128. The fine/penalty imposed in respect of unauthorised imports is likely to be heavy and may lead to even confiscation of the goods or prosecution of the importer/owner of the goods. In special circumstances the importer/owner of the goods may be allowed to re-ship goods, but in such cases also, the importer/owner of the goods will be liable to pay fine/penalty etc. Therefore, the importers should, in their own interest, ensure that what is being imported by them into the country, is in strict conformity with the licence description in every respect and that the consignment is neither in excess of the licensed value or quantity limitations nor different in any way from what is authorised to be imported. Similar precautions should be taken in respect of import under O.G.L.

Clearance of Goods When the Importer is Unable to Produce the Licence

129. In case where an importer claims to have a valid import licence to cover the goods imported by him but is unable to produce the licence to the Collector of Customs at a particular port owing to simultaneous arrival of the goods covered by the licence at different ports, or for any other reasons, the Collector of Customs may, if he is satisfied with the plea put forward by importer, permit clearance of the goods in so far as Import Trade Control Regulations are concerned on the importer executing a bond or a letter of guarantee in form given in Appendix II-H. It is at the discretion of the Collector of Customs either to accept the bond or the letter of guarantee from the importer, for the production of the import licence for the goods at a later date.

Cancellation of Release Order

130. The licensing authority may cancel a Release Order issued for allotment of imported goods or otherwise render it ineffective on the same grounds as are applicable to cancellation of an import licence. Before taking action to cancel the Release Order, a reasonable opportunity of being heard in the matter will be given to the Release Order holder.

Containers Use

131. In order to enable the contry to effect import at economic cost, the licence holders or persons eligible to effect imports under Open General Licence may bulk their imports originating from the same source/port of shipment, in containers.

Import of Pesticides

132. Any person importing pesticides under O.G.L. or a licence, against payment or as free sample, or otherwise should inform the Plant Protection Adviser to the Government of India, Faridabad, giving the particulars of the import made. The proforma in which the intimation should be sent is given in Appendix II-J.

Clarification on Import/Export Policy and Procedures

133. (1) Attention is specially invited to the provisions of Chapter-II of the Import & Policy, 1985-88. Persons who wish to have any guidance in regard to the import & export policy generally and the connected procedures can approach the Public Relation Officers in the regional offices. If they are not satisfied with the information given by the Public Relation Officer, they would be given an opportunity of meeting the head of the office. The Chief Controller of Imports and Exports will also be glad to entertain communications on policy and procedures emanating from Chambers/Associations of trade and industry. In order to avoid the need for piecemeal clarification, on the same points, they may consolidate their queries on a monthly basis. The CCI&E, will circulate the replies to those making the queries as well as to the Chambers and Associations who subscribe to the publications of the Department of Commerce. Such Communications should be accompanied by complete details as per proforma given in Appendix II-K.

(2) Suggestions for changes in the Import and Export Policy may be forwarded to the CCI&E, New Delhi, in the prescribed form given in Appendix II-L. Such suggestions may be submitted, in triplicate, typed on one side of the page, with adequate margin.

PUBLIC RELATIONS

134. Public Relation Officers have been posted at the headquarters and the regional offices of the Chief Controller of Imports and Exports. In smaller offices, the head of the office will himself perform this function.

Counter Assistance System

135. For speedy disposal of applications for licences, the "Counter Assistance System" has been introduced in the licensing offices. Under this system, officers not below the rank of a Controller will be available at the counter in each licensing office to undertake a quick scrutiny of the application for a licence before it is formally filed. Applicants can, therefore, approach such officers at the counter and show their applications to them, duly filled in. The officer concerned will go through the application and point out to the applicant if there are any deficiencies in it. This

sort of prior scrutiny of the application will undoubtedly help the applicants, thus minimising considerably further correspondence and delay in disposal.

136. Counter system can also be availed of for amendment of a minor nature or revalidation of licence, which does not require detailed examination, such as request for correction in the list of goods, affixing security seal on the licence or on the list of goods or the signature of the licensing authority below any condition imposed on the licence or on the list of goods attached to the licence. Applications in such cases will be received at the "Counter" against a proper receipt but the licence will be returned by registered post.

Checks on Delays

137. (1) Every effort is made to avoid delay in the disposal of applications for licences or correspondence. Cases of inordinate delays may be brought to the notice of Public Relation Officer.

(2) For expeditious processing of import applications, a system of "time-bound" disposal has also been introduced in the regional licensing offices. Details of the system are available in all offices of the CCI&E.

138. Complaints regarding delay addressed to the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi, should be specifically marked 'Complaint against delay' at the top of the communication containing the complaint. In order to facilitate timely action on such complaints, the applicants are advised to send their complaints in duplicate.

Enquiry Slip

139. Where an applicant does not receive a reply to his application within a period of 15 days from the date of its submission (10 days in cases of amendment/revalidation) and the applicant desires to find out the position of his case, he may fill up the enquiry slip form, given in Appendix II-M, and hand it over to the enquiry counter in the concerned licensing office. The Public Relation Officer/Enquiry Officer will intimate the date and time to the applicant for obtaining the relevant information. He should call at the office on the given date and time to collect the information.

Interviews

140. Ordinarily all matters should be settled by correspondence but the applicant may also avail of the facility of enquiry slip for ascertaining the position of his case. However, in cases, where an applicant considers it necessary to discuss in person with the Licensing Officer, after not being satisfied with the information given in the enquiry slip or regarding an appeal, he may book an interview with the officer concerned. Requests for interviews will in suitable cases/situations be entertained even where the applicant has not made use of the facility available in para 139 above.

141. (1) Interview with the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi and the heads of regional licensing offices should be arranged through their private secretaries.

(2) Interviews with other officers should generally be booked through the Enquiry Officers attached to each licensing office. The applicant should give the purpose of interview and the particulars of his case in the prescribed proforma vide Appendix II-N. The proforma need not be filled in for interviews with Public Relation Officers. Applicants, particularly from outside the particulars of the case without filling in the prescribed proforma.

(3) Officers of the rank of Jt. C.C.I.&E. or above in the office of Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi may allow interviews in urgent cases without the applicant having to fill in the proforma in Appendix-II-N.

142. Except where otherwise authorised, interviews will be granted only by officers of the rank of Deputy Chief Controller of Imports and Exports or above. It should be noted that the persons desiring to book an interview should be proprietor/partner/director of the applicant firm or company, or a person in its regular employment or a person duly authorised by the applicant firm by a written letter of authority which should be produced before the enquiry officer and the interviewing officer at the time of booking/seeking interview. The person seeking interview should comply with all the instructions concerning such interviews displayed on the notice boards in all the licensing offices or otherwise published. Entry into the rooms occupied by the clerical establishments or personal contact with the staff of the Import Trade Control Organisation is, however, strictly prohibited.

143. (1) A licensing authority may at its discretion refuse interview to a person not being the proprietor/partner/director of the applicant firm or company or in its regular employment even though he may be holding a letter of authority from the applicant firm.

(2) In their own interest, the importers and exporters should send advance intimation to the licensing authorities concerned, giving names and full addresses of the persons (other than the proprietor/partner/director of the firm or company or in its regular employment), who are authorised by them to represent their cases in the licensing office. Such intimation should be sent, in writing, to the Public Relations Officer of the concerned licensing office, so as to reach not later than 15th May, 1985. Thereafter, interviews to such persons will be allowed only if their names have been duly intimated, except in cases where the interviewing authority allows for other convincing reasons such as the Chambers/Associations of trade/industry representing cases of their members.

(3) Importers and Exporters who sent intimations to licensing authorities under sub-para (2) above in 1984-85, need not again send the same intimation unless there is any change in the names sent earlier.

144. (i) Application for licence should be made in the prescribed form.

Important Hints to Importers

(ii) Application form should be filled neatly and accurately. No column should be left blank. The

words "yes" or "no" or "not applicable" can be used against the columns in the application form wherever necessary. If the applicant is not able to give answer to any particular column, he should give a positive reason for the same.

(iii) The information in the prescribed form should be given faithfully and correctly.

(iv) The original Bank Receipt/Bank Draft showing payment of application fee on the value applied for should be attached to the application.

(v) All the required documents should be attached to the application and all the enclosures to the application should be detailed in the covering letter of the application, giving particulars of each document.

(vi) The application should be signed by an authorised person who should give his official and residential addresses and the position held by him.

(vii) Postal address of the applicant should be given completely and neatly.

(viii) The correct and complete reference number, if any, of the licensing authority should be quoted.

(ix) Application should be sent by post to the appropriate licensing authority or sponsoring authority concerned as provided in the procedure, or delivered at the counter in the office of the licensing authority or the sponsoring authority, as the case may be, so as to reach the licensing authority on or before the prescribed last date.

(x) The actual users borne on the registers of Director General of Technical Development should also quote in their applications the code number allotted to them by the D.G.T.D. If no code number has been allotted, the words "not allotted", should be written against the appropriate column at the top of the prescribed application form.

(xi) Actual user should submit a consolidated application covering the requirements of unit in respect of raw materials and components for each end-product.

For related end-products manufactured by the same unit, a single application can be made.

(xii) While furnishing the lists of goods sought to be imported, the applicants should ensure that the lists are prepared on a good and durable paper in order to avoid probable inconvenience at the time of clearance of goods at the Customs. In the case of units borne on the books of the D.G.T.D., the applicants should ensure that the extra copies of the list of goods prepared by them for submission to the licensing authority are strictly in accordance with the list cleared by the D.G.T.D.

(xiii) On receiving an import licence, the licensee should carefully check whether the licence received by him is complete in all respects. In particular the licensee should check whether :—

(a) The licence is accompanied by the list of items permitted for import, if such list has been referred to in the body of the licence

- (b) Each page of the list has been duly signed by the licensing authority.
- (c) Each page of the list bears the security seal affixed by the licensing authority.
- (d) The changes, if any, made in the list have been duly attested by the licensing authority.
- (e) Both the copies of the licence bear the security seal affixed by the licensing authority.
- (f) The conditions imposed on the licence have been duly signed by the licensing authority.
- (g) The condition, if any, deleted from the licence has been attested by the licensing authority.
- (h) In the case of licences issued against foreign credits, the conditions applicable to the credit have been attached to the licence, if there is a reference to such attachment in the body of the licence and such conditions have been duly signed by the licensing authority.
- (i) Every signature of the licensing authority appearing on the licence, or on the list attached to licence, or on the conditions attached to the licence, has been duly authenticated by a security seal affixed above signature.

If the licensee finds that the licence is deficient in any respect he should immediately bring the matter to the notice of the licensing authority concerned and return the licence to the licensing authority for doing the needful.

APPEAL, REVISION AND REVIEW

Appeal and Revision Under the Provisions of the Act/Order(s).

145. In cases where a decision or order has been made under the Imports & Exports (Control) Act, 1947 or the Imports/Exports (Control) Order, an appeal/revision shall lie in accordance with the provisions contained in the Act and the respective order.

146. (1) Clause 10(2) of the Imports (Control) Order, 1955 provides that where any person is aggrieved by any action taken under Clause 8 or 8-A or Clause 9, he may prefer an appeal against such action to such authority as the Central Government may by Notification in the official Gazette, constitute for the purpose of hearing appeals within 45 days from the date of communication of the action taken.

(2) Clause 12(2) of the Exports (Control) Order provides that where any person is aggrieved by any action taken under clause 7 or 8 or 11(1), he may prefer an appeal against such action to such authority as the Central Government may by Notification in the official Gazette constitute for the purpose of hearing appeals, within 30 days from the date of communication of the action taken.

(3) In exercise of the powers thus conferred by sub-clause (2) of Clause 10 of the Imports (Control)

Order, 1955 and sub-clause 2 of Clause 12 of the Export (Control) Order, 1977, the Central Government has constituted the following authorities for the purpose of hearing and disposing of appeals against statutory orders under sub-clause (1) and (3) of Clause 8, Clause 8A and Clause 9(1) of the Imports Control Order and Clause 7, 8 and 11 (1) of the Exports (Control) Order :—

- (i) where the action is taken by Deputy Chief Controller of Imports & Exports—the Chief Controller of Imports & Exports, the Additional Chief Controller of Imports & Exports, the Joint Secretary and Legal Adviser attached to the Ministry of Commerce, the Export Commissioner or a Joint Chief Controller of Imports and Exports;
- (ii) where the action is taken by a Joint Chief Controller of Imports and Exports—the Chief Controller of Imports and Exports, the Additional Chief Controller of Imports and Exports, the Joint Secretary and Legal Adviser attached to the Ministry of Commerce or the Export Commissioner;
- (iii) where the action is taken by an authority other than a Deputy Chief Controller of Imports and Exports or a Joint Chief Controller of Imports and Exports—a Committee consisting of the Secretary, and two Joint Secretaries and the Chief Vigilance Officer in the Ministry of Commerce, New Delhi.

(4) The appeal made under the provisions of the Act and the order(s) made thereunder should be accompanied by a proforma giving the following information :—

- (a) Authority against whose decision appeal is preferred;
- (b) A copy of the order appealed against;
- (c) Whether the appeal is against debarment or suspension from receiving licences (in the case of debarment, the periods for which appellant has been debarred from obtaining licences may also be indicated); and
- (d) The grounds of appeal (in brief).

(5) A copy of the appeal should invariably be sent by the appellant to the authority against whose decision the appeal is made.

Appeal and Review Against Orders Other Than Those Referred to the Preceding Paragraphs.

147. (1) Where a person is not satisfied with the decision of a licensing authority/appellate authority, he may prefer an appeal/review application against the said decision in accordance with the provisions hereinafter stated. Requests/representations made to the office of the Chief Controller of Imports & Exports outside the scope of these provisions are liable to be summarily rejected.

(2) Appeal/review application will be entertained in the following types of cases :—

- (a) in respect of an application for import licence,
- (b) in cases relating to enforcement of legal agreements/export bonds/bank guarantees executed by importers for the fulfilment of export obligations or any other condition applicable to an import licence.

(3) Appeal/review application will also be entertained in respect of applications for the grant of Export House/Trading House Certificates and in matters relating to registration/deregistration of exporters in accordance with the provisions made in this Chapter.

(4) The procedures hereinafter contained will also apply *mutatis mutandis*—to cases in which an exporter being aggrieved with a decision taken on his application, seeks to prefer an appeal/review application.

First Appeal

148. In the respect of an application for an import licence or in matters relating to enforcement of legal agreements etc. referred to in sub-para (2) of para 147 above, an appeal, in the first instance will lie as under :—

- (a) In respect of an application dealt with in an import trade control office headed by a Controller or an Assistant Chief Controller of Imports and Exports, with the regional Joint Chief Controller of Imports and Exports exercising administrative control over the said import trade control office.
- (b) In respect of an application dealt with in an import trade control Office headed by a Deputy Chief Controller or a Joint Chief Controller of Imports and Exports, with the Head of the office in which the application was dealt with.
- (c) In respect of an application dealt with at the Headquarters office of the Chief Controller of Imports and Exports (Licensing), in the office of the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi

Second Appeal

149. If the appellant is not satisfied with the decision of the Appellate Authority on his first appeal, he may prefer a second appeal as under :—

- (a) In respect of a first appeal order passed by Deputy Chief Controller of Imports & Exports, to the regional Joint Chief Controller of Imports & Exports exercising administrative control over the former
- (b) In respect of a first appeal order passed by a regional Joint Chief Controller of Imports & Exports, to a Committee of two Joint Chief Controllers of Imports and Exports, appointed for the purpose by the Chief Controller

of imports & Exports, in his headquarters office.

Review Application

150. A person aggrieved by an order in second appeal may prefer a review application to an officer, not below the rank of Export Commissioner, nominated or appointed by the Chief Controller of Imports & Exports for the purpose, either by a general or a special order.

Time Limit for Filing Appeal/Review Application

151. (1) An appeal/review application should be filed with the authority concerned within 45 days from the date of receipt of the order/decision appealed against. However, the appellate/reviewing authority may condone delay not exceeding 45 days in submission of the appeal/review application, if it is satisfied that the same could not be filed within the stipulated period for adequate reasons.

(2) Where an import application is made through a sponsoring authority or any other authority in accordance with the provisions laid down in the relevant import policy and the applicant, being not satisfied with the decision on such application, prefers first appeal, such appeal may be addressed to the appellate authority through the sponsoring authority or other authority, as the case may be, to whom the application was originally sent.

(3) While communicating the decision, the licensing authority/appellate authority shall indicate the authority to whom appeal/review may be preferred by the aggrieved person.

Opportunity for Personal Hearing

152. If an appellant or a petitioner desires to be heard in person in connection with the appeal/review application, filed by him, and he has filed a statement or has made specific mention as such in his appeal/petition, an opportunity for personal hearing may be afforded to him. However, if the appellant/petitioner does not avail of the opportunity given to him, the appeal shall be decided on merits on the basis of the material available on record.

Documents to Accompany Appeal/Review Application

153. (1) The following documents and particulars should be submitted with the appeal/review application in duplicate :—

- (i) Name and address of the appellant;
- (ii) Category of importer/exporter;
- (iii) Licensing period to which application pertained;
- (iv) Brief description of goods to be imported;
- (v) Copy of the original application and other documents furnished with it;
- (vi) A copy of the decision/order appealed against;
- (vii) Grounds of appeal/review;

(viii) Any other documents/evidence on which appellant relies; and

(ix) Statement whether the appellant desires to be heard in person.

(2) In the case of second appeal and review application, a bank receipt/demand draft of Rs. 50/- and Rs. 100/- respectively towards payment of fees, should also be furnished.

(3) All appeals/review applications should clearly indicate at the top, whether it is first appeal or second appeal or review application and the category of the applicant concerned.

Appeal Against Refusal or Cancellation of Export House/Trading House Certificate

154. (1) Appeal against decision rejecting an application for the grant or renewal or cancellation of the Export House Certificate under the import policy for Registered Exporters will lie to the Export House Committee in the Office of the Chief Controller of Imports & Exports.

(2) Appeal against decision rejecting an application for the grant or renewal or cancellation of the Trading House Certificate, under the import policy for Registered Exporters, will lie to the Secretary in the Department of Commerce, Appeal Section, Udyog Bhawan, New Delhi.

(3) Appeals referred to in sub para (1) and (2) above may be made so as to reach the appellate authority within a period of 45 days from the date of receipt of the decision appealed against.

Appeal and Review Application Relating to Registration/De-registration of Exporters.

155. (1) Where an exporter is not satisfied with a decision of a Registering Authority listed in Appendix

XIV-A, refusing to register him or deregistering him, he may prefer an appeal to the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi or to an officer authorised by him in this behalf within a period of 45 days from the date of the receipt of the communication containing the decision appealed against.

(2) Any person aggrieved by the decision of the appellate authority taken under sub-para (1) above or a decision under para 151 of this Book, may make a representation to the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi, for review of such decision within a period of 45 days from the date of the receipt of the communication containing the decision against which the representation is made. On consideration of such representation, if it is so decided, he may, either himself re-register the exporter, or restore registration or he may direct the registering authority to re-register such exporter or restore his registration. The re-registration or restoration of registration in such case will be subject to such condition(s) as the Chief Controller of Imports & Exports may decide.

General Power of Review

156. The Chief Controller of Imports & Exports may also on his own motion or otherwise call for the records of any case pending with or decided by an officer subordinate to him, including any officer or group/Committee of officers nominated, appointed or authorised by him under any of the provisions of this Chapter and pass such orders as he may consider fit and just.

Appeal Against Decision by Customs

157. An appeal against decision of the Customs Authorities shall lie in accordance with the Customs regulations to the prescribed customs authorities.

CHAPTER III

CAPITAL GOODS

Procedure

158. Applications for import of Capital Goods should be made in Form "E" (CG), in Appendix III-A, along with six additional copies; plus seven copies of the list of Capital Goods along with the Bank Receipt/Demand Draft towards the payment of application fee. Besides giving the country/countries of origin, the following information should accompany the application :—

- (a) Detailed list of Capital Goods with a break-up of the individual c.i.f. value of each major item;
- (b) The attested or photostat copy of the proforma invoice(s), in quadruplicate, of the foreign supplier(s), separately showing the amount(s) on account of (i) freight, and (ii) insurance included in the c.i.f. value(s), quoted (in the currency of the country of import of the Capital Goods applied for); or alternative source of import; and
- (c) Manufacturer's illustrated pamphlet(s). (These should be procured and furnished as far as possible to expedite disposal of applications).

159 Where the applicant proposes to seek a foreign exchange loan from an approved financial institution for meeting the cost of the Capital Goods, this should be specifically mentioned in the application. Such applicants are expected to apply to the financial institution within 6 months of the receipt of the Letter of Intent.

Submission of Applications

160. (1) Applications for import of Capital Goods may be made in the following manner :

- (i) Where the c.i.f. value is upto Rs. 25 lakhs, it should be made to the regional licensing authority within the area of whose jurisdiction the beneficiary factory or institution is located.
- (ii) Where the c.i.f. value is above Rs. 25 lakhs and upto Rs. 1 crore, the application should be made to the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi.
- (iii) Where the c.i.f. value is more than Rs. 1 crore, the application should be made to the Secretariat for Industrial Approvals, Ministry of Industry, New Delhi. (Copies of such application need not be endorsed to CCI&E).
- (iv) The above provisions apply to all public sector enterprises, except to the extent paras 172 and 173 below apply to them

Note :—The three tier system mentioned in the above para will not be applicable in respect of the following :—

- (a) Import of secondhand machinery,
- (b) Import of printing machinery including re-lease of printing machinery imported by Project & Equipment Corporation Ltd, under rupee payment arrangements,
- (c) Import of diesel generating sets,
- (d) Import of C.G. under the Special Scheme for Indians returning from abroad,
- (e) New Projects under the public sector where foreign exchange to cover the import has been released by the Government in favour of the project,
- (f) Import of sports goods/equipments, and
- (g) Import of empty high pressure industrial gas cylinders.

(2) Applications from Actual Users (Industrial) for import of machinery of a value not exceeding Rs. 4.0 lakhs (cif) may be considered by the regional licensing authorities concerned without the recommendation of the sponsoring authority. This will, however, be subject to indigenous clearance being obtained.

161. (1) An existing unit applying for import of machinery for replacement, balancing, modernisation or for normal operations can make one application in six months. In the second half of the financial year, the application should be made not later than the end of February. In cases where the licensing authority is satisfied about the need, a third application may also be entertained in the same licensing period. However, in the case of major projects under construction, applications made more frequently will also be considered. Similarly, applications can be made more frequently to meet an emergency situation like breakdown or in response to a specific foreign credit or against surrender of R.E.P. entitlements.

(2) Newspaper establishments can make two applications in a financial year any time before the end of February.

(3) In cases where an industrial unit is engaged in the manufacture of more than one end-product, having separate industrial licence or registration for each such end-product, the normal procedure that it may apply once in six months will be applicable to the machinery required for each end-product.

162. (1) In cases where electronic items, including facsimile equipment, exceeding a c.i.f. value of Rs. 5 lakhs or marine equipment, irrespective of value or communication equipments for a value exceeding Rs. one lakh, are sought to be imported, prior clearance of the Deptt of Electronics, New Delhi shall be

necessary. Applicants are, therefore, advised that while submitting applications to the licensing authorities concerned they should simultaneously send a copy of their application to the Department of Electronics, giving full particulars of the above electronic items.

(2) Where Capital Goods to be imported for paper, sugar, steel, aluminium and cement industry include control and industrial electronic equipment/Sub-system, a specific clearance of the Deptt. of Electronics (in consultation with DGTD) would also be necessary before allowing import.

Copies of C.G. Applications

163. Copies of all C.G. applications should be sent by the applicant simultaneously to the sponsoring authority concerned, who will expeditiously forward his recommendations to the concerned licensing authority.

Import of Capital Goods by Actual User (Industrial) General

164. An application by an Actual User (Industrial) for Capital Goods for the manufacture of items covered by the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 will be entertained only after the Letter of Intent has been issued by the Ministry of Industry, New Delhi. The import licence for Capital Goods may also be issued, if otherwise admissible, in anticipation of the conversion of Letter of Intent into an Industrial Licence.

165. In the case of undertakings exempt from the provisions of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951, applications will be entertained with a declaration only from the applicant to that effect, quoting the number and date of the Government Notification in support of such exemption.

166. Every application shall be accompanied by a photostat copy of Industrial Licence, Letter of Intent or Registration Certificate, as appropriate.

167. Where the Letter of Intent or the Industrial Licence stipulates that no import of plant and machinery shall be allowed, applications for import of machinery for modernisation, replacement, safety-testing, pollution control and quality control equipment only may be considered in accordance with the policy in force in this regard, provided the import of such equipment does not add to licensed/approved capacity.

168. In cases where the import of Capital Goods is arranged under foreign collaboration, the application should be accompanied by a photostat copy of the relevant Government approval, the text thereof and citing the particular clause under which the import is sought to be made.

169. Import of Capital Goods appearing in Appendix I, Part-B of Import-Export Policy, 1985-88, will be allowed to Actual Users under Open General Licence, subject to the conditions prescribed therein. Application form for remittance in foreign currency in respect of imports under OGL is given in Appendix III-J. The Actual Users should furnish periodical returns, as provided in the Import-Export Policy, 1985-88 (Vol. I), to the Director of Statistics Office

of the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi, in Appendix III-K.

170. (1) Subject to the provisions made in the relevant Import-Export Policy and in this Chapter, applications for import of Capital Goods would be considered on the basis of the essentiality for import certified by the sponsoring authority concerned, the clearance from indigenous angle given by the DGTD or other technical authority concerned and availability of foreign exchange resources to finance the import.

(2) All licences issued for import of Capital Goods/HEP shall be subject to Actual User condition. The licence will indicate both value and quantity of goods as limiting factor.

Project Approval Board

171. Composite proposals, that is to say, those having more than one approval, including import of Capital Goods, will be considered by the Project Approval Board in the Secretariat for Industrial Approvals. The application in such cases should be made to the Secretariat for Industrial Approvals (Co-ordination Section), Ministry of Industry.

172. (1) Investment in public sector enterprises (related to the setting up of a new project or substantial expansion) upto Rs. 5 crores will also require the approval of the Project Approval Board to industrial licence, foreign collaboration terms, if any, and Capital Goods import. Such applications should be made to that Secretariat first.

(2) For all new projects under implementation in the public sector, the import applications for Capital Goods even upto Rs. 25 lakhs in value, should be made to the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi, and not to the regional licensing authority concerned, provided foreign exchange to cover the import has been released by Government in favour of the project. The project authority should also take indigenous clearance from the DGTD for the items sought to be imported.

173. If such investment exceeds Rs. 5 crores (other than those for which special procedure has been prescribed), the application should be submitted to the Secretariat for Industrial Approvals, Ministry of Industry only through the administrative Ministry concerned.

174. Composite proposals relating to Fertilizer Projects may, however, be submitted to the Special Committee of Secretaries on Fertilizer Projects, Department of Chemicals and Fertilizers, New Delhi, instead of the Project Approval Board.

Heavy Electrical Plant

175. Applications for import of heavy electrical plant and machinery, including cognate equipment and materials essential for power plants (generation or transformation of electric power), should be made in the prescribed C.G. form through the Central Electricity Authority, New Delhi, to the licensing authority concerned as in para 160 above. In the case of C.G. requirements of State Electricity Boards/Undertakings/Projects, the applications should also be accompanied

by a declaration from the State Electricity Board/Undertaking/Project that foreign exchange has been allocated for the purpose. In such cases, indigenous clearance will be obtained by the Central Electricity Authority from D.G.I.D. either in respect of individual applications or as package clearance for items generally required by this sector. Indigenous clearance in such cases would be valid as long as IBRD loan is valid for financing the project and International Competitive Bidding (ICB) is followed.

Import of Machinery by Industrial Units using mainly Indigenous Machinery

176. Eligible actual users intending to make use of the facility provided in para 39 of the Imports & Exports Policy, 1985-88 (Vol. I) should submit import applications direct to the licensing authority concerned in form E (CG) given in App. III-A, supported by the following :—

- (i) Bank receipt/Demand draft of the appropriate amount towards payment of application fees.
- (ii) A copy of valid Industrial Licence or Registration Certificate with the sponsoring authority concerned where no Industrial Licence is necessary.
- (iii) Evidence regarding purchase of machinery from indigenous sources to the extent of 90 per cent of the requirements. In support of the purchase price of the machinery already procured from indigenous sources, a certificate from a Chartered Accountant or Cost Accountant (in practice) or a certificate of the sponsoring authority, may be produced.
- (iv) In the case of machinery proposed to be procured from indigenous sources, a certified copy of the contract entered into by the applicant with the indigenous manufacturers for the purchase of machinery in question or evidence of irrevocable letter of credit opened in their favour

177. As a rule, applications for import licences for substantial values of plant and machinery, which are required for the setting up of new projects or for substantial expansion will be considered only against one or more of the following acceptable means of financing :—

- (a) Long term foreign investment in the capital of the projects;
- (b) Foreign exchange loans for the project from the Industrial Credit and Investment Corporation of India, Bombay and the Industrial Finance Corporation, New Delhi;
- (c) Long term foreign exchange loans from financing institutions abroad as approved and announced from time to time;
- (d) Imports financed by the National Small Industries Corporation of India, New Delhi under their hire-purchase scheme for small scale industries, or financed by any other agency/company including leasing company;

(e) Loans to the Government of India from foreign governments or financial institutions against which cash licences can be granted; and

(f) Trade and Payments agreements between the Government of India and foreign countries against which cash licences can be granted.

Import of Capital Goods financed by Leasing Companies

178. Subject to the provisions made in the relevant import-export Policy and in this Chapter, applications for import of capital goods including those, import of which is allowed under OGL, received from Actual Users having leasing agreement with leasing companies will also be considered. The licence will be endorsed making the leasing company a joint holder of the licence on the basis of the agreement and the consent letter in the prescribed form as given in App. III-L by the leasing company. Both the Actual User applicant and the leasing company shall be jointly and severally liable to comply with the conditions imposed and applicable to the licence and the rules and procedures in force.

179. Applications for import licences will be considered having regard to the priority of the schemes and the method of financing proposed. As a rule, the source of financing of the imports will be limited to the alternatives indicated in paragraph 177 above. If the scheme is not considered to be of sufficient priority and/or if funds available with the Government cannot be allocated, import applications in respect of such schemes will be rejected.

Special Procedure for Import of Capital Goods in respect of certain Industries

180. The need for reducing the overall cost of investment in industries of national priority, consistent with the requirements of offering protection to the indigenous capital goods industry has been recognised and the list of such projects/industries has been identified in chapter III of the Import & Export Policy, 1985-88, (Vol. I). Persons undertaking projects for substantial expansion in any of these fields may invite global tenders for all the capital goods intended to be procured, irrespective of the fact whether they are manufactured indigenously or not. In order to afford an opportunity to the indigenous manufacturers to supply the goods, the applicant should also advertise as per the procedures laid down in Para 198, but should give a minimum period of sixty days for responding to the advertisement. The advertisement should indicate the items of Capital Goods conforming to I.S.I. Specifications, wherever applicable. Deviations will, however, be permitted in the interest of upgrading of technology directed to reducing production cost and optimisation of resources. However, the advertised specifications should not be tailored to suit only particular source(s) of supply.

181. After receipt of the offers, if any, in response to the advertisement made as above, the project authorities may submit their proposals, as to the Capital Goods desired to be procured (either imported or indigenous or imported/indigenous) along with statement

of comparison between the indigenous and the overseas offers on the basis of landed cost i.e., c.i.f. plus duty leviable in respect of the latter. The proposals will be considered by the Empowered Committee in the Deptt. of Heavy Industry, under the Chairmanship of Secretary, Heavy Industry, consisting of representatives of other concerned Ministries. The provisions of para 162 will also be relevant to the consideration of such proposals. Within eight weeks of their receipt in the normal course, it will finalise its views/recommendations including the requisite clearance, together with source of foreign exchange as appropriate in its judgement. The decision will be communicated to the Chief Controller of Imports & Exports for the issue of connected import licences. The Empowered Committee would be able to provide assistance needed by any project authority at the pre-tendering stage as well.

182. Indigenous suppliers of equipment securing orders from Indian project authorities under the above scheme will be permitted to import raw materials and components required for the manufacture of such Capital Goods without any restriction from the angle of indigenous availability. The rate of import duty on such supporting import would not exceed that applicable to the concerned Capital Goods. The above facilities would be additional to and not in lieu of the facilities available to Actual Users (Industrial) under the general policy.

Import of Instruments, Testing Machines etc.

183. (1) Applications from Actual Users for import of instruments, testing equipment, weighing machines, laboratory equipment, tools and tackles etc. will be governed by the same procedure as is applicable to C.G. imports laid down in this Chapter.

(2) Institutions (Non-Industrial) requiring instruments for their own use may apply in the application form prescribed for them in Appendix III-B.

Actual Users (Non-Industrial)

184. (1) Applications for import of machinery from Actual Users (Non-Industrial) may also be considered by the licensing authorities referred to in para 160. Such applications will be considered on the recommendation of the State Director of Industries or any other appropriate authority in the State or the Central Government, concerned with the applicant. Applications should be made in the form prescribed for Actual Users (Non-Industrial) in this Book, unless otherwise provided. While dealing with these applications, the availability from indigenous angle, the essentiality for import, the availability of foreign exchange for the purpose and other relevant considerations will be kept in view.

(2) Applications for import of construction machinery will be considered from construction agencies. The applications should be made in form 'E' (CG) in Appendix III-A and addressed to the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi. The applications should be made through the State Director of Industries who will make his recommendation in consulta-

tion with the concerned department of State Government. The applicant should also indicate the country from which the equipment is sought to be imported.

(3) Applications for import of studio equipment may be considered from film studios and film processing laboratories on the recommendation of the State Director of Industries or National Film Development Corporation. Applications should be made to the licensing authorities referred to in para 160.

(4) Applications from the units engaged in chemical analysis and testing of the products manufactured by other industrial units, will be considered for the import of essential machinery, machine tools and equipments which are not produced indigenously. The applications should be made to the regional licensing authorities concerned in the prescribed form through the State Director of Industries. The Director of Industries should obtain indigenous clearance from the DGTD, New Delhi, before recommending a licence.

Import of Capital Goods for Research and Development Projects

185. It will not be necessary to obtain industrial licences for import of Capital Goods for research and development purposes.

Approved Hotels

186. The requirements of machinery and equipment by approved hotels will be considered as per the procedure given in para 160.

Computer Systems (and their initial spares)

187. (1) (i) Chapter III of the Import & Export Policy, 1985-88 provides details regarding import of computer systems. Applications, wherever required will have to be submitted through the Department of Electronics (Computer, Computer-Communication and Instrumentation Wing), E-Wing, Pushpa Bhavan, Madangir Road, New Delhi-110062, which is the sponsoring authority for the import of computer system. Application in this regard is to be made in the format as given in Appendix III-C, which will be dealt with in accordance with the procedure laid down in para 160.

(ii) The above provisions will be equally applicable to all R&D institutions, educational institutions, hospitals and other such organisations which are otherwise eligible to import their requirements on O.G.L. basis.

(2) Import of computer system may be allowed to export-oriented units subject to export obligation in the following manner :—

Category A : Where the applicant undertakes to export software of f.o.b. value equal to twice the c.i.f. value of import allowed.

Category B : Where an applicant imports computer system out of his own foreign exchange earnings abroad and undertakes to export software of f.o.b. value equal to the c.i.f. value allowed.

- (a) In both categories A & B above, the applicant will be required to produce evidence to show, at the time of applying for import licence, that he has firm export orders covering at least 20% of the export obligation to be stipulated;
- (b) The export obligation will be discharged over a period of maximum five years as per para 59 (6) of Import & Export Policy, 1985-88, (Vol.-I);
- (c) At the time of import of the first consignment against the licence, the applicant will be required to execute an export bond in the prescribed form;
- (d) The applicant will send half-yearly returns of the export made to the Department of Electronics (Computer Directorate), Lok Nayak Bhavan, New Delhi; and
- (e) In order to avail of this facility, the exporters of Computer Software will make a request in writing to the licensing authority at the time of making application for REP licences, clearly stating that they wish to avail of the facility under para 59(7) of Import & Export Policy, 1985-88 (Volume-I) and no REP licence be issued. The licensing authority after processing their application and determining their entitlement will intimate them about the quantum of entitlement so accumulated, in writing. Their entitlement will be carried over to next year and can be accumulated for a maximum period of three years.

Category C : Applications may also be entertained for import of computer system for the purpose of enhancing/modifying system hardware and/or software against a specific export order, with the condition that he imported computer systems shall be re-exported after the export order has been executed. In such cases imported computer systems shall not be used for any domestic work.

- (a) The following two options will be available to the exporters:
 - (i) either complete duty exemption with Custom bonding; or
 - (ii) Duty payment without Custom bonding
- (b) All facilities and incentives available under the Scheme of 100% Export Oriented Units will be available to Category-C, a(i) above also.
- (3) In cases where the importer of a computer system fails to comply with the conditions subject to which the import is allowed, he will be liable to action under the Import & Export control regulations, etc.

(4) Actual Users (Industrial) should apply for import licence in the Capital Goods form E(CG), prescribed in Appendix III-A. Other Actual Users may apply in the form given in this Book

(5) For non-resident Indians there is also a separate provision in Chapter III of the Import & Export Policy, 1985-88 (Vol. I)

(6) Software exports shall also be permitted through satellite based data links with overseas computers. For such export transactions special procedure laid down by the Department of Electronics will be applicable. All such applicants should directly approach CCI-Wing of the Department of Electronics.

Special facilities for Indians returning from abroad

188 (1) Chapter XI of the Import & Export Policy, 1985-88, (Vol. I) relate to non-resident Indian/Persons of Indian origin returning home for permanent settlement

(2) Application for import not covered under OGL should be made in the prescribed form appearing in Appendix III-I. Applications should be made to the Special Approval Committee (NRI), Ministry of Industry, New Delhi, irrespective of the value involved.

(3) Those who are eligible for import of Capital Goods under the above provision may purchase the same from indigenous producers against payments to be made in free foreign exchange, instead of importing them. (Against such supply, the indigenous producers will be eligible for import replenishment as admissible under the Import Policy for Registered Exporters and for discharge of export obligation, if any.)

Import of Capital Goods against REP Entitlements

189. (1) Actual Users (Industrial) may be allowed to import capital goods against REP licences in the manner indicated below.

(2) The Import and Export Policy, 1985-88 provides that a manufacturer-exporter may be allowed to utilise REP licence(s) issued to him against his own exports of the products manufactured by him or against valid REP licence(s) acquired by him, by transfer, in accordance with the import policy in force, for the import of capital goods/proto-types, without the recommendation of the sponsoring authority concerned, and without indigenous clearance, in accordance with the manner and conditions as laid down in para 50 of Import and Export Policy, 1985-88 (Vol. I). For the purpose of eligibility to this facility, the manufacturer-exporters may have to obtain Export Performance Certificate from the Export-Commissioner, in the Office of the C.C.I. & E., New Delhi, for which they have to apply in the prescribed form and manner on or before 31st October of the relevant licensing year as laid down in Chapter XIX of Imports & Exports Policy, 1985-88. Eligible manufacturer-exporters after obtaining Export Performance Certificates may approach the licensing authority concerned in whose jurisdiction the factory of the Actual User is located with the following documents :

- (a) A certified copy of the export performance certificate;
- (b) A certified copy of the Industrial Licence or Registration of the industrial unit concerned;
- (c) A declaration, in original, that the import of the machinery applied for shall not result in exceeding the licensed/approved production capacity of the applicant unit;

- (d) A statement giving the details of REP licences i.e., their number, date and value, or the particulars of pending REP applications against which licences have yet to issue, against which the machinery, in question, is sought to be imported; and
- (e) Complete description of the machinery to be imported (5 copies).

(3) The Import & Export Policy, 1985-88 provides that the facility in Sub-para (2) above, will also be available to a manufacturer-exporter, whose exports of select products, in any of the two previous financial years were less than the prescribed limits but in his case, the import will be subject to indigenous clearance from the DGTD or the Textile Commissioner or the Jute Commissioner, as the case may be, if the value of the machinery to be imported exceeds Rs. 2 lakhs during the licensing period. Other conditions stated in (2) above will apply. Manufacturer-exporters, falling in this category may also approach the licensing authority concerned with the same documents, as mentioned above, except that instead of export performance certificate, they should produce the original indigenous clearance obtained from the technical authority concerned in respect of the machinery sought to be imported where the import exceeds Rs. 2 lakhs in value. Before approaching the licensing authority, the applicant should obtain indigenous clearance from the authority concerned. In the case of DGTD, clearance should be obtained from DGTD (Import & Export Policy Cell), Udovg Bhavan, New Delhi.

(4) In cases not covered by (2) & (3) above i.e. where the machinery is to be imported against REP licences other than those issued on own exports of the applicant of the products manufactured by him, and/or its c.i.f. value exceeds the prescribed upper limit, the normal Capital Goods procedure will apply, if the REP licence is sought to be utilised for import of machinery/prototype. In such cases, applications for import of Capital Goods may be made in accordance with the prescribed procedure for submission of CG application. The applicant should indicate the particulars of REP licence/entitlements against which the machinery would be imported.

(5) In all the above types of cases bulking of valid REP licences will also be allowed to enable the licence-holder to consolidate their value for the purpose of machinery import under these provisions.

(6) The REP licences to be surrendered for the purpose of machinery import under these provisions should have an unutilised balance of at least three months in their period of validity, as on the date on which they apply for import of Capital Goods. A CG licence issued against surrender of REP licences/REP entitlement will be given normal validity period as applicable to CG licences.

(7) A provision has also been made in the Import & Export policy for issuing import licences for machinery required for the manufacture of wooden furniture and moulded wooden products to manufacturer-exporters against their export of wooden furniture. Import applications for this purpose may be made on quarterly

or half-yearly or annual basis, as the exporter may desire. These imports are not debited to the REP entitlements. The import application should be accompanied by a bank certificate showing the description of the product exported, the date of export and the f.o.b. value. It will be necessary for the applicant to produce recommendation of the sponsoring authority for this purpose.

(8) The facility allowed in sub-para (2) above, will also be available to a manufacturer, none of whose product qualifies for REP entitlements in Appendix 17, of the Import & Export Policy, 1985-88 (Vol. I) although the f.o.b. value of his exports of such products manufactured by him during the previous licensing period was not less than 25% of the gross value of his production and also not less than Rs. 5.0 lakhs (f.o.b.) in value, provided the c.i.f. value of the machinery allowed during the current year is not more than 5% of the f.o.b. value of his exports, subject to a maximum of Rs. 20 lakhs. Other conditions laid down in sub-para (2) above shall equally apply.

(9) In the case of manufacturer-exporters of marine products intending to import machinery against REP entitlements, the sponsoring authority will be Marine Products Export Development Authority (MPEDA).

190. (1) The Import & Export Policy provides that Export Houses/Trading Houses may be allowed to import non-OGI machinery upto Rs. 20 lakhs a year, subject to indigenous clearance, against their REP licences for sale to Actual Users. Export Houses/Trading Houses intending to make use of this facility should approach the regional licensing authorities concerned for endorsement of the machinery on their Additional licences, REP licences issued on their own exports or acquired by transfer. They should first obtain indigenous clearance from the DGTD (Import & Export Policy Cell), Udovg Bhavan, New Delhi. If the applicant has not obtained indigenous clearance from DGTD, the licensing authority will do so before allowing import. The endorsement for import of machinery in such cases shall be subject to the condition that the machinery shall be disposed of to eligible Actual Users (Industrial) and intimation thereof shall be given to the licensing authority and the sponsoring authority concerned immediately after sale.

(2) The Import & Export Policy provides that Export Houses/Trading Houses may be allowed to import Capital Goods against REP licences to enable to set up common servicing centres. Export Houses/Trading Houses intending to make use of this facility may approach the Chief Controller of Imports & Exports (E.P. III Section), New Delhi, giving details of the machinery sought to be imported, its c.i.f. value and the particulars of the common servicing centre proposed to be set up by them. After obtaining indigenous clearance from CCT&E, New Delhi, they would be required to approach the licensing authority concerned for a suitable endorsement on their Additional licence or REP licence obtained on their own exports or acquired by them, to enable them to import machinery for the purpose. Such licences shall be subject to 'Actual User' condition.

SPECIAL PROVISIONS FOR IMPORT OF CAPITAL GOODS

Import of Machinery for Agricultural Development and Food Processing Industries

191. (1) Import and Export Policy, 1985—88 contains special provisions for import of certain machinery and other items for agricultural development and for food processing industries. Under these provisions applications for import of machinery, green houses and other items required for agricultural development, not indigenously available, will be considered on merits, on the recommendations of the State Governments concerned. Applications should be made to the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi through the Department of Agriculture of the State Government. The advertisement and other Capital Goods procedure will not apply for such import. Applications will be examined by the Coordination Committee in the office of Chief Controller of Imports and Exports referred to in Chapter XII of the Import & Export Policy, 1985—88. (Vol. D) The Coordination Committee may consider such cases on the recommendation of the Export Promotion Division in the Ministry of Commerce also.

(2) Applications should be made in the Form prescribed for the purpose in Appendix III-D. A complete justification for the import sought to be made should be given. In particular, it should be mentioned whether the proposed import will also contribute to exports and if so, when and to what extent.

(3) Import licences in such cases will be subject to such conditions as may be specified by the Chief Controller of Imports and Exports. The import shall be subject to Actual User Condition.

(4) Such applications will be considered having regard to the availability of Foreign Exchange.

(5) Import application from State Agro Industries Corporation may be considered by CCI&E for Import of Agricultural Machinery and Spares on the recommendation of concerned State Governments, for distribution to eligible Actual Users.

Import of Diesel Generating Sets

192. Policy for import of diesel generating sets is laid down in Chapter III of the Import & Export Policy, 1985—88 (Vol. I).

193. (1) Applications for import of diesel generating sets may be made in the manner and form prescribed for import of Capital Goods (Form 'E' CG) given in Appendix III-A accompanied by the following additional information and documents :—

(a) Particulars of the actual undertaking or institution for which the import is sought to be made.

(b) No objection certificate from the appropriate State Authority or other Power Supply Authority in terms of electricity status should be produced, in original, along with the import application.

(c) Ratings and other specifications, probable country of imports, c.i.f. value and delivery schedule of the Diesel Generating Set(s) proposed to be imported together with proforma invoices in original of the foreign suppliers.

(d) Particulars of any stand-by captive generating capacity already with the applicant for the undertakings/institutions for which the application is being made (now).

(2) Applications will be considered under the normal procedure but the import licence that might be granted will be valid for a period of 18 months only with the added conditions that orders shall be placed with the suppliers within the first six months only.

(3) Manufacturer-exporters may be allowed to import diesel generating sets above 500 KVA against their REP licences for their own use, without reference to indigenous angle.

(4) It will not be necessary for the applicants to follow the advertisement procedure, even if the value of generating sets proposed to be imported is more than Rs. 20 lakhs.

Import of Printing Machinery

194. (1) Printing machinery listed in Appendix 1, Part-B of Import & Export Policy, 1985—88 will be allowed for import to eligible Actual Users under Open General Licence subject to the conditions laid down.

(2) Applications for import of other printing machinery should be made to the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi, where the value of the machinery to be imported does not exceed Rs. 1 crore (c.i.f.) and to the Secretariat for Industrial Approvals, Ministry of Industry, New Delhi, where the value exceeds Rs. 1 crore.

(3) Printing machinery imported by Projects & Equipments Corporation Ltd. under rupee payment arrangements will be distributed to eligible Actual Users by the Projects & Equipments Corporation on the basis of Release Advice issued by the licensing authority. In such cases also import applications should be made to the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi, or the Secretariat for Industrial Approvals, as the case may be.

Import of Goods for Development of Sports

195. (1) Applications for import of sports goods/equipment not indigenously available, will be considered on merits, from Central and State Government organisations dealing with sports, educational institutions/universities, associations of sportsmen, sports clubs and eminent sportsmen duly sponsored and recommended by the Central Government or State Government department concerned.

(2) Applications may be made to the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi in the form prescribed for this purpose in Appendix III-E, through the sponsoring authority concerned. Before recommending import the sponsoring authority will obtain

indigenous clearance from DGID (Import & Export Policy Cell), Udyog Bhavan, New Delhi, except for items for which indigenous clearance has been given and listed in Appendix 11 of the Import and Export Policy, 1985—88, (Vol. I)

(3) Import licences in such cases will be subject to such conditions as may be specified by the Chief Controller of Imports and Exports with regard to the use and distribution of the imported equipment.

(4) Such applications will be considered having regard to the availability of foreign exchange.

Import of Second-hand Machinery

196. (1) Applications for import of second-hand (used) Capital Goods for a value upto Rs. 1 crore (c.i.f.) should be made to the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi. Applications of a higher value should be made to the Secretariat for Industrial Approvals, Ministry of Industry, New Delhi. The regional import licensing authorities will not entertain any application for import of second-hand (used) Capital Goods.

(2) Request for import of second-hand machinery which is older than 7 years and have less than 5 years expected residual life will not be considered.

(3) In cases where second-hand (used) Capital Goods are sought to be imported, the relevant application must be accompanied also by the following documents/information :—

(a) A certificate from a professional independent Chartered Engineer/any equivalent institute in the country from which machinery is imported, indicating :

- (i) name of the manufacturer of the plant and machinery;
- (ii) year of manufacture;
- (iii) cost of major re-conditioning/repairs, if any, carried out and the name of the firm overseas which carried out re-conditioning/repairs;
- (iv) present condition of the plant and machinery and its expected residual life. What generation of technology is involved through such imports should be clearly specified;
- (v) the c.i.f. value of equivalent capital goods, if purchased new;
- (vi) nature of reconditioning/repair done, if any, and the date on which these were carried out; and
- (vii) his/its opinion regarding the price asked for by the suppliers and the basis for such opinion.

(b) Complete specifications of the second-hand plant and machinery and price (proforma invoice) together with its photographs, if available. Break-up of the price i.e., price of the capital goods, cost of dismantling, freight and insurance to be shown separately in the proforma invoice, wherever possible.

(c) The nature of performance guarantee, if any, obtained from the supplier.

(d) Relevant information in justification of such imports, specially the advantage that would accrue in price, and cost reduction due to early delivery of the imported second-hand plant.

(e) Arrangements made/proposed for critical spare parts.

Note : For importing second-hand items of machinery covered by Open General Licence, reference may be made to the relevant provision in the import-export policy.

Validity of Indigenous Clearance

197. In cases where indigenous clearance for the import of Capital Goods is given, but the issue of the Capital Goods licence is to await completion of financial or industrial licensing formalities or other procedural formalities, a maximum period of 24 months shall be available to the applicant from the date of such approval for their completion. Where this period is inadequate, fresh clearance will have to be sought. In such cases, a fresh advertisement will not be necessary.

Advertisement Procedures

198. (1) Where the value of Capital Goods, required exceeds Rs. 20 lakhs, the intending applicant should advertise his requirement in the manner given below, so as to enable interested indigenous manufacturers to respond thereto first. The advertisement shall give, inter alia, sufficient details of the specifications, make, model and/or other particulars of the Capital Goods concerned, the desired period of delivery and any other material factor which the applicant would like to mention. It should state whether the connected drawings are already available or could be provided. (Only the main item should be advertised i.e. excluding accessories, spares, toolings, etc.).

(2) Where Capital goods to be imported incorporate DC drives, programmable logic control systems, instrumentation systems, electronic weighing systems, etc. full specifications of these items should be stated in the advertisement, so that meaningful response could be obtained from the indigenous manufacturers. Such items will not be allowed for import with incomplete specifications or under general description as part of the main mechanical plant.

199. The advertisement should be published either in the (i) Indian Trade Journal or (ii) Indian Export Service Bulletin. All correspondence in respect of the former (as a display advertisement) shall be addressed to the General Manager, Government of India Press, Santragachi, Howrah. Simultaneously, a copy of the advertisement material may be sent to the Depot Incharge, Government of India Book Depot, No. 8, K. S. Roy Road, Calcutta-1. In the case of the latter, the Managing Director, Trade Fair Authority of India, Administration Building, Lal Bahadur Shastri Marg, New Delhi, should be addressed.

200. A period of 45 days, from the date of publication of the advertisement, shall be available to the indigenous manufacturers to make their offers to the

(intending) applicant. Such parties should send their proposals directly to the applicant, with a copy each by Registered Post A.D. to the Directorate General of Technical Development (Co-ordination Section), Udyog Bhavan, New Delhi and the sponsoring authority of the advertisers concerned. The serial number and date of the concerned advertisement shall be cited therein. The proposals should give the details of the specifications and sufficient other particulars of the items which the indigenous manufacturer is in a position to supply, the period of delivery that can be assured, prices and other material information. Other Actual Users having Capital Goods surplus to their own requirements which in their judgment is suitable to the applicants requirements, may also send their proposals like-wise.

201. The failure to adhere to the limit set above will disqualify an indigenous manufacturer/Actual Users, from further consideration/representation.

202. After a period of 45 days from the date of advertisement has elapsed, the intending importer may apply to the licensing authority concerned for a licence to import the Capital Goods in question. (The procedure of advertisement should be repeated unless it is specially exempted in his favour by the Secretary, Department of Technical Development, if such application is not made within twelve months of that date). The import application should state the serial number and date of publications of the advertisement, offers received and their individual appreciation by the applicant. Reasons for rejection should be given clearly. Two photostat copies of the advertisement should also accompany the application.

203. (1) The advertisement procedure will, however, not apply to printing machinery, Cinematographic equipment, computer systems and their spares, proto-types, import of equipments by approved hotels within 10% of foreign exchange earnings, Capital Goods required by any Research and Development Laboratory, other scientific and research institution, any institution of higher education or a hospital, that is recognised by the Central or a State Government, as well as to the special schemes applicable to Indians returning from abroad for permanent settlement. Advertisement procedure will also not apply to the import of second-hand (used) machinery.

(2) In case of public sector industrial undertaking, if Government has released foreign exchange to cover the import of Capital Goods and indigenous clearance for the items to be imported has been obtained, it will not be necessary for the undertaking to make advertisement before applying for import licence.

(3) The advertisement procedure will not apply in case of Capital Goods given in Appendix III-F. Indigenous clearance will also not be necessary in these cases. Actual Users can apply for an import licence in accordance with the prescribed procedure.

Export Conditions on C.G. Licences

204. Applications for import of Capital Goods may also be considered subject to export conditions

as may be decided in each case, requiring the licensee to export goods of a specified description and value/quantity within a specified time limit and subject to such other conditions as may be prescribed. Exports to Bhutan will not qualify for redemption of export obligation as also exports to Afghanistan and Nepal, if made otherwise than in free foreign exchange.

205. A licence issued for import of Capital Goods with an export obligation will be subject to the condition, *inter alia*, that the licensee shall execute a bond in regard to the fulfilment of prescribed export performance. The bond should be supported by a bank guarantee for an amount equal in value to the annual obligation of exports. In lieu of a bank guarantee the licensing authority may also accept the legal agreement executed by the licensee to the effect that in the event of his inability or failure to export directly the goods in accordance with the prescribed export obligation, he shall hand over to the State Trading Corporation or such other agency as the Government (including the CCI&E, New Delhi) may nominate, goods of a value equal to the difference between the stipulated annual export commitment/obligation and actual exports, and in addition, pay to the nominated agency a specified amount by way of liquidated damages. The form in which the licensee will be required to give the legal agreement appears in Appendix III-G. It may be clarified that the bond/legal agreement may be executed by the licensee either with the regional licensing authority under whose jurisdiction the licensee is situated or with the licensing authority at the port of clearance of the goods to be imported against the licence in which case the licensing authority at the port of clearance will transfer relevant papers to the licensing authority issuing the licence concerned. The licensee should intimate to the licensing authority issuing the C.G. licence, the name of the licensing office where he will execute the bond/legal agreement to enable the licensing authority to incorporate the name of that office in the export condition imposed on the C.G. licence. The Licensing Authority at the port where the Bond or the Legal Agreement is accepted, will forward the Bond or the Legal Agreement after execution, to the Licensing Authority under whose jurisdiction the main factory of the licensee is located, for follow-up action.

206. A special Cell known as 'Export Obligation Cell' has been set up in the office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi to co-ordinate follow-up action in cases where Capital Goods import licences, Industrial licences or approvals to foreign collaborations are issued subject to export conditions. The manufacturing units concerned will be required to furnish periodical returns to the Chief Controller of Imports and Exports (Export Obligation Cell) Udyog Bhavan, New Delhi indicating their export performance in the form and manner as may be prescribed by the Chief Controller of Imports and Exports. Such returns shall be in addition to the returns which the unit will be required to furnish to the regional licensing authorities in pursuance of the bond/legal agreement, and to the administrative Ministries concerned.

207. The performance of manufacturing units which are granted Capital Goods import licences, or Industrial licences under the Industries (Development & Regulation) Act, 1951, or approvals to foreign collaboration arrangements subject to export conditions will be reviewed by an Inter-Ministerial Committee under the chairmanship of the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi and having representatives of the concerned Ministries and Departments and the nominated agency as members.

208. The exports made by manufacturers in fulfilment of the export obligation from 1st April, 1970 will be eligible for the grant of import replenishment licences in accordance with the import policy for registered exporters, subject to such conditions or restrictions as may be stipulated in this regard. "Deemed" exports which qualify for import replenishment in the Import Policy for Registered Exporters will also qualify for discharge of export obligation.

209. Where an industrial unit is allowed imported machinery subject to an export obligation and direct import licence for import of machinery is not issued to the unit but the machinery is obtained through National Small Industries Corporation or any other similar agency, the bond/legal agreement for fulfilment of the export obligation in such a case shall be executed by the unit before it obtains machinery from NSIC etc. The import licence issued to the NSIC, etc. in such cases will bear a suitable condition to this effect.

Negotiations for Loans

210. Direct negotiations of loan by importers with foreign financing institutions require the prior approval in principle of Government. Such requests should be addressed to the Administrative Ministry concerned indicating the value of the equipment, the purpose for which it will be imported, the proposed country or countries of import, the value of imported raw materials/components that will be required annually after going into production, and the particulars of the manufacturing licence, if any, under the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 that may be held for the project.

Imports Against Free Resources on Cash or Deferred Payment Basis.

211. When the outlay on imported plant and equipment is relatively small, and is likely to be covered by saving or earning of foreign exchange (having due regard to the existing level of imports/exports) as a result of the implementation of the

scheme within a period of three years, it may be possible to consider applications, to a limited extent, for licensing against free resources, on cash basis, or on deferred payment basis. In general, Government do not propose to encourage import on short or medium term suppliers' credit and deferred payment arrangements will only be considered in exceptional cases when the Government are satisfied that the savings of foreign exchange resulting from the output of the plant and machinery proposed to be imported will be more than sufficient to meet the payment liability. Similarly, such arrangements may be approved if there is a satisfactory guarantee for the exports of goods for the production of which the plant is to be imported.

Import of Construction Equipment and Other Materials on Re-export Basis

212. Applications for the grant of Customs Clearance Permits may be considered for import of construction equipments and other materials on re-export basis. Import in such cases will be allowed only subject to indigenous clearance obtained from DGTD, New Delhi. The Customs Clearance Permit, where issued will be subject to the following conditions *inter alia* :—

"The goods imported under the licence and not consumed during the construction work shall be re-exported on completion of the job for which they are imported or within two years from the date of import, whichever is earlier. The licensee shall execute a bond for re-export with the licensing authority at the port of importation."

No bank guarantee would be taken only from the Government Projects/undertakings in support of the export bond.

Transfer or Disposal of Imported Capital Goods

213. The procedure for transfer/disposal of imported Capital Goods is given in Chapter II of this book.

Flexibility

214. Applications for increase in the c.i.f. value of a C.G. licence by not more than 10% on account of an escalation in price or a mere change in the model or a relatively minor specification, may be made directly to the licensing authority concerned. If any other changes are involved, the applicant should apply to the licensing authority concerned only through the sponsoring authority.

CHAPTER IV

CANALISATION

215. Appendix 5 of the Import & Export Policy, 1985—88, enumerates the list of canalised items. Those included in Appendix 5, Part-B, will be governed by the policies laid down by Government in the administrative Ministries concerned.

216. In the case of items listed in Appendix 5, Part A, the eligible Actual Users may register their six months requirements or twelve months requirements with the concerned canalising agency, together with earnest money calculated at two per cent of the sale value of the quantity so registered, or Rs. 50,000/-, whichever is less (Where a Co-operative Society or an Association is authorised to register the requirements on behalf of its member Actual Users, the earnest money shall be still calculated likewise, i.e. for the total quantity of material so registered). However, the canalising agency in its discretion may not ask for earnest money in respect of item(s) from the eligible persons. The earnest money should be paid in cash or through Bank Draft, but the canalising agency may also accept in lieu thereof, a bank guarantee of the required amount. The application shall be made in the form given in Appendix IV-A of this Book. The canalising agency may, in respect of items as identified by it, seek additional information or clarification, required for satisfying itself about the eligibility of the applicant or the reasonableness of his requirements in respect of the imported material, before agreeing to register his requirement or arranging the imports.

217. The canalising agency may take such financial cover as it considers necessary before arranging the imports, not exceeding the sale value of the quantity registered for three months at a time.

218. In the case of such items as are produced indigenously, the canalising agency will try to meet the registered requirements from indigenous supplies—partly or wholly—instead of imports. No person registering his requirements with a canalising agency will also have the right to ask for a particular brand or make.

219. The period for delivery of the quantity so registered may extend beyond the licensing year.

220. The following procedure will apply to the import and distribution of "specified" canalised items in Appendix 5 part-A :—

S. No.	Item	Policy
(1)	Raw silk and Silk worm (Cocoons)	The quantum of import and the policy for distribution will be laid down by Government from time to time.
(2)	Raw Cotton	
(3)	Polyester filament yarn excluding base flat-first quality (fully/partially oriented) and Nylon filament yarn and thread excluding:	
	(i) Base flat-first quality (fully/partially oriented); and	
	(ii) industrial Nylon yarn of 210 deniers and above.	
(4)	Synthetic non-cellulose fibres excluding Polyester fibre/tow, Nylon fibre, acrylic fibre and Polypropylene fibre/tow.	
(5)	Natural rubber.	
(6)	D.D.T. technical and 75 wdp.	
(7)	Writing and Printing paper all types excluding Art & Chrome paper and board.	
(8)	Acetate filament yarn excluding first quality.	
(9)	Methanol.	
(10)	Carbon steel melting scrap of all grade.	Import and distribution will be made in consultation with the Department of Steel, New Delhi.
(11)	Carbon steel re-rollable scrap of all grades	
(12)	Alloy steel (including stainless/heat resisting/high speed steel) melting scrap but excluding rerollable scrap.	
(13)	Old ships Vessels etc. for breakup.	
(14)	Aluminium/Aluminium rods (wrought/unwrought).	The quantum of import will be laid down by the Government from time to time. The imported material may be distributed through M/s. Bharat Aluminium Company Limited (BALCO).
(15)	Hot rolled stainless steel/heat resisting steel coils of a width exceeding 500 mm imported for cold rolling.	Actual users having adequate facilities to cold roll such material in coil form in the width in which it is imported will only be eligible.

221. (a) In the case of copper, eligible Actual Users (Industrial may register their requirements with

the canalising agency (MMTC) and the indigenous producer, M/s Hindustan Copper Ltd., as under :—

M.M.T.C.	Hindustan Copper Ltd.
(1) Manufacturers of Insulated Winding Wires/Strips.	(1) All Government Departments.
(2) Manufacturers of telecommunication cables.	(2) All Central/State Public enterprises, other than those under MMTC.
(3) Manufacturers of commutator segments/profiles (for silver bearing copper only)	(3) Manufacturers of auto-ancillaries.
	(4) Manufacturers of Insulated Cables.
(4) Manufacturers of switch-gears and Transformers.	(5) Any other users.
(5) Manufacturers of Commutator segments/profiles of non-silver bearing copper.	
(6) M/s. Bharat Heavy Electricals Ltd., M/s. New Government Electric Factory, Bangalore and M/s. Hindustan Cables Ltd.	
(i) Manufacturers Semis and alloys.	50% each with MMTC and HCL
(ii) Bare Copper, Wires/Strips	

(b) Actual users eligible to secure the material as above from the MMTC/Hindustan Copper Ltd., may register their requirements to the extent of their certified consumption in any of the two previous financial years or the quantity recommended by the sponsoring authority concerned, whichever is higher. However, in the case of large scale units, this should not enable them to exceed 125 per cent of their licensed/registered capacity.

(c) The basis of registration indicated in the case of copper in (b) above, will also apply to other non-ferrous metals, viz. zinc, lead, tin and nickel.

(d) New units or existing units which had no consumption in any of the previous 2 years or existing Actual Users as are in need of additional quantities may apply to the MMTC or Hindustan Copper Ltd., as per the above division of categories, only after their demands are sponsored by the concerned sponsoring authorities.

222 (a). The provisions indicated in para 221 (b) above will apply to other canalised items required by existing units as well with the modification that instead of registering the demand on the basis of consumption in any of the two previous financial years, the consumption for any one of the two previous financial years plus 10 per cent thereof, will be taken into account. The demand over and above this will be considered by the canalising agency subject to the release of foreign exchange by the administrative Ministry concerned.

(b) Save as above, Actual Users (Industrial) may register their requirements for the other canalised items needed for their licensed/authorised manufacturing activities in the manner and form prescribed in this book.

223. An Actual User, while registering his six months or 12 months requirements, in his discretion, for allotment of a canalised item, should indicate to the canalising agency the phased programme of delivery on a bimonthly basis or monthly basis if so laid down by the canalising agency.

(i) (a) *On-going canalised items* (i.e. items which were in the canalised list during the preceding licensing period).

The Actual Users should send their requirements to the canalising agency concerned by registered post. The canalising agency will scrutinise such applications and register the demand and ask for deposit of earnest money within 30 days. In case the canalising agencies are not able to make supplies, they will issue No Objection Certificate in the form prescribed in Appendix IV-B of this book at the time of registration of demand, i.e., the NOC will be issued within a period of 30 days from the date of receipt of requirement.

(b) In case the canalising agency is in a position to make the supplies, they will send a communication to the Actual Users indicating the arrangements made by them for supply of the registered demand. The supply of the goods should commence latest in 60 days from the date of receipt of earnest money.

(ii) (a) *Newly canalised items*

In terms of the provisions contained in Chapter IV of Import & Export Policy, Actual Users can apply for direct import licences for newly canalised items to the extent of 25% of their previous year's consumption of imported material. For the balance quantity they are required to approach the canalising agency. In this case also the canalising agency will indicate the position regarding arrangements made for supply of the registered quantity within 60 days from the date of receipt of earnest money.

(b) If at the time of registration, the canalising agency is of the opinion that arrangements could not be made for supplies within the stipulated period, the canalising agency will issue the NOC at the time of registration for the quantity which it would not be able to supply.

(iii) If the Actual User has registered his demand with the canalising agency and the canalising agency does not deliver the material within 60 days from the date the Actual User has paid the earnest money or from the date of registration of demand, or from the date on which he has made financial arrangements to the satisfaction of canalising agency, if called upon to do so by the said agency, whichever is later, the Actual User may apply for direct import licence to the regional licensing authority concerned after filing an affidavit in the form given in Appendix IV-C of this Book. In

such cases the request for meeting 50% of their registered demand will be considered without further reference to the canalising agency concerned. For the balance quantity, the canalising agency will make arrangements for imports or issue N.O.C. as the case may be. In case the Actual User has deposited the earnest money by a crossed cheque, the date on which the cheque has been cashed will be taken as the date of deposit of earnest money. The period of 60 days will commence after all the requirements as asked for by the canalising agencies are completed. The above facility will not, however, be available for items listed in paras 220 and 221 above and for items in Appendix 5 Part B of Import and Export Policy, 1985—88.

- (iv) The last date for issue of N.O.Cs by the canalising agency will be the last day of February of the licensing year to which the application pertains.
- (v) In order to avail of this facility the Actual Users will make applications in the prescribed form to the concerned licensing authority with the relevant documents alongwith an affidavit in the prescribed form with a copy of the letter of registration of demand from the canalising agency.

224. Against the NOCs issued by the canalising agencies, licences will be issued by the regional licensing authorities. Canalising agencies will not levy any service charge for issue of NOC.

225. Details of direct import licences issued as per provisions made above should be reported to the canalising agencies concerned by the licensing authorities.

226. In case the demand is neither registered nor rejected by the canalising agency, the Actual User should approach concerned administrative Ministry, who will designate an officer to look into the complaints and take corrective measures.

227. Any goods, which are canalised for import under the policy in force from time to time, have necessarily to be imported only by the canalising agency designated for the particular item, unless otherwise provided in the import policy in force. Requests for their import as gifts will be entertained by the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi, on the merits of each case. While doing so, the general provision set down in Chapter IV of the Import Export Policy, 1985—88 will be taken into consideration.

CHAPTER V

IMPORT OF RAW MATERIALS, COMPONENTS
AND CONSUMABLES**Actual Users (Industrial)**

228. (1) Actual Users (Industrial), as defined in Chapter I of Import and Export Policy 1985-88, are those who require raw materials, components, accessories, machinery and spare parts for their own use in an industrial manufacturing process.

(2) Industrial machinery held by an Actual User (Industrial) in his manufacturing unit may be on ownership or on lease basis. In the case of machinery held on lease, an intimation should be given by the Actual User to the sponsoring authority concerned.

(3) Broadly speaking there are three categories of industrial actual users, viz., (i) scheduled industries borne on the registers of the Directorate General of Technical Development (ii) scheduled industries not borne on the registers of the Directorate General of Technical Development and non-scheduled industries other than small scale industries, and (iii) small scale industries.

Sponsoring Authorities

229. (1) A list of sponsoring authorities is given in Appendix V—A.

(2) General Managers of District Industries Centres have also been designated sponsoring authorities for concerned units in the small scale and cottage sectors.

(3) In cases where the import applications are to be routed through the sponsoring authorities under the import policy in force, the assessment of the import requirements of the units will be made by the sponsoring authority having regard to the import policy applicable thereto.

(4) In the matter of processing of import applications the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi may give such general directions to the sponsoring authorities as he considers desirable or necessary. He may also make a check ex-post-facto, of the recommendations for issue of licences made by the sponsoring authorities to see whether they conform to the general policy.

Scheme of Registration

230. Units which are not required to secure industrial licences or registration certificates under the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 are advised to get themselves registered with the concerned sponsoring authorities for the more convenient disposal of their application from time to time. Even such units as are holding a licence or registration certificate under the said Act may do so in respect of their other requirements, if any. Relevant proforma of application for registration is given in Appendix V—B to this Book.

231. (1) The scheme of registration of small scale industries has been in vogue since 1960. All small scale industries, requiring imported inputs are covered by it and have to get themselves registered with the concerned State Director of Industries.

(2) Actual Users (Non-Industrial) are not required to get themselves registered with the State Director of Industries, for the purpose of import policy, although, in certain cases, their import applications require the recommendation of the State Director of Industries.

232. The registration number and date thereof allotted to the unit under the scheme should be quoted by the applicant in his application for an import licence or the allotment of a canalised item. In the absence of a valid registration number, such applications will be liable to be rejected. Every licensing authority and canalising agency is hereby, authorised to call for such further information as it deems necessary to satisfy itself about the validity or scope of the registration.

233. (1) The State Director of Industries will send to the licensing authorities and canalising agencies concerned, a copy each of the registration certificates issued to small scale units in their jurisdiction. Intimation about their cancellation or any amendment therein should be sent by them to the licensing authorities and canalising agencies simultaneously with the communication made by them to the small scale units. Sponsoring authorities should also send, at the beginning of each licensing period, an upto-date list of units registered with them to the licensing authorities and canalising agencies.

(2) Where an existing unit is registered for the manufacture of a new end-product (with or without additional machinery), the State Director of Industries will enter such new end-product in the existing registration certificate already held by the same unit; in such cases, separate registration certificate will not be issued and the unit concerned will continue to be treated as an existing unit for the purpose of import licensing.

234. If at the time of registration, a unit has not yet installed machinery or is not in production, the registration certificate will bear the endorsement, "not in production". This will be deleted by the State Director of Industries only after his verification that the unit has gone into production.

235. Units transferred from the list of DGTD to the Small Scale Sector should get themselves registered at the earliest with respective State Director of Industries and vice-versa. However, in such cases, pending registration with the DGTD or the State Director of Industries, as the case may be, the unit

concerned will continue to have the import facilities (other than Capital goods) in their present status for a reasonable period of time

236. It will be open to the licensing authority or a canalising agency not to accept a registration certificate issued by the State Director of Industries to an Actual User. Where it is so considered, the unit should be asked to obtain a fresh registration.

237. (1) Without prejudice to the generality of the above provision, however, import licences for the current licensing period will be granted to small scale units on the basis of registration certificates already held by them or issued to them in the preceding year, on production of a declaration from the applicant that his registration certificate has not been cancelled or withdrawn or suspended and that the unit is actually in operation.

(2) The provisions made in Sub-para (1) will also apply to the allotment of canalised items by canalising agencies.

Actual Users to Maintain Account of Consumptions

238. (1) Every Actual User should maintain a true and proper account of the consumption and utilisation of imported goods in the proforma given in Appendix V-C. In the event of his failure to maintain account in this manner in respect of any goods imported against a licence issued by OGL or received as allotments from canalising agency, the application for issue of further licences or allotments will be liable to rejection without prejudice to any other action under law that may be taken against him. The onus will at all times be on the Actual User to satisfy the sponsoring authority as well as the Chief Controller of Imports & Exports or other licensing authority that he has done so and is in a position to prove his bona fides, including the Actual User condition specifically applicable, beyond reasonable doubt and that he has fully abided by the law and each one of the conditions subject to which he secured the imports or allotments or transfer/loan of imported goods. The Actual User shall be required on demand to produce the accounts and registers of receipts, consumption and utilisation of imported materials maintained by him, to the licensing authority or sponsoring or any other Government Authority authorised by the Chief Controller of Imports & Exports to inspect or verify them.

(2) Imported goods procured by the Actual User from Trading Houses, Export Houses, Associations or Cooperative Societies of Actual Users or public sector agencies, which have been assigned the role of supplying imported inputs to Actual Users under the Import-Export Policy in force, shall also be subject to 'Actual User' condition. Proper account of procurement and consumption of such goods should also be maintained indicating clearly the source from which goods were received.

(3) From 1982-83, Actual Users are required to maintain a separate account of import and consumption of items received under the system of Supplementary licences obtained by the unit under the import policy in force for Actual Users.

51—G1/Commerce/85

239. The accounts of receipts, consumption and utilisation of imported materials for the year 1977-78 and onwards, shall be maintained and preserved by the licensee for a period of at least 8 years, commencing from the expiry of the year to which the relevant account pertains.

240. If the Actual User is, in any circumstances, unable to comply with para 239 above, he may seek the prior written permission of the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi, but continue to preserve (and maintain the postings of) the current registers to the best of his ability. However, in all such cases, the Actual User will have the duties and obligation set down in para 238 above.

241. While considering requests for transfer of an industrial unit having imported machinery, the sponsoring authority will satisfy itself that the above accounts and registers maintained by the transferor will either continue to be preserved by him as above or be handed over to the transferee against a detailed acquittance. Both the transferor and transferee shall nonetheless be fully responsible, singly and jointly, in law for the proper and full discharge of their duties and obligations.

Intimations of Grant/Rejection of Licence

242. (1) Intimation about the grant or refusal of licence in every case will be sent by the licensing authority to the sponsoring authority concerned. For this purpose, a copy of the licence forwarding letter together with the value of the licence and the list of items allowed (if any) or rejection letter will be endorsed. The said forwarding letter will also indicate the end-product. The licensing authority will send copies of such communications also to the Central Excise authority and Income tax authority concerned with the applicant.

(2) While sending intimation to the sponsoring authority, the central Excise authority and the Income tax authority copies of the consumption statement on the basis of which the licence is granted, will also be sent.

(3) Intimation regarding the grant of REP licences to manufacturer-exporter with "Actual User" condition, will also be sent by the licensing authority to the sponsoring authority, Central Excise authority, and Income-tax authority concerned, as required under sub-para (1) above.

Canalising Agencies to Inform Sponsoring Authorities

243. Each canalising agency will send to the sponsoring authorities concerned monthly statements of the direct allotment made by it of canalised items, giving the names of the allottees, their addresses, licence/registration numbers, quantities and dates of allotment/release.

Check on Utilisation

244. The sponsoring authorities concerned will check up whether in their jurisdiction the imported materials have been properly used by the Actual Users in terms of conditions imposed and/or applicable and

whether they have maintained a true and proper account of import and consumption, in the form and manner prescribed. They will also exercise diligence and care in agreeing to requests for transfer/loan of imported material from one Actual User to another as provided in the policy. They will promptly report to the licensing authority concerned such cases in which the Actual Users have contravened the conditions subject to which the goods including Capital Goods were allowed for import or allotted by canalising agencies or otherwise transferred/lent. The licensing authority will then initiate action as required against the defaulter, but without prejudice to (other) penal action which the sponsoring authority can take under its own powers, if any. The provisions of this para also extend to such units to whom the imported material has been given for processing.

245. (1) In order to check proper utilisation of imported materials by Actual Users and Registered exporters the licensing Authority may, in consultation with State Directors of Industries and other sponsoring authorities, or on its own carry out the necessary verification on random or selective or comprehensive basis of the extent and the manner in which an Actual User has utilised the imported goods having regard to the condition subject to which the import/allotment of such goods was allowed.

(2) Where an Actual User (Industrial) is or has been subject to a phased manufacturing programme in respect of any product, as laid down by the DGTI, New Delhi, or the Textile Commissioner, Bombay or the Development Commissioner (SSI) New Delhi or the Department of Electronics, New Delhi or the sponsoring authority concerned, the components imported by such Actual User against an import licence or under OGL under the import policy in force, for manufacture of such products, shall be utilised by the Actual User concerned strictly in accordance with the terms and conditions of such phased manufacturing programme. Any utilisation of imported components in contravention of the approved phased manufacturing programme will render the Actual User liable to action under the import trade control regulations without prejudice to any other action that the sponsoring authority can take under its own powers.

246. A Release Order is also subject to the condition inter-alia, that the holder shall maintain an account of consumption and utilization of the imported materials in the prescribed manner and produce such accounts to the licensing authority/sponsoring authority or any other concerned authority within such time as may be specified by such authority.

247. The type of offences which, inter-alia, would constitute breach of import/export trade control regulations would include violation of any provisions of the Imports & Exports (Control) Act or the Orders issued thereunder, or a condition subject to which a licence is issued as well as any misrepresentation in obtaining a licence or allotment of imported materials, or any other malpractice indulged in foreign trade. Action may also be taken for violation of any other law pertaining to customs, foreign exchange regulations, etc.

248. Where a licence has or had been issued at any time provisionally or through error or inadvertance or is in excess of the licence holder's entitlement or has been obtained by misrepresentation or contrary to rules and regulations in force it will be open to the licensing authority to set off the value of such licence or adjust the same against the licence holder's subsequent entitlement under any category for that item or any other item or items, without prejudice to any other action that may be taken in this behalf. This applies to allotments made by canalising agencies and Release Orders as well.

Role and Responsibility of Chartered/Cost Accountants, Chartered Engineers and Company Secretaries

249. (1) Chartered/Cost Accountants, Chartered Engineers and Company Secretaries have been entrusted with responsible functions under the Import Policy in various regards. It is expected of them that they will exercise due care and diligence in furnishing such certificates to the applicants concerned. It is on their responsible discharge of the functions so set down that the success of the liberalised procedure depends. Failure on their part to do so and furnishing of incorrect or an improper certificate will render them liable to penal action under law apart from the action that may be taken under the penal provisions of Import-Export control regulations. This will equally apply to all other persons to whom similar responsibility has been entrusted under the Import Policy.

(2) The import-export policy contains various provisions according to which consumption/export statements etc. to be furnished by importers or those applying for Export House Certificate or Trading House Certificate or Export Performance Certificate have to get their performance certified by a Chartered Accountant or Cost Accountant or Company Secretary in practice, who is not a partner, or proprietor or a director or an employee of the concerned firm or company or its associates.

Supplementary Licences

250. (1) Actual Users whose import requirements cannot be met under Open General Licence, may apply for grant of supplementary import licence for raw materials, components, consumables and spares as per the provisions made in the relevant import policy and as indicated below.

(2) Applications for supplementary licence for the items appearing in Appendix 3 Part A of the Import & Export Policy, 1985—88 (Volume-I), may be made through the concerned sponsoring authority in the following manner :

- (i) Where the value of the import, as recommended by the sponsoring authority, is upto a value of Rs. 5 lakhs (c.i.f.) in the case of small scale units and upto a value of Rs. 50 lakhs (c.i.f.) in the case of large scale units, the sponsoring authority will forward the applications, alongwith his recommendations, to the regional licensing authority concerned.
- (ii) Where the value of the import, as recommended by the sponsoring authority, exceeds Rs. 5 lakhs in the case of small scale

units and Rs. 50 lakhs in the case of large scale units, the sponsoring authority will forward the applications, alongwith his recommendations to the Chief Controller of Imports & Exports (I. P. Cell), New Delhi.

(3) Applications for supplementary licence for the items appearing in Appendices 2 and 3 Part B of the Import & Export Policy, 1985-88 (Volume-I), may be made to the Chief Controller of Imports & Exports (Import Policy Cell), New Delhi, through the sponsoring authority concerned, irrespective of the value involved and the status of the applicant concerned. Actual Users are advised to make combined applications for the items in Appendix 2, Appendix 3 Part B, to avoid any delay in the consideration of such applications.

In case the requirement relates to the import of items appearing in Appendix 3 Part A and the c.i.f. value involved is more than Rs. 5 lakhs in the case of small scale units and Rs. 50 lakhs in the case of large units, the same may also be included in the aforesaid application.

(4) Application for supplementary licence should be made in prescribed form as given in Appendix V-D so as to reach the licensing authority concerned on or before the last date prescribed i.e. 31st January of the licensing year in which the application is made. Each application for supplementary licence should be accompanied by a list of the items sought to be imported and the value of each item, besides other information which the applicant is required to furnish in terms of import policy in force.

(5) The sponsoring authorities, while recommending application for supplementary licences will also indicate in their recommendations reasons for which the import of the items recommended by them is essential and the requirements of the Actual User cannot be met under O.G.L. or indigenous sources or other authorised channels of import.

Production Returns

251. (1) All Actual Users should send monthly (quarterly in the case of SSI units) production returns to their sponsoring authorities. The names of units failing to submit complete monthly/quarterly production returns will be intimated by the sponsoring authorities to the licensing authorities concerned. Applications for further licences in the case of such defaulting units will be liable to be rejected, without prejudice to any other action that may be taken against them in this behalf.

(2) Cases in which the import applications are made through the sponsoring authorities, while processing the applications, the sponsoring authorities will also check whether the applicant has furnished to them complete monthly/quarterly production returns for the earlier year and uptodate return for the year in respect of the end-product, to which the import application pertains and state it in its recommendation.

(3) The Import & Export Policy provides for all Actual Users to send statements/declaration of their imports effected under Open General Licences to the

licensing authorities and sponsoring authorities concerned. Actual Users failing to comply with this requirement will also be liable to action under the import control regulations.

(4) The Import & Export Policy also provides for all Actual Users to send half yearly returns setting out the percentage of indigenisation achieved in his approved phased manufacturing programme. Actual Users failing to comply with this requirement will also be liable to action under the Import Control Regulations.

List Attestation Procedure

252. A Special List Attestation Procedure (LA Procedure) has been introduced with effect from 1st April, 1983 for import of components by DGTD units, and units registered with the Textile Commissioner for the manufacture of textile engineering items, which are or have been subject to phased manufacturing programme. In their case, imports of components will be governed by the List Attestation procedure. The details of this procedure are contained in Chapter V of the Import & Export Policy (Vol. I) for 1985-88. Actual Users failing to comply with the prescribed procedure will be liable to action under import control regulations and to the stoppage of further import facilities in their favour.

Units in the Backward Areas or those set up of Technocrats, etc.

253. Special facilities for industries in backward areas or those set up by graduates/diploma holders in professional subjects or by ex-servicemen/persons belonging to scheduled castes/scheduled tribes have been provided in the Import & Export Policy, 1985-88. The list of backward Areas to which this facility applies is given in Appendix V—E.

Actual Users (Non-Industrial)

254. Actual Users (Non-Industrial) are not required to get themselves registered with the State Director of Industries, for the purpose of import policy, although, in certain cases, their import applications require the recommendation of the State Director of Industries.

Recognition of Research and Development Units

255. Such of the Research and Development Units attached to industrial undertakings as are desirous of getting the benefits of imports under OGL in terms of Import & Export Policy, 1985-88 may make an application for recognition by the Central Government to the Secretary, Department of Science & Technology, Technology Bhavan, New Mehrauli Road, New Delhi-110016, in form prescribed in Appendix V-F in 12 copies in A-4 size paper. The recognition is granted normally for a period of 3 years. In certain cases the recognition is granted for a shorter period also. For the renewal of recognition, application should be made 3 months in advance of the expiry date, in the proforma prescribed in Appendix V-G in 6 copies. Applications for renewal of registration received after the expiry of recognition period will normally be rejected.

256. However, in the case of following institutions, no separate recognition from the Department of Science and Technology would be necessary :—

- (i) Departments of Central Government, Research and/or Training Institutes under the Central or State Governments (other than Public Sector Undertakings);
- (ii) All Laboratories of CSIR, ICAR and ICMR;
- (iii) All Universities, IITs, Indian Institute of

Science, and Indian School of Mines, Dhanbad;

- (iv) Any other Institutions so notified by the Chief Controller of Imports and Exports in consultation with the Department of Science and Technology; and
- (v) All such Institutions set up by specific statute of Parliament or the State concerned.
- (vi) All Associations in the Industrial Sector getting grants-in-aid from CSIR/Ministries.

CHAPTER VI

IMPORT OF SPARES

Spares for After-sales Service

257. (1) Applications for licences for import of spares required for providing warranty coverage/after-sale service to customers in accordance with the provision made in the import policy may be made to the regional licensing authority concerned in Form A as given in Appendix V-D, but with the additional information and certificates as required under the import policy.

(2) Import licences issued under this provision will be subject to the following condition : —

“The goods imported against this licence shall be used only for servicing and maintainance (whether free of cost or at a price) of the machinery/equipment/vehicles manufactured by the licensee.”

(3) Value of import licences received by Actual User (Industrial) under this provision should be intimated by them to the DGTD, New Delhi, to enable them to keep a watch on the standard of the service rendered by the Actual Users to the customers.

(4) Provisions for providing warranty/after-sale service in respect of the machinery exported, have been made separately in the Chapter—XXIII, pertaining to Export Licensing Procedure.

Emergency Licences for Spares

258. Applications for emergency licences for import of spares under the import policy in force should be made in Form D, as given in Appendix VI-A. It should be accompanied by a list of the items sought to be imported and a declaration of the Chief Executive i.e. Chairman/Managing Director/Executive Director/Managing Partner, as under :—

“I declare that our application for the grant of emergency licence for spares is in conformity with the import policy in force as there has been an actual/imminent breakdown of production machinery. I also declare that the items sought to be imported as spares are not CG items. The emergent import of spares has been necessitated because of the following :—

(Broad particulars of the situation to be given)”

Restricted Spares

259. Applications for the import of restricted spares by Actual users should be made to the sponsoring authority concerned in the prescribed Form A (Appendix V-D).

CHAPTER-VII

GOVERNMENT DEPARTMENTS, DEPARTMENTALLY RUN UNDERTAKINGS AND PUBLIC SECTOR ENTERPRISES

State Electricity Boards/Projects/Undertakings

260. (1) In the cases of State Electricity Boards, Projects or undertakings, release of foreign exchange is made by the Govt. of India in favour of the concerned Board/Project/Undertaking for meeting its maintenance and operational requirements of spares and stores. This is monitored by the Central Electricity Authority, New Delhi. For import of spares, they should operate under O.G.L., as provided in the Import & Export Policy, 1985-88. For their other requirements (including capital goods, upto Rs. 25 lakhs in value), import applications should be made to the regional licensing authority, appropriate to the applicant, in the form prescribed for Actual Users. However, there is no need for a public sector enterprise to submit the Consumption Certificate or file the Income-tax declaration. The application should be accompanied by the following documents :—

- (i) An attested copy of the letter containing the sanction of release of foreign exchange to cover the imports sought to be made;
- (ii) Five copies of the list of goods proposed to be imported (indigenous clearance should be obtained from D.G.T.D. in respect of items appearing in the Restricted list of capital goods only);
- (iii) A Bank Receipt/Demand Draft showing the payment of prescribed application fee; and
- (iv) Where it is proposed to import electronic items, including facsimile equipment for a c.i.f. value of Rs. 5 lakhs or more, the clearance of Deptt. of Electronics, thereto.

NOTES : (a) In case no foreign exchange allocation has been made to cover the relevant import, the application should be routed through the Central Electricity Authority, New Delhi.

(b) After the import of goods against the licence issued as above, the Board/Project/Undertaking should promptly send to the Central Electricity Authority, New Delhi the list of items actually imported, to enable the Authority to undertake review of the items so imported vis-a-vis indigenous availability.

(c) State Electricity Board/Projects/Undertaking should also send quarterly returns to the concerned Administrative Ministry/Department of the State/Central Government, as well as to the Ministry of Finance, (Deptt. of Economic Affairs-FEB-II Branch), New Delhi giving the details of the amount of foreign exchange so utilised, by imports of spares under O.G.L. and by obtaining licences, for the import of maintenance and

operational items of stores in a particular licensing year.

(2) State Electricity Boards/Projects/Undertakings are also eligible to licences for the import of emergency spares, in the manner laid down in the Import & Export Policy. The licensing authority will, simultaneously, with the issue of such licences, intimate to the Central Electricity Authority, New Delhi particulars of such licences granted, to enable the Authority to coordinate and monitor the release of foreign exchange made to the Board/Project/Undertaking concerned. (The period of validity of such emergency licences will be 12 months.)

IRMAC Scheme

261. (1) The Import & Export Policy, 1985-88 provides for supply of imported materials off-the-shelf by the STC/MMTC/State Small Industries Development Corporation and public sector trading and service agencies, under the IRMAC Scheme (Industrial Raw Materials Assistance Centre Scheme). For this purpose, the public sector agency may make an application to the Chief Controller of Imports & Exports, (G. L. Section) New Delhi or a bulk advance licence to operate the scheme in the prescribed form applicable to Actual Users, but without the necessity of producing any consumption certificate. Applications for subsequent licences can be made to replenish the stocks already serviced.

(2) The Import & Export policy provides that CCI&E, New Delhi may allow certain Export Houses and Trading Houses to render IRMAC facilities to Actual Users. Such export houses/trading houses may also apply to the CCI&E, New Delhi for the grant of bulk import licences.

Government Contracts/Stores ordered by the Director-General of Supplies and Disposals.

262. Special arrangements have been made to deal with applications for import licences by persons or firms, etc., to cover goods in respect of which a contract has been placed on them by the Director-General of Supplies and Disposals.

263. *Import Recommendation Certificate* :—In such cases, the applicant should obtain from the appropriate Director of Supplies, an *Import Recommendation Certificate* (IRC) showing, *inter alia* :—

- (i) The number and date of the contract.
- (ii) Description of goods and country of import.
- (iii) Contractual value of goods.
- (iv) C.I.F. value of goods.
- (v) Expected period of delivery.
- (vi) Name of the importer.

- (vii) Reference number and date under which foreign exchange has been released.
- (viii) Source from which foreign exchange is provided and mode of payment.
- (ix) Number and date under which indigenous clearance has been obtained from the DGTD in respect of the goods sought to be imported.
- (x) No. and date under which the clearance has been obtained from the Department of Electronics in respect of electronic items including facsimile equipment for a value of Rs. 5 lakhs or more and marine equipment and parts thereof irrespective of value involved.

NOTE :—(a) It may be clarified that no indigenous clearance will be necessary for the import of goods which are licensable to actual users in terms of the Import Policy in force at the time of making the application for the licence. In respect of items appearing in Appendices 2 Part-B, 3 Part-A, 8 and 10 of the relevant import policy, it will be necessary for the DGS&D, to obtain clearance from the DGTD, before recommending the import. For steel items appearing in Appendix 2 Part-B and Appendix -3 Part-B of import policy a similar clearance will be obtained from the Department of Steel, New Delhi. In respect of equipment, if any, sought to be imported, indigenous clearance will be necessary for all items, and restricted type of equipment will not be allowed.

(b) The DGS&D will issue the I.R.C. after all the terms and conditions pertaining to the relevant contract have been finalised and an indication to this effect will be given in the I.R.C.

264. *Form and manner of application* :—On receipt of the import recommendation certificate, the applicant should make out a consolidated application in respect of each contract covering all goods in the Form 'B' given in Appendix VII-A to this Book. On top of the application "DGS&D Contract" should be written in block letters. Applications should be made to CCI&E, (G. L. Section) New Delhi, along with the certificate from the Director of Supplies and other relevant documents including Bank Receipt/Demand Draft showing payment of application fee. There shall be no last date of receiving applications under this category.

265. *Intimation to Licensing Authority* :—If, for any reasons, the licensee is unable to utilise the imported material for the purpose for which the licence has been issued to him and during the period stipulated in the relevant contract, he shall immediately send the necessary intimation to this effect in writing to the licensing authority concerned, stating the circumstances in which he has failed to utilise the goods for the purpose for which the import was allowed. On receipt of such intimation, the licensing authority may consider initiating action under Clause 10-C of

the Imports (Control) Order, 1955, as amended, without prejudice to any other action that may be taken against the licensee or any other person in this behalf.

Stores ordered by Railways

266. Special arrangements have also been made to deal with applications for import licences from persons or firms etc., to cover orders placed on them by Indian Railways.

267. *Form and manner of application* :—The applicant should make out a single application in respect of each contract in the prescribed Form 'B' appearing in Appendix VII-A. Applications should be forwarded to CCI&E, (G. L. Section) New Delhi, through the Railway Liaison Officer, New Delhi.

268. *Recommendation for licence* :—While recommending the import, the Railway authorities should invariably give the following particulars, *inter alia* :—

- (i) Railway order, number and date.
- (ii) Description of goods sought to be imported and country of import.
- (iii) Contractual value of goods
- (iv) C.I.F. value of the goods.
- (v) Expected period of delivery
- (vi) Name of the indenter
- (vii) Reference number and date under which foreign exchange has been released.
- (viii) Source from which foreign exchange is provided and mode of payment.
- (ix) Reference number and date of the DGTD under which indigenous clearance has been obtained.
- (x) No. and date under which the clearance has been obtained from the Department of Electronics in respect of electronic items including facsimile equipment for a value of Rs. 5 lakhs or more and marine equipment and parts thereof, irrespective of value involved.

NOTES :—(1) It may be clarified that no indigenous clearance will be necessary for the import of goods which are licensable to Actual Users in terms of the Import Policy in force at the time of making the application for the licence. In respect of items appearing in Appendices 3, 2 Part-B 8 and 10 it will be necessary for the Railway Liaison Officer to obtain clearance from the DGTD/Deptt. of Steel before recommending the import.

(2) The Railway authorities will issue a recommendation for the licence after all the terms and conditions pertaining to the relevant contract have been finalised, and an indication to the effect will be given in the recommendation.

Defence Contracts

269. (1) Import applications made by persons or firms, etc. to cover goods in respect of which a contract has been placed on them by the Defence Organisation, will also be considered on the basis of Import Recommendation Certificates issued by such organisation. The application should be addressed to the

Chief Controller of Imports and Exports, (G. L. Section) New Delhi, in the Form 'B' appearing in Appendix VII-A.

(2) The Import Recommendation Certificate will be issued in the same form and manner as laid down in para 268 above.

CHAPTER VIII

SPECIAL LICENSING PROVISIONS

Special Requirements of Approved Hotels

270. The procedure for the import of Capital Goods by the approved hotels is given in Chapter III. Same procedure will be applicable for the import of other requirements of the approved hotels.

Import of Gas Cylinders, Containers etc. on Re-export Basis

271. (1) In the case of items like gas cylinders, returnable cops and bobbins, drum closures, ocean going containers etc. which are accessories to the imported items, the customs authorities may allow import without a licence, after satisfying themselves about the manner of their re-export.

(2) The provision in sub-para (1) will also apply to the import of empty gas cylinders which are to be re-exported after being filled with gas. At the time of clearance of the imported cylinders, the importer will be required to produce to the customs authorities a certificate of suitability of the cylinders from the Director of Explosives, Nagpur. While approaching the Director of Explosives for the required certificate, the importer should furnish particulars of cylinders, in question, indicating (i) the name and address of the manufacturer of the cylinders, (ii) specifications to which the cylinders conform, (iii) specifications to which the valves fitted to the cylinders conform and (iv) serial number of the cylinders.

Import of Empty High Pressure Industrial Gas Cylinders

272. Application for import of empty high pressure industrial gas cylinders by industrial gas manufacturers will be considered by Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi, irrespective of the value involved. The applications should be made in the form prescribed for import of Capital Goods.

Newspaper Establishments

273. In the case of Newspapers, as defined by the Press and Registration of Books Act, 1867, the sponsoring authority will be the Registrar of Newspapers for India.

274. Import and distribution of newsprint continues to be canalised through the State Trading Corporation of India. Newspaper establishments should apply for their requirements of newsprint in the prescribed form for allotment thereof, given in Appendix VIII-A.

275. For their requirements other than newsprint, the Newspaper establishments will be treated on par with the other Actual Users (Industrial).

Note : There may be Newspaper Establishments which are in a position to furnish, in the consumption certificate, only the landed cost

particulars, but not the c.i.f. particulars of the items of consumption appearing in it. The Consumption Certificate so furnished shall be reckoned at 60% for the purpose of calculating the c.i.f. value.

276. The above facilities for newsprint and other requirements will also be extended to Associate Press which have entered into long term arrangements/contracts with the owners of newspapers for the printing of their newspapers. In such cases, the applicant should produce satisfactory evidence of such arrangement/contract.

277. Common ownership unit of newspapers may submit a combined application covering the requirements of the various units owned by them, giving details of the requirements of each unit. Such applications should be made to the regional licensing authority within whose jurisdiction the respective Head Office is situated.

278. C. G. procedure will also apply with regard to the Capital Goods requirements of newspaper establishments.

279. Newspapers establishments should maintain an account of consumption and utilisation of imported materials in the proforma given in Appendix VIII-B.

Import of Transformer Oil together with Power Transformers

280. (1) Oil supplied for the first filling along with the transformer may be treated as part of the transformer and its clearance allowed against licences issued for transformers. It may, however, be noted that the quantity of transformer oil so allowed shall not in any case exceed the capacity of the tank of the transformer. It is also necessary to ensure that the c.i.f. value of the oil plus the c.i.f. value of the transformer should be covered by the c.i.f. value specified in the licence for transformer.

(2) Where the oil and the relative transformer are shipped from different countries, a separate import licence would be necessary for the oil. This would not, however, apply if the licence for transformer has been specifically made valid to cover transformer oil required with it, subject to the prescribed conditions, if any, being fulfilled.

Clearance of Condemned Ship Stores

281. The clearance of condemned ship stores shall be regulated as under :—

- (i) Clearance of condemned ships stores upto a value limit of Rs. 2,000/-, in each case may be allowed by the Collector of Customs concerned without a Customs Clearance Permit.

(ii) In cases where the value of condemned ships stores exceeds Rs. 2,000/- at a time and clearance is allowed from foreign vessels, the regional licensing authorities may issue Customs Clearance Permits without Exchange Control copies on the basis of Customs assessed value. The value of all such Customs Clearance Permits shall be debited to CCI&E's ad hoc ceiling by the licensing authorities concerned.

(iii) In all other cases, where foreign vessels are not involved and the value of stores exceeds Rs. 2,000/-, the licensing authorities may issue Customs Clearance Permits without exchange control copies.

Clearance of Unidentifiable or Unclaimed Cargo, Excess Landed Cargo, Sweepings etc.

282. (1) The regional licensing authorities concerned may issue Customs Clearance Permits against applications received from Steamer agents, for the clearance of unidentifiable or unclaimed cargo. Where the value of such goods does not exceed Rs. 100/- clearance may be allowed by the customs without CCP.

(2) Steamer Agents may also apply to the regional licensing authorities for the grant of Customs Clearance Permits for clearance of excess landed cargo. In such cases, if the value of the cargo exceeds Rs. 5,000/- the CCP will be issued after verifying the *bonafide* of the goods from the customs concerned.

(3) Customs authorities may allow clearance without import licences, of bonafide sweepings (ie. remnants of the bagged cargo obtained by sweeping of the sheds in the Docks), whether dutiable or not, provided :—

- (i) the sweepings are all from one particular ship;
- (ii) the duty, where leviable, has been paid in full on all manifested consignments of similar goods from the ship in question, or in the case of duty-free goods, where all manifested consignments of similar goods have been cleared by the Customs.
- (iii) there was no excess cargo on the particular ship; and
- (iv) it has been certified by the Port Trust Authority that the sweepings are genuine and obtained from sheds in the Docks.

(4) In these cases, where the goods to be cleared are canalised for import through a public sector agency under the Import Policy in force, the clearance of the goods shall be subject to the condition that the goods shall be sold to the canalising agencies concerned at landed cost.

Rehabilitation of Disabled and Physically Handicapped Persons

283. (1) Applications from Actual Users (Industrial) for import of machinery fitted with special disability control/devices required for setting up an industry, exclusively for rehabilitation of disabled/physically handicapped persons, upto Rs. 20 lakhs in value (c.i.f.) will be considered on merits. Such applications may be made direct to the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi. Under this provision, existing industrial undertakings can also apply for import of machinery if they wish to take up rehabilitation of disabled/physically handicapped persons in their establishment.

(2) An industrial unit applying for an import licence under sub-para (1) above will have to be registered with the State Director of Industries, as required for small scale units.

(3) Manufacturers of vehicles may apply for import of disability controls/devices required by them to be fitted in the manufacture of vehicles for use by disabled/physically handicapped persons. Such applications may be made to the regional licensing authorities concerned through the DGTD, New Delhi, in the form meant for import of raw materials and components by Actual Users (Industrial). Import licence to be issued in such cases will be subject to the condition, *inter alia*, that the vehicle manufacturer shall furnish a special production return to the DGTD of such vehicles manufactured and disposed of.

Imports from and Exports to Nepal

284. Imports and exports of goods from and to Nepal are allowed without Import and Export Control restrictions provided the goods are either the produce of or manufactured in the respective countries, subject to such exceptions and limitations as have been made and are in force, or may be made, hereafter.

Licensing under Trade Agreements

285. The Government of India have signed Trade Agreements with a number of foreign countries. These Trade Agreements are revised from time to time. In addition to the Trade Agreements, special payments and trade arrangements have also been worked out with respect to some of the countries. Licences under the special payments and trade arrangements with these particular countries are issued from time to time. For particulars, the importers are advised to contact the CCI&E, New Delhi.

Import of Radio Active Isotopes

286. Requests for import of Radio-Active Isotopes should be made to the Department of Atomic Energy, Bombay.

Grant of CCPs for Films to News Correspondents and News-Agencies

287. Import of unexposed films, free of charge, by regular news correspondents/news agencies will be considered by the licensing authorities for issue of a CCP on the recommendation of the Press Information Bureau, New Delhi.

Concessional Rate of Custom Duty Under Project Import

288. (1) Import of Capital Goods, connected raw materials and components required for initial setting up of or for substantial expansion of a project would be eligible for concessional assessment of duty under Heading No. 84.66 of Section XVI of the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975). The above benefit of concessional rate of Custom duty may be allowed by the Customs Officer on the recommendation of the sponsoring authority concerned. No specific endorsement in this regard will be necessary on the licence.

(2) In respect of Electronics Industry, the Customs authorities will allow the benefit of concessional rate of duty on the recommendation of Department of Electronics.

Sale of Exhibits Imported for National/International Exhibitions/Fairs Organised by the Trade Fair Authority of India

289. (1) The sale of exhibits, if allowed will be permitted only against a valid import licence within the bond period allowed for re-export. This facility will also be available to such Actual Users as are eligible to import the same goods under OGL.

(2). The procedure for sale of such exhibits is given below :—

- (i) If the machinery proposed for disposal is allowed under OGL, its sale will be permitted by Customs to eligible Actual Users without the permission of the licensing Authority.
- (ii) If the buyers/actual users hold import licences for the machinery in question, the sale of that machinery is allowed by the Customs by debiting to the import licence.

(iii) Where the machinery sought to be sold is not in the restricted list or on open general licence and its value does not exceed Rs. 10 lakhs, the sale is allowed to eligible Actual Users against import licences within the fair quota entitlement of the international exhibitors concerned. Import licences in such cases are issued without reference to the indigenous angle and essentiality certificate. No Actual User is permitted to buy more than one No. of machinery of the same category.

(iv) In the cases referred to in (i) and (iii) above, the buyer Actual User is required to give a declaration to the effect that the machinery sought to be purchased will not increase the authorised capacity of production and it will not in any other way violate the industrial licensing policy regulations and shall be subject to Actual User condition.

(v) In respect of cases not covered by the aforesaid category, the normal CG procedure will apply and applications for grant of licences for the purchase of the machinery are considered by the CG Ad-hoc and CG Main Committees, as the case may be.

(vi) Government Departments and Public Sector Undertakings are also allowed to make purchases of their import requirements subject to Actual User condition without an import licence.

(vii) Application by eligible Actual user, for grant of import licence within the fair quota entitlement of the exhibitor is to be made either through the diplomatic missions in India of the country concerned or to the Trade Fair Authority which will co-ordinate and forward the same to CCI&E., New Delhi.

CHAPTER-IX

CARS AND VEHICLES

Import of Motor Vehicles

290. Appendix IX-A sets out the procedures applicable to the import of cars and other motor vehicles, including such imports as baggage. All such applications should be made to the Chief Controller of Imports & Exports, (B. L. Section), New Delhi.

Purchase of Motor Vehicles Abroad by Indian Contractors

291. Indian Contractors, undertaking turnkey/construction contracts abroad may seek the approval of the Reserve Bank of India to the purchase of motor vehicles overseas, as part of their project activities. In order to regulate such purchase, the following conditions would be followed :—

- (i) Only the minimum number of cars/vehicles may be purchased abroad, after exploring fully the possibilities of utilisation of Indian cars;
- (ii) Entire cost of the cars/vehicles should be met out of the funds receivable on account of the *services segment* of the contract (and

not out of the value of Indian supplies which is required to be remitted in full to India);

- (iii) Cost of foreign cars/vehicles so paid out of foreign exchange earnings should be reflected fully in the statements of operations on the foreign currency bank accounts opened in connection with execution of the particular contract with Reserve Bank's approval and supported by other appropriate documentary evidence;
- (iv) Import of such cars/vehicles purchased abroad into India, after completion of the particular project/contract, would be subject to the import policy, as in force from time to time; and
- (v) In case such cars/vehicles purchased overseas are sold abroad, the sale proceeds should be fully remitted to India through normal banking channel and bank certificates in support thereof submitted to the Reserve Bank.

CHAPTER X**IMPORT OF GIFTS**

292. The policy applicable to the import of gifts is given in Chapter X of the Import & Export Policy, 1985-88, (Vol-I).

293. Application for import of Fire arms as gift should be made in the Form G-I, given in Appendix X-A of this book.

294. Applications for import of items of gifts other than Fire arms should be made in Form G-II, given in Appendix X-B of this book.

CHAPTER XI**FACILITIES FOR INDIANS RETURNING FROM ABROAD**

295. Details regarding the special facilities, in the matter of import, available to Non-resident Indians/ persons of Indian origin returning from abroad for permanent settlement are given in Chapter XI of the import & Export Policy 1985-88, (Vol-I).

CHAPTER XII

IMPORT OF TECHNOLOGY

296. Detailed provisions for Import of Technology are given in chapter XII of the Import & Export Policy, 1985-88. Applications for import of Drawings & Designs are to be made in Form-L given in Appendix XII-A of this book.

Special Committee for Technical Development Fund

297. In order to promote technological upgradation and modernisation, the Ministry of Industry has created a Technical Development Fund, to cover the foreign exchange requirement for :—

- (a) small value balancing equipment imports, having a large impact on quality and/or quantity of output;
- (b) imported technical know-how;
- (c) foreign consultancy service, if required;
- (d) import of drawings and designs; and
- (e) any other inputs needed by industrial units for improving its export capability, generally or specially.

The scheme has now been extended to all industries.

298. The aggregate foreign exchange financed for any unit under this scheme is limited to U.S. \$ equivalent of Rupees one crore per year. Preference will be given to proposals aimed at quickly improving, in an integrated manner :—

- (i) export capability and export volume,
- (ii) cost reduction,
- (iii) capacity utilisation,
- (iv) technology upgradation,
- (v) product-mix rationalisation, and
- (vi) modernisation and rationalisation.

299. Application for import should be made to the Special Committee for Technical Development Fund, Department of Heavy Industry (R & I Section), Udyog Bhavan, New Delhi in the prescribed forms for C.G. imports, foreign collaboration, etc. and in the requisite number of copies. The restriction in para 161 (1) of this Book will not apply to these cases. An application for Capital Goods should be accompanied by Bank Receipt/Demand Draft for the prescribed application fee. They should be accompanied by a note explaining the comprehensive modernisation scheme of the unit and how the imported inputs will aid export development, technological upgradation, capacity utilisation, etc.

300. (i) To facilitate expeditious implementation of the approved projects, the following simplification has also been introduced :—

- (a) foreign exchange allocation will be simultaneous with the approval of import and no further procedure for seeking foreign exchange loan will be necessary;
- (b) all indigenous clearance will be given by the sponsoring authorities and in appropriate cases indigenous clearance condition would be waived; and
- (c) decision on applications will be given within 45 days.

(ii) Import Licences will be granted by the Regional Licensing offices.

301. Such applications as are not approved under this scheme will be automatically considered for disposal under the normal procedure. It would not be necessary for the applicant to apply afresh.

CHAPTER XIII

STOCK AND SALE

302. Provisions regarding import of Fresh Fruits, Dry Fruits and Dates; Photographic Films, Books, Machinery, Teaching Aids etc., and spare parts of

machinery for stock and sale are given in Chapter XIII of the Import & Export Policy 1985-88. Application form are given in Appendix-XIII A and B of this book.

CHAPTER XIV

REGISTERED EXPORTERS

REGISTRATION OF EXPORTERS

Registering Authorities

303. (1) The names of Registering Authorities for different export products are given in Appendix XIV-A.

(2) The Handloom Export Promotion Council, Madras and its regional offices have been designated as the registering authority for exporters of Handloom products in place of Development Commissioner for Handlooms, New Delhi. This decision is effective from 1st April, 1985. Exporters holding valid registration certificates issued by the Development Commissioner for Handlooms or its regional offices, if any, as on 31st March, 1985 will be deemed to be registered as exporters with the Handloom Export Promotion Council, Madras. Exporters will be required to apply for registration to the Handloom Export Promotion Council, Madras, only for obtaining a new registration or for renewal of their existing one.

(3) The Indian Silk Export Promotion Council, Bombay has been set up as the registering authority for exporters of all silk goods namely fabrics, garments and machine made carpets in place of the Office of Development Commissioner (Handlooms), New Delhi or Carpet Export Promotion Council, Noida, Distt. Ghaziabad, or the Silk and Rayon Textiles Export Promotion Council, Bombay. This decision is effective from the 1st April, 1984. Exporters already holding valid Registration Certificates issued by the Handloom Export Promotion Council, Madras or its regional offices, if any or the Development Commissioner for Handlooms, New Delhi or Carpet Export Promotion Council, Noida, Distt. Ghaziabad or the Silk and Rayon Textiles Export Promotion Council, Bombay or its regional offices, if any, as on 31st March 1984, will be deemed to be registered as exporters with the Indian Silk Export Promotion Council, Bombay. Exporters will be required to apply for registration to the Indian Silk Export Promotion Council, Bombay only for obtaining a new registration or for renewal of their existing one.

(4) Overseas Construction Council of India, Bombay has been set up as the Registering Authority in respect of Overseas Construction and Civil Engineering Project. This decision is effective from 1st April 1984. Exporters already holding valid Registration Certificates issued by the Engineering Export Promotion Council, Calcutta or its regional offices if any, as on 31st March 1985 will be required to be registered as exporters with the Overseas Construction Council of India, Bombay.

304. In the case of exporters other than gem and jewellery items from the following States/Union Territories, the Registering Authority will be the

concerned State. Director of Industries, or other officer nominated in this behalf by the state government concerned :—

- (i) Andaman and Nicobar Islands
- (ii) Arunachal Pradesh
- (iii) Lakshadweep
- (iv) Manipur
- (v) Mizoram
- (vi) Nagaland
- (vii) Tripura
- (viii) Jammu and Kashmir
- (ix) Goa, Daman and Diu
- (x) Meghalaya

305. (1) The registered exporter seeking recognition as an Export House or a Trading House has to be registered with the Federation of Indian Export Organisation, PHD, House, Siri Institutional Area, Hauz Khas, New Delhi. Normally, the registration with the FIEO will be valid for all product groups. However, where registration as an exporter is statutorily compulsory it will be necessary for such registered exporters to register also with the concerned Governmental authorities. Export/Trading Houses will be required to send to the Federation of Indian Export Organisation copies of their detailed schemes and action programme for export and quarterly and annual returns of exports, commodity-wise and country-wise, in the manner as may be prescribed by Federation of Indian Export Organisation from time to time. [Copies of annual returns should also be sent to CCI&E (EP Division), New Delhi]. Trading Houses are advised to provide after-sales facilities abroad as a measure of export promotion. They should report the progress made by them in this regard in their quarterly and annual returns to be furnished to the Federation of Indian Export Organisations and the Chief Controller of Imports and Exports, (Statistical Division), New Delhi.

(2) In the case of units situated in free trade zones, the registering authority will be Development Commissioner of the concerned zone.

(3) Exporters for whom no registering authority has been specified (or for whom no registering authority accepts the responsibility of registration) can get themselves registered with the Export Promotion Officers at the ports, namely, Bombay, Madras and Calcutta. They will have jurisdiction over western,

southern and eastern zones respectively. In respect of northern zone, the registering authority will be the Joint Chief Controller of Imports & Exports, Central Licensing Area, New Delhi.

(4) Exporters exporting products covered by more than one product group for which they require registration from more than one Registering authority, can get themselves registered with the Export Promotion Officers at the ports, namely, Bombay, Madras and Calcutta. They will have jurisdiction over western, southern and eastern zones respectively. In respect of northern zone, the Registering authority will be Joint Chief Controller of Imports & Exports, Central Licensing Area, New Delhi.

306. Public sector undertakings, state owned or controlled corporations, statutory bodies set up by Government, and Government departments will also be required to get themselves registered with the concerned Registering Authorities for the purpose of grant of benefits under the import policy for Registered Exporters. However, if they so desire, they may get themselves registered with the Federation of Indian Export Organisation, New Delhi instead of with the concerned Export Promotion Council/Commodity Board. Such registration with FIEO will be valid for all product groups.

Application for Registration

307. Application for registration should be made to the concerned Registering Authority. In the case of concerns having branches, the application for registration can be made by the registered office in the case of limited companies and head office in the case of others. A registration certificate issued to the registered office/head office in such cases will also be valid for its branches. The branches can also apply separately for registration in which case the Registering Authority will issue a separate registration certificate to the applicant branch; this will, however, not make export houses eligible to make independent applications for their additional licences except on a consolidated basis for all their branches and the head office concerned.

308. (1) Application for registration should be made in the form appearing in Appendix XIV-B.

(2) In the case of manufacturers, other than those registered with the DGTD, Part II of the Registration-cum-membership has to be filled in by the sponsoring authority concerned. A registering authority may, however, itself fill in Part II of the certificate on the basis of the Registration certificate issued to the applicant by the State Director of Industries or the sponsoring authority concerned. Based on this, a provisional registration-cum-membership certificate may be issued to the applicant. Thereafter the registering authority should carry out necessary verification from the State Director of Industries or the sponsoring authority, as the case may be and make such further changes as may be necessary on that basis on registration-cum-membership certificate and also delete the word provisional therefrom.

309. The application for registration should be accompanied by the following documents :

- (i) Bank certificate in support of the application's financial soundness; and
- (ii) Registration-cum-membership certificate form with Part I and the relevant columns of Part II duly filled in.

Registration Certificate

310. The form of Registration certificate is given in Appendix XIV-C.

311. A separate Part III has been prescribed in Appendix XIV-C in the case of exporters of rayon textiles.

312. If an applicant is both a manufacture-exporter as well as a merchant exporter separate certificate will be issued to him by the registering authority concerned. (It may be clarified that if a manufacturer also exports products manufactured by others, he should get himself registered as a merchant-exporter for such export products.)

Eligibility for Registration

313. Exporters who are members of the E.P. Council concerned, having a past export performance, a good record and experience, are eligible for registration. An applicant having no previous experience of exports in a particular line may also be registered if the registering authority is satisfied about the general commercial background of the applicant, his industrial experience or export performance in other lines.

Condition of Registration

314. (a) A registration certificate will be issued subject to such conditions as the registering authority concerned may consider necessary. One of the conditions of registration shall be that the Registered Exporter shall furnish quarterly returns of exports including 'nil' returns, to the registering authority by the fifteenth day of the month following the quarter.

(b) The registration for an item by an E.P. Council or commodity Board, will hold good for all the items with which the particular Council/Board is concerned. (This is, however, subject to the provisions made in para 312 above.)

(c) In the case of components of engineering goods and handlooms (fabrics and made-ups) which, for the purpose of grant of replenishment licences, are classified under different product groups depending upon the raw material used in their manufacture, the Registered Exporters can get themselves registered with any one of the concerned registering authorities. Similarly in the case of made up articles of precious/semi-precious stones like ash trays, penholders, etc. which fall under 'Handicrafts', it would not be necessary for the exporters to get themselves registered with All India Handicrafts Board in case they are already registered with the Gem & Jewellery Export Promotion Council. Also, in a case where the licensing authority decides that the product exported as Handicrafts is actually classifiable elsewhere, the applicant, if he is already registered with the All India Handicrafts

Board, will not be required to produce registration with the other Registering Authority.

Also, exporters of F.P.N.S. wares registered with All India Handicrafts Boards will not be required to be registered separately with Engineering Export Promotion Council.

(d) In case of composite items which contain raw material falling under different product groups, say Plastics, Engineering etc. if the value of a particular raw material used is more than 50% of the value of the composite item, it is enough if the exporter registers himself with Registering Authority concerned with the major content of the composite item.

(e) In the case of "project exports", if the exporter is registered with the Engineering Export Promotion Council, it will not be necessary for him to get registration with other Export Promotion Councils/Commodity boards concerned with various commodities covered by the project in question.

(f) Once an exporter has been registered, the registration shall remain valid for four years (from the date of issue) unless the exporter registered ceases to exist, or his name is deregistered for any reason or he becomes ineligible to hold the certificate. Registration Certificates (including those of export/trading houses with FIEO) which expire during the current licensing period may be accepted by the licensing authorities for a period of additional 6 months to enable the exporter to obtain fresh Registration Certificate.

(g) In the case of units situated in Kandla Free Trade Zone and Santacruz Electronics Export Processing Zone, Bombay, the registration certificate will have a period of validity as indicated by the Registering Authority concerned.

Exports Prior to Date of Application for Registration

315. Exports made by a Registered Exporter before a date earlier than 12 months prior to date of application for registration will not qualify for import replenishment. For this purpose, the effective date of submission of the application will be the date on which a complete application is received. (In the case of non D.G.T.D. units, the date of receipt of the application by the sponsoring authority for the purpose of filling up Part II of the Registration-cum-Membership Certificate, will be taken as the date of application for Registration for the purpose of this para.) For reckoning the period 12 months, the month, during which the application for registration is received, will not be taken into account. Again, in respect of export of items which qualify for replenishment only after realisation of foreign exchange, the period of 12 months will reckon from the period of export and not from the date of realisation of payment.

Change in Constitution or Ownership

316. (1) Where there is any change in the ownership, constitution name or address of any Registered Exporter, it shall be obligatory on his part to intimate the change to the registering authority within three months. The registering authority may condone delay in this regard upto 3 months. In cases where the delay is not condoned by the registering authority or requisite intimation about the change is not sent

within the prescribed/permitted time, the exporter shall have to apply for fresh registration. In the case of manufacture-exporters, the registering authority will also verify whether the permission of the sponsoring authority in regard to the change has been obtained. After due verification, the Registering Authority will issue a fresh registration certificate to the new or reconstituted concern, which will be valid from the date of change in name, ownership or constitution as the case may be. For Export Houses, reference may be made to the Chapter XXI of Import-Export Policy, 1985-88 (Vol. I) 1.

(2) Where there is a change in the constitution of a Registered Exporter firm by admission or retirement or death of a partner (or by a change of Karta in the case of Hindu undivided family concern), and the reconstituted firm takes over the business as a whole without any change in its name and address, such change will not require any fresh registration with the registering authority. In such cases only the intimation about the change should be given to the Registering Authority as laid down. Similarly, in the event of change from Private Limited Company to Public Limited Company or vice-versa, only an intimation should be sent to the Registering Authority, and such change will not require any fresh registration.

De-registration of Exporters

317. (1) The Registering Authority may de-register an exporter for a specified or indefinite period and for one or more export products where the exporter :—

- (a) has ceased to have the qualifications required for registration or the conditions of registration have been violated;
- (b) has indulged in any form of unfair, corrupt or fraudulent practice, or failed to fulfil any export obligation, or
- (c) has failed, or being a partnership, any of its partners has failed, or being a limited company, any of its whole time or Managing Director has failed, to utilise satisfactorily any quota allocated for export earner.

(2) An exporter will ordinarily be given a show-cause notice, before he is de-registered.

(3) Pending enquiries into any complaint received against a registered exporter, or for any other good and sufficient reason to be recorded in writing, the Registering Authority or the Chief Controller of Imports & Exports or the Additional Chief Controller of Imports and Exports or the Export Commissioner in the office of the CCI&E may keep the operation of the registration of an exporter under suspension for a specified period.

(4) Where an Export House/Trading House is registered with the Federation of Indian Export Organisation and also with the respective Export Promotion Council/Commodity Board, the deregistration of such exporters by FIEO will apply automatically to his registration with the respective Export Promotion Council/Commodity Board. Likewise, if

such an exporter is de-registered by Export Promotion Council/Commodity Board it will automatically apply for his registration with the FIEO for the respective export product(s).

(5) Where a trading house/export house/registered exporter is de-registered for malpractices by any registering authority or Export Promotion Council or FIEO or by CCI&E for having indulged in any form of unfair, corrupt or fraudulent practices or fails to fulfil any export obligation it shall automatically stand de-registered with all other registering authorities including Export Promotion Councils/Commodity Boards/FIEO.

(6) Where a company or a firm is de-registered or its registration is kept under suspension the de-registration/suspension order will also mention the names of proprietor/partners/directors of the firm/company.

Registration and De-registration by the Chief Controller of Imports and Exports

318. The Chief Controller of Imports and Exports the Additional Chief Controller of Imports and Exports or the Export Commissioner in the office of the CCI&E may register or de-register an exporter or direct the registering authority to do so. De-registration under this provision may be ordered for reasons covered under para 317 above or in cases where the exporter has committed breach of any law, rule or regulation pertaining to foreign trade or for inadequate reasons, commits a breach of a contract with a foreign party or fails to pay the amount of commission payable to foreign agent or has failed to supply any information or data required from him or for any other reason to be recorded.

Complaint Against Indian Exporters

319. Complaints received against individual exporters will be investigated by the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi. Appropriate action will be taken to caution the defaulting units and steps taken to preserve the image of Indian exports overseas.

Certification of Exports

320. (1) At the time of shipment, a Registered Exporter should have a copy of the shipping bill duly authenticated by the Customs.

(2) After shipment, the Registered Exporters should have the exports certified by an authorised dealer in foreign exchange at the time of presentation of export documents to such dealer i.e. the bank, for the purpose of negotiation and/or collection of bills. While presenting the export documents, he should fill in and give to the bank the declaration (in triplicate) in Form I as in Appendix XIV-D (Annexure I), for exports made on 'out right' sale basis and in Form II in Appendix XIV-D (Annexure II) for exports on consignment basis/approval basis.

(3) The bank will certify the f.o.b. value of exports in India, minus and counter sign the declaration after necessary verification with reference to the export documents. The bank will also verify whether

the shipping bill is duly authenticated by the Customs authority. The bank will then pass on the original declaration with the relevant copy of the bank attested invoice to the Registered Exporter, forward the duplicate to the bank for its custody and keep, and the triplicate will be retained by the bank for its record. In case of exports made on consignment basis/approval basis, the bank will certify the f.o.b. value and counter sign and pass on the certificate as in Form No II to the Registered Exporter only after the export sale proceeds have been realised and surrendered to the Indian Exchange Control. A bank certificate covering more than one consignment may also be entertained. The detailed procedure in this regard is given in Appendix IIQ. In case where the bank has not verified that the shipping bill has been duly authenticated by the customs authorities and the exporter instead produces the export promotion copy of the relevant shipping bill duly authenticated by the customs, the licensing authority may accept the same if otherwise in order.

(4) Where a Registered Exporter subsequently receives "freight rebate" from a shipping company, as a result of which the f.o.b. value goes up, he may obtain a bank certificate to cover the additional f.o.b. value for obtaining import replenishment licence thereon. In such cases, the application for claiming the extra benefit should be submitted within one year after the quarter in which the connected product is exported or within three months of the receipt of the freight rebate, whichever is earlier.

(5) Amount of commission or discount paid or payable to foreign agent shall be deducted from the f.o.b. value of exports for the purpose of calculating the import replenishment entitlement.

(6) However, hydraulic testing and painting charges, handling and stevedoring charges will be counted for calculating f.o.b. value. Interest charges will also be counted as part of f.o.b. value only if the same is shown separately in the invoice and the bank has negotiated the bill for an amount including the "interest charge".

(7) The procedure outlined above for certification of exports by the authorised dealer in foreign exchange will not apply in the case of the following:

- (i) Cinematographic films (exposed)
- (ii) Exports by Value Paid's Post parcel;
- (iii) Export of books, journals and periodicals.
- (iv) Sales made at international exhibitions abroad.
- (v) Export of carpets to foreign tourists against advance payment.
- (vi) Supplies made for TRSD/IDA funded projects in India.
- (vii) Supplies made in India against payment in foreign exchange.
- (viii) Export of machinery and equipment against Indian equity participation in joint ventures abroad.

Procedure For Submission of Applications for Licences

321. (1) Consolidated applications for import licences against export of all the products in a product-group should be made in the prescribed form and manner to the licensing authority under whose jurisdiction the registered office, in the case of a limited company, and head office, in the case of other registered exporters, is situated. In the applications for grant of REP licences under "Duty Free Import Scheme", the words "Application under 'Duty Free Imports Scheme'" should be written at the top of the application. The names and jurisdiction of the licensing authorities are indicated in Appendix II B.

(2) The regional licensing authorities having normal territorial jurisdiction for dealing with import applications, will also deal with applications for import licences under the import policy for Registered Exporters in respect of exporters situated in their jurisdiction.

(3) In the case of registered contracts or project exports, application could, however, be filed contract-wise or project-wise, instead of covering all the exports belonging to a product-group.

(4) It will be open to a branch of a limited company or of a Registered Exporter to apply for an import replenishment licence against the exports effected by it, to the licensing authority within whose jurisdiction the branch is located, provided that such branch is separately registered as an exporter or produces evidence to the effect that the registration certificate issued to the limited company/head office is also valid for the branch in question. The application in such types of cases should be accompanied by a certificate of head office or the registered office, as the case may be, to the effect that it has not claimed and will not claim any replenishment licence against the exports covered by the application.

Frequency of Application

322. A Registered Exporter should apply for a licence based on exports made during a month or a quarter (April-June etc.) or half year (April-September) or a year (April-March). Applications for import replenishment licence may be made every month or per quarter or per half year or on yearly basis as may be found convenient by the registered exporter. Each exporter will decide which procedure he would like to opt for and intimate this to the Licensing Authority at the time of his first application for an REP licence. If he fails to do so, he will be taken to have opted for the quarterly system. (No change in option will be allowed in the course of the licensing period.) In the case of exports on consignment/approval basis, such applications should likewise be made in respect of sale proceeds realised.

Time Limit for Submission of Applications

323. (1) Applications for import replenishment licence should be made so as to reach the licensing authority concerned within a period of three months from the end of the period of export or from the end of the period of receipt of sale proceeds in the case

of consignment exports as the case may be. In cases where the sale proceeds are received in advance or where exports are made on R.B.I. approved deferred payment terms, the time limit for submission of applications for import replenishment will be reckoned with reference to the period of actual export.

(2) If an exporter makes more than one application, instead of making a consolidated application pertaining to his exports in a product group in a particular export period, the licensing authority may entertain such subsequent application(s) by imposing a cut of 5% or Rs. 5,000/- whichever is lower in the admissible replenishment. This amount of cut will be in addition to the cut that may have to be imposed on the same application on account of delay in submission of the application under sub-para (4) of this paragraph.

(3) If an import application is not supported by a bank receipt/demand draft towards payment of application fees or statement of exports or any document other than a document evidencing exports, and such documents are received late, the licensing authority may accept late submission of these documents by imposing a cut of one per cent subject to a maximum of Rs. 100/-. [In cases covered under this sub-para, the exporter will not be liable to a higher cut under sub-para (4) below].

(4) Applications received (including those for Additional Licences) after the prescribed time limit, or in respect of which deficiencies, if any, are made up after the time limit prescribed for submission of applications, may also be considered by the licensing authorities provided the applications are received or the deficiencies are made up within a period of three months after the expiry of the time limit for submission of the applications. The applications received thereafter will be liable to be rejected. The licensing authorities may, however, consider such applications on merits, subject to a cut in the value of import replenishment admissible against the exports in question. The extent of cut in the value that may be imposed in such cases will be as under :—

- (i) Applications received after a period of 6 months from the last month of the export period but within 12 months.....
5 per cent cut.
- (ii) Applications received after a period of 12 months from the last month of the export period, but within 18 months.....
10 per cent cut.
- (iii) Applications received after a period of 18 months from the last month of the export period but within 24 months.....
15 per cent cut.
- (iv) Applications received after a period of 24 months from the last month of the export period will be summarily rejected as time barred.

(5) To the above cuts in respect of delayed/deficient applications against exports of products which qualify

for replenishment only after realisation of foreign exchange will be applied with reference to the period during which the payments are credited to the exporter's account and not with reference to the period of exports.

(6) In the case of exports by V.P.P. of products other than Gem & Jewellery and Cinematographic Films (exposed), the time limits for submission of applications will be reckoned with reference to the date of payment as given in the Post Master's Certificate or in the intimation slip.

(7) Where an application is partly incomplete i.e. export documents in respect of some of the shipments have not been produced, the licensing authority may dispose of that part of the application in respect of which complete documents have been produced, by issuing the import replenishment licence to the applicant. In such cases, part of the claim which is supported by all the necessary documents may not be held up on account of the part claim which is incomplete.

Date of Shipment/Despatch

324. For the purpose of considering applications for import replenishment under the import policy for Registered Exporters, the relevant date of export will be determined as under :

- (a) In the case of shipment by sea, the date of export will be determined as follows :—
 - (i) In the case of break-bulk cargo exported by ship, the date of export will be the date of bill of lading or the date of mate receipt, whichever is later.
 - (ii) In the case of containerised cargo, the date of export will be the date of 'On-board Bill of Lading' evidencing the loading of the container on the ship. However, the date of "Received for shipment Bill of Lading" evidencing the date of loading of the export goods into the container may also be taken as the date of export if the L/C specifically provides for such Bill of Lading. In the case of export by containers from Inland Container Depot (IDC), the date of export will be the date of the Bill of Lading issued by the shipping agents at the time of loading of the export goods in the IDC after customs clearance.
 - (iii) In the case of export by Lash barges, date of export will be the date of the bill of lading evidencing loading of the export goods on board the barge which is to be carried to the barge carrying mother ship.
- (b) In the case of exports by air, the date of exports will be determined by the date of Airway Bill or the Customs Officer certifying loading of goods on the Air-ways Bill, whichever is later. When consignments for export are handed over to air cargo comp-

lexes which are not International Airports for onward transmission to the International Airports and then out of the country no transshipment certificate shall be required if the cargo meant for export and handed over to the air cargo complexes is not allowed to be withdrawn before its export out of the country. A certificate to this effect should be given on the airway bill itself by the concerned customs authorities.

- (c) In the case of exports by post-parcel, the date of export will be determined by the date stamped on the postal receipt
- (d) In the case of exports by rail, the date of export will be determined by the date of RR (Railway Receipt).
- (e) In the case of exports by road, the date of export will be determined by the date on which the goods crossed the Indian border as certified by the Land Customs Authorities.

Documents to be Submitted with Application

325. Applications for licences should be made complete in all respects, supported by a Bank Receipt/ Demand Draft for the appropriate amount towards the application fee, and other prescribed documents.

326. Along with the application, the applicant should furnish a statement of exports in the form given in Appendix XIV-J indicating the particulars of exports against which the import application is made.

327. The following export documents should also be produced with the application for import replenishment :—

- (1) Exports of products other than those detailed in paragraph 320 (7) :
 - (i) Bank certificate (in original) of exports.
 - (ii) Bank attested copy of the invoice.
- (2) Exports by V.P.P. of products other than gem and jewellery and cinematographic films (exposed) :
 - (i) Invoices giving description of goods, weight of the individual items and their total weight actually exported, duly attested by the customs;
 - (ii) Relevant postal receipts, or photostat copy thereof or a certificate of posting issued by the Post Office;
 - (iii) Post-Master's certificate of payments or the intimation slip given by the Postal Department to the Indian recipient of the proceeds of the exports made by V.P.P.; and
 - (iv) Export Promotion copy of the P.P. form duly attested by the customs authorities.
- (3) Exports of Books & Newspapers by post made by Registered Exporters who have been allowed by the Reserve Bank of India to effect their exports

without observing P.P. formalities or have been allowed to send the documents direct to the consignee without routing the same through the normal banking channel :

- (i) Postal receipt or a certificate of posting issued by the Post Office or any other evidence in cases where the original Postal receipt has been forwarded to the importer. In the case of export by ordinary post, if the exporters are not able to produce certificate of posting, a Chartered Accountant's certificate giving complete details of postal charges, dates of exports and particulars of exports, in lieu of the certificate of posting, issued by the Post Office, should be submitted.
 - (ii) A Chartered Accountant's certificate giving the details of the exports, freight etc.
 - (iii) Invoice certified by a Chartered Accountant.
 - (iv) In cases where the applicant is not able to produce documents at (i) to (iii) above, and the payment against the exported material has been received by him in advance, the licensing authority may accept the documents, namely :—
 - (a) a certificate of Chartered Accountant giving in respect of each publication exported, its name, value of exports made and the aggregate amount of postal charges incurred on the despatches in question;
 - (b) a bank certificate in support of the receipt of payment in foreign exchange to cover the exports referred to in (a) above; and
 - (c) a declaration of the applicant that he has not and will not claim separately REP licence on the basis of the foreign exchange realisation to which the bank certificate in (b) above pertains.
- (4) Export of books, journals and periodicals by post made by Registered Exporters who have not been exempted by the Reserve Bank of India from P.P. formalities :
- (i) Original Postal receipt or photostat copy thereof or a certificate of posting issued by the Post Office. In the case of exports by ordinary post, if the exporters are not able to produce certificate of posting, a Chartered Accountant's certificate giving complete details of postal charges, dates of export and particulars of exports, should be submitted.
 - (ii) Invoice certified by a Chartered Accountant indicating the P.P. Form Nos.
 - (iii) Bank certificate indicating the receipt of payment in foreign exchange as well as relevant P.P. Form No. (Exports below Rs. 50/- made by ordinary post without

P.P. Form will not be eligible for replenishment under this procedure).

(5) Exports of Books & Newspapers by sea/air made by Registered Exporters who have been allowed by the Reserve Bank of India to effect their exports without observing G.R. Form formalities or have been allowed to send their documents direct to the consignee without routing the same through normal banking channels :—

- (i) Invoice certified by a Chartered Accountant.
 - (ii) Bill of Lading/Airways Bill.
 - (iii) A statement duly certified by the exporter's bankers/Chartered Accountant regarding realisation of export proceeds set off against the relevant G.R. forms in a chronological order. However, in case where the exporters have obtained a General Permit from the Reserve Bank of India waiving the G.R. formalities, it is not necessary for them to produce a Certificate indicating the G.R. Form Nos., and instead, they may quote the General Permit No. issued by the Reserve Bank of India in the statement issued by the Chartered Accountant/exporter's banker.
- (6) Export by registered post of products other than gem and jewellery and cinematographic films (exposed) :
- (i) Bank certificate (in original) of exports issued by the exporter's Bank.
 - (ii) Invoice giving description of goods, weight of the individual items and their total weight actually exported, duly attested by Customs.
 - (iii) Postal receipt or in cases where postal receipt has been forwarded to the consignee, a certificate issued by the exporter's Bank or Postal Appraising Department indicating clearly the postal receipt No., date and amount and certifying that the relevant postal receipt has been forwarded to the consignee.
 - (iv) Export Promotion copy of the P.P. form duly attested by the Customs authorities
- (7) Supplies of material made to foreign shipping companies as ship-stores and other materials (excluding freight containers) :
- (i) Bank certificate (in original) regarding receipt of foreign exchange or Indian Rupees obtained from exchange of foreign currency.
 - (ii) Bank attested invoice.
 - (iii) One copy of the shipping bill duly authenticated by the Customs in respect of the supplies made to foreign shipping companies.
 - (iv) Custom 'Allow Order' in lieu of the Customs authenticated shipping bill wherever not available.

- (v) In cases where the applicant is not able to produce the documents at (i) and (ii) above, the licensing authority may accept, in lieu thereof, a certificate from the Shipping Company or its agent, duly countersigned by Chartered Accountant that (a) the amount of the bill (full particulars of which should be indicated) has been paid out of the freight earnings of such Company and (b) the expenditure has been or will be shown in the monthly statement of disbursements required to be submitted to the Reserve Bank of India.

(8) 1. Export of goods sold at international exhibitions abroad organised by the Trade Fair Authority :

Certificate from the Director, Trade Fair Authority indicating the full description of goods, the f.o.b. value, the name of the Indian exporter, date of sale and certifying that the payment against the sales in question, has been repatriated to India and surrendered to the Indian Exchange Control. The time limit for submission of an application will be reckoned from the date of sale.

2. Export of goods sold at international exhibitions abroad organised by Export Promotion Council :

- (i) Certificate from the Export Promotion Council, indicating the full description of goods, the f.o.b. value, the name of the Indian Exporter, date of sale, and certifying that the payment against sales in question, has been repatriated to India and surrendered to the Indian Exchange Control.
- (ii) Bank Certificate indicating the receipt of payment in foreign exchange. The proforma of the Bank Certificate given in Appendix XIV-D (Annexure III) may be used with suitable modifications. A time limit for submission of an application will be reckoned from the date of payment as shown in the Bank Certificate.
- (iii) Where an applicant is unable to produce bank certificate as the documents were not negotiated through the bank, the licensing authority may accept the document in (i) above if it is satisfied on the basis of other evidence that the payment for the goods, in question, has been received through authorised channels.

3. Export of goods sold at international fairs/exhibitions abroad by Indian manufacturers/exporters where their direct participation has been approved by Trade Fair Authority :

- (i) Certificate from Trade Fair Authority indicating full description of goods, the f.o.b. value, the name of the Indian exporters, date of sale.

- (ii) Bank certificate indicating the receipt of payment in foreign exchange. The proforma of the bank certificate given in Appendix XIV-D (Annexure III) may be used with suitable modifications. The time limit for submission of an application will be reckoned from the date of payment as shown in the bank certificate.

(9) Export of news films and TV films by accredited news cameraman who has been allowed exemption by the RIB from observing GR/PP formalities :

- (i) A list of news films/TV films exported giving the relevant airway bill numbers, with attested copies of airway bills;
- (ii) Bank certificates showing the receipt of foreign exchange;
- (iii) A declaration of the applicant that he has not and shall not claim separately REP licence on the basis of the foreign exchange realisation to which the bank certificate at (ii) above pertains.

(10) Exports of woollen carpets for which payments are received locally (either in full or in part), from foreign tourists in the form of (a) foreign currency travellers cheques, (b) crossed foreign bank drafts, and (c) personal cheques drawn on foreign banks :

- (i) Bank certificate (in original) of payment issued by the exporter's bank in the proforma given in Appendix XIV-D (Annexure IV).
- (ii) Bank attested invoice.
- (iii) In the case of postal exports, original postal receipt.
- (iv) A copy of the money changer's licence issued to the seller by the Reserve Bank of India.

(11) In the case of sale of ocean freight containers, the following documents should be furnished :

- (i) Order received from the foreign buyer.
- (ii) Invoice duly attested by the bank giving the particulars of goods sold and their value.
- (iii) Evidence of goods having been received by the foreign buyer or his accredited agent in India.
- (iv) Bank Certificate (in original) in the form given in Appendix XIV-D. [(Annexure II Form II.)] In the absence of Shipping Bill the f.o.b. realisation may be verified by the bank on the basis of the invoice.

(12) Supplies made to IBRD/IDA aided projects in India where Indian exporter sends export documents to the foreign buyer who in turn requests the IBRD/IDA for payment to the exporter on his behalf out of the loan granted to him :

- (i) Bank certificate showing realisation of sale proceeds in the Form No. II in Annexure II

of Appendix XIV-D with such deletions/modifications as might be necessary to indicate the receipt of payment in India to the credit of the exporter's account against each individual transaction or invoice

- (ii) Shipping bill duly authenticated by the Customs.
- (iii) Copy of invoice, indicating inter-alia the No. and the date of shipping bill.
- (iv) Bill of lading.
- (v) Insurance receipt

(13) Export of Machinery and equipment against Indian equity participation in joint ventures abroad :

- (i) Copy of the invoice : The invoice should contain a remark, viz. "Exports towards meeting equity participation in a joint venture, namely M/s. . . (Name of the place and country) as approved in Department of Commerce letter No. . . Dated . . .".
- (ii) Chartered Accountant's Certificate in original certifying the c.i.f./c.&f./f.o.b value of exports, freight and insurance charges if any incurred GR Form No etc. as given in Appendix XIV-H.
- (iii) A copy of Govt./R.B.I.'s sanction permitting the value of exports to be used as equity participation

(14) Supplies made by Indian firms in India against IBRD/IDA aided projects or under bilateral/multilateral aided projects, or under the aid programmes of United Nations and other multinational agencies at international prices and paid for in free foreign exchange and supplies made in India to ONGC, GAIL and Oil India Ltd. :

The documents to be submitted and the procedure to be followed for claiming replenishment against these supplies are given in Appendix XIV-F

(15) Foreign exchange earned by consultancy firms and design engineering firms by undertaking technical/consultancy work/construction work abroad :

- (i) Bank Certificate (in original) showing the amount of consultancy fees/other charges/construction charges.
- (ii) No. and date of the Reserve Bank of India's letter, if any, approving the consultancy agreement.
- (iii) The amount of foreign exchange released by the Reserve Bank of India for travel etc. abroad of engineer/others together with the No. and date of the permit issued by the RBI.
- (iv) Passage money paid in India for booking of passage of the personnel

The particulars (i) to (v) above should be certified by a Chartered Accountant

(16) Sale of goods displayed in an Export Promotion Council's Show Room abroad :

Documents to be furnished by the applicant in such cases will be the same as indicated in sub-para (8) above with the modification that there should be a certificate from the concerned Export Promotion Council instead of from the Director, Trade Fair Authority. The time limit for submission of an application will be reckoned from the date of sale

(17) In respect of Sales of goods sold at duty free shops, to passengers, against free foreign exchange, the application should be supported by a certificate of the Indian Tourism Development Corporation (ITDC) indicating the number and date of cash memo, name (and models if any) of the item sold, quantity of the item sold and the amount of foreign exchange realised. The statement should be prepared item wise, and should be signed by the Manager, Duty Free Shop and countersigned by the Controller (Shops), and at the end of the statement the following certificate should be given :

"The particulars stated in the statement are true and correct and the amount of the foreign currency shown in the statement has been actually realised and deposited at the State Bank counter at—Airport".

(Cash Memos need not be sent with the application.)

(18) Supplies of fitment items (of Capital Goods nature) to Indian shipyards for ocean going vessels :

- (i) Bank certificate, certifying the receipt of payment against supplies of fitment items from Indian shipyards building ocean going ships.
- (ii) Bank attested supply invoice.

(19) In respect of exports by VPP or Registered Post of products other than Gem and Jewellery and Cinematograph films (exposed) covered by sub-para (2) and (6) above, exporters have to prefer the PP Form along with copies of invoices in duplicate. The duplicate copy will be marked "Export Promotion copy". The Customs authorities in the foreign post offices or air post offices, after scrutiny of the contents of the parcel, their quantity and value will attest the PP Forms and invoices. Original copy of the PP Form will be forwarded by the Customs directly to the Reserve Bank of India. Duplicate copy of the PP Form (Export Promotion Copy) along with the Customs attested invoice will be returned by the Customs to the Postal Department for onward delivery to the concerned exporter. For this purpose a self-addressed stamped envelope with sufficient postage affixed to it to cover charges of registration and transmission back to the sender, will be attached alongwith the V.P.P / Registered Postal Parcel. Parcels emanating from nonpostal areas will be routed by the Postal Department to the concerned foreign post offices/air post offices for Customs scrutiny and clearance

328. In addition to the documents mentioned above a Registered Exporter will also be required to furnish any other documents/information as may be considered necessary by the licensing authority or is required in terms of the relevant Import Policy and Procedures in force.

329. Requests from regular exporters of products other than Gem & Jewellery items and Cinematographic films (exposed) having a large number of export transactions in each year, may be considered on merits, by the licensing authority concerned, for admission of their applications for replenishment on the basis of other documentary evidences such as Chartered Accountant's Certificate in the form prescribed in Appendix XIV-I in this Book, instead of producing the bank certificates and the invoices, provided their annual exports exceeded Rs. 50 lakhs during the preceding licensing period and provided further that the export products qualify only for import replenishment. The exporters who were given such permission earlier, will obtain fresh permission during the current licensing period.

330. Registered Exporters should produce evidence of freight and insurance charges to the bank concerned to enable them to verify the f.o.b. value of exports in the bank Certificate. Immediate Rebate allowed by the overseas shipping companies in freight charges at the time of shipment may also be taken into account by the banks while arriving at the f.o.b. value. In cases where the export contract contains a freight variation clause the exporter will be eligible to claim replenishment in respect of the foreign exchange realised on account of freight variation.

331. Export Houses should produce with their import application a copy of the Export House Certificate issued by the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi, with a declaration that it has not been cancelled or withdrawn.

Sale to Foreign Tourists of Items Other Than Gem and Jewellery

332. (1) A Registered Exporter i.e. a dealer who has been authorised by the Reserve Bank of India to receive payment in foreign exchange against sales made by him to the foreign tourists will be eligible to apply for grant of replenishment licence against sale of specified goods to foreign tourists against (i) foreign currency travellers cheques, (ii) crossed foreign bank drafts, (iii) personal cheques drawn on foreign banks and (iv) foreign currency notes and coins.

(2) In respect of such sales the following procedure will apply:—

(a) The Registered Exporter will be required to maintain printed serially numbered voucher books. A specimen voucher is at Annexure I in Appendix XIV-E to this Book.

(b) Each sale voucher will be in triplicate showing details regarding the name and nationality of the tourist, his/her passport number, description of items sold, the sale value in foreign exchange and the rupee equivalent details thereof;

(c) The original sale voucher will be handed over to the tourist for his own use;

(d) The duplicate copy of the voucher will be sent by the dealer alongwith the application for replenishment licence at the time of its submission; and

(e) The triplicate copy will be retained by the dealer for his record.

(3) The Registered Exporter will be required to maintain a register containing the following particulars :

- (i) Serial Number;
- (ii) Number of the sale voucher;
- (iii) Date of sale;
- (iv) Name of the foreign purchaser;
- (v) His/her Passport number;
- (vi) Description of the item sold and the material of which made;
- (vii) Value in rupee;
- (viii) Equivalent foreign exchange surrendered;
- (ix) Name of the bank in which foreign currency traveller's cheques/crossed foreign bank drafts/Cheques deposited;
- (x) Date of deposit; and
- (xi) Remarks.

The register will be open to check by Government Agencies.

(4) Import applications should be made to the licensing authority concerned within the prescribed period after receipt of payment in foreign exchange. The rate of import replenishment will, however, be related to the date of sale. The applications should be accompanied by the following documents :—

- (i) Bank Receipt/Demand Draft for the appropriate amount towards the application fee;
- (ii) Certified true copies of sale voucher/cash memos, giving details of (a) name and nationality of the tourist, (b) Passport number of the tourist (c) details of traveller's cheques/crossed foreign bank drafts/personal cheques drawn on foreign banks, (d) detailed description of the articles sold, specifying material of which they are made, and (e) value of each article.
- (iii) Bank certificates indicating the number and date of the relevant sale voucher/cash memo and showing receipt and surrender to the Indian Exchange Control of the relevant foreign currency traveller's cheques/crossed foreign bank draft/personal cheques drawn on foreign banks. (In the case of personal cheques on foreign banks, the bank should also certify that the proceeds of the cheques have been realised in foreign exchange as per the Exchange Control Regulations); and
- (iv) A statement of the sales giving details of sale voucher/cash memo, its number and

date, description of the articles sold specifying the material of which they are made, the value in rupees of foreign exchange surrendered, the date of surrendering of traveller's cheques/foreign bank drafts/personal cheques and date of realisation of foreign exchange in the case of personal cheques, as per specimen proforma at Appendix XIV-G.

(5) Payment on such sales, made through credit cards issued by Diner's Club and American Express International will also be eligible for import replenishment under this policy subject to the terms and conditions laid down in this para and on evidence of receipt of foreign exchange through authorised banking channel.

Export of Gem and Jewellery

333. Exporters of Gem & Jewellery will be required to produce the same documents as other exporters, except that such exporters will, in addition, be required to produce a copy of the invoice duly attested by the Customs. In the case of exports on consignment basis the bank certificate in receipt of foreign exchange should be furnished in the form appearing in Annexure III in Appendix XIV-D of this Book.

Sale to Foreign Tourists of Gem and Jewellery Items

334. (1) A registered Exporter (Jeweller) who possesses an "Authorised Money Changers" licence issued by the Reserve Bank of India and is approved by the Export Promotion Authority at Bombay, Calcutta and Madras and by the licensing authority at other ports will be eligible to apply for grant of replenishment licence against sale of gem and jewellery items made to foreign tourists, where payments are received in the manner permissible under the authorised money-changer's licence. In the case of cheques drawn on bank outside India, a certificate from the authorised dealer in foreign exchange to the effect that proceeds of the cheque have been realised should be produced. In all other cases, a certificate that the cheques/amounts have been surrendered to the Indian Exchange Control would be sufficient.

(2) The Registered Exporter (Jeweller) who had been previously approved prior to the date of the devaluation and who still possesses the "Authorised Money Changers" licence, would be considered as "approved" for the purpose of claiming replenishment in accordance with these provisions.

(3) The Registered Exporter (Jeweller) desiring to claim benefits under this scheme, who does not possess "money changers" licence, may apply for such a licence to the Reserve Bank of India in the prescribed form and on receipt of the same he may approach the concerned Export Promotion Authority/Licensing Authority for approval.

(4) The minimum annual sales that an approved jeweller will be required to make to foreign tourists against realisation of payment in foreign exchange would be equivalent of Rs. 50,000/-. At the time of seeking approval, the Registered Exporter (Jeweller) will furnish an undertaking to the approving authority

concerned at the ports to the effect that (i) a minimum sale to foreign tourists to the value of Rs. 50,000/- would be effected during the next twelve months and (ii) in the event of cancellation, intimation will be sent by him forthwith to the approving authority concerned.

(5) If the minimum level of sales is not reached within the prescribed period of one year or if the authorised "money changers" licence is withdrawn during the period for any reason, the concerned Registered Exporter (Jeweller) will cease to be entitled to the replenishment admissible against sales to foreign tourists.

(6) Department of Commerce and/or Chief Controller of Imports and Exports may withdraw the approval given by the approving authority at ports without assigning any reason and recommend cancellation of the licence issued by the Reserve Bank of India.

(7) In respect of the sale of gem and jewellery items to foreign tourists in India, against foreign currency/travellers cheques, the following procedure is to be adopted by the registered approved jewellers :

- (a) Registered approved jeweller will be required to maintain printed, serially numbered voucher books, the particulars of which should be notified in advance to the approving authority. A specimen voucher is in Appendix XIV-E (Annexure II).
- (b) Each sale voucher will be in quadruplicate showing details regarding the name and nationality of the tourists, his/her passport number, description of the gem and jewellery items sold, the sale value in foreign exchange and the rupee equivalent details of the foreign currency traveller cheques given by the tourist.
- (c) The original sale voucher should be handed over to the tourist for being given to the Customs authority at the time of his departure from India.
- (d) The duplicate copy of the sale voucher will be handed over to the tourist for his own use.
- (e) The triplicate copy of the sale voucher will be sent by the jeweller along with the application for replenishment licence at the time of its submission.
- (f) The fourth copy will be retained by the jeweller for his record.

(8) The approved jeweller will be required to maintain a register containing the following particulars :—

- (i) Serial Number;
- (ii) Number of the sale voucher;
- (iii) Date of sale;
- (iv) Name of the foreign purchaser;
- (v) His/her passport number,
- (vi) Description of the items sold;

- (vii) Value in rupees;
- (viii) Equivalent foreign exchange surrendered;
- (ix) Name of the Bank in which foreign currency travellers' cheques deposited;
- (x) Date of deposit; and
- (xi) Remarks.

The Register will be open to check by Government agencies.

(9) Payments on such sales made through credit cards issued by Diner's Club and American Express International will also be eligible for import replenishment under this policy subject to the terms and conditions laid down and on evidence of receipt of foreign exchange through authorised banking channel.

(10) Import applications should be made to the licensing authority concerned within the prescribed period after receipt of payment in foreign exchange. Import replenishment in such cases will, however, be related to the date of sale. The application should be accompanied by the following documents :

- (i) Bank Receipt/Demand Draft of the prescribed amount towards the application fee.
- (ii) Triplicate copies of sale vouchers giving full description of the items sold, their value in Indian rupees, particulars of foreign tourist, his/her passport number, mode of payment and amount of foreign currency traveller's cheques.
- (iii) Bank certificate in original evidencing receipt of foreign exchange from sales to foreign tourists against travellers' cheques.

Procedure for Submission of Application for Certain Categories of Deemed Exports

335. (1) Application for import replenishment licences in cases mentioned in (3) below should be made to the regional licensing authorities concerned.

(2) Applications should be made on monthly, quarterly or half yearly basis within the prescribed time limit, on the basis of payment received. The Imports replenishment will, however, be calculated with reference to the date of supply of the material which will be taken as the date of export, except in the case of registered contracts for which the relevant provisions will apply.

(3) Import application should be made in the prescribed form given in Appendix XIV-F. In the case of supplies made in India against IBRD/IDA/Bilateral/Multilateral aided projects and supplies made to U.N. Organisations etc. against payment made in Free Foreign Exchange and ONGC/GAIL/Oil India Ltd., it should be supported by (i) a certificate of payment issued by the Projects Authority in Form I (ii) sale invoice duly authenticated by the project authority and (iii) undertaking by the applicant as in Form II.

(4) In cases where the project authority has made only part payment but the applicant has filed his ap-

plication against the full supplies made the licensing authority will consider the claim only to the extent of the payment received. After the project authority makes the final payment, the applicant should then produce a further certificate from project authority in respect of the balance payment received on the basis of which, the licensing authority will issue supplementary REP licence to the applicant as may be admissible.

(5) In the case of supplies made in India to U.N. Organisation or other multinational agencies, or supplies made in India against international competitive bidding for which the payment is received in free foreign exchange, the application may be made on monthly, quarterly or half yearly basis, within the prescribed time limit, on receipt of payment. The Import replenishment will, however, be calculated at the rate applicable on the date of supply which will be taken as the date of export except in the case of a registered contract for which the relevant provision will apply. The import application should be made in the prescribed form and supported by the following :—

- (i) Invoice duly authenticated by the buyer agency.
- (ii) Undertaking by the applicant in Form II given in Appendix XIV-F.
- (iii) A declaration by the applicant in Form III given in Appendix XIV-F.
- (iv) Certificate of buyer agency in Form IV given in Appendix XIV-F.
- (v) Bank Certificate in respect of payment received in Form V given in Appendix XIV-F.

(6) The import replenishment will be calculated in the case of the supplies made in India on the basis of F.O.R. value (nearest rail head) instead of f.o.b. value.

(7) This procedure is applicable for "deemed exports" covered by para 190 (b), (e), (f) and (i) of the Import and Export Policy, 1985-88 (Vol. I).

Export of Films (exposed)

336. Exporters of cinematographic films (exposed), TV films, news films and still news photos will be required to produce the following documents :—

- (a) Bank certificate showing realisation of foreign exchange and indicating the particulars of the goods exported in the form appearing in Appendix XIV-D (Annexure III) (Where an exporter obtains advance/imprest licence, the Bank Certificate in the prescribed form should be produced along with the evidence for discharge of export obligation).

(b) Invoice duly attested by the bank.

Consolidation of Export Cargoes

337. The procedure to be followed by exporters in cases where individual export consignments are consolidated for exports through recognised cargo agents, is given in Appendix XIV-K.

Classification/Re-classification of Export-Products

338. Suggestions for classification/re-classification of export products can be made to the Chief Controller of Imports & Exports (E.P. Cell), New Delhi, through the Export Promotion Council/Commodity Board concerned, with full justification, supporting data with regard to rate of import replenishment and the imported materials required for use in its manufacture.

Execution of Bonds/Legal Agreements

339. (1) Before clearance of the first consignment against an Advance or Imprest licence or before obtaining supplies of goods against an Advance/Imprest Release Order, as the case may be, the licence holder will be required to execute a bond with bank guarantee in the prescribed form for an amount equal to 50% (25% in the case of manufacturer-exporters in the small scale sector) of the c.i.f. value of the licence/Release Order (or for an amount equal to the Customs duties* payable, whichever is higher) for fulfilling the export obligation prescribed. In respect of Advance Licences, the specimen bond form and legal agreement form are given in Appendix XVI-C and D of this Hand Book. In respect of Imprest licences, the specimen bond form and legal agreement form are given in Appendix XVII-B and Appendix XVII-C of this Book respectively.

(2) Manufacturer-exporters having past export performance during the preceding two financial years may be given the facility of bond with bank guarantee for 25% of the Customs duties payable in respect of Advance licences. Similarly, manufacturer-exporters having past export performance for a minimum period of one year may be allowed the facility of bond with bank guarantee for 50% of the Customs duties payable in respect of Advance licences.

(3). In the case of Imprest Licences (other than DTC) for Rough Diamonds, manufacturer-exporters having no past export performance may be given the facility of bond with bank guarantee for 25% of the c.i.f. value of the licence. Similarly, for Imprest licences (other than DTC) merchant exporters having no past export performance may be given the facility of bond with bank guarantee for 50% of the c.i.f. value of the licence.

(*) Applicable to Advance licences.

340. In the following types of cases the licensing authorities concerned may accept a legal agreement in lieu of the bank guarantee :—

- (i) In the case of registered exporters who have been exporting regularly during the preceding three financial years;
- (ii) in the case of manufacturer-exporters in the Public Sector; and
- (iii) in the case of Registered exporters who are DTC sight holders and to whom Imprest DTC licences have been issued.

NOTES :—(1) It will be open to the licensing authorities to call for a bond with bank guarantee in terms of para 339 (1) above even in the types of cases referred to in para 339(2) and (3) and para 340 above having regard to the nature of the items sought to be imported against the licences and the performance of the exporter in the past.

(2) It will also be open to the licensing authorities to ask for a bond with bank guarantee for the full value specified in para 339 (1) above in the case of new exporters or exporters who have not been regularly established in export trade to the satisfaction of the licensing authorities concerned.

Import of Capital Goods against REP entitlements

341. The provisions relating to import of capital goods against REP entitlements have been given in Chapter III of this Hand Book.

Package Services by Trade Development Authority

342. The details of 'Package of Services' rendered by Trade Development Authority to its clientele are reproduced in Appendix XIV-N.

Registration of Export Contract

343. In order to provide stability for the growth of exports, a scheme is in operation for Registration of Contract. The details are given in Appendix 20 of the Import & Export Policy, 1985-88 (Volume-I).

Duty-free Imports against REP Licences

344. The policy and procedure for duty-free imports against REP licences is given in Appendix 21 to the Import & Export Policy, 1985-88 (Volume-I).

CHAPTER XV

IMPORT-EXPORT PASS BOOK SCHEME

345. The broad policy in respect of Import & Export Pass Book Scheme is given in Chapter XV of the Import & Export Policy, 1985-88 (Volume I).

CHAPTER XVI

DUTY EXEMPTION SCHEME

346. The Import Policy relating to different categories of licences under Duty Exemption Scheme is given in Appendix 19 of the Import & Export Policy 1985-88.

347. Applications for licences under Duty Exemption Scheme should be made in accordance with the procedures prescribed therein supported by the following documents :—

- (1) Certified copy of the RCMC issued by the Registering authority concerned.
- (2) Certified copy of the registration certificate issued by the sponsoring authority concerned.
- (3) A certified copy of the Central Excise Licence issued by the Superintendent of Central Excise concerned to the applicant or the supporting manufacturer(s), as the case may be. In respect of a unit working under exemption, a certificate from the concerned Superintendent of Central Excise to the effect that the factory has filed a declaration under the Central Excise Law and as per the declaration the products mentioned are manufactured by it.
- (4) Bank receipt/demand draft for the requisite amount towards payment of application fees.
- (5) Certified copy of the export order and letter of credit, if any, wherever applicable.
- (6) Statement showing the quantity, i.e. value and description of the products exported during the preceding 3 financial years duly

Accountant who is not employed by the firm or associates.

- (7) A certificate from an independent professional Chartered Engineer (or Chief Technical Officer in charge of production/Chartered or Cost Accountant, as the case may be), giving the description, quantity and value of each item required for the products to be exported in the form given in Appendix XVI-E of this Book.

348. The different forms of applications prescribed for grant of licences or for extension of export obligation period are given in Appendix XVI-A & B to this Book.

349. The provisions relating to execution of bond/legal agreement for fulfilment of export obligation covered by a licence under the Duty Exemption Scheme are given in paras 339 and 340 of this Book. As evidence of fulfilment of export obligation and for redemption of bond/legal agreement, the licensee will be required to submit the same documents as are required to be produced for claiming import replenishment licences against exports under the Import Policy for Registered Exporters.

350. The Bond and the legal agreement forms have been given in Appendix XVI-C & D to this Book. The format of DEEC which is a part of Customs Notification dated 5-4-1982 is given in Appendix XVI-E to this Book. Forms of certificates for Chartered Engineer, Project Authorities and DGTD are given in Appendix XVI-F, & G respectively to this Book.

CHAPTER XVII

IMPREST LICENSING SCHEME

351. Applications for Imprest licences should be made to the licensing authorities concerned in the prescribed form given in Appendix XVII-A supported by the following documents :—

- (1) Photostat copy of the RCMC issued by the Registering authority concerned.
- (2) Photostat copy of the Registration certificate issued by the sponsoring authority concerned.
- (3) Bank receipt/demand draft for the requisite amount towards payment of application fee.
- (4) Photostat copy of the export order and letter of credit, if any, wherever applicable
- (5) Statement showing the quantity, f.o.b. value and description of the products exported during the preceding three financial years duly certified by an independent Chartered/Cost Accountant who is not employed by the firm or its associates.
- (6) A certificate from an independent professional Chartered Engineer (or Chief Technical Officer in-charge of production/Chartered or Cost Accountant, as the case may be) listing the items required for import and the quantity and value of each item, in cases where the products to be exported, the items of import or the value of Imprest licences applied for, do not conform to Appendix 17 of Import and Export Policy 1985—88 in toto.

- (7) A copy of the Reserve Bank of India's approval to the deferred payment terms in case of exports to be made on deferred payment basis.

352. For import of components by DGTD and Textile machinery manufacturing units subject to List Attestation Procedure, the provisions made in Chapter V of the Import & Export Policy 1985-88 will apply.

353. The proforma prescribed for application form for extension of export obligation in respect of different categories of Advance licences appearing in Appendix XVI-B of this Book may be utilised for the purpose of application for extension of export obligation in respect of Imprest licences.

354. The provisions relating to execution of bond/legal agreement for fulfilment of export obligations covered by an impost licence are given in paras 339 and 340 of this Hand Book.

355. As evidence of fulfilment of export obligation and for redemption of bond/legal agreement, the licensee will be required to submit the same documents as are required to be produced for claiming replenishment licences against exports under the Import Policy for Registered Exporters. These exports are also eligible to be accepted for discharge of export obligation, if any, imposed on a Capital Goods licence or Industrial licence or Approval of foreign collaboration issued to the licensee.

356. The prescribed bond and legal agreement forms for this purpose are available in Appendix XVII-B&C of this Book.

CHAPTER XVIII**GOLD JEWELLERY EXPORT PROMOTION
SCHEMES**

357. Five Export Promotion Schemes relating to export of Gold Jewellery have been given in Appendix 22 of the Import and Export Policy 1985-88. The form of certificate prescribed for claiming re-

plenishment of Gold against export of gold ornaments/articles at exhibitions prescribed in Annexure II to Appendix 22 of the Import and Export Policy 1985-88 is given in Appendix XVIII of this Book."

CHAPTER XIX**100% EXPORT ORIENTED UNITS SCHEME**

358. The Policy and Procedures relating to 100% export oriented units Scheme have been given in Appendix 23 of the Import & Export Policy, 1985-88.

359. The form of application prescribed for appro-

val as a 100% export oriented unit is given in Appendix XIX-A of this Book. The legal agreement form prescribed for execution by an approved 100% export oriented unit is given in Appendix XIX-B of this Book.

CHAPTER XX**IMPORT POLICY FOR REGISTERED EXPORTERS IN FREE TRADE ZONES**

360. The Policy and Procedures relating to Registered Exporters in Free Trade Zones have been given in Appendix 15 of the Import & Export Policy, 1985-88.

361. The form of application prescribed for claiming import replenishment licences against supplies made by units in Domestic Tariff Area to units in Free Trade Zones is given in Appendix XX of this Book.

CHAPTER XXI

EXPORT HOUSES/TRADING HOUSES

362. The Import Policy and Procedures relating to Export Houses and Trading Houses are given in Chapter XXI of the Import-Export Policy 1985-88.

363. The different provisions given in Chapter XIV of this Book will also apply, *mutatis mutandis*, to the Export Houses and Trading Houses. Export Houses and Trading Houses have to register themselves with the Federation of India Export Organisation, New Delhi and their attention is, therefore, invited to the provisions in para 305 of Chapter XIV of this Book.

364. Applications for grant/renewal of recognition as an Export House or a Trading House should be preferred in the forms prescribed in Appendix XXI-A and XXI-B of this Book. The form of application for claiming Additional licences is given in Appendix XXI-C of this Book. The statement form for submitting quarterly returns relating to disposal of materials imported by Export/Trading Houses is given in Appendix XXI-D of this Book.

ENTREPRENEUR MERCHANT EXPORTERS
(EME)

365. The Policy and Procedures relating to special facilities to Entrepreneur Merchant Exporters (EMEs) exporting products manufactured by SSI units/Cottage Industries are given in Chapter XXII of the Import & Export Policy, 1985-88.

366. The goods imported by Entrepreneur Merchant Exporters against Additional licences issued to them will be disposed of to their supporting manufacturers whose goods have been exported by them. This will be subject to Actual User conditions.

367. Quarterly statements showing disposal of goods imported by Entrepreneur Merchant Exporters against Additional licences have to be furnished to (1) Office of the CCI&E (EH—Cell), New Delhi, (2) the regional licensing authorities concerned and (3) sponsoring authorities concerned of the supporting manufacturers to whom the imported goods have been supplied. The form at present prescribed for Export/Trading Houses in Appendix XXI-D of this Book may be utilised for this purpose.

CHAPTER XXIII

EXPORT LICENSING PROCEDURE

Categories of Exporters

368. For the purpose of licensing, exporters are divided into the following two broad categories :

- (i) Established Exporters i.e. those & who have exports of a particular commodity in the prescribed basic period, as admitted by the licensing authority. The basic period varies from commodity to commodity.
- (ii) New Comers i.e. those who have no exports in the prescribed basic period but possess sufficient experience in the particular field, either as an exporter outside the basic period or as a dealer in the internal trade of the commodity concerned.

Quota Licensing

369. (1) Commodities of which the export is allowed on quota basis to Established Exporters, have been mentioned in the Import & Export Policy, 1985-88. (Vol. II). Where an exporter desires to secure export quota of any such commodity, he is required to prove his exports of that commodity during any one year or part of a year selected by him from out of the specified period called the "Basic period", prescribed for such commodity.

(2) An exporter is free to select from out of the prescribed basic period, his own best year or part of year, as the case may be. The following evidence may be accepted by the licensing authority in support of the basic period exports :

- (a) Bill of Lading;
- (b) Certificate from the Manifest Clearance Deptt. of the Customs where Bill of Lading is not available;
- (c) Certified copies of land Customs Appendices in the case of export by rail or road;
- (d) Export invoices; and
- (e) Postal receipts in the case of export by post (Where original postal receipts are sent by the banks for collection purposes to foreign customers, certificates from the banks concerned are accepted as valid evidence).

(3) The quota of an exporter is generally calculated on the basis of his "Basic Exports", subject to adjustments, in a few cases, prompted by considerations of equity, e.g. fixation of minimum and/or maximum limits for export quotas. Sometimes, a limited quantity of a commodity is released for export. In such cases the quota of each individual exporter is worked out on a *pro rata* basis, calculations being based upon the percentage that the total of the established exports bears to the total quantity released for export.

(4) In most cases, the percentage fixed for calculating the value or quantity to be allowed to be exported is announced. The quota of the individual exporter is then worked out by applying the fixed percentage to his basic exports.

(5) In certain cases where the number of Established Exporters is very large as compared to the ceiling available for export, quotas are granted at a flat rate.

(6) In cases where quotas remain under utilised or unutilised the item is considered for being allowed to other exporters, subject to such conditions as are deemed necessary.

(7) Applications for export of items which are licensable against quotas should be made in the form prescribed in Appendix XXIII-A. It should be accompanied by the shipping bills, quota slips granted by the licensing authority and/or such other documents as are required to be furnished in terms of the relevant Trade Notice or are considered necessary by the applicant.

New Comers' Licensing

370. Ordinarily, an effort is made to provide for new comers to enter into the export trade unless the quantity allowed for export is small in proportion to the Established Exporters' quota already in existence. Only such business concerns as have previous experience of handling the commodity concerned, financial standing etc. are eligible to apply for new comer licences. Normally, applicants are required to prove their standing in the internal trade of the commodity during a specific period. The conditions which a person must fulfil and the manner in which he should prove his experience, are announced as and when applications are invited. Certificates of Chartered Accountants who are not partners, directors or employees of the applicant firm or its associates certifying purchases or sale are accepted in evidence. Sometimes receipts of sales-tax paid are called for as evidence. In addition, a new comer applicant may be required to prove to the licensing authority, his ability to enter into the export trade by producing the sale contracts already concluded by him with the overseas buyers.

371. Applications by the new comers for export should be made in the Form given in Appendix XXIII-A. It should be accompanied by shipping bills and/or such other documents as are required to be furnished in terms of the relevant Trade Notice or are considered necessary by the applicant.

Canalised Exports

372. Certain items of exports are exported through a canalising agency, i.e., S.T.C. or other recognised agency/organisation. The list of such items and the agencies so nominated are given in Annexure I to

Section II of the current Import & Export Policy, 1985-88 (Vol-II) For these items, the exports will be allowed only through the canalising agencies concerned. The quantum upto which export may be permitted in respect of these items and other details pertaining thereto are decided by the Government from time to time. The operations of the canalising agencies in this regard are, therefore, subject to such directions as may be given to them by Government.

Open General Licence

373. Items covered by an Open General Licence can, as long as it is valid, be exported freely without any licensing formalities to all destinations permitted therein

374. At present, the following four Open General Licences are operated and their texts are contained in Import & Export Policy, 1985-88 (Vol-II) :—

- (a) Open General Licence No. 1 applies to exports by land to any country adjacent to India and having no seaport of its own, of any goods included in Schedule I to the Exports (Control) Order, 1977, which are consigned under a procedure prescribed for regulating transit traffic;
- (b) Open General Licence No. 2 applies to exports of *bona fide* samples;
- (c) Open General Licence No. 3 gives the list of items which can be exported on fulfilment of the conditions shown in Col 4 against each of the items; and
- (d) Open General Licence No. 4 includes the list of items which can be exported directly by the canalising agency mentioned against each item in Col 4.

Limited Free Licensing

375. Where the export of a commodity is regulated within a set ceiling, or there is no established pattern of trade, export will be allowed on "first-come first-served" basis. The following principles and procedure will be applicable in such cases :—

- (i) A Public Notice/Trade Notice shall be issued announcing the policy and indicating the licensing offices to which the available ceiling has been allocated for the purposes of dealing with such applications;
- (ii) Unless otherwise indicated in the Public Notice/Trade Notice applications will be received after 15 days after the date of its issue;
- (iii) All applications made on Form 'AX' as given in Appendix XXIII-A, complete in all respects, received on the prescribed date, between 10-30 A.M. and 1 P.M. shall have the same priority. Such applications should be accompanied by evidence to the effect that the Indian exporter applicant has accepted the offer of the overseas buyer to purchase the commodity, for the quantity applied for, subject only to the grant of a licence in his favour;

(iv) As a rule, the licensing authorities shall record in writing, the reasons for rejection of applications;

(v) Each exporter shall be allowed to submit one application per day supported by one contract from one foreign buyer only. With each export application, the exporter should file a declaration that he has not submitted any export application for the same commodity to any other licensing authority during the same licensing period. The licensing authorities will allocate the quota strictly on pro rata basis subject to the conditions stipulated in sub-para (vi);

(vi) An eligible applicant will be allowed a quota not exceeding 10 per cent of the available ceiling per day allocated to the office concerned. If some quantity of the ceiling is left over after disposal of the applications received on the first day, the balance will be carried over to the next day for fresh applications; this process will be repeated until the ceiling is exhausted;

(vii) Exports will be allowed by issuing an Export Licence with a validity period of 45 days from the date of issue; and

(viii) Shipment shall be made of the quantity covered by the contract against which the Licence has been issued, within the period of its validity. No extension of time shall be granted except in the following circumstances :—

(a) The licensing authority, which issued the licence, is satisfied within 7 days of its issue, that no ship is available for carrying the consignment(s) within the said period of 45 days; or

(b) within the period of validity of the licence, the licensing authority at the port, to which the consignment might have been carried, is satisfied that there has been delay in the arrival of the ship within the initial period of validity.

In either event, an extension of upto 15 days only shall be available for effecting the shipments. No second extension will be granted i.e. the licence will lapse automatically thereafter.

(ix) After the shipment is effected but within a period of 7 days of the shipment, each licence holder shall intimate to the licensing authority which issued the licence, particulars of the shipment(s) actually effected. Also, in case the licence is not utilised at all or only partly utilised, the licence holder shall report the position to the licensing authority concerned within 7 days of the date of shipment or the date of expiry of the licence as the case may be. Failure to do so will entail him to the refusal of grant of export licence for the items allowed under limited ceiling for further exports in terms of clause

5(b) of the Export (Control) Order, 1977 as amended from time to time, for the licensing period

- (x) Any quantity allocated against the earlier licences which lapses for the above reasons, shall be available again to the licensing office concerned for re-allocation in the same manner as laid down above.

Free Licensing

376. Where an item is allowed free for exports but is not covered by the Open General Licence, the intending exporters are required to secure licensing endorsements on the connected shipping bills from the licensing authorities concerned. Applications should be made in the form given in Appendix XXIII-A.

Ad-hoc Licensing

377. (i) In order to develop new markets and also to encourage home-based industries in producing new export products, requests for exports in small quantities are sometimes considered on ad-hoc basis, even if the indigenous production of such items is somewhat-limited. Ad-hoc licensing is, at times, resorted to enable an industry or unit to clear accumulated stocks and maintain continuous production.

(ii) Applications for exports of such items should be made in the prescribed form accompanied by the shipping bills and/or such other documents as are required to be furnished in terms of the relevant Trade Notice or are considered necessary by the applicant.

Pre-Ban Commitment

378. (1) Unless otherwise provided, the following types of pre-ban (including pre-control) commitments may ordinarily be honoured for export control purposes :—

- (a) Where against a specific export order an irrevocable letter of credit in the case of the exporter/exporting firm has been opened by the foreign buyer covering 100% f.o.b. value of the consignment and accepted by a scheduled bank in India prior to the date of ban/control;
- (b) Where advance payment has been received, provided that :
 - (i) the advance payment has been received against a specific export order and covers 100% f.o.b. value of the consignment; and
 - (ii) such advance payment has been received through an authorised dealer in foreign exchange on or prior to the date of the ban.

Notwithstanding the above, Govt. may, for sufficient reasons, treat any other claims, not covered by the above provisions, as a pre-ban commitment.

(2) Copies of pre-ban commitments/export contracts or (pre-control commitments/contracts) should be sent by the person concerned to the regional licensing authorities concerned along with documentary evidence relied upon in support of such commitments/contracts having been made. These documents should be sent to the licensing authority by Registered Post (A.D.) within a period of 15 days from the date of Public/Trade Notice or Notification announcing the imposition of the ban on exports of the concerned commodity or the date on which such commodity is placed under export control, as the case may be. Cognizance will be taken only of cases where these documents have been thus, filed in time. The submission of such evidence shall not, however, confer any right on the person concerned to the grant of any export licence or permission to export.

Note : —A contract is deemed to be concluded after an offer is made and is accepted by the second party. It should be specific as to the mutually accepted terms and contents, i.e., it is binding on both, with reference to its enforceability.

379. Where such evidence, as is required in para 378 is in the nature of a telegraphic/telex message detailing the offer or the acceptance of the contract in its material particulars, the evidence relied upon for substantiating the pre-ban commitment/export contract (or pre-ban commitment/contract) should include the (confirmatory) post copy of the said message sent immediately after, despatch, together with the connected envelope bearing the stamp of the Post-office.

Application Forms

380. Application for export licences or licensing endorsements on shipping bills are to be made on prescribed Forms, along with relevant documents. These forms are given in Appendix XXIII-A. The applicants may use their own typed/cyclostyled or printed forms.

Persons Authorised to Sign Applications

381. Every application for an export licence or for licensing endorsement on the shipping bill should be signed by the applicant himself or by a person duly/legally authorised by the applicant to do so. The position or nature of such legal authority held by the person signing the application/document/Form should be clearly given therein along with the official stamp of his connected status. Otherwise, such application/document or Form will receive no consideration by the licensing authority. This requirement applies equally to the applications made to canalising agencies.

Deficient Applications

382. Applications which are not (i) in the prescribed form, (ii) accompanied by necessary export documents, (iii) accompanied by necessary particulars setting out the authority of the person signing it; or (iv) received after the last date prescribed, will stand summarily rejected. Applicants are expected to complete all the columns in the application form truly and

properly. They may take the help of the Counter Assistances System to make sure that all these requirements are met.

Amendments and Alterations to Licences

383. No change shall be made or effected by the licensee or any other person in the description of the goods or the name of the consignor or the consignee and in the terms and conditions of the licence. Any unauthorised change would render the licence null and void, besides exposing the offender to the risk of being penalised. Applications for amendments and alterations should be submitted to the authority who issued the licence.

Export of samples of Indian origin for purposes of securing orders and their re-import

384. Imports (Control) Order, 1955 and the Customs Act, 1962, permit, subject to certain conditions and observance of certain formalities, re-import of samples sent or taken to foreign countries by Indian businessmen for the purpose of getting the buyer's approval. With a view to avoiding any difficulty which the Indian businessmen may have to face at the time of re-import, the prospective exporters should contact the Customs/Import Trade Control authorities before exporting the samples to foreign countries and ensure that the various conditions laid down are fulfilled.

Jurisdiction

385. Unless otherwise stated, applications for the export of items which are not normally allowed or whose export is allowed on merits should be addressed to the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi. Applications for the export of all other controlled items should be addressed to one of the regional licensing authorities mentioned in Appendix II-B depending on the port from which export is to be made. In respect of commodities for which export ceilings are placed at the disposal of one or more of specified licensing authorities, the intending exporter can apply for export to any one of such licensing authorities. With each export application in such cases, the exporter should file a declaration that he has not made an export application for the same commodity to any other licensing authority (in the same licensing period).

Recognition of New Established Exporters and Transfer of Quotas (TQR)

386. (1) An established exporter may be : (i) an individual, (ii) a partnership concern, (iii) a karta of a Hindu Undivided Family in respect of the family business, (iv) a limited company, and (v) any association or body of individuals. Licences are granted in the name of the business belonging to the established exporter. Where there is any change in the ownership, constitution or name of the business, the established exporter will not be eligible to the grant of licences as he ceases to be an established exporter. However, in public interest and for continuity of business, the licensing authority may recognise new established exporters in respect of any business in

accordance with the provision made in the following paragraphs.

(2) Where there is a change in the ownership or constitution of an established exporter's business, without any change in the name of business, and the new owner or the reconstituted concern, as the case may be, acquires the quota of the original concern as a whole, the quota belonging to the original concern, will be deemed to have been transferred to the new concern. The new concern can obtain export licences on the basis of such quota, if otherwise admissible. In such cases, no application for TQR need be made but an intimation about the change should be sent, in the form given in Appendix XXIII-B to the licensing authority within 90 days of the date of change. The constitution of the new concern should also be mentioned in the usual manner in the next application for export licence indicating therein the nature of the change and the date from which it has taken place. In case where the intimation about the change is sent after the expiry of 90 days, the quota entitlement of the applicant will be liable to a cut of 25 percent in the first licensing period after the change. The licensing authority may, however, condone the delay if it is satisfied that the delay was due to circumstances beyond the control of the applicant.

(3) Where there is a change in the name of the established exporter's business, without any change in the ownership or constitution of the business, no application for TQR need be made. The established exporter should produce his quota certificate to the licensing authority concerned for necessary change therein alongwith an affidavit about the change of name and affirming that he will not claim any licence in future in the old name. Where a private limited company becomes a public limited company or *vice versa*, it should report the fact to the licensing authority concerned.

(4) Where there is a change in the name of established exporter's business alongwith a change in the ownership or constitution of the business, the new concern cannot claim export licences on the basis of the quota of the original concern without obtaining TQR in its favour. The application for TQR should be made to the licensing authority concerned.

(5) Where there is any change in the ownership or constitution of an established exporter's business and as a result of such change, a part of the quota of the original concern is required to be separated or the quota of the original concern is required to be divided, the application for such separation of the quota or for its division as the case may be, should be made to the concerned licensing authority. If the quota to be separated is also sought to be transferred in favour of any person, the transferee should also make the application for TQR to the licensing authority concerned. In such cases, the new owner or the reconstituted concern(s) cannot claim export licences on the basis of the quota standing in the name of the original concern without obtaining TQR.

(6) Where an established exporter is a limited company and the company is amalgamated with another company, the application for TQR in favour of

the new company should be made to the licensing authority concerned, supported by an order of the competent court or other evidence of amalgamation.

Application for TQR

387. An application for TOR should be made in the form given in Appendix XXIII-A (Form C-X) along with the prescribed documentary evidence. The jurisdiction of the port licensing authorities for dealing with such applications is given in Appendix XXIII-C. The application for TQR should be made by the head office of the applicant concern, covering all its branches, and such application should be made to the licensing authority in whose jurisdiction the head office is situated.

388. The application made in terms of paragraphs 386 (6) and 387 above should be accompanied by the following documents :—

- (i) in the event of death of any person, a death certificate should be produced;
- (ii) in the event of relinquishment of rights by any person in favour of another an affidavit of relinquishment should be produced;
- (iii) if the transfer of quota in favour of any legal heir or heirs is claimed on the basis of a "will", the application should also be supported by the said "will" and the probate thereof or an affidavit of consent by all the other legal heirs;
- (iv) partnership deed of the outgoing concern;
- (v) partnership deed of the incoming concern, if it is a partnership concern;
- (vi) if the business has been sold, deed of transfer duly registered with Registrar of Documents should be produced; if the firm is dissolved a deed of dissolution should be produced;
- (vii) where a common basic year is required to be selected for calculation of quota, application should be supported by an affidavit to the effect that the parties will select a common basic year for the establishment of quotas in respect of same or similar items on the basis of the business done by the outgoing concern; and
- (viii) any other document on which the applicant may rely in support of his application.

389. Affidavit to be produced by the applicant with their applications for transfer/division of quotas, wherever laid down, should be sworn before a 1st Class Magistrate or a Notary Public.

390. (1) Subject to the provisions of sub-paragraph (2) below, an established exporter is not allowed to transfer his business to which a quota is attached except as a whole.

(2) If an established exporter has two or more branches, each having a separate quota in respect

thereof, it will be open to such established exporter to transfer the business of any branch with the entire quota belonging to that branch to the other branch.

391. In the following types of cases, export licences can be claimed only against quotas calculated on common basic year in respect of same or similar items on the basis of the business done by the outgoing concern :—

- (i) Where a quota is divided and transferred in part to several persons separately, the persons in whose favour the quota is transferred have to select a common basic year. However, where a person acquires a quota in respect of any item transferred in his favour and he already holds a quota in respect of the same item by virtue of a business done separately, it shall be open to him to claim licences on the combined value of the two quota certificates even if the quota certificates are in different basic years. This will also apply in the case of amalgamation of two limited companies;
- (ii) in cases falling under para 390 (2) above, the transferor and the transferee will be required to select common basic year for the same or similar items; and
- (iii) the provisions of this paragraph will also apply to cases where the parties have been exempted from making application for TQR.

392. Where an application for TQR is required to be made in terms of these provisions, such application should be made so as to reach the licensing authority concerned, complete in all respects, within a period of 90 days from the date of change in the ownership, constitution or name of business etc., as the case may be. The licensing authority may, however, in deserving cases, condone the delay in making the application if such authority is satisfied that the delay was caused by circumstances beyond the control of the applicant. If the applicant is not in a position to make an application complete in all respects within the prescribed period of 90 days due to formalities to be observed in getting the deed of transfer of business registered with the Registrar of Documents, he can apply by producing an attested copy of the transfer deed with evidence to show that the original deed has been deposited for registration and should furnish an undertaking to the effect that the original deed duly registered will be produced by him within a period of 15 days from the date of registration.

393. Where an application for TQR, complete in all respects, i.e. accompanied with documents specified in paragraph 388 above, is received by the licensing authority concerned within a period of 90 days from the date of change in the ownership, constitution or name of the business, as the case may be, or where the delay in the receipt of the application is condoned by the licensing authority, as indicated in paragraph 392 above, the transferee will be eligible to the transfer of quota from the licensing period during which the change occurred. In other cases, the TQR

will be effective from the licensing period during which the application for TQR is made complete in all respects. In the case of deficient application, the TQR will be valid from the licensing period during which the documents specified in paragraph 388 above are produced.

394. Where an applicant is unable to produce original document specified in paragraph 388 above, he may submit photostat/certified/attested copies thereof in support of his application for TQR and the original document subsequently to show that the photostat/certified/attested copies are correct. The benefit of TQR may, in such a case, be given from the date on which the photostat/certified copies of the documents in question were received, if the TQR is otherwise admissible from such date.

395. The licensing authorities will dispose of applications for TQR expeditiously. If an application for TQR, made complete in all respects is not disposed of within a period of one month, the licensing authority will issue an interim reply to the applicant. If an applicant does not receive an interim reply even within this time limit, he can bring the matter to the notice of the Public Relation Officer in the Export Trade Control office concerned; or book an interview with the officer concerned through the Enquiry Officer in order to know the reasons for the delay in the disposal of his application.

396. Where an established exporter has duly made an application for licence, but there is a change in the ownership or constitution or name of the business before the licence is granted, the licence will be granted on such application, if otherwise admissible, to the new owner or owners or newly constituted firm, etc., after their having been recognised as established exporter provided the validity of the TQR under paragraph 393 above covers the period of the application in question. The licensing authority may also consider the grant of licences in favour of new owner(s) of the business or the reconstituted concern, etc., against other pending claims of the old owner(s) of the business if otherwise admissible, provided the agreement between the parties or the affidavit or relinquishment specifically contains a provision to this effect.

397. If the licensing authority is satisfied that the approval to the recognition and grant of quota is likely to be delayed on account of circumstances beyond the control of the applicant it will be open to the licensing authority to grant licences to the applicant in anticipation of the approval, if the applications are otherwise in order.

398. In the following types of cases, the quota of established exporter will lapse :—

- (i) if the established exporter is an individual and is declared insolvent; and
- (ii) if the established exporter is limited company which is wound up without any arrangement having been made for the transfer of its business.

399. In the following cases, no change in the ownership of the business will be held to have taken place for the purpose of the rules :—

- (i) Change of directors or share holders in a public or private limited company;
- (ii) Changes in the Hindu Undivided Family by birth, death or otherwise except the death or retirement of the karta; and
- (iii) Change of address of an established exporter's business.

400. Any case which is not strictly covered by any of the above paragraphs will be decided on analogous principles.

401. In cases where any application for TQR is not required to be made under the foregoing provisions, the application for licence should be accompanied with a declaration in the form given in Appendix XXIII-B.

402. Where the new established exporters have been exempted from making applications for TQR, the export licences will be issued to them in the normal course, if otherwise admissible. They will, however, be required to state in their applications for licences the changes occurring in the business and the dates from which such changes have taken place. If in such cases, any objection is received from any person at any time against the licences claimed or granted, the licensing authority will examine such objection and call for such evidence from both the parties as may be deemed necessary. If as a result of the examination, the licensing authority finds that the established exporter is not entitled to the whole or a part of the quota on the basis of which he has been claiming licences without obtaining sanction for TQR, the quota of the established exporter will be reduced accordingly and the parties found guilty of misrepresentation or contravention of these rules will be liable to penal action, under the Imports and Exports (Control) Act and the Orders issued thereunder. In such cases, the value/quantity of the excess licences already obtained by the party will also be adjusted against the future quotas of the party in respect of any item(s).

403. If the objection in terms of paragraph 402 above is made to the licensing authority concerned within three months from the date of the change in the constitution or ownership or name of the established exporter's business, and the objector is found to be entitled to either the whole or a part of the quota, he will be eligible to the transfer of such quota in his favour. The licensing authority may also condone the delay in making the objections, if such authority is satisfied that the delay was caused by circumstances beyond the control of the objector.

404. It will be open to the licensing authority to reject the application for TQR :—

- (i) if the application or the documents accompanying the application are defective;
- (ii) if the licensing authority decides that the recognition and grant of quota is not in public interest or for continuity of any business;

- (iii) if the licensing authority decides that the transfer/division of quota is sought with an intention to defeat the claims of transferor's creditors; and
- (iv) for any other reasons to be recorded.

405. The licensing authority may, after giving a reasonable opportunity to the persons who have been recognised as established exporter and whom a quota has been granted, of being heard, cancel or amend the order regarding recognition of new established exporter and grant of quota if it is found :—

- (i) that the application for recognition and grant of quota contained any false, fraudulent or misleading information;
- (ii) that the evidence tendered by the applicant contained any document which was false or fabricated or had been tampered with;
- (iii) that the applicant is guilty of any corrupt or fraudulent practice in respect of his application; and
- (iv) that the recognition and the quota has been granted through inadvertence or mistake or due to any fraud or misrepresentation.

Permission for Utilisation of Quota Licences

406. Where an export licence has been granted to an established exporter and after the grant of the licence but before its utilisation, there is a change in the ownership or constitution or name of the established exporter's business, the new owner of the business or the reconstituted concern, etc., as the case may be, cannot utilise the licence in question without obtaining a written permission from the licensing authority which granted the licence or from any other person empowered in this behalf by such authority in terms of sub-clause 4(2) of the Exports (Control) Order, 1977. In such cases, an application for obtaining the necessary permission of the authority concerned should be supported by an affidavit of the applicant, sworn before a 1st Class Magistrate or Notary Public to the effect that he is the rightful successor of the business for which the licence in question was issued and that, in the event of any mis-statement, subsequently detected in this respect, he will be liable to all actions and consequences arising therefrom.

Issue of Fresh Quota Certificates Consequent on Transfer/Division of Quotas

407. (1) In the event of a change in the ownership or constitution of a business without any change in the name of the business, where the new owner or the reconstituted concern, as the case may be, is not required to apply for TQR, the quota certificates standing in the name of the original concern will be endorsed by the licensing authority concerned indicating therein the nature of the change and the date from which the change has taken place.

(2) If the name of the business changes, the quota certificate will be amended by the licensing authority

concerned by changing the name of the established exporter's business appearing thereon. An endorsement will also be made on the quota certificate indicating the date from which the change has taken place.

(3) Where a quota has been divided, the quota certificates and their counterfoils standing in the name of the dissolved concern will be cancelled and fresh quota certificates will be issued in the name of the succeeding parties concerned according to the share of the quota transferred in the name. A suitable endorsement giving the number and date of the order under which division/transfer has been allowed by the Export Trade Control Authority concerned will also be made on the old and fresh quota certificates and their counterfoils.

(4) The persons concerned should produce the quota certificates to the licensing authority who issued the same, for necessary endorsement/amendment as indicated above immediately after the change has occurred. In cases where the new owner or the reconstituted concern is required to apply for TQR the quota certificates should be produced to the licensing authority concerned for necessary endorsement/amendment immediately and, in any case, not later than 30 days, after the new owner or the reconstituted concern, as the case may be, has been recognised as an established exporter.

Period of Shipment

408. An export licence (other than a licensing endorsement on a shipping bill) will be valid for shipment of goods covered by it for a period of three months from the date of its issue, unless otherwise specified. However, an export licence issued under a limited ceiling provisions, will be valid for 45 days only. Shipment against a licence can be effected from any port in India but for documentation, revalidation, etc., exporter will be required to report to the licensing authority who issued the export licence.

409. When a consignment is booked on a Through ping bills, the period of validity for shipment of goods will be one month, unless otherwise indicated therein.

Critical Date of Export when the Consignment is booked by rail to any destination of neighbouring Countries with whom India has Rail Links

410. When a consignment is booked on a Through Railway Receipt for any destination outside India in the neighbouring countries with whom India has rail links, the date of Through R. R. will be taken as the date of export for Export Trade Control purposes, provided the export licence and the Letter of Credit are valid on the date of issue of Through R. R. If the validity of the export licence and Letter of Credit expires during transit of the through consignments upto the last Indian customs checkpoint on the border of its clearance by Customs thereafter, clearance of the through consignments will not be refused on that ground. Any ban imposed on the export of such goods subsequent to the issue of the Through R. R. will also not apply to such consignments.

Revalidation

411. No extension in the period of validity of shipment will be granted in the case of export licences under the limited ceiling referred to in para 408 above and having an initial validity of 45 days, except in circumstances set down in the policy.

412. In other cases of export licences or licensing endorsement on shipping bills, a request for extension (if it is otherwise in conformity with the current export policy) may be considered by the licensing authority concerned, where such authority is satisfied that the price and supply position of the commodity within the country continues to be satisfactory and that the delay in the shipment of goods was caused due to reason beyond the control of the exporter. Extension where granted in such cases, will not exceed one month at a time and it will also not exceed three months in the over-all provided that the revalidation so granted does not extend beyond 15 days from the end of licensing period in which the export licence was issued or the shipping bill was endorsed. (The proviso will not however apply in cases where the export policy for the relevant licensing period has not gone into any change in the period subsequent thereto.)

Exemption from Export Restrictions

413. No export licence is required for goods falling within the purview of Clause 15 of the Exports (Control) Order, 1977. Similarly, no export licence is required for goods covered by the Open General Licence(s) appearing in Import-Export Policy 1985-88 (Vol. II).

Bona fide Personal Baggage

414. In order to save the travellers from the trouble of applying for export licences for items, export of which normally requires a licence and which they want to take out of India with them, either for their personal use or as souvenirs, certain concessions are provided.

415. The bona fide personal baggage of out-going passengers, either exported with the passengers, or if unaccompanied, exported within four months before or after the passengers' departure from India, is exempt from Export Trade Control restrictions. The time-limit in the above cases may be extended upto one year by the Collector of Customs in his discretion.

416. The concession is restricted only to the used or unused articles listed in Appendix XXIII-D upto the limit prescribed therein, provided that the articles are meant for the personal use of the passenger or for the members of his family travelling with him, and are not intended for sale or transfer to other parties. If a passenger wishes to take out with him any article which falls outside the scope of the list in Appendix XXIII-D he should apply to the Customs Authority at the port of embarkation or land frontier customs post or in the case of unaccompanied baggage, at the port of export. The Collector of Customs is authorised to permit export in his discretion. Applications for export licence in this connection will not ordinarily be entertained by the Export Trade Control authorities

except in respect of any controlled food articles such as grains, pulses, etc. if in excess of the quantities prescribed in Appendix XXIII-D

Ship-Stores

417. Indian foreign going vessels and foreign vessels having Indian shipping agents touching Indian ports in the course of their voyage may take controlled foodstuffs and provisions like wheat, floor rice, pulses, vegetable oils, etc. as ship-stores for the round voyage for the bona fide use of both crew and passengers on board the ship on the scales notified vide Ministry of Transport and Shipping (Transport Wing) S.O. No. 2473 published in the Gazette of India on 2-8-1975 (Reproduced in Appendix XXIII-E). The export of items on the scales referred to above shall be allowed direct by the Customs authorities.

Export by Post

418. Export of goods by post parcel either as gift or for commercial purposes is regulated in accordance with the provisions of Postal Notice No. 13 dated 3-12-1973 as amended from time to time. The Postal Notice is reproduced in Appendix XXIII-F.

419. With the exception of the items falling within the purview of the Postal Notice, all other items are permitted to be exported by post (except to the Union of South Africa and South-West Africa) whether as gifts, or as commercial consignments, without export licences.

420. Parcels containing articles included in the Postal Notice are not allowed for export unless covered by export licences issued by the appropriate licensing authorities. Applications for licences should be made on Form B-X reproduced in Appendix XXIII-A.

421. Commercial samples sent by post parcel or otherwise by sea or air are covered by Open General Licence No. 2 reproduced in Appendix I to Import & Export Policy 1985-88 (Vol II).

422. It is the responsibility of the sender to ensure that the parcel is covered by a proper export licence where such a licence is necessary, failing which the parcel is liable to be returned. The fact that a parcel is accepted by a post office in the first instance does not in itself constitute a guarantee that the requirements of export control have been fulfilled and also no claim for compensation or for refund on account of postage will be entertained.

Export of Spares as Free Replacement during Warranty Performance Guarantee period

423. (1) Exporters of machinery and equipment will be allowed to export spares of the machinery/equipment exported as free replacement, if the following conditions are fulfilled :—

- (i) The spares in question are being supplied to foreign buyer of machinery and equipment during the warranty/performance guarantee period;

- (ii) The total value of spares supplied free of charge does not exceed 2.5% of the f.o.b. value of the machinery/equipment exported;
- (iii) Spares under this provision can be supplied either with the main equipment or subsequently; and
- (iv) If the spares are supplied along with the main equipment, the particulars of such spares should be indicated in the exporter's invoice, Shipping bill and GRI form. It will not be necessary to indicate the particulars of such spares in the bank certificate which is furnished by the exporter to the licensing authority for obtaining benefits.

(2) Where the spares under this provision are supplied at a time subsequent to the export of the main equipment/machinery, the exporter shall produce evidence to the Customs authorities to the effect that the spares are being supplied during the warranty/performance guarantee period. The exporter shall also furnish a declaration to the Customs authority at the time of exporting the spares that the total value of spares already supplied in free replacement in relation to the same machinery/equipment and the value

of spares presently being supplied does not exceed 2.5% of the f.o.b. value of the relative machinery/equipment.

(3) Where the value of spares supplied free of charge exceeds 2.5% of the f.o.b. value of the main equipment, the exporter has to obtain prior permission of the Reserve Bank of India. In obtaining such permission of the Reserve Bank of India, the exporter should also indicate to the Reserve Bank the value of spares already supplied free of charge in relation to the same equipment/machinery and also the total f.o.b. value of the equipment/machinery exported.

(4) The exporter will not be required to obtain any prior permission from the licensing authority for export of such spares unless the spares are such as require an export licence under the Export (Control) Order, 1977.

(5) Requests for export of spares not covered by the above provisions will also be considered on merit to enable exporters to meet their requirements of after-sales service/warranty obligation or for execution of projects undertaken abroad. The permission for export granted in such cases shall be subject to the conditions as may be laid down

APPENDIX 1A

IMPORTS AND EXPORTS (CONTROL) : ACT

Imports and Exports (Control) Act, 1947 as amended upto 30th April, 1979.

An Act to prohibit or control imports and exports.

Whereas it is expedient to prohibit, restrict or otherwise control imports and exports.

It is hereby enacted as follows :—

1. *Short title, extent, commencement and duration.*—(1) This Act may be called the Imports and Exports (Control) Act, 1947.

(2) It extends to the whole of India.

It shall come into force on the 25th day of March, 1947.

2. *Definitions.*—In this Act, unless the context otherwise requires,—

- (a) "adjudicating authority" means the authority specified in, or under, section 4K;
- (b) "Appellate authority" means the authority referred to in section 4M;
- (c) "Chief Controller" means the Chief Controller of Imports and Exports;
- (d) "control order" means a control order made or deemed to have been made under this Act;
- (e) "customs station" has the meaning assigned to it in the Customs Act, 1962;
- (f) "Deputy Chief Controller" means a Deputy Chief Controller of Imports & Exports;
- (g) "Import" and "export" means, respectively, bringing into, and taking out of India by sea, land or air;
- (h) "letter of authority" means a letter authorising the licensee to permit another person, named in the said letter, to import goods against the licence granted to the licensee;
- (i) "licence" means a licence granted, includes a customs clearance permit issued, under any control order;
- (j) "prescribed" means prescribed by rules made under this Act;
- (k) "recognised agency" means an agency to which the functions of distribution of imported goods have been assigned by the Chief Controller.

3. *Powers to prohibit or restrict imports and exports.*—(1) The Central Government may, by order published in the Official Gazette, make provisions for prohibiting, restricting or otherwise controlling in all cases or in specified classes of cases and subject to such exceptions, if any, as may be made by or under the order :—

- (a) the import, export carriage coastwise or shipment as ships stores of goods of any specified description;
- (b) the bringing into any port or place in India of goods of any specified description intended to be taken out of India without being removed from the ship or conveyance in which they are being carried.

(2) All goods to which any order under sub-section (1) applies shall be deemed to be goods of which the import or export has been prohibited under section 11 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962). all the provisions of that Act shall have effect accordingly.

56—G1Commerce|85

(3) Notwithstanding anything contained in the aforesaid Act, the Central Government may, by order published in the Official Gazette, prohibit, restrict or impose conditions on the clearance, whether for home consumption or for shipment abroad of any goods or class of goods imported into India.

4. *Continuance of existing orders.*—All orders made under rule 84 of the Defence of India Rules, or that rule as continued in force by the Emergency Provisions (Continuance) Ordinance, 1946 (Continuance of Existing Orders, XX of 1946), and in force immediately before the commencement of this Act shall so far as they are not inconsistent with the provisions of this Act, continue in force and be deemed to have been made under this Act.

4A. *Fee for applications for, and issue or renewal of licences.*—The Central Government may, by order levy, subject to such exceptions, if any, in respect of any person or class of persons as may be specified in the order, any fee in respect of any application or in respect of any licence granted or renewed under any order made or deemed to have been made under this Act.

4B. *Power to enter and inspect.*—Any person authorised in writing in this behalf by the Chief Controller or any officer serving under him, not being an officer below the rank of a Deputy Chief Controller (hereinafter in this Act called the "authorised person"), may enter, at any reasonable time any premises in which—

- (i) any imported goods or materials which are liable to confiscation under this Act, or
- (ii) any books of account or other documents or things which, in his opinion, will be useful for, or relevant to, any proceeding under this Act.

are suspected to have been kept or concealed and inspect such imported goods, materials, books of account, other documents or things and may take such notes or extracts from such books of account or other documents as he may think fit.

4C. *Power to search.*—If the authorised person has any reason to believe that—

- (i) any imported goods or materials liable to confiscation under this Act, or
- (ii) any books of account or other documents or things which, in his opinion, will be useful for, or relevant to any proceeding under this Act.

are secreted in any place, he may enter into and search such place or premises for such imported goods, materials, books of account, other documents or things.

4D. *Power to seize imported goods or materials.*—(1) If the authorised person has any reason to believe that any imported goods or materials are liable to confiscation under this Act, he may seize such goods or materials together with the package, covering or receptacle, if any, in which such goods or materials are found and where such goods or materials are found to have been mixed with any other goods or materials, he may seize such goods or materials together with the goods or materials with which they are so mixed :

Provided that where it is not practicable to seize any such goods or materials, the authorised person may serve on the owner of the goods or materials an order that he shall not remove, part with or otherwise deal with, the goods or materials except with the previous permission of such authorised person.

(2) Where any goods or materials are seized under sub-section (1) and no notice in respect thereof is given under

APPENDIX I-A (Contd.)

section 4L within six months of the seizure of the goods or materials the goods or materials shall be returned to the person from whose possession they were seized :

Provided that the aforesaid period of six months may, on sufficient cause being shown, be extended by the Chief Controller by a further period not exceeding six months.

(3) The authorised person may seize any documents or things which, in his opinion, will be useful for, or relevant to, any proceedings under this Act

(4) The person from whose custody any documents are seized under sub-section (3) shall be entitled to make copies thereof or take extracts therefrom in the presence of the authorised person.

(5) If any person legally entitled to the documents or other things seized under sub-section (3) objects, for any reason, to the retention by the authorised person of the documents or things, he may make an application to the Central Government stating therein the reasons for such objection and requesting for the return of the documents or things.

(6) On receipt of an application under sub-section (5), the Central Government may, after giving the applicant an opportunity of being heard, pass such order as it may think fit.

(7) Where any document—

- (a) is produced or furnished by any person or has been seized from the custody or control of any person under this Act or any other law for the time being in force, or
- (b) has been received from any place outside India (duly authenticated by such authority or person and in such manner as may be prescribed) in the course of the investigation of any offence alleged to have been committed by any person against this Act,

and such document is tendered in evidence against the person by whom it is produced or from whom it was seized or against such person and any other person who is jointly tried, or proceeded against, with him, the court, or as the case may be the adjudicating authority shall notwithstanding anything to the contrary contained in any other law for the time being in force —

- (i) presume, unless the contrary is provided, that the signature and every other part of such document which purports to be in the handwriting of any particular person or which the court or the adjudicating authority may reasonably assume to have been signed by, or to be in the handwriting of, any particular person, is under that person's handwriting, and in the case of a document executed or attested, it was executed or attested by the person by whom it purports to have been so executed or attested;
- (ii) admit the document in evidence notwithstanding that it is not duly stamped, if such document is otherwise admissible in evidence

4E. *Power to stop and seize conveyances.*—Any authorised person may, if he has any reason to suspect that any conveyance or animal is being or is about to be used for the transportation of any imported goods or materials which are liable to confiscation under this Act and that by such transportation any provision of this Act has been, is being, or is about to be contravened, at any time stop such conveyance or animal or, in the case of an aircraft, compel it to land, and

- (a) rummage and search the conveyance or any part thereof,
- (b) examine and search any goods or materials in the conveyance or on the animal,
- (c) if it becomes necessary to stop any conveyance or animal, he may use all lawful means for stopping it and where such means fail the conveyance or animal may be fired upon,

and where he is satisfied that it is necessary to do to prevent the contravention of any provision of this Act or of any control order or condition of any licence or letter of authority, he may seize such conveyance or animal.

Explanation.—Any reference in this section to a conveyance shall, unless the context otherwise requires, be construed as including a reference to an aircraft, vehicle or vessel.

4F. *Search and seizure to be made in accordance with the Code of Criminal Procedure, 1973.*—The provisions of the Code of Criminal Procedure, 1973, relating to searches and seizures shall, so far as may be, apply to every search or seizure made under this Act.

4G. *Confiscation.*—Any imported goods or materials, in respect of which—

- (a) any condition of the licence or letter of authority, under which they were imported, relating to the utilisation or distribution of such goods or materials, or
- (b) any condition relating to the utilisation or distribution of such goods or materials subject to which they were received from, or through, a recognised agency, or
- (c) any direction given under a control-order with regard to the sale of such goods or material,

has been, is being, or is attempted to be, contravened, shall together with any package, covering or receptacle in which such goods are found, be liable to confiscation, and, where such goods or materials are so mixed with any other goods or materials that they cannot be readily separated such other goods or materials shall also be liable to confiscation :

Provided that where it is established to the satisfaction of the adjudicating authority that any goods or materials, which are liable to confiscation under this Act, had been imported for personal use, and not for any trade or industry, and that they belong to a person other than the person who has, by any act or omission, rendered them liable to confiscation, and such act or omission was without the knowledge or connivance of the person to whom they belong such goods or materials shall not be ordered to be confiscated; but such other action as authorised by this Act may be taken against the person who has by such act of omission, rendered such goods or materials liable to confiscation.

4H. *Confiscation of conveyance.*—Any conveyance or animal which has been, is being, or is attempted to be, used for the transport of any imported goods or materials which are liable to confiscation under this Act, shall be liable to confiscation unless the owner of the conveyance or animal proves that it was, is being, or is about to be so used without the knowledge or connivance of the owner himself, his agent, if any, and the person in charge of the conveyance or animal and that each of them had taken all reasonable precautions against such use :

Provided that in the case of a conveyance or animal used for the transport of goods of passengers for hire, the owner of the conveyance or animal shall be given an option to pay, in lieu of confiscation of the conveyance or animal, a fine not exceeding the value of the imported goods or materials which have been, are being, or attempted to be, transported by such conveyance.

4-I. (1) *Liability to penalty.*—Any person who,—

- (a) in relation to any goods or materials which have been imported under any licence or letter of authority, uses or utilises such goods or materials otherwise than in accordance with the conditions of such licence or letter of authority; or
- (b) being a person to whom any imported goods or materials have been delivered by recognised agency, uses or utilises such goods or materials or causes them to be used or utilised, for any purpose other than the purpose for which they were delivered to him; or

APPENDIX I-A (Contd.)

(c) having made a declaration for the purpose of obtaining—

- (i) a licence or letter of authority to import any goods or materials, or
- (ii) any amendment of such licence or letter of authority, or
- (iii) allotment of any imported goods or materials, is found to have made in such declaration, any statement which is incorrect or false in material particulars; or

(d) acquires, sells or otherwise parts with, or agrees to acquire, sell or otherwise part with, any imported goods or materials in contravention of the conditions of any licence or letter of authority in pursuance of which such goods or materials had been imported; or

(e) acquires, sells or otherwise parts with, or agrees to acquire, sell or otherwise part with, any imported goods or materials in contravention of the terms of any allotment made by any recognised agency; or

(f) contravenes any direction given under a control order with regard to the sale of goods or materials which have been imported under any licence or letter of authority or which have been received from, or through, a recognised agency.

shall be liable to a penalty not exceeding five times the value of the goods or materials or one thousand rupees, whichever is more, whether or not such goods or materials have been confiscated or are available for confiscation.

Explanation.—For the purposes of this section, "value" has the meaning assigned to it in sub-section (1) of section 14 of the Customs Act, 1962.

(2) If any person abets the commission of any act or omission, which act or omission would render any person liable to a penalty under sub-section (1), or attempts to commit any act aforesaid, the person so abetting or attempting should be liable to a penalty not exceeding five times the value of the goods or materials in respect of which such abetment or attempt has been made, or one thousand rupees, whichever is more whether or not such goods have been confiscated or are available for confiscation.

(3) A penalty imposed under sub-section (1) or sub-section (2), may, if it is not paid, be recovered as an arrear of land revenue.

Provided that the adjudicating authority may, by order attach any money belonging to, or owed to, the person on whom any penalty has been imposed under sub-section (1) or sub-section (2), and such attachment shall be made in the same manner in which an attachment is made by a civil court.

4J. Confiscation or penalty not to interfere with other punishments.—No confiscation made or penalty imposed under this Act shall prevent the infliction of any other punishment to which the person affected thereby is liable under the provisions of this Act or under any other law for the time being in force.

4K. Adjudication.—Any confiscation may be adjudged or penalty may be imposed under this Act,—

(a) by the Chief Controller, or where he so directs, by a general or special order, by the Additional Chief Controller.

(b) subject to such limits as may be specified in this behalf, by such other officer not below the rank of a Deputy Chief Controller, as the Central Government may, by notification in the Official Gazette authorise in this behalf.

4L. Giving of opportunity to the owner of goods, etc.—No order of adjudication of confiscation or imposing a penalty shall be made unless the owner of the goods, materials

conveyance or animal, or other person concerned, is given a notice in writing—

- (i) informing him of the grounds on which it is proposed to confiscate such goods, materials, conveyance or animal or to impose a penalty;
- (ii) giving him a reasonable opportunity of making a representation in writing within such reasonable time as may be specified in the notice against the confiscation or imposition of penalty mentioned therein, and, if he so desires, of being heard in the matter.

4M. Appeal.—(1) Any person aggrieved by any decision or order made under this Act may prefer an appeal,—

(a) where the decision or order has been made by the Chief Controller or Additional Chief Controller to the Central Government;

(b) where the decision or order has been made by any officer below the rank of the Additional Chief Controller to the Chief Controller or where he so directs, to the Additional Chief Controller.

within a period of forty-five days from the date on which the order is served on such person :

Provided that the Appellate authority may, if it is satisfied that the appellant was prevented by sufficient cause from preferring the appeal within the aforesaid period of forty-five days, allow such appeal to be preferred within a further period of forty-five days :

Provided further that in the case of an appeal against an order imposing a penalty, no such appeal shall be entertained unless the amount of the penalty has been deposited by the appellant :

Provided also that, where the Appellate authority is of the opinion that the deposit to be made will cause undue hardship to the appellant, it may, at its discretion, dispense with such deposit either unconditionally or subject to such conditions as it may impose.

(2) The Appellate authority may, after giving to the appellants a reasonable opportunity of being heard, if he so desires, and after making such further inquiries, if any, as it may consider necessary, pass such orders as it thinks fit, confirming, modifying or reversing the decision or order appealed against, or may send back the case with such directions as it may think fit, for a fresh adjudication or decision as the case may be, after taking additional evidence, if necessary :

Provided that an order enhancing or imposing a penalty or confiscating goods or materials of a greater value shall not be made under this section unless the appellant has had an opportunity of making a representation, and if he so desires of being heard in his defence.

4N. Powers of revision of the Chief Controller.—The Chief Controller may on his own motion or otherwise call for and examine the records of any proceeding in which an order or adjudication on confiscation or imposing any penalty has been made by any officer subordinate to him and against which no appeal has been preferred, for the purpose of satisfying himself as to the correctness, legality or propriety of such order or decision and pass such orders thereon as he may think fit :

Provided that no decision or order shall be varied under this section so as to prejudicially affect any person unless such person—

(a) has, within a period of two years from the date of such decision or order, received a notice to show cause why such decision or order shall not be varied, and

(b) has been given a reasonable opportunity of making representation and, if he so desires, of being heard, in his defence.

APPENDIX I-A (Contd.)

4O. Power of adjudicating and other authorities.—(1) Every authority making any adjudication or hearing any appeal or exercising any powers of revision under this Act shall have all the powers of a civil court under the Code of Civil Procedure, 1908, while trying a suit, in respect of the following matters, namely :—

- (a) summoning and enforcing the attendance of witnesses;
- (b) requiring the discovery and production of any document;
- (c) requisitioning any public record or copy thereof from any court or office;
- (d) receiving evidence on affidavits; and
- (e) issuing commissions for the examination of witnesses or documents.

(2) Every authority making any adjudication or hearing any appeal or exercising any powers or revision under this Act shall be deemed to be a civil court for the purposes of section 345 and 346 of the Code of Criminal Procedure, 1973.

(3) Every authority making any adjudication or hearing any appeal or exercising any powers of revision under this Act shall have the power to make such orders of an interim nature as it may think fit and may also, for sufficient cause, order the stay of operation of any decision or order.

4P. Continuance of proceedings in the event of death or insolvency.—(1) Where a penalty has been imposed by the adjudicating authority and—

- (a) no appeal against the order imposing such penalty has been preferred to the Appellate authority and the person entitled to file such appeal dies or is adjudicated an insolvent before the expiry of the period within which the appeal can be preferred, or
- (b) an appeal has been preferred to the Appellate authority against the order imposing such penalty but the appellant dies or is adjudicated an insolvent during the pendency of the appeal,

then, it shall be lawful, for the legal representatives of such person or the Official Assignee or the Official Receiver, as the case may be to prefer an appeal to the Appellate authority, or, as the case may be, to continue the appeal before the Appellate authority, in place of such person and the provisions of section 4M shall, so far as may be, apply or continue to apply to such appeal.

(2) The powers of the Official Assignee or the Official Receiver under sub-section (1) shall be exercised by him subject to the provisions of the Presidency Towns Insolvency Act, 1909, or the Provincial Insolvency Act, 1920 as the case may be.

5. Penalty.—If any person contravenes or attempts to contravene, or abets a contravention of, any order made or deemed to have been made under this Act or any condition of a licence granted under any such order, or any authority under which imported goods were received from or through a recognised agency, he shall without prejudice in any confiscation or penalty to which he may be liable under the provisions of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) be punishable :—

- (a) where the value of the goods, in relation to which such contravention or attempted contravention or abetment of contravention has been made, exceeds ten lakh rupees, with imprisonment for a term which may extend to seven years and also with fine, and

- (b) in any other case, with the imprisonment for a term which may extend to three years and also with fine.

Provided that in the absence of special and adequate reasons to the contrary to be recorded in the judgment of the Court such imprisonment shall not be for less than six months.

5A. Penalty for contravention of order made by adjudicating authority and Appellate authority.—If any person fails to pay the penalty imposed by the adjudicating or the Appellate authority or fails to comply with any direction or order made, or deemed to have been made, under this Act, he shall, upon conviction by a court, be punishable with imprisonment for a term which may extend to two years or with fine or with both.

5B. Correction of clerical or arithmetical mistakes.—Clerical or arithmetical mistakes in any decision or order or errors arising therein from any accidental slip or omission may, at any time, be corrected by the authority by which the decision or order was made either on its own motion or on the application of the aggrieved person :

Provided that where any correction proposed to be made under this section will have the effect of prejudicially affecting any person, no such correction shall be made except after giving to that person a reasonable opportunity of making a representation in the matter and no such correction shall be made after the expiry of a period of two years from the date on which such decision or order was made.

6. Cognizance of offences.—No Court shall take cognizance of any offence punishable under section 5 except upon complaint in writing made by an officer authorised in this behalf by the Central Government by general or special order, and no Court inferior to that of a Presidency Magistrate or a Magistrate of the First Class shall try any such offence.

7. No order made or deemed to have been made under this Act shall be called in question in any Court, and no suit, prosecution or other legal proceedings shall lie against any person for anything on good faith done or intended to be done under this Act or any order made or deemed to have been made thereunder.

8. Power to make rules.—(1) The Central Government may, by notification in the Official Gazette, make rules for carrying out the provisions of this Act.

(2) In particular, and without prejudice to the generality of the foregoing power, such rules may provide for all or any of the following matters, namely :—

- (a) the person by whom, and the manner in which, any document received from a place outside India shall be authenticated,
- (b) any other matter which is required to be, or may be prescribed.

(3) Every rule made by the Central Government under this Act shall be laid, as soon as may be after it is made before each House of Parliament, while it is in session for a total period of thirty days which may be comprised in one session or in two more successive sessions, and if, before the expiry of the session immediately following the session or the successive session aforesaid, both Houses agree in making any modification in the rule or both Houses agree that the rule should not be made, the rule shall thereafter have effect only in such modified form or be of no effect, as the case may be so, however, that any such modification or annulment shall be without prejudice to the validity of anything previously done under that rule.

APPENDIX 1-B

IMPORTS (CONTROL) ORDER, 1955

Government of India

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

Imports (Control) Order, 1955 (as amended upto

12th April, 1985)

New Delhi, the 7th December 1955

No. 17/55.—In exercise of the powers conferred by section 3 and 4A of the Imports and Exports (Control) Act 1947 (18 of 1947) as in force in India and as applied to the state of Pondicherry, the Central Government hereby makes the following Order, namely:—

ORDER

1. *Short title and Commencement.*—(1) This order may be called the Imports (Control) Order, 1955.

(2)—It shall come into force at once.

2. *Definition.*—In this Order, unless the context otherwise requires:—

- (a) 'the Act' means the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947);
- (aa) application for 'licence' includes any application made under the Import Trade Control regulation;
- (aaa) Chief Controller of Imports and Exports' includes Additional Chief Controller of Imports & Exports, Export Commissioner in the office of the chief Controller of Imports and Exports, a Joint Chief Controller of Imports and Exports, a Deputy Chief Controller of Imports and Exports and a Deputy Iron and Steel Controller.
- (aaaa) 'licence' includes a Customs clearance permit issued under this Order;
- (b) 'licensee' means a person to whom a licence or a Customs clearance permit is granted under this Order;
- (c) 'Licensing authority' means an authority competent to grant a licence or Customs clearance permit under this Order;
- (d) 'Schedule' means a schedule to this Order;
- (e) 'Value' has the same meaning as in sub-section (1) of section 14 of the Customs Act 1962 (52 of 1962).

3. *Restriction of Import of certain goods.*—(1) Save as otherwise provided in this Order, no person shall import any goods of the description specified in Schedule I, except under and in accordance, with a licence or a customs clearance permit granted by the Central Government or by any Officer specified in Schedule II.

(2) If in any case, it is found that the goods imported under licence do not conform to the description given in the licence or were shipped prior to the date of issue of the licence under which they are claimed to have been imported then, without prejudice to any action that may be taken against the licensee under the Customs Act, 1962 (52 of 1962), in respect of the said importation the licence may be treated as having been utilised for importing the said goods.

(3) If, in any case, it is found that the goods imported under a licence do not conform in every respect—

- (i) to the description or value of the goods as contained in the licence; or
- (ii) to the other conditions relating to such goods, as contained in, or applicable to the licence.

the import of such goods shall be deemed to be prohibited.

3-A. In cases where the importer is unable to produce the licence which has already been granted to him at the time of arrival of goods, the proper officer of customs may at his discretion allow the importer to secure the clearance of goods on execution of a bond or letter of guarantee to the effect that he holds a valid licence in respect of the imported goods and shall produce the same within a period to be specified by the proper officer of customs, failing which he shall pay to proper officer of customs such amount as may be stipulated in the bond or letter of guarantee without prejudice to any action that may be taken against him under the Customs Act, 1962 (52 of 1962) for unauthorised importation of the goods concerned

4. *Fees on Application of Licence.*—(1) Every application for a licence shall be made to the appropriate licensing authority.

(2) A fee as indicated in Schedule III shall be paid in respect of every application in the manner provided in the said Schedule:

Provided that no fee shall be payable in respect of any application when made by—

- (a) the Central Government, a State Government or any department or office of the Central Government or State Government;
- (b) any local authority for the import of goods required for its own consumption;
- (c) any educational, charitable or missionary institution for the import of goods required for its own consumption;
- (d) an application for review of an order i.e. first appeal made on an application for a licence to the licensing authority who originally dealt with the case.

*The fee once received will not be refunded under any circumstances except—

- (i) where the fee has been deposited in excess of the prescribed scale;
- (ii) where the fee has been deposited but no application has been made;
- (iii) where the fee has been deposited in error but the applicant is exempt from payment of licence fee;

NOTE.—Fees paid in respect of Appeals made to the Chief Controller of Imports and Exports shall not be refunded under any circumstances.

5. *Conditions of Licences.*—(1) The licensing authority issuing a licence under this Order may issue the same subject to one or more of the conditions stated below:—

- (i) that the goods covered by the licence shall not be disposed of except in the manner prescribed by the licensing authority or otherwise, dealt with without the written permission of the licensing authority or any person duly authorised by it;
- (ii) that the goods covered by the licence on importation shall not be sold or distributed at a price exceeding that which may be specified in any direction attached to the licence;
- (iii) that the applicant for a licence shall execute a bond for complying with the terms subject to which a licence may be granted.

APPENDIX I-B (Contd.)

(2) A licence granted under this Order shall also be subject to the conditions contained in Schedule V.

(3) It shall be deemed to be a condition of every such licence that :—

- (i) no person shall transfer and no person shall acquire by transfer any licence issued by the licensing authority except under and in accordance with the written permission of the authority which granted the licence or of any other person empowered in this behalf by such authority.
- (ii) that the goods for the import of which a licence is granted shall be the property of the licensee at the time of import and thereafter upto the time of clearance through Customs

Provided that the conditions under items (i) and (ii) of this sub-clause shall not apply in relation to licences issued to the State Trading Corporation of India, the Minerals and Metals Trading Corporation of India and other similar institutions or agencies owned or controlled by the Central Government and which are entrusted with canalisation of imports.

Provided further that the conditions under items (i) and (ii) of this sub-clause shall also not apply in relation to (a) licences issued to eligible export houses or trading houses for import of goods meant for disposal to actual users under the import policy for registered exporters, and (b) licences issued to Public Sector agencies owned or controlled by Government, Central or State for disposal of goods to Actual Users under the import policy in force.

(iii) the goods for the import of which a licence is granted shall be new goods, other than disposal goods unless otherwise stated in the licence.

(4) A licence granted under this Order may contain such other conditions, not inconsistent with the Act or this Order, as the licensing authority may deem fit.

(5) The licensee shall comply with all conditions imposed or deemed to be imposed under this clause.

6. *Refusal of licence.*—(1) The Central Government or the Chief Controller of Imports and Exports may refuse to grant a licence or direct any other licensing authority not to grant a licence :—

- (a) if no foreign exchange is available for the purpose;
- (b) if the grant of a licence to an applicant is prejudicial to the interests of the State;
- (c) if it has been decided to canalise imports and distribution thereof through special or specialised agencies or channels;
- (d) if the applicant is a partner in a partnership firm, or a director of a Private Limited Company which is for the time being subject to any action under clause 8, 8A or 8B;
- (dd) if the applicant is for the time being subject to any action under clause 8, 8A or 8B;
- (e) if the applicant is a partnership firm of a Limited Company, any partner or whole time director or managing director whereof as the case may be, is for the time being subject to any action under clause 8, 8A or 8B;
- (f) if any amount demanded from the applicant under the Customs Act, 1962 or any penalty imposed on him under the said Act has remained unpaid for a period of three months; and
- (g) if applicant fails to pay any penalty finally imposed on him under the Act.

(2) The refusal of a licence under sub-clause (1) shall be without prejudice to any other action that may be taken in respect of an application by a licensing authority under the relevant import policy and procedure in force.

7. *Amendment of Licence.*—The licensing authority may, of its own motion or on application by the licensee amend any licence granted under this Order in such manner as may be necessary to make such licence conform to the provision of the Act or this Order or any other law for the time being in force or to rectify any error or omission in the licence provided that the licensing authority may, on request by the licensee amend the licence in any manner consonant with the Import Trade Control Regulations.

8. *Power to debar from importing goods or from receiving licences or allotments of imported goods.*—(1) The Central Government or the Chief Controller of Imports & Exports may debar a licensee or importer or any other person from all or any of the following i.e. importing any goods or receiving licences or allotment of the imported goods through the State Trading Corporation of India, the Mineral and Metal Trading Corporation of India, or any other similar agency and direct, without prejudice to any other action that may be taken against him in this behalf, that no licence or allotment of imported goods shall be granted to him and he shall not be permitted to import any goods for a specified period under this Order :—

- (a) if his application for licence is at any time found to be not in conformity with any provision of this Order; or
- (b) if such application is found to contain any false, fraudulent or misleading statement; or
- (c) if he is found to have used in support of his application any document which is false or fabricated or which has been tampered with; or
- (d) if he has, on any occasion, tampered with an import licence or has imported goods without a licence or has been a party to any corrupt or fraudulent practice in his commercial dealing or in obtaining a licence, or is found to have solicited any licence by offering an inducement to the holder of the licence or otherwise; or
- (e) if his agent or employee has been a party to any corrupt or fraudulent practice in obtaining any licence on his behalf; or
- (f) if he fails to comply with or contravenes or attempts to contravene or abets the contravention of any conditions embodied in, or accompanying, a licence or an application for a licence; or
- (g) if he commits a breach of any law (including any rule, order or regulation) relating to customs or the import and export of goods or foreign exchange; or
- (h) if he fails to produce any document or information that is called for by the Chief Controller of Imports and Exports or any other licensing authority; or
- (i) if he fails to submit production returns regularly to the D.G.T.D. or any other sponsoring authority concerned; or
- (j) if he fails to comply with the distribution control in respect of imported goods where such control is applicable.

(2) The Central Government or the Chief Controller of Imports & Exports may, by special order in writing :—

- (a) debar—
 - (i) A person in respect of whom an order of detention has been made under the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) (hereinafter referred to as the 1974 Act); or
 - (ii) a partnership firm or a Private Limited Company of which such person is a partner or full time director or managing director as the case may be, from importing goods or from receiving licences or allotment of imported goods through the State Trading Corporation of India, the Minerals & Metals Trading Corporation of India, or any other similar agency; and

APPENDIX I-B (Contd.)

- (b) without prejudice to any other action that may be taken against such person, partnership firm or company direct that no importation of goods shall be permitted and no licence or allotment of goods shall be granted to such person, partnership firm or company for such period as may be specified in such special order :

Provided that such special order shall cease to have effect in respect of such person or as the case may be, partnership firm or company of which such person is a partner or a whole time director or managing director, when the order of detention made against such person—

- (i) being an order of detention to which the provisions of section 9 or section 12A of the 1974-Act do not apply has been revoked on the report of the Advisory Board under section 8 of that Act or before a receipt of the report of the Advisory Board, or before making a reference to the Advisory Board; or
- (ii) being an order of detention to which the provisions of section 9 of the 1974-Act apply has been revoked before the expiry of the time for or on the basis of the review under sub-section (3) of section 9, or on the report of the Advisory Board under section 8, read with sub-section (2) of section 9, of that Act; or
- (iii) being an order of detention to which the provisions of section 12A of the 1974-Act apply has been revoked before the expiry of the time for, or on the basis of the first review under sub-section (3) of that section, or on the basis of the report of the Advisory Board under section 8 read with sub-section (6) of section 12A of that Act; or
- (iv) has been set aside by a Court of competent jurisdiction

(3) The Central Government or the Chief Controller of Imports and Exports may debar an importer or a licensee or any other person from importing any good or from receiving licences or allotment of imported goods through the State Trading Corporation of India, the Minerals and Metals Trading Corporation of India, or any other similar agency and direct, without prejudice to any other action that may be taken against such person in his behalf, that no licence or allotment of imported goods shall be granted to such person and such person shall not be permitted to import any goods for a specified period under this Order if, in the opinion of the Central Government or the Chief Controller of Imports & Exports,

- (a) such licensee, importer or other person; or
- (b) where such licensee, importer or other person is a partnership firm or a limited company, any partner or whole time director or managing director thereof, as the case may be; or
- (c) where such licensee, importer or other person is partner in a partnership firm or a whole time director or managing director of a limited company such partnership firm or limited company, as the case may be,
 - (i) has failed without sufficient cause, to utilise or to utilise fully any import licence granted to such licensee, importer or other person or such partner or whole time director or managing director or such partnership firm or limited company, as the case may be; or
 - (ii) committed any act referred to in paragraph (i) of sub-clause (3) of clause 7 of the Exports (Control) Order, 1977

8A Power to suspend importation of goods grant of licences or allotments of imported goods.—The Central Government or the Chief Controller of Imports & Exports may

suspend the importation of goods by any person or grant of licences or allotment of imported goods through the State Trading Corporation of India, the Minerals and Metals Trading Corporation of India, or any other similar agency to a licensee or importer or any other person pending investigation into one or more of the allegations mentioned in clause 8 without prejudice to any other action that may be taken against him in this behalf :

Provided that grant of a licence or allotment of imported goods shall not ordinarily be suspended under this clause for a period exceeding twelve months :

Provided further that on the withdrawal of such suspension, a licence or allotment of imported goods may be granted to him for a period of suspension subject to such conditions, restrictions or limitations as may be decided by the authority aforesaid, keeping in view the foreign exchange position, indigenous production and other relevant factors.

8B. Power to keep in abeyance applications for licences or allotments of imported goods.—Where any investigation into any of the allegations mentioned in clause 8 is pending against a licensee or importer or any other person, and the Central Government or the Chief Controller of Imports and Exports is satisfied that without ascertaining further details in regard to such allegation, the grant of licence or allotment of imported goods will not be in the public interest, then notwithstanding anything contained in this Order, the Central Government or the Chief Controller of Imports and Exports may keep in abeyance any application for grant of licence from such person, or direct the State Trading Corporation of India, the Minerals and Metals Trading Corporation of India, or any other similar agency to keep in abeyance allotment of imported goods to such person, without assigning any reason and without prejudice to any other action that may be taken in this behalf :

Provided that the period for which the grant of such licence or allotment is kept in abeyance under this clause shall not ordinarily exceed six months.

8C. Publicity of action taken under clause 8 or 8A.—(i) If the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient in the public interest to publish the name of any person or class of persons and other relevant particulars, against whom action under clause 8 or 8A is taken it may publish or cause to be published, the name of such person or class of such persons and such particulars in such manner it thinks fit.

(ii) No publication under sub-clause (i) shall be made in relation to any such action until the time of presenting an appeal, if any, to the appellate authority has expired without an appeal having been presented or, the appeal, if presented, has been disposed of.

Explanation.—In the case of a firm, company or other association of persons the names of the partners of the firm, directors, managing agents, secretaries and treasurer or managers of the company, or the members of the association as the case may be, may also be published if in the opinion of the Central Government, the circumstances of the case justify it

9. Cancellation of licences (1).—The Central Government or the Chief Controller of Imports and Exports or any other officer authorised in this behalf may cancel any licence granted under this Order or otherwise render it ineffective :

- (a) if the licence has been granted through inadvertence or mistake or has been obtained by fraud or misrepresentation;
- (b) if the licence has been granted contrary to rules or the provisions of this Order;
- (c) if the licensee has committed a breach of any of the conditions of a licence;
- (d) if the Central Government or such officer is satisfied that the licence will not serve the purpose for which it has been granted;

APPENDIX I-B (Contd.)

(e) If the licensee has committed a breach of any law relating to customs or the rules and regulations relating to the imports or exports of goods or of any law relating to the regulations of foreign exchange.

(2) The Central Government or the Chief Controller of Imports & Exports or any other officer authorised in this behalf may, by special order in writing, render ineffective any licence granted under this order to—

- (a) a person, if an order of detention has been made under the 1974-Act in respect of such person, or
- (b) a partnership firm or a private limited company of which such person is a partner or a full time director or managing director, as the case may be ;

Provided that such special order shall cease to have effect in respect of such person, or as the case may be, partnership firm or company of which such person is a partner or a whole time director or managing director when the order of detention made against such person,—

- (i) being an order of detention to which the provisions of section 9 or Section 12A of the 1974-Act do not apply has been revoked on the report of Advisory Board under Section 8 of that Act or before a receipt of the report of the Advisory Board or before making a reference to the Advisory Board; or
- (ii) being an order of detention to which the provisions of section 9 of the 1974-Act apply has been revoked before the expiry of the time for, or on the basis of, the review under sub-section (3) of section 9, or on the report of the Advisory Board under section 8, read with sub-section (2) of section 9, of that Act; or
- (iii) being an order of detention to which the provisions of section 12A of the 1974-Act apply has been revoked before the expiry of the time for or on the basis of the first review under sub-section (3) of that section or on the basis of the report of the Advisory Board under section 8 read with sub-section (6) of section 12A, of that Act; or
- (iv) has been set aside by a court of competent jurisdiction.

(3) The Central Government or the Chief Controller of Imports & Exports or any other officer authorised in this behalf may, by special order in writing render ineffective or suspend the operation of any licence granted under this Order, where proceedings of cancellation of such licence have been initiated under Sub-clause (1) so however, every such special order, shall be revoked where a decision is taken to cancel the licence after the completion of such proceedings.

10. *Opportunity of being heard to be given.*—(1) No action shall be taken under clause 7 or sub-clause (1) or sub-clause (3) of clause 8 or clause 8A or clause (1) of clause 9 against a licensee or an importer or any other person unless he has been given a reasonable opportunity of being heard.

(2) Where any person is aggrieved by any action taken under sub-clause (1) or sub-clause (3) of clause 8 or clause 8A or sub-clause (1) of clause 9 he may prefer an appeal against such action to such authority as the Central Government may, by notification in the official Gazette constitute for the purpose of hearing appeals, within forty-five days from the date of communication of the action taken

(3) The authority referred to in sub-clause (2) may after giving to the appellant a reasonable opportunity of being heard, if he so desires, and after making such further inquiries if any, as it may consider necessary pass such orders as it thinks fit, confirming, modifying or reversing the action appealed against, or may send back the case with such directions as it may think fit, for a fresh proceedings or

action, as the case may be after taking additional evidence, if necessary

Provided that an order to increase the period for which an applicant is debarred under clause 8, shall not be made under this sub-clause unless he has had an opportunity of making a representation, and, if he so desires, of being heard in his defence.

10A. *Declaration as to value, quality etc. of imported goods.*—On the importation into any customs ports of any goods whether liable to duty or not, the owner of such goods shall in the Bill of Entry or any other documents prescribed by rules, state the value, sort, quality and description of such goods to the best of his knowledge and belief and shall subscribe a declaration of the truth of such statement at the foot of such Bill of Entry or documents.

10AA. *Declaration as to Importers' Code Number.*—On the importation into any customs port of any goods, the importer shall in the Bill of Entry or any other documents prescribed by Rules, state the "Importer Code Number" allotted to him by the licensing authority in accordance with the procedure prescribed by the Chief Controller of Imports & Exports, and shall subscribe a declaration of the truth of such statement at the foot of such Bill of Entry or documents. Where such importer is exempt from obtaining Importer Code Number, he shall cite the authority of the Chief Controller of Imports & Exports, granting him such exemption (This clause shall come into force with effect from 1st July, 1982)".

10B. *Utilisation of imported goods.*—(1) No person shall use any imported goods received by him during allotment or distribution made by the State Trading Corporation of India or any other recognised agency in a manner and for the purpose, otherwise than as declared by him in his application for such allotment or distribution or in any document submitted by him in support of such application.

(2) Subject to the provisions of clause 10C, no person shall use or dispose of any goods imported by him against a licence on the strength of a letter of authority issued in his favour under the Import Trade Control Regulation except in accordance with the terms and conditions of such Letter of authority.

10C. *Power to make directions for the sale of imported goods in certain cases.*—(1) Where, on the importation of any goods or at any time thereafter, the Chief Controller of Imports and Exports is satisfied after giving a reasonable opportunity to the licensee of being heard in the matter, that such goods cannot or should not be utilised for the purpose for which they were imported he may by order, direct the importer of the goods (in case the goods were imported under Open General Licence or Special General Licence) or the licensee or any other persons having possession or control of such goods to sell such goods to such person within such time, at such price and in such manner as may be specified in the direction.

(2) The price that may be specified under sub-clause shall be the aggregate of the landed cost of the goods clearing and transportation charges and such other incidental charges incurred in relation thereto as are considered reasonable in the circumstances of the case by the Chief Controller of Imports and Exports

(2-A) Where goods are imported through the State Trading Corporation of India, the Minerals and Metals Trading Corporation of India or other similar institutions or agencies owned or controlled by the Government or any other recognised agency, and such goods are allotted to any person, opportunity of being heard in the matter shall be given to such person also

(3) The licensee or the person to whom any direction has been made under sub-clause (1) shall be bound to comply with such direction,

APPENDIX I-B—(Contd.)

10D. *Prohibition, regarding making, signing etc. of any declaration statement or documents.*—(1) No person shall make, sign or use or cause to be made signed or used any declaration statement or document in obtaining a licence or in importing any goods knowing or having reason to believe that such declaration, statement or document is false in any material particular.

(2) No person shall employ any corrupt or fraudulent practice in obtaining any licence or in importing any goods.

10E. *Powers of revision of the Chief Controller/Addl. Chief Controller*—The Chief Controller or Additional Chief Controller may on his own motion or otherwise call for and examine the records of any proceedings in which any action to debar under sub-clause (1) or sub-clause (3) of clause 8, or to cancel a licence under sub-clause (1) of clause 9, has been initiated or completed (whatever the result may be) of clause 8 has been taken by any officer subordinate to him and against which no appeal has been preferred for the purpose of satisfying himself as to the correctness, legality or propriety of such action and pass such orders thereon as he may think fit :

Provided that no action shall be varied under this sub-clause so as to prejudicially affect any person unless such person :

- (i) has, within a period of two years from the date of such action received a notice to show cause why such action shall not be varied and
- (ii) has been given a reasonable opportunity of making representation and if he so desires of being heard, in his defence.

11. *Savings.*—(1) Nothing in this Order shall apply to the import of any goods :—

- (a) by the Central Government or agencies undertakings owned and controlled by the Central Government for Defence purposes.
- (b) by the Central Government or any State Government, Statutory Corporation, public body or Government Undertaking run as a Joint Stock Company through the agency of the Purchase Organisations of the Ministry of Supply i.e. India Supply Mission, London and India Supply Mission, Washington;
- (c) by the Central Government, any State Government or any statutory corporation or public body or Government undertakings run as a Joint Stock Company orders in respect of which are placed through the Directorate General, Supply and Disposals, New Delhi.
- (d) by transshipment, or imported and bonded on arrival for re-export as ships stores or otherwise to any country outside India except Nepal, Tibet and Bhutan or imported and bonded on arrival for re-export as aforesaid but subsequently released for use of Diplomatic personnel, Consular Officers in India and the officials of the United Nations Organisation and its specialised agencies who are exempt from payment of duty under Ministry of Finance (D.R.) Notification No. 3 dated the 8th January, 1957 and United Nations (Privileges and Immunities) Act, 1947, respectively;
- (dd) imported and bonded on arrival for sale at approved duty-free shops whether to outgoing or incoming passengers against payment in free foreign exchange
- (e) which are in transit through India by post or otherwise or are redirected by post or otherwise to a destination outside India, except Nepal, Tibet and

Bhutan provided that such goods while in India are always in the custody of the postal/customs authorities;

- (f) for transmission across, India by air to Afghanistan or by land, to any other country outside India, except Nepal, Tibet and Bhutan under claim for exemption from duty or for refund of duty either in whole or in part, provided that such goods are imported by or on behalf of the Government of a country bordering on India or that the importer undertakes to produce within a specified period evidence that such goods have crossed the borders of India or in default to pay such penalty as the proper officer of customs may deem fit to impose on such goods and provided further that nothing therein contained entitles any goods to exemption from the Export Trade Control Regulations;
- (g) by the person as passengers' baggage to the extent admissible under the Baggage Rules for the time being in force except quinine falling under Heading number 29.01/45 of Schedule I exceeding five hundred tablets or $\frac{1}{4}$ lb. powder or one hundred ampules;

Provided that in the case of imports by tourists, articles of high value whose re-export is obligatory under rule 7 of the Tourist Baggage Rules, 1978 shall be re-exported on his leaving India, failing which they shall be deemed to be goods of which the import has been prohibited under the Customs Act, 1962 (52 of 1962).

Provided further where any goods are exempted under this sub-paragraph, the exemption shall be subject to the condition that such goods shall not be sold, advertised or offered for sale or displayed in a shop, until (a) in the case of fire-arms, which have been used for a period of not less than 10 years from the date of clearance by such person or passenger or member of the crew, or (b) in case of T.V.s, which have been used for a period not less than 5 years from the date of clearance by such person or passenger or member of the crew, or (c) in the case of other goods when market price has depreciated to less than 50% of their market price when new;

- (gg) by any person through the post or otherwise for his personal use, or by any institution or hospital, for its own use except :
 - (i) Vegetable seeds falling under Heading number 12.05/10 of Schedule I, exceeding—one lb in weight.
 - (ii) Bees falling under Heading number 01.01/06 of Schedule I.
 - (iii) Tea falling under Heading number 09.01/01 of Schedule I.
 - (iv) Books, magazines, journals and literature which are not allowed to be imported under the import policy for the time being in force.
 - (v) Goods, the import of which is canalised under the import policy in force.
 - (vi) Alcoholic beverages.
 - (vii) Fire arms & ammunition.
 - (viii) Consumer electronic items exceeding rupees five hundred in value (except hearing aids and life saving equipments, apparatus and appliances and parts thereof)

Provided that the c.i.f. value of goods imported as aforesaid at any one time shall not exceed rupees one thousand two hundred and fifty.

NOTE :—The payment in respect of such goods other than those received as gift will be remittable through authorised dealers in foreign exchange with the permission of the Reserve Bank of India.

APPENDIX I-B (Contd.)

- (h) covered by an executive instruction issued by the Chief Controller of Imports and Exports to the customs authorities;
- (i) by or on behalf of Diplomatic personnel, consular officers and Trade Commissioners in India who are exempt from payment of Customs duty under Notification 3 dated 8th January, 1957 of the Government of India in the Ministry of Finance (Deptt of Revenue);
- (j) from any country, which are exempt from Customs duty on re-importation under Section 20 of the Customs Act 1962 (52 of 1962) or Under Customs Notification Nos 113 dated 16th May 1957, 103 dated 25th March 1958, 260 and 261 dated 11th October 1958, 269, 271, 273, 274, 275 and 276 dated 25th October 1958 and 204 dated 2nd August 1976 of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue) or Notification No. 174 dated 24th September 1966 as amended or Notification No. 103 dated 16th May 1978 of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue & Insurance) or Notification No. 80 dated 29th August 1970;
- (k) of Indian manufacture and foreign made parts of such goods exported and received back by the manufacturer(s) from the consignee for repair and re-export provided that—
- (i) the customs authorities are satisfied with the *bona fide* of the case, and
 - (ii) in the case of goods other than those exempt from customs duty on re-importation under Customs Notification No. 132 dated 9th December, 1961 a bond is executed by the importer with the Import Trade Control Authority at port concerned to the effect that the goods thus imported will be re-exported after repair within six months;
- (l) by officials of the United Nations Organisations and its specified agencies who are exempt from payment of Customs duty under the United Nations (Privileges and Immunities) Act 1947;
- (m) being vehicles as defined in Articles I of the Customs Convention on the Temporary Importation of Private Road Vehicles or the component parts thereof referred to in Article 4 of the said convention and are exempt from payment of customs duty under the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 296 dated the 2nd August 1976 as subsequently amended by Notification No. 53-Cus dated the 1st May, 1977, provided that—
- (i) such vehicles or component parts are re-exported within the period specified in the said notification or within such further period as the customs authorities may allow;

- (ii) the provisions of the said notification or of the 'Triptyque or Carnet-De-Passage' permit are not contravened in relation to such vehicles or component parts;

failing which the provisions of this Order shall apply to such vehicles or component parts and such vehicles or components shall be deemed to be goods the imports of which has been prohibited under the Customs Act, 1962 (52 of 1962);

Provided that nothing in these exceptions shall prejudice the application to any goods of any other prohibition or regulation affecting the import of goods that may be in force at the time such goods are imported.

- (n) covered by an import licence issued by His Majesty's Government of Nepal and the importer furnishes a bond to the proper officer of customs in the form prescribed by the proper officer of customs with a Scheduled Bank as surety to the effect that he shall pay the duty and pay penalty imposed for contravening Import Trade Control restrictions in respect of the whole or any portion of the goods which is not provided to have entered the territory of Nepal
- (o) of Indian manufacturer or otherwise by the Central Government or any State Government for repairs, and re-export to Indian Embassies abroad or to any other office of the Central Government or State Government in a foreign country.

(2) Nothing in this Order shall apply to the import of foodgrains by Food Corporation of India, provided that at the time of clearance a declaration to the effect that the import in question has been approved by Central Government, is furnished by the importer to the Customs authorities.

(3) Nothing in this Order shall apply to the import of articles of free & edible material, which was supplied as free gift by agencies approved by the United Nations Organisations and which are exempt from payment of customs duty under the Ministry of Finance (Department of Revenue & Insurance) Notification No. GSR 766, dated 21st June 1975.

(4) Nothing in this order except paragraph (iii) of Sub-clause (3) of clause 5, clause 8, clause 8A, clause 8C and clause 10C, shall apply to the import of any goods covered by Open General Licence or Special General Licence issued by the Central Government.

12. *Repeals*.—The orders contained in the notification specified in Schedule IV are hereby repealed :

Provided that any thing done or any action taken, including any appointment made or licence issued under any of the aforesaid Orders, shall be deemed to have been done or taken under the corresponding provision of this Order.

APPENDIX 1-B—*contd.*

SCHEDULE I

(See Clause 3)

NOTE:—Each heading number in Column (1) corresponds to the respective Chapter and heading number of the first Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (21 of 1975) and each entry in Column (2) has the same scope and meaning as the corresponding Chapter and heading of the said first schedule.

Heading No.	Description of article
1	2

SECTION 1

LIVE ANIMALS : ANIMAL PRODUCTS

CHAPTER 1

Live Animals

01-01	Live horses, asses, mules and hinnies.
01-02	Live animals of the bovine species.
01-03	Live swine
01-04	Live sheep and goats.
01-05	Live poultry that is to say, fowls, ducks, geese, turkeys and guinea fowls.
01-06	Other live animals.

CHAPTER 2

Meat and edible meat offals

02-01	Meat and edible offals of the animals falling within heading No. 01-01, 01-02, 01-03 or 01-04 fresh, chilled or frozen.
02-02	Dead poultry (that is to say, fowls, ducks, geese, turkeys and guinea fowls) and edible offals thereof (except liver), fresh chilled or frozen.
02-03	Poultry liver, fresh, chilled, frozen, salted or in brine.
02-04	Other meat and edible meat offals, fresh, chilled or frozen.
02-05	Pig fat free on lean meat and poultry fat (not rendered or solvent-extracted), fresh, chilled, frozen, salted, in brine, dried or smoked.
02-06	Meat and edible meat offals (except poultry liver) salted, in brine dried or smoked.

CHAPTER 3

Fish, crustaceans and molluscs

03-01	Fish, fresh (live or dead), chilled or frozen.
03-02	Fish, dried, salted or in brine; smoked fish, whether or not cooked before or during the smoking process.
03-03	Crustaceans and molluscs, whether in shell or not, fresh (live or dead), chilled, frozen salted, in brine or dried; crustaceans, in shell, simply boiled in water.

CHAPTER 4

Dairy Produce; birds' eggs; natural honey; edible products of animal origin, not elsewhere specified or included

04-01	Milk and cream, fresh not concentrated or sweetened.
04-02	Milk and cream, preserved, concentrated or sweetened.
04-03	Butter
04-04	Cheese and curd.
04-05	Birds' eggs and egg yolks, fresh, dried or otherwise preserved, sweetened or not.
04-06	Natural honey.
04-07	Edible products of animal origin, not elsewhere specified or included.

1	2
---	---

CHAPTER 5

Products of animal origin not elsewhere specified or included

05-01	Human hair unworked, whether or not washed or secured waste of human hair.
05-02	Pigs' Hogs' and boars' bristles or hair; badger hair and other brush making hair; waste of such bristles and hair.
05-03	Horse hair and horse hair waste, whether or not put up on a layer or between two layers of other material.
05-04	Guts bladders and stomachs of animals (other than fish), whole and pieces thereof.
05-05	Fish waste.
05-06	Sinews and tendons; parings and similar waste or raw hides or skins.
05-07	Skins and other parts of birds, with their feathers or down, feathers and parts of feathers, (whether or not with trimmed edges) and down, not further worked than cleaned, disinfected or treated for preservation, powder and waste of feather or parts of feathers.
05-08	Bones and horn-cores, unworked, defatted, simply prepared (but not cut to shape) treated with acid or degelatinised; powder and waste of these products.
05-09	Horns, antlers, hooves, nails, claws and beaks of animals, unworked or simply prepared but not cut to shape, and waste and powder of these products, whalebone and the like, unworked or simply prepared but not cut to shape, and hair and waste of these products.
05-10	Ivory, unworked or simply prepared but not cut to shape powder and waste of ivory.
05-11	Tortoise shell (shells and scales), unworked or simply prepared but not cut to shape; claws and waste of tortoise-shell.
05-12	Coral and similar substances, unworked or simply prepared but not otherwise worked; shells, unworked or simply prepared but not cut to shape; powder and waste of shells.
05-13	Natural sponges.
05-14	Ambergris, castoreum, civet and musk; cantharides, bile, whether or not dried; animal products fresh, chilled or frozen, or otherwise provisionally preserved, of a kind used in the preparation of pharmaceutical products.
05-15	Animal products not elsewhere specified or included; dead animals of Chapter 1 or Chapter 3 unfit for human consumption.

SECTION II

VEGETABLE PRODUCTS

CHAPTER 6

Live trees and other plants; bulbs, roots and the like; cut flowers and ornamental foliage

06-01	Bulbs, tubers, tuberous roots corms, crowns and rhizomes, dormant, in growth or in flower
06-02	Other live plants, including trees, shrubs, bushes, roots, cuttings and slips.
06-03	Cut flowers and flower buds of a kind suitable for bouquets or for ornamental purposes, fresh dried, dyed, bleached, impregnated or otherwise prepared.

APPENDIX 1-B—*contd.*SCHEDULE 1—*contd.*

1	2	1	2
06-04	Foliage, branches and other parts (other than flowers or buds) or trees, shrubs, bushes and other plants, or mosses lichens and grasses, beings goods of a kind suitable for bouquets or ornamental purposes, fresh dried, dyed, bleached, impregnated or otherwise prepared.	09-04	Pepper of the genus "Piper", pimento, of the genus "Capsicum" or the genus "Timenta".
		09-05	Vanilla.
		09-06	Cinnamoa and cinnamon-tree flower..
		09-07	Cloves (whole fruit, cloves and stems).
		09-08	Nutmeg, mace and cardamoms.
		09-09	Seeds of anise, badian,) fenne, coriander, cumin caraway and juniper.
		09-10	Thyme, saffron, and bay leaves; other spices.
	CHAPTER 7		CHAPTER 10
	<i>Edible vegetables and certain roots and tubers</i>		<i>Cereals</i>
07-01	Vegetable, fresh or chilled.	10-01	Wheat and meslin (mixed wheat and rye)
07-02	Vegetables (whether or not cooked), preserved by freezing.	10-02	Rye.
07-03	Vegetables provisionally preserved in brine, in sulphur water or in other preservative solutions, but not specially prepared for immediate consumption.	10-03	Barley.
07-04	Dried dehydrated or evaporated vegetables, whole cut, sliced, broken or powder, but not further prepared.	10-04	Oats.
07-05	Dried leguminous vegetables, shelled, whether or not skinned or split.	10-05	Maize.
07-06	Manioc, arrowroot, salep, jerusalem artichokes, sweet potatoes and other similar roots and tubers, with high starch or insulfn content, fresh or dried, whole or sliced; sago pith.	10-06	Rice.
	CHAPTER 8	10-07	Buckwheat, millet, canary seed and grain sorghum; other cereals.
	<i>Edible fruit and nuts; peel of melons or citrus fruit</i>		CHAPTER 11
08-01	Dates, bananas, coconuts, Brazil nuts, cashew nuts, piceapples, avocados, mangoes, guavas and mangosteens, fresh or dried, shelled or not.		<i>Products of the milling industry; malt and starches; gluten; insulfn</i>
08-02	Citrus fruit, fresh or dried.	11-01	Cereal flours.
08-03	Figs, fresh or dried.	11-02	Cereal groats and cereal meals; other worked cereal grains (for example, rolled, flaked, polished, pearled or kibbed, but not further prepared), except husked glazed, polished or broken rice; germ of cereals, whole, rolled, flaked or ground.
08-04	Grapes, fresh or dried.	11-03	Flour of the leguminous vegetables falling within heading No. 07-05.
08-05	Nuts other than those falling within heading No. 08-01 fresh or dried, shelled or not.	11-04	Flours of the fruits falling within any heading in Chapter 8.
08-06	Apples, pears and quinces, fresh.	11-05	Flour, meal and flakes of potato.
08-07	Stone fruit, fresh.	11-06	Flour and meal of sago and manioc, arrowroot salep and other roots and tubers falling within heading No. 07-06.
08-08	Berries, fresh.	11-07	Malt, roasted or not.
08-09	Other fruit, fresh.	11-08	Starches; insulfn.
08-10	Fruit (whether or not cooked), preserved by freezing, not containing added sugar.	11-09	Wheat gluten, whether or not dried.
08-11	Fruit provisionally preserved (for example by sulphur dioxide gas, inbrine, in sulphur water or in other preservative solutions), but unsuitable in that state for immediate consumption.		CHAPTER 12
08-12	Fruit, dried, other than that falling within heading No. 08-01, 08-02, 08-03, 08-04 or 08-05.		<i>Oil seeds, and oleaginous fruit; miscellaneous grains, seeds and fruit; industrial and medical plants; straw and fodder</i>
08-13	Peel of melons and citrus fruit, fresh, frozen dried or provisionally preserved inbrine, in sulphur water or in other preservative solutions.	12-01	Oil seeds and oleaginous fruits, whole or broken.
	CHAPTER 9	12-02	Flours or meals of oil seeds or oleaginous fruit, non-defatted (excluding mustard flour).
	<i>Coffee, tea, mat and spices</i>	12-03	Seeds, fruit and Spores, of a kind used for sowing.
09-01	Coffee, whether or not roasted or freed of caffeine; coffee husks and skins; coffee substitutes containing coffee in any proportion.	12-04	Sugar beet, whole or sliced, fresh, dried or powdered sugarcane.
09-02	Tea	12-05	Chicory roots, fresh or dried, whole or cut in-roasted.
09-03	Mat		

APPENDIX I-B—contd

SCHEDULE I—contd.

1	2	1	2
12-06	Hop cones and lupulin.	15-02	Fats on bovine cattle, sheep or goats, unrendered; rendered or solvent-extracted fats (including "premier jus") obtained from those unrendered fats
12-07	Plants and parts (including seeds and fruit) of trees, bushes, shrubs or other plants, being goods of a kind used primarily in perfumery, in pharmacy, or for insecticidal, fungicidal or similar purposes fresh or dried, whole, cut, crushed, ground or powdered.	15-03	Lard stearin, oleostearin and tallow stearin; lard oil, oleo-oil and tallow oil, not emulsified or mixed or prepared in any way.
12-08	Locust beans, fresh or dried, whether or not kibbled or ground, but not further prepared; fruit kernels and other vegetable products of a kind used primarily for human food, not falling within any other heading.	15-04	Fats and oils, of fish and marine mammals whether or not refined.
12-09	Cereal straw and husks, unprepared, or chopped but not otherwise prepared.	15-05	Wool grease and fatty substances derived therefrom (including lanolin).
12-10	Mangolds, swedes, fodder roots, hay, lucerne, clover, sainfoin, forage kale, lupins vetches and similar forage products.	15-06	Other animal oils and fats (including neat's foot oil and fats from bones or waste).
CHAPTER 13		15-07	Mixed vegetable oils, fluid or solid, crude refined or purified.
<i>Raw vegetable materials of a kind suitable for use in dyeing in tanning; gums, resins and other vegetable saps and extracts</i>		15-08	Animal and vegetable oils, boiled, oxidised dehydrated, sulphurised, blown or polymerised by heat in vacuum or in inert gas, or otherwise modified
13-01	Raw vegetable material of a kind primarily in dyeing or in tanning.	15-09	Degras.
13-02	Shellac, seed, lac, stick lac and other lacs natural gums, resins, gum-resins and balsams.	15-10	Fatty acids, acid oils from refining fatty alcohols.
13-03	Vegetable saps and extracts; pectic substances, pectinates and pectates; agar-agar and other mucilages and thickeners, derived from vegetable products.	15-11	Glycerol and glycerolles.
CHAPTER 14		15-12	Animal or vegetable oils and fats, wholly or partly hydrogenated, or solidified or hardened by any other process, whether or not refined but not further prepared.
<i>Vegetable plating and carving materials; vegetable products not elsewhere specified or included</i>		15-13	Margarine, imitation, lard and other prepared edible fats.
14-01	Vegetable materials of kind, used primarily for plating (for example, cereal straw, cleaned, bleached or dyed, osier, reeds, rushes, rattans, bamboos, raffia and lime bark).	15-14	Spermaceti, crude, pressed or refined, whether or not coloured.
14-02	Vegetable materials, whether or not put up on a layer or between two layers of other materials, of a kind used primarily as stuffing or as padding (for example, kapok vegetable hair and eel grass).	15-15	Beeswax and other insect waxes, whether or not coloured.
14-03	Vegetable materials of a kind used primarily in brushes or in brooms (for example, sorgho, prasava, couch-grass and little), whether or not in bundles or hanks.	15-16	Vegetable waxes, whether or not coloured.
14-04	Hard seeds, pipe, hulls and nuts, of a kind used for carving (for example, corozo and dom).	15-17	Residues resulting from the treatment of fatty substances of animal or vegetable waxes.
14-05	Vegetable products not elsewhere specified or included.	SECTION IV	
SECTION III		<i>Prepared food stuffs beverages, spirits and vinegar; Tobacco</i>	
<i>Animals and Vegetables Fats and Oils and their cleavage, products prepared edible Fats, Animal and Vegetable Waxes.</i>		CHAPTER 16	
CHAPTER 15		<i>Preparation and meat, of fish, of crustaceans or molluscs</i>	
<i>Animal and vegetable fats and oils and their cleavage products prepared edible fats; animal and vegetable Waxes.</i>		16-01	Sausages and the like, of meat, meat offal or animal blood.
15-01	Lard, other pig fat and poultry fat, tendered or solvent-extracted.	16-02	Other prepared or preserved meat or meat offal.
		16-03	Meat extracts and meat juices; fish extracts.
		16-04	Prepared or preserved fish, including caviar and caviar substitutes.
		16-05	Crustaceans and molluscs, prepared or preserved

APPENDIX 1-B—*contd.*SCHEDULE—1—*contd.*

1	2	1	2
CHAPTER 17			
<i>Sugars and sugar confectionery</i>			
17.01	Beet sugar and cane sugar, in solid form.	20.05	Jams, fruit jellies, marmalades, fruit puree and fruit pastes, being cooked preparations, whether or not containing added sugar.
17.02	Other sugar, sugar syrups, artificial honey (Whether or not mixed with natural honey) caramel.	/	
17.03	Molasses, whether or not decolourised.	20.06	Fruit juices (including grape must) and vegetable juices, whether or not containing added sugar, but unfermented and not containing spirit.
17.04	Sugar confectionery not containing cocoa.	CHAPTER 21	
17.05	Flavoured or coloured sugars, syrups and molasses, but not including fruit juices containing added sugar in any proportion.	<i>Miscellaneous edible preparations</i>	
CHAPTER 18		21.01	Roasted chicory and other roasted coffee substitutes, extracts, essences and concentrates thereof.
<i>Cocoa and cocoa preparations</i>		21.02	Extracts, essences or concentrates of coffee, tea or mate; preparations with a basis of those extracts, essences or concentrates.
18.01	Cocoa beans, whole or broken, raw or roasted	21.03	Mustard flour and prepared mustard.
18.02	Cocoa shells, husks, skins and waste.	21.04	Sauces, mixed condiments and mixed seasonings.
18.03	Cocoa paste (in bulk or in block) whether or not defatted.	21.05	Soups and broths, in liquid, solid or powder form; homogenised composite food preparations.
18.04	Cocoa butter (fat or oil).	21.06	Natural yeasts (active or inactive); prepared baking powders.
18.05	Cocoa powder, unsweetened.	21.07	Food preparations not elsewhere specified or included.
18.06	Chocolate and other food preparations containing cocoa.	CHAPTER 22	
CHAPTER 19		<i>Beverages spirits and vinegar</i>	
<i>Preparation of cereals flour or starch, pastrycooks products</i>		22.01	Waters, including spa waters and aerated waters, ice and snow.
19.01	Malt extract.	22.02	Lemonade, flavoured spa waters and flavoured aerated waters, and other non-alcoholic beverages, not including fruit and vegetable juices falling within heading No. 20.07.
19.02	Preparation of flour, meal, starch or malt extract of a kind used as infant food or for dietetic or culinary purposes, containing less than 50% by weight of cocoa.	22.03	Beer made from malt.
19.03	Macaroni spaghetti and similar products.	22.04	Grape must, in fermentation or with fermentation arrested otherwise by the addition of alcohol.
19.04	Tapioca and sago, tapioca and sago substitutes obtained from potato or other starches.	22.05	Wine of fresh grapes; grapes must with fermentation arrested by the addition of alcohol.
19.05	Prepared foods obtained by the swelling of roasting or cereals or cereal products (malted rice, corn flakes and similar products).	22.06	Vermouths, and other wines of fresh grapes flavoured with aromatic extracts.
19.06	Communion wafers, empty catheters of a kind suitable for pharmaceutical use, sealing wafers rice paper and similar products.	22.07	Other fermented beverages (for example, cider, perry and mead).
19.07	Bread ship's biscuits and other ordinary baker's wares, not containing added sugar, honey, eggs, fats, cheese or fruit.	22.08	Ethyl alcohol or neutral spirit, undenatured, of a strength of 80° or higher; denatured, spirits (including ethyl alcohol and neutral spirits) of any strength.
19.08	Pastry, biscuits, cakes and other fine baker's wares, whether or not containing cocoa in any proportion.	22.09	Spirits (other than those heading No. 22.08), liquours and other spirituous beverages; compound alcoholic preparations (known as "concentrated extracts") for the manufacture of beverages.
CHAPTER 20		22.10	Vinegar and substitutes for vinegar.
<i>Preparation of vegetables fruits or other parts of plants</i>		CHAPTER 23	
20.01	Vegetables and fruit, prepared or preserved by vinegar or acetic acid, with or without sugar whether or not containing salt, spices, or mustard.	<i>Residues and waste from the food industries: prepared animal fodder</i>	
20.02	Vegetables prepared or preserved otherwise than by vinegar acetic acid.	23.01	Flours and meals, of meat offals, fish crustaceans or molluscs, unfit for human consumption arabes.
20.03	Fruit preserved by freezing, containing added sugar.		
20.04	Fruit, fruit peel and parts of plants preserved by sugar (dried, glace or crystallised).		

APPENDIX 1-B—*contd.*SCHEDULE 1—*contd.*

1	2	1	2
23-02	Bran, sharps and other residues derived from the shelling, milling or working of cereals or of leguminous vegetables.	25-13	Pumice stone; energy; natural corundum, natural garnet and other natural abrasives, whether or not heat-treated.
23-03	Beet pulp, bagasse and other waste of sugar manufacture, brewing and distilling drug and waste; residues of starch manufacture and similar residues.	25-14	Slate, including slate not further worked than roughly split, roughly squared or squared by sawing.
23-04	Oil-cake and other residues (except drugs) resulting from the extraction of vegetable oils.	25-15	Marble, travertine, evassine and other calcareous monumental and building stone of an apparent specific gravity of four or more and alabaster, including such stone further worked than roughly split, roughly squared or squared by sawing.
23-05	Wine lees, argol.	25-16	Granite porphyry, basalt, gneiss and other monumental and building stone, including such stone, not further worked than roughly split, roughly squared or squared by sawing.
23-06	Products of vegetable origin of a kind used for animal food, not elsewhere specified or included.	25-17	Pebbles and crushed or broken stone (whether or not heat-treated), gravel, macadam and tared macadam, of a kind commonly used for concrete aggregates, for and metalling or for railway or other ballast; flint and shingle, whether or not heat-treated, granules and chipping (whether or not heat-treated) and powder of stones falling within heading No. 25-15 or 25-16.
23-07	Sweetfeed forage; other preparation of a kind used in animal feeding.	25-18	Dolomite, whether or not calcined, including dolomite not further worked than roughly split, roughly squared or squared by sawing or agglomerated dolomite (including tared dolomite).
CHAPTER 24		25-19	Natural magnesium carbonate (magnesite) whether or not calcined, other than magnesium oxide.
Tobacco		25-20	Gypsum; anhydrite; calcined gypsum, and plasters with basis of calcium sulphate, whether or not coloured, but not including plasters specially prepared for use in dentistry.
24-01	Unmanufactured tobacco; tobacco refuse.	25-21	Limestone flux and calcareous stone, commonly used for the manufacture of lime or cement.
24-02	Manufactured tobacco; tobacco extracts and essences.	25-22	Quicklime, slacked lime and hydraulic lime, other than calcium oxides and hydroxide.
SECTION V		25-23	Portland cement, cement, fondus, slag cement, super-cement, hydraulic cement and similar hydraulic cement, whether or not coloured or in the form of clinker.
Mineral Products		25-24	Asbestos.
CHAPTER 25		25-25	Meerschaum (whether or not in polished pieces) and amber; agglomerated meerschaum and agglomerated amber, in plates, rods, sticks or similar forms, not worked after moulding; jet.
<i>Salt, sulphur; earths and stone; plastering materials; lime and cement.</i>		25-26	Mica, including splittings; mica waste.
25-01	Common salt (including rock salt, sea salt and table salt); pure sodium chloride, salt liquors, sea water.	25-27	Natural steatite including natural streatite not further worked than roughly split, roughly squared or squared by sawing.
25-02	Unroasted iron pyrites.	25-28	Natural cryolite and natural chiolite.
25-03	Sulphur of all kinds, other than sublimed sulphur, precipitated sulphur and colloidal sulphur.	25-29	Natural arsenic sulphides.
25-04	Natural graphite.	25-30	Crude natural borates and concentrates thereof (calcined or not), but not including borates separated from natural brines, crude natural boric acid containing not more than 85% of H_2BO_3 calculated on the dry weight.
25-05	Natural sands of all kinds, whether or not coloured, other than metal bearing sands falling within heading No. 26.01.	25-31	Felspar, leucite, nepheline and nepheline syenite; fluorspar.
25-06	Quartz (other than natural sands); quartzite, including quartzite not further worked than roughly split, roughly squared or squared by sawing.	25-32	Strontianite (whether or not calcined), other than strontium oxide; mineral substances, not elsewhere specified or included; broken pottery.
25-07	Clay (for example, kaolin and bentonite), and talc, kyanite and sillimanite, whether or not calcined, but not including expanded clays, falling within heading No. 68.07; malinite; chromite and dinas earths.		
25-08	Chalk.		
25-09	Earth colours, whether or not calcined or mixed together; natural micaceous iron oxides.		
25-10	Natural calcium phosphates, natural aluminium calcium phosphates, apatite and phosphatic chalk.		
25-11	Natural barium sulphate (baryte); a natural barium carbonate (witherite) whether or not calcined, other than barium oxide.		
25-12	Siliceous fossil meals and similar siliceous earths (for example, keleselguhr, tripolite or diatomite) whether or not calcined, of an apparent specific gravity of 1 or less.		

APPENDIX I-B—contd.

SCHEDULE 1—contd.

1	2
CHAPTER 26	
<i>Metallic ores slag and ash</i>	
26-01	Metallic ores and concentrates and roasted iron pyrites.
26-02	Slag, dross, scallings and similar waste from the manufacture of iron or steel
26-03	Ash and ^{scallings} (other than from the manufacture of ^{or steel}), containing metals or metallic ^{acid} .
26-04	Other slag including kelp.

CHAPTER 27*Minerals fuels, mineral oils and products of their distillation; bituminous substances mineral waxes*

27-01	Coal; briquettes, ovoids and similar solid fuel manufactured from coal.
27-02	Lignite, whether or not agglomerated.
27-03	Peat (including peat litter), whether or not agglomerated.
27-04	Coke and semi-coke of coal, of lignite or of peat.
27-05	Retort carbon.
27-06	Coal gas, water gas, producer gas and similar gases (Optional heading).
27-07	Tar distilled from coal, from lignite or from peat, and other mineral tars, including partially distilled tars and blends of pitch with creosote oils or with other coal tar distillation products.
27-08	Oils and other products of the distillation of high temperature coal tar; similar products as defined in Note 2 to this Chapter.
27-09	Pitch and pitch coke, obtained from coal tar or from other mineral tars.
27-10	Petroleum oils and oils obtained from bituminous minerals, crude.
27-11	Petroleum oils and oils obtained from bituminous minerals, other than crude; preparations not elsewhere specified or included, containing not less than 7% by weight of petroleum oils or of oils obtained from bituminous minerals, the oils being the basic constituents of the preparations.
27-12	Petroleum gases and other gaseous hydrocarbons.
27-13	Petroleum jelly.
27-14	Paraffin wax, micro-crystalline wax, slack wax, ozokerite, lignite wax, peat wax, and other mineral waxes, whether or not coloured.
27-15	Petroleum bitumen, petroleum coke and other residues of petroleum oils or of oils obtained from bituminous minerals.
27-16	Bitumen and asphalt, natural; bituminous shale, asphaltic rock and tar sands.
27-17	Bituminous mixtures based on natural asphalt, on natural bitumen, on petroleum bitumen, on mineral tar or on mineral tar pitch (for example, bituminous mastics, cut-backs).
27-18	Electric current (optional heading).

SECTION VI*Products of the Chemical and allied Industries***CHAPTER 28***Inorganic chemicals; organic and inorganic compounds precious metals, of rare earth metals, of radio active elements and of isotopes***1—Chemical Elements**

28-01	Halogens (fluorine, Chlorine, bromine and iodine).
28-02	Sulphur, supplied or precipitated; colloidal sulphur.
28-03	Carbon (including carbon black).
28-04	Hydrogen, rare gases and other non-metals.
28-05	Alkali and alkaline-earth metal; or earth metals, vitrium and scandium and inter-mixtures or interalloys thereof; mercury.

II—Inorganic Acids and Oxygen compounds, of non-metals

28-06	Hydrochloric acid and chlorosulphuric acid.
28-07	Sulphur dioxide.
28-08	Sulphuric acid; oleum.
28-09	Nitric acid; sulphonitric acids.
28-10	Phosphorus pentoxide and phosphoric acids (metaortho and pyro).
28-11	Arsenic trioxide, arsenic pentoxide and acids of arsenic.
28-12	Boric oxide and boric acid.
28-13	Other inorganic acids and oxygen compounds of non-metals (excluding water).

III—Halogen and sulphur compounds of non-metals

28-14	Halides, oxyhalides and other halogen compounds of non-metals.
28-15	Sulphides of non-metals; phosphorus trisulphide.

IV—Inorganic bases and Metallic Oxides, Hydroxides and Peroxides

28-16	Ammonia, anhydrous or in aqueous solution.
28-17	Sodium hydroxide (caustic soda), potassium hydroxide (caustic potash); peroxides of sodium or potassium.
28-18	Oxides, hydroxides and peroxides of strontium, barium or magnesium.
28-19	Zinc oxide and zinc peroxide.
28-20	Aluminium oxide and hydroxide; artificial Corundum.
28-21	Chromium oxides and hydroxides.
28-22	Manganese oxides.
28-23	Iron oxides and hydroxides; earth colours containing 70% or more by weight of Combined Iron evaluated as Fe ₂ O ₃ .
28-24	Cobalt oxides and hydroxides.
28-25	Titanium oxides.
28-26	Tin oxides (stannous oxide and stannic oxide).
28-27	Lead oxides; red lead and orange lead.

APPENDIX I-B—*contd.*SCHEDULE 1—*contd.*

1	2
28·28	Hydrazine and hydroxylamine and their inorganic salts : other inorganic bases and Metallic oxides, hydroxides and peroxids.
	<i>V—Metallic Salts and Peroxysalts of Inorganic Acids</i>
28·29	Fluorides ; fluorosilicates, fluoborates and other complex fluorine salts.
28·30	Chlorides and oxychlorides.
28·31	Chlorides and hypochlorides.
28·32	Chlorates and perchlorates.
28·33	Bromides, oxybromides, bromates and perbromates, and hypobromites.
28·34	Iodides, oxyiodides, Iodates and periodates.
28·35	Sulphides; polysulphides.
28·36	Dithionites, including those stabilised with organic substances; sulph—oxylates.
28·37	Sulphites and thiosulphates.
28·38	Sulphates (Including alums) and persulphate
28·39	Nitrites and nitrates.
28·40	Phosphites, hypophosphites and phosphates.
28·41	Arsenites and arsenates.
28·42	Carbonates and percarbonates : commercial ammonium carbonate containing ammonium carbonate.
28·43	Cyanides and complex cyanides.
28·44	Fulminates, cyanates and thiocyanates, silicates
28·45	Silicates, commercial sodium and potassium; silicates.
28·46	Borates and perborates.
28·47	Salts of metallic acids (for example, chromates permanganates, stannates).
28·48	Other Salts and peroxysalts of inorganic acids, but not including azides.
	<i>VI—Miscellaneous</i>
28·49	Colloidal precious metals; amalgams of precious metals; salts and other compounds, inorganic or organic of precious metals, including albuminates, protienates, tennates and similar compounds, whether or not chemically defined.
28·50	Fissile chemical elements and isotopes; other radioactive chemical elements and radioactive isotopes; compounds, inorganic or organic, or such elements of isotopes, whether or not chemically defined; alloys dispersions and cermets, containing any of these elements, isotopes of compounds.
28·51	Isotopes and their compounds, inorganic or organic whether or not chemically defined, other than isotopes and compounds falling within heading No. 28·50.
28·52	Compounds, inorganic or organic of thorium, of uranium depleted in U235, of rare earth metals of vitrium or of scandium, whether or not mixed together.
28·53	Liquid air (whether or not rare gases have been removed) compressed air.
28·54	Hydrogen Peroxide (Including solidhydrogen peroxide).
28·55	Phosphides.

1	2
28·56	Carbides (for example, silicon carbide, boron carbide, metal carbides).
28·57	Hydrides, nitrides and azides, silicides and borides.
28·58	Other inorganic compounds (including distilled and conductivity water and water of similar purity); amalgams, except amalgams of precious metals.

CHAPTER—29

*Organic Chemicals**I—Hydrocarbons and their halogenated, sulphonated nitrated or nitrosated derivatives.*

29·01	Hydrocarbons.
29·02	Halogenated derivatives of hydrocarbons.
29·03	Sulphonated, nitrated or nitrosated derivatives of hydrocarbons.

II—Alcohols and their halogenated, sulphonated, nitrated or nitrosated derivatives

29·04	Acyclic alcohols and their halogenated, sulphonated, nitrated or nitrosated derivatives.
29·05	Cyclic alcohols and their halogenated sulphated or nitrosated derivatives.

III—Phenols, Phenol—Alcohols, and their halogenated sulphonated, nitrated or nitrosated derivatives

29·06	Phenols and phenol-alcohols.
29·07	Halogenated, sulphonated, nitrated or nitrosated derivatives of phenols or phenol-alcohols.

IV Ethers, alcohols peroxide, Ether peroxides, Epoxides two and three or four, Member ring Acetals and Hemacetals and their Algenated snipplenated, Nitrated or Nitrosated Derivatives).

29·08	Ethers, ether-alcohols, their phenols, ether-alcohol-phenols, alcohol peroxides and other peroxides, and their halogenated, sulphonated nitrated or nitrosated derivatives.
29·09	Epoxides, apoxyalcohols, epoxyphenols, and epoxyethers, with three or four member ring and their halogenated, sulphonated, nitrated or nitrosated derivatives.
29·10	Acetals and hemacetals and single or complex oxygen-function acetals and hemacetals, and their halogenated, sulphonated, nitrated or nitrosated derivatives.

V—Aldehyde Function Compounds.

29·11	Aldehydes, aldehyde-alcohols, aldehyde-ethers, aldehyde-phenol and other single or complex oxygen-function aldehydes; cyclic polymers of aldehydes; paraformaldehyde.
29·12	Halogenated, sulphonated, nitrated or nitrosated derivatives of products falling within heading No. 29·11.

VI—Ketone function compounds and quinones function compounds

29·13	Ketones, ketonealcohols, ketone-phenols, ketone-aldehydes, quinones, quinone-alcohols, quinone-phenols, quinone-aldehydes and other single or complex oxygen function ketones and quinones, and their halogenated, sulphonated, nitrated or nitrosated derivatives.
-------	---

APPENDIX I-B—*contd.*SCHEDULE 1—*contd.*

1	2	1	2
VII— <i>Carboxylic acids, and their anhydrides, halides, peroxides and peracids and their halogenated, sulphonated, nitrated or nitrosated derivatives.</i>		XI— <i>Provitamins, vitamins, hormones and enzymes, natural or reproduced by synthesis.</i>	
29·14	Monocarboxylic acids and their anhydrides, halides, peroxides and peracids and their halogenated, sulphonated, nitrated or nitrosated derivatives.	29·38	Provitamins and vitamins, natural or reproduced by synthesis (including natural concentrates), derivatives thereof used primarily as vitamins, and intermixtures of the foregoing whether or not in any solvent.
29·15	Polycarboxylic acids and their anhydrides, halides, peroxides and peracids, and their halogenated, sulphonated, nitrated or nitrosated derivatives.	29·39	Hormones, natural or reproduced by synthesis derivatives thereof, used primarily as hormones.
29·16	Carboxylic acids with alcohol, phenol, aldehyde or ketone function and other single or complex oxygen-function, carboxylic acids and their anhydrides, halides, peroxides and peracids, and their halogenated, sulphonated, nitrated or nitrosated derivatives.	29·40	Enzymes.
II— <i>Inorganic esters and their salts, and their halogenated, sulphonated, nitrated or nitrosated derivatives.</i>		XII— <i>Glycosides and vegetable alkaloids, natural or reproduced by synthesis, and their salts, other esters and other derivatives.</i>	
29·17	Sulphuric esters and their salts, and their halogenated, sulphonated, nitrated or nitrosated derivatives.	29·41	Glycosides, natural or reproduced by synthesis, and their salts, ethers, esters and other derivatives.
29·18	Nitrous and nitric esters, and their halogenated, sulphonated, nitrated or nitrosated derivatives.	29·42	Vegetable alkaloids, natural or reproduced by synthesis, and their salts, other esters, other derivatives.
29·19	Phosphoric esters and their salts, including lactophosphates and their halogenated, sulphonated, nitrated or nitrosated derivatives.	XIII— <i>Other organic compounds</i>	
29·20	Carbonic esters and their salts, and their halogenated, sulphonated, nitrated or nitrosated derivatives.	29·43	Sugars, chemically pure, other than sucrose, glucose and lactose; sugar ethers and sugar esters, and their salts, other than product of heading Nos. 29·39, 29·41 and 29·42.
29·21	Other esters of mineral acids (excluding halides) and their salts, and their halogenated, sulphonated, nitrated or nitrosated derivatives.	29·44	Antibiotics.
IX— <i>Nitrogen-function compounds</i>		29·45	Other organic compounds.
29·22	Amine-function compounds.	CHAPTER 30	
29·23	Single or complex oxygen-function amino-compounds.	<i>Pharmaceutical Products</i>	
29·24	Quaternary-ammonium salts and hydroxides; lecithins and other phosphoaminolipins.	30·01	Organo-therapeutic glands or other organs, dried whether or not powdered; organo-therapeutic extracts of glands or other organs or of their secretions; other animal substance prepared for therapeutic or prophylactic uses, not elsewhere specified or included.
29·25	Carboxamide-function compounds, amide-function compounds of carbonic acid.	30·02	Antisera; microbial vaccines, toxins, microbial cultures (including ferments but excluding yeasts) and similar products.
29·26	Carboxyamide-function, compounds (including ortho-benzesulphimide and its salts, and imine-function compounds (including hexamethylenetetramine and trimethylenetrinitramine).	30·03	Medicament (including veterinary medicaments).
29·27	Nitrile-function compounds.	30·04	Wadding gauze, bandages and similar articles (for example, dressings, adhesive plasters, poultices). Impregnated or coated with pharmaceutical substances or put up in retail packing for medical or surgical purposes other than goods specified in Note 3 to this Chapter.
29·28	Diazo, azo and azoxy-compounds.	30·05	Other paramaceutical goods.
29·29	Organic derivatives of hydrazine or of hydroxylamine.	CHAPTER 31	
29·30	Compounds with other nitrogen-functions.	<i>Fertilizers</i>	
X— <i>Organo-inorganic biocompounds and heterocyclic Compounds</i>		31·01	Guano and other natural animal or vegetable fertilizers, whether or not mixed together, but not chemically treated.
29·31	Organo-sulphur compounds.	31·02	Mineral or chemical fertilizers, nitrogenous.
29·32	Organo-arsenic compounds.	31·03	Mineral or chemical fertilizers, phosphatic.
29·33	Organo-mercury compounds.	31·04	Mineral or chemical fertilizers, potassic.
29·34	Other organo-inorganic compounds.	31·05	Other fertilizers; goods of the present chapter in tablets lozenges and similar prepared forms or in packings of a gross weight not exceeding 10 kg.
29·35	Heterocyclic compounds; nucleic acids.		
29·36	Sulphonamides.		
29·37	Sulfones and sulfams.		

APPENDIX I-B—*contd.*SCHEDULE 1—*contd.*

1	2	1	2
CHAPTER 32			
<i>Tanning and dyeing extracts, tannins and their derivatives; dyes, colours, paints and varnishes; putty, fillers and stoppings; inks</i>			
32-01	Tanning extracts of vegetable origin and other derivatives.	33-05	Alcoholic solutions) with a basis of one or more of these substances, of a kind used as raw materials in the perfumery, food, drink or other industries.
32-02	Tanning (tanning acids), including water-extracted gull-nut tanning, and their salts, ethers, esters and other derivatives.	33-06	Aqueous distillates and aqueous solutions of essential oils, including such products suitable for medicinal uses.
32-03	Synthetic organic tanning substances, and inorganic tanning substances; tanning preparations, whether or not containing natural tanning materials; enzymatic preparations for pre-tanning (for example, of enzymatic, pancreatic, or bacterial origin).	CHAPTER 34	
32-04	Colouring matter of vegetable origin (including dyewood extract and other vegetable dyeing extracts but excluding indigo) or of animal origin.	<i>Soap, organic surface-active agents, washing preparations, lubricating preparations, artificial waxes, prepared waxes, polishing and scouring preparations, candles and similar articles, modelling pastes and dental waxes.</i>	
32-05	Synthetic organic dyestuffs, (including pigment dyestuffs), synthetic organic products of a kind used as luminophores; products of the kind known as optical bleaching agents, substantive to the fibre; natural indigo.	34-01	Soap; organic surface-active products and preparations for use as soap, in the form of bars, cakes or moulded pieces or shapes, whether or not combined with soap.
32-06	Colour lakes.	34-02	Organic, surface-active agents; surface-active preparations and washing preparations, whether or not containing soap.
32-07	Other colouring matter; inorganic products of a kind used as luminophores.	34-03	Lubricating preparations and preparations of a kind used for oil or grease treatment of textiles, leather or other materials but not including preparations containing 70% or more by weight of petroleum oils or of oils obtained from bituminous minerals.
32-08	Prepared pigments, prepared pacifiers and prepared colours vitrifiable enamels and glazes liquid lustres and similar products, of the kind used in the ceramic enamelling and glass industries; engobes (slips); glass frit and other glass in the form of powder, granules or flakes.	34-04	Artificial waxes (including water-soluble waxes); prepared waxes, not emulsified or containing solvents.
32-09	Varnishes and lacquers; distempers; prepared water pigments of the kind used for finishing other, paints and enamels; pigments in linseed oil, white spirits, of turpentine, varnish or other paints or enamel media; stamping foils; dyes or other colouring matter in forms or packings of a kind sold by retail.	34-05	Polishes and creams, for footwear, furniture or floors, metal polishes, scouring powders and similar preparations, but excluding prepared waxes, falling within heading No. 34-04.
32-10	Artists' students' and signboard painters' colours, modifying tins, amusement colours and the like, in tablets, tubes, jars, bottles, pan or in similar forms of packings, including such colours in sets or outfits, with or without brushes, palettes or other accessories.	34-06	Candles, tapers, night-lights and the like.
32-11	Prepared driers.	34-07	Modelling pastes (including those put up for children's amusement and assorted modelling pastes); preparation of kind known as "dental wax" or as "dental impression compounds" in plates, horse-shoe shapes, sticks and similar forms.
32-12	Glaziers' putty; grafting putty; painters' fillings non-refractory surfacing preparations; stoppings sealing and similar mastics, including resinmastics and cements.	CHAPTER 35	
32-13	Writing ink, printing ink and other inks.	<i>Albuminoidal substances; glues</i>	
CHAPTER 33		35-01	Casein, Caseinates and other casein derivatives; casein glues.
<i>Essential oils and resinoids, perfumery cosmetics and toilet preparations</i>		35-02	Albumins albuminates and other albumin derivatives.
33-01	Essential oils (terpeneless or not); concretes and absolutes; resinoids.	35-03	Gelatin (including gelatin in rectangles, whether or not cloured or surface-worked) and gelatin derivatives; glues derived from bones, hides, nerves, tendons or from similar products, and fish glues; isinglass.
33-02	Terpenic by-products of the deterpenation of essential oils.	35-04	Peptones and other protein substances and their derivatives, hide powder, whether or not chromed.
33-03	Concentrates of essential oils in flats, in fixed oils, or in waxes or the like, obtained by cold absorption or by maceration.	35-05	Dextrins and dextrin glues; soluble or roasted starches; starch glues.
33-04	Mixtures of two or more odoriferous substance (natural or artificial) and mixtures (including	35-06	Prepared glues not elsewhere specified or included, products suitable for use as glues put up for sale by retail as glues in packages, not exceeding net weight of 1 kg.

APPENDIX I-B—*contd.*SCHEDULE 1—*contd.*

1	2
	CHAPTER 36
	<i>Explosives & pyrotechnic products; matches; pyrophoric alloys; certain combustible preparations</i>
36-01	Propellant powders.
36-02	Prepared explosives, other than propellant powders.
36-03	Mining, blasting and safety fuses.
36-04	Percussion and detonating caps; igniters; detonators.
36-05	Pyrotechnic articles (for example, fireworks, railway fog signals, amorces and rockets).
36-06	Matches (excluding Bengal matches).
36-07	Ferro-cerium and other pyrophoric alloy in all forms.
36-08	Other combustible preparations and products.

CHAPTER 37

Photographic and Cinematographic goods

37-01	Photographic plates and film in the flat, sensitised unexposed, of any material other than paper, paperboard or cloth.
37-02	Film in rolls, sensitised, unexposed, perforated or not.
37-03	Sensitised paper, paperboard and cloth, unexposed or exposed but not developed.
37-04	Sensitised plates and films exposed but not developed, negative or positive.
37-05	Plates unperforated film and perforated film (other than cinematograph film), exposed and developed, negative or positive.
37-06	Cinematograph film, exposed and developed consisting only of sound track, negative or positive.
37-07	Other cinematograph film, exposed and developed, whether or not incorporating sound track, negative or positive.
37-08	Chemical products and flash light materials of a kind and in a form suitable for use in photography.

CHAPTER 38

Miscellaneous chemical products

38-01	Artificial graphite, colloidal graphite, other than suspensions in oil.
38-02	Animal black (for example, bone black and ivory black), including spent animal black.
38-03	Activated carbon (decolourising depolarising or absorbent); activated diatomite, activated clay, activated bauxite and other activated natural mineral products.
38-04	Amoniacal gas liquors and spent oxide produced in coal gas purification.
38-05	Tar oil.
38-06	Concentrated sulphite lye.
38-07	Spirits of turpentine (gum, wood and sulphate) and other terpenic solvents produced by the distillation or other treatment of coniferous woods; crude dipentene; sulphite turpentine; pine oil (excluding "pine oils" not rich in terpinene).
38-08	Rosin and resin acids and derivatives thereof other than ester gums included in heading No. 39-05; resin spirit and rosin oils.

1	2
38-09	Wood tar; wood tar oils (other than the composite solvents and thinner falling within heading No. 38-18); wood creosote; wood naphtha; acetone oil.
38-10	Vegetable pitch of all kinds; brewers pitch and similar compounds based on rosin or on vegetable pitch, foundry core binders based on natural resinous products.
38-11	Disinfectants insecticides, fungicides, herbicides, anti-sprouting products, ratpoisons and similar products, put up in forms or packings for sale by retail or as preparation or as articles (for example sulphur-treated bands, wicks and candles, fly-paper).
38-12	Prepared glazings, prepared dressings and prepared mordants, of a kind used in the textile, paper, leather or like industries.
38-13	Pickling preparations, for metal surface fluxes and other auxiliary preparations for soldering, brazing or welding; soldering, brazing or welding powders and pastes consisting of metal and other material preparations of a kind used as cores of coatings for welding rods and electrodes.
38-14	Anti-knock preparations, oxidation inhibitors, gum inhibitors, viscosity improver anti-corrosive preparations and similar prepared additives for minerals, oils.
38-15	Prepared rubber accelerators.
38-16	Prepared culture media for development of micro-organisms.
38-17	Preparations and charges for fire-extinguishers; charged fire-extinguishing grenades.
38-18	Composite solvents and thinners for varnishes and similar products.
38-19	Chemical products and preparation of the chemical or allied industries (including those consisting of mixtures of natural products) not elsewhere specified or included residual products of the chemical or allied industries, not elsewhere specified or included.

SECTION VII

ARTIFICIAL RESINS AND PLASTIC MATERIALS
CELLULOSE ESTERS AND ETHERS AND ARTICLES
THEREOF; RUBBER, SYNTHETIC RUBBER FACTICE
AND ARTICLES THEREOF

CHAPTER 39

Artificial resins and Plastic materials, cellulose esters and ethers; articles thereof

39-01	Condensation, polycondensation and polyaddition products whether or not modified or polymerised and whether or not linear (for example phenoplasts, aminoplasts, alkyds, polyallyl esters and other unsaturated Polyesters, silicones).
39-02	Polymerisation and copolymerisation products (for example polyethylene, polytetrafluoroethylenes, polyisobutylene, polystyrene, polyvinyl chloride, polyvinylacetate, polyvinyl chloroacetate and other poly-vinyl derivatives, polyacrylic and polymethacrylic derivatives coumaroneindene resins).

APPENDIX I-B—*contd.*SCHEDULE—*contd.*

1	2
39-03	Regenerated cellulose; cellulose nitrate, cellulose acetate and other cellulose esters, cellulose ethers and other chemical derivatives of cellulose, plasticised or not (for example, collodions, celluloid); vulcanised fibre.
39-04	Hardened proteins (for example, hardened casein and hardened gelatin).
39-05	Natural resins modified by fuson (run gums); artificial resins obtained by esterification of natural resins or of resinic acids (ester gums); chemical derivatives of natural rubber (for example chlorinated rubber, rubber hydrochloride, oxidised rubber, cyclised rubber).
39-06	Other high polymers, artificial resins and artificial plastic materials, including alginic acid, its salt and esters; linocyn.
39-07	Articles of materials of the kinds described in heading Nos. 39-01 to 39-06.

CHAPTER 40.

Rubber, synthetic rubber, factice, and articles thereof.

40-01	Natural rubber latex, whether or not with added synthetic rubber latex, pre-vulcanised natural rubber latex, natural rubber, balata, guttapercha and similar natural gums.
40-02	Synthetic rubber latex pre-vulcanised synthetic rubber latex synthetic rubber: factice derived from oils.
40-03	Reclaimed rubber.
40-04	Waste and parting of unhardened rubber; scrap of unhardened rubber, fit only for the recovery of rubber: powder obtained from waste or scrap of unhardened rubber.
40-05	Plates, sheets and strip of unvulcanised natural or synthetic rubber, other than smoked sheets and crape sheets of heading No. 40-01 or 40-02; granules of unvulcanised natural or synthetic rubber compounded ready for vulcanisation, unvulcanised natural or synthetic rubber, compounded before or after coagulation either with carbon black (with or without the addition of mineral oil) or with silica (with or without the addition of mineral oil), in any form of a kind known as master-batch
40-06	Unvulcanised natural or synthetic rubber, including rubber latex, in other forms or state (for example, rods, tubes and profile shapes, solution and dispersions); articles of unvulcanised natural or synthetic rubber (for example, coated or impregnated textile thread; rings and discs).
40-07	Vulcanised rubber thread and cord, whether or not textile covered and textile thread covered or impregnated with vulcanised rubber.
40-08	Plates, sheets, Strips, rods and profile shapes, of unhardened vulcanised rubber.
40-09	Piping and tubing, of unhardened vulcanised rubber.
40-10	Transmission, conveyor or elevator belts or belting vulcanised rubber.
40-11	Rubber tyres, tyre cases, interchangeable type treads, inner tubes and tyre flaps, for wheel of all kinds.

1	2
40-12	Hygienic and pharmaceutical articles (including teats), of unhardened vulcanised rubber with or without fittings of hardened rubber.
40-13	Articles of apparel and clothing accessories (including gloves), for all purposes of unhardened vulcanised rubber.
40-14	Other articles of unhardened vulcanised rubber.
40-15	Hardened rubber (ebonite and vulcanite) in bulk, plates, sheets, strips, rods, profile shapes or tubes, scrap waste and powder of hardened rubber
40-16	Articles of hardened rubber (ebonite and vulcanite).

SECTION VIII

RAW HIDES AND SKINS, LEATHER, FURSKINS AND ARTICLES THEREOF: SADDLERY AND HARNESS; TRAVEL GOODS, HANDBAGS AND SIMILAR CONTAINERS: ARTICLES OF GUT (OTHER THAN SILK WORM GUT).

CHAPTER 41

Raw hides and skins (other than furskins) and leather

41-01	Raw hides and skins (fresh, salted, dried, pickled or limed), whether or not split, including sheep-skins in the wool.
41-02	Bovine cattle leather (including buffalo leather) and equine leather except leather falling within heading No. 41-06, 41-07 or 41-08.
41-03	Sheep and lamb skin leather, except leather falling within heading No. 41-06, 41-07 or 41-08.
41-04	Goat and kid skin leather, except leather falling within heading No. 41-06, 41-07 or 41-08.
41-05	Other kinds of leather, except leather falling within heading No. 41-06, 41-07 or 41-08
41-06	Chamois dressed leather.
41-07	Parchment dressed leather.
41-08	Patent leather and imitation patent leather; metallised leather.
41-09	Partings and other waste, of leather or of composition or parchment dressed leather, not suitable for the manufacture of articles of leather leather dust, powder, and flour.
41-10	Composition leather with a base of leather of leather fibre, in slabs, in sheets or in rolls

CHAPTER 42.

Articles of Leather saddlery and harness; travel goods, handbags and similar containers, articles of animals gut (other than silk-worm gut)

42-01	Saddlery and harness, of any material (for example saddles, harness, collars, traces, kneepads and boots), of any kind of animals.
42-02	Travel goods (for example, trunks, suit-cases, hat-boxes, travelling bags, rucksacks), shopping bags, handbags, satchels, brief-cases, wallets, purses, toilet-cases, tool-cases, tobacco-pouches, sheaths, cases, boxes (for example, for arms, musical instruments, binoculars, jewellery, bottles, collars, footwear, brushes) and similar containers

APPENDIX I-B—contd.

SCHEDULE I—contd.

1	2
	of leather or of composition leather, of vulcanised fibre, of artificial plastic sheeting of paperboard or of textile fabric.
42-03	Articles of apparel and clothing accessories of leather or of composition leather.
42-04	Articles of leather or of composition leather of a kind used in machinery or mechanical appliances for other industrial purposes.
42-05	Other articles of leather or of composition-leather
42-06	Articles, made from gut (other than silk-worm gut), from goldbeaters skin, from bladders or from tendons.

CHAPTER 43

Furskins and artificial fur; manufacture thereof

43-01	Raw furskins.
43-02	Furskins tanned or dressed, including furskins assembled in plates, crosses and similar forms; pieces or cuttings, of furskins, tanned or dressed, including heads, paws, tails and the like (not being fabricated).
43-03	Articles of furskins.
43-04	Artificial fur and articles made thereof.

SECTION IX

WOOD AND ARTICLES OF WOOD; WOOD CHARCOAL CORK AND ARTICLES OF CORK; MANUFACTURES OF STRAW OF ESPARTO AND OF OTHER-PLATING MATERIALS; BASKETWARE AND WICKER-WORK

CHAPTER 44

Wood and articles of wood; wood charcoal.

44-01	Fuel wood, in logs, in billets, in twigs or in faggots wood waste, including sawdust.
44-02	Wood charcoal (including shell and nut charcoal), agglomerated or not.
44-03	Wood in the rough, whether or not stripped of its bark or merely roughed down.
44-04	Wood roughly squared or half-squared, but not further manufactured.
44-05	Wood sawn lengthwise, sliced or peeled, but not further prepared, of a thickness exceeding 5 mm.
44-06	Wood paving blocks.
44-07	Railway or tramway sleepers of wood.
44-08	Riven staves of wood, not further prepared than sawn on one principal surface, sawn staves of wood of which at least one principal surface has been cylindrically sawn, not further prepared than sawn.
44-09	Hoopwood; split poles; piles, pickets and stakes, of wood, pointed but not sawn length wise; chipwood; pulpwood in chips or particles; wood shavings of a kind suitable for use in the manufacture of winger or for the clarification of liquids.
44-10	Wooden sticks, roughly trimmed but not turned, bent or otherwise worked suitable for the manufacture of walking-sticks, whips, golf club shafts, umbrella handles, tool handles or the like.
44-11	Drawn wood; match splints, wooden pegs or pins for footwear.
44-12	Wood wool and wool floor.

1	2
44-13	Wood (including blocks, strips and friezes for parquet or wood block flooring, not assembled, planned, tongued; grooved, revlited Chamfered, V-jointed, centre V-jointed, headed, centre-headed or the like, but not further manufactured.
44-14	Wood sawn lengthwise, sliced or peeled but not further prepared, of a thickness not exceeding 5 mm; veneer sheets and sheets for plywood, of a thickness not exceeding 5 mm.
44-15	Plywood, blackboard, laminboard, battenboard and similar laminated wood products (including veneered panels and sheets); inlaid wood and wood marquetry.
44-16	Cellular wood panels, whether or not faced with base metal.
44-17	"Improved," wood, in sheets, blocks or the like.
44-18	Reconstituted wood, being wood shavings, wood-chips, sawdust, wood floor or other ilignous waste agglomerated with natural or artificial resins or other organic binding substances, in sheets, blocks or the like.
44-19	Wooden beading and mouldings, including moulded skirting and other moulded boards.
44-20	Wooden picture frames, photograph frames, mirror frames and the like.
44-21	Complete wooden packing cases, boxes, crates, drums and similar packings.
44-22	Casks, barrels, vats, tubs, buckets and other cooper's products and parts thereof, of wood, other than staves falling within heading No. 44-08.
44-23	Builders' carpentry and joinery (including prefabricated and sectional buildings and assembled parquet flooring panels.)
44-24	Household utensils of wood.
44-25	Wooden tools, tool bodies, tool handles, broom and brush bodies and handles; boot and shoe lasts and trees of wood.
44-26	Spools, Cops, bobbins, sewing thread reels and the like, of turned wood.
44-27	Standard lamps, table lamps and other lighting fittings, of wood; articles of furniture of wood, not falling within Chapter 94; caskets, cigarette boxes, trays, fruit bowls, ornaments and other fancy articles, of wood; cases for cutlery for drawing instruments or for violins and similar receptacles, of wood; articles of wood for personal use of adornment, of a kind normally carried in the pocket, in the hand bag or on the person; parts of the fore-going articles of wood.
44-28	Other articles of wood.

CHAPTER 45

Cork and articles of cork

45-01	Natural cork, unworked, crushed, granulated ground; waste cork.
45-02	Natural cork in blocks, plates, sheets or strips (including cubes or square slabs, cut to size for corks or stoppers).
45-03	Articles of natural cork.
45-04	Agglomerated cork (being cork agglomerated with or without a binding substance) and articles of agglomerated cork.

APPENDIX 1-B—*contd.*SCHEDULE 1—*contd.*

1	2	1	2
CHAPTER 46			
<i>Manufacturers of straw of esparto and of other plaiting materials, basketware and wick-work</i>			
46-01	Plaits and similar products of plaiting materials, for all uses, whether or not assembled into strips.	48-12	Floor coverings prepared on a base of paper or paperboard, whether or not cut to size with or without a coating of linoleum compound.
46-02	Hand-made paper and paperboard, strands or woven, in sheet forms, including matting mats and screens straw envelopes for bottles.	48-13	Carbon and other copying papers, (including duplicator stencil) and transfer papers cut or size whether or not put up in boxes
46-03	Basketwork, wickwork and other articles of plaiting materials, made directly to shape; articles made up from goods falling within heading No 46-01 or 46-02; articles of loofah	48-14	Writing blocks, envelopes, letter cards, plain postcards, correspondence cards; boxes, pouches, wallets and writing, compendiums, of paper or paperboard, containing only an assortment of paper stationery.
SECTION X		48-15	Other paper and paper board cut to size or shape.
PAPER-MAKING MATERIALS: PAPER AND PAPER BOARD AND ARTICLES THEREOF.		48-16	Boxes, bags and other packing containers, of paper or paperboard.
CHAPTER 47		48-17	Box files, letter trays, storage boxes and similar articles, of paper or paperboards, of a kind commonly used in offices, shops and the like
<i>Paper making material</i>		48-18	Registers, exercise books, note books, memorandum blocks, order books, receipt books, diaries, blotting Pads, binders (loose-leaf or others), file covers and other stationery of paper or paperboard, sample and other albums and books covers, of paper or paperboard.
47-01	Pulp derived by mechanical or chemical means from any fibrous vegetable materials	48-19	Paper or paper board labels, whether or not printed or gummed.
47-02	Waste paper and paperboard; scrap articles of paper or of paper board, fit only for use in paper making.	48-20	Bobbins, spools, cops and similar supports of paper pulp, paper or paperboard (whether or not perforated or hardened)
CHAPTER 48		48-21	Other articles of paper pulp, paper paperboard or cellulose wadding
<i>Paper and paper-board, articles of paper pulp, of paper or of paperboard.</i>		CHAPTER 49	
<i>I—Paper and paperboard, in rolls or in sheet</i>		<i>Printed books newspapers, Pictures and other Products of the Printing Industry, manuscripts, typescripts and plans.</i>	
48-01	Paper and paperboard (including cellulose wadding, machine-made, in rolls or sheets.	49-01	Printed books, booklets, brochures, pamphlets and leaflets.
48-02	Hand-made paper and paperboard.	49-02	Newspapers, journals and periodicals, whether or not illustrated
48-03	Parchment of greaseproof paper and paperboard, and imitations thereof, and glazed transparent paper, in rolls or sheets.	49-03	Childrens picture books and painting books.
48-04	Composite paper or paperboard (made by sticking flat layers together with an adhesive), not surface coated or impregnated whether or not internally reinforced, in rolls or sheets.	49-04	Music, printed or in manuscripts, whether or not bound or illustrated
48-05	Paper and paper board, corrugated (with or without flat surface sheets), creased, crinkled, embossed or perforated, in rolls or sheets.	49-05	Maps and hydrographic and similar charts of all kinds, including atlases, wall maps and topographical plans, printed; printed globes terrestrial; or celestial)
48-06	Paper and paperboard, ruled lined or squared but not otherwise printed, in rolls or sheets.	49-06	Plans and drawings, for industrial, architectural, engineering, commercial or similar purposes, whether original or reproduction on-sensitised paper manuscripts and typescripts.
48-07	Paper and paperboard impregnated coated surface coloured surface decorated or printed (not being merely ruled, lined or squared and not constituting printed matter within Chapter 49), in rolls or sheets.	49-07	Unused postage revenue and similar stamps of current or new issue in the country to which they are destined; stamp impressed paper; bank notes, stock, share and bond certificates and similar documents of title; cheque books.
48-08	Filter blocks, slabs and plates of paper pulp.	49-08	Transfers (De alicomanias).
48-09	Building board of wood pulp or of vegetable fibre, whether or not bonded with natural or artificial resins or with similar binders.	49-09	Picture postcards, Christmas and other picture greeting cards printed by any process with or without trimmings.
<i>II—Paper and paperboard cut to size or shape and articles of paper or paperboard</i>		49-10	Calendars of any kind of paper or paperboards including calendar blocks.
48-10	Cigarette paper, cut to size, whether or not in the form of booklets or tubes.	49-11	Other printed matter, including printed pictures and photographs
48-11	Wallpaper and linocrusta, window transparencies of papers.		

APPENDIX I-B—*contd.*SCHEDULE 1—*contd.*

1	2	1	2
SECTION XI			
TEXTILES AND TEXTILE ARTICLES			
CHAPTER 50			
<i>Silk and waste silk</i>			
50-01	Silk-worm cocoons suitable for reeling.	53-05	Sheep's or lamb's wool or other animal hair (fine or coarse), carded or combed.
50-02	Raw silk (not thrown).	53-06	Yarn or carded sheep's or lamb's wool (woollen yarn), not put up for retail sale.
50-03	Silk waste (including cocoons unsuitable for reeling, silk noils and pulled or garnetted rags).	53-07	Yarn of combed sheep's or lamb's wool (worsted yarn), not put up for retail sale.
50-04	Silk yarn other than yarn of noil or other waste silk, not put up for retail sale.	53-08	Yarn of fine animal hair (carded or combed), not put up for retail sale.
50-05	Yarn spun from silk waste other than noil, not put up for retail sale.	53-09	Yarn of horse hair or of other coarse animal hair not put up for retail sale.
50-06	Yarn spun from noil not put up for retail sale.	53-10	Yarn of sheep's or lamb's wool or horse hair or of animal hair (fine or coarse) put for retail sale.
50-07	Silk yarn and yarn spun from noil or other waste silk, put up for small retail sale.	53-11	Woven fabrics of sheep's or lamb's wool or fine animal hair.
50-08	Silk-worm gut; imitation catgut of silk.	53-12	Woven fabrics of coarse animal hair other than horse hair.
50-09	Woven fabrics of silk or of waste silk other than noil.	53-13	Woven fabrics of horse hair.
50-10	Woven fabrics of noil silk.	CHAPTER 54	
CHAPTER 51		<i>Flax and Ramie</i>	
<i>Man made fibres (continuous)</i>		54-01	Flax, raw or processed but not spun; flax tow and waste (including pulled or garnetted rags).
51-01	Yarn of man-made fibres (continuous), not put up for retail sale.	54-02	Ramie, raw or processed but not spun; ramie noils and waste (including pulled or garnetted rags).
51-02	Monofil. strip, (artificial straw and the like) and imitation catgut, of man-made fibre materials.	54-03	Flax or ramie yarn not put up for retail sale.
51-03	Yarn of man-made fibres (continuous), put up for retail sale.	54-04	Flax or ramie yarn put up for retail sale.
51-04	Woven fabrics of man-made fibres (continuous) including woven fabrics of monofil or strip of heading No. 51-01 or 51-02.	54-05	Woven fabrics of flax or of ramie.
CHAPTER 52		CHAPTER 55	
<i>Metallised textiles</i>		<i>Cotton</i>	
52-01	Metallised yarn, being textile yarn spun with metal or covered with metal by any process.	55-01	Cotton not carded or combed.
52-02	Woven fabrics of metal thread or of metallised yarn, of a kind used in articles of apparel, as furnishing fabrics or the like.	55-02	Cotton linters.
CHAPTER 53		55-03	Cotton waste (including pulled or garnetted rags) not carded or combed.
<i>Wool and other animal hair</i>		55-04	Cotton carded or combed.
53-01	Sheep's or lamb's wool, not carded or combed.	55-05	Cotton yarn not put up for retail sale.
53-02	Other animal hair (fine or coarse), not carded or combed.	55-06	Cotton yarn put up for retail sale.
53-03	Waste of sheep's or lamb's wool or of other animal hair (fine or coarse), not pulled or garnetted.	55-07	Cotton gauze.
53-04	Waste of sheep's or lamb's wool or of other animal hair (fine or coarse), pulled or garnetted (including pulled or garnetted rags).	55-08	Terry towelling and similar terry fabrics of cotton.
		55-09	Other woven fabrics of cotton.
		CHAPTER 56	
		<i>Man-made fibres (discontinuous)</i>	
		56-01	Man-made fibres (discontinuous) not carded combed or otherwise prepared for spinning.
		56-02	Continuous filament tow for the manufacture of man-made fibre (discontinuous)
		56-03	Waste (including yarn waste and pulled or garnetted rags) man-made fibres (continuous or discontinuous) not carded combed or otherwise prepared for spinning.

APPENDIX—1-B *contd.*SCHEDULE 1—*contd.*

1	2	1	2
56-04	Man-made fibres (discontinuous or waste), carded, combed or otherwise prepared for spinning.	58-07	Chenille yarn (including floss chenille yarn) gimped yarn (other than metallised yarn of heading No. 52-01 and gimped horse-hair yarn); braids and ornamental trimmings in the piece; tassels, pompons and the like
56-05	Yarn of man-made fibres (discontinuous or waste), not put for retail sale.	58-08	Tulle and other net fabrics (but not including woven, knitted or crocheted fabrics) plain.
56-06	Yarn of man-made fibres (discontinuous or waste), put up for retail sale.	58-09	Tulle and other net fabrics (but not including woven, knitted or crocheted fabrics) figured; hand or mechanically made lace, in the piece, in strips or in motifs.
56-07	Woven fabrics of man-made fibres (discontinuous or waste).	58-10	Embroidery, in the piece, in strips or in motifs.

CHAPTER 57

Other vegetable textile materials; paper yarns and woven fabrics of paper yarn

57-01	True hemp ("Cannabis Sativa"), raw or processed but not spun; tow and waste of true hemp (including pulled, garnetted rags or ropes).
57-02	Manila hemp (abaca) ("Musa textiles") raw or processed but not spun; tow and waste or manila hemp (including pulled or garnetted rags or ropes).
57-03	Jute and other textile bast fibres not elsewhere specified or included, raw or processed but not spun; tow and waste thereof (including pulled or garnetted rags or ropes).
57-04	Other vegetable textile fibres, raw or processed but not spun; waste of such fibres (including pulled or garnetted rags or ropes).
57-05	Yarn of true hemp.
57-06	Yarn of jute or of other textile bast fibres of heading No. 57-03.
57-07	Yarn of other vegetable textile fibres.
57-08	Paper yarn.
57-09	Woven fabrics of true hemp.
57-10	Woven fabrics of jute or of other textile bast fibres of heading No. 57-03.
57-11	Woven fabrics of other vegetable textile fibres.
57-12	Woven fabrics of paper yarn.

CHAPTER 58

Carpets, mats, matting and tapestries; pile and chenille fabrics narrow fabrics; trimmings; tulle and other net fabrics; lace, embroidery

58-01	Carpets, carpeting and rugs, knotted (made up or not).
58-02	Other carpets, carpeting, rugs, mats and mattings, and "Kelem", "Schumack," and "Karamane" rugs and the like (made up or not).
58-03	Tapestries, hand-made, or the type Gobelings, Flanders, Aubusson, Beauvais and the like, and needle-worked tapestries (for example petit point and cross stitch) made of pandles and the like by hand.
58-04	Woven pile fabrics and chenille fabrics (other than terry towelling or similar terry fabrics of cotton falling within heading No. 55-08 and fabrics falling within heading No. 58-05).
58-05	Narrow woven fabrics, and narrow fabrics (bolduc) consisting of warp without weft assembled by means of an adhesive, other than goods falling within heading No. 58-06.
58-06	Woven labels, badges and the like, not embroidered, in the piece, in strips or cut to shape or size.

CHAPTER 59

Wadding and felt; twine; cordage; ropes and cables; special fabrics; impregnated and coated fabrics, textile articles of a kind suitable for industrial use

59-01	Wadding and article of wadding; textile flock and dust and mill neps.
59-02	Felt and articles of felt whether or not impregnated or coated.
59-03	Bonded fibre fabrics, similar bonded yarn fabrics, and articles of such fabrics, whether or not impregnated or coated.
59-04	Twine cordage, ropes and cables, plaited or not.
59-05	Nets and netting made of twine, cordage or rope, and made up fishing nets of yarn, twine, cordage or rope.
59-06	Other articles made from yarn, twine, cordage, rope or cables, other than textile fabrics and articles made from such fabrics.
59-07	Textile fabrics coated with gum of amylaceous substances, of a kind used for the outer covers of books and the like; tracing cloth; prepared painting canvas; buckram and similar fabrics for hat foundation and similar uses.
59-08	Textile fabrics impregnated, coated, covered or laminated with preparations of cellulose derivatives or of other artificial plastic materials.
59-09	Textile fabrics coated or impregnated with oil or preparations with a basis of drying oil.
59-10	Linoleum and materials, prepared on a textile base in a similar manner to linoleum, whether or not cut to shape or of a kind used as floor coverings; floor coverings consisting of a coating applied on a textile base, cut to shape or not.
59-11	Rubberised textile fabrics, other than rubberised knitted or crocheted goods.
59-12	Textile fabrics otherwise impregnated or coated; painted canvas being theatrical scenery, studio back-cloths or the like.
59-13	Elastic fabrics and trimmings (other than knitted or crocheted goods) consisting of textile materials combined with rubber threads.
59-14	Wicks of woven, plaited or knitted textile materials, for lamps, stoves, lighters, candle, and the like; tubular knitted gas mantle fabric and incandescent gas mantles.
59-15	Textile hose-piping and similar tubing, with or without lining, armour or accessories of other materials.
59-16	Transmission, conveyor or elevator belts or belting, of textile material, whether or not strengthened with metal or other materials.
59-17	Textile fabrics and textile articles, of a kind commonly used in machinery or plant.

APPENDIX I-B—Contd.

SCHEDULE 1—Contd.

1	2	1	2
CHAPTER 60		CHAPTER 63	
<i>Knitted and crocheted goods</i>		<i>Old clothing and other textile articles ; rags</i>	
60-01	Knitted or crocheted fabrics, not elastic nor rubberised.	63-01	Clothing, clothing accessories, travelling rags and blankets, household linen and furnishing articles other than articles falling within heading No. 58-01, 58-02 or 58-03, of textile materials, footwear and headgear of any material, showing signs of appreciable wear and imported in bulk or bales, sacks or similar bulk packings.
60-02	Gloves, mittens and mitts, knitted or crocheted, not elastic nor rubberised.	63-02	Used or new rags, scraptwine, cordage, rope and cables and worn out articles of twine, cordage, rope or cables.
60-03	Stockings, under stockings, socks, ankle-socks, sockettes and the like knitted or crocheted, not elastic nor rubberised.		
60-04	Under garments, knitted or crocheted, not elastic nor rubberised.		
60-05	Other garments and other articles, knitted or crocheted not elastic nor rubberised.		
60-06	Knitted or crocheted fabric and articles thereof, elastic or rubberised (including elastic* knee-caps and elastic stockings).		
CHAPTER 61		SECTION XII	
<i>Articles of Apparel and Clothing Accessories of Textile Fabrics, other than knitted or crocheted goods</i>		FOOTWEAR HEADGEAR, UMBRELLAS, SUNSHADES, WHIPS, RIDING-CROPS AND PARTS THEREOF: PREPARED FEATHERS AND ARTICLES MADE THEREWITH,*ARTIFICIAL FLOWERS; ARTICLES OF HUMAN HAIR ; FANS	
		CHAPTER 64	
		<i>Footwear, gaiters and the like ; parts of such articles</i>	
61-01	Men's and boys outer garments.	64-01	Footwear with outer soles and uppers of rubber or artificial plastic material.
61-02	Women's girls and infants' outer garments.	64-02	Footwear with outer soles of leather or composition leather, footwear (other than footwear falling within heading No. 64-01) with outer soles of rubber or artificial plastic material.
61-03	Men's and boys under garments, including collars, shirt fronts and cuffs.	64-03	Footwear with outer soles of wood or cork.
61-04	Women's, girls' and infants' under garments collars, shirt fronts and cuffs.	64-04	Footwear with outer soles of other material.
61-05	Handkerchiefs.	64-05	Parts of foot wear (including uppers, in-soles and screw-on-heels) of any material except metal.
61-06	Shawls, scarves, mufflers, mantillas, voils and the like.	64-06	Gaiters, spats leggings, puttees, cricket pads, shin-guards and similar articles, and parts thereof
61-07	Ties, bowties and cravats.		
61-08	Collars, tuckers, fallas, bodice-fronts, jabots, cuffs, flounced, yokes and similar accessories and trimmings for women's and girls' garments.		
61-09	Corsets, corset belts, suspended belts brassieres braces, suspenders, garters and the like (including such articles of knitted or crocheted fabric) whether or not elastic.	CHAPTER 65	
61-10	Gloves, mittens mitts, stockings, socks and sockettes, not being knitted or crocheted goods.	<i>Headgear and parts thereof</i>	
61-11	Made up accessories for articles of apparel (for example dress shields, shoulder and other pads belts, muffs, sleeve protectors, pockets).	65-01	Hat-forms, hat bodies and hoods of felt, neither blocked to shape nor with made brims; plateaux and manchons (including slit manchons) of felt.
		65-02	Hat-shapes, plaited or made from plaited or other strips of any material, neither blocked to shape nor with made brims.
		65-03	Felt hats and other felt headgear, being headgear made from the felt hoods and plateaux falling within heading No. 65-01 whether or not lined or trimmed.
CHAPTER 62		65-04	Hats and other headgear, plaited or made from plaited or other strips of any material, whether or not lined or trimmed.
<i>Other made up Textile articles</i>		65-05	Hats and other headgear (including hair nets), knitted or crocheted or made up from lace, felt or other textile fabric in the piece (but not from strips), whether or not lined or trimmed
62-01	Travelling rugs and Blankets.	65-06	Other headgear, whether or not lined or trimmed.
62-02	Bed lines, table lines, toilet linen and kitchen linen, curtains and other furnishing articles.	65-07	Head-bands, linings, covers, hat foundations hat frames including spring frame for opera-hats), peaks and chinstraps for headgear.
62-03	Sacks and bags, of a kind used for the packing of goods.		
62-04	Tarpaulins sails, awnings, sunblinds, tents and/ camping goods.		
62-05	Other made up textile articles (Including dress parents).		

APPENDIX I-B—Contd.

SCHEDULE 1—Contd.

1	2	1	2
CHAPTER 66			
	<i>Umbrellas, sunshades, walking-sticks, whips, riding crops and parts thereof</i>		such stones, and wheels, of natural stones agglomerated or not), of agglomerated natural or artificial abrasive, or of pottery.
66·01	Umbrellas and sunshades (including walking-stick umbrellas, umbrella tents, and garden and similar umbrellas).	68·05	Hand polishing stone, whetstones, oilstones, bones and the like of natural stone of agglomerated natural or artificial abrasives, or of pottery.
66·02	Walking-sticks (including climbing-sticks and seat-sticks) canes, whips, riding-crops and the like.	68·06	Natural or artificial abrasive powder or grain, on a base of woven fabric, of paper, of paper-board or of other materials, whether or not cut to shape or sawn or otherwise made-up.
66·03	Parts, fittings, trimmings and accessories of articles falling within heading No. 66·01 or 66·02.	68·07	Slag wool, rock, wool and similar mineral wools; exfoliated vermiculite expanded clays, foamed slag and similar, expanded mineral materials; mixtures and articles of heat-insulating, sound-insulating or sound-absorbing mineral materials, other than those falling in heading No. 68·12 or 68·13 or in Chapter 69.
CHAPTER 67		68·08	Articles of asphalt or of similar material (for example, of petroleum bitumen or coal tar pitch).
	<i>Prepared feathers and down and articles made of feathers or of down; artificial flowers, articles of human hair, fans.</i>	68·09	Panels, boards, tiles blocks and similar articles of vegetable fibre, of wood fibre, of straw, of wood shaving or of wood waste (including sawdust), agglomerated with cement, plaster or with other mineral binding substances.
67·01	Skins and other parts of birds with their feather or down feathers, parts of feathers, downs, and articles thereof (other than goods falling within heading No. 05·07 and worked quills and scapes).	68·10	Articles of plastering material.
67·02	Artificial flowers, foliage or fruit and parts thereof; articles made or artificial flowers, foliage or fruit.	68·11	Articles of cement (including slag cement), of concrete or of artificial stone (including granulated marble agglomerated with cement), reinforced or not.
67·03	Human hair, dressed, thinned, bleached or otherwise worked wool or other animal hair prepared for use in making wigs and the like.	68·12	Articles of asbestos-cement or cellulose fibre-cement or the like.
67·04	Wigs, false beards, eyebrows and eyelashes switches and the like of human or animal hair or of textiles; other articles of human hair (including hair nets).	68·13	Fabricated asbestos and articles thereof for example, asbestos board, thread and fabric asbestos, clothing asbestos jointing), reinforced or not, other than goods falling within heading No. 68·14 mixtures with a basis of asbestos and mixtures with a basis of asbestos and magnesium carbonate, and articles of such mixtures.
67·05	Fans and hand screens, non-mechanical, of any material; frames and handles thereof and parts of such frames and handles, of any material.	68·14	Friction materials (segments, discs, washer strips sheets, plate, rolls and the like) of a kind suitable for brakes for clutches or the like with a basis of asbestos, other mineral substances or of cellulose, whether or not combined with textile or other materials.
SECTION XIII		68·15	Worked mica and articles of mica, including bonded mica splittings on a support of paper or fabric (for example, mica-foilium.)
ARTICLES OF STONE, OF PLASTER, OF CEMENT, OF ASBESTOS, OF MICA AND OF SIMILAR MATERIALS; CERAMIC PRODUCTS; GLASS AND GLASSWARE		68·16	Articles of stone or of other mineral substances. (including articles of peat), not elsewhere specified or included.
CHAPTER 68		CHAPTER 69	
	<i>Articles of stone, of plaster, of cement, of asbestos, of mica and of similar materials</i>	Ceramic Products	
68·01	Road and paving sets, curbs and flagstones of natural stone (except slate).	<i>Heat-insulating and refractory goods</i>	
68·02	Worked monumental or building stone, and articles thereof (including mosaic cubes) other than goods falling within heading No. 68·01 or within Chapter 69.	69·01	Heat-insulating bricks, blocks tiles and other Heat insulating goods of siliceous fossil meals or of similar siliceous earths, (for example, kieselgurh, tripolite or diatomite).
68·03	Worked slate and articles of slate, including articles of agglomerated slate.		
68·04	Millstones, grindstones, grinding wheels, and the like (including grinding, sharpening, polishing, truing and cutting wheels, heads, discs and points), of natural stone (agglomerated or not), of agglomerated natural or artificial abrasives, or of pottery, with or without cores, shanks, sockets, axles and the like of other materials, but without framework; segments and other finished parts of		

APPENDIX 1-B—*contd.*SCHEDULE 1—*contd.*

1	2	1	2
69-02	Refractory bricks, blocks, tiles and similar refractory constructional goods, other than goods falling within heading No. 69-01.	70-06	Cast, rolled, drawn or blown glass (including flashed or wired glass), in rectangles, surface ground or poised but not further worked.
69-03	Other refractory goods (for example, retorts, crucibles, muffles, nozzle, plugs, supports, cupels, tubes, pipes, sheaths and rods), other than goods falling within heading No. 69-01.	70-07	Cast, rolled, drawn or blown glass (including flashed or wired glass) cut to shape other than rectangular shape, or bent or otherwise worked (for example, edge worked or engraved), whether or not surface ground or polished; multiple-walled insulating glass; leaded lights and the like.
<i>Other ceramic products.</i>		70-08	safety glass consisting of toughened or laminated glass, shaped or not.
69-04	Building bricks (including flooring blocks, support or filter tiles and the like).	70-09	Glass mirrors (including rear-view mirrors), unframed, framed or backed.
69-05	Roofing tiles, chimney-pots, cowls, chimney-liners, cornices and other constructional goods, including architectural ornaments.	70-10	Carboys, bottle, jars, pots, tubular containers and similar containers of glass, of a kind commonly used for the conveyance or packing of goods; stoppers and other closures of glass.
69-06	Piping, conduits and guttering (including angles, bends and similar fittings).	70-11	Glass envelopes (including bulbs and tubes) for electric lamps, electronic valves or the like.
69-07	Unglazed setts, flags and paving, earth and wall tiles.	70-12	Glass inners for vacuum flasks or for other vacuum vessels.
69-08	Glazed, setts, flags and paving, earth and wall tiles.	70-13	Glassware (other than articles falling in heading No. 70-19) of a kind commonly used for table, kitchen, toilet or office purposes, for indoor decoration, or for similar uses.
69-09	Laboratory, chemical or industrial wares; troughs, tubs and similar receptacles of a kind used in agriculture; pots, jars and similar articles of a kind commonly used for the conveyance or packing of goods.	70-14	Illuminating glassware, signalling glassware and optical elements of glass, not optically worked nor of optical glass.
69-10	Sinks, wash basins, bidets, water closet pans, urinals, baths and like sanitary fixture.	70-15	Clock and watch glasses and similar glasses (including glass of a kind used for sunglasses but excluding glass suitable for corrective lenses), curved, bent, hollowed and the like; glass spheres and segments of spheres, of a kind used for the manufacture of clock and watch glasses and the like.
69-11	Tableware and other articles of a kind commonly used for domestic or toilet purposes of porcelain or china (including biscuit porcelain and parian).	70-16	Bricks, tiles, slabs, paving blocks, squares and other articles of pressed or moulded glass, of a kind commonly used in building; multi-cellular glass in blocks, slabs, plates, panes and similar forms.
69-12	Tableware and other articles of a kind commonly used for domestic or toilet purposes, of other kinds of pottery.	70-17	Laboratory hygienic and pharmaceutical glassware, whether or not graduated or calibrated glass ampoules.
69-13	Statuettes and other ornaments, and articles of personal adornment, articles of furniture.	70-18	Optical glass and elements of optical glass, other than optically worked elements; blanks for corrective spectacle lenses.
69-14	Other articles	70-19	Glass heads, imitation pearls, imitation precious and semi-precious stones, fragments and chippings and similar fancy or decorative glass smallwares, and articles of glassware made therefrom; glass cubes and small glass plates, whether or not on a backing, for mosaics and similar decorative purposes; artificial eyes of glass, including those for toys but excluding those for wear by humans; ornaments and other fancy articles of lamp-worked glass; glass grains (ballotini).
CHAPTER 70		70-20	Glass fibres (including wool), yarns, fabrics, and articles made therefrom.
<i>Glass and Glassware</i>		70-21	Other articles of glass.
70-01	Waste glass (cullet): glass in the mass (excluding optical glass).		
70-02	Glass of the variety known as "enamel" glass, in the mass, rods and tubes.		
70-03	Glass in balls, rods and tubes, unworked (not being optical glass).		
70-04	Unworked cast or rolled glass (including, flashed or wired glass), whether figured or not, in rectangles.		
70-05	Unworked drawn or blown glass (including flashed glass, in rectangle.		

APPENDIX I-B—*contd.*SCHEDULE 1—*contd.*

1	2	1	2
SECTION XIV		CHAPTER 72	
PEARLS, PRECIOUS AND SEMI-PRECIOUS STONES, PRECIOUS METALS, ROLLED PRECIOUS METALS AND ARTICLES THEREOF; IMITATION JEWELLERY COIN		<i>Coin</i>	
CHAPTER 71		SECTION XV	
<i>Pearls, precious and semi-precious stones, precious metals, rolled precious metals and articles thereof; imitations jewellery</i>		BASE METALS AND ARTICLES OF BASE METALS	
1. Pearls and Precious and semi-precious stones		CHAPTER 73	
71-01	Pearls, unworked or worked, but not mounted, set or strung (except ungraded pearls temporarily strung for convenience of transport).	73-01	Pig iron, cast iron and spiegeleisen, in pigs, blocks, lumps and similar forms.
71-02	Precious and semi-precious stones, unworked, cut or otherwise worked, but not mounted set or strung (except ungraded stones temporarily strung for convenience of transport).	73-02	Ferro-alloys
71-03	Synthetic or reconstructed precious or semi-precious stones, unworked, cut or otherwise worked, but not mounted, set or strung (except ungraded stones temporarily strung for convenience of transport).	73-03	Waste and scrap metal of iron or steel.
71-04	Dust and powder of natural or synthetic precious or semi-precious stones.	73-04	Shot and angular grit, of iron or steel, whether or not graded, wire pellets of iron or steel.
II. Precious metals and rolled precious metals, unwrought, unworked or semi-manufactured.		73-05	Iron or steel powders; sponge iron or steel.
71-05	Silver, including silver gilt and platinum-plated silver, unwrought or semi-manufactured.	73-06	Puddled bars and pillings; ingots, blocks, lumps and similar forms, of iron or steel.
71-06	Rolled silver, unworked or semi-manufactured.	73-07	Blooms, billets, slabs and sheet bars (including tinplate bars), of iron or steel; pieces roughly shaped by forging, of iron or steel.
71-07	Gold, including platinum plated gold, unwrought or semi-manufactured.	73-08	Iron or steel coils for re-rolling.
71-08	Rolled gold on base metal or silver, unworked or semi-manufactured.	73-09	Universal plates of iron or steel.
71-09	Platinum and other metals of the platinum group unwrought or semi-manufactured.	73-10	Bars and rods (including wire rod), of iron or steel, hot rolled, forged, extruded, cold-formed or cold-finished (including precision-made), hollow mining drill steel.
71-10	Rolled platinum or other platinum group metals, on base metal or precious metal, unworked, or semi-manufactured.	73-11	Angles, shapes and sections, of iron or steel, hot rolled, forged, extruded, cold-formed or cold-finished; sheet piling or iron or steel, whether or not drilled, punched or made from assembled elements.
71-11	Goldsmith's, silversmith's and jeweller's sweepings, residues, emels, and other waste and scrap, of precious metal.	73-12	Hoop and strip, of iron or steel, hot rolled or cold-rolled.
III. Jewellery, goldsmith's and silversmith's wares and other articles.		73-13	Sheets and plates, of iron or steel, hot-rolled or cold-rolled
71-12	Articles of jewellery and parts thereof, of precious metal or rolled precious metal.	73-14	Iron or steel wire, whether or not coated, but not insulated.
71-13	Articles of goldsmiths' or silversmiths' wares and parts thereof, of precious metal or rolled precious metal, other than goods falling within heading No. 71-12.	73-15	Alloy steel and high carbon steel in the forms mentioned in heading Nos. 73-06 to 73-14.
71-14	Other articles, of precious metal or rolled precious metals.	73-16	Railway and tramway track construction materials of iron or steel, the following:- rails, check-rails, switch blades, crossings (or frongs) crossing pieces, point rods, rack rails, sleepers, fish-plates, chairs, chair wedges, sole plates (base plates) rail clips, bed-plates, ties and other material specialised for joining or fixing rails.
71-15	Articles consisting of, or incorporating, pearls, precious or semi-precious stones (natural, synthetic or reconstructed).	73-17	Tubes, and pipes, of cast iron.
71-16	Imitation jewellery	73-18	Tubes and pipes and blank thereof, of iron (Other than of cast iron) or steel, excluding high-pressure hydro-electric conduits.
		73-19	High-pressure hydro-electric conduits of steel, whether or not reinforced.
		73-20	Tube and pipe fittings (for example, joints, bows, unions and flanges, of iron or steel).

APPENDIX I-B—*contd.*SCHEDULE 1—*contd.*

1	2	1	2
73·21	Structures and parts of Structure (for example hangers, and other buildings, bridges and bridge sections, lock gates towers, lattice masts, roofs, roofing frame works, door and window frames, shutters, balustrades, pillars and columns), of iron or steel; plates, strip, rods, angles, shapes, section, tubes and the like, prepared for use in structures, of iron or steel.	73·39	Iron or steel wool; not scourers and scouring and polishing pads, gloves and the like, of iron or steel.
73·22	Reservoirs, tanks, vats and similar containers, for any material (other than compressed or liquefied gas), of iron, or steel, of a capacity exceeding 300 litre, whether or not lined or heat-insulated, but not fitted with mechanical or thermal equipment.	73·40	Other articles of iron or steel.
73·23	Casks, drums, cans, boxes and similar containers, of sheet or plate iron or steel, of a description commonly used for the conveyance or packing of goods.	CHAPTER 74	
73·24	Containers of iron or steel, for compressed or liquefied gas.	<i>Copper and articles thereof</i>	
73·25	Stranded wire, cables, cordage, ropes, plaited bands, slings and the like, of iron or steel wire, but excluding insulated electric cables.	74·01	Copper matte; unwrought copper (refined or not); copper waste and scrap.
73·26	Barbed iron or steel wire; twisted hoop or single flat wire, barbed or not; and loosely twisted double wire, of kinds used for fencing, of iron or steel.	74·02	Master alloys.
73·27	Gauze, cloth, grill, netting, fencing reinforcing fabrics and similar materials, of iron or steel wire	74·03	Wrought bars, rods, angles, shapes and sections, of copper; copper wire.
73·28	Expanded metal, of iron or steel.	74·04	Wrought plates, sheets and strip of copper.
73·29	Chain and parts thereof, of iron or steel.	74·05	Copper foil (whether or not embossed, cut to shape, perforated, coated, printed or backed with paper or other reinforcing material) of a thickness (excluding any backing) not exceeding 0·15 mm.
73·30	Anchor and grapnels and parts thereof, of iron or steel	74·06	Copper powders and flakes.
73·31	Nails, tacks staples, hook nails, corrugated nails, spiked cramps, studs, spikes and drawing pins of iron or steel; whether or not with heads of other materials, but not including such articles with heads of copper.	74·07	Tubes and pipes and blanks thereof, of copper; hollow bars of copper.
73·32	Bolts and nuts (including bolts ends and screw studs), whether or not threaded or tapped, and screws (including screw hooks and screw rings) of iron or steel; rivets, cotters, cotter-pins, washers and spring washers, of iron or steel.	74·08	Tubes and pipe fittings (for example, joints, elbows, sockets and flanges), of copper.
73·33	Needles for hand sewing (including embroidery), hand carpet needles and hand knitting needles bodkins, crochet hooks, and the like and embroidery stilettos, of iron or steel.	74·09	Reservoirs, tanks, vats and similar containers, for any material (other than compressed or liquefied gas), of copper, of a capacity exceeding 300 l, whether or not lined or heat-insulated, but not fitted with mechanical or thermal equipment.
73·34	Pins (excluding hatpins and other ornamental pins and drawing pins), hairpins and curling grips of iron or steel.	74·10	Stranded wire, cables, cordage, ropes, plaited bands and the like of copper wire, but excluding insulated electric wires and cables.
73·35	Springs and leaves for spring, of iron or steel,	74·11	Gauze, cloth, grill, netting, fencing, reinforcing fabric and similar materials (including endless bands), of copper wire.
73·36	Stoves (including Stoves with subsidiary boilers for central heating), ranges, cookers, grates fires and other space heaters, gas-rings, plate warmers with burners, wash boilers with grates or other heating elements, and similar equipment, of a kind used for domestic purposes, not electrically operated, and parts thereof, of iron or steel.	74·12	Expanded metal, of copper.
73·37	Boilers excluding boilers of heading No. 84·01 and radiators, for central heating, not electrically heated, and parts thereof, of iron or steel; air heaters and not air distributors (including those which can also distribute cool or conditioned air), not electrically heated, incorporating a motor-driven fan or blower, and parts thereof, of iron or steel.	74·13	Chain and part thereof of copper.
73·38	Articles of a kind commonly used for domestic purposes, sanitary ware for indoor use and parts of such articles and wares, of iron steel,	74·14	Nails, tacks, staples, hook-nails, spiked cramps, studs, spikes and drawing pins, of copper, or of iron or steel with heads of copper.
		74·15	Bolts and nuts (including bolt ends and screw studs), whether or not threaded or tapped, and screws (including screw hooks and screw rings), of copper; rivets, cotters, cotter-pins, washers and spring washers, of copper.
		74·16	Springs, of copper.
		74·17	Cooking and heating apparatus of a kind used, for domestic purposes, not electrically operated and parts thereof; of copper.
		74·18	Other articles of kind commonly used for domestic purposes, sanitary ware for indoor use, and parts of such articles and ware of copper.
		74·19	Other articles of copper.
		CHAPTER 75	
		<i>Nickel and articles thereof</i>	
		75·01	Nickel matters, nickel spies and other intermediate products of nickel metallurgy; unwrought nickel (excluding electro-plating anodes); nickel waste and scrap.

APPENDIX I-B—Contd.

SCHEDULE 1—Contd.

1	2	1	2
75-02	Wrought bars, rods, angles, shapes and sections, of nickel; nickel wire.	CHAPTER 77	
75-03	Wrought plates, sheets and strips, of nickel; nickel foil; nickel powders and flakes.	<i>Magnesium and beryllium and articles thereof</i>	
75-04	Tubes and pipes and blanks thereof, of nickel; hollow bars, and tube and pipe fittings for example, joints, elbows, sockets and flanges), of nickel.	77-01	Unwrought magnesium, magnesium waste (excluding shavings of uniform size) and scrap.
75-05	Electro-plating anodes, of nickel, wrought or unwrought, including those produced by electrolysis.	77-02	Wrought bars, rods, angles, shapes and sections of magnesium; magnesium wire; wrought plates sheets and strip, of magnesium; magnesium foil; raspings and shavings of uniform size powders and flakes, of magnesium; tubes and pipes and blanks thereof, of magnesium hollow bars of magnesium.
75-06	Other articles of nickel.	77-03	Other articles of magnesium.
CHAPTER 76		77-04	Beryllium, unwrought or wrought, and articles thereof.
<i>Aluminium and articles thereof</i>		CHAPTER 78	
76-01	Unwrought aluminium; aluminium waste and scrap.	<i>Lead and articles thereof</i>	
76-02	Wrought bars, rods, angles, shapes and sections of aluminium; aluminium wire.	78-01	Unwrought lead (including argentiferous lead); lead waste and scrap.
76-03	Wrought plates, sheets and strip, of aluminium	78-02	Wrought bars, rods, angles, shapes and sections of lead; lead wire.
76-04	Aluminium foil (whether or not embossed, cut to shape, perforated, coated, printed, or backed with paper or other reinforcing materials), of a thickness (excluding any backing) not exceeding 0.20 mm.	78-03	Wrought plates, sheets and strips of lead
76-05	Aluminium powders and flakes.	78-04	Lead foil (whether or not embossed, cut to shape, perforated, coated, printed, or backed with paper of other reinforcing material, of a weight (excluding any backing) not exceeding 1,700 gms; lead powders and flakes
76-06	Tubes and pipes and blanks thereof, of aluminium; hollow bars of aluminium.	78-05	Tubes and pipes and blanks thereof, of lead; hollow bars, and tube and pipe fittings (for example, joints, elbows, sockets, flanges and S-bends) of lead.
76-07	Tube and pipe fittings (for example, joints, elbows sockets and flanges), of aluminium	78-06	Other articles of lead
76-08	Structures and parts of structures (for example, hangars and other building, bridges and bridge-sections, towers, lattice masts, roofs, roofing frameworks, door and window frames, balustrades, pillars and columns) of aluminium; plates, rods, angles, shapes, sections, tubes and the like, prepared for use in structure of the aluminium.	CHAPTER 79	
76-09	Reservoirs, tanks, vats and similar containers for any material (other than compressed or liquefied gas), of aluminium of a capacity exceeding 300 l, whether or not lined or heat-insulated, but not fitted with mechanical or thermal equipment.	<i>Zinc and articles thereof</i>	
76-10	Casks drums, cans, boxes, and similar containers (including rigid and collapsible tubular containers), of aluminium, of a description commonly used for the conveyance or packing of goods.	79-01	Unwrought zinc; zinc waste and scrap.
76-11	Containers of aluminium, for compressed or liquefied gas.	79-02	Wrought bars, rods, angles, shapes and sections, of zinc, zinc wire.
76-12	Stranded wire, cables, cordage ropes, plaited bands and the like, of aluminium wire but excluding insulated electric wires and cables.	79-03	Wrought plates; sheets and strip, of zinc, zinc foil-zinc powders and flakes
76-13	Gauze, cloth, grill, netting, reinforcing fabric and similar materials of aluminium wire.	79-04	Tubes and pipes and blanks, thereof of zinc, hollow bars, and tube and pipe fittings for example, joints elbows, sockets, and flanges of zinc)
76-14	Expanded metal, of aluminium.	79-05	Gutters, roof capping, skylight frames, and other fabricated building components, of zinc
76-15	Article of a kind commonly used for domestic purposes sanitary ware for indoor use and parts of such articles and ware of aluminium.	79-06	Other articles of zinc
76-16	Other articles of aluminium.	CHAPTER 80	
		<i>Tin and articles thereof</i>	
		80-01	Unwrought tin, tin waste and scrap.
		80-02	Wrought bars, rods, angles, shapes and sections of tin; tin wire.
		80-03	Wrought plates sheets and strips of tin
		80-04	Tin foil (whether or not embossed, cut to shape, perforated, coated, printed or backed with paper or other reinforcing material), of a weight (excluding any backing) not exceeding 1 Kgm. in powders and flakes.

APPENDIX I-B—contd

SCHEDULE I—contd

1	2
80·05	Tubes and pipes and blanks thereof, of tin, hollow bars, and tube and pipe fittings (for example, joints, elbows, sockets and flanges), of tin.
80·06	Other articles of tin

CHAPTER 81

Other base metals employed in metallurgy and articles thereof

81·01	Tungsten (wolfram), unwrought or wrought, and articles thereof.
81·02	Molybdenum, unwrought or wrought, articles thereof.
81·03	Tantalum, unwrought or wrought, and articles thereof.
81·04	Other base metals, unwrought or wrought, and articles thereof; cermets, unwrought or wrought and articles thereof.

CHAPTER 82

Tools, implements, cutlery spoons and forks, of base metals; parts thereof

82·01	Hand tools, the following ; spades, shovels, picks, hoes, forks and rakes; axes, bill hooks and similar hewing tools; scythes, sickles hay knives, grass shears, timber wedges and other tools of a kind used in agriculture, horticulture or forestry.
82·02	Saws (non-mechanical) and blades for hand or machine saws (including toothless saw blades).
82·03	Hand tools, the following pliers (including cutting pliers) pliers, tweezers, tinmen's snips, bolt croppers and the like; perforating punches ; pipe cutters; spanners and wrenches (but not including tap wrenches); files and rasps.
82·04	Hand tools, including glaziers diamonds, not falling within any other heading of this Chapter ; blow lamps anvils; vices and clamps other than accessories for, and parts of machine tools, portable forges grinding wheels with frameworks (hand or pedal operated).
82·05	Interchangeable tools for hand tools, for machine tools or for power-operated hand tools (for example for pressing, stamping, drilling, tapping, threading, boring, broaching, milling, cutting, turning, dressing, morticing or screw driving including dies for wire drawing, extrusion dies for metal, and rock drilling bits).
82·06	Knives and cutting blades, for machines or for mechanical appliances.
82·07	Tool-tips and plates, sticks and the like for tool-tips, unmounted, of sintered metal carbides (for example, carbides of tungsten, molybdenum or vanadium).
82·08	Coffee-mills, mincers, juice-extractors and other mechanical appliances of a weight not exceeding 10 kg. and of a kind used for domestic purposes in the preparation servicing or conditioning of food or drink
82·09	Knives with cutting blades serrated or not (including pruning knives,) other than knives falling within heading No. 82·06.
82·10	Knife blades.
82·11	Razors and razor blades (including razor blade blanks, whether or not inscribed).
82·12	Scissors (including tailors shears) and blades therefor

1	2
82·13	Other articles of cutlery (for example, secateurs, hair clippers, butchers' cleavers, paper knives); manicure and chiropody sets and appliances (including nail files).
82·14	Spoons, forks, fish-eaters, butter-knives, ladles and similar kitchen or tableware.
82·15	Handles of base-metal for articles falling within heading Nos. 82·09, 82·13 or 82·14.

CHAPTER 83

Miscellaneous articles of base metal

83·01	Locks and padlocks (key, combination or electrically operated), and parts thereof; of base metal; frames incorporating locks, for handbags, trunks or the like, and parts of such frames, of base metal; keys for any of the foregoing articles, of base metal.
83·02	Base metal fittings and mountings of a kind suitable for furniture, doors, staircase, windows, blinds, coachwork, saddlery, trunks, caskets and the like (including automatic door closers); base metal hat racks hatpegs, brackets and the like.
83·03	Safes, strong boxes, armoured or reinforced strong-rooms, strong-room linings and strong-room doors, and cash and deed boxes and the like, of base metal.
83·04	Filing cabinets, racks, sorting boxes, paper trays paper rests and similar office equipment, of base metal, other than office furniture falling within heading No. 94·03.
83·05	Fittings or loose-leaf binders, forfiles or for stationery books, of base metal; letter clips, paper clips, staples, indexing tags and similar stationery—goods of the metal.
83·06	Statuettes and other ornaments of a kind used indoors, of base metal.
83·07	Lamps and lightings fittings, of base metal, and parts thereof, of base metal (excluding switches, electric lamp holders, electric lamps for vehicles, electric battery or magneto lamp and other articles falling within Chapter 85 except heading No 85·22)
83·08	Flexible tubing and piping, of base metal.
83·09	Clasps, frames with clasps for handbags, and the like, buckles, buckle, clasps, hooks, eyes, eyelets, and the like, of base metal, of a kind commonly used for clothing travel goods, handbags, or other textile or leather goods; tubular rivets and bifurcated rivets, of base metal.
83·10	Beads and spangles, of base metal.
83·11	Bells and gongs, non-electric, of base metal, and parts thereof of base metal.
83·12	Photograph, picture and similar frames, of base metal; mirrors of base metal.
83·13	Stoppers, crown corks, bottle caps, capsules, bung covers, seals and plembs, case corner protectors and other packing accessories, of base metal.
83·14	Sign-plates, name plates, numbers, letters and other signs, of base metal.
83·15	Wire, rods, tubes, plates, electrodes and similar products, of base metal or of metal carbides, coated or cored with flux material, of a kind used for soldering, brazing, welding deposition of metal or of metal carbides; wire and rods, of agglomerated base metal powder, used for metal spraying.

APPENDIX I-B—*contd.*SCHEDULE 1—*contd.*

1	2	1	2
SECTION 84			
BOILERS, MACHINERY AND MECHANICAL APPLIANCES, PARTS THEREOF, ELECTRICAL EQUIPMENT; PARTS THEREOF			
CHAPTER 84			
<i>Boilers, Machinery and Mechanical Appliances; Parts thereof</i>			
84-01	Steam and other vapour generating boilers (excluding central heating hot water boilers capable also of producing low pressure steam); super-heated water boiler.	84-19	Machinery for cleaning or drying bottles or other containers, machinery for filling, closing, sealing, capsuling or labelling bottles, cans, boxes, bags or other containers; other packing or wrapping machinery; machinery for aerating beverages, dish washing machines.
84-02	Auxiliary plant for use with boilers of heading No. 84-01 (for example, economisers, super-heaters, soot removers, gas recoverers and the like; condensers for vapour engines and power units.	84-20	Weighing machinery (excluding balances of a sensitivity of 5 cg. or better), including weight-operated counting and checking machines; weighing machine weights of all kinds.
84-03	Producer gas and water gas generators, with or without purifiers; acetylene gas generators (water process) and similar gas generators, with or without purifiers.	84-21	Mechanical appliances (whether or not hand operated) or projecting, dispersing or spraying liquids or powders; fire extinguishers (charged or not); spray guns and similar appliances; steam or sand blasting machines and similar jet projecting machine
84-04	Steam engines (including mobile engines, but not steam tractors falling within heading No. 87-01 or mechanically propelled road rollers) with self-contained boilers.	84-22	Lifting, handling, loading or unloading, machinery, trolleys and conveyors (for example, lifts hoists, winches, cranes, transporter cranes, jacks, pulley tackle, belt conveyors and trolleys), not being machinery falling within heading No. 84-23.
84-05	Steam and other vapour power units not incorporating boilers.	84-23	Excavating, levelling, tamping, boring and extracting machinery, stationary or mobile, for earth, minerals or ores for example, mechanical shovels, coal-cutters, excavators, scrapers, levellers and bulldozers; pile-drivers; snow-ploughs not self-propelled (including snow-plough attachments).
84-06	Internal combustion piston engines.	84-24	Agricultural and horticultural machinery for soil preparation or cultivation (for example, ploughs, harrows, cultivators, seed and fertiliser distributors; lawn and sports ground rollers.
84-07	Hydraulic engines and motors (including water wheels and water turbines).	84-25	Harvesting and threshing machinery; straw and fodder presses; hay or grass mowers; winnowing and similar cleaning machines for seed, grain or leguminous vegetables and egg-grading and other grading machines for agricultural produce (other than those of a kind used in the bread grain milling industry falling within heading No. 84-29).
84-08	Other engines and motors.	84-26	Dairy machinery (including milking machines)
84-09	Mechanically propelled road rollers.	84-27	Presses, crushers and other machinery of a kind used in wine-making, cider making, fruit-juice preparation or the like
84-10	Pumps (including motor pumps and turbo-pumps) for liquids, whether or not fitted with measuring devices: liquid elevators of bucket, chain, screw, band and similar kinds.	84-28	Other agricultural, horticultural poultry keeping and bee-keeping machinery; germination plant fitted with mechanical or thermal equipment; poultry incubators and brooders
84-11	Air pumps, vacuum pumps and air or gas compressors (including motor and turbo pumps and compressors and free-piston, generators for gas turbines) fans blowers, and the like.	84-29	Machinery of a kind used in the bread grain milling industry, and other machinery (other than farm type machinery) for the working of cereals or dried leguminous vegetables.
84-12	Air Conditioning machines, self-contained, comprising a motor-driven fan and elements for changing the temperature and humidity of air.	84-30	Machinery, not falling within any other heading of this Chapter, of a kind used in the following food or drink industries; bakery, confectionery, chocolate manufacture, macaroni, ravioli or similar cereal food manufacture, the preparation of meat, fish, fruit or vegetables (including mincing, or slicing machines), sugar manufacture or breeding.
84-13	Furnace burners for liquid fuel (atomisers), for pulverised solid fuel, or for gas; mechanical stokers, mechanical grates, mechanical ash dischargers and similar appliances.	84-31	Machinery for making or finishing cellulosic pulp, paper or paper-board.
84-14	Industrial and laboratory furnaces and ovens, non-electric.	84-32	Book-binding machinery, including book-sewing machines
84-15	Refrigerators and refrigerating equipment (electrical and other).	84-33	Paper or paperboard cutting machines of all kinds other machinery for making up paper pulp, paper or paperboard
84-16	Calendering and similar rolling machines (other than metal-working and metal-rolling machines and glass-working machines) and cylinders therefor.		
84-17	Machinery plant and similar laboratory equipment whether or not electrically heated, for the treatment of materials by a process involving a change of temperature such as heating, cooking, roasting distilling, rectifying, sterilising, pasteurising, steaming, drying, evaporating, vapourising, condensing or colling, not being machinery or plant of a kind used for domestic purposes; instantaneous or storage water heater non-electrical		
84-18	Centrifuges; filtering and purifying machinery and apparatus (other than filter funnels, milk strainers and the like) for liquids or gases.		

APPENDIX 1-B—*contd.*SCHEDULE 1—*contd.*

1	2	1	2
84-34	Machinery, apparatus and accessories for type founding or type-setting; machinery, other than the machine-tools of heading No. 84-45, 84-46, 84-47, for preparing or working printing blocks, plates or cylinders; printing type, impressed flongs and matrices printing blocks, plates and cylinders; blocks, plate, cylinders and lithographic stones, prepared for printing purposes (for example, planed, grained or polished).	84-48	Accessories and parts suitable for use solely or principally with the machines falling within heading Nos. 84-45 to 84-47, including work and tool holders' self-opening dieheads, dividing heads and other appliances for machine-tool holders for any type of tool or machine-tool for working in the hand.
84-35	Other printing machinery; machine for use ancillary to printing.	84-49	Tools for working in the hand, pneumatic with self-contained non-electric motor.
84-36	Machines for extruding man-made textiles machines of a kind used for processing natural or man-made textile fibres; textile spinning and twisting machines; textile doubling, throwing and reeling (including weft-winding) machines.	84-50	Gas-operated welding, brazing, cutting and surface tempering appliances.
84-37	Weaving machines, knitting machines and machines for making gimped yarn, tulle, lace embroidery, trimmings, braid or net; machines for preparing yarns for use on such machines, including warping and warp sizing machines.	84-51	Typewriters, other than typewriters incorporating calculating mechanisms, cheque-writing machines
84-38	Auxiliary machinery for use with machines of heading No. 84-37 (for example, dobbies, jacquards' automatic stop motions and shuttle changing mechanism); parts and accessories suitable for use solely or principally with the machines of the present heading or with machines falling within heading No. 84-36 or 84-37 (for example, spindles and spindle flyers, card clothing, combs, extruding nipples, shuttles, healds and heald-lifters and hosiery needles).	84-52	Calculating machines; accounting machines, cash registers, postage-franking machines, ticket-issuing machines and similar machines incorporating a calculating device.
84-39	Machinery for the manufacture or finishing of felt in the piece or in shapes, including felt-hat making machines and hat-making blocks.	84-53	Automatic data processing machines and units thereof; magnetic or optical readers, machines for transcribing data into data media in coded form and machines for processing such data, not elsewhere specified or included.
84-40	Machinery for washing, cleaning, drying, bleaching, dyeing, dressing finishing or coating textiles yarns, fabrics or made-ups textiles articles (including laundry and dry-cleaning machinery); fabric folding, reeling or cutting machines; machines of a kind used in the manufacture of linoleum or other floor coverings for applying the paste to the base fabric or other floor coverings; machines of a type used for printing a repetitive design, repetitive words or overall colour on textiles, leather, wallpaper, wrapping paper, linoleum or other materials, and engraved or etched plates, blocks, or rollers therefor.	84-54	Other office machines (for example, hectograph or stencil duplicating machines, addressing machines, coin-sorting machines, coin-counting and wrapping machines, pencil-sharpening machines, perforating and stapling machines).
84-41	Sewing machines, furniture specially designed for sewing machines; sewing machine needles.	84-55	Parts and accessories (other than covers, carrying cases and the like) suitable for use solely or principally with machines of a kind falling within heading No. 84-51, 84-52, 84-53 or 84-54.
84-42	Machinery (other than sewing machines) for preparing tanning, or working hides, skins or leather (including boot and shoe machinery).	84-56	Machinery for sorting screening, separating washing, crushing, grinding or mixing earth stone, ores or other mineral substances, in solid (including powder and paste) form, machinery for agglomerating, moulding or shaping solid mineral fuels, ceramic paste, unhardened cements, plastering materials or other mineral products in powder or paste form; machines for forming foundry moulds of sand.
84-43	Converters, ladles, ingot moulds and casting machines of a kind used in metallurgy and in metal foundries.	84-57	Glass-working machines (other than machines for working glass in the cold); machines for assembling electric filament and discharge lamp and electronic and similar tubes and valves.
84-44	Rolling mills and rolls therefor.	84-58	Automatic vending machines (for example stamp, cigarette, chocolate and food machines) not being games of skill or chance.
84-45	Machine-tools for working metal or metal carbides, not being machines falling within heading No. 84-50.	84-59	Machines and mechanical appliances, having individual functions, not falling within any other heading of this chapter
84-46	Machine-tools for working stone, ceramics, concrete, asbestos-cement and like mineral materials or for working glass in the cold, other than machines falling within heading No. 84-49 or 84-50.	84-60	Moulding boxes for metal foundry; moulds of a type used for metal (other than ingot moulds), for metal carbides, for glass, for mineral materials (for example, ceramic pastes, concrete or cement) or for rubber or artificial plastic materials.
84-47	Machine-tools for working wood, cork, bone ebonite (vulcanite) hard artificial plastic materials or other hard carrying materials other than machine falling within heading No. 84-49.	84-61	Taps, cocks, valves and similar appliances, for pipes boiler shells, tanks, vats and the like, including pressure reducing valves and thermostatically controlled valves.
		84-62	Ball, roller or needle roller bearings
		84-63	Transmission shafts, cranks, bearing housings plain shaft bearings, gears and gearing (including ratchet gears and gear-boxes and other variable speed gears), flywheels, (pulleys and pulley blocks, clutches and shaft couplings

APPENDIX LB—contd.

SCHEDULE 1—contd.

1	2	1	2
84-64	Gaskets and similar joints of metal sheeting combined with other material (for example, asbestos, felt and paperboard) or of laminated metal foil; sets or assortments of gaskets and similar joints, dissimilar in composition, for engines, pipes, tubes, and the like, put up in pouches, envelopes or similar packings.	85-14	Microphones and stands therefor; loudspeakers; audio-frequency electric amplifiers.
84-65	Machinery parts, not containing electrical connectors, insulators, coils, contacts or other electrical features and not falling within any other heading in this Chapter.	85-15	Radiotelegraphic and radiotelephonic transmission and reception apparatus, radio-broadcasting and television transmission and reception apparatus (including receivers incorporating sound recorders or reproducers) and television cameras; radio navigational aid apparatus, radar apparatus and radio remote control apparatus.
CHAPTER 85		85-16	Electric traffic control equipment for railways, roads or inland water-ways and equipment used for similar purposes in port installations or upon airfields.
<i>Electrical machinery and equipments parts thereof</i>		85-17	Electric sound or visual signalling apparatus (such as bells, sirens, indicator panels, burglar and fire alarms) other than those of heading No. 85-09 or 85-16.
85-01	Electrical goods of the following descriptions: generators, motors, converters (rotary or static), transformers, rectifiers and rectifying apparatus, inductors.	85-18	Electrical capacitors, fixed or variable.
85-02	Electro-magnets, permanent magnets and articles of special materials for permanent magnets, being blanks of such magnets; electro-magnetic and permanent magnet chucks, clamps, vices and similar work holders; electro-magnetic clutches and couplings; electro-magnetic brakes; electro-magnetic lifting heads.	85-19	Electrical apparatus for making and breaking electrical circuits, for the protection of electrical circuits, or for making connections to or in electrical circuits (for example, switches, relays, fuses, lighting arresters, surge suppressors, plugs, lampholders and junction boxes); resistors, fixed or variable (including potentiometers); other than heating resistors; printed circuits switch boards (other than telephone switchboards) and control panels.
85-03	Primary cells and primary batteries.	85-20	Electrical filament lamps and electric discharge lamps (including infra-red and ultra-violet lamps); arc-lamps; electrically ignited photographic flashbulbs.
85-04	Electric accumulators.	85-21	Thermionic, cold cathode and photo-cathode valves and tubes (including vapour or gas filler valves and tubes, cathode-ray tubes, television camera tubes and mercury arc rectifying valve and tubes); photocells; mounted piezo-electric crystals; diodes, transistors and similar semiconductor devices; electronic microcircuits.
85-05	Tools for working in the hand, with self-contained electric motor.	85-22	Electrical appliances and apparatus, having individual functions, not falling within and other headings of this Chapter.
85-06	Electro-mechanical domestic appliances, with self-contained electric motor.	85-23	Insulated (including enamelled or anodised) electric wire, cable, bars, strips and the like (including co-axial cable), whether or not fitted with connectors.
85-07	Shavers and hair clippers with self-contained electric motor.	85-24	Carbon brushes, arc-lamp carbons, battery carbons, carbon electrodes and other carbon articles of a kind used for electrical purposes.
85-08	Electrical starting and ignition equipment for internal combustion engines (including ignition magnetos, magneto-dynamos, ignition coils; starter motors, sparking plugs and glow plugs); generators (dynamos and alternators) and cut outs for use in conjunction with such engines.	85-25	Insulators of any material.
85-09	Electrical lighting and signalling equipment and electrical windscreen wipers, defrosters and demisters, for cycles or motor vehicles.	85-26	Insulating fittings for electrical machines, appliances of equipment, being fittings wholly or insulating material apart from any minor components of metal incorporated during moulding solely for purposes of assembly, but not including insulators falling within heading No. 85-25.
85-10	Portable electric battery and magneto lamps other than lamps falling within heading No. 85-09.	85-27	Electrical conduit tubing and joints therefor, of base metal lined with insulating material.
85-11	Industrial and laboratory electric furnaces, ovens and induction and dielectric heating equipment; electric welding, brazing and soldering machines and apparatus and similar electric machines and apparatus for cutting.	85-28	Electrical parts of machinery and apparatus, not being goods falling within any of the preceding heading of this Chapter.
85-12	Electric instantaneous or storage water heaters and immersion heaters; electric soil heating apparatus and electric space heating apparatus; electric hair dressing appliances (for example hair dryers, hair curlers, curling tong heaters) and electric smoothing irons; electro-thermic domestic appliances; electric heating resistors, other than those of carbon.		
85-13	Electric line telephonic and telegraphic apparatus (including such apparatus for carrier current line systems).		

APPENDIX I-B—*contd.*SCHEDULE 1—*contd.*

1	2	1	2
SECTION XVII			
VEHICLES, AIRCRAFTS AND PARTS THEREOF; VESSELS AND CERTAIN ASSOCIATED TRANSPORT EQUIPMENT			
CHAPTER 86			
<i>Railway and Tramway Locomotives rolling-stock and parts thereof, Railway and Tramway track fixtures and fittings; traffic signalling equipment of all kinds (not electrically powered)</i>			
86-01	Steam rail locomotives and tenders.	87-06	Parts and accessories of the motor vehicles falling within heading No. 87-01, 87-02 or 87-03
86-02	Electric rail locomotives, battery-operated or powered from an external source of electricity.	87-07	Works trucks, mechanically propelled of the types used in factories, warehouses, dock areas or airports for short distance transport or handling of goods (for example, platform trucks, fork-lift trucks and straddle carriers); tractors of the type used on railway station platforms; parts of the foregoing vehicles.
86-03	Other rail locomotives	87-08	Tanks and other armoured fighting vehicles, motorised whether or not fitted with weapons, and part of such vehicles.
86-04	Mechanically propelled railway and tramway coaches, vans and trucks, and mechanically propelled track inspection trolleys	87-09	Motor-cycles, auto-cycles and cycles fitted with and auxiliary motor, with or without side-cars; side-cars of all kinds.
86-05	Railway and tramway passenger coaches and luggage vans; hospital coaches, prison coaches, testing coaches, travelling post office coaches and other special purpose railway coaches.	87-10	Cycles (including delivery tricycles), not motorised.
86-06	Railway and tramway rolling-stock, the following; workshops, cranes and other service vehicles.	87-11	Invalid carriages, fitted with means of mechanical propulsion (motorised or not).
86-07	Railway and tramway goods vans, goods wagons and trucks.	87-12	Parts and accessories of articles falling within heading Nos. 87-09, 87-10 or 87-11.
86-08	Containers specially designed and equipped for carriage by one or more modes of transport.	87-13	Baby carriages and invalid carriages (other than motorised or otherwise mechanically propelled) and parts thereof.
86-09	Parts of Railway and tramway locomotives and rolling-stock.	87-14	Other vehicles (including trailers), not mechanically propelled, and parts thereof.
86-10	Railway and tramway, track fixtures and fittings; mechanical equipment not electrically powered for signalling to or controlling road, rail or other vehicles, ships or aircraft; parts of the foregoing fixtures, fittings or equipment.	CHAPTER 88	
CHAPTER 87		<i>Aircraft and parts thereof; parachutes; catapults and similar aircraft launching gear; ground flying trainers</i>	
<i>Vehicles other than railway or tramway rolling-stock and parts thereof</i>		88-01	Balloons and airships.
87-01	Tractors (other than those falling within heading No. 87-07) whether or not fitted with power-take-offs; winches or pulleys.	88-02	Flying machines, gliders and kites; parachutes.
87-02	Motor vehicles for the transport of persons, goods or materials (including sports motor vehicles, other than those of heading No. 87-09).	88-03	Parts of goods falling in heading No. 88-01 or 88-02.
87-03	Special purpose motor lorries and vans (such as breakdown lorries, fire-engines, fire-escapes, road sweeper lorries, snow-ploughs, spraying lorries, crane lorries, searchlight lorries, mobile workshops and mobile radiological units) but not including the motor vehicles of heading No. 87-02.	88-04	Parachutes and parts thereof and accessories thereto.
87-04	Chassis fitted with engines, for the motor vehicles falling within heading No. 87-01, 87-02 or 87-03.	88-05	Catapults and similar aircraft launching gear; ground flying trainers; parts of any of the foregoing articles.
87-05	Bodies (including cabs), for the motor vehicles falling within heading No. 87-01, 87-02 or 87-03	CHAPTER 89	
		<i>Ships, boats and floating structures</i>	
		89-01	Ships, boats and other vessels not falling within any of the following headings of this Chapter.
		89-02	Vessels specially designed for towing (tugs) or pushing other vessels.
		89-03	Light-vessels, fire-floats, dredgers of all kinds, floating cranes, and other vessels and navigability of which is subsidiary to their main function, floating docks.
		89-04	Ships, boats and other vessels for breaking up.
		89-05	Floating structures other than vessels far (example, coffer-dams, landing stages, buoys and beacons).

APPENDIX I-B—contd.

SCHEDULE 1—contd.

SECTION XVIII

OPTICAL, PHOTOGRAPHIC, CINEMATOGRAPHIC, MEASURING, CHECKING, PRECISION, MEDICAL AND SURGICAL INSTRUMENTS AND APPARATUS; CLOCKS AND WATCHES; MUSICAL INSTRUMENTS, SOUND RECORDERS AND REPRODUCERS, TELEVISION IMAGE AND SOUND RECORDERS AND REPRODUCERS, MAGNETIC, PARTS THEREOF.

CHAPTER 90

Optical, photographic, cinematographic, measuring, checking, precision, medical and surgical instruments and apparatus; parts thereof

1	2
90-01	Lenses, prisms, mirrors and other optical elements, of any material, unmounted, other than such elements of glass not optically worked; sheets or plates, of polarising material.
90-02	Lenses, prisms, mirrors and other optical elements, of any material, mounted, being parts of or fittings for instruments or apparatus, other than such elements of glass not optically worked.
90-03	Frames and mountings, and parts thereof, for spectacles, pince-nez, lorgnettes, goggles and the like.
90-04	Spectacles, pince-nez, lorgnettes, goggles and the like, corrective protective or other.
90-05	Refracting telescopes (monocular and binocular) prismatic or not.
90-06	Astronomical instruments (for example, reflecting telescopes, transit instruments and equatorial telescopes), and mountings therefor, but not including instruments for radio-astronomy.
90-07	Photographic cameras; photographic flashlight apparatus
90-08	Cinematographic cameras, projectors, sound recorders and sound reproducers; any combination of these articles
90-09	Image projectors (other than cinematographic projectors); photographic (except cinematographic) enlargers and reducers.
90-10	Apparatus and equipment of a kind used in photographic or cinematographic laboratories, not falling within any other heading in this Chapter; photocopying apparatus (whether incorporating an optical system or of the contact type) and thermo-copying apparatus; screens for projectors.
90-11	Microscopes and diffraction apparatus, electron and proton.
90-12	Compound optical microscopes, whether or not provided with means for photographic or projecting the image.
90-13	Optical appliances and instruments (but not including lighting appliances other than searchlights or spotlights), not falling within any other heading of this Chapter.
90-14	Surveying (including photogrammetrical surveying) hydrographic, navigational, meteorological, hydrological and geophysical instruments; compasses range-finders.
90-15	Balances of sensitivity of 5 cg or better, with or without their weights.
90-16	Drawing, marking-out and mathematical calculating instrument, drafting machines pantographs, slide rules, disc calculators and the like; measuring or checking instruments appliances and machines, not falling within any other heading of this Chapter (for example, micrometers, callipers, gauges, measuring rods, balancing machines); profile projectors

1	2
90-17	Medical, dental, surgical and veterinary instruments and appliances (including electro-medical apparatus and ophthalmic instruments).
90-18	Mechano-therapy appliances; massage apparatus; psychological aptitude-testing apparatus; artificial respiration, ozone therapy, oxygen therapy, aerosol therapy or similar apparatus; breathing appliances (including gas masks and similar respirators).
90-19	Orthopaedic appliances, surgical belts, trusses and the like; splints and other fracture appliances; artificial limbs; eyes, teeth and other artificial parts of the body; hearing aids and other appliances which are worn or carried or implanted in the body, to compensate for a defect or disability.
90-20	Apparatus based on the use of X-rays or of the radiations from radio-active substances (including radiography and radiotherapy apparatus); X-ray generators; X-ray tubes; X-ray screens; X-ray high tension generators, X-ray control panels and desks; X-ray examination or treatment tables, chairs and the like.
90-21	Instruments, apparatus or models, designed solely for demonstrational purposes (for example, in education or exhibition), unsuitable for other uses.
90-22	Machines and appliances for testing mechanically the hardness, strength, compressibility, elasticity and the like properties of industrial materials (for example metals, wood, textile, paper or plastics).
90-23	Hydrometers and similar instruments; thermometers, pyrometers, barometers, hygrometers psychrometers, recording or not, any combination of these instruments.
90-24	Instruments and apparatus for measuring, checking or automatically controlling the flow, depth, pressure or other variables of liquids or gases, or for automatically controlling temperature (for example, pressure gauges, thermostats, level gauge, flow meters heat meters, automatic oven-draught regulators, not being articles falling within heading No. 90-14.
90-25	Instruments and apparatus for physical or chemical analysis (such as polarimeters, refractometers spectrometers gas analysis apparatus); instruments and apparatus for measuring or checking viscosity, porosity, expansion, surface tension or the like (such as viscometers porosimeters expansion meters); instruments and apparatus for measuring or checking quantities of heat light or sound such as photometers (including exposure meters) calorimeters; microtomes.
90-26	Gas, liquid and electricity supply or production meters, calibrating meters therefor.
90-27	Revolution counters, production counters, taximeters, mileometers, pedometers and the like speed indicators (including magnetic speed indicators) and tachometers (other than articles falling within heading No. 90-14); stroboscope
90-28	Electrical measuring, checking, analysing or automatically controlling instruments and apparatus

APPENDIX I-B—*contd.*SCHEDULE I—*contd.*

1	2
90-29	Parts or accessories suitable for use solely or principally with one or more of the articles falling within heading No. 90-23, 90-24, 90-26, 90-27 or 90-28.

CHAPTER 91

Clocks and watches and parts thereof

91-01	Pocket-watches wrist-watches, and other watches including stop-watches.
91-02	Clocks with watch movements (excluding clocks of heading No. 91-03).
91-03	Instrument panel clocks and clocks of a similar type for vehicles, aircraft or vessels.
91-04	Other clocks.
91-05	Time of day recording apparatus; apparatus with clock or watch movement (including secondary movement) or with synchronous motor for measuring recording or otherwise indicating intervals of time.
91-06	Time switches with clock or watch movement (including secondary movement) or with synchronous motor.
91-07	Watch movements (including stop-watch movements), assembled.
91-08	Clock movements, assembled.
91-09	Watch cases and parts of watch cases.
91-10	Clock cases and cases of a similar type for other goods of this Chapter, and parts thereof.
91-11	Other clock and watch parts.

CHAPTER 92

Musical Instruments, sound recorders and reproducers, television image and sound recorders and reproducers magnetic; parts and accessories of such articles

92-01	Pianos (including automatic pianos, whether or not with keyboards); harpsichords and other keyboard stringed instruments; harps but not including aeolian harps.
92-02	Other string musical instruments.
92-03	Pipe and reed organs including harmoniums and the like.
92-04	Accordions concertinas and similar musical instruments; mouth organs
92-05	Other wind musical instruments.
92-06	Percussion musical instruments (for example drums xylophones cymbals castanets).
92-07	Electro-magnetic, electrostatic, electronic and similar musical instruments (for example pianos, organs, accordions).
92-08	Musical instruments not falling within any other heading of this Chapter (for example fair-ground organs, mechanical street organs; musical boxes, musical saws); mechanical singing birds; decoy calls and effect of all kinds; mouth-blown sound signalling instruments (for example whistles and boatswains' pipes).

1	2
92-09	Musical instrument strings.
92-10	Parts and accessories of musical instruments (other than strings) including perforated music rolls and mechanisms for musical boxes; metronomes tuning forks and pitch pipes of all kinds.
92-11	Gramophones, dictating machines and other sound records and reproducers including record-players and tape decks with or without sound-heads; television image and sound recorders and reproducers magnetic.
92-12	Gramophone records and other sound or similar recordings; matrices for the production of records prepared record blanks, film for mechanical sound recording prepared tapes wires strips and like articles of a kind commonly used for sound or similar recording.
92-13	Other parts and accessories of apparatus falling within heading No. 92-11.

SECTION XIX

ARMS AND AMMUNITIONS, PARTS THEREOF

CHAPTER 93

Arms and ammunitions; parts thereof

93-01	Side-arms (for example swords cutlasses and bayonets) and parts thereof and scabbards and sheaths therefor.
93-02	Revolvers and pistols, being firearms.
93-03	Artillery weapons, machine-guns, sub-machine-guns and other military firearms and projections (other than revolvers and pistols).
93-04	Other firearms including very light pistols, pistols and revolvers for firing blank ammunition only, line-throwing guns and the like
93-05	Arms of other descriptions including air, spring and similar pistols rifles and guns
93-06	Parts of arms including gun barrel blanks but not including parts of side-arms
93-07	Bombs, grenades, torpedoes, mines guided weapons and missiles and similar ammunitions of war and parts thereof; ammunition and part thereof including cartridge wads, lead shot prepared for ammunition

SECTION XX

MISCELLANEOUS MANUFACTURED ARTICLES

CHAPTER 94

Furniture and parts thereof, bedding mattresses, mattress supports, cushions and similar stuffed furnishings

94-01	Chairs and other seats (other than those falling within heading No. 94-02), whether or not convertible into beds and parts thereof.
94-02	Medical dental surgical or veterinary furniture (for example, operating tables, hospital beds with mechanical fittings); dentists' and similar chairs with mechanical elevating rotating or reclining movements; parts of the foregoing articles.
94-03	Other furniture and parts thereof.

APPENDIX I-B—Contd

SCHEDULE 1 Contd.

1	2	1	2
94-04	Mattress supports articles of bedding or similar furnishing fitted with springs or stuffed or internally fitted with any material or of expanded, foam or sponge rubber or expanded, form or not covered (for example, mattresses, quilts, eiderdowns, cushions, pouffes and pillows)	97-03	Other toys; working models of a kind used for recreational purposes.
CHAPTER 95		97-04	Equipment for parlour, table and funfair games for adults or children (including billiard tables and pin tables and table-tennis requisites).
<i>Articles and manufactures or carving of mounting materials</i>		97-05	Carnival articles; entertainment articles (for example, conjuring tricks and novelty jokes; Christmas trees, decorations and similar articles for Christmas trees, Christmas stockings, imitation yule log, Nativity scenes and figures therefor)
95-01	Worked tortoise-shell and articles of tortoise-shell.	97-06	Appliances, apparatus, accessories and requisites for gymnastics or athletics or for sports and outdoor games (other than articles falling within heading No. 97-04)
95-02	Worked mother of pearl and articles of mother of pearl.	97-07	Fish-hooks, line fishing rods and tackle; fish landing nets and butterfly nets decoy "birds", lark mirrors and similar hunting or shooting requisites
95-03	Worked ivory and articles of ivory.	97-08	Roundabouts, swings, shooting galleries, and other fairground amusements; travelling circuses, travelling menageries and travelling theatres.
95-04	Worked bone (excluding whalebone) and articles of bone (excluding whalebone)	CHAPTER 98	
95-05	Worked horn, coral (natural or agglomerated) and other animal carving material, and articles of horn, coral (natural or agglomerated) or of other animal carving material.	<i>Miscellaneous manufactured articles</i>	
95-06	Worked vegetable carving material (for example, corozo) and articles of vegetable carving material.	98-01	Buttons and button moulds, studs, cuff-links, and press-fasteners including snap-fasteners and press-studs; blanks and parts of such articles.
95-07	Worked jet (and mineral substitutes for jet), amber, meerschaum, agglomerated amber and agglomerated meerschaum, and articles of those substances.	98-02	Slide fasteners and parts thereof
95-08	Moulded or carved articles of wax, of sterlin, of natural gums or natural resins (for example, copal or resin) or of modelling pastes, and other moulded or carved articles not elsewhere specified or included; worked) unhardened gelatin (except gelatin falling within heading No. 35-03) and articles of unhardened gelatin.	98-03	Fountain pens, stylograph pens and pencils (including ball point pens and pencils) and other pens, pen-holders, pencil-holders and similar holders, propelling pencils and sliding pencils; parts and fittings thereof other than those falling within heading No. 89-04 or 98-05).
CHAPTER 96		98-04	Pen nibs and nib points.
<i>Brooms, brushes, feather dusters, powder-puffs and sieves</i>		98-05	Pencils (other than pencils of heading No. 98-03) pencil leads, slate pencils, crayons and pastels drawing charcoals and writing and drawing chalks, tailors and billiards chalks.
96-01	Brooms and brushes, consisting of twigs or other vegetable materials merely bound together and not mounted in a head (for example, besomes and whisks), with or without handles	98-06	Slates and boards with writing or drawing surfaces, whether frames or not
96-02	Other brooms and brushes (including brushes of a kind used as parts of machines); paint rollers; squeegees (other than roller squeegees) and mops.	98-07	Date sealing or numbering stamps and the like (including devices for printing or embossing labels) designed for operating in the hand; hand-operated composing sticks and hand printing sets incorporating such composing sticks.
96-03	Prepared knots and tufts for broom or brush making.	98-08	Typewriter and similar ribbons whether or not on spools; ink-pads with or without boxes.
96-04	Feather dusters	98-09	Sealing wax (including bottle-sealing wax) in sticks cakes or similar forms; conying pastes with a basis of gelatin, whether or not on a paper or textile backing
96-05	Powder-puffs and pads for applying cosmetics or toiler preparations, of any material.	98-10	Mechanical lighters and similar lighters including chemical and electrical lighters and parts thereof excluding fints and wicks
96-06	Hand sieve and hands riddles, of any material.	98-11	Smoking pipe; pipes bowls stems and other parts of smoking pipes (including roughly shaped blocks of wood or root); cigar and cigarette holders and parts thereof
CHAPTER 97			
<i>Toys games and parts requisites: parts thereof</i>			
97-01	Wheeled toys designed to be ridden by children (for example toy bicycles and tricycles and pedal motor cars); dolls' prams and dolls' push chairs.		
97-02	Dolls.		

APPENDIX I-B—*contd.*SCHEDULE I—*concl'd.*

1	2	1	2
98-12	Combs, hair dials and the like		ing within heading No. 49-06 and other than hand-painted or hand-decorated manufactured articles)
98-13	Corset husks and similar supports for articles of apparel or clothing accessories		
98-14	Scant and similar series of all kind used for toilet purposes and mouths and heads therefor.	99-02	Original engravings, prints and lithographs.
98-15	Vacuum flasks and other vacuum vessels complete with cases; parts thereof, other than glass inner.	99-03	Original sculptures and statuary in any material.
98-16	Tailor's dummies and other toy figures; automata and other animated displays of a kind used for shop window dressing	99-04	Postage, revenue and similar stamps (including stamp-postmarks and franked envelopes, letter-cards and the like) used or if unused not of current or new issue in the country to which they are destined.
SECTION XXI			
WORKS OF ART, COLLECTORS' PIECES AND ANTIQUES			
CHAPTER 99			
<i>Works of Art Collectors' pieces and antiques</i>			
99-01	Printings, drawings and pastels executed entirely by hand (other than industrial drawings fall-	99-05	Collections and collectors' pieces of zoological botanical, mineralogical, anatomical historical archaeological, paleontological, ethnographical or numismatic interest
		99-06	Antiques of an age exceeding one hundred years

APPENDIX I-B—*Contd*

SCHEDULE-II

(See clause 3)

OFFICERS COMPETENT TO GRANT IMPORT LICENCES

1	2	3	1	2	3
1. The Chief Controller of Imports and Exports.		For any goods covered by Schedule I.	9. Asstt. Chief Controller of Imports & Exports/Controller of Imports and Exports New Kandla (in so far as Kandla Free Trade Zone is concerned).		For any goods Covered by Schedule I
2. Additional Chief Controller of Imports & Exports.		Do.	10. Deputy Development Commissioner (Development) Santa Cruz Bombay (in so far as the Santa Cruz Electronics Export Processing Zone and the suppliers of goods from Domestic Tariff Area (DTA) for claiming of import replenishment licence under the import policy for registered exporters against such supplies are concerned).		Do.
3. Export Commissioner.		Do.			
4. A Joint Chief Controller of Imports and Exports.		Do.			
5. A Deputy Chief Controller of Imports and Exports.		Do.			
6. An Asstt. Chief Controller of Imports & Exports.		Do.	11. Assistant Development Commissioner (Imports and Exports) Santa Cruz Bombay (in so far as the Santa Cruz Electronics Export Processing Zone and the suppliers of goods from Domestic Tariff Area (DTA) for claiming of import replenishment licences under the Import Policy for registered exporters against such supplies are concerned)		Do.
7. A Controller of Imports and Exports.		Do.			
8. Any officer authorised by the Central Government for any goods as described in Schedule I.		Do.			

APPENDIX I-B (Contd.)

SCHEDULE III

(See Clause 4)

The following fees shall be leviable in respect of the application for an import licence.

Serial No.	Particulars	Amount of Fee
(1)	(2)	(3)
1.	Where the value of goods specified in application does not exceed Rs. 50,000	Rs. 50.
2.	Where the value of the goods specified in the application exceeds Rs. 50,000 but does not exceed Rs. one crore	Rupee one per thousand or part thereof.
3.	Where the value of the goods specified in the application exceeds Rs. one crore	Rupee one per thousand upto Rs. one crore and 50 paise per additional thousand or part thereof, subject to a maximum of Rs. 25,000/-.

Provided that—

(1) The amount of fee payable shall be Rs. 50/- in respect of an application for import licence by a small scale actual user or a registered exporter, for the import of raw materials, components and spares where the value of the goods specified in the application does not exceed rupees one lakh.

(2) The amount of fees payable shall be Rs. 25/- irrespective of the value of the goods specified in the application in respect of—

- (i) an application for the grant of subsidiary licence; or
- (ii) an application for the grant of duplicate licence; or
- (iii) an application for the grant of split-up licence.

(3) Irrespective of the value of goods specified in the application, the amount of fees payable for appeal/review applications shall be as under—

- (i) First appeal Nil
- (ii) Second appeal Rs. 50/-
- (iii) Review/Revision Rs. 100/-

(4) The amount of fees payable shall be Rs. 50/- in respect of an application for extension of the period of shipment of an import licence irrespective of the value of the licence.

(5) The amount of fees payable shall be Rs. 500/- in respect of an application for import of a Vehicle including Scooter, Auto Cycle/Motor Cycle/Mopeds, irrespective of the Value of goods specified in the application.

Provided further that no fees shall be payable in respect of—

- (a) an application for an import licence for any goods (other than a vehicle) if the import of the goods is required by an individual for his own personal use unconnected with trade or manufacture; or
- (b) an application for an import licence from a newspaper establishment for newsprint for a value covering a quantity of not more than 40 tonnes.

For the purpose of collection of fees, the following instructions are for general information

- (i) The fee should be credited under the Head 'Import licence application fees, subordinate to the major Head '097—Foreign Trade and Export Promotion';
- (ii) Fee should be deposited in any one of the branches of Central Bank of India, which have been authorised to receive ITC deposits;
- (iii) If the applicant is located in a place which does not have a branch of Central Bank of India authorised to receive ITC deposits, the facility of remittance of application fees and other ITC deposits through a bank draft will be available.
- (iv) No application will be entertained which is not accompanied by such proof of payment of the fee prescribed under this order.

APPENDIX I-B—contd.

SCHEDULE IV

(See Clause 12)

1 Notification No. 23 ITC/43, dated the 1st July, 1943, issued by the late Department of Commerce as amended

2 Notification No. 2-ITC/48, dated 6th March, 1948 issued by the late Ministry of Commerce

3 Notification No. 4-ITC/48, dated 1st May, 1948, issued by the late Ministry of Commerce.

4 Notification No. 51-ITC/50, dated 15th November, 1950 issued by the late Ministry of Commerce

5 Order No. 4/55 dated 30th June, 1955 issued by the Ministry of Commerce and Industry.

(See Clause 5)

--	--	--	--

APPENDIX I-B—*contd.*

2. Importer's Code

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

3. Serial of the import licence with prefixes and suffixes

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

Date of issue of the licence

Day

Month

Year

--	--	--	--	--	--

5. Value of the licence (Rs.)

--	--	--	--	--	--	--	--

6. Description of goods

Utilisation during the half year.

A. Customs Copy

7. Date of import

Day

Month

Year

--	--	--	--	--	--

8. Value utilised (Rs.)

--	--	--	--	--	--	--	--

9. Port of clearance

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

10. Balance value utilized in the Customs Copy of the licence at the end of the half year under report (Rs.)

--	--	--	--	--	--

--	--	--	--	--

B. Foreign Exchange Remittances

*11. Details of remittances made against the licence during the half year under report (Rs.)

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

**12. Un-utilised balance in the Exchange Control Copy of the licence during the end of the half year under report (Rs.)

--	--	--	--	--	--	--

--	--	--

APPENDIX I-B—*concl'd***C. Orders placed**

13. Value of orders placed during the half year (Rs)

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

14. Balance value (Rs)

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

D. Letters of Credit Opened

15. Date

Day

Month

Year

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

16. Value of the letters of credit opened (Rs.)

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

17. Balance value (Rs.)

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

18. Date of expiry of the validity period of the licence (including the period of revalidation, if any)

Day

Month

Year

Date of expiry

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

Month

Year

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

Period of revalidation

Note : Please insert only one alphabet or one numeral or one punctuation mark in one box, e.g. Director of Statistics, Office of the Chief Controller of Imports and Exports, Udyog Bhavan, New Delhi—110-011 will be inserted as follow

D	I	R	E	C	T	O	R	O	F	S	T	A	T	I	S	T	I	C	S
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

O	F	F	I	C	E	O	F	T	H	E	C	H	I	E	F	C	O	N	T	R	O	L	L	E	R
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

O	F	I	M	P	O	R	T	S	A	N	D	E	X	P	O	R	T	S
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

N	E	W	D	E	L	H	I	—	1	1	0	0	1	1
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

*For example for the return for the half year ending 28-2-85 please insert as follows:—

Day			Month		Year
2	8	0	2	8	5

*Please indicate only the value of remittances actually made value of Letters of Credit Opened should not be mentioned against this column;

**The value balance un-utilised after actual remittances must be mentioned against this column.

APPENDIX I-C

EXPORTS (CONTROL) ORDER, 1977

GOVERNMENT OF INDIA

MINISTRY OF COMMERCE

ORDER

EXPORT TRADE CONTROL (No. 1/77-ETC)

New Delhi, the 24th March 1977

S.O. 254(E) :—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby makes the following Order, namely :—

1. *Short title and commencement* :—(1) This Order may be called the Exports (Control) Order, 1977.

(2) It shall come into force on 1st April, 1977.

2. *Definitions* :—In this Order, unless the context otherwise requires :—

(a) "Act" means the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947);

(b) "Chief Controller of Imports and Exports" includes Additional Chief Controller of Imports and Exports, Export Commissioner in the office of the Chief Controller of Imports and Exports, a Joint Chief Controller of Imports and Exports, a Deputy Chief Controller of Imports & Exports, Assistant Chief Controller of Imports and Exports and Controller of Imports and Exports;

(c) "Collector of Customs" has the same meaning as assigned to it in the Customs Act, 1962 (52 of 1962);

(d) "Licence" includes :—

(i) a licensing endorsement made on a Shipping Bill under this Order;

(ii) a quota for the export of goods allocated under this Order, whether such allocation is made by a licensing authority or by any agency authorised by the licensing authority in this behalf;

(e) "Licensee" means a person to whom a Licence is granted under this Order;

(f) "Licensing Authority" means an authority competent to grant a licence under this Order;

(g) "Schedule" means a schedule to this Order;

(h) "Value" has the same meaning as in sub-section (1) of Section 14 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962).

3. *Restriction on export of certain goods* :—(1) Save as otherwise provided in this Order, no person shall export any goods of the description specified in Schedule I, except under and in accordance with a licence granted by the Central Government or by an officer specified in Schedule II.

(2) Notwithstanding anything contained in sub-clauses (1) and (2), goods specified in Schedule III may be exported on fulfilment of the terms and conditions specified therein.

(3) If in any case, it is found that the value, sort, specification, quality and description of the goods to be exported are not in conformity with the declaration of the exporter in those respects or the quality and specification of such goods are not in accordance with the terms of the export contract, the export of such goods shall be deemed to be prohibited.

4. *Conditions of licence* :—(1) A licence granted under the Order may contain such conditions, not inconsistent with

the Act or this Order, as the licensing authority may deem fit.

(2) It shall be deemed to be a condition of every licence that—

(a) no person shall transfer and no person shall acquire by transfer any licence issued by the licensing authority except under and in accordance with the written permission of the authority which granted the licence or of any other person empowered in this behalf by such authority;

(b) the goods for the export of which the licence is granted shall be the property of the licensee at the time of the export.

(3) The licensee shall comply with all conditions imposed or deemed to be imposed under this clause.

(5) *Refusal of licence* :—The licensing authority may refuse to grant a licence—

(a) if the application for the licence does not conform to any provision of this Order;

(b) if such application contains any false, or fraudulent or misleading statement;

(c) if the applicant uses in support of the application any document which is false or fabricated or which has been tampered with;

(d) if the licensing authority considers that the grant of the licence will not be in the interest of the country;

(e) if the activities of the applicant are prejudicial to the interest of the State;

(f) if the applicant has, on any occasion committed breach of any law (including any rule, order or regulation) relating to customs or foreign exchange;

(g) if the applicant on any occasion has tampered with an export licence or has exported goods without a licence, or has been a party to any corrupt or fraudulent practice in his commercial dealings or in obtaining any licence or is found to have solicited licences by offering an inducement to the holder of the licence or otherwise;

(h) if any agent or employee of the applicant has been a party to any corrupt or fraudulent practice in obtaining the licence for the applicant;

(i) if the application for an export licence is defective and does not conform to the prescribed rules;

(j) if the applicant contravenes or attempts to contravene or abets the contravention of any order made or deemed to have been made under the Act or any condition of licence granted under any such order or commits a breach of the Export Trade Control Regulations;

(k) if the applicant is not eligible for a licence in accordance with the Export Control Regulations;

(l) If the licensing authority decides to canalise export through special or specialized agencies or channels;

APPENDIX I-C (contd.)

- (m) if the applicant is a partner in a partnership firm, a whole time director or managing director of a private limited company which is for the time being subject to any action under clause 7 or clause 8 or clause 9;
- (n) if the applicant is for the time being subject to any action under clause 7 or clause 8 or clause 9;
- (o) if the applicant is a partnership firm or a private limited company, any partner or managing whole time director or managing director whereof, as the case may be, is for the time being subject to any action under clause 7 or clause 8 or clause 9;
- (p) if any amount demanded from the applicant under the Customs Act, 1962, or any penalty imposed on him under the said Act has remained unpaid for a period of three months;
- (q) if the applicant fails to produce any document that is called for by the Chief Controller of Imports and Exports or the Licensing authority, and
- (r) if the applicant fails to pay any penalty finally imposed on him under the Act.

6. *Amendment of Licence:*—The Licensing authority may, on its own motion or on application by the licensee, amend any licence granted under this Order in such manner as may be necessary to make such licence conform to the provisions of the Act or this Order or any other law for the time being in force or to rectify any errors or omissions in the licence:

Provided that the licensing authority may on request by the licensee amend the licence in any manner consonant with the Export Trade Control Regulations.

7. *Power to debar from receiving licences or exporting goods:*—(1) The Central Government or the Chief Controller of Imports and Exports may debar a licensee or exporter or any other person from all or any of the following i.e. receiving licences or from exporting any goods and direct without prejudice to any other action that may be taken in this behalf, that no licence shall be granted to him or no permission shall be granted to him for exporting any goods, for a specified period under this Order—

- (a) if his application for licence is at any time found to be not in conformity with any provisions of this Order; or
- (b) if such application is found to contain any false, fraudulent or misleading statement; or
- (c) if he is found to have used in support of his application any document which is false or fabricated or which has been tampered with; or
- (d) if he has, on any occasion, tampered with an export licence or has exported goods without a licence or has been a party to any corrupt or fraudulent practice in his commercial dealings or in obtaining a licence, or in exporting any goods, or is found to have solicited any licence by effecting an inducement to the holder of the licence or otherwise; or
- (e) if his agent or employee has been a party to any corrupt or fraudulent practice in obtaining any licence or in exporting any goods, on his behalf; or
- (f) if he fails to comply with or contravenes or attempts to contravene or abets the contravention of any conditions embodied in or accompanying a licence or an application for licence; or
- (g) if he commits a breach of any law (including any rule, order or regulation) relating to customs or the import and export of goods or foreign exchange; or
- (h) if he fails to produce any document that is called for by the Chief Controller of Imports and Exports or any other licensing authority, or

- (i) if he commits a wilful breach of the export contract entered into between him and the other party

NOTES—In this clause, the expression "Application for licence" includes any application made under the Export Trade Control Regulations.

(2) The Central Government or the Chief Controller of Imports and Exports may by special order in writing,—

(a) debar—

- (i) a person in respect of whom an order of detention has been made under the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) (hereinafter referred to as the 1974-Act), or
- (ii) a partnership firm or a private limited company of which such person is a partner or a whole time director or managing director as the case may be, from receiving licences or from exporting any goods; and
- (b) without prejudice to any other action that may be taken against such person, partnership firm or company, direct that no licence or permission for exporting any goods shall be granted to such person partnership firm or company,

for such period as may be specified in such special order. Provided that such special order shall cease to have effect in respect of such person, or as the case may be, partnership firm or company of which such person is a partner or a whole time director or managing director, when the order of detention made against such person,—

- (i) bring an order of detention to which the provisions of section 9 or section 12A of the 1974-Act do not apply has been revoked on the report of the Advisory Board under section 8 of that Act or before a receipt of the report of the Advisory Board or before making a reference to the Advisory Board; or
- (ii) bring an order of detention to which the provisions of section 9 of the 1974-Act apply has been revoked before the expiry of the time for, or on the basis of the review under sub-section (3) of section 9, or on the report of the Advisory Board under section 8, read with sub-section (2) of section 9, of that Act; or
- (iii) being an order of detention to which the provisions of section 12A of the 1974-Act apply has been revoked before the expiry of the time for, or on the basis of, the first review under sub-section (3) of that section, or on the basis of the report of the Advisory Board under section 8, read with sub-section (6) of Section 12A, of that Act; or
- (iv) has been set aside by a court of competent jurisdiction.

(3) The Central Government or the Chief Controller of Imports and Exports may debar a licensee or exporter or any other person from receiving licences or from exporting any goods and direct, without prejudice to any other action that may be taken against such person in this behalf, that no licence shall be granted to such person or no permission shall be granted to such person for exporting any goods for a specified period under this order if in the opinion of the Central Government or the Chief Controller of Imports and Exports—

- (a) such licensee, exporter or other person; or
- (b) where such licence, exporter or other person is a partnership firm or a limited company any partner or whole time director or managing director thereof, as the case may be or
- (c) where such licence, importer or other person is a partner in a partnership firm or a whole time director or managing director of a limited company, such

APPENDIX I-C (contd.)

partnership firm or limited company, as the case may be,

has —

- (i) failed, without sufficient cause, to utilise or to utilise fully, any export licence granted or all allotment of quota made to such licensee, exporter or other person or such partner or whole time director or managing director of such partnership firm or limited company, as the case may be; or
- (ii) committed any act referred to in paragraph (i) of sub-clause (3) of clause 8 of the Imports (Control) Order, 1955.

8. *Power to suspend grant of licences or permission to export goods* :—The Central Government or the Chief Controller of Imports and Exports may suspend the grant of licences or permission to export goods to a licensee or exporter or any other person, pending investigation into one or more of the allegations mentioned in clause 7 without prejudice to any other action that may be taken in this behalf;

Provided that grant of a licence and permission to export goods shall not ordinarily be suspended under this clause for a period exceeding twelve months;

Provided further that on the withdrawal of such suspension, a licence may be granted to him for the period of suspension subject to such conditions, restrictions or limitations as may be decided by the authority aforesaid keeping in view of the relevant economic factors.

9. *Power to keep in abeyance applications for licences for exporting goods* :—Where any investigation into any of the allegations mentioned in clause 7 is pending against a licensee or exporter or any other person and the Central Government or the Chief Controller of Imports and Exports is satisfied that without ascertaining further details in regard to such allegation, the grant of licence or permission to export goods will not be in the public interest then, notwithstanding anything contained in this order, the Central Government or the Chief Controller of Imports and Exports may keep in abeyance any application for grant of licence, or permission to export goods of such person without assigning any reason and without prejudice to any other action that may be taken in this behalf;

Provided that the period for which the grant of such licence or permission to export goods is kept in abeyance under this clause shall not ordinarily exceed six months.

10. *Publicity of action taken under clause 7 or 8* :—(1) If the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient in the public interest to publish the name of any person or class of persons and other relevant particulars against whom action under clause 7 or 8 is taken, it may publish or cause to be published the name of such person or class of persons and such particulars in such manner as it thinks fit.

(2) No publication under sub-clause (1) shall be made in relation to any such action until the time of presenting an appeal, if any, to the appellate authority has expired without an appeal having been presented or, the appeal, if presented, has been disposed of.

Explanation :—In the case of a firm, company or other association of persons the names of the partners of the firm, directors, managing agents, secretaries and treasurers or manager of the company, or the members of the association as the case may be, may also be published if, in the opinion of the Central Government the circumstances of the case justify it.

11. *Cancellation of licences* :—The Central Government or the Chief Controller of Imports and Exports or any other officer authorised in this behalf may cancel any licence granted under this Order or otherwise render it ineffective :—

- (a) if the licence has been granted through inadvertence or mistake, or has been obtained by fraud or misrepresentation;

- (b) if the licence has been granted contrary to rules or the provisions of this Order;
- (c) if the licensee has committed a breach of any of the conditions of a licence;
- (d) if the Central Government or such officer is satisfied that the licence will not serve the purpose for which it has been granted;
- (e) if the licensee has committed a breach of any law relating to customs or the rules and regulations relating to the regulation of foreign exchange.

Provided that notwithstanding any thing contained in this Order, the Central Government or the Chief Controller of Imports and Exports or any other officer authorised in this behalf may, if satisfied that it is expedient so to do in the public interest cancel any licence or render it ineffective without assigning any reason.

(2) The Central Government or the Chief Controller of Imports and Exports or any other officer authorised in this behalf may, if satisfied that it is expedient so to do in the licence granted under this Order to —

- (a) a person, if an order of detention has been made under the 1974-Act in respect of such person; or
- (b) a partnership firm or a private limited company of which such person is a partner or a whole time director or managing director, as the case may be;

Provided that such special order shall cease to have effect in respect of such person, or, as the case may be, partnership firm or company of which such person is a partner or a whole time director or managing director, when the order of detention made against such person —

- (i) being an order of detention to which the provisions of section 9 or section 12A of the 1974-Act do not apply has been revoked on the report of the Advisory Board under section 8 of that Act or before a receipt of the report of the Advisory Board or before making a reference to the Advisory Board; or
- (ii) being an order of detention to which the provisions of section 9 of the 1974-Act apply has been revoked before the expiry of the time for or on the basis of the review under sub-section (3) of section 9, or on the report of Advisory Board under section 8, read with sub-section (2) of section 9, of that Act;
- (iii) being an order of detention to which the provisions of section 12A of the 1974-Act apply has been revised before the expiry of the time for, or on the basis of the first review under sub-section (3) of that section, or on the basis of the report of the Advisory Board under section 8, read with sub-section (6) of section 12A, of that Act; or
- (iv) has been set aside by a court of competent jurisdiction.

12. *Licensee, etc. to be given opportunity of being heard* :—

(1) No action shall be taken under clause 6 or sub-clause (1) or under sub-clause (3) of clause 7 or clause 8 or sub-clause (1) of clause 11 against a licensee or exporter or any other person unless he has been given a reasonable opportunity of being heard.

(2) Where any person is aggrieved by any action taken under clause 7 or clause 8 or sub-clause (1) of clause 11 save in a case where the cancellation has been ordered under the proviso thereto he may prefer an appeal against such action to such authority, as the Central Government may by notification in the Official Gazette, constitute for the purpose of hearing appeals, within thirty days from the date of the communication of the action taken.

13. *Declaration as to value, sort, quality, etc. of exported goods* :—On the exportation from any Customs port of any goods whether liable to duty or not, the owner or exporter of such goods shall, in the shipping bill, or other relevant

APPENDIX I-C (contd.)

documents state the value, sort, specification quality and description of such goods to the best of his knowledge and belief and certify that the quality and specification of the goods as stated in those documents, are in accordance with the terms of the export contract entered into with the buyer or consignee in pursuance of which the goods are being exported and shall subscribe to a declaration to the truth of such statements at the foot of such shipping Bill or other documents.

14. *Prohibition regarding making, signing etc. of any declaration, statement or documents* :—(1) No person shall make, sign or use or cause to be made, signed or used any declaration, statement or document in obtaining a licence, or in exporting any goods knowing or having reason to believe that such declaration, statement or document is false in any material particular.

(2) No person shall employ any corrupt or fraudulent practice in obtaining any licence or in exporting any goods.

14A. *Powers of revision of the Chief Controller or Additional Chief Controller* :—The Chief Controller or Additional Chief Controller may, on his own motion or otherwise, call for and examine the records of any proceedings in which an action to debar under sub-clause (1) or sub-clause (3) of clause 7, or to cancel a licence under sub-clause (1) of clause 11, has been initiated or completed (whatever the result may be) has been taken by any officer subordinate to him and against which no appeal has been preferred, for the purpose of satisfying himself as to the correctness legality or propriety of such action and pass such orders thereon as he may think fit;

Provided that no action shall be varied under this sub-clause so as to prejudicially affect any person unless such person—

- (a) has, within a period of two years from the date of such action received a notice to show cause why such action shall not be varied; and
- (b) has been given a reasonable opportunity of making representation and, if he so desires of being heard, in his defence.

15. *Savings* :—Nothing in this order shall apply to—

- (a) any goods exported by or under the authority of the Central Government;
- (b) any goods covered by executive instructions issued by the Chief Controller of Imports and Exports;
- (c) any goods other than food-stuffs, constituting the stores or equipment of any outgoing vessel or conveyance;

- (d) any goods constituting the *bona fide* personal baggage of any person (including a passenger or member of a crew in any outgoing vessel or conveyance) going out of India;

Provided that the wild life (dead or alive or part thereof or produce therefrom) specified in Part A of Schedule I shall not be treated as constituting such personal baggage

- (e) any goods exported by post or by air under the conditions specified in Postal Notice issued by the postal authorities;
- (f) any goods transhipped at a port in India after having been manifested for such transshipment at the time of despatch from a port outside India;
- (g) any goods imported and bonded on arrival in India for re-export to any country outside India, except Nepal and Bhutan;
- (h) any goods in transit through India by post, or any goods re-directed by post to a destination outside India except Nepal and Bhutan, provided that such goods while in India are always in the custody of the postal authorities;
- (i) any goods imported without a valid import licence and exported in accordance with an order for the export of such goods made by an officer of Customs authorised in this behalf;
- (j) Products manufactured in and exported from the respective Free Trade Zones;
- (k) Export of Blood Group O (Bombay Phenotype) meant for scientific research or emergency medical treatment as life saving measure on humanitarian grounds by the Director, National Blood Group Reference Laboratory Bombay on the basis of a specific certificate issued by him to this effect in each case

16. *Repeal* :—The Export (Control) Order, 1968 published with the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce and Industry under S.O. 927 dated the 8th March, 1968 as amended from time to time is hereby repealed :

Provided that anything done or any action taken including any appointment made or licence issued under any of the provisions of the above Order or Notification shall be deemed to have been done or taken under the corresponding provisions of this Order.

NOTE :—Schedules I to III forming part of Export (control) Order 1977 have not been re-produced. These appear in Import-Export Policy, 1985-88 (Vol. II)

APPENDIX I-D

BAGGAGE RULES 1978
(As amended)
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF FINANCE
DEPARTMENT OF REVENUE
New Delhi, the 16th May 1978
26th Vaisakha, 1900 (Saka)
NOTIFICATION

CUSTOMS

G.S.R. No. 290(E) :—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 79 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), and in supersession of the Baggage Rules, 1970 and the Ceylon Baggage Rules 1930 the Central Government hereby makes the following rules, for importing free of duty, baggage of passengers (other than tourists) who arrive from any country other than Nepal, namely :—

1. Short Title, Commencement :—

- (1) These rules may be called the Baggage Rules, 1978.
- (2) They shall come into force at once.

2. Used Personal Effects :—The used articles of personal wear (excluding jewellery but including not more than one wrist-watch) of value not exceeding five hundred rupees (and articles in personal use of passengers for satisfying daily necessities of life may be passed free of duty).

3. General Free Allowance :—In addition to the articles specified in rule 2 and subject to the provisions of rule 9 a passenger of and above the age of 12 years, may also be allowed to import free of duty articles.

- (a) up to a value of three hundred rupees in the case of a passenger arriving from Sri Lanka or Maldives, and
- (b) up to a value of one thousand two hundred fifty rupees, in the case of a passenger arriving from a country other than Sri Lanka or Maldives or Nepal, if the proper officer is satisfied that such articles are for the use of the passenger or his family or for making gifts or souvenirs :
 - (i) a passenger below twelve years of age may be allowed to import free of duty article—
 - (a) up to a value of seventy-five rupees, in the case of a passenger arriving from Sri Lanka or Maldives, and
 - (b) up to a value of three hundred rupees, in the case of a passenger arriving from a country other than Sri Lanka or Maldives or Nepal;
 - (ii) in the case of an air passenger who travels on a free or concessional ticket and returns to India after staying outside India in Sri Lanka or Maldives or both, for less than ten days, articles up to a value of thirty rupees in the case of such adult passenger and seven rupees fifty paise in the case of such passenger below eighteen years of age may only be allowed to be imported free of duty for each day's stay outside India; and
 - (iii) in the case of an air passenger who travels on a free or concessional ticket and returns to India after staying outside India in a country other than Sri Lanka or Maldives or Nepal, for less than ten days, articles up to a value of one hun-

dred and twenty-five rupees in the case of such adult passenger and thirty rupees in the case of such passenger below eighteen years of age, may only be allowed to be imported free of duty for each day's stay outside India.

EXPLANATION :—For the purposes of this proviso "concessional ticket" means a ticket issued on after allowing a concession of seventy-five percent or more.

4. Additional Allowance for used Household Articles :—In the case of a passenger who was engaged in his profession abroad for over three months articles, actually used for running his household, namely, linen, utensils, table-ware, kitchen appliances and iron, upto an aggregate value of one, thousand rupees may be imported free of duty.

4A. ADDITIONAL ALLOWANCE FOR USED PERSONAL EFFECT AND HOUSEHOLD ARTICLES IN RESPECT OF CERTAIN CATEGORIES OF PASSENGERS :

(1) In the case of a passenger holding a valid passport issued under the Passports Act, 1967 (15 of 1967) and returning to India after a period of not less than one year of stay abroad, his personal effects and household articles upto an aggregate value of five thousand rupees, which have been in his or his family's possession and use abroad for a minimum period of six months may be imported free of duty subject to the following conditions, namely :—

- (i) Such passenger has been working abroad for a minimum period of one year and is returning to India on termination of such work;
- (ii) Such passenger affirms by a declaration that the goods in question have been in his or in his family's possession and use abroad for a minimum period of six months and the examination of such goods and the attendant circumstances do not indicate to the contrary;

(2) Nothing contained in this rule shall apply to the following articles, namely :—

- (a) motorcycles, scooters or mopeds;
- (b) airconditioners;
- (c) refrigerators and deep freezers;
- (d) firearms;
- (e) cigarettes exceeding 200 or cigars exceeding 50 of tobacco exceeding 250 gms; and
- (f) alcoholic liquor in excess of 0.95 litre.

5. Allowance for Professional Equipments :—A passenger who was engaged in his profession abroad for over three months may be allowed to import free of duty such portable equipments, instruments, apparatus and appliances as are ordinarily required in such profession upto a value of five thousand rupees;

Provided that items of common use like camera, typewriter, cassette recorder and dictaphone shall not be allowed to be imported free of duty under this rule

6. Jewellery :—Jewellery in the actual use of a passenger who has been residing abroad for over one year may be allowed to be imported free of duty in the aggregate value of one thousand and five hundred rupees in the case of a male passenger and three thousand rupees in the case of female passenger

APPENDIX I-D *Contd.*

7. Unaccompanied Baggage :—(1) Subject to the conditions and limitations laid down in these rules, the proper officer may allow import free of duty bona fide unaccompanied baggage arriving in India after the arrival of the passenger, if it was in his possession abroad and was shipped by sea within one month, or despatched by air within a fortnight of the passenger's arrival in India.

Provided that if the Assistant Collector of Customs or the Collector of Customs, as the case may be, is satisfied that the passenger could not ship or despatch his bona fide unaccompanied baggage within the period aforesaid, in spite of his having taken all reasonable steps for that purpose, the Assistant Collector of Customs, may extend the time limit of one month to three months or of a fortnight to two months, as the case may be, and the Collector of Customs may extend the time upto any further time.

(2) Bona fide baggage of a passenger landed at any customs stations within two months before his arrival in India may be allowed to be imported free of duty by the proper officer subject to the conditions and limitations laid down in these rules;

Provided that if the Assistant Collector of Customs or the Collector of Customs, as the case may be, is satisfied for reasons to be recorded in writing, that the passenger was prevented from arriving in India within the aforesaid period of two months due to circumstances beyond his control, such as sudden illness of the passenger or a member of his family or natural calamities or disturbed conditions, or disruption of the transport or travel arrangements in the country or countries concerned or any other reason, which necessitated a change in the travel schedule of the passenger, the time limit of two months may be extended upto a period of—

(i) four months by the Assistant Collector of Customs; and

(ii) one year by the Collector of Customs.

8. Application of these Rules to Members of the Crew :—Rule 2, 3, 5, 6, and 9 shall apply in respect of officials and members of the crew engaged in a foreign-going vessel for importation of their luggage at the time of final pay off on termination of their engagement.

Provided that the concession under rule 5 shall not be allowed except at the time of final pay off on termination of first engagement in a foreign going vessel.

9. Article not exempted from Duty :—Notwithstanding the provisions of rules 3 and 4 the following articles shall not be imported free of duty under these rules namely :—

(i) motor cycles; scooter and moped,

(ii) fire arms;

(iii) cigarettes exceeding 200 or cigars exceeding 50 or tobacco exceeding 250 gms; and

(iv) alcoholic liquor in excess of 0.95 litre.

No. 101—Cus/F. No. 495/24/78-Cus VI.

213-Cus/F. No. 495/106/79-Cus VI.

247-Cus/T. No. 495/72/79-Cus. VI.

57/83-Cus/F. No. Bud (Cus)/83

No 166/83-Cus/F. No 495 20/83-Cus VI

TOURIST BAGGAGE RULES 1978

(AS AMENDED BY NOTIFICATION No. 214-Cus DATED 13-11-79 AND FURTHER AMENDED BY NOTIFICATION NO. 211 Cus. DATED 28-10-80)

GOVERNMENT OF INDIA

MINISTRY OF FINANCE

DEPARTMENT OF REVENUE

New Delhi, the 16th May 1978

26th Vasakha, 1900 (Saka)

NOTIFICATION
CUSTOMS

G.S.R. No. 291/(E) :—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 79 of the Customs Act 1962 (52 of 1962) and in supersession of the Tourist Baggage Rules-1958, the Central Government hereby makes the following rules for importing free of duty, baggage of tourists namely :—

1. *Short Title, Commencement and Application*—(1) These rules may be called the Tourist Baggage Rules, 1978.

(2) They shall come into force at once.

(3) They shall not apply to tourists of Nepali origin arriving from Nepal.

2. *Definition* :—In these rules, unless the context otherwise requires, 'tourist' means any person not normally resident in India, who enters India for a stay of not more than six months in the course of any twelve months period for legitimate non-immigrant purposes, such as touring, recreation, sports, health, family reasons, study, religious pilgrimages or business.

Provided that where the Collector of Customs is satisfied that it is necessary for a tourist to extend his stay beyond six months for legitimate non-immigrant purposes, the Collector may extend the period by a further period of eighteen months.

Provided further that if the Board is so satisfied, it may extend the aforesaid period beyond 12 months.

3. *Exemption from Duty for personal effects imported temporarily* :—(1) Subject to other conditions laid down in these Rules, the personal effects of a tourist shall be allowed to be imported temporarily free of duty;

Provided that they are for the personal of the tourist, are carried on the person or in the baggage accompanying the tourist, that there is no reason to fear abuse and that these personal effects, other than those consumed during his stay, are re-reported by the tourist on his leaving India for a foreign destination.

Explanation :—The term 'personal effects' mean all clothing and other articles, new or used which a tourist may personally and reasonably require taking into account all the circumstances of his visit but excluding all merchandise imported for commercial purposes and includes—

(i) personal jewellery;

(ii) one camera with twelve plates or/five rolls of films;

(iii) one miniature cinematograph camera with two reels of films;

(iv) one pair of binoculars;

(v) One portable musical instrument;

(vi) One portable gramophone with ten records;

(vii) one portable wireless receiving set;

(viii) one portable sound-recording apparatus;

(ix) one portable typewriter;

(x) one perambulator;

(xi) one tent and other camping equipments;

APPENDIX I-D *Contd.*

- (xii) sports equipment such as one fishing outfit one sporting fire-arm with fifty cartridges, one non-powered bicycle, one canoe or kayak less than 5½ metres long, one pair of skis, two tennis rackets.

(2) The following may be imported free of duty on the tourist giving a written undertaking in terms of rule 7 for their re-export on his departure from India, namely :—

- (i) Audio visual aids including slides and films for demonstration and instructional purpose;
- (ii) professional equipments, instruments, apparatus or appliances including cine-equipments and Television equipments.

4. Exemption from Duty for Travel souvenirs imported temporarily :—In addition to the articles specified in rule 2, a tourist may also be allowed to import temporarily free of duty travel souvenirs for a total value not exceeding five hundred rupees;

Provided that such souvenirs are carried on the person of or in the baggage accompanying the tourist, are not intended for commercial purposes and are re-exported by the tourist on his leaving India for a foreign destination.

5. Exemption from duty on articles imported by tourists of Foreign Origin :—In addition to articles allowed under rule 3 & 4, a tourist of foreign origin staying in India for more than 24 hours may also be allowed to import free of duty at the discretion of the proper officer articles other than those mentioned in rule 9 of Baggage Rules 1978, upto a value of five hundred rupees if these are intended for personal use or for making gifts.

6. Exemption from Customs duty on gifts etc. imported by tourists of Indian origin :—Tourists of Indian origin, who are normally residents abroad and are staying in India for more than 24 hours may be allowed to import free of duty at the discretion of the proper officer articles intended to be given away as gifts.

Provided that the articles are such as are covered by Rule 3 read with rule 9 of the Baggage Rules 1978.

Provided further that all the condition and limitations mentioned in rules 3 and 9 of the Baggage Rules, 1978 are satisfied.

7. Undertaking to be given to Customs authorities in certain cases :—Notwithstanding the provisions of sub-rule (1) of rule 3, articles of high value such as sound-recording apparatus, wireless receiving set, and the like shall not be allowed to be imported unless at times the tourists gives an undertaking in writing to the proper officer to re-export them out of India on his leaving India for a foreign destination, or on his failure to re-export to pay the duty leviable thereon.

2. Every tourist shall be given on arrival and after examination of his baggage a list of articles of high value brought by him, signed by the proper officer who examines his baggage. If no such articles of high value is imported a nil list, similarly signed shall be given. Unless the list is produced by the tourist to the proper officer at the time of examination of his baggage on his departure from India for a foreign destination along with the articles if any listed therein his baggage may not be cleared for export through the Customs for export.

8. Provision regarding import of dutiable baggage :—Notwithstanding anything to the contrary in the foregoing rules bona fide baggage and goods eligible for the concessions under the foregoing provisions and landed at any customs port within one month before or after the arrival of the tourist in India may be passed subject to the conditions applicable to baggage accompanying a tourist.

Provided that the proper officer is satisfied that they could not be brought along with the tourist for bona fide reasons.

9. Refusal of exemption in certain cases :—Notwithstanding anything contained in these rules, the proper officer may refuse to a tourist exemption granted by these rules in any of the following cases namely :—

- (a) when the total quantity of a commodity imported by a tourist exceeds substantially the limit laid down in these rules;
- (b) where the tourist enters into India more than once in a month.
- (c) where the tourist is under seventeen years of age.

No. 102-Cus/F. No. 499/6/78-Cus. VI.

No. 211-Cus/F. No. 499/6/78-Cus. VI(Pt)

No. 214 Cus. F. No. 495/106/79-CUS. VI

GOVERNMENT OF INDIA

MINISTRY OF FINANCE

DEPARTMENT OF REVENUE

New Delhi, the 4th February 1985

New Delhi, the 15th Magha 1906 (Saka)

Notification No. 26/CUSTOMS/85

G. S. R. 16(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 79 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Baggage Rules, 1978, namely :—

1. (1) These may be called the Baggage (Amendment) Rules, 1985.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In Rule 3 of the Baggage Rules, 1978,—

(1) in clause (a), for the words "Sri Lanka or Maldives, and", the words "Sri Lanka", shall be substituted;

(2) after clause (a), the following clause shall be inserted, namely :—

"(aa) in the case of passengers arriving from Maldives.—

(i) Upto a value of Rs. 350/-, in case the period of stay outside India does not exceed three days.

(ii) upto a value of Rs. 750/-, in case the period of such stay exceeds three days but does not exceed nine days.

(iii) upto a value of Rs. 1250/-, in case the period of such stay exceeds nine days, excluding the days of travel, and";

(3) In the proviso, in sub-clause (a) of clause (i), for the words "Sri Lanka for Maldives, and", the words "Sri Lanka", shall be substituted

(4) after sub clause (a), the following sub-clause shall be inserted, namely :—

"(aa) in the case of passengers arriving from Maldives,—

(i) upto a value of Rs. 100/- in case the period of stay outside India does not exceed three days.

APPENDIX I-D *Contd.*

- (ii) upto a value of Rs. 200/-, in case the period of such stay exceeds three days but does not exceed nine days.
- (iii) upto a value of Rs. 300/-, in case the period of such stay exceeds nine days, excluding the dates of travel, and";

8d/-

R. S. SIDHU

Under Secretary to the Government of India.

F. No. 495/3/85-Cus.VI.

TRANSFER OF RESIDENCE RULES 1978

(AS AMENDED BY NOTIFICATION NO. 124-Cus
DATED 22-6-1978)

GOVERNMENT OF INDIA

MINISTRY OF FINANCE

DEPARTMENT OF REVENUE

New Delhi, the 16th May 1978

26th Vaisakha, 1900 (Saka)

NOTIFICATION

(Customs)

G.S.R. No. 292/(E) :—In exercise of the powers conferred by section 79, of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), and in supersession of the Transfer of Residence Rules, 1969, the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title :—These Rules may be called Transfer of Residence Rules, 1978.

2. Personal and household effects exempted from duty subject to certain conditions :—Subject to the provisions of the Baggage (Condition of Examination) Rules 1975 and rule 3 of these rules the personal and household effects of a person on a bonafide transfer of residence to India shall be exempted from duty subject to the following conditions, namely :—

- (a) Such person has been residing abroad for a minimum period of two years immediately preceding the transfer of residence and is transferring his residence to India for a minimum stay of one year;
- (b) such person affirms by a declaration that the goods have been in his or his family's possession and use abroad for a minimum period of one year and the examination of the goods and the attendant circumstances do not indicate to the contrary;
- (c) the goods not accompanying the passenger were shipped or despatched or arrived within the time limit specified in the Baggage Rules, 1978.

Explanation : For the purpose of this rule, the expression "personal and household effects" shall not include so much of gold jewellery, that is to say, jewellery of which the value is mainly on account of gold content, as in excess of the value of one thousand five hundred rupees in the case of a male passenger and three thousand rupees in the case of a female passenger.

3. Articles not exempted from duty :—Notwithstanding anything contained in rule 2, motor vehicles, vessels, aircrafts, cinematograph films of 35 mm. and above, air-conditioners, refrigerators and deep freezers, shall not be allowed to be imported free of duty under these rules

4. Allowance for professional equipment etc :—In addition to articles allowed under rule 2 and subject to the time-limit mentioned in clause (c) of that rule, a highly qualified scientist, technologist, doctor or engineer, returning to India for permanent settlement after a stay abroad for a minimum period of two years, may also be allowed to import free of duty such equipment, instruments, apparatus and appliances, upto a value of thirty thousand rupees as are ordinarily required by him in his profession

Explanation : For the purpose of this rule, "a highly qualified scientist, technologist doctor or engineer" is a person who holds a post-graduate degree or its equivalent in science, technology, medicine, or engineering, as the case may be from an Indian or foreign university and has been employed or engaged abroad in his field of specialisation for at least one year.

5. Condition of short visits :—For the purpose of these rules, short visits, if any, made by the person concerned to India during the aforesaid period of 2 years shall be ignored if the total duration of stay on these visits does not exceed six months:

Provided that on sufficient cause being shown by the person concerned the Collector of Customs may condone the period of stay in India in excess of six months.

6. Condition of shortfall in the period of stay abroad :—For the purpose of these rules shortfall upto a period of two months in a person's stay abroad may be condoned by the Assistant Collector of Customs if he is satisfied that the person's early return to India had been caused by availing of the terminal leave or a vacation or by any other special circumstance.

No. 103—CUS./F. No. 497/6/Cus. VI.

No. 124—CUS/F No 497/6/78-Cus VI.

MINISTRY OF FINANCE

DEPARTMENT OF REVENUE

New Delhi, the 26th September 1980

4 ASVINA 1902 (SAKA)

NOTIFICATION

CUSTOMS

G.S.R. No. 558(E) :—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Revenue, No. 230-Customs, dated the 5th December, 1979, the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts each of the goods specified in column (2) of the Table annexed hereto, when imported by any person as part of his baggage, on a bona fide transfer of residence to India, from so much of the duty of customs leviable thereon under the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) as is in excess of the rates specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table, subject to the following conditions, namely :—

- (i) such person has been residing abroad for a minimum period of 2 years immediately preceding the transfer of residence and is transferring his residence to India for a minimum stay of one year;
- (ii) such person affirms by a declaration that the goods have been in his family's possession and use for a minimum period of one year and examination of the goods and attendant circumstances do not indicate to the contrary;

APPENDIX I-D *Contd.*

(iii) such goods shall not be sold, displayed or advertised or offered for sale until their market price has depreciated to less than 50 per cent of the market price when new; and

(iv) the goods not accompanying the passenger were shipped or despatched or arrived within the time limits specified in the Baggage Rules, 1978.

Explanation :—For the purpose of this notification—

(a) short visits, if any made by the person concerned to India during the aforesaid period of 2 years shall be ignored if the total duration of stay on those visits does not exceed six months;

(b) shortfall upto a period of two months in a person's stay abroad may be condoned by the Assistant Collector of Customs if he is satisfied that the person's early return to India has been caused by his availing of the terminal leave or a vacation or by any other special circumstances.

Provided that on sufficient cause being shown by the person concerned the Collector of Customs may condone the period of stay in India in excess of six months;

Sl. No.	Description of goods	Rate of Duty of Customs
1	2	3
1.	Domestic refrigerators capacity not exceeding 100 litres	15%
2.	Domestic refrigerators capacity exceeding 100 litres but not exceeding 165 litres	20%
3.	Other domestic refrigerators	40%
4.	Deep Freezers	40%
5.	Air Conditioners	50%

Sd/-
K. KUMAR, Under Secy.

No. 195-Cus.F. No. 495/92/79-Cus. VI

CUSTOMS & GENERAL EXCISE BULLETIN

Cus. 68/81-82

Dated 10th December, 1981

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF FINANCE
DEPARTMENT OF REVENUE

New Delhi, the 9th December 1981

18 Agarhayana, 1903 (Saka)

NOTIFICATION

CUSTOMS

S.S.N. No. (3) :—In exercise of the powers conferred by section 79 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Transfer of Residence Rules, 1978, namely :—

1. (1) These Rules may be called the Transfer of Residence (Amendment) Rules, 1981.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Transfer of Residence Rules, 1978, in rule 2 for the Explanation the following Explanation shall be substituted, namely :—

"Explanation" :—For the purpose of this rule, the expression "Personal and household effects" shall not include so much of good jewellery that is to say jewellery of which the value is mainly on account of gold content, as in excess of the value of one thousand five hundred rupees in the case of a male passenger and three thousand rupees in the case of a female passenger and the said limits shall not however, apply to the jewellery in respects of which the Assistant Collector of Customs is satisfied on the basis of the evidence produced by the passenger, or by a member of his or her family that it had been taken out of India.

Sd./-
K. KUMAR
Under Secretary to the Govt. of India

(No. 268/81)
F. No. 497/14/81-Cus. VI.

The notification seeks to amend the Explanation in Rule 2 of the Transfer of Residence Rules, 1978

APPENDIX I-D *concl'd.*

GOVERNMENT OF INDIA

MINISTRY OF FINANCE

(DEPARTMENT OF REVENUE)

New Delhi, the 1st March, 1983

10 Phalgun, 1904 (SAKA)

NOTIFICATION

No. 58/83-CUSTOMS

G.S.R. In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 142-Customs, dated the 15th July, 1980, the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts articles, falling under Heading No. 100.01 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) specified in column (1) of the Table hereto annexed, when imported into India by a passenger or a member of a crew as baggage from so much of the duty of customs leviable thereon which is specified in the said First Schedule, as in excess of the amount calculated at the rate specified in the corresponding entry in column (2) of the said Table.

TABLE

Description of articles	Rate
(1)	(2)
Any article of a value in excess of the duty free allowance admissible to such passenger or member, under rule 3 of the Baggage Rules, 1978—	
(a) for the first Rs. 2,000	130 per cent <i>ad valorem</i>
(b) on the balance	200 per cent <i>ad valorem</i>

Explanation I—Where the value of any one article exceeds the duty free allowance admissible to such passenger or member under rule 3 of the Baggage Rules, 1978, the amount of duty shall be calculated only on the value in excess of the duty free allowance so admissible to the extent not availed of by such passenger or member for clearing any other articles of baggage if any.

Explanation II—Where such passenger or member avails himself of the rate under clause (a) of the said Table to the extent of Rs. 2,000/- on any article, he shall not be entitled to avail the said rate on any other article to that extent.

2. Nothing contained in this notification shall apply to—

- (i) motor cycles, scooters or mopeds;
- (ii) fire arms;
- (iii) cigarettes, cigars or tobacco in excess of the quantity prescribed for importation free of duty under the relevant baggage rules; and
- (iv) textile fabrics in excess of rupees five hundred in value.

Sd/- (J. SRIDHARAN)

UNDER SECRETARY TO THE GOVERNMENT OF INDIA

F. No. Bud (Cus)/83.

APPENDIX II-A

ALLOTMENT OF CODE NUMBERS TO IMPORTERS

Every person (whether an individual, a firm or company etc.) importing goods into India shall be required to obtain "Importer Code Number (ICN)" in accordance with the provisions made in this Appendix. This will equally apply to a person importing goods as an agent or as holder of Letter of Authority, or as a transferee of an import licence. A provision to this effect has been made in the Imports (Control) Order, 1955 dated the 7th December, 1955, as amended.

2. The customs authorities shall not allow import to a person who is not in possession of Importer Code Number allotted by the import trade control licensing authority concerned. It shall be compulsory for the importer to quote his Code Number in the relevant Bill of Entry.

3. Code Number allotted to a person will be valid for import of any commodity by that person.

4. In the following cases, the importers will be exempt from obtaining Code Numbers :—

- (i) Importers covered by Saving Clause 11(1) of the Imports (Control) Order, 1955, as amended.
- (ii) Ministries/Departments of Central or a State Government.
- (iii) Persons importing goods for their personnel use, not connected with trade or manufacture or agriculture.

5. Applications for allotment of Code Numbers should be made, in triplicate, in the prescribed form to the regional import trade control licensing authority in the territorial jurisdiction of which the applicant is situated. The territorial jurisdiction of the regional licensing authorities is indicated in Appendix II-B of the Hand Book of Import-Export Procedures, 1985-88.

6. In the case of a company/firm, having branches, only the Head Office or Registered Office in the case of a Company should apply for allotment of Code Number. The branch offices will use the code number allotted to the Head Office/Registered Office.

Annexure to Appendix II—A

APPLICATION FORM FOR ALLOTMENT OF IMPORTER CODE NUMBER

(To be submitted in triplicate)

The application should be typed or hand-written in Capital letters.

1. Name of the importer

2. (a) Address in full of the Head/Principal of the importer

(b) Names of various cities where branch offices are located

(i)
 (ii)
 (iii)
 (iv)
 (v)

3. Date of establishment of the firm/company

4. Principal commodities to be imported (3 digit Indian Trade Classification — Revision 2 code should also be indicated)

(i)
 (ii)
 (iii)
 (iv)
 (v)
 (vi)
 (vii)
 (viii)
 (ix)

I/We hereby declare that this application is made by us in our capacity as Head/Principal Office and I/We have not obtained or applied for any Importers' Code Number previously in this name from any office of the CCI & E in India.

(Signature of the Applicant)
with Office seal

Place :

Date :

Full Official Address

Full Residential Address of Signator

(To be completed in licensing Office)

1. Code Number allotted :

2. Letter No. with date of communication to the party :

Date

Signature
Designation

For Importers' guidance

- 1 The application form for Importers' Code Number need to be filled in only by the Head/Principal Office and submitted in triplicate to the CCI&E/JCCI&E of their jurisdiction. The code number once allotted can be utilized by all branch offices of the firm for import through any of the parts in India. However, a branch office functioning in a name other than the Head/Principal Office will have to obtain a fresh Importers' Code Number. The Code numbers are not suspended with the suspension of import activities of the firm and would be valid for all future time.
- 2 Information in para 4 is to be given as commodity description and corresponding ITC Revision 2—code at 3 digit level. This is required to ascertain the activity area of the firm.
- 3 All the information supplied in this form would be kept strictly confidential and not be divulged to any unauthorised agency for any purposes

APPENDIX II-B

LIST OF REGIONAL LICENSING AUTHORITIES (WITH THEIR POSTAL AND TELEGRAPHIC ADDRESSES) AND JURISDICTION

Sl. No.	Licensing authorities	Telegraphic Address	Jurisdiction
(1)	(2)	(3)	(4)
(1)	The Joint Chief Controller of Imports and Exports 4, Esplanade East, Calcutta-700069.	CONIMPEXTRA CALCUTTA	West Bengal, Sikkim and Union Territory of Andaman & Nicobar.
(2)	The Joint Chief Controller of Imports and Exports, New Central Govt. Offices Building, S. E. Wing, New Marine Lines, Churchgate, Bombay-400020.	CONIMPEXTRA BOMBAY	Maharashtra.
(3)	The Joint Chief Controller of Imports and Exports, 3-Vijayaraghava Road, T. Nagar, Madras-600017.	CONIMPEXTRA MADRAS	Tamil Nadu.
(4)	The Joint Chief Controller of Imports and Exports, Central Licensing Area, Indraprastha Bhavan, 'A' Wing, New Delhi-110002.	CONIMPEXTRA NEW DELHI	Delhi, Haryana and six districts of Uttar Pradesh, namely, Meerut, Ghaziabad, Bulandshahr, Muzaffarnagar, Saharanpur and Moradabad.
(5)	The Joint Chief Controller of Imports and Exports, 117/L/444, Kakadeo, Kanpur-208025.	CONIMPEXTRA KANPUR	Uttar Pradesh except those areas which are under the jurisdiction of Joint Chief Controller of Imports & Exports (CLA), New Delhi.
(6)	The Joint Chief Controller of Imports and Exports, 7th Floor, Caveri Bhawan, P.B. No. 9688, Bangalore-560006.	CONIMPEXTRA BANGALORE	Karnataka.
(7)	The Joint Chief Controller of Imports and Exports, 'A' Block, 11th Floor, Govt. Multistoreyed Building, LalDarwaja, Ahmedabad-380001.	CONIMPEXTRA AHMEDABAD	Gujarat State excluding areas falling under the jurisdiction of Rajkot and New Kandla offices.
(8)	The Deputy Chief Controller of Imports and Exports, Damayanthi Chambers, 2nd/3rd floor, 5/9/22/I, Adarshnagar, Ritz Hotel, Hyderabad-500483	CONIMPEXTRA HYDERABAD	Andhra Pradesh excluding areas in the jurisdiction of Controller of Imports & Exports, Visakhapatnam.
(9)	The Deputy Chief Controller of Imports and Exports, T.D. Road, Eranakulam, Cochin-682035.	CONIMPEXTRA ERNAKULAM	Kerala and Union Territory of Lakshadweep.
(10)	The Deputy Chief Controller of Imports & Exports, 11th Floor, Guru Teg Bahadur Complex, New Market, Bhopal-462003.	CONIMPEXTRA BHOPAL	Madhya Pradesh.
(11)	The Deputy Chief Controller of Imports and Exports, CBR, Building, Mall Road, Amritsar.	CONIMPEXTRA AMRITSAR	Punjab.
(12)	The Deputy Chief Controller of Imports & Exports, Udyog Bhavan, Tilak Marg, Jaipur-302005	CONIMPEXTRA JAIPUR	Rajasthan.
(13)	The Deputy Chief Controller of Imports and Exports, Raigarh Road, Gauhati-781003.	CONIMPEXTRA GAUhati	Assam, Arunachal Pradesh, Nagaland and Manipur.
(14)	The Assistant Chief Controller of Imports & Exports, Merello Building, Shillong, Meghalaya-790001.	CONIMPEXTRA SHILLONG	Meghalaya.
(15)	The Assistant Chief Controller of Imports & Exports, Ashirwad Building, Samta-Imor Panjim (Goa)-403001	CONIMPEXTRA PANJIM	Goa, Daman and Diu and Dadra and Nagar Haveli.
(16)	The Assistant Chief Controller of Imports & Exports, Residency Road, Srinagar-190001	CONIMPEXTRA SRINAGAR	Jammu & Kashmir [Note—During winter, a camp office will function at Jammu (Exhibition Grounds), for seven days in each month as per announcement to be made from time to time by Assistant Chief Controller of Imports & Exports Srinagar].
(17)	The Assistant Chief Controller of Imports & Exports, R. K. Road, Palace Compound, Agartala-799001	CONIMPEXTRA AGARTALA	Tripura and Mizoram.
(18)	The Assistant Chief Controller of Imports & Exports, Administrative Building, Gandhi Free Trade Zone Gandhi dham (Kutch-370301)	CONIMPEXTRA GANDHI DHAM	Kutch District of Gujarat and New Kandla Free Trade Zone
(19)	The Assistant Chief Controller of Imports & Exports, Becomann Bhavan, Patna-800001	CONIMPEXTRA PATNA	Bihar.
(20)	The Assistant Chief Controller of Imports & Exports, Sector 35 SCO-288 Chandigarh-160023	CONIMPEXTRA CHANDIGARH	Himachal Pradesh and Union Territory of Chandigarh

APPENDIX II-B—*Concis*

Sl. No.	Licensing Authority	Telegraphic Address	Jurisdiction
1	2	3	4
(21)	The Assistant Chief Controller of Imports & Exports, Swastayana Barjakabati Road, Cuttak-752001.	CONIMPEXTRA CUTTACK	Orissa.
(22)	The Assistant Chief Controller of Imports and Exports, Desai Building, Bhupindra Road, New Town Hall, Rajkot-360001.	CONIMPEXTRA RAJKOT	The Districts of Gujarat State known as Saurashtra (excluding Kutch).
(23)	The Deputy Development Commissioner (Development), Electronics Exports Processing Zone, Santa Cruz, Bombay.	SEEPROZONE BOMBAY	Electronics Export Processing Zone. Santa Cruz, Bombay (SEEPZ).
(24)	The Assistant Chief Controller of Imports & Exports P. B. No. 14, Pondicherry-605001.	CONIMPEXTRA PONDICHERRY	Union Territory of Pondicherry. Karaikal Mahe and Yaman.
(25)	The Assistant Chief Controller of Imports & Exports, Near CISF Quarter General & Quarter Master Stores, Visakhapatnam-530035.	CONIMPEXTRA VISAKHAPATNAM	The District of Srikakulam, Visakhapatnam, East Godavari and West Godavari of Andhra Pradesh.

APPENDIX II-C

THE PROCEDURE FOR DEPOSIT/REFUND OF
IMPORT APPLICATION FEE AND OTHER
ITC DEPOSITS

PAYMENT OF FEES

(i) (a) Unless an applicant is exempt from payment of fees under Clause 4 of the Imports (Control) Order, every application for an import licence/OCP should be accompanied by a bank receipt indicating the deposit in accordance with the prescribed scale of fee as per the Schedule III of the Imports (Control) Order. The deposits should be made along with the relevant form/T.R. 6 clearly indicating the head of account as mentioned below :—

(b) Import licence application fee—Subordinate to the Major Head 097-Foreign Trade and Export Promotion. The bank receipt must show the name of the department viz., "Import and Export Trade Control Organisation" and particulars of the application for the grant of import licence namely, description of goods for which the licence is applied for with their value and the licensing period, in the column "full particulars" in the form. The Treasury Receipt should be drawn in favour of Pay & Accounts Officer (Imports & Exports), indicating the station of the Pay & Accounts Officer concerned. Application must also contain details of the bank receipt under which the requisite fee has been deposited. The deposits should be made in any one of the branches of the Central Bank of India which have been authorised to receive application fee and other ITC deposits. A list of branches of the Central Bank of India which have been so authorised to receive the application fees and other ITC deposits is mentioned in this Appendix.

(c) In no case the fees should be deposited in a Treasury. Treasury Receipts will not be accepted.

FACILITY OF REMITTANCE THROUGH A BANK DEMAND DRAFT.

(i) (a) However, where the applicant is located in a place which does not have any authorised branch of the Central Bank of India, the facility of remittance of application fee and other ITC deposits through a crossed demand draft on a scheduled bank will also be available. Such demand drafts for the requisite amounts should be made out in favour of the concerned licensing authority who will deposit the bank drafts in the Central Bank at the same station where the licensing authority has bank account. At places where there is no branch of the Central Bank of India, demand drafts received in favour of the licensing authority can be endorsed to the Pay & Accounts Officer concerned for credit to Government account. The jurisdiction of the various Pay and Accounts Officers is also indicated later in this Appendix.

(b) Wherever the facility of remittance through demand draft is availed, the crossed demand draft should be enclosed with the application and sent to the licensing authority concerned.

EXEMPTION FROM PAYMENT OF FEES

(iii) (a) The categories of applicants who have been exempt from payment of fees is given in clause 4 of the Imports (Control) Order, 1955. Also, no fee is leviable on application where the goods sought to be imported are acquired for personal use of the applicants (i.e. for purposes not connected with the trade or manufacture), irrespective of the value of such goods. This exemption, however, is not applicable to import of cars and other vehicles.

(b) Wherever, the applicant is exempt from payment of fees, he should clearly state so in his application in the column pertaining to bank receipt/bank draft No. and date indicating the provision under which he is so exempt.

WHERE BANK RECEIPT IS LOST

(iv) In cases where the applicant has misplaced the original receipt, the applicant should file an affidavit on a stamped paper to the effect that the bank receipt in question has been lost or misplaced and has not been utilized in any other manner. Further, he should also mention that if the original

receipt is found subsequently it shall be returned to the licensing authority concerned and shall not be utilised in any other manner. The particulars of the receipt i.e. licensing period, the amount remitted, the date of payment etc. should also be stated in the affidavit.

REFUND OF APPLICATION FEES

(a) Application fee once deposited is not refundable, except in the circumstances in clause 4 of the Imports (Control) Order.

(b) Where the applicant is eligible for refund of application fee, an application for refund in the prescribed form given in this appendix may be submitted to the licensing authority within whose jurisdiction the fees was paid. While making an application for refund, the original bank receipt should be enclosed with the application for the licence, the duplicate bank receipt may be furnished. In all the cases, the number and date of the bank receipt and the name of the bank where the fees was deposited should be given.

(c) In cases of refund of fees where the amount had been deposited by means of a bank draft, in addition the applicant should furnish the :—

- (i) Demand draft No. and date of issue.
- (ii) Name of bank and address of branch which issued the demand draft.
- (iii) The bank on which the demand draft was made (i.e. the paying bank).
- (iv) The name of the person in whose favour the demand draft was made payable.

The licensing authority on receipt of application shall pass refund after they have verified from the Pay and Accounts Officers concerned that the amount in question has been credited to the Government of India.

Normally, no application for refund will be entertained unless detailed reasons for claiming the refund are mentioned by the applicant and the refund is sought to be made within one year of the deposit. However, for genuine reasons, the licensing authorities may condone the delay but in no case shall an application for refund of fees be entertained after the expiry of three years from the date on which the right to have refund of fees accrued.

(d) In case of refund of fees where the amount had been deposited in the Treasury before 1-7-76, the number and date of the Treasury Challan and the name of Treasury should be quoted on the application for refund instead of the Bank Receipt number etc. In these cases, original credit should be got verified and the fact of refund got noted by the concerned Treasury Officer before submission of the Refund Bill to Pay & Accounts Officer for Payment.

(e) While considering refund applications, the licensing authorities may call for any information/details from the applicant.

(f) In cases, where the applicant has lost the original bank receipt the licensing authority may accept a certificate from the bank or Pay and Accounts Officer (Imports & Exports) in support of the fact that the amount had been deposited. In such cases, where the original receipt is not available the applicant will be required to file an affidavit containing same particulars as mentioned above.

(g) Refund order of fees will be valid for three months from the date of issue. Request for revalidating the same may be considered on merit by the authority which issued the refund order for a period not exceeding nine months from the date of expiry of the refund order.

(h) In cases where the licensing authority rejects the request for refund, it would indicate the reasons for such rejection.

APPENDIX II-C *contd.*

ANNEXURE 1

LIST OF THE CENTRAL BANK OF INDIA BRANCHES AUTHORISED TO RECEIVE PAYMENTS FOR IMPORT LICENCE APPLICATION FEE AND OTHER IMPORT TRADE CONTROL DEPOSITS

Sl. No.	Address of the Branch	District
1	2	3

ANDHRA PRADESH

1.	6-1-10631 E, 1st Floor, Raj Bhawan Road Khajurabad, Hyderabad-500004.	Hyderabad
2.	P.B. No. 30, Victory House, Door No. 1634-1-13, Temple Street, Kakinada-533001.	East Godavari
3.	3-1-16, Rastrapati Road, Secunderabad-500003.	Hyderabad
4.	P.B. No. 6, Gogumeni Buildings, B-12-319, Raja Rangaiah-Apparas Street, Vijayawada-520001.	Krishna
5.	P.B. No. 22, Door No. 5/281 Bhaya Lata Main Road, Rajahmundry-533101.	East Godavari
6.	B-1, Shipyard Colony, Gandhigram, Visakhapatnam-533001.	Visakhapatnam
7.	P.B. No. 65, 2918, 119, Main Road, Visakhapatnam-530001.	Visakhapatnam
8.	P.B. No. 5, Bazar Street Samarthi Building, Pakala-517112	Chittoor
9.	18/188/B.K.N. Street, Cuddapah-518001.	Cuddapah
10.	P.B. No. 22, 18/192, Rashool Bazar, Kurnool-516001.	Kurnool
11.	22, Jannalagadavari Street, Nellore-524001.	Nellore
12.	P.B. No. 60, Ramgopal Compound, Jawahar Road, Nizamabad-503001.	Nizamabad
13.	Ratna Jutter, Grand Trunk Road Ongole-523001.	Prakasham
14.	P.B. No. 27, Balaji Villa, 8-413, Station Road, Warangal City-500002.	Warangal

ASSAM

15.	Rahman Manzil, Pan Bazar, Gauhati-781001.	Gauhati
16.	Marwaripatty P.O. Rehbari, Dibrugarh-786001.	Dibrugarh
17.	Silchar, P.O. Silchar,	Cachar
17-A	Tinsukia	Dibrugarh

BIHAR

18.	Bank North-802156, Dhanbad.	Dhanbad
19.	P.B. No. 14, Mala Road, Bistupur Jamshedpur-800001.	Singbhum
20.	P. Box 64, New Dak Bungalow Road, Patna-831001.	Patna
21.	P.B. No. 5, Gobhardhan Road, P. O. Darbhanga-846004.	Darbhanga
22.	P.O. Madhubani-847211, Madhubani.	Madhubani

Sl. No.	Address of the Branch	District
1	2	3

23.	Samarh National Highway-33 P.O. Ramgarh Cantt. Hazaribagh.	Hazaribagh
24.	P.B. No. 38, Navketan, Dr. Rajendra Prasad Road, Bhagalpur-812001.	Bhagalpur
25.	P.B. No. 23, Bari Bazar, Monghyr-811201.	Monghyr
26.	M.G. Road, Katihar-854105.	Katihar
27.	P.O. Purnea Agarwal Market, R.N. Shaw Chowk, Purnea-854301.	Purnea
28.	P.O. Saharsa-852201.	Saharsa
29.	P.B. No. 8, Main Bazar Chowk, Raxaul-845305.	Champanan
30.	Daltonganj Engineering Road, Daltonganj-822101.	Palamau

GUJARAT

31.	P.B. No. 201, M.G. Road, Surat-395003	Surat
32.	New Vegetable Market, C.B. No. 62, Bulsar-396001.	Bulsar
33.	Kala Building Panigate, Baroda-380001.	Baroda
34.	Near Rupali Cinema, Lal Darwaja, Ahmedabad-380001.	Ahmedabad
35.	P.B. No. 503, 3/62, Mandvi, Tower Road, Jamnagar-361001.	Jamnagar
36.	Patani Building P.B. No. 129, M.G. Road, Rajkot-360-001.	Rajkot
37.	Harris Road, Bhavnagar-364001.	Bhavnagar
38.	Zanda Chowk, Port Trust Building,	Kutch
39.	Jamma Masjid Road, Bahruch-392001.	Bahruch

HARYANA

40.	Railway Road, Bahadurgarh-124507	Rohatak
41.	Basl Road, Gurgaon-122001.	Gurgaon
42.	Industrial Area, Faridabad, N.I.T.-121002.	Faridabad
43.	Chowk Mast-Purian, Ambala City-134002.	Ambala
44.	Subzi Mandi, Sirsa-125055.	Sirsa

HIMACHAL PRADESH

45.	Lower Bazar, 171991, District Simla.	Simla
	171991, District Simla	

APPENDIX II-C—contd

ANNEXURE I—contd.

1	2	3	1	2	3
JAMMU AND KASHMIR			69	P.B. No. 52, Patel Bhavan, Bilsapur.	Bilsapur
46.	P.B. No. 59, Indra Mansion, Shalimar Road, Raghunath Bazar, Jammu Tawi-180001.	Jammu	70	Post Box No. 32, Civil Centre, Bhillai-490001.	Durg
47.	P.B. No. 91, Amira Kadal, Srinagar.	Srinagar	MEGHALAYA		
KARNATAKA			71	Bara Bazar Road-29, Contonment Shillong-790001.	Shillong
48.	P.B. No. 14, III/C.T.S. No. 1012/ I-B, Dajiban Peth, Hubli-580020.	Dharwar	MAHARASHTRA		
49.	13652B, Arouza Buildings, Hampankatta, Mangalore-575003.	South Kanar	72	Mahatma Gandhi Road, Bombay.	Bombay
50.	3-4, Vishveswariah Bhawan, 1st Floor, Krishna Rajendra Circle, Mysore-570001.	Mysore	73	2-5-102 Station Road, Gulmandi, Aurangabad-431001.	Aurangabad
51.	Santosh Cinema Complex, Kamagwada Road, Bangalore-560009.	Bangalore	74	Novelty Chambers, Grant Road, Bombay-400007.	Bombay
52.	'Srinivaro' Bangalore-Bellary Road, Bellary-583101.	Bellary	75	129, Mandvi Janabai Bldg., Masjid Bunder, Mandvi Road, Bombay-400003.	Bombay
53.	1st Floor, Super Market, Plot No. 7 & 8, Gulbarga-585101.	Gulbarga	76	Madhu Sanchaya Tilak Road, Nasik City-422001.	Nasik
54.	11-2-7, Sukhani Building, Near Gole Thana, Raichur-584101.	Raichur	77	P.B. No. 51, 317 M.G. Road, Camp, Poona (Pune).	Pune
55.	P.B. No. 60, 590, Mandipet, Devangere-577001.	Chitradurga	78.	P.B. No. 46. Gandhi Bhawan, 'C' 1407, Laxmi Puri, Kolhapur-416002.	Kolhapur
KERALA			79	P.B. No. 20 C.T.S. 183/1, Vikhar Bhag, Sangli-416416.	Sangli
56.	P.B. No. 14, Bazar Road, Cochin-682002.	Ernakulam	80	Station Road, Nagpur-440001.	Nagpur
57.	P.B. No. 36, New Kulathunkal Buildings, 1st Floor, T.C. 21/219, Opp. G.P.O. Main Road, Trivandrum-695001.	Trivandrum	81	P.B. No. 43, Balwant Lane No. 4, Dhulia-424001.	Dhulia
58.	P.B. No. 28, Q.M.G. 526, V.Y.A., Chinnakada, Rest House, Junction-691001.	Quilon	82	Prakash Kunj, Nav Peth, Jalgaon-425001.	Jalgaon
59.	P.B. No. 1123, 21/421-C, M.G. Road, Ernakulam, Cochin.	Cochin	83	Cloth Market Tajnapeth, Akola-444001.	Akola
MADHYA PRADESH			84	Prithvi Vandhan, Gandhi Chowk, Yeotmal-445001.	Yeotmal
60.	P.B. No. 10, Jayendra Ganj, Laxkar, Gwalior-474001.	Gwalior	85	Vazirabad Road, Nanded-431601.	Nanded
61.	14 New Market, T.T. Nagar, Bhopal.	Bhopal	86	Shakar Bhavan, Morai Road, Amravati-444601.	Amravati
62.	P.B. No. 89, Jawahar Marg, Siyaganj, Indore City-452001.	Indore	87	1/5/14 Shah Road, Latur-413512.	Osmanabad
63.	P.B. No. 11, 506 Sarafa Bazar, Jabalpur-482001.	Jabalpur	87-A.	Marathi Grantha, Sangrahalaya Building, Netaji Subhas Bose Road, Thana.	Thana Distt Thana
64.	P.B. No. 23, Khandwa, Opp. Govt. Hospital, Khandwa-450001.	East Nimar	ORISSA		
65.	Church Compound Bus Station, Betul.	Betul	88	Plot No. 106-B, Unit No. VII Ground Floor, Suryanagar, Bhubaneswar.	Puri
66.	Chowradia Bhavan, Main Road, P.O. Balaghat-481001.	Balaghat	89	Patel Bldg., Baxi Bazar, Cuttack-743001.	Cuttack
67.	P.B. No. 17, Great Eastern Road, Raipur-492001.	Raipur	90	Sharma Bldg., 1st Floor, Main Road, Rourkela-760001.	Surendergarh
68.	C/o Shri K.N. Tandons Buildings, Rowa Road, Satna-485001.	Satna	91	Opp. Municipal Shopping Centre, Katcheri Road, Balasore-756001.	Balasore
				92, 226/5, Main Road, Baurabazar, Berhampur-760002.	Ganjam

APPENDIX II-C—contd.

ANNEXURE I—contd.

1	2	3	1	2	3
PUNJAB			115.	Wright Ganj, Ghaziabad-201001	Ghaziabad
93.	Dana Mandi Road, Kapurthala-144601	Kapurthala	116.	1271, Bhairon Bazar, Belanganj, Agra-282004	Agra
94.	Post Box No. 55, Mandi Road, Jullunder-144001	Jullunder	117.	8/90, 1st Floor, Arya Nagar, Kanpur-208002	Kanpur
95.	P.B. No. 36, Nijam Road, Ludhiana-144101	Ludhiana	118.	P.B. No. 161, 73 M.G. Road, Hazrat Ganj, Lucknow-226001	Lucknow
96.	P.B. No. 83, 1, Queens Road, Civil Lines, Amritsar-143001	Amritsar	119.	P.B. No. 78, C.K. 39/76, Chowk, Varanasi-221081	Varanasi
RAJASTHAN			120.	Baranawal Building, Main Road, Near Bharat Palace, Bhadoli-221404	Varanasi
97.	Saagar Chandra Road, Jaipur-302001	Jaipur	121.	P.B. No. 45, Hospital Road, Bareilly-234001	Bareilly
98.	Jalori Gate, Chopans Road, Jodhpur-342001	Jodhpur	122.	Ayodhya Dar Barrister Road, Mohalla Purdilpur, Gorakhpur-273001	Gorakhpur
99.	Cloth Market, Pali-306401	Pali	123.	Hotel Nataraj Building, The Mall, Nainital	Nainital
100.	P.B. No. 21, Arya Samaj Road, Kota-324001	Kota	124.	Beltar, Mirzapur-231001	Mirzapur
101.	P.O. Box No. 22, K.E.M. Road, Bikaner-334001	Bikaner	125.	P.B. No. 6, Station Road, Moradabad-244001	Moradabad
102.	P.O. No. 25, 10 Public Park, Sriganganagar-335001	Ganganagar	WEST BENGAL		
103.	Ladia Bazar, Nagaur, Marwar-341001	Nagaur	126.	Feeder Road, P.O. Durgapur-713201	Burdwan
104.	P.B. No. 49, Outside Gate, Udaipur-313001	Udaipur	127.	P.O. No. 29, 18/A, Grand Trunk Road (South), Howrah	Howrah
TAMIL NADU			128.	P. Box No. 40, Maleed House, 3, Netaji Subhas Road, Calcutta	Calcutta
105.	P.B. No. 190, Madras Stock Exchange Buildings, 16/17, 2nd Line Beach, Madras-600001	Madras	129.	Chhota Kothi P.O. Cooch Behar, 736101	Cooch Behar
106.	United Motors Buildings, 150, Avinash Road, Coimbatore-641008	Coimbatore	130.	N.C. Goenka Road, Darjeeling	Darjeeling
107.	Addison Bldg, Madras (T.N.), P.B. No. 2719, 158, Mount Road, Madras-600002	Madras	131.	P.B. No. 29, Theatre Road, Jalpaiguri-735101	Jalpaiguri
108.	P.B. No. 43, Opp. Thever Hall Western Boulevard Road, Tiruchirapalli-620008	Tiruchirapalli	132.	Mohowbati, Raiganj	West Dinajpur
109.	54, Beach Road, Fair Light, Tuticorin-628001	Tirunelveli	UNION TERRITORY		
110.	377, South Car Street 1st Floor, Virudhunagar-626001	Ramanathapuram	DELHI		
111.	P.B. No. 8, 15 Meenakshi, Kovil Street, Madurai-625001	Madurai	133.	Udyog Bhavan, New Delhi-110001	New Delhi
TRIPURA			GOA, DAMAN AND DIU		
112.	Mantribari Road, Agartala-799001	Tripura	134.	Swatantry Path, Vasco-de-Gama-403802	Goa
UTTAR PRADESH			135.	Rua Alfesoda de Albuquerque, Panjim-403001	Goa
113.	P.B. No. 8, 161, Khair Nagar, Bazar, Meerut City-250002	Meerut	PONDICHERY		
114.	Post Box No. 40 29, Mahatma Gandhi Marg, Allahabad-211001	Allahabad	136.	P.B. No. 61, 4, Ambalathadiar Madam Street, Pondicherry-605001	Pondicherry
			CHANDIGARH		
			137.	S.C.F. 23, Sector 15-C, Chandigarh,	Chandigarh

APPENDIX B—Contd.

ANNEXURE II

LIST INDICATING THE JURISDICTION OF THE LICENSING AUTHORITIES AND PAY AND ACCOUNTS OFFICERS (Imports & Exports)

PAO, BOMBAY	PAO, CALCUTTA	PAO, MADRAS	PAO, NEW DELHI
Jt. CCI&E, Bombay.	Jt. CCI&E Calcutta	Jt. CCI&F, Madras	Jt. CCI&E (CIA), New Delhi.
Jt. CCI&E, Ahmedabad.	Dy. CCI&F Gauhati Controller I&F, Imphal, Shillong	Jt. CCI&E, Bangalore	Jt. CCI&E, Kanpur
Dy. CCI&E, Bhopal	Controller I&E, Patna.	Dy. CCI&F Hyderabad	Dy. CCI&F, Amritsar
Controller I&E, Panjim (Goa), Controller I&F, Gandhidham (Kutch).	Controller I&E Cuttack (Orissa) Controller I&F, Agartala	Dy. CCI&E, Cochin	Dy. CCI&F Jaipur
Controller I&E Rajkot.		Controller I&E, Visakhapatnam	Controller I&E, Srinagar
Dy. Development Commissioner (Development) Santa Cruz, Bombay		Controller I&E, Pondicherry	Controller I&E, Chandigarh

APPENDIX II-C—~~concl~~

ANNEXURE III

DETAILS OF INFORMATION REQUIRED TO BE FURNISHED BY APPLICANT FOR REFUND APPLICATION FEE

1. TREASURY/BANK RECEIPT/BANK DRAFT AGAINST WHICH REFUND IS CLAIMED.

- (i) No. & date of T.R./Bank Receipt/Demand Draft.
- (ii) Name of the bank/treasury with location.

2. DETAILS OF IMPORT APPLICATION PROPOSED TO BE SUBMITTED AGAINST THE TREASURY/BANK RECEIPT/BANK DRAFT MENTIONED IN COLUMN (I) ABOVE.

- (i) Description of goods in detail
- (ii) Value of the goods.
- (iii) ITC Classification of the goods
- (iv) Licensing period.
- (v) Category of importer.
- (vi) Licensing authority.
- (vii) Sponsoring Authority (i.e. DGTD, DGS&D, certifying authority in terms of Hand Book of Import-Export Procedure, 1985-88).
- (viii) Whether or not any import application against the TR/Bank receipt/Demand draft or any application for import of item(s) and value mentioned in TR/Bank receipt/Demand draft addressed to any licensing authority mentioned in Hand Book of

Import-Export Procedures, 1985-88 sponsoring rity for grant for an essentiality certificate|import licences and if so, No. and date thereof may be furnished.

3. No. and date of communication, if any, received in connection with issue of import licence from any of the authority in para 2 above and licensing authority.

4. No./date and value of fresh TR|Bank receipt|demand draft if submitted in lieu of TR|bank receipt|demand draft for which refund is required.

5. Reasons for not applying for refund within a reasonable time of the deposit of the TR/bank receipt/bank draft.

6. Detailed reasons substantiating the claim as to why the proposed import application was not submitted to any of the licensing authority stated in para 2 above.

DECLARATION

We hereby on solemn affirmation declare that we have not submitted any application for the import licence or shipping bill or Custom Clearance Permit to any licensing authority against the TR/Bank receipt/draft No. dated for Rs.

Signature of the applicant
Name in Block Letters and Address

APPENDIX B-D

PUBLIC NOTICE REGARDING CLEARANCE OF
MERCHANDISE FINANCED BY BANKS

Copy of Ministry of Commerce Public Notice No. 60—
ITC (PN) 150 dt. 21-7-1950

SUBJECT—*Clearance of merchandise financed by Exchange Bank in India in the event of licence holders not having honoured the bills drawn under the confirmed letters of credit.*

It has been represented by certain Bank's Association that in the event of a negotiation under a confirmed irrevocable letter of credit being dishonoured by the drawee, the Bank has to implement its undertaking under the credit to remit the foreign exchange in payment but in the absence of a valid import licence made out in its own name, it is unable to clear the goods from the Customs

2. In order to avoid this difficulty it has been decided that all licence issued will hereafter be issued subject to the following condition which will be endorsed on the licence. "It is a condition of this licence that where an irrevocable letter of credit is opened by the holder of the licence to finance the import of any goods covered thereby, then the authorised dealer in foreign exchange through whom the letter of credit is opened shall be deemed to be a joint holder of his licence to the extent of the goods covered by the credit."

3. The effect of the endorsement will be that where letter of credit has been opened against a valid import licence and on arrival of the goods the licence holder does not honour the bills drawn against the letter of credit and does not produce the licence for the clearance of the goods, the Bank which has opened the letter of credit will nevertheless be able to clear the goods through the customs and remit foreign

exchange to the foreign suppliers in whose favour the credit was opened by debit to the licence in question.

4 In this respect the following procedure will be observed with immediate effect :—

- (i) The Bank clearing the goods in such cases will provide the Customs certificate to the effect that the import has been made and that foreign currency has been remitted by the Bank or its agents under the authority of valid import licence and a confirmed irrevocable letter of credit;
- (ii) They will also produce the exchange control copy of the licence or if this is not available they will furnish full particulars of the licence and of the licensee;
- (iii) At the time of clearance, the value of the goods will be debited in the licence register maintained by the Customs House with an indication that clearance has been effected by the Banks. If and when the Customs copy of the import licence is produced subsequently by the original licensee the fact that some of the goods falling under licence have already been cleared, will become immediately apparent and the Customs House will then endorse necessary debit on the licence itself; and
- (iv) To ensure that the Customs copy of the import licence is not utilised at some other port, intimation of such clearance by banks will be sent by the Customs to all other ports giving the balance for which the licence is valid.

APPENDIX II-E

FORM OF AFFIDAVIT

Form of affidavit for obtaining duplicate copies of licences and Customs Clearance Permits which are lost or misplaced

"I/We hereby solemnly affirm and declare that Customs purpose copy/exchange purpose copy/both, of licence No. . . dated . . . issued to me/us for the import/export of . . . from/to . . . has been lost/misplaced without having been registered with any customs authority and utilised at all/after having been registered with . . . (Customs House) . . . and utilised partly, the total amount for which the licence was issued is Rs. . . ."

. and the total amount for which the original copy/or duplicate is now required is to cover the balance of Rs. I/We further solemnly affirm and declare that the said licence has not been cancelled, pledged, transferred or handed over by me/us or on my behalf to any other party for any purpose/consideration whatsoever and request to cancel the original licence in lieu of which the duplicate copy has been applied for by me/us. I/We agree and undertake to return the original licence, if traced later, to the issuing authority for record.

APPENDIX II-F

IMPORT THROUGH AIR INDIA/INDIAN AIR LINES

Import licences are issued with value on c.i.f. basis. However, REP licence holders (including advance/imprest licences and Additional licences) who import goods against such licences through Air India/Indian Airlines and pay the air freight in India in non-convertible Indian rupees will be allowed to utilise the entire value of their licences on account of payment towards cost and insurance of the goods imported. In other words, that part of the value of an import licence which was intended to cover the amount on account of 'freight' will also be allowed to be utilised on cost and insurance in respect of the goods to be imported. The amount paid towards air freight will not be debited to the value of the licence. To this extent, the REP licence holder will be able to import a higher quantity of goods than what he could have imported in case the amount of freight had also been debited to the over-all value of the licence.

2. This facility will also be available in the case of 'Actual User' Licences issued for import of raw materials/components/spares/consumables and import licences for Capital Goods/H.E.P.

3. This facility will be subject to the condition that (i) the imports shall not exceed the overall value of the licence, (ii) the face value restrictions, if any, on individual items in the licence will not be exceeded; and (iii) other conditions governing the import will remain unchanged.

4. It will not be necessary for the licence holders who want to avail of this facility to obtain an endorsement from the licensing authority to this effect. The Customs authorities will allow the import in pursuance of these provisions, if otherwise in order. Similarly, the authorised dealers in foreign exchange will also not debit the amount of air freight in such cases to the c.i.f. value of the licence for the purpose of remittance abroad.

5. Licence holders who want to avail of this facility should have a clear stipulation inserted in their order and

letter of credit (where opened) that the foreign shipper should advise Air India's or Indian Air-Lines' booking office abroad that the consignment was being imported into India under para 90 of Hand Book of Import-Export Procedures 1985-88 and a bold indication to this effect made on top of the relevant Airway Bill. Such indication on the Airway Bill will enable Air India/Indian Airlines to ensure that the consignment was physically carried by an Air India or Indian Airlines flight and not transferred to a further airline in the pooling arrangement.

6. It shall be obligatory on the licence holder to furnish to the Air India/Indian Airlines the particulars of the licence against which the import is made while approaching the Air India/Indian Airlines flight and not transferred to a further airline of the goods imported. The particulars should be furnished in the preforma of the 'Information Slip' given below.

7. The provisions made in this Appendix will also apply to imports made through Indian vessels, subject to the conditions laid down.

INTIMATION SLIP

- (1) Name & address of the licence-holder.
- (2) Number and date of REP/AU/CG licence against which the import has been made.
- (3) c.i.f. value of the REP/AU/CG licence referred to in (2) above.
- (4) Value of the import consignment awaiting clearance, out of the value mentioned in (3) above.

Date _____ Signature of the licence-holder
or his authorised representative

APPENDIX H-G

FORM-M

**Form of application for import by Association of Industry/
Export House/Trading House on behalf of Actual Users**

1. Name of applicant.

(with full postal Address)

2. (a) Nature of concern whether public Sector Corporation, Co-operative Societies, Association of Industry, Export House, Trading House.

(b) Name of Directors, Partners, Proprietors, Office bearers, as the case may be.

(c) Details of branches, if any.

3. Copy of certificate issued by the State Director of Industries authorising the proposed bulk import. (This should be produced in the case of association cooperative societies.)

4. Number and date of Bank receipt/Demand Draft showing payment of the requisite fees (Bank receipt/Demand Draft may be attached).

5. Licensing period for which the application has been made.

6. Particulars of the goods to be imported :—

(a) Description of goods with Appendix No./Serial No. (in case of supplementary licence).

(b) CIF value in Rupees.

(c) Country of shipment.

7. Broad category of users and the item(s) manufactured by them.

(i) I/We hereby declare that information given in the application form is correct. I/We fully understand that any licence issued on the basis of this information will be liable for cancellation in addition to any other action that may be taken in this behalf, if it is found that any part of the information furnished is incorrect false or misleading.

(ii) I/We did not obtain Supplementary licence on behalf of the units for the preceding licensing year.

(iii) I/We hereby declare that the units on whose behalf this application has been made, have not obtained Supplementary licences separately from any licensing authority.

(iv) I/We hereby declare that materials to be imported will be distributed to the Actual Users concerned, on whose behalf the import is being made and a proper account of such distribution will be maintained for the inspection of sponsoring/licensing authorities.

Signature of the Applicant.....

Designation

Full Residential Address.....

Full official address.....

Place

Date

Documents to be furnished :—

(1) Application in duplicate.

(2) Original Bank Receipt&Demand Draft for application fee.

(3) Photostat copy of recognition certificate.

(4) Seven copies of the list of items to be imported, in the case of supplementary licence.

(5) A declaration from each unit concerned to the effect that the material imported shall be used in its own factory as per Actual User condition.

(6) A statement giving the particulars of the units concerned, their names and address (including factory address) number and date of SSI Registration, the end-products manufactured, value applied for.

(7) In case of Supplementary licence a note giving the justification for Supplementary licence may be given for each unit.

APPENDIX II-B

(A)

FORM OF BOND FOR CLEARANCE OF RESTRICTED
GOODS

Know all men by these presents that whereas the Collector of Customshereinafter referred to as 'said Collector' which expression shall include the person for the time being performing the duties of the collector of Customshas permitted the clearance of the goods in the schedule hereunder written. We (1)(importers) (2) (surety) do hereby bind ourselves and each of us and each of our heirs, executors, administrators and legal representatives, jointly and severally with the President of India to pay the said collector for the time being the sum of Rs. subject to the conditions written herein below :—

Now the conditions of the above written bond are such that if the said (1)(importers), their heirs and representatives shall deliver or cause to be delivered to the said Collector within one month from the date hereof the import licence referred to in the Schedule to cover the goods referred to in the schedule or if the said (importers), their heirs or representatives or any of them shall in lieu of the delivery of such licence upon demand by the said Collector pay or cause to be paid to him on behalf of the President of India the sum of Rs. then the above written bond shall be void and of no effect, otherwise the bond will be and remain in full force and virtue, and it is hereby declared that :—

- (a) Any forbearance on the part of the President or any other officer shall not in any way release the said surety, his heirs and representative from his or their liability under the above written bond; and

- (b) that this bond is entered into under the orders of the Central Government for the performance of the act in which the public are interested;

Schedule of goods cleared

No. Date	Description of goods	Quantity	Country of origin	Port of Shipment	Value of Goods
-------------	-------------------------	----------	----------------------	---------------------	-------------------

(1) (Importers)

(2) (Surety)

Signed, sealed and delivered by the above named in the presence of ;

Witness.....

Acceptance for and on behalf of the
President of India

Assistant Collector of Customs

(B)

FORM OF THE LETTER OF GUARANTEE

In consideration of the Collector of Customs allowing us (Importers) to clear the undermentioned goods without production of the original import licence mentioned below, we hereby undertake to produce within the month from this date the said original licence already granted to us by Government to cover *inter*

alia the undermentioned goods imported by us bearing licence No. date which has been sent to the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi/Collector of Customs.....for revalidation/clearance of other goods covered by the said licence.

Bill of entry No. and date	Description of goods	Supplier's Name	Quantity	Country of Origin	Port of Shipment & Date	Value of Goods
-------------------------------	-------------------------	--------------------	----------	----------------------	-------------------------------	-------------------

In the event of our failure to produce the original licence within the period specified above or within such extended time as the Collector of Customs may in his absolute discretion allow (and in this respect time shall be the essence of arrangement), we (importers) hereby agree to pay to the President of India the sum of Rs. whenever called upon to do so together with such penalty as may be imposed on us by the Customs authorities in respect of the above mentioned goods. We and (surety) guarantee to the President of India due payment of the said sum of Rs. and the said penalty so to be imposed as aforesaid. And is agreed and declared that :

- (a) Any forbearance or indulgence to the importer on the part of the President of India or any officer of Government shall not in any way release the said

surety, their heirs, successors, or legal representatives from their liability to this agreement.

- (b) This agreement is entered into under the orders of the Central Government for the performance of an act in which the Public are interested.

Signature of Importer.

Date.....

Signature of Surety... ..

Accepted for and on behalf of the President of India,
Assistant Collector of Customs

APPENDIX D-1

FORM 'F'

FORM OF APPLICATION FOR REVALIDATION OF
LICENCE

1. Name and full address of the licensee
2. Licence No date and value
3. File No. of the licensing authority from which the licence was issued
4. Description of goods
5. Value for which irrevocable commitment has been made during the initial period of validity including period of revalidation already availed of, if any (supporting documentary evidence should be furnished)
6. Value for which goods have been shipped during the the initial period of validity including period of revalidation already availed of, if any
7. Balance value of commitments against which shipments have yet to be made
Details of L.C.
8. Whether first or second or subsequent request of revalidation (in the case of second or subsequent requests the period of revalidation availed of earlier should be indicated).
9. Reasons for seeking revalidation (supporting documents to be furnished)

10. Period of revalidation applied for

11. List of enclosures

Note :- Bank Receipt/

Demand Draft for

Rs. 50/- must be enclosed

DECLARATION

I/We hereby declare that the above statements are true and correct to the best of my/our knowledge and belief. I/We fully understand that any revalidation granted to me/us on the basis of the statement furnished is liable to cancellation or being made ineffective in addition to any other penalty that the Government may impose or any other action that may be taken having regard to the circumstances of the case if it is found that any of the statements of facts therein are incorrect or false

(Signature with full name)

Designation.....

Relationship.....

Full official address

Full Residential address

Date

Date

APPENDIX II-

PROFORMA FOR FURNISHING DETAILS OF
PESTICIDES

Any person importing pesticides, under O.G.L., or a licence, against payment or as free sample or otherwise, should inform the Plant Protection Adviser, Faridabad under the Ministry of Agriculture, New Delhi within 15 days of clearance through customs, with following particulars:—

- (i) Name of the importer.
- (ii) Name of the manufacturer
- (iii) Name of the supplier
- (iv) Name of Pesticide including the name of technical grade material and the percentage thereof.
- (v) Quantity.
- (vi) C.I.F. value.
- (vii) Port of import.
- (viii) Date of taking delivery/clearance.
- (ix) Reference to their registration No./permission issued, by the Registration Committee/PPA.

(x) Reference No. of the licence.

(xi) Value of licence.

(xii) If imported under OGL, give No. and date of the relevant OGL.

(xiii) If the licence was utilised earlier, reference to earlier communication.

Signature.....

Name in Block Letters.....

Place :

Date :

Position Held.....

Full Official address

Full residential address

APPENDIX II-B

PROFORMA FOR SEEKING CLARIFICATIONS BY ACTUAL USERS (INDUSTRIAL)

1. Name and address of the Actual User
2. Name of the Sponsoring authority
3. Product manufactured.
4. Complete description (including specifications/literature/catalogue, if available) of the item for which a clarification is required. (In the case of Chemicals, please give technical name and synonyms, if any).
5. Indicate the entry and Appendix No. for the item in the Import & Export Policy, 1985-88 (Vol. I).
6. Whether the item was earlier imported and, if so, under what classification, i.e. give Entry No. and Appendix No. under which cleared by the Customs, alongwith the classification accepted by the Customs.
7. Details regarding end use i.e. whether raw materials, components, spare, tooling, packing material or consumable. (For consumable, please indicate in which process used).
8. Clarification sought by the Actual User with their views.
9. Any other relevant information.

APPENDIX II

INFORMATION TO BE SUPPLIED FOR CONSIDERING REPRESENTATIONS SUGGESTING BAN/RESTRICTION/LIBERALISATION IN THE IMPORT POLICY OF INDIVIDUAL ITEMS

- | | |
|--|--|
| <ol style="list-style-type: none"> 1. (a) Name and address of the party making the representation. (b) Whether it is large scale or S.S.I. unit or a trader. 2. Description of the item for which change in import policy is suggested. 3. Existing import policy of the item. <ol style="list-style-type: none"> (a) For Actual Users. (b) For Registered Exporters. (c) For Others. 4. End-product(s) for which the item mentioned in column 2 above is used 5. Import duty. 6. Estimated annual domestic demand in the country. 7. Indigenous rated capacity per annum. 8. Actual indigenous production during the last three financial years and current year to-date (year-wise) | <ol style="list-style-type: none"> 9. Actual imports into India during the last three financial years and current year to-date (year-wise) 10. Landed cost (in Rs.) per unit of imported product. 11. Wholesale market price per unit of indigenous product. 12. Any other relevant information. 13. Suggestion in brief. |
|--|--|

Signature
(Name in block letters and designation)

Place

Date

NOTES :

- (1) The above information may be given to the extent available to enable proper examination of the suggestion.
- (2) This proforma should be sent in duplicate.

APPENDIX II-M

IMPORT-EXPORT ENQUIRY SLIP

1. Name & Address of the applicant Serial No.
2. Name, Designation, Address & Telephone No. of the person
for making the enquiry
3. Date and number of—
 - (a) Application
 - (b) Acknowledgement
 - (c) Any subsequent communication received and replied
 - (d) Reference No. of CCI & E, if any
4. (a) Category of application (i.e. CG/RM/Misc.)
- (b) Brief description of goods
- (c) Part and Serial No. of ITC Schedule
- (d) C.I.F. value applied for
- (e) Industry to which application pertains (end product)
5. No. and date under which the application is forwarded/recom-
mended by any other authority
6. Whether any officer was interviewed for this case or position
obtained, if so when?
7. Information desired

Place
Date

Signature of the Enquirer
Designation
Full Official Address
Full Residential Address

Passed to Section.....for noting below the position and immediate return to the undersigned
The party has been advised to collect information on-----at-----AM/PM.

Enquiry Officer

Remarks of the Controller of the Section on the position of the Application
CONTROLLER (-----Section/Branch)

COUNTERFOIL

No.....Dated.....

1. Name and address of the applicant firm
2. Description of goods
3. Date and time when information is likely to be available
4. C. C. I & E. reference number, if any

APPENDIX II-N

INTERVIEW SLIP

<i>Serial No.</i>	7. No. and date under which the application is forwarded/ recommended by any other authority	
1. Name and address of the Applicant	8. Brief resume of points of discussion (use reverse of the form, necessary)	
2. Name of representative with designation and his connec- tion with the firm	9. Whether any officer was interviewed for this case; or position obtained. If, so when?	
3. Officer to be interviewed	Interview timings	
4. Date of desired interview		Signature.....
5. Number and date of : —		Full Official Address.....
(a) Application. . .	Place	Full Residential Address..
(b) Acknowledgement, and	Date	
(c) Any subsequent commu- nication received and replied	Remarks of the Enquiry Officer	
6 (a) Category of application	N.B.—Separate form should be used for each application.	
(b) Brief description of goods		
(c) Serial No. ITC/ETC Schedule . . .		
(d) C.I.F./F.O.B. value . . .		
(e) Industry to which application pertains . . .		

COUNTERFOIL

S.No. Date Stamp

1. Name of applicant.
2. Name of the representative.
3. Officer to be interviewed.
4. Date and time of interview.

(Signature of the Enquiry Officer)

APPENDIX E-O

PROFORMA OF INCOME-TAX DECLARATION

(To be submitted alongwith import application, as required vide para 52)

A. In cases of persons not having taxable income.

I/We hereby solemnly declare that I/We are not liable to pay any income-tax, including advance tax as the income earned by me/us during the current accounting year and the last four accounting years has been below the maximum limits not chargeable to tax.

B. In cases of persons having taxable income.

I/We hereby solemnly declare that:—

- (i) I/We have furnished to the Income-tax Department the return(s) of income due from me/us till date.
- (ii) I/We have paid all taxes including advance tax due from me/us under the Income-tax Act other than the tax demand which has been stayed by the competent authority.
- (iii) I/We have not been penalised*/convicted for concealment of income/wealth during the last three calendar years.
- (iv) (a) I/We hereby solemnly declare that the above declaration also applies in the case of companies in which I/We am/are having substantial interest** or the firms or associations of persons in which I/We am/are partner or member respectively;

OR

- (b) the above declaration is applicable in case of the persons having substantial interest** in the applicant company or members of the applicant cant association or partner of the applicant firm.

Signature
 Full official address
 Full residential address
 Permanent Account Number
 Designation of the ITO
 with whom assessed/assessable

Place

Date

*If an appeal has been filed against the levy of penalty and the appeal is pending before the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax or the Income-tax Appellate Tribunal, such penalty need not be taken note of for the purpose of this declaration.

**The words "substantial interest" shall have the same meaning as in the explanation to Section 40(a) (2) of the Income-tax Act, 1961.

APPENDIX II-P

FORM—P

APPLICATION FOR THE RE-IMPORT OF GOODS
AFTER REPAIRS ABROAD

Part—I

- (1) Name of Applicant.
- (2) Full Postal Address
- (3) Address of Factory/Unit.
- (4) Registration No. allotted by the Sponsoring Authority or No. and date of Industrial Licence
- (5) Date of establishment of the Unit
- (6) (a) Description of goods to be exported for repair and subsequent return
- (b) Value of the item.
- (c) Cost of repairs, freight and insurance, if any to be paid.
- (d) Nature of repairs/modification etc.
- (7) (i) Country of shipment.
- (ii) Country from which the goods were originally imported, if of foreign origin.
- (8) Certificate from D.G.T.D. to the effect that the goods being sent for repairs abroad cannot be

repaired in India (in case of goods of Indian Origin).

- (9) Manufacturer's letter, if any, indicating the charges towards repairs, freight and insurance.

- (10) Bank receipts/Demand draft No. and date (to the attached in original).

I/We hereby declare that the above statements are true and correct to the best of my/our knowledge and belief. I/We fully understand that any licence granted to me/us on the basis of the statement furnished is liable to cancellation in addition to any other penalty that the Government may impose having regard to the circumstances of the cases. If it is found that any statements of facts therein are incorrect or false.

Signature

Name in Block Letters

Designation

Full official address

Residential Address

Place

Date

Part-II

INCOME-TAX DECLARATION

(Form of income tax declaration has been given in Appendix II-O).

APPENDIX II-Q

PROCEDURE FOR RAISING DEBIT TO THE VALUE OF LICENCES

Import Licence for Capital Goods and heavy Electrical Plant.

1. While issuing import licences for Capital Goods and Heavy Electrical Plant the licensing authorities will calculate the value of the goods to be imported as covered by the licence by taking into account the 'exchange rate' notified by the Department of Revenue (Customs) under Section 15 of the Customs Act, 1962, and prevailing on the date of issue of the import licence. The said exchange rate will also be separately mentioned by the licensing authority on the body of the licence for the purpose of reference by the customs and the exchange banks. The customs authorities and the authorised dealers in foreign exchange will make debits to the value of the licence at the exchange rate specified by the licensing authority on the import licence.

Import Licences for raw materials Components and spares issued against Foreign Credits by Direct Payment Procedure.

2. The procedure as indicated in paragraph 1 above will also apply to import licence for raw materials, components and spares issued against foreign credits covered by Direct Payment Procedure. These provisions will equally apply to any other licences issued against foreign credits covered by Direct Payment Procedure.

Import replenishment licences issued under the import policy for Registered exporters

3 For the purpose of REP benefits under the Import Policy for Registered Exporters the rupee equivalent to the f.o.b. value of export will be calculated by taking into account the 'exchange rate' prevalent on the date of purchase/negotiation of export documents and not at the central rate as hitherto adopted. Bank certificates on the basis of which REP benefits will be determined under the Import Policy for Registered Exporters will be prepared on the following basis :—

(a) Bills purchased or negotiated in respect of out-right sale

The actual amount paid at the authorised dealers O.D. (on demand) buying rate to the exporter by the authorised dealers against the bill purchased or negotiated.

(b) Bills for collection (out right sale)—

Amount which the authorised dealer would have paid applying the O.D. (on demand) buying rate on the date they send the documents for collection had they purchased/negotiated the bills on that date.

(c) Exports on consignments basis—

The amount paid by the authorised dealer to the exporters at the authorised T-T, buying/O.D. buying rate as the case may be on the date of realisation of export proceeds

4. The forms of bank certificate which Registered Exporters will be required to produce are given in the Appendix XIV-D.

5. The Custom authorities and the authorised dealers in foreign exchange will debit the REP licences at the exchange rate current at the time of presentation of import documents in accordance with the procedure described in para 7 below.

Import Licences other than those mentioned Above.

6. The value of the import licences in such cases will be determined in terms of rupees by the licensing authorities in

accordance with the import policy in force. Such cases will not involve any conversion of the value of the licence into rupees taking into account the exchange rate prevalent on the date of issue of the licence or on any other date. The custom authorities and the authorised dealers in foreign exchange will debit these licences at the exchange rate current at the time of presentation of import documents in accordance with the prescribed procedures and ensure that the amounts so debited are within the value of the licence export to the extent authorised in para 7.

7. In case of imports against REP licences and 'other' licences referred to in paragraphs 3—6 above, the authorised dealers in foreign exchange and the custom authorities may, in their discretion, condone the excess value, if any, in the manner indicated below :—

(i) the authorised dealers in foreign exchange may condone the excess, if any, in the licence value at the time of remittance, resulting from a variation between the exchange rate prevalent on the date of opening of the irrevocable Letter of Credit and the exchange rate on the date of actual remittance. If no irrevocable Letter of Credit has been opened, the authorised dealer in foreign exchange may condone the excess, if any, as a result of a variation between the exchange rate prevalent on the date of shipment and the exchange rate on the date of remittance.

(ii) if the Importer produces the Exchange Control copy of the licence, the custom authorities may allow clearance of the goods for the value for which remittance has been authorised by foreign exchange dealer by taking into account the condonation on account of variations in exchange rates as indicated in (i) above.

(iii) if the importer does not produce Exchange Control copy of the Import licence before the custom authorities, such authorities will debit the exchange rate as notified by the Deptt. of Revenue (Customs) under section 15 of the Indian Customs Act, 1962 on the date of shipment indicated on the bill of lading. The excess, if any, in the licence value, resulting from a variation between the exchange rate prevalent on the date of presentation of the Customs Bill of Entry and the exchange rate on the date of shipment, may be condoned by the Custom authorities.

NOTE :—In case of exports taking place on an approved deferred payments terms, the O.D. (on demand) buying rate applicable on the date of shipping documents are submitted to the authorised dealers for despatch to the overseas buyers, may be adopted for the purpose of para 3 above

Export from India to Poland under the Trade and Payment Agreement

Attention is invited to the Ministry of Commerce Public Notice No. 14-ITC(PN)/75 dated the 20th February 1975 regarding imports from Poland under the Trade & Payments Agreement.

2. It has been decided that all contracts and the commercial and financial documents relating to export of goods and services from India to Poland may be executed either in U.S.

APPENDIX II-Q *concid*

Dollars or in Indian Rupees as decided by the concerned exporters. The payments in either case will, however, be effected in non-convertible Indian rupees. In cases, where the prices are expressed in US Dollars, the US Dollars will be converted into Indian rupees at the dollar/rupee rate prevailing on the date(s) of making payment obtained on the basis of :—

- (a) The previous working day's closing middle rate for the dollars in terms of pound sterling in the London Market; and

- (b) The middle rate of the Indian commercial bank maintaining the account of bank Handlowy Wazow Wia SA for buying and selling Pound Sterling in terms of Indian rupees.

3. It may be clarified that for the purpose of obtaining REP benefits, the Indian exporters will be, as at present, required to produce bank certificate in the prescribed form as provided in Annexure VI at page 241 of the Import Trade Control Policy (Red Book-Vol. II) for the period April 1975-March 1976 as may be amended from time to time.

APPENDIX III-A

FORM 'E' (CG)

PART-I

IMPORT LICENCE APPLICATION FOR CAPITAL
GOODS AND HEAVY ELECTRICAL PLANTS

(Seven copies to be submitted)

NOTE

1. Applicants are advised to read the licensing instructions for the current period as mentioned in Hand Book of Import-Export Procedures and Import Policy before filling up the application form. The application should be legible and complete in all respects to avoid correspondence/delay and rejection.
2. The application should be signed by the authorised representative of the company.
3. Documentary evidence and supporting documents asked for and applicable must accompany this application.

1. PARTICULARS OF APPLICANT

- 1.1 Name
- 1.2 Registered Address
- 1.3 Postal address for correspondence
- 1.4 Sponsoring authority
- 1.5 Administrative Ministry

2. NATURE OF CONCERN

- 2.1 Proprietary/Partnership/Private Ltd./Public Ltd.
- 2.2 whether the undertaking is registered under the MRTP Act
- 2.3 In case of Limited Companies, details of capital structure
 - (i) Capital structure
 - (ii) Authorised issue and subscribed capital
 - (iii) Foreign shareholding, if any, and percentage thereof with full particulars
- 2.4 Name and addresses of the proprietors/partners/Directors

3. PARTICULARS OF THE INDUSTRIAL UNIT

- 3.1 (a) Name and location of the unit
 - Tehsil
 - District
 - State
- (b) Whether the Tehsil/District is a notified backward area eligible for investment subsidy from the Government or eligible for concessional finance, if

so, the following further details may be furnished :

- (i) Notified backward area/district in an industrially backward State/Union Territory.
- (ii) Notified backward area/district in an industrially forward State/Union Territory.
- (iii) Non-backward area/ district in an industrially backward State/Union Territory.

(c) Whether the proposed locations falls :

- (i) within the standard urban area unit, as determined in the Census in India 1971, of a city having a population of more than 1 million ; or
- within the municipal limit of a city of population of more than city of population 0.5 million as determined in the Census of India, 1971

- (d) In cases the posed location is not in a notified backward area, whether the entrepreneur is prepared to locate the activity in a notified backward area, if so, his order of preference, should be indicated

- (c) whether the proposed location falls within the 'No' industry Districts' as listed in the Press Note No 10/1/82-LP dated 27-2-82, issued by Department of Industrial Development and, if not, whether the entrepreneur is prepared to locate the activity in a 'No Industry District'

Whether an industrial licence or a letter of intent has been issued under the Industries (Development Regulation) Act 1951.

APPENDIX III-A *contd.*

- 3.3 (a) If exempt from licensing furnish details of registration No. and date with State Director of Industries/DGTD/Textile Commissioner/Jute Commissioner/Iron and Steel Controller/other Sponsoring authority
- (b) If you propose to apply for registration with DGTD/Textile Commissioner/Jute Commissioner/Iron and Steel Controller/other sponsoring authority, furnish the following information :
- (i) Item of manufacture
- (ii) Annual capacity proposed
- (iii) Is the proposed investment for a new undertaking or for manufacture of new articles or for expansion in the existing undertaking.
- (iv) Annual Production
- (a) Quantity
- (b) Ex-factory value
- 3.4 If the applicant is a small scale unit, whether it will continue to remain so after the proposed import
- 3.5 Whether approval/licence granted by the Government and/or for the foreign collaboration approval contain any condition of export ? If so, furnish details
- 3.6 Whether foreign collaboration, financial and or technical, is involved if so, whether it has been approved
- 3.7 Manufacturing capacity per annum

Item of manufacture	Licensed capacity (existing)	Licensed capacity (approved)	Capacity covered by C.G. application on maximum utilisation
---------------------	------------------------------	------------------------------	---

- 3.8 Book value of production for the last three years or since commencement of production
- 3.9 Whether the articles proposed to be manufactured are being imported, If so, furnish if possible the average value of *costs (c.i.f.)*
- 3.10 Whether the articles proposed to be manufactured can be exported. If so, whether the applicant can undertake an export obligation and the extent of such obligation in terms of the percentage and value of products

4. INVESTMENT

- 4.1 Total investment in land and building and machinery (Existing) (Proposed)
- Land and building
- Machinery
- Total
- 4.2 Value of imported plant and equipment
- Existing
- Proposed
- Total
- 4.3 Does the value of equipment proposed to be imported exceed the estimated value of imported equipment as indicated in the application for Letter of Intent/Industrial Licence
- 4.4 If the answer to 4.3 is in the affirmative, indicate the percentage and extent of increase and reasons thereof

5. REQUIREMENTS OF RAW MATERIALS COMPONENTS

A. Raw materials

Imported		
Name of raw material(s)	Quantity	Value (Rs.)
Indigenous		
Name of raw material(s)	Quantity	Value (Rs.)
B. Components ;		
Imported		
Name of the components	Quantity	Value (Rs.)
Indigenous		
Name of the components	Quantity	Value (Rs.)

- (2) (a) Volume of exports and its FOB value.
- (b) What will be the gestation period which you consider necessary for achieving export targets
- (c) Whether you have been engaged in the business of exports of manufacture for export and if so, indicate the items of export along with their FOB value during the last 3 years.
- (3) What would be minimum percentage of value addition which you will achieve on the authorised production of the undertaking (Domestically procured raw material shall be treated as imports for computation of value added).

APPENDIX III-A (contd.)

- (4) Effect on balance of payments for the first 5 years.

(a) Foreign exchange earnings based on f. o. b. value of exports covered by export obligation

(b) Foreign exchange outgo on :—

(i) import of machinery and equipment

(ii) imports of raw materials and components.

(iii) repatriation of dividends and profits to foreign collaborators.

(iv) other payments to collaborators by way of lump-sum, royalty, technical know-how fee, etc.

(c) Net foreign exchange outgo or inflow (a) minus (b)

5.2 Requirements of imported components per annum for 5 years

years	Item	Qty.	Value (CIF)
1st year			
2nd Year			
3rd year			
4th year			
5th year			

6. PURPOSE OF IMPORT

6.1 Whether the Capital goods applied for the purpose of :

(i) New undertaking

(ii) New article diversification

(iii) Substantial expansion

(iv) Balancing

(v) Replacement

(vi) Modernisation

(vii) Testing

(viii) Quality Control

(ix) Prototype for manufacture

(x) Research and Development

6.2 If the import is for balancing/replacement modernisation whether it will result in an increase to licensed/approved capacity

6.3 In case of import of machines for replacement

(i) Date of installation of original machines

(ii) Arrangements for the disposal of old machines.

(iii) Furnish details of the effort made for procuring the machine in question from indigenous manufacturers indicating the name of the manufacturer contacted for the purpose and the result thereof

7. MANNER OF FINANCING IMPORTS

7.1 Foreign equity, if so, furnish full details of financial participation, approved amount utilised and the balance available.

7.2 Investment by non-resident Indian Nationals

7.3 Supplier credit

7.4 Private foreign exchange loan

7.5 Borrowing from IFC, ICICI/State Financial Corporations

8. DETAILS OF CAPITAL GOODS APPLIED FOR

8.1 Whether it is machinery, machine tools or heavy electrical plant

8.2 Description ITC No. Quantity FOB value in Rs. Country of origin

Total FOB Value Rs.

8.3 Value of initial spares (FOB Rs.)

8.4 Estimated freight (Rs.)

8.5 Insurance (Rs.)

8.6 (i) Total c.i.f. values (8.2+8.3+8.4+8.5) In Rs.

(ii) in Foreign Exchange

(iii) Rate of exchange used in conversion of Rs. into foreign exchange

8.7 Agent's Commission or procurement fee, if any payable in foreign exchange

APPENDIX III-A (contd.)

- 8-7A. Erection charges. If any payable in foreign exchange.
- 8-8 Condition of machinery whether new, second-hand or reconditioned
- 8-9 Details of connected import CG licences already received/applied for procured from PEC/ other sources licences No. Date, Value, source of financing, sources of Import.
- 8-10 Whether any further imports of capital goods are envisaged for the project in addition to the items covered in the present application
9. SPECIFIC INFORMATION ON IMPORT LICENCES TO BE ISSUED
- 9-1 Validity period required for the import licence
- 9-2 Endorsement to avail of concessional rate of duty under ICT-72-A as project imports required.
10. DETAILS OF SUPPORTING DOCUMENTS/ INFORMATION
- 10-1 Original Bank Receipt/ Demand Draft. No. Date Value Rs. ☐ Enclosed
- 10-2 Photostat/attested copy of Industrial Licence/ Letter of Intent, Registration Certificate from Sponsoring authority ☐ Enclosed
- 10-3 Proforma invoice/other documentary evidence in duplicate in support of goods indicating date of invoice and its validity ☐ Enclosed
- 10-4 Copies of Literature/ Pamphlets/Specifications giving complete details of goods to be imported ☐ Enclosed ☐ Not applicable
- 10-5 Copy of each advertisement in ITJ ESB Volume Date ☐ Enclosed
- 10-6 Tabular statement of Responses received against advertisement/ enquiries ☐ Enclosed
- 10-7 Original Certificate, from Small Industries Services Institute, certifying essentiality for replacement of machinery in case of Small Scale Industrial units only. ☐ Enclosed
- 10-8 Chartered Engineers Certificate in original regarding present condition of Machinery/ Equipment to be replaced ☐ Enclosed ☐ Not applicable
- 10-9 If secondhand reconditioned machinery is to be imported a certificate certifying machinery's age present condition original and present value and probable unexpired life from the chartered engineer ☐ Enclosed
- 10-10 Photostat/attested copy of registration certificate in case of Research and Development institute/Laboratory registered with the Administrative Ministry ☐ Enclosed ☐ Not applicable
- 10-11 Proform regarding import of Prototype as per Appendix III-H of ITC Hand Book of Import Export Procedure 1985-88
- 10-12 Copies of Correspondence, if any, regarding efforts made to import machinery from Rupee Payment Area
- 10-13 Attested / Photostat copies of enquiries made to foreign suppliers and their replies where efforts have been made to obtain blue Prints/Drawing of equipments of machinery sought to be imported. ☐ Enclosed ☐ Not applicable
- 10-14 Documentary evidence showing Government approval for :
- (i) Foreign Collaboration ☐ Enclosed ☐ Not applicable.
- (ii) Copies of Reserve Bank, of India Certificate regarding balance available against foreign equity capital in cash ☐ Enclosed ☐ Not applicable
- 10-15 (i) Attested/Photostat copy of terms and conditions of private credit arranged ☐ Enclosed ☐ Not applicable.
- (ii) Statement showing countries of import preferences in case of Bilateral/ Free Foreign Exchange ☐ Enclosed ☐ Not applicable

APPENDIX III-A *concl.*

(PART II)

'E' (CG) FORM APPLICATION

(To be submitted along with seven copies of application in 'E' (CG) form for import of Capital Goods by Exporters/Manufacturers)

1. Name and full address of the exporters/manufacturers .
2. Nomenclature of products manufactured indicating the products being exported.
3. Quantity and value of production of each of the products manufactured in the last three financial years till to date (in computing the value of production please give both the internal sale value as well as the f.o.b. export value)
4. Quantity and f.o.b. value of export product-wise for the period as at (3) above (including also the countries to which exported. A statement of export in terms of quantity and f.o.b. value certified by the concerned Export Promotion Council/Commodity boards should be enclosed)
5. Increase in future exports as a result of the installation of capital goods sought for import over the next five years both in terms of quantity and value
6. Whether any export obligation was imposed in the letter of intent or industrial licence, if so furnish details.
7. Whether present application is connected with any foreign collaboration, if so, whether any export obligation was imposed in the Foreign Collaboration approval.
8. Whether you have any unfulfilled export obligation, if so, details should be furnished
9. Whether you are prepared to undertake an export obligation, if so, the extent of such obligation in terms of the percentage and value of production

10. Whether you have made any application to DGTD/CCI & E/Office of Development Commissioner, Small Scale Industries etc. for Import of Capital Goods during the last 12 months, if so, give details of capital goods applied for, Capital goods cleared for import by Government, their value, source of finance and whether imports effected. In case any application for import of capital goods has been submitted against your export performance, please give details thereof .

PART III

'E' (CG) FORM APPLICATION

(To be submitted along with seven copies of application in 'E' (CG) form for import of Capital Goods by Public Sector Undertakings)

- (1) Date of approval of the project by the Government along with the particulars of the sanction letter;
 - (2) approved project cost;
 - (3) foreign exchange component included in the approved project cost referred to at (2);
 - (4) foreign exchange commitments already entered into for import requirements of the projects; and
 - (5) balance foreign exchange available for further commitments.
- (1) I/We hereby declare that the above statements are true and correct to the best of my/our knowledge and belief.
- (2) I/We hereby declare that the goods for import of which the application has been made shall be used only for the manufacture of (Name of end-products) and for the capacity licensed under the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 or approved by Government.
- (3) I/We hereby declare that the machinery to be imported shall not add to the capacity beyond the capacity approved under Industrial Licence/Registration No.
- (4) I/We hereby declare that items required for modernisation, quality control equipment etc. shall not add to the capacity beyond the approved capacity and I/We shall not undertake any manufacturing facilities for items reserved for small-scale sector.
- (5) I/We hereby declare that new capacity will not in violation of the policy of restriction placed the establishment of industries in the classified urban areas.

Signature

Name in Block Letters

Designation

Full Residential address

Full Official address

Place

Date

PART IV

INCOME TAX DECLARATION

(Form for income-tax-declaration has been given in Appendix II-O.)

APPENDIX III-B

FORM—9

Form of Application for Import of machinery by Actual
Users (Non Industrial)

(Five copies to be submitted)

PART—I

1. PARTICULARS OF APPLICANT

- 1.1 Name
- 1.2 Registered Address
- 1.3 Postal Address for correspondence
- 1.4 Sponsoring authority
- 1.5 Administrative Ministry

2. NATURE OF CONCERN

- 2.1 Proprietary/Partnership/Private Ltd./Public Ltd.
- 2.2 Names and address of the proprietors/partners/Directors

3. INVESTMENT.

- 3.1 Total Investment (in land and building and machinery. Existing (Proposed)

Land and building

Machinery

Total

- 3.2 Value of imported plant and equipment.

Existing

Proposed

Total

4. PURPOSE OF IMPORT

- 4.1 In case of Import of machines for replacement.

- (i) Date of Installation of original machine.
- (ii) Arrangements for the disposal of old machines.
- (iii) Furnish details of the efforts made for procuring the machine, in question, from indigenous manufacturers indicating the name of the manufacturers contacted.

5. DETAILS OF SUPPORTING DOCUMENTS/ INFORMATION.

- 5.1 Original bank receipt/Demand Draft.

No.

Date

Value Rs.

- 5.2 Copies of Literature/Pamphlets/Specifications giving complete details of goods to be imported.

- 5.3 Copy of each advertisement in ITJ/ESB.

- 5.4 Tabular statement of responses received against advertisement enquiries.

- 5.5 Chartered Engineers Certificate in original regarding present condition of Machinery/Equipment to be replaced.

- 5.6 If secondhand/reconditioned machinery is to be imported a certificate certifying machinery age present condition original and present value and probable unexpired life from the chartered engineer.

- 5.7 Copies of correspondence, if any, regarding efforts made to import machinery, from Rupees Payment Area.

- 5.8 Attested Photostat copies of enquiries made to foreign suppliers and their replies where efforts have been made to obtain Blue prints/Drawing of equipment of machinery sought to be imported.

(1) I/We hereby declare that the above statements are true and correct to the best of my/our knowledge and belief.

(2) I/We hereby declare that the goods for import of which the application has been made shall be used only for the purpose for which the import licence has been issued.

Signature

Name in Block Letters

Designation

Full Residential address

Full Official address

Place

Date

PART II

INCOME-TAX DECLARATION

(Form for Income-tax declaration has been given in Appendix II-O).

APPENDIX III-C.

FORM OF APPLICATION FOR IMPORT OF COMPUTER/COMPUTER SUB SYSTEMS/
COMPUTER BASED SYSTEM

File No

Subject : Import of _____
by _____
from (foreign supplier) _____
through (Indian agent) _____
at a total FOB/CIF value of _____

1. User Reference No
2. Name of the user organisation
3. Address
4. Contact person
5. Computer Items (with configuration details) to be Imported

Sl. No.	Model No.	Qty.	Description	FOB/CIF value
6.	Spares, Tools & Test Equipment (Cost)			
7.	Documentation & Training charges			
8.	Agency commission/service charges payable in Indian Rupees and the role of Indian Agents			
9.	Background of the Organisation			
10.	Justification for the import of proposed computer items clearly explaining the end-use of the equipment			
11.	If clearance from Ministry of labour is required, attach copy of the letter			
12.	Budgetary provision from the competent authority			
13.	Whether any indigenous system can meet your requirement? If so, reasons thereof and a comparative statement of systems considered by you should be enclosed			
14.	Is the present import for augmentation of existing computer system if so, please indicate			
	(a) Complete system configuration of the existing computer system			
	(b) Reference			
	(c) Date of Import and Installation			
	(d) FOB/CIF value			
	(e) Any further augmentation envisaged during the current financial year			
15.	Technical literature on the proposed items to be imported and copy of proforma invoice are enclosed			
16.	Terms of warranty			
17.	Maintenance Plans			
18.	Any other remarks			
19.	Import licence application in form 'E' CG/NRI (as applicable) together with list of goods, proforma invoice literature and other supporting documents			

- NOTE : 1. Application will not be considered if complete information is not provided.
2. All details should be provided within the space allotted on the form. Only in exceptional cases additional pages of the same size may be attached.
 3. One copy of this is sufficient.
 4. Imported computer system/computer related equipment is to be maintained either in-house by the user or by Computer Maintenance Corporation.
 5. Technical literature on the proposed item to be imported and copy of proforma invoice must be enclosed with the application.

Signature of the user
Dated _____
Official Seal

APPENDIX III-C (Contd.)

FORM OF APPLICATION FOR IMPORT OF COMPUTER/COMPUTER SUB SYSTEMS UNDER THE SCHEME OF PROJECT OF SOFTWARE EXPORT

APPLICATION FOR THE SOFTWARE EXPORT PROJECT

NOTE

1. Applicants are advised to read the Licensing Instructions and policy on software export projects before filling up the application form. The application should be legible and complete in all respects to avoid correspondence delay and rejection.
2. The application should be signed by the authorised representative of the company in case of Categories 'A' and 'C' and by the non-resident Indian in case of Category 'B'.
3. Documentary evidence and supporting documents asked for and as applicable must accompany this application.
4. Two copies of application, complete in all respects, need to be submitted to Department of Electronics (Computer Directorate), Lok Nayak Bhavan, New Delhi.

1. Particulars of Applicant

- 1.1 Name
- 1.2 Registered Address
- 1.3 Postal address for correspondence
- 1.4 Telephone, Telex

2. Category under which Import is proposed

3. Nature of Organisation

- 3.1 Private/Partnership/Private Ltd/Public Ltd.
- 3.2 Whether the undertaking is registered under the act.
- 3.3 In case of Limited companies, details of capital structure:
 - (i) Capital Structure
 - (ii) Authorised, issued and subscribed capital
 - (iii) Foreign share-holding, if any and Percentage thereof with full particular
- 3.4 Name and Address of Proprietors/Partners/Directors

4. Technical Capability

- 4.1 Include companies previous record of computer projects, installations owned etc.
- 4.2 If the organisation has previous export for domestic computer experience please provide list of projects giving:
 - (a) Title and brief description of project
 - (b) Details of Government of India's approval etc.
 - (c) Value of project
 - (d) Nature of work
 - (e) Have you imported in past a computer system for software export? If yes, then give complete details thereof
- 4.3 Describe how you plan to achieve the export commitment giving details of:
 - (a) Region of operation
 - (b) Method of execution of projects
 - (c) Marketing methods
 - (d) Programme of introduction, training and deployment of personnel.

5. Plan of Utilisation of Imported Computer:

- 5.1. Where will the computer be installed
- 5.2. Expected proportion of computer time and personnel to be engaged in export projects
- 5.3. Nature and details of domestic work to be undertaken.

APPENDIX III-C—(Contd.)

6. Software Export Details :

- 6.1 Total value of firm orders received US \$/Rs. (attach copies of supporting documents)
- 6.2 Total value of anticipated orders U.S. \$/Rs. (attach copies of letter of intent etc.)
- 6.3 Exports expected Foreign exchange earnings year wise for 5 years
- 6.4 Please indicate why import of the proposed computer equipment is essential for fulfilling the export orders.
- 6.5 Please explain why exports cannot be achieved by using locally available or installed computers.
- 6.6 Please describe the planned nature of export activities areas of computer application, results of initial market studies conducted by the specified time and details of associated companies, agents etc
- 6.7 Please indicate details of foreign firm with whom you are in contact for software export

7 Configuration of the Computer System Proposed to be Imported

- 7.1 Detail configuration with model No./type No. quantity etc
- 7.2 (a) Cost (FOB) of the computer system
(b) Freight and Insurance
(c) Total CIF cost
- 7.3 Please attach proforma invoice
- 7.4 Please attach technical literature/details of the items proposed to be imported
- 7.5 Please indicate that whether the proposed computer system is new or old (in case of old, details thereof)
8. Please indicate your plans for maintenance of computer system
9. Please indicate that how you plan to finance the software export project
(a) Cost of computer system
(b) Custom duty
(c) Other expenditure
10. In case computer system is proposed to be imported under Category 'C' then please also furnish the following:
- 10.1 Name and address of the foreign firm, who is giving the computer system on loan;
- 10.2 Details of the foreign firm
- 10.3 Technical details of software to be developed for export
- 10.4 Duration of Loan/software export contract?
- 10.5 Please attach the copy of software export contract entered by the applicant with the foreign firm and their undertaking to loan the computer system.
- 10.6 Please attach applicant's undertaking on return of the computer system to its supplier after expiry of the software export contract?
11. Do you propose to undertake software export through overseas communication data link. If yes, then furnish copies of correspondence with Ministry of Communication, P&T Department.

I/We hereby declare that the above statements are true and correct to the best of my/our knowledge and belief

Signature
Name in Block letters
Designation
Full Residential Address
.

PART II

INCOME-TAX DECLARATION

(Form for income-tax declaration has been in Appendix II-O)

APPENDIX III-D

FORM—R

FORM OF APPLICATION FOR IMPORT OF
MACHINERY/GREEN HOUSES FOR AGRICULTURAL
DEVELOPMENT

PART I

1. Name of the Applicant.
2. Full Postal Address.
3. Address of location of Farm/Agricultural land.
4. Particulars of the goods to be imported.
5. C.I.F. value of the licence applied for.
6. Bank receipt/Demand Draft No. and date.
7. (i) Country of origin
(ii) Country of Shipment
8. Whether the Farm/Agricultural Land is managed by Government or some Corporation etc (to be named); and if managed by Govt. whether it is managed by the Central or State Govt.
9. Particulars of grants, if any received from the Central/State Government or any other Body (to be named).
10. Justification for import including export potential.
11. Details of existing equipment/agricultural implements.
(i) Imported :
(ii) Indigenous :
12. If the import is free of charge, the name and address of the donor.

DECLARATION

- (1) I/We hereby declare that if this licence is granted the goods will be utilised only in my/our Farm/Agricultural land and that no portion thereof will be sold to or permitted to be utilised by any other party.
- (2) I/We hereby declare that the above statements are true and correct to the best of my/our knowledge and belief.
- (3) I/We fully understand that any licence granted to me/us on the basis of the statements furnished is liable to cancellation in addition to any other penalty that the Government may impose or any other action that may be taken having regard to the circumstances of the case if it is found that any of the statements of facts therein are incorrect or false.

Signature

Name in Block Letters

Designation

Full Residential Address

Place

Date

PART II

(To be filled in by the sponsoring authority in duplicate).

1. Purpose for which the imported items are required.
2. Total Area of the Farm/Agricultural land.
3. Area under cultivation :
(i) Total Acreage.
(ii) Irrigated.
(iii) Un-irrigated.
(iv) Main crops and annual yield.
4. Nature of holding :
(i) Freehold.
(ii) Leased.
(iii) Co-operative.

5. Particulars of goods recommended

Sl. No.	Full particulars of the goods recommended	Whether the applicant is already in possession of similar goods or not
---------	---	--

(1)

(2)

(3)

6. Whether D.G.T.D. clearance has been obtained.

7. Certified that statements made by the applicant have been verified and found correct.

Signature of the Sponsoring

Authority

Seal

Place

Date

Enclosures :—

1. Bank receipt/Draft in original, if not exempted from payment of application fees.
2. Proforma invoices indicating the c.i.f. value of items
3. DGTD clearance from indigenous angle in original.
4. Donor's letter in original in case of gift

APPENDIX III-B

FORM—Q

FORM OF APPLICATION FOR IMPORT OF SPORTS
GOODS (EQUIPMENTS)

(To be made in Triplicate)

PART I

1. Name of the applicant.
2. Full Postal Address.
3. Particular of the goods to be imported.
4. G.I.F. value of the licence applied for.
5. Bank receipt/Demand Draft No. and date.
6. (i) Country of origin.
(ii) Country of Shipment.
7. Whether the Institution is managed by Government or some Corporation/Municipality etc. or Charitable Institutions (to be named): and if managed by Govt. whether by the Central or State Government.
8. Particulars of grants, if any, received from the Central/State Government or any other body (to be named).
9. Details of the International/National Games etc. in which participated and trophies won.
10. Justification for import.
11. Details of existing sports goods equipments :—
(i) Imported :
(ii) Indigenous :
12. If the import is free of charge, the name and address of the donor.

DECLARATION

- (1) I/We hereby declare that this licence is granted the goods will be utilised only by me/in Institution and that no portion thereof will be sold or permitted to be used by any other party.
- (2) I/We hereby declare that the above statements are true and correct to the best of my/our knowledge and belief.
- (3) I/We fully understand that any licence/CCP granted to me/us on the basis of the statements furnished is liable to cancellation, in addition to any other penalty that the Government may impose or any other

action that may be taken having regard to the circumstances of the case if it is found that any of the statements of facts therein are incorrect or false.

Signature.....
Name in Block Letters.....
Designation.....
Full Residential Address.....
.....

Place.....

Date

PART II

(To be filled in by the sponsoring authority in duplicate)

1. Particulars of goods recommended:—

Sl. No.	Full particulars of the goods recommended	Whether the applicant is already in possession of similar goods or not
(1)		
(2)		
(3)		

2. Whether DGTD clearance has been obtained.

Certified that statements made by the applicant have been verified and found correct.

Signature of the
Sponsoring Authority

Place.....

Date Seal

Enclosures —

1. Bank receipt/Draft in original, if not exempted from payment of application fees.
2. Proforma invoice indicating the C.I.F. value of items.
3. DGTD clearance from indigenous angle, in original
4. Donor's letter in original in case of gift.

APPENDIX III-F

LIST OF MACHINERY FOR WHICH ADVERTISEMENT
IS NOT REQUIRED

1. High frequency induction melting furnaces above 1200 KW rating.
2. High frequency induction heating equipment above 600 KW rating.
3. Machinery and equipment for the manufacture of Fluorescent lamps (excluding furnaces).
4. Machinery and equipment for the manufacture of Sodium Vapour discharge lamps (excluding furnaces).
5. Machinery and equipment for the manufacture of Mercury Vapour lamps (excluding furnaces).
6. Horizontal tube drawing line for tubular glass shells for fluorescent tubes (excluding furnaces).
7. 16 head Carousel machine for glass shells of GLS Lamps.
8. Multi spindle bar automats of above 77 mm bar capacity.
9. Multi spindle chucking automats of chucking dia exceeding 200 mm.
10. Internal and face grinder above 120 mm bore dia
11. Honing machines.
12. Double colour high speed lin printing machine.
13. Photo-mechanical pre-press proofing system for letter press and offset printing machine.
14. Portable automatic internal sampler for effluents with time control.
15. Composite Extrusion line, with special design. Rotating Die for the manufacture of 3/5 layer plastic-packaging films.
16. Injection stretch Blow Moulding Machines for simultaneous moulding of neck, shoulder and body of containers.
17. PVC corrugated sheet making machine.
18. Composite Extrusion line for the manufacture of ten-silised polyester film.
19. Machinery for manufacture of Hoisery Needles.
20. Specialised machinery for manufacture of polyester Zip fasteners.
21. Automatic Machine "Pointomatic Type" for manufacture of Metallic Ballpen refill tips.
22. Heavy duty looms for weaving tyrecored fabric
23. Synthetic tyre yarn Weaving Machines.
24. Open end spinning machine.

APPENDIX III-G

FORMS OF LEGAL AGREEMENT

PART 1

FORM OF LEGAL AGREEMENT

(For execution by limited Companies in cases involving export obligation in terms of value)

AN AGREEMENT made this day 198 Between a company incorporated under the Companies Act, 1956 and having its Registered Office at (hereinafter referred to as "THE COMPANY" which expression shall include its successors and assignees) of the one Part and the PRESIDENT OF INDIA (hereinafter referred to as "GOVERNMENT" which expression shall include his successors in office and assignees) of the Other Part.

WHEREAS the Company has been granted an Import Licence No. dated for import of Plant, machinery and equipment of the c.i.f. value of

AND/OR WHEREAS Government have communicated vide to the Company the terms and conditions of their proposed foreign investment/technical collaboration arrangement with M/s.

AND/OR WHEREAS Government have communicated to the Company vide letter of Intent No. dated the terms and conditions of acceptance of their proposal for a grant of Industrial Licence/substantial expansion of capacity.

AND WHEREAS as a condition of the said import licence for plant and equipment/approval of foreign collaboration/licence under the Industries Act or letter of Intent, the Government has stipulated that the Company must earn foreign exchange to the extent of Rs. lakhs annually/over a period of years (or except percent of its products) annually for years or as may be extended from time to time under the signatures of the parties, which amendment shall be deemed to form a part of this agreement/until such time as the full foreign exchange cost of the project (or vice, or any other multiple, of the foreign exchange cost of the project) amounting to Rs. lakhs has been realised by way of export earnings. (The precise condition would be approved in each case by the C. G. Committee, Foreign Investment Board/Licensing Committee).

Now, it is hereby agreed and declared by and between the parties hereto as follows:—

1. The Company shall earn foreign exchange (to the extent of Rs. Rupees by exporting (Not less than Rs. lakhs, /percent of) its products(s) namely annually for years or as may be extended from time to time under the signatures of the parties, which amendment shall be deemed to form a part of this agreement/until such time as the total foreign exchange earning realised from the exports amount to Rs. The export obligation shall be in addition and over and above any other export obligation (except export obligation against Advance/Imprest Licences) that might have been or may be imposed on the Company on any other ground. Export to Bhutan will not qualify for redemption of export obligation and exports to Nepal and Afghanistan, if made otherwise than against payment in free foreign exchange, will not qualify for redemption of export obligation. Exports made in breach of the foreign collaboration agreement, if any, will also not qualify for redemption of export obligation.

2. The above mentioned export must commence from eighteenth month after the commissioning of the plant and equipment/commencement of production. The plant shall be commissioned within the date specified in the industrial licence. The production must commence on and from the

The Company shall undertake to furnish a certificate on its printed letter head, giving the correct date of commissioning of plant and equipment against the Import Licence, signed by its Chief Engineer or Works Manager, as the case may be and duly countersigned by the legally authorised person of the Company and under its Common Seal within 30 days from the date of such commissioning ,

OR

The Company shall undertake to furnish a certificate on its printed letter head giving the correct date of commencement of production or additional production against the import licence for plant and equipment/approval of foreign collaboration/licence under the Industries (Development & Regulation) Act, 1951, or Letter of Intent, signed by its Chief Engineer or Works Manager, as the case may be, and duly countersigned by the legally authorised person of the Company and under its Common Seal within 30 days from the date of such commencement of production or additional production.

3. The company shall furnish a report within thirty days of the close of each financial year to the Chief Controller of Imports and Exports (Export Obligation Cell), New Delhi, copy to the concerned Joint/Deputy Chief Controller of Imports & Exports, with a copy to the Government of India in the Ministry of Commerce, (Export Production Section), New Delhi, giving in respect of the previous financial year (or part of financial year for the first year of operation of the export conditions as per clause 2 thereof) the under-mentioned particulars namely:—

(a) Production (in terms of quantity as well as book-value) duly certified by a Chartered Accountant who is not a Director or an employee of the Company or its associate concerns but who may be a statutory auditor of the company.

(b) Export (in terms of quantity and the f.o.b. value) with particulars of goods exported, their quantity and f.o.b. value, countries to which exported, duly certified by a Chartered Accountant who is not a Director or an employee of the Company or its associate concerns but who may be statutory auditor of the Company.

4. The Company shall also submit to the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi or to the concerned Joint/Deputy Chief Controller of Imports and Exports within six months of the close of each financial year, bank certificates in original showing realisation of foreign exchange against exports, made during the previous year in fulfilment of the export obligation specified herein and such other documents as may be demanded by the Chief Controller or concerned Joint/Deputy Chief Controller of Imports and Exports, as further evidence in support of the foreign exchange earned in the previous years in fulfilment of the terms and conditions of this agreement.

5. If in any given year, the Company fails and/or neglects or is not able to export goods worth Rs. lakhs (..... per cent of its output) then in such an event the company shall, on being called upon to do so by the concerned Joint/Deputy Chief Controller of Imports & Exports or Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi, by a letter handover within 30 (Thirty) days from the date of the said letter to the State Trading Corporation of India Ltd./Projects and Equipment Corporation/Minerals & Metals Trading Corporation, or such other person, firm or body corporate as the Government or C.C.I. & E., New Delhi may nominate (hereinafter referred to as "THE AGENCY") the difference between the stipulated annual commitment/obligation and actual exports (subject to a maximum of percent) of produced during the year for export by the Agency at such prices as it is able to obtain abroad. The Company shall, in addition, pay simultaneously a sum of Rs. lakhs, (This would be equal to 5 per cent of the export obligation subject to a maximum of Rs. 5 lakhs) by way of "liquidated damages" by the Agency. The Agency after export and realisation of

APPENDIX III-G (contd.)

sale proceeds of the aforesaid as expeditiously as possible, shall give to the Company the rupee equivalent of the net foreign exchange earned by the Agency on such export after deducting such expenses (including the Agency's normal Commission) as have been incurred by the Agency. If the agency so nominated incurs expenses in excess of the liquidated damages, which cannot be adjusted for any reasons against the sale/disposal value of goods supplied to the agency concerned, such excess expenditure shall be recoverable by the Govt. from the Company.

6. The value and/or the quantity representing the difference between the stipulated annual export commitment/obligation and the actual exports made and also the amount representing 5 percent of the annual export obligation by way of liquidated damages shall be determined by the Joint/Deputy Chief Controller of Imports and Exports or Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi and the decision made by any of the said authorities shall be final and binding on the Company. While determining the value and/or quantity the said authority, if considered necessary, may on its discretion give opportunity to the Company to produce such evidence as it can in support of the determination of the value and quantity for this purpose.

7. If in any year the Company exports in excess of per cent of its output/in excess of Rs., as required in terms of the condition, laid down herein, such excess, may be set off against the shortfalls, if any, in subsequent year(s).

8. In the event of the Company failing and/or neglecting to fulfil the obligations on its part in any year, save and except only when the fulfilment of such obligation was prevented or delayed because of or due to any law, order, proclamation, regulation or ordinance of the Government, the Government will be entitled and be at liberty to take possession of produced by the Company to the extent as indicated in clause 6 above and take such other action as it may consider necessary in addition to recovering liquidated damages. Any order issued by the Government in this regard shall be final and binding on the Company which hereby undertakes to comply unconditionally with such and order. This shall, however, be without prejudice to any other action that may be taken under the Import & Export (Control) Act, 1947 and the order issued thereunder. In the event of the failure of the company to pay the liquidated damages on demand, such liquidated damages shall also be recoverable from any Cash Assistance payable to the Company.

9. The stamp duty, if any, chargeable on these presents or any document executed hereunder shall be borne exclusively by the Company.

In Witness Whereof the Common Seal of has been hereunto affixed and for and on behalf of the President of India Shri has set and subscribed his hands hereunto.

Signature :—

Common Seal of the within named company has been affixed hereunto in the presence of :

(i) Shri (i)

.....
(Residential Address)

..... Director and

(ii) Shri (ii)

.....
(Residential Address)

..... Director and who have been duly authorised for the purpose by a resolution of the Board of Directors of the Company passed at the meeting held on and who have signed in the presence of :

1.
(name, designation & address)

2.
(name, designation & address)

Signed for and on behalf of the President of India by Shri
.....
in the presence of :

1.
(name, designation & address),

2.
(name, designation & address)

PART II

FORM OF LEGAL AGREEMENT

(For execution by Limited Companies involving export obligation of *Single Items* in terms of some percentage of production)

AN AGREEMENT made this day of 198 . Between a company incorporated under the Companies Act, 1956 and having its Registered Office at (hereinafter referred to as "THE COMPANY" which expression shall include its successors and assignees) of the One Part and the PRESIDENT OF INDIA (hereinafter referred to as "GOVERNMENT" which expression shall include his successors in office and assignees) of the Other Part.

WHEREAS the Company has been granted an Import Licence No. dated for import of plant, machinery and equipment of the c.i.f. value of

AND/OR WHEREAS Government have communicated vide to the Company the terms and conditions of their proposed foreign investment/technical collaboration arrangement with M/s.

AND/OR WHEREAS Government have communicated to the Company vide Letter of Intent No. dated the terms and conditions of acceptance of their proposal for a grant of Industrial Licence/substantial expansion of capacity.

AND WHEREAS as a condition of the said Import licence for plant and equipment/approval of foreign collaboration/licence under the Industries Act or letter of intent, the Government has stipulated that the Company must earn foreign exchange by exporting per cent of its production of annually for years or as may be extended from time to time under the signatures of the parties, which amendment shall be deemed to form a part of this agreement. (The precise condition would be approved in each case by the C. G. Committee, Foreign Investment Board/Licensing Committee).

Now it is hereby agreed and declared by and between the parties hereto as follows :—

1. The Company shall export per cent of its annual production of for a period of years or as may be extended from time to time under signatures of the parties, which amendment shall be deemed to form a part of this agreement. This export obligation shall be in addition and over and above any other export obligation (except export obligation against advance "Imprest" licences) that might have been or may be imposed on the Company on any other ground. Export to Bhutan will not qualify for redemption of export obligation and exports to Nepal and Afghanistan, if made otherwise than against payment in free foreign exchange, will not qualify for redemption export obligation. Exports made in breach of the foreign collaboration agreement, if any, will also not qualify for redemption of export obligation.

APPENDIX III-G contd.

2. The above-mentioned export must commence from eighteenth month after the commissioning of the plant and equipment/commencement of production. (The plant shall be commissioned within the date specified in the Industrial Licence.) The production must commence on and from the

The Company shall undertake to furnish a certificate on its printed letter head, giving the correct date of commissioning of plant and equipment against the Import Licence, signed by its Chief Engineer or Works Manager, as the case may be, and duly countersigned by the legally authorised person of the Company and under its Common Seal within 30 days from the date of such commissioning.

OR

The Company shall undertake to furnish a certificate on its printed letter head giving the correct date of commencement of production or additional production against the import licence for plant and equipment/approval of foreign collaboration/licence under the Industries (Development and Regulation) Act, 1951, or Letter of Intent, signed by its Chief Engineer or Works Manager, as the case may be, and duly countersigned by the legally authorised person of the Company and under its Common Seal, within 30 days from the date of such commencement of production or additional production.

3. The Company shall furnish a report within thirty days of the close of each financial year to the Chief Controller of Imports and Exports (Export Obligation Cell), New Delhi, or to the concerned Joint/Deputy Chief Controller of Imports and Exports, with a copy to the Government of India in the Ministry of Commerce (Export Production Section), New Delhi, giving in respect of the previous financial year (or part of financial year for the first year of operation of the export condition as per clause 2 hereof) the undermentioned information and particulars namely:—

- (a) Production (in terms of quantity) as well as value to be calculated on the basis of ex-factory cost of production per unit of produced by the Company (after deducting therefrom excise duty, if any, included therein) and the said data shall be duly certified by a Chartered Accountant who is not a Director or an employee of the Company or its associate concerns but who may be a statutory auditor of the Company.
- (b) Exports (in terms of quantity and the f.o.b. value) with particulars of goods exported, the quantity and f.o.b. value and countries to which exported, duly certified by a Chartered Accountant who is not a Director or an employee of the Company or its associate concerns but who may be a statutory auditor of the Company.

4. The Company shall also submit to the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi, or to the concerned Joint/Deputy Chief Controller of Imports and Exports, within six months of the close of each financial year, bank certificates in original showing realisation of foreign exchange against exports made during the previous year in fulfilment of the export obligation specified herein and such other documents as may be demanded by the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi, or the concerned Joint/Deputy Chief Controller of Imports and Exports as further evidence in support of the foreign exchange earned in the previous year in fulfilment of the terms and conditions of this agreement.

5. If in any given year, the Company fails and/or neglects or is not able to export per cent of its production of then in such an event the Company shall, on being called upon to do so by the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi or Joint/Deputy Chief Controller of Imports & Exports by a letter, handover within 30 days from the date of the said letter to the State Trading Corporation of India Ltd., Projects and Equipments Corporation/MMTC, or such other person, firm or body

corporate as the Government or Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi may nominate (hereinafter referred to as "The Agency" the difference between the stipulated annual commitment/obligation and actual exports of produced during the year (subject to a maximum of per cent of the production for that particular year) for export by the Agency at such price as it is able to obtain abroad. The Company shall in addition pay simultaneously a sum equal to 5% of the export obligation subject to a maximum of Rs. 5 lakhs by way of liquidated damages to the Agency. The agency after export and realisation of sale proceeds of the aforesaid as expeditiously as possible shall give to the company the rupee equivalent of the net foreign exchange earned by the Agency on such export after deducting such expenses (including the agency's normal commission) which have been incurred by the Agency. The amount of liquidated damages will be calculated on the basis of the ex-factory cost of production per unit of produced by the Company, less excise duty, if any. As evidence of ex-factory cost of production per unit, the Company shall produce a certificate from a Cost Accountant (in practice), who is not a director or an employee of the Company. The said ex-factory cost of production in rupees will be adopted for determining the amount of liquidated damages payable in case of failure and/or negligence of inability of the Company to fulfil the export obligation but the amount calculated on the above-mentioned basis will not be used for any other purposes or for claiming any benefit on such exports (effected directly or through the State Trading Corporation of India Ltd. or some other agency) under any scheme. If the agency so nominated incurs expenses in excess of the liquidated damages which cannot be adjusted for any reasons against the sale/disposal value of goods supplied to the agency concerned, such excess expenditure shall be recoverable by the Government from the Company.

6. The value and/or the quantity representing the difference between the stipulated annual export commitment/obligation and the actual exports made and also the amount representing 5 per cent of the annual export obligation by way of liquidated damages shall be determined by the Joint/Deputy Chief Controller of Imports & Exports or Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi and the decision made by any of the said authorities shall be final and binding on the Company. While determining the value and/or quantity the said authority, if considered necessary, may on his discretion give opportunity to the Company to produce such evidence as it can in support of the determination of the value and quantity for this purpose.

7. If in any year the Company exports in excess of per cent of its output as required in terms of the conditions, laid down herein, such excess may be set off against the shortfalls, if any, in subsequent year(s).

8. In the event of the Company failing and/or neglecting to fulfil the obligations on its part in any year save and except only when the fulfilment of such obligation was prevented or delayed because of or due to any law, order, proclamation, regulation or ordinances of the Government, the Government will be entitled and be at liberty to take possession of produced by the Company to the extent as indicated in cl. 5 above and take such other action as it may consider necessary in addition to recovering liquidated damages. Any order issued by the Government in this regard shall be final and binding on the Company which hereby undertakes to comply unconditionally with such an order. This shall, however, be without prejudice to any other action that may be taken under the Import & Export (Control) Act, 1947 and the Order issued thereunder. In the event of the failure of the Company to pay the liquidated damages on demand, such liquidated damages shall also be recoverable from any Cash Assistance payable to the Company.

9. The stamp duty, if any, chargeable on these presents or any documents executed hereunder shall be borne exclusively by the Company.

In Witness Whereof the Common Seal of has been hereunto affixed and for and on behalf of the Presi-

APPENDIX III-G (contd.)

dent of India Shrihas set
and subscribed his hands hereunto.

Common seal of the within named
Company has been affixed hereunto in
the presence of :

Signature.....

(i) Shri (i)
.....Director and (Residential Address)

(i) Shri (ii)
.....Director and (Residential Address)
who have been duly authorised for
the purpose by a resolution of the
Board of Director of the Company
passed at the meeting held on.....
and who have signed in the presence
of :

1.
(name, designation & address)

2.
(name, designation & address)

Signed for and on behalf of the
President of India by Shri

in the presence of :

1.
(name, designation & address)

2.
(name, designation & address)

PART III

FORM OF LEGAL AGREEMENT

(For execution by Limited Companies involving
export obligation of Multiple Items in terms of
some percentage of production)

AN AGREEMENT MADE THISday of
.....198 Between
company incorporated under the Companies Act, 1956 and
having its Registered Office at..... (hereinafter referred
to as "THE COMPANY" which expression shall include its
successors and assignees) of the One Part and the PRESIDENT
OF INDIA (hereinafter referred to as "GOVERNMENT"
which expression shall include his successors in office and
assignees) of the Other Part.

WHEREAS the Company has been granted an Import
Licence No. dated for Import
of plant, machinery and equipment of the c.i.f. value of....

AND/OR WHEREAS Government have communicated
vide to the Company (name of
the foreign firm) the terms and conditions to their proposed
foreign investment/technical collaboration arrangement with
M/s.....

AND/OR WHEREAS Government have communicated to
the Company vide letter of Indent No.
dated the terms and conditions of
acceptance to their proposal for a grant of Industrial Licence/
substantial expansion of capacity.

AND WHEREAS as a condition of the said Import licence
for plant and equipment/approval of foreign collaboration
licence under the Industries Act or letter of intent, the Gov-
ernment has stipulated that the Company must earn foreign
exchange by exporting per cent of its pro-
duction of annually for
...years or as may be extended from time to time under

the signatures of the parties, which amendment shall be
deemed to form a part of this agreement. (The precise con-
dition would be approved in each case by the C.G. Com-
mittee/Foreign Investment Board/Licensing Committee).

Now it is hereby agreed and declared by and between
the parties hereto as follows:—

1. The Company shall earn foreign exchange by exporting
..... per cent of its products namely.....
annually for years or as may be extended
from time to time under the signatures of the parties, which
amendment shall be deemed to form a part of this agree-
ment. This export obligation shall be in addition and over
and above any other export obligation (except export obli-
gation against Advance import licences) that might have
been or may be imposed on the Company on any other
ground. Exports to Bhutan will not qualify for redemption
of export obligation and exports to Nepal and Afghanistan,
if made otherwise than against payment in free foreign ex-
change will not qualify for redemption of export obligation.
Exports made in breach of the foreign collaboration agree-
ment, if any, will also not qualify for redemption of export
obligation.

2. The above-mentioned export must commence from
eighteenth month after the commissioning of the plant and
equipment/commencement of production. (The plant shall be
commissioned within the date specified in the Industrial
Licence). The production must commence on and from the
.....

The Company shall undertake to furnish a certificate on
its printed letter head, giving the correct date of commis-
sioning of plant and equipment against the Import Licence,
signed by its Chief Engineer or Works Manager, as the case
may be, and duly countersigned by the legally authorised
person of the Company and under its Common Seal within
30 days from the date of such commissioning.

OR

The Company shall undertake to furnish a certificate on
its printed letter head giving the correct date of commence-
ment of production or additional production against the
Import licences for plant and equipment/approval of foreign
if, any will also not qualify for redemption of export obligation
(Regulation) Act, 1951 or Letter of Intent, signed by its Chief
Engineer or Works Manager, as the case may be, and duly
countersigned by the legally authorised person of the Com-
pany and under its Common Seal within 30 days from the
date of such commencement of production or additional
production.

3. The Company shall furnish a report within thirty days
of the close of each financial year to the Chief Controller of
Imports and Exports (Export Obligation Cell), New Delhi
or to the concerned Joint/Deputy Chief Controller of Imports
and Exports with a copy to the Government of India in
the Ministry of Commerce (Export Production Section),
New Delhi giving in respect of the previous financial year (or
part of financial year for the first year of operation of the
export condition as per clause 2 hereof) the undermentioned
information and particulars namely:—

(a) Production (in terms of quantity) in respect of each
item produced, duly certified by a chartered Ac-
countant who is not a director or an employee of
the Company or its associate concerns but who may
be statutory auditor of the company.

(b) Exports (in terms of quantity and f.o.b. value) with
particulars of goods exported, their quantity, f.o.b.
value, and countries to which exported, duly certi-
fied by a Chartered Accountant who is not a direc-
tor or an employee of this Company or its associ-
ate concerns but who may be a statutory auditor
of the company.

APPENDIX III-G *contd.*

- (c) Ex-factory Cost of production by the unit, less excise duty, if any, in respect of each item produced duly certified by a Cost Accountant (in practice), who is not a director or an employee of the company. In the certificate, the Cost Accountant (in practice) shall also indicate the total ex-factory cost of production of all the items produced by the unit, less excise duty, if any.

4. The Company shall also submit to the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi or to the concerned Joint/Deputy Chief Controller of Imports and Exports within six months of the close of such financial year, banks certificates in original showing realisation of foreign exchange against export made during the previous year in fulfilment of the export obligation, and such other documents as may be demanded by the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi, or the concerned Joint/Deputy Chief Controller of Imports and Exports, as further evidence in support of the foreign exchange earned in the previous year in fulfilment of the terms and conditions of this agreement.

5. The total export obligation will be determined in terms of value by taking the total ex-factory cost of production of all the items produced, less excise duty, if any, as certified by Cost Accountants (in practice). The exports actually made in terms of quantity will also be converted into value by taking the ex-factory cost of production of the items exported, as certified by the Cost Accountant (in practice) less excise duty, if any. If the ex-factory cost of production of the items exported as a percentage of the total ex-factory cost of production of all the items produced by the Company, is equal to the percentage of export obligation as imposed on the party/licence (in terms of quantity), then only the Company would be deemed to have discharged export obligation.

6. If in any given year the Company fails and/or neglects or is not able to export per cent of its output then in such an event the Company shall on being called upon to do so by the concerned Joint/Deputy Chief Controller of Imports and Exports or Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi, by a letter hand over within thirty days from the date of the said letter to the State Trading Corporation of India Ltd./Projects & Equipments Corpn./Mineral & Metals Trading Corpn. or such other person, firm or body corporate as the Government or the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi, may nominate (hereinafter referred to as "THE AGENCY") the difference between the stipulated annual commitment/obligation and actual exports of produced during the year (subject to a maximum of per cent for that particular year) for export by the Agency at such prices as it is able to obtain abroad. The Company shall, in addition, pay simultaneously a sum equal to 5 per cent of the export obligation subject to a maximum of Rs 5 lakhs by way of "liquidated damages" to the Agency. The Agency after export and realisation of sale proceeds of the aforesaid as expeditiously as possible, shall give to the Company the rupee equivalent of the net foreign exchange earned by the Agency on such export after deducting such expenses (including the Agency's normal commission) which have been incurred by the Agency.

Where the export obligation is not fulfilled, the amount of liquidated damages will be calculated on the basis of the ex-factory cost of production less excise duty, if any. The actual goods to be handed over will be left to the choice of the export agency selected by Government and the total value of the goods to be handed over will be determined by taking the difference between the total ex-factory cost of production of the items produced by the Company and the ex-factory cost of production of the items actually exported or to be exported less excise duty, if any.

The amount calculated on the above-mentioned basis will not be used for any other purpose or for claiming any benefits on such exports (effected directly or through the State Trading Corporation of India Ltd., or any other agency) under

any scheme. If the agency so nominated incurs expenses in excess of the liquidated damages which cannot be adjusted for any reasons against the sale/disposal value of goods supplied to the agency concerned, such excess expenditure shall be recoverable by the Government from the Company.

7. The value and/or the quantity representing the difference between the stipulated annual export commitment/obligation and the actual exports made and also the amount representing 5 per cent of the annual export obligation by way of liquidated damages shall be determined by the Joint/Deputy Chief Controller of Imports and Exports or the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi and the decision made by any of the said authorities shall be final and binding on the Company. While determining the value and/or quantity the said Authority may in his discretion, if considered necessary, give an opportunity to the Company to produce such evidence as it can in support of the determination of the value and quantity for this purpose.

8. If in any year the Company exports in excess of per cent of its output as required in terms of the condition laid down herein such excess, may be set off against the shortfall, if any, in subsequent year(s).

9. In the event of the Company failing and/or neglecting to fulfil the obligations on its part, in any year, save and except only when the fulfilment of such obligations was prevented or delayed, because of or due to any law, order proclamation, regulations or ordinances of the Government, the Government will be entitled and be at liberty to take possession of produced by the Company to the extent indicated in clause 7 above and take such other action as it may consider necessary in addition to recovering liquidated damages. Any order issued by the Government in this regard shall be final and binding on the Company who hereby undertakes to comply unconditionally with such an order. This shall, however, be without prejudice to any other action that may be taken under the Import & Export (Control) Act, 1947 and the Order issued thereunder. In the event of the failure of the Company to pay the liquidated damages on demand, such liquidated damages shall also be recoverable from any Cash Assistance payable to the Company.

10. The stamp duty, if any, chargeable on these present or any documents executed hereunder shall be borne exclusively by the Company.

In Witness Whereof the Common Seal of has been hereunto affixed and for and on behalf of the President of India Shri has set and subscribed his hands hereunto.

Common Seal of the within named Company has been affixed hereunto in the presence of

(1)
(Residential address)

Director & (ii) Shri (ii)
(Residential address)

Director who have been duly authorised for the purpose by a resolution of Board of Directors of the Company passed at the meeting held on and who have signed in the presence of :

1. (name, designation & address)
2. (name designation & address)

Signed for and/on behalf of the President of India by Shri in the presence of :

1. (name, designation & address)
2. (name, designation & address)

APPENDIX III-G (contd.)

PART IV

FORM OF LEGAL AGREEMENT

(For Execution by Partnership/proprietary firm in cases involving export obligation in value)

(Applicable in the case of partnership firm)

An agreement made this day of 198 Between (a) (name of Managing Partner)

S/o

(b) (Name of the partner)

S/o

(c) (Name of the partner..)

S/o

etc. carrying on the business in the name and style of partnership firm registered under the Indian Partnership Act and having its registered office at (hereinafter referred to as "THE FIRM" which expression shall include its successors and assigns) of the One Part and the PRESIDENT OF INDIA (hereinafter referred to as "GOVERNMENT" which expression shall include his successors in office and assigns) of the Other Part.

(Applicable in the case of sole proprietary/proprietary firm).

An agreement made this day of 198 between (namely names of the sole Proprietor/proprietors)

S/o carrying on the business in the name and style of a sole proprietor/proprietors and registered under the Indian Partnership Act having its registered office at hereinafter referred to as "THE FIRM" which expression shall include its successors and assigns) of the One Part and the PRESIDENT OF INDIA (hereinafter referred to as "GOVERNMENT" which expression shall include his successors in the office and assigns) of the Other Part.

WHEREAS the Firm has been granted an Import Licence No. dated for import of plant, machinery and equipment of the c.i.f. value of

AND/OR WHEREAS Government have communicated vide to the Firm (Name of the foreign firm) the terms and conditions to their proposed foreign investment/technical collaboration arrangement with M/s.

AND/OR WHEREAS Government have communicated to the Firm vide Letter of Intent No. dated the terms and conditions of acceptance to their proposal for a grant of Industrial licence/substantial expansion of capacity.

AND WHEREAS as a condition of the said Import licence for plant and equipment/approval of foreign collaboration/ licence under the Industries Act or letter of intent, the Government has stipulated that the firm must earn foreign exchange to the extent of Rs. lakhs annually over a period of years for export. per cent of its products) annually for years or as may be extended from time to time under the signatures of the parties, which amendment shall be deemed to form a part of this agreement/until such time as the foreign exchange cost of project (or twice, or any other multiple, of the foreign exchange cost of the project) amounting to Rs. lakhs has been realised by way of export earnings. (The precise condition would be approved in each case by the C.G. Committee/ Foreign Investment Board/Licensing Committee).

Now, it is hereby agreed and declared by and between the parties hereto as follows:—

1. The firm shall earn foreign exchange to the extent of Rs. (Rupees) by exporting

(not less than Rs. lakhs/per cent) of its product(s) namely annually for years or as may be extended from time to time under the signatures of the parties, which amendment shall be deemed to form a part of this agreement/until such time as the total foreign exchange earning realised from the export amount to Rs. This export obligation shall be in addition and over and above any other export obligation (except export obligation against Advance/Imprest licence) that might have been or may be imposed on the Firm on any other ground. Export to Bhutan will not qualify for redemption of Export Obligation and Export to Nepal and Afghanistan, if made otherwise than against payment in free foreign exchange will not qualify for redemption of export obligation. Exports made in breach of the foreign collaborator agreement, if any, will also not qualify for redemption of export obligation.

2. The above mentioned export must commence from eighteenth month after the commissioning of the plant and equipment/commencement of production. (The plant shall be commissioned within the date specified in the industrial licence). The production must commence on and from the

The firm shall undertake to furnish a certificate on its printed letter head, giving the correct date of commissioning of plant and equipment against the Import Licence, signed by its Chief Engineer or Works Manager, as the case may be, and duly countersigned by the legally authorised person of the firm and under its official stamp within 30 days from the date of such commissioning.

OR

The firm shall undertake to furnish a certificate on its printed letter-head, giving the correct date of commencement of production or additional production against the import licence for plant and equipment/approval of foreign collaboration/licence under the Industries (Development and Regulation) Act, 1951, or Letter of Intent, signed by its Chief Engineer or Works Manager, as the case may be and duly countersigned by the legally authorised person of the firm and under its official stamp within 30 days from the date of such commencement of production or additional production.

3. The firm shall furnish a report within thirty days of the close of each financial year to the Chief Controller of Imports and Exports (Exports Obligation Cell), New Delhi, or the concerned Joint/Deputy Chief Controller of Imports and Exports, with a copy to the Government of India in the Ministry of Commerce (Export Production Section), New Delhi, giving in respect of the previous financial year (or part of financial year for the first year of operation of the export condition as per clause 2 hereof) the under mentioned particulars namely:—

(a) Production (in terms of quantity as well as book value): duly certified by a Chartered Accountant who is not a partner or an employee of the firm or its associate concerns but who may be a statutory auditor of the firm.

(b) Export (in terms of quantity and the f.o.b. value) with particulars of goods exported, their quantity and f.o.b. value, countries to which exported duly certified by a Chartered Accountant who is not a partner or an employee of the firm or its associate concerns but who may be statutory auditor of the firm.

4. The Firm shall also submit to the Chief Controller of Imports and Exports or the concerned Joint/Deputy Chief Controller of Imports and Exports, within six months of the close of each financial year, bank certificates in original showing realisation of foreign exchange against export made specified herein and such other documents as may be demanded by the Chief Controller of Imports and Exports, or concerned Joint/Deputy Chief Controller of Imports and Exports, as further evidence in support of the foreign exchange earned in the previous year in fulfilment of the terms and conditions of this agreement.

APPENDIX III-G (contd.)

5. If in any given year, the Firm fails and/or neglects or is not able to export goods worth Rs. lakhs (..... per cent of its output) then in such an event the Firm shall on being called upon to do by the concerned Joint/Deputy Chief Controller of Imports and Exports or Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi by a letter hand over within thirty days from the date of the said letter to the State trading Corporation of India Ltd./Projects & Equipments Corpn./Mineral & Metals Trading Corpn., or such other person Firm or body corporate as the Government or Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi may nominate (hereinafter referred to as "the Agency") stock of equal to the difference between the stipulated annual commitment/obligation and actual exports (subject to a maximum of per cent of the during the year) for export by the Agency at such prices as it is able to obtain abroad. The firm shall, in addition, pay simultaneously a sum of Rs. lakhs. (This would be equal to 5 per cent of the export obligation, subject to a maximum of Rs. 5 lakhs) by way of "liquidated damages" to the Agency. They Agency after export and realisation of sale proceeds of the aforesaid, as expeditiously as possible shall give to the Firm the rupee equivalent of the net foreign exchange earned by the Agency on such export after deducting such expenses (including the Agency's and quantity for this purpose). If the agency so nominated incurs expenses in excess of the liquidated damages which cannot be adjusted for any reasons against the sale/disposal value of goods supplied to the agency concerned, such excess expenditure shall be recoverable by the Government from the Company.

6. The value and/or the quantity representing the difference between the stipulated annual export commitment/obligation and the actual export made and also the amount representing 5 per cent of the annual export obligation by way of liquidated damages shall be determined by the Joint/Deputy Chief Controller of Imports and Exports, and the decision made by any of the said authorities shall be final and binding on the Firm. While determining the value and/or quantity the said authority, if considered necessary may on their discretion give an opportunity to the firm to produce such evidence as it can in support of the determination of the value normal commission) as have been incurred.

7. If in any year the Firm exports in excess of per cent of its output/in excess of Rs. as required in terms of the conditions laid down herein, such excess may be set off against the shortfalls, if any, in subsequent years.

8. In the event of the firm failing and or neglecting to fulfil the obligations on its part in any year, save and except only when the fulfilment of such obligation was prevented or delayed, because of or due to any law, order, proclamation, regulations or ordinances of the Government, the Government will be entitled and be at liberty to take possession of the... produced by the Firm to the extent as indicated in clause 6 above and take such other action as it may consider necessary in addition to recovering liquidated damages. Any order issued by the Government in this regard shall be final and binding on the Firm which hereby undertakes to comply unconditionally with such an order. This shall, however, be without prejudice to any other action that may be taken under the Import & Export (Control) Act, 1947 and the Order issued thereunder. In the event of the failure of the Company to pay the liquidated damages on demand, such liquidated damages shall also be recoverable from any Cash Assistance payable to the Company.

9. The stamp duty, if any, chargeable on these presents or documents executed hereunder shall be borne exclusively by the firm.

In witness whereof the Rubber Stamp of Firm has been hereinto affixed and for and on behalf of the President of India Shri has set and subscribed his hand hereunto.

Rubber Stamp of the Firm

(Applicable in the case of Partnership Firm)

(a) Managing Partner

Name
(Residential Address)

(a) Signature

(b) Partner

Name
(Residential Address)

(b) Signature

(c) Partner

Name
(Residential Address)

(c) Signature

etc.

WITNESSES

1. (name, designation & address)

2. (name, designation & address)

Signed for and on behalf of the
President of India by Shri.....
.....

in presence of.....

1. (name, designation & address)

2. (name, designation & address)

Rubber Stamp of the Firm

(Applicable in the case of sole proprietor/proprietary firms)

Signature/Signature.....

Name of the sole proprietor
or names of the all proprietors
(Residential Address/Addresses)

1. (name, designation & address)

2. (name, designation & address)

Signed for and on behalf of the
President of India by Shri.....
.....

in the presence of.....

1. (name, designation & address)

2. (name, designation & address)

PART V

FORM OF LEGAL AGREEMENT

(For execution by Partnership/Proprietary Firm in cases involving export obligation of Single Item at certain percentage of production.)

(Applicable in the case of Partnership Firm)

An agreement made this.....day of.....
198 Between (a) (name of the Managing Partner).....
S/o..... (b) (name of the partner) S/o.....
..... (c) (name of the partner).....
S/o..... etc.
carrying on business in the name and style of
a partnership firm registered under the Indian Partnership
Act and having its registered office at.....
..... (hereinafter referred to as "THE
FIRM" which expression shall include its successors and
assignees) of the One Part and the PRESIDENT OF INDIA
hereinafter referred to as "GOVERNMENT" which expres-
sion shall include his successors in office and assignees of the
Other Part)

APPENDIX III-G (contd.)

WHEREAS THE Firm has been granted an Import Licence No. dated..... for import of plant, machinery and equipment of the c.i.f. value of.....

AND/OR WHEREAS Government have communicated vide to the Firm..... (name of the foreign firm) the terms and conditions of their proposed foreign investment/technical collaboration arrangement with M/s.

AND/OR WHEREAS Government have communicated to the Firm vide letter of intent No. dated..... the terms and conditions of acceptance to their proposal for a grant of Industrial Licence/substantial expansion of capacity.

AND WHEREAS as a condition of the said Import Licence for plant and equipment/approval of foreign collaboration licence under the Industries Act or letter of intent, the Government has stipulated that the Firm must earn foreign exchange by exporting per cent of its production of..... annually for..... years or as may be extended from time to time under the signatures of the parties, which amendment shall be deemed to form a part of this agreement. (The precise condition would be approved in each case by C.G. Committee/Foreign Investment Board/Licensing Committee).

Now, it is Hereby Agreed and declared by and between the parties hereto as follows:—

1. The firm shall export..... per cent of its annual production of..... for a period of..... years or as may be extended from time to time under the signature of the parties, which amendment shall be deemed to form a part of this agreement. The export obligation shall be in addition and over and above any other export obligation, (except obligation against Advance/Import Licences that might have been or may be imposed on the Firm on any other ground. Exports to Bhutan will not qualify for redemption of export obligation and exports to Nepal and Afghanistan if made otherwise than against payment in free foreign exchange will not qualify for redemption of export obligation. Exports made in breach of the foreign collaboration agreement, if any, will also not qualify for redemption of export obligation.

2. The above mentioned export must commence from eighteenth month after the commissioning of the plant and equipment/commencement of production. (The plant shall be commissioned within the date specified in the Industrial licence). The production must commence on and from the

The Firm shall undertake to furnish a certificate on its printed letter head, giving the correct date of commissioning of plant and equipment against the Import Licence, signed by its Chief Engineer or Works Manager as the case may be and duly countersigned by the legally authorised person of the Firm and under its Official Stamp, within 30 days from the date of such commissioning.

OR

The Firm shall undertake to furnish a certificate on its printed letter head giving the correct date of commencement of production or additional production against the Import licence for plant and equipment/approval of foreign collaboration/licence under the Industries (Development & Regulation) Act, 1951 or Letter of Intent, signed by its Chief Engineer or Works Manager, as the case may be and duly countersigned by the legally authorised person of the firm and under the Official Stamp within 30 days from the date of such commencement of production or additional production.

3. The firm shall furnish a report within thirty days of the close of each financial year to the Chief Controller of Imports and Exports (Exports Obligation Cell) New Delhi or to the concerned Joint/Deputy Chief Controller of Imports and

Exports with a copy to the Government of India in the Ministry of Commerce (Export Production Section), New Delhi giving in respect of the previous financial year or part of financial year for the first year of operation of the export condition as per clause 2 hereof the undermentioned information and particulars namely:

- (a) Production (in terms of quantity as well as book value) duly certified by a Chartered Accountant who is not a partner or an employee of the firm or its associate concerns but who may be a statutory auditor of the firm.
- (b) Exports (in terms of quantity and the f.o.b. value with particulars of goods exported, the quantity and f.o.b. value and the countries to which exported) duly certified by a Chartered Accountant who is not a partner or an employee of the firm or its associate concerns but who may be a statutory auditor of the firm.

4. The Firm shall also submit to the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi or to the concerned Joint/Deputy Chief Controller of Imports & Exports within six months of the close of each financial year, bank certificates in original showing realisation of foreign exchange against exports made during the previous year in fulfilment of the export obligation specified herein and such other documents as may be demanded by the Chief Controller of Imports and Exports or the concerned Joint/Deputy Chief Controller of Imports and Exports, as further evidence in support of the foreign exchange earned in the previous year in fulfilment of the terms and conditions of this agreement.

5. If in any given year, the Firm fails and/or neglects or is not able to export..... per cent of its production of..... then in such an event the Firm shall, on being called upon to do so by the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi, or Joint/Deputy Chief Controller of Imports & Exports, by a letter to the State Trading Corporation of India Ltd./Projects & Equipments Corpn./Mineral & Metals Trading Corpn., or such other person, firm or body corporate as the Government or Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi may nominate (hereinafter referred to as "The Agency") the difference between the stipulated annual commitment/obligation and actual exports of..... produced during the year (subject to a maximum of..... per cent of the production for that particular year) for export by the Agency at such price as it is able to obtain abroad. The Firm shall in addition pay simultaneously a sum equal to 5% of the export obligation (subject to a maximum of Rs. 5 lakhs) by way of liquidated damages to the Agency. The Agency after export and realisation of sale proceeds of the aforesaid..... as expeditiously as possible shall give to the Firm the rupee equivalent of the net foreign exchange earned by the Agency on such export after reducing such expenses (including the Agency's normal Commission) which have been incurred by the Agency. The amount of liquidated damages will be calculated on the basis of the ex-factory cost of production per unit of the items produced by the Firm..... less excise duty, if any. As evidence of ex-factory cost of production per unit, the Firm shall produce a certificate from a Cost Accountant (in practice) who is not a partner or an employee of the Firm. The said ex-factory cost of production in rupees will be adopted for determining the amount of liquidated damages payable in case of failure and/or negligence or inability of the Firm to fulfil the export obligation but the amount calculated on the above mentioned basis will not be used for any other purpose or for claiming any benefit on such exports (effected directly or through the State Trading Corporation of India Ltd., or some other Agency) under any scheme. If the agency so nominated incurs expenses in excess of the liquidated damages which cannot be adjusted for any reasons against the sale/disposal value of goods supplied to the agency concerned, such excess expenditure shall be recoverable by the Government from the Company.

6. The value and/or the quantity representing the difference between the stipulated annual export commitment/obligation and the actual exports made and also the amount representing

APPENDIX III-G (Contd)

5 per cent of the annual export obligation by way of liquidated damages shall be determined by the Joint/Deputy Chief Controller of Imports and Exports, or the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi and the decision made by any of the said authorities shall be final and binding on the Firm. While determining the value and/or quantity the said authority, if considered necessary, may on his discretion give opportunity to the Firm to produce such evidence as it can in support of the determination of the value and quantity for this purpose.

7. If in any year the firm exports.....excess of.....per cent of its output as required in terms of the conditions laid down herein, such excess, may be set off against the shortfalls if any, in subsequent years.

8. In the event of the Firm failing and/or neglecting to fulfil the obligation on its part in any year save and except only when the fulfilment of such obligation was prevented or delayed, because of or due to any law, order, proclamation, regulation or ordinances of the Government, the Government will be entitled and be at liberty to take possession of the.....produced by the Firm to the extent as indicated in clause 6 above and take such other action as it may consider necessary in addition to recovering liquidated damages. Any order issued by the Government in this regard shall be final and binding on the Firm which hereby undertakes to comply unconditionally with such an order. This shall, however, be without prejudice to any other action that may be taken under the Import & Export (Control) Act, 1947 and the Order issued thereunder. In the event of the failure of the Company to pay the liquidated damages on demand, such liquidated damages shall also be recoverable from any Cash Assistance payable to the Company.

9. The stamp duty if any, chargeable on these presents or any documents executed hereunder shall be borne exclusively by the firm.

In Witness Whereof the Rubber Stamp of.....has been hereunto affixed and for and on behalf of the President of India, Shri.....has set and subscribed his hands hereunto.

(Applicable in case of Partnership Firm)

Rubber Stamp of the Firm

(a) Managing Partner

Name.....
(Residential Address)

(a) Signature

(b) Partner

Name.....
(Residential Address)

(b) Signature

(c) Partner

Name.....
(Residential Address)

(c) Signature

WITNESSES

1.....
(Name, designation and address)

2.....
(Name, designation and address)

Signed for and on behalf of the President of India by Shri.....
in the Presence of.....

1.....
(Name, designation and address)

2.....
(Name, designation and address)

(Applicable in the case of sole proprietary/proprietary Firm).

(Rubber stamp of the firm)

Name of the sole Proprietor Signature/Signatures
or names, of all Proprietors.
(Residential Address/Addresses)

WITNESSES

1.....
(Name, designation and address)

2.....
(Name, designation and address)
Signed for and on behalf of
the President of India by
Shri.....
in the Presence of

1.....
(Name, designation and address)

2.....
(Name, designation and address)

PART VI

FORM OF LEGAL AGREEMENT

(For execution by Partnership/Proprietary Firm involving export obligation of Multiple Items at certain percentage of production).

(Applicable in the case of Partnership Firm)

An agreement made this day of 198.....
between (a) (name of the Managing partner).....
..... S/o
..... (b) (name of the partner).....
..... S/o
(c) (name of the partner)
S/oetc. carrying on the business in the name and style of.....a partnership firm registered under the Indian Partnership Act and having its registered office at.....(hereinafter referred to as "THE FIRM" which expression shall include its successors and assignees) of the One Part and the PRESIDENT OF INDIA (hereinafter referred to as "GOVERNMENT" which expression shall include his successors, in office and assignees) of the Other Part.

(Applicable in the case of sole proprietary/proprietary firms)

An agreement made this day of 198.....
between (name/names of the sole Proprietor/Proprietors)
..... S/o carrying on the business in the name and style of a sole proprietary/proprietary firm registered under the Indian Partnership Act, and having its registered office at (hereinafter referred to as "THE FIRM" which expression shall include its successors and assigns) of the One Part and the PRESIDENT OF INDIA (hereinafter referred to as "GOVERNMENT" which expression shall include his successors in office and assigns) of the Other Part.

WHEREAS the firm has been granted as import licence No. dated for import of plant machinery and equipment of the c.i.f. value of

AND/OR WHEREAS Government have communicated vide to the firm (Name of the foreign firm) the terms and conditions to their proposed foreign investment/technical collaboration arrangement with M/s.

AND/OR WHEREAS Government have communicated to the Firm vide Letter of Intent No. dated the terms and conditions of acceptance to their proposal for a grant of industrial licence/substantial expansion of capacity,

APPENDIX III C (Contd.)

AND WHEREAS as a condition of the said import licence for plant and equipment/approval of foreign collaboration licence under the Industries Act or letter of intent the Government has stipulated that the Firm must earn foreign exchange by exporting per cent of its production of annually for years or as may be extended from time to time under the signatures of the parties, which amendment shall be deemed to form a part of this agreement. (The precise condition would be approved in each case by the C.G. Committee/Foreign Investment Board/Licensing Committee).

Now it is hereby agreed and declared by and between the parties hereto as follows:—

1. The Firm shall earn foreign exchange by exporting.... per cent of its products namely.....annually for..... years or as may be extended from time to time under the signatures of the parties, which amendment shall be deemed to form a part of the agreement. This export obligation shall be in addition and over and above any other export obligation (except export obligation against Advance/Impress Licences) that might have been or may be imposed on the Firm on any other ground. Exports to Bhutan will not qualify for redemption of export obligation and exports to Nepal and Afghanistan, if made otherwise than against payment in free foreign exchange will not qualify for redemption of export obligation. Exports made in breach of the foreign collaboration agreement if any, will also not qualify for redemption of export obligation.

2 The above mentioned export must commence from eighteenth month after the commissioning of the plant and equipment/commencement of production. (The plant shall be commissioned within the date specified in the industrial licence). The production must commence on and from the

The Firm shall undertake to furnish a certificate on its printed letter head, giving the correct date of commissioning of plant and equipment against the Import Licence signed by its Chief Engineer or Works Manager, as the case may be, and duly countersigned by the legally authorised person of the Firm and under its Official Stamp within 30 days from the date of such commissioning.

OR

The Firm shall undertake to furnish a certificate on its printed letter head giving the correct date of commencement of production or additional production against the import licence for plant and equipment/approval of foreign collaboration/licence under the Industries (Development & Regulation) Act, 1951, or Letter of Intent, signed by its Chief Engineer or Works Manager, as the case may be, and duly countersigned by the legally authorised person of the Firm and under its Office Stamp within 30 days from the date of such commencement of production or additional production.

3. The Firm shall furnish a report within thirty days of the close of each financial year to the Chief Controller of Imports and Exports (Export Obligation Cell), New Delhi, or the concerned Joint/Deputy Chief Controller of Imports and Exports and with a copy to the Government of India in the Ministry of Commerce (Export Production Section), New Delhi, giving in respect of the previous financial year or part of financial year for the year of operation of the export condition as per clause 2 hereof, the undermentioned information and particulars namely:—

- (a) Production (in terms of quantity) in respect of each item produced duly certified by a Chartered Accountant who is not a partner or an employee of the Firm or its associate concerns but who may be a statutory auditor of the firm.
- (b) Exports (in terms of quantity and f.o.b value) with particulars of goods exported, their quantity f.o.b. value, and countries to which exported duly certified by a Chartered Accountant who is not a partner or an employee of the firm or its associate concerns but who may be a statutory auditor of the firm

(c) Ex-factory cost of production by the unit, less excise duty if any, in respect of each item produced duly certified by a Cost Accountant (in practice) who is not a partner or an employee of the Firm. The certificate of the Cost Accountant (in practice) shall also indicate the total ex-factory cost of production of all the items produced by the unit, less excise duty if any.

4. The Firm shall also submit to the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi or to the concerned Joint/Deputy Chief Controller of Imports and Exports within six months of the close of each financial year, bank certificates in original showing realisation of foreign exchange against exports made during the previous year in fulfilment of the export obligation, and such other documents may be demanded by the Chief Controller of Imports and Exports or the concerned Joint/Deputy Chief Controller of Imports and Exports, as further evidence in support of the foreign exchange earned in the previous year in fulfilment of the terms and conditions of this agreement.

5. The total export obligation will be determined in terms of value by taking the total ex-factory cost of production of all the items produced less excise duty, if any, as certified by the Cost Accountant (in practice). The exports actually made in terms of quantity will also be converted into value by taking the ex-factory cost of production of the items exported as certified by the Cost Accountant (in practice), less excise duty if any. If the ex-factory cost of production of the items exported as a percentage of the total ex-factory cost of production of all the items produced by the Firm is equal to the percentage of export obligation as imposed on the party licensee (in terms of quantity) then only the Firm would be deemed to have discharged its export obligation.

6 If in any given year, the Firm fails and/or neglects or is not able to export per cent of its output then in such as event the Firm shall on being called upon to do so by the concerned Joint/Deputy Chief Controller of Imports and Exports or Chief Controller of Imports and Exports New Delhi by a letter hand over within thirty days from the date of the said letter to the State Trading Corporation of India Ltd./Projects & Equipments Corpn./Mineral & Metal Trading Corporation or such other person, firm or body corporate as the Government or the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi may nominate, (hereinafter referred to as "THE AGENCY") the difference between the stipulated annual commitment/objective and actual export of produced during the year (subject to a maximum of per cent for that particular year) for export by the Agency at such price as it is able to obtain abroad. The Firm shall, in addition, pay simultaneously a sum equal to 5 per cent of the export obligation subject to a maximum of Rs. 5 lakhs by way of "liquidated damages" to the Agency. The Agency after export and realisation of sale proceeds of the aforesaid... as expeditiously as possible, shall give to the Firm the rupee equivalent of the net foreign exchange earned by the Agency on such export after deducting such expenses (including the Agency's normal commission) which have been incurred by the Agency.

Where the export obligation is not fulfilled the amount of liquidated damages will be calculated on the basis of the ex-factory cost of production less excise duty, if any. The actual goods to be handed over will be left to the choice of the export agency selected by Government and the total value of the goods to be handed over will be determined by taking the difference between the total ex-factory cost of production of the items produced by the Firm and the ex-factory cost of production of the item actually exported or to be exported less excise duty, if any.

The amount calculated on the above mentioned basis will not be used for any other purpose or for claiming any benefits on such exports effected directly or through the State Trading Corporation of India Ltd., or any other agency under any scheme. If the agency so nominated incurs expenses in excess of the liquidated damages which cannot be adjusted for any reasons against the sale/disposal value of goods supplied to the agency concerned, such excess expenditure shall be recoverable by the Government from the Company.

APPENDIX III G (Contd.)

7 The value and/or the quantity representing the difference between the stipulated annual export commitment/obligation and the actual exports made and also the amount representing 5 per cent of the annual export obligations by way of liquidated damages shall be determined by the Joint/Deputy Chief Controller of Imports and Exports or the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi and the decision made by any of the said authorities shall be final and binding on the Firm. While determining the value and/or quantity, the said Authority may in his discretion, if considered necessary give an opportunity to the Firm to produce such evidence as it can in support of the determination of the value and quantity for this purpose.

8. If in any year the Firm exports in excess of percent of its output as required in terms of the condition laid down hereof such excess may be set off against the shortfalls if any, in subsequent year(s).

9 In the event of the Firm failing and/or neglecting to fulfil the obligation on its part in any year save and except only when the fulfilment of such obligations was prevented or delayed because of or due to any law, order, proclamation, regulations or ordinances of the Government, the Government will be entitled and be at liberty to take possession of the produced by the Firm to the extent as indicated in clause 7 above and take such other action as it may consider necessary in addition to recovering liquidated damages. Any order issued by the Government in this regard shall be final and binding on the Firm who hereby undertakes to comply unconditionally with such an order. This shall, however, be without prejudice to any other action that may be taken under the Import & Export (Control) Act, 1947 and the Order issued thereunder. In the event of the failure of the Company to pay the liquidated damages on demand such liquidated damages shall also be recoverable from any Cash Assistance payable to the Company.

10. The stamp duty, if any chargeable on these presents or any documents executed hereunder shall be borne exclusively by the Firm.

(Applicable in the case of Partnership Firm)

In witness whereof the Rubber Stamp of Firm has been hereunto affixed and for and on behalf of the President of India Shri has set and subscribed his hand hereunto.

Rubber Stamp of the Firm

Name (a) Signature.....

(a) Managing Partner
(Residential Address)

(b) Partner

Name (b) Signature.....
(Residential Address)

(c) Partner

Name (c) Signature.....
(Residential Address)

WITNESSES

1..... (name, designation and address)

2..... (name, designation and address)

Signed for and on behalf of the
President of India by Shri.....
in the presence of

1..... (name, designation and address)

2..... (name, designation and address)

(Applicable in the case of sole proprietary/proprietary firm)

Name of the Sole
Proprietor or
Name of the
Proprietors

Rubber stamp of the
firm

(Residential Address/
Addresses)

Signature/Signatures.

WITNESS

1..... (name, designation and address)

2..... (name, designation and address)

Signed for and on behalf of the
President of India by Shri.....
.....

1..... (name, designation and address)

2..... (name, designation and address)

Notes for guidance in the matter of executing of bonds/
agreement.

(i) Legal Agreement is to be signed on a non-judicial stamp paper of adequate value as applicable in the State concerned under the Indian Stamp Act

(ii) Legal Agreement is to be signed by two Directors duly authorised by the Board of Directors and two witnesses with their designation and address and common seal of the Company (to be affixed)

(iii) Each page of the Legal Agreement is to be signed by two Directors of the Company.

(iv) In the covering letter under which the Legal Agreement is sent by the company to the C.C.I.&E./licensing authority, it should be mentioned that the signatures of the Directors and Witnesses and the common seal affixed are genuine or a Certificate to that effect from a Notary Public should be sent.

APPENDIX III-H

PROFORMA FOR IMPORT OF PROTOTYPES

Proforma to be attached to the Application Form 'E' appearing in Appendix III-A for the import of prototypes of Machinery/Instruments by Actual Users.

(To be filled in by the applicant for use in the licensing office)

1. Name with full postal address of the applicant.
2. Reference number and date of the letter/application with which this proforma is attached.
3. Main description of the proto-type of machinery instruments with quantity thereof.
4. Serial No. of the I.T.C. Schedule under which the prototype machinery instrument will be covered.
5. Whether the applicant unit is already in production of the type of machinery/instrument for which prototype is required and if so;
 - (i) Whether the plant and capital machinery for manufacturing purposes is already installed. If not—
 - (ii) Whether C.G. application for import of capital machinery or other items has been made in accordance with regulation of C.G. Scheme published from time to time? If so;
 - (iii) Whether the scheme for manufacture of the item (for which prototype is required) has been approved and necessary C.G., import licence granted/or necessary capital plant imported, if so, please give full particulars thereof alongwith numbers of import licences granted etc.
 - (iv) Whether firm orders have been placed for procurement of indigenous capital machinery.
6. Is the item of the proto-type of the machinery/instrument, required to be tested and approved by some competent authority before taking up the manufacture of that type of item.
7. Will the manufacture of the item for which prototype is required involve any additional import of capital machinery/raw materials/components (in the

case of existing units already in production). If so, give full details with quantity and c.i.f. value on annual basis.

8. Whether the import of prototype will involve grant of foreign exchange or will be provided by the foreign suppliers free of charges on c.i.f. basis, please enclose Proforma Invoice on c.i.f. basis from the foreign suppliers;
9. Whether the manufacture of items for which the imported proto-type is required will involve any financial/technical foreign collaboration. If so, whether approval of the Government for entering into such collaboration has been obtained (Please attach photo-attested copies of approved letter of the Government in this regard).

I/We hereby declare that (a) the item of Proto-type of machinery/instrument applied for import *vide* column 3 of the above proforma will not be used for manufacturing purposes except as proto-type, (b) the items of imported prototype will not be sold/hired out or disposed of otherwise without the prior written permission of the licensing authority, and (c) the items of imported proto-types will always be available for examination in our manufacturing works at in assembled or broken down condition whatever it may be.

Signature.....

Name in block letters.....

.....

.....

Designation.....

Full Residential Address

.....

.....

.....

Station.....

Date.....

List of Enclosures :—

APPENDIX III-1

FORM-CG (NRI)

**FORM OF APPLICATION FOR IMPORT OF
CAPITAL GOODS BY NON-RESIDENT INDIANS/
PERSONS OF INDIAN ORIGIN UNDER THE SPECIAL
FACILITIES**

(Seven copies to be submitted)

1. PARTICULARS OF APPLICANT :

- 1.1 Name
- 1.2 Address in the country of residence
- 1.3 Present Nationality
- 1.4 Address in India if any
- 1.5 Postal address for correspondence
- 1.6 The approximate date by which proposes to return to India

2. NATURE OF THE PROPOSED CONCERN

- 2.1 Proprietary/Partnership/Private Ltd./Public Ltd.
- 2.2 In case of limited company details of capital structure (Rs. lakhs)
 Authorised
 Issued
 Subscribed
- 2.3 Name and address of the proprietors/Partners Directors
 Non-resident Indians Resident Indians

3. PARTICULARS OF THE PROPOSED INDUSTRIAL UNIT

- 3.1 Name and location of the proposed unit :
 (i) Name
 (ii) Location
 Place
 District
 State
- 3.2 (i) Have you applied to the appropriate authority for the registration of the unit
 (ii) If yes, to whom applied
 (iii) If not, when do you propose to do so
- 3.3 Proposed item of manufacture and annual capacity.

Item(s) Manufactured	Proposed capacity per annum	
	Quantity	Value (Rs. lakhs)
(1)		
(2)		
(3)		

3.4 Estimated requirement of imported raw materials and components per annum.

Year	Item	Quantity	Value
1st year			
2nd year			
3rd Year			
4th year			
5th year			

3.5 Phased manufacturing programme for import substitution. Furnish details for 5 years.

Year	Item of Manufacture	Annual Production		Percentage of c.i.f. value of imported content (i.e. total of all imported raw material & components)
		Quantity	Ex-factory Value (Rs. lakhs)	
1	2	3	4	5

1st Year
 (i)
 (ii)
 (iii)
 (iv)
 2nd year
 (i)
 (ii)
 (iii)
 (iv)
 3rd Year
 etc.

3.6 Whether the articles proposed to be manufactured can be exported. If yes, can you undertake an export obligation in terms of the percentage and value of production.**3.7 Staff and labour proposed to be employed in the Unit :**

- (a) Managerial
 (b) Supervisory
 (i) Technical
 (ii) Non-Technical
 (c) Clerical
 (d) Labour
 (i) Skilled
 (ii) Semi-skilled
 (iii) Unskilled
 Total

4. INVESTMENT

- 4.1 Total investment (in land building and machinery)
 Proposed Investment in Rs.
 (i) Land and building
 (ii) Machinery
 Total

APPENDIX III-I (Contd.)

4.2 Non-Resident Indian Investment in the form of—

(i) Financing the import of Capital Goods

(ii) Cash remittances
Totalseparately the amount(s) of (i) freight, (ii) insurance included in the c.i.f. ☐ Enclosed value(s).7.4 Copies of literature/Pamphlets/Specifications giving complete details of goods to be imported. ☐ Enclosed7.5 If second hand/reconditioned machinery is to be imported a certificate certifying machinery's age, present condition, original and present condition, original probable unexpired life from the Chartered Engineer. ☐ Enclosed

7.6 If the proposed item of manufacture required foreign collaboration,

(i) Documentary evidence showing Government approval for foreign collaboration if already obtained ☐ Enclosed ☐ Not applicable(ii) Application for Foreign Collaboration ☐ Enclosed ☐ Not applicable

5. DETAILS OF CAPITAL GOODS APPLIED FOR

5.1 Description	Quantity	F.O.B. Value in Rs.	Country of Origin
(1)			
(2)			
(3)			

Total FOB Value Rs.

5.2 Value of initial spares (FOB) (Rs.)

5.3 Estimated freight. (Rs.)

5.4 Insurance (Rs.)

(i) Total C.I.F. Value (5.1 + 5.2 + 5.3 + 5.4) in Rs.

(ii) In Foreign Exchange

(iii) Rates of exchange and conversion of Rs. into foreign exchange

5.5 Condition of machinery whether, new/second hand or reconditioned.

5.6 Whether any further import of capital goods are envisaged for the project in addition to the items covered in the present application.

SPECIFIC INFORMATION FOR USE ON IMPORT LICENCE(S) TO BE ISSUED.

6.4 Port of Registration for clearance of goods

6.2 Validity period required for the import licence. .

6.3 Endorsement to avail concessional rate of duty as "PROJECT IMPORTS" required.

7. DETAILS OF SUPPORTING DOCUMENTS/INFORMATION.

7.1 Original Bank Demand Draft in respect of payment of fees.
No. _____ Date _____ ☐ Enclosed
Value Rs. _____7.2 Seven copies of the detailed list of capital goods with a break up of the individual c.i.f. value of each major item. ☐ Enclosed

7.3 The attested or photostat copy of the proforma invoice/other documentary evidence in quadruplicate in support of value of goods showing

DECLARATIONS

1. I/We hereby declare that the above statements are true and correct to the best of my/our knowledge and belief.

2. I/We hereby declare that the goods for import of which the application has been made shall be used only for the manufacture of..... (Name of end products.)

3. I/We declare that neither the foreign exchange earning brought in the form of plant and machinery, raw materials/Components or otherwise invested nor the profits earned on these investments would be repatriated out of the country.

4. I/We shall get the unit registered with the concerned authorities within one year from the date of issue of CCP.

5. I/We shall not sell the imported machinery for a period of five years.

6. The machinery shall be used in the industrial unit proposed to be set up and for the purpose for which the import is allowed.

7. I/We shall return to India for permanent settlement within a period of.....

Strike out whichever is not relevant

Signature

Name

Place : Designation

Full Residential Address

APPENDIX III-1 (concl.)

NOTES

A. Industrial Licence

(1) An industrial licence would be required :

- (i) If the total investment in the proposed unit in the form of fixed assets in land, building, plant and machinery exceeds Rs. 50 million;
- (ii) If the annual requirement of foreign exchange for the import of raw-materials other than steel and components exceeds 10% of the ex-factory value of annual production or Rs. 25 lakhs whichever is less;
- (iii) If the annual requirement of foreign exchange for the import of part and components is in excess of 10% of ex-factory value of annual production or Rs. 15 lakh whichever is less in any year after 3 years of the commencement of production;
- (iv) if the proposed investment is in any one of the following industries;

Coal falling under '(1), Coal lignite, coke and their derivatives under the heading "2, Fuels"; Textile, falling under the heading "231, Textile (including those dyed, printed or otherwise processed) manufactured, produced or processed on powerlooms"; Milk foods falling under '(2) Milk foods; Malted foods falling under '(3) Malted Foods' and Roller Flour milling falling under '(4) Flour under the heading "27, Food Processing Industries"; (a) oil seed crushing, falling under '(1) Vegetable oils including solvent extracted oils' and (b) vanaspati falling under '(2) Vanaspati and under the heading "28, vegetable oils and vanaspati"; Leather falling under the heading "31, Leather, Leather Goods and Pickers" Matches falling under '(3) Matches' under the heading "36, Timber Products"; Distillation or brewing of alcoholic drinks falling under the heading "26-Fermentation Industries "Hot-rolling of semis, bars, wire-rods and structural sections of steel; Tractors and self-propelled combine harvesters; Motor Cars, buses, trucks, jeeps, vans etc.; all qualities of steel manufactured from electric furnaces based on scrap, falling under (1) Iron and steel (Metal) and '(6) Special steel' under the heading "1. METALLURGICAL INDUSTRIES : A. Ferrous"; iron and steel pipes and tubes and stainless tubes falling under '(5) Iron and Steel Pipes' under the heading; "1. METALLURGICAL INDUSTRIES : A. Ferrous"; Bright Bars; Tin containers and metal containers; drums and barrels; wires of mild steel, special steel and alloys steel-coated and uncoated; cold and hot rolled strips, sheets and plates of all categories of steel including box strappings; the above items from Bright Bars to all categories of steel including box strappings fall under '(7) other products of iron and steel' under the heading "1. METALLURGICAL INDUSTRIES : A. Ferrous"; non-ferrous semis alloys, flat products and extrusions falling under the heading "1. METALLURGICAL INDUSTRIES : B. Non-ferrous"; ACC/ACSR Conductors falling under '(6) Electrical Cables and Wires' under the heading "5. ELECTRICAL EQUIPMENT"; cold rolled formed section; Hamilton poles; tubular poles; Sheet

Metal Components; Sheet, figured and wired glass; Plywood, Decorative Veneers, Block Boards and Flush Doors; Sugar; Transmission line Towers; Sewing Machine and operated; (except industrial sewing machine); Dairy Machinery Industry; Food Processing Machinery and Equipment Industry; All types of rubber based conveyor beltings, PVC conveyor beltings and Fan and V belts; Calcium Carbide; Caustic Soda; Potassium Chlorate; Carbon Black; Calcium Carbonate; Elemental Phosphorous; Sodium Chlorate; Malathion Technical; BHC Technical; Endosulfan Technical 2-4-D; Synthetic Pyrethroids; Aniline; Acetanilide; Meta-amino phenol; m-Dinitrobenzene; Nitro-benzene; Para-nitrochloro-benzene; Ortho-nitrochloro-benzene; Para-nitro-toluene; Ortho-nitrotoluene; Metanitrotoluene; Alcohol-based chemicals; Pig iron; Ferro Alloys; Computers, Mini Computer/Micro Processor based system and allied items; Two-way Radio Communications and Allied Equipment; Borax; Boric Acid; Chemical lime; PVC Power Cables with Aluminium conductors; Acetic Acid; Dry Batteries; Welding Electrodes; Electric Fans; Overhead Cranes; Railway Wagons; Formaldehyde; Vanadium Pentoxide Catalyst; Hydrogen peroxide; Nylon Chips/Nylon Moulding powder; Industrial explosive, including detonating fuse, safety fuse, gun powder and nitro-cellulose (explosive grade); Polyester Chips/Polyester Moulding Powder; L.P.G. valves and regulators Railway Points and crossings.

- (v) if the item of manufacture is reserved for the small scale sector (Small Scale Units are undertakings in which total investment in fixed assets in plant and machinery does not exceed Rs. 2 million or Rs. 2.5 million if they are ancillary units). The number of items which are reserved for the small-scale sector is 873. The list of these items can be obtained from the office of the Development Commissioner, Small Scale Industries, Nirman Bhawan, New Delhi. Director of Industries in various states or the Indian Investment Centre, "Jeevan Vihar" Sansad Marg, New Delhi or its branch offices in India and abroad.

(2) Applications for an Industrial licence should be submitted in the IL Form to Special Approval Committee (NRI) Ministry of Industry, Udyog Bhavan, New Delhi.

(3) The Government have decided that no more licences would be issued for setting up new industrial units within certain limit of large metropolitan cities having a population of more than one million and Urban areas with a population of more than 0.5 million as per the 1981 census.

B Foreign Collaboration

(1) Non resident Indians who want to set up an industrial unit with foreign collaboration can do so only after obtaining the approval from the Government of India. A separate application in Form FC has to be submitted to Special Approval Committee (NRI) Ministry of Industry, Udyog Bhavan, New Delhi.

(2) If the item of manufacture also, requires an industrial licence as per the criteria given above they should submit composite applications both for an industrial licence as well as for foreign collaboration so that both these can be disposed of simultaneously.

APPENDIX III-J

FORM A. 1

Application for Remittance in Foreign Currency

(For Import Payments only)

Serial No.....

(for use of Reserve Bank of India)

Amount remitted.....

Currency

Amount

A.D. Code No.....

Equivalent to Rupees.....
(To be completed by authorised dealer)Form No.....
(To be filled by authorised dealer)

I/We wish to purchase.....
(Name of currency)..... (Amount in words).....
through..... for payment to.....
..... in payment of.....
(Name and address of the beneficiary of the remittance)

imports into India, detailed below :

Details of goods imported or to be imported into India

Section A : Import Licence/Open General Licence Particulars

O.G.L.....

NUMBER PART

SCHEDULE

SERIAL NUMBER

Import Licence							Date of Issue			Date of expiry			Face value of licence	Amount to be endorsed (in Rs.) @	Balance outstanding on the licence after the remittance	
Prefixes		Licence No.	Suffixes					Date	Month	Year	Date	Month				Year
1	2		1	2	3	4	5									

@ Actual amount endorsed in rupees against each licence involved, should be stated under this column.

Note :—If more than one licence is involved, particulars of all licences should be furnished. If the space is inadequate, a separate statement may be attached. The amount utilised against each licence should invariably be indicated.

Section B : Import Particulars

Invoice Details				Quantity of goods	Description of goods	BTN classification	Country or origin of goods	Country from which goods are consigned	Mode of shipment (air, sea, post, rail, river transport etc.)	Date of shipment (if not known approximate date)
No. and date	Terms (c.i.f., f.o.b., c. & f. etc.)	Currency	Amounts							

Section C : Other Particulars

1. Details of forward purchase contract, if any, booked against the import.....
(No. & date of contract)..... (Currency and Amount of contract)..... (Balance under the contract).....

2. If remittance to be made is less than invoice value, reasons there for (i.e. part remittance, instalment etc.).....

I/We hereby declare that the statements made by me/us on this form are true and that I/we have not applied for an authorisation through any other bank.

I/We declare and also understand that the foreign exchange to be acquired by me/us pursuant to this application shall be used by me/us only for the purpose for which it is acquired and that the conditions subject to which the exchange is granted will be complied with.

Name of Applicant(s)..... Nationality of Applicant(s).....
(Block Capitals)..... (Block Capitals)

Address of Applicant(s).....
(Block Capital(s)).....

.....
(Signature of Applicant(s))

Date.....

Note : For remittances covering intermediary trade, Form A2 should be used.

APPENDIX III-K

(Return in terms of conditions No. 21(e) appearing in appendix 6 of the Import & Export Policy 1985-88 (Vol. I) and Public Notice No. 51-ITC (PN)/84 dated 3-9-84)

PROFORMA

Return for the half year ending

Day Month Year

--	--	--	--	--	--

1. Sl. Number

--	--

2. Name and full address of the importer (with pin code if possible)

--	--	--	--	--	--

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

--	--	--	--	--	--

3. Full address of the premises where the machine has been installed

--	--	--	--	--	--

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

--	--	--	--	--	--

4. Importer's code

--	--	--	--	--	--	--	--

5. Description of capital goods imported

[illegible]

[illegible]

--	--	--	--	--	--

Note: Please insert only one alphabet or one numeral or one punctuation mark in one box e.g. Director of Statistics, Office of the Chief Controller of Imports and Exports, Udyog Bhavan, New Delhi-110011 will be inserted as follows:—

D	I	R	E	C	T	O	R		O	F									
S	T	A	T	I	S	T	I	C	S		O	F	F	I	C	E			
O	F		T	H	E		C	H	I	E	F		C	O	N	T	R	O	
L	L	E	R		O	F			M	P	O	R	T	S		A	N	D	
B	X	P	O	R	T	S		U	D	Y	O	G		B	H	A	V		
A	N		N	E	W		D	E	L	H	I		1	1	1	0	0	0	1

Day		Month		Year	
3	1	0	3	8	5

APPENDIX III-K *concl'd.*

(Declaration to be furnished by Applicant(s))

I/We declare that

- (a) the goods to which this application relates have been* imported into India on my/our own account.*
will be.*
- (b) the import is on behalf of @.....*and
- (c) the invoice value of the goods which is declared on this form is the real value of goods Imported* into India.
to be imported*

If the import
has been made

I/We attached the relative Customs stamped Exchange Control Copy of Bill of Entry.*

post parcel wrapper (for imports by post)*

or

I/we undertake to produce within three months to the authorised dealer the relative Customs-stamped Exchange control
post parcel wrapperIf the import
is to be made

copy of Bill of Entry*

(for imports by post)*

*Strike out item not applicable.

@ Where the import is on behalf of Central/State Government Department or a company owned by Central/State Government Statutory Corporation, Local Body, etc. the name of the Government Department, Corporation etc. should be stated.

.....
(Signature of Applicant(s))

Space for commencements of the authorised dealer while forwarding the application to the Reserve Bank of India for approval (Reference to Exchange Control Manual/paragraph D. Circular in terms of which the reference is made should invariably be cited. If any remittance application of account on the same import was referred to the Reserve Bank earlier, reference to the last correspondence/approval should also be cited).

.....
(Stamp and Signature of Authorised Dealer)

Date.....

Certificate to be furnished by Authorised Dealer (Importers Banker)

We hereby certify that :
(a) this payment is

- Put a (i)—an advance remittance
- tick () (ii)—in retirement of bills under Letter of Credit opened through us
- in the (iii)—against documents received through our medium for Collection.
- relevant (iv)—on account of documents received direct by the applicant(s) against undertaking furnished by the letter to submit Customs-stamped Exchange Control copy of Bill of Entry/post parcel wrapper within three months.
- (v)—on account of documents received direct by the applicant(s) against Customs-stamped Exchange Control copy of Bill of Entry/post parcel wrapper (attached) submitted by the latter.
- (vi)—.....
(any other case, to be explained)

(b) all the Exchange Control regulations applicable to the remittance have been complied with.
has been*(c) the payment of the supplied of the goods made through.....
will be* (Name and address of the foreign bank)

We also certify/undertake that the relevant Customs-stamped Exchange Control copy of Bill of Entry or post parcel wrapper.

*shall be verified by us within three months (vide certificate a (ii) and (iii) above).

*has been verified (vide certificate a (v) above).

*shall be obtained from the applicant(s) and forwarded to the Reserve Bank within three months (vide certificate a (i) and (iv) above).

*Strike out item not applicable.

Date.....

(Dealer)

APPENDIX III-L

FORM OF CONSENT LETTER FROM LEASING
COMPANY

I/We _____ (Name and address of the Actual User) have decided to import the following Capital Goods : (details to be given) to be financed by the leasing company viz. M/s. _____ (name of the leasing company). The aforesaid company has agreed to finance the import on terms and conditions mentioned in a lease agreement executed by us on (date) with _____ (name of the leasing company). A copy of the lease agreement is annexed hereto.

I/We may be allowed to import the aforesaid Capital Goods under lease financing scheme.

Lessee

I/We _____ (Name of the leasing company) have agreed to finance the Import of the following Capital Goods :

(Details to be given)

by M/s. _____ (name of the Actual User) on terms and conditions mentioned in the lease agreement executed on _____ (date) copy of which is annexed hereto.

I/We bind myself/ourselves to comply with conditions of the licence as and when issued.

Name and address of the leasing company.

APPENDIX III—M

APPLICATION FOR PERMISSION TO RETAIN FOREIGN CURRENCY BALANCE

- (1) Full name and address in India/abroad
- (2) Present nationality
- (3) Country of birth
- (4) Academic qualifications
- (5) Countries in which you were residing for more than three months before returning to India with period of stay and nature of your employment in each country
- (6) Purpose of your stay in each of the countries named above
- (7) Date on which you arrived in India/propose to arrive in India
- (8) Details of accounts maintained abroad

Name(s) and address(es) of the bank(s) with whom the account(s) is/are kept	Type of account(s) i.e., Current savings Fixed Deposits, etc.	Whether held singly or jointly with any other person(s); if latter, the name, relationship and present address of the joint account-holder	Present balance in the account(s)
---	---	--	-----------------------------------

(i)

(ii)

(iii) etc

- (9) Source of funds in the account(s)
- (10) If the funds in the account(s) represent your earnings from employment, please state the name and address of the employer(s) in case you are employed by any firm or company the place of its head office/registered office may also be mentioned.
- (11) Do you own any foreign currency securities? If so, have you made a separate application to the Reserve Bank for obtaining a holding licence in respect thereof?

I hereby confirm that the foreign currency account(s) listed above constitute complete statement of my foreign currency abroad and I certify that all the particulars given above are true to the best of my knowledge and belief.

Place

Date

(Signature of the applicant)

APPENDIX IV—A

APPLICATION FOR ALLOTMENT OF CANALISED ITEMS BY THE CANALISING AGENCIES

1. Name of the applicant.
2. Full Postal Address.
3. Address of location of Factory.
4. Name of Industry.
5. Name of end-product manufactured.
6. Whether SSI/DGTD/Non-DGTD/Non-SSI unit.
7. Registration No. allotted by the sponsoring authority/
licence No. and date of issue by the Ministry of Industry,
wherever applicable.
8. Description of canalised item (s) required. (With detailed
specification and sizes etc. in case of steel and ferro-alloy items)
9. Quantity/C.I.F. value of canalised item (s) required.
10. Phased delivery requirement, if any.
11. (i) I/We hereby declare that the goods for the allotment of which this application has been made are meant for use in our own
factory at the above mentioned address, for the manufacture of
(Name of end-product to be indicated)
for which I/We are registered with and
(Name of registration/sponsoring Authority)
the registration has not been cancelled or withdrawn or suspended.
- (ii) I/We have been duly registered/licenced to manufacture the goods mentioned at Serial No. 5 and I/We declare that the canalised item(s) mentioned at Sl No. 8 is/are essentially required for the production of goods as mentioned at Sl. No. 5.
- (iii) I/We hereby declare that if goods are allocated to us, the same shall be utilised only in our factory for manufacture of goods indicated above and in accordance with the conditions of the Industrial Licence/Registration Certificate and no portion thereof will be sold to or permitted to be used by any other party or for any other purpose.
- (iv) I/We certify that the quantity/value asked for is to meet our requirements for a period not exceeding 12 months (for the licensing year.....).
- (v) I/We hereby declare that the above statements are true and correct to the best of my/our knowledge and belief. I/We fully understand that the material allocated to me/us on the basis of the statements furnished in this application is liable to confiscation without prejudice to any other action that may be taken under the Imports and Exports (Control) Act, 1947, as amended and Orders issued there under if it is found that any statement or facts indicated herein are incorrect or false or misleading.
- (vi) I/We also fully understand that the allocation of canalised item(s) through the canalising agency is made under the Import Trade Control Regulations and violation of the condition on which such goods are released to us or any misuse of such goods will attract the provisions of Imports and Exports (Control) Act, 1947, as amended and Orders issued thereunder.
- (vii) I/We have noted the relevant Provisions contained in the Import-Export Policy/Hand Book of Import-Export Procedure, 1985-88.
- (viii) I/We have not been debarred under Clause 3 of Imports (Control) Order, 1955 for the licensing year.....

Place :
Date :

Signature with date
Name in block letters
Full official address
Full residential address

APPENDIX IV—B

Proforma for issue of 'No Objection Certificate' by canalising agencies for direct import of canalised items by actual users.

(Name & address of canalising agency)

No.

Date

To

The Licensing Authority

Subject : No Objection Certificate for direct import of.....
(name of item to be indicated)

Dear Sir,

Whereas M/s.....
(name and address of the applicant)

vide their letter No.....dated.....have
registered a demand for allotment of (Quantity) of
(name of item with size & specifications, if any)

valued at Rs....., which is covered by Sl. No. of
Appendix 5, Part A of the Import and Export Policy, 1985-88 (Vol. I), and whereas we are not in a position to make arrangement
for import and supplies within a period of 60 days in accordance with para 223 of the Hand Book of Import-Export Procedures
1985-88 for the reason(s)

We hereby have no objection to issue of licence for direct import of qty. Item (with size and specification,
if any) and c.i.f. value Rs. by M/s
(Name & address of the applicant)

2. This 'No objection Certificate', is valid for three months only.

Place :

Date :

Yours faithfully,

Signature

(Name and designation with official stamp)

Copy to:

(i) M/s.....
(Name & address of the applicant)

Details of imports should be reported to the concerned authorities, as required under the provisions of the Import & Export Policy,
1985-88 (Vol. I) and the Hand Book of Import Export Procedures, 1985-88

(ii) The Administrative Ministry concerned

APPENDIX IV—C

Form of Affidavit for applying for Direct Import of Canalised Item

Whereas I/we of M/s.

(Name & Address of the Company)

I have vide our letter No.
dated sent by Registered Post vide Postal Receipt No.

Dated delivered personally on, vide receipt No.

dated placed with,

our demand for supply of

(Name of the canalising agency)

of
(Description, quantity and other particulars of the item)

2. Whereas my/our requirement has been registered by

(Name of the canalising agency)

on
(date)

3. Whereas I/we have deposited earnest money by crossed **cheque/Bank Draft/Bank Guarantee/N

dated drawn on M/s.

Name of the Bank)

on
(date)

4. Whereas I/we was/were not asked asked by the

(Canalising agency)

to make financial arrangements to be made

and I/we have made the required financial arrangements by

(Name of the financial institution)

5. Whereas M/s.

(Canalising agency)

have failed

to make supplies within 60 days of registration of demand/payment of cash/realisation of crossed cheque in respect of earnest money/making of satisfactory financial arrangement (Whichever is later).

6. I/We hereby solemnly affirm and declare that I/we have fulfilled the conditions for grant of direct import licence covering 50 per cent of the registered demand, as provided in para 223 of the Hand Book of Import-Export Procedure, 1935-38.

I/We hereby solemnly declare that the above statements are true and nothing has been concealed. I/we fully understand that the import licence granted to me/us, on the basis of the affidavit, is liable to be cancelled, without prejudice to any other action that may be taken under the Imports and Exports (Control) Act, 1947, as amended and Order issued thereunder, if it is found that any of the statement of facts therein are incorrect or false or misleading.

Signature of the deponent.....

Name.....

Full official Address.....

Full residential address.....

Sworn before me on day of 193 ..

Name & seal of

Oath Commissioner/Notary Public/First Class
Magistrate.

**The date of realisation of the money by the canalising agency should be given.

APPENDIX IV—E)

FORM J

FORM OF APPLICATION FOR IMPORT OF GOODS
BY CANALISING AGENCIES(Every copy of the documents should be attested as
true copy by a responsible officer of the undertaking)

1. Name of the applicant with full address.
2. Category under which application is made.
3. No. and date of the Bank Receipt showing payment of the requisite fee (Bank Receipt should also be attached).
4. Licensing period in respect of which the application is made.
5. Particulars of goods to be imported :
 - (a) Description of goods (with ITC Parts and Sl. No.).
 - (b) Value (c.i.f) in rupees.
 - (c) Country of shipment.
6. Financial authorisation for import :
Whether against foreign exchange released by the Ministry of Finance (Deptt. of Economic Affairs) or any other authority. If so, give details. An attested copy of the sanction regarding release of foreign exchange should be attached.
7. Has any application for item under the same Sl. No. as mentioned in column 5 already made by the applicant against 6 above. If so, give details.
 - (a) If any subsidiary/split up licences are required, give details thereof.
 - (b) Whether necessary fee for obtaining the subsidiary/split licence has been deposited. Please enclose Bank receipt in original.
8. Any other particulars.
9. Full details of the enclosures attached with the application should be furnished in the statement below

Sl. No.	Name of the documents
(1)	
(2)	
(3)	

I/we hereby declare that the above statements are true and correct to the best of my/our knowledge and belief. I/we fully understand that any licence granted to me/us on the basis of the statement furnished is liable to cancellation without prejudice to any other action that may be taken in this behalf if the statements or facts therein are incorrect or false. I/we further declare that I/We qualify for an import licence as a canalising agency in respect of goods of description applied for in this application.

Signature

Name in Block Letters.....

Designation

Full Official address

Full Residential address

Place.....

Date.....

List of enclosures

APPENDIX IV—B

ADDRESSES OF CANALISING AGENCIES

1. Balmer Lawrie & Company
21, Netaji-Subhas Road,
Calcutta-700001
2. Cashew Corporation of India,
Post Box No. 1261, M. G. Road,
Ernakulam,
Cochin-682011.
3. Central Silk Board,
United Mansion, 2nd Floor,
39 M. G. Road
Bangalore-560001
4. Cotton Corporation of India
Air India Building,
12th Floor Nariman Point,
Bombay-400021
5. Food Corporation of India,
26-20, Barakhamba Road,
New Delhi-110001
6. Jute Corporation of India,
1, Shakespere Sarani,
Calcutta-700016
7. Indian Oil Corporation,
Indian Oil Bhavan,
Janpath, New Delhi-110001.
8. Minerals and Metals Trading,
Corporation of India (MMTC)
'Express Building',
9-10, Bahadurshah Zafar Marg
New Delhi-110002.
9. National Agricultural
Co-operative Marketing
Federation of India Ltd
(NAFED),
Sapna Building,
54, East of Kailash,
New Delhi-110065.
10. State Trading Corporation of India Ltd.
(STC)
Chandratol,
70, Janpath
New Delhi-110001.
11. Metal Scrap Trade Corporation,
225-B, Acharya Jagdish Bose Road,
Calcutta-700001.
12. National Film Development Corporation,
Shiv Sagar Estate,
'D' Block,
5th Floor,
Dr. Annie Besant Road,
Worli,
Bombay-400018
13. National Mineral Development Corporation
Limited,
129, Suryakiran Building,
Kasturba Gandhi Marg
New Delhi-110001.

APPENDIX IV—F

STATEMENT SHOWING THE PARTICULARS OF DIRECT IMPORT IN RESPECT OF CANALISED ITEMS

Name and address of the licensee	Particulars of licence(s) No. date etc. against which canalised items have been imported	Description of the canalised item	Quantity and value of canalised item	Name of foreign supplier from whom the canalised item referred to in col. 4 have been imported	Unit price at which the item was imported	Bill of Entry No. and the name of Customs House	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8

(Note :—In the case of a transferred RFP licence the holder of the licence will be the transferee)

I/We hereby declare that the particulars given in the above statement are true to the best of my/our knowledge and nothing has been concealed. I/We understand that if any information is found to be incorrect, it will render me/us liable for action under I.T.C. Regulations

Name

Designation

Address of the Importer

Place

Date

APPENDIX V—A

LIST OF SPONSORING AUTHORITIES

<i>Industry</i>	<i>Sponsoring Authority</i>
1. Scheduled industries borne on the registers of DGTD.	DGTD
2. All SSI units.	Director of Industries of the concerned State. (See note below).
3. Film studios, cinema houses, film processing laboratories, studio equipment hirers and any other unit related to the film industry.	Director of Industries of the concerned state or National Film Development Corporation
4. Coffee Industry/Plantations.	Chairman, Coffee Board, Bangalore.
5. Coal & Lignite.	Deptt. of Coal, New Delhi.
6. Coir Industry (including rubberised coir products).	Chairman, Coir Board, Ernakulam.
7. Cold Storages (for Horticultural products).	Agricultural Marketing Adviser, Govt. of India, Faridabad.
8. Cardamom Plantations.	Cardamom Board, Ernakulam.
9. Computer system (including their spares)	Deptt. of Electronics, New Delhi.
10. Explosives.	Chief Inspector of Explosives, Nagpur.
11. Fishery industry (including cold storage facilities or other than seagoing vessels)	State Director of Fisheries. (For units engaged in processing of fish & marine products for export, the Marine products Export Development Authority will be an alternative sponsoring Authority.)
12. Fishing trawlers.	D.G.T.D.
13. Fruits and vegetables preservation Industry.	Executive Director (Department of Food and Nutrition Board), New Delhi.
14. Handlooms.	State Director of Handlooms.
15. Handicrafts.	Development Commissioner (Handicrafts)
16. Irrigation Projects.	Central Water Commission, New Delhi.
17. Jute industry, Rope industry using sisal or manila fibres, jute-textile engineering industry and wooden accessory industry for jute mills.	Jute Commissioner, Calcutta.
18. Mines (other than collieries).	Controller, Indian Bureau of Mines, Nagpur.
19. Newspaper establishments.	Registrar of Newspapers for India, New Delhi.
20. Petroleum Industry.	Ministry of Petroleum, Chemicals & Fertilizers, New Delhi.
21. Pharmaceutical Industry and cosmetics (including tooth powder) industry.	State Drugs Controller (or other such authority of the State Govt.)
22. Power supply and distribution undertakings.	Central Electricity Authority, New Delhi.
23. Units/Subsidiaries of Steel Authority of India Limited (SAIL).	Steel Authority of India Ltd., (SAIL) Head Office.
24. (a) Tata Iron and Steel Company Limited (b) Visvesvaraya Iron & Steel Limited. (c) Other units directly administered by the Department of Steel. }	Department of Steel, Ministry of Steel and Mines, New Delhi.
25. Other units in the Iron and Steel Sector including Electric Arc Furnace Units, Re-rolling units, Secondary producers.	Iron and Steel Controller, Calcutta.
26. Printing establishments, (other than DGTD units), publishers, construction agencies, advertising agencies, Service Stations and other maintenance workshops.	State Director of Industries (who may, if necessary, consult other technical experts of the State Government).

APPENDIX V—A (Concl'd.)

Industry	Sponsoring Authority
27. Rubber plantations.	Chairman, Rubber Board, Kottayam.
28. Sugar industry.	Chief Director of Sugar, Deptt. of Food, New Delhi.
29. Silk Industry/Silk Fabrics/Sericulture.	Central silk Board, Bangalore.
30. Shipping Industry/Shipping Companies.	
(a) Sea-going vessels.	Director General of Shipping, Bombay.
(b) Inland steam and motor vessels.	Principal Officer, Mercantile Marine Department of the area concerned.
(c) Ship repairs.	Director General of Shipping, Bombay.
31. Salt Industry.	Salt Commissioner, Govt. of India, Jaipur.
32. (a) Textile Industry other than jute, and silk. (b) Textile engineering industry. (c) Powerloom industry (d) Readymade garments (other than hosiery) (e) Crimping Texturising and Draw-texturising units	Textile Commissioner, Bombay.
33. Tea industry/Plantation/Tea bag Industry.	Chairman, Tea Board, Calcutta.
34. Vanaspathi.	Department of Civil Supplies and Co-operation, New Delhi.
35. Units including Cottage Industry and AU. (Non-industrial)—(Service maintenance) jobbing units, for which no sponsoring authority has been specifically mentioned above.	State Director of Industries or any other concerned Department of State or Central Government.

Note :—(1) The sponsoring authorities shown against Sl. Nos. 14, 15, 17, 21, 32 and 33 above will also be the sponsoring authorities in respect of SSI units of these industries.

(2) The Chairman, Rubber Board, Kottayam will also be the sponsoring authority for import of machinery required by Rubber Plantation for the purpose of processing rubber from trees to marketable form as raw rubber.

(3) In case of fishnet making machinery, the sponsoring authority concerned will obtain clearance of the Ministry of Agriculture, New Delhi before making recommendation.

APPENDIX V—B

APPLICATION FOR ALLOTMENT OF REGISTRATION NUMBER

- (1) Name of the scheduled industry or industries to which articles of manufacture relate
- (2) Name of the industrial undertaking
- (3) Full address of the registered office of the company.
- (4) Full address of the location of the factory
- (5) Licence number /numbers issued under I(D &R) Act, and date
- (6) Sanction letter/letters/numbers issued, number and date
- (7) Name of proprietor/partners, Board of Directors and their full addresses
- (8) Any foreign collaborations involved, if so, with whom
- (9) Any foreign technician employed, if so number and types of such personnel
- (10) Tonnage licensed/Sanctioned for production, per annum on single, shift basis.
- (11) Number of shifts allowed under licence/sanctioned
- (12) Capacity actually installed out of licensed/sanctioned capacity
- (13) Reason for non-installations of balance capacity and when expected to be installed or reasons for excess capacity where applicable.

- (14) Names of articles now manufactured and production capacity per annum against each such article with details e.g. gauges, quantities etc.

(In the case of units which have not started production)

- (1) Whether land acquired for factory
- (2) Progress made in the construction of factory and installation of plant and machinery
- (3) Progress made in getting supply of water and power
- (4) What percentage of value of total requirement of capital equipment has been
 - (a) ordered and received
 - (b) ordered and not yet received
- (5) Expected date of commencement of production

I/We hereby declare that the facts/statements given above are true and correct to the best of my/our knowledge and belief. I/We fully understand that any "registration" number claimed or granted to me/us on the basis of above facts/statements is liable to cancellation in addition to any other action that may be taken having regard to the circumstances of the case, if it is found that any of the statements or facts therein are incorrect or false.

Place.....
Date.....

(Signature of applicant)
Name in Block letters
Full Official address
Full Residential address

APPENDIX V—C

REGISTER FOR MAINTENANCE OF CONSUMPTION AND STOCKS OF IMPORTED RAW MATERIALS/
COMPONENTS BY THE ACTUAL USERS

(Other than Newspaper Establishment)

Sl. No.	Description of items	Receipts		Particulars of import licences/release order's of OGL or direct allotment by canalising agency against which imported/allotted.	Name & Address of authorised source if goods obtained from any other source	B.E. No. & Date of Sale Note No. & Dt. and GR/RR. No. and Dt., under which goods transported from the Port of landing or place of receiving goods to the factory site	Date	Qty.	Issue (Consumption)				Closing balance	Remarks
		Opening balance	Qty. of fresh Stock received						End products in which used/ Batch No. also to be shown in the case of pharmaceutical unit.	Qty. produced out of imported raw material consumed	Qty. diverted to others in an authorised manner			
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	

APPENDIX V—D

FORM FOR ACTUAL USERS

FORM-A

[APPLICATION FORM FOR IMPORT OF RAW MATERIALS/COMPONENTS/CONSUMABLES AND SPARES (OTHER THAN CAPITAL GOODS) BY ALL ACTUAL USERS AND PUBLIC SECTOR UNDERTAKINGS FOR INITIAL/SUPPLEMENTARY LICENCES]

LICENSING PERIOD

PART I

- (1) Name and address.
- (2) Address of factory/unit.
- (3) (a) Registration No. allotted by the sponsoring authority or number and date of industrial licence.
(b) Date of establishment of the unit.
- (4) (a) Description of goods manufactured.
(b) Book value of Production in the previous financial year (i.e. ex-factory cost of products) less excise, if any.
- (5) C.I.F. value of the licence applied for
(a) Iron and steel items. Rs.
(b) Other items. Rs.
(c) Spares (other than OGL) Rs.
(d) Scientific & Measuring instruments. Rs.
- (6) Bank receipt/Demand Draft No. & date, as the case may be, attached in original, with the application.
- (7) Capital investment on machinery and equipment :
(a) Imported machinery (c.i.f. value).
(b) Indigenous machinery, having imported components (purchase price).
(c) Other-indigenous machinery (purchase price).
- (8) Number and value of (automatic and supplementary) import licence(s) issued for last two licensing periods.
- (9) In case of application for supplementary licence, the following should also be furnished :—
(i) Stocks in value and quantity of imported raw materials and components falling under restricted limited permissible category in hand on the date of application.
(ii) Stocks in value and quantity of imported raw materials and components falling under restricted/limited permissible category in the pipeline against import licence issued under the previous policies.
(iii) Production programme/phased programme approved/assessed capacity.
(iv) Licenced capacity/capacity covered by registration.
- (v) Details of items applied for import indicating for each item, quantity required, c.i.f. value, Sl. No. and Appendix No. under which the item is covered under current import policy (separate lists to be submitted for banned and restricted items).
- (vi) Country of import.
- (vii) Details of unutilised import licences in hand excluding material in pipeline covered at Sl. No. 9(ii).
- (viii) Details of proposed utilisation of materials and licences as at 9(i), 9(ii) and 9(vii).
- (ix) Full justification for claiming supplementary licences. If the application has been made on the basis of order book position, details of order received alongwith order-wise requirements of various items covered at 9(v) above to be indicated.
- (x) In the case of Iron & Steel items please attach attested three copies or photostat copies of inquiries sent to indigenous manufacturers for supply of raw materials proposed to be imported under the supplementary licences and replies received thereto.
- (10) (a) Nature of the concern; whether Public Company or Private Company, partnership or Hindu Undivided family concern.
(b) Names of the Directors, Partners, Proprietor or Karta as the case may be.
(c) Details of branches or associate companies (names and locations) :—
(i) in India
(ii) abroad.
- (11) Do you require any subsidiary licences to be issued, if so, state the number of subsidiary licences and value thereof.
- (12) Are you actually adhering to the approved phased manufacturing programme?
- (13) Whether Industrial Licence/Registration Certificate is still valid.

PART II

INCOME-TAX DECLARATION

(Form for Income-tax-declaration has been given in App. II-O.)

APPENDIX V—D (Contd.)

PART III

STATEMENT SHOWING CONSUMPTION OF
IMPORTED RAW MATERIALS, COMPONENTS
AND CONSUMABLES

1. Name and address of the unit.
2. End-Product(s) manufactured.
3. C.I.F. value of consumption of imported raw materials, components and consumables during the preceding two licensing years, in respect of :—
 - (i) Raw materials, components and consumables covered by Appendix 3 Part-A of Import-Export Policy Book for 1985-88 Rs.....
 - (ii) Iron and Steel items mentioned in Appendix 3 Part-B of Import & Export Policy for 1985-88. Rs.....
4. Book value of production turned out during the period of consumption indicated against item 3 above. Rs.....
5. Break-up of the total C. I. F. value of consumption into:
 - (i) Imported against applicant's own actual User licences Rs.....
 - (ii) Imported by the applicant under OGL (i.e., which were earlier on OGL but are in Appendix 3 Part-A in 1985-88) Rs.....
 - (iii) Procured by the applicant from other authorised sources Rs.....
6. Capital investment on Machinery and equipment
 - (a) Imported machinery (CIF) value Rs.....
 - (b) Indigenous machinery having imported components. (Purchase Price Rs....)
 - (c) Other - Indigenous machinery. (Purchase Price Rs.....)
- (1) I/We hereby declare that the consumption of raw materials/components and consumables shown above is in respect of only the items imported against our own licences, and/or obtained from other authorised sources. I/We have not included in the consumption, the value of imported raw materials/components/consumable given to us by other units for intermediate processing on job basis. I/We have also not included in the consumption, the value of imported raw materials/consumables used by us for manufacture on behalf of loan licences under the Drugs & Cosmetics Act, 1940.
- (2) I/We hereby declare that I/We obtained/did not obtain A.U. licences for raw materials, components and consumables for the two preceding licensing years and my/our case falls/does not fall under para 92 of chapter V of Import/Export Policy, 1985-88.
- (3) I/We hereby declare that the above statements and financial information are true and correct to the best of my/our knowledge and belief and nothing

has been concealed; that all the register(s)* and records prescribed have been maintained and that the financial information has been drawn up from and is in agreement with the register(s) and records so maintained.

- (4) I further certify that I am authorised to verify and sign this statement.
- (5) I/We fully understand that any information furnished in the above statement, if proved incorrect or false, will render me/us liable for any penal or other consequences as may be prescribed in law or otherwise warranted.

Signature.....

Name of the Exporter.....

Full official address.....

Full residential address.....

Place :

Date :

*If any records/register(s) have not been maintained, they may be specified below :—

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.

CERTIFICATE OF CHARTERED ACCOUNTANT/COST
ACCOUNTANT/COMPANY SECRETARY/SPONSORING
AUTHORITY

I/We hereby confirm that I/we have examined the prescribed registers and also the relevant records of M/s. —
— for the period from — to —
— for the year ending — and
hereby certify that :

- (i) M/s. — have maintained a proper account consumption of imported raw materials components, spares, consumables, packing materials etc. as per Appendix V-C of Hand book of Import-Export Procedures;
- (ii) the above firm/company has furnished to the sponsoring authority concerned their production returns for the preceeding financial year as required under the relevant provisions of Industries (Development & Regulation) Act, 1951, the provisions of Import and Export Control Rules, Textile Control Order, etc.;
- (iii) the following documents and records have been furnished by the applicant and had been examined and verified by me/us namely :—

Import Contracts, Bills of Lading (and/or Airway Bills/PP Receipts), invoices, Bills of Entry, Delivery Vouchers, Receipt of goods, Consumption Registers maintained as per rules, evidence of foreign exchange payment made for imports, records for local supplies from authorised sources, namely Export/Trading House/Other importers, connected Invoices, relevant delivery vouchers/receipts of goods, payments made for such locally

APPENDIX V—D (Concl'd)

procured imported goods and connected books of accounts/documents;**

- (iv) the relevant register has been authenticated under my/our seal/signatures,
- (v) the financial information given in the above statement is in agreement with the relevant register and records, the same has been incorporated in the books of accounts maintained by the exporter; and is also true and correct;
- (vi) it has been ensured that the information furnished is true and correct in all respects, no part of it is false or misleading and no relevant information has been concealed or withheld;
- (vii) neither I, nor any of my partners is a partner, director or an employee of the above named entity or its associated concerns;
- (viii) I/we fully understand that any statement made in this certificate if proved incorrect or false, will render me/us liable for any penal or other consequences as may be prescribed in law or otherwise warranted.

(Signature and Stamp/Seal of the Signatory)

(Chartered Accountant/Cost Accountant/Company Secretary/Sponsoring Authority)

Name of the signatory_____

Place :

Full Address_____

Date :

Membership No. _____
(In case of Chartered Accountant/
Cost Accountant/Company Secretary)

**If any of the documents or records mentioned in item (iii) of the certificate have not been maintained/furnished, examined or verified, they may please be specified below.

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.

NOTE 1—All the pages of statement should be signed and stamped by the Chartered Accountant/Cost Accountant/Company Secretary/Sponsoring Authority.

2. In respect of the imported materials procured from authorised sources (other than those imported directly against licences issued to the applicant), the c.i.f. value to be given against column 3 of the statement will be assessed by the Chartered Accountant/Cost Accountant/Company Secretary Sponsoring Authority, in his own best judgement.

3. Applicant should also enclose a statement duly signed in duplicate indicating the description of raw materials, components and spares with c.i.f. value imported under O.G.I. during the preceding year.

4. In case of units which obtained no licence during the last two Licensing periods but procured the required materials from authorised sources, the details of purchases made i.e. name of the person from whom procured, the date of procurement and value of materials may be furnished.

5. Information in col 9 (iii), (iv), (v) and (vi) of Part—I should also be furnished in respect of first application.

6. Consumption certificate need not be filed by proposed units and departmentally run units in the public sector.

7. Consumption in column 3 of consumption certificate should be in respect of the financial year i.e. from 1st April of the year to 31st March.

8. In the case of public sector undertakings, the statement may be certified by the Internal Auditor of the undertaking.

9. The Certificates at S. No. (iii), (vi), (vii) and (viii) are applicable only to Chartered Accountant/Cost Accountant/Company Secretary.

DOCUMENTS TO BE FURNISHED

- (1) Application form should be in quadruplicate.
- (2) Original Bank Receipt/Demand Draft for application fee to be enclosed.
- (3) Consumption certificate should be duly certified by Chartered/Cost Accountant/Company Secretary in Quadruplicate.
- (4) Seven copies of list of items to be imported. One copy should be certified by the sponsoring authority.
- (5) Photostat Copy of Industrial Licence/Registration Certificate/Drugs Manufacturing licence.
- (6) Any other document required in terms of the policy
- (7) Income-tax declaration from as per Appendix-II-L

APPENDIX V—b

LIST OF BACKWARD AREAS

CATEGORY A

NO-INDUSTRY DISTRICTS	SPECIAL REGION DISTRICTS	NO-INDUSTRY DISTRICTS	SPECIAL REGION DISTRICTS
Assam	Assam	35. Rajgarh	
1. North Cachar Hills	1. Cachar	36. Seoni	
Lakhimpur	2. Goalpara	37. Shivpuri	
	3. Kamrup	38. Sidhi	
	4. Karbi Anglong	39. Surguja	
	5. Nowgong	40. Tikamgarh	
	6. Darang	Meghalaya	Meghalaya
	7. Dibrugarh	41. East Garo Hills	23. East Khasi Hills
	8. Sibsagar	42. West Garo Hills	
		43. Jaintia Hills	
		44. West Khasi Hills	
Bihar		Manipur	
3. Aungmyatibad		45. Manipur Central	
4. Bhaipur		46. Manipur East	
5. Khagaria		47. Manipur North	
6. Nalanda		48. Manipur South	
7. Purnea		49. Manipur West	
8. Saharsa (includes newly created Madhepura district)		50. Tengnoupal	
Gujarat		Nagaland	Nagaland
9. Dangs		51. Tuensang	24. Kohima
Himachal Pradesh	Himachal Pradesh	Orissa	25. Mokokchung
10. Chamba	9. Solan	52. Balasore	26. Mon
11. Kangra	10. Sirmur	53. Bolangir	27. Phek
12. Kulu	11. Bilaspur	54. Rudh Khondmals (Phulbani)	28. Wokha
13. Kinnaur	12. Hamirpur		29. Zunheboto
14. Lahaul & Spiti	13. Mandi		
	14. Simla		
	15. Una	Rajasthan	
Jammu & Kashmir	Jammu & Kashmir	55. Jaipur	
15. Doda	16. Anantnag	56. Sikohi	
16. Ladakh	17. Baramulla	Sikkim	
17. Poonch	18. Jammu	57. Gangtok	
18. Rajori	19. Kathua	58. Gyalsing	
19. Udhampur	20. Srinagar	59. Mangan	
20. Kupwara	21. Badgam	60. Namchi	
21. Palwama	22. Kargil	Tripura	
Karnataka		61. Tripura North	
22. Bidar		62. Tripura South	
Madhya Pradesh		63. Tripura West	
23. Balaghat		Uttar Pradesh	Uttar Pradesh
24. Bhind		64. Banda	30. Almora
25. Chhatarpur		65. Fatehpur	31. Pithoragarh
26. Chhindwara		66. Hamirpur	32. Dehradun
27. Dumoh		67. Jalaun	33. Nainital
28. Datla		68. Jaunpur	
29. Dhar		69. Sultanpur	
30. Guna		70. Kanpur Dehat	
31. Jhabua		71. Chamoli	
32. Mandla		72. Pauri Garhwal	
33. Narshinapur		73. Tehri Garhwal	
34. Panna		74. Uttar Kashi	

APPENDIX V—E (Contd.)

NO INDUSTRY DISTRICTS	SPECIAL REGION DISTRICTS		
West Bengal			<i>Area III</i> Comprising 15 blocks viz. Zaheerabad, Pancheruvu, Narsapur, Medak and Siddpet (from Medak district), Yeddipally, Nizamabad, Kamareddy, and Demakunta (from Nizamabad district) and Siru'lli, Karimnagar, Sultanbad, Peddapalli Marban and Huzurabad (from Karimnagar district)
75. Bankura			
76. Cooch Behar			
77. Jalpaiguri			
78. Malda			
79. Dargeeling		Bihar (5)	Bhagalpur, Darbhanga, Champaran, Palamau and Santhal Parganas districts.
Kerala			
80. Wynad		Gujarat (3)	Panchmahals, Bharuch and Surendranagar Districts
81. Idukki			
Andaman & Nicobar Islands	Andaman & Nicobar Islands	Haryana (equivalent to 3 districts)	Reorganised Mohindergarh district (comprising Mohindergarh and Rewari subdivisions), Bhiwari district comprising Bhiwari and Dadi Subdivisions and one 'area' comprising 8 blocks viz. Hisar Block No. 1 and Barwana Block (of Hisar Tehsil), Hansi Block No. 1 (from Hansi Tehsil), Bahana Block (from Fatehabad Tehsil), Tohana Block (from Tohana Tehsil) from district of Hisar and Block and Jalana Block (from Jind Tehsil) Uchana block (Narwana Tehsil) from the district of Jind.
82. Nicobar Islands	34. Andaman Islands		
Arunachal Pradesh	Arunachal Pradesh		
83. Kameng (East & West)	35. Dibang Valley		
84. Siang (East & West)	36. Lohit		
85. Subansiri (Lower & Upper)			
86. Tirap			
Dadra & Nagar Haveli			
87. Dadra & Nagar Haveli			
Lakshadweep	Goa, Daman & Diu	Karnataka (3)	Raichur, Mysore and Dharwar districts.
88. Lakshadweep	37. Goa, Daman & Diu		
Mizoram	Pondicherry	Kerala (3)	Alleppey, Cannanore and Malapuram districts
89. Aizawl	38. Pondicherry		
90. Lunglei		Madhya Pradesh (equivalent to 34 districts or 4 districts)	'Six Areas', <i>Area I</i> (from Eastern Region) comprising blocks viz. Korba, Bilaspur, Champakota, Masuri and Pulha (Bilaspur) blocks (from Bilaspur district), Bhanaga Simea, Tilda, Dhawwa (Raipur), Abhanpur and Rajim blocks (from Raipur district) <i>Area II</i> (from Western Region) comprising blocks viz. Dewas and Tock Khura Block (from Dewas district), Gulana, Shajapur and Shajapur blocks (from Shajapur district) <i>Area III</i> (from Northern Region) comprising blocks Morena and Jaura (from Morena district) <i>Area IV</i> (from Central Region) comprising blocks viz. Bindawada, Khuri Banda (Binaika), Bahadragarh, Sagar, Sahuarh (Amarnau) (from Sagar district), Vidisha and Cyasapur (from Vidisha district) <i>Area V</i> (from Western Region-II) comprising blocks viz. Mithagarh and Barwana (from Khargone district), Ratlam and Jhara (from Ratlam district), Mandsaur, Malharagarh and Neemuch (from Mandsaur district) <i>Area VI</i> (from North-Eastern Region) comprising blocks viz. Rewa and Raipur (Garh) (from Rewa district)
CATEGORY B			
Districts/Areas eligible for Central Investment Subsidy excluding those covered by Category 'A'.			
Andhra Pradesh (equivalent to 6 districts)	Srikakulam District and 5 'areas'		
	Two areas from Ravalseema region comprising 22 blocks. <i>Area I</i> Comprising 13 blocks viz. Chittoor, Rungturalam, Pulicherla, Pettur, Channarayana and Kuthuthi (from Chittoor District) and Kodu, Raampet, Sidhout, Cuddapah, Kamalapuram, Proddutur and Pulivendla (from Cuddapah District). <i>Area II</i> Comprising 9 blocks viz. Tadapatra, Singanamla, Goolv, Kudai (from Anantapur district) and Dhona, Kurnool, Banganapalli, Nandyal and Giddalpur (from Kurnool district). Three areas from Telangana region comprising 43 blocks: <i>Area I</i> Comprising 14 blocks viz. Mahabubnagar, Indhcherla, Shadnagar, Kalwakurthy and Amangal (from Mahabubnagar district) and Nalgonda, (Mungair), Nakkal, Suryapet, Kodad, Hazurnagar, Miryalguda, Peddaveera and Deverakonda (from Nalgonda district). <i>Area II</i> Comprising 14 blocks viz. Khammam, Thirumalapalem, Kullur, Yellandu, Kothagudem, Awaraipeta, Poragannad and Bhadrachalam (from Khammam district) and Mulubababad, Narasampet, Hanamkonda, Ghanapur, Lingaon and Malav (from Warangal district).		
		Maharashtra (3)	Raigarh, Aurangabad and Chandrapur districts
		Orissa (5)	Kalahandi, Mayurbhanj, Dhenkanal, Keonjhar and Khurda districts
		Punjab (3)	Hoshiarpur, Sangrur and Bhatinda districts.

APPENDIX V—E (Contd.)

Rajasthan (6)	Alwar, Jodhpur, Bhilwara, Churu Nagaur and Jaisalpur districts		Muzaffarpur, Saran, Nawadah, Gaya Begusarai and Monghyr
Tamil Nadu equivalent to 3 district.	Three 'areas' Tracts comprising 33 Taluks. <i>Area I</i> Comprising 12 Taluks (incl. nine Sub Taluks) viz. Ramanathapuram, Madukulathur, Sivaganga, Parmakudi, Thiruvadan, Karaikudi and Thirupathur taluks (from Ramanathapuram district) Melur Taluks (from Madurai district) Pudukkottai, Thirumayam, Alamgudi and Kulthur Taluks (from Pudukkottai district) <i>Area II</i> Comprising 11 taluks viz. Dharmapuri, Palacode, Hosur, Dankanhoktah, Krishnagiri, Uthanasarai, Harur (from Dharmapuri district) Tirubattar, Vaniya Vellore, Wallajpet from North Arcot district) <i>Area III</i> Comprising 10 Taluks viz. Aruppukkottai, Sattur, Virudhunagar, Srivillipathur, Rajaplayam (from West Ramanathapuram of Ramanathanuram district) Thirumangalam, Usilampatti, Nilakothai, Dindigul and Veda-sandur (from Madurai district)	Gujarat (7) Haryana (4)	Amreli, Banaskantha Bhavnagar, Junagadh, Kutch Mehsana, Sabarkantha Bhiwani (excluding Bhiwani and Dadri sub-divisions) Hissar (excluding Hissar Blocks and Barwana blocks of Hissar Tehsil) Hansi Block No. 1 (from Hansi Tehsil) Bahawal block (from Fatehabad Tehsil) Tohana block/Tehsil (from Tohana Tehsil) Jind (excluding Jind block and Julana block) (from Jind Tehsil) and Uchana block (from Narwana Tehsil) Mohinder-garh (excluding Mohindergarh and Rewari sub-divisions).
		Kerala (2)	Trichur and Trivandrum.
		Karnataka (1)	Belgaum, Bijapur, Gulbarga, Hassan, North Kanara, South Kanara and Tumkur.
Uttar Pradesh (5)	Ballia, Basti, Faizabad Jhansi and Rae-Bareilly districts	Madhya Pradesh (19)	Bastar, Betul, Bilaspur (excluding Korba, Baloda, Champa, Kota, Masturi and Bilha (Bilaspur blocks) Dewas (excluding Dewas and Tonk Khurad blocks) Hoshangabad, Khargone (excluding Maheshwar and Barwana blocks) Mandasaur (excluding Mandasaur, Malhagarh and Neemuch blocks), Morena (excluding Morena and Jaura blocks), Raigarh, Raipur (excluding Bhatapara, Simga, Tilda, Dharsiwa, (Raipur) Abhanpur and Rajim blocks) Rajnandgaon, Raipur, Shajapur (excluding Gulana, Shujalpur and Shajapur blocks) Ratlam (excluding Ratlam & Jaura blocks) Rewa (excluding Rewa and Raigarh (Garh) blocks) Sagar (excluding Bina, Itawa, Khuri-Banda (Binaika) Rahatgarh, Sagar, Sahgarh (Amar-mau blocks) Vidisha (excluding Vidisha and Gyaraspur blocks) New Sehore.
West Bengal (3)	Purulia, Midnapur and Nadia districts		
Note :	District/Areas appearing in this category are those districts/area as they existed on 1-10-1970 prior to their re categorisation. Areas carved out of three districts areas thereafter would continue to be entitled to the subsidies at the same rates.		
2.	All Districts/Areas eligible are not necessarily as those existed on 1-10-70.		

CATEGORY C

Districts/Areas eligible for Central Investment Subsidy excluding those covered by Categories 'A' and 'B'.

Andhra Pradesh (13)	Anantpur (excluding Tadpatri, Singanamala, Gooty, Kudal-blocks) Chittoor (excluding Chittoor, Bangarupalam, Pullcherla, Pattur, Chandraviri and Kolsahashti blocks), Cuddapah (excluding Kodur Rajampet, Sidhout, Cuddapah Kamalapuram, Proddutur and Pulivendla blocks), Karimnagar (excluding Sircilla, Karimnagar, Sultanabad, Peddapalli, Manthani and Huzurabad blocks) Khammam (excluding Khammam, Thirumalaipalem, Kullur, Yeelandu, Kothagudem, Aswaraopeta, Puragampad and Bhadrachalam blocks) Kurnool (excluding Dhone, Kurnool, Banganapalli, Nandyal and Gidealpur blocks) Mahbubnagar (excluding Mahbubnagar, Jadhcherla, Shadnagar, Ka'wa-kurthy and Amangal blocks) Medak (excluding Zaheerabad, Patancheru, Narsapur, Medak and Siddipet blocks) Nalgonda, (excluding Nalgonda, Mungaid, Nakrakal, Suryapet, Kodad, Huzurnagar, Niryalguda, Peddavora and Devarakonda blocks) Nellore, Nizambad (excluding Yedapalli, Nizamabad Kamareddy and Demakunda blocks) Ongole, Warangal (excluding Mahbubabad, Narsampet, Hanamkonda, Ghana-pur, Jangaon and Mulugblockos)	Maharashtra (10)	Bhandara, Bhir, Buldhana, Colaba, Dhulia, Jalgaon, Nanded Osmanabad, Parbhani and Yeotmal
		Orissa	
		Punjab (2)	Ferozepur, Gurdaspur.
		Rajasthan (8)	Banswara, Barmer, Dungarpur, Jalore, Jhunjhunn Jhalawar, Sikar and Tonk.
		Tamil Nadu (9)	Dharmapuri (excluding Dharmapuri, Palacode, Hosur, Denkanikottai, Krishnagiri, Uthangararai and Harur taluks) Kanakumari, Madurai (excluding Melur Thirumangalam, Usilampatti, Nilakothai, Dindigul and Veda-andur Taluks) North Arcot (excluding Tirupathur, Vaniyambadi, Vellur Wallajpet taluks) Ramanathapuram (excluding Ramanathapuram Madukulathur, Sivaganga, Parmakudi, Thiruvadan, Karaikudi, Thirupathur, Aruppukkottai, Sattur, Virudhunagar, Srivillipathur, Rajapalayam taluks) South Arcot Thangur, Thiruchirappalli, Pudukkottai (excluding Pudukkottai, Thirumayam, Alamgudi and Kulathur taluks)
		Uttar Pradesh (21)	Azamgarh, Ballia, Bahraich, Barabanki, Bulandshahr, Deoria, Etah, Etawah, Farrukhabad, Ghazipur, Gonda, Hardoi, Mainpuri, Mathura, Moradabad, Pilibhit, Pratapgarh, Rampur, Shahjahanpur, Sitapur and Unao.

APPENDIX V—E (*concl.d.*)

West Bengal Birbhum, Burdwan, Hoogly, Murshidabad
(5) and West Dinajpur.

- Note : 1 District/Areas appearing in this category are those districts/areas as they existed on 1-10-1970 prior to their re-categorisation. Areas carved out of these districts/areas thereafter would continue to be entitled to the subsidies at the same rates.
2. All Districts/Areas eligible are not necessarily as those existed on 1-10-70.

APPENDIX V—F

PROFORMA OF APPLICATION FOR RECOGNITION OF RESEARCH AND
DEVELOPMENT LABORATORIES

1. Name of the applicant/firm
2. Address :—
 - (a) Head office
Delhi Office (if any)
 - (b) Factory/Factories
 - (c) R & D Laboratory/Centre
3. Nature of business
4. Company structure :—
 - (a) Public/Private/Co-operative/Joint Sector/Proprietary/Partnership concern
 - (b) Whether foreign equity participation ? Please give name of foreign equity participant and percentage thereof
 - (c) Name of directors on the Board/Proprietors
5. Capital structure :—
 - (a) Authorised capital
 - (b) Paid-up capital
 - (c) Other liabilities
6. Category of the firm :—
 - (a) Small scale unit
 - (b) Registered with DGTD
 - (c) Covered under IDR Act
 - (d) Covered under MRTTP Act
 - (e) Others (Please indicate sponsoring authority)
7. Administrative Ministry concerned
8. Technical collaboration, if any :—

Sl. No.	Product	Name & address of the Technical Collaboration	History of collaboration
1	2	3	4

N.B. :—Under column 4, please indicate year(s) of approval(s) including extensions and the date of expiry of existing collaboration arrangements.

9. Annual turnover for the last three years (year-wise)

10. Main Products manufactured :

Sl. No.	Product :	Capacity licensed	Installed	Production (Preceding Three years)		
1	2	3	4	5	6	7

11. Total Manpower employed by the firm (including that of R & D units)

- (a) Scientific and Technical
- (b) Administrative
- (c) Others

Total

APPENDIX V-F *contd.*

B. RESEARCH & DEVELOPMENT

1. (a) Is the R&D work in progress ?
- (b) Date of Commencement
2. Main objectives of the R&D programme
3. Whether R & D establishment is housed in a separate building inside/outside the factory premises
4. Whether R & D activity is separate from your Production and Quality control departments and whether separate account is maintained
4. (a) Are the R & D activities separate from production & quality control ?
- (b) Are separate accounts maintained for R&D expenditure ?
- (c) approximate floor area of the R&D unit
5. Brief particulars of equipments/pilot plant facilities available (Please enclose list, indicating value and source)
6. Whether you have a full-time R & D Director/Manager ? If so, please give his name and date of appointment
- (a) Do you have a full time R & D Director/Manager ?
- (b) Name
- (c) Qualification
- (d) Date of appointment to the post
7. Details of R & D achievements during the last three years (Enclose a separate sheet, if necessary)
8. Patents filed in India or abroad during the last three years

Sl. No.	Products/Process	Name of the Country	Year
1	2	3	4

9. Whether any of the new technologies developed have been
- (a) Commercialised by you

Sl. No.	Technology	Year
1	2	3

(b) Exported

Exported to

Sl. No.	Technology	Year	Party	Country
1	2	3	4	5

(c) Sold to other parties in India

S. No.	Technology	Year	Party
1	2	3	4

10. Give particulars of R & D projects in progress (Please give details in proforma at Annexure 'A')
11. R & D project proposed during the next three years (Please give details in proforma at Annexure 'B')
12. Expenditure on R & D work
Please furnish yearwise figures for the past three years (actuals), current year (budgeted) and estimates for the next three years.

APPENDIX V-F—contd.

Expenditure	Past three years (actuals)			Current year budgeted	Next three years (Estimated)		
	1	2	3	4	5	6	7
(a) Capital							
(b) Recurring							
(c) Total							
(d) Foreign exchange component of (c)							
(i) Capital							
(ii) Recurring							
Total							

Note :—Any expenditure on quality control, trouble shooting, testing, market research and other similar activities related to production may be excluded from the figures to be furnished above.

13. Please indicate income-tax rebate allowed, if any, on R & D expenditure during the past three years.

14. Manpower employed on R & D work (existing)

Category	Full time		Part time	
	Number		Number	
(a) Scientists				
(b) Engineers				
(c) Technicians				
(d) Others				
Total				

15. Educational Status of R & D personal (existing)

Category	(Full time)		(Part time)	
	Number		Number	
(a) Doctorate Degree				
(b) Master's degree				
(c) Graduates				
(d) Below graduates				
Total				

16. Phasing of recruitment during the next three years.

Category	Years		
	1	2	3
(a) Scientists			
(b) Masters degree]			
(c) Graduates			
(d) Below graduates			

17. Have you obtained any assistance/purchased and know how from NRDC or any of the National Laboratories/Universities IIT's/Other Institutions during the last three years ? Please give details, along with year and source.

18. (a) Whether any of the items of R & D work in progress or proposed by you is being done elsewhere in the country ? If so, please indicate location.

(b) Have you submitted any programme for consideration under 35 (2b) of Income tax Act, 1961 to DST. If so, please give details including name of the programme, date of application and total cost and decision of the Development.

Place :

Date :

Signature of the Managing Director.

Designation.

Full Official address

Full Residential address

APPENDIX V—F *contd.*

ANNEXURE 'A'

DETAILS FOR R & D PROGRAMME/PROJECTS IN PROGRESS

Sl. No.	Title & scope of the R & D Project	Name of the Project Leader	Year in which started	Duration of the Project	Estimated Project cost				REMARKS
					Capital	Recurring	Total	F.R.	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10

APPENDIX V—F *concl'd*

ANNEXURE 'B'

DETAILS OF PROPOSED R & D WORK (FOR THE NEXT THREE YEARS)

Year	Sl. No.	Title & Scope of the R&D project	Name of the project Leader proposed	Duration of the Project	Total Estimated Project Cost under				List specialised equipment required to be purchased and indicate their cost	List any special raw material required with cost	Remarks (indicate specific reasons, if any, for proposing the R & D Project)
					Capital	Recurring	Total	F.E.			
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12

APPENDIX V—G

PROFORMA OF APPLICATION FOR RENEWAL OF RECOGNITION OF RESEARCH AND DEVELOPMENT LABORATORIES.

PART — 'A'

1. Name of the applicant/firm
2. Address :—
 - (a) Head Office
 - (b) Delhi office (if any).
 - (c) Factory/Factories
 - (d) R & D Laboratory/Centre
3. Nature of business
4. Company structure :—
 - (a) Public/Private/Co-operative/Joint Sector/Proprietary/Partnership concern
 - (b) Whether foreign equity participation ? Please give name of foreign equity participant and percentage thereof
 - (c) Name of directors of the Board/Proprietors
5. Capital structure :
 - (a) Authorised capital
 - (b) Paid-up Capital
 - (c) Other liabilities
6. Category of the firm :—
 - (a) Small scale unit
 - (b) Registered with DGTD
 - (c) Covered under IDR Act
 - (d) Covered under MRTP Act
 - (e) Other (Please indicate sponsoring authority)
7. Administrative Ministry concerned :—
8. Technical collaboration if any :—

Sl. No.	Product	Name & address of the Technical collaborator	History of collaboration
1	2	3	4

N.B. :— Under column 4 please indicate year(s) of approval (s) including extensions and the date of expiry of existing collaboration arrangements.

9. Annual turnover for the last three year (year-wise)

10. Main Products manufactured

Sl. No.	Product	Capacity licensed	Installed	Production (Preceding three years)
1	2	3	4	5

11. Total manpower employed by the firm :—
(including that of R&D unit)

- (a) Scientific and Technical
- (b) Administrative
- (c) Others

Total

APPENDIX V—G (Contd.)

PART—B—RESEARCH AND DEVELOPMENT

1. Details of the Recognition granted :—
 - (a) Year of the recognition granted initially and its validity period
 - (b) Current recognition letter No. and its validity period
 - (c) Break in recognition, if any
2. Main Objectives of the R & D programme :—
3. Whether R & D establishment is housed in a separate building inside/outside the factory premises
4. (a) Are the R & D activities separate from production/quality control ?
- (b) Are separate accounts maintained for R&D expenditure
- (c) Approx. Floor area of the R&D unit
5. Change if any, since the application of recognition/renewal was made 2/3 years ago
- (a) Man power
- (b) Floor area
- (c) Facilities
- (d) List of equipments procured (please list the equipments procured year wise and indicate their cost and source)
6. (a) Do you have a full time R&D Director/Manager ?
- (b) Name
- (c) Qualification
- (d) Date of appointment to the post
- 7 R&D Programmes
- (a) Present status of R&D Programme shown in Annexure A of earlier application
- (b) Project status of R&D Programmes shown in Annexure B of earlier application
8. Details of R&D achievements during the period under review (list the achievements year-wise) :—
- (a) New product development
- (b) New process development
- (c) Improvement in existing production process
- (d) Import substitutions (indicate item developed and foreign exchange saved)
- (e) Others (publishing of Papers etc.)
9. Patents filed in India or abroad during the last 3 years

Sl. No.	Product/Process	Name of the country	Year	Patent No.
1	2	3	4	5

10. Whether any of the new technologies developed have been :—

- (a) Commercialised by you

Sl. No.	Technology	Year
1	2	3

- (b) Exported

Sl. No.	Technology	Year	Exported to	
			Party	Country
1	2	3	4	5

APPENDIX V—G *contd*

(c) Sold to other parties in India.

Sl. No.	Technology	Year	Party
1	2	3	4

11. R & D projects proposed during the next three years (Please give details in proforma at Annexure 'B')

12. Expenditure on R & D Work :—
Please furnish year-wise figures for the past three years (actuals), current year (budgeted), and estimates for the next three years.

	Past three years (actuals)	Current year (budgeted)	Next three years (estimated)
	1	2	3
(a) Capital			
(b) Recurring			
(c) Total			
(d) Foreign exchange component of (c)			
(i) Capital			
(ii) Recurring			
Total			

13. (a) Please furnish year-wise figures for current year (budgeted), and estimates for the next three years

Expenditure	Past three years (actuals)	Current year (budgeted)	Next three years (Estimated)
1	2	3	4
(a) Capital			
(b) Recurring			
(c) Total			
(d) Foreign exchange component of (c)			
(i) Capital			
(ii) Recurring			
Total			

Note :—Any expenditure on quality control, trouble shooting, testing market research and other similar activities related to production may be excluded from the figures to be furnished above

13. (b) Indicate the total R&D expenditure year-wise inclusive of staff salary and express the same as a percentage of total turnover during the period under review.

Year	Total R&D Expenditure	Annual Turnover	%
1.			
2.			
3.			

14. Please indicate income-tax rebate allowed, if any on R&D expenditure during the past three years

15. Man power employed on R & D work (existing)

Category	Full-time (Number)	Part time (Number)
1	2	3
(a) Scientists		
(b) Engineers		
(c) Technicians		
(d) Others		
Total		

APPENDIX V—G (Contd.)

16. Educational status of R&D personal (existing)

Full time

(Part time)

- (a) Doctorate degree
 (b) Master's degree
 (c) Graduates
 (d) Below graduates

Total

17. Phasing of recruitment during the next three years

Category

Years

1

2

3

- (a) Scientists
 (b) Master's Degree
 (c) Graduates
 (d) Below graduates

Total

18. Have you obtained any assistance/purchased any know-how from NRDC or any of the National Laboratories/Universities/IITs/ Other Institutions during the last three years, (please give details, along with year and source.)

19. (a) Whether any of the items of R & D work in progress or proposed by you is being done elsewhere in the country ? If so, please indicate location.

(b) Have you submitted any programme for consideration under section 35(2b) of the Income tax Act, 1961 ? If done, please give details including name of the programme date of application and total cost.

20. Fill details of import effected for R&D purposes during the period under review

A. Capital Goods

Sl. No.	Year of import	Description	CIF Value	How utilised
1	2	3	4	5

B. Raw Material

Sl. No.	Year of import	Description	CIF Value	How utilised
1	2	3	4	5

C. Others

Sl. No.	Year of import	Description	CIF Value	How utilised
1	2	3	4	5

21. Indicate briefly any advantage/benefit your firm has obtained in view of the recognition

22. Any suggestions which you may like to offer about the R&D registration scheme

23. Whether you had applied for Industrial Licence on the basis of Government Notification for preferential treatment in licensing

24. Whether you had applied for enhanced investment allowance

Place :

Date :

Signature of the Managing Director

Designation.

Full official address

Full Residential address

APPENDIX V—Q *concl'd*

ANNEXURE 'A'

DETAILS OF R & D PROGRAMME/PROJECTS IN PROGRESS

Sl. No.	Title & scope of the R & D Project	Name of the project Leader	year in which started	Duration of the project	Estimated Project Cost				Remarks
					Capital	Recurring	Total	F.E.	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10

APPENDIX V—H

(Chapter V of Import Policy)

BOND FORM

Know All Men by these presents that we (1).....
.....of.....(hereinafter referred to as "the
licensee" which expression shall include his/their successor
and assigns and

(2) of.....(hereinafter referred to as "the surety")
which expression shall unless excluded by or repugnant to
the context, include its successors and assigns are jointly and
severally held and firmly bound unto the President of India
hereinafter called "The Government" in the sum of Rs....
to be paid to the said Government or its successors and
assigns, for which payment we bind ourselves and each of
us and each of our heirs, executors, administrators, successors
and assigns (strike out the words which are not applicable)
jointly and severally, by these presents.....
dated this day of

(3) Whereas the Joint/Deputy Chief Controller of Imports
and Exports.....(hereinafter referred to as
the Joint/Deputy Chief Controller which expression shall in-
clude the person for the time being performing the duties of
the said Joint/Deputy Chief Controller) has granted import
licence No. /Release Order No.....
datedfor Rs.specified in the
Schedule hereunder written (hereinafter referred to as
Licence/Release Order) subject to certain terms and condi-
tions.

(4) AND WHEREAS one of the terms provides that the
licensee will execute a bond alongwith one *sufficient* surety
in the manner hereabove written with such conditions as are
hereunder.

(5) Now the conditions of the above written bond are
such that firstly if the said licensee shall within 18 months
from the date of issue of licence/release order or such further
time as may be granted by the said Joint Chief/Deputy
Chief Controller of Imports and Exports, properly utilise the
imported material procured against the said licence/release-
order in his/their factory for the purpose for which the same
was permitted.

Secondly if the licensee and/or their surety shall procure
and deliver or cause to be produced and delivered to the
Joint/Deputy Chief Controller of Imports and Exports with-
in one month from the date of expiry of the aforesaid period
evidence such as certificate of the sponsoring authority,
namely, Director of Industries...../ Drugs Control-
ler.....certificate of Chartered Accountant and
other documents relevant for the purpose and as required by
the said Joint Chief Controller of Imports and Exports; to
prove that the imported material procured against the said
licence/release order has been properly utilised in my/our

factory for the purpose for which the same was permitted;
then the above written Bond shall be void and of no effect.
Otherwise the bond will remain in force and it is hereby
declared that;

- (a) The above written bond shall remain in full force
and effect for a period of three years from the date
of receipt of the licence/release order.
- (b) Any forbearance act or omission on the part of
the Government in enforcing the conditions of the
aforesaid bond against the licensee or any time
being granted or any indulgence by the Government
to the licensee in connection therewith shall not dis-
charge the surety.
- (c) That this bond is entered into under the orders of
the Central Government for the performance of an
act, in which the public are interested.
- (d) That the payment of the amount of the bond will
not affect the liability of the licensee to any other
action (including refusal of further licences) that
may be taken under the Import Trade Control
regulations.

The stamp duty on this bond has been agreed to be paid
by the Government.

Schedule of the import licence/release order referred to
above.

IN WITNESS WHEREAS the parties hereto have duly
executed these present day and the year first above written.

Signed, sealed and delivered by thewithin
named importers. In the presence of

- 1.
- 2.

(Witness should also give their occupation and address)

Signed, sealed and delivered by the.....within
named surety. In the presence of—

- 1.
- 2.

(Witness should also give their occupation and address)
for and on behalf of the President of India.

APPENDIX VI

FORM D

IMPORT APPLICATION FOR 'EMERGENCY SPARES'

PART I

A. Particulars of applicant

1. Name of Applicant
2. Full Postal Address
3. Address of location of factory
4. Goods manufactured

already in respect of the same machinery during the same licensing period in which the present application has been made

4. Nature of the concern whether Public Company or Private Company partnership or Hindu Undivided Family concern

B. Particulars of application

1. Bank Receipt/Demand Draft No. and date (Bank receipt/Demand Draft to be attached in original)
2. Description of the machinery for which spares are required and c.i.f. value of spares to be imported along with the list of spares
3. Value of the machinery for which spares are to be required
4. Country from which spares applied for are to be imported
5. Country from which the original equipment was imported
6. Where shipment is to be effected from a country different from the country in which the goods originated, full statement of reasons for the same should be given

5. Name of Directors, Partners, Proprietor or karta as the case may be

6. Details of branches or associated companies (name and location) :
(i) In India
(ii) Abroad

(1) I/We hereby declare that if this licence is granted, the goods will be utilised only in our factory and that no portion thereof will be sold or permitted to be used by any party.

(2) I/We hereby declare that the above statements are true and correct to the best of my/our knowledge and belief. I/We fully understand that the licence granted to me/us on the basis of the statement furnished is liable to cancellation, in addition to any other penalty that the Government may impose or any action that may be taken having regard to the circumstances of the case if it is found that any of the statements of facts therein are incorrect or false.

Signature

Name in Block Letters

Designation

Full Residential Address

Place

Date

Notes : (i) This form is intended for applications made by actual users for the grant of emergency licences for import of spares parts.

(ii) Apart from the details provided for in this form, proper justification for the import of spares on a most immediate basis should be given in the letter forwarding the application.

(iii) The application should be signed by the Chief Executive of the concern i.e. Chairman Managing Director/Executive Director/Managing Partners as the case may be. The application and the list of spares should be signed and stamped by the official seal of the applicant.

(iv) Import of capital goods are not allowed as emergency spares.

C. General information to be furnished :

1. Are you borne on the books of the D. G. T. D. and if so, indicate the factory number allotted by D. G. T. D. (Photocopy/Attested copy to be attached)
2. Registration No. allotted by the Sponsoring authority concerned (Photostat/Attested copy to be attached).
3. Value of emergency spares licence, if any, obtained or applied for

PART II

INCOME TAX DECLARATION

Form for income-tax-declaration has been given in Appendix II-O.

APPENDIX VII

FORM—B

APPLICATION FORM FOR D.G S&D./RAILWAY/
DEFENCE CONTRACTS

1. Name of applicant.

(i) Full Postal Address

(ii) Name of State.

2. Number and date of Bank receipt/Demand Draft showing payment of the requisite fees (Bank receipt/Demand Draft in original to be attached.)

3. Licensing period in respect of which application is made.

4. Particulars of goods to be imported.

5. C.I.F. value of goods sought to be imported in rupees.

6. Country of shipment.

7. Where shipment is to be affected from country different from the country in which the goods originated, full statement of reasons for the same should be given.

8. General information to be furnished.

(a) Date of establishment of business in India.

(b) Nature of the concern whether Public or Private Ltd., or Partnership or Proprietary or Hindu Undivided Family concern.

(c) Names of Directors, Partners, Proprietor, Karta as the case may be.

(d) Details of branches or associated companies (names and locations)—

(i) In India

(ii) Abroad.

9. Full details of the enclosures attached with the application (every copy of the documents should be marked as a true copy and signed beneath by the applicant).

I/We hereby declare that the above statements are true and correct to the best of my/our knowledge and belief. I/We fully understand that any licence granted to me/us on the basis of the statement furnished is liable to cancellation in addition to any other penalty that the Government may impose having regard to the circumstances of the cases, if it is found that any statements or facts therein are incorrect or false

Signature

Name in Block Letters

Designation

Full address (i) official

(ii) Residential

Place :

Date

PART II

INCOME TAX DECLARATION

Form for income-tax-declaration has been given in App. II-O.

Documents required :—

(1) Application form in triplicate.

(2) Bank Receipt/Demand Draft for requisite amount of application fee.

(3) Income-tax Declaration in triplicate

(4) Seven copies of list of items to be imported.

(5) Industrial Licence/Registration Certificate.

APPENDIX VIII-A

FORM 1

APPLICATIONS FORM FOR ALLOTMENT OF
NEWSPRINT FOR NEWSPAPERS/PERIODICALS

PART I

1. Name of the Applicant .
2. Name of the newspaper/
periodical, periodicity &
Language
3. Full Postal Address .
4. (a) Date from which News-
paper/periodical is regu-
larly published
(b) Registration No. as given
by Registrar of News-
papers of India
(c) Date of filing the latest
declaration with Dist .
Magistrate
5. Nature of concern i.e. pub-
lic/private/proprietorship
etc. and names of Direc-
tors/Partners etc.
6. Quantity/value of newsprint
required for 12 months
7. (a) Phased delivery require-
ment
(b) Name of the agent
authorised
8. Name and other particulars of newspapers/periodicals
owned by the applicant :—

title of papers	Language & periodicity	Place of publication	Whether getting newsprint through Government
(1)	(2)	(3)	(4)
(i)			
(ii)			
(iii)			
(iv)			

9. Particulars of circulation
etc. per publishing day for
the newspaper/periodicals
- (a) Date of the proposed
publication
- (b) Average number of copies
proposed to be printed.
- (c) Average number of pages
- (d) Average area of one
page of newspaper/
periodical (in sq. cm.)
- (e) Number of publishing
days

10. Particulars of newsprint
(specify glazed, un-glazed and
Nepa separately)

Item No.	Quantity in tonnes	Source	Value (c.i.f.) (Rs.)
(1)	(2)	(3)	(4)
Consumed during the preceding year			
Required for the licensing year			
11. Last licensing year in which newsprint has taken from the office of R.N.I.			
11. (a) Type of Machine (i.e. Rotary/Flated/letter press)			
(b) Size of reels/sheets required			

DECLARATION

1. I/We hereby declare that the above statements are true and correct to the best of my/our knowledge and belief. I/We fully understand that any allotment made to me/us on the basis of the statement furnished is liable to cancellation, in addition to any other penalty that the Government may impose or any other action that may be taken having regard to the circumstances of the case if it is found that any of statements of facts therein are incorrect or false.
2. I/We declare that the newsprint, if allotted will be used in our Press/Premises/establishments at the above mentioned address.
3. I/We also fully understand that the allocation of canalised item(s) through the canalising agency is made under the Import Trade Control Regulations and violation of the condition on which such goods are released to use of any misuse of such goods will the provisions of Imports and Exports (Control) Act, 1947, as amended and Orders issued thereunder.
4. I/We have noted the relevant provisions contained in the Import policy/Hand book of Import Export Procedures 1985-88.

Signature
Name in Block letters
Designation
Full Residential Address

Place
Date

PART II

INCOME-TAX DECLARATION

Form for income-tax-declaration has been given in
App.II—O

APPENDIX VIII—B

REGISTER FOR MAINTENANCE OF CONSUMPTION AND STOCKS OF IMPORTED RAW MATERIALS, ETC BY
NEWSPAPERS ESTABLISHMENTS

Opening balance				Receipts		Consumption		Closing balance	
Opening balance as on 1st April 19	Broad descrip- tion of items	Quantity/ c i f value	Date of receipt	Quantity imported	Invoice No & date	c i f value	Consump- tion Qty	Loan if any, Qty.	Balance quantity, and c. i f. value as on 31 3-
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10

APPENDIX VIII—C

FORM (C)

FORM OF APPLICATION FOR IMPORT OF HORSES
FOR BREEDING PURPOSES BY RECOGNISED STUD
FARMS/INDIVIDUAL BREEDERS

PART I

A. Particulars of Applicant.

1. Name of the applicant.
2. Full Postal Address.
3. Address of location of Stud Farm.
4. Whether the stud farm has been recognised by and registered with RWITC, the keeper of Indian Stud Book or with the Ministry of Agriculture, Govt. of India, or with both if so a photostatic copy each of the Registration Certificate to be enclosed.

B. Particulars of Application.

1. Bank receipt/Demand Draft No. and date (Bank Receipt/Demand Draft to be attached in original).
2. Where shipment is to be effected from a country different from the country in which the goods originated, full statement of reasons for the same should be given.

C. General Information to be furnished.

1. Date of Establishment of business in India.
2. Nature of the concern, whether public company or private company, partnership or Hindu undivided family concern or proprietorship.
3. Name of the Directors proprietor, partners or karta as the case may be.
4. Details of branches or associated companies (Names and Location).
 - (i) In India
 - (ii) Abroad.
5. Has any application been already made by the applicant for goods covered by this application or for any other goods for the same period in any category? If so, give details.
6. Have any branch or associated companies mentioned in (4) or any of the gentleman names in (3) applied for an import licence for import of the goods covered by this application or any other goods for the same period, if so give details.

PART II

(To be filled in by the applicant for use by the sponsoring authority and the licensing authority)

1. Purpose for which the horse required.
2. Total Area of the Stud Farm.
3. Area under pastures.
4. Area under cultivation (Give acreage under different Crops).
5. Area under building (Give details of buildings) under any circumstances.

Description of Animals	Stud Farm's property Imported/ India Bred	Belonging to others Imported/ India Bred	Name & address of the owner
1	2	3	4
(a) Stallions .			
(b) Broodmare .			
(c) Yearling .			
(d) Foal .			
(e) Colts .			
(f) Fillies .			
Total .			

7. What is the animal and land ratio at Stud Farm.
8. No. of horses produced annually during the last three financial year.
9. Actual production in the current financial year.
10. Estimated production in the current financial year.
11. Total number and value of the horses sold during the last 3 years (Give year wise figures).
12. Particulars of animals to be imported :—

Class	No. of animals	CIP value in Rs.	Country from which effected	Remarks			
1	2	3	4	5			
13. Particulars of licences CCPs issued and during the last 5 years period:-				Imports effected			
Licence- ing period.	No & date and value of licence/ CCP issued	CIP value of animals Imported & date of import	Description of animals	Country from where	Age	Whether the imported animals returned to stud, if so, give details of period	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8

14. Whether the imported animals have participated in races. If so, give details thereof, including Stack money won.
15. Has any other individual any financial interest in the Stud Farm or in the breeding stock intended to be imported if so, give details.
16. The address at which the intended imported stock now applied for will be kept. Location of the stock will not be changed, without the written permission of the C.I.E.
17. Whether records of horses imported earlier are being maintained.

DECLARATION

- (1) I/We hereby declare that if this licence is granted, the horses will be utilized for the purpose for which they are being imported and the animals will not be sold or permitted to be used by any other party under any circumstances.

APPENDIX VIII—C. *Concid*

- (2) I/We hereby declare that the above statements are true and correct to the best of my/our knowledge and belief.
- (3) I/We fully understand that any licence granted to me/us on the basis of statement furnished is liable to cancellation, in addition to any other penalty that the Government may impose or any other action that may be taken, having regard to the circumstances of the case, if it is found that any of the statements of facts therein are incorrect or false.
- (4) I/We hereby declare that I/We shall have no objection to the inspection of our farm by any Officer(s) of the State Dept. of Animal Husbandry or of the Government of India.

Signature
 Name in Block Letters
 Designation
 Full Residential Address

Place

Date

Certified that the statements made by the applicant have been verified and found correct. The import of horses applied for is hereby recommended.

Signature

Name in Block Letters

Designation

Director of Animal Husbandry and Veterinary Services.

PART III

INCOME-TAX DECLARATION

Form for income-tax declaration has been given in Appendix II—O

Documents required :—

- (1) Application form in triplicate.
 (2) Bank Receipt/Demand Draft for requisite amount of application fee.
 (3) Income-tax Declaration in triplicate.

APPENDIX VIII—D

FORM H

FORM OF APPLICATION FOR IMPORT OF GOODS BY
HOSPITAL/EDUCATIONAL INSTITUTIONS INCLUDING
MEDICAL COLLEGES

PART I

(To be filled in by the applicant for use in the licensing office)

A. Particulars of Applicant :

1. Name of the Hospital/Educational Institution.
2. Full Postal address :—
 - (i) House/Shop No.
 - (ii) Name of Street/road.
 - (iii) Name of locality and city.
 - (iv) Name of State.
3. Telegraphic address.

B. Particulars of application :

1. Bank Receipt/Demand Draft No. and date (Bank Receipt/Demand Draft to be attached in original).
2. Whether the Hospital/Educational Institutions man-made.
3. Where shipment is to be effected from a country different from the country in which the goods originated, full statement of reasons for the same should be given.

C. General Information to be furnished :

1. Date of establishment.
2. Whether the Hospital/Educational Institutions managed by Government or some Corporation/Municipality etc. or Charitable Institutions (to be named) . and if managed by Government whether it is managed by the Central or State Government.
3. Number of wards and beds in each ward.
4. Particulars of grants, if any received from the Central/State Government or any other body (to be named).
5. An inventory of the major equipment and apparatus available with the applicant (Lists to be attached).
6. Whether the equipment proposed to be imported is new, complete or a major replacement.
7. The Department/course/subject etc. or other purpose, if any, for which the stores covered by the application are required.
8. The numbers of students on rolls.
9. The Post-graduate course conducted.
10. The number of students undergoing each Post-graduate course.
11. Number of research workers on roll
12. Subject on which research is conducted.
13. Full details of the enclosures attached with the application (every copy of the document should be marked as a true copy and signed beneath by the applicant)

PART II

(To be filled in by the applicant for use by the sponsoring authority and the licensing authority)

1. Justification and need for the equipment proposed to be imported and type of work for which the equipment will be used.
2. Details of similar existing equipment, if available, then detail of purchase, cost and present condition may be indicated
3. Particulars of goods to be imported—

I.T.C. S No.	ITEM	QUANTITY/ NUMBER	VALUE (C.I.F.)
-----------------	------	---------------------	-------------------

4. Details of Import licences obtained during the last three licensing periods :—

Licensing Period	Licence No. & date	C.I.F. Value	Description of goods	Import effected and utilisation
---------------------	-----------------------	-----------------	-------------------------	---------------------------------------

- (1)
- (2)
- (2)

(1) I/We hereby declare that if this licence is granted the goods will be utilised only in my/our Hospital/ Education Institution and that no portion thereof will be sold to or permitted to be used by any other party.

(2) I/We hereby declare that the above statements are true and correct to the best of my/our knowledge and belief.

(3) I/We fully understand that any licence granted to me/us on the basis of the statements furnished is liable to cancellation, in addition to any other penalty that the Government may impose or any other action that may be taken having regard to the circumstances of the case if it is found that any of the statements of facts therein are incorrect or false.

Signature
Name in Block Letters
Designation
Full Residential Address

Place
Date

APPENDIX VIII—D contd.

PART III

To be filled in by the sponsoring authority in duplicate.

1. Particulars of goods recommended :—

S. No.	Full particulars of the Goods recommended	Whether the applicant is already in possession of similar goods or not
--------	---	--

1)

(2)

(3)

2 Whether D.G.T.D. clearance has been obtained (The No. and date of the reference of D.G.T.D. may be given.)

3. In case of items which are being imported by S.T.C., whether the S.T.C. has expressed their inability to supply the material. The No. and the date of their letter may be quoted).

Signature of the Sponsoring Authority.

Note :—

The sponsoring authority should ensure that :

(i) Indigenous clearance from D.G.T.D. has been obtained before recommending the application. While obtaining indigenous clearance, full description of the machinery and leaflet or other literature wherever necessary, should be sent to D.G.T.D., New Delhi.

(ii) All the columns of the application have been properly filled in by the applicant. Incomplete application need not be recommended.

List of enclosures :—

APPENDIX VIII—B

FORM—O

FORM OF APPLICATION FOR OFFICE MACHINE

Licensing period.....

PART—I

- (1) Name of Applicant.
- (2) Full Postal Address.
- (3) (a) Registration No allotted by the Sponsoring Authority or number and date of industrial licence.
(b) Date of establishment of the Unit.
- (4) Description of goods manufactured/Activity engaged in.
- (5) C.I.F. Value of the licence applied for.
- (6) Items for which Licence/C.C.P. is required.
- (7) Bank receipt/Demand Draft No. and date, as the case may be, to be attached in original, with the application.
- (8) No. of machines of the same type.
 - (a) Already available with them both of indigenously manufactured and of imported origin separately.
 - (b) Justification for the import.
- (9) (a) Nature of the concern whether Public Company or Private Company, Partnership or Hindu undivided family concern/Institution/Bank etc.
(b) Names of the Directors, Partner, Proprietor or Karta as the case may be.
(c) Details of branches or associate companies (names and locations).
 - (i) in India.
 - (ii) in abroad.
- (10) In case of gifts please indicate :
 - (i) Relationship of the Donor with the applicant.
 - (ii) Occasion of the gift.
 - (iii) Name, address and occupation of the donor abroad.
 - (iv) Nationality of the Donor.
 - (v) Period of stay^a abroad of the Donor.

(vi) Whether any foreign exchange is required for insurance, freight.

(vii) Value of gift(s) received by the applicant during the course of year and details of CCPs issued/and applied for by him during the current financial year.

(11) In the case of Institution, furnish the following :—

(a) whether the institutions is exempted from payment of Customs duty, if so, particulars of Notification under which exempted.

I/We hereby declare that the above statements are true and correct to the best of my/our knowledge and belief. I/We fully understand that any CCP Licence granted to me/us on the basis of the statement furnished is liable to cancellation, being made ineffective in addition to any other penalty that the Government may impose or any other action that may be taken having regard to the circumstances of the case, if it is found that any of the statement or facts therein are incorrect or false.

Signature

Name in Block Letters

Designation

Full Residential Address

Place

Date

Note : Exporter should furnish a declaration indicating the quantity and value of the machines for which import licences have been obtained or import applications have been made during the same licensing period.

PART II

INCOME-TAX DECLARATION

Form for income-tax-declaration has been given in Appendix II-O.

APPENDIX VIII—F

FORM OF APPLICATION FOR AD HOC LICENCE TO
TECHNICAL CONSULTANCY FIRMS/CONSTRUCTION
FIRMS

PART I

1 Name and address of the Applicant
 2 Nature of the concern, whether public or Private Ltd. Company, Partnership or Hindu Undivided family concern

3 Name of Directors Partners, Proprietor or Karta as the case may be

Bank Receipt/Demand Draft No. and date (Bank Receipt/Demand Draft to be attached in original)

C.I.F. value in rupee of the licence(s) applied for

(a) Details of foreign exchange earned during the previous financial year April-March, on technical consultancy services rendered to clients abroad or for doing construction work abroad (Foreign exchange earned against export of goods should be excluded full details of foreign exchange earning through technical consultancy services should be furnished in a separate sheet item by item. The statement should be supported and the amount of foreign exchange earned certified by the Bank through which such earning were received in to this country

(b) The amount of Commission or discount paid or payable (at a later date by the exporter) to the foreign agent on the export covered by the application

List of items applied for (Five copies of the list to be furnished) -

DECLARATION

We hereby declare—(i) that no other application for import licence has been made or will be made in future to the licensing authority during the current licensing year (ii) the statements made in this application are true and correct to the best of our knowledge and belief (iii) if the licence is granted the goods will be used only in our office and no portion thereof will be sold or permitted to be used by any other party

We fully understand that any licence granted to us on the basis of this application is liable to cancellation or being made ineffective in addition to any other penalty that the government may impose or any other action that may be taken having regard to the circumstances of the case. If it is found that any of these statements of facts therein is incorrect or false

Signature.....
 Place..... Name in Block letters.....
 Designation
 Date.....
 Residential Address.....

PART II

INCOME-TAX DECLARATION

Form for income-tax-declaration has been given in Appendix II-O.

APPENDIX VII—G

PROFORMA FOR ADDITIONAL INFORMATION/DOCUMENTS TO BE SUBMITTED BY CONSULTANCY, DESIGNING AND ENGINEERING FIRMS

(A)

1. Name of the applicant
2. Name of the Project Authority who have awarded the contract
3. Name of the project for which imported equipment is required
4. Nature of the work assigned as per the contract
5. Items to be imported for execution of the contract
6. CIF value of the items to be imported (both in rupees and foreign currencies)
Country of Import
8. Indigenous content (CIF value)
9. Total value of the contract (Inclusive value of indigenous equipment, servicing charges etc.)

Station _____

Date _____

Signature _____

Name in Block letters _____

Designation _____

Full Residential Address _____

(B)

(To be furnished by the Project Authority)

1. Estimated cost of the project for which contract has been awarded
2. Total amount of foreign exchange indicated in the project estimates as approved by the Government for the relevant project
3. Whether the items sought for import were indicated in the project estimate and whether it was mentioned therein that these items need to be imported
4. Are the goods being imported for initial setting up of the plant (project) or expansion of the existing plant?
5. Does the Project Authority recommend that the list of goods is to be endorsed as "Project Imports" to avail of the benefit of concessional rate of duty under the Heading No 84 66 of Section XVI of the Customs Tariff Act 1975 ((51 of 1975) in terms of the Hand Book of Import-Export Procedures, 1983-88?

Station _____

Date _____

Signature _____

Name in block letters _____

Designation _____

Full Residential Address _____

List of enclosures _____

APPENDIX IX

IMPORT OF CARS AND OTHER VEHICLES

1. Policy for the import of cars and vehicles is laid down in Chapter IX of Import & Export Policy (Vol. I), 1985-88.

Procedure

2. Applications for import licence/CCP should be made to the Chief Controller of Imports and Exports New Delhi in the form given in Annexure together with the voucher of the payment of the application fee prescribed namely Rs. 500/- irrespective of the value applied for.

Conditions applicable

3. On its arrival in India, the vehicle should be got registered in the name of the licence holder only.

4. Before clearance at Port, the licence holder will execute, in the form prescribed, a Bond for an amount equal to the customs assessed c.i.f. value of the vehicle, in favour of the President of India with the local licensing authority undertaking to fulfil the conditions applicable to the import licence/CCP, supported by a guarantee of a Scheduled Bank. Alternatively he may furnish a surety by a Scheduled Bank for the customs assessed c.i.f. value of the vehicle against Mortgage of the said vehicle for the currency of the 'no sale' period. However, in the case of a physically handicapped licence holder only a legal agreement may be accepted on his declaration that he is not financially capable of giving guarantee/Surety of the Bank. The Bond/Surety/legal agreement should be valid for a period of six years initially but the licence/CCP holder would be obliged to get it extended or renewed for such further period as the licensing authority may require, six months prior to the expiry of the initial period. (The licensing authority can make suitable modification in the bond form to meet individual requirements).

5. The licence holder shall not, within the "No Sale" period(s) set down below, transfer, howsoever, the ownership or possession of the vehicle without the written prior permission of the licensing authority. The transfer if permitted shall be subject to such price and terms and other conditions as to the transferee/time allowed, etc., as may be specified by the licensing authority.

(i) Categories (A & B)—No sale period shall be five years from the date of purchase by the importer or two years from the date of import, whichever is later.

(ii) Categories (G, I, J, K & L)—No sale period shall be five years from the date of importation.

(iii) Categories (C, D & E)—The vehicle shall be re-exported when the importer leaves India except for a short visit abroad not exceeding 3 months at a time. The importer may also be permitted by the licensing authority concerned to sell the vehicle in India to another eligible foreign national subject to the conditions indicated in para 7 below, or to any other person/agency subject to such terms and other conditions as to the transferee, price etc., as may be specified by the licensing authority.

(iv) Category F

(a) Car shall not be allowed to be sold or otherwise disposed of or possession parted with, or pledged, mortgaged or hypothecated, at any time. However, in special circumstances, and for valid reasons and subject to such conditions as may be laid down, the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi, may, on request, relax this condition.

(b) The licence holder shall produce his driving licence within 6 months from the date of import, to the licensing authority with whom No Sale bond is executed

(c) These conditions shall also apply to all cases in which import licences have already been issued but the bond has not yet been accepted by the concerned licensing authority.

(v) Category H

(a) The car shall be held on account of the foreign collaborators and shall not be sold or otherwise disposed of or possession parted with or pledged, mortgaged or hypothecated at any time, without the prior written permission of the Chief Controller of Imports & Exports New Delhi and subject to such conditions as may be laid down. However, CCI&E may consider request for sale of imported car, provided ten years have elapsed since the date of import. In such cases the car shall be required to be offered for sale first to the State Trading Corporation of India

(b) This condition shall also apply to all cases in which import licences have already been issued but the bond has not yet been accepted by the concerned licensing authority.

6. Licence holders of Categories (A) and (B) shall not leave the vehicle in India while going abroad on visits likely to exceed one year. In any case the vehicle should be in the custody of another member of the family only and none else during such absence. If the licence holder has to go abroad for more than one year, he should report the matter by Registered Post A.D., to the licensing authority with whom the Bond had been executed giving reasons for his (extended) stay and the proposed date of return.

7. For periods of stay abroad exceeding one year, the licence holder would be obliged to extend the bond period by the period of such overstay unless the licensing authority exempts him from doing so. In case the total period of stay abroad is likely to be more than two years, prior written permission of the licensing authority would be mandatory in all cases. Failure to do so would entail the confiscation of the imported vehicle.

8. The licence holder will be free to re-export the vehicle in the event of his leaving the country for good but he should keep the licensing authority informed before hand.

9. A foreign national licence will, however, have the option to sell the vehicle in India to another foreign national provided (a) the buyer is eligible himself to its import, under the policy in force, (b) its price and connected expenditure is paid by the buyer from his personal funds abroad without in any way, involving remittances from India, (c) the buyer undertakes to abide by the same conditions subject to which the import had been allowed and (d) the buyer executes a bond backed by a bank guarantee to meet these requirements to the satisfaction of the Licensing Authority.

10. After the vehicle is cleared at the port and the bond has been executed, the licence holder will immediately keep the licensing authority at the port of disembarkation of the vehicle, informed of his (intended) regular address in India i.e. the place where the car will be kept and used. The bond and other papers relating to his case will then be transferred

APPENDIX IX *contd.*

to the licensing authority under whose jurisdiction the said address would be situated. Thereafter all further correspondence should be with the latter authority only and the rights and obligations under this policy would be exercisable by him.

11. The licence holder should produce on demand evidence satisfactory to the Chief Controller of Imports and Exports or to the licensing authority or any other Government authority (Central or State) concerned with the Motor Vehicle Acts, the Police or Imports control to prove that vehicle continues to be in his ownership and possession during the period.

12. Persons given possession of or negotiating the purchase of a vehicle imported under this policy should, in their own

interest, ensure that they are themselves free to do so, i.e. the vehicle can be in their possession or ownership in terms of this policy and relative Bond. The onus of proof will be on them to do so. Vehicles found in the possession of unauthorised persons under this policy will be liable to confiscation unconditionally.

13. Applications not covered by the above provisions may be dealt with ad-hoc on merits, by the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi.

14. Notwithstanding any of the provisions made above the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi may reject any application where he is not satisfied about the justification for import of a vehicle.

ANNEXURE I TO APPENDIX IX *Contd.*

Application form for Categories A, B, C, D, E & F
(i) Indian National returning to India for good (ii) Foreign ladies (including persons of Indian origin) married to Indian nationals, (iii) other foreign nationals, and (iv) physically handicapped individuals.

1. Name of applicant.
2. Nationality.
3. Designation/professional status.
4. Full address abroad.
5. Full address in India.
6. Purpose of visit abroad and duration of continuous stay.
(Applicable only to Indian nationals returning to India).
7. Proposed date of leaving for India and arrival in India.
8. Likely period of stay in India.
9. Make and model of vehicle and c.i.f. value.
10. Country of Shipment.
11. Date of purchase/registration and period of ownership.
12. In case the car is already imported please state whether the car/vehicle has been brought into India under Triptyque/Carnet-De-Passage and, if so, the date of the import and number and validity of the Carnet (photostat copy of the Carnet may be enclosed).
13. Manner in which foreign exchange was found for purchase of vehicle.
14. Foreign exchange if any taken/drawn under permission from R.B.I. within last two years.
(Applicable only to Indian nationals returning for good.)
 - (a) Basic quota
 - (b) Special quota
(please also indicate if the foreign exchange so drawn has been refunded).
15. Purpose for which car is needed in India.
16. Whether applicant, his wife/husband/dependent has ever imported a car into India, and if so, full particulars with CCP/licence number.
17. Whether any application for import of car etc. was made by the applicant or his wife/her husband/dependent in the previous licensing period or has been made in the current licensing period. If so, with what result (full reference should be quoted).
18. (a) Preferred port of disembarkations of car in India.
(b) State in which the car will be used, i.e., it will be regularly registered in India, i.e. after the provisional or temporary registration is done at port.
19. Whether payment in full has been made before returning to India.
20. Whether RBI has issued no objection to request for CCP being considered. (In case of those who have already returned).
21. Documents to be enclosed with the application :—
 - (a) Voucher of the payment of application fee (in original).

- (b) photostat copy of the purchase/proforma Invoice/Registration Certificate/Evidence of Payment made.
- (c) Statement of applicants' earnings abroad prior to purchase of the car, supported with Employer's Certificate, Income-tax Certificate/Bank statement showing running account, at least for the last two financial years.
- (d) Affidavit sworn before appropriate Indian Government authority or Notary Public (abroad) that the applicant is returning to India for good.
- (e) RBI's no objection to request for CCP being considered.

22. Additional documents to be enclosed for specified category of applicants :—

A. Foreign ladies married to Indian nationals (in the case of gifts).

- (a) Confirmatory letter from the parent declaring the unsolicited nature of the gift (in original);
- (b) Photostat copy of the marriage certificate;
- (c) Banker's Certificate regarding financial status of the donor (in original).
- (d) An affidavit on stamped paper sworn before a magistrate or Oath Commissioner or Notary Public, both from the applicant and her husband, affirming that they are permanently settled in India and have not imported any other car previously.
- (e) Photostat copy of passport of applicant and her husband showing the nationality at the time of their marriage. If husband has no passport, he should give an application showing his nationality.

B. Foreign nationals employed in India in Public or Private sectors.

- (a) Employer's certificate showing period of assignment in India (in original).

C. Other foreign experts (under Aid Programmes). non-diplomatic—Home-based staff—

- (a) Certificate of assignment/employment from concerned Government department/Embassy, with general particulars of work and likely tenure (in original).

D. Self-employed foreign nationals—

- (a) State/Central Government certificate stating the nature of applicant's profession and reasons justifying import;
- (b) Declaration to meet full landed cost (i.e. including customs duty) in foreign exchange;
- (c) Foreign banker's certificate showing applicant's financial status.

E. Physically handicapped—

- (a) Medical Certificate as given in Annexure II from the State Civil Surgeon or Head of concerned wing in the Government Hospital detailing nature of disability and reasons justifying car with special controls;
- (b) Donor's confirmatory letter (in case the car is a gift).
- (c) Documentary evidence such as Income Tax Assessment order for last two years of gross income during the preceding financial year.

ANNEXURE I TO APPENDIX IX *Contd***Declaration**

I, hereby, declare that the above statements are true and correct to the best of my knowledge and belief and I fully understand that any licence/CCP claimed or granted to me on the basis of the above statements is liable to cancellation, in addition to any other penalty that the Government may, impose or any other action that may be taken having regard to the circumstances of the case if it is found that any of the statements or facts therein are incorrect or false.

Signature _____

Name in Block Letters

Place Full Residential address

.

Dated the _____

Encls :

FORM OF AFFIDAVIT to be executed by Indian nationals coming to India for permanent settlement.

I, (Name _____), S/o _____ resident of _____ holding Indian Passport No. _____ dated _____ do hereby declare and affirm as under :—

- (1) That I have continuously been residing abroad since _____, except for the following periods when I visited India :
 - (i) _____
 - (ii) _____
 - (iii) _____
- (2) That I shall be returning to India for permanent settlement in _____ (month/year).
- (3) That the vehicle proposed to be imported by me has been purchased/will be purchased (whichever is applicable) out of my own earnings abroad.
- (4) That the vehicle has been registered abroad in my name and its registration No. is _____

DEPONENT

Note : Strike out whatever is not applicable.

ANNEXURE I TO APPENDIX IX *Contd.*

Application form for categories G, H, I, J, K, L.

- (i) Branches/Offices of foreign institution (corporate or otherwise);
- (ii) Air Companies (applications are to be routed through the Department of Civil Aviation, Ministry of Tourism & Civil Aviation);
- (iii) Rupee Companies having foreign collaboration;
- (iv) Indian firms executing contracts;
- (v) Accredited Journalists/correspondents of foreign News Agencies (applications are to be routed through the Press Information Bureau); and
- (vi) Charitable and Missionary institutions in India.

1. Name of the applicant.
2. Nationality and designation/professional status applicable to S. No. (v) above only.
3. Full registered address abroad.
4. Full registered address in India.
5. No. of Branches with their addresses in India.
6. Nature of business/assignment in India.
7. Make and model of vehicle with c.i.f. value.
8. Purpose for which car is needed in India.
9. Voucher/Receipt showing payment of application fee.
10. Purchase/Proforma Invoice/Registration Certificate.
11. In case the car is already imported, please state whether the car/vehicle has been brought into India under 'Triptyque'/Carnet-De-Passage and if so, the date of the import and number and validity of the Carnet (photostat copy of the Carnet may be enclosed).
12. Manner in which foreign exchange was found outside India for purchase of vehicle, supported with confirmatory letter (in original) from overseas principals/Head office donors, wherever car is a gift.
13. Wherever Customs duty is payable in foreign exchange, Confirmatory Letter (in original) from overseas Principal/Head Office that such duty will be met by them in foreign exchange.
14. Full particulars, details of imported cars if any, either by way of direct import or through transfer from any other person/agency in India.

15. Whether an application for import of car was made previously); if so, with what result (quote full reference).

16. Proposed date of shipment of car.

(a) Port of disembarkation in India.

(b) State in which car will be required in India.

Declaration

I hereby declare that the above statements are true and correct to the best of my knowledge and belief and I fully understand that any licence/CCP claimed or granted to me on the basis of the above statements is liable to cancellation, in addition to any other penalty that the government may impose or any other action that may be taken having regard to the circumstances of the case if it is found that any of the statements or facts therein are incorrect or false.

Signature _____

Name (in Block letters) _____

Full Residential address _____

Place :—

Date :

Encls : _____

17. Additional documents to be enclosed for specified categories of applicants :—

A. Rupee Company having foreign collaboration—

(a) Photostat copy of the technical collaboration agreements in terms of which foreign experts/technicians/Directors are required to visit India from time to time.

B. Indian firms executing contracts abroad.

(a) Photostat copy of Letter of R.B.I./Government of India sanctioning the contract.

(b) Sanction of R.B.I. conveying approval to purchase of car/cars abroad.

(c) Certificate/documentary evidence to show that contract/job work abroad has been completed.

C. Charitable and Missionary Institutions—

(a) Certificate from concerned Government authority to the effect that the institution is "an established one, and has been functioning for the benefit of the community, irrespective of the consideration of caste, colour or creed."

(b) Declaration that the vehicle in question is a gift and no remittance in foreign exchange from India for the purpose is involved.

ANNEXURE II TO APPENDIX IX *contd.*

Proforma of medical certificate to be issued by State Civil Surgeon or head of concerned Wing in a Government Hospital dealing with nature and extent of disability.

1. Name of the applicant.
2. Nationality.
3. Date of birth.
4. Exact nature of business/profession.
5. Full residential address.
6. Physical condition.



Photograph of the applicant showing the disability, duly attested by the medical certificate issuing authority.

Eye Examination

- (i) (a) Vision Right eye.
..... Left eye.
- (b) To specify if any colour blindness which makes him unsuitable for driving.

(ii) *Mental condition*

- (a) Normal.
- (b) Sub-normal.
- (c) Any mental illness.

(iii) *Hearing*

- (a) hearing in the right ear.
- (b) hearing in the left ear.

(iv) *Nature of disability*

- (a) State whether the applicant is suffering from any of the disabilities mentioned below :—

1. Unilateral/Bilateral amputees of the lower limbs excluding below knee unilateral amputees;

2. Unilateral below elbow or above elbow amputees;
3. Traumatic/permanent paralysis which cannot be surgically or medically treated;
4. Permanent paralysis of one upper limb or both lower limbs due to any reason or hemiparesis; and
5. Grossly deformed limbs due to trauma, arthritis or congenital but having at least one upper limb normal.
- (b) If so, specify the disability out of 6(iv)(a) (1 to 5) above & percentage of impairment as per McBride Scale.
7. Type of adoption/disability gadgets recommended by the Doctor for import of car.

Signature of the Doctor
not below the rank of Civil Surgeon along with

Seal of the Hospital

Place : _____

Date : _____

ANNEXURE III to APPENDIX IX *Contd*SPECIMEN BOND FORM TO BE EXECUTED BY
IMPORTERS OF CARS ETC. AS PERSONAL
BAGGAGE

KNOW ALL MEN BY THESE PRESENTS that We (1) of (hereinafter called the Importer which expression shall where the context so admits include his/their respective heirs, executors, administrators and legal representatives/successors and permitted assignees) and (2) of (hereinafter called 'the surety' which expression shall where the context so admits include his/their respective heirs, executors, administrators and legal representatives/successors and permitted assignees are held and firmly bound jointly and severally unto the President of India to pay to the President of India through the Joint/Deputy Chief Controller of Imports and Exports..... for the time being on demand and without demur the sum of Rs. for which payment will and truly to be made, we bind ourselves firmly by these presents).

Dated this the day of 19 ..
Whereas the Joint/Deputy Chief Controller of Imports & Exports, Government of India.

(herein referred to as the said Joint/Dy. Chief Controller of Imports & Exports which expression shall include the person for the time beings performing the duties of the Joint/Dy. Chief Controller of Imports & Exports) has permitted clearance of more fully described in the Schedule hereunder written, imported in India by the importer.

Now the condition of the above written bond are such that :—

1. If the said importer re-exports the car at the time of his leaving from this country or had taken prior permission of I.T.C. authority for leaving the car in India while proceeding abroad for a period exceeding six months.

and

2. If the said importer shall not sell, pledge, mortgage, hypothecate or part with the possession of the said car or otherwise dispose of the car, then the above written bond shall be void and of no effect otherwise the same shall be and remain in full force and virtue. And it is hereby fully agreed and declared between the parties as follows :—

(a) That the above written bond shall remain in full force and effect for the period of years from the date of importation of the said and shall be deemed to be renewed for such further period as the Joint/Dy. Chief Controller of Imports / Exports may require any time before the expiry of the said period.

(b) Any forbearance, act or omission on the part of the President of India to enforce the bond against the importer (whether with or without the knowledge or consent of the surety) shall not in any way release the said surety from his liability under the above written bond;

(c) That this bond is entered into under the order of the Central Government for the performance of an act in which the Public are interested;

(d) The Importer shall produce evidence that the car is in his possession and ownership whenever demanded by the Chief Controller of Imports and Exports or any licensing authority; and

(e) The importer shall not leave the car in India while going abroad except on short visits for which permission from the licensing authorities shall be obtained for leaving the car with the close relations.

(f) Any breach of terms and conditions of this bond will render the importer liable to penalties as provided under the Imports (Control) Order, 1955, as amended, over and above his liability for payment of the amount of the bond.

SCHEDULE OF GOODS FOR CLEARANCE

AS WITNESS THE hands of the parties the
days of 19.....

Signed by the above named importer in the presence of Signed by the above named surety, in the presence of Accepted by for and on behalf of the President of India.

APPENDIX X-A

FORM—G-I

APPLICATION FORM C.C.Ps. (FOR FIRE ARM)

1. Name of applicant.
2. Full address of the applicant.
3. Items for which CCP is required.
4. C.I.F. value of the fire arm.
5. Relationship of the Donor with the applicant
6. Occasion for the gift
7. Name, address and occupation of the donor abroad
8. Nationality of the donor.
9. Period of stay abroad of the donor.
10. Value of gifts(s) received by the applicant during the course of year and details of CCPs issued/and applied for by him during the current financial year.

found that any of the statements or facts therein are incorrect or false.

.....
(Signature with full name)
Designation
Relationship
Full Residential address

Place.....

Date.....

Documents required :

- (1) Donor's letter, in original
- (2) An affidavit, on a stamp paper of the appropriate value, duly sworn in before a Magistrate or a Notary Public, (a) showing the exact relationship of the donor with the applicant, (b) declaring that he/she had not imported a firearm, namely revolver, pistol, rifle etc. either as gift or otherwise in preceding 10 years and (c) undertaking that the firearm covered by the CCP, if issued in his/her favour, shall not be sold, or otherwise disposed of or parted with, within a period of ten years from the date of its importation, without obtaining the specific permission of the Chief Controller of Imports and Exports, in writing;
- (3) An affidavit from the donor indicating the period of his/her continuous stay abroad and giving particulars of his/her passport and dates and period of his/her last visit to India; and
- (4) Valid arms licence issued by the appropriate licensing authority in India.

DECLARATION

I/We hereby declare that the above statements are true and correct to the best of my/our knowledge and belief. I/We fully understand that any CCP/Licence granted to me/us on the basis of the statement furnished is liable to cancellation, being made ineffective in addition to any other penalty that the Government may impose or any other action that may be taken having regard to the circumstances of the case, if it is

APPENDIX X—B

FORM—G II

APPLICATION FOR C.C.Ps. (OTHER THAN FIRE ARM)

1. Name of applicant.
2. Full address of the applicant.
3. Detailed description of the items of import, (with printed Catalogue etc.)
4. C.I.F. value of the gift(s) in Indian Rupees. (Proforma Invoice to be submitted, in original).
5. Whether any foreign exchange is required for insurance and freight? If so, the amount thereof in Indian Rupees.
6. Relationship/connection of the Donor/donating agency, with the applicant.
7. Purpose of the gift.
8. Name, Nationality, address and occupation of the donor abroad.
9. Donor's letter (In original).
10. Value of gift(s) received by the applicant during the course of year and details of the CCPs issued and applied for by him during the current financial year.
11. In the case of Institution, Trust, Association and Societies etc.

Please state :

- (i) Whether the Institution etc. is registered with any Govt. authority, and if so, a properly authenticated copy of the registration/recognition certificate may be furnished.
 - (ii) The names and addresses of the Directors/Governors etc. (as the case may be) may be mentioned.
12. Is it for free distribution without consideration of caste, colour and race or is it only for use by the institution trust etc? A brief write up of Social Welfare work, if any, done already by the applicant may be submitted. [Recommendations of concerned State Govt. Department (In original) if the c.i.f. value of the items of gift/donation exceeds rupees one lakh]

DECLARATION

I/We hereby declare that the above statements are true and correct to the best of my/our knowledge and belief. I/We fully understand that any CCP/Licence granted to me/us on the basis of the statement furnished is liable to cancellation, being made ineffective in addition to any other penalty that the Government may impose or any other action that may be taken having regard to the circumstances of the case if it is found that any of the statement of facts therein are incorrect or false.

(Signature with full name)

.....

Designation

Relationship

Full Residential Address

.....

.....

Place

Date :

Documents required :—

- (1) Donor's letter (in original).
- (2) Printed Catalogue/leaflets of items, proforma invoice.
- (3) State Govt. recommendations (where necessary).
- (4) Affidavit of the donor duly attested by Magistrate/Notary Public or a certificate from his employer that the gift is out of the foreign exchange earnings of the donor, if the value of the gift(s) is more than Rs. 5000.
- (5) Permission under Foreign Exchange Regulation Act, 1973 wherever required.

APPENDIX XI (Deleted)

APPENDIX XII

FORM L

FORM OF APPLICATION FOR IMPORT OF DESIGNS AND DRAWINGS

(To be submitted with 5 spare copies Complete with 5 Copies of Covering Letter)

PART A

1. Name and address of the applicant/Company

2. Line of Manufacture for which the Drawings are required

(i) Existing business/items of manufacture and the number and date of Industries (Development & Regulation) Act, Licence if any

(ii) Is/are the item/items mentioned above being manufactured with foreign collaboration? If so, please give the particulars of each collaboration including the names of collaborators and nature of Collaboration viz., Technical and/or Financial

(iii) (a) Has any industrial licence/letter of intent been obtained for the manufacturing programme for which designs and drawings are to be imported. If the item is covered by the Industries (Development & Regulation) Act, 1951, please quote reference; or

(b) If registered with the DGTD, please quote reference; or

(c) Whether the proposed manufacturing programme would be in the small scale sector? If so, please quote registration number

(iv) (a) Purpose and full justification for which imports of designs and documentation is required

(b) Please indicate specific details of the machinery proposed to be fabricated

(c) Please indicate whether the machinery to be fabricated on the basis of these designs & drawings is for captive use or for production for sale

(d) (i) If the machinery to be fabricated is for captive use, please indicate the c.i.f. cost of the same machinery, if it were to be imported

(ii) What is the import content of the equipment to be fabricated indigenously with the help of the imported designs & drawings?

(iii) What will be the value of the equipment fabricated indigenously with the help of imported designs and drawings?

(iv) What will be the value of the equipment if it were wholly imported?

3. Estimated value of annual production :—

Year of Production	Quantity	Ex-factory value (Rs. in lakhs)	Ex-factory value after deducting landed cost of imported components if any.
1st Year
2nd Year
etc. etc.

APPENDIX XII—*cond*

4. Location of Factory : Tehsil :	Distt :	State :
5. Additional investment to be made on :		
(I) Land		
(II) Building		
(III) Machinery		
(a) Imported		
(b) Indigenous		
6. Details of phased manufacturing programme i.e. the import content and indigenous content of raw materials and components which will go into the production		
1st year		
2nd year		
3rd year		
etc. etc.		
7. Name and complete address of the Foreign Supplier from whom the Indian Company proposes to obtain designs & drawings.		
8. Terms for the purchase of Designs and Drawings :		
(i) Designs and documentation/know-how fees	In Rs.	In foreign currency
(ii) Please indicate whether the amount payable and indicated against (i) above represents NET amount payable to the supplier or is inclusive of taxes and hence payable after deduction of taxes		
9. What are the specific services to be rendered by the Foreign party in addition to supply of Designs and Drawings in pursuance of the agreement ?		
10. Please indicate if the foreign supplier is agreeable to the technical know-how/product design/engineering design being also made available to other Indian parties should it become necessary, on terms and conditions as mutually agreeable to all parties concerned, including the foreign supplier, and subject to the approval of the Government		
11. Has the applicant imported designs and drawings earlier. If so, details of Designs and Drawings so imported and No. and date of relevant approval letters		
12. What steps does the applicant propose to take for research and development in respect of the technology involved ? Give brief details		
Place :	Signature of Applicant Party.....	
Date :	Designation.....	
	Full Residential Address.....	

APPENDIX XIII—A

FORM E

FORM FOR AD-HOC STOCK AND SALE APPLICATION

1. Name of the applicant.

Full Postal Address:—

- (i) House/Shop No. .
 (ii) Name of Street/Road .
 (iii) Name of locality .
 (iv) Name of State .
 (v) Telegraphic Address .

2. Purpose of import .

3. (a) Date of establishment of business in India .

- (b) Nature of the concern whether Public or Private Ltd., or Partnership or Proprietary or Hindu Undivided Family concern .

- (c) A copy of the Registration Certificate .

- (d) Names of Directors Partners, Proprietor, Karta, as the case may be. .

- (e) Nature of main business of the applicant (line or lines) in which the applicant is engaged. .

- (f) Details of branches of associated companies (Names and locations)

(i) In India .

(ii) Abroad .

- (g) Has any application already been made by the applicant for goods falling under the same serial number or sub-item of serial number for the same period from any country. If so give details . .

4. Number and date of Bank receipt/Bank draft showing payment of the requisite fees.

5. Licensing period in respect of which application is made.

6. Particulars of goods to be furnished as shown below:—

- (i) Description of goods
 (ii) Classification under I.T.C. Scheduled, Part & S.No.
 (iii) Relevant Appendix etc. of Import Policy under which the item is covered.
 (iv) c.i.f. Value in rupees.
 (v) Country of shipment.
 (vi) Details of the machinery/instrument imported by the applicant or through him during the prescribed period as an Indian agent of foreign machinery/instrument manufacturers.

7. Where shipment is to be effected from a country different from the country in which the goods originated, full statements of reasons for the same should be given.

I/We hereby declare that the above statements are true and correct to the best of my/our knowledge and belief. I/We fully understand that any licence granted to me/us on the basis of the statement furnished is liable to cancellation, in addition to any other penalty that the Government may impose having regard to the circumstances of the case, if it is found that any statements of facts therein are incorrect or false.

Signature.....

Name in Block letters.....

Designation.....

Full Official Address.....

Full Residential Address.....

Place.....

Date.....

PART II

INCOME-TAX DECLARATION

(Form for income-tax declaration has been given in Appendix II-O.)

APPENDIX XIII—B

FORM-N

APPLICATION FORM FOR IMPORT OF BOOKS BY
DEALERS IN BOOKS

PART I

- (1) Name of the Applicant.
- (2) Full Postal Address.
- (3) Date of establishment of Unit.
- (4) Whether Registered under the Shops and Establishment Statute if so, indicate No. and date (photo-stat copy of the same may also be furnished).
- (5) Purchase turnover during the preceding year along with a certificate of Chartered/Cost Accountant. (The Chartered/Cost Accountant should not be a partner, a director or an employee of the Applicant firm or its associates).
- (6) Nature of the concern and the name of the directors/partners.
- (7) Name of branches, if any, with their address
- (8) Bank Receipt/Demand draft No. and date, as the case may be (to be attached in original with the application).

I/We hereby declare that the above statements are true and correct to the best of my/our knowledge and belief
I/We fully understand that any licence granted to me/us

on the basis of the statement furnished is liable to cancellation in addition to any other penalty that the Government may impose having regard to the circumstances of the cases, if it is found that any statements of facts therein are incorrect or false.

Signature .. .

Name in Block Letters .. .

Designation .. .

Full Residential Address.....

Place.....

Date

PART II

INCOME-TAX DECLARATION

(Form for income-tax declaration has been given in Appendix II-O.)

APPENDIX XIV—A

List of Registering Authorities

Sl. No.	Export Product	Registering Authority	1	2	3
1	2	3			
1.	Engineering goods : Stainless Steel Products, Mica papers and Construction	Engineering Export Promotion Council, "World Trade Centre", 14/1B, Ezra Street (3rd Floor); Calcutta-700001 and its Regional Offices Commerce Centre (2nd Floor); Tardeo Road, Bombay-400034; Kannammal Building (1st floor) 612 Annasalai, Madras and Surya Kiran, 4th Floor 19, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi-110001.	6. Sport Goods		Sports Goods Export Promotion Council, IE/6 Jhandewalan Extension, New Delhi-110001.
2.	Chemicals and Allied Products namely, Glass and Glassware, Ceramics, Paints, Rubber Products including tyres and tubes, Paper and Paper products, including books, journals and periodicals, Safety matches, Fireworks and explosives, Asbestos and Cement products, Wood Products, Biaxially oriented Polyester Films, Marble Chips, Adhesive Shellac Compound.	Chemicals and Allied Products Exports Promotion Council, 14/1B, Ezra Street, 2nd Floor, Calcutta-700001, and its Regional Offices Sire Mansion, 103, Moun Road, Madras-600006, and D-17 Commerce Centre, Tardeo Road, Bombay-400034, Chemicals & Allied Products Export Promotion Council Northern Region (Lakshmi Niwas) 8, Shaheed Bhagat Singh Marg, New Delhi-110001.	7. Fish, Fish meal and Fish Products		Marine Products Export Development Authority World Trade Centre, Mahatma Gandhi Road, P. B. No. 1708, Ernakulam, South Cochin-16.
3.	Basic Chemicals, namely, Drugs, Pharmaceuticals and Fine Chemicals, Dyes, Intermediates, Alcohol and Coal Tar Chemicals, Organic Chemicals, Agro Chemicals, Glycerine, Soaps, Detergents, Cosmetics & Toiletries, Processed Talc, Agarbatti, Essential Oils, Dehydrated Culture media and Crude Drugs.	Basic Chemicals, Pharmaceuticals and Cosmetics E. P. Council Jhansi Castle (4th Floor) 7, Coopers Road Bombay-400001, and its regional offices, at 23/1&2, 6th Main Road, 3rd Cross, Gandhi Nagar, Bangalore-560009, and Kankaria Estate, 9th Floor, 6-Little Russell Street, Calcutta-700071.	8. Processed foods		Processed Foods Export Promotion Council 105, New Delhi House-27, Barakhamba Road, New Delhi-110001.
4.	Plastics, Toys	Plastics and Linoleum Export Promotion Council, Tulsi Chambers, 6th Floor Plot No. 212, Block III, 612 & 615 Backbay Reclamation Nariman Point Bombay-400021 and its Regional offices at Sire Mansion, 123, Mount Road Madras-600006, and 14/1B Ezra Street, Calcutta-700001.	9. Curry powder & paste Spices Oils & Oleoresins, Spices whole or ground in consumer packs of 1kg. or less under brand names & spices whole or ground in bulk.		Spices Export Promotion Council, World Trade Centre, Mahatma Gandhi Road, Ernakulam-6.
5.	Finished leather and leather goods, chrome tanned blue hides & skins, chrome tanned hides and skins, chrome-tanned crust leather, E. I. tanned hides & skins and E. I. crust leather.	Council for Leather Exports, Marble Hall, 118, Vepery High Road, Periamet, Madras-600003 and its regional offices at (i) 15/46, Civil Lines, Post Box No. 198, Kanpur-208001 (ii) 220, "Niranjab" 2nd Floor, 99, Subhash Road, Bombay-400002. (iii) 27, Mirza Ghalib street formerly Free School St. 5th Floor, Calcutta-700016 & (iv) 31, E.R.K. Sampth Salai, Madras 600007."	10. Handicrafts		Office of the Development Commissioner (Handicrafts) West Block No. 7, R. K. Puram, New Delhi and its Regional Offices :—The Deputy Director (CR) Office of the DC(H), 72, Halwasiya Market, Hazratganj, Lucknow, 266001. Phone No. 24331 Telegraphic DYCRRAFTIND, LUCKNOW, The Deputy Director (ER), Office of the DC(H), 9/12, Old Court House Street, Calcutta-700001 Phone No. 2300, Telegraphic DYCRRAFTIND, CALCUTTA, The Deputy Director (NR), Office of the DC(H), West Block VII, R. K. Puram, New Delhi. Phone No. 694860. Telegraphic DYCRRAFTIND, DELHI. The Deputy Director (SR), Office of the DC(H), Shastri Bhawan IIIrd Floor, 35, Had-dows Road, MADRAS-600006, Phone No. 86321-Telegraphic DYCRRAFTIND, MADRAS and The Deputy Director (WR), Office of the DC(H), Haroon House, III floor, 294, P. Nariman Street, Fort Bombay-400001. Phone No. 295959 Telegraphic, DYCRRAFTIND, BOMBAY.
			11. Hand made/Woolen Carpets, Rugs, Durries and druggets including made Silk Carpets.		Carpet Export Promotion Council, Shop No. B-113, Sector XVIII, Post Office Noida, Distt. Ghaziabad (U. P.)

APPENDIX XIV—A (continued)

1	2	3	1	2	3
12. Cashew Kernels	Cashew Export Promotion Council, World Trade Centre, Mahatma Gandhi Rd., Ernakulam-6.		24. Blended products from mixtures of cotton/cellulosic fibre or yarn	Silk and Rayon Textiles Export Promotion Council, Resham Bhavan, 78, Veer Nariman Road, Bombay-400001.*	
13. Tobacco and Tobacco Products	Tobacco Board, Guntur Andhra Pradesh.				The Development Commissioner for Handloom, Udyog Bhawan, New Delhi-110011, and its regional office at 3, Vijayaraghava Road, T. Nagar Madras-600001.*
14. Woollen textiles, hosiery knitwear, mixed fabrics and Machine made Woollen Carpets, Rugs and Druggets	Wool & Woollen Export Promotion Council 714, Ashoka Estate, 24, Barakhamba Road, New Delhi and its regional Offices, at Church gate Chamber, 7th Floor, 5, New Marine Line, Bombay 400020, and 714/3 Gurdev Nagar, Pakhowal Road, Ludhiana Or The Development Commissioner for Handlooms, Udyog Bhawan, New Delhi-110011 and its regional office at 3, Vijayaraghava Road, T. Nagar, Madras 600001 in the case of handloom products		25. Vanaspati	Director of Sugar and Vanaspati, Department of Foods Ministry of Agriculture and Irrigation, New Delhi.	
15. Coir	Coir Board, Post Box No. 1752, Ernakulam, (Kerala).		26. Khadi i.e. any cloth woven from Handlooms in India from Cotton Silk or Woollen yarn Hand-spun in India or from a mixture of any two or all of such Yarns (including Ready-made garments and other articles made of khadi).	Khadi and Village Industries Commission, 'Gramodaya' 3, Irla Road, Vile Parla (West), Bombay-400056.	
16. Cotton textiles	Cotton Textiles Export Promotion Council, Engineering Centre, 5th Floor, 9, Mathew Road, Bombay-400004 and The Development Commissioner for Handlooms, Udyog Bhawan, New Delhi 110011 and its regional office at 3, Vijayaraghava Road, T. Nagar, Madras-600001.		27. Phototype set Films and Micro Films	Chemicals and Allied Products Export Promotion Council, 14/1B Ezra Street, 2nd Floor, Calcutta-1.	
17. Readymade garments excluding woollen knitwear and garments of leather, silk, jute and hemp.	Apparels Export Promotion Council, Sahyog Building 4th Floor, 58 Nehru Place, New Delhi-19 and its regional Office at Textile Centre, 1st Floor, Poona Street, P. D. Mellow Road, Bombay-400009.		28. Dewaxed Decolourised Shellac.	Shellac Export Promotion Council, Calcutta.	
18. Natural Silk fabrics, garments and machine made carpets	The Indian Silk Export Promotion Council, 62, Mittal chambers, Nariman Point, Bombay 400021.		29. Acrylic knitwear	Wool and Woollens Export Promotion Council, 714, Ashoka Estate, 24, Barakhamba Road, New Delhi and its regional offices, at Church gate Chamber, 7th floor, 5, New Marine Line Bombay-400020, and 714/3 Gurdev Nagar, Pakhowal Road, Ludhiana, or Silk and Rayon Textiles Export Promotion Council, 78, Veer Nariman Road, Bombay-400001.*	
19. Gem and Jewellery	Gem and Jewellery Export Promotion Council, D-15, Commerce Centre, 4th Floor, Tardeo Road, Bombay-400034.		30. Packet Tea, Tea bags & instant tea.	Tea Board, 14, Biplabi Trilokya Maharaj Sarani (Brabourne Road,) Calcutta-700001.	
20. Cinematographic film (excepted) Feature film, Documentaries Advertising films, News films and T.V. films.	National Film Development Corporation, Bombay.		31. Cardamom	Cardamom Board, Banerji Road, Cochin-682018.	
21. Natural fibre products (other than Coir Products).	Jute Commissioner, Calcutta		32. Overseas Construction and Civil Engineering Projects	Overseas Construction Council of India, Commerce Centre, 7th Floor, J. Dadaji Road, Tardeo, Bombay 400034.	
22. Non-Cellulosic products	Silk and Rayon Textiles Export Promotion Council, Resham Bhavan, 78, Veer Nariman Road Bombay-400001.*		33. Handloom Products	Handloom Export Production Council, 123, Mount Road, Madras-600066	
23. Cellulosic products	Silk and Rayon Textiles Export Promotion Council, Resham Bhavan, 78 Veer Nariman Road, Bombay-400001.*		34. Items for which no Registering Authority is prescribed.	Export Promotion Officers, Bombay, Madras and Calcutta (For Western, Southern and Eastern Zones respectively) Joint CCI&E (CLA), New Delhi (For Northern Region).	

*Block No. 3E, Resham Bhavan, 1st Darwaja, Surat.

3-A, Diwan C. Mehra Road, Amritsar.

APPENDIX XIV—B

ANNEXURE I

FORM OF APPLICATION FOR REGISTRATION

PART-I

To

Dear Sir,

Subject :—Registration under the Import Policy for Registered Exporters.

Kindly register us under the above policy as manufacturer exporters/merchant exporters of Product Groups commodities mentioned against S. No. 7

1. (a) Name and address (with telegraphic address and telephone No.) of the registered office, head office and branches.
- (b) Whether proprietary/Partnership concern or Private/Public Limited Company or Cooperative Marketing Society etc. (Names of Proprietor/Partners/Directors/Managing Directors should be furnished with their permanent address).
- (c) Names of the associate firms for whom the applicants act as agent in export business.
2. (i) Name and address of the applicant's banker.
- (ii) Attach banker's certificate certifying financial position.
3. (i) Date of establishment of business/factory in India.
- (ii) Date of commencement of export business.
4. Whether licensed under the Industries (Development and Regulation) Act, registered with DGTD/State Director of Industries or any other sponsoring authority. If so indicate number and date of licence/registration certificate.
5. Details of past exports during the last three years, if any, (products for which registration is sought and other products not covered by the scheme should be indicated).

Year	Description	Value	Major Countries to which exported
1	2	3	4

6. Where there is no export, attach a statement of internal sales turnover (as in table under S. No. 5 above for last three financial years of the items desired to be exported, duly attested by the Chartered Accountant should be submitted).

7. Export products in respect of which registration is sought (mention here Serial Nos. of the products given in Import Policy).

8. If merchant exporter, please indicate the arrangements made with manufacturers whose products are to be exported.

9. If registered with any other Export Promotion Council/Commodity Board, give name of the registering authority and registration number and also the export product for which registered.

10. We hereby solemnly declare the above stated information to be true and correct and undertake without any reservation to :
 - (i) Abide by the terms of the registration certificate granted to us on all our exports.
 - (ii) use the import licences for the purpose for which they are issued and undertake to abide by the terms and conditions under which they are issued.
 - (iii) agree to abide by any code of conduct that may be prescribed by the Registering Authority.
 - (iv) agree to abide by export floor price conditions that may be stipulated by the Registering Authority, and
 - (v) Furnish without fail quarterly returns of exports including nil returns to the Registering Authority by 15th day of month following the quarter.

11. We further understand that our registration is liable to be cancelled in the event of breach of any of the undertakings mentioned above.

Yours faithfully,

Place.....

Name in Block Letters.....

Date.....

Designation.....

Full Address :

(i) Official.....

(ii) Residential.....

ANNEXURE-II

FORM OF APPLICATION FOR REGISTRATION OF CIVIL ENGINEERING AND CONSTRUCTION FIRMS

To

The Regional Officer,
Engineering Export Promotion Council,
Commerce Centre, 2nd Floor,
Tardeo Road,
Bombay-400034.

Dear Sir,

Sub : Registration under the Import Policy for Registered Exporters

APPENDIX XIV B (Contd.)

Kindly register as under the above Policy as Civil Engineers/Construction firm. Our line of specialisation includes—

1. Name and address (with telegraphic address and telephone No.) of registered office, head office and branches.
2. The year of starting business.
3. Whether Proprietary/Partnership concern or Private/Public Limited Company or Cooperative Marketing Society etc.
4. Names of Proprietor/Partners/ Directors/Managing Directors together with their permanent residential address.
5. Names of associate firms for whom the applicants act as agent in export business.
6. Capital structure of the firm (authorised, issued, subscribed and paid up capital)
7. Name and address of applicant's banker(s) (a certificate from the applicant's bankers certifying the financial position should be attached).
8. Value of Civil Engineering/Construction work done during the last 5 years (details of work value etc. to be shown separately for each year. Break-up of work done within and outside India to be shown separately).
9. Broad details of the major construction jobs carried out during the last 5 years to be shown separately for (a) Barrages and dams (b) Power-Houses (Thermal & Hydel) (c) Industrial structures other than (b) above; (d) Roads and bridges; (e) Tunnels; (f) Docks & Harbours; (g) Sewerage & Water Supply Systems; (h) Multi-storey buildings and township; (i) structural steel fabrication and erection jobs.)

Year	Name of work	Value of the work	Name and address of the client for whom work was executed
1.			
2.			
3.			
4.			
5.			

10. Whether the firm is also registered as manufacturing unit for any engg. product. If so number and date of Licensing/Registration Certificate with the sponsoring authority (DG-T.D., D.I., Text Comr., etc. to be indicated).

11. Details of Technical & Managerial personnel employed by the company (A statement giving details in the following proforma to be attached).

Sl. No.	Name of the Officer	Age	Qualification	Experience
1.				
2.				

12. List of Plant and Machinery owned by the firm (A statement giving the particulars of the machinery, date of its purchase and present book value to be submitted).

13. Details of Commitment/projection for handling export jobs for the succeeding three-years.

Year	Nature of jobs to be undertaken	Value
1.		
2.		

14. Details of membership of recognised Trade bodies/Industrial Association.

We hereby solemnly declare the above stated information to be true and correct and undertake without any reservation to :

- (a) abide by the terms of the registration, certificate granted to us on all our exports;
- (b) use the import licences for the purpose for which they are issued and under the terms conditions under which they are issued;
- (c) agree to abide by any code of conduct that may be prescribed by the registering authority;
- (d) agree to abide by any export floor price condition that may be stipulated by the registering authority;
- (e) furnish without fail quarterly returns of exports including nil returns to the registering authority by the 15th day of the month following the quarter.

We further understand that our registration is liable to be cancelled in the event of breach of any of the undertakings mentioned above.

Yours faithfully

Full Name in Block Letters.....

Designation

Official Address.....

Residential Address

Place

Date

NOTE: Applications should be addressed to the concerned regional Office of the Engineering Export Promotion Council.

APPENDIX XIV—C

FORM OF REGISTRATION-CUM-MEMBERSHIP
CERTIFICATE

PART I

(To be filled in by the applicant)

1. Name of Applicant.
2. Whether Head Office/Registered Office/Branch Office.
3. If Head Office, give names of Branches and Registered Office with address.
4. Address of applicant :
 - (i) Postal address.
 - (ii) Telegraphic address.
 - (iii) Address of factory, if any.
5. Whether merchant exporter or manufacturer exporter.
6. Description of export products for which registration is sought :
 - (i) Product(s) manufactured, if any.
 - (ii) Product(s) exported.
7. Year of establishment.
8. Name of the Partners/Directors/Managing Directors/proprietor.

I/We hereby declare that the above information is correct to the best of my/our knowledge and belief. I/We also undertake to abide by the conditions subject to which registration/membership is granted.

Name in Block Letters.....

Designation

Full Residential Address

Place.....

Date.....

PART II

1. Registration No./Factory No. allotted by the Sponsoring Authority.
2. Description of goods manufactured.

(To be filled in by the Registering Authority in the case of DGTD units and sponsoring authority in the case of other units.)

Signature of Registering Authority/
Sponsoring Authority

Name in Block Letters.....

Designation

.....

.....

Place..... Seal

Date.....

PART III

In case of exporters of Rayon Textiles

1. Permit No. of Looms/Warp Knitting Machines/Raschel knitting machines issued by the Office of the Textile Commissioner together with number of looms/knitting machines for which permit is granted.
2. Description of goods manufactured
3. Registration No. allotted by the Office of Textile Commissioner as processors of fabrics.

Signature of the Sponsoring Authority.

Name in Block Letters

Designation

Seal

PART IV

(To be signed by the concerned Registering Authority)

This is to certify that the above firm is registered under the Import Policy for Registered Exporters as per following particulars :—

(i) Description of goods for which registered.....

(ii) Date of receipt of complete application for registration.....

(iii) Registration Number

(iv) Manufacturer Exporter or Merchant Exporter*.....

This certificate is issued subject to the condition laid down in the relevant scheme of Registration.

Signature of Registering Authority.

Name in Block Letters.....

Designation

Seal

.....

.....

Valid/renewed

upto.....

Dated.....

*State clearly whichever is applicable.

Space for endorsement of any amendments in this certificate.

APPENDIX XIV—D

ANNEXURE I

BANK CERTIFICATE OF EXPORT

(For export on out Right-sale basis)

FORM No. 1

To..... (Name and Address of Licensing Authority)

We..... (Name and address of the Exporter*)

hereby declare that we have forwarded a documentary export bill to..... (Name and address of the bank i.e., Branch and City) for collection/negotiation/purchase as per particulars given hereunder:—

Invoice No. & date	No. & date of Export	Description of goods as given in the Shipping bill duly authenticated by Customs	Bill of Lading/PP. receipt/Airway bill No. and date	Destination of goods	Bill amount cif/c&f/f.o.b. (in foreign currency)	Rate adopted for conversion of the cif/c&f/f.o.b.*	Bill Amount cif/c&f/f.o.b. equivalent in Indian Rupees (Converted at the rates shown in Col. 7)	Freight amount In Indian Rs. as per Bill of lading freight memo	Insurance Amount In Indian Rupees as per insurance Company's receipt	Commission/discount paid/Payable Indian Rupees	F.O.B. value In Indian Rupees (Col. 8 minus total of col. 9, 10 & 11)	GRI/PP. Form No.
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13

We further declare as follows :—

- (i) that the aforesaid particulars are correct and they relate to outright sales and copies of invoices relevant to these export are attached.
- (ii) that the export has been made by the Head Office/Branch Office of the limited Company/Registered Exporter; and
- **(iii) (a) application for export assistance will be made by the branch office to the above licensing authority under whose jurisdiction it falls;
- (b) application of export assistance will be made by the head office of the limited company/registered office to the above licensing authority under whose jurisdiction it falls;

SIGNATURE OF THE EXPORTER

*Foreign currency as indicated in the invoice of cif, c&f, fob (in respect of invoices made out in Indian Rupees, columns 6 & 7 need not be filled in).

**Strike out the alternative not applicable

Bill purchase/negotiated in respect of outright sale : At the authorised dealer' On Demand Buying rate prevalent on the date of purchase/negotiation.

Bill sent for collection (outright sale) : At the authorised dealer's On Demand Buying rate prevalent on the date they send the documents for collection.

BANK'S CERTIFICATE

Ref :

Date :

Place :

1. This is to certify that we have negotiated/purchased/sent for collection on the above mentioned documentary export bill drawn by M/s..... for the amount mentioned in Col. 6 above and..... verified the rate of conversion mentioned in Col. 7 We have also verified the f.o.b. value mentioned in Col. 12 above with reference to following documents:

- (i) Bill of Lading/P.P. Receipt/Airway Bill.
- (ii) Insurance Policy/Cover/Insurance receipt.
- (iii) We have also verified that the date of the connected Mate Receipt as indicated in the relevant Shipping Bill is..... (date to be given)

2. This is also Certified that we have verified the amount of the Commission paid/payable, as declared above, by the exporter i.e. Rs..... (in figures and words) with G.R. Forms and found to be correct.

.....
 (Signature of Bankers)
 Official Stamp
 (Full address of the Bankers)
 (Branch and City)

APPENDIX XIV—D (contd.)

ANNEXURE—II

BANK CERTIFICATE OF EXPORT

(For products other than Gem and Jewellery on Consignment basis)

FORM No. II

To

(Name and address of the licensing authority).....

We.....(Name and address of the exporters) hereby

declare that we had effected the export on consignment basis and have received the proceeds in full against these exports as per particulars given below:

Provisional Invoice No. & date	Invoice No. date & value in foreign currency	No. & date of E P copy Shipping bill duly authenticated by Customs	Description of good as given in the customs authenticated Shipping bill	Bill of Lading/P.P. Receipt/Airway bill No. & date	Destination of goods	Bill amount cif/c&f/f.o.b. in foreign currency.*	Rate adopted for conversion of cif/c&f/f.o.b. @	Bill amount for cif/c&f/f.o.b. equivalent in Indian Rupees Converted, at rate shown (in Col. 8)*	Freight amount in Indian Rupees as per Bill of Lading/freight memo	Insurance amount in Indian Rupees as per Insurance Company's bill/receipt	Commission discount (paid/payable in Indian rupees)	FOB value in Indian Rupees (Col. 11) minus total of Cols. 12 & 13	Date of realisation of sale proceeds	GRI/P.P. Form No.
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15

We further declare as follows :—

(i) that the aforesaid particulars are correct and they relate to consignment sales and copies of invoice relevant to these exports are attached;

(ii) that the export has been made by the head office/branch office of the limited company/registered exporters; and

(a) application for export assistance will be made by the branch office to the above licensing authority under whose jurisdiction it falls.**

OR

(b) application for export assistance will be made by the head office of the limited company/registered office to the above licensing authority under whose jurisdiction it falls. **

(SIGNATURE OF THE EXPORTER)

*Foreign currency as indicated in the invoice cif, c&f, f. o. b. (in respect of invoices made out in Indian Rupees, columns 7 & 9 need not be filled in).

**Strike out the alternative-not applicable.

@The authorised dealer's T/T Buying/On Demand Buying Rate, as the case may be prevalent on the date of realisation

BANK'S CERTIFICATE

Ref. No.....

Date.....

Place.....

1. We confirm that.....(amount shown in col. 7 or column 9 in respect of invoice made out in Indian Rupees) has been received by us in an approved manner in respect of the above consignment..... on.....*(date.) We have verified the f.o.b. value as shown in Col 13 with reference to the following :

(i) Bill of Lading/P.P. receipt/Airway Bill.

(ii) Insurance Policy/Cover/Insurance Receipt.

(iii) We have also verified that the date of the connected Mate Receipts as indicated in the relevant Shipping bill is..... (date to be given),

2. This is also certified that we have verified the amount of the Commission paid/payable, as declared above by exporter i.e. Rs.....(In figures and words) with G.R. Forms and found to be correct.

(Signature of the Bankers)

Official Stamp,

Address of the Bankers.....

(Branch and City)....

*Date of advice of the collecting/remitting Bank abroad.

APPENDIX XIV—D (contd.)

ANNEXURE III

BANK CERTIFICATE OF PAYMENTS

(For export of Gem & Jewellery on Consignment basis and for sale of goods at international exhibition fairs abroad)

This is to certify that the following bills covering exports of to foreign countries drawn by M/s..... have been negotiated and proceeds as given below received by us as per exchange control regulations in the approved manner. We also certify that payments thereof have not been received in non-convertible Rupee Accounts or under any special bilateral trade agreement.

Sl. No.	Invoice No. and Date	Date of Exports	Description of goods exported	Bill of Lading Postal Receipt and/or Airways bill No. and date	F. O. B. value of goods as declared by the Exporters	Country/ Countries to which exports have been made	*Date on which payment was received by the Bank	Date on which the proceeds of foreign exchange were actually credited to the exporters account	In case of part payment of the Bill the lot No. of the Invoice against which payments have been received	Amount received in India (in rupees)	GRI/PP Form No. and date
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12

1.

2.

3.

This is certified that the amount of commission paid/payable as given in the G. R. Forms is Rs.
(in figures and in words)

Ref. No.

Signature of Manager

Date :

Authorised Officer of the Bank

Place :

Official Stamp

Note : (1) The Bank Certificate should bear the Official stamp of Bank.

(2) This Certificate will be issued only after the full proceeds of the bill have realised; however in the case of receipt of part payment of a bill, against lots covered by it, the certificate may be issued.

*Date of advice of payment of the collecting/remitting Bank abroad.

APPENDIX XIV—D (Concl.)

ANNEXURE IV

BANK CERTIFICATE OF PAYMENT AGAINST SALE OF CARPETS TO FOREIGN TOURISTS

This is to certify that the payment against the following bills covering CIF/C. & F./F. O. B. value of Carpets sold by M/s..... to the Foreign tourists has been received by us as per exchange control regulations in the approved manner. We also certify that payment thereof has not been received in Non-convertible Rupee Account under any bilateral Trade Agreement.

Sl. No.	Invoice No. and date	Date of Exports	Description of goods exported	Bill of Lading Postal receipts and/or Airway bill no. & date	Freight Charges paid	Insurance charges paid	F. O. B. value of goods	*Date of Deposit of currency, bank draft or cheque as the case may be in the Bank	Amount received in India (In Rs.)	Date of realisation of payment	GRI/PP from No. and date
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12

1.

2.

3.

4.

Reference No.

Date :

Place :

Signature of the Manager,

Authorised Officer of the Bank,

Official Stamp

Notes :— The Bank Certificate should bear the Official stamp of the Bank.

*This applies only in the case of personal cheque, drawn by the foreign tourists on Foreign Bank.

ANNEXURE V

BANK CERTIFICATE FOR GOODS SOLD TO FOREIGN TOURISTS IN INDIA OTHER THAN CARPETS

This is to certify that the payment against the following bills made by M/S..... to the foreign tourists have been received by us as per Exchange Control Regulations in the approved manner. We also certify that the payment thereof has not been received in Non-convertible Rupee Account under any Bilateral agreement.

Sl. No.	Sale Voucher/ Cash Memo No. & Date	Description of Goods Sold to Foreign Tourists	FOB Value of Goods	Date of Deposit of Foreign Currency/Traveller Cheque/Credit Card/ Bank Draft/or Cheque, as the Case may be, in the Bank	Rupee Equivalent of the Foreign Exchange Realised	Date *of Realisation/ payment
1	2	3	4	5	6	7

Ref. No.

Date

Place

Signature of the Manager,

Authorised Officer of the Bank

Official Seal

*This applies only in case of personal cheques drawn by foreign tourists on foreign bank(s).

APPENDIX XIV—E

ANNEXURE I

VOUCHER OF SALE TO FOREIGN TOURISTS

S. No.

(i) Name and nationality of the tourist to whom the sale is made

(v) Details of the foreign currency and foreign traveller's cheques given by the tourist

(ii) Passport Number of the tourist

*Signature of
the Tourists**Signature of
Dealer**Registration
Number*

(iii) Description of the items sold (specifying materials of which they are made)

Note :—Please read condition on the reverse.

(iv) Sale value in foreign exchange and the rupee equivalent

- (1) Copy to be delivered to the foreign tourist (White)
- (2) Copy to be sent, alongwith Import licence application (Yellow)
- (3) Copy to be retained by the dealer (Pink)

ANNEXURE II

VOUCHER OF SALE OF GEM & JEWELLERY
TO FOREIGN TOURISTS

S. N. Signature of the Tourist

(i) Name and nationality of tourist to whom the sale is made

Signature of Exporter
Registered Number

(ii) Passport No. of the tourist

Signature and Seal of the Customs

(iii) Description of the item(s)

Notes :—Please read condition on the reverse.

(iv) Sale value in foreign exchanges and the rupees equivalent

- (1) Copy to be stitched on the passport (White)
- (2) Copy to be delivered to the foreign tourist (Green)
- (3) Copy to be sent along with Import licence application (Yellow)
- (4) Copy to be retained by the Exporter (Pink)

(v) Details of the foreign currency and foreign currency travellers Cheques given by the Tourist

Note : Articles purchased under this voucher are totally prohibited from being sold, gifted or otherwise disposed of within the territory of India to any person.

ANNEXURE XIV—F

**FORMS OF CERTIFICATES TO BE SUBMITTED WITH
APPLICATION IN RESPECT OF SUPPLIES MADE IN
INDIA AGAINST IBRD/IDA/BILATERAL/MULTILA-
TERAL AIDED PROJECTS AND U.N. ORGANISA-
TIONS ETC. AGAINST PAYMENT MADE IN FREE
FOREIGN EXCHANGE AND TO ONGC/GAIL/OIL
INDIA LTD.**

FORM I-A

Certificate of payment to be issued by the project authority for supplies made to projects financed by IBRD/IDA/Bilateral/Multilateral agencies.

Certified that the goods of quantity and value as described below and invoice No. dated have been supplied to us on (Indicate the date of supply) against purchase order No. dated and we have paid to the suppliers namely, M/s. the sum of Rs. (in words) on the (Indicate the date of payment) being per cent of the value of the equipment supplied as per terms of the contract. It is further certified that the supplies have been made in terms of the contract secured against international competitive bidding in the project being undertaken by us and which is fully financed by the assistance from IBRD/IDA/Bilateral/Multilateral aid and the supplies have been accepted by us at site at the price stated in the invoice.

Signature.....
Name.....

Station Designation
Date Name of the project

Description, quantity and value of goods supplied

Signature.....
Name.....

Station Designation
Date Name of the project

Note: This certificate should be signed by the chief Executive Incharge of the Project.

FORM I-B

*Certificate of payment to be issued by ONGC/GAIL/
Oil India Limited.*

Certified that the goods/equipment of quality and value as described below and in invoice No. dated have been supplied to us by (name of supplier) on (Indicate the date of supply) against Purchase Order No. dated and we have paid to the suppliers the sum of Rs. (in words) on (Indicate the date of payment) being per cent of the value of the goods/equipment supplied as per terms of the contract. It is further certified that the supplies have been made in terms of the contract dated entered into with the suppliers and the supplies have been accepted by us at the price stated in the invoice.

Signature.....
Name.....

Station Designation
Date Seal

Description, quantity and value of the goods supplied :

Signature.....
Name.....

Station Designation
Date Name of the project

Note:—This certificate may be issued by the Chief Executive of the Project concerned or by a Senior officer nominated by him whose name, designation and specimen signature are circulated to the Port Licensing authorities concerned. The

responsibility for sending timely advice of changes in the names of officials will solely rest with the Project authorities concerned. For any payment of cash assistance or replenishment licences granted against certificates incorrectly or otherwise issued by such an officer, the project authorities will be held fully and solely responsible.

FORM II

Undertaking to be given by the applicant

We, M/s. undertake in respect of our application dated against (description of goods) supplied to (name of buyer), that :—

- (1) that at any future date we are required to refund any amount to the buyer, namely, on account of non-satisfactory performance of the equipment during the guarantee period or on account of replacement of defective parts as per contractual agreement we shall send an intimation to the licensing authority giving full particulars within one month of the date of such refund.
- (2) We shall refund to the licensing authority proportionate amount in respect of the amount refunded to the Project authority by us.

Signature

Date (Name in block letters)

Station Designation

FORM III**DECLARATION**

(a) We hereby declare that :—

- (a) particulars stated in the application dated are correct;
- (b) the goods as mentioned in application have been supplied to in terms of the contracts secured by us;
- (c) the payments against these supplies have been received in free foreign exchange; and
- (d) supplies have been made at international price.

Signature.....

Name

Station (in Block letters)

Date

Designation

Name of applicant firm

(b) We hereby certify that :—

- (a) Particulars stated in the application dated are correct;
- (b) the goods as mentioned in application have been supplied to in terms of the contract dated secured by us;
- (c) The payment against these supplies has been received; and

APPENDIX XIV-F *concl.*

- (d) Supplies have been made in terms of the contract awarded to us by the ONGC/GAIL/Oil India Ltd. vide their letter No. dated

Signature

Name

(In Block Letters)

Designation

Station..... Name of the

Date Applicant firm

FORM IV-A

Certificate to be issued by UN Organisation or multinational agencies concerned.

Certified that goods of the description, quantity and value as given below and in the application dated.....have been supplied to us by M/s. for use in our aid programmes in India and we have paid the supplier in full, in free foreign exchange. We further certify that these supplies will not be used for our own purposes but will be used only for the aid programmes in India undertaken by us. We are satisfied that the supplies have been made at international prices. The goods were supplied on (date of supply) and the payment was made on (date of payment).

Signature

Name

Designation

Description, quantity and value of goods supplied.

Signature

Station Name

Date Designation

FORM IV-B

Certificate to be issued by buyer agency against supplies procured in India under international competitive bidding and paid for in free foreign exchange

Certified that goods of the description, quantity and value as given below and as given in the application dated.....

have been supplied to us by M/s. against international competitive bidding and we have paid the supplier, in full, in free foreign exchange. The goods were supplied on (date of supply) and the payment was made on (date of payment).

Signature

Station Name

Date Designation

Description, quantity and value of goods supplied.

Signature

Station Name

Date Designation

FORM V

Certificate for payment to be issued by Bankers in respect of supplies made to U. N. Organisation etc.

Certified that the goods of quantity and value as described below have been supplied to (name of the U. N. Organisation etc.)

..... and the supplier viz.

..... have been paid a sum of Rs.

..... (in words) in full

against the aforesaid supplies. It is further certified that

the payment has been made by (name

of the U. N. Organisation etc.) in free foreign exchange i.e.

(indicate the foreign currency amounts and the, O. D. Buying rate adopted for conversion of foreign currency into rupees.)

Seal of the Bank Signature

Station Name

Date Designation

Description, quantity and value of goods supplied.

Signature

Name

Station Designation

Date Seal of the Bank

APPENDIX XIV—G

NAME AND ADDRESS OF THE FIRM

Statement showing particulars of tourists sales effected during the period against which import licence is being claimed

No	Products sold to tourists (Indicate product Group and the S. No. to which the product sold belongs)	No. and date of sale voucher/ cash memo/order	Description of products sold	F. O. B. value in rupees of the items sold for which replenishment is claimed	Rupees equivalent of the foreign exchanges realised in respect of the items on which replenishment is claimed here (figure from B/C)	F. O. B. value on which entitlement is being claimed (This should be lesser of the two values shown in Columns 5 & 6)	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8
1.							
2.							
3.							
4.							

N.B.—1, Value in column 7 should be totalled.

2. This statement of particulars should be signed by the applicant signing the application form.

APPENDIX XIV-H

THE STATEMENT OF EXPORTS UNDER EQUITY PARTICIPATION

To... (Name and address of the licensing authority).....
 (Name and address of the exporter hereby declare that we have made exports under equity
 participation during.... (Licensing period as per particulars given
 as under :-

Invoice No. and date	Description of Goods	Bill of lading/PP receipt /Airway Bill No. and date	Destination of Goods	Bill amount c. i. f./c & f/ f. o. b.	Freight amount	Insurance amount	F. O. B. Equivalent	G.R.I.)P.P form No. and date
1	2	3	4	5	6	7	8	9
4.								

I/We hereby declare that the above statements and financial information are true and correct to the best of my/our knowledge and belief and nothing has been concealed; that all the register(s)* and records prescribed have been maintained and that the financial information has been drawn up from and is in agreement with the register(s) and records so maintained.

I further certify that I am authorised to verify and sign this statement

I/we fully understand that any information furnished in the above statement, if proved incorrect to false, will render me/us liable for any penal or other consequences as may be prescribed in law or otherwise warranted.

Signature _____

Name of the
Exporter _____

Full official address _____

Full residential address _____

Place _____

Date _____

*If any of the documents/registers have not been maintained, these may be specified below :—

- (1)
- (2)
- (3)
- (4)

CERTIFICATE OF CHARTERED ACCOUNTANT/COST ACCOUNTANT/COMPANY SECRETARY

I/We hereby confirm that I/We have examined the prescribed Registers and also the relevant records of M/s.
 for the period from to
 for the period/year ended and hereby certify
 that

- (i) M/s ... have effected the exports covered by the statement above under equity participation during the financial year(s)
- (ii) The following documents and records have been furnished by the applicant and have been examined and verified by me/us namely:—
 Export Order/Contract, Shipping Bills, delivery vouchers, Bills of Lading (and/or Airway Bills/P.P. Receipts, Customs/Bank attested invoices, Bank certificates, evidence of payments received in foreign exchange in their own name and connected book of account.**
- (iii) the relevant register has been authenticated under my/our seal/signature;
- (iv) the financial information given in the above statement is in agreement with the relevant register and records, the same has been incorporated in the books of accounts maintained by the exporter; and is also true and correct.

APPENDIX XIV-H *concl.*

- (v) It has been ensured that the information furnished is true and correct in all respects, no part of it is false or misleading and no relevant information has been concealed or withheld.
- (vi) neither I, nor any of my partners is a partner, director, or an employee of the above-named entity or its associated concerns;
- (vii) I/We fully understand that any statement made in this certificate if proved incorrect or false, will render me / us liable for any penal or other consequences as may be prescribed in law or otherwise warranted.

(Signature and Stamp/Seal of the Signatory)

(Chartered Accountant/Cost Accountant/Company Secretary)

Name of the signatory

Full Address

Membership No.

Date :

**If any of the documents or records mentioned in item (i) of the certificate have not been maintained/furnished, examined or verified that may be specified below.

- 1.
- 2.
- 3
- 4

APPENDIX XIV-J

Particulars of exports as certified by chartered Accountant in respect of goods exported by M/S—

—for the purpose of claiming REP licence in terms of para 329 of the Hand

Book of Import-Export Procedures for 1985-88.

Invoice No. and date	No. & date of shipping bill duly authenticated by Customs.	Bill of lading/ postal receipt and/ or Airways Bill No. and date/Mate's receipt No. & date	Description of goods exported	Classification of the product exported as per Appendix 17 of Import Policy	FOB value minus commission paid or payable as certified by the bank as per Bank's Certificate No. & date.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)

CERTIFICATE OF CHARTERED ACCOUNTANT/COST ACCOUNTANT/COMPANY SECRETARY

I/We hereby confirm that I/We have examined the prescribed registers and also the relevant records of M/s.....
for the period from.....
tofor
 the period/year endedand hereby certify
 that :

(i) M/shave exported during each of
 (full address of the applicant)

the three financial years specified in the statement (s) in the application, select products, indicated in Appendix 16 of the Import-Export Policy, 1985-88. These exports are direct exports, effected by the firm/company in their own name only and no exports on account of or on behalf of or third party exports have been included in the above statements. The exports, if any, effected by the firm/company as associate of STC/MMTC/other Government notified canalising agency are direct exports of the firm/company as verified from the documents and a disclaimer given by the STC/MMTC/other Government notified canalising agency.

(ii) The following documents and records have been furnished by the applicant and have been examined and verified by me/us namely:—

Export Order/Contract, shipping bills, delivery vouchers, Bills of Lading (and/or Airway Bills/PP Receipts), Customs/ Bank attested Invoices, Bank Certificates, evidence of payments received in foreign exchange in their own name and connected books of accounts,**

(iii) the relevant register has been authenticated under my/our seal/signatures;

(iv) the financial information given in the above statement is in agreement with the relevant registers and records; the same has been incorporated in the books of accounts maintained by the exporter; and is also true and correct;

(v) it has been ensured that the information furnished is true and correct in all respects; no part of it is false or misleading and no relevant information has been concealed or withheld;

(vi) neither I, nor any of my partners is a partner, director, or an employee of the above-named entity or its associated concerns;

(vii) I/We fully understand that any statement made in this certificate if proved incorrect or false, will render me/us liable for a civil and penal or other consequences as may be prescribed in law or otherwise warranted.

(Signature and Stamp /Seal of the Signatory)

(Chartered Accountant/Cost Accountant/Company Secretary)

Name of the signatory

Full address

Membership No.

Place:

Date :

**If any of the documents or records mentioned in item (i) of the certificate have not been maintained/furnished, examined or verified they may please be specified below:

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.

APPENDIX XIV—J

FORM B

FORM OF APPLICATION FOR IMPORT OF GOODS
AGAINST EXPORTS MADE BY REGISTERED
EXPORTERS

PART I

1. Name and address of the applicant.
 2. Nature of the concern, whether Public or Private Company or Partnership or Hindu Undivided Family.
 3. Names of Directors, Partners, Proprietors or Karta as the case may be.
 4. (i) Are you a registered manufacturer exporter, merchant exporter or Export/Trading House.*
(ii) Number and date of valid registration certificate and a photostat/certified copy thereof.
(iii) If Export House/Trading House, indicate number and date of Export House/Trading House Certificate upto which it is valid and attach a photostat/certified copy thereof.
 5. Details of Exports :
(a) Description
(b) Serial No./Sub-Serial No. of Appendix 17 of Import Policy.
(c) Export period.
- *Indicate whichever is applicable.
- (d) (i) FOB Value.
(ii) Amount of commission or discount paid or payable to foreign agent on exports covered by this application.
(iii) Net fob value (i) minus (ii)
 6. Option preferred Monthly/Quarterly/Half Yearly/Yearly.
 7. Particulars of advance/Special Imprest and Imprest licence if any obtained against exports covered by this application.
 8. Whether any application has been made against exports covered by the same product group by the applicant; if so, give details
 9. CIF value of the licence applied for.
 10. Bank Receipt/Demand Draft Number and date (Bank Receipt/Demand Draft to be attached in original) towards payment of application fee

Signature

Name in Block Letters.....

Designation

Full Official Address

Full Residential Address

Place

Date.....

UNDERTAKING/DECLARATIONS

I/We hereby solemnly undertake/declare :

- (i) That no other application for import licence has been made or will be made in future against exports covered by this application except advance licence(s) mentioned against Col. 7.
- (ii) The consignment(s)/parcel(s) have not been returned, if at any time the exported goods are returned by the consignee, or if the sale proceeds

in respect of the goods are not realised through an authorised channel within six months from the date of exports or such extended period as the Reserve Bank of India may permit, necessary intimation shall be sent to the licensing authority, within one month thereof, and the value of import licences issued against this application shall be liable to be set off against future import licences due to me/us without prejudice to any other action that may be taken in this behalf. If any amount is paid to the foreign buyer at any time on account of any penalty or damage pertaining to the exports covered by this application, the intimation thereof shall be sent to the licensing authority within one month thereof.

- (iii) If, as a result of a scrutiny by the licensing authority, any excess licensing is found to have been done to me/us against this application the same shall be liable for being adjusted against future licence due to me/us under any category without prejudice to any other action that may be taken in this behalf.
- (iv) I/We hereby declare that the particulars and statements made in this application are true to the best of my/our knowledge and nothing has been concealed or held therefrom.
- (v) I/We hereby undertake that any licence granted on the basis of this application shall be liable to cancellation or being made ineffective without prejudice to any other action that may be taken in this behalf, if any information furnished in this application is found to be wrong or incorrect or misleading.
- (vi) I/We hereby declare that the prices charged for books/journals/periodicals exported were not less than the listed foreign prices minus a discount of not more than 40%. In case no foreign price was listed, the books/journals/periodicals were exported at a price not less than the listed Indian prices converted into foreign currency at the official exchange rate minus the usual trade discount not exceeding 40%.
- (vii) I/We declare that the figures on the basis of which this application for replenishment licence is made do not include exports of books/journals/periodicals intended for internal use only and prohibited from being exported.
- (viii) I/We declare that the exports have been made at a price not less than the minimum floor price fixed by the registering authority.
- (ix) I/We have not under invoiced or over invoiced our exports.
- (x) I, further certify that I am authorised to verify and sign this statement on behalf of the applicant.
- (xi) I/We fully understand that any information furnished in the above statement, if proved incorrect or false, will render me/us liable for any penal or other consequences as may be prescribed in law or otherwise warranted.

Signature

Name in Block Letters.....

Designation

Full Official Address

Residential Address.....

Place

Date.....

List of enclosures

APPENDIX XIV-J *concl'd*

PART II

Particulars of Exports as certified by the Exporters Bank(s) against which Import Licence is applied (the columns in the statement should be filled in Bank Certificate Wbe)

Name & address of the Banks (which issued the Bank Certificate)	No. & date of Bank Certificate (Enclose original Bank Certificate)	Invoice No. as given in Bank Certificate	No. & Date of E. P. Copy of the Shipping bill duly authenticated by the Customs	Description of product exported (indicate Sl. No. and Page No. of Import Policy)	If the export has been made on c.i.f. or C&F basis indicate		Foreign agents, commission paid or payable	F.O.B. value of exports minus commission paid or payable	Rate & amount of Import replenishment due	
					Freight charges paid	Insurance charges paid			Rate	Amount
					Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11

I/We hereby declare that the information given in this statement is correct. I/We undertake that the value of the Import licence granted on the basis of this statement shall be liable to be set off against future imports licences due to me/us or to my/our nominee without prejudice to any other action that may be taken in this behalf, in case any part of the information contained in this statement is found to be incorrect, false or misleading.

Signature of Applicant.....

Name in Block Letters.....

Designation

Full Official Address.....

Full Residential Address

PART III

FORM OF INCOME TAX DECLARATION

(Form for income-tax-declaration has been given in Appendix II-O.)

APPENDIX XIV-K

CONSOLIDATION OF AIR CARGOES FOR EXPORT

There are cargo Agents approved by the International Airports Transport Association (IATA) and recognised as such by leading Airlines. Each approved IATA Agent has got a separate IATA Code Number. Such agent consolidates air cargoes for individual exporters. Under this arrangement individual exporters sending goods abroad by air have an advantage in air-freight to be paid by them.

2. An exporter who avails of this facility will continue to be required to have the relevant shipping bill duly passed and authenticated by the customs authorities. The cargoes pertaining to such individual shipping bills will be collected by the consolidator who is an approved IATA Agent. The consolidator will prepare one Master Airway Bill (M.A.B.). The description of exported goods as mentioned in the Master Airway Bill will be 'Consolidation cargo as per list attached. The list referred to in the Master Airway Bill will contain in respect of each consignment the name of the exporter, the description of goods and their quantity and weight, shipping bill number and House Airway Bill Number. The House Airway Bill (H.A.B.) will be issued by the consolidator to each of the exporters from whom the cargo has been collected pertaining to the respective consignments. The House Airway Bill will contain all the particulars of the consignment of the individual exporter concerned which are given in normal Airway Bill. The goods, in question, will be exported by air on the basis of the Master Airway Bill. In respect to such exports the bank and the licensing authorities in cases where an Airway Bill is required to be produced for claiming import replenishment, will accept the House Airway Bill, if otherwise in order, provided it is certified by the Airlines concerned indicating the number and the date of the Master Airway Bill of

which it is a part. The certificate should be as under :—

"The goods covered by this House Airway.

Bill have been exported *vide* Master Airway.

Bill No. dated"

The individual exporters will produce their respective House Airway Bills to the banks for issue of bank certificate and also to the licensing authorities, wherever necessary, for claiming benefits under the import policy for Registered exporters.

3. The date of export in such cases will be taken as the date of the Master Airway Bill as mentioned by the Airlines concerned in the relevant House Airway Bill. For the purpose of calculating the FOB value of exports, for import replenishment purposes, the amount of air freight paid by the exporter to the Consolidator (IATA agent) will be taken into account. For the purpose of verification, the IATA agents will furnish to the licensing authorities, through the Air cargo Agents Association of India, the copies of their published schedule of airfreight rates to be charged from exporters in respect of different commodities and destinations.

4. In respect of cargoes moving in consolidation as indicated in para 2 above, the exporter should have the necessary clause to this effect incorporated in the letter of credit at the time of conclusion of export contract in order to ensure realisation of export proceeds against such export.

5. The exporters in such cases will be required to furnish all the other documents as described under the import policy for Registered Exporters.

APPENDIX XIV-L

APPLICATION FOR GRANT OF EXPORT PERFORMANCE CERTIFICATE (N.D.P. 1) POLICY

1. Name and address of the applicant unit
2. Address of the factory of the applicant
3. Number and date of Industrial Licence or Registration Certificate issued by the sponsoring authority or SSI Registration Certificate issued by State Director of Industries.
4. Number and date of E.P. Registration Certificate, if any, issued to the applicant as Manufacturer-Exporter, by the Export Promotion Council or other E.P. Registering Authority concerned
5. End-product(s) manufactured
6. Serial number of the end-product manufactured, in the list of "Select" products in Appendix 16
7. Licensed Capacity of the Unit
8. Gross value of output (including all direct and indirect costs of production, including depreciation, interest, duties and taxes leviable, profits and overhead etc.), in respect of Select products manufactured during the preceding three financial years.
9. Total f.o.b. value of exports of Select products mentioned at S. No. 5 above, manufactured by the applicant unit and exported during the preceding three financial years.
10. Percentage of f.o.b. value of exports against S.No 9 above, to the gross value of output at S. No. 8 above on each of these three years.

I/We hereby declare that the above statements and financial information are true and correct to the best of my/our knowledge and belief and nothing has been concealed;

that all the *registers and records prescribed have been maintained and that the financial statements are drawn up from and is in agreement with register(s) and records so maintained.

I/We hereby declare that :—

- (1) the goods which were exported in my/our own name only were actually manufactured by me/us and we are in possession of satisfactory documentary evidence in respect of this which I/we undertake to produce to the Controller of Imports & Exports, New Delhi and/or to the licensing authority concerned immediately on demand and we shall be liable to any action that may be taken against me/us in this behalf.
- (2) I further certify that I am authorised to verify and sign this statement on behalf of the applicant.
- (3) I/We fully understand that any information furnished in the above statement, if proved to be false, will render me/us liable for any penal or other consequences as may be prescribed in law or otherwise.

Signature.....

Name of the Exporter

Full official address

Full residential address

Place :

Date :

*If any of the records registers have not been maintained, these may be specified below

1.

2.

3.

4.

APPENDIX XIV-I *concl.*

CERTIFICATE OF CHARTERED ACCOUNTANT/COST ACCOUNTANT/COMPANY SECRETARY

I/We hereby confirm that I we have examined the prescribed Registers and also the relevant records of M/s. for the period from to /for the period/year ending hereby certify that:

- (i) M/s.
(full address)

have manufactured and exported the select products specified in Appendix 16 to the Import & Export Policy, for the preceding three years as per particulars given for grant of Export Performance Certificate. It is also certified that these are direct exports effected by the above firm/company in their own name and do not include exports effected on account of or on behalf of or third party exports or export through any public sector agency (Central or State) or the canalising agency where no disclaimer has been given.

- (ii) The following documents and records have been furnished by the applicant and has been examined and verified by me/us namely:—

Export order/Contract, shipping bills, delivery vouchers, Bills of lading (and /or Airway Bills/PP Receipts), Customs/ Bank attested Invoices, Bank Certificates, evidence of payments received in foreign exchange in their own name and Books of accounts relating to gross value of output produced including connected documents showing the direct and indirect cost of production, statement of accounts or evidence showing the profits overheads, depreciation, interest, duties and taxes paid or leviable *

- (iii) The relevant registers have been authenticated under my/our seal/signatures;

- (iv) The financial information given in the above statement is in agreement with the relevant register and records; the same has been incorporated in the books of accounts maintained by the exporter; and is also true and correct;

- (v) it has been ensured that the information furnished is true and correct in all respects; no part of it is false or misleading and no relevant information has been concealed or withheld;

- (vi) neither I, nor any of my partners is a partner, director, or an employee of the above-named entity or its associated concerns;

- (vii) I/we may understand that any statement made in this certificate if proved incorrect or false, will render me/us liable for any penal or other consequence as may be prescribed in law or other wise warranted.

(Signature and Stamp/Seal of the Signatory)

Chartered Accountant/Cost Accountant/ Company Secretary)

Name of the signatory ..

Full Address ..

Membership No. ..

Date :

*If any of the documents or records mentioned in item (ii) of the certificate have not been maintained/furnished examined or verified, they may please be specified below.

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.

Note 1—(1) All the pages of the statement should be got certified and stamped by a Chartered Accountant/Cost Accountant/Company Secretary who is not a partner, a Director or an employee of the concerned exporting unit or its associate.

- (2) The following exports will be taken into account for this purpose :—

(i) All exports in respect of "Select" export products mentioned in Appendix 16 of Import and Export policy (vol. I)

(ii) Supplies of indigenous material (select products) to holders of valid import licences under para 221 (3) of the Import & Export Policy.

(iii) Supplies of select products made in India and treated as "deemed" exports.

(iv) Exports to Nepal, Afghanistan and Bhutan in free foreign exchange.

APPENDIX XIV-M

PACKAGE OF SERVICES RENDERED BY TRADE
DEVELOPMENT AUTHORITY

One of the major objectives of TDA has been to develop the export capabilities of small and medium scale units by providing them a package of services in the fields of export production and marketing. The central theme of the package servicing plan is to provide all services under one roof to its registered clients thereby eliminating procedural delays and ensuring timely supply of all inputs. The various inputs/services provided by TDA are set out below:—

Import of (a) samples, drawings, technical literature and specification and (b) initial small lots of raw materials, components, consumables, tooling and test equipment for product development.

TDA has been granted by the Government of India a free foreign exchange allocation for product development by its clientele. It will meet the request of its clientele in this regard provided it is satisfied that the latter is seriously interested in undertaking product development for export on a sustained basis. For this purpose, clients desiring to avail of this facility should submit their applications direct to the Chief Merchandising Division, on the form prescribed for actual users together with the necessary treasury challan. Applicants should also furnish details of the product being developed for export and the market to which it is bound. After scrutiny, these applications will be forwarded by TDA for straight issue of licences by a designated officer of CCI&E.

Duty Free Import of Samples

The Ministry of Finance, as per Notification No. 186/76 and 187/76, have exempted from payment of customs duty prototypes of engineering goods, when imported into India as samples for executing or for use in connection with securing export orders when certified by the TDA to the effect that the samples are required for executing or for use in connection with securing export orders. The facility of imports is limited to samples upto Rs. 1,000/- only. In case of samples exceeding Rs. 1,000/- an undertaking has to be given to the Assistant Collector of Customs that the samples will be re-exported out of India within a period of six months of imports or such extended period as may be allowed by him.

In addition to the above TDA has also been authorised by the Government to recommend applications for import of technical samples allowed under Para 217 of Import Policy, 1985-88 against REP licences. Clients availing of this facility may route their applications for import of technical samples through TDA.

Advance and imprest licences under the REP for regular export production

The policies and procedures for the above category of licences would be basically the same as prescribed in the Handbook of Import-Export Procedures, 198-88. However, in order to eliminate delays applications from clients should be submitted to the Chief Merchandising Division of TDA together with the prescribed documents. TDA has arranged with the Chief Controller of Imports and Exports a simplified procedure by which such licences would be issued speedily in accordance with the approved plans and programme of TDA.

Import of capital equipment and new tooling for balancing/modernisation/creation of capacity.

Import application under the prescribed procedures for import of capital goods for export oriented units from the clients of TDA, should be submitted direct to the Chief, Merchandising Division of TDA. If such imports are in accordance with the approved plans and programme of TDA, it

will arrange for the requisite clearances from the appropriate Government authorities in regard to essentially indigenous angle and approval by the Capital Goods Licensing Committee.

Issue of Industrial Licence and Approval of Foreign Exchange.

The Trade Development Authority, sponsors application from its clients for issue of industrial licence and approval of foreign collaboration in the case of export oriented units. Applications on the prescribed forms have to be made direct to TDA, who would follow up the cases with the concerned Government Departments and obtain necessary approval.

Indigenous inputs into Export Production

The Ministry of Steel & Heavy Engineering has recognised TDA as the sponsoring authority for the requirements of foundry grade pig iron rolled mild steel of its clients for allocation on priority supply by the steel plants. Clients of TDA requiring advance supplies of these indigenous raw materials should submit their application direct to the Chief Merchandising Division of TDA accompanied by the following documents:—

- (a) Evidence of export contracts, and
- (b) Detailed end use of raw materials and their technical justification.

After scrutiny, these applications will be forwarded by TDA to the Iron and Steel controllers for planning supplies on the concerned steel plants.

Clients should also furnish to TDA the following:

- (i) At the time of application, an undertaking in writing that they will not approach the Engineering Export Promotion Council or other authorities for advance quotas covering the same export contracts;
- (ii) At the time of application, an undertaking in writing to TDA that they will not claim any reimbursement of quota in respect of advance quotas secured through TDA from any source, and
- (iii) Monthly returns indicating the receipt and consumption of pig iron/steel secured through TDA and relevant exports.

Hire Purchase Facility

The National Small Industries Corporation will accord priority to applications sponsored by TDA for hire purchase of machinery both indigenous as well as imported for expansion of export-oriented existing units as well as for setting up a new unit. Applications on the prescribed proforma may be made to the Director of Industries with recommendation from TDA. These applicants will receive priority in the NSIC.

Marketing Contracts

TDA has developed a number of marketing contracts with important buyers in USA, Canada, Western Europe, Japan, Australia and New Zealand for selected products. Enquiries generated by our foreign offices are circulated to TDA clients. Over and above, it arranges to bring to India a number of buyers missions from abroad and put them in touch with the clients of TDA. It also assists clients in providing contracts who visit foreign countries. Thus providing of buyers contracts is one of the important activities of TDA.

APPENDIX XIV-M *contd.**Release of Foreign Exchange*

Applications for release of foreign exchange for export promotion travels and publicity abroad should be submitted by its clients direct to TDA on the form prescribed by the Reserve Bank of India. TDA will arrange with the Reserve Bank of India for the release of the necessary foreign exchange if the applications fit in with TDA's approved programme.

Drawback of duties

For the product range chosen by TDA, it will assist its clientele in speedy fixation of drawback rates wherever these have not already been determined. For the purpose, the clients of TDA are advised to approach TDA with the requisite proforma, information prescribed by the Department of Revenue, Ministry of Finance, Government of India, New Delhi.

Organisation of Buyers-Seller Meets and Participation in Trade Fairs & Exhibitions

TDA organises Buyers-Seller Meets in different parts of the world, it has already organised 7 such meets in UK and United States, which have been highly successful from the point of view of business contracts. It also organises participation in specialised commodity trade fairs abroad in which clients of TDA are advised to approach TDA, with the requi-

Trade delegations Study teams

TDA sponsors trade delegations and study teams consisting of the representatives of its clients. The main objective of these delegations and study teams are to establish business contracts with the foreign buyers and conclude export contracts with them.

Credit Reports on Buyers

TDA also help its clients in procuring Dun & Bradstreet (D&B) reports on foreign buyers. In order to establish the credit worthiness of the foreign buyer, it is necessary to get a report on their financial standing, TDA has special arrangements with D&B for listing to India clients with them as well as for procuring credit reports on the foreign buyers.

Information Services

The Trade Information Centre of TDA disseminates information on export marketing to the Indian exporting community and others interested through a variety of ways comprising across-the-desk service, responding to postal enquiries, production of periodicals, information handouts and circulars.

The information supplied by the Centre relates to :—

- imports contacts for specific commodity in specific country, including agents, distributors.
- import regulations of overseas countries;
- import tariffs of overseas countries;
- information on Generalised System of preferences (GSP) in respect of countries offering preferences;
- import statistics on overseas countries;
- overseas/Indian trade fairs and exhibitions;
- details of publicity media in overseas countries;
- details of Indian industrial policy including industrial licensing, foreign collaboration and joint ventures abroad;
- capacity and production data industrywise for India (organised sector);

- names and addresses of Indian manufacturer-exporters, export houses;
- Indian export and import policies and procedure including export incentives;
- export documentation;
- foreign exchange regulations pertaining to travel abroad and import of prototype samples;
- health and hygienic regulations;
- marketing and labeling regulations;
- marketing channels;
- details of export finance policies;
- India's export/import statistics;
- floor prices;
- India's export/import tariff;
- export prospects of different products;
- shipping intelligence;
- addresses of Chambers of Commerce, Trade associations abroad;
- India's commercial representatives in overseas countries and foreign countries, representatives in India; and
- general economic information on overseas countries such as, population, GNP per-capita income, electricity, public holidays, business hours, buying seasons, hotels, bank etc.

Publication

Besides supply of information across-the-desk and by post, the Trade Information Centre brings out publications reports etc. to disseminate information on different aspects of export marketing at macro and micro levels.

These publications include :

- Weekly Trade Intelligence Bulletin.
- Report on Market Surveys, Contact Promotion Programmes, Buyers Seller Meets, Participation in Trade Fairs & Exhibitions etc.
- Country Notes.
- Product Notes.
- Guides to selected products in India (Catalogues).
- Directory-cum-Diary.

The Trade Information & Statistics Division also brings out regularly Documentation series such as articles of current interest (monthly) documentation on International marketing.

Contacts with Foreign export Promotion Organisation

The Centre has made arrangements with 27 overseas organisations for regularly publishing every month in their bulletins, 217 export offers of TDA clients. This has proved an effective media of publicity in the overseas markets.

APPENDIX XIV-M *Concl.**Display of Foreign Products Catalogues/Seminar*

TDA has been organising displays of Foreign Product catalogues as a part of its products adaptation and product development programme. These displays are being combined with talks on export marketing of specific products and displays of foreign samples imported by TDA specifically for product adaptation. Besides the above activities, Trade Information and Statistics Division also organises Seminar on Trade Information Services, once a year in major cities of the country.

Consultancy Services

In its efforts to diversify and promote the exports of non-traditional products, the Research Analysis Division of TDA

provides various types of Consultancy Services including preparation of Feasibility Studies for individual units, State Governments and Government Organisations. It has already carried out Feasibility Studies for setting up export processing Zones/export oriented industrial complexes for some of the State Governments. These Studies, inter-alia, identify items having export potential from specific regions of the country in view of the resource endowment and other infrastructural facilities existing in the regions.

Trade Information and Statistics Division has developed expertise in operating a Trade Information Centre and is in a position to provide consultancy services to the various Organisations inside the country and abroad for setting up their independent information centres to meet their requirement of Trade Information.

Head Office	Regional Offices	
Trade Development authority, Bank of Baroda Building, 16-Parliament Street, New Delhi-110001.	Air India Bldg., 8th Floor, Nariman Point, Bombay-400021	"Shantiniketan" Flat No. 9, IVth Floor, 8 Camac Street, Calcutta-700017
Tel 310214, 310181, 310218 Grams : ADEPT New Delhi Telex : 031-2736 ADEPT	Tel 2023685 Grams : ADEPT BOM Telex : 011-4506 ADEPT "Laxmi I/A, Ulsoor Road, Bangalore-560042 Tel: 579510, 579593 Gram : ADEPT Telex : 0845-8006	Tel 435823 Gram : ADEPTCAL Telex : 021-7330 ADEPTIN c/o U.P. Export Corporation Ltd., B-27, Sarvodaya Nagar, Kanpur. Telex - 0325-372 Cable-UP EXPORT, Kanpur.

FOREIGN OFFICES

TRADE DEVELOPMENT AUTHORITY OF INDIA

Frankfurt Office	Stockholm Office,	Tokyo Office
Wilhelm-Leuschner-Str., 93 6000 Frankfurt/Main 1 West Germany, Cable : ADEPT Telex : 413004 ADEPT Telex : 2710430, 2710433, 2710444	Kungsten 65, S-11122, Stockholm Sweden Tel : 108575 Telex : 17368 Cable : SQUIRES-S.	Atagoyama Bengoshi Bldg Room No. 302-303, 6-7 Atago Cho, 1-Chone, Minato-Ku, Tokyo -Japan, Tel : (03) 435-5060 Cable : ADEPT, TYP, TOKYO, TELEX : J-25839.
New York Office, 445, Port Avenue, New York NY-10022, USA, Tel (212) 753-6655-56 Cable NY ADEPT NEW YORK Telex : 236996 ADEPT, UP		Monrovi Office, 204, Pan African Plaza, Tubman Boulevard, (Boulevard) POB-2013 Monrovia-Liberia, (WEST AFRICA), Tel : 261326, 262070 Telex : 4349 LI Cable : ADEPTM

APPENDIX XIV—N

FORM OF INDIGENOUS MATERIALS RELEASE ADVICE

Name of the Indigenous Producer.....
Office of Issue.....

Government of India
Ministry of Commerce

Office of the.....

No.....

Date.....

To

Ms.....

(Name and address of the applicant)

Subject : Supply of
by indigenous producer namely

M/s.....

(Name and Address)

against Import Licence No.....
dated issued in favour
of M/s.....

(Name and address)

in terms of provision in para 117
of Import and Export Policy, 1982-83

Gentlemen

With reference to your application/letter dated.....
on the above subject I write to say that you may approach
M/s..... for obtaining the supply of the
indigenously produced goods against the import licence referred to above as per details below :—

Sl. No. of goods	Quantity		Value	
	in figures	in words	in figures	in words
1	2	3	4	5

1.

2.

3.

2. This release advice should be produced in original to above mentioned indigenous producer for supply of goods as per above details.

3. This release advice will be valid for a period of six months from the date of issue.

4. The material received by the holder of this release advice shall be subject to the same conditions as applicable to the import licence against which this release advice has been issued.

5. The limiting factors will be value or both quantity and value in cases where both have been indicated.

Yours faithfully
Controller of Imports and Exports
for Dy./Jt. CCI&E
Security Seal.....
Release Advice No.....

Note : Licensing authority concerned should ensure that quantity and value shown in above mentioned details of goods conform to the limits stipulated in the licence.

End. No.....

M/s..... (name and address of the indigenous producer) for necessary action.

Controller of Imports & Exports
for Dy./Jt. CCI & E

Details of materials supplied under above Release advice

Sl. No.	Description of goods	Quantity in figures	Supplied in words	Value of goods in figures	Supplied in words
1	2	3	4	5	6

1.

2.

3.

We confirm having supplied the goods as per details above

(Name and address of indigenous producer)

We confirm having received the goods as per details above

Signature.....

(Name and address of the Release Advice Holder)

APPENDIX-XV (Deleted)

APPENDIX XVI—A

FORM OF APPLICATION FOR ADVANCE LICENCE UNDER THE DUTY EXEMPTION SCHEME

PART I

General information

1. Name and address of the applicant
2. Name of Industry :
 - 1 Address & location of factory
 - (i) End-products including bye-products & intermediates manufactured therein.
3. Nature of the concern, whether Public or Private Ltd. Co. or partnership or Proprietary concern.
4. Names of Directors, Partners, Proprietor or Karta as appropriate.
5. Are you a manufacturer exporter/merchant exporter/Export House/Trading House ?
6. Product or Product Groups for which registered with Sl. No. in Appendix 17.
7. No. & date of Registration Certificate issued by the Export Promotion Authority/Export Promotion Council/Commodity Board/PEO and date upto which it is valid (Attach photostat/certified copy of the certificate).
8. If Export house/Trading House, indicate no. & date of Export House/Trading House Certificate and date upto which it is valid (Attach photostat/certified copy of the Certificate).
9. If manufacturer exporter, give Registration No. allotted by :
 - (i) DGTI in the case of firms borne on the list of DGTI
 - (ii) State Director of Industries in the case of SSI Units
 - (iii) Any other authority competent to register a Unit as a manufacturer.
10. If Export House/Trading House or merchant exporter, give name & address of supporting manufacturer and indicate :
 - (i) Whether it is a large scale or SSI unit :
 - (ii) Name of the Registering Authority of the supporting unit and
 - (iii) Registration No. allotted to the supporting unit
11. Bank receipt/demand draft No. and date towards payment of application fee. (Bank receipt/demand draft to be attached in original).
12. Part of Registration
(Only one Port is to be indicated)

NOTE : Where an applicant is required to hold a licence or registration certificate to manufacture a product such as drugs and cosmetics under Drugs and Cosmetics Act, Insecticides and pesticides under Insecticides Act, and soon, the applicant shall also furnish a photocopy of such licence or registration certificate along with this application.

PART II

(Applicable to categories other than special Import Licensing)

Details of export production

1. Is this application against a specific export order ? If so a copy thereof may be furnished. Also indicate the value, if any, for which export has already been made against the same order.
- If the application is not against a specific export order but based on export production programme, justification for the same should be given and also the extent of export obligation to be undertaken.

APPENDIX XVI—A *Contd.*

3. Details of the products to be exported :

(i) Resultant Products :

Sl. No.	Description	Quality	Technical Characteristics	Quantity	FOB Value per unit of quantity	Total FOB value	Weight or Unit of quantity, if other than weight
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)

- (ii) Name of the foreign buyer and the country of export }
 (iii) Delivery period of export products covered by the export order.
 (iv) Mode of payment
 (v) The amount of Commission or discount paid or payable (at a later date by the exporter) to the foreign agent on the export covered by the application.
 (vi) Whether the products to be exported are covered by the Import Policy for Registered Exporters, if so, give—
 (a) Sl. No. in Appendix 17 of Import Policy
 (b) Rate of Import Replenishment
 (vii) Drawback Schedule No. under which the products fall
 (viii) Whether any brand rate has been fixed for the product applied for. If so, please give the reference number of Drawback Director's file.

OR

PART II

Applicable for Special Import Licensing scheme)

Details of export production :

- Is his application against a specific supply order? If so, a copy thereof may be furnished. Also indicate the value, if any, for which supply has already been made against the same order.
- (a) Credit under which the project is financed.
 (b) Method by which the order is procured i.e. global tender, limited international competitive bidding etc.
- Details of the products to be supplied :

(i) Resultant Products

Sl. No.	Description	Quantity	Technical Characteristics	Quantity	FOR value per unit of quantity	Total FOR value	Weight or Unit of quantity, if other than weight
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)

- (ii) Name of the project to which the products are to be supplied.
 (iii) Delivery period of supply products covered by the purchase order/contract
 (iv) Mode of payment
 (v) The amount of Commission or discount paid or payable (at a later date by the applicant on the product covered by the application.
 (vi) Whether the products to be supplied are covered by the Import Policy for Registered Exporters, if so, give
 (a) Sl. no. in Appendix 17 of Import Policy
 (b) Rate of Import Replenishment
 (vii) Drawback Schedule No. under which the production fall
 (viii) Whether any brand rate has been fixed for the product applied for. If so, please give the reference number of Drawback Director's file

APPENDIX XVI-A *Contd.*

PART III

Details of materials sought to be imported duty free

(a) Arranged and shown separately for each kind of export product :

Sl. No. of the resultant product for which they are required	Description	Quality	Technical Characteristic	Quantity required per unit of resultant product
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)

Total quantity required	Total CIF Value	Wastage claimed (weight) (%)	Purpose of requirement (a) whether contained in the final product or (b) not contained in the final product put rapidly consumed in the manufacturing process or (c) for special kind of packing material	Additional information regarding (a) and (b) of Col. 10
(7)	(8)	(9)	(10)	(11)

(b) Arranged material-wise :

S. No.	Description, quality and Tech. Characteristics	S. Nos. in (a) above which fall under this description	Total Qty. required	Total CIF value (Approx.) Rs.	S. No. of ICT	Rate of duties	Total duties from which exemption is asked for	Entry No. and Appendix No. of this policy under which the item sought to be imported is covered
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)

PART IV

Past Performance :

1. Past export/supply performance in respect of products now to be exported/supplied (Furnish a statement of exports/supplies made during the last 3 financial years, indicating the FOB/FOR Value and country of exports/projects to which supplied.
2. If an advance licence has been issued in the past for the export of the same item please give the file Nos. of the office of the CCI&E/Regional JCCI&E/Port Licensing Authority.
3. Particulars of all categories advance licences against specific orders and production programme separately, issued in the past and their present position :—
 - (a) Whether the export obligation has been discharged since wholly, give details licence-wise.
 - (b) If not, please give the particulars of the same as under :
 - (i) Licence No. and date
 - (ii) Name of the licence issuing authority
 - (iii) Licence-wise value of the export obligation fixed
 - (iv) Whether Bank Guarantee executed or legal undertaking given.
 - (v) Time limit allowed for fulfilling the export obligation.
 - (vi) Value of the export obligation already fulfilled against each licence.
 - (vii) Reasons for not fulfilling the export obligation
- 4 List of documents enclosed.

APPENDIX XVI—A *Concid.*

PART V

DECLARATION

1. I/We hereby declare that if this licence is granted, the goods will be utilised only for consumption as raw-materials/components or accessories in our factory or in the factory of the manufacturer nominated for the purpose and that no portion thereof will be sold or permitted to be used by any other party.

2. I/We hereby declare that the above statements are true and correct to the best of my/our knowledge and belief. I/We fully understand that any licence granted to me/us on the basis of the statement furnished is liable to cancellation or being made ineffective in addition to any penalty that the Government may impose or any other action that may be taken having regard to the circumstances of the case if it is found that any of the statements or facts therein are incorrect or false.

3. I/We hereby declare that the order/contract has been secured against international competitive bidding for the supply of the products mentioned in the application. A certificate of the project authority is enclosed (Applicable to Special Advance Licensing only).

Place:

Date :

Signature

PS

Name in block letters

Designation

Full Residential Address

APPENDIX XVI-B

FORM OF APPLICATION FOR MAKING REQUESTS FOR EXTENSION IN THE EXPORT OBLIGATION PERIODS UNDER THE ADVANCE/IMPREST LICENCES

1. Name of the Party
2. Advance/Imprest licence No. & date
3. DEEC No. & Date
4. Details of the items allowed for import and actually imported
(Furnish data item-wise)

S. No.	Items allowed for import	Quantity allowed for import	Quantity actually imported
(1)	(2)	(3)	(4)

5. Export obligation and exports actually made (Furnish data item-wise):

S. No.	Item to be exported	Qty. & Total FOB value	Qty. actually exported			Balance quantity to be exported	Percentage of the total obligation
			(a) Shipping bill No. and date	(b) Qty.	(c) F.o.b. value of exports effected		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)

274

6. Date of expiry of the initial obligation period
7. Details of the extensions already granted and the date upto which the Export Obligation period is valid.
8. Period upto which extension is required.
9. Justification for the request for extension in the Export Obligation period.
10. Whether Bank Guarantee was executed or a Legal undertaking was given.
11. Whether any notice for forfeiture of bond with bank guarantee or legal agreement has been issued by the licensing authority. If so, give details.

NOTE: The particulars of the exports made by the party should be supported by photostat copies of either the Customs authenticated shipping bills or of part 'F' etc. of the Duty Exemption Entitlement Certificate.

Place :

Signature of the Applicant

Dated :

Name of the Applicant

Full Residential address

APPENDIX XVI—C

**Bond Form of Export Obligations
to be executed under Duty Exemption Scheme**

If the importer/surety is the sole proprietor of the business after giving his name and address it may be added "his heirs, executors & administrators." If the importer/surety is a firm of partners it may be added "partners for the time being of the said firm and their respective heirs, executors and administrators." If the importer/surety is a limited company it may be added "Its successors and assigns".

Know all men by these presents that we (1) _____ of _____ hereinafter referred to as "the importers" (which expression shall include his/their successors and assigns) and (2) _____ of _____ hereinafter referred to as "the surety" (which expression shall include its successors and assigns) are jointly and severally, held and firmly bound unto the President of India hereinafter called "the Government" in the sum of *Rs. _____ to be paid to the said Government of its successor and assigns for which payment we bind ourselves and each of us, and each of our heirs, executors, administrators successors and assigns jointly and severally by these presents as hereinafter stated to be paid to the said Government in the manner as aforesaid.

2. Signed and sealed with our respective seals this day of _____ 19 _____

3. Whereas the Joint/Deputy Chief controller of Imports and Exports (hereinafter referred to as the Joint/Deputy Chief Controller which expression shall include the person for the time being performing the duties of the said Joint/Deputy Chief Controller which expression shall include the person for the time being performing the duties of the said Joint/Deputy Chief Controller) has permitted the importation of the goods specified in the Duty Exemption Entitlement Certificate No. _____ dated _____ issued under Notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue No. 117/F. No. 602/14/78DBK dated 9-6-78 as amended) hereinafter referred to as the exempt materials by issue of Advance licence/CCP/Release Order No. _____ dated _____ on certain terms and conditions.

4. AND whereas one of the terms of the aforesaid Notification provides that the importer will execute bond in the prescribed manner with such conditions as are hereunder :

5. Now the conditions of the above written bond are such that:

- (a) If the said importer shall within _____ Months from the date of (i) clearance of the first consignment or 30 days after the import of the first consignment, whichever is earlier, or ii) supply of the material by the canalising agency or such further time as may be granted to him, exports the goods corresponding to the resultant products as specified in the Duty Exemption Entitlement Certificate and hereunder written for ready reference (hereinafter referred to as "the resultant products") and required under the aforesaid Notification to a place outside India (except to any place in Nepal or Afghanistan if not paid in free foreign exchange and Bhutan) in accordance with the terms and conditions of the aforesaid licence and Duty Exemption Entitlement Certificate and fulfil all other terms and conditions (i) mentioned in the aforesaid notification and (ii) subject to which clearance of goods was allowed by Collector of Customs ;
- (b) If the said importer and/or surety shall deliver or cause to be delivered to the Jt./Dy Chief Controller of Imports & Exports within one Month from the date of expiry of the aforesaid period of fulfilment of export obligation the said Duty Exemption Entitlement Certificate with all parts duly filled in, endorsed and signed and all other prescribed documents as required.

6. Then the above written bond shall be void and of no effect. Otherwise the bond will remain in full force, virtue and effect.

7. AND IT IS HEREBY DECLARED THAT

- (a) the above written bond shall remain in force and effect upto a period of _____ one year from the date of expiry of the export obligation period.
- (b) Any forbearance act or omission on the part of the Government in reinforcing the condition of the aforesaid bond against the importer or any time being granted or any indulgence by the Government to the importers in connection herewith shall not discharge the surety ;
- (c) This bond is entered into the orders of the Central Government for the performance of an act in which the public are interested ;
- (d) (i) Any Customs duties and Auxiliary Customs duties due under this bond along with 18% interest from the date of import to the date of payment of the duties shall, without prejudice to any other Mode of recovery, be recovered in accordance with the provisions of Sec. 142 of Customs Act, 1962 and/or from any cash assistance payable to the importers; and
(ii) Where goods permitted for import against the Advance licence are obtained through SAIL under the Ministry of Commerce Public Notice No. 58-ITC(PN) 82 dated 11th December 1982 and the licence fails to discharge the export obligation imposed on the licences, he shall be liable to pay to SAIL, immediately on demand, the amount equivalent to the customs and auxiliary duties payable on the items obtained from SAIL had those items been imported. This would be without prejudice mode of recovery provided in law and for any amount of cash support payable to licensee.
- (e) the payment of the amount of the bond will not affect the liability of the importer to any other action that may be taken under the law for the time being in force.

*Indicate the total customs duties payable.

APPENDIX XVI—C (concl'd.)

EXEMPTION MATERIALS

S. No.	Description	Quality	Technical Character-istics	Limits Qty.	(Maximum)	
					CIF	Value

RESULTANT PRODUCTS

S. No.	Description	Quality	Technical character-istics	Qty.	F O.B.	Value
--------	-------------	---------	----------------------------	------	--------	-------

In witness whereof the Parties here upto have duly executed this bond the day of the month and the year first above written.

SIGNED, SEALED AND DELIVERED BY AND ON BEHALF OF THE IMPORTER
ATIN THE PRESENCE OF

1.....

2....

The surety bond may restrict by a suitable endorsement here, its liability for reduced value, if any for which bank guarantee is given.

*Witnesses should also give their occupation and address.

SIGNED, SEALED, AND DELIVERED BY AND ON BEHALF OF THE SURETY AT
.....IN THE PRESENCE OF

.....

.....

Accepted for & on behalf of the President of India
Designation of the Authorised Officer.

APPENDIX XVI-D

FORM OF LEGAL AGREEMENT FOR REGISTERED EXPORTERS OF ADVANCE LICENCES

An Agreement made this _____ day of _____ 198 _____ between _____ (hereinafter referred to as "THE IMPORTERS" which expression shall include its successors and assigns) of the one part and the PRESIDENT OF INDIA (herein after referred to as "Government", which expression shall include his successors in office and assigns) of the other part.

WHEREAS the Importer has obtained an Advance Licence/CCP/Release Order No. _____ date _____ for the import of raw materials & components of the c.i.f. value of Rs. _____

AND WHEREAS the Importer has also obtained Duty Exemption Entitlement Certificate No. _____ dated _____ to import the raw materials & components mentioned therein without paying the Customs duty etc. of the value of Rs. _____

AND WHEREAS as a condition of the said Advance Licence/Release Order/CCP the Government has stipulated that the Importer must earn foreign exchange to the extent of Rs. _____ over a period of _____ months from the date of clearance of the first consignment of Import or 30 days from the date of importation of the first consignment whichever is earlier into India or the supply of the material by the canalising agency against the subject Licence/CCP/Release Order or such further time as may be granted to him, by exporting resultant product viz.

NOW THIS AGREEMENT WITNESSETH AS FOLLOWS:—

1. The Importer shall earn foreign exchange for an F.O.B. value of Rs. _____ by exporting _____ within a period of _____ months as aforesaid Export to Bhutan will not qualify for redemption of export obligation as also exports to Afghanistan and Nepal if made otherwise than against payment in free foreign exchange.

2. The Importer shall furnish the DEEC duly filled in within one month of the expiry of the said period of export obligation to the concerned Joint/Deputy Chief Controller of Imports and Exports as an evidence of the exports made viz., the particulars of goods exported, their quantity and f.o.b. value and the countries to which exported.

3. The importer shall also submit to the concerned Jt./Dy. Chief Controller of Imports and Exports within one month of the expiry of the period of export obligation as aforesaid, bank certificates in original showing realisation of foreign exchange against exports made in fulfilment of the export obligation and such other documents as may be demanded by the Jt./Dy. Chief Controller of Imports and Exports as evidence in support of the foreign exchange earned in fulfilment of the terms and conditions of this agreement.

4. In the event the Importer is not able to fulfil the export obligation undertaken by it as aforesaid the Importer shall, on the instructions of the concerned Joint/Deputy Chief Controller of Imports & Exports or the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi hand over to the State Trading Corporation/Projects and Equipments Corporation/Minerals and Metals Trading Corporation or such other agency as the Government including (CCI&E) may nominate (hereinafter referred to as the Agency), the resultant product of the quantity and FOB value equal to the difference between the stipulated export obligation and actual exports, for export by the Agency at such prices as is able to obtain abroad. The Importer shall also simultaneously pay to the Customs Authority the amount of duty that was leviable at the relevant time on the proportionate quantity of the exempt material corresponding to the product not exported by them. The Importer shall, in addition, pay simultaneously a sum of Rs. _____ (the would be equal to 5% of the export obligation subject to a maximum of Rs. 5 lakhs) by way

of liquidated damages to the Agency. The Agency (after exports and realisation of sale proceeds of the aforesaid product as expeditiously as possible), shall give to the importer rupee equivalent of the net foreign exchange earned by the Agency on such exports after deducting such expenses (including the Agency's normal commission) as has been incurred by the Agency and the amount, if any, recoverable from the importer under this agreement. If the Agency so nominated incurs expenses in excess of the liquidated damages which cannot be adjusted for any reasons from the sale/disposal value of goods supplied to the agency concerned, such excess expenditure shall be recoverable by the Government from the importer.

5. The F.O.B. value representing the difference between the stipulated export obligation and the actual exports referred to above and also the amount representing 5% of the export obligation by way of "liquidated Damages" shall be determined by the Joint/Deputy Chief Controller of Imports & Exports or Chief Controller of Imports & Exports and the decision of said authority shall be final and binding on the Importer. While determining the value, the said authority will, if it is considered necessarily, give an opportunity to the importer to produce such evidence as it can in support of the determination of the value for this purpose.

6. In the event of the Importer failing to fulfil the export obligation undertaken by it as aforesaid, except when the fulfilment of such obligation is prevented or delayed because of any law, order, proclamation, regulations or Ordinance of the Government, the Government shall be free to take possession of the goods produced by the Importer or of the imported raw material as the case may be, and take such action as it may consider necessary for the disposal/distribution in a manner and at a price as may be decided by the Government, in addition to recovering liquidated damages in terms of this agreement. The Importer shall also be liable to pay the customs duty etc. on the material imported and not utilised for export. Any Customs duties due under this agreement along with interest at 18% from the date of import of the exempt materials to the date of payment of the duties shall also, without prejudice to any other mode of recovery, be recoverable in accordance with the provisions of Section 142 of the Customs Act, 1962 and/or from any cash assistance payable to the importer. This shall, however, be without prejudice to any other action that may be taken under the Import and Export (Control) Act, 1947 and the Order issued thereunder. In the event of the failure of the company to pay the liquidated damages on demand, such liquidated damages shall also be recoverable from any Cash Assistance payable to the Company.

7. Any order issued by the Government in this regard shall be final and binding and the Importer thereby undertakes to comply unconditionally with such an order.

8. Any stamp duty payable on this document or any documents executed thereunder shall be borne by the Importer.

In Witness whereof the Common Seal of _____ has been hereunto affixed and for and on behalf of the President of India Shri _____ has set and subscribed his hands hereunto.

Common Seal of the within named Importer has been affixed hereunto in the presence

of (i) Shri _____ Signature :—
(Residential address)
Director and (ii) _____
(Residential address)

APPENDIX XVI-D (Concl'd.)

Director who has been duly
authorised for the purpose
by a resolution of Board of
the Directors

_____ of the Company, passed at
the meeting held on _____
and who have signed in the
presence of _____

1. _____ (name, designation & address)

2. _____ (name, designation & address)

Signed for and on behalf of
The President of India by
Shri _____
in the presence of

1. _____ (name, designation & address)

2. _____ (name, designation & address)

EXEMPTION MATERIALS

S. No.	Description	Quality	Technical Limits	Maximum Characteristics Qty.	c.i.f. Value

RESULANT PRODUCTS

S. No.	Description	Quality	Technical Characteristics	Qty.	F.O.B. Value

APPENDIX XVI-E

SERIAL NO. ————IMPORT

GOVERNMENT OF INDIA

DEPARTMENT OF REVENUE

DUTY EXEMPTION ENTITLEMENT CERTIFICATE

(Issued in two parts—Imports and Exports each bearing the same number).

PART I—IMPORT

(See Clause (a) in Notification No. 117/F. No. 602/14/78-DBK dated the 9-6-1978 and the Second Schedule thereto as amended).

(This consists of ———— pages).

Serial No. ————Import. Date of Issue ————

Port of Registration ————

This is granted in favour of

(Importer's name and full address)

Materials imported against Advance licence No. ———— dated ———— issued by ———— to the above importer and covered by the list of materials specified under part 'C' of this certificate would be eligible for exemption from import duty subject to the conditions specified in the Notification of the Government of India, Ministry of Finance, Department of Revenue and Banking No. 117-cus dated 9-6-1978 (hereinafter in this Schedule referred to as the said Notification).

The Importer shall make the exports in terms of Clause (c) of the said Notification within ———— months from the date of clearance of the first consignment of import or 30 days after import of the first consignment, whichever is earlier.

A Bond/Legal Agreement in terms of condition (b) of the said Notification for Rs. ———— shall be executed with the ———— before the clearance of the goods from customs.

After completion of exports, this Certificate shall be produced with endorsements for discharge of the Bond/Legal Agreement before the licensing authority concerned who after discharging the Bond/Legal Agreement shall retain this Certificate with them.

Signature
(Issuing Authority)

Security Seal

Date

Bond/Legal Agreement in terms of condition (b) of the said Notification executed on ———— for Rs. ————

(Rupees ———— and registered under ———— with this Office

Security Seal

Signature :

Address :

Dated ————

PART A

Names and addresses of factories where the resultant products for exports are manufactured.

PART B

Names and addresses of the factories where the ancillaries to the resultant products for exports are manufactured.

PART C

LIST OF MATERIALS

Sl. No.	S. No. in the First Schedule to the said Notification and description	Quality	Technical Characteristics	Quantity	C.I.F. Value	S. No. of the resultant products in Part B
1	2	3	4	5	6	7

APPENDIX XVI-E (contd.)

PART D

PARTICULARS OF IMPORTS (OF MATERIALS)

S. No. of the No. materials in Part C	Bill of Entry No. and date and name of the customs House of Import	Description	Quantity and net weight	Value	Duty Leviable but for exemption			Signature of the officer with designation and seal.	
					Heading No. of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 and Item No. in the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 for levy of Additional duty	Rate of Duty (i) Basic (ii) Additional (iii) Auxiliary	Amount of duty		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)

(Parts E and F figure in the Exports Part of this DEEC)

PART G

DUTIES PAID ON MATERIALS IN RESPECT OF WHICH THE CONDITION OF THE SAID NOTIFICATION ARE NOT COMPLIED WITH

Sl. No.	S. No. in Part D under which the import of the materials has been entered	Description, Quantity and value of materials on which duty paid	Rate of duty leviable (i) Basic (ii) Additional (iii) Auxiliary	Amount of duty	Particulars of duty paying documents	Signature of the Customs Officer with designation and seal
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)

(Parts H and I figure in the Exports Part of this DEEC)

APPENDIX XVI-E (contd.)

SERIAL NO. EXPORT

GOVERNMENT OF INDIA

DUTY EXEMPTION ENTITLEMENT CERTIFICATE

(Issued in two parts—Imports and Exports each bearing the same number)

PART—II EXPORT

GOVERNMENT OF INDIA

DEPARTMENT OF REVENUE

(See Clause (a) in Notification No. 117/F. No. 602/14/78-DBK dated the 9-6-1978 and the Second Schedule thereto as amended)

(This consists of _____ pages)

Serial No. _____ Export

Date of Issue _____

Port of Registration _____

This is granted in favour of

(Importer's name and full address)

Materials imported against Advance licence No. _____
dated _____ issued by _____

_____ to the above importer and covered by the list of materials specified under part 'C' of this certificate would be eligible for exemption from import duty subject to the conditions specified in the Notification of the Government of India, Ministry of Finance Department of Revenue and Banking No. 117-cus dated 9-6-78 (hereinafter in this Schedule referred to as the said Notification).

The Importer shall make the exports in terms of Clause (c) of the said Notification within _____ months from the date of clearance of the first consignment of import or 30 days after import of the first consignment, whichever is earlier.

A Bond/Legal Agreement in terms of condition (b) of the said Notification for Rs. _____

shall be executed with the _____
before the clearance of the goods from customs.

After completion of exports, this Certificate shall be produced with the endorsements for discharge of Bond/Legal Agreement before the licensing authority concerned who after discharging the Bond/Legal Agreement shall retain this Certificate with them.

Date of expiry of Export

Obligation period is—

Security Seal

Signature
(Issuing Authority)Bond/Legal Agreement in terms of condition (b) of the said Notification executed on _____
for Rs. _____ (Rupees)
and registered under _____
with this Office.

Signature :

Address

Date : _____

APPENDIX XVI-E (Contd.)

PART A

Names and addresses of factories where the resultant products for exports are manufactured.

PART B

Names and addresses of the factories where the ancillaries to the resultant products for exports are manufactured.

(Parts C and D figure in the Imports Part of this DEEC)

PART E

RESULTANT PRODUCTS

Sl. No.	Description	Quality	Technical Characteristics	Quantity	Value	S. No. of the materials in Part C
(1)	(2)	(3)	(4)	(4)	(6)	(7)

PART F

PARTICULARS OF EXPORTS

Sl. No.	Sl. No. of the resultant products in Part	Name of the Customs House of Shipment	Shipping Bill No. and date	Name of the vessel and date of outward entry of the vessel	Quantity	Net weight of the export product	Description as per the Shipping Bill	FOB value	Signature of Customs Officer with designation and seal and remarks, if any.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)

(Part G figures in the Import Part of this DEEC)

APPENDIX XVI—E (Concl'd.)

PART H
CERTIFICATE

I, _____ (Name) Power of Attorney
Holder of _____ (Importers) having their
factory premises at _____ In whose favour the
Duty Exemption Entitlement Certificate Serial No. _____
dated _____ has been granted, certify that—

(a) The goods exported as Specified in Serial No. (s) _____ of Part F have
been manufactured in the factory premises mentioned in Part A/Part B;

(b) The exempt materials as specified in Serial No. (2) _____ of Part D
have been used in the manufacture of the goods exported as specified in Serial No. (s) _____
of Part F (Vide clause (i) of condition (d) of the said Notification);

(c) Materials corresponding to the exempt materials as specified in Serial No. (s) _____ of
Part D have been used in the manufacture of the goods exported as specified in Serial No. (s) _____
of Part F (Vide clause (ii) or clause (iii) of condition (d) of the said Notification);

(d) In respect of imported materials as specified in Serial No. _____
Part D, duties have been paid as specified in Serial No. (s) _____ of
Part G.

Office Stamp

Date

Witness

Signature

Designation

Address

PART I

DISCHARGE OF BOND

We request that Bond/Legal Agreement No. _____ may be
discharged.

Signature of the
Importer

There is no objection to the cancellation to the Bond/Legal Agreement so far as the Customs Department is concerned.

Signature of the Customs
Officer at the Port of Regis-
tration Designation and Seal.

Bond/Legal Agreement No. _____ registered under
Serial No. _____ dated _____ for _____
Rs. _____ (Rupees _____) discharged
on _____ after having satisfied myself that all the conditions
of the above Bond have been fulfilled.

Office Seal

Date

Signature :

Designation :

APPENDIX XVI-F

FORM OF CHARTERED ENGINEER'S CERTIFICATE.

(To be filled in by the Chief Executive/Production Incharge of the applicant company and a Chartered Engineer who is not an employee of the Company).

Certification under the Duty Exemption Scheme for import of raw material, components and consumables under the Registered Exporters Policy for execution of export contract.

PART I

On behalf of the applicant company, I hereby certify that the imported raw materials, components and consumables and the quantities and c.i.f. values stated against each as given in the list appended to this application (containing..... items of total C.I.F. value of Rs.....and covering.....pages) under the Registered Exporters Policy, are actually required for the execution of the export contracts commitments for.....

Enclosure : List

Signature

Name and Designation of the Chief Executive/Production Incharge

Name and address of the Company

Seal of the Company.....

Place

Date

PART II

(To be filled in by the Chartered Engineer)

I have examined the applicant Company's import requirements of raw materials, components and consumables, both as regards their technical description/specification and the quantity against each item of import, having due regard to proper technical norms of consumption and after technical scrutiny of relevant designs and drawings and hereby certify that they are correct in all these respects and are actually required for the execution of the export contracts for.....

.....

The list of items covers.....pages and contains.....items for a total value of Rs.....

Signature

Name

Designation

Address

Name and Address of the Institution under which chartered

Reference No. and date of corporate membership

Place

Date

NOTE :— (1) The chartered engineer signing the certificate should not be an employee of the applicant. In the case of public sector and Government undertakings, the certificate can be signed by a Chartered Engineer who is an employee of the Company.

(2) In the case of chemical industry, the certificate can be signed jointly by the Chief Chemist/Chemical Engineer of the applicant unit and a Chartered Accountant or Cost Accountant or Company Secretary.

(3) In the case of Textile Industries the certificate can be given jointly by the Chief Technical Officer incharge of production of the applicant unit and a Chartered Accountant or Cost Accountant or Company Secretary.

APPENDIX XVI-G

FORM OF PROJECT AUTHORITY CERTIFICATE TO BE SUBMITTED ALONG WITH AN APPLICATION FOR GRANT OF SPECIAL IMPREST LICENCE

Certified that M/s.....have been awarded by us a contract for supply of goods of value, quantity and description mentioned below for total value of Ra..... (in words)..... against purchase order No.....Dated.....It is further certified that supplies have to be made under the said contract secured against international competitive bidding/limited global tender in the..... project being undertaken by us and which is fully financed by assistance from IBRD/IDA/Bilateral/Multilateral aid from..... (name of the bilateral/multilateral agency) under Credit No.....or ONGC/Oil India Ltd./GAIL.. The delivery schedule under the said contract is.....

Signature

Name

Designation

Name of the project.....

Station :

Date :

Note : This Certificate is to be signed by the Chief Executive of the project concerned or by a senior officer specifically authorised by him for this purpose.

Delete whichever is not applicable.

Description, quantity and value of the goods to be supplied under the contract.

(To be filled in by DGTD/Textile Commissioner)

Certification under the Duty Exemption Scheme for import of raw materials, components and consumables under the Registered Exporters Policy for execution of export contracts.

We have examined the import requirements covered by this application in the light of the certification by the applicant company's Chief Executive/Production Incharge and Chartered Engineer. We certify that the materials, components and consumables and the quantities thereof as certified by the Chartered Engineer, are reasonable and are essential for the production of the equipment/products for exports.

2. We do not recommend the import of the following items :

Signature

Name and designation of the Development Officer Incharge of the Industry in DGTD/the office of the Textile Commissioner ..

.....

.....

Place

Date

APPENDIX XVII-A

FORM OF APPLICATION FOR GRANT OF IMPREST LICENCE

PART I

GENERAL INFORMATION

1. Name and Address of the Applicant
2. Name of Industry
 - (i) Address & Location of Factory
 - (ii) End-products manufactured therein
3. Nature of the concern, whether public company or Private Ltd. Company or Partnership concern
4. Name of directors, partners, proprietor or Karta or the Hindu Undivided Family as the case may be
5. Are you a manufacturer exporter/merchant exporter/export house/Trading House ?
6. A Product of Product—Group for which registered with Sl. No./Sub-Sl. No. in Appendix 17
7. No. & date of Registration certificate issued by the Export Promotion Council/Commodity Board/FIEO and date upto which it is valid attach photostat/Certified copy of the certificate
8. If export house, indicate No. and date of export house/trading house certificate and the date upto which it is valid (Attach photostat/certified copy of certificate)
9. If manufacturer exporter, give Registration No. allotted by :
 - (i) DGTD in the case of firms borne on the list of DGTD
 - (ii) State Director of Industries in the case of SSI units
 - (iii) Any other authority competent to register a unit as a manufacturer
10. Capital Investment on machinery
11. If merchandising (export house/trading house or merchant exporter) give
 - (i) Name and address of the supporting manufacturer stating whether it is a large scale or SSI unit
 - (ii) Name of the Registering Authority of Supporting manufacturer(s)
 - (iii) Registration No. of supporting manufacturer(s)
12. Bank Receipt/Demand Draft No. & date towards payment of application fee/ (Bank receipt/demand draft to be attached in original)

13. (i) CIF value of licence applied for
- (ii) Description of the materials sought to be imported (give complete description, quantity, CIF value of each item desired to be imported)

PART II

1. Is the application against a specific export order ? If yes, indicate :
 - (i) Items of export covered by the export order(s) [Attach copy of export order(s)]
 - (ii) FOB value
 - (iii) Name and address of foreign buyer and the country of export
 - (iv) Delivery period of export product(s) covered by the export order(s)
 - (v) Whether any exports against the export order(s) in question have already been made. If so indicate FOB value thereof
 - (vi) Indicate mode of payment (In case of irrevocable letter of Credit, attach a photostat copy)
 - (vii) Amount of commission or discount paid or payable to the foreign agent on exports covered by the application
- 2 (a) If the product(s) to be exported and items to be imported in terms of quantity/CIF Value fully conform to the Import Policy for registered exporters indicate :
 - (i) Serial No./Sub-Serial No. of Appendix 17
 - (ii) Rate of Import replenishment
- (b) If these do not fully conform to Appendix 17 of the Import Policy attach chartered Engineers Certificate as per Import Policy

PART III

1. If the import licence applied for is not against a specific export order, indicate :
 - (a) Description, quantity & FOB value of products to be exported
 - (b) If the products to be exported and items to be imported in terms of quantity/CIF value of fully conforms to Appendix 17 of the import policy, attach statement giving description of Products exported and FOB,

APPENDIX XVII-A (Concl.)

- value of exports productwise during the preceeding three financial years
- (c) If these do not fully conform to Appendix 17 of the Import Policy attach :
- (i) Certificate from Chief Executive and Chartered Engineer as per Import Policy
- (ii) Statement giving description of products exported productwise during the preceeding three financial years
- (iii) Give unit value of the latest exports of the same product exported and indicate date of export

PART IV

1. Past Performance:-

- (i) Particulars of previous exports. Attach statement giving the following particulars:-
- (a) Description of product exported during the preceeding three financial years
- (b) F. O. B. value of exports (productwise in respect of (i) above:
- (c) Classification of the product exported if covered by appendix 17 of Import Policy 1985-88 and the rate of import replenishment
- (d) Quantity of the product to be exported for which the import licence is required:
- (e) Unit value of the latest exports of the same product exported by the applicant (the date of export also).
- (ii) Was any advance licence(s) issued in the past
- (iii) If so, whether the export obligation against the licences is still outstanding
- (iv) If the export obligation either in part or in full remains to be completed please give the particulars of the sale as under

- (a) Licence number and date
- (b) Name of the licence issuing authority
- (c) Licence-wise value of the export obligation fixed.
- (d) Time limit allowed for fulfilling the export obligation
- (e) Value of the export obligation already fulfilled against each licence
- (f) Reasons for not fulfilling the export obligation
- (v) Total C.I.F value of unutilised REP licences/ Release order against which imports have not been made
- (vi) Total c.i.f value of REP licences/ Release orders for which import applications are pending with the licensing authorities

2 A list of documents enclosed

PART V

DECLARATION

1. I/We hereby declare that if this licence is granted, the goods will be utilised only for consumption as raw materials/ components or accessories in our factory and that no portion thereof will be sold or permitted to be used by any other party.

2. I/We hereby declare that the above statements are true and correct to the best of my/our knowledge and belief. I/We fully understand that any licence granted to me/us on the basis of the statement furnished is liable to cancellation or being made ineffective in addition to any penalty that the Government may impose or any other action that may be taken having regard to the circumstances of the case if it is found that any of the statements or facts therein are incorrect or false.

Signature

Name in Block Letters

Designation

Full Residential Address

Date

PART VI

INCOME-TAX DECLARATION

Form for income-tax declaration has been given in Appendix II-O

APPENDIX XVII-B
SPECIMEN BOND FORM

If the Importer/ surety is the sole proprietor of the business after giving his name and address it may be added "his heirs" executors and administrators.

Know all Men by these presents that we (1) (hereinafter referred to as "the Importers") which expression shall include his/their successors and assigns and (2)

If the importer/ surety is a firm of partnership, it may be added "partners" for the time being of the said firm and the survivors of firm and their respective heirs, executors and administrators.

of (hereinafter referred to as the 'surety which expression shall unless excluded by or repugnant to the context, including its successors and assigns are jointly and severally held and firmly bound upto the President of India hereinafter called "The Government" in the sum of Rs. (in figures and words) to be paid to the said Government or its successors and assigns for which payment we bind ourselves and each of us and each of our heirs, executors, administrators, successors and assigns (strike out the words which are not applicable) jointly and severally by these presents dated.....this..... day of

If the Importer/ surety is a Limited company it may be added its successors and assigns.

whereas the Joint/Dy Chief Controller of Imports and Exports (hereinafter referred to as the Joint/Dy Chief Controller which, expression shall include the person for the time being performing the duties of the said Joint/Dy Chief Controller) as permitted the importation and clearance of the goods specified in the Schedule hereunder written (hereinafter referred to as "the Imported goods") against Licence No....dated ... at the port of of certain terms and conditions.

AND WHEREAS one of the terms provided that the Importers will execute a bond along with one sufficient surety in the manner hereinabove written with such condition as are hereunder.

NOW THE CONDITIONS OF THE ABOVE WRITTEN BOND IS SUCH that firstly if the said importers shall within six months from ... or such further time as may be granted by the said Joint/Dy. Chief Controller of imports and exports ... of the value equal to the c.i.f. value of the imported goods to foreign countries excluding Nepal, Tibet and Bhutan.

Secondly If the said Importer and/or their surety shall procure and deliver or cause to be produced and delivered to the Joint Chief Controller within one month from the date of expiry of the aforesaid period evidence to prove that the said of the value equal to percent..... of the c.i.f. value of the imported goods have been exported as aforesaid and also evidence such as bills of lading invoices, bank certificates etc., showing that the rupee equivalent of the foreign exchange received in payment of the f.o.b. value of the goods so exported is not less than per cent of the c.i.f. value of the imported goods against the aforesaid licences, then the above written bond shall be void and of no effect. Otherwise, the bond will remain in full force and virtue. AND IT IS HEREBY DECLARED THAT:—

- (a) The above written bond shall remain in full force and effect for a period of year from the date of importation of the said imported goods.
- (b) That the payment of the amount of the bond will the Government in enforcing the conditions of the aforesaid bond against the importer or any time being granted or any indulgence by the Government to the importers in connection therewith shall not discharge the surety.
- (c) That this bond is entered into under the orders of the Central Government for the performance of an Act in which the public are interested.
- (d) That the payment of the amount of the bond will not affect the liability of the importers to any other action (including refusal of further licences), that may be taken under the Import Trade Control regulations.

The stamp duty on this bond has been agreed to be paid by the Government.

Schedule of the imported goods referred to above.

IN WITNESS WHEREAS the parties hereto have duly executed these presents day and the year first above written.

Signed, sealed and delivered by the within named importers. In the presence of—

- 1.
- 2.

(Witnesses should also give their occupation and address).

Signed, sealed and delivered by the within named importers. In the presence of—

- 1.
- 2.

(Witnesses should also give their occupation and address).

For and on behalf of the President of India

APPENDIX XVIII-C

FORM OF LEGAL AGREEMENT FOR IMPREST LICENCES

An Agreement made this _____ day of _____ 198____ between _____, a company incorporated under the Companies Act, 1936 and having its registered office at _____ (hereinafter referred to as 'THE COMPANY' which expression shall include its successors and assigns) of the one part and the PRESIDENT OF INDIA (hereinafter referred to as 'GOVERNMENT', which expression shall include his successors in office and assigns) of the other part WHEREAS the Company has been granted an import licence/release order No. _____ for import of raw materials and components of the C.I.F. value of Rs. _____ (both in words and figures) AND WHEREAS as a condition of the said import licence/release order the Government has stipulated that the _____ Company must earn foreign exchange to the extent of Rs. _____ over a period of _____ months from the date of clearance of the first consignment or 30 days from the date of importation of the first consignment, whichever is earlier or the date of supply of raw material by the canalising agency against the subject licence/release order by exporting _____;

Now this agreement witnessed as follows :—

1. The Company shall earn foreign exchange for an F.O.B. value of Rs. _____ by exporting _____ within a period of six months as aforesaid. Exports to Bhutan will not qualify for redemption of export obligation as also export to Afghanistan and Nepal, if made otherwise than against payment in free foreign exchange, will not qualify for redemption of export obligation.

2. The Company shall furnish a report within one month of the expiry of the said period of export obligation to the concerned Jt./Dy. Chief Controller of Imports and Exports in regard to exports made viz the particulars of goods exported, their quantity and f.o.b. value and the countries to which exported. All this data shall be duly certified by a Chartered Accountant.

3. The importer shall also submit to the concerned Jt./Dy. Chief Controller of Imports and Export within one month of the expiry of the period of export obligation as aforesaid, bank certificates in original showing realisation of foreign exchange against exports made in fulfilment of the export obligations and such other documents as may be demanded by the Jt./Dy. Chief Controller of imports and Exports as evidence, in support of the foreign exchange earned in fulfilment of the terms and conditions of this agreement.

4. In the event the Company is not able to fulfil the export obligation undertaken by it as aforesaid the Company shall on the instructions of the concerned Jt./Dy. Chief Controller of Imports and Exports or the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi, hand over to the State Trading Corporation/Projects and Equipments Corporation/Minerals & Metals Trading Corporation or such other agency as the Government (including C.C.I.&E.) may nominate (hereinafter referred to as the Agency) the difference between the stipulated export obligation and actual exports in terms F.O.B. value of the products to be exported, for export by the Agency at such prices as is able to obtain abroad. The Company shall, in addition pay simultaneously a sum of Rs. _____ (this would be equal to 5% of the export obligation subject to a maximum of Rs. 5 lakhs) by way of 'liquidated damages' to the Agency. The Agency (after exports and realisation of sale proceeds of the aforesaid products as expeditiously as possible) shall give to the Company rupee equivalent of the net foreign exchange earned by the Agency on such exports after taking such expenses (including the Agency normal commission) as has been incurred by the Agency. If the agency so nominated incur expenses in excess of the liquidated damages which cannot be adjusted for any reasons against the Sale/Disposal value of the goods supplied to the agency concerned, such excess expenditure shall be recoverable by the Government from the company.

5. The F.O.B. value representing the difference between the stipulated export obligation and the actual exports referred to above and also the amount representing 5% of the export obligation by way of 'liquidated damages' shall be determined by the Jt./Dy. Chief Controller of Imports and Exports or Chief Controller of Imports and Exports and the decision of the said authority shall be final and binding on the company. While determining the value, the said authority will, if it is considered necessary give an opportunity to the Company to produce such an evidence as it can, in support of the determination of the value for this purpose.

6. In the event of the Company failing to fulfil the export obligation undertaken by it as aforesaid, except when the fulfilment of such obligation is prevented or delayed because of any law, order, proclamation, regulations or Ordinance of the Government, the Government shall be free to take possession of the goods produced by the Company or of the imported raw material as the case may be, and take such action as it may consider necessary for the disposal/distribution in a manner and at a price as may be decided by the Government, in addition to recovering liquidated damages in terms of clauses. If the liquidated damages are not paid on demand, Government will be free to recover these from any cost assistance that may be due to the company. Any order issued by the Government in his regard shall be final and binding and the company hereby undertakes to comply unconditionally with such an order. This shall however, be without prejudice to any other action that may be taken under the Import and Export (Control) Act, 1947 and orders issued thereunder. In the event of the failure of the company to pay the liquidated damage on demand, such liquidated damages shall also be recoverable from any cash assistance payable to the company. Any stamp duties payable on this document or any documents executed thereunder shall be borne by the Company.

In Witness Whereof the Common Seal of _____ has been hereunto affixed and for and on behalf of the President of India Shri _____ has set and subscribed his hands hereunto,

Common Seal of the within named Company has been affixed hereunto in the presence

Signature

of (i) Shri _____ (I) _____ (Residential address)

Director and (ii) Shri _____ (ii) _____ (Residential address)

Director who have been duly authorised for the purpose by a resolution of Board of the Directors of the Company passed at the meeting held on _____ and who have signed in the presence of _____

1. _____ (name, designation and address)

2. _____ (name, designation and address)

Signed for and on behalf of the President of India by Shri _____ in the presence of _____

1. _____ (name, designation and address)

2. _____ (name, designation and address)

APPENDIX XVIII

CERTIFICATE TO BE FURNISHED FOR CLAIMING REPLENISHMENT OF GOLD AGAINST EXPORT OF GOLD ORNAMENTS ARTICLES AT EXHIBITIONS

Date :

This is to certify that the following are the details of goods *actually* sold against invoice Nodated.....in the exhibition and the foreign exchange repatriated into India and surrendered to the Indian Exchange Control in accordance with the Import & Export Policy 1985-88 (Annexure II to Appendix 22) :

1. Name of the Indian Exporter

2. Exhibition held on (i) Date :
(ii) Place :

3. Organised by whom :

1	2	3	4	5	6	7	Particulars of Studying		8	9	10	11
Sr. Pieces No.	Des- crip- tion	Gross Wt. Grams	Net Wt. Grams	Value of Gold as per rate Rs.	Des- crip- tion	Pieces	Wt. in Cts	Actual Sale Price & date of sale	Making charges	Total f o b. value i.e. 6 7 8 Rs	Selling Price in foreign currency	F.O.B. value repatriated

Signature .

Name :

[Designation :

Date :

Seal

APPENDIX XIX-A

APPLICATION FORM FOR LICENCE FOR PERMISSION

(To be submitted with 14 para copies and a Demand Draft for Rs. 1,000/- in favour of Pay & Accounts Officer, Department of Industrial Development).

Note : This form is to be used for application for a licence or permission for the establishment of 100% Export Oriented Industrial Undertakings.

1. Name & Address of the applicant
2. (i) Name and address of the Industrial undertaking
(ii) Names of Proprietors, Partners or Board of Directors and their addresses with full details of their occupation
3. Whether the undertaking is registered under the MRTP Act, 1969, if so, please indicate
(i) Sub-Section of Section 20 with reference to which registered (i.e. Section 20(i) or (b)
(ii) Registration No. & Date
(iii) Whether an application has been made to the Deptt. of Company Affairs for permission under Section 21 or 22 of the MRTP Act, 1969. If so, please give brief particulars. If not, please state reasons for not submitting the application
(iv) If not registered under MRTP Act, please give the number & date of show-cause notice, if any issued to you by the Deptt. of Company Affairs. Also indicate whether you have made any representation in this regard to that Deptt. and, if so, when?
(v) Whether the applicant firm/undertaking is a dominant undertaking in terms of the MRTP Act. If so, please indicate
(a) Items of production in respect of which the undertaking falls in the category of 'dominant' undertaking.
(b) Annual production figure in respect of such items for the preceding four calendar years.

4. Capital structure :

- A. In the case of companies registered under the Indian Companies Act, 1956;

I. Existing

	<i>Equity</i>	<i>Preference</i>
Authorised Capital		
Subscribed Capital		
Paid-up Capital		

(a) Foreign holding :

(i) Direct participation		
(ii) Indirect participation		
(iii) Total (i) & (ii)		

(b) Indian holding :

(c) Borrowing		
(i) Borrowing		
(ii) Existing debt equity ratio in the company		

II. Proposed

Authorised Capital		
Paid-up Capital		
Subscribed Capital		

(a) Foreign holding :

(i) Direct participation		
(ii) Indirect beneficial participation		
(iii) Total (i) & (ii)		

(b) Indian holding :

(c) Borrowing		
-------------------------	--	--

- B. In the case of companies other than those registered under the Indian Companies Act, 1918

(i) Capital investment by the owner excluding borrowing		
(ii) Shares of each of the partners		
(iii) Borrowing		

APPENDIX XIX-A (Contd.)

5. (a) Whether the proposed investment is for a new undertaking (NU) or for the manufacture of new article (NA) or for the Substantial expansion (SE) for production for export in the existing undertaking
- (b) If the investment is proposed to be undertaken by a new undertaking indicate proprietors, partners or Board of Directors with full details of their addresses & occupation
- (c) Details of capital structure viz—capital to be realised by members; share participation by the State or Central Govt. and by others ;
6. Finance pattern for the proposed investment containing details of :
- (i) Capital to be raised by the applicant & his supporters .
- (ii) Assistance if any, proposed to be sought from financing institutions with break-up of loans, underwriting participation in equity capital, etc.,
- (iii) And from other sources
7. (a) Proposed location of the factory
- Tehsil
- District
- State
- (b) Whether the Tehsil District is a notified backward area eligible for investment subsidy from the Government.
- (c) (i) Whether the proposed location falls within the standard urban area limit as determined in the census of India 1981 of a city having a population of more than 1 million
- (ii) Within the Municipal limit of a city of population of more than 0.5 million as determined in the Census of India, 1981;
8. (a) Items of manufacture and capacities for which licence is sought ;

Sl. No.	Item of manufacture	Scheduled Industry to which is related.	Whether the applicant holds a licence for the manufacture of the item. If yes, the present licensed capacity	Proposed annual installed capacity on the basis of maximum utilisation of plant and machinery
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)

(b) Ex-factory value of

(i) Annual production of items presently manufactured .

(ii) Annual production of items proposed for manufacture for export

9. Estimated requirement of capital goods, raw materials, components consumables and spares.

(A) Requirement of Capital goods :

IMPORTED				INDIGENOUS			
Item of CG to be procured	Capacity	Qty.	C.I.F. Value (Rs.)	Items of CG to be procured	Capacity	Qty.	Value (Rs.)
(If necessary, list may be attached)				(If necessary list may be attached)			
1st Yr.							
2nd Yr.							

APPENDIX XIX- A (Contd.)

(B) Requirement of Raw Materials :

IMPORTED			INDIGENOUS		
Name of the Raw material(s)	Qty.	C.I.F. Value (Rs.)	Name of Raw material(s)	Qty.	Value (Rs.)
1st Yr.			1st Yr.		
2nd Yr.			2nd Yr.		
3rd Yr.			3rd Yr.		
4th Yr.			4th Yr.		
5th Yr.			5th Yr.		

(C) Requirement of Components :

IMPORTED			INDIGENOUS		
Name of the component	Qty.	C.I.F. Value (In Rs.)	Name of the component	Qty.	Value (In Rs.)
1st Yr.			1st Yr.		
2nd Yr.			2nd Yr.		
3rd Yr.			3rd Yr.		
4th Yr.			4th Yr.		
5th Yr.			5th Yr.		

(D) Requirement of consumables :

IMPORTED			INDIGENOUS		
Name of the Consumable(s)	Qty.	C.I.F. Value (In Rs.)	Name of the Consumable(s)	Qty.	Value (In Rs.)
1st Yr.			1st Yr.		
2nd Yr.			2nd Yr.		
3rd Yr.			3rd Yr.		
4th Yr.			4th Yr.		
5th Yr.			5th Yr.		

(E) Requirement of Spares(s) :

IMPORTED			INDIGENOUS		
Name of the Spare(s)	Qty.	C.I.F. Value (In Rs.)	Name of the Spare(s)	Qty.	C.I.F. Value (Rs.)
1st Yr.			1st Yr.		
2nd Yr.			2nd Yr.		
3rd Yr.			3rd Yr.		
4th Yr.			4th Yr.		
5th Yr.			5th Yr.		

10 Indicate requirements of fixed assets in the following firms :

Fixed Assets	Existing	Proposed
(a) Land		
(b) Building		
(a) Machinery		
(i) Indigeneous		
(ii) Imported		

APPENDIX A-1-A (Contd.)

11. Is any foreign collaboration (whether financial, technical, marketing or consultancy envisaged) ?

If so give the following details :

- (i) Name & address(es) of the foreign collaborator(s) .
 (ii) Nature of foreign collaboration ; .
 (iii) Terms and conditions of the foreign collaboration ; .

12. Is the manufacture based on the technology developed by any laboratories established by CSIR or approved in this behalf by Deptt. of Science & Technology or sponsored research undertaken by such laboratories on behalf of industries/undertakings ? If the answer is 'Yes' submit the necessary certificate from Deppt. of Science & Technology ;

13. (a) Volume of exports and its FOB value ;
 (b) What will be the gestation period which you consider necessary for achieving export targets ;
 (c) Whether you have been engaged in the business of exports or manufacture for export and if so indicate the items of export alongwith their FOB value during the last 3 years .
14. What would be the minimum percentage of value addition which you will achieve on the authorised production of the undertaking (Domestically procured raw-material components & consumables shall be treated as imports for computing value added) (The formula for calculation of value addition percentage is $A-B \times 100$)

A

Where A = Projected FOB value of exports in the first five years of production and

B = (1) All foreign exchange outgo on import of raw materials, components, consumables, capital goods, spares, etc., payment royalty etc. to foreign collaborators, payment of commission on exports; etc.,

PLUS

(2) Value of requirement for the first five years production (to achieve the export target of 'A') of raw materials, components, and consumables imported from the domestic tariff area)

15. Foreign exchange earnings in the first five years.

1st Year 2nd Year 3rd Year 4th Year 5th Year Total

- (a) Foreign exchange earnings based on FOB value of exports covered by export obligation ;
 (b) Foreign exchange outgo on
 (i) Import of machinery and equipment ;
 (ii) Import of raw materials and components ;
 (iii) Import of spares and consumables ;
 (iv) Repatriation of dividends and profits to foreign collaborators ;
 (v) Other payments to collaborators by way of lumpsum royalties, technical know how fee, etc.
 (vi) Commission on export etc.,
 (vii) Any other payment
 (c) Foreign Exchange earnings in five years

16. Water Supply :

- (i) Is adequate water (furnish quantity) available for the requirements of the factory and township and staff quarters ?
 (ii) Will it be drawn from public sources ?

17. Power Supply :

Connected load in KW

Maximum demand in KW

- (a) Total requirement of power for the proposed project
 (b) Break-up of the above requirement of power to be met from
 (c) (i) Own generating station
 (ii) From public supply
 (d) In case of own station the particulars of plant in operation

APPENDIX XIX-A (Contd.)

18 Transport :

Indicate requirement of rail transport for movement of raw materials and finished products in the proforma attached.

19. Fuel :

Detail of fuel requirement. Indicate requirements of coal/fuel in the proforma attached.

20. Staff & labour proposed to be employed in the implementation of the project :

Particulars	Existing	Proposed	Total
(a) Managerial :			
(b) Supervisory :			
(i) Technical :			
(ii) Non-Technical :			
(c) Clerical :			
(d) Labour : Skilled			
Semi-skilled			
Unskilled :			
(e) Other categories, if any			
Total			

21. Whether any of the required components are proposed to be sub-contracted to small scale & ancillary units and if so the details thereof ? Details should indicate if the small scale/ancillary unit(s) is/are a subsidiary or controlled or managed by the applicant/undertaking and components that will be sub-contracted the percentage in relation to the total expected value of production ;
22. Brief description of the process involved in the manufacture and factors favourable for their adoption ;
23. Steps proposed to ensure safe disposal for the discharge of effluents & gases in air, water & soil including installation of anti-pollution measures according to the standard prevailing in concerned State ;
24. Estimated time required for Commencement of production from the date of approval letter
25. Whether the applicant has been issued any Industrial licence or letter of intent so far and if so, full particulars of each letter of intent/industrial licence issued to him with reference number, date of issue, items of manufacture and progress of implementation of each such letter of intent/industrial licence. Whether the applicant party has submitted any other application(s) for letter(s) of intent is/are pending. If so the details thereof including the items of manufacture, proposed capacity, location & investment.
26. Mention details of the industrial undertakings under the control of the applicant or with the management of which the applicant management of which the applicant has been associated which had remained closed for a consecutive period of not less than 90 days during 3 years preceding the date of application. Reasons for closure, steps taken by the management for the revival & the present state of that industrial undertaking may also be indicated.
27. State the factors which you consider favourable in respect of your application. These factors should bring out the technical competence, experience and resources (Managerial, technical & financial) of the applicant/undertaking for implementing the scheme as also the preliminary studies on techno-economic aspects, viability, market survey and forecast etc. include The direct and indirect employment that will be generated etc. In the case of substantial expansion/the considerations which favour the grant of substantial expansion, including the economies of scale, should be brought out. The financial resources (either of the applicant or the undertaking) and the modes of financing the proposed investment would also be highlighted.
28. (a) Indicate whether the applicant or the undertaking or any of the partner/ Director of the undertaking who is a partner/ Director or another company or its associate concerns have been penalised/fined for violation of ITC Regulations or Customs regulations.
- (b) If answer to part (a) is in affirmative, then give details.

APPENDIX XIX—*(Contd.)*

29. (a) Indicate whether the applicant or the undertaking or any of the partner/Director who is also a partner/Director of another company or its associate concerns, have been debarred or placed in abeyance from getting any Licence/Letter of Intent/Permission letter
- (b) Indicate whether the applicant, undertaking or any of the partner/Director who is also a partner/Director of a another company or its associate concerns, have been issued notice by the Govt. of India debarring from getting any Licence/Letter of Intent/Permission Letter
- (c) If reply to part (a) and/or (b) is in the affirmative, then give details

I/We hereby declare that the above statements are true and correct to the best of my/our knowledge and belief. I/We fully understand that any Letter of Intent/Permission Letter granted to me/us on the basis of the statement furnished is liable to cancellation or being made ineffective in addition to any other penalty that the Government may impose or any other action that may be taken having regard to the circumstances of the case if it is found that any of the statements or facts therein are incorrect or false

(Signature with full name)

Place :—

Designation

Date :—

Relationship

Full Residential address

.

EXPLANATORY NOTE :

- Indirect beneficial participation means wherein the list of shareholders there are companies which themselves have non resident shareholding. Particulars of major share-holding of 5% and above of the equity capital alone may be taken for this purpose.
- Please refer to Schedule VI to the Ministry of Industry notification of 6th February, 1973 as amended from time to time.

(Proforma referred to in Item No. 18 in the form—100% Export)

Statement showing the rail transport requirement of M/s. for the movement of raw material and finished goods for the manufacture of

Exact Location of the Undertaking and railway station which will serve it.	Commodity required to be manufactured.	Quantities of finished products in tonnes required to be moved by rail year by year during the next few yrs.		The directionwise breakdown of traffic as stated in col. 3 on a daily basis indicating important stations/areas to which the despatches are to take place.	Name of each raw-material
		Annual movement (tonnes)	Daily average (tonnes)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
(A)					
(B)					
(C)					

Source of supply of each raw material indicating stations and areas, etc.	Quantity of each raw material		Brief indications of special facilities if any required at the despatching and receiving stations including spl. type of Wagons.	Any other information relevant to railway transport requirements.
	Annual movement (Tonnes)	Daily movement (Tonnes)		
(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
(A)				
(B)				
(C)				

APPENDIX XIX—A (Concl.)

(Proforma referred to in Item No. 19 in Form—100% Export)

Statement showing the requirements of Coal/Coke of M/s-----

Exact location of the Undertaking and the Railway Station which will serve it	Grade, class, etc., of coal/coke required		Quantity of Coal/Coke required per month.		Source of supply indicating station and areas	Date of commencing	Types of turning equipment used
	Coal	Coke	Coal	Coke			
1	2	3	4	5	6	7	8

APPENDIX XIX-B

FORM OF LEGAL AGREEMENT FOR 100% EXPORT
ORIENTED UNITS

An Agreement made this _____ day of _____ (19__ between M/s. _____ a 100% export oriented Unit as defined in Ministry of Commerce (Deptt. of Commerce) Resolution No. 8 (15)/78/EP dated 31st December 1980 having its registered office at _____ (hereinafter referred to as "the Unit" which expression shall include its successors and assigns) of the one part and the President of India (hereinafter referred to as "Government" which expression shall include his successors in office and assigns) of the other part.

WHEREAS the Government have communicated vide _____ dated _____ to the Unit the terms and conditions for setting up the 100% export oriented unit for the manufacture of _____ and the unit has duly accepted the said terms and conditions vide their letter No. _____ dated _____.

AND WHEREAS the Unit has been granted an import licence No. _____ dated _____ for a c.i.f. value of Rs. _____ for import of plant, machinery and equipment and import licence No. _____ dated _____ for a c.i.f. value of Rs. _____ for the import of raw materials, components and consumables.

AND WHEREAS the Unit has been allowed to import the capital goods, raw materials and components etc. free of import duty.

AND WHEREAS the unit has been allowed to purchase indigenous capital goods, components and raw materials for a value of Rs. _____ without payment of Central excise duty.

AND WHEREAS as a condition of the licence granted to the Unit, the Government has stipulated that the Unit must earn foreign exchange by exporting 100% of the production of the export product, namely, _____ for a period of _____ years beginning from the first day after completion of the gestation period allowed by the Government (hereinafter referred to as the prescribed date) after allowing rejects upto _____ percentage.

NOW THIS AGREEMENT WITNESSETH AS FOLLOWS

1. The Unit shall earn foreign exchange by exporting 100% of their production of _____ for a period of _____ years, counting from the prescribed date after allowing rejects upto _____ percentage of production as aforesaid. Exports to Bhutan will not qualify for redemption of export obligation as also exports to Afghanistan and Nepal if made otherwise than against payment in free foreign exchange. This export obligation shall be in addition to and over the above any other export obligation that might have been or may be imposed on the Unit on any other ground.

2. The Unit shall intimate the date of commencement of production for 100% export within one month of such date to the concerned Joint/Deputy Chief Controller of Imports & Exports.

3. The Unit shall within a period of three months beginning from the first day of the financial year after the commencement of export production, submit to the Joint/Deputy Chief Controller of Imports and Exports certificates in original and such other documents as may be demanded by the said authority giving details of the following imports/export effected and purchases made from the Domestic Tariff Area by the Unit during the period—

(a) Quantity, specifications and c.i.f. value of (i) capital goods, plant machinery and equipment and (ii) raw materials, components and consumables.

(b) Quantity, specifications and value of indigenously produced (i) plant machinery and equipment and (ii) raw materials, components and consumables.

(c) Quantity, specifications and for value of exports of the Unit shall submit similar certificate and such other docu-

ments to the said authority every year for a period of _____ years, within three months from the end of each financial year.

4. In the event the Unit is not able to fulfil the Export Obligation undertaken by it as aforesaid, the Unit shall, on the instructions of the concerned Joint/Deputy Chief Controller of Imports and Exports or the Chief Controller of Imports and Exports pay to the Government the amount of customs duty that would be leviable at the relevant time on the items of plant, machinery and equipment and raw materials, components and consumables allowed for import by the Unit in terms of the licence granted to them and also the amount of excise duty leviable on the indigenous plant, machinery and equipment and raw materials, components and consumables purchased by the Unit during the period. The Unit, shall, in addition pay simultaneously to the Government liquidated damages, the amount of which will be decided by the Government taking into account the circumstances of the case. The amount of liquidated damages shall be determined by the Joint/Deputy Chief Controller of Imports and Exports or the Chief Controller of Imports and Exports and the instructions of the said authority shall be final and binding on the unit while determining the extent of liquidated damages the said authority will, if it is considered necessary, give an opportunity to the Unit to present its arguments.

5. The Unit will under no circumstances be allowed to dispose of the export product in the domestic market unless specifically allowed by Government.

6. In the event of the Unit failing to fulfil the export obligation undertaken by it as aforesaid, except when the fulfilment of such obligation is prevented or delayed because of any law, order, proclamation, regulation or ordinance of the Government, the Government shall be free to issue any directions to the Unit regarding the manner of disposal of the export goods and the Unit shall be bound to comply with the same. This will be without prejudice to any other action which may be taken against the unit under the provisions of the Imports and Exports (Control) Regulations or any other rules.

7. Any customs duties/excise duties and interest at 18% from the date of import/supply to the date on which payment is made due to Government under the Agreement shall also, without prejudice to any other mode of recovery be recoverable in accordance with the provisions of Section 142 of the Customs Act, 1962/section 11 of the Central Excise and Salt Act, 1944, and rules made thereunder and/or from any other payment due to the Unit from the Government.

8. Any order issued by the Government in this regard shall be final and binding and the Unit thereby undertaken to comply unconditionally with such an order.

9. Any stamp duties payable on this document or any document executed thereunder shall be borne by the Unit.

In Witness whereof the Common Seal of _____ has been hereunto affixed and for and _____ has set and subscribed his hands hereunto. Common seal of the within named Unit has been affixed hereunto in the presence.

2.

Signature :—

of (i) Shri _____ (i) _____
(Residential address)

Director and (ii) Shri _____ (ii) _____
(Residential address)

Director who have been duly authorised for the purpose by a resolution of Board of the Directors.

APPENDIX XIX-B (concl'd.)

_____ of the Company passed at the meeting held on _____ and who have signed in the presence of _____

1. _____ (name, designation and address)

2. _____ (name, designation and address)

Signed for and on behalf of
The President of India Shri
in the presence of

1. _____ (name, designation and address)

2. _____ (name, designation and address)

EXEMPTION MATERIALS

1. *Plant, Machinery and equipment imported*
No.

Description of
material
CIF value

2. *Raw materials components and consumables imported*
No.

Description
technical
Characteristics
CIF value

3. *Plant Machinery and equipment and raw material components and consumable indigenously produced and purchased without payment of central excise duties*
No.

Description
technical
Characteristics
Value

4. *Resultant Products to be exported.*
No.

Description
Quality
technical
Characteristics
Qty.
FOR Value

APPENDIX XX

APPLICATION FOR CLAIMING IMPORT REPLENISHMENT AGAINST SUPPLIES FROM D.T.A. TO UNITS IN FREE TRADE ZONES

1. Name of applicant :
2. Full postal address :
3. Details of the supplies :
(Description, quantity and value)
4. Serial No. of the goods in the Import Policy for Registered Exporters :
5. Period during which supply was made :
6. Import Replenishment claimed :
7. (a) No. & date of registration certificate :
(Copy of registration certificate to be furnished).
- (b) Whether applicant is registered as manufacturer exporter or merchant exporter :
- (a)
- (b)
- (c)
- (d)
- (e)
- (f)
- (v) The consignment(s)/parcel(s) have not been returned. If at any time the exported goods are returned by the consignee necessary intimation shall be sent to the Development Commissioner of the Zone within one month thereof, who will in turn, inform the licensing authority, to set off the value of import replenishment licence issued against future import licences due to me/us or to my/our nominees without prejudice to any other action that may be taken in this behalf.
- (vi) If as a result of a scrutiny by the licencing authority at any time, any excess licensing/payment is found to have been done/made to me/us against this application, the same shall be liable for being adjusted against future licences payments due to me/us or to my/our nominees under any category without prejudice to any other action that may be taken in this behalf.
- (vii) I/We hereby undertake that any licence granted on the basis of this application shall be liable to cancellation without prejudice to any other action that may be taken in this behalf, if any, information furnished in this application is found to be wrong or incorrect or misleading.
- (viii) I/We have not under-invoiced or over-invoiced our exports.

UNDERTAKINGS/DECLARATIONS

I/We hereby solemnly undertake/declare :—

- (i) Particulars stated above are correct
- (ii) The goods as mentioned in this applications have been supplied to
in terms of the contracts secured by us.
- (iii) The supplies have been made at export prices.
- (iv) That no other application for import licence has been made or will be made in future against exports covered by this application.

Signature.....

Name in Block letters.....

Designation.....

Full Residential Address.....

Name of applicant firm.....

APPENDIX XXI A

FORM OF APPLICATION FOR GRANT OF
"EXPORT/TRADING HOUSE" CERTIFICATE

1. Name and address of the applicant.
2. Date of establishment of business under the present name
3. Nature of the concern, whether public limited or private company, partnership or Hindu Undivided family concern.
4. Names of the Directors/Partners/Proprietor or Karta as the case may be
5. Details of the Head Office, Branches or Associate Companies (name and location):
(i) In India.
(ii) Abroad
6. (i) No. & Date of certificate & Registration as Registered Exporter.
(ii) No. & date of last Export and/or Trading House certificate and date upto which valid, if any.
(iii) No. & date of first Export and/or Trading House certificates issued, if any
7. (i) Whether Merchant Exporter or Manufacturer Exporter.
(ii) If Manufacturer exporter-whether large scale or small scale, (Registration/Industrial licence No. & Date-should be given)
8. Name and address of applicant's bankers. An indication of the applicant's financial resources may also be given.
9. Statement of Exports:

Year (Preceding three financial years)	Description of item exported	Sl. No. of the item exported as per col. 2 of the Statement of Policy for Registered Exporters for April 85-March 88 in respect of Select List of Export Products	Name and address of the manufacturer of the goods exported	Relationship with the manufacturing Co. mentioned in Col. 4 i. e. whether they are your branches, associate companies etc. or separate legal entities	Country to which exported	F. O. B. value of of exports?
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1.						
2.						
3.						

Note: Separate statements for each year may be attached with the application.

APPENDIX XXI—A *Contd.*

I/We hereby declare that the above statements and financial information are true and correct to the best of my/our knowledge and belief and nothing has been concealed; that all the registers and records prescribed have been maintained and that the financial information has been drawn up from and is in agreement with register(s) and records so maintained.

I/We further declare that:—

- (i) The F. O. B value of exports on the basis of which grant of Export/Trading House Certificate has been claimed in this statement are our direct exports. The Export Order/contract, the bank certificate/shipping bills and the invoices were in our name only (if the invoice also mentions the name of the manufacturer of goods exported, this may be indicated).
- (ii) In the case of exports made by us as associates of STC/MMTC, the conditions laid down in Chapter XXI of Import-Export Policy, 1985-88 are fulfilled. All the REP benefits on these exports have been taken by us or will be taken by us for which the STC/MMTC has given a disclaimer and they shall not compute these exports as theirs for claiming renewal as an Export/Trading House. Also our name appears with or without the name of the STC/MMTC in the documents viz A certificate to the effect obtained from the STC/MMTC is enclosed
- (iii) The F. O. B. value shown in the statement is exclusive of commission paid or payable.
- (iv) The F. O. B. value of exports pertains to the goods which have not been returned by the consignee abroad.

I/We hereby declare that the FOB value of products shown above, as manufactured by small scale units comprises items manufactured only by SSI units

I further certify that I am authorised to verify and sign this statement on behalf of the applicant

I/We fully understand that any information furnished in the above statement, if proved incorrect or false, will render me/us liable for any penal or other consequences as may be prescribed in law or otherwise warranted.

Signature
Name of the

Exporter
Full official

address

Place : Full residential

Date : address

*If any of the documents have not been maintained they may be specified below:—

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.

CERTIFICATE OF CHARTERED ACCOUNTANT/COST ACCOUNTANT/COMPANY SECRETARY

I/We hereby confirm that I/We have examined the prescribed registers and also the relevant records of M/s.....
.....for the period from
.....to for the period/year
ended and hereby certify that:

- (i) M/s. have
(full address of the applicant)

exported during each of the three financial years specified in the statement(s) in the application, select products, indicated in Appendix 16 of the Import Export Policy, 1985-88. These exports are direct exports, effected by the firm/company in their own name only and no exports on account of or on behalf of or third party exports have been included in the above statements. The exports, if any, effected by the firm/company as associate of STC/MMTC/Other Government notified canalising agency are direct exports of the firm/company as verified from the documents and a disclaimer given by the STC/MMTC/Other Government notified canalising agency.

- (ii) The following documents and records have been furnished by the applicant and have been examined and verified by me/us namely:—

Export Order/Contract, Shipping Bills, Delivery Vouchers, Bills of Lading (and/or Airway Bills/PP Receipts), Customs/Bank attested Invoices, Bank Certificates, evidence of payments received in foreign exchange in their own name and connected books of accounts;*

- (iii) the relevant registers have been authenticated under my/our seal/signatures;

- (iv) the financial information given in the above statement is in agreement with the relevant registers and records, the same has been incorporated in the books of accounts maintained by the exporter; and is also true and correct;

- (v) It has been ensured that the information furnished is true and correct in all respects; no part of it is false or misleading and no relevant information has been concealed or withheld;

- (vi) neither I, nor any of my partners is a partner, director, or an employee of the above-named entity or its associate concern;

- (vii) I/We fully understand that any statement made in this certificate if proved incorrect or false, will render me/us liable for any penal or other consequences as may be prescribed in law or otherwise warranted.

(Signature and Stamp/Seal of the Signatory)

(Chartered Accountant/Cost Accountant/ Company Secretary).

Name of the signatory

Full address

Membership No.

Date :

*If any of the documents or records mentioned in item (i) of the certificate have not been maintained/furnished/examined/verified, they may please be specified below:—

- 1.
- 2.
- 3.

APPENDIX XXI—A *Concl*

NOTES .

1. The statement of exports should be given in five parts as under :—

- (i) Part I should give exports of products included in the Select List of Export Products as given in Appendix 16 (Products other than those manufactured by SSI units).
- (ii) Part II should give exports of products included in the Select List of Export Products, as given in Appendix 16 (Products manufactured by SSI units). In the statement, along with the name of the manufacturer, the SSI registration number allotted to the manufacturer by the State Director of Industries should also be quoted. (In the case of the manufacturers which are not registered with the State Director of Industries, the Export/Trading House should furnish its own declaration to the effect that the manufacturers in question are SSI units).

- (iii) Part III should be exports of products other than those included in the Select List of Export Products referred to above (Products other than those manufactured by SSI units.)
- (iv) Part IV should be exports of products other than those included in the Select List of Export Products referred to above (Products manufactured by SSI units). (In this statement along with the name of the manufacturer, the SSI registration number allotted to the manufacturer, by the State Director of Industries should also be quoted. In the case of the manufacturers which are not registered with the State Director of Industries, the export house should furnish its own declaration to the effect that the manufacturers in question are SSI units.)
- (v) Statement of invisible exports, which should give the actual amount of foreign exchange realised through the bank, the financial year in which the foreign exchange has been realised and the name of services rendered pertaining to which the foreign exchange has been realised.

APPENDIX XXI-B

FORM OF APPLICATION FOR RENEWAL OF EXPORT / TRADING HOUSE CERTIFICATE

1. Name and address of the applicant.
2. Date of establishment of business under the present name.
3. Nature of the concern, whether public limited or private company, partnership or Hindu Undivided Family concern
4. Names of the Directors/Partners/proprietor or Karta as the case may be.
5. Details of the Head Office, Branches or Associate companies (name and location)
 - (i) In India
 - (ii) Abroad
6. (i) No. & date of Certificate of Registration as Registered Exporter.
 (ii) No. & date of last Export and /or Trading House Certificate issued & date upto which valid.
 (iii) No. & date of first export and or trading house certificate issued.
7. (i) Whether Merchant Exporter Manufacturer Exporter.
 (ii) If Manufacturer-exporter whether large scale or small scale (No. & date of Registration/Industrial Licence should be given)
8. Name and address of applicant's bankers. An indication of the applicant's financial resources may also be given
9. Date upto which existing Export/Trading House Certificate, if any, is valid
10. (a) Statement of Exports :
 (In five parts as explained in the Note - below)

Year (Preceding three financial years)	Description of item exported	Sl. No. of the item exported as per Col 2 of the Statement of Policy for Registered Exporters for the licensing year in respect of Select List of Export Products.	Name and address of the manufacture of the goods exported.	Relationship with the manufacturing Co. mentioned in Col. 4 i. e. whether they are your branches associate companies etc. or separate legal entities.	Country to which exported	F.O.B. value of exports
1	2	3	4	5	6	
1.						
2.						
3.						

Not : Separate Statements for each year may be attached with the applications.

APPENDIX XXI—B *Contd.*

(b) Net realisation of foreign exchange :

(To be given in five parts corresponding to the Statements of exports in five parts specified in 10 (a) above)

Year (preceding three financial years)	Total FOB value in Col. 10 (a) above, for the relevant years.	Total CIF values of all categories of Advance, Imprest REP licences and Import-Export Pass Books, in any, issued during the relevant years or their eligi- bilities for these during these years in Col. 1	Net realisation of foreign exchange (value if Col. 3 is to be deducted from the value in Col. 2)	Remarks
1	2	3	4	5
1				
2.				
3				

I/We hereby declare that the above statements and financial information are true and correct to the best of my/our knowledge and belief and nothing has been concealed; that all* the registers and records prescribed have been maintained and that the financial information has been drawn up from and is in agreement with register(s) and records so maintained.

I/We further declare that:—

- (i) the F.O.B. value of exports on the basis of which renewal of Export/Trading House Certificate has been claimed in this statement are our direct exports. The Export Order/Contract, the bank certificates/shipping bills and the invoices were in our name only (if the invoice also mentions the name of the manufacturer of goods exported, this may be indicated).
- (ii) In the case of exports made by us as associates of STC/MMTC, the conditions laid down in Chapter XXI of Import-Export Policy, 1985-88 are fulfilled. All the REP benefits on these exports have been taken by us or will be taken by us for which the STC/MMTC has given a disclaimer and they shall not compute these exports as theirs for claiming renewal as an Export/Trading House. Also our name appears with or without the name of the STC/MMTC in the documents, viz.,..... A certificate to the effect obtained from the STC/MMTC is enclosed.
- (iii) The f.o.b. value shown in the statement is exclusive of commission paid or payable.
- (iv) The f.o.b. value of exports pertains to the goods which have not been returned by the consignee abroad.

I/We hereby declare that the FOB value of products shown above, as manufactured by small scale units comprises items manufactured only by SSI units.

I further certify that I am authorised to verify and sign this statement on behalf of the applicant

I/we fully understand that any information furnished in the above statement, if proved incorrect or false, will render me/us liable for any penal or other consequences as may be prescribed in law or otherwise warranted.

Signature
Name of the
Exporter
Full Official
address
Full residential address.....
.....

Place :

Date :

*If any of the documents/records have not been maintained, they may be specified below :—

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.

CERTIFICATE OF CHARTERED ACCOUNTANT/COST/
ACCOUNTANT/COMPANY SECRETARY

I/We hereby confirm that I/We have examined the prescribed Registers and also the relevant records of M/s.
for the period from
to for the period/year ending
and hereby certify that :

- (i) M/s.
(full address of the applicant)

have realised net foreign exchange for each of the three financial years specified in the statement in serial number 10 of the application, after calculating the total f.o.b. value of exports of select or non-select products, as defined in the Import & Export Policy, 1985-88, for each of the financial years and reducing therefrom the total c.i.f. value of Advance/Imprest licences, REP licences/import entitlements against exports effected in Import-Export Pass Book, if any, issued during the relevant financial year or eligibility as per the relevant Import-Export Policy.

- (a) the following documents and records have been furnished by the applicant and have been examined and verified by me/us namely :—

Export order/Contract, shipping bills, delivery vouchers, Bill of Lading (and/or Airway Bills/PP Receipts), Customs/Bank attested Invoices, Bank Certificates, evidence of payments received in foreign exchange in their own name and connected books of accounts, Advance/Imprest licences REP licences, Import-Export Pass Books, if any, issued during the relevant years and eligibilities as per relevant Import-Export Policy.**

- (ii) the relevant register has been authenticated under my/our seal/signatures.

- (iv) the financial information given in the above statement is in agreement with the relevant register and records; the same has been incorporated in the books of accounts maintained by the exporter; and is also true and correct;

- (v) it has been ensured that the information furnished is true and correct in all respects; no part of it is false or misleading and no relevant information has been concealed or withheld;

- (vi) neither I, nor any of my partners is a partner, director, or an employee of the above-named entity or its associated concerns;

APPENDIX XXI-B *Contd*

- (vi) I/we fully understand that any statement made in this certificate if proved incorrect or false, will render me/us liable for any penal or other consequences as may be prescribed in law or otherwise warranted.

(Signature and Stamp/Seal of the Signatory)

(Chartered Accountant/Cost Accountant/Company Secretary,

Name of the Signatory.....

Full Address

.....

Place -

Membership No.

Date :

- ** If any of the documents or records mentioned in item (ii) of the certificate have not been maintained/tornish-ed, examined or verified, they may please be specified below :

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.

Note :—

The statements should be given in five parts as under :—

- (i) Part I should give (a) exports of products included in the Select List of Export Products as given in Appendix 16 (Products other than those manufactured by SSI units) and (b) the net realisation of foreign exchange from these exports.

- (ii) Part II should give (a) exports of products included in the Select List of Export Products, as given in Appendix 16 (products manufactured by SSI units) and (b) the net realisation of foreign exchange from these exports. In the statement, along with the name of the manufacturer, the SSI registration number allotted to the manufacturer by the State Director of Industries should also be quoted. (In the case of the manufacturers which are not registered with the State Director of Industries, the Export/Trading House should furnish its own declaration to the effect that the manufacturers in question are SSI units).

- (iii) Part III should be (a) exports of products other than those included in the Select List of Export Products referred to above (Products other than those manufactured by SSI units) and (b) the net realisation of foreign exchange from these exports.

- (iv) Part IV should be (a) exports of products other than those included in the Select List of Export Products referred to above (Products manufactured by SSI units) and (b) the net realisation of foreign exchange from these exports. In this statement along with the name of the manufacturer, the SSI registration number allotted to the manufacturer, by the State Director of Industries, should also be quoted. (In the case of the manufacturers which are not registered with the State Director of Industries, the Export/Trading house should furnish its own declaration to the effect that the manufacturers in question are SSI units).

- (v) Statement of invisible exports, which should give the actual amount of foreign exchange realised through the bank, the financial year in which the name of services rendered pertaining to which the foreign exchange has been realised.

APPENDIX XXI—C

FORM OF APPLICATION FOR ADDITIONAL LICENCE

1. Name and address of the applicant
2. Nature of Concern, whether Public Co. or Private Company, Partnership or Hindu undivided family concern
3. Names of Directors, Partners Proprietor or Karta as the case may be
4. Details of Head Office Branches or Associated companies (Name and address)
 - (a) In India
 - (b) Abroad
5. No. and date of Registration Certificate (copy of Registration Certificate to be furnished)
6. No. and date of enrolment as member with FIEO (Copy of membership certificate to be furnished)
7. No. and date of Export House certificate/Trading House Recognition certificate and the date upto which it is valid
8. Total FOB value of exports in the preceding financial year of "Select" products.
 - (a) Exports of select products manufactured by SSI units Rs.
 - (b) Other Exports of Select products Rs.
 - (Attach Chartered Accountant's Certificate)
9. Licensing Period for which Additional licence applied for
10. Value of the licence applied for (C.I.F.)
11. Full details of enclosures attached with the application
 - (a) India
 - (b) Abroad

UNDERTAKING/DECLARATION

I/We hereby declare that the above statements and financial information are true and correct to the best of my/our knowledge and belief and nothing has been concealed; that all* the registers and records prescribed have been maintained and that the financial information has been drawn up from and is in agreement with register(s) and records so maintained.

I/We hereby declare that the FOB value of products shown above, as manufactured by small scale units comprises items manufactured only by SSI units.

I further certify that I am authorised to verify and sign this statement on behalf of the applicant.

I/We fully understand that any information furnished in the above statement, if proved incorrect or false, will render me/us liable for any penal or other consequences as may be prescribed in law or otherwise warranted.

Signature.....
 Name of the
 Exporter.....
 Full official
 address.....
 Full residential.....
 address.....

Place :

Date :

* If any of the records have not been maintained, they may be specified below :

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.

CERTIFICATE OF CHARTERED ACCOUNTANT/COST ACCOUNTANT/COMPANY SECRETARY

I/We hereby confirm that I/We have examined the prescribed Registers and also the relevant records of M/s..... from for the period to for the period/year ended and hereby certify that :

- (i) M/s. (full address of the applicant) have realised net foreign exchange for the financial year specified in the statement in serial number 8 of the application, after calculating the total f.o.b. value of exports of select or non-select products, as defined in the Import & Export Policy, 1985-88, for the financial year and reducing therefrom the total c.i.f. value of Advance/Imprest licences, REP licences/import entitlements against exports effected in Import-Export Pass Book, if any, issued during the relevant financial year or eligibility as per the relevant Import-Export Policy.
- (ii) the following documents and records have been furnished by the applicant and have been examined and verified by me/us namely :—
 Export order/Contract, shipping bills, delivery vouchers, Bill of Lading (and/or Airway Bills/PP Receipts), Customs/Bank attested Invoices, Bank Certificates, evidence of payments received in foreign exchange in their own name and connected books of accounts, Advance/Imprest licence, REP licences, Import-Export Pass Books, if any, issued during the relevant years and eligibilities as per relevant Import-Export Policy.**
- (iii) the relevant register has been authenticated under my/our seal/signatures.
- (iv) the financial information given in the above statement is in agreement with the relevant register and

APPENDIX XXI-C (concl'd)

records; the same has been incorporated in the books of accounts maintained by the exporter; and is also true and correct;

(v) it has been ensured that the information furnished is true and correct in all respects; no part of it is false or misleading and no relevant information has been concealed or withheld;

(vi) neither I, nor any of my partners is a partner, director, or an employee of the above-named entity or its associated concerns;

(vii) I/We fully understand that any statement made in this certificate if proved incorrect or false, will render me/us liable for any penal or other consequences as may be prescribed in law or otherwise warranted.

(Signature and Stamp/Seal of the Signatory)

(Chartered Accountant/Cost

Accountant/Company Secretary)
Name of the Signatory

Full Address
.....

Place :

Date : Membership No.

**If any of the documents or records mentioned in item (ii) of the certificate have not been maintained/ furnished, examined or verified, they may please be specified below.

1.

2.

3.

4.

Note :

(i) F.O.B. value of exports of select export products in Appendix 16 of the Policy during the preceding financial year.

(ii) No. and date, name of the licensing authority which issued and c.i.f. value of all categories of Advance, Imprest, REP licences and Import-Export Pass Book, if any, issued during the preceding financial year or eligibilities for these during the preceding financial year.

(iii) Net realisation of foreign exchange during the preceding year (value in statement 2 to be reduced from the value in statement 1 above).

(iv) The f.o.b. value of exports of select export products manufactured by SSI Units during the preceding financial year (Provision contained in Chapter XXI of the Import & Export policy may be referred to.)

(v) The statements shall be certified and accompanied by a certificate from a Chartered Accountant in the prescribed form.

APPENDIX XXI-D

**QUARTERLY STATEMENT SHOWING THE ACCOUNT OF IMPORT AND DISPOSAL OF MATERIALS
IMPORTED BY EXPORT HOUSE/TRADING HOUSE M/S.....**

Importer Code No.....

Statement for the quarters ending March/June/September/December,

Description of goods imported	CIF value of opening balance in stock		CIF value of goods imported under-				Total of Column 2 to 7	Licence No. & date or Release Order No. and date against which goods in Column 3 to 6 were procured or date of import under OGL	CIF value of the goods disposed of during the quarter under report		Balance stock at the end of the quarter	Remarks
			REP Licence	Addi- tional- licence	Pro- cured against Release orders	The faci- lity in para 204-205 of the policy			To Actual Users with their names and addres- ses and the descrip- tion of goods manu- factured by them	For ex- port produc- tion on Export House's/ Trading House's own a/c in the manu- facturing establish- ments owned by others and the descrip- tion of goods manu- factured		
	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13

Name of the Export House/Trading House

Place :

Date :

Signature

Note : (1) The quarterly statement should be submitted even if there was no transaction during the quarter.

(2) In respect of imports and disposal of items (i) appearing in Appendices 3 and 5 Part-A of import policy, (ii) under para 204-205 of import policy and (iii) of components the Export Houses and Trading Houses should furnish the required information in separate parts of the statement and as laid down in the import policy.

APPENDIX XXII (Deleted)

APPENDIX XXIII—A
EXPORT APPLICATION FORM

FORM A-X

Form of Application for Export of controlled commodities

1. Name and address of the applicant.
2. Particulars of the items desired to be exported :—
 - (a) Description of item.
 - (b) ETC Classification.
 - (c) Quantity.
 - (d) F.O.B. Value.
3. Port of Shipment.
4. Ultimate destination to which export is desired.
5. Particulars of the applicant :—
 - (a) Year of establishment.
 - (b) Whether a Public Ltd. Co. /a Private Co./a partnership concern or an individual firm.
 - (c) Names of Directors/Partners/Proprietors.
 - (d) If a Private Co., a partnership concern or an individual firm, state whether any of the persons named in (c) above are directors, partners or proprietors of any other company or firm.
6. Name of applicant's Bankers.
7. If export is desired against quota allotted to the applicant the particulars of quota slip allotment letter to be furnished.
8. Has the applicant exported in the past, the commodity now applied for. If not, what relation he has with the internal trade of that commodity? Has he any previous experience of export trade? If so, the name of the principal commodities exported by applicant in the preceding 2 months should be indicated. If the applicant has been connected with the commodity as a manufacturer or dealer, indicate the volume of production or business.
9. Whether applicant is a member of any recognised Chamber or Trade Association? If so, particulars should be given.
10. List of enclosures.

I declare that what has been stated above is correct.

I/We hereby certify that the value, sort, specification, quality and description of the goods being exported as mentioned in the shipping bill/other relevant documents are true to the best of my/our knowledge and belief and also certify that the quality and the specification of the goods as stated in the shipping bill/other relevant documents are in accordance with the terms of the export contract entered into with the buyer or consignee in pursuance of which the goods are being exported.

Signature of Applicant.....
 Name in block letters.....
 Designation.....
 Full Residential Address.....

 Date.....

N.B.—(1) If the applicant is unable to provide an answer against any of column they should give positive reason for it.

(2) Applicants supplying false or incorrect information will be debarred from receiving quotas/licences in future.

(3) Application should be signed by the Proprietor, Partner or Manager, Director of the firm or by any person duly authorised to sign any legal declaration on behalf of the firm. The position held by the person signing the application should be clearly stated.

FORM B-X

APPLICATION FOR LICENCE TO EXPORT A
CONTROLLED ARTICLE BY POST

(Please read instructions below)

Name of applicant.....

Postal address.....

The undersigned hereby makes application for licence to export by post the undermentioned goods in respect of which the information furnished herein is certified to be true and correct

1. Full description, quantity, net weight and value of the goods.—

.....

2. Name and address of consignee.....
 use

3 Whether the goods are for trade purposes or for personal

4. Post Office at which parcels will be posted.....

(Signature of applicant)

Date..... :

To Joint/Deputy Chief Controller of Imports and Exports

(Entry below this line to be left blank by applicant)

DECISION

Licence No. granted for
 export of above noted articles (in Number.....)
 Parcels.

For Joint/Deputy Chief Controller of Imports and Exports
 Valid for three months from the date of issue.

APPENDIX XXIII-A *Concd.*

INSTRUCTIONS TO APPLICANTS

(1) The form should be presented in duplicate with the particulars fully filled in to the licensing authority and if a licence is granted should be handed over with the parcel at the Post Office of despatch.

(2) While giving the description, quantity and value of the goods against item 1, the number of Parcels and the quantity in each should also be stated.

(3) All the parcels covered by a single licence should be posted in one instalment.

FORM C-X

FORM OF APPLICATION FOR RECOGNITION AS ESTABLISHED EXPORTERS AND GRANT OF QUOTA ON CHANGE IN THE OWNERSHIP OF BUSINESS

1. Name of applicant.

(a) Trade or business name

(b) Address

(c) Name of branches, if any, with their addresses

(d) Ownership, whether

(i) individual

(ii) partnership

(iii) karta of undivided Hindu family

(iv) limited company

(v) any other associations or body of individuals.

(e) Name of individuals in case of (i), (iii) and (v) above, names of partners in case of (ii) above and names of directors in case of (iv) above.

Note.—In case of (ii), the partnership deed should be sent with the application.

2. (a) Trade or business name and address of the established exporter whose quota is sought to be transferred either wholly or in part.

(b) Names of branches, if any with their addresses. The details of branches closed in the past may also be furnished.

(c) Whether the established exporters in (a) above was :—

(i) an individual

(ii) a partnership

(iii) a karta of Hindu undivided family in respect of the family business.

(iv) limited company.

(v) any other association or body of individuals.

(d) Names of the individuals in case of (i), (iii) and

(v) above names of partners in case of (ii) and names of directors in case of (iv) above.

Note.—In case of (ii), the partnership deed should be sent with the application.

3. Date on which the business in (2) (a) above was first established.

4. In last transfers, if any, a quota allowed previously in respect of the business, the number and date of the order allowing such transfer.

5. Mention changes in the ownership of the business due to admission, retirement or death of partners or transfer of business or any other section whatsoever since 1st April, 1954 or data given in item (2) above or the date mentioned if any in item (4) above, whichever is latest.

6. Why was no application made for recognition of the change mentioned in (5) above?

7. Particulars of licences, if any, obtained without obtaining recognition of change (i.e. licence number, name of commodity, value of licence, licensing period and licensing authority).

8. Particulars of the quota sought to be transferred (i.e. Number, date and value of quota certificate the name of Commodity and the basic year as mentioned therein and the licensing authority).

9. Whether there is any order in force against the said established exporter under clause 7 and 8 of the Export (Control) Order, 1977 suspending issue of licences or debarring him from receiving licences and the number and the date of the order.

10. The share which applicants claim in the quota of the established exporters and any reason for the same.

11. List of documents enclosed with the application.

1.....

2.....

3.....

4.....

I/We hereby declare that the above statements, are true and correct to the best of my/our knowledge and belief.

I/We fully understand that the transfer/division of quotas if and when granted to me/us on the basis of statements furnished is liable to cancellation without prejudice to any other action that may be taken against me/us in this behalf, if any of the statements or facts given above are found to get incorrect or false at any stage.

Signature of Applicant.....

Name in block letters

Designation.....

Full Residential Address.....

.....

Date.....

APPENDIX XXIII-B

INTIMATION TO LICENSING AUTHORITY ABOUT
THE CHANGE IN THE OWNERSHIP/CONSTITUTION
OF AN ESTABLISHED EXPORTERS BUSINESS

1. Name of the business
2. Address.
3. Name of the branches if any with their address.
4. Nature of the change in the ownership/constitution of the business.
5. Date from which the change has taken place.
6. (a) Original ownership whether :
 - (i) Individual
 - (ii) Partnership.
 - (iii) Karta of Undivided Hindu Family.
 - (iv) Limited Company.
 - (v) Any other association or body of individuals.
 - (vi) Name of the individuals in the case of (i), (iii) and (v) above, names of partners in the case of (ii) above, the names of Directors in the case of (iv) above.
7. (a) New ownership whether :
 - (i) Individual.
 - (ii) Partnership.
 - (iii) Karta of Undivided Hindu Family.
 - (iv) Limited Company.
 - (v) Any other association or body of individuals.
 - (b) Names of individual in the case of (i), (ii) and (v) above, names of partners in the case of (iii) above, and names of Directors in the case (iv) above.

DECLARATION

I/We do hereby declare that there has been a change in the ownership/constitution of the business carried on in the name of M/s. as stated above. There is no change in the name of the business. I/We being the new owner/re-constituted concern have acquired that quota of the original concern as a whole. Our case is fully covered by paragraph..... of the Hand Book of Import-Export Procedures 1985-88 which we have carefully read.

I/We also declare that I/We have selected common basic year for the calculation of quota in respect of the same or similar items in accordance with paragraph of the Hand Book of Import-Export Procedures 1985-88.

I/We hereby declare that the above statements are true and correct to the best of my/our knowledge and belief and I/We fully understand that any licence claimed or granted to me/us on the basis of the above statements is liable to cancellation, in addition to any other penalty that the Government may impose or any other action that may be taken having regard to the circumstances of the case, if it is found that any of the statements or facts therein are incorrect or false.

Signature.....

Name (in Block Letters).....

.....

Full Residential Address.....

.....

.....

Note—(1) This declaration should be signed by person who is duly authorised to sign a declaration on behalf of the new owner or the reconstituted concern as the case may be. The person signing the declaration should clearly state the position held by him in the business.

(2) The declaration should be attested by a Notary Public/Oath Commissioner/1st Class Magistrate.

APPENDIX XXIII-C

**JURISDICTION OF LICENSING AUTHORITIES FOR RECOGNITION OF NEW ESTABLISHED EXPORTERS
AND GRANT OF QUOTAS**

Authority to whom applications for recognition of new established exporters and grant of quotas should be made	Jurisdiction	Authority to whom applications for recognition of new established exporters and grant of quotas should be made	Jurisdiction
1. Joint Chief Controller of Imports and Exports (Central Licensing Area) Indraprastha Bhavan 'A' Wing, New Delhi	States of Himachal Pradesh, Rajasthan and Jammu Kashmir, six districts of Uttar Pradesh namely Meerut, Ghaziabad, Bulandshahr, Muzaffarnagar, Saharanpur and Moradabad, Punjab, Haryana and Union Territories of Delhi and Chandigarh.	5. Deputy Chief Controller of Imports and Exports, II-6-860 Red Hills Hyderabad (Andhra Pradesh).	Andhra Pradesh.
2. Joint Chief Controller of Imports and Exports 4 Esplanade East, Calcutta	States of Assam, Bihar, Orissa, West Bengal, Manipur, Meghalaya and Tripura and Union Territory of Andaman and Nicobar Islands, Arunachal Pradesh and Mizoram.	6. Joint Chief Controller of Imports and Exports, Multistoreyed Building, Lal Darwaja, Ahmedabad.	Gujarat
3. Joint Chief Controller of Imports and Exports, New Central Government Offices Building, S. E. Wing, New Marine Lines Churchgate Bombay.	State of Maharashtra Madhya Pradesh and Union Territory of Goa Daman and Diu Dadra and Nagar Haveli.	7. Joint Chief Controller of Imports and Exports 7th Floor Caveri Bhawan, Bangalore.	Karnataka State (excluding Mangalore District).
4. Joint Chief Controller of Imports and Exports 39, Rajaji Saloi Madras.	State of Tamil Nadu (excluding Coimbatore District) and Union Territory of Pondicherry	8. Joint Chief Controller of Imports and Exports 117/2/444, Kakadeo, Kanpur-208025	Uttar Pradesh except those areas which are under the jurisdiction of JCCI & E (CLA) New Delhi.
		9. Deputy Chief Controller of Imports and Exports T.D. Road, Ernakulam.	Kerala State, Coimbatore District (Tamil Nadu State) Mangalore District of Karnataka State and Union Territory of Lakshadweep.

APPENDIX XXIII-D

EXPORT BAGGAGE RULES

BONAFIDE PERSONAL BAGGAGE OF A PASSENGER GOING OUT OF INDIA

For the purpose of exemption from export trade control restrictions *bona fide* personal baggage shall cover the following unused and used articles, upto the limits prescribed, provided that the articles are meant for the personal use of the passenger or for the members of his family travelling with him and are not intended for sale or transfer to other parties.

The Wild Life (dead or alive or part thereof or produce therefrom) specified in Part 'A' of Schedule I to the Exports (control) Order, 1977, shall not be treated as constituting such personal baggage..

Note : Export of animal species included in any of the Appendices to the Convention on International Trade in Endangered Species of Wild Fauna and Flora (CITES) shall be subject to regulation under CITES and special examination by the Regional Assistant Director, Wild Life Preservation, Government of India.

A. Used Articles :—

(i) Wearing Apparel.

(ii) Personal and household effects such as bed sheets, blankets, towels, Household linen, used foot wear of all kinds, spectacles and sun glasses, cigarette cases and ash trays, Kashmir artware, papier mache articles, small walnut wood articles, e.g. stools, small tea tables, a nest of table chairs, camp-cot etc. curtains, table covers, cushion covers, tea caddies, used kitchen utensils of brass, aluminium or copper, Indian curios "Not made of tiger, leopard, or panther or any wild animal's skins included in Part 'A' of Schedule I to the Exports (Control) Order, 1977" buttons and cuff-links, cutlery other than that made of silver, household crockery, earthenware and glassware, leather suit cases, hand bags, harness and saddlery, leather footwear of all sorts, musical instruments of all kinds including gramophones and records, pictures and photographs, framed and unframed, postage stamps, printed books, toys, requisites, for grammes, sports, perambulators, toilet requisites. woolen floors, carpets, floor rugs, pashmina shawls and woollen hosiery.

(iii) Cameras, watches, fountain-pens—2 of each per passenger.

(iv) Typewriter—one per adult passenger.

(v) Home cine-equipment, wireless reception sets (radios) and sewing machine (Foreign or Indian)—one each per family.

(vi) Clocks or timepieces, binoculars, bicycles (Foreign or Indian)—one of each per adult passenger.

(vii) Minor electric appliances e.g. table fan, lamp, kettle, iron plugs, sockets, etc—within reasonable quantities.

(viii) Professional instruments, apparatus and appliances required by a passenger for his own use, e.g. tools of a craftsman, any instruments of a physician or surgeon which they normally carry with them.

(ix) Domestic silverware and furniture : Normally persons going out of India for a holiday or a short trip will not be allowed to take out domestic silverware or furniture. In other cases, export will be allowed upto the limits or value indicated below :—

(a) Passengers who have come to India from outside and are leaving the country for good after a prolonged stay may take out silverware upto

Rs. 3000/-. This facility will also be allowed to foreigners who have been staying in India for a period of 2 to 3 years or more and thereafter go back to their countries.

(b) Casual visitors going abroad for short trips, Rs. 200 per head subject to a limit of Rs. 400 per family provided the silverware is in actual use of the passengers.

(c) Persons going out of the country after a prolonged stay will be allowed to take away the furniture which has been in their use.

(d) Persons going to live abroad for an indefinite length of time of not less than 6 months will be allowed to take furniture items for their own bona fide requirements.

Note :—

(i) Indian Nationals emigrating to foreign countries or going abroad for indefinite stay may be allowed to take out silverwares upto Rs. 2,000/- in value with the permission of the Reserve Bank of India.

(ii) Gift articles made of silver will not be allowed to be sent out by Indian Nationals to relatives or friends abroad, irrespective of the value of such gifts.

(iii) Drugs and medicines Rs. 200/- per family.

B. New Articles :—

(1) Sewing threads—1 kg. per passenger.

(2) Dyes and colours, all sorts—500 gms. per family.

(3) Unexposed films—4 spools per passenger, provided the passenger is taking out a camera.

(4) Exposed films in reasonable quantities

(5) Foodstuffs,

Wheat and wheat flour	9 kg. per passenger, but not exceeding 36 kg. per family.
-----------------------	---

Rice	. . .	—Do—
------	-------	------

Pulses	. . .	—Do—
--------	-------	------

Edible Oil	. . .	—Do—
------------	-------	------

Sugar	. . .	4.5 kg. per head but not exceeding 18 kg. per family.
-------	-------	---

Pepper and Chillies	. . .	1 kg. per head but not exceeding 4.5 kg. per family.
---------------------	-------	--

Tea and Coffee	. . .	1 kg. of Tea and 2 kg. of Coffee per head.
----------------	-------	--

Butter and Ghee	. . .	4.5 kg. per passenger but not exceeding 18 kg. per family.
-----------------	-------	--

Cardamon	. . .	500 grammes per passenger but subject to 2 kgs. per family of five or more members.
----------	-------	---

(6) Chocolates and Chocolate confectionary in reasonable quantities.

APPENDIX XXIII-D *contd.*

- (7) Processed fruit products such as Jams, Marmalades, Jellies and crystallised fruits, syrup and fruits, squashes—in reasonable quantities.
- (8) Other food-stuffs such as sauces, condiments, curry powder, tamarind, multispices (other than pepper and chillies), cashew-nuts and walnuts—in reasonable quantities
- (9) Indian sweets and home-made sweets preparations—in reasonable quantities.
- (10) Indian piggery products, viz., lard, bacon and ham—in reasonable quantities.
- (11) Textile and garments etc. of Indian manufacture only :—
 - (a) Cotton cloth or garments.
 - (b) Silk or art silk cloth or garments.
 - (c) Woollen cloth

There is no restriction on the export of the above-mentioned textile as *bona fide* baggage provided these are not intended for commercial purposes or sale.

- (d) Knitting wool 2.25 Kg. per lady passenger only.
 - (12) Zari :—
 - (a) per passenger—2.25 kg.
 - (b) per family—4.5 kg.
 - (13) Kashmir Artware in reasonable quantities.
 - (14) Curios of Indian make, "Not made of tiger, leopard or panther or any wild animal skins included in Part 'A' Schedule I to the Exports (Control) Order, 1977".

To tourist without permit

Rs. 500/- subject to the condition that goods do not fall under the purview of the Antiquities (Export Control) Act, 1947.
 - (15) New kitchen utensils.
- Stainless steel and aluminium are decontrolled for export. In case any passenger desires to take the articles in excess of the prescribed limits, he should obtain permit from Assistant Collector, Preventive Department in respect of uncontrolled article or from the Export Trade Control authorities in respect of controlled articles
- (16) Electric bulbs (foreign or Indian)—1 dozen per family.
 - (17) Article made of peacock feathers—in reasonable quantity.

C. Arms and Ammunitions.

(1) Personal arms and ammunition will be allowed to be taken out provided the passenger has either a valid possession licence thereof or is exempted from having such a licence under the Indian Arms Act.

(ii) A person who has purchased bonafide replicas of anti-que weapons which have been rendered innocuous in India intended for his personal use and desire to carry them upto four pieces only as part of his baggage while leaving India may be allowed to take these with him at the discretion of the customs authorities not below the rank of an Assistant Collector of Customs at the port of departure on production of the voucher/sale memo certifying that the replicas have been inspected by the competent authorities.

2. *Export Trade Control Restriction* : Controlled articles not covered by the foregoing paragraphs require a licence from the Export Trade Control authorities for their legal

Export. The Customs Collector may, however, in his discretion relax the Export Trade Control restriction in respect of the categories of passengers mentioned below to the extent specified against each category provided he is satisfied that (a) the goods are for the *bona fide* requirements of the passengers and (b) the goods are mainly produced or manufactured in India :—

I. *Bonafide Foreign Tourists* :—Goods other than those specified in Part A of Schedule I to the Exports (Control) Order, 1977, may be taken to their country of residence, without any monetary limit, on production of documentary evidence to the Customs authorities that the goods have been purchased against payment in foreign exchange. However, silverware will be allowed only upto Rs. 200/- per head subject to the limit of Rs. 400/- per family.

II. Passengers other than Foreign Tourist :—

Articles not exceeding Rs. 2000/- (Two Thousand Only) in value may be taken out by passengers other than foreign tourists. However, within the above limit, Silverware will be allowed only upto Rs. 200/- per head subject to a maximum of Rs. 400/- per family.

3. *Commercial Samples* :—Commercial travellers will be allowed to take out commercial samples in reasonable quantities even if they consist of controlled commodities.

4. Foreign Exchange Regulations.

(i) Indian Currency

Travellers going out of India have been prohibited from taking with them Indian currency notes and coins except to the limited extent as indicated below :

- (a) For presentational purposes two pieces each of Rs. 50/- and Rs. 10/- coins with development oriented design in uncirculated quality.
- (b) Persons proceeding to Nepal—Without limit (excluding notes of the denominations of Rs. 100 or higher).
- (c) Deck passengers to Burma, Malaysia, Singapore, Gulf Ports or East Africa—Not exceeding Rs. 20/- per person.
- (d) Passengers to Bangladesh, Ceylon or Pakistan—Not exceeding Rs. 20/- per person.

(ii) Foreign Exchange

(a) Any person proceeding from India may take with him freely foreign exchange in the form of foreign currency notes, coins, drafts, travellers cheques or letter of credit obtained from an authorised dealer in foreign exchange provided necessary endorsement in support of the issue of such foreign exchange has been duly made on his passport by the concerned authorised dealer.

(b) General permission has also been granted by the Reserve Bank of India :

- (1) to any person to take to Nepal, currency notes or coins of Nepal without limit;
- (2) to any person, not ordinarily resident in India to take out of India an amount of foreign currency not exceeding the amount brought in by him in foreign currency provided that the amount had been declared by him to the Customs authorities on arrival in India on the prescribed form.
- (3) to any person proceeding outside India other than those proceeding to Bangladesh, Bhutan and Nepal to take out any foreign currency notes and coins upto the equivalent of Indian Rs. 200/- per person.
- (4) to any person proceeding to Bangladesh to take out any foreign currency notes and coins upto the equivalent of Indian Rs. 100/- per person.

APPENDIX XXIII-D *concl.*

(iii) Jewellery

(a) *Non gold jewellery*.—Any person may take out of India at any one time precious stones and jewellery, other than articles made wholly or mainly of gold as indicated below :—

- (i) Travellers to Afghanistan, Iran or Gulf Countries in the Middle East—Rs. 2,000/- in value.
- (ii) Travellers to any other country or place Rs. 5,000/- in value.

Exception—Any person other than a person domiciled in India may take out with him any precious stones or jewellery brought by him into India on his arrival in the country without limit and precious stones or jewellery other than articles made wholly or mainly of gold purchased by him in India upto a further Rs. 10,000/- in value.

(b) *Gold Jewellery* :—General permission has been granted by the Reserve Bank to any person ordinarily resident in India to take at any one time out of India personal jewellery made mainly or wholly of gold upto Rs. 5000/- in value, which is worn on his person or which form part of his personal baggage.

Exception—Any person not ordinarily resident in India may take out from India, jewellery made mainly or wholly of gold, without limit provided that the jewellery was previously brought by him into India from abroad with the permission of the Customs authorities. Such a person may also take at any one time out of India, jewellery made mainly or wholly of gold upto Rs. 2,000/- in value purchased by him in India.

(iv) Gold and articles made of gold other than jewellery.

The export of gold coins, bullion, ingots and articles (other than jewellery) made wholly or mainly of gold is prohibited unless specially permitted by the Reserve Bank of India.

5. *Export of Securities* :—The taking or sending of any securities to any place out side India is prohibited, except with the special permission of the Reserve Bank of India.

6. *Export declaration Forms*—All passengers are required to file a Custom Export Declaration form which will be supplied to them free of charge at the time of embarkation by the Customs Officer on duty.

7. *Export Certificate* :—Passengers are advised to obtain export certificates for those articles of personal property which are intended to be reimported into India to ensure that they do not have to pay duty on their subsequent re-import.

APPENDIX XXIII-E

SHIP STORES

[PUBLISHED IN THE PART II, SECTION 3, SUB-SECTION (ii) OF THE GAZETTE OF INDIA DATED 2-8-1975]

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT
(TRANSPORT WING)

New Delhi, the 15th July 1975

NOTIFICATION
(Merchant Shipping)

S.O. No. 2473.—In pursuance of clause (g) sub-section (2) of section 101 of the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of

1958), and in supersession of the notification of the Govt. of India in the late Ministry of Transport and Shipping (Transport Wing) published under S.O. No. 2169, dated the 21st June, 1967 the Central Government hereby fixes the scales of provisions set out in the annexed schedule, to be the minimum scales which shall be supplied to the seamen engaged on ships on the Articles of Agreement approved by the Government of India, with effect from the 1st March, 1975.

SCHEDULE

Revised Scale of Provisions for Seamen signing on Indian Articles of Agreement (Foreign Going)

1. Rice (a)	Daily	350 Grms
2. Flour or Atta and bread (b) (bread to be made available daily, when practicable)	Daily of which 80 grams shall be flour or atta.	160 „
3. Dal—Tur, Moong, Masoor or Split Peas (a)	Daily	80 „
4. Fresh Fish (whole) variety to be supplied, where available—six days a week (c)	„	110 „
5. Fresh Meat (with bones and normal fat—fat not to exceed 1/7th portion—Six days a week (d))	„	170 „
6. Vegetables (e)	„	345 „
7. Edible Oil (f)	„	25 „
8. Ghee (Agmark or other good quality)	„	45 Grms.
9. Curry stuff (g)	„	25 „
10. Tamarind or Cocum	„	10 „
11. Salt	„	25 „
12. Pickle or Chutney	„	15 „
13. Butter	„	20 „
14. Jam	„	10 „
15. Tea and/or Coffee (h)	„	10 „
16. Sugar	„	40 „
17. Condensed Milk	„	135 „
18. Chicken—once a week (eviscerated)	„	225 „
19. Eggs	„	1 Number
20. Fruit (six days a week) (i)	„	One whole piece or 115 Grms.
21. Ice Cream—Once a week (when not supplied, fruit will be supplied)	„	115 Grms.
22. Lime Juice	„	15 „
23. Water	Weekly	28 Qrts.
For Tankers Fresh Milk (Homogenised or Ultra Heat treated milk)	„	1 Pint

Notes :

When a seaman is ill and off duty, biscuits, tea or coffee and sugar shall be given to him with arrow-root or sago as needed.

(a) In bad weather, when unable to cook rice and Dal 185 Grms. of biscuits and additional 60 Grms. of sugar shall be substituted.

(b) When Bread is not supplied 160 Grams. of flour or atta shall be supplied.

(c) When fresh fish is not available tinned fish or pickled herrings shall be supplied in lieu of fresh fish in the proportion 1 : 2.

APPENDIX XXIII-E *conclu*

- (d) Mutton shall be supplied to seamen who decline to take beef or pork.
- (e) Out of 345 Grms, 115 Grms, shall be Potatoes, 115 Grms, shall be Onions; 115 Grms. Fresh vegetables like Beans, Brinjals, Brussels, Sprouts, Cabbage, Couli flower, Ladies Fingers, Capsicum or Peas or suitable available alternatives shall be supplied in order to provide variety.

As far as possible, Tomatoes should be supplied at least once a week. The same vegetables should not be repeated on more than two consecutive days. When fresh vegetables are not available, dehydrated vegetables can be supplied in the proportion 1 : 4.

- (f) Til or Kardai oil for Bombay Seamen; Mustard oil for Calcutta seamen whenever available; coconut or Groundnut oil otherwise.
- (g) Out of 25 Grms, of curry stuff, 18 Grms, should consist of red chillies, coriander seeds, turmeric, mustard, dry or green garlic, desicated or dry coconut, and 7 Grms. 'Garam Masala' i.e. cinnamon, cloves, cardamom, cummin seeds, black papper, poppy seeds, nutmeg, and mace, when fresh coconut is available, it shall be supplied in place of dry or desicated coconut.
- (h) When instant coffee is supplied instead of powder coffee, it should be in the proportion of 1 : 4.
- (i) When large fruit such as Papaya, Water Melon etc is supplied, it shall be 115 Grms.
- (k) Where fresh milk is not supplied, 100 Grms. of dried milk will be supplied weekly.

- (l) During such periods as may be declared periods of foodgrains scarcity by the Director General of Shipping, if and when rice is not available in the quantities required, the daily scale of rice may be reduced in units of 25 grms, and as compensation therefor the scale of other items shall be increased per day as indicated below :—

10 Grams of fresh fish, or
5 grams of meat, or
50 grams of dry vegetables, or
25 grams of fresh vegetables.

- (m) Whenever provisions are issued in tinned containers, the standard packings nearest to the grams weight as per above scale will be accepted by the seamen.

COLD WEATHER SCALE :

*In the cold weather, an additional 10 grms. of Tea and/or Coffee, 10 grms. of sugar and 5 grms. of condensed milk shall be supplied daily. No lime Juice will be supplied in cold weather.

The Scale for 'Cold Weather' shall apply—

- (i) In the Northern Hemisphere during the months of October to March inclusive and North of 30°N in the Atlantic Ocean and elsewhere North of 24°N.
- (ii) In the Southern Hemisphere during the months of May to September inclusive and South of 30°S [No. MSE(9)/75-MT]

Sd/- D. C. Ahir
Under Secretary to the Govt. of India

APPENDIX XXIII-F

RESTRICTION ON FOREIGN PARCELS UNDER THE
IMPORTS AND EXPORTS (CONTROL) ACT, 1947

In supersession of the instructions contained in paragraph 1 of Director General's Post Office Circular No. 21 dated the 30-12-1970 as amended from time to time, the following revised instructions, which take effect immediately, are published on the accompanying postal Notice for the information and guidance of all concerned.

2. Export of all articles, with the exception of those mentioned in Schedule 1 to the Exports (Control) Order, 1968, should be allowed by post without licence to all permissible destinations.

Note.—By 'permissible destinations' is meant countries with which this Administration maintains mail service (letter and parcels) and those countries with which there is no trade ban.

POSTAL NOTICE

No. 13 dated 3-12-73.

In supersession of Postal Notice No. 18 dated December 1970 the following revised instructions are published for the information and guidance of all concerned.

1. Except for goods included in Schedule I to Exports (Control) Order, 1968 export of other goods as gifts or for commercial purposes by post parcels will be allowed to all permissible destinations without production of licences under the Imports and Exports (Control) Act, 1947.

3. With the exception of what is detailed in sub-para (i) to (x) below, items shown in Schedule I to the Exports (Control) Order 1968 will not be allowed for despatch by post unless they are covered by licences issued by the Export Trade Control authorities.

(i) Commercial samples, when covered under OGL No. 2 upto values indicated in Schedule IV to the Exports (Control) Order, 1968.

(ii) Silver Zari goods, without any monetary limit, whether for commercial purpose or as gift.

(iii) Hand woven woollen carpets and Woollen Chain stitched Rugs shown against Item No. 23 in Part B of Schedule I to the Exports (Control) Order, 1968, when exported as gifts without monetary limit.

(iv) Footwear, all types, shown against Item No. 50 in Part B of Schedule I to the Exports (Control) Order, 1968 upto Rs. 200/- in value when despatched as gifts.

(v) Handloom stripped bed-spreads known as 'Etawah stripes' shown against Item No. 21 (i) in Part (B) of Schedule I to Exports (Control) Order, 1968 upto Rs. 200/- in value for each parcel when despatched as gift.

(vi) Handloom cloth of lungi design of non-fast colours (including those having bleeding properties) and garments made there from shown against Item No. 21(ii) in Part B of Schedule I to Exports (Control) Order, 1968 upto Rs. 200/- in value for each parcel, when despatched as gift.

(vii) Exports of Cotton manufactures to U.K., U.S.A., Austria, West Germany, France, Italy and Benelux countries shown against items Nos. 21(iii), (iv), (viii), (ix), (x), (xi) and (xlii) in Part B of Schedule I to the Exports (Control) Order, 1968 upto Rs. 200/- in value for each parcel when despatched as gift.

(viii) Cellulosic Art Silk Fabrics shown against Item No. 21(vi) in Part B of Schedule I to the Exports (Control) Order, 1968 upto Rs. 200/- in value for each parcel when despatched as gift.

(ix) Nylon Fabrics shown against Item No. 21(xii) in Part B of Schedule I to the Exports (Control) Order, 1968 upto Rs. 200/- in value for each parcel when despatched as gift.

(x) Silver coins where (i) export value is not less than the price of silver contents, (ii) permission of the Reserve Bank of India has been obtained, (iii) antiquity clearance has been obtained from the Archaeological Department of the Ministry of Education for coins more than 100 years old; and (iv) the relevant shipping bills are endorsed by a competent Customs Officer.

4. Notwithstanding what has been stated above, exports by post will continue to be subject, where necessary, to the P.P. Form and other procedure laid down in the Postal Notice No. 12 dated the 25-5-1951 as amended from time to time regarding restrictions on the export of goods by post to countries outside India under the Foreign Exchange Regulation Act, 1947 (VI of 1947).

5. The provisions of this Postal Notice will also apply to the Exports of goods by air postal parcels provided the parcels do not exceed 5 (five) Kg. in weight.